इंटरनेशनल बेस्टसेलर *Inferno* का हिंदी अनुवाद

डैन ब्राउन

इन्फ़र्नो

'तेज़, चतुर, सूझ-बूझ वाले...
डैन ब्राउन बौद्धिक, दिलचस्प रचनाओं के मास्टर हैं!'
वॉल स्ट्रीट जर्नल

पेंगुइन स्वदेश

इन्फर्नो

डैन ब्राउन बेस्टसेलर *द विंची कोड* के लेखक हैं, जो सर्वकालीन रूप से दुनिया के सबसे ज़्यादा पढ़े जाने वाले उपन्यासों में से एक है । साथ ही उन्होंने *एजेंल्स एंड डीमन्स*, *डिसेप्शन प्वांइट* और *डिजिटल फोट्रेस* नाम की पुस्तकों का लेखन किया है। वर्तमान में वे न्यू इंग्लैंड में अपनी पत्नी के साथ रहते हैं।

अनुवादक परिचय

राजेश कुमार झा को अनुवाद और संपादन के क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है। ओरहान पामुक के उपन्यास *माई नेम इज रेड* और वीएस नायपॉल के लेखों के अनुवाद उनके कुछ महत्त्वपूर्ण कार्यों में शामिल हैं। विश्व कविता के अनुवाद में उनकी विशेष रुचि है, जो अनेक साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। इन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एमए और एमफिल किया है।

रॉबर्ट लैंग्डन सीरीज़ की डैन ब्राउन की अन्य पुस्तकें

द विंची कोड
एंजेल्स एंड डीमन्स
डिसेप्शन प्वाइंट
डिजिटल फोर्ट्रेस
द लॉस्ट सिम्बॉल

डैन

ब्राउन

इन्फर्नो

अनुवाद : राजेश कुमार झा

मेरे माता-पिता के लिए

अनुक्रम

आभार

मेरा विनम्र और हार्दिक आभार:

हमेशा की तरह सबसे पहले और सबसे अधिक, मेरे संपादक और करीबी मित्र, जेसन कॉफमैन की निष्ठा और प्रतिभा के प्रति. . .लेकिन ख़ासकर उनके विनोदपूर्ण स्वभाव के लिए।

मेरी असाधारण पत्नी ब्लाइद के लिए। लेखन के दौरान उसके प्यार और धैर्य के प्रति और अगली पंक्ति के संपादक के रूप में उसकी अद्भुत अंतश्चेतना और स्पष्टवादिता के लिए।

मेरे अथक एजेंट और विश्वासी मित्र हाइड लैंज के प्रति जिसने न जाने कितने देशों और कितनी बातचीतों में कितने ही विषयों पर चर्चा की होगी, जिसके बारे में मुझे जानकारी तक नहीं। उसकी दक्षता और ऊर्जा के प्रति मैं हमेशा आभारी रहूँगा।

डबलडे की पूरी टीम के प्रति जिन्होंने मेरी किताब के लिए अद्भुत उत्साह और रचनात्मकता का परिचय दिया, मेहनत की। सुजेन हर्ज के प्रति मेरा आभार, जो पता नहीं कितने किरदारों में एक साथ और उतने ही अच्छे ढंग से काम करती रही हैं। बिल थॉमस, माइकल विंडसर, जूडी जैकबी, जो गैलाघर, रॉब ब्लूम, नोरा रिचर्ड, बेथ मेइस्टर, मारिया केरेला, लोरेन हेलैंड के साथ ही सोनी मेहता, टोनी चिरिको, कैथी ट्रैगर, एनी मेसिटे और मार्कस डोले के अनंत सहयोग के लिए आभार। रैंडम हाउस के विक्रय विभाग के अद्भुत लोगों के लिए. . .सचमुच आप अतुलनीय हैं।

मेरी असिस्टेंट सुसान मोरहाउस के प्रति आभार। उसके जैसा शायद ही कोई दूसरा व्यक्ति होगा। उसकी सौम्यता और जीवंतता के बिना शायद सभी चीज़ें इधर-उधर बिखर जाती।

ट्रांसवर्ल्ड के मेरे सभी साथियों के प्रति आभार। ख़ासकर, बिल स्कॉट-केर की रचनात्मकता, सहयोग और उत्साहवर्धन के लिए। गेल रीबक के बेहतरीन नेतृत्व के लिए मेरा आभार।

इटली में मेरे प्रकाशक मोंडाडोरी के प्रति मैं अपना आभार व्यक्त करता हूँ, ख़ासकर रिकी कावालेरो, पियरा क्यूसानी, जियोवानी डुटो, एँटोनियो फ्रैंचिनी और क्लाउडिया शियु के लिए। तुर्की में मेरे प्रकाशक एल्टिन किटपैलर और ख़ासकर ओया एल्पार, एर्डेन हेपर और बाटू बोजकुर्ट के प्रति मैं अपना आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने इस किताब में आए स्थानों के बारे में विशेष सुविधाएँ उपलब्ध कराई।

दुनिया-भर के मेरे असाधारण प्रकाशकों के प्रति, उनके उत्साह, कठिन श्रम और प्रतिबद्धता के प्रति मैं अपना आभार व्यक्त करता हूँ।

लंदन और मिलान में अनुवाद के स्थानों से संबंधित व्यवस्था को बेहतरीन ढंग से पूरा

करने के लिए लिओन मोंटालवो और लुसियानो गुगलिएल्मी के प्रति मैं अपना आभार व्यक्त करता हूँ।

प्रतिभाशाली डॉक्टर मार्टा गोंजालेज का मैं आभारी हूँ, जिन्होंने फ़्लोरेंस में मेरे साथ इतना वक़्त दिया और इस शहर के कला और स्थापत्य के साथ मेरा जीवंत परिचय करवाया।

अद्वितीय मॉरिजियो पिंपोनी के प्रति भी मैं अपना आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इटली की हमारी यात्रा को बेहतरीन बनाने के लिए इतना कुछ किया।

मैं सभी इतिहासकारों, गाइडों और विशेषज्ञों के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने फ़्लोरेंस और वेनिस में उदारतापूर्वक हमारे साथ वक़्त बिताया और अपने विशिष्ट ज्ञान से हमारा परिचय करवायाः बिब्लियोटेका मेडिसिआ लॉरेंजियाना में जिओवाना राव और युजेनिया एँटोनुची, पालाजो वेशियो में सेरेना पिनी और उनका स्टाफ, उफिजी गैलरी में जिओवाना जिउस्टी, बैप्टिस्टेरी और इल्ल डुओमो में बार्बरा फेडेली, सेंट मार्क बेसिलिका में एटोरे विओ और मासिमो बिसन, डोज के महल में जिओर्जिओ टैग्लियाफेरो, वेनिस में इसाबेला डी लिनार्डो, एलिज़ाबेथ कैरोल कंसावरी और एलीना स्वालडुज, बिब्लियोटेका नैजियोनेल मेरचियाना में एनालिसा ब्रुनी और उनके स्टाफ। इसके अलावा इस संक्षिप्त सूची में जिन लोगों का नाम मैं शामिल नहीं कर पाया उनके प्रति मैं हार्दिक आभार अभिव्यक्त करता हूँ।

मेरे लिए सैनफर्ड में राचेल डिलोन और स्टीफेनी डेलमान, जे ग्रीनबर्जर एसोशिएट्स ने यहाँ और विदेश में, जो कुछ भी किया उसके लिए मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

असाधारण प्रतिभावान डॉक्टर जॉर्ज एब्राहम, डॉक्टर जॉन ट्रीनर और डॉक्टर बॉब हेल्म के वैज्ञानिक दक्षता के प्रति मैं अपना आभार व्यक्त करता हूँ।

पांडुलिपि को शुरुआती दौर में पढ़कर लगातार अपने दृष्टिकोण से परिचित करवाने वाले ग्रेग ब्राउन, डिक और कॉनी ब्राउन, रेबेका कॉफमैन, जेरी और ओलिविया कॉफमैन तथा जॉन चैफी के प्रति भी मेरा आभार।

वेब निष्णात एलेक्स कैनन और सैनबर्न मीडिया फैक्ट्री की उनकी टीम ऑनलाइन दुनिया में चीज़ों को ज़िंदा रखती है। आभार।

ग्रीन गैबल्स के भीतर शांतिपूर्ण शरणस्थली उपलब्ध कराने के लिए मैं जुड और कैथी ग्रेग का आभार व्यक्त करता हूँ, जहाँ मैंने इस किताब के आख़िरी अध्यायों को पूरा किया।

प्रिंसटन दांते प्रोजेक्ट, कोलंबिया विश्वविद्यालय के डिजिटल दांते और वर्ल्ड ऑफ़ दांते के बेहतरीन ऑनलाइन संसाधनों के प्रति भी मैं अपना आभार व्यक्त करता हूँ।

इन्फर्नो

नरक का सबसे अंधेरा कोना उन लोगों के लिए सुरक्षित रहता है, जो नैतिक संकट के क्षणों में निष्पक्ष बने रहते हैं।

☞ तथ्य

इस उपन्यास में इस्तेमाल किए गए सभी चित्र, साहित्य, विज्ञान और ऐतिहासिक संदर्भ वास्तविक हैं।

‘द कंसोर्शियम’ एक निजी संस्था है, जिसके सात देशों में दफ्तर हैं। सुरक्षा और निजता को ध्यान में रखकर इसके नाम को बदल दिया गया है।

दांते एलगिएरी ने अपनी महाकाव्यात्मक रचना *द डिवाइन कॉमेडी* में *इन्फर्नो* की कल्पना की है। इसमें नरक की परिकल्पना एक विस्तृत ढंग से निर्मित क्षेत्र के रूप में की गई है, जिसमें ‘शेड्स’ नाम का अस्तित्व निवास करता है। इनका शरीर नहीं होता और ये जीवन और मृत्यु के बीच फँसे होते हैं।

प्रस्तावना

मैं परछाई हूँ।

गमगीन शहर से दूर, भाग रहा हूँ मैं।

चिर-वेदना से पलायन कर रहा हूँ मैं।

अर्नो नदी के तट पर मैं बेतहाशा भागा जा रहा हूँ, साँस उखड़ रही हैं मेरी. . .बाई ओर डेई कैस्टेलिनी से होते हुए मैं उत्तर दिशा में जा रहा हूँ, उफिजी की परछाई में चुपचाप बचता बचाता।

फिर भी वे मेरा पीछा कर रहे हैं।

उनके कदमों की आहट और भी तेज़ होती जा रही है। वे दृढ़-संकल्प होकर शिकार के पीछे लगे हैं।

वे वर्षों से मेरे पीछे लगे हैं। लगातार, पक्के इरादे के साथ वे मेरा पीछा कर रहे हैं और मैं चुपचाप कहीं छुपा हूँ. . .उन्होंने मुझे नरक में रहने के लिए मजबूर किया है. . .धरती के भीतर मैं किसी पाताल के राक्षस की तरह दबा हुआ हूँ।

मैं परछाई हूँ।

धरती के ऊपर, इस जगह मैं अपनी नज़रें उत्तर दिशा की ओर करता हूँ, लेकिन मुझे मुक्ति का सीधा रास्ता नहीं दिखाई देता..एपेनाइन के पहाड़ सुबह की पहली किरण को रोके खड़ी हैं।

मैं पालात्ज़ो के पीछे जाता हूँ, जहाँ मीनार पर संतरियों के खड़े होने की जगहें बनी हैं, जहाँ एक हाथ वाली घड़ी दिखाई देती है। पिआत्ज़ा डि सैन फिरेंजी में सुबह सुबह रेहड़ी वालों की घिघियाती आवाज़ों में पशुओं के आँत से बने *लैंप्रेडेटो* और भुने हुए जैतून की गंध आती है। बारगेलो के पहले उस ओर जाते हुए मैं पश्चिम की ओर बाडिया की मीनारनुमा चोटी की तरफ मुड़ जाता हूँ, जहाँ मेरे सामने सीढ़ियों के ठीक नीचे बना लोहे का दरवाज़ा आ खड़ा होता है।

यहाँ सभी दुविधाओं को पीछे छोड़ना होगा।

मैं हैंडल घुमाकर गलियारे में घुसता हूँ। मैं जानता हूँ कि यहाँ से वापस आना मुमकिन नहीं। मैं पत्थर की तरह जम चुके अपने पैरों को घसीटता हुआ संकरी सीढ़ी पर आगे बढ़ता हूँ. . .जो गोल गोल घूमता हुआ आसमान को चूम रहा है, जिसका मुलायम संगमरमर का बना पायदान लंबे समय तक इस्तेमाल की वजह से घिस चुका है और टूटा फूटा दिख रहा है।

नीचे से गूँजती आवाज़ें सुनाई दे रही हैं। याचना करती हुई।

वे मेरे पीछे हैं। उन पर कोई असर नहीं हो रहा। वे मेरे करीब आ रहे हैं।

उन्हें पता नहीं कि उनके पीछे कौन आ रहा है. . .न ही वे यह जानते हैं कि मैंने उनके लिए क्या किया है।

कृतघ्न स्थान।

ऊपर जाते हुए मेरे सामने मुश्किल दृश्य दिखाई दे रहे हैं. . .वासना में डूबे शरीर आग की बारिश में तिलमिला रहे हैं, भूखी आत्माएँ पेशाब-पाखाने में लोट रही हैं, धोखेबाज दुष्टात्माएँ शैतान की बर्फीली गिरफ्त में जमी हैं।

मैं आख़िरी सीढ़ी पर चढ़ता हूँ और सबसे ऊपर पहुँच जाता हूँ। सुबह की गीली हवा में लड़खड़ाता हुआ, मुर्दे की तरह। मैं आदमकद दीवार के पास तेज़ी से जाता हूँ। इसमें बनी दरारों से बाहर झाँकता हूँ। बहुत नीचे मुझे वह पवित्र शहर दिखाई देता है जिसे मैंने निर्वासित करने वालों से बचने के लिए अपनी शरणस्थली बनाया है।

आवाज़ें मुझे बुला रही हैं। वे मेरे पीछे काफी नज़दीक आती सुनाई दे रही हैं। 'तुमने पागलों जैसी हरकत की है।'

पागलपन से पागलपन पैदा होता है।

'ईश्वर के लिए तुम्हारे प्यार की कसम', वे चिल्लाते हुए कह रहे हैं, 'बताओ, तुमने उसे कहाँ छुपाया है।'

ईश्वर के प्यार की वजह से ही मैं यह नहीं बताने वाला हूँ।

मैं खड़ा हूँ। मैं घिर चुका हूँ। मेरी पीठ दीवार के ठंढे पत्थर से सटी है। वे मेरी साफ, हरी आँखों के अंदर घूर रहे हैं। उनके चेहरे का भाव डरावना होता जा रहा है। वे अब मुझसे आग्रह नहीं कर रहे, धमका रहे हैं। 'तुम जानते हो कि हमारे अपने तरीके होते हैं। हम तुम्हें उस जगह के बारे में बताने के लिए मजबूर कर सकते हैं।'

इसी वजह से मैं स्वर्ग से इतनी दूर आया हूँ।

बिना किसी चेतावनी के मैं ख़ुद को घसीटता हुआ मुड़ता हूँ। ऊपर जाने की कोशिश में मेरी उंगलियाँ छज्जी को छू रही हैं। मैं ख़ुद को ऊपर की तरफ ले जाने की कोशिश कर रहा हूँ, मैं अपने घुटनों के बल दौड़ रहा हूँ, फिर खड़ा हो जाता हूँ. . .बिलकुल किनारे, अस्थिर। *हे वर्जिल, मुझे रास्ता दिखाओ, इस शून्य के उस पार ले जाओ।*

अविश्वास से भरकर वे दौड़कर आगे आते हैं और मेरा पैर पकड़ने की कोशिश करते हैं, लेकिन उन्हें डर है कि मैं डगमगाकर नीचे न गिर जाऊँ। उनके ऊपर हताशा छाई हुई है और वे मुझसे विनती कर रहे हैं, लेकिन मैंने अपनी पीठ मोड़ ली है। मुझे मालूम है कि मुझे क्या करना है।

मेरे नीचे, सिर को चकराने वाली ऊँचाई से नीचे की तरफ, लाल खपरैल छतें दिखाई दे रही हैं, जैसे गाँवों में आग का दरिया फैला हो, जो चिकनी सपाट ज़मीन पर चमचमाहट बिखेर रही हैं, जहाँ कभी महान आत्माएँ विचरण करती थी. . .जिओटो, डोनाटेलो, माइकल

एँजेलो, बोटी
चेली।
मैं किनारे की तरफ हल्के से अपने पाँव का अंगूठा आगे करता हूँ।
‘नीचे आओ,’ वे चिल्लाकर कहते हैं। ‘अब भी देर नहीं हुई है।’
अरे, ज़िद्दी बेवकूफो! क्या तुम्हें अपना भविष्य दिखाई नहीं दे रहा? क्या तुम्हें मेरी सृष्टि की भव्यता नज़र नहीं आ रही? ज़रूरत?
मैं खुशी-खुशी अंतिम बलिदान देने के लिए तैयार हूँ..और इसके साथ हार्पर मैं वह भी ख़त्म कर दूँगा, जिसकी तुम्हें तलाश है।
तुम समय रहते हुए इस कभी नहीं ढूँढ़ पाओगे।
सैकड़ों फीट नीचे, पत्थर की ईंट से बना पिआत्ज़ा किसी शांत नखलिस्तान की तरह आवाज़ दे रहा है। मैं थोड़ा-सा वक़्त पाने के लिए किस तरह बेचैन हूँ..लेकिन वक़्त ही एक ऐसी चीज़ है जिसे मेरी विशाल संपत्ति खरीदने में सक्षम नहीं है।
इन आख़िरी क्षणों में, मैं नीचे पिआत्ज़ा की तरफ देखता हूँ और मुझे स्तब्ध करने वाला नज़ारा दिखाई देता है।
मुझे तुम्हारा चेहरा नज़र आता है।
तुम किसी छाँह वाली जगह से ऊपर मेरी तरफ देख रहे हो। तुम्हारी आँखों में शोक दिखाई दे रहा है, लेकिन इसमें मेरी उपलब्धि के लिए आदर की भावना भी झलक रही है। तुम जानते हो कि मेरे पास कोई विकल्प नहीं। मानवता के प्रति प्रेम के कारण मुझे उस अद्भुत कलाकृति को, मास्टरपीस को बचाना ही होगा।
यह अब भी बड़ा हो रहा है. . .इंतज़ार कर रहा है. . .लैगून के खून से सने पानी के अंदर खौलता हुआ. . .जिस पानी में सितारों का अक्स दिखाई दे रहा है।
इसलिए, मैं तुमसे अपनी नज़रें हटाकर क्षितिज की ओर देखने लगता हूँ। इस बोझिल दुनिया से काफी ऊपर। मैं अपनी आख़िरी प्रार्थना कर रहा हूँ।
मेरे प्यारे ईश्वर, मैं प्रार्थना करता हूँ कि दुनिया मुझे किसी भयंकर पापी की तरह नहीं याद करे, बल्कि शानदार रक्षक की तरह, जैसा कि तुम्हें पता है कि मैं हूँ। मैं प्रार्थना करता हूँ कि मानवता मेरे उपहार को ठीक ढंग से समझ पाएगी।
मेरा उपहार भविष्य है।
मेरा उपहार मुक्ति है।
मेरा उपहार इन्फर्नो है।
इसी के साथ मैं अपनी आख़िरी प्रार्थना, बोलता हूँ. . .आमीन और अंतिम कदम उठाता हूँ, गहरी खाई में कूदने के लिए।

1

स्मृतियाँ धीरे-धीरे ठोस रूप ग्रहण कर रही थी. . .मानो किसी अनंत गहराई वाले कुएँ के अंधकार से बुलबुले धीरे-धीरे ऊपर आ रहे हों।

एक नकाबपोश औरत।

रॉबर्ट लैंग्डन नदी के उस पार उसे देख रहा था। नदी का उफनता पानी खून से लाल था। दूसरे किनारे पर औरत उसकी ओर मुँह कर खड़ी थी। स्थिर, चुपचाप। उसका चेहरा नकाब से ढका हुआ था। उसके हाथ में नीले रंग का सिर पर बाँधने वाला पट्टा था जिसे उसने ऊपर उठाया मानो वह अपने पैरों के पास पड़े लाशों के समुद्र का अभिवादन कर रही हो। चारों तरफ मौत की गंध बिखरी हुई थी।

ढूँढ़ो। औरत ने फुसफुसाते हुए कहा और तुम्हें हासिल होगा।

लैंग्डन ने इन शब्दों को सुना तो उसे लगा जैसे किसी ने उसके माथे के अंदर ये शब्द कहे हों। 'कौन हो तुम?' उसने पुकारने की कोशिश की, लेकिन उसके कंठ से आवाज़ नहीं निकली।

समय कम होता जाता है, वह फुसफुसाकर बोली, ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा।

लैंग्डन ने नदी की ओर एक कदम बढ़ाया, लेकिन उसने देखा कि पानी का रंग खून की तरह लाल था। नदी गहरी थी जिसे पार करना मुमकिन नहीं था। लैंग्डन ने जब दोबारा नकाबपोश औरत की ओर नज़र डाली तो उसके पैरों के पास लाशों की संख्या और भी कई गुणा बढ़ चुकी थी। वहाँ अब सैकड़ों लाशें थी, शायद हज़ारों। उनमें से कुछ ज़िंदा भी थे, दर्द से छटपटाते, तिलमिलाते, अशोचनीय मौतें मरते. . .आग में जलते, पेशाब-पाखाने में लिथड़े, एक-दूसरे को खाते। वह नदी के उस पार से आ रही, तकलीफ में डूबे मनुष्य की दर्दनाक आवाज़ सुन पा रहा था।

औरत अब उसकी ओर बढ़ी। उसने अपने दुबले-पतले हाथ आगे किए मानो मदद माँग रही हो।

'कौन हो तुम?' लैंग्डन ने चिल्लाकर पूछा।

जवाब में औरत ने अपने सिर पर पहना हुआ नकाब हटा दिया। वह बेहद ख़ूबसूरत थी, लेकिन लैंग्डन की कल्पना से अधिक उम्र की। शायद साठ के उम्र की रही होगी। शाहाना कद-काठी और मज़बूत, जैसे अनंतकाल से खड़ी कोई मूर्ति। उसके जबड़े सख्त लग रहे थे, गहरी भावपूर्ण आँखें। उसके लंबे, सफेद बाल छल्लों की शक्ल में उसके कंधों तक आ रहे थे। उसने अपनी गरदन में नीले रंग के कीमती पत्थर लैपिस लाजुलाई का ताबीज़ लटका

था–लाठी में लिपटा एक साँप।

लैंग्डन को लगा कि वह उसे जानता है. . .उस पर यकीन करता है, लेकिन कैसे? क्यों?

उसने अब छटपटाते हुए पैरों के एक जोड़े की तरफ इशारा किया, जो ज़मीन से बाहर की तरफ उलटा निकला हुआ था। ऐसा लग रहा था कि यह किसी बेचारे के शरीर का हिस्सा था जिसे उल्टा कर ज़मीन में गाड़ दिया गया था–सिर नीचे, कमर ऊपर। उस आदमी की पीली जाँघ पर बस एक अक्षर लिखा था–मिट्टी से–आर।

आर? लैंग्डन सोचने लगा। उसे समझ में नहीं आ रहा था। जैसे कि . . .रॉबर्ट का आर? ‘क्या वह मैं हूँ?’

औरत के चेहरे को देखकर कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था। *ढूँढ़ो तो पाओगे।* उसने दुहराया।

बिना किसी चेतावनी के उसके अंदर से सफेद रोशनी बाहर आने लगी..जिसकी चमक लगातार बढ़ती जा रही थी। उसका पूरा शरीर ज़ोर-ज़ोर से थरथरा रहा था और फिर बादलों की गड़गड़ाहट के बीच वह रोशनी के हज़ारों कतरों में बदल गई।

लैंग्डन की नींद खुल गई। वह हड़बड़ाकर बैठ गया। वह चीख रहा था।

कमरे में रोशनी फैली थी। वह अकेला था। हवा में दवा में दी जाने वाली एल्कोहल की तेज़ गंध आ रही थी। उसकी धड़कन से चुपचाप तालमेल बिठाती किसी मशीन के बजने की पिंग वाली आवाज़ उसे सुनाई दी। लैंग्डन ने अपना दाहिना हाथ हिलाना चाहा, लेकिन तेज़ दर्द के कारण वह हाथ नहीं हिला पाया। उसने नीचे की ओर देखा। उसकी बाँह में पानी चढ़ाने वाली सुई लगी हुई थी।

उसके दिल की धड़कन तेज़ हो गई। मशीन भी उसके साथ-साथ तेज़ चलने लगी। पिंग की आवाज़ अब जल्दी-जल्दी आ रही थी।

मैं कहाँ हूँ? क्या हुआ मेरे साथ?

लैंग्डन के सिर के पिछले हिस्से में तेज़ दर्द हो रहा था। लगातार। वह दूसरे हाथ के बल धीरे-धीरे उठा और उसने अपना सिर छुआ। वह दर्द वाली जगह को छूना चाहता था। जटाओं में बदल चुके उसके बालों के नीचे उसे सिलाई के करीब एक दर्जन धागों का सिरा अनुभव हुआ, जिसमें लगा खून अब सूख चुका था।

उसने अपनी आँखें बंद कर ली। वह दुर्घटना को याद करने की कोशिश करने लगा।

उसे बिलकुल कुछ भी याद नहीं आ रहा था। शून्य।

सोचो।

बस अंधकार।

अस्पताल की पोशाक पहना एक आदमी जल्दी से अंदर घुसा। मॉनिटर पर उसके धड़कनों की तेज़ होती गति ने उसे चिंतित कर दिया था। उसकी दाढ़ी खुरदरी थी। घनी

मूंछें। सौम्य आँखें जिनमें घनी भौंहों के नीचे शांत, विचारवान शांति झलक रही थी।

'क्या. . .हुआ?' लैंग्डन मुश्किल से इतना बोल पाया। 'क्या मेरे साथ कोई दुर्घटना हुई है?'

दाढ़ी वाले आदमी ने अपने होंठों पर उंगली रखा और तेज़ी से बाहर निकल गया। वह नीचे हॉल में किसी को पुकार रहा था।

लैंग्डन ने अपना सिर मोड़ा, लेकिन सिर मोड़ते ही उसके सिर में तेज़ दर्द का झोंका आया। उसने गहरी साँस ली और दर्द के कम होने का इंतज़ार करने लगा। फिर उसने धीरे-धीरे, लेकिन काफी सोच समझकर अपने चारों तरफ के अस्पतालनुमा, जीवाणुमुक्त माहौल का मुआयना किया।

इस अस्पताल में बस एक बिस्तर था। कोई फूल नहीं। कार्ड भी नहीं। लैंग्डन ने देखा कि उसके कपड़े पास की टंगनी पर रखे पारदर्शी प्लास्टिक के थैले में रखे थे। वे खून में सने थे।

हे भगवान। ज़रूर काफी ख़तरनाक दुर्घटना हुई होगी।

अब लैंग्डन ने आहिस्ता-आहिस्ता अपना सिर बेड के पास बनी खिड़की की तरफ घुमाया। बाहर अंधेरा छाया था। रात का वक़्त। शीशे में उसे सिर्फ अपनी छवि दिखाई दे रही थी। ज़र्द, अजनबी चेहरा। पीला पड़ चुका और थका हुआ जिससे तरह तरह के ट्यूब और तार निकले हुए थे। उसके चारों तरफ इलाज संबंधी यंत्र लगे थे।

कमरे में आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। लैंग्डन ने दोबारा कमरे की तरफ नज़र दौड़ाई। डॉक्टर वापस आ चुका था। अब उसके साथ एक औरत भी थी।

औरत की उम्र तीस के आसपास रही होगी। उसने नीले रंग की डॉक्टरी पोशाक पहन रखी थी और अपने सुनहरे बालों को जूड़े में समेटकर पीछे बाँध रखा था, जो उसके चलने के साथ-साथ उछल रहा था।

'मैं डॉक्टर सिएना ब्रुक्स हूँ।' उसने लैंग्डन की तरफ मुस्कराकर देखा। 'आज की रात मैं डॉक्टर मार्कोनी के साथ काम करूँगी।'

लैंग्डन ने कमज़ोर ढंग से सिर हिलाया।

लंबी और आकर्षक। डॉक्टर ब्रुक्स खिलाड़ी की तरह आत्मविश्वास भरे कदमों से चल रही थी। बिलकुल सादे ढंग से बने डॉक्टरी लिबास में भी उसकी ख़ूबसूरती झलक रही थी। लैंग्डन को उसका कोई मेकअप नज़र नहीं आ रहा था, लेकिन उसकी चमड़ी असाधारण ढंग से चिकनी थी। बस उसके होंठों के ऊपरी हिस्से में तिल ही शायद उसके चेहरे पर एकमात्र दाग था। उसकी आँखों का रंग हल्का भूरा था, लेकिन वे भी असाधारण ढंग से तीखी और भेदने वाली लग रही थी। ऐसा लग रहा था मानो उन आँखों ने ऐसे गंभीर अनुभवों को देखा है, जो इस उम्र के लोगों को शायद ही कभी अनुभव होता है।

‘डॉक्टर मार्कोनी इतनी अच्छी अंग्रेज़ी नहीं जानते।’ उसने लैंग्डन की बगल में बैठते हुए कहा। ‘उन्होंने मुझे तुम्हारा एडमिशन फॉर्म भरने को कहा है।’ वह उसकी ओर देखकर फिर मुस्कराई।

‘शुक्रिया।’ लैंग्डन ने भर्राई हुई आवाज़ में कहा।

‘ओके।’ उसने पेशेवर अंदाज़ में पूछना शुरू किया। ‘आपका नाम?’

उसे जवाब देने में कुछ वक़्त लगा। ‘रॉबर्ट. . . लैंग्डन।’

उसने पतले से टॉर्च से उसकी आँखों में रोशनी डाली। ‘काम?’

यह जानकारी और भी धीमी गति से उसके ज़ेहन में उभरा। ‘प्रोफेसर। कला का इतिहास..आर्ट हिस्ट्री और प्रतीक-विज्ञान। हार्वर्ड विश्वविद्यालय।’

डॉक्टर ब्रुक्स ने रोशनी नीचे कर दी। वह अचंभित थी। घनी भौंहों वाला डॉक्टर भी हैरान लग रहा था।

‘आप. . .अमेरिकी हैं?’

लैंग्डन ने उसकी तरफ दुविधा भरी नज़रों से देखा।

‘यह बस. . .’ वह थोड़ा हिचकिचाई। ‘आज की रात जब आप यहाँ आए तो आपकी पहचान के लिए कुछ भी मौजूद नहीं था। आपने बस एक हैरिस ट्वीड पहन रखा था और सॉमरसेट की चप्पलें। हमें लगा कि आप अंग्रेज़ हैं।’

‘मैं अमेरिकी हूँ।’ लैंग्डन ने उसे आश्वस्त किया। थकावट की वजह से वह अच्छे सिले कपड़ों के बारे में उन्हें कुछ बताने की स्थिति में नहीं था।

‘किसी तरह का दर्द?’

‘सिर में।’ लैंग्डन ने जवाब दिया। टॉर्च की तेज़ रोशनी की वजह से उसका सिर दर्द और भी बढ़ता जा रहा था। शुक्र था कि अब उसने टॉर्च वापस जेब में रख ली और लैंग्डन की कलाई अपने हाथ में लेकर उसकी नब्ज़ देखने लगी।

‘आप चिल्लाते हुए जगे थे,’ औरत ने कहा। ‘आपको इसकी कोई वजह याद है?’

लैंग्डन को वह सपना याद आ रहा था, जिसमें उसने नकाब पहने एक औरत को देखा था, जिसके चारों तरफ लोग दर्द से तड़प रहे थे। *ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा।* ‘मैं कोई बुरा सपना देख रहा था।’

‘किस चीज़ के बारे में?’

डॉक्टर ब्रुक्स एक तख्ती पर कागज़ में उसकी बातें दर्ज कर रही थी। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं दिखाई दे रहा था। ‘इतने भयानक सपने में आप क्या देख रहे थे, उसके बारे में आपको कुछ याद है?’

लैंग्डन याद करने की कोशिश करने लगा। उसने अपना सिर हिलाया। उसके सिर में दर्द होने लगा मानो वह इस बात का विरोध कर रहा हो।

'ठीक है मिस्टर लैंग्डन,' उसने कहा। उसका लिखना जारी था। 'मैं आपसे कुछ सामान्य सवाल करूँगी। आज सप्ताह का कौन-सा दिन है?'

लैंग्डन ने इसके बारे में थोड़ी देर के लिए सोचा। 'आज शनिवार है। मुझे याद है कि जब मैं दोपहर बाद वाले अपने लेक्चर के लिए जा रहा था. . ..तो मैं आज कैंपस में टहलने के लिए गया था..और उसके बाद. . .शायद यही आख़िरी बात मुझे याद है। क्या मैं कहीं गिर गया था?'

'हम उसके बारे में भी बात करेंगे। क्या आप जानते हैं कि इस वक़्त आप कहाँ हैं?'

लैंग्डन ने अनुमान लगाते हुए कहा, 'मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल?'

डॉक्टर ब्रुक्स ने इसे भी लिख लिया। 'आप किसी को यहाँ बुलाना चाहते हैं? पत्नी? बच्चे?'

'नहीं। कोई नहीं।' लैंग्डन ने तेज़ी से जवाब दिया। उन्होंने अपने लिए अविवाहित जीवन का चुनाव किया था। इसके एकांत और इसकी आज़ादी उन्हें आनंद देती थी। हालाँकि उन्हें यह मानना पड़ रहा था कि इस हालत में अगर उनके साथ कोई परिचित चेहरा होता तो उन्हें अच्छा लगता। 'मैं अपने किसी सहकर्मी को बुला सकता हूँ, लेकिन मैं ठीक हूँ।'

डॉक्टर ब्रुक्स का लिखना पूरा हो गया। अब बुजुर्ग-सा दिखने वाला डॉक्टर नज़दीक आ चुका था। अपनी घनी भौंहों को संवारते हुए उसने अपनी जेब से एक छोटा-सा रिकॉर्डर बाहर निकाला और उसे डॉक्टर ब्रुक्स को दिखाया। उसने सहमति में अपना सिर हिलाया और दोबारा अपने रोगी की तरफ मुड़ गई।

'मिस्टर लैंग्डन, आज की रात जब आपको यहाँ लाया गया तो आप बार-बार कुछ बड़बड़ा रहे थे।' उसने डॉक्टर मार्कोनी की ओर नज़र घुमाई। उनके हाथ में एक डिजिटल रिकॉर्डर था। उन्होंने उसका बटन दबाया।

मशीन के अंदर से रिकॉर्ड की हुई आवाज़ सुनाई देने लगी। लैंग्डन को अपनी हुई आवाज़ सुनाई दी. . .नींद में बड़बड़ाहट जैसी आवाज़, जिसमें वह बार-बार एक ही बात कह रहा था *'. . .वे..सॉरी. . .वे. . .सॉरी।'*

'मुझे ऐसा लगता है,' औरत ने कहा, 'जैसे आप कह रहे हों. . .वेरी सॉरी. . .वेरी सॉरी।'

लैंग्डन इस बात से सहमत था, लेकिन उसे कुछ भी याद नहीं आ रहा था।

डॉक्टर ब्रुक्स ने उस पर अपनी नज़रें गड़ा था। लैंग्डन इससे परेशान हो गया। 'आपको कुछ याद आ रहा है कि आप ऐसा क्यों बोल रहे थे? क्या आप किसी चीज़ के बारे में अपनी गलती महसूस कर रहे हैं?'

लैंग्डन अपनी स्मृति के अंधेरे कोनों को तलाशने की कोशिश करने लगा। उसे फिर से नकाब पहने औरत का चेहरा दिखाई दिया। वह किसी नदी के किनारे खड़ी थी जिसका पानी खून की तरह लाल था। उसके चारों तरफ लाशें फैली हुई थी। मौत की गंध फिर से

उसके चारों तरफ छा चुकी थी।

अचानक लैंग्डन को लगा जैसे उस पर कोई ख़तरा आने वाला है. . .सिर्फ उसके ऊपर नहीं. . .बल्कि सभी लोगों के ऊपर। दिल की धड़कन को मॉनिटर करने वाले मशीन पर सुनाई देने वाली आवाज़ अब जल्दी-जल्दी आ रही थी। उसकी मांसपेशियाँ अकड़ने लगी। इस वक़्त वह उठकर बैठना चाहता था।

डॉक्टर ब्रुक्स ने उसकी छाती पर अपना हाथ रखकर उसे उठने से रोक दिया। उसने दाढ़ी वाले डॉक्टर की ओर तीखी नज़रों से देखा, जो अब नज़दीक वाले काउंटर के पास जा चुका था और कुछ तैयार कर रहा था।

डॉक्टर ब्रुक्स लैंग्डन के ऊपर झुककर उस से धीमी आवाज़ में कुछ कहने लगी। 'मिस्टर लैंग्डन, दिमागी चोट की हालत में घबराहट काफी सामान्य-सी बात है, लेकिन आपको अपने नब्ज़ की गति कम रखनी होगी। हिलना डुलना नहीं। उत्तेजना नहीं। बस लेट रहिए और आराम कीजिए। आप ठीक हो जाएँगे। धीरे-धीरे आपकी याद्दाश्त वापस आ जाएगी।'

दाढ़ी वाला डॉक्टर एक सिरिंज लेकर उसके नज़दीक आया, जो उसने डॉक्टर ब्रुक्स को थमा दी। उसने इसे लैंग्डन के नस में चढ़ाई जा रही दवा के साथ मिला दिया।

'आपको बेचैनी से बचाने के लिए नींद की हल्की-सी दवा।' उसने बताया। 'इससे दर्द में भी आपको आराम मिलेगा।' वह जाने के लिए अब खड़ी हो गई। ' मिस्टर लैंग्डन, आप बिलकुल ठीक हो जाएँगे। सो जाइए। अगर आपको किसी चीज़ की ज़रूरत महसूस हो तो बिस्तर के साथ लगे बटन को दबाएँ।'

उसने बत्ती बंद कर दी और दाढ़ी वाले डॉक्टर के साथ बाहर निकल गई।

अंधेरे में लैंग्डन अपने शरीर में जा रही दवाइयों का तुरंत अनुभव करने लगा। दवाइयाँ उसे दोबारा उसी गहरे कुएँ में वापस ले जा रही थी जिससे वह अभी-अभी वापस निकला था। वह कमरे में फैले अंधकार के बीच अपनी आँखें खुली रखकर इस एहसास से लड़ने की कोशिश कर रहा था। वह उठकर बैठने की कोशिश करने लगा, लेकिन उसे लगा जैसे उसका शरीर पत्थर का हो चुका था।

लैंग्डन ने करवट बदली तो उसे लगा कि सामने खिड़की थी। बत्ती बंद थी। अंधेरे आईने में उसका अक्स कहीं गायब हो चुका था। इसकी जगह उसे दूर शहर की बत्तियाँ चमकती दिखाई दे रही थी।

गुंबदों और मीनारों की रूपरेखा के बीच लैंग्डन की नज़रों के सामने किसी इमारत की एक भव्य रूपरेखा दिखाई दे रही थी। पत्थर के इस विशाल किले की छत पर झरोखेदार मुंडेर दिख रही थी। इसके साथ ही तीन सौ फुट ऊँचा एक टावर दिखाई दे रहा था, जिसका सबसे ऊपरी भाग फूला हुआ था। बाहर की तरफ निकले इन झरोखों के बीच छेद बने थे, जिनका इस्तेमाल युद्ध के दौरान गोले दागने के लिए किया जाता था।

लैंग्डन तुरंत उठा और अपने बिस्तर पर बैठ गया। उसका सिर दर्द से फटा जा रहा था। इस भयंकर दर्द को सहते हुए उसने अपनी नज़र टावर के ऊपर गड़ा दी।

लैंग्डन इस मध्यकालीन इमारत को अच्छी तरह जानता था।

यह दुनिया में अपने ढंग की अनूठी इमारत थी।

दुर्भाग्यवश, यह मैसाचुसेट्स से चार हज़ार किलोमीटर दूर था।

उसकी खिड़की के बाहर, विया टोरेगैली के साए में छुपी एक बलिष्ठ कद-काठी की औरत अपनी बीएमडब्लयू मोटरसाइकिल पर आराम से चली जा रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे चीता अपने शिकार का पीछा कर रहा हो। उसकी निगाह में एक अजीब-सा पैनापन था। उसने अपने बालों को नुकीले काँटों की तरह कसकर बाँध रखा था। घुड़सवारी में इस्तेमाल किए जाने वाले चमड़े के बने काले लिबास के साथ यह खुलकर सामने आ रहा था। उसने अपने हथियार की जाँच की, जिसकी आवाज़ को बंद कर दिया गया था। उसने लैंग्डन की खिड़की की तरफ देखा, जिसकी बत्ती अभी-अभी बंद की जा चुकी थी।

इसी रात कुछ वक़्त पहले उसकी योजना बेतरह नाकामयाब हो गई थी।

एक कबूतर की आवाज़ ने सब कुछ बदलकर रख दिया था।

अब वह इस गलती को ठीक करने आई थी।

2

मैं *फ़्लोरेंस में हूँ?*

रॉबर्ट लैंग्डन के सिर में तेज़ दर्द हो रहा था। अब वह अपने अस्पताल के बिस्तर पर तनकर बैठा हुआ था। वह बार-बार अस्पताल के पलंग में लगे कॉल-बटन को दबा रहा था। शरीर में प्रवाहित हो रही नींद की दवा के बावजूद उसका दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था।

डॉक्टर ब्रुक्स दौड़ती हुई अंदर आई। उनके बालों का जूड़ा उछल रहा था। 'आप ठीक हैं?'

लैंग्डन ने हैरान होकर अपना सिर हिलाया। 'मैं इटली में हूँ?'

'वाह, अच्छी बात है कि आपकी याद्दाश्त वापस आ रही है।' उसने कहा।

'नहीं, ऐसा नहीं है।' लैंग्डन ने खिड़की खिड़की से दूर नज़र आ रही विशाल इमारत की तरफ उंगली से इशारा किया। 'मैं पालात्ज़ो वेखियो को पहचान सकता हूँ।'

डॉक्टर ब्रुक्स ने कमरे की बत्ती फिर से जला दी। खिड़की से दिख रही फ़्लोरेंस शहर के आकाश में दिख रही इमारतें गायब हो चुकी थी। वह उसके बिस्तर के पास आई और उसने शांत भाव से फुसफुसाकर कहा, 'मिस्टर लैंग्डन, घबड़ाने की कोई बात नहीं है। आपको विस्मृति का हल्का दौरा आया है, लेकिन डॉक्टर मार्कोनी ने मुझे बताया है कि आपके दिमाग की गतिविधियाँ सामान्य हैं।'

दाढ़ी वाला डॉक्टर भी अब तेज़ी से अंदर आ चुका था। शायद उसने भी घंटी की आवाज़ सुनी थी। उसने लैंग्डन के दिल की धड़कनों को वहाँ लगे मॉनिटर पर देखा। नवयुवती डॉक्टर उसे धाराप्रवाह इतालवी में कुछ कह रही थी। ऐसा लगा जैसे वह बता रही थी कि इटली में होने की बात सुनकर लैंग्डन किस तरह परेशान है।

परेशान? लैंग्डन को यह सुनकर गुस्सा आ रहा था। परेशान से *ज़्यादा* मैं तो हैरान हूँ। उसके शरीर के अंदर अब एड्रीनलीन का प्रवाह तेज़ हो चुका था और अब उसका नींद की दवाओं के साथ जैसे संघर्ष चल रहा था। 'मुझे क्या हुआ है?' उसने जानकारी चाही। 'आज कौन-सा दिन है?'

'सब ठीक है।' उसने जवाब दिया। 'अभी सुबह हुई है। सोमवार, मार्च 18।'

सोमवार। लैंग्डन अपने दिमाग पर ज़ोर डालकर अपनी स्मृति में दर्ज अंतिम छवियों को याद करने की कोशिश कर रहा था। ठंडा और अंधेरा परिवेश। वह शनिवार की रात में होने वाले लेक्चर के लिए हार्वर्ड कैंपस में अकेला चला जा रहा था। *क्या यह दो दिन पुरानी बात है?* अब उस पर और भी गहरा डर छाने लगा था। वह उस लेक्चर या उसके बाद की किसी घटना को याद करने की कोशिश कर रहा था। *कुछ भी नहीं।* उसके दिल की धड़कनों को

दर्ज करने वाले मॉनिटर की गति तेज़ हो गई थी।

बूढ़ा डॉक्टर अपनी दाढ़ी को खुजाते हुए अपने यंत्रों को व्यवस्थित कर रहा था। डॉक्टर ब्रुक्स लैंग्डन की बगल में बैठी थी।

'आप बिलकुल ठीक हो जाएँगे।' उसने लैंग्डन को आश्वस्त करते हुए का। वह काफी शिष्टाचार के साथ बात कर रही थी। 'हमने आपकी बीमारी का पता कर लिया है–रिट्रोग्रेड एमन्सिया। सिर में चोट लगने पर यह काफी आम समस्या है। आप पिछले दो-चार दिनों की बातें शायद याद नहीं कर पाएँ या ठीक-ठीक नहीं बता पाएँ, लेकिन आपको किसी भी तरह की स्थाई समस्या नहीं होगी।' वह रुकी, 'क्या आपको मेरा नाम याद है? मैंने अंदर आते ही आपको बताया था?'

लैंग्डन थोड़ी देर के लिए सोचा। 'सिएना।' डॉक्टर सिएना ब्रुक्स।

वह मुस्कराई। 'देखा आपने। आपको नई बातें याद रहने लगी हैं।'

लैंग्डन के माथे का दर्द अब असहनीय हो रहा था। नज़दीक की चीज़ें उसे अब भी धुंधली नज़र आ रही थी। 'मुझे क्या हुआ था. . .मैं यहाँ कैसे पहुँचा?'

'मुझे लगता है कि आपको आराम करना चाहिए और शायद. . .'

'मैं यहाँ कैसे पहुँचा?' उसने अपने सवाल का जवाब माँगा। मॉनिटर उसके दिल की तेज़ हो रही रफ्तार को दिखा रहा था।

'ठीक है। बस आराम से साँस लेते रहिए।' डॉक्टर ब्रुक्स ने कहा और अपने सहयोगी डॉक्टर की ओर थोड़ी घबराहट के साथ देखा। 'मैं आपको बताऊँगी।' उसकी आवाज़ में एक गंभीरता झलकने लगती थी। 'मिस्टर लैंग्डन, तीन घंटे पहले आप लड़खड़ाते हुए इमरजेंसी कक्ष में पहुँचे। आपके सिर पर लगी चोट से खून बह रहा था। इसके बाद आप तुरंत बेहोश हो गए। किसी को पता नहीं कि आप कौन थे या आप यहाँ कैसे पहुँचे। आप अंग्रेज़ी में कुछ बड़बड़ा रहे थे। इसलिए डॉक्टर मार्कोनी ने मुझे मदद के लिए बुलाया। मैं इंग्लैंड से यहाँ छुट्टी पर आई हूँ।'

लैंग्डन को लगा जैसे वह मैक्स अर्न्सट की पेंटिंग के भीतर जगा हो। *मैं आख़िर इटली में क्या कर रहा हूँ।* सामान्य तौर पर लैंग्डन हर साल जून में एक कला-सम्मेलन में भाग लेने आता था, लेकिन अभी तो मार्च का महीना चल रहा था।

नशे की दवाओं का अब उस पर असर बढ़ता जा रहा था। उसे लग रहा था जैसे पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण हर पल बढ़ता जा रहा था, जो उसे बिस्तर के गद्दे के अंदर अपनी ओर खींच रहा था। लैंग्डन अपना सिर ऊपर रखने के लिए संघर्ष कर रहा था। वह होश में बने रहने की कोशिश कर रहा था।

डॉक्टर ब्रुक्स उसके ऊपर झुकी हुई किसी परी की तरह लग रही थी। 'प्लीज, मिस्टर लैंग्डन।' उसने बहुत ही धीमी आवाज़ में कहा। 'शुरुआत के चौबीस घंटों में सिर में लगी

चोट काफी ख़तरनाक स्थिति में होती है। आपको आराम की ज़रूरत है, वरना आपको गंभीर नुकसान हो सकता है।'

तभी कमरे के इंटरकॉम पर किसी की आवाज़ सुनाई दी, '*डॉक्टर मार्कोनी।*'

दाढ़ी वाले डॉक्टर ने दीवार पर बने एक बटन को छुआ और इतालवी में कहा, '*हाँ?*'

इंटरकॉम पर कोई व्यक्ति इतालवी भाषा में जल्दी-जल्दी बोल रहा था। लैंग्डन को उसकी बात समझ में नहीं आ रही थी, लेकिन उसने देखा कि दोनों डॉक्टर एक-दूसरे की ओर आश्चर्य के भाव से देख रहे हैं *या कोई ख़तरे की बात थी?*

'एक मिनट।' मार्कोनी ने यह कहकर बातचीत ख़त्म कर दी।

'हो क्या रहा है?' लैंग्डन ने पूछा।

डॉक्टर मार्कोनी की आँखें थोड़ी सिकुड़ गई। 'आईसीयू के रिसेप्शन से फोन था। कोई तुमसे मिलने आया है।'

लैंग्डन की नीम-बेहोशी वाली स्थिति में उम्मीद की किरण जगी। 'यह तो अच्छी ख़बर है। हो सकता है कि उस आदमी को पता हो कि मेरे साथ क्या हुआ है।'

महिला डॉक्टर के चेहरे पर अनिश्चय का भाव दिख रहा था। 'यह अजीब-सी बात है कि यहाँ कोई आया है। हमें आपके नाम का भी पता नहीं था और आपका नाम अब तक सिस्टम में दाखिल भी नहीं किया गया है।'

लैंग्डन नींद की गोलियों के असर से उबरने की कोशिश कर रहा था। वह किसी तरह मुश्किल से बिस्तर पर बैठ गया। 'अगर किसी व्यक्ति को मेरे यहाँ होने की जानकारी है तो उसे यह भी पता होगा कि मेरे साथ क्या हुआ है।'

डॉक्टर ब्रुक्स ने डॉक्टर मार्कोनी की तरफ देखकर अपना सिर हिलाया। फिर वह अपनी घड़ी थपथपाने लगा। वह अब लैंग्डन की ओर मुखातिब हो गई।

'यह आईसीयू है।' उसने समझाया। 'यहाँ सुबह नौ बजे के पहले किसी को भी आने की इजाज़त नहीं होती। बस थोड़ी देर में डॉक्टर मार्कोनी बाहर जाकर देखेंगे कि आगंतुक कौन है और वह क्या चाहता है।'

'और मैं क्या चाहता हूँ, उसका क्या?' लैंग्डन ने सवाल पूछा।

डॉक्टर ब्रुक्स बड़े धैर्य के साथ मुस्करा रही थी। उसने अपनी आवाज़ नीची की और उसके नज़दीक आकर बोली, 'मिस्टर लैंग्डन, कल रात के बारे में कुछ ऐसी बातें हैं, जो आप नहीं जानते. . .जैसे कि आपके साथ क्या हुआ था और दूसरे किसी व्यक्ति से बात करने के पहले मुझे लगता है कि आपको सभी तथ्यों की जानकारी होनी चाहिए, लेकिन दुर्भाग्यवश मुझे नहीं लगता कि अभी आप इतने मज़बूत हैं कि. . .'

'कौन-से तथ्य?' लैंग्डन ने पूछा। वह सीधे होकर बैठने की कोशिश कर रहा था। उसकी बाँह में लगी सुई में दर्द हो रहा था। उसे लग रहा था मानो उसका शरीर सैकड़ों टन भारी

हो। 'मै सिर्फ इतना जानता हूँ कि मैं फ़्लोरेंस के अस्पताल में भर्ती हूँ। मैं जब यहाँ आई तो आइ एम सॉरी, आइ एम सॉरी बोल रहा था।'

अचानक उसके अंदर एक डरावना ख़्याल कौंध गया।

'क्या मैं किसी कार दुर्घटना के लिए ज़िम्मेदार था?' लैंग्डन ने पूछा। 'क्या मेरी वजह से कोई घायल हुआ था?'

'नहीं-नहीं।' उसने कहा। 'मुझे ऐसा नहीं लगता।'

'फिर क्या?' लैंग्डन जानने की ज़िद करने लगा। वह दोनों डॉक्टरों की ओर गुस्से से देख रहा था। 'मेरे साथ क्या हो रहा है ये मुझे जानने का हक है।'

काफी देर तक चुप्पी छाई रही। अंत में डॉक्टर मार्कोनी ने अपनी ख़ूबसूरत, नौजवान सहयोगी को बोलने को अनमने ढंग से सहमति दी। डॉक्टर ब्रुक्स एक गहरी साँस छोड़ते हुए उसके बिस्तर के करीब आ गई। 'ठीक है, चलिए मुझे, जो पता है वह मैं आपको बताती हूँ। आप इसे धैर्यपूर्वक सुनिएगा, ठीक है।'

लैंग्डन ने अपना सिर हिलाया। सिर हिलाते ही उसके पूरे शरीर में जैसे दर्द का झटका महसूस हुआ। उसने इसकी फिक्र नहीं की। उसे अपने सवाल का जवाब जानना था।

'पहली बात तो ये. . .कि आपके सिर का घाव कार दुर्घटना की वजह से नहीं था।'

'चलिए, थोड़ी-सी तसल्ली हुई।'

'नहीं। ये तसल्ली की बात नहीं। आपके सिर पर बने घाव की वजह बंदूक की गोली थी।'

लैंग्डन के दिल की धड़कन दिखाने वाला मॉनीटर तेज़ चलने लगा। 'माफ कीजिएगा..'

डॉक्टर ब्रुक्स आराम से, लेकिन जल्दी-जल्दी बोल रही थी। 'बंदूक की गोली आपके सिर के ऊपरी हिस्से को छूती हुई गुज़री, जिसकी वजह से आपके दिमाग में शायद सूजन आ गई। आपका भाग्य था कि आप ज़िंदा हैं। एक इंच नीचे अगर गोली लगती तो. . .' उसने अपना सिर हिलाया।

लैंग्डन को विश्वास नहीं हो रहा था। वह उसे घूरकर देख रहा था। किसी ने मुझ पर गोली चलाई?

हॉल में लड़ाई झगड़ा होने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। ऐसा लगा जैसे लैंग्डन से मिलने के लिए आया व्यक्ति इंतज़ार करने को राजी नहीं था। करीब-करीब उसी वक़्त लैंग्डन को हॉलवे के छोर पर किसी भारी दरवाज़े के धड़ाम से खुलने की आवाज़ सुनाई दी। वह देखता रहा। अब उसे अपनी ओर कोई आकृति आती दिखाई दे रही थी।

उस औरत ने पूरी तरह काले चमड़े की पोशाक पहन रखी थी। वह हृष्ट-पुष्ट थी। बालों का रंग काला जिसे नोक की शक्ल में काढ़ा गया था। वह बड़े सहज ढंग से चल रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे उसके पाँव ज़मीन पर नहीं पड़ रहे। वह सीधे लैंग्डन के कमरे की ओर चली आ रही थी।

बिना किसी हिचकिचाहट के, उसे रोकने के लिए डॉक्टर मार्कोनी खुले हुए दरवाज़े के सामने जाकर खड़े हो गए। ‘रुको।’ उन्होंने पुलिस वाले आदमी की तरह अपनी हथेलियाँ आगे करते हुए बोला।

अजनबी व्यक्ति ने बिना रुके पिस्तौल बाहर निकाल ली जिस पर साइलेंसर लगा था। उसने डॉक्टर मार्कोनी के सीने पर सीधा निशाना लगाते हुए गोली दाग दी।

थोड़ी देर तक वहाँ रह-रहकर घिघियाने की आवाज़ सुनाई देती रही।

लैंग्डन घबराया हुआ यह सब देख रहा था। डॉक्टर मार्कोनी लड़खड़ाते हुए कमरे के भीतर की ओर फर्श पर धड़ाम से गिर गए। उन्होंने कसकर अपनी छाती पकड़ी थी। उनका डॉक्टरों वाला सफेद कोट खून में सना था।

3

इटली के समुद्र तट से पाँच मील दूर 237 फुट लंबा सभी सुख सुविधाओं से लैस जहाज़ मेंडासियम सूरज उगने के पहले फैली धुंध में एड्रियॉटिक की धीमी-धीमी उठ रही लहरों के बीच चला जा रहा था। जहाज़ की पेटी को लोगों की नज़रों से छिपाने के लिए इसे बारूद के रंग में रँगा गया था। इसे देखकर फौजी जहाज़ की अरुचिकर छवि याद आती थी।

30 करोड़ डॉलर कीमत वाले इस जहाज़ के अंदर हर तरह की सुविधा उपलब्ध थी–स्पा, स्विमिंग पूल, सिनेमा, निजी पनडुब्बी और हेलीकॉप्टर पैड, लेकिन जहाज़ के मालिक को इन भौतिक सुख सुविधाओं में कोई रुचि नहीं थी। पाँच साल पहले इस जहाज़ को खरीदने के तुरंत बाद उसने इन सबको तोड़कर उनकी जगह फौजी ढंग का इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोल सेंटर बना दिया था, जिसके दरवाज़े खिड़कियों को शीशे के बने पत्तर से बंद रखा गया था।

इसमें कंट्रोल सेंटर में तीन सैटेलाइट लिंक से सूचनाएँ इकट्ठा की जाती थी। साथ ही ज़मीन पर बने अनेक रिले स्टेशन भी इसे सूचनाएँ भेजते थे। *द मेंडेसियम* पर बने कंट्रोल रूम में करीब एक दर्जन लोग काम करते थे–टेक्नीशियन, विश्लेषक, ऑपरेशन कोऑर्डिनेटर आदि, जो जहाज़ पर ही रहते थे। वे ज़मीन पर काम करने वाले इस संस्था के दूसरे ऑपरेशन केंद्रों से लगातार संपर्क में बने रहते थे।

जहाज़ की सुरक्षा के लिए इस पर फौजी प्रशिक्षण प्राप्त सिपाही तैनात थे। साथ ही, इस पर मिसाइलों का पता करने वाले दो यंत्र और अत्याधुनिक यंत्र भी लगे थे। खानसामों, सफाई और दूसरे तरह के सहयोगियों को मिलाकर इस पर काम करने वाले लोगों की संख्या चालीस के करीब थी। कुल मिलाकर *द मेंडेसियम* एक तरह का चलता-फिरता दफ्तर था, जहाँ से इसका मालिक अपने साम्राज्य को संचालित करता था।

जहाज़ पर काम करने वाले लोग उसे बस 'प्रोवोस्ट' के नाम से जानते थे। कद काठी में ठिगने उस इंसान की चमड़ी धूप में सुनहली हो गई थी। आँखें अंदर की ओर धंसी। उसका मामूली-सी कद-काठी उसके काम के लिए बिलकुल उपयुक्त थी। वह समाज की नज़रों से छिपकर तरह तरह के धंधों में संलग्न लोगों को गुप्त सेवाएँ प्रदान करता था, जिसकी बदौलत उसने बेहिसाब संपत्ति अर्जित की थी।

उसे हिकारत में लोग कई नामों से पुकारते थे–हृदयहीन हत्यारा, पापियों का दोस्त, शैतान का मददगार, लेकिन वह इनमें से कुछ भी नहीं था। प्रोवोस्ट केवल अपने ग्राहकों को उनकी महत्त्वाकांक्षाएँ और इच्छाएँ पूरी करने का अवसर प्रदान करता था। उन्हें उसके परिणामों के बारे में फिक्र करने की ज़रूरत नहीं थी। लोग स्वभाव से ही पापी होते हैं, यह उसकी

समस्या नहीं थी।

अपने विरोधियों और उनकी नैतिक समस्याओं के बावजूद प्रोवोस्ट की नैतिकता ध्रुवतारे की तरह स्थिर थी। उसने अपनी विश्वसनीयता और कंसोर्शियम को दो स्वर्णिम नियमों की बुनियाद पर खड़ा किया था।

ऐसा वादा मत करो जिसे तुम पूरा नहीं कर सकते हो।

अपने ग्राहकों से कभी झूठ मत बोलो।

कभी नहीं।

अपने व्यावसायिक जीवन में प्रोवोस्ट ने अपना वादा कभी नहीं तोड़ा था, न ही सौदा करने के बाद वह उस से पीछे हटा था। उसकी बात पर आँख मूंदकर यकीन किया जा सकता था–पक्की गारंटी के साथ। बेशक उसे अपने कुछ सौदों के बारे में पछतावा था, लेकिन सौदे के बाद पीछे हटना उसके विकल्पों में शामिल नहीं था।

आज सुबह जब वह जहाज़ के स्टेटरूम की निजी बालकनी में पहुँचा तो वह सामने उफन रहे समुद्र को देखने लगा। मन-ही-मन वह अपने अंदर उमड़ घुमड़ रही चिंता को भगाने की कोशिश में लगा था।

हमने अपने इतिहास में, जो फैसले किए होते हैं, वे हमारे वर्तमान का निर्माण करते हैं।

प्रोवोस्ट ने पहले, जो निर्णय लिए थे, उनकी बदौलत वह आज किसी भी मुश्किल परिस्थिति का सामना करने और उन पर जीत हासिल करने में सक्षम था, लेकिन आज जब वह अपनी खिड़की से समुद्र तट पर इटली की ज़मीन पर जगमगाती रोशनी को निहार रहा था तो उसे अजीब-सी घबराहट का अहसास हो रहा था।

एक साल पहले इसी जहाज़ पर उसने एक फैसला लिया था, जो आज उसके सर्वनाश का सबब बनने वाला था। मैंने गलत आदमी की सहायता करने का फैसला किया था। उस वक़्त प्रोवोस्ट को इसके बारे में जानकारी होने की कोई संभावना नहीं थी, लेकिन आज उस गलत फैसले के कारण पैदा हुए तूफान ने उसके सामने अकल्पनीय चुनौतियाँ खड़ी कर दी थी। मजबूरन उसे अपने सबसे बेहतरीन एजेंटों को उस जगह पर भेजना पड़ा, जहाँ उन्हें उस लिस्टिंग जहाज़ को डूबने से बचाने के लिए कुछ भी करने की इजाज़त थी।

इस समय प्रोवोस्ट ख़ासकर अपने एक फील्ड एजेंट के संदेश का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था।

वाएंथा, वह दुबले पतले, बालों को नुकीले ढंग से सजा कर रखने वाले विशेषज्ञ एजेंट के बारे में सोच रहा था। वाएंथा ने इस मिशन के पहले कभी कोई गलती नहीं की थी, लेकिन पिछली रात उसने एक ऐसी गलती की थी, जिसके परिणाम भयंकर हो सकते थे। पिछले छह घंटे बहुत परेशानी के थे। वह लगातार परिस्थितियों पर नियंत्रण हासिल करने की कोशिश कर रहा था।

वाएंथा का कहना था कि उसकी गलती के पीछे दुर्भाग्य का हाथ था–कबूतर ने गलत समय पर गुटर गू कर दिया था।

लेकिन प्रोवोस्ट भाग्य में यकीन नहीं रखता था। उसका हर काम संयोग और भाग्य के हस्तक्षेप को दूर करने के मकसद से किया जाता था। नियंत्रण प्रोवोस्ट की खासियत थी। वह हर संभावना को पहले से देख लेता था और उनका प्रतिकार करने की योजना भी बना लेता था। वह परिस्थितियों को सफलता की ओर मोड़ लेता था। सफलता और गोपनीयता में उसके रिकॉर्ड का सानी नहीं था। इसी की वजह से उसके पास विस्मित करने वाले ग्राहकों का तांता लगा रहता था–अरबपति, राजनेता और पूरी की पूरी सरकार।

पूरब की ओर सुबह की पहली किरण धरती के सबसे नज़दीक दिख रहे तारों को लीलती जा रही थी। प्रोवोस्ट डेक पर खड़ा धैर्यपूर्वक वाएंथा के संदेश का इंतज़ार कर रहा था कि उसका मिशन ठीक योजना के अनुसार सफल हुआ था।

4

एक पल के लिए लैंग्डन को लगा जैसे वक़्त थम गया हो।

डॉक्टर मार्कोनी ज़मीन पर पड़े थे। उनके शरीर में कोई हलचल नहीं थी। उनकी छाती से खून की धार बह रही थी। अपने शरीर के भीतर काम कर रही नींद और बेहोशी की दवाओं से संघर्ष करते हुए लैंग्डन ने अपनी आँखें खोली तो उन्हें सामने नुकीले बालों वाला खूनी दिखाई दिया, जो हॉल में आगे चली जा रही थी। खुला दरवाज़ा अब उससे कुछ ही दूरी पर था। दरवाज़े की दहलीज पर पहुँचकर उसने पीछे मुड़कर देखा और तुरंत अपनी बंदूक उसके सिर का निशाना लगाते हुए तान दी।

मैं मरने वाला हूँ, लैंग्डन ने महसूस किया। यहीं और अभी।

अस्पताल के उस छोटे-से कमरे में कानों के परदे फाड़ने वाली गोली की आवाज़ सुनाई दी।

लैंग्डन अचानक पीछे की तरफ हट गया। उसे पूरी तरह यकीन था कि गोली उसे लग चुकी थी, लेकिन गोली की आवाज़ हमलावर की बंदूक से नहीं आई थी, बल्कि यह कमरे के भारी दरवाज़े के बंद होने की आवाज़ थी। डॉक्टर ब्रुक्स ने दरवाज़े के ऊपर कूदकर इसे बंद कर दिया था।

डॉक्टर ब्रुक्स की आँखें डर से लाल थी। वह तेज़ी से आगे बढ़ी और ज़मीन पर खून से लथपथ अपने सहयोगी की नब्ज़ देखने के लिए झुकी। डॉक्टर मार्कोनी को खाँसी हुई और उन्होंने मुँह भर खून की उल्टी कर दी। खून उनकी गरदन से लुढ़कते हुए उनकी दाढ़ी में घुस रहा था। फिर उनका शरीर निढाल हो गया।

'नहीं एनरिको, नहीं। आप ऐसा नहीं कर सकते।' डॉक्टर ब्रुक्स ने चिल्लाते हुए कहा।

बाहर, लोहे के दरवाज़े पर गोलियों की बौछार सुनाई दे रही थी। हॉल में चारों तरफ हाहाकार मचा था।

किसी तरह लैंग्डन के शरीर में अब कुछ हलचल आई थी। डर और शरीर की स्वतःस्फूर्त प्रतिक्रिया ने बेहोशी की दवाओं का असर कम कर दिया था। वह किसी तरह लड़खड़ाते हुए अपने बिस्तर से नीचे उतरा। उसने अपनी दाहिनी बाँह में दर्द का तेज़ झोंका महसूस किया। एक पल के लिए उसे लगा कि शायद बंदूक की गोली दरवाज़े को चीरती हुई उसकी बाँह में जाकर लगी थी, लेकिन नीचे देखने पर उसने पाया कि पानी चढ़ाने के लिए उसकी बाँह में लगी सुई बाहर निकल आई थी। बाँह में लगा प्लास्टिक का कैथेटर उसकी बाँह में बने एक गड्ढे से बाहर लटक रहा था। ट्यूब से होकर गर्म-गर्म खून बाहर निकल रहा था।

लैंग्डन अब पूरी तरह होश में आ चुका था।

डॉक्टर ब्रुक्स अब भी मार्कोनी के शरीर के पास झुककर उनकी नसों में धड़कन की तलाश में लगी थी। उसकी आँखों में आँसू भर आए थे। अचानक लगा जैसे उसके भीतर किसी ने स्विच दबा दिया हो। वह खड़ी हो गई और लैंग्डन की तरफ मुड़कर देखने लगी। अचानक उसके चेहरे का भाव बदल गया। एक नवयुवती के शरीर की जगह उसके चेहरे पर एक कठोरता दिखाई दे रही थी मानो कोई अनुभवी डॉक्टर आसन्न संकट से निपटने की कोशिश कर रहा था।

'मेरे पीछे पीछे आओ।' उसने हुक्म दिया।

डॉक्टर ब्रुक्स लैंग्डन का हाथ पकड़कर उसे घसीटते हुए कमरे में आगे बढ़ने लगी। हॉलवे से गोलियों और अफरा-तफरी की आवाज़ अब भी सुनाई दे रही थी। लैंग्डन किसी तरह लंगड़ाता हुए आगे बढ़ रहा था। उसके पाँव काँप रहे थे। उसका दिमाग चौकन्ना था, लेकिन शरीर दवाओं के असर में तेज़ी से काम नहीं कर पा रहा था। आगे बढ़ो। टाइल वाला फर्श उसके पाँव के नीचे ठंड का अहसास दे रहा था। अस्पताल की पोशाक से उसका छह फीट लंबा शरीर बमुश्किल ढंक पा रहा था। वह महसूस कर रहा था कि खून उसकी बाँह से रिसता हुआ हथेलियों में जमा हो रहा था।

दरवाज़े की भारी कुंडी पर अब भी गोलियों की बौछार जारी थी। डॉक्टर ब्रुक्स लैंग्डन को घसीटते हुए एक छोटे-से बाथरूम में ले जा रही थी। वह उसके साथ बाथरूम में घुसने ही वाली थी कि अचानक वह रुक गई। वह पीछे मुड़ी और दौड़कर काउंटर के पास गई। वहाँ से उसने खून में लथपथ उसका हैरिस-ट्वीड लपक कर उठा लिया।

मेरे जैकेट को भूल जाओ।

वह जैकेट को लेकर बाथरूम में वापस आई, जिसके अंदर एक दूसरा दरवाज़ा था। उसने झटके से उस दरवाज़े को खोला और लैंग्डन को लेकर साथ बने रिकवरी रूम में घुस गई। उनके पीछे गोलियों की आवाज़ जारी थी। डॉक्टर ब्रुक्स ने तेज़ी से हॉलवे की तरफ झाँककर मुआयना किया और फिर लैंग्डन को खींचते हुए कॉरिडोर की दूसरी तरफ बनी सीढ़ी के निचले हिस्से में पहुँच गई। अचानक तेज़ी से चलने के कारण लैंग्डन के सिर में चक्कर आ रहा था। उसे लग रहा था कि वह बेहोश होने वाला है।

अगले पंद्रह सेकंड के बारे में उसकी स्मृति बिलकुल धुंधली थी. . .नीचे की ओर जाती सीढ़ी. . .लड़खड़ाते पाँव. . .गिरते पड़ते। लैंग्डन के सिर में अब असहनीय दर्द हो रहा था। आँखों के आगे धुंधलाहट बढ़ती जा रही थी। उसकी मांसपेशियों की गति धीमी होती जा रही थी। हर कदम उसे जैसे विलंबित गति से घटित होता हुआ लग रहा था।

और फिर हवा में ठंड का अहसास होने लगा।

मैं बाहर आ चुका हूँ।

डॉक्टर ब्रुक्स उसे एक अंधेरे गलियारे से होते हुए इमारत से दूर लेकर जा रही थी। तभी

लैंग्डन का पाँव किसी नुकीली चीज़ पर पड़ा और वह फुटपाथ पर लड़खड़ाकर गिर गया। उसने मुश्किल से उसे अपने पाँव पर किसी तरह खड़ा किया। वह नींद की दवाओं को गाली दे रही थी।

गलियारे के आख़िरी छोर पर लैंग्डन फिर से लड़खड़ाकर गिर गया। इस बार उसने लैंग्डन को ज़मीन पर गिरा हुआ छोड़ दिया और दूर खड़े किसी आदमी को ज़ोर-ज़ोर से आवाज़ देकर बुलाने लगी। लैंग्डन को अस्पताल के सामने खड़ी टैक्सी की धुंधली हरी रोशनी दिखाई दे रही थी। कार नहीं आई। शायद उसका ड्राइवर अंदर सो रहा था। डॉक्टर ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने लगी। वह अपने हाथ हिलाकर उसे बुलाने लगी। अंततः टैक्सी की बत्ती जली और वह बड़े आराम से उसकी तरफ आने लगी।

गलियारे में पड़े लैंग्डन के पीछे, कोई दरवाज़ा धमाके के साथ खुला। इसके पीछे-पीछे किसी के तेज़ कदमों की आहट भी सुनाई दे रही थी। उसने मुड़कर देखा। कोई काला साया तेज़ी से उसकी तरफ बढ़ रहा था। लैंग्डन अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश करने लगा, लेकिन डॉक्टर ने उसे तब तक कसकर पकड़ लिया था। वह उसे धकेलकर वहाँ खड़ी फिएट टैक्सी की पिछली सीट पर बिठाने की कोशिश कर रही थी। वह किसी तरह अपने शरीर के एक हिस्से को सीट पर रख पाया, लेकिन दूसरा हिस्सा टैक्सी की फर्श पर ही रहा। डॉक्टर ब्रुक्स उछलकर उसके ऊपर चढ़ गई और झट से दरवाज़ा बंद कर दिया।

ऊँघ रहे ड्राइवर ने पीछे मुड़कर इस अजीबो-गरीब तमाशे को देखा कि उसकी गाड़ी में दो लोग किसी तरह चढ़ गए थे। इनमें से एक औरत ने अपने बालों को पुछल्ले की शक्ल में बाँध रखा था तो दूसरे व्यक्ति ने आधी फटी हुई अस्पतालों वाली पोशाक पहन रखी थी और उसके हाथ से खून बह रहा था। वह उन दोनों को अपनी गाड़ी से बाहर निकलने के लिए कहने ही वाला था कि उसके साइड-मिरर में गोली आकर लगी। काले चमड़े की पोशाक पहने एक औरत तेज़ी से गली से बाहर निकली। उसने अपने आगे बंदूक तान रखी थी। उसकी पिस्तौल से एक बार फिर आवाज़ आई, लेकिन डॉक्टर ब्रुक्स ने तेज़ी से लैंग्डन का सिर नीचे कर दिया। गाड़ी का पिछला शीशा चकनाचूर हो गया और उनके ऊपर शीशे की बारिश होने लगी।

अब ड्राइवर को किसी तरह के प्रोत्साहन की ज़रूरत नहीं थी। उसने एक्सेलेरेटर पर ज़ोर से अपना पाँव दबाया और टैक्सी तेज़ी से आगे बढ़ गई।

लैंग्डन जैसे बेहोशी की हालत में डगमगा रहा था। शायद कोई मुझे मारने की कोशिश कर रहा है।

वे जैसे ही गली से बाहर हुए, डॉक्टर ब्रुक्स उठकर बैठ गई। उसने लैंग्डन का हाथ थाम लिया जिससे अब भी खून बह रहा था। उसकी बाँह से कैथेटर अजीब ढंग से बाहर की तरफ लटका हुआ था।

'खिड़की से बाहर देखो।' उसने हुक्म देने के लहज़े में कहा।

लैंग्डन ने उसके हुक्म का पालन किया। बाहर अंधेरे में कब्र पर लगाई जाने वाली पत्थर की पट्टियाँ तेज़ी से उसके आँखों के आगे से गुज़र रही थी। शायद वे किसी कब्रिस्तान से गुज़र रहे थे। उसे यह समयानुकूल ही लगा। लैंग्डन को महसूस हुआ कि डॉक्टर उसके कैथेटर को ढूँढ़ने की कोशिश कर रही थी। अचानक, बिना किसी पूर्व सूचना के उसने झटके से उसकी बाँह से कैथेटर निकाल दिया।

लैंग्डन को अपने सिर में तेज़ दर्द का झोंका महसूस हुआ। उसे लगा कि उसकी आँखें खोपड़ी के भीतर धंसती जा रही थी और तभी चारों तरफ अंधेरा छा गया।

5

फोन की कर्कश आवाज़ सुनकर प्रोवोस्ट ने अपनी नज़रें एड्रियॅाटिक समुद्र के शांत कुहरे से हटाकर फोन की तरफ किया। फिर वह तुरंत अपने स्टेट-रूम दफ्तर में बैठ गया।

वक़्त हो चुका है, उसने सोचा। वह ख़बर सुनने के लिए बेसब्र था।

उसकी मेज़ पर रखे कंप्यूटर स्क्रीन में रोशनी हुई और वह चालू हो गया। उसे पता चल गया कि फोन स्वीडन के सेक्ट्रा टाइगर एक्स एस से आ रहा था। यह एक निजी फोन था, जिसमें वॉयस-इनक्रिप्शन की सुविधा उपलब्ध थी। जहाज़ की संचार व्यवस्था तक पहुँचने के पहले इसे चार ऐसे रूटरों से होकर भेजा गया था, ताकि इसके स्रोत का पता नहीं लग सके।

उसने हेडसेट पहन लिया। 'मैं प्रोवोस्ट बोल रहा हूँ।' उसने फोन उठाते हुए कहा। उसकी आवाज़ धीमी और सधी हुई थी। 'बोलो।'

'मैं वाएंथा।' फोन पर दूसरी ओर से आवाज़ आई।

प्रोवोस्ट को उसकी आवाज़ में एक असामान्य-सी घबराहट दिखाई दे रही थी। फील्ड एजेंट शायद ही कभी सीधे प्रोवोस्ट से बात करते थे। आज की रात मिली असफलता के बाद तो शायद ही किसी एजेंट की नौकरी बची हो। फिर भी प्रोवोस्ट को उस जगह पर एक एजेंट की ज़रूरत थी, जो इस संकट को दूर कर सके और वाएंथा इस काम के लिए सबसे उपयुक्त थी।

'मेरे पास एक ताज़ा जानकारी है।' वाएंथा ने कहा।

प्रोवोस्ट चुप था। यह उसे अपनी बात जारी रखने का संकेत था।

बोलते हुए उसकी आवाज़ में किसी तरह की भावुकता नहीं दिखाई दे रही थी। ज़ाहिर था कि वह पेशेवर दिखने की कोशिश कर रही थी। 'लैंग्डन बचकर निकल गया।' उसने कहा। 'उसके पास सामान है।'

प्रोवोस्ट अपनी मेज़ पर काफी देर तक चुपचाप बैठा रहा। 'समझ गया।' उसने आख़िरकार जवाब दिया। 'मुझे लगता है कि जैसे ही मुमकिन होगा वह अधिकारियों से मिलने की कोशिश करेगा।'

प्रोवोस्ट से दो डेक नीचे जहाज़ के सुरक्षित कंट्रोल टावर में फेसिलिटेटर लॉरेंस नोल्टन अपने निजी, छोटे-से चेंबर में बैठा था। उसने देखा कि प्रोवोस्ट का इनक्रिप्टेड कॉल अब

समाप्त हो चुका था। उसे किसी अच्छी ख़बर की उम्मीद थी। पिछले दो दिनों से प्रोवोस्ट की परेशानी साफ दिखाई दे रही थी। जहाज़ पर काम करने वाले हर व्यक्ति को लग रहा था कि कोई-न-कोई बड़ी कार्रवाई चल रही थी।

इस कार्रवाई पर बहुत बड़ा दाँव लगा है और वाएंथा को इस बार इसे कामयाबी के साथ पूरा करना ही होगा।

नोल्टन को सावधानी से बनाई गई योजनाओं में पीछे से सहयोग देने की आदत थी, लेकिन इस बार सभी योजनाएँ गड्डमड्ड हो गई थी। प्रोवोस्ट ने कमान अपने हाथ में ले ली थी।

इस बार में अंजान इलाके में काम कर रहे हैं।

वैसे तो इस वक़्त दुनिया-भर में करीब आधा दर्जन कार्रवाइयाँ चल रही थी, लेकिन इन सब को कंसोर्शियम के फील्ड ऑफिसों से संचालित किया जा रहा था। *द मेंडेसियम* पर सवार लोग और प्रोवोस्ट सिर्फ एक कार्रवाई पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे थे।

उनका आसामी कई दिन पहले फ़्लोरेंस की किसी ऊँची इमारत से कूदकर अपनी जान दे चुका था, लेकिन कंसोर्शियम के पास अब भी उसके कई काम बाकी थे जिन्हें उसने इस संगठन के ज़िम्मे सौंपा था भले ही परिस्थितियाँ कैसी भी हों। हमेशा की तरह बिना कोई सवाल किए कंसोर्शियम उन ज़िम्मेदारियों को पूरा करना चाहता था।

मुझे हुक्म मिल चुका है, नोलटन ने सोचा। वह काम को पूरा करने के लिए तत्पर था। वह अपने साउंड-प्रूफ कक्ष से बाहर निकला और एक छोटे-से तिजोरी के तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले कमरे, वॉल्ट, में घुस गया। इसमें करीब एक दर्जन मज़बूत बक्से रखे थे। उसने एक बक्से को खोलकर उसके अंदर रखी चीज़ों को बाहर निकाला। गहरे लाल रंग का मेमोरी स्टिक। इसमें लगे टास्क-कार्ड के अनुसार इस मेमोरी स्टिक में एक बड़ी-सी वीडियो फाइल थी। उन्हें यह काम सौंपने वाले व्यक्ति ने कल सुबह एक ख़ास समय पर इस मेमोरी स्टिक के अंदर रखे फाइलों को मीडिया के लिए अपलोड करने का निर्देश दिया था।

कल किया जाने वाला यह गोपनीय अपलोड काफी आसान था, लेकिन इस तरह की डिजिटल फाइलों के लिए निर्धारित कार्य शैली के अनुसार इसे आज ही रिव्यू किया जाना था। मीडिया के पास भेजने के ठीक चौबीस घंटे पहले, ताकि कंसोर्शियम इसके लिए किसी भी तरह के आवश्यक इन्क्रिप्शन, फाइलों को एक स्थान पर जमा करने या दूसरी तैयारियों के लिए उन्हें समय मिल सके।

भाग्य के भरोसे किसी भी काम को नहीं छोड़ना है।

नोल्टन अपने पारदर्शी क्यूबिकल में वापस आ गया। उसने शीशे के भारी दरवाज़े को बंद कर दिया, ताकि बाहर की दुनिया से उसका संपर्क पूरी तरह कट जाए।

उसने दीवार पर लगा एक स्विच दबाया और उसका क्यूबिकल अपारदर्शी हो गया।

गोपनीयता को बनाए रखने के लिए *द मेंडेसियम* पर बने शीशे की दीवारों वाले सभी दफ्तरों में सस्पेंडेड पार्टिकल डिवाइस, एसपीडी, शीशे का इस्तेमाल किया जाता था। एसपीडी युक्त शीशे की पारदर्शिता को बिजली के करंट की मदद से आसानी से कम या ज़्यादा किया जा सकता था। शीशे के अंदर बिजली के प्रवाहित होते ही छोटी छोटी लोहे की कीलों के आकार वाले कणों को या तो एक सीध में लाया जा सकता था या उन्हें पैनल की सतह पर इधर-उधर बिखराया जा सकता था।

काम को अलग-अलग हिस्सों में बाँटकर विभिन्न लोगों को उसकी ज़िम्मेदारी देना कंसोर्शियम की सफलता का एक महत्त्वपूर्ण आधार-स्तंभ था।

अपने मिशन की जानकारी रखो। कुछ भी साझा न करो।

अपने निजी कक्ष में बैठकर नोल्टन ने अब मेमोरी स्टिक को अपने कंप्यूटर में डाला। फाइल पर क्लिक कर उसने इसे समझना-परखना शुरू किया।

अचानक उसका कंप्यूटर स्क्रीन पूरी तरह काल हो गया। उसके स्पीकरों से लहरों की कलकल ध्वनि सुनाई देने लगी। स्क्रीन पर धीरे-धीरे एक छवि उभड़ने लगी. . .जिसका रूप और आकार अस्पष्ट था। अंधेरे के बीच से एक दृश्य उभरने लगा..किसी गुफा का भीतरी हिस्सा. . .या कोई विशाल चेंबर। उस गुफा के फर्श पर पानी की सतह थी, जैसे कि धरती के नीचे कोई तालाब हो। आश्चर्य की बात थी कि पानी में चमक दिखाई दे रही थी. . .अंदर से आ रही चमक।

नोल्टन ने पहले कभी ऐसी चीज़ नहीं देखी थी। गुफा के भीतरी हिस्से में एक डरावनी लाल रोशनी दिखाई दे रही थी। इसकी हल्की पीली दीवारों पर पानी की लहरों की परछाई नज़र आ रही थी, जिसमें छोटी छोटी केशीय संरचना दिखाई दे रही थी। *आख़िर. . .ये कौन-सी जगह है?*

लहरों का उछलना कूदना जारी था। कैमरा अब बिलकुल नीचे की तरफ झुक चुका था और पानी के करीब जा रहा था। चमकदार सतह को छेदता हुआ कैमरा नीचे चला गया। लहरों की आवाज़ आनी बंद हो चुकी थी। उसकी जगह अब पानी के नीचे पसरा डरावना सन्नाटा था। कैमरा पानी के अंदर डूबा हुआ था और नीचे की तरफ जा रहा था। कई फीट अंदर जाने के बाद यह रुका। अब वह गुफा की कीचड़ भरी सतह को दिखा रहा था।

सतह पर स्क्रू की मदद से चिपकाई हुई टाइटेनियम की एक चमचमाती पट्टी दिख रही थी। इस पर कुछ खुदा था:

इसी जगह पर, इसी तिथि को
दुनिया हमेशा के लिए बदल गई थी।

प्लेट की पेंदी में एक नाम और तारीख खुदी थी।

यह नाम उसी व्यक्ति का था जिसने उन्हें यह काम सौंपा था।
तारीख–आने वाले कल की।

6

लैंग्डन को लगा कोई ताकतवर इंसान उसे उठा रहा है..उसे अपनी बेहोशी से निकलने कह रहा है और टैक्सी से बाहर आने में मदद कर रहा है। खाली पैर के नीचे सड़क की ठंड उसके शरीर में प्रवेश कर रही थी।

दुबली-पतली डॉक्टर ब्रुक्स की थोड़ी मदद लेकर लैंग्डन दो अपार्टमेंटों के बीच सुनसान सड़क पर डगमगाता हुआ आगे बढ़ रहा था। वह सुबह की हवा के झोंके का अनुभव कर रहा था, जो उसके अस्पताल के गाउन में भरकर उसे लहरा रहा था। लैंग्डन को अपने शरीर के कुछ ऐसे हिस्सों में भी ठंड का अहसास हो रहा था, जहाँ उसे नहीं होना चाहिए था।

अस्पताल में उसे नींद और दर्द की, जो गोलियाँ दी गई थीं, उनकी वजह से उसकी आँखें धुंधला रही थी और सोचना भी गड्डमड्ड-सा हो रहा था। लैंग्डन को लग रहा था जैसे वह पानी के अंदर था, जहाँ वह चिपचिपे, अंधेरे रास्ते से होकर आगे बढ़ रहा था। सिएना ब्रुक्स उसे घसीटकर आगे ले जा रही थी। वह जितनी ताकत के साथ उसे सहारा दे रही थी, उसे देखकर लैंग्डन को आश्चर्य हो रहा था।

'सीढ़ी।' उसने कहा। लैंग्डन को लगा कि वे लोग इमारत की बगल से ऊपर जा रही सीढ़ी के पास पहुँच चुके थे।

लैंग्डन ने कसकर रेलिंग पकड़ ली। वह धीरे-धीरे ऊपर चढ़ने लगा। उसका सिर चकरा रहा था। वह एक एक कदम आगे बढ़ा रहा था। उसे अपना शरीर बोझिल लग रहा था। अब डॉक्टर ब्रुक्स उसे धक्का देकर आगे ले जा रही थी। जब वे सीढ़ी के चबूतरे के पास पहुँचे, उसने एक पुराने दिख रहे कीपैड में कुछ संख्याएँ टाइप की और दरवाज़े हल्की आवाज़ के साथ खुल गया।

भीतर की हवा भी बाहर की तुलना में अधिक गर्म नहीं थी, लेकिन सड़क पर बने फुटपाथ की खुरदरी सतह की तुलना में कमरे की टाइलें मखमली गलीचे से कम नहीं लग रही थी। डॉक्टर ब्रुक्स लैंग्डन को लेकर एक छोटे-से लिफ्ट के पास पहुँची, जिसमें समेटने वाला दरवाज़ा लगा था। उसने दरवाज़ा खोलकर लैंग्डन को टेलीफोन बूथ के आकार के लिफ्ट के अंदर धकेला। अंदर की हवा में एमएस सिगरेट की बू आ रही थी। ये तीखी-मीठी महक इटली में हर जगह पाई जाती है, जैसे की एस्प्रेसो कॉफी की गंध। बहुत ही धीरे-धीरे इस ख़ुशबू ने लैंग्डन के दिमाग में थोड़ी स्पष्टता लाई। डॉक्टर ब्रुक्स ने एक बटन दबाया। ऊपर की तरफ कुछ पुरानी गरारियों से थकी हुई आवाज़ आई और वे हरकत में आ गई।

ऊपर. . .

ऊपर जाते हुए खटारा लिफ्ट में कंपन हो रहा था और इससे कैं-कूँ कैं-कूँ की आवाज़ आ

रही थी। इसकी दीवारें धातु के बने स्क्रीन की तरह थे इसलिए लिफ्ट के ऊपर जाते हुए वह लिफ्ट वाले गड्ढे की दीवारें देखता रहा। आधी बेहोशी की हालत में भी बंद जगहों का डर उसके अंदर जारी था।

देखो मत।

वह दीवार के साथ सटकर अपनी उखड़ती साँसों को संभालने की कोशिश करने लगा। उसकी बाँह में दर्द हो रहा था। जब उसने नीचे की तरफ देखा तो उसने पाया कि उसके हैरिस ट्वीड के हत्थे को पट्टी की तरह उसकी बाँह के ऊपर लपेट दिया गया था। जैकेट का बाकी हिस्सा उसके पीछे पीछे घिसटता हुआ आगे आ रहा था–गंदा, जगह जगह से फटा चिटा।

उसके सिर में अब भी तेज़ दर्द हो रहा था। उसने अपनी आँखें बंद कर ली, लेकिन अंधकार दोबारा उसके चारों तरफ छा चुका था।

उसकी आँखों के सामने वही परिचित दृश्य फिर से उपस्थित हो चुका था। मूर्ति की तरह दिखाई दे रही औरत, जिसने ताबीज़ पहन रखी थी, चक्करदार जूड़े की शक्ल में तराशे सफेद बाल। पहले की ही तरह वह खून के रंग वाली नदी के किनारे खड़ी थी। उसके चारों तरफ तड़पते लोग छटपटा रहे थे। वह लैंग्डन से बात कर रहा थी। उसकी आवाज़ में अनुनय-विनय का भाव था। *ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा।*

लैंग्डन को अचानक ऐसा लगा कि उसे उस औरत को बचाना ही पड़ेगा. . .उन सभी को बचाना होगा। ज़मीन में आधे गड़े, पैर ऊपर और सिर नीचे, छटपटाते लोग अब एक एक कर शिथिल हो रहे थे।

तुम कौन हो? उसने चुप्पी में चिल्लाते हुए कहा। *तुम क्या चाहती हो?*

गर्म हवा में उसके घने, सफेद बाल लहराने लगे। *हमारा वक़्त कम होता जा रहा है,* उसने फुसफुसाकर कहा और अपनी ताबीज़ को छू लिया। अचानक, बिना किसी चेतावनी के वह आग के एक धधकते खंभे में तब्दील हो गई, जो नदी के इस पास पार से उस पार तक फैल गया। उसने दोनों को अपने अंदर समा लिया।

लैंग्डन चिल्लाया। उसकी आँखें अचानक खुल गईं।

डॉक्टर ब्रुक्स ने उसकी ओर परेशान होकर देखा। 'क्या हो रहा है?'

'मैं उल-जुलूल सपने देखता रहता हूँ।' लैंग्डन ने बड़बड़ाकर कहा। 'वही दृश्य।'

'सफेद बालों वाली औरत और लाशें?'

लैंग्डन ने सहमति में सिर हिलाया। उसकी भौंहों के बीच पसीना चू रहा था।

'आप ठीक हो जाएँगे।' उसने लैंग्डन को आश्वस्त किया, हालाँकि वह ख़ुद घबराई हुई लग रही थी। 'विस्मृति रोग में इस तरह के डरावने सपने काफी आम होते हैं। दिमाग का जो हिस्सा आपकी स्मृति को व्यवस्थित करता है, उन्हें इकट्ठा करता है वह अस्थाई तौर पर

हिल चुका है। इसलिए एक ही दृश्य में सभी चीज़ें एक साथ दिखाई देती हैं।'

'ये कोई अच्छा दृश्य तो नहीं।' उसने किसी तरह बोला।

'हाँ, मुझे पता है, लेकिन जब तक आप ठीक नहीं होते आपकी स्मृति इसी तरह गड्डमड्ड बनी रहेगी। इसमें भूत, वर्तमान और कल्पना तीनों का मिश्रण बना रहेगा। सपने में भी यही होता है।'

लिफ्ट घरघराहट की आवाज़ के साथ रुक गया। डॉक्टर ब्रुक्स ने समेटने वाले दरवाज़े को झटके के साथ खोल दिया। वे फिर से आगे बढ़ रहे थे। इस बार वे एक पतले, अंधेरे गलियारे से गुज़र रहे थे। वे एक खिड़की के पास से गुज़रे, जिसके बाहर सुबह की हल्की रोशनी में फ्लोरेंस के घरों की अस्पष्ट रूपरेखा दिखाई दे रही थी। हॉल के दूर वाले छोर पर पहुँचकर वह झुकी। उसने एक सूखे से पौधे के गमले के नीचे रखी चाबी निकाली और एक दरवाज़ा खोला।

उस छोटे-से अपार्टमेंट के अंदर ऐसा लग रहा था मानो मीठी सुगंध वाली मोमबत्ती और पुरानी कालीन की गंध के बीच घमासान मचा हुआ था। कमरे में थोड़े-से फर्नीचर और कुछ कलाकृतियों रखी थीं–बस नाममात्र के लिए। ऐसा लगता था जैसे कबाड़ी बाज़ार से उसने सामान खरीदकर इसे सजाया हो। डॉक्टर ब्रुक्स ने थर्मोस्टैट को ठीक किया और कमरे के रैडिएटर तुरंत काम करने लगे।

वह एक पल के लिए खड़ी रही और फिर उसने आँखें बंद कर ली। उसने गहरी साँस छोड़ी मानो अपना संतुलन वापस पाने की कोशिश कर रही हो। फिर वह लैंग्डन की ओर मुड़ी और उसे लेकर एक छोटी-सी रसोई में चली गई। रसोई में एक टेबल और दो हल्की कुर्सियाँ रखी थीं।

लैंग्डन एक कुर्सी की तरफ बढ़ा। वह बैठना चाहता था, लेकिन डॉक्टर ब्रुक्स ने उसका एक हाथ कसकर पकड़ लिया और दूसरे हाथ से उसने दीवार पर बनी एक आलमारी का दरवाज़ा खोला। आलमारी तकरीबन खाली थी. . .थोड़े नमकीन बिस्कुट, एक थैली में पास्ता, कोक का एक डिब्बा और नोडोज की एक बोतल।

उसने बोतल को बाहर निकाला और लैंग्डन के हाथ पर छह कैपलेट रख दिए। 'कैफीन।' उसने कहा। 'आज की तरह जब मैं रात की ड्यूटी करती हूँ, उस वक़्त के लिए।'

लैंग्डन ने दवाइयाँ अपने मुँह में डाल ली और पानी के लिए नज़र दौड़ाने लगा।

'चबा लीजिए।' उसने कहा। 'ये आपके शरीर के अंदर जाकर जल्दी अपना असर दिखाएँगी और नींद की दवाओं के असर को कम करेगी।'

लैंग्डन मुँह में पड़ी गोलियाँ चबाने लगा। दवाओं का स्वाद बहुत ही तीखा था। उस उबकाई आ गई। ज़ाहिर था कि उन दवाइयों को पूरा का पूरा निगलने के लिए बनाया गया था। डॉक्टर ब्रुक्स ने रेफ्रिजरेटर खोला और अंदर से सैन पेलग्रिनो की आधी बोतल उसके हाथ

में थमा दी। उसने कृतज्ञ होकर लंबा घूंट लिया। चोटी वाले डॉक्टर ने उसका दाहिना हाथ पकड़ा और उसके जैकेट से बनाए गए कामचलाऊ पट्टी को झटके के साथ खोल दिया, जो उसने थोड़ी देर पहले बाँधा था। इसके बाद वह उसके घाव का गौर से मुआयना करने लगी। उसके बाँह की जाँच-पड़ताल करते हुए लैंग्डन को पता चल रहा था कि डॉक्टर के दुबले पतले हाथ काँप रहे थे।

'आप ज़िंदा बच जाएँगे।' उसने घोषणा की।

लैंग्डन को उम्मीद थी कि वह ठीक ठाक रहेगी। अभी जिस तरह की यातना उसने देखी थी, उसके बारे में वह ठीक से समझ भी नहीं पा रहा था। 'डॉक्टर ब्रुक्स।' उसने कहा, 'हमें किसी को बुलाना होगा। कांसुलेट. . .पुलिस। किसी को भी।'

उसने सहमति में अपना सिर हिलाया। 'और हाँ, आप मुझे डॉक्टर ब्रुक्स कहना बंद करें। मेरा नाम सिएना है।'

लैंग्डन ने सिर हिलाया। 'शुक्रिया। मैं रॉबर्ट हूँ।' ऐसा लगा जैसे उन्होंने अभी-अभी आत्मीयता का, जो संबंध स्थापित किया था उसके हिसाब से उन्हें पहले नाम से बुलाना उचित था। 'आपने कहा आप ब्रिटिश हैं?'

'हाँ, जन्म से।'

'लेकिन आपके बोलने के लहज़े से तो ऐसा नहीं लगता।'

'ये अच्छा है।' डॉक्टर ने जवाब दिया। 'मैंने उस लहज़े से निजात पाने के लिए काफी प्रयत्न किया है।'

लैंग्डन इसकी वजह पूछने ही वाला था, तभी सिएना ने उसे अपने पीछे आने को कहा। वह उसे लेकर एक पतले गलियारे से होती हुई छोटे-से, अंधेरे बाथरूम में ले गई। अपने अस्पताल के कमरे की खिड़की में अपना अक्स देखने के बाद पहली बार लैंग्डन ने अपनी छवि बाथरूम के सिंक के ऊपर बने आईने में देखी। लैंग्डन के घने, काले बाल उलझे हुए थे। उसकी आँखें खून की तरह लाल दिख रही थी जिनमें थकावट दिखाई दे रही थी। उसके जबड़े बढ़ी हुई दाढ़ी के पीछे छुपे हुए थे।

सिएना ने नल चालू कर लैंग्डन की घायल बाँह को बर्फीले पानी की धार के नीचे कर दिया। उसे तेज़ चुभन का अनुभव हुआ, लेकिन उसने अपना हाथ नहीं हटाया।

सिएना एक साफ कपड़ा लेकर आई। उसने इसे बैक्टीरिया को मारने वाले साबुन से धोया। 'आप दूसरी तरफ देखें।'

'कोई बात नहीं। मुझे कोई फर्क नहीं. . .'

सिएना घाव पर कपड़े को ज़ोर-ज़ोर से रगड़ कर साफ करने लगी। लैंग्डन की बाँह में दर्द का तेज़ झोंका उठा। उसने चीख रोकने के लिए अपने जबड़े भींच लिए।

'आप अपने शरीर में किसी तरह का संक्रमण तो नहीं चाहते।' यह बोलकर वह घाव को

और ज़ोर-ज़ोर से रगड़ने लगी। 'और अगर किसी अधिकारी को बुलाना चाहते हैं तो आपको अभी और भी सजग होना पड़ेगा। शरीर में एड्रीनलीन के प्रवाह को बढ़ाने के लिए दर्द से बढ़कर कोई और चीज़ काम नहीं करती।'

लैंग्डन करीब दस सेकंड तक अपनी घायल बाँह को ज़ोर-ज़ोर से रगड़ना जाना बर्दाश्त करता रहा। इसके बाद उसने ज़बरदस्ती अपना हाथ झटककर हटा दिया। अब वह ख़ुद को अधिक सजग और ताकतवर महसूस कर रहा था। उसकी बाँह में हो रहा था, अब सिर के दर्द पर भारी पड़ रहा था।

'बहुत अच्छा।' उसने नल को बंद किया और उसके हाथ को साफ तौलिए से पोछने लगी। इसके बाद सिएना ने उसकी बाँह पर एक छोटी-सी पट्टी बाँध दी, लेकिन जिस समय वह ऐसा कर रही थी लैंग्डन की नज़र किसी चीज़ पर पड़ी जिस से वह काफी परेशान हो गया।

तकरीबन चालीस वर्षों से लैंग्डन ने मिकी माउस की एक पुरानी घड़ी पहनी थी, जो उसे माँ-बाप से उपहार में मिली थी। मिकी का हँसता चेहरा और इधर-उधर बेतरतीब ढंग से हिलती बाँहें उसे थोड़ा अधिक हँसने और ज़िंदगी को थोड़ा कम गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करता रहता था।

'मेरी. . .घड़ी,' लैंग्डन ने हकलाते हुए पूछा। 'खो गई क्या?' इसके बिना उसे अचानक लगा जैसे वह अधूरा था। 'जब मैं अस्पताल पहुँचा था तो क्या मैंने इसे पहन रखा था?'

सिएना ने उसकी तरफ अविश्वास से भरी नज़रों से देखा। उसे हैरानी हो रही थी कि भला इतनी छोटी-सी चीज़ के लिए कोई कैसे परेशान हो सकता है। 'मुझे कोई घड़ी-वड़ी याद नहीं आ रही। अपने को ठीक ढंग से साफ कर लीजिए। मैं थोड़ी देर में वापस आ रही हूँ, फिर हम सोचेंगे कि आपकी मदद कैसे की जा सकती है।' वह बाहर जाने के लिए मुड़ी, लेकिन दरवाज़े के पास जाकर ठिठक गई। आईने में उभरे अक्स में दोनों की आँखें मिली। 'और जब तक मैं वापस नहीं आऊँ, तब तक आप सोचने की कोशिश कीजिए कि आख़िर कोई आपकी जान क्यों लेना चाहता है। मुझे लगता है कि अधिकारी आप से सबसे पहले यही सवाल पूछेंगे।'

'रुको, तुम कहाँ जा रही हो?'

'आप अधनंगी हालत में पुलिस से बात नहीं कर सकते। मैं आपके लिए थोड़े-से कपड़े लाने जा रही हूँ। मेरा पड़ोसी आपकी कद-काठी का है। वह अभी बाहर है। मैं उसकी बिल्ली का ख़्याल रखती हूँ। उसके ऊपर मेरा कर्ज़ है।'

यह बोलकर सिएना वहाँ से निकल गई।

रॉबर्ट लैंग्डन सिंक के ऊपर बने छोटे-से आईने की ओर मुड़ा। अपनी ओर घूर रहे उस आदमी को पहचान नहीं पा रहा था। *कोई मेरी जान लेना चाहता है।* एक बार फिर, उसके दिमाग में बेहोशी की हालत में बोली गई बातों की रिकॉर्डिंग घूमने लगी थी।

वेरी सॉरी। वेरी सॉरी।

कुछ याद करने के लिए वह अपने दिमाग पर ज़ोर डालने लगा. . . कुछ भी। उसे केवल खालीपन दिखाई दे रहा था। उसे इस समय सिर्फ इतना पता था कि वह फ़्लोरेंस में है और उसके सिर में गोली लगी है।

अपनी थकी हुई आँखों में झाँकते हुए लैंग्डन सोच रहा था कि पता नहीं उसे फिर से कभी अपने कमरे में बैठकर, हाथ में मार्टिनी का खाली गिलास पकड़े और *डेड सोल्स की प्रति* लेकर बैठने का मौका मिलेगा भी या नहीं। यह सोचते हुए उसने अपने आपको याद दिलाया कि बॉम्बे सैफायर और गोगोल को कभी मिलाना नहीं चाहिए।

7

लैंग्डन ने खून से लथपथ अस्पताल वाला गाउन उतारकर तौलिया लपेट लिया। चेहरे पर हौले हौले पानी के छींटे मारने के बाद उसने अपने सिर के पीछे लगी सिलाई को छुआ। छूने से थोड़ा दर्द हो रहा था, लेकिन जब उसने अपने उलझे हुए बालों को वहाँ से हटाया तो लगा जैसे घाव तकरीबन ठीक हो चुका था। कैफीन की गोलियों का असर चालू हो चुका था और आख़िरकार उसके दिमाग पर पड़ी धुंध छंट रही थी।

रॉबर्ट सोचो, याद करने की कोशिश करो।

बाथरूम की खिड़कियाँ उसे अचानक दमघोंटू लगने लगी। लैंग्डन अब हॉल में आ गया। वह बिना कुछ सोचे-समझे शरीर की सहज प्रतिक्रिया से प्रेरित होकर उस तरफ बढ़ने लगा, जहाँ कॉरिडोर के छोर पर आधे खुले दरवाज़े से धूप अंदर आ रही थी। कमरा कामचलाऊ अध्ययन कक्ष की तरह लग रहा था। इसमें एक सस्ती डेस्क, पुरानी-सी घूमने वाली कुर्सी रखी थी। ज़मीन पर तरह तरह की पुरानी किताबें बिखरी हुई थी। शुक्र था कि इसमें *एक खिड़की* भी थी।

लैंग्डन धूप वाली जगह की ओर बढ़ा।

दूर इटली के टस्कनी प्रदेश का उगता हुआ सूर्य नींद से जाग रहे शहर की अट्टालिकाओं के शिखर को चूम रहा था–कैंपेनाइल, बाडिया और बारगेलो जैसी जगहें। लैंग्डन ने खिड़की के ठंडे शीशे पर अपना सिर रखकर दबाया। मार्च की गुनगुनी सर्दी वाली हवा में धार थी। पहाड़ियों के शीर्ष को अब पूरी तरह आच्छादित कर रही धूप के प्रभाव को यह और भी बढ़ा रही थी।

लोग इसे चित्रकारों की रोशनी कहते थे, *पेंटर्स लाइट।*

सामने दिख रही इमारतों के बीचों बीच लाल खपड़ैल से बना एक गुंबद दिखाई दे रहा था, जिसके शीर्ष पर ताँबे का एक गोला चमक रहा था। इस गोले पर सोने का पानी चढ़ा था, जो किसी आकाशदीप की तरह चमक रहा था। इल्ल डुओमो ब्रुनोलेस्की ने बेसिलिका के विशाल गुंबद का निर्माण कर स्थापत्य कला के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किया था। पाँच सौ साल बीत चुके थे, लेकिन आज भी 375 फुट ऊँची यह संरचना ज्यों-की-त्यों खड़ी थी। पिआत्ज़ा डेल डुओमो पर निश्चल खड़ी विशाल आकृति।

आख़िर मैं फ़्लोरेंस में क्यों हूँ?

लैंग्डन हमेशा से इतालवी कला का प्रशंसक रहा था। पूरे यूरोप में फ़्लोरेंस उसका प्रिय स्थान था। इसी शहर की गलियों में बचपन में खेलते हुए माइकेल एंजेलो बड़े हुए थे, जिनके स्टूडियो के अंदर से इतालवी नवजागरण की चिंगारी निकली थी। यही वह फ़्लोरेंस था,

जिसकी गैलरियाँ लाखों सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करती थी और वे बोटीचेली के बर्थ ऑफ़ वीनस, लियोनार्डो के *एननसिएशन* और इस शहर के गौरव *इल डाविडे* की तारीफ करते थकते नहीं थे।

लैंग्डन ने पहली बार किशोरावस्था में माइकेल एंजेलो का डाविडे देखा था। वह उसी समय से इसका दीवाना था। उसे याद था कि किस तरह एकेडेमिया डेल बेले आर्टि. . .से अंदर प्रवेश कर. . .माइकेल एंजेलो की अपूर्ण कृति *प्रीजिओनी* के गंभीर पहलू को देखते हुए वह आगे बढ़ता तो उसे लगता था जैसे कोई उसकी नज़रों को ऊपर की ओर खींच रहा हो, जहाँ सत्तरह फुट ऊँची अद्भुत कलाकृति बनी थी–मास्टरपीस। डाविडे का विशाल आकार और इसकी मांसपेशियों का महीन और विस्तृत निरूपण पहली बार यहाँ आने वाले दर्शकों को हमेशा अचंभित करता था, लेकिन लैंग्डन के लिए माइकेल एंजेलो ने डाविडे को जिस मुद्रा में निरूपित किया वही सबसे अधिक प्रभावित करता था। माइकेल एंजेलो ने मूर्तिकला की उस शास्त्रीय परंपरा का इस्तेमाल किया था जिसे कोंट्रापोस्टो कहा जाता था। इसी वजह से डाविडे को देखकर ऐसा लगता था जैसे वह अपनी दाहिनी तरफ झुका हुआ था और उसके बाएँ पैर पर जैसे कोई वजन ही नहीं था। वास्तविकता यह थी कि उसके बाएँ पैर पर टनों संगमरमर का वजन था।

डाविडे की मूर्ति ने पहली बार लैंग्डन के हृदय में महान शिल्पकला के प्रति प्रशंसा का भाव पैदा किया था। इस वक़्त लैंग्डन याद करने की कोशिश कर रहा था कि पिछले कुछ दिनों में क्या उसने इस मूर्ति को देखा था, लेकिन उसे सिर्फ इतना याद आ रहा था कि वह अस्पताल में जगा और उसके सामने एक निर्दोष डॉक्टर की हत्या कर दी गई। *वेरी सॉरी। वेरी सॉरी।*

उसे अपने अंदर एक असहनीय अपराध-बोध का अनुभव हो रहा था। मैंने क्या किया है?

खिड़की के सामने खड़े होकर उसकी नज़र बगल वाली मेज़ पर रखे लैपटॉप पर पड़ी। लैंग्डन को अचानक लगा कि बीती रात, जो भी हुआ होगा वह आज की खबरों में ज़रूर शामिल होगा।

अगर मैं इंटरनेट का इस्तेमाल कर सकूँ तो मुझे जवाब मिल सकता है।

लैंग्डन दरवाज़े की तरफ मुड़ा और आवाज़ लगाई, 'सिएना?'

खामोशी। वह अब भी पड़ोसी के अपार्टमेंट में उसके लिए कपड़े तलाश रही थी।

उसे कोई संदेह नहीं था कि सिएना उसकी इस हरकत का कारण समझ पाएगी। लैंग्डन ने कंप्यूटर को खोला और उसे चालू कर दिया।

सिएना के कंप्यूटर का होमस्क्रीन सामने था। इसमें विंडोज ब्लू-क्लाउड दिख रहा था, जो सामान्य तौर पर अधिकांश कंप्यूटर स्क्रीन पर पाया जाता है। लैंग्डन ने तुरंत गूगल इटालिया सर्चपेज पर जाकर टाइप किया *रॉबर्ट लैंग्डन।*

सर्च पेज पर नज़रें दौड़ाते हुए वह कल्पना कर रहा था कि *उसके छात्र अगर उसे अभी देख पाते तो वे क्या सोचते।* लैंग्डन हमेशा अपने छात्रों को अपने नाम का सर्च ख़ुद करने के लिए झिड़कता रहता था। उसे लगता था कि समय काटने का यह एक अजीब तरीका था, जिसमें अपनी शोहरत के प्रति एक अवांछित जुनून परिलक्षित होता था। उसे लगता था कि इस लत ने अमेरिका के नवयुवकों को जकड़ रखा है।

कंप्यूटर स्क्रीन पर सर्च परिणाम का पूरा पेज दिखाई दे रहा था। लैंग्डन की किताबों, उसके लेक्चर से संबंधित सैकड़ों हिट्स। *मैं इनकी तलाश नहीं कर रहा।*

लैंग्डन ने सर्च को सीमित करने के लिए न्यूज *रिज़ल्ट* वाली जगह को क्लिक किया।

एक नया पेज सामने था, *जिसमें रॉबर्ट लैंग्डन के बारे में खबरें थी।*

किताबों का लोकार्पण– रॉबर्ट लैंग्डन किताबों के लोकार्पण में. . .

रॉबर्ट लैंग्डन द्वारा दिया गया ग्रैजुएशन एड्रेस. . .

सिंबल प्राइमर के बारे में रॉबर्ट लैंग्डन की किताब प्रकाशित. . ..

यह सूची कई पेज लंबी थी, लेकिन यहाँ भी लैंग्डन को हाल-फिलहाल की कोई सूचना नहीं मिली। वहाँ ऐसी किसी घटना का जिक्र नहीं था जिससे उसकी वर्तमान स्थिति के बारे में अंदाज़ा लगाया जा सकता था। *कल रात क्या हुआ था?* लैंग्डन ने कंप्यूटर सर्च को आगे बढ़ाया। अब वह द फ्लोरेंटाइन नाम के अखबार के पेज पर था। यह अंग्रेज़ी अखबार फ्लोरेंस से प्रकाशित होता था। उसने सुर्खियों पर नज़र दौड़ाई, ब्रेकिंग न्यूज देखा, पुलिस ब्लॉग को छाना, किसी अपार्टमेंट में आग की ख़बर को पूरा पढ़ा, सरकारी महकमे में घूसखोरी की एक ख़बर पढ़ी और छोटे-मोटे अपराधों की ख़बरों को भी पढ़ डाला।

कुछ भी नहीं।

वह ब्रेकिंग न्यूज वाले पेज पर एक जगह रुका। इसमें शहर के एक अधिकारी के बारे में ख़बर थी जिसकी कैथेड्रल के बाहर चौराहे पर हार्ट-अटैक से मौत हो गई थी। अधिकारी का नाम अभी घोषित नहीं किया गया था, लेकिन इसमें किसी तरह की गड़बड़ी का आशंका नहीं व्यक्त की गई थी।

लैंग्डन को समझ में नहीं आ रहा था कि उसे क्या करना चाहिए। हार कर उसने हार्वर्ड के अपने ई-मेल अकाउंट में लॉग इन किया और अपने मैसेज देखने लगा। वह सोच रहा था कि उसे शायद अपने सवालों का जवाब यहाँ मिल पाएगा, लेकिन यहाँ भी उसे अपने सहकर्मियों, छात्रों, दोस्तों के ईमेल के सामान्य ईमेल संदेशों के अलावा कुछ भी नहीं दिखाई दिया। इनमें भी अधिकतर अगले सप्ताह उस से समय माँगने के लिए लिखे गए थे।

ऐसा लगता है कि मुझे कोई जानता नहीं। मेरा काम तमाम।

लैंग्डन के दिमाग में अनिश्चितता बढ़ती जा रही थी। उसने कंप्यूटर बंद कर दिया। वह जाने ही वाला था कि उसकी नज़र किसी चीज़ पर पड़ी। सिएना की मेज़ के कोने पर पुराने

मेडिकल जर्नलों और कागज़ों के ढेर में कोने पर एक पोलरॉयड तस्वीर पड़ी थी। यह सिएना ब्रुक्स और दाढ़ी वाले उसके सहकर्मी डॉक्टर की तस्वीर थी। वे दोनों अस्पताल के हॉलवे में खड़े होकर हँस रहे थे।

डॉक्टर मार्कोनी, लैंग्डन ने सोचा। फोटो हाथ में लेकर देखते हुए उसके अंदर एक तरह का अपराध-बोध भर गया।

तस्वीर को वापस अपने स्थान पर रखते हुए उसे किताबों के ऊपर पड़े पीले से बुकलेट को देखकर आश्चर्य हुआ। यह लंदन ग्लोब थिएटर का एक पुराना बुकलेट था। इस पर लिखी इबारत के अनुसार यह शेक्सपियर के नाटक *ए मिडसमर नाइट्स ड्रीम* के लिए मुद्रित पुस्तिका थी। नाटक को करीब पच्चीस साल पहले खेला गया था।

इस बुकलेट के ऊपरी हिस्से में हाथ से एक संदेश लिखा था–*प्रियतम, कभी भूलना नहीं कि तुम किसी चमत्कार से कम नहीं।*

लैंग्डन ने बुकलेट को उठाया तो अखबारों की कई कतरनें भर-भराकर मेज़ पर गिर गई। उसने जल्दी से उन्हें अपने स्थान पर रखने की कोशिश की, लेकिन जब उसने बुकलेट को खोला तो इसके पुराने पड़ चुके पन्नों के बीच, जहाँ अखबार की कतरनें रखी थी, उसे कुछ दिखाई दिया। वह तुरंत रुक गया।

वहाँ एक बच्चे की तस्वीर थी जिसने शेक्सपियर के नाटक में बदमाश पक का किरदार निभाया था। तस्वीर में एक बच्ची दिखाई दे रही थी जिसकी उम्र अधिक से अधिक पाँच साल की रही होगी। उसके सुनहले बालों परिचित शैली में चोटी की हुई थी।

इस फोटो के नीचे लिखा था–*ए स्टार इज बॉर्न।*

तस्वीर के नीचे इस बाल-कलाकार के बारे में तारीफों के पुल बांधे गए थे–सिएना ब्रुक्स, अत्यंत प्रतिभावान लड़की जिसने एक ही रात में अपने किरदार की सभी पंक्तियाँ याद कर ली थी। वह अपने साथ काम कर रहे किरदारों की पंक्तियाँ भी उन्हें याद दिलाती। वायलिन बजाना, शतरंज खेलना, जीव-विज्ञान और रसायन विज्ञान पाँच साल की इस लड़की के शौक थे। लड़की लंदन के उपनगरीय इलाके में रहने वाले धनाढ्य ब्लैकहीथ की बेटी थी। वैज्ञानिकों की मंडली में अभी से इस लड़की की ख्याति थी। चार साल की उम्र में उसने शतरंज के एक ग्रैंड-मास्टर को अपने ही खेल में मात दी थी। वह तीन भाषाएँ पढ़ सकती थी।

हे भगवान। लैंग्डन ने सोचा। *सिएना। अब कुछ बातें समझ में आ रही थी।*

लैंग्डन को हार्वर्ड के सबसे मशहूर बाल-प्रतिभा सॉल क्रिपके की याद आई। उसने छह साल की उम्र में ख़ुद से हिब्रू भाषा सीख ली थी। बारह साल का होते होते उसने देकार्त की सभी किताबें पढ़ डाली। लैंग्डन को हाल की एक घटना याद आई। मोशे काइ कैवलिन नाम के एक बच्चे ने ग्यारह साल की उम्र में कॉलेज की डिग्री हासिल कर ली। उसे 4.0 ग्रेड प्वाइंट

मिला और उसने युद्ध-कला में राष्ट्रीय खिताब भी जीता। चौदह साल की उम्र में उसकी किताब *वी कैन डू* प्रकाशित हुई।

लैंग्डन अब अखबार की दूसरी कतरन लेकर पढ़ने लगा। इसमें सात साल की सिएना की तस्वीर छपी थी–बाल विदुषी–आईक्यू 208.

लैंग्डन को पता नहीं था कि आईक्यू इस सीमा तक जा सकता था। लेख के अनुसार सिएना ब्रुक्स पिआनो में निष्णात थी, वह एक महीने में कोई भी नई भाषा सीख सकती थी। इस समय वह शरीर संरचना से संबंधित जानकारी हासिल कर रही थी।

उसने किसी मेडिकल जर्नल में प्रकाशित ख़बर की कतरन पर नज़र डाली–द फ्यूचर ऑफ़ थॉट्स: नॉट आल माइंड्स आर क्रिएटेड इक्वल।

इस लेख में भी सिएना की तस्वीर थी। शायद वह दस वर्ष की रही होगी। बच्ची-सी दिख रही सिएना किसी बड़े से मेडिकल यंत्र के साथ खड़ी दिखाई दे रही थी। लेख में किसी डॉक्टर के साथ साक्षात्कार छपा था, जो सिएना के दिमाग के एक हिस्से सेरीबेलम के पेट-स्कैन के बारे में बता रहा था। इससे पता चलता था कि सिएना का सेरिबेलम दूसरों के सेरीबेलम से अलग था। उसका सेरिबेलम आकार में बड़ा और अधिक व्यवस्थित था, जो दृश्य–स्थान से संबंधित तथ्यों को इस तरह से आपस में जोड़कर देख सकता था, जो सामान्य मनुष्य के लिए संभव नहीं था। डॉक्टर के शरीर की इस विशिष्ट बनावट की व्याख्या करते हुए डॉक्टर बता रहा था कि यह उसके मस्तिष्क के अंदर कोशिकाओं के सामान्य से अधिक गति से विकास के कारण संभव हो पाया था। यह देखने में कैंसर की तरह लगता था, लेकिन फर्क सिर्फ इतना था कि यह वृद्धि मस्तिष्क की कोशिकाओं में हो रही थी न कि ख़तरनाक कैंसर कोशिकाओं में।

लैंग्डन को एक छोटे-से शहर के अखबार की कतरन भी मिली।

द कर्स ऑफ़ ब्रिलियंस।

इस बार की कतरन के साथ कोई तस्वीर नहीं थी, लेकिन ख़बर एक कम उम्र की अद्भुत प्रतिभाशाली बच्ची के बारे में थी–सिएना ब्रुक्स। उसने दूसरे बच्चों के साथ स्कूल में पढ़ाई करने की कोशिश की, लेकिन वह वहाँ घुल-मिल नहीं पाई। इस लेख में असाधारण प्रतिभावान बच्चों के एकाकीपन की बात की गई थी, क्योंकि उनकी सामाजिक मेलजोल की क्षमता उनकी प्रतिभा से मेल नहीं खाती। उन्हें प्रायः अपने संगी-साथियों की जमात से बहिष्कृत जीवन जीना होता था।

इस लेख के अनुसार, सिएना आठ साल की उम्र में घर से भाग गई थी। दस दिनों तक उसका कोई अता-पता नहीं था। बाद में वह लंदन के किसी महंगे होटल में मिली थी, जहाँ उसने होटल में रह रहे किसी दूसरे व्यक्ति की बेटी होने का झूठ बोला, चाबी चुराई और किसी दूसरे के खाते पर कमरे में खाना-पीना मंगवाती रही। इस दौरान उसने अपना सारा

समय ग्रे की 1600 पन्नों की मशहूर किताब ग्रे’ज़ एनाटोमी को पढ़ने में लगाया। जब अधिकारियों ने उससे पूछा कि वह चिकित्सा विज्ञान की किताब क्यों पढ़ रही थी तो उसने कहा कि वह अपने दिमाग की विकृति के बारे में समझना चाहती थी।

लैंग्डन का दिल उस छोटी-सी लड़की के लिए उमड़ आया। वह कल्पना नहीं कर पा रहा था कि इस तरह की सबसे अलग किस्म की और इतनी कम उम्र की लड़की अपने दूसरों से कितना कटा हुआ महसूस करती होगी। उसने लेखों को वापस रखने के लिए मोड़ा और एक बार फिर पाँच साल की उस लड़की की तस्वीर पर नज़र डाली, जो पक की भूमिका निभा रही थी। लैंग्डन को मानना पड़ा कि उस नटखट, सपने पैदा करने वाली रूह के रूप में उसका किरदार कितना सही था। आख़िर आज सुबह जिन अवास्तविक-सी परिस्थितियों में सिएना से उसकी मुलाकात हुई, उनसे तो यही लगता था। नाटक के पात्रों की तरह लैंग्डन चाह रहा था कि काश वह भी जागकर यह दिखाने की कोशिश कर पाता कि थोड़ी देर पहले का उसका अनुभव केवल एक सपना था।

लैंग्डन ने सभी कतरनों को ठीक उसी जगह पर रख दिया, जहाँ से उसने उन्हें देखने के लिए निकाला था। उसने नाटक की पुस्तिका बंद कर दी। उसकी नज़र दोबारा बुकलेट के मुखपृष्ठ पर लिखे नोट पर गई, *प्रियतम, कभी भूलना नहीं कि तुम किसी चमत्कार से कम नहीं।* अचानक उसे अपने अंदर एक गहरी उदासी का अनुभव होने लगा।

उसकी नज़र बुकलेट पर बने परिचित चिह्न पर पड़ी। यह वही ग्रीक चित्र-शब्द था, जो उस समय नाटक का परिचय कराने वाली अधिकांश पुस्तिकाओं पर छपा होता था–2500 साल पुराना प्रतीक, जो नाटकों के साथ प्रतीक के तौर पर एकरूप हो चुका था।

ले मास्केरे।



लैंग्डन चित्र पर बने सुखांत और दुखांत चेहरों पर नज़र डाली, जो उसकी तरफ लगातार देख रहे थे। अचानक उसे अपने कानों में एक अजीब-सी भनभनाहट सुनाई पड़ी। उसे लगा जैसे उसके दिमाग के अंदर कोई तार कस रहा हो। उसकी खोपड़ी में दर्द का एक बबूला उठा। अपनी आँखों के सामने उसे मुखौटे दिखाई देने लगे। लैंग्डन ने हाँफते हुए अपने हाथ ऊपर की ओर किए। वह कुर्सी पर बैठ गया और अपनी आँखें कसकर बंद कर लीं और माथा पकड़कर बैठ गया।

अंधेरे के बीच अजीब-अजीब-से दृश्य उसे डराने लगे. . .भयानक और स्पष्ट।

खून के रंग में रंगी नदी के दूसरे छोर से सफेद बालों वाली और ताबीज़ पहनी औरत उसे बार-बार अपनी ओर बुला रही थी। उसकी निराशा भरी चीख उस स्थान के बदबूदार माहौल को चीर रही थी। सामने जहाँ तक नज़रें जा रही थी, प्रताड़ना सह रहे और मरणासन्न लोग छटपटाते दिखाई दे रहे थे, लेकिन उस औरत की चीख उन सब पर भारी पड़ रही थी। लैंग्डन ने फिर से ज़मीन में गड़े लोगों को देखा। उनकी टाँगें हवा में छटपटा रही थी और उन के ऊपर आर लिखा हुआ था।

ढूँढ़ो और पाओ! उस औरत ने लैंग्डन को कहा। *वक़्त बीतता जा रहा है।*

लैंग्डन को दोबारा ऐसा लगा कि उसे उस औरत की मदद अवश्य करनी चाहिए. . .*सभी* की मदद करनी चाहिए। बेचैन होकर उसने खून के रंग से नदी के उस पार खड़ी औरत को आवाज़ दी। तुम कौन हो?

एक बार फिर उस औरत ने अपना नकाब उठाया। लैंग्डन को फिर वह अद्भुत चेहरा दिखाई दिया, जो उसने पहले देखा था।

मैं जीवन हूँ, उसने कहा।

बिना किसी पूर्व-सूचना के उसके ऊपर आकाश में एक विशाल आकृति प्रकट हुई। एक डरावना मुखौटा, जिसकी चोंच जैसी नाक और दो आग बरसाती हरी आँखें थीं। आँखें लैंग्डन को लगातार घूर रही थी।

और. . .मैं मृत्यु हूँ। कहीं एक आवाज़ गूँजी।

8

लैंग्डन की आँखें अचानक खुल गईं। उसने आश्चर्य में भरकर गहरी साँस ली। वह अब भी सिएना की मेज़ पर बैठा था। उसने हाथ से अपना सिर पकड़ रखा था। उसका दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। उसने डरावने दृश्य को झटककर आँखों से दूर करना चाहा। उसका दिल अब भी हथौड़े की तरह बज रहा था।

पता नहीं मुझे क्या हो रहा है?

सफेद बालों वाली औरत और चोंच जैसी नाक वाले मुखौटे का दृश्य अब भी उसकी आँखों के आगे घूम रहा था। मैं जीवन हूँ। मैं मृत्यु हूँ। उसने इस दृश्य को अपनी आँखों से झटककर दूर करना चाहा, लेकिन उसे लगा जैसे उसके दिमाग के अंदर कोई स्थाई घाव बन गया था। सामने की मेज़ पर रखी नाटक की पुस्तिका से दो मुखौटे उसकी ओर लगातार घूर रहे थे।

आपकी स्मृति गड्डमड्ड और अव्यवस्थित रहेगी, सिएना ने उसे बताया था। *भूत, वर्तमान और कल्पना एक साथ घुल-मिल जाएँगे।*

लैंग्डन का सिर चकरा रहा था।

अपार्टमेंट के भीतर किसी फोन की घंटी बज रही थी। तीखी, पुराने ढंग की घंटी। फोन की आवाज़ रसोईघर से आती हुई सुनाई दे रही थी।

'सिएना?' लैंग्डन ने खड़े होते हुए आवाज़ दी।

कोई जवाब नहीं। वह अब तक वापस नहीं लौटी थी। बस दो बार घंटी बजने के बाद, फोन का आँसरिंग मशीन चालू हो गया।

'हेलो, मैं सिएना बोल रही हूँ,' आंसरिंग मशीन पर सिएना की ख़ुशनुमा आवाज़ सुनाई दे रही थी, 'आप अपना संदेश आंसरिंग मशीन पर छोड़ दें, मैं आपको फोन करूँगी', इतालवी में सिएना अपने कॉल करने वाले को आंसरिंग मशीन पर संदेश रिकॉर्ड करने को कह रही थी।

बीप की आवाज़ सुनाई दी। दूसरी ओर से किसी औरत ने अपना संदेश रिकॉर्ड करना शुरू किया। उसके बोलने का लहज़ा पूर्वी यूरोप के लोगों जैसा लग रहा था। हॉल के अंदर उसकी आवाज़ गूँज रही थी।

'सिएना, मैं दानिकोवा। तुम कहाँ? सब डरावना। तुम्हारा दोस्त मार्कोनी, मर गया। अस्पताल में सब पागल हो गया। पुलिस आया. . . लोग बोला तुम *रोगी* साथ लेकर उसका जान बचाने भागा। क्यूं? तुम उसे नहीं जानता। पुलिस *तुमसे* बात करना चाहता। वे कर्मचारी का फाइल ले गया। मैं जानता ख़बर गलत–पता गलत, नंबर नहीं, झूठा वीसा। वह

तुमको आज खोज नहीं पाएगा, लेकिन जल्दी पता कर लेगा। मैं तुमको सावधान करती। सॉरी, सिएना।'

कॉल ख़त्म हो गया।

लैंग्डन को लगा एक बार फिर वह ग्लानि से भर गया था। संदेश से पता चलता था कि डॉक्टर मार्कोनी ने सिएना को अस्पताल में काम करने की इजाज़त दी थी। अब लैंग्डन की वजह से मार्कोनी की जान चली गई थी और अंजान व्यक्ति की जान बचाने की कोशिश में उसका भविष्य दांव पर लगा हुआ था।

तभी अपार्टमेंट के दूसरे छोर पर किसी दरवाज़े के बंद होने की तेज़ आवाज़ सुनाई दी।

वह वापस आ चुकी है।

एक क्षण बाद, आंसरिंग मशीन में फिर से आवाज़ सुनाई दी। 'सिएना, मैं दानिकोवो। तुम कहाँ?'

लैंग्डन थर्रा गया। वह जानता था कि सिएना यह संदेश सुनेगी। संदेश जैसे ही चालू हुआ, लैंग्डन ने नाटक वाले बुकलेट को दूर हटाकर मेज़ को साफ कर दिया। फिर वह हॉल से होता हुआ बाथरूम में चला गया। वह सिएना के जीवन के पिछले दौर के बारे में जानकर ख़ुद को असहज महसूस कर रहा था।

दस सेकंड बाद, बाथरूम के दरवाज़े पर किसी ने हल्की-सी दस्तक दी।

'मैं आपके कपड़े कुंडी के ऊपर छोड़ रही हूँ।' सिएना ने कहा। उसकी आवाज़ भावुक हो रही थी।

'शुक्रिया।' लैंग्डन ने कहा।

'जब आपका काम पूरा हो जाए तो किचन में आ जाइएगा।' उसने कहा। 'हम किसी को बुलाएँ उसके पहले मैं आपको कुछ महत्त्वपूर्ण चीज़ दिखाना चाहती हूँ।'

हॉल को पार करते हुए सिएना अपार्टमेंट के मामूली से बेडरूम में गई। वह थकी हुई लग रही थी। उसने नीली रंग की जीन्स निकाली और बाथरूम में चली गई।

उसने आईने में दिखाई दे रहे अपने अक्स से आँखें मिलाई। हाथ ऊपर उठाकर उसने झटके से सुनहले बालों की चोटी को खींचा। उसके सिर से विग नीचे सरक आया।

आईने के भीतर से बत्तीस साल की, गंजी औरत उसे घूर रही थी।

सिएना की ज़िंदगी में कभी चुनौतियों की कमी नहीं रही थी। वैसे उसने दिमाग का इस्तेमाल कर अपनी परेशानियों का मुकाबला करने के लिए ख़ुद को प्रशिक्षित किया था, लेकिन उसकी वर्तमान अवस्था ने उसे भावनात्मक रूप से हिलाकर रख दिया था।

उसने विग को एक तरफ रख दिया और अपने हाथ और चेहरे को धोने लगी। इन्हें सुखाने के बाद उसने अपने कपड़े बदले और फिर से विग पहन लिया और इस सावधानी से इसके बालों को सीधा कर लिया। उसे आत्म-करुणा बर्दाश्त नहीं थी, लेकिन आज कहीं उसके अंदर से आँसू उमड़ रहे थे। वह जानती थी कि उन्हें रोकने का उसके पास कोई तरीका नहीं था।

और उसने वही किया।

वह अपने नियंत्रण से बाहर ज़िंदगी के लिए जी भरकर रोई।

वह अपने गुरु के लिए रोई जिसने उसकी आँखों के आगे दम तोड़ दिया था।

वह अपने हृदय में भरे हुए एकाकीपन के लिए रोई।

लेकिन सबसे अधिक वह भविष्य के लिए रोई, जो अचानक इतना अनिश्चित लगने लगा था।

9

द *मेंडेसियम* लक्जरी जहाज़ के निचले डेक पर फेसिलिटेटर लॉरेंस नोल्टन चारों तरफ से सील किए हुए शीशे के अपने क्यूबिकल में बैठा हैरान होकर कंप्यूटर मॉनिटर को देख रहा था। उसने अभी-अभी अपने ग्राहक के द्वारा भेजे गए वीडियो को पूरी तरह देखा था।

मुझे इसे मीडिया के लिए कल सुबह अपलोड करना है।

कंसोर्शियम के साथ दस काम करते हुए पिछले दस सालों में नोल्टन ने हर तरह के अजीबो-गरीब कार्य किए थे जिनमें बेईमानी और गैर-कानूनी काम भी शामिल थे। कंसोर्शियम के भीतर नैतिक रूप से अस्पष्ट कामों को अंजाम देना आम था। यह संगठन अपने ग्राहकों को दिए गए वादे को हर कीमत पर पूरा करना अपना एकमात्र नैतिक दायित्व समझता था।

हम सौंपे गए काम को पूरा करते हैं। कोई सवाल नहीं। चाहे जो भी हो।

लेकिन इस वीडियो को अपलोड करने की बात से नोल्टन ख़ुद को अव्यवस्थित-सा महसूस कर रहा था। इसके पहले भले ही उसने कुछ भी अजीबो-गरीब काम अंजाम दिया हो, उसे उसके पीछे का तर्क समझ में आता था..उसका मकसद वह समझ सकता था. . .इसके परिणामों का अंदाज़ा लगा सकता था।

लेकिन यह वीडियो दिमाग को चकराने वाला था।

इसमें कुछ अजीब-सी बात लग रही थी।

बहुत ही अलग।

कंप्यूटर के सामने बैठे हुए नोल्टन ने फिर से वीडियो फाइल को देखना शुरू किया। उसे लगा कि शायद दोबारा देखने से उसे कुछ समझ में आ जाएगा। उसने वीडियो की आवाज़ तेज़ कर दी और नौ मिनट लंबे इस वीडियो को फिर से देखने लगा।

पहले की तरह, इस बार भी वीडियो की शुरुआत पानी से भरी गुफा के अंदर से आ रहे हल्के थपेड़ों की डरावनी आवाज़ से हुई। वहाँ चारों तरफ हल्की लाल रोशनी फैली हुई थी। एक बार फिर कैमरा रोशनी से चमक रहे पानी की सतह के अंदर गया। इसकी सतह पर कीचड़ और गाद भरी थी। दोबारा नोल्ट ने पानी में डूबी पट्टिका पर लिखा हुआ देखा: इसी जगह पर, इसी तिथि को

दुनिया हमेशा के लिए बदल गई थी।

पॉलिश की हुई इस पट्टिका पर कंसोर्शियम को काम सौंपने वाले व्यक्ति का दस्तख़त था।

इसे देखकर वह अशांत हो गया। नोल्टन को इस बात से अधिक चिंता हो रही थी कि इसमें आने वाले कल का समय दिया गया था, लेकिन इसके बाद, जो कुछ भी हुआ उसे देखकर नोल्टन का दिल जैसे मुँह में आ गया।

कैमरा बाई तरफ घूमकर एक आश्चर्यचकित करने वाली वस्तु को दिखाने लगा, जो इस पट्टी की बगल में पानी के अंदर चक्कर काट रहा था।

उस जगह पर पतले प्लास्टिक से बना गोला हिलता डुलता दिखाई दे रहा था जिसे एक पतली रस्सी की मदद से ज़मीन से जोड़ दिया गया था। यह इतना पतला था कि वहाँ हिलते-डुलते यह साबुन के बड़े आकार के बुलबुले की तरह दिखाई दे रहा था। पानी के अंदर तैर रहा एक बैलून। इसे हीलियम भरकर नहीं फुलाया गया था, बल्कि किसी पीले-भूरे तरल पदार्थ की मदद से फुलाया गया था, जो देखने में जेली की तरह लगता था। अनिश्चित आकार का यह थैला लटका हुआ दिखाई देता था। इसका व्यास एक फुट के करीब लगता था। इसकी पारदर्शी दीवारों के बीच कैद तरल धीमी गति से चक्कर काटता हुआ दिखाई दे रहा था। इसे देखकर चुपचाप बड़े होते तूफान के केंद्र जिस तकनीक भाषा में इसकी आँख कहते हैं, की याद आती थी।

हे भगवान, नोल्टन मन-ही-मन परेशान हो रहा था। पानी के भीतर लटका हुआ वह थैला दूसरी बार देखते हुए और भी अपशगुन से भरा हुआ लग रहा था।

धीरे-धीरे, छवि काली होकर गायब हो गई।

एक नई तस्वीर दिखाई दे रही थी। गुफा की भीगी दीवारों पर रोशनी से चमचमाते किसी लैगून की छवि लहरों पर उछलती कूदती दिखाई दे रही थी। दीवार पर एक साया उभर रहा था. . .किसी इंसान का अक्स. . .जो गुफा के भीतर खड़ा था।

लेकिन उस इंसान का सिर बुरी तरह से विकृत लग रहा था।

उसकी नाक की जगह बड़ी-सी चोंच दिखाई दे रही थी..मानो वह आधा मनुष्य, आधा पक्षी हो।

बोलते हुए उसकी आवाज़ दबी-दबी-सी सुनाई देती थी. . .उसकी आवाज़ में एक डरावनी-सी लयात्मकता थी. . .नपा तुला संगीतात्मक स्वर. . .जैसे वह किसी शास्त्रीय कोरस का सूत्रधार हो।

नोल्टन चुपचाप बैठा था, निश्चल। वह मुश्किल से साँस भर ले रहा था। चोंच वाले साए ने बोलना शुरू किया : मैं शेड हूँ।

> अगर तुम इसे देख रहे हो तो इसका मतलब है कि मेरी आत्मा को आख़िरकार शांति मिल गई है।
>
> मुझे ज़बरदस्ती धरती के अंदर भेज दिया गया है, इसलिए मैं धरती की गहराई से ही दुनिया से बातें कर सकता हूँ। इस उदास गुफा के अंदर मैं निर्वासित हूँ जहाँ खून के रंग

में रंगा पानी लैगून में इकट्ठा होता है, जिसमें कोई सितारा प्रतिबिंबित नहीं होता।
लेकिन यही मेरा स्वर्ग है. . .मेरे नाज़ुक बच्चे के लिए सबसे उपयुक्त कोख।
इन्फर्नो।
बहुत जल्द तुम्हें पता चल जाएगा कि मैंने अपने पीछे क्या छोड़ा है।
इसके बावजूद, यहाँ भी, मुझे नादान आत्माओं के कदमों की आहट सुनाई देती है, जो मेरा पीछा कर रहे हैं. . .वे मेरे काम को रोके बिना नहीं मानने वाले।
तुम कहोगे, उन्हें माफ कर दो, क्योंकि उन्हें पता नहीं कि वे क्या कर रहे हैं।
लेकिन इतिहास में ऐसा वक़्त आता है जब नादानी माफ किया जाने वाला अपराध नहीं माना जाता. . .एक ऐसा पल, जिसमें केवल ज्ञान ही पाप से मुक्ति देने की क्षमता रखता है।
विवेक और अंतरात्मा की पवित्रता के साथ, मैं तुम्हें आशा, मुक्ति और आने वाले कल का उपहार देता हूँ।
इसके बावजूद ऐसे लोग भी हैं, जो मुझे कुत्ते की मौत मारना चाहते हैं। अपने को सही समझने वाले ये लोग इस सोच से प्रेरित होते हैं कि मैं पागल हूँ। सफेद बालों वाली एक सुंदरी तो मुझे राक्षस कहने का भी दुस्साहस करती है। कोपरनिकस को मौत की सजा दिलवाने के लिए पैरवी करने वाले अंधे पादरियों की तरह, वह भी मुझे राक्षस कह कर कटाक्ष करती है, क्योंकि उसे डर है कि मैंने सच को देख लिया है।
लेकिन मैं पैगंबर नहीं।
मैं तुम्हारी मुक्ति हूँ।
मैं शेड हूँ।

10

'बैठिए।' सिएना ने कहा। 'मुझे आपसे कुछ सवाल पूछने हैं।'

किचन में घुसते हुए लैंग्डन को खड़े होने में वह अपने पाँवों पर स्थिर होकर चल पा रहा था। उसने पड़ोसी की ब्रिओनी सूट पहन रखी थी, जो उसे बिलकुल फिट आ रहा था। उसके चप्पल भी आरामदेह महसूस हो रहे थे। लैंग्डन ने मन-ही-मन फैसला किया कि वापस जाने पर वह इतालवी चप्पलें ही पहनेगा।

अगर मैं घर जा पाया, उसने सोचा।

सिएना भी पूरी तरह बदल चुकी थी। स्वाभाविक तौर पर ख़ूबसूरत दिख रही। उसने अब अपने शरीर से चिपकी हुई चुस्त जीन्स और हल्के पीले रंग का स्वेटर पहन रखा था। दोनों मिलकर उसके पतले बदन की ख़ूबसूरती को और भी बढ़ा रहे थे। उसने अब भी अपने बालों को चोटी में बाँध रखा था। डॉक्टरी पोशाक के बिना अब वह थोड़ी अधिक नाज़ुक दिखाई दे रही थी। लैंग्डन ने गौर किया कि उसकी आँखें लाल थी, जैसे कि वह रो रही हो। एक बार फिर वह ख़ुद को अपराधी की तरह महसूस करने लगा।

'सिएना, मुझे माफ करना। मैंने तुम्हारे फोन का मैसेज सुन लिया। मैं समझ नहीं पा रहा कि मैं क्या कहूँ।'

'शुक्रिया।' उसने जवाब दिया। 'लेकिन इस वक़्त मुझे आपका ख़्याल रखना है। बैठ जाइए, प्लीज।'

अब उसकी आवाज़ थोड़ी सख्त थी। लैंग्डन को उसकी प्रतिभा और समय से पहले परिपक्व हो जाने वाले बचपन से संबंधित खबरें याद आ रही थी।

'मैं आपसे कुछ सोचने का आग्रह करना चाहती हूँ।' सिएना ने उन्हें हाथ से बैठने का इशारा किया। 'क्या आपको याद है कि हम अपार्टमेंट में कैसे पहुँचे?'

लैंग्डन को इस सवाल का तात्पर्य समझ में नहीं आ रहा था। 'टैक्सी में।' टेबल पर बैठते हुए उसने जवाब दिया। 'कोई हम लोगों पर गोली चला रहा था।'

'आप पर गोली चला रहा था, प्रोफेसर। हमें इसके बारे में स्पष्ट होना चाहिए।'

'हाँ। सॉरी।'

'और जब आप गाड़ी में थे उस समय गोली चलने के बारे में आपको कुछ याद है?'

अजीब सवाल। 'हाँ, दो गोलियाँ चली थी। एक गाड़ी के बगल वाले आईने पर लगी और दूसरे ने गाड़ी का पिछला शीशा फोड़ दिया था।'

'बहुत अच्छे। अब आप अपनी आँखें बंद कर लें।'

लैंग्डन समझ गया कि वह उसकी याद्दाश्त को जाँच रही थी। उसने अपनी आँखें बंद कर

ली।

'मैंने क्या पहना है?'

लैंग्डन उसे अच्छी तरह देख पा रहा था। 'काले रंग का फ्लैट्स, ब्लू जीन्स और हल्के पीले रंग की व्ही नेक वाली स्वेटर। तुम्हारे बाल सुनहले हैं, कंधों तक। पीछे की ओर काढ़े हुए। तुम्हारी आँखें भूरी हैं।'

लैंग्डन ने आँखें खोलकर उसे देखा। उसे अच्छा लगा कि उसकी तस्वीरों की तरह काम करने वाली याददाश्त ठीक ढंग से काम कर रही थी।

'बहुत अच्छा। आपकी देखने समझने की शक्ति अच्छी तरह काम कर रही है। इससे साबित होता है कि आपकी विस्मृति की समस्या ठीक होने वाला रोग था और आपकी स्मृति को नियंत्रित करने वाली मानसिक प्रक्रियाओं को उसने स्थाई तौर पर प्रभावित नहीं किया है। क्या आप पिछले कुछ दिनों की घटनाएँ याद कर सकते हैं?'

'नहीं, दुर्भाग्यवश, तुम्हारे जाने के बाद फिर मेरी आँखों के सामने दोबारा वह दृश्य दिखाई दिए थे।'

लैंग्डन ने उसे अपने दुःस्वप्न के बारे में बताया, जिसमें उसे नकाब पहने औरत, मरे हुए लोगों का ढेर और ज़मीन में उल्टे गड़े लोगों के छटपटाते पैर दिखाई देते थे जिन पर आर लिखा होता था। फिर उसने सिएना को उस चोंच वाले अजीब-से मुखौटे के बारे में बताया, जो उसे आसमान में उड़ता दिखाई देता था।

'मैं मृत्यु हूँ?' सिएना ने पूछा। वह परेशान लग रही थी।

'हाँ, उसने यही कहा था।'

'ठीक है. . .यह 'मैं विष्णु हूँ, दुनिया का संहारक' वाले से भी बढ़कर है।'

उस नवयुवती ने अभी-अभी रॉबर्ट ओपेनहाइमर को उद्धृत किया था, जो उन्होंने पहले एटमी बम के विस्फोट के समय बोला था।

'और वो. . .चोंच जैसी नाक और. . .हरे आँखों वाला मुखौटा?' सिएना ने हैरान होते हुए पूछा। 'आपको कुछ अंदाज़ा है कि आपके दिमाग ने इस छवि की कल्पना कैसे की होगी?'

'नहीं, बिलकुल नहीं। हालाँकि ऐसा मुखौटा मध्यकाल में काफी आम था।' लैंग्डन रुका। 'इसे प्लेग मुखौटा कहते हैं।'

सिएना यह सुनकर अजीब ढंग से घबरा गई। 'प्लेग मुखौटा?'

लैंग्डन ने जल्दी से बताया कि प्रतीकों की दुनिया में लंबी चोंच वाला इस मुखौटे को तकरीबन हमेशा ब्लैक-डेथ का पर्यायवाची माना जाता है यानी कि सन 1300 के आसपास यूरोप के कुछ क्षेत्रों की एक तिहाई आबादी को मौत की नींद सुलाने वाले ख़तरनाक प्लेग की बीमारी से। अधिकांश लोग मानते हैं कि इसे ब्लैक से जोड़ने की वजह शायद यह थी कि मरने वालों के शरीर का मांस गैंग्रीन और त्वचा की निचली सतह से होने वाले रक्तस्राव की

वजह से काला हो जाता था, लेकिन सचाई है कि काले रंग का इशारा इस महामारी के कारण उस समय लोगों के दिल में बैठे भावनात्मक खौफ की ओर था।

'लंबी चोंच वाले उसे मुखौटे को,' लैंग्डन ने बताना जारी रखा, 'उस समय के प्लेग-डॉक्टर पहना करते थे, ताकि रोगियों का इलाज करते हुए वे प्लेग के विषाणु को अपनी नाक में घुसने से रोक पाएँ। आजकल लोग उसे केवल वेनिस कन्क्लेव के दौरान नाटकीय पोशाक के तौर पर पहनते हैं। यह हमें इटली के इतिहास के उस डरावने दौर की याद दिलाता है।'

'और आपको पक्का यकीन है कि आपने अपनी आँखों के सामने प्रकट हुए दृश्य में उसी तरह के मुखौटे को देखा था?' सिएना ने पूछा। उसकी आवाज़ काँप रही थी। 'प्लेग का इलाज करने वाले मध्यकालीन डॉक्टरों द्वारा पहना जाने वाला मुखौटा?'

लैंग्डन ने सहमति में सिर हिलाया। *चोंच वाले मुखौटे को नहीं पहचान पाने का सवाल ही नहीं उठता।*

सिएना अपनी भौहें अब इस तरह सिकोड़ रही थी जिसे देखकर लैंग्डन को लगा जैसे वह कोई बुरी ख़बर देने के लिए तैयार हो रही हो। 'और वह औरत आपसे बार-बार कहती रही कि ढूँढ़ो और पाओ?'

'हाँ, बिलकुल पहले की तरह, लेकिन समस्या ये है कि मैं समझ नहीं पा रहा कि मुझे क्या ढूँढ़ना है।'

सिएना ने देर तक, धीरे-धीरे साँस छोड़ा। उसके चेहरे पर गंभीरता दिखाई दे रही थी। 'मुझे लगता है कि मैं शायद जानती हूँ और इससे भी ज्यादा. . .शायद आपको भी इसका पता चल गया है।'

लैंग्डन ने उसे घूरकर देखा। 'तुम क्या कह रही हो?'

'रॉबर्ट, पिछली रात जब आप अस्पताल से आए तो आपकी जेब में एक गैर-मामूली चीज़ थी। क्या आपको उसकी कोई याद्दाश्त है?'

लैंग्डन ने सिर हिलाया।

'आपके एक चीज़ लेकर आए थे. . .एक आश्चर्यजनक चीज़। जब मैं आपकी सफाई कर रही थी तो मुझे यह अचानक मिल गया।' उसने लैंग्डन के खून से लथपथ हैरिस ट्वीड की तरफ दिखाया, जो सामने टेबल पर रखा हुआ था। 'यह अब भी इस जैकेट की जेब में रखा हुआ है, अगर आप देखना चाहें।'

लैंग्डन समझ नहीं पा रहा था। उसने अपने जैकेट की तरफ देखा। *इससे कम-से-कम ये तो पता चलता है कि उसने मेरा जैकेट क्यों मँगवाया।* उसने झटककर खून से सना अपना जैकेट उठाया और जल्दी-जल्दी एक-एक कर इसकी सभी जेबें तलाशने लगा। कुछ भी नहीं। उसने दोबार ढूँढ़ा। आख़िरकार, वह कंधे उचकाता हुआ उसकी ओर मुड़ा। 'इसमें तो

कुछ भी नहीं है।'

'और गुप्त पॉकेट के भीतर?'

'क्या? मेरी जैकेट में कोई गुप्त जेब नहीं है।'

'नहीं?' वह हैरान दिखाई दे रही थी। 'तो ये क्या किसी दूसरे की जैकेट है?'

लैंग्डन का दिमाग फिर से चकराने लगा। 'नहीं, ये मेरा ही जैकेट है।'

'आपको पक्का यकीन है?'

बिलकुल। पक्के तौर पर, उसने सोचा। *दरअसल यही तो मेरा पसंदीदा कैंबरली था।*

उसने जैकेट के कॉलर को खोलकर सिएना को दिखाया। फैशन की दुनिया में उसका पसंदीदा चिह्न –हैरिस ट्वीड का मशहूर गोला जिस पर बटन की तरह तेरह सितारे जड़े थे। उनके ऊपर माल्टा का एक क्रॉस लगा था।

ईसाई योद्धाओं को कपड़े के एक टुकड़े पर बुलाने का काम स्कॉटलैंड के लोगों के लिए छोड़ दो।

'इसे देखो।' लैंग्डन ने हाथ से बुने आर.एल. लिखावट की तरफ दिखाते हुए कहा जिसे लेबल के साथ जोड़ दिया गया था। हाथ से सिले हैरिस ट्वीड के इन मॉडलों को वह हमेशा पसंद करता रहा था। यही वजह थी कि लेबल पर अपने नाम के शुरुआती दो अक्षर सिलवाने के लिए वह अलग से पैसा देने को तैयार रहता था। कॉलेज कैंपस के अंदर सैकड़ों लोग रोज़ ट्वीड जैकेट पहनते और खोलकर कंधे पर रखते, कक्षा के भीतर या डाइनिंग हॉल में, कहीं भी। लैंग्डन बिलकुल नहीं चाहता था कि गलती से भी उसका जैकेट किसी के साथ बदल जाए।

'मैं आपकी बात का यकीन करती हूँ।' उसने जैकेट वापस लेते हुए कहा। 'अब आप देखिए।'

सिएना जैकेट खोलकर देखने लगी। उसने पीछे की ओर कंधे के पास वाली जगह को खोला। उस जगह पर अस्तर के नीचे एक बड़ी-सी जेब बनी दिखाई दे रही थी।

अरे, ये क्या है?

लैंग्डन को अच्छी तरह याद था कि उसने इसे पहले कभी नहीं देखा था।

जेब के अंदर एक छिपी हुई परत बनी थी। अच्छी तरह सिली हुई।

'ये पहले तो नहीं था।' लैंग्डन ने ज़ोर देकर कहा।

'तो फिर मुझे लगता है कि आपने इसे पहले नहीं देखा होगा?' सिएना ने जेब में हाथ डाला और धातु की बनी एक पतली-सी चीज़ बाहर निकालकर धीरे-से लैंग्डन के हाथ में रख दी।

लैंग्डन हैरान होकर उस चीज़ को देखने लगा।

'क्या आप इस चीज़ के बारे में जानते हैं?'

'नहीं. . .' उसने हकलाते हुए कहा। 'मैंने ऐसी चीज़ पहले कभी नहीं देखी।'

‘लेकिन बदकिस्मती से, मैं जानती हूँ कि यह क्या है। मुझे पक्का यकीन है कि इसे हासिल करने के लिए ही कोई आपकी जान लेना चाहता है।’

फेसिलिटेटर नोल्टन *द मेंडेसियम* पर बने अपने निजी क्यूबिकल में बेचैनी से चहलकदमी कर रहा था। कल सुबह दुनिया के सामने वह, जो वीडियो लाने वाला था उसे देखते हुए उसकी बेचैनी और भी बढ़ती जा रही थी।

मैं शेड हूँ?

ऐसी अफवाहें थी उसे यह काम सौंपने वाले व्यक्ति को पिछले कुछ महीनों के भीतर मानसिक विक्षिप्तता का सामना करना पड़ा था। इस वीडियो को देखने के बाद इस अफवाह की सत्यता में कोई कसर नहीं रह गई थी।

नोल्टन को मालूम था कि उसके पास कोई विकल्प नहीं था। उसे या तो कल सुबह इस वीडियो को लोगों तक पहुँचाना होगा या फिर ऊपर ले जाकर प्रोवोस्ट से इस पर पुनर्विचार करने के लिए कहना होगा।

मुझे उनकी राय के बारे में पहले से ही पता है, नोल्टन ने सोचा। प्रोवोस्ट अपने ग्राहकों से, जो वादा करता था उसे पूरा करने के सिवा उसे कोई भी दूसरा फैसला करते हुए उसने नहीं देखा था। *वे मुझे इस वीडियो को अपलोड करने कहेंगे, कोई सवाल नहीं. . .और मेरे सवाल पूछने पर वह काफी नाराज़ भी होंगे।*

नोल्टन फिर से वीडियो देखने लगा। वह वीडियो को उसी जगह पर वापस ले आया जिसे देखकर उसे ख़ासकर परेशानी हो रही थी। उसने प्लेबैक शुरू किया। उसके सामने एक बार फिर डरावनी ढंग से चमक रही गुफा दिखाई दे रही थी, जिसके अंदर से पानी की लहरों की आवाज़ सुनाई दे रही थी। रिसते हुए दीवार पर एक मानवीय आकृति तैर रही थी -लंबा आदमी जिसकी लंबी, चिड़ियों जैसी चोंच थी।

उस विकृत छवि से दबी-दबी आवाज़ सुनाई दी:

ये नए अंधकार युग हैं।

सदियों पहले यूरोप गहरी त्रासदी सहन कर रहा था। लोग एक-दूसरे के पास सटकर बैठे थे, भूखे प्यासे, पाप और निराशा में डूबे हुए। वे ज़रूरत से अधिक सघन जंगल की तरह लग रहे थे, जहाँ मरे हुए पेड़ों के बीच साँस लेना मुश्किल हो रहा था। वे ईश्वर के द्वारा वहाँ बिजली गिराए जाने का इंतज़ार कर रहे थे, जो चिंगारी बनकर उन मरे हुए पेड़ों की गंदगी को साफ करेगी, जो दोबारा जड़ों में सूरज की रोशनी पहुँचने में मदद करेगा।

मारना ईश्वर का सहज विधान है।
ख़ुद से पूछो कि ब्लैक-डेथ वाले प्लेग के बाद क्या हुआ?
हम सभी को इसका जवाब पता है।
पुनर्जागरण।
पुनर्जन्म।
हमेशा ऐसा ही होता आया है। मृत्यु के बाद जन्म।
स्वर्ग में पहुँचने के लिए मनुष्य को नरक से गुज़रना होता है।
महान गुरु ने हमें यही सिखाया है।
इसके बावजूद सफेद बालों वाला बेवकूफ मुझे शैतान कहने की हिमाकत करता है? क्या उसे अभी तक भविष्य के गणित की समझ नहीं आई है? यह कैसे भयंकर परिणाम लाने वाला है?
मैं शेड हूँ।
मैं तुम्हारी मुक्ति हूँ।
और इसलिए मैं लैगून की तरफ देखते हुए इस गहरी गुफा के भीतर खड़ा हुआ हूँ, जहाँ सितारों की रोशनी नहीं आती। यहीं वह डूबा हुआ किला है। इसके पानी के भीतर नरक सुलग रहा है।
बहुत जल्द यह आग की ज्वाला बनकर धधकने लगेगा।
और जब ऐसा होगा तो धरती पर कोई भी ताकत उसे रोक नहीं पाएगी।

11

लैंग्डन के हाथ में पड़ी चीज़ अपने आकार के हिसाब से आश्चर्यजनक रूप से भारी लग रही थी। छह इंच लंबा धातु का बना यह सिलेंडर पतला और चिकना था। इसके दोनों छोर गोल थे जैसे छोटे आकार के टोरपीडो।

'इसे बिना सावधानी के छूने और देखने के पहले,' सिएना ने सलाह दी, 'बेहतर होगा कि आप इसकी दूसरी तरफ देख लें।' यह कहते हुए वह मानीखेज ढंग से हँसी। 'आप कहते हैं कि आप संकेत विज्ञान के प्रोफेसर हैं।'

लैंग्डन ट्यूब को दोबारा गौर से देखने लगा। वह उसे हाथ में इधर-उधर उलट पलट रहा था कि तभी उसकी नज़र लाल रंग के एक चिह्न पर पड़ी, जो इसकी एक तरफ छपा हुआ था।

इसे देखते ही उसका शरीर तन गया।

संकेत-विज्ञान के अध्येता के रूप में लैंग्डन को पता था कि दुनिया में कुछ ही ऐसे प्रतीकात्मक चिह्न होते हैं जिन्हें देखते ही इंसान अंदर से डर जाता है. . .उसके सामने पड़ा यह प्रतीक-चिह्न बेशक इसी श्रेणी में आता था। उसकी प्रतिक्रिया फौरी थी और इसने उसे गहरे तौर पर प्रभावित किया था। उसने ट्यूब को टेबल पर रख दिया और अपनी कुर्सी पर बैठ गया।

सिएना ने सिर हिलाया। 'मेरी भी ठीक ऐसी ही प्रतिक्रिया हुई थी।'

ट्यूब पर बना प्रतीक एक मामूली तीन सतहों वाला चिह्न् था।



लैंग्डन ने कहीं पढ़ा था कि इस बदनाम प्रतीक-चिह्न ने 1960 में डाउ-केमिकल ने बनाया था। कंपनी इसका इस्तेमाल पहले से प्रचलित चेतावनी के कई महत्त्वपूर्ण संकेतों की जगह करना चाहती थी। अन्य सफल संकेत-चिह्नों की तरह यह भी बिलकुल सरल, सबसे अलग दिखने वाला और आसानी से बनाया जा सकने वाला चिह्न था। इस चिह्न में बड़ी चालाकी से केंकड़े के डंक से लेकर चाकू चलाते निन्जा को एक साथ जोड़कर दिखाया गया था। ज़हरीली पदार्थों को दिखाने वाला, बायोहेजर्ड का यह संकेत हर भाषा में *ख़तरे* की सूचना देता था।

'यह छोटा डिब्बा एक बायोट्यूब है,' सिएना ने कहा। 'इसे ख़तरनाक पदार्थों को एक

जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। कभी-कभार हमें यह मेडिकल मामलों में दिखाई देता है। इसके भीतर फोम का एक खोल बना है, जिसमें आप नमूने की चीज़ को सुरक्षित एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।' उसने बायोहेजर्ड संकेत की ओर दिखाते हुए कहा। 'मुझे लगता है कि इसके भीतर कोई बहुत ही ख़तरनाक रासायनिक पदार्थ है...या शायद कोई वायरस?' वह बोलते बोलते रुक गई।

'अफ्रीका से एबोला वायरस के नमूने सबसे पहले इसी तरह के ट्यूब में लाए गए थे।'

लैंग्डन यह सुनने के लिए कतई तैयार नहीं था। 'आख़िर मेरे जैकेट में ये क्या कर रहा है! मैं कला का इतिहास पढ़ाने वाला प्रोफेसर हूँ। मैं इसे क्यों ढो रहा हूँ?'

दर्द से छटपटाते लोगों की दहला देने वाली छवि एक बार फिर उसकी आँखों के सामने तैरने लगी थी. . .और उनके ऊपर मंडराता प्लेग वाला मुखौटा।

वेरी सॉरी. . .वेरी सॉरी।

'ये चाहे जहाँ से भी आया हो,' सिएना ने कहा, 'ये काफी विकसित श्रेणी की चीज़ है। शीशे के अस्तर के अंदर बंद टाइटेनियम। इसके अंदर कुछ भी नहीं जा सकता, रेडिएशन भी नहीं। मुझे लगता है कि यह सरकार के इस्तेमाल की चीज़ है।' उसने रसीदी टिकट के आकार के काले पैडनुमा चीज़ की ओर दिखाया, जो बायोहेजर्ड चिह्न के ऊपर चिपका दिखाई दे रहा था। 'अंगूठे को पहचानने के लिए। अगर यह खो जाए या इसे कोई चुरा ले तो इसकी पहचान के लिए बनाया गया। इस तरह के ट्यूब को पहले से तय किए हुए लोग ही खोल सकते हैं।'

वैसे अब लैंग्डन को लग रहा था कि उसका दिमाग सामान्य रफ्तार से काम कर रहा था, लेकिन इस बात को समझने में उसे अब भी मुश्किल हो रही थी। *मैं बायोमीट्रिक ढंग से सील किए हुए डब्बे को लेकर घूम रहा था।*

'मुझे जब आपकी जेब में यह छोटा-सा डिब्बा मिला तो मैं इसे चुपचाप डॉक्टर मार्कोनी को दिखाना चाहती थी, लेकिन आपके जगने के पहले मुझे इसका मौका नहीं मिला। जब आप बेहोश थे तो मैंने पैड के ऊपर आपका अंगूठा लगाने की कोशिश की, लेकिन मुझे इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं था कि इस ट्यूब में क्या था, और. . .'

'मेरा अंगूठा?' लैंग्डन ने अपना सिर हिलाया। 'यह कतई मुमकिन नहीं कि इसे मेरे द्वारा खोलने के लिए प्रोग्राम किया गया हो। मुझे बायो-केमिस्ट्री के बारे में कुछ भी पता नहीं है। मैंने इस तरह की चीज़ कभी नहीं देखी।'

'आप पक्के यकीन के साथ कह सकते हैं?'

लैंग्डन बिलकुल को पक्का यकीन था। उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया और सिलेंडर पर लगे फिंगर पैड के ऊपर अपना अंगूठा रख दिया। कुछ नहीं हुआ। 'देखा, मैंने कहा था ना..'

टाइटेनियम ट्यूब के अंदर से क्लिक की जोरदार आवाज़ सुनाई दी। लैंग्डन ने घबराकर अपना हाथ पीछे कर लिया जैसे उसकी उंगली जल गई हो। हे भगवान। उसने डिब्बे की तरफ इस तरह देखा जैसे यह अपने आप खुलने वाला था और इससे ज़हरीली गैस बाहर निकलने वाली थी। तीन सेकंड के बाद फिर से क्लिक की आवाज़ सुनाई दी। ऐसा लगा कि डिब्बा अपने आप बंद हो रहा था।

लैंग्डन अवाक था। वह सिएना की ओर मुड़ा।

नवयुवती डॉक्टर भी घबराई हुई लग रही थी। उसने गहरी साँस ली। 'ऐसा लगता है कि इसे ढोने वाले व्यक्ति के रूप में आपको ही चुना गया है।'

लैंग्डन को ये सारा दृश्य अकल्पनीय लग रहा था। 'यह नामुमकिन है। सबसे पहले, मैं धातु के इस टुकड़े के साथ एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था को कैसे पार करता?'

'मुमकिन है कि आप निजी जहाज़ से आए हों–प्राइवेट जेट। यह भी संभव है कि इटली पहुँचने के बाद इसे आपको दिया गया हो?'

'सिएना, मुझे अभी के अभी दूतावास को फोन करना है। अभी तुरंत।'

'आपको नहीं लगता कि हमें इसे पहले खोलकर देखना चाहिए?'

लैंग्डन ने अपनी ज़िंदगी में कई गलत सलाहों पर अमल किया था, लेकिन इस औरत के किचन में ख़तरनाक बायोहेजर्ड से भरे डिब्बे को खोलने की बात उनमें शामिल नहीं थी। 'मैं इस चीज़ को अभी अधिकारियों को सौंप रहा हूँ।'

सिएना ने अपने होंठों को गोल कर लिया। 'ठीक है, लेकिन आप जैसे ही फोन करेंगे, आपको अपना ख़्याल ख़ुद रखना होगा। मैं इसमें शामिल नहीं होना चाहती। आप उन लोगों से यहाँ तो बिलकुल नहीं मिल सकते। इटली में मेरे आप्रवासन की स्थिति थोड़ी उलझी हुई है. . .'

लैंग्डन ने सिएना की आँखों में आँखें डालकर देखा। 'सिएना, मैं सिर्फ इतना जानता हूँ कि तुमने मेरी जान बचाई है। मैं इन हालातों में वैसा ही करूँगा जैसा तुम मुझे कहोगी।'

उसने कृतज्ञता के भाव से उसकी ओर देखा और खिड़की की ओर जाकर नीचे सड़क की ओर देखने लगी। 'ठीक है, फिर हम इसे इस तरह से करेंगे।'

सिएना ने आनन-फानन में एक योजना बनाई। सरल, होशियारी से भरा और सुरक्षित।

उसने अपने मोबाइल फोन के कॉलर-आईडी की पहचान को रोकने वाले ऐप को चालू किया और एक नंबर डायल करने लगी। उसकी उंगलियाँ पतली थीं, लेकिन वे सधे ढंग से चल रही थी।

'टेलीफोन सूचना केंद्र?' सिएना ने धाराप्रवाह इतालवी भाषा में बोलना शुरू किया। *'मेहरबानी कर आप मुझे फ्लोरेंस में अमेरिकी दूतावास का फोन नंबर देंगे?'*

वह रुकी और उसने तेज़ी से नंबर नोट किया।

'बहुत शुक्रिया।' उसने फोन रख दिया।

सिएना ने अपना फोन नंबर लैंग्डन की ओर बढ़ाया और साथ ही अपना मोबाइल फोन भी उसकी तरफ कर दिया। 'आपका काम चालू है। आपको याद है न कि आपको क्या बोलना है?'

'मेरी याद्दाश्त बिलकुल सही काम कर रही है।' उसने मुस्कराते हुए कहा और कागज़ के टुकड़े पर लिखे नंबर को डायल करने लगा। दूसरी ओर घंटी बज रही थी।

कोई जवाब नहीं।

उसने फोन को टेबल पर रखकर उसका स्पीकर चालू कर दिया, ताकि सिएना भी बातचीत को सुन सके। दूसरी ओर से रिकॉर्ड की हुई आवाज़ में दूतावास से समय, इसके कार्य आदि के बारे में सामान्य सूचनाएँ सुनाई देने लगी। दूतावास के खुलने का समय सुबह 8.30 बजे था।

लैंग्डन ने दीवार पर लगी घड़ी को देखा। अभी केवल छह बजे थे।

अगर कोई इमरजेंसी हो तो रात वाले ड्यूटी ऑफिसर से बात करने के लिए आप सात-सात-सात डायल कर सकते हैं।'

लैंग्डन ने तुरंत एक्सटेंशन डायल किया।

'अमेरिकी दूतावास।' किसी की थकी-थकी-सी आवाज़ सुनाई दी। 'मैं रात के शिफ्ट में काम करने वाला ड्यूटी ऑफिसर बोल रहा हूँ।' उसने धाराप्रवाह इतालवी में कहा।

'क्या आप अंग्रेज़ी समझ सकते हैं?' लैंग्डन ने पूछा।

'बिलकुल।' उस व्यक्ति ने अमेरिकी लहज़े में जवाब दिया। वह नींद से जगाए जाने थोड़ा नाराज़ लग रहा था। 'कहिए, मैं आपकी क्या सहायता कर सकता हूँ?'

'मैं एक अमेरिकी नागरिक हूँ, जो फ्लोरेंस आया हूँ। मुझ पर हमला हुआ है। मेरा नाम रॉबर्ट लैंग्डन है।'

'अपना पासपोर्ट नंबर बताइए।' उसकी जम्हाई की आवाज़ साफ सुनाई दे रही थी।

'मेरा पासपोर्ट खो गया है। मुझे लगता है कि ये किसी ने चुरा लिया है। मेरे सिर में गोली मारी गई है और मैं अस्पताल में भर्ती था। मुझे मदद चाहिए।'

अटेंडेंट जैसे अचानक नींद से जगा। 'सर, क्या कहा आपने कि आप पर गोली चलाई गई है। आपने क्या बताया अपना नाम, एक बार दोहराएँगे प्लीज।'

'रॉबर्ट लैंग्डन।'

अचानक लाइन पर सरसराहट की आवाज़ सुनाई दी। लैंग्डन को उस व्यक्ति द्वारा कीबोर्ड पर टाइप करने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। दोबारा पिंग की आवाज़ आई। इसके बाद फिर तीन बार पिंग की तेज़ आवाज़।

इस बार चुप्पी थोड़ी ज़्यादा देर तक जारी रही।

'सर,' उस व्यक्ति ने कहा, 'आपने अपना नाम रॉबर्ट लैंग्डन बताया।'

'हाँ, बिलकुल ठीक और मैं ख़तरे में हूँ।'

'ओके सर। आपके नाम के साथ एक कार्रवाई का संदेश है। मुझे निर्देश मिला है कि मैं कंसुल जनरल के मुख्य प्रशासक से तुरंत आपकी बात कराऊँ।' यह बोलकर वह आदमी रुका मानो उसे ख़ुद यकीन नहीं हो रहा हो। 'लाइन पर बने रहिएगा, प्लीज।'

'ज़रा रुकिए, क्या आप मुझे बता सकते हैं कि. . .'

लाइन पर अब घंटी की आवाज़ सुनाई दे रही थी।

घंटी की आवाज़ चार बार बजने के बाद किसी ने फोन उठाया।

'मैं कोलिन्स बोल रहा हूँ।' दूसरी ओर से भारी-भरकम आवाज़ सुनाई दी।

लैंग्डन ने गहरी साँस ली। लैंग्डन जितने धैर्य के साथ और जितनी स्पष्टता से संभव था, बात करने लगा। 'मिस्टर कोलिन्स, मेरा नाम रॉबर्ट लैंग्डन है। मैं अमेरिकी नागरिक हूँ और फ़्लोरेंस आया हूँ। मुझे पर गोली से हमला हुआ है। मुझे मदद की ज़रूरत है। मैं तुरंत अमेरिकी कांसुलेट आना चाहता हूँ। क्या आप मेरी मदद कर सकते हैं?'

भारी-भरकम आवाज़ ने बिना किसी हिचकिचाहट के जवाब दिया, ' भगवान का शुक्र है कि आप ज़िंदा हैं, मिस्टर लैंग्डन। हम लोग आपकी तलाश कर रहे थे।'

12

कांसुलेट को पता है कि मैं यहाँ हूँ?

लैंग्डन को यह जानकर अपने अंदर एक गहरी राहत का अनुभव हुआ। मिस्टर कोलिन्स ने अपना परिचय कंसुल जनरल के मुख्य प्रशासक के तौर पर दिया था। लैंग्डन से बातचीत करते हुए उनकी आवाज़ में दृढ़ता और पेशेवर साफगोई के साथ एक तरह की व्यग्रता भी झलक रही थी। 'मिस्टर लैंग्डन, हम दोनों को तुरंत मिलकर बात करनी होगी। ज़ाहिर है कि यह फोन पर करना संभव नहीं।'

इस वक़्त लैंग्डन को कुछ समझ में नहीं आ रहा था, लेकिन वह मिस्टर कोलिन्स को रोकना नहीं चाहता था।

'मैं अभी आपको लाने के लिए किसी को भेज रहा हूँ।' कोलिन्स ने कहा। 'अभी आप कहाँ हैं?'

'इस वक़्त मैं एक छोटे-से होटल पेंशोने ला फिओरेंटिना में हूँ।' लैंग्डन ने सामने वाली सड़क के उस पार बने मामूली से होटल की ओर देखते हुए कहा, जिसके बारे में थोड़ी देर पहले ही उसे सिएना ने बताया था। उसने सिएना को होटल का पता बताया।

'समझ गया।' उस व्यक्ति ने जवाब दिया। 'आप वहाँ से हिलिएगा नही। अपने कमरे में रहिए। अभी आपको पास कोई पहुँचने वाला है। आपका कमरा नंबर?'

लैंग्डन ने झूठमूठ का एक नंबर बताया, 'उनचालीस।'

'ठीक है। बीस मिनट।' कोलिन्स ने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए पूछा, 'और मिस्टर लैंग्डन, ऐसा लगता है कि आप घायल हैं और शायद सही ढंग से सोच भी नहीं पा रहे हैं, लेकिन मुझे जानना है. . .क्या सामान अब भी आपके पास मौजूद है?'

सामान मौजूद है। लैंग्डन ने सवाल का मतलब समझ लिया। हालाँकि इसे पूछने के लिए कम शब्दों का इस्तेमाल किया गया था, लेकिन इसका एक ही अर्थ हो सकता था। उसकी नज़र किचन के टेबल पर रखी बायोल्यूमिनिसेंस-ट्यूब पर पड़ी। 'यस सर। सामान अब भी मेरे पास है।'

कोलिन्स के गहरे साँस लेने की आवाज़ फोन पर साफ सुनाई दे रही थी। 'जब हमें आपसे कोई ख़बर नहीं मिली तो हमने सोचा. . .साफ-साफ कहूँ तो हमने सबसे खराब संभावना की कल्पना कर ली। अब मुझे राहत मिली है। अभी आपके दरवाज़े पर कोई दस्तक देगा।'

कोलिन्स ने फोन रख दिया।

अस्पताल में आँख खुलने के बाद से पहली बार लैंग्डन को लगा कि उसके कंधों से थोड़ा बोझ कम हो गया है। *कांसुलेट को घटना के बारे में जानकारी है और थोड़ी देर बाद मुझे*

अपने सवालों का जवाब मिल जाएगा। लैंग्डन अपनी आँखें बंद कर धीरे-से साँस छोड़ने लगा। अब वह ख़ुद को इंसान जैसा महसूस कर रहा था। उसका सर दर्द भी तकरीबन समाप्त हो चुका था।

'वाह, ये सब बिलकुल MI6 की जासूसी कहानी की तरह लग रहा था।' सिएना ने मज़ाकिया लहज़े में कहा। 'क्या आप जासूस हैं?'

इस समय लैंग्डन को पता नहीं था कि वह क्या है। उसकी दो दिन की याद्दाश्त गायब हो जाएगी और वह अपने को एक अबूझ-सी परिस्थिति में पाएगा, ये बातें उसकी समझ में नहीं आ रही थी, लेकिन वह अभी इस जगह पर था, जहाँ बीस मिनट बाद अमेरिकी कांसुलेट का आदमी उससे इस टूटे-फूटे से होटल में मिलने आ रहा था।

यहाँ क्या हो रहा है?

उसने सिएना की तरफ देखा। उसे महसूस हुआ कि वे दोनों एक-दूसरे से अलग होने वाले थे, लेकिन उसे लग रहा था कि कुछ काम अब भी बाकी था। उसकी नज़रों के सामने ज़मीन पर गिरे हुए दाढ़ी वाले डॉक्टर की छवि घूम गई, जो उसकी आँखों के सामने मरने वाला था। उसने फुसफुसाकर कहा, 'सिएना,' तुम्हारे दोस्त, डॉक्टर मार्कोनी. . .मैं बहुत दुखी हूँ।'

उसने भावशून्य ढंग से सिर हिलाया।

' मुझे बुरा लग रहा है कि मैंने तुम्हें इस परेशानी में डाल दिया। मुझे पता है कि अस्पताल में तुम्हारी स्थिति असामान्य जैसी है और अगर जाँच होगी. . .' वह बोलते बोलते रुक गया।

'कोई बात नहीं,' उसने कहा। 'इस जगह से उस जगह जाना मेरी फितरत में शामिल है।'

लैंग्डन ने खोई खोई आँखों को देखकर अनुभव किया जैसे सिएना के लिए आज सुबह हर चीज़ बदल चुकी थी। इस वक़्त ख़ुद लैंग्डन की ज़िंदगी झंझावातों से घिरी थी, लेकिन उसका दिल इस औरत के लिए भर आया था।

उसने मेरी जान बचाई है. . .और मैंने उसकी ज़िंदगी बर्बाद कर दी।

वे पूरे एक मिनट तक चुपचाप बैठे रहे। उनके बीच की हवा जैसे भारी हो रही थी। वे दोनों कुछ बोलना चाहते थे, लेकिन उनके पास कहने को कुछ भी नहीं था। आख़िर वे अजनबी थे, जो किसी सफर में साथ चल रहे थे। उनकी यात्रा एक ऐसे मोड़ पर पहुँच चुकी थी जहाँ से दो रास्ते निकलते थे। उन्हें अलग-अलग रास्ता चुनना था।

'सिएना,' आख़िरकार लैंग्डन ने कहा। 'कांसुलेट के साथ जब मैं इस मामले को सुझला लूँगा, उसके बाद अगर मैं तुम्हारे लिए कुछ कर पाऊँ. . .तो प्लीज..।'

'शुक्रिया।' उसने धीरे-से कहा। वह उदास नज़रों से खिड़की के बाहर देखने लगी।

मिनट की सूई आगे बढ़ रही थी। सिएना ब्रुक्स रसोईघर की खिड़की से यूँ ही बाहर की तरफ देख रही थी। वह सोच रही थी कि पता नहीं आज का दिन उसे लेकर कहाँ जाएगा, लेकिन वह इतना ज़रूर समझ रही थी कि भले ही वह कोई भी जगह हो, लेकिन आज दिन ढलते-ढलते उसकी दुनिया काफी बदल चुकी होगी।

उसे मालूम था कि शायद यह एड्रिनलिन का असर था, लेकिन वह अपने अंदर अमेरिकी प्रोफेसर के प्रति एक अजीब-से आकर्षण का अनुभव कर रही थी। ख़ूबसूरत होने के साथ ही, उसका दिल भी अच्छा था। शायद किसी दूसरे जनम में वह रॉबर्ट लैंग्डन जैसे आदमी के साथ ज़िंदगी बिताना भी पसंद करती।

वे मुझे कभी नहीं चाहेंगे, उसने सोचा। मैं टूटी हुई हूँ।

वह जिस समय अपनी भावनाओं पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रही थी, तभी खिड़की के बाहर किसी चीज़ ने उसका ध्यान आकर्षित किया। वह तनकर खड़ी हो गई। वह शीशे में अपना मुँह चिपकाकर नीचे सड़क को देखने लगी। 'रॉबर्ट, देखिए।'

लैंग्डन ने नीचे सड़क की तरफ देखा, जहाँ काले रंग की एक सुंदर काले रंग की बीएमडब्ल्यू मोटर-साइकिल अभी-अभी पेंशोने ला फिओरेंटिना के सामने जाकर रुकी थी। ड्राइवर मज़बूत कदकाठी का और दुबला-पतला व्यक्ति था। उसने चमड़े का काले रंग का सूट पहना हुआ था। उसके सिर पर हेलमेट था। वह बड़े ही ख़ूबसूरत अंदाज़ में मोटर-साइकिल से उतरा और अपना चमचमाता हेलमेट हटाया। सिएना को लगा जैसे लैंग्डन की साँस बंद हो गई।

उस औरत के नुकीले ढंग से काढ़े गए बालों को भला कौन भूल सकता था।

उसने जानी पहचानी पिस्तौल निकाली। साइलेंसर की जाँच कर उसने इसे अपने पीछे जैकेट की जेब में रख लिया। ख़तरनाक ख़ूबसूरती से आगे बढ़ती हुई वह होटल के अंदर घुस गई।

'रॉबर्ट,' सिएना ने फुसफुसाते हुए कहा। उसके चेहरे पर डर की वजह से तनाव दिखाई दे रहा था। 'अमेरिकी सरकार ने अभी-अभी आपको मारने के लिए किसी को भेजा है।'

13

अपार्टमेंट की खिड़की से बाहर झाँकते हुए रॉबर्ट लैंग्डन अंदर-ही-अंदर डर से सिहर उठा। उसकी आँखें सामने वाले होटल पर टिकी हुई थी। नुकीले ढंग से बाल काढ़ी औरत अभी अंदर घुसी थी, लेकिन लैंग्डन समझ नहीं पा रहा था कि उसे होटल का पता कैसे चला।

उसके शरीर में एड्रीनलीन तेज़ी से दौड़ रहा था। इसकी वजह से उसके सोचने का सूत्र एक बार फिर टूट रहा था। 'मेरी अपनी सरकार ने मुझे मारने के लिए किसी को भेजा है?'

सिएना भी उतनी ही हैरान लग रही थी। 'रॉबर्ट, इसका मतलब है कि आपके ऊपर अस्पताल अस्पताल में हुए हमले के लिए भी सरकार ने सहमति दी थी।' वह उठी और जाकर उसने दोबारा अपार्टमेंट के ताले की जाँच की। 'अगर अमेरिकी कांसुलेट को आपकी हत्या करवाने की सहमति दी गई है. . .' उसने अपनी बात पूरी नहीं की। उसे पूरा करने की ज़रूरत भी नहीं थी। इसका भयानक अर्थ था।

आख़िर वे समझते क्या हैं? मैंने क्या किया है? भला मेरी ही सरकार मेरे जान के पीछे क्यों लगी है?

दोबारा लैंग्डन को वही दो शब्द सुनाई दिए, जो वह अस्पताल में लड़खड़ाते हुए घुसने के वक़्त बड़बड़ा रहा था।

वेरी सॉरी. . ..वेरी सॉरी. . .

'आप यहाँ पर सुरक्षित नहीं हैं।' सिएना ने कहा। 'हम लोग यहाँ सुरक्षित नहीं हैं।' उसने सामने सड़क की दूसरी तरफ इशारा किया। 'उस औरत ने हमदोनों को एक साथ अस्पताल से भागते हुए देखा है और मैं दावे के साथ कह सकती हूँ कि आपकी सरकार और पुलिस मेरी तलाश में लगी होगी। मेरा अपार्टमेंट किसी दूसरे के नाम पर किराए पर चढ़ा है और मैंने उससे इसे किराए पर लिया है, लेकिन आख़िरकार वे लोग पता लगा ही लेंगे।' अब वह टेबल पर रखे बायोट्यूब को देख रही थी। 'आप इसे अभी खोलना चाहते हैं, है न?''

लैंग्डन ने टाइटेनियम के बने उस यंत्र पर नज़र फेरी। उसे केवल बायोहैजर्ड वाला चिह्न दिखाई दे रहा था।

'उस ट्यूब के भीतर, जो कुछ भी है,' सिएना ने कहा, 'उस पर पहचान के लिए कोई आईडी कोड अवश्य होगा। एजेंसी का स्टिकर, फोन नंबर कुछ भी। आपको सूचना की ज़रूरत है। मुझे जानकारी चाहिए। आपकी सरकार ने मेरे दोस्त की हत्या की है।'

सिएना की आवाज़ में झलक रहे दर्द ने लैंग्डन को झकझोरकर अपनी सोच से बाहर लाने का काम किया। उसने सिर हिलाया, क्योंकि वह जानता था कि सिएना सच कह रही थी। 'बिलकुल सही, आई एम. . .वेरी सॉरी।' यह बोलते हुए लैंग्डन काँप गया। आख़िर उसने वे शब्द दोबारा सुने थे। वह टेबल पर रखे छोटे-से कनस्तर को देखते हुए सोचने लगा कि पता नहीं इसमें कौन-से जवाब छुपे हैं। 'इसे खोलना अकल्पनीय ढंग से ख़तरनाक हो सकता है।'

सिएना ने एक पल के लिए सोचा। 'इसके अंदर जिस चीज़ को रखा गया है, उसे बहुत ही ख़ास ढंग से वहाँ रखा गया होगा। मुमकिन है इसे प्लेक्सीग्लास के नहीं टूटने वाले टेस्ट-ट्यूब में रखा गया हो। इस बायोट्यूब को बाहरी खोल के तौर पर इस्तेमाल किए जाने के लिए बनाया गया होगा, ताकि इसे सुरक्षित रखा जा सके।'

लैंग्डन ने खिड़की से बाहर होटल के सामने खड़ी काले रंग की मोटरसाइकिल को देखा। वह औरत अभी तक बाहर नहीं आई थी, लेकिन बहुत जल्द उसे पता लग जाएगा कि लैंग्डन होटल में नहीं है। वह सोच रहा था कि पता नहीं वह आगे क्या करने वाली है. . .और पता नहीं कितनी देर में वह इस अपार्टमेंट के दरवाज़े पर दस्तक दे रही होगी।

लैंग्डन ने अपना इरादा पक्का कर लिया। उसने टाइटेनियम ट्यूब को उठाया और अनमने ढंग से अपना अंगूठा इसके बायोमीट्रिक पैड पर रख दिया। एक क्षण के बाद कनस्तर से पिंग की आवाज़ आई और फिर जैसे किसी चीज़ के खुलने की तेज़ ध्वनि सुनाई दी।

कनस्तर अपने आप फिर से बंद होता उसके पहले ही लैंग्डन ने इसके दोनों हिस्सों को अलग-अलग दिशाओं में घुमाना शुरू कर दिया। करीब चौथाई चक्कर पूरा करने के बाद इसके अंदर से दोबारा पिंग की आवाज़ आई। लैंग्डन समझ गया कि अब उसे कनस्तर को खोलना ही होगा।

ट्यूब को खोलने के लिए घुमाते हुए लैंग्डन के हाथ से पसीना आ रहा था। दोनों हिस्से बड़े आराम से विपरीत दिशाओं में घूम रहे थे। उसने उन्हें घुमाना चालू रखा। उसे लग रहा था जैसे वह कीमती रूसी गुड़िया को खोल रहा था। बस उसे ये नहीं पता था कि इससे बाहर क्या आने वाला था।

पाँच बार घुमाने के बाद दोनों हिस्से एक-दूसरे से अलग हो गए। गहरी साँस लेकर लैंग्डन ने उन दोनों को एक-दूसरे से अलग कर दिया। दोनों हिस्सों के बीच की दरार अब चौड़ी हो गई थी। अंदर से एक फोम-रबड़ की बनी चीज़ बाहर आई। लैंग्डन ने इसे टेबल पर रख दिया। सुरक्षा के लिए बनाई गई गद्देदार वस्तु खींचकर लंबा किए गए नर्फ फुटबॉल की तरह लग रही थी।

ये तो कुछ नहीं था।

लैंग्डन ने सावधानी से ऊपरी हिस्से पर सुरक्षा के लिए लगे फोम को तह कर दिया।

आख़िर उसे अंदर रखी चीज़ दिखाई दी।

सिएना उस चीज़ को घूरकर देखने लगी। उसने अपना सिर एक तरफ झुकाया। वह हैरान लग रही थी। 'मैंने तो कतई इसकी उम्मीद नहीं की थी।'

लैंग्डन ने सोचा था कि इसके अंदर कोई अत्याधुनिक किस्म की शीशी होगी, लेकिन बायोट्यूब में ऐसी कोई चीज़ नज़र ही नहीं आ रही थी। इसके अंदर रखी चीज़ हाथी दाँत का बना हुआ लग रहा था जिस पर महीन नक्काशी की हुई थी। इसका आकार मेंटोज के पैक जैसा था।

'यह देखने में पुराना लग रहा है।' सिएना ने फुसफुसाते हुए कहा। 'एक तरह का. . . '

'सिलेंडर सील।' लैंग्डन ने अंततः साँस छोड़ते हुए कहा।

सिलेंडर सील का आविष्कार ई.पू. 3500 के आसपास सुमेरिया के लोगों ने किया था। इसी के आधार पर आधुनिक काल में प्रिंट-मेकिंग के आधुनिक स्वरूप इन्टैग्लिओ विकसित हुआ, जिसमें रोशनाई को छापे के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले प्लेट के नीचे रखा जाता है। इस प्रक्रिया में नक्काशीदार सील में ड्रम की तरह एक खोखली डंडी लगी होती है। इस डंडी से होकर एक एक्सल पिन घुसाया रहता है, ताकि नक्काशीदार ड्रम को आजकल इस्तेमाल किए जाने वाले पेंट रोलर की तरह गीली-मिट्टी या टेराकोटा की सतह पर घुमाया जा सके। ड्रम को घुमाने से सील पर बने चिह्न या तस्वीरें या अक्षर उस सतह पर अंकित हो जाती हैं।

लैंग्डन ने अनुमान लगाया कि यह मोहर दुर्लभ और कीमती होती है, लेकिन वह यह नहीं सोच पा रहा था कि इसे टाइटेनियम के कनस्तर के भीतर जैविक-हथियार की तरह छुपाकर क्यों रखा गया था।

लैंग्डन उस मोहर को अपने हाथ में सावधानी से इधर-उधर घुमाकर देख रहा था। उसे महसूस हुआ कि इसमें एक ख़ास तौर पर भयानक छवि खुदी हुई है–तीन सिर और सींगों वाले शैतान की छवि, जो तीन अलग-अलग लोगों को एक साथ खा रहा था। एक मुँह में एक इंसान।

मज़ेदार।

अब लैंग्डन की नज़र शैतान की आकृति के नीचे लिखे सात अक्षरों पर पड़ी। नक्काशीदार कैलिग्राफी में अक्षरों को उल्टा लिखा गया था। छपाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रोलरों पर ऐसा करना आम था, लेकिन लैंग्डन को उन अक्षरों को पढ़ने में कोई परेशानी नहीं हुई– *सेलिजिया।*

सिएना ने उन अक्षरों को देखकर अपनी भौहें सिकोड़ते हुए ज़ोर से बोला–'सेलिजिया?'

लैंग्डन ने सहमति ज़ाहिर की। इस शब्द को सुनकर उसे अंदर से झुरझुरी हो रही थी। 'यह लैटिन भाषा में लिखा गया शब्द-संक्षेप था, जो इसे याद रखने में मदद करता था। इसका

आविष्कार मध्ययुग में वेटिकन ने ईसाइयों को सात सबसे घातक पापों को याद दिलाने के लिए किया था। सेलिजिया का विस्तृत अर्थ है–*सुपर्बिया, अवारिटिया, लक्सुरिया, इनविडिया, गुला, इरा और एसीडिया।'*

सिएना के चेहरे पर कोफ्त दिखाई दे रही थी। 'अहंकार, लोभ, वासना, ईर्ष्या, पेटूपना, क्रोध और आलस्य।'

लैंग्डन प्रभावित हुआ। 'तुम लैटिन जानती हो?'

'मैं कैथोलिक मत को मानती हुई बड़ी हुई। मैं पापों के बारे में जानती हूँ।'

लैंग्डन किसी तरह मुस्कराया और दोबारा मोहर को देखने लगा। उसे हैरानी हो रही थी कि आख़िर इसे किसी ख़तरनाक पदार्थ की तरह बायोट्यूब में क्यों सील किया गया है।

'मुझे लगा था कि यह हाथी दाँत का बना है,' सिएना ने कहा, 'लेकिन यह हड्डी है।' उसने शिल्पकृति को धूप में ले जाकर इस पर बनी रेखाओं को दिखाया। 'हाथी दाँत के ऊपर हीरे की आकृति में एक-दूसरे को काटती हुई अर्ध-पारदर्शी रेखाओं का जाल दिखाई देता है, लेकिन हड्डियों के ऊपर समांतर रेखाएँ होती हैं जिनके बीच-बीच में धब्बे दिखाई देते हैं।'

लैंग्डन ने सावधानी से सील को हाथ में लेकर इस पर बने अलंकरणों को गौर से देखना शुरू किया। सुमेरिया के असली मोहरों में सरल आकृतियाँ और नुकीले दिखने वाले क्यूनिफॉर्म अक्षर खुदे होते थे, लेकिन इस सील पर काफी महीन ढंग की नक्काशी दिखाई दे रही थी। शायद मध्यकालीन, लैंग्डन ने सोचा। इससे भी बड़ी बात उसे लगी कि इन नक्काशियों का उसके दुःस्वप्न से ताल्लुक था।

सिएना ने उसकी तरफ चिंतित होकर देखा, 'क्या बात है?'

'वही, बार-बार दिखाई देने वाला दृश्य।' लैंग्डन ने गंभीर आवाज़ में बोलते हुए सील पर खुदे एक चित्र की ओर दिखाया। 'तीन सिर वाले इंसान को खा रहे शैतान की तस्वीर देख रही हो। यह मध्य-युग की एक आम तस्वीर है। यह प्रतीक प्लेग में होने वाली मौतों से संबंधित है जिसे ब्लैक डेथ का नाम दिया गया था। दाँत निपोड़े तीनों मुँह यह दर्शा रहे हैं कि प्लेग किस गति से पूरी आबादी में फैल गया था।'

सिएना ट्यूब पर बने बायोहैजर्ड के चिह्न को देखते हुए परेशान लग रही थी।

आज सुबह प्लेग के बारे में जितनी बार चर्चा हुई थी उसे लैंग्डन का मन स्वीकार करने को राजी नहीं था। इसलिए उसने अनमने ढंग से इससे संबंधित एक और बात को स्वीकार किया। 'सेलिजिया–सेलिजिया मानवता के सामूहिक पाप का प्रतिनिधित्व करती है. . .जो मध्यकालीन धार्मिक सिद्धांतों के अनुसार. . .'

'जिसे ईश्वर ने ब्लैक-डेथ के रूप में मानवता को सजा देने के लिए इस्तेमाल किया।' सिएना ने उसकी बात को पूरा करते हुए कहा।

'हाँ,' लैंग्डन रुका, उसके सोचने का तारतम्य भंग हो गया था। उसे अभी-अभी सिलेंडर

पर कुछ अजीब-सी चीज़ नज़र आई थी। सामान्य तौर पर लोग सिलेंडर सील के खोखले केंद्र के आर पार देख सकते थे, जैसे कि हम किसी खाली पाइप के किसी हिस्से के आर पार देख सकते हैं, लेकिन इस सिलेंडर का शाफ्ट, इसकी डंडी, बंद थी। *इस हड्डी के भीतर कुछ घुसाया गया है।* इसके आख़िरी हिस्से पर रोशनी पड़ रही थी जिसकी वजह से यह चमक रहा था।

'इसके भीतर कुछ है।' लैंग्डन ने कहा। 'और ऐसा लगता है कि यह शीशे का बना है।' वह सिलेंडर को पलटकर उसके दूसरे छोर को देखने लगा। उसके ऐसा करते ही उसे अंदर से किसी छोटी-सी चीज़ की घरघराहट जैसी आवाज़ सुनाई दी, जो हड्डी के एक छोर से दूसरे छोर की तरफ सरक रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे ट्यूब के अंदर बॉल-बेयरिंग हो।

लैंग्डन अचानक रुक गया। बगल में खड़ी सिएना के मुँह से अचानक निकली हल्की-सी चीख उसे सुनाई दी।

उफ, आख़िर ये क्या चीज़ थी?

'क्या आपने वह आवाज़ सुनी?' सिएना ने फुसफुसाते हुए पूछा।

लैंग्डन ने सिर हिलाया और कनस्तर के छोर में झाँकने की कोशिश करने लगा। 'इसका मुँह धातु की बनी किसी चीज़ से बंद लग रहा है।' हो सकता है कि यह टेस्ट-ट्यूब का ढक्कन हो?

सिएना पीछे हट गई। 'क्या यह टूटा हुआ लग रहा है?'

'नहीं, मुझे ऐसा नहीं लग रहा।' उसने फिर सावधानी से उस हड्डी को एक तरफ झुकाकर शीशे के छोर को गौर से देखा। घरघराहट की आवाज़ दोबारा सुनाई दे रही थी। एक ही पल बाद, सिलेंडर के अंदर रखे शीशे में कुछ ऐसा हुआ, जिसकी उन्होंने कल्पना नहीं की थी।

यह चमकने लगा।

सिएना की आँखें फैल गई। 'रॉबर्ट। रुक जाइए। हिलना मत।'

14

लैंग्डन मूर्ति की तरह स्थिर था। उसका हाथ हवा में उठा हुआ था। हड्डियों वाला सिलेंडर भी स्थिर था। बेशक, ट्यूब के अंत में लगे शीशे से रोशनी आ रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे इसके अंदर रखे अवयव जग गए हों।

अंदर की रोशनी बहुत जल्दी बंद हो गई।

सिएना और भी करीब आ गई। उसकी साँस तेज़ हो गई थी। उसने अपना सिर थोड़ा टेढ़ा कर हड्डी के अंदर डले शीशे के दिखाई दे रहे भाग को गौर से देखने लगी।

'इसे फिर से टेढ़ा कीजिए।' उसने फुसफुसाते हुए कहा। 'बहुत धीरे-धीरे।'

लैंग्डन ने आहिस्ता-आहिस्ता फिर हड्डी के बने सिलेंडर को उलट दिया। अंदर से फिर किसी छोटी-सी चीज़ के खड़खड़ाने की आवाज़ आई। थोड़ी ही देर में आवाज़ बंद हो गई।

इस बार अंदर के शीशे में हल्की-सी रोशनी दिखाई दे रही थी, जो बहुत थोड़े-से समय के लिए जलकर बुझ गई।

'यह बेशक टेस्ट-ट्यूब है,' सिएना ने कहा, 'और इसके अंदर एक एजिटेटर बॉल डला हुआ है।'

लैंग्डन एजिटेटर बॉल के बारे में जानता था। इसका इस्तेमाल स्प्रे-पेंट के डिब्बों में किया जाता था। ये तरल पदार्थ के अंदर डूबी छोटी-छोटी गोलियाँ होती थीं, जो डब्बे को हिलाने पर इसके अंदर मौजूद पेंट को भी गतिशील कर देती थी।

'शायद इसके अंदर कोई ऐसा रसायन है, जो रोशनी गिरने पर चमकने लगता है।' सिएना ने कहा। 'या कोई ऐसी जैविक पदार्थ, जो उत्तेजित करने पर चमकने लगता है।'

लैंग्डन के दिमाग में कुछ अलग ही बात चल रही थी। वैसे तो उसने रसायनों पर आधारित चमकने वाली छड़ी, ग्लो-स्टिक और समुद्री जीव प्लैंकटन के बारे में पता था, जो अपने रहने की जगह से होकर नाव-जहाज़ के गुज़रने के बाद चमकने लगते थे, उसे करीब-करीब यह यकीन था कि उसके हाथ में पकड़े सिलेंडर में इन दोनों में से कोई चीज़ मौजूद नहीं थी। उसने सिलेंडर को कई बार आहिस्ता-आहिस्ता झुकाया। जब यह चमकने लगता तो वह चमकने वाले हिस्से को अपनी हथेली पर रखता। अनुमान के अनुरूप, उसकी त्वचा पर हल्के लाल रंग की रोशनी गिरती हुई दिखाई देती।

यह जानकर अच्छा लगा कि 208 आईक्यू वाले लोग भी कभी-कभार गलती कर सकते हैं।

'इसे देखो,' लैंग्डन यह कहते हुए ट्यूब को ज़ोर-ज़ोर से हिलाने लगा। ट्यूब के अंदर की चीज़ घड़घड़ाहट की आवाज़ के साथ तेज़ी से ऊपर नीचे आने जाने लगी।

सिएना उछलकर पीछे हो गई, 'यह आप क्या कर रहे हैं!'

लैंग्डन ने ट्यूब को हिलाना जारी रखा। वह स्विच की ओर बढ़ा और उसे बंद कर दिया। किचन में घुप्प अंधेरा छा गया। 'इसके अंदर टेस्ट-ट्यूब नहीं है।' उसने पूरी ताकत से ट्यूब को हिलाते हुए अपनी बात जारी रखी। 'यह फराडे प्वांइटर है।'

लैंग्डन को एक बार उसके किसी छात्र ने इसी तरह का एक यंत्र दिया था–लेजर प्वाइंटर। यह उन लेक्चररों के लिए बनाया गया था, जो एएए बैटरियाँ बर्बाद करने की जगह अपने प्वाइंटर को थोड़ी देर तक ज़ोर से हिलाना पसंद करते थे, ताकि ज़रूरत पड़ने पर गतिज ऊर्जा को बिजली में बदला जा सके। जब इस यंत्र को ज़ोर-ज़ोर से हिलाया जाता तो इसके अंदर रखी धातु की एक गोली अंदर बने पैडलों की एक शृंखला से होकर आगे पीछे जाती और एक छोटे-से जेनरेटर को चालू कर देती। ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने इस ख़ास तरह के प्वाइंटर को एक खोखले, नक्काशीदार हड्डी के अंदर डालने का फैसला कर लिया था। यह एक आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक खिलौने को रखने के लिए बनी प्राचीन किस्म की म्यान थी।

उसके हाथ में पड़े प्वाइंटर का सिरा अब तेज़ी से चमक रहा था। लैंग्डन सिएना की तरफ देखकर उसे परेशान करने के लहज़े में मुस्कराया। 'शो टाइम।'

लैंग्डन ने हड्डी की खोल में बंद प्वाइंटर को किचन की दीवार में खाली स्थान की तरफ दिखाया। दीवार पर जब रोशनी जगमगाई तो इसे देखकर सिएना भौंचक्की रह गई, लेकिन लैंग्डन आश्चर्य में पड़कर अचानक पीछे की तरफ हो गया।

दीवार पर दिखाई दे रही प्रकाश लाल रंग के लेजर से बना बिंदु नहीं था। दीवार पर साफ-साफ एक तस्वीर दिखाई दे रही थी–हाइ-डेफिनिशन फोटोग्राफ। ट्यूब से निकलकर दीवार पर दिखाई दे रही यह तस्वीर जैसे किसी पुराने ढंग के स्लाइड-प्रोजेक्टर से निकलती हुई लग रही थी।

हे भगवान। सामने की दीवार पर उभरी भयानक तस्वीर को देखकर लैंग्डन के हाथ हल्के-से काँपने लगे। *आश्चर्य की बात नहीं कि मैं मौत की छवियाँ देख रहा था।*

उसके बगल में खड़ी सिएना ने अपना मुँह ढक लिया और अनमने तरीके से एक कदम आगे बढ़ाया। ज़ाहिर था कि वह इस दृश्य को देखकर विस्मित थी।

नक्काशीदार हड्डी से दीवार पर प्रोजेक्टर की तरह दिखाई जा रही तस्वीर मानवीय यंत्रणा के बारे में बनाया गया एक तैल-चित्र था। इसमें दिखाया गया था कि नरक की विभिन्न परतों के अंदर हज़ारों लोग किस तरह भयंकर यातना झेल रहे थे। धरती के अंदर की दुनिया को इसके एक क्षैतिज टुकड़े के रूप में दिखाया गया था, जिसमें कीप के आकार के हज़ारों गड्ढे बने थे। उन गड्ढों की गहराई इतनी अधिक थी कि उसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल था। नरक का यह अंधकूप कई तलों में विभाजित था। जैसे-जैसे इसमें हम अंदर जाते यातना

की तीव्रता बढ़ती हुई दिखाई देती। हर तले में तरह तरह के पापी यातना सहते हुए दिख रहे थे।

लैंग्डन ने इस छवि को तुरंत पहचान लिया।

उसके सामने दिख रही इस विशिष्ट कलाकृति, *ला मापा डेला-इन्फर्नो,* के निर्माता सांद्रो बोटीचेली को इतालवी पुनर्जागरण की एक महान विभूति माना जाता है। *मैप ऑफ़ हेल,* नरक का मानचित्र। इस पेंटिंग में *पाताल लोक या नरक का विस्तृत खाका* दिखाया गया है। मृत्यु के बाद के जीवन का इतना भयंकर निरूपण और कहीं नहीं मिलता। डरावना, अंधकारमय। इस कलाकृति को देखकर आज भी लोग ठिठक जाते हैं। अपनी जीवंत और रंगारंग कलाकृति प्रिमावेरा यानी की *बर्थ ऑफ़ वीनस* के विपरीत *मैप ऑफ़ हेल* पेंटिंग में बोटीचेली ने लाल, सीपिया और भूरे जैसे विषादपूर्ण रंगों का इस्तेमाल किया है।

लैंग्डन का तेज़ सिर दर्द फिर से शुरू हो गया था। इसके बावजूद एक अंजान अस्पताल के अंदर होश आने के बाद उसे पहली बार पहेली सुलझती हुई लग रही थी। ज़ाहिर था कि इस मशहूर कलाकृति को देखने की वजह से ही उसके अंदर डरावने दुःस्वप्न आ रहे थे।

मैं ज़रूर ही बोटीचेली के मैप ऑफ़ हेल का अध्यन कर रहा था, लैंग्डन ने सोचा। वैसे उसे याद नहीं आ रहा था कि आख़िर वह इसका अध्ययन क्यों कर रहा था।

बोटीचेली की तस्वीर तो परेशान करने वाली थी ही, उससे भी अधिक इस पेंटिंग के पीछे की कहानी लैंग्डन के अंदर उथल-पुथल पैदा कर रही थी। लैंग्डन को भली-भांति मालूम था कि इस तस्वीर को बनाने की प्रेरणा बोटीचेली के मन में ख़ुद-ब-ख़ुद नहीं आई थी, बल्कि यह एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग में पैदा हुई थी, जो उसके दो सौ साल पहले जीवित था।

एक महान कलाकृति किसी दूसरी कलाकृति से प्रेरित।

दरअसल बोटीचेली की कलाकृति मैप ऑफ़ हेल, चौदहवीं सदी के साहित्य की महान कृति के प्रति उसकी श्रद्धांजलि थी, जो इतिहास की सबसे मशहूर रचनाओं में शुमार होता है। नरक के बारे में एक भयानक परिकल्पना, जो आज भी लोगों को अंदर से कंपा देती है।

दांते का *इन्फर्नो*।

सड़क की दूसरी ओर वाएंथा इस छोटे-से उँघते हुए होटल पेंशोने ला फिओरेंटिना की पीछे वाली सीढ़ी से चुपचाप ऊपर जाकर छत पर छुप गई। लैंग्डन ने कांसुलेट के संपर्क सूत्र को एक झूठा पता दिया था, जहाँ उन्हें मिलना था। उसने जो कमरा नंबर दिया था वह भी नकली था। इसे वाएंथा के धंधे में ‘मिरर्ड मीट’ कहते थे, जो आमतौर पर इस्तेमाल किया जाता था, ताकि अपना असली पता बताने के पहले परिस्थितियों का अंदाज़ा लगाया जा

सके। यह नकली स्थान या पता, मिरर्ड लोकेशन उस व्यक्ति के असली ठिकाने की दृष्टि-रेखा में होता था।

वाएंथा ने छत पर एक ऐसी जगह ढूँढ़ निकाली, जहाँ से वह पूरे इलाके पर नज़र रख सकती थी। आहिस्ता-आहिस्ता उसने सड़क के उस पार की इमारत को ढूँढ़ निकाला, जहाँ लैंग्डन का अपार्टमेंट था।

तुम्हारी बारी, मिस्टर लैंग्डन।

ठीक उसी समय *द मेंडेसियम* के ऊपर प्रोवोस्ट महोगनी के बने अपने डेक पर पहुँचा। उसने गहरी साँस ली। वह एड्रिएटिक समुद्र के खारे पानी की गंध का आनंद ले रहा था। यह जहाज़ कई वर्षों से उसका घर रहा था, लेकिन इस वक़्त फ़्लोरेंस में हो रही घटनाएँ उसकी बनाई हर चीज़ को नष्ट कर सकता था।

उसकी फील्ड एजेंट वाएंथा की वजह से उसकी हर चीज़ आज दाँव पर लग चुकी थी। वापस आने के बाद उसे जाँच का सामना करना पड़ेगा, लेकिन इस वक़्त प्रोवोस्ट को उसकी ज़रूरत थी।

उसने जो गड़बड़ी की है, उसका समाधान उसे करना ही होगा।

उसके पीछे किसी के कदमों की तेज़ आहट सुनाई दी। उसने पीछे मुड़कर देखा। उसकी एक महिला एनेलिस्ट तेज़ी से उसकी ओर चली आ रही थी।

'सर,' एनेलिस्ट ने कहा। उसकी साँसें उखड़ रही थी। 'हमें नई जानकारी हासिल हुई है।' उसकी आवाज़ सुबह की हवा को एक अजीब तीव्रता के साथ काटती हुई लग रही थी। 'ऐसा लगता है कि रॉबर्ट लैंग्डन ने अपने हार्वर्ड ईमेल में किसी अनमास्क्ड आईपी से लॉग इन किया है।' वह रुकी। उसकी आँखें प्रोवोस्ट से मिली। 'अब हम लैंग्डन के ठिकाने का बिलकुल अच्छी तरह पता कर सकते हैं।'

प्रोवोस्ट यह सुनकर हैरान रह गया कि कोई व्यक्ति इतना बेवकूफ कैसे हो सकता है। इससे तो मामला ही बदल गया। वह अपना दोनों हाथ जोड़कर समुद्र तट की ओर देखने लगा। वह इस सूचना के संभावित परिणाम के बारे में सोच रहा था। 'हमें एसआरएस टीम की स्थिति के बारे में पक्की जानकारी है?'

'यस सर। वे लैंग्डन के ठिकाने से दो मील से भी कम दूरी पर हैं।'

प्रोवोस्ट को फैसला करने में एक क्षण का भी समय नहीं लगा।

15

'*ला इन्फर्नो द दांते*' सिएना ने धीमी आवाज़ में कहा। वह धीरे-धीरे किचन की दीवार पर दिखाई दे रही तस्वीर की तरफ बढ़ रही थी, जिसमें नरक की वीभत्स छवि दिखाई गई थी।

नरक के बारे में दांते की परिकल्पना, लैंग्डन ने सोचा, *जो अभी जीवंत रंगों में सामने दिखाई दे रही थी।*

विश्व साहित्य की सबसे उत्कृष्ट कृतियों में शामिल *इन्फर्नो* दांते अलीगेरी की *द डिवाइन कॉमेडी* किताब का पहला हिस्सा है। 14233 पंक्तियों की इस किताब में नरक में प्रवेश करने के दांते के अनुभवों को दिखाया गया है। इस क्रम में वह नरक की आग, पर्गेटरी, से होता हुआ अंततः स्वर्ग में पहुँचता है। *द* डिवाइन कॉमेडी के तीन हिस्सों, *इन्फर्नो, पर्गेटोरियो* और *पैराडाइज़ो* में *इन्फर्नो* सबसे अधिक लोकप्रिय खंड था और सबसे यादगार भी।

दांते अलीगेरी द्वारा सन् 1300 के शुरुआती वर्षों में लिखी *इन्फर्नो* ने मध्ययुग में प्रचलित नरक की अवधारणा को एक तरीके से पुनर्परिभाषित किया था। इसके पहले नरक की परिकल्पना लोगों के दिमाग पर आनंददायक तरीके से कभी नहीं छाई थी। रातों रात नरक के बारे में दांते की परिकल्पना ने इस अमूर्त अवधारणा को एक स्पष्ट और डरावने स्वरूप में बदल दिया था–अंदर तक प्रभावित करने वाली, अनुभव योग्य और अविस्मरणीय। आश्चर्य की बात नहीं कि कविता के प्रकाशन के बाद, कैथलिक चर्च में आने वाले लोगों की संख्या में बड़ी तेज़ी से वृद्धि हुई। भयंकर रुप से डरे हुए पापी वहाँ जाकर दांते द्वारा प्रस्तुत नरक के इस डरावने स्वरूप से बचना चाहते थे।

इस पेंटिंग में बोटीचेली ने नरक के बारे में दांते की परिकल्पना को धरती के अंदर स्थित यातना की चिमनी के रुप में दिखाया था, जिसके केंद्र में आग, गंधक की बदबू, गंदे पानी के परनाले, राक्षस और शैतान, पापियों का इंतज़ार कर रहे होते थे। इस अंधकूप को नौ स्तरों पर बनाया गया था जिसे नरक के नौ छल्ले कहा गया। अपने अपने पापों की गंभीरता के अनुसार पापियों को इन छल्लों के अलग-अलग स्तरों पर डाला जाता था। सबसे ऊपर वासना में डूबे पापियों की जगह थी जिन्हें लगातार चल रही आँधियों को झेलना होता था। यह अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण नहीं कर पाने का प्रतीक था। इसके नीचे पेटू लोगों की जगह थी जिन्हें नाली के पानी के भीतर पेट के बल लेटना पड़ता था। उनके मुँह में ज़रूरत से अधिक खाई चीज़ के अवशेष भरे होते थे। इसके भी अंदर वाले तल्ले पर विधर्मी होते थे, जो जलते हुए ताबूत में बंद होते थे। वे अनंतकाल तक जलने वाली इस आग को झेलने के लिए संतप्त थे। इसी प्रकार यह क्रम चलता रहता था. . .जैसे-जैसे हम निचले तल्ले की ओर

बढ़ते जाते, यातना का स्तर भी बढ़ता जाता।

प्रकाशन के सात सदी बीतने के बाद भी नरक के बारे में दांते की परिकल्पना मौजूद है। इसने न जाने कितनी श्रद्धांजलियाँ, अनुवादों और इस पर आधारित रचनाओं को जन्म दिया है, जो अपने समय के सबसे महान रचनात्मक मस्तिष्कों ने लिखी है। लौंगफेलो, शॉसर, मार्क्स, मिल्टन, बालजाक, बोरहेस और कई पोपों ने भी दांते के *इन्फर्नो* पर आधारित रचनाएँ लिखी हैं। मोंटेवेर्दी, लेस्ट, वैग्नर, चायकोव्स्की और पुचिनी ने दांते की किताब पर आधारित संगीत की रचना की। लैंग्डन को ख़ास पसंद आने वाली आज भी जीवित संगीतकार लोरीना मैककेनिट ने भी दांते की रचना के आधार पर धुन बनाया है। आई-पैड और वीडियो गेम के अंदर भी दांते से संबंधित प्रस्तुतियों की कोई कमी नहीं है।

दांते अपने छात्र-छात्राओं को दांते की परिकल्पना के अत्यंत समृद्ध प्रतीकात्मक महत्त्व के बारे में बताने के लिए हमेशा उत्सुक रहता था। वह कभी-कभी दांते और आने वाली कई सदियों तक उससे प्रभावित रचनाओं में बार-बार दिखाई देने वाले बिंबों के बारे में एक कोर्स भी पढ़ाया करता था।

'रॉबर्ट,' सिएना ने दीवार पर दिख रही तस्वीर के करीब आते हुए कहा। 'इसे देखिए।' उसने कीप की आकृति के नरक की पेंदी के नज़दीक एक स्थान को दिखाया।

वह जिस जगह को दिखा रही थी उसे मैलबोल्जे कहा जाता है, जिसका अर्थ होता है शैतानी गड्ढे। यह नरक के छल्लों में आख़िरी के ठीक पहले वाला छल्ला होता है, जो दस अलग-अलग गड्ढों में बँटा होता है। हर गड्ढा एक अलग ढंग के पाप के लिए निर्दिष्ट रहता है।

सिएना ने अब थोड़ा अधिक उत्साहित होकर बताना शुरू किया। 'देखिए, आपने भी कहा था न कि आपकी आँखों के सामने यह दृश्य आता रहता है?'

लैंग्डन ने आँखें सिकोड़कर उस स्थान की ओर देखा जिधर सिएना इशारा कर रही थी, लेकिन उसे कुछ भी नज़र नहीं आया। छोटे-से प्रोजेक्टर की ऊर्जा ख़त्म हो रही थी। दीवार पर उभरी तस्वीर धुंधली हो रही थी। उसने तुरंत हड्डी वाले प्रोजेक्टर को ज़ोर-ज़ोर से हिलाया और यंत्र की चमक वापस आ गई। फिर उसने इसे दीवार से दूर ले जाकर छोटे-से किचन के काउंटर के ऊपर रख दिया। दीवार पर अब बड़ी तस्वीर उभर रही थी। लैंग्डन सिएना के पास आ गया। वह एक किनारे पर खड़े होकर मानचित्र का अध्ययन करने लगा।

सिएना ने फिर से नरक के आठवें छल्ले की तरफ इशारा किया। 'देखिए, आप कह रहे थे न कि आपको अपनी आँखों के सामने ज़मीन में गड़े व्यक्ति की छटपटाती टाँगें दिखाई देती हैं जिन पर आर लिखा होता है।' उसने दीवार पर उभरी तस्वीर में ठीक उस स्थान को छूकर दिखाया। 'देखिए, यहाँ है वह चीज़।'

जैसा कि लैंग्डन ने इस पेंटिंग में कई बार देखा था, मैलबोल्जे के दसवें गड्ढे में ढेरों पापियों को उल्टी दिशा में मिट्टी के अंदर गड़ा हुआ दिखाया गया था। उनकी टाँगें गड्ढे के बाहर और

सिर अंदर दिखाई दे रहा था। आश्चर्य की बात थी कि इनमें से पैरों की एक जोड़ी के ऊपर कीचड़ से अंग्रेज़ी का आर लिखा हुआ था। लैंग्डन भी अपनी विभ्रम की अवस्था के दौरान ठीक यही दृश्य देखता था।

हे भगवान! लैंग्डन अब इसे और भी विस्तार से देखने की कोशिश करने लगा। 'वह आर. . .निश्चित तौर पर यह बोटीचेली की मूल-पेंटिंग में *नहीं* है।'

'एक अक्षर और भी है,' सिएना ने उस तरफ दिखाते हुए कहा।

लैंग्डन उसकी उंगली की दिशा में देखने लगा, जहाँ मैलबोल्जे के दस-गड्ढों में एक और गड्ढे को दिखाया गया था। उस जगह पर किसी नकली पैगंबर के ऊपर ई लिखा था। उस नकली पैगंबर का सिर मरोड़कर पीछे कर दिया गया था।

अरे, ये क्या खेल है? पेंटिंग में परिवर्तन कर दिया गया है।

अब उसे दूसरे अक्षर भी दिखाई दे रहे थे, जो मैलबोल्जे के दस गड्ढों में छटपटा रहे पापियों के शरीर पर लिखे हुए थे। उसने दूसरों की औरतों को फँसाने वाले व्यक्ति को देखा जिसे राक्षस कोड़ों से पीट रहे थे। उसके शरीर पर सी लिखा हुआ था। चोर के शरीर पर आर लिखा था और उसे लगातार साँप काट रहे थे। भ्रष्ट नेता के शरीर पर ए लिखा था, जिसका शरीर खौलते हुए चारकोल में डूबा हुआ था।

'ये अक्षर,' लैंग्डन ने पूरे यकीन के साथ कहा, 'निश्चित तौर पर बोटीचेली की मूल पेंटिंग के हिस्से नहीं हैं। इस तस्वीर को डिजिटल तरीके से परिवर्तित किया गया है।'

अब वह मैलबोल्जे के सबसे ऊपरी गड्ढे की तरफ देख रहा था। उसने दसों गड्ढों में लिखे अक्षरों को ऊपर से नीचे की तरफ पढ़ना शुरू किया।

सी. . .ए. . .टी. . .आर. . .ओ. . .वी. . .ए. . .सी. . .ए. . .आर

'*कैट्रोवेसर?*' लैंग्डन ने कहा। 'क्या यह इतालवी में लिखा गया है?'

सिएना ने सिर हिलाया। 'नहीं और ये लैटिन भी नहीं। मैं इसे नहीं समझ पा रही।'

'हो सकता है . . .यह किसी का दस्तख़त हो?'

'कैट्रोवेसर?' उसे यकीन नहीं हो रहा था। 'यह मुझे नाम के जैसा नहीं लगता, लेकिन इधर देखिए।' उसने मैलबोल्जे के तीसरे गड्ढे में लिखे अनेक अक्षरों में से एक की तरफ दिखाते हुए कहा।

जब लैंग्डन की नज़र उस तस्वीर पर पड़ी तो वह अचानक अंदर से सिहर गया। तीसरे गड्ढे के पापियों के बीच मध्यकाल की एक मशहूर तस्वीर दिखाई दे रही थी–नकाब पहना एक इंसान जिसकी लंबी, चिड़ियों जैसी चोंच थी और आँखें जैसे मरे हुए इंसान की आँख।

प्लेग वाला मुखौटा।

'क्या बोटीचेली की मूल पेंटिंग में प्लेग डॉक्टर को दिखाया गया है?' सिएना ने पूछा।

'बिलकुल नहीं। इस तस्वीर को बाहर से जोड़ा गया है।'

'और क्या बोटीचेली ने अपनी मूल कृति में दस्तख़त किए थे?'

लैंग्डन को ठीक से याद नहीं आ रहा था, लेकिन उसकी नज़र अब नीचे दाहिनी ओर के कोने पर पड़ी, जहाँ कलाकार सामान्य तौर पर दस्तख़त करते हैं। अब उसे समझ में आया कि सिएना ने यह सवाल क्यों पूछा था। वहाँ पर कोई दस्तख़त नहीं दिखाई दे रहा था, लेकिन *ला मापा* के गहरी भूरी किनारी के साथ लैटिन के बड़े अक्षरों में, लेकिन छोटे आकार में, लिखा था–सत्य और दृश्यता ही मृत्यु के अंधकार को पार करती है। *यह इतने हल्के ढंग से लिखा था कि यह मुश्किल से दिखाई दे रहा था।*

लैंग्डन को इतनी इतालवी आती थी कि वह वाक्य का सारांश समझ सकता था। '*सच को केवल मौत की नज़रों से ही देखा जा सकता है।*'

सिएना ने सिर हिलाया, 'विचित्र बात है।'

उस डरावनी तस्वीर को देखकर वे दोनों थोड़ी देर तक चुपचाप खड़े रहे। तस्वीर धीरे-धीरे धुंधली हो गई। *दांते का इन्फर्नो,* लैंग्डन ने सोचा। *1330 में रचित प्रेरणादायक और डरावनी कृति।*

लैंग्डन दांते के बारे में अपने कोर्स में हमेशा *इन्फर्नो* से प्रेरित कलाकृतियों के बारे में पूरा एक हिस्सा शामिल रखता था। बोटीचेली के मशहूर नरक के मानचित्र, *मैप ऑफ़ हेल,* के अलावा रोडिन की अमर कृति *द थ्री शेड्स फ्रॉम द गेट्स ऑफ़ हेल. . .*स्ट्रैडनस द्वारा बनाई गई फ़्लेग्यास की तस्वीर, जिसमें उसे स्टाइक्स नदी में डूबी लाशों को रौंदते हुए उसका गुज़रते हुए दिखाया गया है. . .विलियम ब्लेक की वासना में डूबे पापियों के अंतहीन तूफान में फंसे होने का चित्रण. . . बुगरो की बनाई कामोत्तजक पेंटिंग, जिसमें दांते और वर्जिल दो नग्न पुरुषों की लड़ाई देख रहे हैं. . .शोलों की तरह गर्म गोलियों और आग की बूँदों के बीच तड़प रही आत्माओं की बायरो द्वारा बनाई गई तस्वीर. . .मनमौजी शैली में बनी साल्वाडोर की वॉटरकलर और वुडकट कलाकृतियों की श्रृंखला. . .डोरे द्वारा बनाई गई श्याम-श्वेत एचिंग का विशाल समूह, जिसमें गुफा जैसे प्रवेश-द्वार से लेकर हेड्स. . .और पंख वाले शैतान तक की कलाकृतियाँ।

अब ऐसा लग रहा था कि नरक के बारे में दांते की काव्यात्मक दृष्टि ने सिर्फ इतिहास के महान कलाकारों को ही प्रेरित नहीं किया था, बल्कि इसने एक और व्यक्ति को प्रेरित किया था। शायद यह विकृत आत्मा थी जिसने बोटीचेली की मशहूर पेंटिंग को डिजिटल तरीके से बदलकर इस में दस अक्षर, प्लेग का एक डॉक्टर जोड़ दिया था। इसके बाद उसने इस पेंटिंग में एक वाक्य भी जोड़ दिया था–सत्य को मौत की आँख से देखना। उस कलाकार ने इस छवि को उच्च तकनीक पर आधारित एक प्रोजेक्टर में डालकर एक अजीब तरीके की नक्काशी वाली हड्डी के अंदर बंद कर दिया गया था।

लैंग्डन सोच नहीं पा रहा था कि आख़िर किस व्यक्ति ने इस तरह की कलाकृति का निर्माण

किया होगा, लेकिन इस वक़्त यह इतना महत्त्वपूर्ण नहीं था, क्योंकि उसके सामने एक दूसरा, डरावना सवाल खड़ा था।

आख़िर मैं इसे क्यों ढो रहा हूँ?

सिएना लैंग्डन के साथ किचन में बैठकर अपने अगले कदम के बारे में सोच रही थी। तभी उसे नीचे सड़क पर किसी ताकतवर इंजन की गड़गड़ाहट सुनाई दी। इसके साथ ही उसे टायरों के सड़क पर घिसटकर रुकने और कार के दरवाज़ों के खुलने और बंद होने की आवाज़ सुनाई दी।

हैरान होकर सिएना खिड़की के पास दौड़कर पहुँची और झाँककर नीचे देखने लगी।

नीचे सड़क पर काले रंग की, बिना नंबर प्लेट वाली एक कार तेज़ी से आकर रुक गई। उस वैन से कई लोग बाहर निकले। उन सभी लोगों ने काले रंग की पोशाक पहन रखी थी। उनके बाएँ कंधे पर गोल चकत्ते जैसा तमगा लगा हुआ था। उन्होंने अपने हाथों में ऑटोमेटिक बंदूक रखी थी। वे तेज़ी से, फौजी दक्षता के साथ आगे बढ़ रहे थे। बिना किसी हिचकिचाहट के चार सिपाही अपार्टमेंट के दरवाज़े में घुस गए।

सिएना को लगा जैसे उसका खून ठंडा हो गया था। 'रॉबर्ट,' उसने चिल्लाकर कहा। 'मुझे नहीं पता कि वे लोग कौन हैं, लेकिन उन्होंने हमें ढूँढ़ लिया है।'

उधर सड़क पर एजेंट क्रिस्टॉफ ब्रूडर अपने लोगों को चिल्ला-चिल्लाकर हुक्म दे रहा था। वे लोग तेज़ी से इमारत के अंदर घुस रहे थे। ब्रूडर मज़बूत कदकाठी वाला इंसान था। उसने फौज में काम किया था जिसकी वजह से वह अपने कर्तव्यों के पालन में किसी तरह की भावुकता को नहीं आने देता था। वह अपने ऊपर से आने वाले हुक्म की तामील में यकीन करता था। वह अपने मिशन को समझता था और उसे इसके परिणामों की गंभीरता का भी अहसास था।

वह जिस संस्था के लिए काम करता था उसके कई विभाग थे, लेकिन ब्रूडर के विभाग यानी निगरानी और जवाबी कार्रवाई से संबंधित सर्वेलेंस ऐंड रेसपोंस सपोर्ट को तभी बुलाया जाता था, जब किसी गंभीर आपदा की स्थिति होती थी।

उसके लोग इमारत के अंदर घुस चुके थे। ब्रूडर मुख्य-द्वार पर खड़ा निगरानी कर रहा था। उसने संपर्क स्थापित करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला अपना यंत्र निकालकर इस कार्रवाई की ज़िम्मेदारी देख रहे व्यक्ति से संपर्क किया।

'मैं ब्रूडर बोल रहा हूँ।' उसने कहा। 'हम लोगों ने कंप्यूटर के आईपी एड्रेस की मदद से लैंग्डन का पता लगा लिया है। मेरी टीम अंदर जा रही है। उसे पकड़ते ही मैं आपको ख़बर करूँगा।'

ब्रूडर के काफी ऊपर, पेंशोने ला फिओरेंटिना होटल की छत पर खड़ी वाएंथा एजेंटों को अपार्टमेंट बिल्डिंग में घुसते हुए देख रही थी। वह बुरी तरह घबराई हुई थी और उसे अपनी आँखों पर यकीन नहीं हो रहा था।

'आख़िर वे लोग यहाँ क्या कर रहे हैं?'

उसने अपने नुकीले ढंग से काढ़े गए बालों में हाथ फिराया। उसे पिछली रात की अपनी नाकामयाब कार्रवाई के गंभीर परिणामों का अंदाज़ा लग चुका था। एक कबूतर की गुटर गू ने परिस्थितियों को पूरी तरह नियंत्रण से बाहर कर दिया था। एक मामूली-सा मिशन अब. . .एक दुःस्वप्न में तब्दील हो चुका था।

अगर एसआरएस टीम यहाँ पहुँच चुकी है तो फिर मेरा रास्ता बंद।

वाएंथा ने घबराते हुए अपना सेक्ट्रा टाइगर एक्सएस यंत्र निकाला और प्रोवोस्ट को कॉल किया।

'सर,' उसने हकलाते हुए कहा। 'एसआरएस टीम यहाँ पहुँच चुकी है। सड़क के उस पार ब्रूडर के कई लोग अपार्टमेंट में घुस रहे हैं।'

वह जवाब की प्रतीक्षा करने लगी, लेकिन उसे दूसरी ओर से क्लिक क्लिक की कर्कश ध्वनि सुनाई दी, जिसके बाद इलेक्ट्रॉनिक आवाज़ ने शांत भाव से जवाब दिया, 'काम से हटने का प्रोटोकॉल चालू कर दिया गया है।'

वाएंथा ने फोन नीचे रख दिया और जल्दी से इसकी स्क्रीन की तरफ देखा। फोन बंद हो चुका था।

उसका चेहरा जर्द हो गया। वाएंथा के लिए अब परिस्थितियों को स्वीकार करने के सिवा कोई चारा नहीं था। कंसोर्शियम ने उससे सभी संबंध तोड़ लिए थे।

कोई संपर्क नहीं। कोई संबंध नहीं।

मुझे काम से निकाल दिया गया है।

लेकिन यह सदमा पल-भर के लिए रुका।

उसकी जगह अब खौफ ने ले ली थी।

16

'रॉबर्ट, जल्दी।' सिएना ने आग्रह किया। 'मेरे पीछे आइए।'

दरवाज़े से बाहर निकल अपार्टमेंट के हॉल में घुसते हुए लैंग्डन के दिमाग में अब भी दांते के नरक की दर्दनाक छवियाँ चक्कर काट रही थी। उस समय तक सिएना ब्रुक्स ने सुबह की तनावपूर्ण परिस्थितियों को निर्विकार भाव से झेला था, लेकिन अब उसके दिलो-दिमाग पर तनाव का असर दिखाई दे रहा था। उसे डर का अनुभव हो रहा था, एक ऐसा भाव जिसे लैंग्डन ने अब तक सिएना को प्रभावित करते हुए नहीं पाया था।

हॉलवे के भीतर आगे आगे दौड़ती जा रही थी। उसने लिफ्ट को पार किया, जो अब नीचे आ रहा था। बेशक, लॉबी में घुसने वाले लोगों ने लिफ्ट को नीचे बुलाया होगा। वह पीछे बिना मुड़े तेज़ी से हॉल के दूसरे छोर तक पहुँचकर सीढ़ियों के पीछे कहीं गायब हो गई।

लैंग्डन भी उसके ठीक पीछे पीछे आ रहा था। माँगकर लाए गए उसके हवाई चप्पल फर्श पर फिसल रहे थे। दौड़ते हुए ब्रायोनी के सूट के सामने वाली जेब में रखा छोटा-सा प्रोजेक्टर उछल रहा था। उसके दिमाग में नरक के दसवें घेरे में लिखी अजीब-सी इबारत घूम रही थी–कैट्रोवेसर। वह मन-ही-मन प्लेग वाले मुखौटे और अजीब-से हस्ताक्षर के बारे में सोच रहा था। *सच को केवल मौत की नज़रों से देखा जा सकता है।*

लैंग्डन इन बेतरतीब चीज़ों को जोड़कर देखने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उस समय इसका कोई अर्थ उसकी समझ में नहीं आ रहा था। आख़िर वह सीढ़ी के चबूतरे के पास रुका। सिएना वहीं पर खड़ी होकर गौर से कुछ सुन रही थी। लैंग्डन को सीढ़ियों पर ऊपर जाते हुए तेज़ कदमों की आवाज़ सुनाई दे रही थी।

'क्या यहाँ से निकलने का कोई दूसरा रास्ता है?' लैंग्डन ने फुसफुसाते हुए पूछा।

'मेरे पीछे आइए।' उसने रूखे ढंग से कहा।

सिएना आज एक बार लैंग्डन की जान बचा चुकी थी। इसलिए उसके पास इस औरत पर भरोसा करने के सिवा कोई विकल्प नहीं था। लैंग्डन ने गहरी साँस ली और सीढ़ियों पर तेज़ी से उसके पीछे चलने लगा।

वे एक मंज़िल नीचे उतरे। अब उन्हें अपने पीछे कदमों की आहट तेज़ होती सुनाई दे रही थी। पास आते भारी जूतों की आवाज़ें एक या दो मंज़िल नीचे से आ रही थी।

वह सीधे उन लोगों की दिशा में दौड़ती हुई क्यों जा रही है?

लैंग्डन अपना विरोध दर्ज कर पाता उसके पहले ही सिएना ने उसका हाथ पकड़कर सीढ़ियों के साथ बने सुनसान पड़े अपार्टमेंटों की ओर खींच लिया। उन अपार्टमेंटों पर ताले जड़े थे।

छुपने की कोई जगह दिखाई नहीं दे रही।

सिएना ने एक स्विच दबाया। कई बल्ब एक साथ बंद हो गए, लेकिन हल्की रोशनी में भी हॉलवे में उनका छिपना मुश्किल था। सिएना और लैंग्डन यहाँ साफ-साफ दिखाई दे रहे थे। बूटों की आवाज़ अब काफी नज़दीक आती सुनाई दे रही थी। लैंग्डन जानता था कि उनपर हमला करने वाले लोग किसी भी क्षण सीढ़ियों पर दिखाई देने वाले थे। हॉलवे में वे दोनों सामने साफ-साफ दिखाई दे रहे थे।

'अपना जैकेटे दीजिए।' सिएना ने यह बोलते हुए उसके कंधों पर रखा जैकेट झटककर ले लिया। इसके बाद उसने लैंग्डन को दीवार में थोड़ा-सा भीतर की ओर बने दरवाज़े के फ्रेम के अंदर उकडू होकर बिठा दिया। 'हिलना नहीं।'

वह क्या कर रही है? वह सामने दिखाई दे रही है !

फौजी अब सीढ़ियों पर दिखाई दे रहे थे। वे तेज़ी से उनकी ओर दौड़ते हुए आ रहे थे, लेकिन अंधेरे हॉलवे में सिएना को देखकर वे ठिठक गए।

'भगवान के लिए, ये क्या हो रहा है?' सिएना ने उनके ऊपर चिल्लाते हुए कहा। *'इस वक़्त इतना शोर?'*

लैंग्डन ने देखा कि इस वक़्त सिएना ने उसके काले जैकेट को अपने सिर और कंधों पर बुढ़िया के शॉल की तरह लपेट रखा था। वह झुककर इस तरह खड़ी थी कि दरवाज़े के पीछे छिपे लैंग्डन पर किसी की नज़र नहीं पड़े। वह बिलकुल बदली हुई नज़र आ रही थी। वह लड़खड़ाती हुई उनकी ओर बढ़ी और सठियाई बुढ़िया की तरह उन पर चिल्लाने लगी।

एक फौजी ने उसकी तरफ इशारा करते हुए उसे अपने अपार्टमेंट में वापस जाने को कहा। *'मैडम, कृपा करके आप अपने अपार्टमेंट में लौट जाइए।'*

सिएना ने फिर से लड़खड़ाते हुए एक कदम आगे बढ़ाया। वह उन्हें गुस्से में मुक्का दिखा रही थी। *'तुम लोगों ने मेरे बीमार पति को नींद से जगा दिया।'*

लैंग्डन हैरान होकर उसकी बातें सुन रहा था। *उन्होंने तुम्हारे बीमार पति को नींद से जगा दिया?*

दूसरे सिपाही ने सीधे अब उसकी तरफ अपनी बंदूक तान दी। 'मैना!'

सिएना रुक गई। वह उन लोगों को लगातार भद्दी गालियाँ देती हुई लड़खड़ाती हुई वापस पीछे की तरफ जाने लगी।

वे लोग भी तेज़ी से सीढ़ियों पर आगे बढ़कर आँखों से ओझल हो गए।

शेक्सपियर के नाटकों जैसा न सही, लेकिन काफी *प्रभावशाली,* लैंग्डन ने सोचा। ज़ाहिर था कि नाटकों में काम करने का अनुभव काफी उपयोगी हो सकता है।

सिएना ने जैकेट को सिर से उतारकर लैंग्डन की ओर उछाल दिया। 'ठीक है, मेरे पीछे आइए।'

इस बार उसके पीछे चलते हुए लैंग्डन को कोई हिचकिचाहट नहीं हो रही थी।

वे लोग लॉबी के ऊपरी तल पर पहुँच गए, जहाँ दो और सिपाही ऊपरी तल पर जाने के लिए लिफ्ट में घुस रहे थे। बाहर सड़क पर वैन के पास खड़ा एक सिपाही निगरानी कर रहा था। उसके गठीले शरीर पर काले रंग की वर्दी तनी हुई थी। सिएना और लैंग्डन चुपचाप सीढ़ियों से होते हुए बेसमेंट की ओर चले गए।

तहखाने में बने कार-पार्किंग में अंधेरा छाया था। वहाँ पेशाब की बदबू फैली हुई थी। सिएना दौड़कर एक कोने की तरफ चली गई, जहाँ ढेर सारे स्कूटर और मोटर-साइकिल पार्क किए हुए थे। वे चाँदी के रंग वाले तिपहिए के पास जाकर रुकी जिसे वे ट्राइक कहते थे। ट्राइक देखने में इतालवी वेस्पा और बड़े लोगों के लिए बने तिपहिया वाहन के अजीब-से मिश्रण की तरह लगता था। उसने ट्राइक के सामने वाले पहिए के मड-गार्ड के अंदर अपना नाज़ुक हाथ डालकर एक छोटा-सा चुंबकीय बक्सा खींचकर बाहर निकाला। इसके भीतर एक चाबी रखी थी। चाबी डालते ही ट्राइक का इंजन हल्की घड़घड़ाहट के साथ चालू हो गया।

कुछ ही सेकंड बाद, लैंग्डन बाइक पर उसके पीछे बैठा था। किसी तरह पीछे की सीट पर टिके रहने की कोशिश में वह अपने आसपास हैंडल या पकड़ने के लिए कोई चीज़ खोजने की कोशिश कर रहा था।

‘अभी शिष्टाचार दिखाने का वक़्त नहीं है।’ सिएना ने कहा। उसने लैंग्डन का हाथ पकड़कर अपनी पतली कमर में लिपटा दिया। ‘आपको इसे पकड़े रहने की ज़रूरत है।’

लैंग्डन ने सिएना की बात मान ली। ट्राइक तेज़ी से बाहर की ओर ले जाने वाले रैंप पर आगे बढ़ गया। इस गाड़ी में लैंग्डन की कल्पना से अधिक शक्ति थी। गैराज से बाहर निकलते हुए ट्राइक जैसे हवा में उड़ रहा था। वे गैराज से बाहर निकले तो मुख्य-द्वार से करीब पचास गज आगे सुबह की धूप पसरी दिखाई दे रही थी। इमारत के सामने खड़े हट्टेकट्टे सिपाही ने मुड़कर देखा तो लैंग्डन और सिएना तेज़ी से ट्राइक पर चले जा रहे थे। सिएना ने ट्राइक की गति और तेज़ कर दी और वह ज़ोरदार आवाज़ देता हुआ आगे बढ़ गया।

उसके कंधे पर लटके हुए लैंग्डन ने गर्दन मोड़कर सिपाही की ओर देखा। वह अब उनकी ओर बंदूक मोड़कर निशाना साध रहा था। लैंग्डन तैयार था। गोली की आवाज़ सुनाई दी। गोली ट्राइक के पिछले मड-गार्ड से टकराकर वापस हो गई। लैंग्डन की रीढ़ की हड्डी का निचला हिस्सा बाल-बाल बचा।

हे भगवान।

चौराहे पर आकर सिएना ने ट्राइक को तेज़ी से बाईं ओर मोड़ दिया। लैंग्डन को लगा जैसे वह ट्राइक से फिसलकर गिरने ही वाला था, लेकिन उसने किसी तरह अपना संतुलन बनाए रखा।

‘मेरी ओर झुक जाइए।’ उसने चिल्लाकर कहा।

लैंग्डन आगे झुक गया। वह अब बीच में आ चुका था। सिएना चौड़ी-सी सड़क पर ट्राइक को तेज़ी से लेकर चली जा रही थी। करीब एक ब्लॉक आगे आने के बाद लैंग्डन दोबारा साँस लेने की स्थिति में पहुँचा था।

आख़िर वे लोग कौन थे?

सिएना का ध्यान पूरी तरह सड़क पर केंद्रित था। वह एवेन्यु को पार कर आगे बढ़ती जा रही थी। सुबह के हल्के ट्रैफिक के बीच वह गाड़ी को तेज़ी से निकालती हुई चली जा रही थी। कई राहगीरों ने उसकी तरफ मुड़कर देखा। उन्हें ब्रायोनी सूट पहने छह फुट लंबे इंसान को एक दुबली पतली औरत के पीछे बैठा देखकर हैरानी हो रही थी।

लैंग्डन और सिएना अब तक तीन ब्लॉक आगे आ चुके थे। वे एक बड़े से चौराहे को पार कर रहे थे, तभी आगे गाड़ियों के हॉर्न एक साथ बजने लगे। काले रंग की एक वैन कोने से निकलकर दो पहियों पर घूमती हुई उनकी तरफ तेज़ी से आती दिखाई दे रही थी। यह वैन ठीक उसी तरह की थी जैसी कि अपार्टमेंट बिल्डिंग के आगे लगी सिपाहियों की वैन।

सिएना ने तेज़ी से ट्राइक को दाहिनी तरफ मोड़ते हुए ब्रेक लगाया। लैंग्डन की छाती उसकी पीठ से चिपक गई। वह सामने खड़े डिलीवरी ट्रक के पीछे चली गई, जहाँ वह वैन पर बैठे लोगों को नहीं दिख रही थी। उसने ट्राइक को ट्रक के पिछले बंपर के साथ चिपकाकर खड़ा कर दिया और इंजन बंद कर दिया।

उन्होंने हमें देखा तो नहीं?

लैंग्डन और सिएना वहाँ छुपकर साँस रोककर इंतज़ार करने लगे।

वैन तेज़ आवाज़ के साथ उनके सामने से निकल गई। लगा जैसे इसमें बैठे लोगों ने उन्हें नहीं देखा था, लेकिन तेज़ी से आगे बढ़ते वैन के अंदर लैंग्डन को अचानक एक व्यक्ति दिखा, जो इसके अंदर बैठा था।

पिछली सीट पर दो सिपाहियों के बीच एक बुजुर्ग-सी औरत बैठी थी जिसे देखकर ऐसा लग रहा था मानो उसे अगवा किया गया था। उसकी आँखें अंदर धंसी थीं और उसका सिर ऊपर नीचे हिल रहा था जैसे किसी ने उसे बेहोशी की दवा खिला दी गई हो। उसने ताबीज़ पहन रखी थी। उसके सफेद बाल छल्लों की शक्ल में नीचे गिरते दिखाई दे रहे थे।

अचानक लैंग्डन को अपने गले में खिंचाव का अनुभव हुआ। उसे लगा जैसे उसने किसी भूत को देखा था।

यह वही औरत थी, जिसकी छवि उसे बार-बार अपनी आँखों के आगे दिखाई देती थी।

17

प्रोवोस्ट तेज़ी से कंट्रोल रूम से बाहर निकला। वह *द मेंडेसियम* के लंबे डके पर चलता हुआ किसी गहरी सोच में डूबा हुआ था। फ्लोरेंस अपार्टमेंट में अभी, जो हुआ था उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

जहाज़ का दो चक्कर लगाने के बाद वह अपने दफ्तर में वापस आया। उसने पचास साल पुरानी शराब हाइलैंड पार्क सिंगल मॉल्ट की बोतल निकाल ली। उसने ग्लास में शराब उड़ेलने के बजाय इसे टेबल पर रख दिया और अपनी पीठ बोतल की ओर कर दी। ऐसा करने से उसे यकीन होता था कि वह पूरी तरह नियंत्रण में था।

उसकी नज़र किताबों की आलमारी पर रखी एक भारी भरकम पुरानी किताब पर गई, जो उसके किसी ग्राहक ने उसे तोहफे के तौर पर दी थी। वह सोच रहा था कि काश उस ग्राहक से उसकी कभी मुलाकात नहीं हुई होती।

एक साल पहले. . .आख़िर मुझे कैसे मालूम होता?

वैसे प्रोवोस्ट अपने संभावित ग्राहकों से पहले बातचीत नहीं करता था, लेकिन इसे किसी विश्वासी व्यक्ति ने उसके पास भेजा था और इसीलिए उसे अपने कायदे में ढील देनी पड़ी थी।

जिस दिन वह ग्राहक अपने निजी हेलीकॉप्टर से *द मेंडेसियम* पर आया था, उस दिन समुद्र शांत था। आगंतुक अपने क्षेत्र की जानी-मानी हस्ती था। उम्र 46 वर्ष, असाधारण तौर पर लंबा, तीखी, नीली आँखें।

'आपको तो मालूम है,' उस व्यक्ति ने अपनी बात शुरू की। 'हम दोनों के एक मित्र ने मुझे आपकी सेवाएँ लेने के लिए भेजा है।' आगंतुक ने अपने पाँव फैलाए और प्रोवोस्ट के अच्छी तरह सजाए गए कमरे में आराम से बैठ गया। 'मैं आपको अपने काम के बारे में बताना चाहूँगा।'

'नहीं,' प्रोवोस्ट ने उसे रोकते हुए कहा। वह दिखाना चाहता था कि इस जगह का नियंत्रण उसके हाथ में था। 'मेरे प्रोटोकॉल के अनुसार आपको कुछ भी कहना नहीं है। मैं अपनी सेवाओं के बारे में आपको बताऊँगा। इसके बाद, आपको अगर ज़रूरत है, तो आप मुझे अपने काम की चीज़ के बारे में बताएँगे।'

आगंतुक को जैसे सदमा-सा लगा, लेकिन वह शांत होकर उसकी बातें सुनता रहा। आख़िर में उसे लंबे व्यक्ति ने जिस काम को पूरा करने के लिए उससे कहा वह कंसोर्शियम के सामान्य कामकाज के दायरे में आता था यानी कुछ दिनों के लिए लोगों की नज़रों से ओझल होना, ताकि वह छानबीन करने वाले लोगों से दूर रहकर अपना काम कर सके।

बच्चों का खेल।

कंसोर्शियम उसे नकली पहचान और सुरक्षित स्थान आसानी से उपलब्ध करा सकता था, जहाँ किसी तरह के इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों को उसका पता नहीं चल सकता था। वह उस स्थान पर रहकर चुपचाप अपना काम कर सकता था–भले ही वह कोई भी काम हो। कंसोर्शियम अपने ग्राहकों से कभी नहीं पूछता था कि उन्हें सौंपे गए काम का मकसद क्या है। वे अपने ग्राहकों के बारे में कम-से-कम जानना पसंद करते थे।

प्रोवोस्ट ने एक साल तक नीली आँखों वाले आदमी को अपनी सेवाएँ दी थी, जिसमें उस में काफी बड़ा फायदा हुआ था। वह उसके लिए आदर्श ग्राहक साबित हुआ था। प्रोवोस्ट का उसके साथ कोई संपर्क नहीं था और उसके सभी बिलों का भुगतान समय पर हो रहा था।

लेकिन दो सप्ताह पहले, सब कुछ बदल गया।

अचानक, उस ग्राहक ने संपर्क किया। वह प्रोवोस्ट से मिलना चाहता था। उसने जितना पैसा दिया था, उसे देखते हुए प्रोवोस्ट उससे मिलने के लिए राज़ी हो गया।

प्रोवोस्ट से मिलने, जो व्यक्ति जहाज़ पर पहुँचा उसे पहचानना मुश्किल था। तेज़ तर्रार, सुंदर तरीके से कटे बाल-दाढ़ी वाले जिस व्यक्ति से प्रोवोस्ट ने पिछले साल धंधा तय किया था, उसकी जगह आज अस्त-व्यस्त व्यक्ति दिखाई दे रहा था। उसकी तीखी, नीली आँखों में अब जंगलीपन नज़र आ रहा था। वह तकरीबन. . .बीमार दिख रहा था।

क्या हुआ है इसे? वह किस काम में लगा था?

प्रोवोस्ट उसे लेकर अपने दफ्तर में दाखिल हुआ।

'सफेद बालों वाली शैतान,' उसके ग्राहक ने लड़खड़ाती आवाज़ में कहा, 'वह रोज़-रोज़ करीब आती जा रही है।'

प्रोवोस्ट ने अपने ग्राहक की फाइल पर नज़र डाली, जिसमें सफेद बालों वाली सुंदर महिला की तस्वीर लगी थी। 'हाँ,' प्रोवोस्ट ने कहा। 'तुम्हारी सफेद बालों वाली शैतान औरत। हम तुम्हारे दुश्मनों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। भले ही वह कितनी ही ताकतवर क्यों ने हो, हमने पूरे साल उसे तुमसे दूर रखा है और आगे भी हम यही करते रहेंगे।'

नीली आँखों वाला व्यक्ति तेल में चुपड़े बालों को अपनी उंगलियों पर ऐंठता रहा। वह परेशान दिख रहा था। 'उसकी ख़ूबसूरती से धोखा मत खाना। वह ख़तरनाक दुश्मन है।'

सच, प्रोवोस्ट ने सोचा। वह अब भी नाख़ुश था कि उसके ग्राहक ने इतने प्रभावशाली व्यक्ति का ध्यान अपनी ओर खींच लिया था। सफेद बालों वाली औरत के पास अपार साधन था और उसकी ऊँची पहुँच थी। ऐसे व्यक्ति से टक्कर लेना प्रोवोस्ट को पसंद नहीं था।

'अगर वे या उसके शैतान मुझे ढूँढ़ लेते हैं. . .' ग्राहक ने अपनी बात शुरू की।

'नहीं, वे तुम्हारे नज़दीक नहीं पहुँच सकते।' प्रोवोस्ट ने उसे तसल्ली दिलाई। 'हम लोगों ने

आज तक तुम्हें छिपाकर रखा है और तुमने, जो भी माँगा उसे तुम्हें हासिल करवाया है। है कि नहीं?'

'हाँ,' उस व्यक्ति ने कहा। 'और मुझे चैन की नींद आएगी अगर. . . ' वह कुछ सोचने के लिए रुका। 'मैं जानना चाहता हूँ कि अगर मुझे कुछ हो गया तो क्या तुम मेरी आख़िरी ख़्वाहिश पूरी करोगे? '

'वे ख़्वाहिशें क्या हैं?'

उस व्यक्ति ने अपने थैले में हाथ डालकर एक छोटा-सा, सील किया हुआ लिफाफा बाहर निकाला। 'इस लिफाफे के भीतर फ़्लोरेंस के एक सेफ-डिपॉजिट तिजोरी तक पहुँचने का तरीका बताया गया है। बक्से के भीतर तुम्हें एक छोटी-सी चीज़ मिलेगी। अगर मुझे कुछ हो गया तो मैं चाहता हूँ कि तुम यह सामान किसी के पास पहुँचा दो। यह एक तरह का तोहफा है।

'ठीक है।' प्रोवोस्ट ने लिखने के लिए कलम निकाला। 'और मुझे यह किस व्यक्ति को सौंपना होगा?'

'सफेद बालों वाली उस शैतान औरत को।'

प्रोवोस्ट ने नज़रें उठाकर उसकी ओर देखा। 'अपने आतताई के लिए तोहफा?'

'यह उसके लिए शायद कांटे जैसी चीज़ होगी।' उसकी आँखों में एक जंगली चमक दिखाई दी। 'हड्डी का इस्तेमाल कर होशियारी से बनाया हुआ काँटा। उसे पता चलेगा कि यह एक तरह का नक्शा है. . .उसका निजी वर्जिल. . .अपने निजी नरक में पहुँचने में उसकी मदद करने वाला सहायक।'

प्रोवोस्ट उसे समझने की कोशिश में काफी देर तक लगा रहा। 'जैसी तुम्हारी इच्छा। समझो तुम्हारा काम हो गया।'

'इसमें वक़्त का ख़्याल रखना सबसे अहम होगा।' उस व्यक्ति ने आगाह किया। 'तोहफा समय से पहले नहीं पहुँचना चाहिए। तुम इसे तब तक छुपाकर रखोगे. . .' वह रुका। ऐसा लगा जैसे वह अपने ही ख्यालों में खो गया था।

'कब तक?'

वह व्यक्ति तुरंत उठकर खड़ा हो गया और प्रोवोस्ट की मेज़ के पीछे चला आया। उसने लाल रंग का एक मार्कर उठाया और बेताबी से प्रोवोस्ट के पर्सनल कैलेंडर पर लिखी एक तारीख पर घेरा बनाने लगा। 'इस दिन तक।'

प्रोवोस्ट ने अपना चेहरा ठीक किया। उसे यह अशिष्ट हरकत बुरी लगी थी, लेकिन उसने अपना गुस्सा पी लिया। 'समझ गया।' प्रोवोस्ट ने कहा। 'मैं निशान लगाए गए तारीख तक कुछ नहीं करूँगा। इसके बाद सेफ-डिपॉजिट तिजोरी में रखी चीज़ सफेद बालों वाली औरत को पहुँचा दी जाएगी, भले ही तिजोरी में कुछ भी हो।' उसने कैलेंडर पर घेरे गए तारीख को

देखकर हिसाब लगाना शुरू किया। 'मैं आज के ठीक चौदहवें दिन तुम्हारा तुम्हारी इच्छा पूरी कर दूँगा।'

'एक भी दिन पहले नहीं।' ग्राहक ने उसे बेचैन होकर डाँटने के लहज़े में कहा।

'मैं समझ गया।' प्रोवोस्ट ने उसे तसल्ली दिलाई। 'एक भी दिन पहले नहीं।'

प्रोवोस्ट ने लिफाफा लेकर उसे ग्राहक की फाइल में रख दिया। फिर उसने समय पर उसकी ख़्वाहिश को बिलकुल ठीक ढंग से पूरा करने के लिए आवश्यक निर्देश अंकित किए। उसके ग्राहक ने लिफाफे के अंदर रखी चीज़ के बारे में कुछ भी नहीं बताया था, लेकिन प्रोवोस्ट को यही तरीका पसंद था। कंसोर्शियम के सिद्धांत में भावनात्मक लगाव से अलग रहना एक आवश्यक तत्त्व था। *जिस काम के लिए पैसे लिए गए हैं, उसे पूरा करो। कोई सवाल नहीं। किसी तरह का नैतिक निष्कर्ष नहीं।*

अब ग्राहक के कंधे से जैसे तनाव का अहसास उतर चुका था। उसने ज़ोर से साँस छोड़ते हुए कहा, शुक्रिया।

'और कुछ?' प्रोवोस्ट ने पूछा। वह इस बदली शक्ल-सूरत वाले ग्राहक से जल्दी छुटकारा चाहता था।

'हाँ, दरअसल एक बात और थी।' उसने अपनी जेब में हाथ डालकर एक छोटा-सा गुलाबी रंग का मेमोरी स्टिक बाहर निकाला। 'यह एक वीडियो फाइल है।' उसने मेमोरी स्टिक प्रोवोस्ट के सामने रख दिया। 'मैं चाहता हूँ कि इसे दुनिया-भर के मीडिया के सामने लाया जाए।'

प्रोवोस्ट हैरान होकर उस व्यक्ति को समझने की कोशिश कर रहा था। वैसे कंसोर्शियम अपने ग्राहकों के लिए सूचनाएँ लोगों तक पहुँचाने का काम करता था, लेकिन पता नहीं क्यों प्रोवोस्ट को इस आदमी के आग्रह में कुछ अटपटा-सा लग रहा था। 'उसी तारीख को?' प्रोवोस्ट ने कैलेंडर पर घेरी हुई तारीख की तरफ दिखाते हुए पूछा।

' हाँ, बिलकुल उसी तारीख पर।' ग्राहक ने जवाब दिया। 'एक पल भी पहले नहीं।'

'समझ गया।' प्रोवोस्ट ने लाल रंग के मेमोरी स्टिक में आवश्यक सूचनाएँ लिखकर चिपका दी। 'ठीक है, फिर।' वह मीटिंग ख़त्म करने के लिए अपनी जगह पर खड़ा हो गया।

उसका ग्राहक बैठा रहा। 'नहीं, एक आख़िरी बात और।'

प्रोवोस्ट फिर से अपनी जगह पर बैठ गया।

अब उस ग्राहक की नीली आँखें बिलकुल हिंसक दिख रही थी। 'तुम जैसे ही मैसेज लोगों तक पहुँचाओगे, उसके तुरंत बाद मैं एक मशहूर इंसान बन जाऊँगा।'

तुम पहले से ही मशहूर हो, प्रोवोस्ट ने अपने ग्राहक की उपलब्धियों के बारे में सोचा।

'और इस मकबूलियत में तुम्हारा भी थोड़ा हिस्सा होगा।' उस व्यक्ति ने कहा। 'तुमने मेरे लिए, जो काम किया उसकी बदौलत मैं अपने इस मास्टरपीस को बना पाया. . .एक

महाग्रंथ, जो दुनिया को बदल देने वाला है। तुम्हें अपने किए पर गर्व होना चाहिए।'

'तुम्हारा मास्टरपीस चाहे, जो भी हो,' प्रोवोस्ट का धैर्य अब समाप्त हो रहा था। 'मुझे खुशी है कि मैंने इसके लिए ज़रूरी एकांत उपलब्ध करवाया।'

'तुम्हें शुक्रिया अदा करने के लिए, मैंने जाने के पहले तुम्हारे लिए एक तोहफा लाया है।' अस्त व्यस्त दिख रहे उस व्यक्ति ने यह कहते हुए कुछ निकालने के लिए अपने थैले में हाथ डाला। 'किताब।'

प्रोवोस्ट सोचने लगा कि कहीं यही वह गुप्त किताब तो नहीं जिस पर उसका ग्राहक इतने दिनों से काम कर रहा था। 'क्या तुमने ये किताब लिखी है?'

'नहीं।' उस व्यक्ति ने एक भारी भरकम किताब निकालकर टेबल पर रख दी। 'बल्कि यह किताब. . .मेरे लिए लिखी गई है।'

प्रोवोस्ट को कुछ समझ में नहीं आ रहा था। उसने अपने ग्राहक द्वारा दी गई किताब को देखा। *वह सोच रहा है कि यह किताब उसके लिए लिखी गई है?* वह किताब चौदहवीं सदी में लिखी गई एक महान साहित्यिक कृति थी।

'इसे पढ़ना।' ग्राहक ने रहस्यमय मुस्कान के साथ कहा। 'इससे तुम्हें मेरे काम को समझने में मदद मिलेगी।'

यह कहते हुए अस्त-व्यस्त दिख रहा वह व्यक्ति उठा। अचानक अलविदा कहकर वह चला गया। प्रोवोस्ट उस आदमी के हेलीकॉप्टर को डेक से उड़कर इटली के तट की ओर जाते हुए देखता रहा।

इसके बाद प्रोवोस्ट ने अपनी मेज़ पर रखी भारी भरकम किताब पर नज़र डाली। उसने अनमने ढंग से अपनी उंगलियाँ उस किताब की चमड़े की ज़िल्द पर रखकर शुरुआत का एक पन्ना उलटाया। किताब के पूरे पहले पन्ने पर एक पैराग्राफ कैलीग्राफी शैली में, बड़े बड़े अक्षरों में लिखा गया था।

इन्फर्नो

अपनी जीवन यात्रा के क्रम में
किसी घने जंगल में पाया ख़ुद को मैंने
क्योंकि सीधा रास्ता खो चुका था कहीं।

सामने के पन्ने पर उसके ग्राहक ने हाथ से एक संदेश लिखकर अपने हस्ताक्षर किए थे:

मेरे प्रिय दोस्त, रास्ता ढूँढ़ने में मदद के लिए तुम्हारा धन्यवाद। दुनिया भी तुम्हें शुक्रिया अदा कर रही है।

प्रोवोस्ट को इसका कोई मतलब समझ में नहीं आ रहा था, लेकिन उसने काफी पढ़ रखा था। उसने किताब को बंद कर बुकशेल्फ में रख दिया। शुक्र था कि इस अजीब-से इंसान के साथ उसका पेशेवर संबंध जल्द ही ख़त्म होने वाला था। *चौदह दिन और* प्रोवोस्ट ने कैलेंडर पर बेतरतीब ढंग से घेरी गई तारीख की ओर देखते हुए सोचा।

इस घटना के बाद अगले कुछ दिनों तक प्रोवोस्ट अपने उस ग्राहक के बारे में सोचकर अस्वाभाविक ढंग से परेशान रहा। उसे लगा कि उस व्यक्ति का दिमाग गड़बड़ हो गया था। खैर, प्रोवोस्ट की चिंता के बावजूद, वक़्त बिना किसी वाकये के गुज़र गया।

अचानक, कैलेंडर पर घेरी गई तारीख के पहले फ़्लोरेंस में एक के बाद एक कई दुर्घटनाएँ हुईं। प्रोवोस्ट उन संकटों से निपटने की कोशिश करता रहा, लेकिन वे तेज़ी से उसके नियंत्रण से बाहर होती गई। उस दिन जब उसका ग्राहक बाडिया टावर पर चढ़ गया तो संकट भी जैसे अपने सर्वोच्च शिखर पर पहुँच गया।

उसने वहाँ से कूदकर. . .आत्महत्या कर ली।

अपने ग्राहक को खोने के सदमे के बावजूद, ख़ासकर इस तरीके से हुई घटना के बावजूद प्रोवोस्ट अपनी जुबान का पक्का बना रहा। वह मृत व्यक्ति को दिए वादे को पूरा करने की तैयारी में लगा रहा यानी की सफेद बालों वाली औरत को फ़्लोरेंस के सेफ-डिपॉजिट तिजोरी से निकाली गई चीज़ पहुँचाने के लिए। उसे अच्छी तरह याद था कि इस मामले में सबसे ख़ास चीज़ थी समय की पाबंदी।

कैलेंडर में घेरी गई तारीख के पहले नहीं।

प्रोवोस्ट ने सेफ डिपॉजिट तिजोरी खोलने के लिए ज़रूरी कोड वाला लिफाफा वाएंथा को दे दिया। वह उस सामान को लेने फ़्लोरेंस चली गई–चालाकी से बनाया हुआ कांटा, लेकिन वाएंथा ने वापस फोन किया तो ख़बर चौंकाने वाली और डरावनी थी। उस सेफ डिपॉजिट तिजोरी के अंदर से सामान पहले ही निकाला जा चुका था। वाएंथा बड़ी मुश्किल से गिरफ्तार होने से बच पाई थी। पता नहीं किस तरह, सफेद बालों वाली औरत को इस खाते के बारे में जानकारी मिल गई थी। उसने अपनी पहुँच का इस्तेमाल कर सेफ-डिपॉजिट बॉक्स से सामान निकाल लिया। साथ ही उसने किसी भी दूसरे व्यक्ति के लिए गिरफ्तारी का वारंट भी निकलवा दिया, जो इस सामान को लेने की कोशिश करेगा।

ये तीन दिन पहले की बात है।

ज़ाहिर था कि उसका ग्राहक इस सामान के माध्यम से सफेद बालों वाली औरत का अंगूठा दिखाना चाहता था–जैसे किसी ने कब्र के भीतर से तंज किया हो।

इसके बावजूद, यह सब इतनी जल्दी हुआ था।

उसी समय से अपने ग्राहक की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए कंसोर्शियम जी जान लगा रहा था और ख़ुद को बचाने के लिए भी। इस क्रम में कंसोर्शियम ने कई ऐसी सीमाओं को पार किया था, जहाँ से वापस आना मुश्किल था। प्रोवोस्ट इस बात को जानता था। अब जिस समय फ़्लोरेंस में सारी चीज़ें तितर-बितर हो रही थी, प्रोवोस्ट अपनी डेस्क पर भविष्य के बारे में चिंता में डूबा हुआ था।

उसके कैलेंडर पर बेतरतीब ढंग से बना निशान उसे घूर-घूरकर देख रहा था–उस ख़ास दिन को घेरकर बना पागलों जैसा लाल घेरा।

कल।

प्रोवोस्ट ने अनमने ढंग से टेबल पर रखे स्कॉच की बोतल की ओर देखा। फिर उसने चौदह सालों में पहली बार गिलास में शराब उड़ेली और एक घूंट में इसे गटक गया।

डेक के नीचे, फैसिलिटेटर लॉरेंस नोल्टन ने अपने कंप्यूटर से लाल रंग वाले मेमोरी स्टिक को बाहर निकाला और अपने सामने मेज़ पर रख दिया। इस तरह का अजीबो-गरीब वीडियो उसने आज तक नहीं देखा था।

और यह ठीक नौ मिनट लंबा था. . .न एक सेकंड कम, न एक सेकंड ज्यादा।

उसे अपने भीतर अस्वाभाविक तरीके के डर का अहसास हो रहा था। वह खड़ा हो गया और इधर-उधर चहलकदमी करने लगा। वह सोच रहा था कि उसे प्रोवोस्ट को यह वीडियो दिखाना चाहिए या नहीं।

बस अपना काम करो, नोल्टन ने ख़ुद को कहा। *कोई सवाल नहीं। कोई नैतिक निर्णय नहीं।*

अपने दिमाग से वीडियो की बात को दूर कर, नोल्टन अपने प्लानर पर अपने निर्धारित काम को लिखने लगा। कल, ग्राहक की इच्छा के अनुरूप, वह इस वीडियो को मीडिया के साथ साझा करेगा।

18

वियाले निकोलो मैकियावेली फ़्लोरेंस की सबसे ख़ूबसूरत सड़कों में शुमार होता है। चौड़ी, एस आकार की बलखाती सड़कें, जिसके दोनों ओर घने पेड़ और झाड़ियाँ दिखाई देती हैं, फेरारी और साइकिल चालकों की पसंदीदा सड़क है।

सिएना इस सड़क के घुमावदार मोड़ों से सधे हुए ड्राइवर की तरह ट्राइक को लेकर आगे चली जा रही थी। गंदगी से भरा रिहायशी इलाका अब तक पीछे छूट चुका था। वे अब शहर के समृद्ध इलाके यानी कि पश्चिमी तट, वेस्ट बैंक पर आ चुके थे, जहाँ देवदार के पेड़ों से छन-छनकर हवा आ रही थी। वे गिरजाघर की घड़ी को पार करते हुए आगे बढ़े। घड़ी में सुबह आठ का समय दिखाई दे रहा था।

लैंग्डन अपनी जगह पर बैठा था। उसके दिमाग मे दांते के *इन्फर्नो* की रहस्यमय तस्वीरें उमड़ घुमड़ रही थी। साथ ही उसे उस ख़ूबसूरत, सफेद बालों वाली औरत की शक्ल भी बार-बार दिखाई दे रही थी जिसे वैन की पिछली सीट पर दो सिपाहियों के बीच बिठाया हुआ था।

वह चाहे, जो हो, लैंग्डन ने सोचा, अब वह उन लोगों के पास है।

'वैन में जिस औरत को आपने देखा,' सिएना ने ट्राइक के इंजन की आवाज़ से अपनी आवाज़ ऊँची करते हुए पूछा। 'क्या सचमुच उसी औरत का दृश्य आपकी आँखों के सामने दिखाई देता है?'

'यकीनन।'

'तो फिर पिछले दो दिनों में आप कहीं-न-कहीं उससे ज़रूर मिले हैं, लेकिन सवाल है कि आख़िर वे आपकी आँखों के आगे बार-बार क्यों दिखाई देती है. . .और वह आपको किसी चीज़ को ढूँढ़ने और हासिल करने को क्यों कहती रहती है?'

लैंग्डन इस बात से सहमत था। 'मुझे नहीं पता. . .मुझे याद नहीं आ रहा कि मैं उससे कभी मिला हूँ, लेकिन मैं जब भी उसका चेहरा देखता हूँ तो मुझे अंदर से लगता है जैसे मुझे उसकी मदद अवश्य करनी चाहिए।'

वेरी सॉरी। वेरी सॉरी।

लैंग्डन अचानक सोचने लगा कि कहीं माफी माँगने की यह बात सफेद बालों वाली औरत के लिए तो नहीं कही जा रही? *क्या मैंने किसी तरह से उसे निराश किया है?* यह सोचते हुए उसे अपने अंदर अजीब-सा एहसास हो रहा था।

लैंग्डन को ऐसा लग रहा था जैसे कि उसके किसी महत्त्वपूर्ण हथियार को उससे बाहर निकाल लिया गया था। *मेरी याद्दाश्त समाप्त हो गई है।* बचपन से ही लैंग्डन की याद्दाश्त

फोटो की तरह काम करती रही थी। वह अपनी इस बौद्धिक संपदा पर काफी निर्भर था। जो व्यक्ति अपने आसपास के छोटे-से-छोटे विवरण को याद रखता था उसके लिए याद्दाश्त के बिना काम करना ऐसा ही था जैसे अंधेरे में बिना रडार की सहायता के जहाज़ को ज़मीन पर उतारना।

'ऐसा लगता है कि जवाब पाने के लिए आपके पास एक ही रास्ता है–*ला माप्पा* का अर्थ ढूँढ़ना।' सिएना ने कहा। 'इसके भीतर चाहे, जो भी रहस्य छुपे हों, ऐसा लगता है कि . . ..इसी की वजह से आपका पीछा किया जा रहा है।'

लैंग्डन ने सहमति व्यक्त करते हुए अपना सिर हिलाया। वह *कार्टोवासर* शब्द के बारे में सोच रहा था। उसे याद आ रहा था कि इसके पीछे दांते के *इन्फर्नो* में छटपटाते–तड़पते लोगों को दिखाया गया है।

अचानक लैंग्डन के दिमाग में एक ख़्याल स्पष्ट होकर उभरा।

मेरी नींद फ्लोरेंस में खुली. . .

दांते से सबसे करीब से जुड़ा शहर था फ्लोरेंस। दांते अलीगेरी का जन्म फ्लोरेंस में हुआ था। वह फ्लोरेंस में ही बड़ा हुआ था। वहीं वह किसी के प्यार में डूबा था। किंवदंती के अनुसार वह बीट्रिस थी। उसे बेरहमी से फ्लोरेंस से बाहर निकाला गया था। इटली के गाँव-गाँव में सालों भटकना शायद उसकी नियति थी। इस दौरान वह अपने घर को याद करके तड़पता रहा था।

तुम्हें उन सभी चीज़ों को छोड़ना होगा जिन्हें तुम दिल से चाहते हो, दांते ने निर्वासन के बारे में लिखा था। *निर्वासन की कमान सबसे पहले इसी तीर को छोड़ती है।*

पाराडाइज़ो के सत्रहवें अध्याय के इस उद्धरण को याद करते हुए लैंग्डन ने दाहिनी तरफ नज़र दौड़ाई, जहाँ आर्नो नदी के पार दूर तक पुराने फ्लोरेंस की ऊँची-ऊँची इमारतें दिखाई दे रही थी।

लैंग्डन ने अपने दिमाग में पुराने शहर का एक नक्शा खींचा। सैलानियों का हुजूम, भीड़ भाड़, फ्लोरेंस के मशहूर गिरजाघरों, म्यूजियमों और शॉपिंग वाले इलाके की पतली पतली गलियाँ और उनसे गुज़रता ट्रैफिक। वह सोचने लगा कि अगर वे दोनों अपनी ट्राइक यहीं छोड़कर उतर जाएँ तो वे लोगों की भीड़ के बीच गुम हो सकते हैं।

'हमें पुराने शहर में जाना है,' लैंग्डन ने कहा। 'अगर कोई जवाब है तो शायद वह हमें वहीं मिल पाएगा। पुराना फ्लोरेंस ही दांते की पूरी दुनिया थी।'

सिएना ने सहमति व्यक्त करते हुए सिर हिलाया। गरदन पीछे मोड़कर उसने कहा, 'यह हमारे लिए अधिक सुरक्षित भी होगा, वहाँ हमें छिपने के लिए काफी जगह मिल सकती है। मैं पोरा रोमाना की तरफ चली जाऊँगी और वहाँ से हम नदी के उस पार जा सकते हैं।'

नदी, लैंग्डन नदी की बात सुनकर थोड़ी घबराहट में पड़ गया। दांते ने भी नरक की अपनी

मशहूर यात्रा नदी पार कर शुरू की थी।

सिएना ने फिर से एक्सेलेरेटर दबाकर गाड़ी की गति तेज़ कर दी। दोनों तरफ का नज़ारा तेज़ी से पीछे छूटने लगा। लैंग्डन मन-ही-मन *इन्फर्नो* की तस्वीरों को याद करने लगा–मरे हुए और मर रहे लोग, मेलबोल्ज के दस गड्ढे, जिसमें प्लेग वाला डॉक्टर खड़ा था और जहाँ पर अजीब-सा शब्द लिखा था *कार्टोवासर।* वह *ला माप्पा* के नीचे लिखे शब्दों के बारे में सोचने लगा– *सच को केवल मौत की आँखों से ही देखा जा सकता है।* वह सोच रहा था कि यह उद्धरण कहीं दांते का तो नहीं था।

मुझे याद नहीं आ रहा।

लैंग्डन दांते की कृतियों से अच्छी तरह परिचित था। कला के इतिहास को जानने वाले विद्वान के तौर पर और प्रतीक-विज्ञान के माहिर होने के नाते उसे दाँत की रचनाओं की व्याख्या के लिए बुलाया जाता था, जिसमें प्रतीकों की भरमार थी। शायद संयोग की बात थी या संयोग की बात नहीं भी हो सकती है, दो साल पहले उसने दांते के *इन्फर्नो* के ऊपर एक व्याख्यान दिया था।

'डिवाइन दांते–सिंबल्स ऑफ़ हेल' यानी 'स्वर्गिक दांते–नरक के प्रतीक'।

दांते अलीगेरी इतिहास के विशिष्ट व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं जिन्हें बड़ी संख्या में लोग देवता का दर्जा देते हैं। यही वजह है कि आज दुनिया के हर कोने में दांते-सोसाइटी देखी जा सकती है। वड्सवर्थ लौंगफेलो ने केंब्रिज, अमेरिका के मैसाचुसेट्स में 1881 में इसकी सबसे पुरानी शाखा की स्थापना की थी। न्यू इंग्लैंड के स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले और लोकप्रिय पाँच कवियों में से एक लोंगफेलो पहले अमेरिकी थी जिन्होंने दांते की *द डिवाइन कॉमेडी* का अंग्रेज़ी में अनुवाद किया था। इसे आज भी सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है और लोगों में प्रचलित है।

दांते की रचनाओं के जाने-माने अध्ययनकर्ता के तौर पर लैंग्डन को दुनिया की सबसे पुरानी दांते सोसाइटी सोसाइटा दांते अलीगेरी, विएना ने अपने एक बड़े आयोजन के दौरान व्याख्यान देने के लिए बुलाया था। आयोजन विएनीज एकेडमी ऑफ़ साइंसेज में आयोजित होना निर्धारित था। दांते सोसायटी का एक सदस्य, जो एक धनाढ्य वैज्ञानिक था, वह इस कार्यक्रम का मुख्य प्रायोजक था। उसने एकेडमी के दो-हज़ार लोगों की क्षमता वाले लेक्चर हॉल को इस आयोजन के लिए बुक करवाया था।

कार्यक्रम में पहुँचने पर सम्मेलन के निदेशक उससे मिले और उसे सम्मानपूर्वक अंदर ले गए। लॉबी पार करते ही विशाल अक्षरों में लिखे पाँच शब्दों पर अपनी नज़रें पड़ने से लैंग्डन ख़ुद नहीं रोक सका–अगर ईश्वर से गलती हुई हो तो?

'यह लुकास ट्रोबर्ग की रचना है।' निदेशक ने धीरे-से उसके कान में कहा। 'यह हमारा सबसे नई कला-संस्थापना, आर्ट इंस्टॉलेशन है। आपको कैसा लगा यह?'

लैंग्डन ने विशालकाय लिखावट पर नज़र डाली। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह इस पर क्या प्रतिक्रिया दे। 'हाँ. . .उसकी रंगों की कूची में भव्यता है, लेकिन व्याकरण का ज्ञान थोड़ा कमज़ोर लगता है।'

निदेशक ने उसकी तरफ इस तरह देखा जैसे उसे उसकी बात समझ में नहीं आई। लैंग्डन को उम्मीद थी कि श्रोताओं के साथ उसका तादात्म्य ठीक बैठेगा।

आख़िर जब वह मंच पर पहुँचा, लोगों ने ज़ोरदार तालियों से उसका स्वागत किया। अब तक उस हॉल में बस खड़े होने की जगह बची थी।

'देवियों और सज्जनों,' लैंग्डन ने जर्मन भाषा में अपने भाषण की शुरुआत की। लाउडस्पीकर पर उसकी आवाज़ गूँज रही थी। उसने कैबरे फिल्म के मशहूर गाने *विलकोमेन, बिएनवेन्यू, वेलकम* का इस्तेमाल कर लोगों का स्वागत किया।

गाने की पंक्तियाँ सुनकर भीड़ के अंदर तारीफ वाली हँसी गूँजने लगी।

'मुझे बताया गया है कि आज यहाँ उपस्थित श्रोताओं में केवल दांते सोसाइटी के सदस्य ही शामिल नहीं हैं, बल्कि यहाँ कई आगंतुक वैज्ञानिक और छात्र भी उपस्थित हैं, जो दांते के बारे में पहली बार गहराई से जानने के लिए यहाँ आए हैं। श्रोताओं में उपस्थित वे लोग, जो मध्यकालीन इतालवी महाकाव्यों को पढ़ने में व्यस्त रहे हैं, उनके लिए मैंने सोचा कि मुझे संक्षेप में दांते के जीवन और उनके कार्यों के बारे में जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए। मुझे बताना चाहिए कि दांते को इतिहास के सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्वों में क्यों शुमार किया जाता है।'

तालियों की फिर गड़गड़ाहट।

अपने छोटे-से रिमोट की मदद से लैंग्डन ने दांते की कई तस्वीरें दिखाई। इनमें से पहली तस्वीर थी एँड्रिया डेल कैस्टानो की बनाई दांते की आदमकद तस्वीर, जिसमें कवि किसी दरवाज़े की दहलीज़ पर खड़े दिखाई देते हैं। उनके हाथ में दर्शनशास्त्र की एक किताब है।

'दांते अलीगेरी', लैंग्डन ने बोलना शुरू किया। 'फ्लोरेंस के इस लेखक और दार्शनिक का जन्म 1265 ई. में हुआ था और मृत्यु 1321 में। इस तस्वीर में, उनकी बाकी सभी तस्वीरों की तरह, उन्होंने सिर पर लाल रंग की पगड़ी जैसी चीज़ *कैपुचिओ* पहन रखी है। कैपुचिओ सिर पर कसकर बँधी होती है, इसमें गरदन की ओर लटकती कलगी होती है और कान को ढकने के लिए कपड़े का अस्तर बना होता है। गुलाबी रंग के लुक्का लबादे के साथ यह पगड़ी दांते की सबसे ज़्यादा पाई जाने वाली तस्वीर है।'

लैंग्डन ने तस्वीरों की स्लाइड को आगे बढ़ाया। अब वह उफिजी गैलरी में रखी बोटीचेली के द्वारा बनाई दांते की तस्वीर दिखा रहा था, जिसमें उसके शारीरिक रचना के सबसे ख़ास हिस्सों को उभारा गया है। भारी जबड़ा, नुकीली नाक। 'यहाँ भी दांते के विशिष्ट चेहरे को लाल कैपुचिओ के बीच फ्रेम कर दिखाया गया है। इस तस्वीर में बोटीचेली ने उनकी टोपी

के ऊपर फूलों की एक गोल माला बना दी है, जो उनकी विशेषज्ञता को दिखाता है–इस तस्वीर में उनकी काव्यात्मक विशेषज्ञता को। यह परंपरागत प्रतीक प्राचीन ग्रीस से लिया गया है। इसका इस्तेमाल आज भी नोबेल पुरस्कार या कवियों को सम्मान प्रदान करने के लिए किया जाता है।'

लैंग्डन ने जल्दी-जल्दी बाकी कई तस्वीरें दिखाई। उन सभी तस्वीरों में दांते अपनी लाल टोपी, लाल लबादे, सिर पर फूलों की गोलाकार माला और उभरी हुई नाक के साथ दिखाई देते हैं। 'और दांते की तस्वीरों की छवि को और भी स्पष्ट करने के लिए मैं पिआत्ज़ा डी सांता क्रोचे में बनी उनकी मूर्ति दिखाना चाहता हूँ. . .और हाँ, बोर्जेलो के गिरजाघर छत पर बने प्रसिद्ध फ्रेस्को को भी जिसे जोट्टो की कृति माना जाता है।'

लैंग्डन ने जोट्टो के फ्रेस्को की तस्वीर अपने स्लाइड पर रहने दिया और मंच के बीच में चला आया।

'जैसा कि आप बेशक जानते होंगे, दांते अपनी महान साहित्यिक रचना *द डिवाइन कॉमेडी* के लिए सबसे अधिक मशहूर हैं। इसमें लेखक के नरक में गिरने की प्रक्रिया का निर्मम निरूपण किया गया है। इस पुस्तक में दांते को नरक से होते हुए अंत में स्वर्ग जाकर ईश्वर से मिलते हुए निरूपित किया गया है। आधुनिक मानदंडों से देखें तो *द डिवाइन कॉमेडी* में सुखांत, कॉमेडी, जैसी कोई बात नहीं दिखाई देती। इसे बिलकुल एक-दूसरे कारण से कॉमेडी कहा जाता है। चौदहवीं सदी में इतालवी साहित्य को दो श्रेणियों में रखना होता था–ट्रेजेडी यानी उच्च स्तर का साहित्य जिसे औपचारिक इतालवी शैली में लिखा जाता था। कॉमेडी को निम्न-स्तरीय साहित्य माना जाता था। यह स्थानीय बोली में लिखा जाता था और इसके पाठक सामान्य लोग होते थे।'

लैंग्डन ने स्लाइड को आगे बढ़ाकर मिशेलिनो के विख्यात भित्तिचित्र दिखाना शुरू किया। इसमें दांते को फ्लोरेंस की चारदीवारी के बाहर खड़ा दिखाया गया है। उनके हाथ में *द डिवाइन* कॉपी दिखाई दे रही है। पीछे नरक के दरवाज़ों से ऊँचा उसके यातना गृह की छत जैसी पहाड़ी दिखाई दे रही है। यह पेंटिंग अभी फ्लोरेंस के सांता मारिया डेल फिओरे गिरजाघर में रखी है जिसे इल्ल डुओमो के नाम से जाना जाता है।

'जैसा कि आपने नाम से ही अनुमान लगा लिया होगा,' लैंग्डन ने अपनी बात जारी रखी। '*द डिवाइन कॉमेडी* को सामान्य लोगों की भाषा में लिखा गया था। इसके बावजूद इसमें धर्म, इतिहास, राजनीति, दर्शनशास्त्र और सामाजिक विषय पर टिप्पणियों का अद्भुत स्वरूप दिखाई देता है जिसे कथानक के ताने बाने के भीतर सजाया गया है। गंभीर और विद्वतापूर्ण होने के बावजूद इसे सामान्य लोग भी समझ सकते थे। यह कृति इतालवी संस्कृति का ऐसा आधारस्तंभ बन गया कि दांते की लेखन शैली को आधुनिक इतालवी भाषा का सूत्रीकरण माना जाता है।'

लोगों को प्रभावित करने के लिए लैंग्डन एक क्षण के लिए रुका। फिर उसने फुसफुसाते हुए कहा, 'दोस्तों, दांते अलीगेरी की रचना के महत्त्व को कम करके आँकना नामुमकिन है। इतिहास में आज तक, पवित्र धार्मिक ग्रंथों को छोड़कर, शायद ही कोई ऐसा लेखन, कलाकृति, संगीत या साहित्यिक रचना है जिसने *द डिवाइन कॉमेडी* से अधिक श्रद्धांजलियों, नकलों, इससे प्रेरित रचनाओं और टीकाओं को जन्म दिया हो।'

दांते के इस महाकाव्य से प्रेरित महान संगीतकारों, कलाकारों और लेखकों की लंबी फेहरिस्त गिनाकर लैंग्डन ने वहाँ उपस्थित भीड़ पर उड़ती नज़र डाली। 'तो बताइए, क्या आज यहाँ कोई लेखक मौजूद हैं?'

करीब एक तिहाई लोगों ने अपने हाथ ऊपर कर लिए। लैंग्डन सदमे में आकर उन्हें देखने लगा। *वाह, ऐसा लगता है कि या तो यह दुनिया की सबसे बड़ी विद्वानों की सभा है या फिर ई-प्रकाशन सचमुच तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।*

'ठीक है। जैसा कि आप सभी लेखक जानते हैं, लेखक को किताब पर लिखे संक्षिप्त विवरण, ब्लर्ब से अधिक प्रिय कुछ भी नहीं होता–किसी प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा लिखी गई एक पंक्ति की संस्तुति जिसे देखकर दूसरे लोग किताब को खरीदना चाहते हैं। मध्यकालीन युग में भी ब्लर्ब लिखे जाते थे। दांते की किताब के लिए भी कई ब्लर्ब लिखे गए थे।'

लैंग्डन ने स्लाइड बदल दिया। 'अपनी किताब के जैकेट पर आप इसे लिखवाना पसंद करेंगे?'

इस पृथ्वी पर इससे महान व्यक्ति कोई नहीं हुआ।

—माइकेल एंजेलो

भीड़ में लोगों ने हैरान होकर फुसफुसाना शुरू कर दिया।

'जी हाँ, वही माइकेल एंजेलो जिन्हें आप सिस्टाइन गिरजाघर और डेविड जैसी कृतियों के लिए जानते हैं। महान चित्रकार और मूर्तिकार के अलावा, माइकेल एंजेलो एक बेहतरीन कवि भी थे जिनकी तीन सौ कविताएँ प्रकाशित हुई थी। इनमें से एक कविता का नाम था–दांते। यह कविता उसी व्यक्ति को समर्पित थी, जिसके द्वारा वर्णित नरक से प्रेरित होकर माइकेल एंजेलो ने *लास्ट जजमेंट* बनाया था और अगर आपको मेरी बातों पर यकीन नहीं हो रहा तो आप दांते की किताब *इन्फर्नो* के तीसरे अध्याय को पढ़ें और फिर सिस्टाइन गिरजाघर जाएँ। ऑल्टर के ठीक ऊपर आपको यह परिचित तस्वीर दिखाई देगी।'

लैंग्डन ने स्लाइड आगे बढ़ाया। अब वह एक बहुत ही गठीली कद-काठी वाले दैत्याकार

व्यक्ति की तस्वीर दिखा रहा था, जो लोगों को एक विशाल डंडे से प्रताड़ित कर रहा था। लोग डर कर दुबके हुए दिखाई दे रहे थे। 'यह दांते का नारकीय नाविक है, चैरन, जो नाव पर लटकने की कोशिश कर रहे यात्रियों को अपनी पतवार से पीट रहा है।'

लैंग्डन अब अगली स्लाइड दिखा रहा था, जिसमें माइकेल एंजेलो के लास्ट जजमेंट से संबंधित एक और तथ्य दिखाया गया था–सलीब पर चढ़ता व्यक्ति। 'यह एगैग वंश का हमान है जिसे धर्मग्रंथों के अनुसार फांसी पर चढ़ाया गया था, लेकिन दांते के काव्य में उसे सलीब पर चढ़ाते हुए दिखाया गया है। आप देख सकते हैं कि यहाँ सिस्टाइन गिरजाघर दिखाई दे रहा है। माइकेल एंजेलो ने बाइबिल की बजाय दांते की कहानी को इसका आधार बनाया है।' लैंग्डन मुस्कराया। उसने नीची आवाज़ में कहा, 'पोप को मत बताइएगा।'

लोगों ने ठहाका लगाया।

'दांते के *इन्फर्नो* में तकलीफ और वेदना के जिस विश्व की सृष्टि की गई है, वैसी कल्पना मनुष्य ने पहले कभी नहीं की थी। दांते के लेखन ने निश्चित तौर पर नरक की आधुनिक अवधारणा का निर्माण किया है।' लैंग्डन रुका। 'यकीन मानिए, कैथोलिक चर्च को दांते के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। *इन्फर्नो* ने धर्म में आस्था रखने वाले लोगों को सदियों तक दहशत में रखा। इस दौरान चर्च में जाने वाले डरपोक लोगों की संख्या कई गुणा बढ़ गई।'

लैंग्डन ने स्लाइड बदल दिया। 'और इसी वजह से आज हम यहाँ जमा हुए हैं।'

अब स्क्रीन पर उसके व्याख्यान का शीर्षक दिखाई दे रहा था–*डिवाइन दांते, सिंबल्स ऑफ़ हेल. . .दैवी दांते, नरक के प्रतीक।*

'दांते का *इन्फर्नो* प्रतीकों और संकेतात्मक चित्रणों से इस तरह भरपूर है कि कभी-कभी मैं पूरा का पूरा सेमेस्टर इसे पढ़ाने में लगा देता हूँ। आज की रात, मुझे लगा कि दांते के *इन्फर्नो* के प्रतीकों की गुत्थी सुलझाने के लिए उनके साथ-साथ चलने से बेहतर कोई तरीका नहीं हो सकता. . .नरक के दरवाज़ों को पार करते हुए।'

लैंग्डन अब मंच के किनारे आकर लोगों का मुआयना कर रहा था। 'अब, अगर हम नरक के किनारे किनारे चहलकदमी करने का मन बना रहे थे तो मैं ज़ोर देकर कहना चाहूँगा कि हमें नक्शे का इस्तेमाल करना चाहिए और दांते के द्वारा निरूपित नरक का सबसे विस्तृत और सटीक मानचित्र हमें सांद्रो बोटीचेली की पेंटिंग्स में मिलता है।'

उसने अपना रिमोट छुआ और लोगों के सामने बोटीचेली का डरावना मैप्पा डेल *इन्फर्नो* दिखाई देने लगा। लैंग्डन देख रहा था कि लोग ज़मीन के भीतर बनी कीप के आकार की गुफा में चित्रित भयंकर दृश्यों से डरकर तरह तरह की आवाज़ें निकाल रहे थे।

'दूसरे कलाकारों से अलग, बोटीचेली दांते की किताब की व्याख्या में बड़ी सावधानी बरतता था। दरअसल, उसने दांते की रचनाओं के अध्ययन में इतना वक़्त लगाया कि महान कला इतिहासकार जोर्जियो वसारी ने लिखा है कि बोटीचेली दांते के मोह में इस

कदर पड़ा था कि उसका जीवन इससे गंभीर रूप से प्रभावित हो गया था। इसके अलावा बोटीचेली ने दांते से संबंधित दो दर्जन से अधिक रचनाएँ पूरी की, लेकिन उसका यह मानचित्र सबसे अधिक मशहूर है।

अब लैंग्डन मुड़कर पेंटिंग के ऊपरी, बाएँ कोने को दिखाने लगा। 'हमारी यात्रा पेंटिंग के ऊपरी इसी कोने से शुरू होगी, ज़मीन से ऊपर, जहाँ आप लाल रंग में दांते को देख सकते हैं। उनके साथ उनका गाइड भी है, वर्जिल। वह नरक के दरवाज़े के बाहर खड़ा है। यहाँ से वह दांते के *इन्फर्नो* में वर्णित नौ चक्रों से गुज़रता हुआ नीचे की यात्रा शुरू करेगा और अंत में. . .'

यह बोलते हुए लैंग्डन ने दूसरा स्लाइड चालू कर दिया, जिसमें शैतान को बड़े आकार में दिखाया गया था–जैसा कि बोटीचेली ने अपनी इसी पेंटिंग में किया था। स्लाइड में तीन सिर वाले लुसिफर को दिखाया गया था, जो तीन अलग-अलग लोगों को खा रहा था, एक मुँह में एक।

भीड़ से एक साथ निःश्वास लेने की आवाज़ सुनाई दी।

'आगे की मनोरंजक बातों के बारे में भी जान लीजिए।' लैंग्डन ने कहा। 'आज की यात्रा इस डरावने पात्र पर ख़त्म होगी। यह नरक का नौवाँ घेरा है, जहाँ ख़ुद शैतान का बसेरा है। लेकिन. . .' लैंग्डन थोड़ा रुका। 'लेकिन वहाँ पहुँचने का हमें पूरा मज़ा लेना है. . .इसलिए हम थोड़ा पीछे चलते हैं. . .ठीक नरक के दरवाज़े से, जहाँ से हमारी यात्रा शुरू होती है।'

लैंग्डन अब दूसरा स्लाइड दिखाने लगा–गुस्ताफ डोर का लिथोग्राफ, जिसमें ऊँचे पहाड़ के टीले में बने अंधेरी, गुफा को दर्शाया गया था। गुफा के दरवाज़े पर लिखा था–*यहाँ प्रवेश करने वाले लोग, सारी उम्मीदें छोड़ दें।*

'यानी. . .' लैंग्डन ने मुस्कराते हुए पूछा, 'चलें इसके भीतर?'

कहीं से अचानक टायरों के घिसटने की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। लैंग्डन की आँखों के आगे से दर्शक गायब हो चुके थे। उसे लगा कि वह झटके के साथ आगे झुका और सिएना की पीठ से टकराया। विआले मैकियावेली के बीचो बीच ट्राइक सड़क पर घिसटता हुआ रुक गया।

लैंग्डन ने पीछे मुड़कर देखा। उसकी आँखों के आगे अब भी नरक के दरवाज़े का दृश्य घूम रहा था। जब वह संभला तो उसे समझ में आया कि वह कहाँ था।

'ये क्या हो रहा है?' उसने सवाल किया।

सिएना ने सामने करीब तीन सौ गज आगे पोर्टा रोमाना की तरफ दिखाया। पोर्टा रोमाना यानी कि पत्थर का दरवाज़ा, जो पुराने फ़्लोरेंस का प्रवेशद्वार था। 'रॉबर्ट, हम मुश्किल में पड़ गए हैं।'

19

अपने मामूली से अपार्टमेंट में खड़ा ब्रूडर अपने आँखों के सामने घट रहे घटनाक्रम को समझने की कोशिश रहा था। *आख़िर यहाँ रहता कौन है?* अपार्टमेंट की सजावट मामूली और अव्यवस्थित जैसी लग रही थी। देखने में यह कम खर्च में बनाए गए कॉलेज के हॉस्टल जैसा लग रहा था।

'एजेंट ब्रूडर?' नीचे हॉल से उसके किसी आदमी ने आवाज़ लगाई। 'आप इसे देखना चाहेंगे।'

हॉल की तरफ जाते हुए ब्रूडर सोच रहा था कि स्थानीय पुलिस ने अब तक लैंग्डन को गिरफ्तार किया है या नहीं। ब्रूडर की अगर चलती तो वह इस मसले का समाधान दफ्तर के भीतर ही करना पसंद करता, लेकिन लैंग्डन के गायब होने की वजह से अब स्थानीय पुलिस की मदद लेने के और सड़कों पर अवरोध खड़े करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा था। फ्लोरेंस की भूल-भुलैया जैसी गलियों से होकर गुज़रते हुए दोपहिए आसानी से ब्रूडर की गाड़ियों की निगाह से बचकर निकल सकते थे। उसकी गाड़ियों के भारी-भरकम काले शीशे और पंक्चर नहीं होने वाले पहिए उन्हें भेद पाना मुश्किल तो बनाते थे, लेकिन ये उसकी गति को भी काफी धीमा कर देते थे। इटली की पुलिस के बारे में माना जाता था कि वे बाहरी लोगों की मदद नहीं करते थे, लेकिन ब्रूडर का संगठन काफी प्रभावशाली था। पुलिस, दूतावास, कांसुलेट हर जगह इसकी पहुँच थी। *जब हम कुछ हासिल करना चाहते हैं तो सवाल उठाने की हिम्मत कोई नहीं करता।*

ब्रूडर अपने छोटे-से ऑफिस में पहुँचा, जहाँ उसका आदमी हाथों में रबड़ के दस्ताने पहनकर लैपटॉप पर झुका हुआ था। 'उसने इसी मशीन का इस्तेमाल किया था।' उसने कहा, 'लैंग्डन ने इसी का इस्तेमाल कर अपना ईमेल देखा था और कुछ सर्च किया था। वे फाइल अब भी कंप्यूटर के कैश-मेमोरी में पड़े हैं।'

ब्रूडर मेज़ की ओर बढ़ा।

'यह लैंग्डन का कंप्यूटर नहीं लगता।' तकनीकी आदमी ने कहा। 'यह किसी एस.सी. के नाम से पंजीकृत है। मुझे पूरा नाम जल्दी ही पता चल जाएगा।'

वहाँ इंतज़ार करते हुए ब्रूडर की नज़र मेज़ पर पड़े कागज़ों के ढेर पर पड़ी। उसने कागज़ों के बंडल को उठाकर देखना शुरू किया। उस में अजीब तरह की बेतरतीब चीज़ें रखी थी–लंदन ग्लोब थिएटर का टिकट, अखबारों के आलेख वगैरह। ब्रूडर ने जैसे ही उसे पढ़ना शुरू किया उसकी आँखें आश्चर्य से फैल गई।

उन कागज़ों को लेकर ब्रूडर हॉल में चुपचाप वापस आ गया। उसने अपने बॉस को फोन

लगाया। 'मैं ब्रूडर बोल रहा हूँ।' उसने कहा। 'मुझे लगता है कि मुझे उस व्यक्ति की पहचान मिल गई है, जो लैंग्डन की मदद कर रहा है।'

'कौन है वह?' उसके बॉस ने पूछा।

ब्रूडर ने आहिस्ता से साँस छोड़ते हुए कहा, 'आपको इस बात पर यकीन नहीं होगा।'

दो मील दूर, वाएंथा अपने बीएमडब्ल्यू पर झुकी हुई उस क्षेत्र से भागने की कोशिश कर रही थी। पुलिस की गाड़ियाँ उसकी उल्टी दिशा में तेज़ी से भागती चली जा रही थी। उनके सायरन तेज़ आवाज़ में बज रहे थे।

मुझे संगठन से बाहर निकाल दिया गया है, वाएंथा सोच रही थी।

वैसे तो मोटर-साइकिल के फोर-स्ट्रोक इंजन की हल्की थरथराहट उसे सुकून दिया करती थी, लेकिन आज ऐसा नहीं हो रहा था।

वाएंथा ने कंसोर्शियम के लिए बारह सालों तक काम किया था। उसने ग्राउंड सपोर्ट के काम से शुरुआत की थी। धीरे-धीरे वह रणनीतिक सहयोग का काम देखते हुए आख़िरकार फील्ड एजेंट के ऊँचे ओहदे पर पहुँची थी। *मेरे पास अपने करियर के सिवा कुछ भी नहीं।* फील्ड एजेंट गोपनीयता की ज़िंदगी बिताते थे। उन्हें लंबे मिशनों पर यात्राएँ करनी होती थी। इसकी वजह से बाहरी दुनिया से उनका शायद ही किसी ढंग का संबंध बन पाता था।

मैं एक ही मिशन पर साल-भर से लगी हुई हूँ, वह सोच रही थी। वह अब भी कल्पना नहीं कर पा रही थी कि प्रोवोस्ट ने अचानक उसे बाहर निकालने का फैसला कैसे कर लिया था।

पिछले बारह महीने से वाएंथा कंसोर्शियम के इसी ग्राहक के लिए सपोर्ट सर्विसेज का काम देख रही थी। यह नीली आँखों वाला, थोड़ा सनकी, लेकिन अत्यंत प्रतिभावान ग्राहक बस थोड़े दिनों के लिए लोगों की नज़रों से गायब हो जाना चाहता था, ताकि वह अपने दुश्मनों और प्रतिद्वंद्वियों की नज़रों से दूर अपना काम कर सके। वह बहुत कम कहीं आता जाता था और जब भी वह कहीं जाता तो सबकी नज़रों से बचकर, लेकिन वह हमेशा अपने काम में लगा रहता। वाएंथा उस व्यक्ति के काम के बारे में कुछ भी नहीं जानती थी। वाएंथा का अनुबंध ग्राहक को उसे ढूँढ़ रहे शक्तिशाली लोगों की नज़रों से बचाकर रखने तक सीमित था।

वाएंथा ने अपना दायित्व बेहतरीन पेशेवर अंदाज़ में निभाया था। सब ठीक चल रहा था।

बिलकुल ठीक. . .बस कल रात तक।

वाएंथा की मनोदशा और उसका करियर दोनों ही उसी वक़्त से नीचे की ओर लुढ़कता जा रहा था।

मैं अब बाहर हो चुकी हूँ।

संस्था से बहिष्कृत किए जाने के लिए स्वीकृत नियमावली के अनुसार एजेंट को अपने वर्तमान मिशन को तुरंत छोड़कर उस जगह से हट जाना होता था। अगर एजेंट पकड़ लिया जाता था तो संस्था उसके साथ किसी भी प्रकार के संबंध से पूरी तरह इनकार कर देती थी। एजेंट इस बात को अच्छी तरह समझते थे और वे संस्था पर इसे बदलने के लिए ज़िद नहीं करते थे। उन्हें इस बात का अनुभव था कि संस्था कितनी आसानी से वास्तविकता को अपनी ज़रूरत के मुताबिक बदलने में सक्षम था।

वाएंथा सिर्फ उन दो एजेंटों के बारे में जानती थी जिन्हें संस्था से बहिष्कृत किया गया था। आश्चर्य की बात थी कि उसने उन दोनों को आज तक नहीं देखा था। उसे हमेशा लगता था कि उन दोनों को उनके कार्य की समीक्षा के लिए बुलाया गया होगा और नौकरी से निकाल दिया गया होगा। शायद उन्हें संस्था के दूसरे लोगों से संपर्क करने से मना कर दिया गया होगा।

लेकिन अब वाएंथा को अपनी सोच पर संदेह हो रहा था।

तुम ज़रूरत से ज़्यादा परेशान हो रही हो, उसने अपने आपको समझाने की कोशिश की। *कंसोर्शियम बेरहमी से हत्या करने की बजाय बेहतर तरीकों का इस्तेमाल करता है।*

फिर भी उसे लगा कि उसके शरीर में कंपकंपी हो रही थी।

उसने होटल की छत से जैसे ही ब्रूडर की टीम को वहाँ आते देखा, उसके अंदर से आवाज़ आई कि उसे वहाँ से चुपचाप, फौरन निकल जाना चाहिए। वह सोच रही थी कि शायद अंदर की इसी आवाज़ ने उसकी जान बचाई थी।

मैं कहाँ हूँ, यह किसी को नहीं पता।

विआले डेल पोजियो इंपीरिआले की सपाट और सुंदर सड़क से उत्तर दिशा में भागते हुए विएँथा को एहसास हुआ कि कुछ ही घंटों में उसकी ज़िंदगी में कितना बड़ा बदलाव आ चुका था। बीती रात वह अपनी नौकरी बचाने के लिए चिंतित थी। अब वह अपनी ज़िंदगी बचाने की सोच रही थी।

20

किसी जमाने में फ्लोरेंस के चारों तरफ परकोटा होता था। पोर्टा रोमाना इसका मुख्य प्रवेश-द्वार था जिसका निर्माण 1326 में हुआ था। वैसे तो इस शहर के चारों तरफ बनी अधिकांश दीवारें सदियों पहले ध्वस्त हो चुकी हैं, लेकिन पोर्टा रोमाना आज भी मौजूद है। इस विशाल सुरक्षा दीवार में बने बड़े बड़े मेहराबों को पार कर गाड़ियाँ आज भी शहर के भीतर प्रवेश करती हैं।

प्रवेश-द्वार प्राचीन ईंट-पत्थरों से बना पचास फुट ऊँचे अवरोध की तरह है, जिसके मुख्य गलियारे में आज भी विशाल आकार के कुंडी से बंद करने वाले दरवाज़े लगे हैं। ट्रैफिक के आने जाने के लिए इन दरवाज़ों को हमेशा खुला रखा जाता है। इन दरवाज़ों के आगे छह मुख्य सड़कें आकर मिलती हैं, जो आगे चलकर एक गोल-चक्कर पर पहुँचती हैं, जिसके बीचों बीच घास का एक मैदान-सा बना है। इस मैदान में बड़े आकार की पिस्तोलेतो की बनाई मूर्ति लगी हुई है, जिसमें एक औरत को शहर के मुख्य-द्वार से निकलता हुआ दिखाया गया है। उस औरत के सिर पर विशाल आकार का एक गट्ठर रखा हुआ है।

वैसे तो आज कल यह जगह अपने भयंकर ट्रैफिक के लिए बदनाम है, लेकिन फ्लोरेंस का यह सादगीपूर्ण प्रवेश-द्वार किसी जमाने में फिएरा डि कोंट्राटी यानी सगाई मेले के लिए मशहूर था। यहाँ पिता अपनी बेटियों को अनुबंध-विवाह के लिए बेचते थे। वे अपनी बेटियों को फूहड़ ढंग से नाचने के लिए मजबूर किया करते थे, ताकि उन्हें दहेज में अधिक पैसा मिले।

आज की सुबह सिएना इसे प्रवेश-द्वार से कई सौ गज पहले अचानक रुक गई और घबराकर किसी की ओर इशारा करने लगी। ट्राइक के पीछे बैठे लैंग्डन ने सामने की तरफ देखा तो वह भी उसकी घबराहट से सहमत हो गया। उनके ठीक सामने कारों का एक बड़ा काफिला अचानक रुक गया था। गोल-चक्कर पर ट्रैफिक को पुलिस वालों ने बैरिकेड लगाकर रोक दिया था। पुलिस की और भी गाड़ियाँ वहाँ पहुँच रही थी। हथियारबंद पुलिस अधिकारी हरेक गाड़ी के पास जाकर लोगों से पूछताछ कर रहे थे।

ये हमारे लिए नहीं हो सकता, लैंग्डन ने सोचा। *क्या ऐसा हो सकता है?* लैंग्डन ने मन-ही-मन सोचा।

पसीने से तर-बतर एक साइकिल सवार विआले मैकियावेली से ट्रैफिक को पार करता हुआ उनकी ओर आ रहा था। वह लेटने के लिए बनी सीट वाली साइकिल पर सवार था। वह अपने खाली पाँवों से तेज़ी से पैडल चला रहा था।

सिएना ने उसकी ओर चिल्लाते हुए कहा, *क्या गड़बड़ हो रही है?*

'क्या पता,' उसने भी चिल्लाकर जवाब दिया। वह चिंतित दिखाई दे रहा था। 'पुलिस के लोग दिखाई दे रहे हैं।' वह तेज़ी से वहाँ से आगे निकल गया। वह जल्दी-से-जल्दी वहाँ से निकलना चाह रहा था।

सिएना लैंग्डन की ओर मुड़ी। उसके चेहरे पर परेशानी दिखाई दे रही थी। 'रास्ते को रोक दिया गया है। मिलिट्री पुलिस।'

उनके पीछे कहीं दूर सायरन की आवाज़ सुनाई दे रही थी। सिएना अपनी सीट पर पीछे मुड़ी और विआले मैकियावेली की तरफ देखने लगी। अब उसके चेहरे पर दहशत दिखाई दे रही थी।

अब हम लोग बीच में फँस गए हैं, लैंग्डन सोच रहा था। वह बाहर निकलने का रास्ता ढूँढ़ने के लिए चारों ओर नज़र दौड़ा रहा था। दूसरी तरफ जाने वाला कोई रास्ता, पार्क, ड्राइव वे, कुछ भी, लेकिन उसे बस अपनी बाई तरफ लोगों के निजी घर दिखाई दे रहे थे और दाहिनी ओर पत्थर की ऊँची दीवार।

सायरन की आवाज़ अब और भी तेज़ सुनाई दे रही थी।

'वहाँ, उस तरफ।' लैंग्डन ने सामने करीब तीस गज आगे एक सुनसान जगह की ओर इशारा किया, जहाँ कोई इमारत बन रही थी। वहाँ रखे स्वचलंत सीमेंट-रोड़े फेंटने की मशीन छिपने के लिए थोड़ी जगह मुहैया करवा रही थी।

सिएना ने ट्राइक को फुटपाथ पर चढ़ा दिया और तेज़ी से उस जगह की ओर बढ़ने लगी, जहाँ इमारत का काम चल रहा था। उन्होंने सीमेंट मिक्सर के पीछे अपनी गाड़ी पार्क कर दी, लेकिन बहुत जल्द उन्हें एहसास हो गया कि वहाँ सिर्फ ट्राइक को छिपाने के लायक जगह थी।

'मेरे पीछे आइए।' सिएना तेज़ी से पत्थर की दीवार के साथ बने एक झोपड़े की तरफ बढ़ने लगी, जो राजमिस्त्रियों का सामान रखने की जगह लग रही थी।

वे जब झोपड़े के थोड़ा नज़दीक पहुँचे तो लैंग्डन ने अपना नाक सिकोड़ते हुए कहा कि *यह राजमिस्त्रियों का सामान रखने की जगह नहीं है। वह एक अस्थाई शौचालय था।*

सिएना और लैंग्डन जब कारीगरों के लिए बने शौचालय के पास पहुँचे तो उन्हें लगा कि पीछे से पुलिस की कारें उनके नज़दीक आ रही थी। सिएना ने झटककर दरवाज़े का हैंडल खोल दिया, लेकिन यह टस से मस नहीं हुआ। दरवाज़े पर एक भारी ज़ंजीर और ताला जड़ा था। लैंग्डन ने जल्दी से सिएना का हाथ पकड़कर पत्थर की दीवार और शौचालय के बीच वाली जगह की ओर खींच लिया। वे दोनों उस जगह पर मुश्किल से खड़े हो पा रहे थे। चारों तरफ हवा में बदबू फैली हुई थी।

गहरे काले रंग की सुबारु फोरेस्टर पर जैसे ही उसकी नज़र पड़ी, लैंग्डन तेज़ी से सिएना के पीछे जाकर छिप गया। कार के बगल में इतालवी भाषा में 'काराबिनिएरी' यानी मिलिट्री

पुलिस लिखा हुआ था। गाड़ी आहिस्ता-आहिस्ता उनके आगे से गुज़र गई।

इतालवी मिलिट्री पुलिस। लैंग्डन को यह असंभव लग रहा था। वह सोच रहा था कि कहीं इन अफसरों को भी मुझे देखते ही गोली मारने का हुक्म तो नहीं दिया गया है।

'हमें ढूँढ़ने के लिए कोई-न-कोई व्यक्ति ज़रूर ही काफी गंभीरता से लगा है।' सिएना ने फुसफुसाते हुए कहा। 'और उन्होंने किसी-ने-किसी तरह हमें ढूँढ़ भी लिया है।'

'जीपीएस?' लैंग्डन ने ज़ोर से सवाल किया। 'हो सकता है कि प्रोजेक्टर में स्थान का पता लगाने वाला यंत्र भी लगा हो?'

सिएना ने अपना सिर हिलाया। 'मेरा यकीन मानिए। अगर उस चीज़ के स्थान का पता लगाना मुमकिन होता तो अब तक पुलिस हमें पकड़ चुकी होती।'

लंबी कद-काठी का लैंग्डन थोड़ा हिल-डुलकर उस संकीर्ण जगह में किसी तरह ठीक से खड़े रहने की कोशिश कर रहा था। उसने देखा कि उसे चलंत शौचालय के पिछले हिस्से में तरह-तरह की सुंदर-सुंदर तस्वीरें बनी थीं–ग्रैफिटी।

ये काम इतालवियों के ज़िम्मे ही छोड़ देना चाहिए।

अमेरिका के चलंत शौचालय कॉलेज के बच्चों द्वारा बनाए गए कार्टून जैसी आकृतियों से भरे होते हैं, जो देखने में बड़े आकार के स्तन या लिंग की तरह लगते हैं, लेकिन यहाँ बनी ग्राफिटी चित्रकला के किसी छात्र के स्केचबुक की तरह लग रही थी–इंसान की आँख, ख़ूबसूरती से बनाया गया हाथ, तिरछे खड़ा एक इंसान और अद्भुत आकृति वाला ड्रैगन।

'संपत्तियों की बर्बादी का यह नज़ारा इटली में कहीं नहीं दिखाई देता।' सिएना ने उसके मन में चल रहे उहापोह को पढ़ते हुए कहा। 'पत्थर की इस दीवार के पार फ़्लोरेंस आर्ट इंस्टीट्यूट है।'

अभी कुछ दूरी पर छात्रों का एक समूह दिखाई दे रहा था मानो वे सिएना की बात को सही साबित करना चाहते हों। कलाकृतियों के अभ्यास वाला नोटबुक बगल में दबाए वे मस्त चाल में उनकी ओर चले आ रहे थे। वे आपस में बातें कर रहे थे। कुछ लोग सिगरेट सुलगा रहे थे और पोर्टा-रोमाना की सड़क पर लगे अवरोध को देखकर हैरान हो रहे थे।

छात्रों की नज़रों से बचने के लिए सिएना और लैंग्डन नीचे की तरफ झुक गए, लेकिन ऐसा करते हुए लैंग्डन के दिमाग में एक हैरान करने वाला ख़्याल आया।

हवा में छटपटाते पैरों वाले, धरती के अंदर आधे गड़े हुए पापियों की छवि।

शायद यह मानव मल की दुर्गंध की वजह से हो रहा था या कि लेटने वाली साइकिल पर खुले में दिख रहे टाँगों वाले साइकिल सवार के कारण ऐसा हो रहा था, यह तो पता नहीं, लेकिन लैंग्डन के दिमाग में अचानक मैलबोल्जे की बदबूदार दुनिया और धरती से बाहर निकले टाँगों का दृश्य अचानक चलने लगा।

वह अचानक अपने सहयोगी की ओर मुड़ा। 'सिएना, *ला माप्पा* के हमारे वाले विवरण में

धरती से बाहर निकली टाँगें दसवें गड्ढे में दिखाई देती हैं। है न? मैलबोल्जे का सबसे निचला स्तर?'

सिएना ने उसकी तरफ हैरानी से देखा। उसे लगा कि भला यह वक़्त कहीं ऐसी बातों का था। 'हाँ, बिलकुल नीचे।'

पल-भर के लिए जैसे लैंग्डन विएना में भाषण देने वाली परिस्थिति में पहुँच गया। उत्सवपूर्ण समापन के ठीक पहले वह स्टेज पर खड़ा था। उसने दर्शकों को अभी-अभी डोरे की बनाई जेरिऑन की तस्वीर दिखाई थी जिसे किसी सतह पर खुरचकर बनाया गया था। इस तस्वीर में एक दैत्याकार पक्षी को दिखाया गया है, जिसकी पूँछ विषैली होती है। यह चिड़िया मैलबोल्जे के ठीक ऊपर रहती है।

'शैतान से मिलने के पहले हमें मैलबोल्जे के दस गड्ढों से गुज़रना होगा।' लैंग्डन की भारी, गंभीर आवाज़ लाउडस्पीकर पर गूँज रही थी। ' जहाँ धोखेबाजों को सजा दी जाती है, उन लोगों को सजा दी जाती है, जो जान-बूझकर पाप-कर्म करते हैं।'

लैंग्डन ने स्लाइड को आगे बढ़ाते हुए मैलबोल्जे से संबंधित विवरण दिखाना शुरू किया। वह दर्शकों को एक-एक कर उन दसों गड्ढों को दिखा रहा था। 'ऊपर से लेकर नीचे तक, औरतों को फँसाने वाले लोगों पर दैत्य कोड़े बरसा रहे हैं. . .चापलूसों को मानव मल में तैरना पड़ रहा है. . .मुनाफाखोरों की ज़मीन में गाड़ दिया गया है और ऊपर उनके पैरों को तड़पते हुए दिखाया गया है. . .डायनों-जादूगरों का सिर मरोड़कर पीछे कर दिया गया है. . .भ्रष्ट नेताओं को खौलते तारकोल में फेंक दिया गया है. . .पाखंडियों को भारी ज़ंजीरों में जकड़ दिया गया है. . .चोरों को साँप काट रहे हैं. . .धोखेबाजों को धधकती आग निगल रही है. . .लोगों को आपस में लड़ाने वाले लोगो को दैत्य तलवारों से काट रहे हैं और आख़िर में झूठ बोलने वालों को ऐसी बीमारी ने पकड़ लिया है कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो रहा है। 'दांते ने आख़िरी गड्ढा झूठ बोलने वाले लोगों के लिए रखा, क्योंकि उसके बारे में फैलाए गए झूठ की वजह से ही उसे अपने प्यारे फ़्लोरेंस से निर्वासित होना पड़ा था।'

'रॉबर्ट।' सिएना की आवाज़ सुनाई दी।

रॉबर्ट चौंकता हुआ वर्तमान में वापस आ गया।

सिएना उसकी तरफ सवालिया नज़रों से देख रही थी। 'ये क्या है?'

'*ला माप्पा* का हमारा संस्करण।' उसने उत्साह से भरकर कहा। 'तस्वीर को बदल दिया गया है।' उसने अपनी जेब से प्रोजेक्टर को बाहर निकालकर कम जगह में जितना संभव था, उसे अपनी पूरी ताकत के साथ हिलाया। प्रोजेक्टर के अंदर से एजिटेटर बॉल के आपस में टकराने से तेज़ आवाज़ निकल रही थी, लेकिन सायरनों की आवाज़ में यह दब गई थी। 'जिस किसी ने इस तस्वीर को बनाया उसने मैलबोल्जे में दिखाए गए विभिन्न स्तरों को बदल दिया है।'

जब वह यंत्र चमकने लगा तो लैंग्डन ने इसे अपने सामने की सपाट सतह की ओर मोड़ दिया। अब वहाँ *ला माप्पा डेल इन्फर्नो* धीमी रोशनी में चमकता हुआ दिखाई दे रहा था।

रासायनिक शौचालय के ऊपर बोटीचेली, लैंग्डन यह सोचकर शर्मिंदा हो रहा था। शायद इससे कम आकर्षक जगह पर कभी बोटीचेली को नहीं दिखाया गया होगा। लैंग्डन ने दस गड्ढों पर तेज़ी से अपनी नज़र दौड़ाई। वह जोश में आकर तेज़ी से अपना सिर हिला रहा था।

'हाँ।' उसने उत्साहित होकर बोला। 'ये गलत है। मैलबोल्जे के अंतिम गड्ढे में बीमार लोगों की भरमार होनी चाहिए। इसमें धरती के अंदर उल्टे गड़े लोगों को नहीं दिखाया गया है। दसवाँ गड्ढा झूठे और मक्कार लोगों के लिए बना है न कि मुनाफाखोरों के लिए।'

सिएना यह सुनकर अचंभे में पड़ गई। 'लेकिन कोई भी व्यक्ति ऐसा परिवर्तन क्यों करेगा?'

'कार्टोवासर', लैंग्डन ने फुसफुसाकर कहा। वह नरक की हरेक मंज़िल पर अलग से लिखे गए छोटे अक्षरों को देखते हुए बोला। 'मुझे नहीं लगता कि दरअसल यह इसका सही अर्थ है।'

चोट लगने के कारण लैंग्डन की पिछले दो दिन की याद्दाश्त समाप्त हो गई थी, लेकिन उसे अब लग रहा था कि उसकी स्मृति बिलकुल ठीक ढंग से काम कर रही थी। उसने अपनी आँखें बंद कर *ला माप्पा* के दोनों संस्करणों के अंतर के बारे में सोचने लगा। मैलबोल्जे में किए गए परिवर्तन उसकी कल्पना से कम थे...फिर भी उसे लग रहा था कि किसी ने उसकी आँखों के आगे से परदा हटा दिया था।

अचानक सारी बातें उसके सामने स्पष्ट हो गई।

ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा।

'इसका क्या मतलब हुआ?' सिएना ने जानना चाहा।

लैंग्डन को लगा कि उसका मुँह सूख रहा था। 'मैं जानता हूँ कि मेरे फ्लोरेंस आने का मकसद क्या है।'

'आप जानते हैं?'

'हाँ और मुझे यह भी पता है कि मुझे कहाँ जाना है।'

सिएना ने उसका हाथ पकड़ लिया, 'कहाँ?'

लैंग्डन को लगा जैसे अस्पताल में आँख खोलने के बाद पहली बार उसके पाँव ठोस धरती पर पड़े थे। 'ये दस अक्षर', उसने फुसफुसाकर कहा, 'वे दरअसल पुराने शहर का सटीक पता बता रहे हैं। वहीं पर सवालों का जवाब मिलेगा।'

'पुराना शहर कहाँ है?' सिएना ने पूछा। 'आपको क्या समझ में आया है?'

चलंत शौचालय के दूसरी ओर से लोगों के ठहाके की आवाज़ सुनाई दे रही थी। छात्रों का एक दूसरा समूह वहाँ से गुज़र रहा था। वे लोग गपशप करते, अलग-अलग भाषाओं में हँसी-

मज़ाक करते चले जा रहे थे। लैंग्डन ने उत्सुकतापूर्वक शौचालय के चारों तरफ नज़र दौड़ाई जिस दिशा से वे लोग जा रहे थे। फिर उसने पुलिस को देखने के लिए नज़रें दौड़ाई। ‘हमें चलते रहना चाहिए। मैं रास्ते में तुम्हें बताता हूँ।’

‘रास्ते में?’ सिएना ने सिर हिलाया। ‘हम पोर्टा रोमाना से बाहर निकल ही नहीं पाएँगे।’

‘यहाँ तीस सेकंड के लिए रुको।’ लैंग्डन ने उससे कहा। ‘और फिर मेरे पीछे पीछे आओ।’

यह बोलते हुए वह उसकी नज़रों से ओझल हो गया। उसकी नई नई दोस्त हैरान होकर इधर-उधर देख रही थी।

21

‘माफ करना,’ लैंग्डन ने छात्रों के समूह के पीछे-पीछे चलते हुए कहा। ‘माफ किया।’ वे सभी मुड़े। लैंग्डन इधर-उधर इस तरह देख रहा था जैसे कोई सैलानी अपना रास्ता भूल गया हो।

‘नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ आर्ट किस तरफ है?’ लैंग्डन ने टूटे फूटे इतालवी में पूछा।

टैटू वाले एक लड़के ने मस्ती में सिगरेट का कस खींचते हुए तल्खी से जवाब दिया, *‘मुझे इतालवी नहीं आती।’* उसके बोलने का लहज़ा फ्रांसीसी था।

एक लड़की ने टैटू वाले लड़के को झिड़कते हुए दीवार के साथ-साथ आगे की ओर पोर्टा रोमाना की ओर इशारा किया। *‘बिलकुल सीधे, आगे।’*

बिलकुल सीधा, लैंग्डन ने अनुवाद करते हुए कहा। *‘शुक्रिया।’*

इशारा मिलते ही सिएना चलंत शौचालय के पीछे से निकली और आगे बढ़ गई।

लंबे, छरहरे 32 साल का नवयुवक छात्रों के समूह के पास पहुँच गया। उसने प्यार से अपना हाथ उसके कंधे पर रखते हुए कहा, ‘यह मेरी बहन है, सिएना। यह चित्रकला की शिक्षक है।’

टैटू वाला लड़का कुछ बड़बड़ाया और उसके दोस्त ठहठाकर हँस पड़े।

लैंग्डन ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया। ‘हम लोग विदेशों में एक साल पढ़ाने का अवसर तलाश करने के लिए फ्लोरेंस आए हैं। क्या हम लोग तुम्हारे साथ-साथ चल सकते हैं?’

‘बेशक।’ इतालवी लड़की ने मुस्कराते हुए कहा।

छात्रों का यह झुंड जब पोर्टा रोमाना के पास तैनात पुलिस वालों के करीब पहुँचा तो सिएना उन लोगों के साथ बात करने में मशगूल हो गई। लैंग्डन छात्र-छात्राओं के झुंड के बीच में चला गया और नीचे की तरफ झुक गया, ताकि लोगों की उस पर नज़र न पड़े।

ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा, लैंग्डन ने सोचा। मैलबोल्जे के दस गड्ढों के बारे में सोचते हुए उत्तेजना के कारण उसकी धड़कन तेज़ हो गई थी।

कार्टोवासर। लैंग्डन को समझ में आ चुका था कि ये दस अक्षर कला की दुनिया के सबसे अबूझ रहस्यों के केंद्र में थे। एक सदियों पुरानी पहेली जिसे अब तक कोई भी सुलझा नहीं पाया था। सन् 1563 में फ्लोरेंस के मशहूर पालात्ज़ो वेखियो की दीवार पर काफी ऊँचाई पर एक संदेश देने के लिए लिखा गया था। चालीस फुट ऊपर लिखे इन अक्षरों को दूरबीन के बिना देखना मुश्किल था। यह सबके सामने होते हुए भी सदियों तक लोगों की नज़रों से छुपा रहा। सन् 1970 में डॉक्टरी के पेशे से संबंधित एक व्यक्ति, जो अब काफी मशहूर है, ने इसे ढूँढ़ा। वह दशकों से इसका अर्थ समझने की कोशिश कर रहा था। लोगों ने इसके बारे में

तरह-तरह के सिद्धांत प्रतिपादित किए हैं, लेकिन यह आज भी पहेली बना हुआ है।

लैंग्डन के लिए यह कोड परिचित-सा लग रहा था। एक तरह से इस अजीब, उफनते समुद्र से बचने का सहारा। आख़िर बायो-हैजर्ड ट्यूब और बंदूक की गोलियों से ज़्यादा उसकी जानकारी कला के इतिहास और प्राचीन रहस्यों के बारे में थी।

सामने पोर्टा रोमाना में और भी पुलिस की गाड़ियाँ आती हुई दिखाई दे रही थी।

'जीसस,' टैटू वाले लड़के ने कहा, 'वे जिसे ढूँढ़ रहे हैं, उसने ज़रूर ही कुछ भयंकर काम किया होगा।'

छात्र-छात्राओं का झुंड अब दाहिनी ओर दिखाई दे रहे आर्ट इंस्टीट्यूट के मुख्य द्वार पर पहुँच चुका था। वहाँ पर भी छात्रों का झुंड जमा होकर पोर्टा रोमाना की गतिविधियों को देख रहा था। संस्थान के दरवाज़े पर तैनात न्यूनतम मज़दूरी पर काम कर रहा सिक्यूरिटी गार्ड अनमने ढंग से अंदर आ रहे छात्रों के पहचान पत्र देख रहा था, लेकिन उसकी भी ज़्यादा रुचि पोर्टा रोमाना में तैनात पुलिस में थी।

प्लाजा से आ रही गाड़ियाँ अचानक चींचीं की तेज़ आवाज़ के साथ रुकी। उनकी आवाज़ पूरे चौराहे पर गूँज रही थी। सामने वही परिचित काले रंग की वैन दिखाई दे रही थी।

लैंग्डन को दोबारा देखने की ज़रूरत नहीं थी।

बिना कुछ बोले, सिएना के साथ वह चुपचाप मौके का फायदा उठाकर गेट के भीतर अपने नए दोस्तों के साथ दाखिल हो गया।

आर्ट इंस्टीट्यूट में प्रवेश करने का रास्ता बेहद ख़ूबसूरत था। शाही। सड़क के दोनों ओर विशाल आकार के शाहबलूत के पेड़ जैसे तोरण-द्वार की तरह लग रहे थे। दूर दिख रही विशाल, हल्के पड़ चुके पीले रंग की इमारत के लिए वे छतरी का काम कर रहे थे, जिसमें तीन पोर्टिको थे और सामने बड़ा-सा अंडाकार मैदान।

लैंग्डन जानता था कि इस इमारत को भी, इस शहर की कई दूसरी इमारतों की तरह, उसी प्रख्यात खानदान ने बनवाया था जिसका फ्लोरेंस की राजनीति पर पंद्रहवीं, सोलहवीं और सत्रहवीं सदी में काफी दबदबा था।

द मेडिचि।

यह नाम ही फ्लोरेंस का प्रतीक बन चुका था। अपने तीन सौ सालों के शासन के दौरान मेडिचि राजघराने ने अकूत संपत्ति और प्रभाव अर्जित किया। इसने चार पोपों, फ्रांस की दो महारानियों और यूरोप के सबसे बड़े वित्तीय संस्थान को भी पैदा किया। आज भी आधुनिक बैंक मेडिचि द्वारा आविष्कार किए गए लेखा व्यवस्था का इस्तेमाल करते हैं–खर्चे और आमदनी का ब्योरा रखने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डबल-इंट्री व्यवस्था।

मेडिचि का सबसे बड़ा योगदान वित्तीय क्षेत्र या राजनीति में नहीं, बल्कि कला के क्षेत्र में था। आजतक शायद कला के ऊपर उनसे अधिक खर्च करने वाला संरक्षक पैदा नहीं हुआ।

मेडिचि लगातार लोगों को संसाधन मुहैया कराते रहे जिसने पुनर्जागरण को ऊर्जा दी। मेडिचि ने जिन महान लोगों को आर्थिक सहायता दी उनमें द विंची से लेकर गैलीलियो और बोटीचेली जैसे लोग शामिल थे। बोटीचेली की सबसे मशहूर कृति *बर्थ ऑफ़ वीनस* को लोरेंजो डे मेडिची ने अपने भतीजे की शादी के तोहफे के तौर पर बनवाया था, जो उसके पलंग के ऊपर लटकता रहता था। यह कृति यौन भावना को उत्तेजित करने वाली मानी जाती है।

अपनी दानवीरता के कारण उन दिनों लोरेंजो डे मेडिची को लोरेंजो द मैग्निफिसेंट के नाम से जाना जाता था। वह ख़ुद भी एक निष्णात कलाकार और कवि था। कहा जाता है कि वह अच्छी कला को फौरन पहचान लेता था। सन् 1489 में उसे फ़्लोरेंस के एक शिल्पी का काम पसंद आया। उसने उस लड़के को मेडिचियों के महल में बुलाया जहाँ वह सुंदर कलाकृतियों, महान काव्य और उच्च संस्कृति से संबंधित वस्तुओं के बीच अपनी कला का अभ्यास कर पाता। मेडिची के संरक्षण में इस किशोर व्यक्ति ने काफी नाम-गाम कमाया और अंततः इसकी बनाई दो शिल्पकृतियाँ इतिहास की दो सबसे मशहूर कलाकृति के तौर पर जानी गई–द *पिएटा* और द *डेविड*। आज हम इसे माइकेल एंजेलो के नाम से जानते हैं–एक महान सृजनशील व्यक्तित्व जिसे मानवता के लिए मेडिची का सबसे कीमती तोहफा माना जाता है।

लैंग्डन कला के प्रति मेडिची की भावना को जानता था। उसने लगा कि मेडिची परिवार इस बात से ख़ुश होगा कि उनके सामने खड़ी इमारत, जिसे मूलतः अस्तबल के तौर पर बनाया गया था, आज सक्रिय आर्ट इंस्टीट्यूट में बदल चुका है। नौजवान कलाकारों को प्रेरणा देने वाली इस शांत जगह को मेडिची के अस्तबल के लिए इस वजह से चुना गया था, क्योंकि यह पूरे फ़्लोरेंस में घुड़सवारी के लिए सबसे अच्छी जगह के करीब था।

बाबोली का बगीचा।

लैंग्डन ने अपनी बाई ओर देखा, जहाँ ऊँची दीवार के साथ-साथ ऊँचे-ऊँचे पेड़ों की फुनगियाँ दिखाई दे रही थी। विशाल आकार का बाबोली बगीचा अब सैलानियों के आकर्षण का एक प्रमुख केंद्र बन चुका था। लैंग्डन को पक्का यकीन था कि अगर किसी तरह सिएना बगीचे में घुस जाए तो वे लोग पोर्टा रोमाना बिना गए भी इसके पार जा सकते थे। आख़िरकार बगीचा काफी बड़ा था। इसमें छुपने के लिए जगह की कमी नहीं थी–जंगल, भूल-भुलैया, गुफाएँ, जल-कुमुदिनी जैसी चीज़ों की वहाँ कोई कमी नहीं थी। इससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण बात थी कि बगीचे में टहलते हुए वे सीधे पालात्ज़ो पिट्टी जा सकते थे। पालात्ज़ो पिट्टी पत्थर का बना किला था, जो किसी जमाने में फ़्लोरेंस के साम्राज्य का केंद्र माना जाता था। इसके 140 कमरे फ़्लोरेंस आने वाले सैलानियों के बीच सबसे अधिक लोकप्रिय जगहों में शामिल था।

अगर हम पालात्ज़ो पिट्टी पहुँच जाएँ, लैंग्डन सोच रहा था, *तो पुराने शहर को जाने वाला पुल वहाँ से बिलकुल पास है।*

लैंग्डन ने बगीचे के चारों तरफ बनी ऊँची दीवार की तरफ दिखाते हुए पूछा, 'हम बगीचे में कैसे जा सकते हैं? मैं इंस्टीट्यूट दिखाने के पहले अपनी बहन को इसे दिखाना चाहता हूँ।' वह यथासंभव अपने चेहरे पर किसी तरह की उद्विग्नता नहीं दिखाई देने की कोशिश कर रहा था।

टैटू वाले लड़के ने सिर हिलाया। 'तुम इस तरफ से बगीचे में नहीं जा सकते। इसमें घुसने के लिए दरवाज़ा पिट्टी महल की तरफ बना है। तुम्हें पोर्टो रोमाना को पार करके वहाँ जाना होगा।'

'बकवास।' सिएना के मुँह से निकला।

लैंग्डन सहित सभी लोग उसकी तरफ मुड़कर उसे घूरने लगे।

'इधर आओ।' उसने कहा। वह अपनी सुनहली चोटी को थपकाती, छात्रों की तरफ हँसकर देखती हुई बोली। 'तुम लोग मुझे कह रहे हो कि तुम गाँजा पीने या मौज मस्ती करने चुपचाप बगीचे में नहीं घुसते हो?'

बच्चों ने एक-दूसरे की तरफ शरारत-भरी नज़रों से देखा और ठहाका लगाकर हँस पड़े।

टैटू वाला लड़का अब पूरी तरह उससे प्रभावित हो चुका था। 'मैम, आपको यहाँ ज़रूर पढ़ाना चाहिए।' वह सिएना को लेकर इमारत के एक किनारे की ओर गया और कोने में बने पार्किंग की तरफ दिखाया। 'वहाँ बाई तरफ बनी झोंपड़ी को देख रही हैं। उसके ठीक पीछे एक चबूतरा है। उस पर चढ़ जाइए और वहाँ से आप दीवार की दूसरी तरफ कूद सकती हैं।'

सिएना टैटू वाले लड़के की बताई जगह की ओर चल पड़ी। उसने पीछे मुड़कर लैंग्डन की तरफ देखा और अभिभावक के अंदाज़ में मुस्कराई। 'इधर आई, बॉब भाई। हाँ, अगर दीवार फाँदने आपकी उम्र के लिहाज़ से मुमकिन न हो तो फिर. . .'

22

सफेद बालों वाली औरत ने वैन के बुलेट-प्रूफ शीशे में अपना सिर टिकाकर आँखें बंद कर ली। उसे लगा जैसे उसके पैरों के नीचे की धरती घूम रही थी।

मुझे डॉक्टर से मदद लेने की ज़रूरत है, उसने सोचा।

लेकिन उसके साथ बैठे सिक्यूरिटी गार्ड को सख्त हिदायत थी कि काम सफलतापूर्वक पूरा होने के पहले उसकी ज़रूरतों पर कोई तवज्ज़ो देने की ज़रूरत नहीं थी। चारों तरफ मचे कोहराम को देखकर लग रहा था कि उस वक़्त को आने में अभी काफी देर थी।

उसके सिर में आ रहा चक्कर तेज़ होता जा रहा था। उसे अब साँस लेने में भी परेशानी हो रही थी। उसने किसी तरह उल्टी को रोका तो उसके दिमाग में ख़्याल आने लगा कि इस ज़िंदगी उसे कैसे ऐसे मोड़ पर ले आई। अर्द्ध-बेहोशी की अवस्था में उसके लिए इस जटिल सवाल का हल ढूँढ़ना मुमकिन नहीं था, लेकिन उसे अच्छी तरह पता था कि ये सब कहाँ से शुरू हुआ था।

न्यूयॉर्क।

दो साल पहले।

वह जेनेवा से मैनहटन पहुँची थी, जहाँ वह विश्व स्वास्थ्य संगठन के निदेशक का पद संभाल रही थी। यह एक बहुत ही सम्मानजनक पद था जिसे पाने के लिए लोग लालायित रहते थे। वह इस पद पर दस साल तक रही थी। वह छुआछूत से फैलने वाली बीमारियों की विशेषज्ञ थी और उसे संयुक्त राष्ट्र संघ ने तीसरी दुनिया के देशों पर इन बीमारियों के ख़तरे के बारे में भाषण देने के लिए बुलाया था। उसने काफी उत्साहजनक और आश्वस्त करने वाला भाषण दिया था, जिसके दौरान उसने इन बीमारियों का समय रहते पता लगाने और विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा उनके इलाज के लिए बनाई गई योजनाओं के बारे में बताया था। भाषण समाप्त होने पर लोगों ने उसके सम्मान में खड़े होकर तालियाँ बजाई थी।

लेक्चर के बाद वह कुछ शिक्षाविदों से बातचीत कर रही थी, जो वहाँ पर रुके हुए थे। तभी संयुक्त राष्ट्र संघ का एक उच्च पदाधिकारी उसके पास आया और उसने बातचीत को रोकते हुए कहा, 'डॉक्टर सिंस्की, काउंसिल ऑन फॉरेन अफेयर्स ने अभी-अभी हम लोगों से संपर्क किया है। वहाँ कोई व्यक्ति आपसे बात करना चाहता है। बाहर कार में आपका इंतज़ार कर रहा है।'

उसे हैरानी हो रही थी। वह थोड़ी घबराई हुई भी थी। डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की ने लोगों

से माफी माँगते हुए अपना बैग उठाया और बाहर निकल आई। उसकी लिमोजिन गाड़ी तेज़ी से फर्स्ट एवेन्यु की तरफ चली जा रही थी। उसे अजीब-सी घबराहट हो रही थी।

द काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस? सीएफआर?

दूसरों की तरह एलिज़ाबेथ सिंस्की ने भी अफवाहें सुन रखी थी।

1920 में थिंकटैंक के रूप में स्थापना के बाद अमेरिका के तकरीबन सभी सेक्रेटरी ऑफ़ स्टेट, आधे दर्जन से भी अधिक राष्ट्रपति, खुफिया संस्था सीआईए के आधे दर्जन के करीब प्रमुख, सेनेटर, न्यायाधीश और मॉर्गन, रोथशील्ड और रॉकफेलर जैसे खानदानी संपत्ति के मालिक वगैरह सीएफआर के सदस्य रहे थे। अपने सदस्यों की सामूहिक चिंतन क्षमता, राजनीतिक प्रभाव और संपत्ति की वजह से सीएफआर को धरती के सबसे प्रभावशाली निजी क्लबों में गिना जाता था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के निदेशक के तौर पर एलिज़ाबेथ का नामी गिरामी लोगों से मिलना जुलना होता रहता था। विश्व स्वास्थ्य संगठन में अपने लंबे कार्यकाल के साथ ही खुलकर बोलने के स्वभाव की वजह से एक मशहूर पत्रिका ने हाल में ही उसका नाम दुनिया के बीस सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में डाला था। पत्रिका ने उसकी तस्वीर के नीचे लिखा था, द *फेस ऑफ़ वर्ल्ड हेल्थ–दुनिया के स्वास्थ्य का चेहरा*। एलिज़ाबेथ को यह बात एक विडंबना-सी लगी थी, क्योंकि वह बचपन में हमेशा बीमार रहा करती थी।

उसे छह साल की उम्र से ही दमे की भयंकर शिकायत थी। इलाज के लिए उसे बड़ी मात्रा में एक नई दवा दी गई थी, जिसके बारे में लोगों को काफी उम्मीद थी कि इससे दमे का उपचार संभव था। यह दुनिया की पहली ग्लूकोकोर्टिकॉयड या स्टीरॉयड हार्मोन था जिसने चमत्कारिक ढंग से उसके दमा के लक्षणों को ठीक कर दिया था। दुर्भाग्यवश, इस दवा के दुष्प्रभावों, साइड इफेक्ट्स के बारे में कई सालों के बाद पता चला। उस समय तक सिंस्की अपनी किशोरावस्था को पार कर चुकी थी. . .लेकिन उसकी माहवारी शुरू नहीं हुई। डॉक्टर के चेंबर में उस सदमे को वह कभी नहीं भूल सकती थी, जब उसे पता चला कि उसका प्रजनन तंत्र हमेशा के लिए नाकाम हो चुका था।

एलिज़ाबेथ सिंस्की कभी माँ नहीं बन सकती थी।

वक़्त खालीपन को भर देगा, डॉक्टर ने उसे आश्वस्त किया था, लेकिन उसके अंदर की उदासी और गुस्सा बढ़ता ही रहा। तकलीफदेह बात थी कि जिस दवा ने माँ बनने की उसकी क्षमता को छीन लिया था, उसका माँ बनने की स्वाभाविक इच्छा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा था। वह दशकों तक इस असंभव इच्छा को पूरा करने के लिए मन-ही-मन संघर्ष करती रही थी। आज, इकसठ साल की उम्र में भी जब भी वह किसी माँ और बच्चे को देखती तो उसके अंदर एक गहरी टीस उठती थी।

'वह जगह बस सामने है, डॉक्टर सिंस्की।' लिमोजीन के ड्राइवर ने कहा।

एलिज़ाबेथ ने अपनी सफेद लटों में जल्दी से ब्रश किया और अपना चेहरा आईने में देखा। जब तक वह कुछ समझ पाती, कार रुक गई थी। मैनहटन का एक समृद्ध इलाका। ड्राइवर उसे गाड़ी से बाहर निकलने में मदद कर रहा था।

'मैं यहाँ आपका इंतज़ार करूँगा।' ड्राइवर ने कहा। 'जब आपका काम पूरा हो जाएगा तो हम यहाँ से सीधे हवाई अड्डे जा सकते हैं।'

काउंसिल ऑफ़ फोरेन रिलेशंस का न्यूयॉर्क मुख्यालय पार्क और अड़सठ नंबर सड़क के कोने पर बना था। नव-शास्त्रीय शैली में बनी यह इमारत आसपास की इमारतों से बिलकुल घुली-मिली थी। किसी जमाने में यहाँ तेल के व्यापार के लिए मशहूर स्टैंडर्ड ऑयल का दफ्तर होता था। इस इमारत का बाहरी हिस्सा सामने दिख रहे ख़ूबसूरत लैंडस्केप के साथ अच्छी तरह से मेल खा रहा था। इमारत को देखकर इस बात का कतई अनुमान नहीं लगाया जा सकता था कि इसे किसी ख़ास मकसद से बनाया गया था।

'डॉक्टर सिंस्की।' गोल-मटोल रिसेप्शनिस्ट ने उसका स्वागत किया। 'इधर से आइए, प्लीज। वे आपका इंतज़ार कर रहे हैं।'

ठीक है, लेकिन वह कौन है? वह रिसेप्शनिस्ट के पीछे-पीछे एक आलीशान गलियारे से होते हुए एक बंद दरवाज़ें तक गई, जिस पर महिला ने जल्दी से दस्तक दी और फिर दरवाज़ा खोलकर एलिज़ाबेथ को अंदर आने का इशारा किया।

वह अंदर गई। पीछे से दरवाज़ा बंद हो गया।

उस छोटे से, अंधेरे कांफ्रेंस रूम में सिर्फ वीडियो स्क्रीन की चमक दिखाई दे रही थी। स्क्रीन के सामने एक काफी लंबे, छरहरे इंसान की रूपरेखा दिखाई दे रही थी। वैसे उस व्यक्ति का चेहरा नहीं दिखाई दे रहा था, लेकिन उसे एहसास हुआ कि वह कोई प्रभावशाली व्यक्ति था।

'डॉक्टर सिंस्की,' उस व्यक्ति ने ऊँची आवाज़ में कहा। 'मुझसे मिलने के लिए शुक्रिया।' उस व्यक्ति की स्पष्ट आवाज़ के लहज़े से लगा कि वह भी एलिज़ाबेथ के अपने देश स्विट्जरलैंड या शायद जर्मनी से था।

'बैठिए।' उसने कमरे के सामने वाले हिस्से में रखी कुर्सी की तरफ इशारा करते हुए कहा।

शिष्टाचार-परिचय कुछ भी नहीं? एलिज़ाबेथ बैठ गई। स्क्रीन पर दिखाई दे रही अजीब-सी तस्वीर ने उसे थोड़ी तसल्ली दी। *भली कैसी तस्वीर है ये?*

'आज सुबह की प्रस्तुति के दौरान मैं उपस्थित था।' उस परछाई ने कहा। 'मैं आपसे बात करने काफी दूर से आया हूँ। काफी प्रभावशाली प्रस्तुति।'

'शुक्रिया।' उसने जवाब दिया।

'मैंने जितना सोचा था आप उससे कहीं अधिक ख़ूबसूरत हैं. . .आपकी उम्र और विश्व-स्वास्थ्य के बारे में आपके अदूरदर्शी नज़रिए के बावजूद।'

एलिज़ाबेथ का चेहरा उतर गया। उसकी बात कई नज़रिए से अपमानज़नक थी। 'माफ कीजिए।' उसने अंधेरे में देखने की कोशिश करते हुए कहा। 'आप कौन हैं? आपने मुझे यहाँ क्यों बुलाया है?'

'मज़ाक करने की नाकामयाब कोशिश के लिए आपसे माफी चाहता हूँ।' उस लंबी-छरहरी परछाई ने जवाब दिया। 'स्क्रीन पर दिख रही तस्वीर आपको बताएगी कि आप यहाँ क्यों आए हैं।'

सिंस्की ने डरावनी तस्वीर पर नज़र डाली. . .उसमें लोगों की विशाल भीड़ दिखाई दे रहा था, बीमार लोगों का हुजूम। सभी लोग एक-दूसरे पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे। नंगे लोगों का जैसे सघन जाल।

'महान कलाकार, डोर।' उस व्यक्ति ने कहा। 'नरक के दांते द्वारा किए गए निरूपण पर आधारित भयानक, लेकिन अपनी ओर ध्यान खींचने वाली तस्वीर। उम्मीद करता हूँ कि इसे देखकर आपको तसल्ली हुई होगी. . .क्योंकि हम सभी इसी तरफ जा रहे हैं।' वह रुका और धीरे-धीरे उसकी तरफ बढ़ने लगा। 'और मैं इसकी वजह बताता हूँ।'

वह आहिस्ता-आहिस्ता उसकी ओर आता रहा। हर कदम के साथ उसका कद बड़ा होता हुआ लग रहा था। 'अगर मैं कागज़ के इस टुकड़े को अपने हाथों में लेकर दो हिस्सों में फाड़ दूँ. . .' वह एक टेबल के पास जाकर रुका और कागज़ का टुकड़ा हाथ में लेकर उसने ज़ोर से इसे दो हिस्सों में फाड़ दिया। 'और फिर उन दोनों हिस्सों को एक के ऊपर एक रख दूँ. . .' उसने दोनों हिस्सों को एक-दूसरे के ऊपर रख दिया। 'और अगर मैं इस प्रक्रिया को दोहराता रहूँ. . .' उसने फिर कागज़ के टुकड़े को फाड़ कर एक-दूसरे के ऊपर रख दिया। 'तो कागज़ों का एक ढेर बनेगा, जो मूल कागज़ की मोटाई से चार गुणा होगा। ठीक?' कमरे के अंधकार में उसकी आँखें जैसे दहकती हुई लग रही थी।

एलिज़ाबेथ को उसका अपने को ऊँचा और बड़ा दिखाने वाला तथा आक्रामक लहज़ा पसंद नहीं आया। वह चुप रही।

'कल्पना कीजिए,' वह थोड़ा और करीब आ गया। 'कि कागज़ के टुकड़े की मोटाई एक मिलीमीटर के दसवें हिस्से के बराबर थी और मैं इस प्रक्रिया को. . .मान लीजिए पचास बार दुहराऊँ. . .तो आपको पता है कि कागज़ के इस टुकड़े की ऊँचाई कितनी हो जाएगी?'

एलिज़ाबेथ को गुस्सा आ रहा था। 'हाँ, मैं जानती हूँ।' उसने अपनी इच्छा से अधिक गुस्से से जवाब दिया। 'यह एक मिलीमीटर के दसवें हिस्से गुणा दो को *पचास* घातांक से गुणा करने के बराबर हो जाएगा। इसे ज्यामितीय श्रेणी, ज्योमिट्रीकल प्रोग्रेशन, कहते हैं। क्या मैं आपसे पूछ सकती हूँ कि हम लोग यह सब क्यों कर रहे हैं?'

उस आदमी ने मुस्कराते हुए सिर हिलाया मानो वह काफी प्रभावित था। 'हाँ और क्या आप अनुमान लगा सकती हैं कि इसकी असली ऊँचाई कितनी होगी? एक मिलीमीटर के

दसवें हिस्से गुणा दो को पचास घातांक से गुणा करने के बाद?' यह बोलकर वह एक क्षण के लिए रुका। 'कागज़ों का वह ढेर पचास बार दोहराए जाने के बाद करीब-करीब. . . सूरज के पास पहुँच जाएगा।'

एलिज़ाबेथ को यह सुनकर कोई आश्चर्य नहीं हुआ। अपने काम के दौरान उसका ज्यामितीय श्रेणी की विशाल संख्याओं से कई बार साबका पड़ता *था। दूषित होने का चक्र. . .संक्रमित कोशिकाओं का दुहराव. . .संभावित मौतों की गणना।* 'माफी चाहूँगा, अगर मैं बेवकूफी की बातें कर रही हूँ. . .' उसने कहा। वह अपनी खीझ को छुपाने की बिलकुल कोशिश नहीं कर रही थी। 'लेकिन मुझे आपके मुद्दे की बात समझ में नहीं आ रही।'

'मेरा मतलब?' वह हौले से मुस्कराया। 'मेरा मुद्दा है कि मनुष्यों की आबादी में वृद्धि इससे भी अधिक नाटकीय है। कागज़ के इस टुकड़े की तरह धरती की आबादी भी शुरुआत में काफी कम थी. . .लेकिन इसके अंदर भयंकर संभावनाएँ छुपी थी।'

वह फिर से चहलकदमी करने लगा। 'ज़रा सोचिए। धरती पर मानव के प्रकट होने से लेकर सन् 1800 के आसपास एक अरब की आबादी तक पहुँचने में इसे हज़ारों साल लगे। इसके बाद आश्चर्यजनक रूप से अगले सौ वर्षों में ही मनुष्यों की आबादी 1920 में *दो* अरब हो गई। अगले पचास वर्षों में 1970 आते आते दुनिया की आबादी *चार* अरब हो चुकी थी। आप कल्पना कर सकते हैं कि बहुत जल्द हम आठ अरब की आबादी के पास पहुँच जाएँगे। आज, एक दिन में, मानव-प्रजाति ने धरती पर अपनी संख्या में ढाई *लाख* लोगों का इजाफा किया है। ढाई लाख लोग और यह रोज़ हो रहा है–आँधी आए या तूफान। आज हर साल हम जर्मनी के बराबर आबादी में वृद्धि कर रहे हैं।'

लंबा आदमी रुका। वह एलिज़ाबेथ के आसपास मंडरा रहा था। 'आपकी उम्र क्या है?'

फिर एक अपमानज़नक सवाल। हालाँकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख के तौर पर उसे इस तरह की उट-पटाँग बातों से होशियारी से निबटना आता था। 'इकसठ।'

'क्या आप जानती हैं कि अगर आप अगले उन्नीस साल तक जीवित रहें यानी की अस्सी की उम्र तक तो आप अपने जीवनकाल में ही आबादी को *तीन* गुणा होते हुए देख पाएँगी। एक जीवन काल में *तीन* गुणी आबादी। इसके परिणामों की कल्पना कीजिए। आपको पता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपने पूर्वानुमान को फिर से संशोधित किया है। इसके अनुमान के अनुसार इस सदी के मध्य तक दुनिया में लोगों की संख्या नौ अरब तक पहुँच जाएगी। जानवरों की प्रजातियाँ ख़तरनाक तेज़ी से विलुप्त होती जा रही हैं। घटते प्राकृतिक संसाधनों की माँग रोज़ तेज़ी से बढ़ती जा रही है। शुद्ध और साफ जल मिलना दिनों दिन मुश्किल होता जा रहा है। चाहे कोई भी जैविक पैमाना इस्तेमाल करें, हमारी प्रजाति की संख्या इतनी हो चुकी है कि इसे टिकाऊ बनाए रखना मुश्किल हो चुका है। इस भारी विपदा के बावजूद, दुनिया के स्वास्थ्य पर नज़र रखने वाली संस्था, विश्व स्वास्थ्य संगठन,

मधुमेह जैसी बीमारियों, ब्लड-बैंक के निर्माण, कैंसर से लड़ने जैसी चीज़ों के पीछे लगी हुई है।' वह रुका और सीधे उसे घूरने लगा। 'इसलिए मैंने आपको यहाँ बुलाया, ताकि मैं आपसे पूछ सकूँ कि विश्व स्वास्थ्य संगठन को इस मुद्दे का सीधे-सीधे सामना करने की हिम्मत क्यों नहीं हो रही?'

एलिज़ाबेथ का गुस्सा अब उबाल खा रहा था। 'आप भले, जो भी हों, आप जानते हैं कि विश्व स्वास्थ्य संगठन आबादी के मुद्दे को बहुत ही गंभीरता से लेता है। हाल में ही हमने डॉक्टरों को कंडोम के मुफ्त वितरण और लोगों को जनसंख्या नियंत्रण के तरीके बताने के लिए लाखों डॉलर खर्च कर अफ्रीका भेजा।'

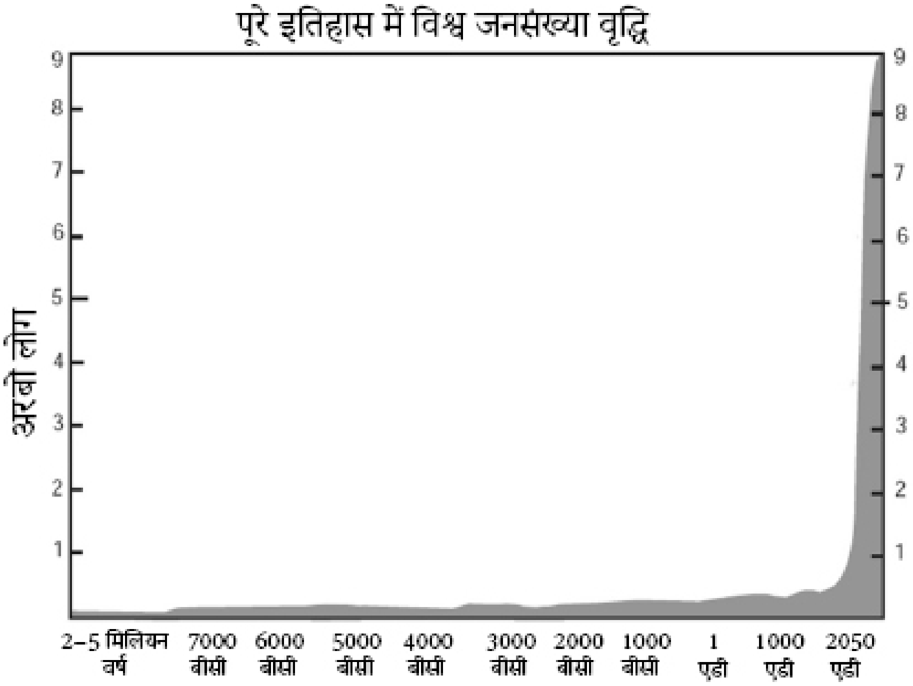
'हाँ, बिलकुल।' उस लंबूतरे आदमी ने उसकी बात काटते हुए कहा। 'हाँ और आपके पीछे-छे कैथोलिक मिशनरियों की एक फौज ने अफ्रीका जाकर लोगों को बताया कि अगर वे कंडोम का इस्तेमाल करेंगे तो उन्हें नरक जाना होगा। आजकल अफ्रीका में पर्यावरण से संबंधित एक नया मुद्दा सामने आया है–कूड़े के ढेरों पर इस्तेमाल नहीं किए गए कंडोमों का अंबार।'

एलिज़ाबेथ मुश्किल से अपनी जुबान पर नियंत्रण रख पा रही थी। उसकी ये बात सही थी फिर भी आधुनिक सोच वाले कैथोलिकों ने प्रजनन के मुद्दे पर वेटिकन के हस्तक्षेप का विरोध करना शुरू कर दिया था। इनमें से मेलिंडा गेट्स का नाम ख़ास तौर पर उल्लेखनीय है, जो ख़ुद एक श्रद्धालु कैथोलिक हैं। उन्होंने चर्च की नाराज़गी की फिक्र बिना किए दुनिया-भर में जनसंख्या नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए बहादुरी दिखाते हुए 5 करोड़ साठ *लाख* डॉलर दाँव पर लगा दिए हैं। एलिज़ाबेथ सिंस्की ने कई बार सबके सामने खुल कर कहा था कि अपने संस्थानों के द्वारा विश्व स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए बिल और मेलिंडा गेट्स जिस तरह का काम कर रहे थे, उसके आधार पर उन्हें वेटिकन को संत की उपाधि प्रदान करनी चाहिए। दुख की बात थी कि संत की उपाधि देने वाली एकमात्र संस्था उनके कामों के ईसाइयत की दृष्टि से महत्त्व को नहीं समझ पाई थी।

'डॉक्टर सिंस्की,' उस परछाई ने बोलना जारी रखा। 'विश्व स्वास्थ्य संगठन इस बात को नहीं समझ पा रही कि दुनिया में आज स्वास्थ्य से संबंधित केवल एक समस्या है।' उसने सामने स्क्रीन पर दिख रही तस्वीर की ओर इशारा किया–तड़पते, छटपटाते लोगों का महासमुद्र। 'यही है वह समस्या।' वह रुका। 'मैं समझता हूँ कि आप वैज्ञानिक हैं और इसलिए शास्त्रीय ग्रंथों या कला की अध्येता नहीं। इसलिए, मैं आपको एक दूसरी तस्वीर दिखाता हूँ, जो आपको बेहतर ढंग से समझ में आने वाली भाषा में आपसे बात करेगी।'

कमरे में एक पल के लिए अंधेरा छा गया। स्क्रीन पर नई तस्वीर दिखाई दे रही थी।

इस तस्वीर को एलिज़ाबेथ ने पहले भी कई बार देखा था. . .इसे देखकर उसके अंदर हमेशा एक डरावनी, अपरिहार्यता की भावना घुस जाती थी।



कमरे के भीतर एक गहरा सन्नाटा फैल गया।

'हाँ,' उस लंबे, छरहरे आदमी ने आख़िर कहा। 'इस ग्राफ को देखकर चुप्पी वाली आक्रामकता सबसे सही जवाब है। इसे देखना ठीक वैसा ही है जैसे सामने से तेज़ी से आ रही किसी गाड़ी के हेडलाइट को देखना।' वह आदमी धीरे-से एलिज़ाबेथ की ओर मुड़ा और उसकी ओर तीखी, नीचा दिखाने वाली नज़रों से देखने लगा। 'कोई सवाल, डॉक्टर सिंस्की?'

'बस एक सवाल।' उसने गुस्से में बोला। 'आप मुझे यहाँ भाषण पिलाने लेकर आए हैं या अपमानित करने?'

'इनमें से कोई भी नहीं।' उसकी आवाज़ में डरावने ढंग का मज़ाहिया लहज़ा झलक रहा था। 'मैं यहाँ आपको साथ मिलकर काम करने के लिए लाया हूँ। मुझे इस बात में कोई संदेह नहीं कि आप मानती हैं कि अत्यधिक आबादी स्वास्थ्य से जुड़ा एक मुद्दा है, लेकिन मुझे लगता है कि आप यह नहीं समझ पा रही कि यह सीधे-सीधे मनुष्य की आत्मा को प्रभावित करने वाली है। बढ़ती आबादी के दबाव में जिन लोगों ने कभी अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए चोरी करने की सोची भी नहीं होगी, वे भी चोर बन जाएँगे। जिन्होंने किसी की हत्या करने की कल्पना भी नहीं की होगी, वे भी अपने बच्चों की खातिर कत्ल करने लगेंगे। दांते ने जिन महापापों को गिनाया है, लोभ, पेटूपन, धोखा, हत्या और बाकी सभी पाप, धीरे-धीरे वे लोगों के अंदर घुसने लगेंगे. . .मानवता की सतह पर आकर तैरने लगेंगे, हमारी कम होती सुख-सुविधाओं के कारण कई गुणा बढ़ जाएँगे। हम मनुष्य की आत्मा की लड़ाई लड़ रहे

हैं।'

'मैं जैव-वैज्ञानिक हूँ। मैं लोगों की जान बचाती हूँ. . .आत्मा नहीं।'

'हाँ, लेकिन मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि आने वाले वक़्त में लोगों की ज़िंदगी बचाना और भी मुश्किल होने वाला है। बढ़ती जनसंख्या केवल आत्मिक असंतोष ही नहीं, इससे भी अधिक खराब स्थितियाँ पैदा करती है। मैकियावेली में एक उद्धरण है...'

'हाँ।' उसने उसे रोककर उस मशहूर उद्धरण को दोहराकर उसे सुना दिया।

'जब दुनिया के हरेक इलाके की आबादी इतनी अधिक हो जाएगी कि उनका अपने स्थान पर जीना मुश्किल हो जाएगा और ने वे कहीं दूसरी जगह जा पाएँगे. . .तो दुनिया ख़ुद अपने को शुद्ध कर लेगी।' एलिज़ाबेथ ने उसकी तरफ घूरकर देखा। 'विश्व स्वास्थ्य संगठन में हम सभी लोग इस उद्धरण से परिचित हैं।'

'फिर तो आपको पता होगा कि मैकियावेली दुनिया को अपने आप प्राकृतिक ढंग से शुद्ध करने के तरीके के तौर पर प्लेग की चर्चा करता है।'

'हाँ और जैसे मैंने अपने भाषण में भी कहा, हम सभी आबादी के घनत्व और बड़े पैमाने पर होने वाली महामारियों के बीच संबंध के बारे में भी जानते हैं, लेकिन हम लोग लगातार नए तरीकों से महामारियों का पता करने और उनका इलाज ढूँढ़ने के काम में लगे हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन को यकीन है कि हम भविष्य में महामारियों को रोक पाएँगे।'

'यह तो बड़े दुख की बात है।'

एलिज़ाबेथ ने उसकी और हैरान होकर देखा। 'मैं समझी नहीं।'

'डॉक्टर सिंस्की,' उस व्यक्ति ने अजीब ढंग से हँसते हुए कहा, 'आप महामारियों को रोकने की बात इस तरह कर रही हैं जैसे ये कोई अच्छा काम हो।'

उसने हैरान होकर चुपचाप उस व्यक्ति को देखा।

'यही मुश्किल की बात है।' लंबे आदमी ने ऐलान किया मानो वकील ने केस जीतने वाला आख़िरी तर्क पेश कर दिया हो। 'मैं यहाँ पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख के सामने खड़ा हूँ, जो इसकी सबसे अच्छी पेशकश है। अगर आप ठीक से सोचें तो यह एक डराने वाला ख़्याल है। मैंने आपको भविष्य में आने वाली भयानक विपत्ति का एक नज़ारा दिखाया है।' उसने स्क्रीन को रिफ्रेश करते हुए कहा जिस पर लाशें दिखाई दे रही थी। 'मैंने आपको बेकाबू जनसंख्या नियंत्रण की भयंकर शक्ति के बारे में ज्ञान दिया है।' उसने कागज़ों के छोटे-से ढेर की ओर इशारा करते हुए कहा। 'मैंने आपको इस बात की भी जानकारी दी कि कि हम लोग एक नैतिक विध्वंस की कगार पर खड़े हैं।' वह रुका और एलिज़ाबेथ की ओर मुड़ गया। 'और आपका क्या जवाब है? अफ्रीका में मुफ्त कंडोम का वितरण।' वह व्यक्ति मज़ाक उड़ाने के लहज़े में हँसा। 'यह वैसा ही है जैसे तेज़ी से आ रहे उल्कापिंड को रोकने के लिए मक्खी मारने वाले बैट का इस्तेमाल। टाइम-बम अब टिक टिक नहीं कर रहा,

बल्कि फट चुका है। बिना कठोर कदम उठाए ज्यामितीय दर से वृद्धि का गणित आपका नया भगवान बनने वाला है. . .और वह लोगों से 'बदला लेने वाला' भगवान है। वह आपके सामने पार्क एवेन्यु में दांते द्वारा दिखाए गए नरक को सीधा हाज़िर कर देगा. . .एक-दूसरे से चिपके लोग, अपने ही मल-मूत्र में लिथड़े लोग। प्रकृति द्वारा वैश्विक पैमाने पर की गई मनुष्यों की सफाई।'

'अच्छा। ऐसा है क्या?' एलिज़ाबेथ उबल पड़ी। 'तो फिर बताइए कि आपके नज़रिए से टिकाऊ भविष्य के लिए धरती की आदर्श आबादी कितनी होनी चाहिए? वह जादुई संख्या क्या है, जहाँ पहुँचकर मानवता अनंत काल तक टिकाऊ बनी रह सकती है. . .और तुलनात्मक रूप से आरामदेह ज़िंदगी बिता सकती है?'

लंबा आदमी मुस्कराया। लगा जैसे इस सवाल से वह प्रभावित हुआ था। 'कोई भी पर्यावरण जैव-वैज्ञानिक या सांख्यिकी का विशेषज्ञ आपको बता देगा कि लंबे समय तक टिकाऊ आबादी की दृष्टि से चार अरब की संख्या काफी होती है।'

'चार अरब?' एलिज़ाबेथ ने छूटते ही कहा। 'आज दुनिया की आबादी सात अरब हो चुकी है। लगता है कि इस संख्या की दृष्टि से हमने देर कर दी है।'

लंबे आदमी की नीली आँखों से जैसे चिंगारियाँ निकल रही थी। 'ऐसा है क्या?'

23

बोबोली बगीचे के दक्षिणी छोर पर ढेरों पेड़ थे। रॉबर्ट लैंग्डन इसकी चारदीवारी के साथ लगी कीचड़ वाली ज़मीन पर दीवार से धम्म से गिरा। सिएना भी उसकी बगल में गिरी और जल्दी से खड़ी हो गई। उसने अपने आपको झाड़कर साफ करते हुए आसपास के परिवेश पर नज़र डाली।

वे दोनों एक छोटे-से जंगल के छोर पर काई और सूखी पत्तियों के ढेर पर खड़े थे। यहाँ से पालात्ज़ो पिट्टी आँखों से बिलकुल ओझल हो चुका था। लैंग्डन ने अंदाज़ा लगाया कि वे लोग किले से उतनी ही दूर थे, जितना की बगीचे में जाना संभव था। कम-से-कम सुबह के वक़्त यहाँ पर काम करने वाले लोग और सैलानी वगैरह मौजूद नहीं थे।

लैंग्डन ने सामने पत्थरों की बनी हुई एक पगडंडी पर नज़र डाली, जो उनके सामने नीचे की तरफ जंगल की तरफ जा रही थी। जिस जगह पर रास्ता जंगल के पेड़ों के बीच गुम होता हुआ दिखाई दे रहा था, वहाँ संगमरमर की एक मूर्ति खड़ी थी, जो आँख के बिलकुल सामने दिखाई दे रही थी। लैंग्डन को यह देखकर कतई हैरानी नहीं हुई। बोबोली बगीचे को निकोलो ट्रिबोलो, जोर्जियो वासारी और बरनार्डो बुओनटैलेंटी जैसे लोगों की डिज़ाइन संबंधी प्रतिभा का लाभ मिला था। इन व्यक्तियों की सौंदर्य संबंधी प्रतिभा ने साथ मिलकर 111 एकड़ के इस कैनवस को जैसे चलने फिरने के लिए एक विशिष्ट कृति में बदल दिया था।

'अगर हम उत्तर-पूर्व दिशा की ओर चलें तो किले में पहुँच जाएँगे।' रास्ते की तरफ इशारा करते हुए लैंग्डन ने कहा। 'हम वहाँ सैलानियों के साथ घुल-मिलकर बिना किसी की नज़र में आए बाहर निकल सकते हैं। मेरा अनुमान है कि यह नौ बजे खुलता है।'

लैंग्डन ने समय देखने के लिए अपनी कलाई पर नज़र डाली। उसकी कलाई पर जहाँ मिकी माउस वाली घड़ी बँधी होती थी, वह इस वक़्त खाली थी। वह अनमने ढंग से सोचने लगा कि कहीं उसकी घड़ी अस्पताल में उसके कपड़ों के साथ तो नहीं और पता नहीं वह इसे कभी हासिल कर पाएगा भी या नहीं।

सिएना ने असहमत होते हुए अपने पाँव वहाँ गड़ा दिए। 'रॉबर्ट, अगला एक भी कदम बढ़ाने के पहले मैं जानना चाहती हूँ कि हम कहाँ जा रहे हैं। आपने वहाँ क्या अनुमान लगाया? द मैलबोल्जे? आपने कहा था कि इसे सही क्रम में नहीं दिखाया गया था?'

लैंग्डन ने अपने सामने जंगल के एक हिस्से की ओर इशारा किया। 'सबसे पहले हमें उनकी नज़रों से दूर निकलना चाहिए।' वह सिएना को लेकर एक पगडंडी पर आगे बढ़ा, जो एक ढंके हुए गड्ढेनुमा जगह की ओर जाने लगा। इसे लैंडस्केप स्थापत्य की भाषा में 'कमरा'

कहा जाता है, जहाँ कंक्रीट के बेंच बने थे, जो देखने में लकड़ी के बने हुए लगते थे। वहाँ एक छोटा-सा फव्वारा भी था। पेड़ों के नीचे की हवा बेशक आसपास की तुलना में ठंढी थी।

लैंग्डन अपनी जेब से प्रोजेक्टर को निकालकर उसे ज़ोर-ज़ोर से हिलाने लगा। 'सिएना, जिस किसी ने यह डिजिटल तस्वीर बनाई है उसने मैलबोल्जे के पापियों के साथ कुछ अक्षर तो जोड़े ही हैं, साथ ही उसने पापों का क्रम भी बदल दिया है।' वह सिएना के सामने बने ऊँचे बेंच पर उछलकर चढ़ गया और प्रोजेक्टर का मुँह अपने पैरों की तरफ मोड़ दिया। बोटीचेली का *माप्पा डेल-इन्फर्नो* की धुंधली तस्वीर सिएना के बगल वाली बेंच की सतह पर दिखाई देने लगी।

लैंग्डन ने कीप जैसी रचना के पेंदे पर बनी परतदार आकृति की ओर दिखाया। 'मैलबोल्जे के दस गड्ढों में लिखे अक्षरों को देख रही हो?'

सिएना ने प्रोजेक्टर से आ रही तस्वीर में उन्हें देखा। वह उन्हें ऊपर से नीचे की तरफ पढ़ने लगी। 'कैट्रोवेसर।'

'ठीक है। अर्थहीन।'

'लेकिन तुमने देखा कि दसों गड्ढों के स्थान को उलट-पलट दिया गया है?'

'इससे भी आसान, दरअसल। अगर ये दसों परतें ताश के पत्तों की गड्डियाँ होते, तो उन्हें फेंटने की जगह एक बार काटा गया होता। ताश की गड्डी को काटने के बाद उनका क्रम नहीं बदलता, लेकिन उनकी शुरुआत बदल जाती है। पत्तियों का सही क्रम बना रहता है, लेकिन उनकी शुरूआत गलत पत्ते से होती है।' लैंग्डन ने मैलबोल्जे के दस गड्ढों की तरफ इशारा किया। 'दांते की रचना के अनुसार, सबसे ऊपर के स्तर पर दूसरों की औरतों को फँसाने वाले लोग होने चाहिए जिन्हें दैत्य कोड़े से पीटते हैं, लेकिन बदली हुई इस तस्वीर में औरतों को फँसाने वाला इंसान काफी नीचे, सातवें गड्ढे में दिखाई दे रहा है।'

सिएना ने अपने बगल में उभरी तस्वीर को गौर से देखा, जो अब धुंधली हो रही थी। उसने सहमति में अपना सिर हिलाया। 'अच्छा। अब समझ में आई बात। पहले गड्ढे को सातवें गड्ढे के रूप में दिखाया गया है।'

लैंग्डन ने तेज़ी से प्रोजेक्टर को अपनी जेब में रख लिया और पगडंडी पर चल पड़ा। उसने एक छोटी-सी टहनी उठा ली और सड़क के किनारे मिट्टी पर कुछ अक्षरों को उकेरने लगा। 'नरक के हमारे संशोधित संस्करण में दिखाई देने वाले अक्षर इस तरह दिखाई देते हैं—'

सी
ए
टी
आर
ओ

वी
ए
सी
ई
आर

'कैट्रोवेसर' सिएना ने पढ़ा।

'हाँ और यहाँ से ताश की गड्डी को काटा गया था।' लैंग्डन ने सातवें अक्षर के नीचे एक लकीर खींचते हुए कहा। वह अपने काम को सिएना के द्वारा देखने का इंतज़ार करने लगा।

सी
ए
टी
आर
ओ
वी
ए
–
सी
ई
आर

'ठीक है।' उसने जल्दी से कहा। 'कैट्रोवा। सेर।'

'हाँ और अब पत्तियों को अपने पुराने क्रम में रख दो। हम कटे हुए पत्तों को वापस गड्डी में रख देते हैं और उन्हें उलटा कर देते हैं–नीचे वाला सबसे ऊपर। दोनों हिस्से एक-दूसरे से स्थान बदल लेते हैं।

सिएना अक्षरों को देखने लगी। 'सेर। कैट्रोवा।' उसने अपने कंधे उचकाए। उस पर इसका कोई ख़ास प्रभाव नहीं पड़ा था। 'अब भी इसका कोई मतलब नहीं निकल रहा।'

'सेर कैट्रोवा', लैंग्डन ने दोहराया। थोड़ा रुककर उसने दोबारा वही बोला। इस बार वह अक्षरों को एक साथ मिलाकर बोल रहा था 'कैट्रोवेसर'। अंत में उसने बीच में रुकते हुए उन शब्दों का उच्चारण किया। 'सेरका. . .ट्रोवा'।

सिएना ने यह सुनते ही आश्चर्य से भरकर गहरी साँस ली। उसकी नज़रें लैंग्डन से मिली।

'हाँ।' लैंग्डन ने मुस्कराते हुए कहा। 'सेरका ट्रोवा'।

इतालवी में इन दोनों शब्दों का अर्थ होता है 'ढूँढो' और 'पाओ'।

इन्हें जब एक साथ जोड़कर मुहावरे के तौर पर पढ़ा जाता है–सेरका ट्रोवा–तो यह बाइबल में आए 'ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा' बन जाता है।

'आपकी अर्धबेहोशी, विभ्रांति!' सिएना ने चिहुकते हुए कहा। उसकी साँस खुशी से फूल रही थी। 'नकाब वाली औरत। वह आपको बार-बार कह रही थी ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा।' वह कूदकर अपने पाँवों पर खड़ी हो गई। 'रॉबर्ट, आप समझ रहे हैं कि इसका क्या मतलब होता है? इसका मतलब होता है कि *सेरका ट्रोवा* पहले से ही आपके अवचेतन में मौजूद था। समझ रहे हैं न आप? अस्पताल पहुँचने के *पहले* ही आपने इस शब्द का अर्थ समझ लिया होगा। शायद आप इस प्रोजेक्टर से दिखाए जाने वाले शब्द को पहले ही देख चुके होंगे.., लेकिन भूल गए होंगे।'

वह ठीक कह रही है, लैंग्डन को समझ में आया। उसका दिमाग दूसरी ओर इस तरह उलझा हुआ था कि उसे इस बात का ख़्याल ही नहीं आया कि वह इन्हें पहले भी देख चुका था।

'रॉबर्ट, आपने पहले कहा था कि *ला माप्पा* पुराने शहर में किसी स्थान का पक्का पता-ठिकाना निर्देशित करता है, लेकिन मैं अब भी समझ नहीं पा रही कि आप किस जगह की बात कर रहे हैं।'

'*सेरका ट्रोवा* सुनकर तुम्हारे दिमाग में कोई घंटी नहीं बजती?'

उसने कंधे उचकाए।

लैंग्डन मन-ही-मन हँसा। *आख़िर कोई तो* ऐसी चीज़ मिली, जो सिएना को *नहीं पता।* 'देखो, यह वाक्य खंड एक भित्तिचित्र को निरूपित करता है, जो पालात्ज़ो वेखियो में बना है–जोर्जियो वसारी की कृति *बटाग्लिया डि मार्सियानो,* जो हॉल ऑफ़ द फाइव हँड्रेड में लटकी हुई है। पेंटिंग के सबसे ऊपरी हिस्से में वासारी ने बहुत ही छोटे अक्षरों में *सेरका ट्रोवा* लिखा है, जो खाली आँखों से मुश्किल से दिखाई देती है। उसने ऐसा क्यों किया इसके बारे में बहुत सारे सिद्धांत प्रतिपादित किए गए हैं, लेकिन इसका कोई ठोस प्रमाण अब तक नहीं मिला है।

तभी उन्हें अपने ऊपर किसी छोटे-से जहाज़ के उड़ने की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। पता नहीं कहाँ से निकलकर यह जहाज़ उनके ऊपर जंगल की छतरी को छूता हुआ गुज़र गया। जहाज़ की आवाज़ काफी नज़दीक सुनाई दे रही थी। सिएना और लैंग्डन अपनी जगह पर ठिठक गए।

जहाज़ के चले जाने के बाद लैंग्डन ने पेड़ों के बीच से आसमान की तरफ देखा। 'खिलौना वाला हेलीकॉप्टर।' उसने गहरी साँस लेते हुए कहा। तीन फुट लंबा रेडियो तरंगों से चलने वाला हेलीकॉप्टर अपनी दिशा बदलता हुआ दिखाई दे रहा था। देखने में यह किसी विशाल आकार के गुस्से में भरे मच्छर की तरह लग रहा था।

लेकिन सिएना अब भी सशंकित लग रही थी। 'बैठ जाइए।'

अनुमान के अनुरूप, वह छोटा-सा हेलीकॉप्टर वापस उनकी ओर आता हुआ दिखाई दे

रहा था। पेड़ों की फुनगियों को चूमता वह उनके ऊपर से गुज़र गया। इस बार वह उनकी बाई ओर गया था, किसी दूसरी दिशा में।

'यह कोई खिलौना नहीं है।' उसने फुसफुसाते हुए कहा। 'यह जासूसी के लिए बनाया गया ड्रोन है। शायद इसके अंदर लगा वीडियो कैमरा लाइव तस्वीरें भेज रहा है. . .किसी को।'

हेलीकॉप्टर जिधर से आया था, उसी दिशा में जाते हुए देखकर लैंग्डन के जबड़े भिंच गए–पोर्टा रोमाना और आर्ट इंस्टीट्यूट।

'मुझे नहीं पता कि आपने क्या किया है,' सिएना ने कहा। 'लेकिन कुछ बहुत ही शक्तिशाली लोग आपको पकड़ने के लिए बेचैन हैं।'

हेलीकॉप्टर दोबार मुड़ा। इस बार वह उसी चहारदीवारी के ऊपर धीमी गति से उड़ रहा था जिसे फांद कर वे अभी थोड़ी देर पहले अंदर घुसे थे।

'आर्ट इंस्टीट्यूट में ज़रूर किसी ने हमें देखा है और उन्हें हमारे बारे में कुछ बताया है।' रास्ते पर आगे बढ़ते हुए सिएना ने कहा। 'हमें यहाँ से बाहर निकलना होगा। अभी।'

ड्रोन अब बगीचे के दूसरे छोर की तरफ चला गया था। लैंग्डन ने पैर से रगड़कर उन अक्षरों को मिटा दिया, जो उसने पगडंडी पर लिखे थे। फिर वह तेज़ी से सिएना के पीछे चलने लगा। उसके दिमाग में *सेरका ट्रोवा,* जोर्जियो वासारी के भित्तिचित्र और सिएना की बात उमड़ घुमड़ रही थी, जब उसने कहा था कि लैंग्डन ने पहले ही प्रोजेक्टर के संदेश का अर्थ समझ लिया होगा। ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा।

वे जैसे ही जंगल के भीतर मैदान जैसी जगह में घुसे कि लैंग्डन के दिमाग में चौंकाने वाला एक विचार आया। वह जंगली रास्ते के किनारे किसी जगह पर खड़ा हो गया। उसके चेहरे पर विस्मय का भाव दिखाई दे रहा था।

सिएना भी रुक गई। 'रॉबर्ट। अब क्या हुआ?'

'मैं बेकसूर हूँ।' उसने ऐलान किया।

'आप किस चीज़ के बारे में बात कर रहे हैं?'

'जो लोग मेरा पीछा कर रहे हैं. . .मुझे लगा कि शायद मैंने कोई बहुत बड़ा गुनाह किया है।'

'हाँ, अस्पताल में भी आप बार-बार वेरी सॉरी, वेरी सॉरी दोहरा रहे थे।'

'हाँ, लेकिन मुझे लगा था कि मैं अंग्रेज़ी में बोल रहा हूँ।'

सिएना ने उसकी ओर आश्चर्य से भरकर देखा। 'आप अंग्रेज़ी में ही बोल रहे थे।'

लैंग्डन की नीली आँखों में अब एक जोश दिखाई दे रहा था। 'सिएना, मैं जब वेरी सॉरी, वेरी सॉरी बोल रहा था तो मैं माफी नहीं माँग रहा था। मैं पालात्ज़ो वेखियो के गुप्त संदेश के बारे में बड़बड़ा रहा था।' वह अब भी अपनी बेहोशी के दौरान किए जा रहे प्रलाप की रिकॉर्ड की गई आवाज़ सुन रहा था। *वे. . ..सॉरी. . .वे. . .सॉरी।*

सिएना कहीं खोई हुई लग रही थी।

‘तुम देख रही हो न,’ लैंग्डन अब मुस्करा रहा था। ‘मैं वेरी सॉरी, वेरी सॉरी नहीं बोल रहा था।’ मैं उस कलाकार का नाम बोल रहा था. . .*व. . .सारी, वसारी!’*

24

वाएंथा ने ज़ोर से ब्रेक दबाया।

उसकी मोटरसाइकिल घिसटती हुई, तेज़ आवाज़ के साथ रुक गई। विआले डेल पोजियो इंपिरियाले की सड़क पर उसके टायर का निशान बन गया। मोटरसाइकिल ट्रैफिक के पीछे आकर रुक गई। यह ट्रैफिक इस समय के लिए सामान्य नहीं था। विआले डेल पोजियो जैसे रुका हुआ था।

मेरे पास इन चीज़ों के लिए वक़्त नहीं है।

वाएंथा ने गरदन घुमाकर कारों की भीड़ के आगे देखा कि ट्रैफिक क्यों रुका हुआ है। उसे पहले ही एसआरएस की टीम और अपार्टमेंट बिल्डिंग की अफरा-तफरी से बचने के लिए बहुत घुमाकर अपनी मोटरसाइकिल इस तरफ लानी पड़ी थी। अब उसे पुराने शहर में जाना था और उस होटल से अपना सामान निकालना था, जिसमें मिशन के काम से वह पिछले कुछ दिनों से ठहरी हुई थी।

मुझे संगठन से निकाल दिया गया है—मुझे किसी-ने-किसी तरह इस शहर से बाहर निकलना होगा।

लेकिन उसकी बदनसीबी का सफर अभी पूरा नहीं हुआ था। पुराने शहर में घुसने के लिए उसने, जो रास्ता चुना था, वहाँ लग रहा था कि घेराबंदी की गई है। उसे इंतज़ार करने का बिलकुल मन नहीं था। वाएंथा ने अपनी बाइक चालू की और उसे लेकर ट्रैफिक के किनारे चली आई। वह संकरे से ब्रेकडाउन लेन को पार करती हुई आगे जाने लगी। वह तब तक गाड़ी को लेकर आगे बढ़ती रही, जब तक उसे चौराहे पर खड़ी भीड़भाड़ न दिखाई दी। आगे गोल चक्कर पर छह रास्ते मिल रहे थे, जो भीड़ से ठसाठस भरे थे। यह पोर्टा रोमाना था—फ्लोरेंस के ट्रैफिक की सबसे घनी जगह। पुराने शहर का प्रवेश-द्वार।

भला यहाँ हो क्या रहा है?

वाएंथा ने देखा कि वहाँ हर तरफ पुलिस का जमावड़ा लगा था। कहीं चेक-प्वाइंट तो कहीं सड़क पर खड़ा किया गया अवरोध। कुछ ही देर में उसे इन हलचलों के बीच एक ऐसी चीज़ दिखाई दी जिसने उसे हैरान कर दिया। परिचित काली वैन, जिसके आसपास काली पोशाक में एजेंट स्थानीय अधिकारियों को कुछ हुक्म दे रहे थे।

बेशक, ये लोग एसआरएस टीम के सदस्य थे। फिर भी वाएंथा समझ नहीं पा रही थी कि वे यहाँ क्या कर रहे थे।

अगर वे. . .

वाएंथा ने थूक गटका। उसे इसकी कल्पना करने में भी मुश्किल हो रही थी। *क्या लैंग्डन*

ब्रूडर से भी बचकर निकल गया? यह अकल्पनीय लग रहा था। बचकर निकलने की संभावना शून्य के बराबर थी। और, लैंग्डन अकेले काम नहीं कर रहा था और वाएंथा ने ख़ुद अनुभव किया था कि सुनहले बालों वाली औरत कितनी साधन-संपन्न हो सकती थी।

सामने उसे एक पुलिस अफसर दिखाई दिया। वह हरेक कार के सामने जाकर घने, भूरे बालों वाले एक ख़ूबसूरत व्यक्ति की तस्वीर दिखा रहा था। वाएंथा ने देखते ही पहचान लिया कि यह लैंग्डन की तस्वीर थी, जो किसी अखबार में छपी थी। उसका दिल तेज़ी से धड़कने लगा।

ब्रूडर उसे नहीं पकड़ पाया. . .।

लैंगडन अभी पकड़ से बहर है।

एक अनुभव रणनीतिज्ञ, वाएंथा ने तुरंत यह आकलन करना शुरू कर दिया कि इस विकास ने उसकी स्थिति को कैसे बदल दिया।

एक विकल्प है, ज़रुरत के अनुसार भाग जाए।

वाएंथा प्रोवोस्ट के एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण काम को पूरा करने में नाकामयाब रही थी और इसी वजह से उसे संस्था से निकाल दिया गया था। अगर भाग्य उसका साथ दे, तो उसे जाँच का सामना करना पड़ेगा और शायद उसे नौकरी से हटा दिया जाएगा, लेकिन अगर भाग्य ने उसका साथ नहीं दिया और उसने अपने मालिक की निर्दयता को कम करके आँका हो तो उसे ज़िंदगी भर इस डर में बिताना होगा कि कहीं कंसोर्शियम आस पास छिपकर उस पर नज़र तो नहीं रख रहा।

अब एक दूसरा विकल्प भी था।

अपना मिशन पूरा करना।

काम में लगना नौकरी से निकाले जाने के बाद लागू होने वाले कायदों का सीधा उल्लंघन था। फिर भी लैंग्डन अब तक पकड़ में नहीं आया था और वाएंथा अपने लिए निर्धारित पुराने हुक्म के हिसाब से काम कर सकती थी।

अगर ब्रूडर लैंग्डन को नहीं पकड़ पाए, उसका दिल तेज़ी से धड़क रहा था और *मैं उसे पकड़ने में कामयाब हो जाऊँ. . .*

वाएंथा जानती थी कि यह दूर की कौड़ी थी, लेकिन लैंग्डन अगर ब्रूडर के चंगुल से निकलने में कामयाब हो चुका था तो वाएंथा दोबारा इस काम को पूरा करने में शामिल हो सकती थी जिससे कंसोर्शियम की इज़्ज़त बच सकती थी। इसके बाद प्रोवोस्ट के लिए उसके प्रति नरम रुख अपनाने के सिवा कोई चारा नहीं बचता।

मैं अपनी नौकरी बचा लूँगी, उसने सोचा, शायद मुझे पदोन्नति भी मिल सकती है।

वाएंथा के दिमाग में अचानक कौंधा कि उसका करियर एक ही काम पर निर्भर करता है। *मुझे लैंग्डन का पता लगाना ही होगा. . .ब्रूडर से पहले।*

लेकिन यह आसान नहीं था। ब्रूडर के पास लोगों की कोई कमी नहीं थी। उसके पास जासूसी के लिए अति-विकसित तकनीकों की कोई कमी नहीं थी। वाएंथा अकेले काम कर रही थी, लेकिन उसके पास एक ऐसी सूचना थी, जो न तो ब्रूडर के पास थी, न प्रोवोस्ट के पास और न ही पुलिस के ज़िम्मे।

मुझे अच्छी तरह पता है कि लैंग्डन कहाँ जाने वाला है।

उसने अपने बीएमडब्ल्यू के इंजन की गति तेज़ की, गाड़ी को 180 डिग्री से मोड़कर वह वापस उसी तरफ चल पड़ी जिधर से वह आई थी। पोंटे एले ग्रेजी, उसने सोचा। वह उत्तर दिशा में बने पुल के बारे में सोच रही थी। पुराने शहर में जाने के लिए कई रास्ते थे।

25

*माफी नहीं, कलाकार का नाम. . .*लैंग्डन बड़बड़ा रहा था।

'वसारी,' सिएना हकलाते हुए बोली। वह हड़बड़ाकर पूरे एक कदम पीछे हट गई। 'वही कलाकार जिसने अपने म्युरल में *सेरका ट्रोवा* शब्द को छिपाकर रखा था।'

लैंग्डन ख़ुद को हँसने से नहीं रोक पाया। वसारी। वसारी। अपनी इस विचित्र परिस्थिति को समझने में मदद करने के अलावा इस रहस्योद्घाटन ने लैंग्डन को इस चिंता से भी मुक्त करवा दिया था कि उसने कोई बहुत बुरा काम किया था. . .जिसके लिए वह बार-बार वेरी सॉरी, वेरी सॉरी बोल रहा था।

'रॉबर्ट, आपने बोटीचेली की इस तस्वीर को घायल होने के पहले ज़रूर प्रोजेक्टर पर देखा था। आपको पता था कि इसमें एक कोड छुपा है, जो वसारी के म्युरल की ओर इशारा करता है। यही वजह थी कि होश आते ही आप बार-बार वसारी का नाम ले रहे थे।'

लैंग्डन इन सब बातों का अर्थ निकालने लगा। जोर्जियो वसारी..सोलहवीं सदी का कलाकार, वास्तुकला विशेषज्ञ और लेखक। लैंग्डन वसारी को दुनिया का पहला 'कला-इतिहासकार' कहता था। वैसे तो वसारी ने सैकड़ों कलाकृतियाँ बनाई, दर्जनों इमारतों को डिज़ाइन किया, लेकिन उसकी सबसे मूल्यवान विरासत थी उसकी महत्त्वपूर्ण किताब, जिसमें उसने इतालवी चित्रकारों, शिल्पकारों और स्थापत्य कला के माहिर लोगों की जीवनी लिखी थी–*लाइव्स ऑफ़ द मोस्ट एक्सेलेंट पेंटर्स, स्क्लपटर्स और आर्किटेक्ट्स*। कला के इतिहास का अध्ययन करने वाले लोगों के लिए यह किताब आज भी आवश्यक मानी जाती है।

तीस साल पहले जब इस गुप्त संदेश 'सेरका ट्रोवा' का पालात्ज़ो वेखियो के हॉल ऑफ़ द फाइव हँड्रेड में काफी ऊँचाई पर बने विशाल म्युरल के बीच लिखे होने का पता चला तो वसारी लोगों की चेतना में एक बार फिर स्थापित हो गया। युद्ध की गहमागहमी के दृश्यों के बीच बने हरे रंग के झंडे पर बहुत ही छोटे आकार में लिखे ये अक्षर नंगी आँखों से मुश्किल से नज़र आते थे। वैसे इस अजीब-से संदेश के बारे में लोगों की राय एक नहीं थी, लेकिन इस अधिकांश लोग इस सिद्धांत में यकीन करते थे यह आगे की पीढ़ियों को लियोनार्डो द विंची के खोए हुए फ्रेस्को चित्र के बारे में सुराग मुहैया करवाता था, जिसके बारे में कहा जाता था कि वह उस दीवार के पीछे बनी तीन सेंटीमीटर की दरार में छिपाया गया है।

सिएना बेचैन होकर पेड़ों के बीच से आसमान की तरफ देख रही थी। 'एक बात मेरी समझ में अब भी नहीं आ रही। अगर आप वेरी सॉरी, वेरी सॉरी नहीं बोल रहे थे तो फिर लोग आपको मारने की कोशिश क्यों कर रहे हैं?'

लैंग्डन भी इसी के बारे में सोच रहा था।

जासूसी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन की घरघराहट फिर से तेज़ होती सुनाई दे रही थी। लैंग्डन समझ चुका था कि निर्णय लेने का वक़्त आ चुका था। वह समझ नहीं पा रहा था कि भला वसारी का *बताग्लिया डि मर्सियानो* दांते के *इन्फर्नो* से किस तरह संबंधित था या पिछली रात उस पर गोली क्यों चलाई गई थी। इसके बावजूद उसे अब आगे का रास्ता साफ दिखाई दे रहा था।

सेरका ट्रोवा

ढूँढ़ो और हासिल करो।

एक बार फिर लैंग्डन को लगा जैसे नदी के उस पार से सफेद बालों वाली औरत उसे पुकार रही थी। *वक़्त कम होता जा रहा है।* लैंग्डन समझ रहा था कि अगर इसका कोई जवाब है तो वह पालात्ज़ो वेखियो में ही हासिल हो सकता है।

उसे अचानक एजियन के टापुओं पर केंकड़ों का शिकार करने वाले ग्रीस के गोताखोरों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कहावत की याद आई। *अंधेरी गुफा में तैरते हुए जब आप ऐसी जगह पर पहुँचते हैं, जहाँ से वापस आना मुमकिन नहीं और आपके पास लौटने के लिए साँस नहीं बची होती तो आपके पास एक ही विकल्प होता है–अंजान क्षेत्र में तैरते हुए आगे बढ़ना. . .और बाहर निकलने का रास्ता पाने के लिए प्रार्थना करना।*

लैंग्डन सोच रहा था कि कहीं वे ऐसी ही स्थिति में तो नहीं पहुँच चुके हैं।

वह बगीचे में बनी पगडंडियों के जाल को देखने लगा। अगर वह और सिएना बगीचे से निकलकर पिट्टी पैलेस पहुँच जाएँ तो वहाँ से पुराना शहर थोड़ी ही दूरी पर था। वे दुनिया के सबसे मशहूर फुटब्रिज पोंटे वेखियो को पार कर पैलेस पहुँच सकते थे। वहाँ हमेशा भीड़-भाड़ रहती थी, जहाँ छिपना काफी आसान था। वहाँ से कुछ इमारतों को पार कर पालात्ज़ो वेखियो पहुँचा जा सकता था।

ड्रोन की घड़घड़ाहट अब और भी करीब सुनाई दे रही थी। एक पल के लिए लैंग्डन को लगा जैसे थकावट उस पर तारी हो रही है। वह वेरी सॉरी, वेरी सॉरी नहीं कह रहा था, इस बात को याद करते हुए उसे पुलिस से बचने की कोशिश अजीब लग रहा था।

‘सिएना, आख़िरकार वे मुझे पकड़ लेंगे।’ लैंग्डन ने कहा। ‘शायद बेहतर होगा कि मैं भागने की कोशिश बंद कर दूँ।’

सिएना ऩे उसकी तरफ चिंतित होकर देखा। ‘रॉबर्ट, आप जब भी रुकते हैं कोई-न-कोई आप पर गोलियाँ चलाने लगता है। आपको सोचना होगा कि आख़िर आपने किया क्या है। आपको वसारी के म्युरल को देखना होगा और उम्मीद करनी होगी कि इसे देखकर आपको कुछ याद आ जाएगा। हो सकता है कि इससे आपको जानने में मदद मिले कि ये प्रोजेक्टर आपके पास कहाँ से आया और आप इसे क्यों ढो रहे हैं।’

लैंग्डन की आँखों के आगे डॉक्टर मार्कोनी की नुकीली केश-सज्ञा वाली औरत द्वारा की गई नृशंस हत्या की दृश्य प्रकट हो गया. . .सिपाहियों के द्वारा उस पर हमला..पोर्टा रोमाना में इकट्ठा हुए इतालवी मिलिट्री पुलिस. . .बाबोली गार्डेन में उन्हें ढूँढ़ने के लिए आसमान में चक्कर लगाता हुआ जासूसी ड्रोन. . .। वह चुप हो गया। वह आँखें मलता हुआ अपने विकल्पों के बारे में सोच रहा था।

'रॉबर्ट,' पीछे से सिएना की आवाज़ सुनाई दी। 'एक और बात. . .जो हमें महत्त्वपूर्ण नहीं लगी थी, लेकिन अब मुझे लगता है कि यह महत्त्वपूर्ण हो सकता है।'

लैंग्डन ने नज़रें उठाकर उसकी तरफ देखा। सिएना की आवाज़ में गंभीरता भरी थी।

'मैं आपको अपार्टमेंट में ही बताना चाहती थी,' उसने कहा। 'लेकिन. . .'

'कौन-सी बात?'

सिएना अपने होंठों को दांतों से काट रही थी। वह परेशान दिखाई दे रही थी। 'जब आप अस्पताल से आए थे तो आप नीम-बेहोशी की हालत में बड़बड़ा रहे थे।'

'हाँ, मैं वसारी, वसारी बोलने की कोशिश कर रहा था।' लैंग्डन ने कहा।

'हाँ, लेकिन उसके पहले. . .जब तक हम रिकॉर्डर लेकर आए, उसके पहले, अस्पताल पहुँचने के तुरंत बाद आपने एक बात कही थी, जो मुझे याद है। आपने वह एक बार ही बोला था, लेकिन मैं यकीन के साथ कह सकती हूँ कि मैं उस बात को समझ गई थी।'

'मैंने क्या बोला था?'

सिएना ने ऊपर ड्रोन की तरफ देखा और फिर लैंग्डन की ओर। *'मेरे पास इसे ढूँढ़ने की चाबी है. . .अगर मैं नाकामयाब रहा तो बस मौत ही बची होगी।'*

लैंग्डन के पास टुकुर टुकुर देखने के अलावा कोई चारा नहीं बचा था।

सिएना ने बोलना चालू रखा। 'मुझे लगा कि शायद आप जेब में रखी चीज़ के बारे में बोल रहे हैं, लेकिन अब मैं पक्के तौर पर यह नहीं कह सकती।'

अगर मैं नाकामयाब रहा तो बस मौत ही बची होगी? यह सुनकर लैंग्डन को ज़ोर का जैसे झटका लगा। मौत की डरावनी तस्वीर उसकी आँखों के आगे नाचने लगी. . .दांते का इन्फर्नो, बायोहैजर्ड का चिह्न, प्लेग का डॉक्टर। एक बार फिर, सफेद बालों वाली ख़ूबसूरत औरत का चेहरा खून की नदी के उस पार से उस से विनती कर रही थी। *ढूँढ़ो और पाओ। वक़्त बीतता जा रहा है।*

सिएना की बात सुनकर वह इस दुनिया में वापस आ गया। 'यह प्रोजेक्ट आख़िरकार जिस किसी भी चीज़ की तरफ इशारा कर रहा हो. . .अथवा आप जिस किसी चीज़ को ढूँढ़ना चाह रहे हों, वह बेशक कोई बहुत ही ख़तरनाक वस्तु है। लोग हमें मारने की कोशिश कर रहे हैं आख़िर इसका. . .' उसकी आवाज़ में हल्की-सी कंपकंपाहट लग रही थी। उसे वापस अपनी बात पर आने में थोड़ा-सा वक़्त लगा। 'ज़रा इसके बारे में सोचिए। उन्होंने दिन-

दहाड़े आप के ऊपर गोली चलाई, मुझ पर गोली चलाई, जो वहाँ इंतज़ार कर रही बेगुनाह राहगीर थी। कोई भी इंसान बातचीत के लिए आगे नहीं आ रहा। आपकी अपनी सरकार आपके खिलाफ हो गई..आपने उनसे मदद की गुहार लगाई और उन्होंने आपके कत्ल के लिए किसी को भेज दिया।'

लैंग्डन सूनी आँखों से ज़मीन की तरफ देखता रहा। हत्या की कोशिश कर रहे आदमी को कांसुलेट ने लैंग्डन का ठिकाना बताया या फिर कांसुलेट ने ही हत्यारे को उसके पास भेजा, इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता था। दोनों का मतलब एक ही निकलता था। *मेरी अपनी सरकार मेरे पक्ष में नहीं है।*

लैंग्डन ने सिएना की भूरी आँखों में झाँका। उसे वहाँ बहादुरी दिखाई दे रही थी। मैंने उसे किस चक्कर में *फँसा* दिया? 'काश, मुझे पता होता कि मुझे किस चीज़ की तलाश है। इस जानकारी से हमें चीज़ों के वास्तविक परिप्रेक्ष्य में समझने में मदद मिलती।'

सिएना ने सिर हिलाकर सहमति ज़ाहिर की। 'जो भी हो, हमें इसका पता लगाना ही होगा। कम-से-कम इससे हमारी स्थिति थोड़ी मज़बूत होती।'

उसके तर्क को नकारना मुश्किल था। फिर भी लैंग्डन को लगा जैसे उसे कोई बात कुरेद रही थी। *अगर मैं नाकामयाब रहा तो बस मौत ही बची होगी।* पूरे दिन उसका सामना बायोहैजर्ड, प्लेग और दांते के नरक जैसे अजीबो-गरीब प्रतीकों से होता रहा था। ऊपर से तो यही लगता था कि उसके पास इस बात का कोई प्रमाण नहीं था कि वह किस चीज़ को ढूँढ़ रहा है, लेकिन इसके अंदर किसी भयंकर बीमारी या जैविक ख़तरे की संभावना से इनकार करना भी निरी बेवकूफी होती, लेकिन अगर यह सच है तो उसकी अपनी सरकार का कोई आदमी उसे क्यों मारना चाह रहा था?

क्या उन्हें लगता है कि इस संभावित हमले में मैं भी किसी-न-किसी तरह शामिल हूँ?

इन बातों का कोई अर्थ नहीं निकल रहा था। यहाँ कुछ दूसरा की खेल चल रहा था।

लैंग्डन दोबारा सफेद बालों वाली औरत के बारे में सोचने लगा। 'मेरी आँखों के सामने बार-बार दिखाई देने वाली उस औरत की भी तो बात है। मुझे लगता है कि मुझे उसे ढूँढ़ना ही होगा।'

'फिर, आपको अपने दिल की सुननी चाहिए।' सिएना ने कहा। 'आपकी स्थिति में आपका अवचेतन ही आपके लिए सबसे अच्छा मार्गदर्शक होगा। यह मनोविज्ञान की बुनियादी बात है–अगर आपकी आत्मा उस औरत पर यकीन करने कह रही है तो मुझे लगता है कि आपको वही करना चाहिए, जो वह आपसे करने बार-बार कह रही है।'

'*ढूँढ़ो और पाओ।*' उन दोनों ने एक साथ बोला।

लैंग्डन ने ज़ोर से साँस बाहर की। उसे समझ में आ चुका था कि आगे क्या करना है।

मैं तो बस इस अंधेरी गुफा में आगे की तरफ तैरना जारी रख सकता हूँ।

उसका निर्णय अब पक्का हो रहा था। वह मुड़ा और आसपास के परिवेश को देखने लगा। वह इसके महत्त्व को समझने की कोशिश कर रहा था। *बगीचे से बाहर निकलने का रास्ता किधर है?*

वे लोग बड़े से खुले मैदान के एक छोर पर पेड़ों के नीचे खड़े थे। वहाँ कई तरफ से रास्ते आकर मिल रहे थे। उनकी बाईं तरफ कहीं दूर लैंग्डन को एक अंडाकार लैगून जैसी जगह दिखाई दी जहाँ एक छोटे-से टापू पर नींबू के पौधे और मूर्ति दिखाई दी। उसे लगा कि यह *इसोलोट्टो* था। उसने पानी में आधे डूबे घोड़े की मूर्ति देखी, जो तेज़ी से बाहर की ओर निकलता हुआ दिखाई दे रहा था। पर्सियस के मशहूर मूर्तिकार को उसने फौरन पहचान लिया।

'पिट्टी का महल इस तरफ है,' लैंग्डन ने पूरब की ओर दिखाते हुए कहा। वह जगह इसोलेट्टो की दूसरी तरफ, बगीचे की मुख्य सड़क–विट्टोलोन की तरफ थी, जो पूरे मैदान में पूरब से पश्चिम की ओर जाती थी। विट्टोलोन दो-लेन की सड़क जितनी चौड़ी थी। इसके दोनों किनारों पर छरहरे, चार सौ साल पुराने सरो के पेड़ लगे थे।

'उधर छिपने की कोई जगह नहीं है।' सिएना ने खुले मैदान और आसमान में मंडराते ड्रोन की इशारा करते हुए कहा।

'तुम ठीक कह रही हो।' लैंग्डन के चेहरे के कोने पर मुस्कराहट की रेखा दिखाई दे रही थी। 'इसलिए हम इसके बगल वाली सुरंग से निकल रहे हैं।'

उसने दोबारा विट्टोलोन के मुहाने पर उगी झाड़ियों की तरफ इशारा किया। घनी झाड़ियों से बनी दीवार में एक छोटा-सा मेहराबदार दरवाज़ा जैसा दिखाई दे रहा था। इस दरवाज़े के आगे एक पतली-सी पगडंडी दूर कहीं जा रही थी–विट्टोलोन के साथ-साथ चलती हुए एक सुरंग। इसके दोनों ओर बलूत के एक ख़ास किस्म के पौधे थे जिन्हें 1600 ईस्वी से ही करीने से काटा जा रहा था, ताकि वे सड़क की ओर मेहराब की तरह झुकी रहें। इनकी वजह से वे पौधों से बनी छतरी का अहसास दे रहे थे। पगडंडी का नाम ला सरसियॉटा रखा गया था, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है गोलाकार या छल्ले की शक्ल का। गोलाकार ढंग से झुके पेड़ों की छतरी को देखकर ही यह नाम दिया गया था। वे पेड़ देखने में किसी बैरल की तरह लगते थे जिसे इतालवी भाषा में 'सेरची' कहा जाता है।

सिएना तेज़ी से उस दरवाज़े की तरफ बढ़ी और छायादार जगह में झाँककर देखने लगी। लैंग्डन की तरफ तुरंत वापस मुड़कर उसने कहा, 'बेहतर।'

बिना वक़्त बर्बाद किए, वह दरवाज़े से अंदर घुसा और तेज़ी से पेड़ों के बीच चल पड़ा।

लैंग्डन हमेशा से मानता था कि ला सरसियॉटा फ़्लोरेंस की सबसे शांत जगहों में एक थी, लेकिन आज सिएना को अंधेरे गलियारे में गुम होते देखकर वह फिर से ग्रीक के फ्री डाइवर की बात सोचने लगा, जो कोरल गुफाओं के भीतर तैरते हुए बाहर निकलने के लिए मन-ही-

मन ईश्वर से प्रार्थना करते रहते थे।

लैंग्डन ने भी जल्दी से अपनी छोटी-सी प्रार्थना पूरी की और उसके पीछे तेज़ी से चल दिया।

उनसे करीब आधे मील पीछे आर्ट इंस्टीट्यूट के पीछे एजेंट ब्रूडर पुलिस और लोगों की भीड़ को पार करता हुआ आगे बढ़ रहा था। बर्फ की तरह उसकी आँखें भीड़ में खड़े लोगों को चीर रही थी। वह अपने जासूसी विशेषज्ञों द्वारा तात्कालिक ज़रूरतों के लिए उसकी काली वैन के हुड पर बनाए कमांड पोस्ट की ओर बढ़ रहा था।

'हवाई ड्रोन से मिली तस्वीरें,' विशेषज्ञ ने उसकी तरफ एक टैबलेट स्क्रीन बढ़ाते हुए कहा। 'कुछ ही मिनट पहले ली गई।'

ब्रूडर तस्वीरों को गौर से देखने लगा। वह धुंधले दिख रहे दो चेहरों को बड़ा कर देखने की कोशिश कर रहा था, जिसमें काले बालों वाला एक व्यक्ति सुनहले जूड़े वाली एक औरत के साथ दिखाई दे रहा था। वे दोनों पेड़ की परछाई में दुबके हुए थे और फुनगियों के बीच से आसमान की तरफ देख रहे थे।

रॉबर्ट लैंग्डन।

सिएना ब्रुक्स।

संदेह की कोई बात नहीं।

ब्रूडर ने अब बोबोली गार्डन के नक्शे को गौर से देखना शुरू किया, जो काली वैन के हुड पर पसरा हुआ था। *उन्होंने काफी गलत फैसला लिया,* बगीचे के नक्शे को देखते हुए वह सोचने लगा। बेशक बगीचा काफी बड़ा था और भूल-भुलैया जैसी इसकी संरचना भी थी, लेकिन यह एक ऊँची चारदीवारी से घिरा था। ब्रूडर को लगा बोबोली गार्डन मानो शिकार को फँसाने के लिए प्राकृतिक रूप से बनी सबसे अच्छी जगह थी।

वे इससे कभी बाहर नहीं निकल पाएँगे।

'स्थानीय अधिकारी बाहर निकलने वाले सभी रास्तों को बंद कर रहे हैं।' एजेंट ने सूचित किया। 'वे अब खोज शुरू करने वाले हैं।'

'मुझे ख़बर देते रहना।' ब्रूडर ने कहा।

उसने आहिस्ता से अपनी नज़रें वैन की मोटी पॉलीकार्बोनेट की बनी खिड़की पर डाली, जिसके भीतर सफेद बालों वाली औरत गाड़ी की पिछली सीट पर बैठी दिखाई दे रही थी।

उन्होंने उसे, जो दवाइयाँ दी थीं, उसकी वजह से उसकी ज्ञानेंद्रियाँ शिथिल हो चुकी थी, जिसकी ब्रूडर ने कल्पना भी नहीं की थी। फिर भी उसकी आँखों में झलकते डर को देखकर

वह कह सकता था कि उसे अच्छी तरह पता था कि वहाँ क्या हो रहा था।

वह ख़ुश नहीं लग रही है, ब्रूडर ने सोचा। *हाँ, सही तो है, आख़िर वह ख़ुश क्यों होगी?*

26

बीस फीट ऊँचा पानी का फव्वारा हवा में उछला।

लैंग्डन ने इसे आराम से वापस धरती पर गिरता हुआ देख रहा था। उसे पता था कि वे अब नज़दीक पहुँच रहे थे। वे ला सरसियॅाटा के पत्तेदार सुरंग के आख़िरी हिस्से में पहुँच गए थे। उन्होंने खुले मैदान को दौड़ते हुए पार किया और कॉर्क के पेड़ों के बगीचे में पहुँच गए। अब वे बोबोली के सबसे मशहूर उगलने वाले फव्वारे के पास पहुँच चुके थे–स्टोल्डो लोरेंजी की बनाई कांसे की प्रतिमा, जिसमें नेपच्यून को अपना त्रिशूल पकड़े हुए दिखाया गया था। स्थानीय लोग इसे बिना सम्मान दिए 'त्रिशूल वाला फव्वारा' कहते थे। फव्वारे का यह स्वरूप इस बगीचे की सबसे ख़ास बात थी।

पेड़ों के झुरमुट के छोर पर जाकर सिएना रुक गई और फुनगियों से आसमान की तरफ देखने लगी। 'मुझे ड्रोन नहीं दिखाई दे रहा।'

लैंग्डन को भी अब ड्रोन की आवाज़ नहीं सुनाई दे रही थी। वैसे फव्वारे की आवाज़ भी काफी तेज़ थी।

'शायद ईंधन की ज़रूरत हो गई होगी।' सिएना ने कहा। 'हमारे लिए यही मौका है। किधर चलें?'

लैंग्डन उसे लेकर बाई ओर चल पड़ा। वे काफी तीखी ढलान से नीचे उतरने लगे। पेड़ों के झुरमुट से बाहर आते ही सामने पिट्टी का महल दिखाई देने लगा।

'अहा, कितना सुंदर, छोटा-सा घर।' सिएना ने फुसफुसाते हुए कहा।

'मेडिची की ख़ास शैली, चीज़ों को बिना तड़क भड़क के दिखाना।' उसने रूखे ढंग से जवाब दिया।

इसी वक़्त उनसे करीब चौथाई मील की दूरी पर, पिट्टी के किले का पत्थर से बना सामने का हिस्सा दिखाई दे रहा था, जो आसपास की जगहों पर भारी पड़ रहा था। इसके अगले हिस्से में चुनाई किया हुआ एक एक पत्थर खाँचे की तरह जड़ा था जिनसे अजेय शक्ति का आभास होता था। बंद खिड़कियों के सामने बने मेहराब उनके प्रभाव को और भी बढ़ा रहे थे। पारंपरिक तौर पर औपचारिक ढंग से किलों को ऊँची ज़मीन पर बनाया जाता था। बगीचे से इसे देखने वाले व्यक्ति को अपनी गरदन ऊँची करनी होती थी, लेकिन पिट्टी का महल अर्नों नदी के पास नीचे की तरफ घाटी में बना था। इसकी वजह से बोबोली गार्डन से लोगों को इसे देखने के लिए नीचे की तरफ देखना होता था।

यह एक नाटकीय प्रभाव पैदा करता था। किसी आर्किटेक्ट ने कहा था कि ऐसा लगता है कि इस किले को स्वयं प्रकृति ने बनाया था।..मानो विशाल चट्टानें भूस्खलन की वजह से

नीचे गिरी हों और घाटी में जाकर ख़ूबसूरत, बैरीकेड की शक्ल में जमा हो गए हों। ज़मीन के निचले हिस्से में बने होने के बावजूद, पिट्टी पैलेस की संरचना इतनी मज़बूत थी कि नेपोलियन ने फ़्लोरेंस में एक बार इसका इस्तेमाल 'पावर-बेस' के तौर पर किया था।

'देखिए,' महल के सबसे नज़दीक वाले दरवाज़े की ओर इशारा करते हुए सिएना ने कहा। 'अच्छी खबर।'

लैंग्डन की भी इस पर नज़र पड़ी थी। इस अजीब-सी सुबह सबसे स्वागत योग्य दृश्य किला नहीं, बल्कि इससे निकलकर बगीचे में आ रहे सैलानी थे। महल खुला था जिसका मतलब होता था कि लैंग्डन और सिएना को इस बगीचे से निकलकर इस इमारत को पार करने में कोई मुश्किल नहीं होगी। लैंग्डन को पता था कि एक बार महल से बाहर होने के बाद उन्हें अपनी दाहिनी तरफ अर्नो नदी दिखाई देगी और उसके आगे पुराने शहर की अट्टालिकाएँ।

लैंग्डन और सिएना आगे बढ़ते रहे। वे लोग तेज़ ढाल वाले बाँध पर झटकते हुए चल रहे थे। नीचे उतरते हुए उन्होंने बोबोली एँफीथियेटर को पार किया, जहाँ पर दुनिया के पहले ओपेरा का आयोजन हुआ था। पहाड़ के किनारे बनी यह जगह घोड़े की नाल की तरह दिखाई दे रही थी। इसके आगे उन लोगों ने रैमसे 2 के चौकोर खंभे, ओबेलिस्क को पार किया और कला के उस बदनसीब नमूने को भी, जो खंभे के नीचे बना था। गाइडबुक में इसे 'रोम के काराकैला में बने स्नानघर की विशाल चट्टान' कहा जाता था, लेकिन लैंग्डन इसे हमेशा इसे दुनिया के सबसे बड़े बाथटब के रूप में देखता था, जो इसकी वास्तविकता भी थी। *इस चीज़ को उन्हें किसी दूसरी जगह रखना था।*

वे आख़िरकार महल के पिछले हिस्से में पहुँच गए। वे अब धीमी चाल में आराम से चल रहे थे। दूसरे सैलानियों के बीच वे आसानी से घुल-मिल गए थे। लोगों का हुजूम जिस तरफ आ रहा था, उसकी उल्टी दिशा में चलते हुए वे एक छोटी-सी सुरंग में घुसे, जो बीच में बने आँगननुमा जगह को जाती थी। उस जगह पर बैठकर सैलानी महल में बने अस्थाई कॉफी घर के अंदर सुबह की कॉफी का मज़ा ले रहे थे। ताज़ा पिसी कॉफी की ख़ुशबू हवा में तैर रही थी और लैंग्डन मन में अचानक वहाँ बैठकर शिष्ट तरीके से नाश्ता करने की इच्छा जागृत हुई। *आज इसका समय नहीं है,* यह सोचते हुए वे आगे बढ़ गए। अब वे पत्थर की बनी चौड़ी पगडंडी के पास पहुँच चुके थे, जो महल के मुख्य दरवाज़े को जाता था।

जब वे दरवाज़े के पास पहुँचे तो सिएना वहाँ पर इकट्ठा हो रहे सैलानियों में किसी से टकराई। उसने देखा कि वे लोग पोर्टिको के अंदर इकट्ठा होकर बाहर चल रहे किसी दृश्य को देखने की कोशिश कर रहे थे। लैंग्डन भीड़ के बीच से महल के सामने देखने की कोशिश करने लगा।

पिट्टी का विशाल प्रवेश-द्वार उतना ही ऊबड़-खाबड़ और उत्साहहीन दिखाई दे रहा था

जितनी कि लैंग्डन ने कल्पना की थी। करीने से कटी घास के बने लॉन और ख़ूबसूरत लैंडस्केप की जगह सामने वाले मैदान में दूर तक पथरीली पगडंडी दिखाई दे रही थी, जो सामने पहाड़ी के पास विया डेई गुचियार्डिनी में जाकर समाप्त हो रही थी। इसे देखकर विशाल स्की-स्लोप की याद आती थी।

पहाड़ की तलहटी में लैंग्डन को अब वह नज़ारा दिखाई पड़ा, जिसके लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ रही थी।

पिआत्ज़ा डि पिट्टी के नीचे की तरफ हर तरफ से आकर करीब आधा दर्जन पुलिस की गाड़ियाँ खड़ी थी। पुलिस अफसरों का एक छोटा-सा दस्ता पहाड़ी पर चढ़ता हुआ दिखाई दे रहा था। वे अपने हथियार बाहर निकाल रहे थे और सामने जाकर महल के अगले हिस्से को घेर रहे थे।

27

पुलिस जब पिट्टी पैलेस में घुसी, तब तक सिएना और लैंग्डन आगे जा चुके थे। वे महल के भीतरी हिस्से से होते हुए वहाँ पहुँच रही पुलिस से दूर जा रहे थे। वे आँगन को तेज़ी से पार करते हुए कैफे से आगे आ चुके थे, जमा हो रहे लोगों की भनभनाहट सुनाई दे रही थी। सैलाना अपनी गरदन उचका कर शोर शराबे के केंद्र बिंदु को देखने की कोशिश कर रहे थे।

सिएना को हैरानी हो रही थी कि अधिकारियों ने उन्हें इतनी जल्दी कैसे ढूँढ़ लिया। *ड्रोन इसलिए गायब हुआ, क्योंकि इसने हमारा ठिकाना ढूँढ़ लिया था।*

उसे और लैंग्डन को फिर से वही संकरी सुरंग मिली, जिसमें घुसकर वे बगीचे से यहाँ पहुँचे थे। बिना किसी हिचकिचाहट के वे वापस उसी सुरंग में घुस गए और तेज़ी से सीढ़ियाँ चढ़ने लगे। सीढ़ी का आख़िरी सिरा बाई ओर मुड़ गलियारे की तरफ मुड़ रहा था, जिसके साथ-साथ एक ऊँची चारदीवारी बनी थी। वे तेज़ी से आगे बढ़े तो उन्होंने पाया कि दीवार की ऊँचाई कम होती जा रही थी। अंततः वे इस दीवार की दूसरी तरफ फैले विशाल बोबोली गार्डन को देख रहे थे।

लैंग्डन ने झटककर सिएना का हाथ पकड़ा और उसे पीछे की ओर खींच लिया। वे लोग दीवार के साथ झुककर छुप गए। सिएना की भी नज़र पड़ चुकी थी।

तीन सौ गज आगे, एँफीथियेटर की ढलान पर, पुलिस का एक दस्ता नीचे उतर रहा था। वे बगीचे के भीतर झाड़ियों की तलाशी ले रहे थे, सैलानियों से पूछताछ कर रहे थे और अपने हाथों में पकड़े रेडियो पर एक-दूसरे के साथ तालमेल रख रहे थे।

हम फँस चुके हैं।

सिएना ने लैंग्डन के साथ मुलाकात के बाद कभी कल्पना भी नहीं की थी कि आगे ये सब होने वाला था। *मैंने तो कभी इसके बारे में सोचा तक नहीं था।* वह जब लैंग्डन के साथ अस्पताल से भागी थी तो उसे लगा था कि वे दोनों नुकीले बालों और बंदूक वाली औरत से बचने की कोशिश कर रहे थे। अब वे पूरी की पूरी फौजी टीम से बचकर निकलने की कोशिश कर रहे थे, जिसमें इतालवी अधिकारी भी शामिल थे। उसे अब लग रहा था कि वहाँ से बचकर निकलने की संभावना अब तकरीबन शून्य के बराबर थी।

‘क्या कोई दूसरा रास्ता भी है?’ सिएना ने हाँफते हुए पूछा।

‘मुझे नहीं लगता।’ लैंग्डन ने कहा। ‘यह बगीचा एक चारदीवारी में घिरे शहर के जैसा है, ठीक वैसा ही. . .’ वह बोलते बोलते अचानक रुक गया। पूरब की ओर देखते हुए उसने कहा, ‘बिलकुल . . .वेटिकन की तरह।’ उसके चेहरे पर उम्मीद की एक अजीब-सी चमक दिखाई दे रही थी।

सिएना को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि उनके वर्तमान हालात से वेटिकन का क्या ताल्लुक था, लेकिन लैंग्डन अचानक अपना सिर हिलाने लगा। वह पूरब की ओर महल के पिछले हिस्से की ओर नज़र दौड़ा रहा था।

'वैसे तो यह दूर की कौड़ी है,' लैंग्डन ने उसे आगे बढ़ने के लिए धकेलते हुए कहा। 'लेकिन यहाँ से बाहर निकलने का एक दूसरा रास्ता भी हो सकता है।'

अचानक उनके सामने दो लोग दिखे, जो दीवार के पीछे से घूमकर वहाँ पहुँचे थे। वे करीब करीब सिएना और लैंग्डन से आकर टकरा गए। उन दोनों ने काली पोशाक पहन रखी थी। एक पल के लिए सिएना को घबराहट में लगा कि वे वही सिपाही थे, जो उसे अपार्टमेंट में मिले थे, लेकिन वे जब आगे बढ़े तो सिएना ने देखा कि वे भी सैलानी ही थे, इतालवी सैलानी। उसने उनके स्टाइलदार काले चमड़े से अंदाज़ा लगाया।

उनके बारे में अंदाज़ा लगते ही सिएना ने एक सैलानी का हाथ पकड़ा और उसकी ओर भरसक गर्माहट के साथ मुस्कान बिखेरी। उसने इतालवी में पूछा कि *महल के पोशाकों वाली मशहूर गैलरी का रास्ता किधर से जाता है। उसने बात आगे बढ़ाते हुए इतालवी में कहा, 'मैं और मेरा भाई व्यक्तिगत तौर पर वे जगह देखना चाहते थे, लेकिन उन्हें देर हो रही थी।'*

'*अवश्य।*' वह आदमी उन दोनों की तरफ देखकर मुस्कराया। वह उनकी मदद करने के लिए तत्पर दिखाई दे रहा था। '*इसी रास्ते पर सीधे आगे जाओ।*' उसने मुड़कर पश्चिम की ओर चारदीवारी के साथ-साथ चल रहे रास्ते की तरफ इशारा किया, जो उस दिशा के ठीक विपरीत था जिधर लैंग्डन देख रहा था।

'*बहुत शुक्रिया।*' सिएना ने फिर से मुस्कराते हुए जवाब दिया। दोनों लोग आगे बढ़ गए।

लैंग्डन ने सिएना की तरफ संतुष्ट होकर देखा। शायद वह उसके मकसद को समझ रहा था। अगर पुलिस सैलानियों से पूछताछ करेगी तो शायद उन्हें पता चलेगा कि लैंग्डन और सिएना पोशाकों वाली गैलरी की तरफ गए हैं, जो दीवार पर लगे नक्शे के अनुसार महल के सुदूर पश्चिमी छोर पर बना था. . .वे जिस दिशा में आगे बढ़ रहे थे उससे यथासंभव सबसे अधिक दूरी पर।

'हमें वहाँ, उस रास्ते पर पहुँचना होगा।' रास्ते के आगे खुला चौराहा था। रंग बिरंगी बजरियों से बना वह रास्ता महल से दूर एक दूसरी पहाड़ी की ओर जा रहा था। लैंग्डन उसी तरफ इशारा कर रहा था। इस रास्ते के दोनों तरफ ऊपर की तरफ जाते हुए घनी झाड़ियाँ थीं, जहाँ उन्हें ढूँढ़ रहे अधिकारियों की नज़रों से बचने के लिए काफी जगह थी। अधिकारी अब उनसे मुश्किल से कुछ सौ गज की दूरी पर थे।

सिएना ने अंदाज़ा लगाया कि खुली जगह को पार कर झाड़ियों वाली जगह पर सुरक्षित पहुँचने की संभावना काफी कम थी। सैलानी अब वहाँ इकट्ठा हो रहे थे और पुलिस को

उत्सुकता भरी नज़रों से देख रहे थे। नज़दीक आ रहे ड्रोन की हल्की-सी घनघनाहट फिर से सुनाई दे रही थी।

'अभी या कभी नहीं।' लैंग्डन ने उसका हाथ पकड़ा और घसीटते हुए खुले मैदान की तरफ जाने लगा। वहाँ जमा सैलानियों के बीच वे अपना रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ रहे थे। सिएना का मन हो रहा था कि वह दौड़कर इसे पार कर ले, लेकिन लैंग्डन ने उसका हाथ कसकर पकड़ा हुआ था। भीड़ के बीच वे दोनों झटकते हुए चल रहे थे, लेकिन अपने चेहरे पर उन्होंने शांत भाव बरकरार रखा था।

आख़िरकार वे जब रास्ते के छोर पर पहुँचे तो सिएना ने पीछे मुड़कर देखा कि उन्हें किसी ने देखा तो नहीं। वहाँ दिखाई दे रहे सभी पुलिस वालों की पीठ उनकी ओर थी। उनकी आँखें ऊपर की ओर लगी थी, जहाँ से नज़दीक आ रहे ड्रोन की घरघराहट सुनाई दे रही थी।

वह सीधी हो गई और लैंग्डन के साथ तेज़ी से उस रास्ते पर आगे बढ़ने लगी।

दूर उन्हें पेड़ों की फुनगियों को चीरते हुए खड़े फ़्लोरेंस की इमारतों के शिखर दिखाई दे रहे थे। उसे लाल खपड़ैल वाले डुओमा का गुंबद दिखाई दे रहा था। सामने जिओटो के घंटाघर का हरे, लाल और सफेद रंग का मीनार भी दिखाई दे रहा था। एक पल के लिए उसे लगा कि पलात्जो वेखियो की झरोखेदार मीनार भी उसे दिखाई दी, जो उनका असंभव गंतव्य था, लेकिन जब वे रास्ते से नीचे की ओर उतर रहे थे तो ऊँची चारदीवारी की वजह से यह सब दिखाई देना बंद हो गया।

पहाड़ी की तलहटी में पहुँचते पहुँचते, सिएना की साँस फूलने लगी थी। वह मन-ही-मन सोच रही थी कि लैंग्डन को अपने गंतव्य का पता भी है या नहीं। रास्ता आगे मक्के के खेत में खुलता था, लेकिन लैंग्डन पूरे आत्मविश्वास के साथ बाई तरफ बने बजरीदार आँगन जैसी जगह की ओर मुड़ गया। आँगन के अगल बगल झाड़ियों के पीछे छिपता हुआ वह आगे बढ़ रहा था। ऊपर पेड़ों की छाया थी। आँगन बिलकुल निर्जन था। देखने से यह वहाँ काम करने वाले लोगों की गाड़ियाँ पार्क करने की जगह ज़्यादा और सैलानियों की जगह कम लग रही थी।

'हम कहाँ जा रहे हैं?' सिएना ने आख़िरकार हाँफते हुए पूछा।

'बस, पहुँचने ही वाले हैं।'

कहाँ पहुँचने वाले हैं? उस आँगन जैसी जगह के चारों तरफ ऊँची दीवारें बनी थी, जो कम-से-कम तीन-माले ऊँची इमारत के बराबर थी। सिएना को बाहर जाने का एक ही रास्ता दिखाई दे रहा था–गाड़ियों के आने जाने के लिए बाईं ओर बना दरवाज़ा जिस पर लोहे का विशाल दरवाज़ा लगा था। इसे देखकर ऐसा लगता था मानो इसे महल के साथ ही बनाया गया था जब यहाँ पर बाहरी फौजों का हमला होता रहता था। इस बैरिकेड के आगे

उसे पिआत्ज़ा डेई पिट्टी में पुलिस के लोग जमा दिखाई दे रहे थे।

किनारे पर उगी झाड़ियों के साथ-साथ लैंग्डन आगे बढ़ रहा था। वह अब उनके सामने दिखाई दे रही दीवार की तरफ जा रहा था। सिएना ने बाहर निकलने का दरवाज़ा ढूँढ़ने के लिए चारों तरफ नज़र दौड़ाई, लेकिन उसे बस एक छोटा-सा ताखा दिखाई पड़ा, जिसमें एक मूर्ति रखी थी। वैसी बदसूरत मूर्ति सिएना ने अपनी ज़िंदगी में पहली बार देखी थी।

हे भगवान, मेडिची चाहे, जो मूर्ति हासिल कर सकता था और उसने इस मूर्ति को चुना?

उनके सामने की मूर्ति में एक मोटे, नग्न बौने को एक विशाल कछुए पर बैठा हुआ दर्शाया गया है। बौने के अंडकोष कछुए के खोल से कुचले

हुए थे और कछुए के मुँह से पानी टपक रहा था, मानो वह बीमार हो।

उस ताखे में एक बौने की मूर्ति थी, जो कछुए पर सवार था। 'यह ब्रैकियो डि बार्तोलो है–मशहूर दरबारी बौना। अगर मुझसे पूछो तो उन्हें इस मूर्ति को उस विशाल बाथटब में रखना चाहिए था।

लैंग्डन तेज़ी से अपनी दाहिनी ओर मुड़ा और सीढ़ियों से नीचे की तरफ जाने लगा। सिएना की अब तक इस पर नज़र नहीं पड़ी थी।

बाहर निकलने का रास्ता?

उम्मीद की किरण क्षणिक साबित हुई।

सिएना जब कोने की ओर मुड़कर लैंग्डन के साथ सीढ़ियों से नीचे जाने लगी तो उसे समझ में आया कि आगे रास्ता बंद था। सामने की दीवार दूसरी दीवारों से भी अधिक ऊँची थी।

इसके अलावा, सिएना को लगा कि उनकी लंबी यात्रा किसी गुफा के मुहाने पर ख़त्म होने वाली थी. . .पीछे की दीवार में खुदा हुआ एक गहरा ताखा। *वह हमें इस जगह तो नहीं ले जा सकता?*

गुफा के बड़े आकार के मुहाने पर, चूना पत्थरों के बीच पानी रिसने से बने तलवार जैसी आकृतियाँ लटक रही थी जिन्हें देखकर डर लगता था। आगे, गुफा के अंदर तुड़ी मुड़ी भूगर्भीय रचनाएँ इस तरह दिखाई दे रही थी जैसे पत्थर पिघल रहे हों। वे ऐसी आकृतियाँ बना रही थीं जिन्हें देखकर ज़मीन में आधे गड़े मनुष्यों का अहसास होता था, जो दीवार से बाहर की तरफ निकल रहे थे। ऐसा लगता था जैसे चट्टान उन्हें खा रहे हों। सिएना को यह देखकर भय हुआ। इस पूरे दृश्य को देखकर सिएना को बोटीचेली के माप्पा डेल *इन्फर्नो* की याद आने लगी।

पता नहीं क्यों, लैंग्डन पर इसका कोई असर नहीं दिखाई दे रहा था। वह तेज़ी से गुफा के प्रवेश-द्वार की तरफ बढ़ रहा था। उसने पहले वेटिकन सिटी के बारे में एक टिप्पणी की थी, लेकिन सिएना को यकीन था कि होली-सी की दीवारों के भीतर इस तरह की अजीब-सी

गुफा नहीं थी।

जब वे नज़दीक पहुँचे तो सिएना की नज़र प्रवेश-द्वार के ऊपर दूर तक खंभों पर बने नक्काशीदार मेहराब जैसी संरचना पर पड़ी। देखने में यह भुतहा लग रहा था, जो चूने पत्थर के अंदर से पानी रिसने और बाहर की ओर निकल रहे चट्टानों से बना था। ऐसा लग रहा था जैसे ये दो लेटी हुई औरतों को घेरती हुई ढाल थी जिस पर छह गोले गुंथे हुए थे। इसे 'पल्ले' कहा जाता था यानी की मेडिची का मशहूर मुकुट।

लैंग्डन अचानक प्रवेश द्वार की दूसरी तरफ यानी अपनी बाईं ओर मुड़ा। उस संरचना पर सिएना की अभी तक नज़र नहीं पड़ी थी। गुफा की बाई तरफ एक छोटा-सा धूसर रंग का दरवाज़ा। यह काफी पुराना और टूटा-फूटा-सा दिख रहा था। देखने से यह कतई महत्त्वपूर्ण नहीं लग रहा था, ज़मीन पर लैंडस्केपिंग के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले औजारों को रखने के लिए बनाया स्टोर रूम की तरह।

लैंग्डन जल्दी से उस दरवाज़े के पास गया। उसे लगा कि शायद वह इसे खोल पाएगा, लेकिन दरवाज़े पर कोई हैंडल नहीं था। वहाँ बस पीतल के ताले का छेद दिखाई दे रहा था। ऐसा लग रहा था कि इसे सिर्फ अंदर से खोला जा सकता था।

'धत्तेरे की।' लैंग्डन की आँखों में चिंता की छाया दिखाई दे रही थी। उसका पुरानी उम्मीद अब बुझती हुई लग रही थी। 'मैं उम्मीद कर रहा था. . .'

बिना किसी चेतावनी के ऊँची दीवार की दूसरी ओर से ड्रोन की कर्कश आवाज़ दोबारा सुनाई दे रही थी। सिएना ने मुड़कर देखा। महल के ऊपर उड़ रहा ड्रोन अब उनकी तरफ आ रहा था।

लैंग्डन ने भी साफ साफ इसे देखा। उसने सिएना का हाथ कसकर पकड़ लिया और दौड़कर गुफा की तरफ जाने लगा। वे ड्रोन की नज़रों से ऐन वक़्त पर किसी तरह बचते हुए आगे बढ़े और चूना पत्थर के रिसने से बनी संरचना के नीचे जाकर छिप गए।

बहुत ही सटीक अंत, उसने सोचा। नरक के दरवाज़ों को पार करते हुए पहुँचना।

28

पूरब की ओर चौथाई मील की दूरी पर वाएंथा ने अपनी मोटरसाइकिल पार्क की। वह पोंटे एले ग्रेजी को पार कर शहर में दाखिल हुई थी। वहाँ से उसने पिट्टी पैलेस और पुराने शहर को जोड़ने वाले पोंटे वेखियो के पैदल-पुल को पार किया था। अपने हेलमेट को अपनी बाइक के साथ ताले से बाँधकर वह पुल पर चल पड़ी, जहाँ वह सुबह के सैलानियों की भीड़ में खो गई।

नदी से होती हुई मार्च की ठंढी हवा वाएंथा के छोटे-छोटे नुकीले बालों को उड़ा रही थी। उसे याद आ रहा था कि लैंग्डन को उसकी शक्ल सूरत का अंदाज़ा था। पुल पर सामान बेचने वाले एक दुकानदार के पास रुककर उसने एमो फरेंज कंपनी की बेसबॉल टोपी खरीदी। उसने टोपी को हल्के से नीचे की तरफ झुका कर अपना चेहरा छुपा लिया।

हैंडगन के उभार को छुपाने के लिए उसने चमड़े के सूट की सलवटों को सीधा किया और पुल के बीच में जाकर जम गई। वह पिट्टी पैलेस के सामने वाले एक खंभे की टेक लेकर खड़ी हो गई। यहाँ से वह अर्नो को पार कर फ्लोरेंस शहर के मध्य भाग की ओर जा रहे लोगों पर निगरानी रख सकती थी।

लैंग्डन पैदल है, उसने मन-ही-मन सोचा। *अगर वह पोर्टा रोमाना के बगल वाला रास्ता लेता है तो शहर में घुसने के लिए इस पुल को पार करना उसके लिए सबसे सटीक होगा।*

पश्चिम की तरफ पिट्टी पैलेस की दिशा में उसे सायरन की आवाज़ सुनाई दे रही थी। वह समझ नहीं पा रही थी कि यह एक अच्छी ख़बर थी या बुरी। *क्या वे अब भी मेरी तलाश में लगे हैं? या उन्होंने उसे पकड़ लिया है?* वाएंथा सावधानी से उस दिशा में अपने कान लगाकर आवाज़ों को सुनने की कोशिश कर रही थी, ताकि उसे पता चल सके कि वहाँ क्या हो रहा था। उसे एक नए किस्म की आवाज़ सुनाई दी–ऊपर तेज़ घरघराहट सुनाई दे रही थी। उसकी आँखें ख़ुद ब ख़ुद आसमान की ओर मुड़ गई। उसने देखा के पैलेस के ऊपर एक छोटा-सा रिमोट-कंट्रोल वाला हेलीकॉप्टर उड़ रहा था। हेलीकॉप्टर तेज़ी से पेड़ों की फुनगियों की तरफ नीचे आकर बोबोली गार्डन के उत्तर पश्चिमी कोने की ओर जा रहा था।

जासूसी ड्रोन, वाएंथा के दिल में उम्मीद की किरण जगी। *अगर यह अब भी उड़ रहा है तो इसका मतलब है कि ब्रूडर अब तक लैंग्डन को गिरफ्तार नहीं कर सका है।*

ड्रोन तेज़ी से नज़दीक आ रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे यह बाबोली गार्डन के उत्तर-पश्चिमी कोने की छानबीन कर रहा था। यह कोना पोंटे वेखियो और वाएंथा के स्थान से सबसे करीब था। इसे देखकर उसका उत्साह और भी बढ़ गया।

अगर लैंग्डन ब्रूडर से बचकर निकल गया है तो फिर वह बेशक इसी दिशा में आ रहा होगा।

वाएंथा के देखते देखते अचानक ड्रोन पत्थर की दीवार के पीछे जाकर उसकी नज़रों से ओझल हो गया। वह इसके आसमान में चक्कर काटने की आवाज़ पेड़ों की फुनगियों के नीचे सुन पा रही थी. . .शायद इसे कुछ काम की चीज़ नज़र आई थी।

29

ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा, नीम रोशनी वाले ताखे में सिएना के साथ छुपा लैंग्डन सोच रहा था। *हम बाहर निकलने का रास्ता ढूँढ़ रहे थे . . .और इस बंद जगह में आकर फँस गए।*

गुफा के बीचो बीच बना बिना किसी ख़ास शक्ल वाले फव्वारे से उन्हें छिपने की अच्छी जगह मिल रही थी, लेकिन जैसे ही उसने बाहर की तरफ झाँका तो उसे लगा कि अब देर हो चुकी थी।

ड्रोन अचानक तेज़ी से नीचे आया और दीवार से घिरी इस जगह के पास आकर, गुफा के ठीक बाहर ठहर गया। ड्रोन ज़मीन से महज दस फुट की ऊँचाई पर आसमान में बिलकुल स्थिर था। गुफा में बने ताखे के सामने इसकी तेज़ घनघनाहट सुनाई दे रही थी जैसे अपने शिकार की तलाश में कीड़ा गुस्से से भनभना रहा हो।

लैंग्डन झट से पीछे हो गया। उसने सिएना को यह बुरी ख़बर सुनाई। 'मुझे लगता है कि ड्रोन को हमारे यहाँ होने की जानकारी है।'

गुफा के भीतर ड्रोन की तेज़ आवाज़ कान के परदे फाड़ रही थी। इसकी आवाज़ पत्थर की दीवारों से टकराकर तेज़ी से वापस लौट रही थी। लैंग्डन को यह सोच कर हैरानी हो रही थी कि खिलौने जैसा यह हेलीकॉप्टर उन्हें बंधक बनाए हुए था, लेकिन उसे पता था कि भागने की कोशिश बेकार होती। *फिर हमें क्या करना चाहिए? इंतजार?* इस धूसर दरवाज़े के पार जाने की उसकी शुरुआती योजना सही थी, लेकिन उसे मालूम नहीं था कि यह दरवाज़ा सिर्फ अंदर से खुलता था।

लैंग्डन की आँखें जब ताखे के अंधेरे से थोड़ी अभ्यस्त हुई, तो वह इसके आसपास के विचित्र से माहौल को देखने लगा। वह उस जगह से बाहर निकलने का दूसरा रास्ता तलाश कर रहा था। उसे कोई ख़ास संभावना नहीं दिखाई दे रही थी। गुफा के भीतरी हिस्से में इंसानों और जानवरों की मूर्तियाँ बनी थी जिन्हें अजीब ढंग से बाहर की ओर निकली गुफा की दीवारें जैसे खा रही थी। दुखी होकर लैंग्डन छत की ओर देखने लगा, जहाँ चूना पत्थर से पानी रिसने के कारण तरह तरह की आकृतियाँ लटकी हुई दिखाई दे रही थी।

मरने के लिए अच्छी जगह !

इस स्थान को बुओनटेलेंटी ग्रोट्टो कहा के नाम से जाना जाता था, क्योंकि इसे मशहूर आर्किटेक्ट बरनार्डो बुओनटेलेंटी ने बनाया था। यह स्थान पूरे फ़्लोरेंस में सबसे अजीब-सी दिखने वाली जगह मानी जाती थी। इस जगह को पिट्टी के महल में आने वाले बाल-अतिथियों के मनोरंजन के लिए बनाया गया था। तीन चेंबरों वाली गुफाओं के इस कक्ष को

प्राकृतिक फंतासी के साथ गोथिक अतिरंजकता को मिला कर बनाया गया था। इसे बनाने के लिए ऊपर से चू रहे चूना पत्थर या ज्वालामुखी से निकले पिघले, हल्के पत्थरों का इस्तेमाल किया गया था, जो दीवार पर बनी तस्वीरों को या तो बनाती हुई या उन्हें खाती हुई दिखाई देती थी। मेडिची के समय में इस गुफा के भीतरी दीवार के साथ-साथ पानी बहता रहता था जिसकी वजह से ताखा और भी बाहर की तरफ निकला हुआ दिखाई देता था। अंदर बहते हुए पानी के कारण टस्कन क्षेत्र की गर्मी को थोड़ा ठंडा रखने में सहायता मिलती थी और साथ ही यह असली गुफा की तरह भी दिखाई देती थी।

लैंग्डन और सिएना बीच वाले फव्वारे के पीछे पीछे बने चेंबर में छिपे थे। यह गुफा का सबसे बड़ा और पहला चेंबर था, जो बाहर से नज़र नहीं आता था। उनके चारों तरफ गड़ेरियों, किसानों, संगीतकारों, जानवरों और यहाँ तक कि माइकेल एंजेलो के चार कैदियों की आकृतियाँ बनी थीं। ये सभी तरल दिख रही दीवार से जैसे बाहर निकलने की तलाश में थे जिसने उन्हें चारों ओर से घेर रखा था। ऊपर छत में बने गोल छेद से सुबह की रोशनी छन छन कर अंदर आ रही थी। किसी समय इस छेद में एक शीशे का एक विशाल गोला होता था, जिसमें पानी भरा होता था। इस गोले के भीतर सूरज की रोशनी में तैरती हुई चटक लाल रंग की कार्प मछली दिखाई देती थी।

लैंग्डन सोच रहा था कि पुनर्जागरण काल में यहाँ आने वाले लोग असली हेलीकॉप्टर को गुफा के दरवाज़े के बाहर आसमान में मंडराता देखकर क्या सोचते। आख़िर हेलीकॉप्टर भी तो इटली के अपने लिओनार्दो दा विंची का ही सपना था।

ठीक उसी समय ड्रोन की तेज़ घरघराहट बंद हो गई। ऐसा नहीं लगा जैसे ड्रोन दूर जा रहा था, बल्कि आवाज़ अचानक पूरी तरह बंद हो गई थी।

लैंग्डन ने हैरान होकर फव्वारे के पीछे से झाँका। उसने देखा कि प्लाजा की बजरी पर ड्रोन नीचे उतर गया था। अब वह कम ख़तरनाक लग रहा था, क्योंकि इसके सामने वाले हिस्से में डंक की तरह दिखाई देने वाला वीडियो लेंस उनकी दूसरी तरफ था, छोटे-से धूसर दरवाज़े की तरफ।

लैंग्डन के दिल में पैदा हुआ राहत का अहसास क्षणिक था। ड्रोन के पीछे करीब सौ गज की दूरी पर, कछुए और बौने की मूर्ति के पास हथियारों से लदे हुए तीन सिपाही सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे वे कुछ सोच समझकर सीधे ताखे की तरफ बढ़ रहे थे।

सिपाहियों ने परिचित शैली की काली पोशाक पहन रखी थी। कंधे पर हरे रंग के तमगे जड़े थे। उनका नेतृत्व करने वाले व्यक्त की नीली आँखें जैसे सूनी सूनी लग रही थी जिसे देखकर लैंग्डन की आँखों में प्लेग वाले मुखौटे का दृश्य कौंध गया।

मैं मौत हूँ।

लैंग्डन को उनकी वैन या सफेद बालों वाली रहस्यमय महिला कहीं नहीं दिखाई दी।

मैं जीवन हूँ।

सिपाही आगे बढ़ रहे थे। उनमें से एक सबसे नीचे वाली सीढ़ी के पास आकर रुका और पीछे मुड़ गया। लग रहा था जैसे वह दूसरे किसी व्यक्ति को यहाँ आने से रोकने के लिए ऐसा कर रहा था। बाकी दोनों सिपाहियों ने गुफा की ओर बढ़ना जारी रखा।

लैंग्डन और सिएना फिर से सक्रिय हो गए, हालाँकि अवश्यंभावी को थोड़ी देर के लिए ही टालना संभव था। वे लोग हाथ और पैरों के बल पीछे की ओर रेंगते हुए गुफा के दूसरे चेंबर में आ गए। यह पहले वाले चेंबर से छोटा, गहरा और अंधेरा था। यहाँ भी बीचों बीच एक कलाकृति बनी थी–आलिंगनबद्ध प्रेमियों की मूर्ति। लैंग्डन और सिएना इसके पीछे जाकर फिर से छुप गए।

मूर्ति के निचले हिस्से से अंधेरे की आड़ में छिपे लैंग्डन ने अंदर आ रहे अपने हमलावरों को देखा। ड्रोन के पास पहुँचकर दोनों सिपाहियों में से एक नीचे झुका और उसने कैमरे की जाँच पड़ताल शुरू कर दी।

क्या ड्रोन के कैमरे ने हमें देख लिया? लैंग्डन उधेड़बुन में था। उसे डर था कि उसे इसका जवाब मालूम था।

तीसरा और आख़िरी सिपाही, जिसका शरीर गठीला और आँखें बिलकुल ठंडी दिखाई देती थी, ध्यानपूर्वक लैंग्डन की ओर बढ़ रहा था। अब वह तकरीबन गुफा के प्रवेशद्वार तक पहुँच चुका था। *वह अंदर आ रहा है,* लैंग्डन पीछे हटकर सिएना को बताना चाहता था कि खेल ख़त्म हो चुका था, लेकिन उसी समय एक अप्रत्याशित बात हुई।

ताखे के अंदर घुसने की बजाय सिपाही अचानक बाईं तरफ मुड़ा और नज़रों से ओझल हो गया।

वह कहाँ जा रहा है? उसे मालूम नहीं कि हम यहाँ हैं?

कुछ ही पल बाद लैंग्डन ने धम धम की आवाज़ सुनी। कोई मुक्के से लकड़ी पर दस्तक दे रहा था।

छोटा-सा धूसर दरवाज़ा, लैंग्डन ने सोचा। *उसे ज़रूर पता होगा कि यह कहाँ जाता है।*

पिट्टी पैलेस के चौकीदार अर्नेस्टो रुस्सो की दिली ख़्वाहिश थी कि वह यूरोपियन फुटबॉल में हिस्सा ले, लेकिन उनतीस साल की उम्र और भारी शरीर के कारण वह धीरे-धीरे यह स्वीकार करने लगा था कि उसके बचपन का सपना कभी पूरा नहीं होने वाला था। पिछले तीन सालों से वह पिट्टी पैलेस में गार्ड का काम कर रहा था। एक ही दड़बे जैसे दफ्तर में,

एक ही तरह का उबाऊ काम।

उसके दफ्तर के छोटे-से दरवाज़े पर कोई-न-कोई सैलानी दस्तक देता ही रहता था। प्रायः वह इसे नज़रअंदाज़ कर देता था और दस्तक बंद हो जाता था, लेकिन आज कोई ज़ोर-ज़ोर से लगातार दरवाज़ा पीट रहा था।

नाराज़ होकर उसने अपना ध्यान टीवी की ओर लगाने की कोशिश की, जिसमें फुटबॉल का कोई पुराना मैच चल रहा था–फिओरेंटिना और युवेंटस के बीच, लेकिन दस्तक की आवाज़ तेज़ होती जा रही थी। अंत में मन-ही-मन उस सैलानी को कोसता हुआ वह अपने दफ्तर के संकरे से कॉरिडोर को पार कर आवाज़ की दिशा में चल पड़ा। आधी दूरी तय करने के बाद वह स्टील के विशाल दरवाज़े के सामने जाकर रुक गया, जो ख़ास समय पर ही खुलता था और बाकी समय बंद रहता था।

उसने ताले में अंकों को क्रम से दबाया और गेट का छोटा दरवाज़ा खुल गया। उसने दरवाज़े का पल्ला खींच कर एक तरफ कर दिया। बाहर आकर उसने निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अपने पीछे दरवाज़े को फिर से बंद कर दिया। इसके बाद वह लकड़ी के दरवाज़े की ओर बढ़ गया।

उसने दरवाज़े के भीतर से इतालवी में आवाज़ लगाई, *बंद है।* वह उम्मीद कर रहा था कि बाहर खड़ा आदमी उसकी बात सुन लेगा। *यहाँ से तुम अंदर नहीं आ सकते।* उसने इतालवी में कहा।

दरवाज़े का पीटना जारी रहा।

अर्नेस्टो ने अपने दाँत भींच लिए। ये न्यूयॉर्क के लोग, वह गुस्से में बुदबुदा रहा था। उन्हें कुछ चाहिए तो चाहिए। उनकी रेड बुल टीम दुनिया-भर में केवल इसलिए कामयाब हो रही थी, क्योंकि उन्होंने यूरोप के सबसे अच्छे कोच को चुरा लिया था।

दरवाज़े का पीटना अब भी जारी था। अर्नेस्टो ने अनमने ढंग से कुछ इंच के लिए दरवाज़ा खोलकर कहा, बंद है।

आख़िरकार दरवाज़े का पीटना बंद हो गया। अर्नेस्टो के सामने एक सिपाही खड़ा था। उसकी आँखें इतनी बेधती हुई दिखाई दे रही थी कि वह सहमकर पीछे हट गया। सिपाही ने अपना आधिकारिक तमगा दिखाया जिस पर लिखे संक्षिप्त नाम को अर्नेस्टो नहीं पहचानता था।

‘*क्या हो रहा है?*’ अर्नेस्टो ने चिंतित होकर सवाल किया।

सिपाही के पीछे एक दूसरा आदमी झुककर एक खिलौने की तरह दिख रहे हेलीकॉप्टर को उलट पलट रहा था। आगे थोड़ी और दूरी पर सीढ़ियों के पास एक तीसरा सिपाही तैनात था। अर्नेस्टो को पास ही पुलिस सायरन की आवाज़ सुनाई दी।

‘क्या तुम्हें अंग्रेज़ी आती है?’ सिपाही के बोलने के लहज़े से पता चल रहा था कि वह

न्यूयॉर्क का तो कतई नहीं था। *शायद यूरोप में कहीं का होगा।*
'हाँ, थोड़ी थोड़ी।' अर्नेस्टो ने सिर हिलाते हुए कहा।
'क्या सुबह से इस दरवाज़े से कोई अंदर आया है?'
'नहीं, सर, कोई नहीं।'
'बहुत अच्छे। दरवाज़े को बंद रखो। कोई भी व्यक्ति भीतर से बाहर या बाहर से भीतर नहीं जाना चाहिए। समझ गए?'
अर्नेस्टो ने अपने कंधे उचकाए। यही तो उसका काम था। *'जी सर, समझ गया। न कोई अंदर जाएगा, न अंदर से बाहर आएगा।'*
'ये बताओ कि क्या अंदर जाने के लिए यही एक दरवाज़ा है?'
अर्नेस्टो ने इस सवाल पर सोचना शुरू किया। तकनीक ढंग से इस दरवाज़े को बाहर निकलने का रास्ता माना जाता था। इसीलिए इसमें बाहर की तरफ कोई हैंडल नहीं था, लेकिन वह उस आदमी की बातों का मतलब समझ रहा था। 'हाँ, अंदर आने का यही एक रास्ता है। दूसरा कोई भी नहीं।' महल के भीतर बने मूल दरवाज़े को कई साल पहले बंद कर दिया गया था।
'और बोबोली गार्डन से बाहर निकलने का कोई गुप्त दरवाज़ा भी है? सामान्य तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले दरवाज़ों के अलावा?'
'नहीं, *सर।* चारों तरफ ऊँची ऊँची दीवारें हैं। यही एक गुप्त दरवाज़ा है।'
सिपाही ने सिर हिलाया। 'सहयोग के लिए शुक्रिया।' उसने अर्नेस्टो को दरवाज़ा बंद कर लेने को कहा।
अर्नेस्टो हैरान था, लेकिन उसने उसकी बात मान ली। इसके बाद वह कॉरिडोर की तरफ चला गया, जहाँ उसने लोहे के दरवाज़े को खोला। अंदर जाकर उसने दरवाज़े को फिर बंद कर दिया। वह दोबारा फुटबॉल मैच देखने लगा।

30

लैंग्डन और सिएना ने मौके का भरपूर फायदा उठाया।

तगड़ा दिखने वाला सिपाही जिस वक़्त दरवाज़ा पीट रहा था, वे लोग गुफा के और भी अंदर घुस गए। वे अब इसके आख़िरी चेंबर में पहुँच चुके थे। इस छोटी-सी जगह में ग्रीक मिथकों में चर्चित बकरी के कान वाले आदमी और अनेक आकृतियों को साथ लेकर बनाए गए खुरदरी कलाकृतियाँ चारों तरफ दिखाई दे रही थी। वहाँ बीचों बीच नहाते हुए वीनस, *बेदिंग वीनस*, की आदमकद मूर्ति बनी थी, जो स्वाभाविक रूप से घबराई हुई स्थिति में पीछे की तरफ मुड़कर देख रही थी।

लैंग्डन और सिएना मूर्ति के लिए बने चबूतरे के दूर वाले छोर पर जाकर इंतज़ार करने लगे। वे लोग लगातार गोलाकार चूने पत्थर के लटकन की तरफ देख रहे थे, जो गुफा के सबसे भीतरी हिस्से तक दिखाई दे रहा था।

'सभी निकास द्वार से सुरक्षित होने की ख़बर मिल रही है।' बाहर किसी सिपाही की आवाज़ सुनाई दी। वह अंग्रेज़ी में बोल रहा था, लेकिन उसकी आवाज़ में लंदन का लहज़ा था जिसे लैंग्डन पकड़ नहीं पाया। 'ड्रोन को वापस भेज दो। मैं गुफा को जाकर देखता हूँ।'

लैंग्डन को महसूस हुआ कि उससे सटकर बैठी सिएना की देह अकड़ रही थी।

कुछ ही सेकंड बाद गुफा के अंदर भारी बूटों की आवाज़ सुनाई दी। कदमों की आहट ने तेज़ी से पहला चेंबर पार किया। दूसरे चेंबर में पहुँचने पर यह आवाज़ और भी तेज़ सुनाई दे रही थी। वे लोग सीधे उसी की तरफ आ रहे थे।

लैंग्डन और सिएना सटकर बैठ गए।

'सुनो,' किसी दूसरे व्यक्ति की आवाज़ सुनाई दी। 'हमने उन्हें पकड़ लिया है।'

कदमों की आवाज़ बंद हो गई।

लैंग्डन को बजरी वाले रास्ते से होकर गुफा की तरफ तेज़ी से आते हुए किसी के पैरों की आवाज़ सुनाई दे रही थी। 'पक्की पहचान' हाँफते हुए स्वर में किसी ने कहा। 'हमने अभी कुछ सैलानियों से बात की है। कुछ ही देर पहले एक मर्द और एक औरत उनसे महल के कॉस्ट्यूम गैलरी का रास्ता पूछ रहे थे. . .जो पालात्ज़ो के पश्चिमी छोर पर है।'

लैंग्डन ने सिएना की तरफ देखा। सिएना हौले हौले मुस्कराती दिख रही थी।

सिपाही ने अपनी साँसें स्थिर की और बोलना जारी रखा। 'सबसे पहले पश्चिमी निकास द्वार को सील किया गया. . .हमें इस बात का पक्का यकीन है कि हमने उन्हें बगीचे के भीतर घेर लिया है।'

'अपने मिशन को पूरा करो।' नज़दीक वाला सिपाही चिल्लाया। 'कामयाबी मिलते ही मुझे

ख़बर करो।'

बजरी वाले रास्ते पर कई लोगों के जाने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। लिफ्ट के उड़ने की आवाज़ भी आ रही थी और फिर, शुक्र था, बिलकुल शांति।

लैंग्डन बगल की तरफ मुड़कर चबूतरे के दूसरी तरफ झाँकने ही वाला था कि सिएना ने उसकी बाँह पकड़कर उसे रोक दिया। उसने उंगलियों को होंठों पर रखकर पीछे की दीवार पर उभरी इंसान की आकृति वाली एक परछाई की ओर इशारा किया। सबसे आगे चलने वाला सिपाही अब भी गुफा के दरवाज़े पर खड़ा था।

वह किस चीज़ का इंतज़ार कर रहा है?

'वह ब्रूडर है।' उसने अचानक कहा। 'हमने उन्हें घेर लिया है। मैं आपको बहुत जल्दी पक्की ख़बर देता हूँ।'

उस आदमी ने किसी को फोन किया था और उसकी आवाज़ डरावने ढंग से करीब लग रही थी। लग रहा था जैसे वह ठीक उनके साथ खड़ा हो। गुफा पैराबोला की शक्ल में बने माइक्रोफोन का काम कर रहा था, जो अपने आसपास की आवाज़ को इकट्ठा कर पीछे फेंक रहा था।

'कुछ और भी बातें हैं,' ब्रूडर ने कहा। 'मुझे फोरेंसिक से अभी ख़बर मिली है। उस औरत का अपार्टमेंट किसी दूसरे के नाम पर किराए पर लिया गया था। वहाँ बहुत ही कम सामान था। साफ पता लग रहा था कि इसे कम समय के लिए किराए पर लिया गया था। हमने बायोट्यूब को ढूँढ़ लिया, लेकिन प्रोजेक्टर नहीं मिल पाया। दोबारा कह रहा हूँ, प्रोजेक्टर नहीं मिला। हमें मान कर चलना होगा कि यह अब भी लैंग्डन के पास है।'

सिपाही के मुँह से अपना नाम सुनकर लैंग्डन भीतर से काँप गया।

कदमों की आहट और भी तेज़ हो गई थी। लैंग्डन को लगा जैसे वह आदमी गुफा के अंदर घुस रहा था। उसके कदमों में वह चुस्ती नहीं दिखाई दे रही थी, जो थोड़ी ही देर पहले थी। उसे लगा कि वह यूँ ही इधर-उधर टहलता हुआ गुफा पर नज़र डाल रहा था।

'ठीक है।' उस आदमी ने कहा। 'फोरेंसिक ने यह भी कहा है कि अपार्टमेंट में हम लोगों के घुसने के थोड़ी ही देर पहले बाहर कॉल किया गया था।'

अमेरिकी कांसुलेट, लैंग्डन ने सोचा। उसे फोन पर की गई अपनी बातचीत याद आ रही थी, जिसके तुरंत बाद नुकीले ढंग से बाल काढ़ी महिला कातिल अंदर आई थी। पता नहीं कहाँ वह औरत गायब ही हो गई थी। उसकी जगह प्रशिक्षित सिपाहियों का दस्ता दिखाई दे रहा था।

हम हमेशा उनसे बचकर नहीं निकल सकते।

पत्थर के फर्श पर सिपाही के भारी जूतों की आवाज़ अब महज बीस फुट की दूरी पर सुनाई दे रही थी। आवाज़ नज़दीक आ रही थी। वह आदमी अब दूसरे चेंबर में आ चुका था।

अगर वह इस छोर तक बढ़ता रहा तो निश्चय ही वह *वीनस* की मूर्ति के संकरे से चबूतरे के पास दुबका हुआ देख लेगा।

'सिएन ब्रुक्स।' उस आदमी ने अचानक बोला। उसकी आवाज़ बिलकुल स्पष्ट थी।

लैंग्डन के साथ बैठी सिएना अचानक घबरा गई। उसकी आँखें घबराहट में ऊपर की तरफ हो गई। उसे लगा कि सिपाही उसकी तरफ देखकर घूर रहा होगा, लेकिन वहाँ कोई नहीं था।

'वे अब उसके लैपटॉप की जाँच पड़ताल कर रहे हैं।' आवाज़ जारी थी। तकरीबन दस फुट की दूरी रही होगी। 'मेरे पास अभी रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि यह वही कंप्यूटर है, जहाँ से लैंग्डन ने हार्वर्ड के अपने ईमेल को खोला था।'

यह ख़बर सुनकर सिएना हैरान होकर लैंग्डन की तरफ मुड़ी। उसके चेहरे पर सदमा दिखाई दे रहा था.. और फिर धोखा खाने का भाव।

लैंग्डन भी उसी तरह से हैरान था। *तो इस तरह उन्होंने हम लोगों का पता लगाया?* उस वक़्त उसे इस बात का कतई अनुमान नहीं था। *मुझे बस कुछ सूचना चाहिए थी।* जब तक लैंग्डन माफी माँग पाता, सिएना ने अपना चेहरा दूसरी ओर कर लिया था। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं दिखाई दे रहा था।

'ये ठीक है।' सिपाही ने कहा। अब वह तीसरे चेंबर के प्रवेश-द्वार पर पहुँच चुका था, जहाँ से सिएना और लैंग्डन बस छह फुट की दूरी पर थे। दो कदम और वे दोनों उसके सामने नज़र आ रहे होते।

'बिलकुल ठीक।' सिपाही ने एक कदम आगे बढ़ाया और अचानक रुककर बोला, 'एक मिनट रुकना।'

लैंग्डन अपनी जगह पर जैसे पत्थर की तरह जम गया। वह पकड़े जाने के लिए तैयार था।

'रुको। तुम्हारी आवाज़ कट रही है।' सिपाही यह बोलते हुए दो कदम पीछे दूसरे चेंबर की तरफ चला गया। 'खराब कनेक्शन. . .हाँ, अब बोलो।' उसने एक क्षण के लिए फोन पर आ रही आवाज़ को सुना और फिर जवाब में कहा, 'हाँ, मैं सहमत हूँ। कम-से-कम अब हम इतना तो जानते हैं कि हम किसके पीछे पड़े हैं।'

इस बातचीत के बाद उसके कदमों की आवाज़ गुफा से बाहर चली गई। कुछ ही देर में लगा कि वह बजरी वाले रास्ते पर चल रहा था और फिर आवाज़ आनी पूरी तरह से बंद हो गई।

लैंग्डन ने अब अपने कंधों को ढीला किया और वह सिएना की ओर मुड़ा जिसकी आँखें गुस्से और भय की वजह से अंगारे की तरह धधक रही थी।

'आपने मेरे लैपटॉप का इस्तेमाल किया? उसने जानना चाहा। 'अपना ईमेल देखने के लिए?'

'माफ करना. . .मुझे लगा तुम मेरी मजबूरी समझ पाओगी। मुझे पता करना था. . .'

'इसी का इस्तेमाल कर उन्होंने हमारा पता किया और अब वे मेरा नाम भी जानते हैं।'

'मैं माफी चाहता हूँ, सिएना। मुझे नहीं पता था. . .' लैंग्डन की आवाज़ से अपनी गलती का अहसास साफ झलक रहा था।

सिएना दूसरी ओर मुड़कर पिछली दीवार पर उभरे हुए चूना पत्थर के गोले को देखने लगी। करीब एक मिनट तक दोनों चुप रहे। लैंग्डन सोच रहा था कि पता नहीं सिएना को उसकी मेज़ पर रखे निजी सामानों जैसे मिड ए समर नाइट्स ड्रीम नाटक का टिकट और कम उम्र के अत्यंत प्रतिभाशाली व्यक्ति की ज़िंदगी के बारे में प्रेस की कतरनों के बारे में कुछ याद भी था या नहीं। क्या उसे शक है कि मैंने उन्हें देखा था? अगर उसे संदेह हुआ है तो फिर वह कुछ पूछ तो नहीं रही। लैंग्डन को उसके साथ पहले से ही इतनी मुश्किल हो रही थी कि वह इसके बारे में बात नहीं करना चाहता था।

'उन्हें पता है कि मैं कौन हूँ।' सिएना ने यह बात इतने धीमे से दोहराई कि लैंग्डन मुश्किल से उसकी बात सुन पाया। अगले दस सेकंडों में सिएना ने कई बार गहरी साँस ली। ऐसा लग रहा था जैसे वह इस वास्तविकता को अपने भीतर पैठने का वक़्त देना चाह रही थी। इसी दौरान लैंग्डन को लगा जैसा उसका निश्चय मज़बूत हो रहा था।

बिना किसी चेतावनी के सिएना तेज़ी से अपने पाँवों पर खड़ी हो गई। 'हमें चलना चाहिए।' उसने कहा। 'उन्हें ये पता करने में ज़्यादा वक़्त नहीं लगेगा कि हम लोग कॉस्ट्यूम गैलरी में नहीं हैं।'

उसके साथ लैंग्डन भी खड़ा हो गया। 'हाँ, हमें चलना चाहिए. . .लेकिन कहाँ?'

'वेटिकन सिटी।'

'माफ करना, मैं समझा नहीं।'

'आपने पहले कहा था कि वेटिकन सिटी और बाबोली गार्डन एक जैसे हैं। ये बात अब मेरी समझ में आ चुकी है।' उसने छोटे-से धूसर रंग के दरवाज़े की ओर इशारा करते हुए कहा। 'अंदर घुसने का वही रास्ता है न?'

लैंग्डन ने किसी तरह सहमति व्यक्त करते हुए सिर हिलाया। 'हाँ, बाहर निकलने का दरवाज़ा वही है और मुझे लगा कि हम वहाँ से निकलने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश वहाँ से बाहर निकलना मुमकिन नहीं होगा।' लैंग्डन सिपाही के साथ दरवाज़े पर तैनात गार्ड की बातचीत को सुन चुका था। उसे समझ में आ चुका था कि उस दरवाज़े से बाहर जाने का विकल्प उनके पास मौजूद नहीं था।

'लेकिन हम वहाँ से अगर बाहर निकल पाए तो?' सिएना की आवाज़ में हल्की-सी शैतानी भरी ध्वनि थी। 'आपको पता है कि इसका क्या मतलब होता है? उसके होंठों पर मुस्कराहट की रेखा दिखाई दी। 'इसका मतलब होगा कि आज दिन में दो बार पुनर्जागरण

काल के कलाकार ने हमारी मदद की।'

लैंग्डन भी अपनी हँसी रोक नहीं पाया। कुछ ही मिनट पहले उसके मन में भी यही ख़्याल आया था। '*वसारी. . .वसारी।*'

सिएन इस बार थोड़ा खुल कर मुस्कराई। लैंग्डन को महसूस हुआ कि उसने उसे माफ कर दिया था, कम-से-कम इस वक़्त। 'मुझे लगता है कि यह ऊपर वाले की ओर से एक इशारा है।' वह मज़ाकिया लहज़े में बोली। 'हमें उसी दरवाज़े से निकलना चाहिए।'

'ठीक है. . .और हम उस गार्ड के सामने से होकर गुज़रेंगे।'

सिएना ने अपनी उंगलियाँ चटकाई और गुफा से बाहर की तरफ चल पड़ी। ' नहीं, मैं उससे पहले बात करूँगी।' उसने मुड़कर लैंग्डन की तरफ देखा। उसकी आँखें दोबारा धधक रही थी। 'मेरा यकीन मानिए प्रोफेसर साहब। जब मुझे किसी से अपनी बात मनवानी होती है तो मैं आसानी से कर सकती हूँ।'

दरवाज़े पर दस्तक की आवाज़ फिर से शुरू हो गई थी।

तेज़ और लगातार।

पहरेदार अर्नेस्टो रुसो परेशान होकर बुदबुदाने लगा। ऐसा लगा जैसे निष्ठुर आँखों वाला वह अजीब-सा सिपाही फिर वापस आ गया था, लेकिन इससे खराब वक़्त कुछ नहीं हो सकता था। टीवी पर चल रहे फुटबॉल मैच में अब ओवरटाइम खेल चल रहा था और फिओरेंटिना की टीम में एक खिलाड़ी कम हो चुका था। वे मुश्किल से खेल बचाने की कोशिश में लगे थे।

दरवाज़े पर हो रही धमधम जारी थी।

अर्नेस्टो बेवकूफ नहीं था। उसे समझ में आ चुका था कि आज सुबह से कोई घटना हुई है। सायरन की आवाज़, सिपाही. . ., लेकिन जिन बातों का उससे सीधा सीधा ताल्लुक नहीं होता, वह उनसे मतलब नहीं रखता था।

दूसरों के मामलों में टाँग अड़ाने वाला पागल ही होता है।

लेकिन वह सिपाही महत्त्वपूर्ण व्यक्ति लग रहा था और उसे नज़रअंदाज़ करना होशियारी की बात नहीं थी। आजकल इटली में नौकरी मिलना मुश्किल था, भले ही वे कितने ही उबाऊ क्यों न हों। जल्दी-जल्दी अपने खेल पर नज़र डालते हुए वह दरवाज़े की तरफ बढ़ गया, जहाँ से दस्तक की आवाज़ आ रही थी।

उसे अब भी यकीन नहीं हो रहा था कि उसे अपने इस छोटे-से दफ्तर में दिन-भर बैठकर टीवी देखने के लिए पैसे दिए जाते थे। कभी कभार, दिन में दो बार उफ्फिजी गैलरी देखकर

कोई वीआईपी समूह उधर घूमने आता था। अर्नेस्टो उनका स्वागत करता, लोहे के दरवाज़ा का ताला खोलकर लोगों के समूह को छोटे-से धूसर दरवाज़े से अंदर आने देता, जहाँ बोबोली गार्डन में पहुँचकर उनकी यात्रा समाप्त होती।

दरवाज़े पर धम-धम की आवाज़ अब और भी तेज़ हो गई थी। अर्नेस्टो लोहे का दरवाज़ा खोलकर बाहर आया और वापस उसने दरवाज़ा बंद कर दिया।

'कौन?,' वह दरवाज़े पर हो रही धम-धम की आवाज़ से तेज़ स्वर में बोलते हुए तेज़ी से धूसर रंग के दरवाज़े की तरफ बढ़ा।

कोई जवाब नहीं। दरवाज़े पर तेज़ दस्तक जारी थी।

अभी आया। उसने आख़िर दरवाज़ा खोला। उसे लगा कि फिर से वही पथरीली आँखें उसे घूर रही होंगी जिससे कुछ देर पहले उसकी मुलाकात हुई थी।

लेकिन दरवाज़े पर इस बार उनकी तुलना में काफी आकर्षक चेहरा दिखाई दे रहा था।

सुनहले बालों वाली महिला ने बड़े ही आकर्षक ढंग से मुस्कराकर उसका स्वागत किया। उसके हाथ में एक मुड़ा हुआ कागज़ था जिसे लेने के लिए उसने बिना किसी हिचकिचाहट के हाथ आगे बढ़ाया। कागज़ को हाथ में लेते ही वह समझ गया कि यह ज़मीन से उठाया हुआ कोई रद्दी कागज़ का टुकड़ा था, लेकिन तभी उस औरत ने उसकी कलाई को अपने दुबले पतले हाथों से पकड़कर हथेली के ठीक नीचे, हड्डियों वाले हिस्से, बोनी कार्पल को दबाया।

अर्नेस्टो को लगा जैसे किसी ने उसकी कलाई में छुरा भोंक दिया हो। इसके ठीक बाद उसे लगा जैसा बिजली के झटके ने उसे सुन्न कर दिया था। औरत उसकी ओर आगे बढ़ी और उसके हाथ पर पड़ रहा दबाव कई गुणा बढ़ गया। दर्द का झटका एक बार फिर शुरू हो गया था। अपना हाथ छुड़ाने की कोशिश में वह पीछे हटा, लेकिन उसका पाँव सुन्न हो चुका था और वह लड़खड़ाकर घुटनों के बल बैठ गया।

बाकी घटनाएँ एक ही पल में पूरी हो गईं।

दरवाज़े पर एक लंबा-सा आदमी दिखाई पड़ा जिसने सूट पहन रखा था। वह आहिस्ता से अंदर घुसा और उसने अंदर आते ही दरवाज़ा बंद कर दिया। अर्नेस्टो ने अपने रेडियो की ओर हाथ बढ़ाया, लेकिन किसी मुलायम से हाथ ने उसके गले को एक बार दबाया। उसकी मांसपेशियाँ सुन्न हो गई। उसे साँस लेने में भी मुश्किल हो रही थी। लंबा आदमी जैसे ही अंदर आया उस औरत ने अर्नेस्टो के हाथ से रेडियो ले लिया। वह भी उसकी गतिविधियों से उतना ही हैरान था जितना अर्नेस्टो।

'*डिम मैक,*' सुनहले बालों वाली औरत ने हल्के फुल्के अंदाज़ में कहा। 'चीन की शरीर के ख़ास हिस्सों पर दबाव डालने वाली तकनीक। कुछ तो वजह है कि यह पद्धति हज़ारों वर्षों से चली आ रही है।'

वह आदमी हैरान होकर यह सब देख रहा था।

'हम तुम्हें मारना नहीं चाहते,' उस औरत ने फुसफुसाकर अर्नेस्टो को कहा। अब उसने गरदन से दबाव कम कर दिया था।

उसकी गरदन पर जैसे ही दबाव कम हुआ, अर्नेस्टो ने छूटने की कोशिश की, लेकिन तभी उसके गले पर दबाव फिर से चालू हो गया। उसकी मांसपेशियाँ फिर से अकड़ गई। वह दर्द से कराह उठा। उसे साँस लेने में मुश्किल हो रही थी।

'हमें यहाँ से आगे जाना है।' उसने इतालवी में कहा। उसने लोहे के दरवाज़े की तरफ इशारा किया जिसे अर्नेस्टो ने मेहरबानी करके उनके अंदर आते ही बंद कर दिया था। *'दोस्त, चाबी कहाँ है?'*

'मेरे पास चाबी नहीं है।' उसने बड़ी मुश्किल से इतालवी में कहा।

लंबा आदमी उन को पार कर दरवाज़े के पास पहुँचा और उसने ताले को गौर से देखना शुरू कर दिया। 'यह कंबीनेशन लॉक है।' उसने औरत को बताया। उसकी आवाज़ में अमरीकी लहज़ा था।

औरत अर्नेस्टो की बगल में झुककर बैठ गई।उसकी भूरी आँखें बर्फ की तरह ठंढी दिख रही थी। *'इसको खोलने के लिए किन संख्याओं का इस्तेमाल होता है– कंबीनेशन?'* उसने पूछा।

'मुझे यह बताने की इजाज़त नहीं है।' उसने इतालवी में जवाब दिया।

उसकी रीढ़ की हड्डी के ऊपर कुछ हुआ और अर्नेस्टो को लगा जैसे उसका पूरा शरीर सुन्न पड़ गया था। एक ही क्षण बाद वह बेहोश हो चुका था।

होश में आने पर अर्नेस्टो को लगा कि वह काफी देर से कभी होश में तो कभी बेहोशी की हालत में था। उसे कुछ बातचीत की याद आ रही थी. . .दर्द का झोंका..घसीटा जाना. . .शायद। सब कुछ गड्डमड्ड था।

दिमाग के जाले जैसे-जैसे साफ हुए उसे एक अजीब-सा नज़ारा दिखाई दिया। उसने देखा कि उसका जूता पास ही फर्श पर रखा था और उसके तसमे गायब थे। तभी उसे समझ में आया कि वह बिलकुल ही चल फिर नहीं पा रहा था। वह करवट के बल लेटा था और उसके हाथ पैर पीछे की ओर मोड़कर बंधे थे, शायद उसके जूते के फीतों से। उसने चिल्लाने की कोशिश की, लेकिन उसके मुँह से आवाज़ नहीं आई। उसकी एक जुराब उसके मुँह में ठुसी थी, लेकिन असली घबराहट उसे तब हुई जब उसने ऊपर की तरफ देखा। उसके टीवी सेट पर फुटबॉल मैच चल रहा था। *मैं अपने दफ्तर में हूँ. . .जाली के भीतर।*

दूर कहीं अर्नेस्टो को लोगों के दौड़ने की आवाज़ सुनाई दे रही थी, जो कॉरिडोर से गुज़र रहे थे..और अचानक दूर उनकी आवाज़ जैसे धीमी पड़ गई। *असंभव। नामुमकिन*। पता नहीं कैसे, सुनहले बालों वाली औरत ने उसे एक ऐसा काम करने के लिए मना लिया था, जो वह कभी भी पैसे लेकर नहीं करता था. . .मशहूर वासारी कॉरिडोर के ताले को खोलने के लिए गुप्त संख्या को बताना।

31

डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की का सिर चकरा रहा था। उसे बार-बार मितली आ रही थी। यह प्रक्रिया अब तेज़ होती जा रही थी। वह पिट्टी पैलेस के सामने पार्क किए हुए वैन की पिछली सीट पर निढाल पड़ी थी। सिपाही उसकी ओर लगातार देख रहा था और उसकी घबराहट बढ़ती जा रही थी।

थोड़ी ही देर पहले, सिपाही के रेडियो पर किसी कॉस्ट्यूम गैलरी के बारे में आवाज़ आई थी. . .जिसे सुनकर एलिज़ाबेथ अपनी गहरी नींद से जैसे जग गई थी। उस वक़्त वह किसी नीली-आँखों वाले दैत्य के बारे में सपना देख रही थी।

वह न्यूयॉर्क के काउंसिल ऑफ़ फॉरेन अफेयर्स के इस अंधेरे कमरे में वापस आ गई थी और उस रहस्यमय अजनबी के पागलपन भरी बड़बड़ाहट को सुन रही थी जिसने उसे यहाँ बुलाया था। वह संदेहास्पद आदमी कमरे के सामने चहलकदमी कर रहा था। उसकी काली रूपरेखा और सामने दीवार पर प्रोजेक्टर से पड़ रही तस्वीर, जिसमें नंगे और मरणासन्न लोगों का हुजूम दिखाया गया थो, जो दांते के *इन्फर्नो* से प्रेरित था।

'किसी-ने-किसी को यह जंग तो लड़नी होगी,' उस परछाई ने निष्कर्ष के तौर पर कहा, 'वरना यही हमारा भविष्य होने वाला है। गणित इसे साबित करता है। आज मानवता आलस्य और अनिर्णय और लोभ के नरक में उतरा रही है, लेकिन ठीक हमारी पाँवों के नीचे नरक के गोल-घेरे हमारा इंतज़ार कर रहे हैं। वे हमे निगल जाने के लिए इंतज़ार कर रहे हैं।'

एलिज़ाबेथ अब भी उन भयानक ख्यालों में डूबी थी, जो इस व्यक्ति ने अभी-अभी उसके सामने प्रस्तुत किया था। अब उसे बर्दाश्त कर पाना मुश्किल हो रहा था। वह उछल कर खड़ी हो गई।

'आप जिस तरफ इशारा कर रहे हैं. . .'

'हमारे पास, जो विकल्प बचा है..' उसने बीच में एलिज़ाबेथ को टोकते हुए कहा।

'दरअसल,' उसने जवाब दिया। 'मैं कहने वाली थी कि वह आपराधिक होगा।'

उस व्यक्ति ने अपने कंधे उचकाए। शायद उसे बुरा लगा था। 'मैं? मुझे ऐसा नहीं लगता। पागलपन तो ये है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की आँखों के सामने यह सब हो रहा है और वे इससे इनकार कर रहे हैं। पागलपन उस शुतुरमुर्ग की तरह होता है, जो सामने से आते भेड़ियों के झुंड को देखकर अपना सिर रेत में छिपा लेता है।'

एलिज़ाबेथ अपने संगठन के पक्ष में कुछ कहती, उसके पहले ही उस व्यक्ति ने पर्दे पर दिखाई दे रही तस्वीर को बदल दिया।

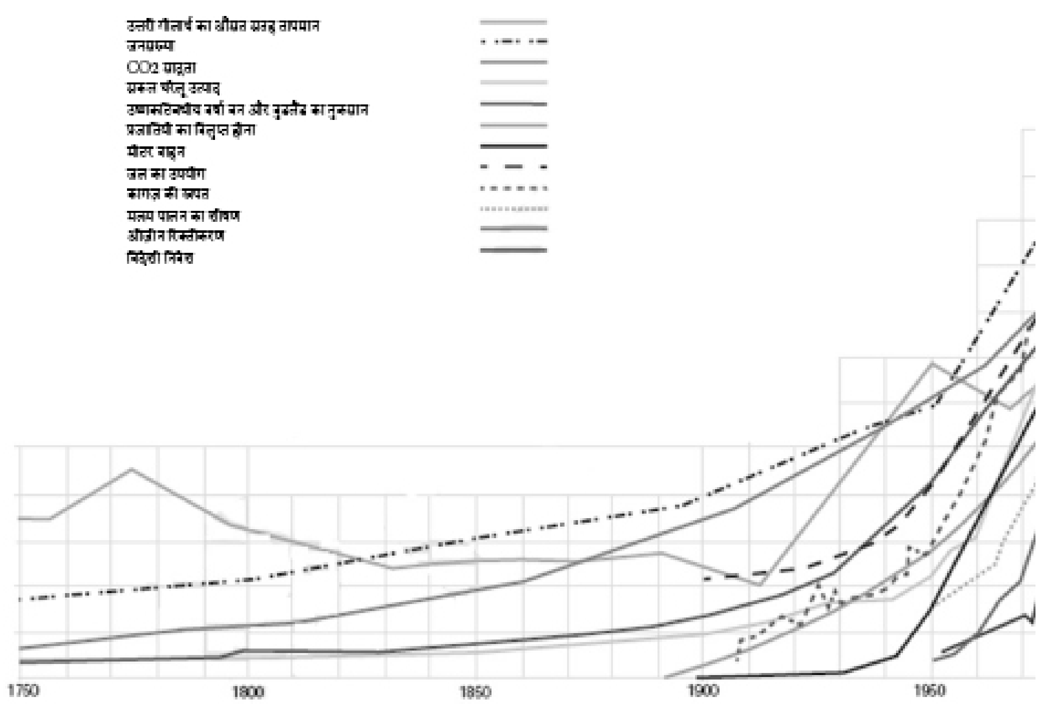
'हाँ, अगर भेड़ियों की बात करें,' उसने परदे पर दिख रही नई तस्वीर की ओर इशारा करते हुए कहा। 'ये रहा भेड़ियों का झुंड, जो इस वक़्त दुनिया के चारों तरफ चक्कर लगा रहा है और वे तेज़ी से हमारे करीब आते जा रहे हैं।

एलिज़ाबेथ को अपने सामने उभरी परिचित छवि को देखकर आश्चर्य हुआ। सामने एक ग्राफ दिखाई दे रहा था, जो पिछले साल विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जारी किया था। इसमें पर्यावरण संबंधी उन मुद्दों को रेखांकित किया गया था जिनका सबसे ज़्यादा असर वैश्विक स्वास्थ्य पर पड़ने वाला था।

इस सूची में बाकी चीज़ों के साथ ही शामिल थे-

साफ पानी की माँग, वैश्विक स्तर पर जमीनी तापमान, ओजोन परत का कमज़ोर होना, सामुद्रिक संसाधनों का उपयोग, प्रजातियों का विलुप्त होना, कार्बन-डाय-ऑक्साइड का जमाव बढ़ना और दुनिया-भर समुद्र के जलस्तर में वृद्धि।

ये सभी नकारात्मक दिशा को दिखाने वाले तत्त्व थे, जो पिछली सदी से ही बढ़ रहे थे, लेकिन अब वे भयंकर गति से आगे बढ़ रहे थे।



इस ग्राफ को देखकर आज भी एलिज़ाबेथ ने वही प्रतिक्रिया ज़ाहिर की, जो वह हमेशा ज़ाहिर करती थी–बेबसी का अनुभव। वह एक वैज्ञानिक था और वह आँकड़ों की उपयोगिता में यकीन रखती थी। इस ग्राफ में दूर भविष्य की किसी संभावना को नहीं दिखाया गया था, बल्कि हमारे *पास* के, बहुत पास के भविष्य को दिखाय़ा गया था।

जिंदगी में कई बार एलिज़ाबेथ सिंस्की बांझ होने के पीड़ादायक अनुभव से गुज़र चुकी थी, लेकिन जब उसने इस ग्राफ को देखा तो उसे अचानक राहत का अनुभव हुआ कि उसने किसी बच्चे को इस संसार में नहीं लाया।

मैं अपने बच्चे को यही भविष्य सौंपती?

'पिछले पचास वर्षों के दौरान,' उस लंब आदमी ने घोषणा कि, 'प्रकृति माता के प्रति हमारे अपराध कई गुणा बढ़ चुके हैं।' वह रुका। 'मैं मानवता की आत्मा के लिए चिंतित हूँ। जब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस ग्राफ को प्रकाशित किया तो दुनिया-भर में नेताओं, सत्ता के दलालों और पर्यावरण विशेषज्ञों ने फौरी तौर पर सम्मेलन आयोजित किए। वे सभी जानने की कोशिश कर रहे थे कि सबसे गंभीर समस्याएँ कौन-सी हैं और वे किन समस्याओं का समाधान कर पाने में सक्षम हैं। परिणाम? लोगों की नज़रों से दूर, वे अपना सिर पकड़कर बैठ गए। सार्वजनिक तौर पर उन्होंने ऐलान किया कि वे इनके समाधान के लिए काम कर रहे हैं और ये समस्याएँ काफी जटिल हैं।'

'ये समस्याएँ जटिल *हैं।*'

'बकवास।' उस आदमी ने बीच में ही टोकते हुए कहा। 'आपको अच्छी तरह पता है कि यह ग्राफ बिलकुल *सरल* संबंधों को निरूपित करता है। यह एक ही चर राशि पर आधारित समीकरण है। इस ग्राफ में दिखाई गई हर सरल रेखा सिर्फ एक कारक के साथ ऊपर को जाती है, जिसके बारे में बात करने से सभी डरते हैं। वैश्विक आबादी।'

'दरअसल, इसमें कुछ और चीज़ें शामिल हैं. . .'

'थोड़ी और जटिल? दरअसल, ऐसा नहीं है। इससे आसान कुछ भी नहीं। अगर आप प्रति व्यक्ति शुद्ध पेयजल की उपलब्धता बढ़ाना चाहते हैं तो आपको धरती पर कम लोग चाहिए। अगर आप गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण को कम करना चाहते हैं तो आपको ड्राइवरों की संख्या कम करनी होगी। अगर आप चाहते हैं कि समुद्र में फिर से मछलियाँ दिखाई दें तो कम लोगों को मछली खानी होगी।'

उसने घूरकर एलिज़ाबेथ की ओर देखा। उसके बोलने के लहज़े में और भी ताकत आ गई थी। 'अपनी आँखें खोलिए। हम मानवता के सर्वनाश की कगार पर हैं और हमारे नेता बोर्डरूम में बैठकर सौर ऊर्जा, चीज़ों के दोबारा इस्तेमाल यानी रीसाइक्लिंग और हाइब्रिड गाड़ियों पर नए नए अध्ययन करवा रहे हैं। मैं समझ नहीं पा रहा कि आप जैसी पढ़ी लिखी वैज्ञानिक महिला इस बात को नहीं देख पा रहे। ओजोन की मात्रा में कमी, पानी का अभाव और प्रदूषण असली समस्याएँ नहीं हैं। ये तो बस बीमारी के लक्षण हैं। बीमारी है बड़ी जनसंख्या और जब तक हम इसका सीधे-सीधे सामना नहीं करते तब तक हम बस तेज़ी से फैल रहे कैंसर पर बैंड-एड लगाने का काम कर रहे हैं।'

'आप मानव प्रजाति को एक कैंसर के रूप में देखते हैं?'

'कैंसर का मतलब होता है स्वस्थ कोशिकाओं की संख्या में अनियंत्रित वृद्धि। मैं समझ सकता हूँ कि आपको मेरी बातें अरुचिकर लग रही हैं, लेकिन मैं आपको यकीन दिलाना चाहता हूँ कि जब आपके सामने इसका विकल्प हाज़िर होगा तो वह इससे भी अधिक अरुचिकर होगा। अगर हम इसके खिलाफ निडर होकर कदम नहीं बढ़ाएँगे तो. . .'

'निडर?' वह बुदबुदाई। 'आप *निडर* शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते थे। इसे पागलपन कहना बेहतर होगा।'

'डॉक्टर सिंस्की,' उस आदमी की आवाज़ में अब भयावह शांति दिखाई दे रही थी। 'मैंने आपको ख़ासकर इसीलिए बुलाया है, क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अंदर आप एक विवेकपूर्ण आवाज़ हैं। मुझे लगा था कि शायद आप मेरे साथ मिलकर इसके समाधान की तलाश करना चाहेंगी।'

एलिज़ाबेथ ने उसकी ओर अविश्वास से देखा। 'आपको लगता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन आपके साथ मिलकर काम करेगा. . .और ऐसे विचारों को आगे बढ़ाएगा?'

'बिलकुल, हाँ।' उसने कहा। 'आपके संगठन में डॉक्टर काम करते हैं और जब डॉक्टर गैंग्रीन वाले रोगी को देखते हैं तो जान बचाने के लिए उसकी टाँग काटने में उन्हें कोई हिचकिचाहट नहीं होती। कभी-कभी हमारे पास दो खराब विकल्पों में एक को चुनने के सिवाय कोई चारा नहीं होता।'

'यह बात बिलकुल अलग है।'

'नहीं। ये दोनों बिलकुल एक जैसी बातें हैं। फर्क सिर्फ पैमाने का है।'

एलिज़ाबेथ बहुत देर से सुन रही थी। वह अचानक उठकर खड़ी हो गई। 'मुझे जहाज़ पकड़ना है।'

लंबा आदमी उसकी तरफ धमकाने की मुद्रा में बढ़ा और बाहर निकलने वाला रास्ता घेर कर खड़ा हो गया। 'सहृदय चेतावनी। मैं आपके सहयोग से या उसके बिना भी अपने बलबूते पर आसानी इस ख़्याल को आगे बढ़ा सकता हूँ।'

'सही चेतावनी।' उसने गुस्से में जवाब दिया। 'मैं इसे आतंकवादी धमकी समझती हूँ और इसे इसी नज़रिए से देखूंगी।' उसने अपना फोन बाहर निकाला।

वह हँसने लगा। 'आप काल्पनिक बातें करने के लिए पुलिस में मेरी शिकायत करेंगी? दुर्भाग्यवश, आपको फोन करने के लिए इंतज़ार करना होगा। इस कमरे को इलेक्ट्रॉनिक सिग्नलों के लिए सील कर दिया गया है। आपके फोन में कोई सिग्नल नहीं आ रहा है।'

मुझे सिग्नल की ज़रूरत नहीं, पागल इंसान। एलिज़ाबेथ ने अपना फोन ऊपर किया और जब तक उस आदमी को कुछ भी समझ में आता उसने उसके चेहरे की एक तस्वीर ले ली। उसकी नीली आँखों से टकराकर फ़्लैश वापस आया तो उसे वह चेहरा कुछ देखा-देखा-सा लग रहा था।

'तुम चाहे, जो भी हो,' उसने कहा, 'तुमने मुझे यहाँ बुलाकर गलत किया है। जब तक मैं हवाई अड्डे पहुँचूँगी, मुझे तुम्हारी पहचान के बारे में पता चल जाएगा और फिर तुम एक संभावित जैव-आतंकवादी के तौर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन, सीडीसी और ईसीडीसी की निगरानी में आ जाओगे। हम दिन-रात तुम्हारे पीछे आदमी लगा देंगे। तुम अगर कुछ सामान खरीदना चाहोगे तो हमें उसकी ख़बर होगी। तुम अगर कोई प्रयोगशाला बनाओगे, हमें उसका पता चल जाएगा। तुम्हारे छुपने के लिए कोई जगह नहीं होगी।'

वह आदमी एक तनावपूर्ण चुप्पी में काफी देर तक खड़ा रहा। ऐसा लग रहा था जैसे वह उसके फोन के ऊपर झपटने वाला था। आख़िरकार, वह थोड़ा सहज हुआ और किनारे हटकर मुस्कराने लगा। 'तो मुझे ऐसा लगता है कि हमारा नृत्य शुरू हो चुका है।'

32

इल्ल कोरिडोइयो वासारियानो यानी कि वासारी कॉरिडोर को जोर्जियो वासारी ने मेडिचि शासक ग्रैंड ड्यूक कोसिमो 1 के हुक्म से 1564 में डिज़ाइन किया था। वह इसका इस्तेमाल पिट्टी पैलेस के अपने निवास से अर्नो नदी के उस पार पालात्ज़ो वेखियो में बने प्रशासनिक खंड तक सुरक्षित आने जाने के लिए करना चाहता था।

वैटिकन सिटी के मशहूर पसेट्टो की तरह वासारी कॉरिडोर भी बिलकुल गुप्त रास्ते की तरह बनाया गया था। यह बोबोली गार्डन के पूर्वी छोर से शुरू होकर पुराने महल के बीचों बीच पहुँचता था जिसकी दूरी तकरीबन एक किलोमीटर थी। यह उफ्फिजी गैलरी से होता हुआ पोंटे वेखियो को पार करता हुआ पुराने महल में खुलता था।

आजकल वासारी कॉरिडोर का इस्तेमाल मेडिची शासकों के लिए गुप्त रास्ते के तौर पर नहीं, बल्कि कलाकृतियों को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता था। दोनों दीवारों पर इतनी जगह थी कि विश्व प्रसिद्ध उफ्फिजी गैलरी में नहीं आ सकने वाली अनगिनत बहुमूल्य कलाकृतियों को यहाँ सजाया जा सकता था। वैसे भी यह उफ्फिजी गैलरी से होकर ही गुज़रता था।

लैंग्डन कई साल पहले एक निजी यात्रा के दौरान इस गलियारे से होकर गुज़रा था। उस दोपहर को उसने यहाँ रखी कलाकृतियों के अविश्वसनीय संग्रह को दिल से सराहा था। इन कलाकृतियों में सेल्फ-पोर्ट्रेट का दुनिया का सबसे समृद्ध संग्रह शामिल था। वहाँ से गुज़रते हुए उसने कई बार कॉरिडोर से बाहर झाँकने के लिए बनाए गए झरोखों, व्यूइंग पोर्टल, से बाहर की तरफ भी नज़र डाली थी। ये झरोखे यात्रियों को अंदाज़ा देते थे कि ज़मीन से ऊपर बने इस गलियारे में वे कितनी दूरी तक आ चुके हैं।

लेकिन आज की सुबह लैंग्डन और सिएना इस गलियारे को दौड़ते हुए पार कर रहे थे। वे चाहते थे कि उनका पीछा कर रहे लोगों से वे अधिक से अधिक दूरी बना सकें। लैंग्डन सोच रहा था कि वहाँ पर बंधे हुए गार्ड को ढूँढ़ने में पता नहीं कितना वक़्त लगेगा। सामने सुरंग को देखते हुए लैंग्डन को लग रहा था कि हर कदम के साथ वे उस जगह के पास पहुँच रहे थे जिसकी उन्हें तलाश थी।

सेरका ट्रोवा. . .दि आई ऑफ़ डेथ. . .और मेरा पीछा कर रहे लोगों की पहचान।

ड्रोन की घरघराहट अब उनसे काफी पीछे छूट गई थी। वहाँ आगे बढ़ते हुए लैंग्डन को इस सुरंग के बनाने में इस्तेमाल स्थापत्य कला की उपलब्धियों का अनुभव हो रहा था। तकरीबन पूरी की पूरी सुरंग ज़मीन के ऊपर बनी थी। देखने में यह एक मोटे साँप की तरह लगती थी, जो पिट्टी पैलेस से शुरू होकर अर्नो नदी को पार करती हुई, कई इमारतों के

बगल से गुज़रती हुई पुराने फ़्लोरेंस के हृदय-स्थल में पहुँचती थी। सफेदी की हुई संकरी सुरंग जैसे अनंत दूरी तक फैली हुई थी। रास्ते की रोकटोक से बचने के लिए यह कभी-कभार कभी दाएँ तो कभी बाएँ मुड़ती थी, लेकिन इसकी दिशा पूरब की ओर बनी रहती थी. . .अर्नो के उस पार।

अचानक उन्हें आगे कॉरिडोर में शोरगुल सुनाई दिया। सिएना तुरंत रुक गई। लैंग्डन भी रुका और उसने उसे तसल्ली देने की मुद्रा में उसके कंधों पर अपना हाथ रख दिया। उसने पास के एक झरोखे, व्यूइंग पोर्टल, की तरफ इशारा किया।

नीचे सैलानी हैं।

लैंग्डन और सिएना ने झरोखे के पास जाकर नीचे झाँका। उन्होंने देखा कि इस वक़्त वे पुराने शहर में पैदल जाने के लिए बने पत्थर की पुलिया पोंटे वेखियो के ऊपर थे। उनके नीचे आज सुबह आने वाले सैलानियों का पहला जत्था बाज़ार का आनंद ले रहा था। पुलिया पर यह बाज़ार सन् 1400 से लगातार लग रहा था। आज रेहड़ी-पटरी पर सामान बेचने वालों में अधिकांश दुकानदार सोनार थे, लेकिन हमेशा ऐसा नहीं था। अपने शुरुआती दौर में यह पुलिया फ़्लोरेंस का खुले आसमान में लगने वाला सबसे बड़ा मांस का बाज़ार था, लेकिन सन् 1593 में जब सड़े मांस की बदबू वासारी कॉरिडोर तक पहुँचकर ग्रैंड ड्यूक के नाज़ुक नथुनों को परेशान करने लगी तो कसाइयों को यहाँ से भगा दिया गया।

लैंग्डन को याद आया कि इसी पुलिया पर कहीं वह जगह थी, जहाँ फ़्लोरेंस का सबसे घृणित अपराध घटित हुआ था। सन् 1216 में शाही घराने के एक नौजवान, बोंडेलमोंटे की नृशंस हत्या कर दी गई थी, क्योंकि उसने अपने असली प्यार की खातिर, परिवार द्वारा तय की गई शादी करने से इनकार कर दिया था।

उसकी मौत को काफी समय तक फ़्लोरेंस की सबसे नृशंस हत्या के रूप में जाना जाता था, क्योंकि इसकी वजह से वहाँ के दो शक्तिशाली राजनीतिक परिवारों, गोलेफ और घिबेलाइन, के बीच मतभेद शुरू हो गया। वे दोनों कई सदियों तक एक-दूसरे के खिलाफ युद्ध करते रहे। इसी युद्ध के कारण दांते को फ़्लोरेंस से निर्वासित किया गया था। दांते ने *द डिवाइन कॉमेडी* में लिखा, *ऐ बोंडेलमोंटे, दूसरे की सलाह मानकर तुमने शादी का वादा तोड़ा और इतनी तबाही लाई। इन पंक्तियों के द्वारा कवि ने इस घटना को दुखी मन से अमर बना दिया।*

आज भी हत्या वाली जगह पर तीन पट्टिकाएँ लगी हुई हैं, जो दांते की *पाराडाइज़ो* के 16वें अध्याय की अलग-अलग पंक्तियों को उद्धृत करती है। उनमें से एक पोंटे वेखियो के मुहाने पर थी, जिसमें अपशकुन की घोषणा करते हुए लिखा गया था-

लेकिन फ़्लोरेंस, को दुर्भाग्यवश शांति के अपने आख़िरी मुकाम पर, अपनी पुलिया के उस विकृत चट्टान पर, जो इसके अभिभावक का काम करती थी स्वीकार करना पड़ा. .

.बलि को।

लैंग्डन अब पुलिया से नज़र हटाकर नीचे बह रहे मटमैले पानी को देखने लगा। पूरब की ओर, पालात्ज़ो वेखियो का कंगूरा दिखाई दे रहा था।

हालाँकि लैंग्डन और सिएना ने अभी अर्नो नदी का आधा रास्ता ही पार किया था, लेकिन उसे अब यकीन हो चुका था कि वापस नहीं लौट सकने की स्थिति से वे आगे बढ़ चुके थे।

तीस फुट नीचे पोंटे वेखियो के पत्थर के बने रास्ते पर खड़ी वाएंथा सामने से आ रही भीड़ पर नज़र गड़ाए खड़ी थी। उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि उसे मुक्ति दिलाने की क्षमता रखने वाले लोग, कुछ ही क्षण पहले उसके ठीक ऊपर से गुज़रे थे।

33

लंगर डाले हुए *द मेंडेसियम* जहाज़ के पेट में गहरे किसी जगह पर अपने कक्ष में अकेला बैठा फेसिलिटेटर नोल्टन काम में मन लगाने की नाकामयाब कोशिश कर रहा था। घबराहट से भरकर वह दोबारा वीडियो देखने लगा। घंटे भर वह नौ मिनट लंबे इस वीडियो को समझने की कोशिश कर रहा था, जिसमें एक व्यक्ति का संवाद रिकॉर्ड किया हुआ था। वह आदमी या तो पागल लग रहा था या कोई अत्यंत प्रतिभाशाली इंसान।

नोल्टन ने सुराग की तलाश में वीडियो को फास्ट फॉरवर्ड कर शुरू से देखना चालू किया। वह पानी में डूबी हुई पट्टी वाले दृश्य से आगे बढ़ा, जहाँ पर एक बैग लटका हुआ दिखाई दे रहा था, जिसमें मटमैला पीला-भूरा तरल पदार्थ भरा था..आगे उसे वीडियो पर वह स्थान मिल गया, जहाँ चोंच जैसी नाक वाली परछाई दिखाई दे रही थी. . .गुफा की रिसती दीवार पर बनी एक विकृत परछाई ..जिसके ऊपर हल्की लाल रंग की रोशनी पसरी थी।

नोल्टन ने दबी-दबी आवाज़ को सुनना शुरू किया। वह उसकी विस्तृत भाषा को समझना चाहता था। भाषण का आधा हिस्सा बीतने के बाद दीवार पर बनी परछाई अचानक बड़ी हो गई और आवाज़ भी तेज़ हो गई।

दांते का नरक मिथकीय कथा नहीं. . .बल्कि भविष्यवाणी है।

दर्दनाक त्रासदी। प्रताड़नापूर्ण तकलीफ। यह आने वाले कल की तस्वीर है।

अनियंत्रित मानवता, प्लेग और कैंसर की तरह काम करने लगती है..आने वाली हर पीढ़ी के साथ ही हमारी संख्या बढ़ती जाती है और एक ऐसा वक़्त आता है, जब हमें सुख देने वाले, हमारा पोषण करने वाले, हमारे भाईचारे को बढ़ाने वाले संसाधन घटकर शून्य हो जाते हैं। उस वक़्त हमारे भीतर बैठा शैतान जग जाता है. . .हम अपने बच्चों का पेट भरने के लिए एक-दूसरे का कत्ल करने लगते हैं।

यही है दांते का नौ वलयों वाला नरक।

यही हमारा इंतज़ार कर रहा है।

माल्थस के बेरहम गणित का पालन करते हुए, भविष्य तेज़ी से हमारी ओर आता जा रहा है और हम नरक के पहले वलय के ऊपर किसी तरह लटके हुए हैं. . .और कल्पना से भी अधिक गति से नीचे गिरने के लिए तैयार हो रहे हैं।

नोल्टन ने वीडियो को रोक दिया। माल्थस का गणित? उसने जल्दी-जल्दी इंटरनेट पर ढूँढ़ा, जहाँ उसे उन्नीसवीं सदी के एक विख्यात ब्रिटिश गणितज्ञ और जनसंख्या विशेषज्ञ

थॉमस रॉबर्ट माल्थस का नाम मिला जिसने अपनी मशहूर भविष्यवाणी में कहा था कि आबादी की अत्यधिक वृद्धि के कारण दुनिया भरभरा कर ढह जाएगी।

नोल्टन को यह देखकर बड़ी घबराहट हुई कि माल्थस की जीवनी में उसकी किताब *एन एस्से ऑन द प्रिंसिपल ऑफ़ पॉपुलेशन* से एक डरावना उद्धरण शामिल किया गया था: मनुष्य के पालन-पोषण करने की प्राकृतिक शक्ति की तुलना में आबादी की शक्ति बहुत अधिक होती है। इसकी वजह से मनुष्य को किसी-ने-किसी रुप में समय के पहले मौत का सामना करना पड़ता है। मानवता की बुरी आदतें आबादी कम करने की दृष्टि से बड़े कारगर और सक्रिय यंत्र का काम करती हैं। वे विनाश की फौज के पहले प्रकट हो जाते हैं और प्रायः इस भयानक काम को ख़ुद ही पूरा कर देते हैं, लेकिन अगर वे विनाश के इस कार्य को पूरा करने में नाकामयाब रहते हैं तो फिर बीमारियाँ, महामारियाँ, छुआछूत की बीमारी, प्लेग का दुष्प्रभाव कई गुणा बढ़ जाता है और इनके हज़ारों लोग उनके चपेटे में आ जाते हैं। अगर पूरी कामयाबी अब भी नहीं हासिल होती तो पीछे से बड़े पैमाने पर अकाल छाने लगता है, जो एक बड़े झटके के साथ दुनिया की आबादी और खाद्यान्न की उपलब्धता के बीच सामंजस्य स्थापित कर देता है।

नोल्टन का दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। उसने चोंच जैसी नाक वाले की परछाई को देखना शुरू किया, जहाँ उसने वीडियो को रोक रखा था।

अनियंत्रित मानवता कैंसर की तरह काम करने लगती है।

अनियंत्रित। नोल्टन को इस शब्द की ध्वनि अच्छी नहीं लग रही थी।

थोड़ी दुविधा के साथ उसने वीडियो फिर से चालू कर दिया।

दबी हुई आवाज़ फिर से सुनाई देने लगी।

कुछ नहीं करने का मतलब होता है दांते के नरक का स्वागत. . .छोटी-सी जगह में ठूँस-ठूँसकर भरे हुए, भूखे लोग, पाप की अग्नि में जलते हुए।

और इसलिए निडर होकर मैंने कदम उठाया है।

कुछ लोग घबराकर पीछे हट जाएँगे, लेकिन मुक्ति की कीमत चुकानी पड़ती है।

क्योंकि मैं ही तुम्हारी मुक्ति हूँ।

मैं परछाई हूँ।

मैं ही मानवेतर युग का प्रवेश द्वार हूँ।

34

पालात्ज़ो वेखियो देखने में शतरंज की विशाल बिसात-सा लगता है। इसके सामने का हिस्सा चौकोर है, जो देखने में काफी सुदृढ़ लगता है। इसके साथ ही छत पर चौकोर आकार में कटे पुराने पत्थरों के बने दांतनुमा खंभों के बीच बने झरोखे ऊँट की तरह ऊँची इमारत के साथ अच्छा सामंजस्य बनाते हैं। इन्हें पिआत्ज़ा डेला सिगनोरिया के दक्षिण-पूर्वी हिस्से की सुरक्षा के लिए बनाया गया था।

इस इमारत में एक ही शिखर है, जो चौकोर संरचना के बीचों बीच बना है। शहर की ऊँची इमारतों के बीच आसमान में यह अलग ही छटा बिखेरता दिखता है और इसे फ़्लोरेंश के अपनी पहचान के रूप में जाना जाता है।

इसे इटली की सरकार के शक्तिशाली केंद्र के रूप में बनाया गया था। यह इमारत आने वालों को अपने मर्दाना तस्वीरों की श्रृंखला से प्रभावित करता है। अम्मानाती की बनाई *नेप्चून* की नग्न मूर्ति चार समुद्री घोड़ों के ऊपर सवार दिखाई देती है, जो समुद्र में फ़्लोरेंस के दबदबे को दर्शाती है। पालात्ज़ो के प्रवेश-द्वार के पास माइकेल एंजेलो की बनाई मूर्ति डेविड की प्रतिकृति शान से खड़ी दिखाई देती है, जो दुनिया की सबसे प्रशंसित नग्न-मूर्ति मानी जाती है। *डेविड* के साथ ही हरक्यूलिस और कैकस की भी विशाल नग्न मूर्तियाँ वहाँ दिखाई देती हैं, जो नेप्चून की कई मूर्तियों के साथ मिलकर एक दर्जन के करीब नग्न-लिंग वहाँ आने वाले आगंतुकों का स्वागत करते हैं।

सामान्य तौर पर लैंग्डन पालात्ज़ो वेखियो की यात्रा पिआत्ज़ा डेला सिगनोरिया से शुरू करता था। ढेरों नग्न लिंगों की उपस्थिति के बावजूद यह पूरे यूरोप में उसका सबसे पसंदीदा चौराहे पर बना मैदान, प्लाजा था। पिआत्ज़ा की यात्रा को वह तब तक पूरा नहीं मानता था, जब तक वह कैफे रिवॉयर में बैठकर एस्प्रेसो नहीं पी लेता था। उसके बाद वह लोजिया डेई लैंडी में जाकर मेडिची के शेरों को देखता था, जो पिआत्ज़ा के खुले मैदान में बनी गैलरी में बने थे।

लेकिन लैंग्डन और उसके सहयोगी ने आज उस जमाने के मेडिची के ड्यूक की तरह घुसने का फैसला किया था। यानी कि वे वासारी कॉरिडोर का इस्तेमाल करते हुए पालात्ज़ो वेखियो में घुसना। इसका मतलब होता था मशहूर उफ्फिजी गैलरी को पीछे छोड़ते हुए कॉरिडोर के साथ आगे बढ़ना, जो पुलों, सड़कों और इमारतों के बीच से गुज़रता हुआ सीधे पुराने महल के बीचो बीच पहुँचता था। अब तक उन्हें अपने पीछे किसी के पैरों की आवाज़ नहीं सुनाई दी थी, लेकिन लैंग्डन कॉरिडोर से जल्दी बाहर निकलने के लिए फिर भी चिंतित था।

लैंग्डन ने जब सामने की ओर लकड़ी के बड़े दरवाज़े को देखा तो उसे लगा कि *अब वे लोग अपनी निर्धारित जगह पर पहुँच चुके हैं। पुराने महल का प्रवेश-द्वार।*

वैसे दरवाज़े में बड़ा-सा ताला लगा था, लेकिन इसे खोलने के लिए ज़मीन के समांतर धक्का देने से खुलने वाला पुश-बार लगा था। यह आपातकालीन निकास था। इसके कारण वासारी कॉरिडोर में बाहर से कोई भी व्यक्ति बिना की-कार्ड का इस्तेमाल किए अंदर नहीं घुस सकता था।

लैंग्डन दरवाज़े पर कान लगाकर बाहर की आवाज़ सुनने की कोशिश करने लगा। बाहर जब उसे कोई आवाज़ नहीं सुनाई दी तो उसने पुश-बार पर हल्के से धक्का दिया।

ताला खुलने की आवाज़ आई।

लकड़ी का दरवाज़ा थोड़ा-सा खुल गया। लैंग्डन ने बाहर की दुनिया की ओर झाँका। छोटा-सा ताखा। खाली। नीरव।

राहत की हल्की-सी साँस लेते हुए लैंग्डन अंदर घुस गया और उसने सिएना को भी अंदर आने का इशारा किया।

हम अंदर घुस चुके हैं।

पालात्ज़ो वेखियो के भीतर बने उस ताखे में लैंग्डन थोड़ी देर तक चुपचाप अपना संतुलन बनाने के लिए इंतज़ार करता रहा। उसे आगे, ताखे के लंबवत एक बड़ा-सा हॉलवे दिखाई दे रहा था। उनकी बाईं तरफ दूर कॉरिडोर से टकराकर वापस आ रही आवाज़ें सुनाई दे रही थी, शांत और हँसी मज़ाक करने की आवाज़ें। अमेरिका के कैपिटोल इमारत की ही तरह पालात्ज़ो वेखियो भी सैलानियों के आकर्षण की जगह के साथ ही सरकारी दफ्तर भी था। इस समय उन्हें सुनाई दे रही आवाज़ें शायद सरकारी कर्मचारियों की आवाज़ें थीं, जो अपने अपने दफ्तरों से भीतर बाहर आ जा रहे थे और दिन के काम के लिए तैयार हो रहे थे।

लैंग्डन और सिएना धीरे-धीरे हॉलवे की तरफ बढ़ रहे थे। वह नज़रें बचाकर इधर-उधर देख भी रहे थे। हॉलवे के अंत में एक गोलाकार प्रांगण, एट्रियम था, जहाँ करीब एक दर्जन कर्मचारी सुबह की अपनी एस्प्रेसो पी रहे थे और काम शुरू होने के पहले अपने साथियों के साथ गप्पें मार रहे थे।

'वासारी भित्तिचित्र, वासारी म्यूरल।' सिएना ने धीमी आवाज़ में कहा। 'आपने कहा था कि यह हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड में बना है।'

लैंग्डन ने सिर हिलाया और भीड़-भाड़ वाले गोलाकार प्रांगण, एट्रियम, की तरफ इशारा किया, जिसके आगे एक पोर्टिको था, जो पत्थर के बने हॉलवे में मिल रहा था। 'दुर्भाग्यवश यह उस एट्रियम से होकर गुज़रता है।'

'आप यह यकीन के साथ कह रहे हैं?'

लैंग्डन ने सिर हिलाया। 'हम लोगों की नज़र में आए बिना उसे पार नहीं कर सकते।'

'वे सरकारी कर्मचारी हैं। उन्हें हममें कोई रुचि नहीं होगी। चुपचाप आगे बढ़ते रहो जैसे कि आप भी यहीं के व्यक्ति हों।'

सिएना ने हाथ ऊपर कर लैंग्डन के ब्रायोनी सूट के जैकेट की सिलवटों को हटाया और उसके टाइ को ठीक किया। 'आप बड़े सुंदर लग रहे हैं, लैंग्डन।' वह लैंग्डन को देखकर हल्के से मुस्कराई। अपना स्वेटर ठीक करती हुई वह बाहर निकल गई।

लैंग्डन उसके पीछे तेज़ी से बाहर निकला। वे दोनों एट्रियम की तरफ जाने लगे जैसे किसी काम के सिलसिले में वहाँ जा रहे हों। अंदर घुसते ही सिएना उससे सरकार द्वारा किसानों को दी जाने वाली रियायतों के बारे में धाराप्रवाह इतालवी में बात करने लगी। बोलते हुए वह बड़े जोश में हाथ हिला रही थी। वे लोग दूसरे लोगों से दूरी बनाते हुए बाहरी दीवार के साथ-साथ चल रहे थे। लैंग्डन को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि वहाँ किसी ने उनकी तरफ एक बार भी नज़र नहीं डाली।

एट्रियम से बाहर निकलने के बाद वे तेज़ी से हॉलवे की तरफ बढ़ने लगे। लैंग्डन को शेक्सपियर के नाटक का टिकट याद आया। *मिसचीवस पक।* 'तुम कमाल की एक्ट्रेस हो,' उसने फुसफुसाकर कहा।

'मजबूरी थी।' उसने स्वाभाविक ढंग से जवाब दिया। उसकी आवाज़ में एक अजीब-सी दूरी लग रही थी।

एक बार फिर लैंग्डन को लगा इस नवयुवती के दिल में उसकी जानकारी से कहीं अधिक दर्द छुपा है। इस ख़तरनाक हालत में फँसाने के लिए उसका पछतावा बढ़ता जा रहा था। उसने ख़ुद को समझाया कि चीज़ों को अपने अंजाम तक ले जाने के सिवा इस समय कुछ नहीं किया जा सकता।

सुरंग के अंदर तैरना जारी रखो. . .अगर प्रार्थना करो कि रोशनी दिखाई दे।

पोर्टिको के पास पहुँचने पर लैंग्डन को यह देखकर राहत हुई कि उसकी याद्दाश्त ठीक ढंग से काम कर रही थी। कोने की तरफ एक पट्टी पर हॉलवे की ओर तीर का निशान बना था जिस पर लिखा था–*इल्ल सलोन डेई चिंक्वेचेंटो। पाँच सौ का हॉल, लैंग्डन सोचने लगा कि पता नहीं उसे अंदर जाकर किस तरह के प्रश्नों के जवाब उसका इंतज़ार कर रहे थे। सच को केवल मौत की नज़रों से देखा जा सकता है। इसका मतलब क्या हो सकता है?*

'मुमकिन है कि कमरा अब भी बंद हो,' लैंग्डन ने कोने के पास पहुँचते हुए सावधान किया। वैसे हॉल ऑफ़ द फाइव हँड्रेड सैलानियों की पसंदीदा जगह थी, लेकिन ऐसा लग रहा था कि पालात्ज़ो को सुबह सुबह सैलानियों के लिए अभी तक खोला नहीं गया था।

सिएना चलते चलते अचानक रुक गई। 'आपको कुछ सुनाई दे रहा है?'

लैंग्डन को भी वह आवाज़ सुनाई दी। कोने से तेज़ घरघराहट की आवाज़ आ रही थी। *प्लीज, मुझे बताइए कहीं यह इस इमारत के भीतर उड़ रहे ड्रोन की आवाज़ तो नहीं?*

सावधानी बरतते हुए लैंग्डन ने पोर्टिको के कोने की ओर झाँका। करीब तीस गज आगे एक मामूली से लकड़ी का बना दरवाज़ा नज़र आ रहा था, जो हॉल ऑफ़ फाइव हंड्रेड में खुलता था। मगर दुर्भाग्यवश उनके बीच एक गोल-मटोल-सा कर्मचारी फर्श पर पोछा लगाने वाली मशीन को थके अंदाज़ में ज़मीन पर गोल गोल घुमा रहा था।

दरवाज़े का रक्षक।

अब लैंग्डन की नज़र दरवाज़े के बाहर प्लास्टिक के बने तीन चिह्नों पर जाकर टिक गई। बिलकुल नवसिखुए संकेत-वैज्ञानिकों को भी दुनिया-भर में पहचाने जाने वाले इन संकेतों को समझने में कोई देर नहीं लगती–वीडियो कैमरे के ऊपर बना क्रॉस, चाय की प्याली के ऊपर बना क्रॉस और दो मोटे ताजे लोग–एक पुरुष और एक स्त्री का सांकेतिक निरूपण।

लैंग्डन ने पहल की। वह तेज़ी से दरवाज़े के साथ तैनात संतरी जैसे आदमी के पास पहुँचा। नज़दीक पहुँचते पहुँचते उसने अपने कदमों की चाल तेज़ कर ली थी। सिएना भी उसके साथ चलने के लिए तेज़ी से आगे बढ़ी।

संतरी ने उनकी ओर देखा। वह हैरान लग रहा था। ‘पुरुष?’ उसने हाथ आगे कर लैंग्डन और सिएना को रुकने का इशारा किया।

लैंग्डन ने उसकी ओर दुख भरी मुस्कान बिखेरी. . .हल्की-सी मुस्कराहट के साथ। उसने सकुचाते हुए दरवाज़े पर बने चिह्न की ओर इशारा किया। ‘शौचालय?’ उसने बताया, उसकी आवाज़ में परेशानी झलक रही थी। यह उससे पूछा जाने वाला सवाल नहीं था।

संतरी एक पल के लिए हिचकिचाया। ऐसा लगा जैसे वह उन्हें मना करने वाला था, लेकिन जब उसने देखा कि लैंग्डन काफी परेशान लग रहा है तो उसने सहानुभूति वश अपना सिर हिलाकर उन दोनों को अंदर जाने दिया।

जब वे दरवाज़े के पास पहुँचे तो लैंग्डन ने सिएना को कनखी मारी। ‘सहानुभूति की भाषा दुनिया में हर जगह समझी जाती है।’

35

किसी समय हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड दुनिया का सबसे बड़ा कमरा माना जाता था। इसे 1494 ई. में वेनिस गणतंत्र की महासभा बैठकों को आयोजित करने के लिए बनाया गया था जिसे कंसीलियो मजूरे कहा जाता था। इसमें ठीक पाँच सौ सदस्य होते थे, जिसके आधार पर इस हॉल को यह नाम दिया गया था। कुछ साल बाद कोसिमो 1 के आदेश पर इस कमरे की मरम्मत की गई और इसका आकार भी काफी बढ़ाया गया। उस समय कोसिमो 1 इटली का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति माना जाता था जिसने इस काम को पूरा करने के लिए महान वास्तुशिल्पी जॉर्जियो वासारी को चुना था।

इंजीनियरिंग का एक बेहतर नमूना पेश करते हुए जॉर्जियो वासारी ने इसकी छत को काफी ऊँचा कर दिया, जिसके चारों तरफ बने झरोखों से प्राकृतिक रोशनी अंदर आती थी। इसकी वजह से इस स्थान का इस्तेमाल फ़्लोरेंस की सर्वोत्तम वास्तुकला, शिल्पकला और पेंटिंग को प्रदर्शित करने के लिए किया जाना मुमकिन हो पाया।

लैंग्डन को हमेशा सबसे पहले इस कमरे का फर्श अपनी ओर आकर्षित करता था। उसका मानना था कि यह कोई मामूली जगह नहीं थी। गुलाबी रंग के पत्थरों को मनमोहक ज्यामितीय ढंग से सजाए फर्श पर काले रंग की एक जाली को खोदकर बिठाया गया था, जो बारह हज़ार वर्ग फुट की इस जगह को एक ठोस, संतुलित और गहरी छवि प्रदान करता था।

लैंग्डन ने धीरे-से अपनी नज़रें कमरे के दूसरे छोर पर डाली, जहाँ दीवार के साथ लगाकर छह मूर्तियाँ रखी हुई थी। देखने में ये मूर्तियाँ, *लेबर्स ऑफ़ हरक्यूलिस,* सिपाहियों की कतार जैसी लगती थी। लैंग्डन ने जानबूझ-कर *हरक्यूलिस और डियोमेडेस* की मूर्तियों पर ध्यान नहीं दिया जिनकी प्रायः तीखी आलोचना की जाती थी। ये दोनों नंगे थे और उन्हें एक अजीब-सी कुश्ती वाली मुद्रा में गुत्थम-गुत्था दिखाया गया था। इसमें वे एक-दूसरे के लिंग को पकड़े हुए दिखाए गए थे जिसे देखकर लैंग्डन को घिन आती थी।

इनकी तुलना में माइकेलएंजेलो की कृति *जीनियस ऑफ़ वेनिस* को देखना ज़्यादा आसान था। दाहिनी ओर बनी यह मूर्ति दक्षिणी दीवार के बीच में बने ताखे पर भारी पड़ रही थी। करीब नौ फुट ऊँची यह मूर्ति अति-परंपरावादी पोप जूलियस 2, जिसे ‘पापा द टेरीबल’ कहा जाता था, की कब्र पर लगाने के लिए बनाई गई थी। इस काम के लिए माइकेल एंजेलो को चुना जाना लैंग्डन को हमेशा हैरान करता था, क्योंकि समलैंगिकता के बारे में वेटिकन के ख्यालों से वह अच्छी तरह परिचित था। तस्वीर में टोमासो डेई कैवेलिएरी को दिखाया गया था। माइकेल एंजेलो इस नौजवान को अपनी पूरी ज़िंदगी प्यार

करता रहा था। उसके लिए उसने तीन सौ से भी अधिक गीतिकाएँ लिखी थी।

'मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं यहाँ पहले कभी नहीं आई हूँ।' सिएना ने उसकी बगल में फुसफुसाते हुए कहा। उसकी आवाज़ अचानक काफी शांत और आदरपूर्ण लग रही थी। 'यह सचमुच. . .ख़ूबसूरत है।'

लैंग्डन ने सिर हिलाया। वह इस जगह की अपनी पहली यात्रा को याद कर रहा था जब शास्त्रीय संगीत के एक दर्शनीय कार्यक्रम में वह शामिल हुआ था। उस कार्यक्रम में दुनिया के मशहूर पिआनो वादक मेरिएल केमेल ने हिस्सा लिया था।। वैसे इस विशाल हॉल का मूलतः निजी राजनीतिक बैठकों और ग्रैंड-ड्यूक के साथ मुलाकातों के लिए इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन आजकल इसका ज्यादातर इस्तेमाल लोकप्रिय संगीतकारों, व्याख्यानों और बड़े बड़े सामूहिक भोज के आयोजन के लिए किया जाता था, जिसमें कला इतिहासकार मॉरिजियो सेराचिनी के भाषणों से लेकर गुच्ची म्यूजियम के सितारों से भरे, श्याम-श्वेत भव्य उद्घाटन जैसे कार्यक्रम शामिल होते थे। लैंग्डन कभी-कभी सोचता कि आज अगर कोसिमो 1 ज़िंदा होता तो अपने इस सादगीपूर्ण निजी हॉल को सीईओ तथा फैशन मॉडल के साथ साझा करते हुए उसे कैसा लगता।

लैंग्डन अब दीवार पर सजी विशाल कलाकृतियों, म्यूरल, को देख रहा था। उनका भी अजीब-सा इतिहास था, जिसमें साथ लियोनार्डो दा विंची की असफल पेंटिंग तकनीक का एक असफल नमूना भी शामिल था जिसकी वजह से वह पिघलती कलाकृति, मेल्टिंग मास्टरपीस, बनी थी। वहाँ पिएरो सोडेरिनी और मैकियावेली के बीच हुए संघर्ष से संबंधित एक कलाकृति भी थी, जो पुनर्जागरण काल के दो सर्वोच्च कलाकारों, माइकेल एंजेलो और लियोनार्डो के बीच प्रतियोगिता को दर्शाता था, जिसमें उन्हें एक ही कमरे में आमने सामने की दीवार पर चित्र बनाने कहा गया था।

लेकिन आज लैंग्डन इस कमरे की एक दूसरी विचित्रता के बारे में सोच रहा था।

सेरका ट्रोवा।

'वासारी वाली कलाकृति कौन-सी है?' सिएनाने दीवारों पर बनी कलाकृतियों पर नज़र दौड़ाते हुए पूछा।

'तकरीबन सभी।' लैंग्डन ने कहा। वह जानता था कि इस कमरे के मरम्मत के दौरान वासारी ने यहाँ मौजूद हर वस्तु को दोबारा पेंट किया था, जिसमें दीवारों पर बने म्यूरल से लेकर छत के निचले हिस्से में बने अलंकृत 39 पैनल तक शामिल थे, जो इसके लटकते हुए छत को सुसज्जित करते थे और दुनिया-भर में मशहूर थे।

'लेकिन वहाँ वाला म्यूरल', लैंग्डन ने सबसे दाहिनी ओर बने म्यूरल को दिखाते हुए कहा। 'हम वासारी के बनाए हुए इसी म्यूरल *बैटल ऑफ़ मार्चानो* को देखने यहाँ आए हैं।

फौजों के बीच टकराव का आयाम सचमुच बहुत ही विशाल था–पचपन फुट लंबा और

तीन मंज़िल ऊँचा। पहाड़ की ढलान पर घास के मैदान के बीच सिपाहियों, घोड़ों, भालों और बैनरों का यह हिंसक चित्रण गहरे भूरे और हरे रंग का इस्तेमाल कर बनाया गया था।

‘वासारी, वासारी,’ सिएना ने फुसफुसाते हुए कहा। ‘और इन्हीं के बीच कहीं उसका गुप्त संदेश छुपा है।’

लैंग्डन ने सिर हिलाया। वह उस विशाल म्यूरल के ऊपरी हिस्से की ओर देख रहा था। वह हरे रंग के जंगी-पताका को ढूँढ़ रहा था, जिसके ऊपर वासारी ने अपना रहस्यमय संदेश सेरका ट्रोवा लिखा था। ‘यहाँ से बिना दूरबीन के उसे देखना मुमकिन नहीं लगता।’ लैंग्डन ने उस ओर इशारा करते हुए कहा। ‘लेकिन ऊपर के बीच वाले हिस्से में, अगर तुम पहाड़ी की ढलान पर खेतों में बने घरों के ठीक नीचे देखो तो वहाँ तुम्हें हरे रंग का एक छोटा-सा झंडा दिखाई देगा और. . .’

‘हाँ, मैं उसे देख पा रही हूँ,’ सिएना ने ऊपर, दाहिनी तरफ के कोने की ओर ठीक उसी जगह को दिखाते हुए कहा।

लैंग्डन सोच रहा था कि काश उसकी आँखें भी जवान होती।

अब वे दोनों विशाल म्यूरल के पास पहुँच चुके थे। लैंग्डन नज़रें उठाकर इसकी भव्यता को देख रहा था। आख़िर वे इस जगह पहुँच चुके थे। बस एक ही समस्या था। लैंग्डन समझ नहीं पा रहा था कि वे यहाँ क्यों आए हैं। वह काफी देर तक वहाँ चुपचाप खड़ा होकर वासारी की इस महान कलाकृति के सूक्ष्म तत्त्वों को देखता रहा।

अगर मैं नाकामयाब रहा तो बस मौत ही बची होगी?

उन्हें अपने पीछे दरवाज़ा खुलने की खरखराहट सुनाई दी। फर्श की सफाई करने वाले संतरी ने झाँककर अंदर देखा। वह दुविधा में लग रहा था। सिएना ने दोस्ताना ढंग से हाथ हिलाया। संतरी ने उन्हें एक पल के लिए देखा और फिर दरवाज़ा बंद कर दिया।

‘हमारे पास ज़्यादा वक़्त नहीं, रॉबर्ट।’ सिएना ने आग्रह के स्वर में कहा। ‘आपको सोचना होगा। क्या इस पेंटिंग को देखकर आपको कुछ याद आ रहा है? कुछ भी?’

लैंग्डन ऊपर बने युद्ध के गड्डमड्ड दृश्य को देख रहा था।

सच को केवल मौत की नज़रों से ही देखा जा सकता है।

लैंग्डन को लगा था कि शायद म्यूरल में किसी लाश को दिखाया गया था, जिसकी आँखें पेंटिंग में छिपे किसी दूसरे सुराग की तरफ शून्य भाव से देख रही थी या शायद कमरे में किसी ओर. . .। मुश्किल थी कि लैंग्डन को इस वक़्त पेंटिंग में दर्जनों लाशें दिख रही थी और उनमें से कोई भी ऐसी नहीं थी, जिसकी नज़रें किसी ख़ास दिशा में देख रही थी।

सच को केवल मौत की नज़रों से ही देखा जा सकता है।

उसने लाशों को जोड़ती हुई रेखाएँ खींचने की कोशिश की। शायद इनसे कोई सिलसिला समझ में आए, लेकिन उसे कुछ समझ में नहीं आया।

वह अपनी याद्दाश्त पर ज़ोर डालने की भरसक कोशिश कर रहा था। उसके माथे में फिर से टीस उठ रही थी। बार-बार उसे सफेद बाल वाली उस औरत की आवाज़ सुनाई दे रही थी–*ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा।*

'क्या ढूँढ़ो ?' लैंग्डन का चिल्लाने का मन हो रहा था।

उसने ज़बरदस्ती किसी तरह अपनी आँखें बंद कर ली और धीरे-धीरे साँस छोड़ने लगा। उसने कई बार अपने कंधे गोल-गोल घुमाए और ख़ुद को हर तरह की सोच से अलग करने की कोशिश करने लगा। वह अपने दिल की गहराई में छुपी भावनाओं को टटोलने की कोशिश कर रहा था।

वेरी सॉरी।

वासारी।

सेरका ट्रोवा।

सच को केवल मौत की नज़रों से ही देखा जा सकता है।

उसे अंदर से यकीन हो रहा था कि वह सही स्थान पर खड़ा था। हालाँकि उसे इसकी वजह समझ में नहीं आ रही थी, लेकिन उसे कहीं गहरे अपने अंदर ऐसा लग रहा था कि वह जिस चीज़ को ढूँढ़ने यहाँ आया था, उसमें अब बस थोड़ा-सा वक़्त बचा था।

एजेंट ब्रूडर सामने प्रदर्शित लाल रंग के मखमली पतलून और अंगरखे को निहारते हुए मन-ही-मन गाली दे रहा था। उसकी एसआरएस टीम ने पूरी गैलरी को छान मारा था, लेकिन लैंग्डन और सिएना का कहीं अता पता नहीं चला।

सर्वेलेंस एंड रेसपोंस सपोर्ट, उसे यह सोचते हुए गुस्सा आ रहा था। पता नहीं कॉलेज में पढ़ाने वाला प्रोफेसर कैसे एसआरएस से बचकर निकल सकता था। भगवान जाने वह कहाँ चला गया!

'बाहर जाने वाले हर रास्ते को सील कर दिया गया था,' उसके एक साथी ने ज़ोर देकर कहा। 'बस एक ही संभावना बचती है कि वे लोग अब भी गार्डन में ही हों।'

सुनने में ये बात सही लग रही थी, ब्रूडर यह सोच कर हताश हो रहा था कि लैंग्डन और सिएना किसी दूसरे रास्ते से बाहर निकल चुके थे।

'ड्रोन को फिर से उड़ाओ।' ब्रूडर ने गुस्से में कहा। 'स्थानीय अधिकारियों को चारदीवारी के बाहर खोज का दायरा बढ़ाने के लिए कह दो।' *उफ।*

उसके लोग जैसे ही तेज़ी से बाहर निकले, ब्रूडर ने अपना फोन उठाकर इस कार्रवाई की देख-रेख करने वाले को कॉल किया। 'मैं ब्रूडर बोल रहा हूँ।' उसने कहा। 'मुझे लगता है कि

हम मुश्किल में पड़ चुके हैं, बल्कि कई मुश्किलों में।’

36

स*च को केवल मौत की नज़रों से ही देखा जा सकता है।*

युद्ध के निष्ठुर दृश्यों को दिखाने वाली वासारी की पेंटिंग के इंच इंच को गौर से देखते हुए सिएना मन-ही-मन यह वाक्य दोहरा रही थी। उसे लग रहा था कि ऐसा करने से शायद कोई चीज़ नज़र आ जाए।

उसे चारों तरफ मौत की आँखें दिखाई दे रही थी।

हम किस आँख की तलाश कर रहे हैं?

वह सोचने लगी कि कहीं मौत की आँख का मतलब यूरोप में हुए प्लेग के दौरान हुई मौतें, ब्लैक डेथ, तो नहीं।

इससे *कम-से-कम* प्लेग वाले मुखौटे की बात तो समझ में आती है. . .

अचानक उसके दिमाग में बचपन में पढ़ी कविता की पंक्ति कौंध गई–*रिंग अराउंड द रोजी। ए पॉकेटफुल ऑफ़ पोजीज़। ऐशेज़, ऐशेज़। वी ऑल फॉल डाउन।*

इंग्लैंड में स्कूल की पढ़ाई करते हुए वह कविता को दोहराया करती थी। बाद में उसे पता चला कि यह लंदन में सन् 1665 में आए भयंकर प्लेग से संबंधित कविता थी। लोग कहते थे कि ‘रिंग अराउंड द रोजी’ का मतलब था चमड़े पर बना लाल रंग का फोड़ा, जिसके चारों तरफ एक घेरा जैसा बन जाता था जिससे पता लगता था कि यह संक्रमित हो चुका है। इस बीमारी से ग्रस्त लोग अपने साथ फूलों का एक गुच्छा लेकर चलते थे, ताकि सड़ते हुए शरीर की गंध को दबा सकें और साथ ही शहर की बदबू को भी थोड़ा कम कर सकें। इसके बाद उनके मृत शरीर का दाह-संस्कार किया जाता था–*ऐशेज़, ऐशेज़। वी ऑल फॉल डाउन।*

‘फॉर द लव ऑफ़ गॉड,’ लैंग्डन दूसरी ओर बनी दीवार की तरफ अचानक मुड़ा और बड़बड़ाने लगा।

सिएना ने उसकी ओर देखकर पूछा, ‘कुछ गड़बड़?’

‘यहाँ पर लगी एक कलाकृति का नाम था–*फॉर द लव ऑफ़ गॉड।*’

सिएना हैरान होकर लैंग्डन को उस कमरे के दूसरे छोर पर बने शीशे के दरवाज़े की तरफ तेज़ी से जाते हुए देख रही थी। वह दरवाज़े को खोलने की कोशिश कर रहा था। दरवाज़े में ताला जड़ा था। उसने अपना चेहरा शीशे पर लगाकर, दोनों तरफ हथेलियों से ढंका और दरवाज़े के अंदर देखने की कोशिश करने लगा।

पता नहीं लैंग्डन किस चीज़ की तलाश कर रहा था, लेकिन सिएना मन-ही-मन चाह रही थी कि वह वस्तु उसे जल्द-से-जल्द मिल जाए। संतरी फिर से हाज़िर था। लैंग्डन को बंद

दरवाज़े के उस पार झाँकने की कोशिश करता देखकर उसके चेहरे पर संदेह का भाव गहरा होता जा रहा था।

सिएना ने फिर से खुशी ज़ाहिर करते हुए उसकी ओर देखकर ज़ोर-ज़ोर से हाथ हिलाना चालू कर दिया, लेकिन संतरी ने देर तक उसे घूरकर देखा और फिर गायब हो गया।

लो स्टूडियोलो।

हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड के भीतर छुपाकर लिखे सेरका ट्रोवा की विपरीत दिशा में शीशे का एक गुप्त दरवाज़ा है, जिसके भीतर छोटा-सा चेंबर बिना है, जिसमें कोई झरोखा नहीं। इसे वासारी ने फ्रांसेस्को 1 के लिए गुप्त अध्ययन कक्ष के रुप में बनाया था। यह चौकोर स्टूडियोलो ऊपर मेहराबों की श्रृंखला से बनी छत से मिलता था जिसे बैरल-वॉल्ट छत कहते हैं। इसकी वजह से इस कमरे के भीतर लोगों को ऐसा लगता था जैसे वे किसी विशाल तिजोरी के अंदर हों।

स्वाभाविक था कि इसका भीतरी हिस्सा ख़ूबसूरत चीज़ों से भरा था। इसकी दीवारें और छत कम-से-कम तीस दुर्लभ कलाकृतियों से सुसज्जित थी। वे एक-दूसरे से इतनी करीब रखी हुई थी कि दीवार पर खाली जगह बिलकुल नहीं बची थी। *द फॉल ऑफ़ इकारस. . .ऐन एलीगरी ऑफ़ ह्यूमन लाइफ. . .नेचर प्रेजेंटिंग प्रोमिथियस विथ स्पेक्टेकुलर जेम्स. . .*

शीशे के उस पार चमचमाती जगह को देखते हुए लैंग्डन मन-ही-मन बुदबुदा रहा था 'द आइज ऑफ़ डेथ।'

लैंग्डन पहली बार लो स्टुडियालो के अंदर कुछ साल पहले आया था, जब उसने पालात्ज़ो की गुप्त यात्रा की थी। उसे पालात्ज़ो में छुपे हुए दरवाज़ों, सीढ़ियों और गलियारों के बारे में जानकर बड़ी हैरानी हुई थी जिनमें से कई तो यहाँ रखी कलाकृतियों के पीछे बनी थी।

लेकिन इस समय उसकी उत्सुकता इन गुप्त गलियारों की वजह से पैदा नहीं हुई थी। अभी-अभी उसकी नज़र आधुनिक कला के एक शोख नमूने पर पड़ी थी, जो यहाँ प्रदर्शित की गई थी–*फॉर द लव ऑफ़ गॉड।* इस विवादास्पद कृति को डेमियन हर्स्ट ने बनाया था। इसे जब वासारी के मशहूर स्टूडियो में प्रदर्शित किय गया था तो बड़ा हो-हल्ला मचा था।

इंसान की खोपड़ी की आदमकद तस्वीर। खांटी प्लैटिनम की। इसकी सतह पर *आठ हज़ार* से भी अधिक हीरे जड़े हुए। अद्भुत दृश्य। खोपड़ी के खाली नेत्र-कोटर जीवन और प्रकाश से चमक रहे थे जिससे विरोधाभासी दो प्रतीक एक साथ उपस्थित हो रहे थे–सौंदर्य और भयंकरता. . .जीवन और मृत्यु. . .। हालाँकि हीरे की बनी हर्स्ट की खोपड़ी बहुत पहले

वहाँ से हटा दी गई थी, लेकिन लैंग्डन की स्मृति ने एक नए विचार को जन्म दिया था।

*मौत की आँखें..*उसने सोचा। *खोपड़ी इसके लिए बिलकुल मुफीद है, बेशक।*

दांते के *इन्फर्नो* में खोपड़ी की चर्चा बार-बार आती है। सबसे नीचे वाली परिधि में काउंट उगोलिनो को दी गई सबसे भयंकर सजा इसके लिए ख़ासकर मशहूर थी जिसे एक दुष्ट आर्चबिशप की खोपड़ी को अनंत काल तक कुरेद-कुरेदकर खाने के लिए अभिशप्त किया गया था।

क्या हम खोपड़ी की तलाश कर रहे हैं?

लैंग्डन को पता था कि इस रहस्यमय स्टूडियोलो को उत्सुकता जगाने वाले बक्से, कैबिनेट ऑफ़ क्यूरियोसिटीज, की परंपरा पर बनाया गया था। इसमें लगी तकरीबन सभी कलाकृतियों को गुप्त कब्जों पर टाँगा गया था जिन्हें खोलने पर उनके अंदर छिपा आला दिखाई देता था। इस आले में ड्यूक ने अपनी रुचि के अजीबो-गरीब सामान रखे थे–दुर्लभ खनिजों के नमूने, ख़ूबसूरत पंख, ख़ास ढंग का शंख–नॉटिलस शंख। कुछ लोग तो कहते थे कि इसमें एक ईसाई साधु की पिंडली की हड्डी भी रखी थी जिसे कुटे हुए चाँदी से सजाया गया था।

दुर्भाग्यवश, लैंग्डन को शक था कि ताखे के भीतर रखी चीज़ों को काफी पहले हटा दिया गया था। उसने हर्स्ट की कृति के अलावा यहाँ रखी किसी दूसरी खोपड़ी के बारे में नहीं सुना था।

दूर वाले दरवाज़े पर सुनाई दे रही तेज़ दस्तक ने उसके चिंतने के प्रवाह को बाधित कर दिया। इस कक्ष के दूसरी तरफ किसी के कदमों की आहट उसे अपनी ओर आती सुनाई दी।

'*महोदय*', किसी ने गुस्से में आवाज़ दी। '*अभी यह कमरा इस्तेमाल के लिए नहीं खोला गया है।*'

लैंग्डन मुड़ा। उसने देखा कि एक महिला कर्मचारी उसकी ओर तेज़ी से आ रही थी। देखने में गोल मटोल, उस औरत के बाल भूरे थे, छोटे। वह गर्भवती थी। औरत उसकी ओर तेज़ी से बढ़ी। वह अपनी घड़ी की तरफ इशारा करती हुई कह रही थी कि हॉल अभी खुला नहीं है। नज़दीक आने पर उसकी आँखें लैंग्डन से मिली। वह अचानक रुक गई। उसने अपने मुँह को हथेलियों से ढंक लिया।

'प्रोफेसर लैंग्डन।' वह चीख पड़ी। वह थोड़ी-सी शर्मिंदा लग रही थी। 'माफ कीजिए। मुझे पता नहीं था कि आप यहीं हैं। वापस आने पर आपका स्वागत है।'

लैंग्डन अपनी जगह पर जैसे जम गया।

उसे पक्का यकीन था कि उसने पहले अपनी ज़िंदगी में इस औरत को नहीं देखा था।

37

'मैं तो आपको पहचान ही नहीं पाई, प्रोफेसर,' महिला एक ख़ास लहज़े में अंग्रेज़ी बोल रही थी। वह भाव-विभोर होकर लैंग्डन की तरफ बढ़ने लगी। 'ये आपकी पोशाक है।' वह गर्मजोशी से मुस्कराते हुए लैंग्डन के ब्रियोनी सूट को प्रशंसा भरी नज़रों से देख रही थी। 'आजकल फैशन में है। इसे पहनकर आप बिलकुल इतालवी लगते हैं।'

लैंग्डन का मुँह सूख गया था। उसे लगा जैसे उसके मुँह के अंदर धूल उड़ रही थी, लेकिन वह किसी तरह मुस्कराया। तब तक महिला उसके पास पहुँच चुकी थी। 'गुड मॉर्निंग।' उसने लड़खड़ाते हुए कहा। 'आप कैसी हैं?'

वह अपना पेट पकड़कर हँसने लगी। 'बुरी तरह से थकी हुई। बच्ची कैटेलीना रात भर लात मारती रहती है।' औरत ने कमरे में चारों तरफ नज़र डाली। वह अचंभे में लग रही थी। 'इल डुओमिनो ने मुझे बताया नहीं कि आप आज वापस आ रहे हैं। मैं समझती हूँ कि वे आपके साथ हैं?'

इल डुओमिनो? लैंग्डन को उसकी बात का सिर पैर समझ में नहीं आ रहा था कि आख़िर वह किसके बारे में बात कर रही है।

ऐसा लगा कि उस महिला को लैंग्डन की दुविधा का अंदाज़ा लग गया था। उसने आश्वस्त करने वाली मुस्कराहट दी। 'कोई बात नहीं। फ़्लोरेंस में हर कोई उसे इसी नाम से पुकारता है। उसे भी कोई एतराज नहीं होता।' उसने चारों तरफ नज़र दौड़ाई, 'क्या उसी ने आपको अंदर आने दिया?'

'हाँ, उसी ने अंदर आने दिया।' सिएना ने कहा। वह उस समय तक हॉल के दूसरे छोर से लैंग्डन के नज़दीक पहुँच चुकी थी। 'लेकिन उन्हें नाश्ते के समय किसी मीटिंग में जाना था। उन्होंने कहा कि अगर हम तब तक इधर ही रुकेंगे तो आप उसका बुरा नहीं मानेंगी।' सिएना ने उत्साह से भरकर उसकी ओर अपना हाथ बढ़ाया। 'मैं सिएना हूँ। रॉबर्ट की बहन।'

उस औरत ने बड़े ही औपचारिक ढंग से सिएना से हाथ मिलाया। 'मैं मार्टा अलवेरेज हूँ। तुम ख़ुशनसीब हो कि प्रोफेसर लैंग्डन जैसा आदमी तुम्हारे लिए गाइड का काम कर रहा है।'

'हाँ।' सिएना ने चिहुँकते हुए कहा। वह अपनी आँखों का गोल गोल घूमना नहीं छुपा सकी। 'वे बहुत ही होशियार हैं।'

उनके बीच थोड़े वक़्त के लिए एक असहज चुप्पी छाई रही। उस महिला ने सिएना को गौर से देखते हुए कहा, 'अजीब बात है। मुझे तुम्हारे और इनके चेहरों में कोई समानता नज़र नहीं आती। हाँ, तुम दोनों का कद एक जैसा है।'

लैंग्डन को ट्रेन हादसा का डर सताने लगा। *अभी या कभी नहीं।*

'मार्टा।' लैंग्डन ने उसे टोका। उसे उम्मीद थी कि उसने उसका नाम सही सही सुना था। 'तुम्हें परेशान करते हुए मुझे अच्छा नहीं लग रहा. . .लेकिन शायद तुम्हें अंदाज़ा होगा कि मैं यहाँ क्यों आया हूँ।'

'दरअसल, नहीं।' उसने जवाब दिया। उसने अपनी आँखें सिकोड़ ली। 'मुझे शायद अपनी पूरी ज़िंदगी में ये बात समझ में नहीं आएगी की आप यहाँ क्या कर रहे हैं।'

दोनों के बीच फैली चुप्पी के बीच लैंग्डन का दिल तेज़ी से धड़क रहा था। उसे लगा कि उसका दांव उल्टा पड़ने वाला है। अचानक मार्टा के चेहरे पर मुस्कराहट फैल गई और वह ज़ोर से हँसने लगी।

'प्रोफेसर, मैं मज़ाक कर रही हूँ। बेशक, मैं अंदाज़ा लगा सकती हूँ कि आप क्यों वापस आए हैं। ईमानदारी से कहूँ तो मेरी समझ में नहीं आता कि आपको इसमें कौन-सी चीज़ इतनी आकर्षक लगती है, लेकिन कल रात आपने यहाँ इल डुओमिनो के साथ काफी वक़्त बिताया था। मुझे लगता है कि आप अपनी बहन को ये जगह दिखाने आए हैं।'

'बिलकुल सही. . .' उसने किसी तरह बोला। 'बिलकुल। अगर आपको कोई परेशानी नहीं हो तो मैं सिएना को यह जगह दिखाना चाहूँगा।'

मार्टा ने दूसरी मंज़िल की बालकनी की ओर देखते हुए कहा, 'नहीं। मुझे कोई परेशानी नहीं। मैं अभी वहाँ जा रही हूँ।'

हॉल के पिछले हिस्से में दूसरी मंज़िल पर बनी बालकनी को देखते हुए लैंग्डन का दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। *मैं कल रात वहाँ था?* उसे कुछ भी याद नहीं आ रहा था। उसे पता था कि इस बालकनी की ऊँचाई *सेरका ट्रोवा* के अक्षरों की ऊँचाई के ठीक बराबर थी और यहीं से पालात्ज़ो के संग्रहालय में जाने का रास्ता भी था। लैंग्डन जब भी यहाँ आता था तो इस संग्रहालय में अवश्य जाता था।

मार्टा उन्हें लेकर हॉल के दूसरे छोर की तरफ जाने ही वाली थी कि ऐसा लगा जैसे उसके दिमाग में कोई दूसरा ख़्याल आ गया। 'दरअसल, प्रोफेसर। क्या आपको नहीं लगता कि हम आपकी प्यारी बहन को कोई दूसरी चीज़, जो थोड़ी कम भयंकर हो, दिखा सकते हैं?'

लैंग्डन को समझ में नहीं आ रहा था कि इसका वह किस तरह जवाब दे।

'क्या हम किसी भयानक चीज़ को देखने जा रहे हैं?' सिएना ने पूछा। 'ये कौन-सी चीज़ है? उन्होंने मुझे बताया नहीं है।'

मार्टा के चेहरे पर एक हल्की-सी मुस्कराहट दिखाई दे रही थी। उसने लैंग्डन की ओर देखा। 'प्रोफेसर, मैं आपकी बहन को इसके बारे में बताऊँ या आप उसे ख़ुद बताना चाहेंगे?'

लैंग्डन इस मौके को हाथ से नहीं जाने देना चाहता था। 'बिलकुल मार्टा। तुम्हीं इसके बारे

में बताओ।’

मार्टा सिएना की तरफ मुड़ी। वह बहुत धीरे-धीरे बताने लगी। ‘मुझे नहीं पता कि तुम्हारे भाई ने तुम्हें क्या बताया है, लेकिन हम लोग संग्रहालय में एक अजीब-से मुखौटे को देखने जा रहे हैं।’

सिएना की आँखें फैल गई। ‘कैसा मुखौटा? वह गंदा-सा प्लेग वाला मुखौटा, जो लोग कार्निवल के दौरान पहनते हैं?’

‘तुमने बहुत ही अच्छा अनुमान लगाया है।’ मार्टा ने कहा। ‘लेकिन यह प्लेग वाला मुखौटा नहीं है। यह बिलकुल अलग ढंग का मुखौटा है। इसे मौत का मुखौटा, डेथ मास्क, कहते हैं।’

इसे जानकारी को सुनकर लैंग्डन के मुँह से अचानक एक आवाज़ बाहर निकली जिसे वह दबा नहीं पाया। मार्टा ने उसकी ओर देखकर मुँह बनाया। उसे लगा कि शायद बहन को डराने के लिए वह अति-नाटकीय आचरण कर रहा है।

‘तुम अपने भाई की बात को तवज्ज़ो मत दो।’ उसने कहा। ‘ सन् 1500 की सदी में ये डेथ-मास्क काफी प्रचलित थे। यह दरअसल किसी व्यक्ति के चेहरे का प्लास्टर में बना सांचा होता है, जो उसके मरने के ठीक बाद बनाया जाता था।’

मौत का मुखौटा। फ़्लोरेंस में आँखें खोलने के बाद पहली बार लैंग्डन को लगा जैसे उसे कोई बात स्पष्टता के साथ समझ में आ रही थी। *दांते का इन्फर्नो. . .सेरका ट्रोवा. . .मौत की आँखों से देखना। मुखौटा। द मास्क।*

सिएना ने पूछा, ‘इस मुखौटे को बनाने के लिए किसके चेहरे का इस्तेमाल किया गया था?’

लैंग्डन ने सिएना के कंधे पर हाथ रखकर उसके लिए उस वक़्त जितना मुमकिन था, उतने शांत भाव से जवाब दिया, ‘इटली के एक मशहूर कवि। उसका नाम था दांते अलीगेरी।’

38

द *मेंडेसियम* के डेक पर भूमध्य सागर का सूरज चमक तेज़ी से चमक रहा था। *द मेंडेसियम* एड्रियॉटिक की लहरों पर तैरता हुआ आगे बढ़ रहा था। प्रोवोस्ट थकावट दूर करने के लिए स्कॉच की दूसरी बोतल पीकर यूँ ही दफ्तर की खिड़की से बाहर देख रहा था।

फ़्लोरेंस से आ रही ख़बर अच्छी नहीं थी।

शायद काफी दिनों के बाद शराब पीने की वजह से ऐसा हो रहा था, लेकिन वह अपने आपको अजीब ढंग से अव्यवस्थित और कमज़ोर अनुभव कर रहा था। उसे ऐसा लग रहा था जैसे उसके जहाज़ का इंजन खराब हो चुका था और यह लहरों पर यूँ ही बहता चला जा रहा था।

प्रोवोस्ट के लिए ऐसा एहसास अजनबी था। इस दुनिया में हमेशा एक भरोसेमंद दिशा-सूचक हुआ करता था–प्रोटोकॉल। रास्ता दिखाने में वह कभी नाकामयाब नहीं हुआ था। प्रोटोकॉल उसे मुश्किल फैसले लेने में मदद करता था जिन्हें पीछे मुड़कर देखने की उसे ज़रूरत महसूस नहीं हुई थी।

प्रोटोकॉल के अनुसार उसे वाएंथा को निष्कासित करना ज़रूरी था। प्रोवोस्ट ने बेझिझक इसे पूरा किया था। *संकट की ये घड़ी बीत जाए फिर मैं उसके बारे में कुछ सोचूँगा।*

प्रोटोकॉल के अनुसार उसे अपने ग्राहकों के बारे में कम-से-कम जानकारी अपने पास रखनी होती थी। उसने बहुत पहले यह तय कर लिया था कि कंसोर्शियम को उनके बारे में किसी तरह का नैतिक निर्णय नहीं करना था।

तयशुदा काम पूरा करो।

अपने ग्राहकों पर यकीन रखो।

कोई सवाल नहीं पूछो।

अधिकांश दूसरी कंपनियों की के निदेशकों की तरह प्रोवोस्ट भी लोगों के इस मान्यता के साथ लोगों के तयशुदा काम पूरे करता था कि ये कानून के दायरे में थे। भला, यह वोल्वो की ज़िम्मेदारी तो नहीं थी कि फुटबॉल की प्रेमी माएँ स्कूल के आसपास निर्धारित गति सीमा से तेज़ गाड़ियाँ नहीं चलाएँ। ठीक वैसे ही जैसे अगर कोई व्यक्ति डेल कंप्यूटर का इस्तेमाल कर बैंक के खाते को हैक करे तो इसकी ज़िम्मेदारी डेल की नहीं बनती थी।

इस वक़्त जब सब कुछ गड्डमड्ड होता जा रहा था, प्रोवोस्ट मन-ही-मन उस व्यक्ति को कोस रहा था जिसने कंसोर्शियय से इस व्यक्ति का परिचय करवाया था।

'इस व्यक्ति का काम करने में खर्च कम और पैसा आसानी से आएगा।' उस संपर्क-सूत्र ने

प्रोवोस्ट को आश्वस्त किया था। 'वह व्यक्ति काफी प्रतिभाशाली है, अपने क्षेत्र की जानी मानी हस्ती और बेहिसाब दौलत वाला। वह बस साल दो साल के लिए लोगों की नज़रों से गायब होना चाहता है। वह एक ज़रूरी काम करने के लिए अपने सभी संपर्कों को कुछ वक़्त के लिए काट कर जीना चाहता है।'

प्रोवोस्ट बिना ज़्यादा सोचे राजी हो गया था। लंबे वक़्त तक कहीं छुपने की व्यवस्था करने में अच्छी आमदनी होती थी और प्रोवोस्ट को अपने संपर्क-सूत्र की समझ पर भरोसा था।

अपेक्षा के अनुसार काम में अच्छा पैसा मिला था।

यानी कि पिछले सप्ताह तक।

अब इस आदमी ने, जो रायता फैलाया था उसके बाद स्कॉच की बोतल हाथ में लेकर प्रोवोस्ट गोल-गोल चक्कर काट रहा था और इस ग्राहक के साथ अपने काम के बचे हुए वक़्त का हिसाब लगा रहा था।

उसकी मेज़ पर रखा टेलिफोन बजा। प्रोवोस्ट ने देखा कि उसका एक प्रमुख सहयोगी नोल्टन नीचे से फोन कर रहा था।

'बोलो।' प्रोवोस्ट ने फोन उठाते हुए कहा। 'तैयारी पूरी हो गई?'

'हाँ, लेकिन मुझे लगता है कि अपलोड करने के पहले आप इसे देख लेते तो अच्छा होता।'

प्रोवोस्ट रुका। उसे नोल्टन की बात अजीब-सी लगी। 'क्या वीडियो में कहीं हमारा नाम लिया गया है या फिर इससे हम पर कोई आँच आ सकती है?'

'नहीं सिर, लेकिन इसमें कई परेशान करने वाली चीज़ें दिखाई गई हैं। हमारा ग्राहक स्क्रीन पर ऑनलाइन लगता है और वह कह रहा है. . .'

'वहीं रुको।' प्रोवोस्ट ने उसे हुक्म दिया। वह सन्न था कि उसका एक वरिष्ठ फेसिलिटेटर कैसे प्रोटोकॉल को तोड़ रहा था। 'उसमें क्या कहा जा रहा है उससे हमें कुछ भी लेना देना नहीं। इसमें चाहे कुछ भी कहा गया हो उसे अपलोड किया जा चुका होता, भले ही हम यह काम कर रहे होते या नहीं। ग्राहक इलेक्ट्रॉनिक तरीके से इसे रिलीज कर सकता था, लेकिन उसने हमें काम पर लगाया। उसने हमें इस काम के लिए पैसे दिए। उसने हम पर यकीन किया।'

'यस सर।'

'तुम्हें फिल्म समीक्षक का काम करने के लिए नौकरी नहीं दी गई थी।' प्रोवोस्ट ने डाँटते हुए कहा। 'तुम्हें तयशुदा काम को पूरा करने के लिए नौकरी पर रखा गया है। अपना काम करो।'

पोंटे वेखियो पर वाएंथा इंतज़ार कर रही थी। वह अपनी सतर्क आँखों से पुल पर खड़े सैकड़ों लोगों को देख रही थी। वह सावधान थी और उसे पूरा यकीन था कि लैंग्डन अभी वहाँ से नहीं गुज़रा था, लेकिन ड्रोन अब चुप हो चुका था। शायद इसकी निगरानी की ज़रूरत अब नहीं रह गई थी।

ब्रूडर ने अवश्य उसे पकड़ लिया होगा।

वह अनमने तरीके से कंसोर्शियम की जाँच की डरावनी संभावना के बारे में सोच रही थी। *या इससे भी बदतर. . .*

वाएंथा के दिमाग में उन दो एजेंटों की तस्वीर कौंध गई जिन्हें संस्था से निष्कासित कर दिया गया था. . .उनके बारे में आगे लोगों को कुछ पता नहीं चला। *वे बस दूसरे कामों में लग गए,* उसने ख़ुद को तसल्ली देते हुए कहा। फिर भी, वह मन-ही-मन सोच रही थी कि उसे टस्कनी के पहाड़ों में जाकर कहीं गायब हो जाना चाहिए और नई ज़िंदगी शुरू करनी चाहिए।

लेकिन मैं उनसे कब तक छुप पाऊँगी?

ऐसे अनगिनत लोग थे जिन्हें मालूम था कि एक बार जब कंसोर्शियम ने उन्हें निशाने पर ले लिया तो छुपे रहने की बात बस कल्पना की चीज़ थी। बस वक़्त का सवाल था।

क्या मेरा करियर सचमुच इस तरह ख़त्म होने वाला है? उसके दिमाग में उथल-पुथल चल रहा था। उसे अब भी यकीन नहीं हो रहा था कि कंसोर्शियम के साथ बारह साल पुराना उसका कार्यकाल दुःसंयोग के कारण घटित होने वाली कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण समाप्त होने जा रहा था। एक साल से वह कंसोर्शियम के इस नीली आँखों वाले ग्राहक के काम की सावधानी से देखरेख कर रही थी। *उसने कूदकर जान दे दी इसमें मेरा कोई कसूर नहीं था, लेकिन ऐसा लगता है जैसे उसके साथ मेरा भी काम-तमाम हो गया।*

अपनी बदनसीबी से बाहर निकलने का अब उसे एक ही रास्ता नज़र आ रहा था–ब्रूडर को छकाना, लेकिन शुरू से ही उसे ऐसा लग रहा था कि यह दूर की कौड़ी थी।

मुझे पिछली रात मौका मिला था, लेकिन मैं चूक गई।

वाएंथा अनमने ढंग से अपनी मोटरसाइकिल की ओर मुड़ रही थी तो दूर से आती हुई एक आवाज़ ने उसका ध्यान अपनी ओर खींच लिया. . .परिचित-सी कर्कश तेज़ आवाज़।

हैरान होकर उसने ऊपर देखा। उसे आश्चर्य हुआ कि निगरानी रखने वाला ड्रोन फिर से आसमान में दिखाई दे रहा था। इस बार वह पिट्टी पैलेस के दूर वाले छोर के ऊपर दिखाई दे रहा था। वाएंथा उस छोटे-से जहाज़ को बेसब्री से पिट्टी पैलेस के ऊपर चक्कर लगाते हुए देख रही थी।

ड्रोन फिर से दिखाई देने का एक ही मतलब हो सकता था।

वे अब तक लैंग्डन को नहीं ढूँढ़ पाए थे।

आख़िर वह है कहाँ?

आसमान से आ रही तेज़ घनघनाहट की आवाज़ सुनकर एलिज़ाबेथ सिंस्की अपनी बेहोशी से बाहर आई। *ड्रोन फिर से उड़ रहा है, लेकिन मुझे लगा था कि. . .*

वह वैन की पिछली सीट में थोड़ी हिली। उसने देखा कि नौजवान एजेंट अब भी उसकी बगल में बैठा था। उसने अपनी आँखें दोबारा बंद कर ली और दर्द तथा मितली के दौरे को सहने की कोशिश करने लगी, लेकिन सबसे ज़्यादा वह अपने डर से लड़ने की कोशिश कर रही थी।

वक़्त बीतता जा रहा है।

छत से कूदकर उसके दुश्मन ने आत्महत्या कर ली थी, लेकिन उसे सपने में अब भी उसकी परछाई दिखाई देती थी, जो उसे अंधेरे में काउंसिल ऑफ़ फॉरेन रिलेशंस में भाषण देता हुआ दिखाई देता था।

यह बिलकुल आवश्यक है कि कोई व्यक्ति इस मामले में निडर होकर कदम बढ़ाए,उसने ऐलान किया। उसकी नीली आँखें चमकती हुई दिखाई दे रही थी। *अगर हम नहीं तो आख़िर कौन? अभी नहीं तो आख़िर कब?*

एलिज़ाबेथ जानती थी कि जब उसे मौका मिला था उसे उसी वक़्त रोकना चाहिए था। वह उस वक़्त को कभी भूल नहीं सकती थी जब वह गुस्से में भरकर मीटिंग से बाहर आकर अपने लिमोजीन में बैठ गई थी, जो उसे लेकर मैनहटन से होता हुआ जेएफके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की तरफ लेकर चला गया था। इस पागल आदमी के बारे में जानने के लिए वह बेसब्र थी। उसने अपने फोन निकाला, जिसमें उसने चुपचाप उसकी एक तस्वीर ले ली थी।

तस्वीर को देखते ही उसके मुँह से जैसे चीख निकल गई। डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की इस आदमी को अच्छी तरह जानती थी। अच्छी ख़बर ये थी कि उसका पता लगाना आसान था। बुरी ख़बर ये थी कि वह अपने क्षेत्र का एक बेहद प्रतिभाशाली व्यक्ति था, जो अगर चाहे तो काफी ख़तरनाक व्यक्ति हो सकता था।

एक ख़ास मकसद से प्रेरित प्रतिभाशाली दिमाग से अधिक सृजनशील या विनाशकारी कोई दूसरी चीज़ नहीं हो सकती. . .

तीस मिनट बाद जब वह एयरपोर्ट पहुँची, तब तक उसने अपनी टीम को इस व्यक्ति को सीआईए, सीडीसी, ईसीडीसी जैसी दुनिया-भर की जितनी संस्थाओं के बारे में वह सोच

सकती थी सबकी बायो-आतंकवादियों की सूची में डालने की हिदायत दे दी थी।

जेनेवा पहुँचने के पहले मैं बस इतना ही कर सकती हूँ, उसने सोचा।

वह काफी थक चुकी थी। उसने रात वाला अपना थैला चेक-इन काउंटर पर दिया और अटेंडेंट को पासपोर्ट और टिकट पकड़ा दिया।

'अच्छा, डॉक्टर सिंस्की।' अटेंडेंट ने मुस्कराते हुए कहा। 'एक सज्ञन व्यक्ति ने आपके लिए संदेश छोड़ा है।'

'मैं समझी नहीं।' एलिज़ाबेथ को याद नहीं आ रहा था कि उसकी फ़्लाइट के बारे में किस व्यक्ति को जानकारी थी।

'वह काफी लंबा था।' अटेंडेंट ने कहा। 'उसकी आँखें नीली थी।'

एलिज़ाबेथ के हाथ से थैला नीचे गिर गया। *वह यहाँ है? कैसे?* वह पीछे मुड़कर अपने साथ खड़े लोगों के चेहरे देखने की कोशिश करने लगी।

'वे जा चुके हैं।' अटेंडेंट ने कहा। 'लेकिन उन्होंने आपको यह देने को कहा है।' यह बोलते हुए उसने एलिज़ाबेथ के हाथ में मुड़े हुए कागज़ का एक टुकड़ा रख दिया।

कांप-काँपते हुए एलिज़ाबेथ ने पुर्जी को खोलकर हाथ से लिखे संदेश को पढ़ा।

इसमें दांते अलीगेरी की किताब का एक मशहूर उद्धरण लिखा था।

नरक की सबसे अंधेरी जगहें
उन लोगों के लिए सुरक्षित रहती हैं
जो नैतिक संकट के समय
तटस्थ बने रहते हैं।

39

मार्टा अलवेरेज सामने बनी तीखी ढलान वाली सीढ़ी को देख रही थी, जो हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड से होकर दूसरी मंज़िल पर बने संग्रहालय तक जा रहा था। *मैं इसे कर सकती हूँ,* उसने मन-ही-मन कहा।

पालात्ज़ो वेखियो के कला और संस्कृति प्रशासक के पद पर रहते हुए मार्टा इन सीढ़ियों पर अनगिनत बार चढ़ चुकी थी, लेकिन इधर उसे इस पर चढ़ने में काफी परेशानी का अनुभव हो रहा था। आख़िर वह आठ महीन की गर्भवती भी तो थी।

'मार्टा, क्या आप यकीनन लिफ्ट से नहीं जाना चाहती हैं?' रॉबर्ट लैंग्डन ने चिंतित होकर पूछा और सामने बने सर्विस लिफ्ट की तरफ इशारा किया। पालात्ज़ो ने इसे विकलांग लोगों के इस्तेमाल के लिए बनवाया था।

मार्टा ने उसकी बात पर शुक्रिया अदा करने के लहज़े में सिर हिलाया, लेकिन लिफ्ट से जाने को तैयार नहीं हुई। 'मैंने आपको कल रात बताया था कि मेरे डॉक्टर ने कहा है कि शारीरिक कार्य बच्चे के लिए अच्छा होता है और प्रोफेसर, मुझे मालूम है कि आपको बंद जगहों में डर लगने की बीमारी भी है।'

लैंग्डन को उसकी बात सुनकर अजीब-से भय का अनुभव हो रहा था। 'हाँ, बिलकुल। मैं भूल गया था कि मैंने इसके बारे में आपको बताया था।'

भूल गया कि मैंने आपको बताया था? मार्टा अचंभे में थी। *इस बात को अभी बारह घंटे भी नहीं बीते हैं। हम लोगों ने इसके बारे में विस्तार से चर्चा की, जिसमें बचपन में हुई उस घटना की भी चर्चा हुई, जिसकी वजह से लैंग्डन के मन में यह डर बैठ गया।*

पिछली रात, लैंग्डन का साथी *इल डुओमिनो,* जो भयंकर मोटापे की बीमारी से ग्रस्त था, लिफ्ट में ऊपर गया था। लैंग्डन मार्टा के साथ चलकर ऊपर गया था, जहाँ जाते हुए उसने बचपन में सुनसान जगह पर बने कुएँ में गिरने की कहानी का जीवंत वर्णन उसे सुनाया था, जिसके बाद से उसके दिल में बंद जगहों का डर पैठ गया था, जो उसके शरीर को सुन्न कर देता था।

इस वक़्त, लैंग्डन की छोटी बहन आगे आगे जा रही थी। उसके सुनहले बालों का जूड़ा पीछे झूल रहा था। लैंग्डन और मार्टा आराम से ऊपर जा रहे थे। वे बीच-बीच में रुककर अपनी उखड़ती साँसों को आराम देते हुए आगे जा रहे थे। 'मुझे हैरानी हो रही है कि आप उस मुखौटे को दोबारा देखना चाहते हैं।' उसने कहा। 'फ़्लोरेंस में देखने वाली इतनी सारी चीज़ें हैं जिनमें मुझे ये सबसे कम मज़ेदार लगती है।'

लैंग्डन ने अपने कंधे उचकाए जिसका कोई ख़ास मतलब नहीं निकल रहा था। 'मैं बस

सिएना को ये जगह दिखाने के लिए वापस आया हूँ, लेकिन अंदर आने की इजाज़त देने के लिए आपका शुक्रिया।'

'बिलकुल।'

पिछली रात लैंग्डन की छवि के हिसाब से मार्टा को उसके लिए गैलरी खोलने में कोई परेशानी नहीं होती, लेकिन वह *इल डुओमिनो* के साथ था, इसलिए उसके पास कोई विकल्प भी नहीं था।

इग्नाजिओ बुसोनी, जिसे *इल डुओमिनो* के नाम से जाना जाता था, वह फ़्लोरेंस की सांस्कृतिक बिरादरी में मशहूर हस्ती था। वह लंबे समय से म्यूजियो डेल ओपेरा डेल डुओमो का निदेशक रहा था। वह फ़्लोरेंस के सबसे प्रमुख ऐतिहासिक स्थान इल डुओमो के सभी पहलुओं की देखभाल करता था। इल डुओमो एक विशाल कैथेड्रल था जिसका गुंबद लाल रंग का था। यह फ़्लोरेंस के आसमान और उसके इतिहास में एक प्रभावशाली स्थान रखता था। शहर की पहचान, इस ख़ास इमारत के प्रति उसके लगाव और अपने चार सौ पाउंड के वजन, जिसकी वजह से उसका चेहरा हमेशा लाल दिखाई देता था, के कारण उसे लोग प्यार से *इल डुओमिनो* कहकर बुलाने लगे–छोटा गुंबद।

मार्टा को इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि लैंग्डन का *इल डुओमिनो* से परिचय कैसे हुआ था, लेकिन इल डुओमिनो ने उसे फोन कर बताया था कि वह अपने साथ एक मेहमान लेकर आ रहा है, जो दांते के डेथ मास्क, मौत के मुखौटे, को देखना चाहता है। जब उसने देखा कि वह रहस्यमय अतिथि प्रसिद्ध अमेरिकी संकेत-विज्ञानी और कला इतिहासकार रॉबर्ट लैंग्डन था तो मार्टा रोमांचित हो उठी थी कि उसे इन दोनों मशहूर लोगों को पालात्ज़ो गैलरी दिखाने का अवसर मिलने वाला था।

अब वे सबसे ऊपर वाली सीढ़ी पर पहुँच चुके थे। मार्टा अपना हाथ कमर पर रखकर गहरी साँस ले रही थी। सिएना तब तक बालकनी के रेलिंग के पास पहुँच चुकी थी और नीचे हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड की ओर झाँक रही थी।

'कमरे को देखने के लिए मेरी सबसे पसंदीदा जगह।' मार्टा ने हाँफते हुए कहा। 'यहाँ से आपको दीवार पर बनी तस्वीरें बिलकुल अलग दिखाई देती हैं। मुझे लगता है कि तुम्हारे भाई ने तुम्हें वहाँ छुपाए गए रहस्यमय संदेश के बारे में अवश्य बताया होगा।' उसने इशारा किया।

सिएना ने उत्साहपूर्वक सिर हिलाया। '*सेरका ट्रोवा।*'

लैंग्डन जिस समय कमरे की ओर देख रहा था, मार्टा उसे गौर से देख रही थी। बीच वाली मंज़िल की खिड़कियों से आ रही रोशनी में उसने महसूस किया कि लैंग्डन उतना आकर्षक नहीं लग रहा था जितना कल की रात लग रहा था। उसे उसका नया सूट पसंद आ रहा था, लेकिन उसकी दाढ़ी बढ़ी हुई लग रही थी। उसके चेहरे पर पीलापन और थकान दिखाई दे

रहा था। इसके अलावा, उसके घने बाल आज सुबह उलझे उलझे दिखाई दे रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उसने अभी नहाया नहीं हो।

मार्टा म्यूरल की ओर मुड़ गई। वह नहीं चाहती थी कि लैंग्डन उसे घूरते हुए देख ले। ‘अभी हम लोग ठीक उसी ऊँचाई पर खड़े हैं, जहाँ सेरका ट्रोवा है।’ मार्टा ने कहा। ‘आप नंगी आँखों से उन शब्दों को देख सकते हैं।’

ऐसा लग रहा था जैसे लैंग्डन की बहन को दीवार पर बने म्यूरलों में कोई ख़ास दिलचस्पी नहीं थी। ‘मुझे दांते के मौत के मुखौटे के बारे में बताइए। ये पालात्ज़ो वेखियो में क्यों रखा गया है?’

जैसा भाई, वैसी बहन। मार्टा ने मन-ही-मन हुंकार भरते हुए सोचा। उसे अब भी हैरानी हो रही थी कि मुखौटे से ये दोनों लोग इतने आकर्षित क्यों हैं। इसके अलावा दांते के डेथ मास्क का एक अजीब-सा इतिहास था, ख़ासकर हाल फिलहाल के वक़्त में। इस मामले में लैंग्डन ही अकेला व्यक्ति नहीं था, जो इससे इतना अधिक प्रभावित था।

‘ठीक है, मुझे बताइए कि आप दांते के बारे में क्या जानती हैं?’

सुनहले बालों वाली, ख़ूबसूरत नौजवान लड़की ने अपने कंधे उचकाए। ‘बस उतना ही जितना सभी लोग स्कूल में जानते हैं कि दांते एक मशहूर इतालवी कवि था जिसने *द डिवाइन कॉमेडी* लिखी थी, जिसमें नरक से होकर उनकी काल्पनिक यात्रा का वर्णन है।’

‘एक हद तक सही।’ मार्टा ने जवाब दिया। ‘अपने महाकाव्य में दांते आख़िरकार नरक से बाहर आ जाते हैं। वह नरक के अलग-अलग हिस्सों को पार करते हुए अंत में स्वर्ग पहुँचते हैं। अगर आप *द डिवाइन कॉमेडी* पढ़ेंगी तो आपको पता चलेगा कि यह तीन हिस्सों में बँटा है–*इन्फर्नो, पर्गेटेरिओ और पाराडाइज़ो*।’ मार्टा ने उन्हें बालकनी के साथ-साथ अपने पीछे म्यूजियम के प्रवेश-द्वार की तरफ आने का इशारा किया। ‘मुखौटे के यहाँ पालात्ज़ो वेखियो में होने का *द डिवाइन कॉमेडी* के साथ कोई ताल्लुक नहीं है। इसका संबंध इतिहास की वास्तविक घटनाओं से है। दांते फ़्लोरेंस में रहता था और उसे इस शहर से बेहद प्यार था, उतना ही जितना किसी और के लिए मुमकिन था। वह फ़्लोरेंस का एक शक्तिशाली और मशहूर नागरिक था, लेकिन तभी सत्ता संतुलन में बदलाव आया और दांते ने पराजित होने वाले पक्ष का समर्थन किया। उसे निर्वासन की सजा दी गई और शहर के परकोटे से बाहर निकाल दिया गया। उसे हमेशा के लिए फ़्लोरेंस आने से मना कर दिया गया।’

मार्टा साँस लेने के लिए रुकी। अब वे म्यूजियम के दरवाज़े के पास पहुँच चुके थे। उसके हाथ दोबारा उसकी कमर पर थे और वह बोलती जा रही थी। ‘कुछ लोगों का दावा है कि दांते के निर्वासन की वजह से ही उनका मुखौटा इतना बुरा लगता है, लेकिन मैं इसकी व्याख्या दूसरे ढंग से करती हूँ। मैं थोड़ी रूमानी स्वभाव की हूँ। मुझे लगता है कि दांते के उदास चेहरे के पीछे बीट्रिस नाम की औरत का हाथ था। सोचिए, दांते ने अपनी पूरी ज़िंदगी

एक नौजवान औरत बीट्रिस पोर्टीनारी के प्यार में गुजारी, लेकिन दुख की बात थी कि बीट्रिस की शादी एक-दूसरे व्यक्ति से हो गई। इसका परिणाम हुआ कि दांते को न केवल अपने प्यारे शहर फ्लोरेंस से दूर रहने को मजबूर होना पड़ा, बल्कि उस औरत से भी जिससे वे बेहद प्यार करते थे। बीट्रिस के प्रति प्यार उनकी *द डिवाइन कॉमेडी* की मुख्य विषय-वस्तु है।'

'मज़ेदार।' सिएना ने जिस अंदाज़ से यह बोला उससे लगा जैसे उसने मार्टा की बात बिलकुल नहीं सुनी थी। 'इसके बावजूद मैं समझ नहीं पा रही कि मौत के मुखौटे को पालात्ज़ो के अंदर क्यों और कैसे रखा गया।'

नौजवान लड़की की ज़िद भरे सवाल मार्टा को अस्वाभाविक, बल्कि अशिष्ट लग रहे थे। 'ऐसा है,' मार्टा ने चलते हुए अपनी बात जारी रखी। 'दांते को अपनी मौत के समय तक फ्लोरेंस आने की इजाज़त नहीं मिली। उन्हें रवेना में दफनाया गया, लेकिन चूँकि उनकी प्रेमिका बीट्रिस को फ्लोरेंस में दफनाया गया था और दांते भी फ्लोरेंस से बेहद प्यार करते थे इसलिए उनके डेथ-मास्क को यहाँ लाना उनके प्रति दयालुतापूर्ण श्रद्धांजलि मानी गई।'

'अच्छा, तो ये बात है।' सिएना ने कहा। 'और इसी इमारत को इसके लिए चुने जाने की वजह?'

'पालात्ज़ो वेखियो फ्लोरेंस का सबसे पुराना परिचय चिह्न है। दांते के समय इसे शहर का हृदय-स्थल माना जाता था। दरअसल, गिरजाघर में एक मशहूर पेंटिंग है, जिसमें दांते को शहर के परकोटे के बाहर खड़ा दिखाया गया है, यहाँ से निष्कासित। पृष्ठभूमि में उनका प्यारा पालात्ज़ो मीनार दिखाई दे रहा है। कई अर्थों में, ऐसा कहा जा सकता है कि दांते के मौत के मुखौटे को यहाँ रखकर हमने जैसे उन्हें घर वापस आने की इजाज़त दे दी है।'

'हाँ, ये बड़ी अच्छी बात है।' आख़िर में लगा कि सिएना संतुष्ट थी। 'शुक्रिया।'

मार्टा अब म्यूजियम के दरवाज़े के पास पहुँच चुकी थी। उसने वहाँ तीन बार दस्तक दी। '*मैं, मार्टा। गुड मॉर्निंग।*' उसने इतालवी में बोला।

अंदर से चाभियों के घुमाने की आवाज़ सुनाई दी और दरवाज़ा खुल गया। एक बुज़ुर्ग से गार्ड ने दरवाज़ा खोला। अपनी घड़ी की ओर देखते हुए वह मुस्कराकर बोला 'इतनी जल्दी?'

जल्दी आने की वजह समझाने के लिए मार्टा ने लैंग्डन की तरफ इशारा किया। गार्ड का चेहरा तुरंत खिल उठा। '*महोदय। वापस आने के लिए शुक्रिया।*'

'*शुक्रिया।*' लैंग्डन ने विनम्रता से इतालवी में जवाब दिया। गार्ड ने तीनों को अंदर आने का इशारा किया।

वे लोग एक छोटे-से फॉएर से होकर आगे बढ़े। गार्ड ने वहाँ लगे सुरक्षा यंत्र को बंद कर एक दूसरा दरवाज़ा खोला, जो पहले की तुलना में भारी था। दरवाज़ा खुलने पर वह अंदर घुसा।

बड़ी अदा से दोनों हाथ लहराते हुए उसने लोगों को अंदर आने का आग्रह किया। '*आप म्यूजियम में पहुँच चुके हैं।*'

मार्टा ने मुस्कराकर उसका शुक्रिया अदा किया और अपने मेहमानों को अंदर आने का इशारा किया।

इस म्यूजियम को पहले सरकारी दफ्तर के तौर पर बनाया गया था। यानी कि यहाँ पर बड़े आकार की, खुली खुली जगह के बजाय मध्यम आकार के कमरों और हॉलवे का जाल बिछा हुआ था, जो आधी इमारत को घेरे हुए थे।

'दांते का मौत का मुखौटा उस कोने में है।' मार्टा ने सिएना को बताया। 'इसे एक संकरी-सी जगह लैंडिटो में रखा गया है, जो दरअसल दो कमरों के बीच का एक गलियारा है। बगल की दीवार के साथ लगी पुरानी वस्तुओं को रखने वाली आलमारी में इस मुखौटे को रखा गया है, जो तभी दिखाई देता है जब आप इसके ठीक सामने खड़े होते हैं। यही वजह है कि यहाँ आने वाले कई लोग इसके सामने से गुज़र जाते हैं और उन्हें यह मुखौटा नज़र नहीं आता।'

लैंग्डन अब तेज़ कदमों से चल रहा था। वह सीधे, आगे की तरफ देख रहा था मानो मुखौटे के अंदर से कोई अजीब-सी शक्ति उसे अपनी ओर खींच रही हो। मार्टा ने सिएना को हल्के से छूते हुए कहा, 'ऐसा लगता है कि आपके भाई को बाकी किसी चीज़ में दिलचस्पी नहीं है, लेकिन यहाँ आकर आप मैकियावेली के कमर से ऊपर की मूर्ति को देखना न भूलें या फिर मैप्पा मुंडी ग्लोब को, जो हॉल ऑफ़ मैप्स में रखा हुआ है।'

सिएना ने शिष्टाचार पूर्वक सिर हिलाया और आगे बढ़ती रही। वह भी सीधे आगे की तरफ देख रही थी। मार्टा को उनके साथ चलने में मुश्किल हो रही थी। वे जब तक तीसरे कमरे में पहुँचे, तब तक वह काफी पीछे हो चुकी थी और आख़िर वह रुक गई।

'प्रोफेसर,' उसने हाँफते हुए चिल्लाकर कहा। 'मुखौटे के पहले शायद आप. . .अपनी बहन को. . .गैलरी के कुछ दूसरे हिस्से दिखाना चाहेंगे?'

लैंग्डन मुड़ा। ऐसा लगा जैसे किसी ने उसकी एकाग्रता भंग कर दी थी और वह अपने ख्यालों से वर्तमान में वापस लौट आया था। 'माफ कीजिएगा। क्या कहा आपने?'

मार्टा ने हाँफते हुए सामने वाले डिस्प्ले केस की तरफ इशारा किया। '*द डिवाइन कॉमेडी* की सबसे पुरानी छपी हुई प्रति।'

आख़िरकार जब लैंग्डन ने मार्टा को माथे से पसीना पोंछते हुए और अपनी उखड़ती साँस को संभालते हुए देखकर वह घबरा गया। 'मार्टा, माफ करना। बिलकुल, क्यों नहीं। वहाँ क्या लिखा है उसे देखना अच्छा होगा।'

लैंग्डन तेज़ी से वापस लौटा, ताकि मार्टा उसे पुरानी चीज़ों को रखने वाली आलमारी दिखा सके। इसके अंदर चमड़े की ज़िल्द मढ़ी एक किताब खुली हुई थी, जिसके टाइटल-

पेज पर लिखा था–*ला डिविना कॉमेडिया– दांते अलीगेरी।*

'अद्भुत।' लैंग्डन ने कहा। ऐसा लगा जैसे वह इसे देखकर अचंभित था। 'मैं सामने वाले पेज को पहचानता हूँ। मुझे नहीं पता था कि आपके पास न्युमेइस्टर वाली प्रति है।

आपको बिलकुल पता है, मार्टा ने सोचा। *वह हैरान थी कि पिछली रात ही तो उसने लैंग्डन को यह दिखाया था।*

'पंद्रहवीं सदी के मध्य में,' लैंग्डन सिएना को जल्दी-जल्दी बता रहा था। 'जोहान न्युमेइस्टर ने इस किताब की पहली प्रति को छपवाया था। उसने इसकी कई सौ प्रतियाँ छपवाई थी, लेकिन अब इनमें से केवल दर्जन भर प्रतियाँ बची हैं। इन्हें दुर्लभ माना जाता है।'

मार्टा को अब लगने लगा कि लैंग्डन अपनी छोटी बहन को दिखाने के लिए जान-बूझकर अंजान होने का नाटक कर रहा था। जिस प्रोफेसर को अपनी अकादमिक विनम्रता के लिए जाना जाता था उसके द्वारा इस तरह का आचरण उद्दंडता पूर्ण और अप्रिय लग रहा था।

'इस प्रति को लॉरेंशियन लाइब्रेरी से उधार के तौर पर लाया गया है।' मार्टा ने जानकारी दी। 'अगर आप और रॉबर्ट वहाँ नहीं गए हैं, तो आपको ज़रूर जाना चाहिए। वहाँ माइकेल-एंजेलो की बनाई हुई एक दर्शनीय सीढ़ी है, जो दुनिया के पहले रीडिंग-रूम तक जाती है। वहाँ पर किताबों को लोगों की सीट के साथ ज़ंजीर से बाँधकर रखा जाता था, ताकि उन्हें कोई बाहर नहीं ले जा पाए। इनमें से कई किताबों की तो दुनिया में एक ही प्रति उपलब्ध थी।'

'अद्भुत।' सिएना ने कहा। वह अब म्यूजियम के भीतरी हिस्सों को गौर से देख रही थी। 'और मुखौटा इस तरफ है?'

इतनी जल्दबाजी क्यों? मार्टा को अपनी उखड़ती सांसे संभालने में थोड़ा वक़्त और लगा। 'हाँ, लेकिन शायद तुम्हें इस बात को जानने में दिलचस्पी हो,' उसने सामने बनी एक सीढ़ी की ओर इशारा किया, जो छत में जाकर गुम हो रही थी। 'वह छत के ऊपर एक झरोखे के पास जाकर ख़त्म होती है, जहाँ से तुम वासारी की छत से लटकी मशहूर पेंटिंग को नीचे की तरफ देख सकती हो। मैं यहाँ तुम्हारा इंतज़ार करूँगी, अगर तुम. . .'

'माफ करना मार्टा,' सिएना ने उसे बीच में टोकते हुए कहा। 'मैं पहले मुखौटे को देखना चाहूँगी। हमारे पास वक़्त थोड़ा कम है।'

मार्टा हैरान होकर उस ख़ूबसूरत, नौजवान लड़की की तरफ देखने लगी। वह अंजान लोगों से पहली बार मिलते ही उनका नाम लेकर बुलाने के नए तौर-तरीके को सख्त नापसंद करती थी। *मेरा नाम श्रीमति अलवेरेज है,* उसने मन-ही-मन उसे डाँटते हुए कहा *और मैं तुम्हारे ऊपर एहसान कर रही हूँ।*

'ठीक है, सिएना।' मार्टा ने रुखाई से कहा। 'मुखौटा इस तरफ रखा है।'

अब मार्टा ने उन्हें वहाँ की चीज़ों के बारे में नई सूचनाएँ देना बंद कर दिया। वे लोग गैलरी के कमरों की लंबी, घुमावदार कतार से गुज़रते हुए मुखौटे की तरफ चल पड़े। पिछली रात लैंग्डन और *इल डुओमिनो* ने उस संकरे एंडिटो के भीतर मुखौटे को देखते हुए आधा घंटा समय बिताया था। मार्टा को मुखौटे में लैंग्डन की दिलचस्पी पर हैरानी हो रही थी। उसने पूछा था कि क्या मुखौटे में उनकी रुचि पिछले साल हुई अजीबो-गरीब घटनाओं की वजह से है। लैंग्डन और *इल डुओमिनो* दोनों ने इस पर चुप्पी साध ली थी।

गलियारे के पास पहुँचते हुए लैंग्डन ने अपनी बहन को मौत का मुखौटा बनाने का तरीका बताना शुरू किया। मार्टा को यह सुनकर अच्छा लगा कि लैंग्डन की व्याख्या बिलकुल सही थी। वैसे उसने पहले झूठमूठ कहा था संग्रहालय में रखी *द डिवाइन कॉमेडी* की दुर्लभ प्रति उसने पहले नहीं देखी थी।

'मरने के तुरंत बाद,' लैंग्डन ने विस्तार से बताना शुरू किया। 'मृतक को लिटा दिया जाता था। उसके चेहरे पर जैतून के तेल की एक परत लगा दी जाती थी। उसके ऊपर नम प्लास्टर को उसकी त्वचा से चिपका दिया जाता था, जो उसके चेहरे, मुंह, आँख, पलकों सबको पूरी तरह ढक लेता था। जब प्लास्टर जम जाता था तो इसे आसानी से उठाया जा सकता था और इसका इस्तेमाल सांचे के तौर पर किया जाता था, जिसमें ताज़ा प्लास्टर उड़ेल दिया जाता था। यह प्लास्टर सूख कर मरने वाले के चेहरे का सटीक नमूना बन जाता था। यह तरीका उस जमाने के मशहूर और प्रतिभाशाली लोगों के लिए ख़ासकर इस्तेमाल किया जाता था जैसे कि दांते, शेक्सपियर, वोल्टेयर, टासो, कीट्स। इन सभी लोगों के डेथ-मास्क बनाए गए थे।'

'और आख़िरकार हम अपनी जगह आ गए।' एंडिटो के सामने पहुँचकर मार्टा ने ऐलान किया। वह एक कदम किनारे हो गई और उसने लैंग्डन और उसकी बहन को पहले अंदर जाने का इशारा किया। 'मुखौटा आपकी बांई ओर दीवार के साथ बने डिस्प्ले केस में है। मेरा आग्रह है कि आप लोग वहाँ लगे खंभे से दूर ही रहें।'

'शुक्रिया।' सिएना संकरे कॉरिडोर के अंदर डिस्प्ले केस के पास पहुँचकर अंदर झाँकने लगी। उसकी आँखें अचानक फैल गई। उसने मुड़कर अपने भाई की तरफ देखा। उसकी आँखों में खौफ दिखाई दे रहा था।

मार्टा ने वहाँ आने वाले दर्शकों के चेहरे पर यह प्रतिक्रिया हज़ारों बार देखी थी। मुखौटे को पहली बार देखते ही लोगों को सदमा लगता था–दांते का झुर्रियों भरा डरावना चेहरा, नोकदार नाक, बंद आँखें।

सिएना के ठीक पीछे लैंग्डन भी अंदर घुसा। वह भी डिस्प्ले केस को देखने लगा और अचानक पीछे हो गया। उसके चेहरे पर भी आश्चर्य का भाव दिखाई दे रहा था।

मार्टा के मुँह से भी हल्की-सी हुंकारी निकल आई थी। *ज़बरदस्ती का हौवा* खड़ा करना।

वह भी उनके पीछे पीछे अंदर घुस गई, लेकिन जब उसने कैबिनेट के अंदर झाँका तो उसके मुँह से भी चीख निकल गई। *हे भगवान!*

मार्टा अलवेरेज ने सोचा था कि उसे भी दांते का मृत चेहरा घूरता हुआ दिखाई देगा, लेकिन उसकी जगह उसे अंदर केवल कैबिनेट की दीवार पर लगा मखमली कपड़ा और वह खूंटी दिखाई दी जिस पर सामान्य तौर पर मुखौटा टंगा होता था।

मार्टा ने खाली डिस्प्ले केस को देखकर सदमे में आकर दोनों हाथों से अपना चेहरा ढक लिया। उसकी साँस तेज़ चलने लगी और वह उसने सहारे के लिए वहाँ लगे खंभे को पकड़ लिया। अंत में उसने खाली कैबिनेट से अपनी नज़रें हटाई और मुख्य दरवाज़े पर रात की ड्यूटी के लिए तैनात चौकीदारों को देखने लगी।

'दांते का मुखौटा कहाँ है?' वह पागलों की तरह चिल्ला रही थी। *'दांते का मुखौटा गायब है।'*

40

मार्टा अलवेरेज खाली डिस्प्ले कैबिनेट के सामने खड़ी काँप रही थी। उसे अपने पेट में तनाव का अनुभव कर रहा था। वह उम्मीद कर रही थी कि यह डर की वजह से हो रहा था, प्रसव पीड़ा की वजह से नहीं।

दांते का डेथ-मास्क गायब हो गया है।

दोनों सुरक्षा-कर्मी अब पूरी तरह चौकस हो गए थे। वे अब गलियारे में पहुँच चुके थे और उन्होंने खाली आलमारी भी देख ली थी, जिसमें दांते का डेथ-मास्क रखा हुआ था। वे लोग अब काम में लग गए थे। उनमें से एक दौड़कर पास वाले वीडियो कंट्रोल रूम में जाकर पिछली रात के सिक्योरिटी कैमरा के फुटेज देखने लगा। दूसरे गार्ड ने पुलिस को फोन कर इस चोरी के बारे में ख़बर दी।

'पुलिस 20 मिनट के भीतर यहाँ पहुँच जाएगी,' गार्ड ने फोन रखते हुए मार्टा को जानकारी दी।

'20 मिनट?' उसने गुस्से में पूछा। 'हमारी एक कीमती कलाकृति चोरी हो गई है।'

गार्ड ने उसे समझाया कि उसे पुलिस वालों ने कहा कि वे लोग किसी गंभीर संकट से जूझ रहे हैं और वे इस काम के लिए उचित व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं, जो यहाँ आकर हमारा बयान लेगा।

'इसके और बड़ा संकट आख़िर क्या हो सकता है?' उसने नाराज़गी ज़ाहिर की।

लैंग्डन और सिएना ने एक-दूसरे की ओर परेशान नज़रों से देखा। मार्टा को लगा कि उसके दोनों मेहमान इतनी सारी बातें एक साथ देख-सुनकर परेशान हो रहे थे। इसमें हैरानी की बात नहीं थी। वे तो बस आते जाते थोड़ी देर के लिए रुककर मुखौटे को देखना चाहते थे कि इसी बीच इस बहुमूल्य कलाकृति की चोरी हो गई। पिछली रात पता नहीं कैसे किसी ने गैलरी में घुसकर इस कीमती मुखौटे यानी दांते के डेथ मास्क की चोरी कर ली थी।

मार्टा जानती थी कि इस संग्रहालय में दांते के डेथ मास्क से कहीं अधिक कीमती चीज़ें रखी हुई थी जिन्हें चुराया जा सकता था। इसलिए वह मन-ही-मन ईश्वर को याद कर रही थी। फिर भी, म्यूजियम में चोरी का यह पहला वाकया था। *मुझे तो प्रोटोकॉल का भी पता नहीं!*

मार्टा को भीतर से कमजोरी का अनुभव हो रहा था। उसने हाथ बढ़ा कर सहारे के लिए वहाँ रखे हुए छोटे-से खंभे को पकड़ लिया।

गैलरी के दोनों गार्ड अचंभे में थे। वे कल रात की घटनाओं के बारे में विस्तार से मार्टा को जानकारी दे रहे थे। करीब दस बजे मार्टा *इल डुओमिनो* और लैंग्डन के साथ यहाँ आई थी।

कुछ ही देर बाद, वे तीनों बाहर आ गए थे। वहाँ तैनात पहरेदारों ने दरवाज़े पर फिर से ताला लगा दिया था और अलार्म को दोबारा चालू कर दिया था। जहाँ तक उन्हें पता था, इसके बाद वहाँ दूसरा कोई व्यक्ति गैलरी में न आया था न बाहर निकला था।

'असंभव।' मार्टा ने उसे इतालवी में डाँटते हुए कहा। 'जब हम तीनों लोग बाहर निकले उस वक़्त मुखौटा कैबिनेट के भीतर था। ज़ाहिर है कि हमारे बाद गैलरी में कोई घुसा था।'

चौकीदारों ने अपने हथेलियों को आगे कर दिया। वे हैरान थे। *'नहीं, मैंने किसी को भी अंदर जाते नहीं देखा।'*

पुलिस वहाँ पहुँचने वाली थी। मार्टा पेट से होने के बावजूद जितनी तेज़ी से मुमकिन था, उतनी तेज़ी से सिक्यूरिटी कंट्रोल रूम की तरफ बढ़ी। लैंग्डन और सिएना भी घबराए हुए से उसके पीछे पीछे जा रहे थे।

मार्टा सिक्योरिटी वीडियो के बारे में सोच रही थी। *उसी से पता चलेगा कि कल रात यहाँ कौन आया था।*

उधर तीन ब्लॉक आगे पोंटे वेखियो पर वाएंथा चुपचाप छुप कर खड़ी थी। उसके सामने से पुलिस के दो अधिकारी भीड़ से गुज़रते हुए आगे जा रहे थे। वे अपने हाथ में लैंग्डन की तस्वीर लेकर वहाँ तलाशी में लगे थे।

वे लोग जैसे ही वाएंथा के पास पहुँचे उनके रेडियो सेट से आवाज़ आने लगी–सामान्य रूप से डिस्पैच से आने वाली आवाज़, जो सबके लिए भेजी जाती थी। उद्घोषणा छोटी थी और इतालवी में बोली जा रही थी, लेकिन वाएंथा उसका सारांश समझ गई–पालात्ज़ो वेखियो के इलाके में, जो कोई ऑफिसर उपलब्ध हो उसे पालात्ज़ो संग्रहालय जाकर बयान दर्ज करना था।

उस पुलिस अफसर पर रेडियो से आ रही इस उद्घोषणा का कोई असर नहीं हुआ, लेकिन वाएंथा के कान खड़े हो गए।

पालात्ज़ो वेखियो का म्यूज़ियम?

कल रात की दुर्भाग्यपूर्ण घटना, जिसने उसके करियर को बर्बाद कर दिया था, इसे पलात्जो वेखियो के बाहर वाली सड़क पर घटी थी।

पुलिस का बुलेटिन जारी था। इतालवी में हो रही उद्घोषणा के बीच रेडियो की घरघराहट बाधा डाल रही थी। उसे समझना काफी मुश्किल हो रहा था, लेकिन उसे दो शब्द स्पष्ट सुनाई दे रहे थे–दांते अलीगेरी।

अचानक उसका शरीर तन गया। दांते अलीगेरी? यह महज संयोग की बात नहीं थी। वह

तेज़ी से पालात्ज़ो वेखियो की तरफ मुड़ी। उसे पास की इमारतों के ऊपर पालात्ज़ो का टावर दिखाई दिया जिस पर जगह जगह संतरियों के खड़े होने की जगह बनी थी।

आख़िर म्यूजियम में हुआ क्या? वह हैरान थी *और कब?*

मामले के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं होने के बावजूद, वाएंथा फील्ड एनेलिस्ट के अपने लंबे अनुभव के आधार पर समझ सकती थी कि यह संयोग महज एक मामूली बात नहीं था। *पालात्ज़ो वेखियो म्यूजियम और . . .दांते?* इसका कोई-न-कोई ताल्लुक लैंग्डन से अवश्य था।

वाएंथा के मन में हमेशा यह आशंका थी कि लैंग्डन पुराने शहर में वापस लौटेगा। यह तर्क के आधार पर भी सही मालूम होता था, क्योंकि पिछली रात जब गड़बड़ शुरू हुई, उस समय लैंग्डन वहीं था।

अब दिन के उजाले में वाएंथा सोच रही थी कि कहीं लैंग्डन उस चीज़ की तलाश में पालात्ज़ो वेखियो वापस लौटकर वहीं तो नहीं आ गया? उसे पक्का यकीन था कि लैंग्डन इस पुल को पार कर पुराने शहर में दाखिल नहीं हुआ था। ऐसे दूसरे भी कई पुल थे, लेकिन बोबोली गार्डन से वे इतनी दूरी पर थे कि पैदल वहाँ से आना संभव नहीं था।

उसने देखा कि पुल के नीचे चार लोगों का एक दस्ता अपनी नाव लेकर हुआ पुल को पार कर रहा था। उनकी नाव पर इतालवी में लिखा था–सोसाइटा कैनोट्टेरी फ़िरेंज़े/ फ्लोरेंस रोइंग क्लब। छोटी नौका की लाल और सफेद रंग की पतवार बिलकुल क्रमबद्ध तरीके से ऊपर नीचे हो रही थी।

क्या लैंग्डन नाव से उस पर जा सकता है? इसकी संभावना बहुत कम लग रही थी, लेकिन उसे लग रहा था कि पालात्ज़ो वेखियो के बारे में की जा रही पुलिस उद्घोषणा को उसे ठीक से खंगालना चाहिए।

'सभी अपने कैमरे बाहर निकाल लें, *मेहरबानी कर।*' किसी महिला पुलिस ने इतालवी लहज़े में अंग्रेज़ी बोलते हुए कहा।

वाएंथा ने देखा कि एक पतली-सी छड़ी पर नारंगी रंग का घाघरेदार पॉम-पॉम लगा कर एक महिला टूर-गाइड अपने साथ चल रहे सैलानियों के जत्थे को पोंटे वेखियो के पार ले जाने की कोशिश कर रही थी।

'आप अपने ऊपर वासारी का सबसे बड़ा मास्टरपीस देख सकते हैं।' गाइड ने अभ्यस्त तरीके से उत्साह में भरकर कहा। वह पॉम-पॉम वाली अपनी छड़ी उस ओर उठाकर दिखाने लगी। सैलानी उस छड़ी की दिशा में देखने लगे।

वाएंथा कि इस पर नज़र नहीं पड़ी थी, लेकिन उसने देखा कि एक दो मंजिला इमारत वहाँ की दुकानों के ऊपर से होकर गुज़र रही थी, जो एक संकरे अपार्टमेंट की तरह दिखाई देती थी।

‘वासारी कॉरिडोर,’ गाइड बता रही थी। ‘तकरीबन एक किलोमीटर लंबा है। मेडिची परिवार इसका इस्तेमाल पिट्टी के महल से पालात्ज़ो वेखियो तक सुरक्षित ढंग से जाने के लिए करता था।’

अपने ऊपर से गुज़रते हुए सुरंगनुमा इस संरचना को देखकर वाएंथा कि आँखें फटी की फटी रह गई। उसने इस गलियारे के बारे में सुना था, लेकिन वह इसके बारे में बहुत कम जानती थी।

यह पालात्ज़ो वेखियो तक जाता है?

‘बस उन गिने चुने लोगों के लिए जिन्हें यहाँ के ख़ास लोगों से परिचय है।’ गाइड ने अपनी बात आगे बढ़ाई। ‘वे आज भी इस गलियारे का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह एक दर्शनीय कला-दीर्घा है, जो पालात्ज़ो वेखियो से शुरू होकर बोबोली गार्डन के उत्तर-पूर्वी छोर तक जाता है।’

गाइड ने इसके बाद क्या कहा, यह वाएंथा ने नहीं सुना।

वह अपनी मोटरसाइकिल पर तेज़ी से आगे चली जा रही थी।

41

जब वह और सिएना, मार्टा और दो गार्डों के साथ वीडियो कंट्रोल रुम में घुसे तो लैंग्डन के सिर पर लगे टाँकों में फिर से दर्द होने लगा। वह संकरी-सी जगह उस छोटे-से कमरे के आकार की थी, जिसमें पादरी अपनी पोशाक वगैरह रखते हैं। वहाँ चारों तरफ कंप्यूटर के हार्ड-ड्राइव की घर्र-घर्र सुनाई दे रही थी और चारों तरफ मॉनीटर रखे थे। अंदर की हवा इतनी गर्म थी घुटन महसूस हो रही थी। अंदर सिगरेट की बदबू फैली हुई थी।

लैंग्डन को लगा जैसे चारों तरफ से दीवारें उसे दबोच रही थी।

मार्टा एक वीडियो मॉनीटर के आगे जाकर बैठ गई। उस मॉनीटर में प्लेबैक कर कोई वीडियो चल रहा था। मॉनीटर पर एंडिटो दरवाज़े के ऊपर से ली गई श्याम-श्वेत, दानेदार तस्वीर दिखाई दे रही थी। मॉनीटर पर अंकित समय से पता चल रहा था कि यह तस्वीर ठीक चौबीस घंटे पहले यानी सुबह आधी बीत जाने के वक़्त ली गई थी–ठीक उस समय जब म्यूजियम को खोला गया था। यह शाम के समय लैंग्डन और रहस्यमय *इल डुओमिनो* के म्यूजियम में आने के काफी पहले का वक़्त था।

गार्ड ने वीडियो को फास्ट-फॉरवर्ड किया। लैंग्डन ने देखा कि बड़ी तादाद में सैलानी एंडिटो में तेज़ी से, लेकिन बीच-बीच में रुकते हुए घुस रहे हैं। इस जगह से मुखौटा नहीं दिखाई दे रहा था, लेकिन इतना साफ पता चल रहा था कि यह उस वक़्त भी डिस्प्ले में रखा हुआ था, क्योंकि वीडियो में दिखाई दे रहा था कि सैलानी बीच-बीच में रुककर उस तरफ झाँक रहे थे और तस्वीर उतारकर आगे बढ़ रहे थे।

जल्दी करो, लैंग्डन मन-ही-मन सोच रहा था, क्योंकि उसे पता था कि पुलिस वहाँ पहुँचने वाली थी। वह सोच रहा था कि वह और सिएना इसे बीच में छोड़कर बाहर भाग सकते थे या नहीं, लेकिन उनके लिए भी इस वीडियो को देखना ज़रूरी था। इस रिकॉर्डिंग से अभी घटी घटनाओं के बारे में बहुत कुछ जानकारी हासिल होने वाली थी।

वीडियो पीछे की तरफ चलता जा रहा था। अब प्लेबैक की गति और भी तेज़ हो गई थी। कमरे में दोपहर की परछाई पसरती हुई दिखाई देने लगी थी। सैलानियों का आना जाना जारी था और अब धीरे-धीरे उनकी तादाद कम होती जा रही थी। अचानक वहाँ कोई सैलानी नहीं नज़र आने लगा। मॉनिटर पर अब शाम के पाँच बजे दिखाई दे रहा था। म्यूजियम की बत्ती बंद हो गई और चारों तरफ शांति छा गई।

संध्या पाँच बजे। बंद होने का समय।

'*रफ्तार तेज़ करो।*' मार्टा ने हुक्म दिया। वह अपनी कुर्सी पर आगे झुककर स्क्रीन को

देखने लगी।

गार्ड ने वीडियो को तेज़ी से आगे बढ़ने दिया। तभी अचानक रात के दस बजे का समय दिखाई दिया। म्यूज़ियम में अचानक बत्तियाँ जल उठी।

गार्ड ने तुरंत टेप को सामान्य गति पर चलाना शुरू कर दिया।

एक ही क्षण बाद, गर्भवती मार्टा अल्वारेज का परिचित चेहरा दिखाई दिया। उसके ठीक पीछे लैंग्डन दिखाई दिया जिसने अपनी सामान्य पोशाक, हैरिस–ट्वीड कैंबरली जैकेट, इस्त्री की हुई खाकी पतलून और कोर्डोवान लोफर चप्पल पहन रखी थी। वहाँ चलते हुए उसे अपनी आस्तीन के नीचे से झाँकती मिकी-माउस वाली घड़ी भी मॉनिटर पर नज़र आई।

वह रहा मैं. . .गोली लगने के पहले।

लैंग्डन अपने को जिन कामों में लगा देख रहा था उसके बारे में उसे ज़रा भी याद्दाश्त नहीं थी। इसकी वजह से वह परेशान अनुभव कर रहा था। *कल रात मैं . . .डेथ मास्क को देखता हुआ यहाँ था?* खैर, उस वक़्त से लेकर अब तक, वह अपनी पोशाक खो चुका था, उसकी मिकी-माउस वाली घड़ी गायब हो चुकी थी और उसकी ज़िंदगी के दो दिन लापता थे।

वीडियो आगे बढ़ रहा था। तस्वीरों को ठीक से देखने के लिए वह सिएना के साथ मार्टा और पहरेदारों के पीछे चिपक गया था। बिना आवाज़ वाला फुटेज आगे बढ़ता रहा। अब लैंग्डन और मार्टा डिस्प्ले केस के पास आ चुके थे। वे मुखौटे की तारीफ कर रहे थे। ठीक इसी वक़्त दरवाज़े के पास एक बड़ी-सी परछाई उभरी जिसने दरवाज़े के पास अंधेरा कर दिया। अब एक भयंकर मोटा आदमी तस्वीर में दिखाई दे रहा था। उसने टैन-सूट पहन रखी थी। उसके हाथ में एक ब्रीफकेस था। वह मुश्किल से दरवाज़े में घुस पाया था। उसकी तोंद के सामने गर्भवती मार्टा भी दुबली-पतली लग रही थी।

लैंग्डन ने उस आदमी को तुरंत पहचान लिया। *इग्नाजियो?*

‘ये इग्नाजियो बुसोनी है।’ लैंग्डन ने सिएना के कान में फुसफुसाते हुए कहा। ‘वह म्यूजियो डेल ओपेरा डेल डुओमो का निदेशक है। उसे मैं कई सालों से जानता हूँ। मैंने उसे कभी *इल डुओमिनो* के नाम से नहीं जाना था।’

‘बिलकुल सही परिचय।’ सिएना ने धीरे-से जवाब दिया।

पिछले वर्षों में लैंग्डन ने कलाकृतियों और इल डुओमो के बारे में जानने के लिए उससे कई बार संपर्क किया था, क्योंकि उस गिरजाघर की ज़िम्मेदारी उसी के पास थी, लेकिन पालात्ज़ो वेखियो आना बुसोनी के कार्यक्षेत्र से बाहर का मसला था और फिर, इग्नाजियो बुसानी फ्लोरेंस के कला जगत की नामी-गिरामी हस्ती होने के अलावा दांते का विशेषज्ञ और रसिक भी माना जाता था।

दांते के मुखौटे के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए सही आदमी।

लैंग्डन दोबारा वीडियो को गौर से देखने लगा। अब मार्टा एंडिटो की पिछली दीवार से लग कर धैर्यपूर्वक इंतज़ार करती हुई दिखाई दे रही थी। लैंग्डन और इग्नाजियो वहाँ लगे खंभे पर आगे झुककर मुखौटे को यथासंभव करीब से देखने की कोशिश करते हुए दिखाई दे रहे थे। उन दोनों की बातचीत और बहस में वक़्त आगे बढ़ता रहा। उनके पीछे मार्टा बीच-बीच में उनसे नज़रें बचाकर अपनी घड़ी देखती हुई दिखाई दे रही थी।

लैंग्डन सोच रहा था कि अगर इस सिक्योरिटी टेप में आवाज़ होती तो और भी अच्छा होता। *मैं इग्नाजियो के साथ क्या बातें कर रहा था? हम क्या ढूँढ़ रहे थे?*

ठीक उसी वक़्त स्क्रीन पर दिखाई दिया कि लैंग्डन खंभे को पकड़कर आगे झुका। अब वह कैबिनेट के ठीक सामने खड़ा था। उसका चेहरा शीशे से बस कुछ ही इंचों की दूरी पर था। मार्टा ने तुरंत उसे रोका। ऐसा लगा जैसे वह उसे झिड़क रही थी। लैंग्डन माफी माँगते हुए पीछे हो गया।

‘माफ कीजिएगा, मैंने बहुत सख्ती से बात की।’ मार्टा ने उसकी ओर मुड़कर देखते हुए कहा। ‘लेकिन जैसा कि मैंने आपको बताया, यह डिस्प्ले केस काफी पुराना है और बहुत नाज़ुक भी। मुखौटे के मालिक का निर्देश है कि लोग खंभे के पास खड़े होकर इसे देखें। वह हमारे कर्मचारियों को भी अपनी गैरहाजिरी में इस डिस्प्ले को नहीं खोलने देता।’

उसे मार्टा की बात समझने में थोड़ा समय लगा। *मुखौटे का मालिक?* लैंग्डन समझता था कि मुखौटा संग्रहालय की संपत्ति थी।

सिएना भी इस बात से हैरान थी। उसने भी तुरंत बोला। ‘क्या यह म्यूजियम मुखौटे का मालिक नहीं?’

मार्टा ने अपना सिर हिलाया। उसकी आँखें फिर से स्क्रीन पर जमी थी। ‘संग्रहालय के एक अमीर संरक्षक ने मुखौटा हमसे खरीदने की पेशकश की। उसने कहा की खरीदने के बाद भी हम मुखौटे को संग्रहालय में रख सकते थे। उसने इसके लिए एक बड़ी रकम दी जिसने हमने खुशी खुशी स्वीकार कर लिया।’

‘रुकिए।’ सिएना ने कहा। ‘उसने मुखौटे की कीमत दी . . .और आपको मुखौटा *रखने की* इजाज़त भी दी?’

‘ऐसा अक्सर होता है।’ लैंग्डन ने कहा। ‘दान के मकसद से की गई खरीदारी। इस तरीके से दानकर्ता म्यूजियम को अनुदान भी दे देते हैं और इसे दान के तौर पर पंजीकृत करवाने की ज़रूरत भी नहीं होती।’

‘दान देने वाल इंसान कोई सामान्य व्यक्ति नहीं था।’ मार्टा ने कहा। ‘वह दांते का एक सही अर्थों में जानकार व्यक्ति था और. . .एक अर्थ में. . .थोड़ा पगलेट भी. . .इतालवी में क्या कहते हैं. . .फैनेटिको।’

'वह व्यक्ति कौन है?' सिएना ने पूछा। उसकी गप-शप के लहज़े में पूछी गई बात में व्यग्रता झलक रही थी।

'कौन?' मार्टा ने नाराज़गी ज़ाहिर की। वह अब भी स्क्रीन को देख रही थी। 'शायद तुमने उसके बारे में इस बीच ख़बरों में पढ़ा होगा..स्विट्जरलैंड का अरबपति बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट।'

लैंग्डन को यह नाम ठीक ठीक याद नहीं आ रहा था, लेकिन सिएना ने लैंग्डन का हाथ पकड़कर ज़ोर से दबाया। ऐसा लगा जैसे उसे कोई भूत दिख गया हो।

'हाँ. . .बिलकुल. . .' सिएना ने रुक रुककर कहा। उसका चेहरा जर्द पड़ गया था। 'बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट। मशहूर जैव-रसायन विशेषज्ञ। उसने बहुत कम उम्र में ही जैव-वैज्ञानिक खोजों के पेटेंट से काफी बड़ी रकम कमाई थी।' उसने रुककर थूक गटका और आगे बढ़कर लैंग्डन के कान में फुसफुसाकर कहा, 'जोब्रिस्ट ने दरअसल विषाणुओं की संरचना को बदलने के संबंध में काम किया था जिसे तकनीकी भाषा में जर्म लाइन मैनिपुलेशन कहते हैं।'

लैंग्डन को जर्म लाइन मैनिपुलेशन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, लेकिन सुनने से यह काफी अपशकुनी चीज़ लगती थी। ख़ासकर जब उसने हाल में ही प्लेग और मौतों के बारे में इतनी सारी छवियों के बारे में सुना था। वह थोड़ा हैरान था कि सिएना जोब्रिस्ट के बारे में इतना सब कुछ अपने मेडिकल क्षेत्र के अध्ययन के आधार पर जानती थी या शायद इसलिए कि वे दोनों बचपन से ही अत्यंत प्रतिभाशाली व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। *क्या इस तरह के अति-मेधावी लोग एक-दूसरे के बारे में जानकारी हासिल करते रहते हैं?*

'मैंने सबसे पहले जोब्रिस्ट के बारे में कुछ साल पहले सुना था।' सिएना समझाने लगी। 'उस समय उसने आबादी पर नियंत्रण हासिल करने के लिए कुछ अत्यंत विवादास्पद बयान दिए थे।' वह रुकी। उसके चेहरे पर गहरी चिंता दिखाई दे रही थी। 'जोब्रिस्ट आबादी के बारे में महाविनाश के समीकरण, पोपुलेशन एपोकैलिप्स इक्वेशन, का समर्थक माना जाता है।'

'मैं समझा नहीं।'

'दरअसल यह गणितीय भाषा में कही जाने वाली बात है कि हमारी आबादी बढ़ रही है, लोग अधिक समय तक जी रहे हैं और हमारे प्राकृतिक संसाधन कम होते जा रहे हैं। यह गणितीय समीकरण भविष्यवाणी करता है कि अगर यही ढर्रा जारी रहा तो इसका एक ही परिणाम हो सकता है –समाज का प्रलयकारी विध्वंस। जोब्रिस्ट ने सार्वजनिक भविष्यवाणी की है कि मानव प्रजाति अगले सौ साल के बाद ज़िंदा नहीं बच सकती..यदि इस बीच प्रजाति के उन्मूलन संबंधी कोई महाविनाश घटित नहीं हुआ तो।' सिएना ने गहरी साँस ली और लैंग्डन की आँखों में आँखें डालकर देखने लगी। 'एक बार तो जोब्रिस्ट ने यहाँ तक कहा था कि यूरोप में ब्लैक डेथ से अच्छी कोई घटना हुई ही नहीं है।'

लैंग्डन को सदमा लगा। वह सिएना की ओर देख रहा था। उसके कंधों के रोएँ खड़े हो गए

थे। उसके सामने एक बार फिर प्लेग वाले मुखौटे की तस्वीर नाच गई थी। वह आज सुबह से कोशिश कर रहा था कि इन घटनाओं को वह भयंकर प्लेग से जोड़कर नहीं देखे, लेकिन यह विचार अब इतना मज़बूत हो रहा था कि इससे इनकार करना मुश्किल था।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ब्लैक डेथ को यूरोप के लिए होने वाली सबसे अच्छी घटना कहना घृणास्पद था, लेकिन लैंग्डन जानता था कि कई इतिहासकारों ने सन् 1300 के आसपास हुई इस घटना के सामाजिक-आर्थिक लाभों का विश्लेषण किया था। प्लेग के पहले विशाल जनसंख्या, अकाल और आर्थिक तकलीफों का अंध युग था। अचानक आए ब्लैक डेथ भयंकर तो था, लेकिन इसने कुल मिलाकर मनुष्यों की भीड़ को कम किया था जिसकी वजह से खाद्यान्नों की उपलब्धता बढ़ गई थी, अवसरों की मात्रा में वृद्धि हुई थी जिसे कई इतिहासकार पुनर्जागरण के आगमन की बुनियादी वजह मानते हैं।

लैंग्डन के दिमाग में ट्यूब पर बने बायो-हैजर्ड संकेत और उसके अंदर दांते के *इन्फर्नो* के संशोधित स्वरूप की बात घूमने लगी। उसके दिमाग में एक डरावना ख़्याल आया। उस खौफनाक छोटे प्रोजेक्टर को किसी ने बनाया होगा..उसे लगा जैसे बायोकेमिस्ट बरनार्ड जोब्रिस्ट, दांते का अंधभक्त, शायद उसी ने बनाया होगा।

विषाणुओं का स्वरूप बदलने की क्षमता, उनके जर्म लाइन मैनिपुलेशन, की तकनीक का जनक। लैंग्डन को लगा कि गुत्थी अब थोड़ी सुलझती हुई दिखाई दे रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश इनसे उभरकर सामने आ रही तस्वीर सचमुच डरावनी होती जा रही थी।

'इस हिस्से को फास्ट-फॉरवर्ड करो।' मार्टा ने गार्ड को हुक्म दिया। ऐसा लगा कि मुखौटे का अध्ययन कर रहे लैंग्डन और इग्नाजियो बुसोनी की तस्वीरों को वह सामान्य रफ्तार में चलता हुआ नहीं देखना चाहती थी। वह शायद उस आदमी को जल्द-से-जल्द देखना चाहती थी जिसने म्यूजियम के अंदर सेंध मारकर मुखौटे को चुराया था।

गार्ड ने फास्ट-फॉरवर्ड बटन दबाया। स्क्रीन पर दिख रहा टाइम-स्टाम्प आगे बढ़ने लगा।

तीन मिनट. . .छः मिनट. . .आठ मिनट।

स्क्रीन पर मार्टा उन लोगों के पीछे खड़ी दिखाई दे रही थी। वह अपने शरीर का वजन कभी इधर तो कभी उधर डालने की कोशिश कर रही थी। बार-बार उसकी नज़र अपनी घड़ी पर जा रही थी।

'मैं माफी चाहूँगा,' लैंग्डन ने कहा, 'उस दिन हम लोग काफी देर तक बातें करते रहे। आप परेशान दिख रही हैं।'

'ये मेरी ही गलती थी।' मार्टा ने जवाब दिया। 'आप दोनों ने मुझसे घर वापस जाने कहा था और गार्ड आप लोगों को बाहर जाने के समय मदद कर सकता था, लेकिन मुझे लगा कि ऐसा करना बदतमीजी होगी।'

तभी स्क्रीन से मार्टा गायब हो गई। गार्ड ने वीडियो की गति सामान्य कर दी।

'ठीक है।' मार्टा ने कहा। 'मुझे याद है मैं वाशरुम गई थी।'

गार्ड ने सिर हिलाया और फिर से वीडियो को तेज़ रफ्तार में आगे बढ़ाने लगा, लेकिन वह जब तक ऐसा करता, मार्टा ने तेज़ी से उसका हाथ पकड़ लिया। '*रुको।*'

वह अपना सिर स्क्रीन की ओर झुका कर देखने लगी। उसे कुछ समझ में नहीं आ रहा था।

इस पर लैंग्डन की भी नज़र पड़ी थी। *हे भगवान, ये क्या है!*

स्क्रीन पर दिखाई दे रहा था कि लैंग्डन ने अपने ट्वीड कोट की जेब में हाथ डालकर सर्जिकल दस्ताने का एक जोड़ा बाहर निकाला। अब वह अपने हाथों में पहन रहा था।

ठीक उसी समय *इल डुओमिनो* लैंग्डन के पीछे खड़ा हो गया। वह हॉलवे की ओर झाँककर देख रहा था, जहाँ से कुछ ही देर पहले मार्टा निकलकर वाशरूम में गई थी। कुछ ही क्षण बाद इल डुओमिनो ने लैंग्डन की ओर देखकर सिर हिलाया जिससे ऐसा लग रहा था मानो वह बता रहा हो कि रास्ता साफ है।

आख़िर हम लोग यहाँ क्या कर रहे हैं?

लैंग्डन ने मॉनिटर पर देखा कि दस्ताने वाला उसका हाथ आगे बढ़ा और कैबिनेट के दरवाज़े के पास पहुँच गया. . .और इसके बाद, बहुत ही आराम से उसने दरवाज़े को अपनी ओर खींचा। थोड़ी ही देर में कैबिनेट का दरवाज़ा आहिस्ता-आहिस्ता खुल गया, जिसमें वह पुराना मुखौटा रखा हुआ था। सामने दांते का मौत का मुखौटा दिखाई दे रहा था।

मार्टा अल्वारेज के मुँह से अचानक चीख निकल गई। उसने अपने हाथों से चेहरे को ढक लिया।

लैंग्डन भी मार्टा की तरह घबराया हुआ था। उसे यकीन नहीं हो रहा था जब उसने देखा कि उसने आलमारी में हाथ डाला और दांते के मुखौटे को दोनों हाथों से पकड़कर बाहर निकाल लिया।

'*भगवान मेरी रक्षा करें।*' मार्टा गुस्से में उबल रही थी। वह तेज़ी से खड़ी हो गई और लैंग्डन की तरफ मुड़कर बोली, '*आपने ये क्या किया? क्यों?*'

लैंग्डन कुछ बोल पाता उसके पहले ही एक गार्ड ने तेज़ी से अपनी काली रंग की बेरेटा बंदूक निकालकर सीधे लैंग्डन के सीने पर तान दी।

जीसस।

रॉबर्ट लैंग्डन गार्ड की बंदूक की नली को भौंचक्का होकर देख रहा था। उसे लगा जैसे वह छोटा-सा कमरा उसे दबोचता जा रहा था। मार्टा अल्वारेज अब खड़ी थी और उसकी ओर दहकती नज़रों से देख रही थी। उसके चेहरे पर इस अकल्पनीय धोखे से अविश्वास का भाव झलक रहा था। उसके पीछे लगे सिक्योरिटी मॉनिटर पर लैंग्डन मुखौटे को उठाकर उसे गौर से देख रहा था।

'मैंने इसे बस थोड़ी देर के लिए बाहर निकाला था।' लैंग्डन अपनी बात पर अड़ा था और

मन-ही-मन इसके सही होने की प्रार्थना कर रहा था। 'इग्नाजियो ने मुझे भरोसा दिलाया था कि आपको इस पर एतराज नहीं होगा।'

मार्टा ने कोई जवाब नहीं दिया। उसका दिमाग काम नहीं कर रहा था। वह सोचने की कोशिश कर रही थी कि आख़िर लैंग्डन ने उससे झूठ क्यों बोला था..और इसके बाद वहाँ खड़े होकर शांत भाव से टेप को चलता हुआ देख रहा था, जब उसे पता था कि इससे उसकी हरकत ज़ाहिर होने वाली थी।

मुझे कतई इसका अंदाज़ा नहीं था कि मैंने मुखौटे वाली अलमारी खोली थी।

'रॉबर्ट।' सिएना ने फुसफुसाकर कहा। 'देखो। तुमने कुछ ढूँढ़ लिया।' सिएना अब भी वीडियो प्लेबैक पर नज़रें गड़ा कर देख रही थी। इस हालत में भी वह जवाब ढूँढ़ने में लगी थी।

स्क्रीन पर अब लैंग्डन अपने हाथों में मुखौटे को लेकर रोशनी की तरफ करता हुआ दिखाई दे रहा था। ऐसा लग रहा था कि इस शिल्पकृति के पीछे बनी किसी चीज़ ने उसका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

कैमरे के इस कोण से सेकंड के एक छोटे-से हिस्से के दौरान लैंग्डन के हाथ में उठाए हुए मुखौटे ने उसके चेहरे को इस तरह ढंक लिया कि दांते की मृत आँखें लैंग्डन की आँखों की सीधी रेखा में आ गई। उसे वह उद्घोषणा याद आई, *सत्य को सिर्फ मौत की आँखों से देखा जा सकता है। वह अंदर से काँप गया।*

लैंग्डन को कतई इस बात का अनुमान नहीं था कि वह मुखौटे के पिछले हिस्से में कुछ देखने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वीडियो में जब ठीक उसी समय उसने अपनी खोज की बात इग्नाजियो को बताई तो मोटा आदमी डरकर पीछे हट गया और लड़खड़ाकर अपना चश्मा ढूँढ़ने लगा। वह दोबारा इसे देखने लगा..बार बार। वह ज़ोर-ज़ोर से अपना सिर हिलाते हुए परेशान होकर एंडितो में आगे पीछे टहलने लगा।

अचानक दोनों लोगों ने ऊपर की तरफ देखा। स्पष्ट तौर पर हॉलवे में उन्हें आवाज़ सुनाई दी थी। इस बात की संभावना सबसे अधिक थी कि मार्टा वाशरूम से वापस आ रही हो। जल्दी-जल्दी लैंग्डन ने अपनी जेब से एक बड़ा-सा जिपलॉक निकाला और उसके अंदर मौत के मुखौटे को रखकर धीरे-से इग्नाजियो को दे दिया। उसने इसे अपने सूटकेस में रख दिया, लेकिन साफ पता चल रहा था कि वह अनमने ढंग से ऐसा कर रहा था। लैंग्डन ने अब खाली हो चुके डिस्प्ले केस के दरवाज़े को बंद कर दिया और वे दोनों लोग हॉल में खड़ी मार्टा को उनकी चोरी की पता लगे उसके पहले उससे मिलने वहाँ पहुँच गए।

अब दोनों गार्डों ने लैंग्डन पर बंदूक तान दी थी।

मार्टा लड़खड़ाती हुई खड़ी हो गई। उसने सहारे के लिए टेबल का किनारा पकड़ लिया। 'मेरी समझ में नहीं आ रहा।' वह बुदबुदा रही थी। 'आपने इग्नाजियो बुसोनी के साथ

मिलकर दांते के डेथ मास्क की चोरी की?'

'नहीं।' लैंग्डन अपनी बात पर अड़ा रहा। वह पूरी कोशिश कर रहा था कि लोग झाँसे में आ जाएँ। 'हमें मुखौटे के मालिक ने इसे म्यूज़ियम से उस रात बाहर लाने की इजाज़त दी थी।'

'मालिक ने इजाज़त दी थी?' उसने सवाल किया। 'बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट से?'

'हाँ। मिस्टर जोब्रिस्ट ने मुखौटे के पीछे बने कुछ निशानों की तहकीकात के लिए हमें इजाज़त दी थी। हम लोग उनसे कल दोपहर बाद मिले थे।'

मार्टा की आँखों से अंगारे बरस रहे थे। 'प्रोफेसर, मैं यकीन के साथ कह सकती हूँ कि आप कल दोपहर बाद बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट से नहीं मिले थे।'

'हाँ, हम लोग उससे मिले थे. . .'

सिएना ने उसे रोकने के लिए उसके कंधे पर हाथ रखा। 'रॉबर्ट. . .' उसने आह भरी जिससे उसकी चिंता ज़ाहिर हो रही थी। 'छह दिन पहले इस जगह से कुछ ही मकान आगे बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट ने बादिया टावर से कूदकर अपनी जान दे दी थी।'

42

वाएंथा ने अपनी मोटरसाइकिल पालात्ज़ो वेखियो के ठीक उत्तरी भाग में छोड़ दी। वह पिआत्ज़ा डेला सिगनोरिया की चारदीवारी के साथ-साथ पैदल आगे बढ़ रही थी। लोजिया डेइ लैंजी के बाहरी भाग में मूर्तियों को रखने की जगह को पार करते हुए उसने गौर किया कि सारी मूर्तियाँ तकरीबन एक ही विषय-वस्तु के इर्द गिर्द बनाई गई थी–औरतों पर मर्दों के प्रभुत्व का हिंसक चित्रण।

सबीन का बलात्कार

पॉलीक्सेना का बलात्कार

मेडुसा के कटे हुए सिर को हाथ में लेकर खड़ा पर्सियस।

ख़ूबसूरत, वाएंथा ने सोचा। उसने अपनी टोपी को नीचे आँख के पास खींचा और महल में घुसने के लिए वहाँ इकट्ठा हुए सैलानियों की भीड़ को पार करती हुई वह आगे बढ़ी। उस समय महल में घुसने वाले सैलानियों का पहला जत्था प्रवेश-द्वार के पास जमा था। हर तरह से यह पालात्ज़ो वेखियो के लिए किसी और दिन की तरह सामान्य दिन नज़र आ रहा था।

पुलिस का अता पता नहीं, वाएंथा ने सोचा। *कम-से-कम अब तक तो नहीं।*

उसने अपनी जैकेट की जिप गले तक खींच कर बंद कर ली, ताकि लोगों को उसका हथियार नज़र नहीं आए। फिर वह प्रवेश-द्वार की तरफ बढ़ गई। इल म्यूजियो डी पालात्ज़ो के साइन-बोर्ड के साथ-साथ आगे चलते हुए वह दो अलंकृत एट्रियम को पार करती हुई एक बड़ी सीढ़ी के पास पहुँची, जो दूसरी मंज़िल को जा रही थी।

ऊपर चढ़ते हुए वह पुलिस के रेडियो पर सुनी आवाज़ को मन-ही-मन दोहरा रही थी।

इल म्यूजियो डी पालात्ज़ो वेखियो. . .दांते अलीगेरी।

लैंग्डन ज़रूर वहीं होगा।

म्यूजियम का रास्ता दिखाने वाले साइन बोर्ड के साथ-साथ चलते हुए वाएंथा एक गैलरी में पहुँची, जहाँ बेहतरीन सजावट की हुई थी। हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड। यहाँ तरह तरह के सैलानी आपस में घुल-मिल रहे थे और दीवार पर बने विशाल चित्रों की तारीफ कर रहे थे। वाएंथा को यहाँ की कलाकृतियों में कोई रुचि नहीं थी और वह दूसरे म्यूजियम की ओर बढ़ गई, जिसका साइन बोर्ड कमरे के दूसरी ओर दाहिने कोने पर दिखाई दे रहा था, जहाँ एक सीढ़ी दिखाई दे रही थी।

कमरे के दूसरे छोर तक जाते हुए उसने देखा कि विश्वविद्यालय के छात्रों का एक झुंड एक मूर्ति के सामने जुटा था। वे लोग खिलखिलाते हुए तस्वीरें उतार रहे थे।

वहाँ लगी सूचना-पट्टिका पर लिखा था–*हरक्यूलिस और डायोमिडीज।*

वाएंथा ने मूर्तियों की तरफ नज़र डालते हुए अंदर से हुंकारी भरी।

मूर्ति में दो ग्रीक-मिथकीय चरित्रों को दिखाया गया था। दोनों बिलकुल निर्वस्त्र। एक-दूसरे से कुश्ती करते हुए। हरक्यूलिस ने डायोमिडीज को उल्टा लटका रखा था और उसे नीचे फेंकने की तैयारी कर रहा था। डायोमिडीज ने कसकर हरक्यूलिस का लिंग पकड़ रखा था मानो कह रहा हो, 'क्या यकीनन तुम मुझे नीचे फेंकना चाहते हो?'

वाएंथा ने कनखी मारी। *इसे ही तो कहते हैं किसी के अंडकोष पकड़ लेना।*

उसने इस अजीब-सी मूर्ति से अपनी नज़रें हटाई और तेज़ी से सीढ़ियों पर चढ़ती हुई म्यूजियम की तरफ चल पड़ी।

अब वह एक ऊँची-सी बालकनी पर पहुँच चुकी थी, जहाँ से हॉल दिखाई दे रहा था। तकरीबन एक दर्जन से अधिक सैलानी म्यूजियम के दरवाज़े के बाहर इंतज़ार कर रहे थे।

'म्यूजियम आज देर से खुल रहा है,' एक ख़ुशमिज़ाज सैलानी ने अपने कैमकॉर्डर के पीछे से झाँकते हुए कहा।

'कोई वजह?' उसने सवाल किया।

'नहीं, लेकिन यहाँ इंतज़ार करते हुए क्या लाजवाब नज़ारा दिख रहा है।' उस व्यक्ति ने नीचे हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड की दिशा में अपने हाथ लहराते हुए कहा।

वाएंथा बालकनी के किनारे पर आ गई। उसने अपने नीचे बड़े कमरे पर नज़र डाली, जहाँ अभी-अभी एक पुलिस अफसर पहुँच रहा था। वहाँ पहुँचते हुए उस पर मुश्किल से किसी की भी नज़र पड़ रही थी। उसकी चाल में किसी तरह की जल्दबाजी नज़र नहीं आ रही थी। वह कमरे को पार करता हुआ सीढ़ी के पास पहुँच रहा था।

वह लोगों का बयान लेने के लिए आ रहा है, वाएंथा ने सोचा। सीढ़ियों पर चलते हुए उसके धीमे-धीमे कदमों को देखकर लग रहा था कि यह मामूली ढंग का कोई मामला था–पोर्टा रोमाना में लैंग्डन के लिए चल रही खोज से बिलकुल अलग।

अगर लैंग्डन यहाँ है तो इन लोगों ने चारों ओर से इमारत की घेराबंदी क्यों नहीं की है?

या तो वाएंथा ने गलत समझा था कि लैंग्डन यहाँ है या फिर पुलिस और ब्रूडर ने हालातों के आधार पर सही निष्कर्ष निकालने में गलती की थी।

पुलिस अफसर मस्त चाल में चलता हुआ जब सबसे ऊपर वाली सीढ़ी पर पहुँचकर म्यूजियम के प्रवेश-द्वार की तरफ मुड़ा तो वाएंथा धीरे-से मुड़ी। वह दिखाना चाहती थी कि वह खिड़की के बाहर झाँक रही थी। संस्था से निकाले जाने और प्रोवोस्ट की पहुँच को जानते हुए वह पहचाने जाने का ख़तरा कतई नहीं उठाना चाहती थी।

'*रुको!*' किसी ने चिल्लाकर कहा।

पुलिस ऑफिसर उसके ठीक पीछे आकर रुका तो वाएंथा का दिल जैसे धक्क से रह गया। फिर उसे समझ में आया कि ये आवाज़ उसके वॉकी-टॉकी से आ रही थी।

‘मदद के लिए लोगों के आने तक इंतज़ार करो।’ इतालवी में दोबारा आवाज़ सुनाई दी।

मदद के लिए रुको? वाएंथा समझ गई कि कुछ-न-कुछ बदल चुका था।

ठीक उसी समय, खिड़की के बाहर वाएंथा ने दूर आसमान में काली-सी चीज़ देखी, जिसका आकार बड़ा होता जा रहा था। यह बोबोली गार्डन की ओर से उड़ता हुआ पालात्ज़ो वेखियो की तरफ आ रहा था।

ड्रोन, वाएंथा समझ गई। ब्रूडर को पता है। वह इसी तरफ आ रहा है।

प्रोवोस्ट को फोन करने के लिए कंसोर्शियम का फेसिलिटेटर लॉरेंस नोल्टन अब भी अपना सिर धुन रहा था। उसे अच्छी तरह मालूम था कि उसे मीडिया के लिए कल वीडियो को अपलोड करने के पहले प्रोवोस्ट को उसे देखने का आग्रह नहीं करना चाहिए था।

उस वीडियो में क्या है, इसका कोई महत्त्व नहीं था।

प्रोटोकॉल सबसे ऊपर होता है।

नए फेसिलिटेटर जब संगठन के काम पर लगते थे तो उन्हें दिया जाने वाला मंत्र नोल्टन को बखूबी याद था। डोंट आस्क। जस्ट टास्क। सवाल नहीं। बस काम पूरा करो।

उसने अनमने ढंग से लाल रंग के मेमोरी स्टिक को कल सुबह के लिए लाइन में लगा दिया था। वह सोच रहा था कि इस संदेश को देखकर कल मीडिया क्या सोचेगी। पता नहीं वे इसे चलाएँगे भी या नहीं?

बेशक वे चलाएँगे। आख़िर यह संदेश बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट से आया था।

जोब्रिस्ट बायोमेडिकल दुनिया की अद्भुत कामयाब हस्ती तो था ही, पिछले सप्ताह आत्महत्या की वजह से वह ख़बरों में भी छाया हुआ था। नौ मिनट लंबा यह वीडियो जैसे कब्र से उसके संदेश के रूप में देखा जाएगा। इसके डरावने, अपशकुनी स्वरूप की वजह से कोई भी इसे बंद नहीं कर पाएगा।

रिलीज होने के कुछ ही मिनटों के भीतर यह वीडियो वायरल हो जाएगा।

43

उस छोटे-से वीडियो रूम से बाहर निकलते हुए मार्टा अल्वारेज गुस्से से काँप रही थी। उसने लैंग्डन और उसकी बदतमीज छोटी बहन को बंदूक ताने हुए पहरेदारों के हवाले कर दिया था। खिड़की के पास पहुँचकर उसने नीचे की तरफ पिआत्ज़ा डेला सिगनोरिया की तरफ देखा तो उसे तसल्ली हुई। सामने पुलिस कार लगी हुई थी।

बस समय हो चुका है।

मार्टा को समझ में नहीं आ रहा था कि अपने पेशे में इज़्ज़तदार लैंग्डन जैसा व्यक्ति उसे इस तरह धोखा क्यों देगा और पेशेवर तौर पर मिलने वाली इज़्ज़त का गैर-वाजिब इस्तेमाल कर एक बहुमूल्य कलाकृति की चोरी करेगा।

और इग्नाजियो बुसोनी ने उसकी मदद की! अकल्पनीय!

इग्नाजियो बुसोनी को खरी खरी सुनाने के लिए मार्टा ने अपने मोबाइल फोन निकाला और इल डुओमिनो के दफ्तर में फोन लगाया। ये जगह वहाँ से कई ब्लॉक आगे म्युजियो डेल ओपेरा डेल डुओमो के पास था।

घंटी एक बार बजी।

'इग्नाजियो बुसोनी का दफ्तर।' दूसरी ओर से एक महिला की परिचित आवाज़ सुनाई दी।

मार्टा इग्नाजियो के सेक्रेटरी से परिचित थी, लेकिन इस समय गपशप करने का उसका कोई इरादा नहीं था। *'यूजिनिया, मैं मार्टा बोल रही हूँ। मुझे इग्नाजियो से बात करनी है।'*

फोन लाइन की दूसरी ओर एक अजीब-सी चुप्पी छा गई और इसके बाद सेक्रेटरी फूट-फूटकर रोने लगी।

'क्या हुआ?' मार्टा ने जानना चाहा। *'कोई समस्या?'*

यूजिनिया ने रोते रोते मार्टा को बताया कि वह अभी-अभी जब दफ्तर पहुँची तो उसे पता चला कि पिछली रात डुओमो के पास वाली गली में इग्नाजियो को भयंकर दिल का दौरा पड़ा था। दोपहर रात को उसने एँबुलेंस बुलाया, लेकिन डॉक्टर समय पर नहीं पहुँच पाए। जब तक वे लोग पहुँचे बुसोनी मर चुके थे।

मार्टा को लगा जैसे उसके पैर रबड़ के हों। आज सुबह उसने ख़बर पढ़ी थी कि शहर के एक अधिकारी की पिछली रात मौत हो गई थी, लेकिन उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि वह व्यक्ति इग्नाजियो होगा।

'यूजिनिया, मेरी बात सुनो।' मार्टा ने कहा। वह धैर्य खोना नहीं चाहती थी। उसने जल्दी-जल्दी उसे बताया कि पालात्ज़ो के वीडियो कैमरे में उसने इग्नाजियो और रॉबर्ट लैंग्डन को

साथ मिलकर दांते का डेथ-मास्क चुराते हुए देखा था और लैंग्डन को अब बंदूक की नोंक पर रोककर रखा गया था।

यह ख़बर सुनकर यूजिनिया कैसी प्रतिक्रिया देगी इसके बारे में उसे कोई अंदाज़ा नहीं था, लेकिन उसने, जो सुना उसकी उसे कतई उम्मीद नहीं थी।

'रॉबर्ट लैंग्डन?' युजिनिया ने पूछा। *'क्या लैंग्डन आपके साथ हैं?'*

ऐसा लगा जैसे युजिनिया मुद्दे को समझ नहीं रही थी। हाँ, लेकिन मुखौटा. . .

'मुझे उससे बात करनी है!' यूजिनिया जैसे चिल्ला उठी।

सिक्योरिटी रूम के अंदर लैंग्डन बैठा था। उसका सिर अब भी दर्द से फटा जा रहा था। सुरक्षा कर्मियों ने उसके ऊपर बंदूक तान रखी थी। अचानक दरवाज़ा खुला और सामने मार्टा अल्वारेज अंदर दिखाई दी।

खुले हुए दरवाज़े से लैंग्डन को दूर से आती ड्रोन की आवाज़ सुनाई दी। इसकी अपशकुनी आवाज़ के साथ ही पास आती सायरन की आवाज़ भी सुनाई दी। *उन्हें हमारे ठिकाने के बारे में पता चल गया है।*

'क्या पुलिस पहुँच चुकी है?' मार्टा ने गार्ड से पूछा। उसने उनमें से एक को पुलिस वालों को म्यूजियम के अंदर लेकर आने के लिए भेजा। दूसरा वहीं रुका रहा। उसने अब भी लैंग्डन के सिर पर बंदूक तान रखी थी।

लैंग्डन को आश्चर्य हुआ जब मार्टा ने उसकी ओर मोबाइल फोन बढ़ाया। 'आपसे कोई बात करना चाहता है।' उसके बोलने से हैरानी का भाव प्रकट हो रहा था। 'आपको बाहर जाना होगा तभी फोन में सिग्नल मिलेगा।'

वहाँ मौजूद लोग उस घुटन-भरे कमरे से निकलकर बाहर गैलरी में आ गए, जहाँ बड़ी-बड़ी खिड़कियों से छन-छनकर सूरज की रोशनी भीतर आ रही थी। सामने पिआत्ज़ा डेला सिगनोरिया का दर्शनीय नज़ारा था। हालाँकि उसकी कनपटी पर अब भी बंदूक तनी थी, लेकिन बंद जगह से बाहर आकर लैंग्डन को राहत महसूस हो रही थी।

मार्टा ने उसे खिड़की के पास जाने को कहा और उसके हाथ में मोबाइल फोन थमा दिया।

लैंग्डन ने फोन ले लिया, लेकिन वह कुछ समझ नहीं पा रहा था। फोन को कान में सटाते हुए उसने कहा, 'कौन? मैं रॉबर्ट लैंग्डन बोल रहा हूँ।'

'*सर।*' औरत ने टूटी-फूटी अंग्रेज़ी में ख़ास लहज़े में बोलते हुए कहा। 'मैं यूजिनिया एँटोनुची बोल रही हूँ, इग्नाजियो बुसोनी की सेक्रेटरी। मैं आपसे कल मिली थी जब आप दफ्तर आए थे।'

लैंग्डन को कुछ याद नहीं आ रहा था। 'अच्छा?'

'मुझे यह बताते हुए काफी तकलीफ हो रही है कि कल रात दिल का दौरा पड़ने से इग्नाजियो की मौत हो गई।'

लैंग्डन का हाथ फोन पर कस गया। *इग्नाजियो बुसोनी की मौत हो गई?*

अब वह औरत रो रही थी। उसकी आवाज़ में उदासी भरी थी। 'मरने के पहले इग्नाजियो ने मुझे फोन किया था। उसने मेरे फोन पर एक मैसेज छोड़ा था और कहा था कि मैं आपको अवश्य सुना दूँ। मैं इसे बजा कर सुनाती हूँ।'

लैंग्डन को हल्की-सी घरघराहट सुनाई दी और कुछ ही देर बाद उसे हाँफती हुई आवाज़ में एक रिकॉर्डिंग सुनाई दी। इग्नाजियो बुसोनी की आवाज़ उसके कान में पड़ रही थी।

'यूजिनिया,' वह हाँफ रहा था। साफ पता चल रहा था कि उसे दर्द हो रहा था। 'तुम इस मैसेज को रॉबर्ट लैंग्डन को ज़रूर सुना देना। मैं मुश्किल में हूँ। मुझे नहीं लगता कि मैं दफ्तर पहुँच पाऊँगा।' इग्नाजियो ने कराह भरी। फोन पर एक लंबी चुप्पी छा गई। जब उसने दोबारा बोलना शुरू किया तो उसकी आवाज़ कमज़ोर लग रही थी। 'रॉबर्ट, मैं उम्मीद करता हूँ कि तुम भागने में कामयाब हुए होगे। वे लोग अब भी मेरे पीछे लगे हैं. . .और मैं. . .मेरी तबीयत ठीक नहीं लग रही। मैं डॉक्टर के पास पहुँचने की कोशिश कर रहा हूँ लेकिन. . .'। एक बार फिर लंबी चुप्पी। ऐसा लगा जैसे *इल डुओमिनो* अपनी बची खुची ऊर्जा समेट रहा हो और फिर. . . 'रॉबर्ट, गौर से सुनो। तुम जिसे ढूँढ़ रहे हो वह सुरक्षित ढंग से छुपाकर रखा हुआ है। तुम्हारे लिए दरवाज़े खुले हैं, लेकिन तुम्हें जल्दी करना होगा। पैराडाइज़। ट्वेंटी फाइव।' वह काफी देर तक चुप रहा और फिर फुसफुसाते हुए बोला, 'शुभकामनाएँ।'

मैसेज समाप्त हो गया।

लैंग्डन का दिल तेज़ी से धड़क रहा था। वह जानता था कि उसने अभी-अभी मरने वाले आदमी के आख़िरी शब्द सुने थे। ये शब्द उसके लिए कहे गए थे, इससे उसकी बेचैनी में कोई कमी नहीं हो रही थी। *पैराडाइज़ 25? मेरे लिए दरवाज़े खुले थे?* लैंग्डन इन पर विचार करने लगा। *वह किस दरवाज़े के बारे में कह रहा था?* उसे इग्नाजियो की कही हुई सिर्फ एक बात समझ में आ रही थी कि मुखौटा सुरक्षित स्थान पर रखा था।

यूजिनिया लाइन पर वापस आ गई थी। 'प्रोफेसर, आपको कुछ समझ में आया?'

'हाँ, थोड़ा थोड़ा।'

'इसमें मैं कोई सहायता कर सकती हूँ?'

लैंग्डन इस सवाल पर थोड़ी देर तक सोचता रहा।। 'ये पक्का कर लेना कि यह मैसेज कोई दूसरा व्यक्ति नहीं सुने।'

'पुलिस भी नहीं? मेरा बयान लेने के लिए खुफिया विभाग का एक आदमी मेरे पास आ रहा है।'

यह सुनकर लैंग्डन अपने शरीर में तनाव का अनुभव करने लगा। उसने गार्ड की ओर देखा, जो उसकी ओर बंदूक ताने खड़ा था। लैंग्डन जल्दी से खिड़की की तरफ मुड़ा। उसने अपनी आवाज़ नीची करते हुए कहा, ‘यूजिनिया,...यह सुनकर थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन इग्नाजियो की खातिर मैं तुमसे उस मैसेज को डिलीट करने का आग्रह करता हूँ और तुम पुलिस को यह मत बताना कि तुमने मुझसे बात की है। समझ गई न? परिस्थितियाँ बहुत ही जटिल हैं और. . . ‘

लैंग्डन ने अनुभव किया कि उसकी बगल में किसी ने बंदूक सटा दी थी। उसने मुड़कर देखा तो हथियारबंद गार्ड कुछ ही इंच की दूरी पर खड़ा था। वह अपना दूसरा हाथ आगे बढ़ा कर लैंग्डन से मार्टा का फोन वापस माँग रहा था।’

फोन पर लंबी चुप्पी के बाद युजिनिया ने अंततः कहा, ‘मिस्टर लैंग्डन, मेरे बॉस आप पर भरोसा करते थे. . .इसलिए मैं भी करूँगी।’

फिर वह गायब हो गई।

लैंग्डन ने गार्ड को फोन वापस कर दिया। ‘इग्नाजियो बुसोनी मर चुका है।’ उसने सिएना को कहा। ‘कल रात इस म्यूजियम से निकलने के बाद दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई।’ लैंग्डन रुका। ‘मुखौटा सुरक्षित है। मरने के पहले इग्नाजियो ने इसे छुपा दिया था। मुझे लगता है कि इसे ढूँढ़ने के लिए उसने मेरे लिए एक सुराग रख छोड़ा है।’ *पैराडाइज़ 25।*

सिएना की आँख में उम्मीद की चमक दिखाई दी, लेकिन जब वह मार्टा की ओर मुड़ा तो उसे इस बात पर संदेह हो रहा था।

‘मार्टा।’ लैंग्डन ने कहा। ‘मैं तुम्हारे लिए दांते का मुखौटा ढूँढ़ सकता हूँ, लेकिन इसके लिए तुम्हें हमें छोड़ना होगा। तुरंत।’

मार्टा ज़ोर से हँसी। ‘मैं ऐसा कुछ भी नहीं करने वाली हूँ। तुमने मुखौटा चुराया है। पुलिस बस आने ही वाली है. . .’

‘मैडम एलवेरेज,’ सिएना ने बीच में ज़ोर से टोकते हुए कहा। *‘माफ करना, लेकिन हम लोगों ने आपको सच्ची बात नहीं बताई थी।’*

लैंग्डन का सिर चकरा रहा था। *आख़िर सिएना क्या कर रही है?* उसने उसके कहे का मतलब समझ लिया था।

मार्टा सिएना की बात सुनकर भौंचक्की रह गई। हालाँकि उसके हैरान होने की मुख्य वजह थी कि सिएना अचानक धारा-प्रवाह इतालवी बोल रही थी, बिना किसी दूसरी भाषा के प्रभाव के बोली जाने वाली इतालवी।

‘*सबसे पहली बात कि मैं रॉबर्ट लैंग्डन की बहन नहीं हूँ।*’ सिएना ने बिना किसी हिचकिचाहट के इतालवी में कहा।

44

मार्टा अल्वारेज डगमगाते हुए पीछे हटी। उसने अपने दोनों हाथ मोड़ रखे थे और सामने खड़ी सुनहले बालों वाली औरत को गौर से देख रही थी।

'माफ करना,' सिएना ने अपनी बात जारी रखी। वह अब भी धाराप्रवाह इतालवी बोल रही थी। *'हम लोगों ने आपसे कई और चीज़ों के बारे में झूठ बोला है।'*

गार्ड भी मार्टा की तरह हक्का-बक्का था, हालाँकि वह अपनी जगह पर उसी तरह तैनात था।

सिएना अब इतालवी में जल्दी-जल्दी बोल रही थी। वह मार्टा को बता रही थी कि वह फ़्लोरेंस के एक अस्पताल में काम करती थी, जहाँ पिछली रात लैंग्डन पहुँचा था। उसके सिर में गोली लगी थी। उसने बताया कि लैंग्डन को कुछ भी याद नहीं था कि वह उस जगह कैसे पहुँचा। सिक्योरिटी वीडियो को देखकर वह भी उसी तरह हैरान था जैसे कि मार्टा।

'अपना घाव दिखाइए।' सिएना ने लैंग्डन को हुक्म दिया।

जब मार्टा ने लैंग्डन के उलझे हुए बालों के नीचे सिलाई देखी तो वह हथेली से अपना मुँह ढंककर खिड़की के चबूतरे पर कई सेकंडों तक बैठी रही।

पिछले दस मिनटों में मार्टा को सिर्फ इतनी जानकारी ही नहीं मिली थी कि दांते के डेश-मास्क की चोरी हो गई थी, बल्कि उसे यह भी पता चला था कि दोनों चोर अमेरिका के प्रतिष्ठित प्रोफेसर और उसका भरोसेमंद फ़्लोरेंस का दोस्त था, जो मर चुका था। इसके अलावा, सिएना ब्रुक्स जिसे मार्टा रॉबर्ट लैंग्डन की भोली-भाली बहन समझता था वह भी एक डॉक्टर थी. वह धाराप्रवाह इतालवी बोलती थी और उसने अपनी गलती स्वीकार की थी।

'मार्टा,' लैंग्डन ने कहा। उसकी आवाज़ में गहराई और समझदारी झलक रही थी। 'मैं जानता हूँ कि इस पर यकीन करना मुश्किल है, लेकिन मैं सच कह रहा हूँ कि मुझे पिछली रात की कोई घटना याद नहीं। मुझे कुछ पता नहीं कि मैंने और इग्नाजियो ने मुखौटा क्यों निकाला।'

मार्टा ने उसकी आँखें देखकर समझ लिया कि वह सच बोल रहा था।

'मैं आपको मुखौटा वापस कर दूँगा,' लैंग्डन ने कहा। 'मैं वचन देता हूँ, लेकिन मैं उसे तभी ढूँढ़ पाऊँगा यदि आप मुझे जाने दें। अभी।'

मार्टा उस बहुमूल्य मुखौटे को वापस पाना चाहती थी, लेकिन वह किसी को भी वहाँ से जाने देने का इरादा नहीं रखती थी। *पुलिस कहाँ है?* उसने नीचे पिआत्ज़ा डेला सिगनोरिया में खड़ी इकलौती पुलिस कार पर नज़र डाली। उसे हैरानी हो रही थी कि अभी तक कोई पुलिस अफसर म्यूजियम नहीं पहुँचा था। मार्टा ने दूर से आ रही अजीब-सी घनघनाहट

ज़रूर सुनी थी जिसे सुनकर ऐसा लगता था कि कोई बिजली वाली आरी चला रहा हो। यह आवाज़ तेज़ होती जा रही थी।

ये कैसी आवाज़ थी?

लैंग्डन का लहज़ा अब विनती में बदल चुका था। 'मार्टा, आप इग्नाजियो को जानती हैं। उसने बिना किसी ठोस वजह के वहाँ से मुखौटे को नहीं हटाया होगा। आप बड़ी तस्वीर को देखिए। मुखौटे का मालिक बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट बिलकुल उलझे हुए दिमाग का आदमी था। हमें लगता है कि वह किसी भयंकर घटना से जुड़ा हुआ था। मेरे पास इसके बारे में विस्तार से बताने का वक़्त नहीं है, लेकिन मैं आपसे विनती करता हूँ कि हमारा यकीन कीजिए।'

मार्टा घूरकर देखती रही। उसे इन बातों का कोई मतलब समझ में नहीं आ रहा था।

'मिस अलवेरेज,' सिएना ने कहा। उसने अपनी आँखें मार्टा पर गड़ा रखी थी। 'अगर आप अपने भविष्य की फिक्र रखती हैं और अपने बच्चे की तो आपको हमें इसी वक़्त जाने देना चाहिए, तुरंत।'

मार्टा ने अपने पेट के ऊपर हाथों के सुरक्षात्मक ढंग से मोड़ लिया। उसे अपने गर्भ में पल रहे बच्चे को घुमा-फिरा-कर दी गई यह धमकी पसंद नहीं आई।

बाहर से आ रही तेज़ घनघनाहट अब निश्चित तौर पर और भी तेज़ हो गई थी। मार्टा ने खिड़की से बाहर झाँका तो उसे इसे शोर का स्रोत तो नहीं दिखाई दिया, लेकिन उसकी नज़र किसी और चीज़ पर पड़ी।

गार्ड ने भी इसे देखा। उसकी आँखें आश्चर्य से फैल गई।

पिआत्ज़ा डेला सिगनोरिया में लोगों की भीड़ एक तरफ होकर पुलिस कारों के एक लंबे काफिले को अंदर आने के लिए जगह दे रही थी। उन कारों में सायरन नहीं थे। सबसे आगे दो काले वैन थे, जो महल के दरवाज़ों के बाहर सड़क पर घिसटते हुए अब रुक चुके थे। काली पोशाक पहने सिपाही कूदकर बाहर निकले। उनके हाथों में बड़ी बड़ी बंदूकें थीं। वे दौड़ते हुए पैलेस के अंदर घुस रहे थे।

मार्टा अंदर से डर गई। *भला ये लोग कौन हैं?*

सिक्यूरिटी गार्ड भी मार्टा की तरह ही चिंतित दिखाई दे रहा था।

बाहर से आ रही घनघनाहट की आवाज़ और भी तेज़ हो गई थी। अब तो यह जैसे कान फाड़ रही थी। मार्टा परेशान होकर पीछे हट गई। उसने देखा कि खिड़की के ठीक बाहर एक छोटा-सा हेलीकॉप्टर आसमान में चक्कर लगा रहा था।

आसमान में उड़ रहे वे यंत्र उनसे दस गज से भी कम दूरी पर थे। ऐसा लग रहा था जैसे वे लोग कमरे के अंदर लोगों को घूर रहे थे। यह एक छोटा-सा यंत्र मुश्किल से एक गज लंबा था, जिसके आगे काले रंग का एक सिलेंडर लगा हुआ था। सिलेंडर उनकी ओर तना हुआ था।

'ये गोली चलाने वाला है।' सिएना ने चिल्लाकर कहा। *'सभी लोग नीचे झुक जाओ।'* वह खिड़की के चबूतरे के साथ अपने घुटनों के बल बैठ गई। मार्टा का शरीर डर से ठंडा हो चुका था। वह भी सिएना की तरह घुटनों के बल बैठ गई। गार्ड भी नीचे झुक गया और स्वतः स्फूर्त प्रतिक्रिया के तौर पर उसने बाहर उड़ रहे छोटे-से यंत्र पर अपनी बंदूक तान दी।

खिड़की की देहली के नीचे झुकी हुई सिएना ने देखा कि लैंग्डन अब भी खड़ा था। वह सिएना को अजीब-सी नज़रों से घूर रहा था। उसे यकीन नहीं हो रहा था कि उसके सामने ख़तरा मंडरा रहा था। सिएना अभी कुछ ही पल के लिए नीचे झुकी थी कि वह उछल कर खड़ी हो गई। उसने लैंग्डन की कलाई पकड़ ली और हॉलवे में अपनी तरफ खींचने लगी। कुछ ही देर में वे दोनों इमारत के मुख्य-द्वार की तरफ दौड़ लगा रहे थे।

गार्ड घुटने के बल तेज़ी से घूमा। वह निशानेबाज की तरह अपने हथियार को ऊपर उठाकर बाहर भाग रहे दोनों लोगों पर निशाना साधने लगा।

'गोली मत चलाओ।' मार्टा ने उसे हुक्म दिया। *'वे भाग नहीं पाएँगे।'*

लैंग्डन और सिएना एक कोने पर पहुँचकर नज़रों से ओझल हो गए। मार्टा जानती थी कि वे बस थोड़ी ही देर में भीतर आ रहे अधिकारियों से टकराने वाले थे।

'तेज', सिएना ने लैंग्डन के साथ भागते हुए कहा। वे लोग उसी रास्ते से जा रहे थे जिस रास्ते से अंदर आए थे। उसे उम्मीद थी कि पुलिस वालों से टकराने के पहले वह मुख्य प्रवेश-द्वार के पास पहुँच जाएगी, लेकिन अब उसे लग रहा था कि इसकी संभावना शून्य के बराबर थी।

लैंग्डन के मन में भी ऐसी ही बातें चल रही थी। बिना कुछ बताए वह हॉलवे के मिलने वाली जगह के बीच में अचानक रुक गया। 'इस रास्ते से हम कभी बाहर नहीं जा सकते।'

'चलते रहिए।' सिएना ने उसे अपने पीछे पीछे आने के लिए बेचैनी से इशारा किया। 'रॉबर्ट, हम यहाँ खड़े नहीं रह सकते।'

लैंग्डन की एकाग्रता विचलित लग रही थी। उसने अपनी बाई ओर देखा, जहाँ एक छोटा-सा कॉरिडोर था, जो आगे जाकर बंद हो रहा था। उस जगह पर एक छोटा-सा, कम रोशनी वाला चेंबर नज़र आ रहा था। उस कमरे की दीवारें पुराने मानचित्र से पटी हुई थी। कमरे के बीचोबीच एक विशाल लोहे का बना ग्लोब रखा था। लैंग्डन ने उसे देखा और धीरे-धीरे अपना सिर हिलाने लगा। फिर उसने ज़ोर-ज़ोर से सिर हिलाना शुरू कर दिया।

'इधर।' लैंग्डन ने लोहे के ग्लोब की तरफ दिखाते हुए कहा। वह ग्लोब की तरफ दौड़कर जाने लगा।

रॉबर्ट। सिएना उसके पीछे जाने लगी, हालाँकि उसका मन नहीं मान रहा था। यह कॉरीडॉर म्यूजियम के भीतर जा रहा था, बाहर जाने के रास्ते से दूर।

'*रॉबर्ट!*' उसने लैंग्डन के पास पहुँचकर गहरी साँस ली। 'आप हमें लेकर कहाँ जा रहे हैं?'

'आर्मेनिया से होकर।' उसने जवाब दिया।

'क्या?'

'आर्मेनिया।' लैंग्डन ने अपनी बात दोहराई। वह बिलकुल सामने देख रहा था। 'मुझ पर भरोसा रखो।'

एक मंज़िल नीचे, हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड की बालकनी पर खौफजदा सैलानियों के बीच वाएंथा छुपी हुई थी। उसने अपना सिर झुका रखा था। ब्रूडर की एसआरएस टीम के लोग उसकी बगल से निकलकर म्यूजियम में तेज़ी से घुस रहे थे। नीचे, दरवाज़ों को तेज़ी से बंद करने की आवाज़ हॉल में गूँज रही थी। पुलिस ने पूरे इलाके की नाकाबंदी कर ली थी।

अगर लैंग्डन यहाँ है, तो वह फँस चुका है।

दुर्भाग्यवश, यही बात वाएंथा पर भी लागू होती थी।

45

हॉल ऑफ़ जोग्राफिकल मैप्स में दुनिया-भर के मानचित्र रखे थे। इस कमरे की दीवार के निचले हिस्से में बलूत की लकड़ी का काम था और छत पर भी लकड़ी की नक्क़ाशी बनी हुई थी। यह पालात्ज़ो वेखियो के उदास पत्थरों और प्लास्टर वाले भीतरी हिस्सों से बिलकुल अलग दिखाई देता था। शुरुआत में इसका इस्तेमाल इस इमारत के स्टोर रूम के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। इस विशाल कमरे के अंदर दर्जनों अलमारियाँ और ताखे बने थे। इनका इस्तेमाल ग्रैंड ड्यूक के छोटे मोटे सामानों को रखने के लिए किया जाता था। आज इसकी दीवारें मानचित्रों से भरी थी–चमड़े पर हाथ से पेंट किए हुए तिरेपन मानचित्र, जो 1550 में ज्ञात दुनिया का नक्शा दिखाते हैं।

इस हॉल में रखे नक्शों के विशाल संग्रह के बीच सबसे प्रभावशाली चीज़ कमरे के बीचों बीच रखा विशाल ग्लोब है। इसे *मैप्पा मुन्डी* के नाम से जाना जाता है। छह फुट ऊँचा यह गोला अपने जमाने का सबसे बड़ा घूमने वाला ग्लोब माना जाता था। कहा जाता था कि उंगली से छूते ही यह बिलकुल आसानी से चक्कर काटने लगता था। गैलरी के अंदर कमरों की लंबी श्रृंखला को पार करने के बाद जब आगे जाने का रास्ता बंद हो जाता है तो इस ग्लोब को देखकर सैलानी अपनी यात्रा का अंत समझते हैं। वे इस ग्लोब का चक्कर लगाकर उसी रास्ते से बाहर निकल जाते हैं जिधर से वे अंदर घुसे थे।

लैंग्डन और सिएना हाँफते हुए हॉल ऑफ़ मैप्स में पहुँचे। उनके सामने भव्य मैप्पा मुंडी दिखाई दे रहा था, लेकिन उसने ग्लोब पर नज़र भी नहीं डाली। वह कमरे की बाहरी दीवार की तरफ देख रहा था।

'हमें आर्मेनिया की तलाश करनी होगी।' लैंग्डन ने कहा। 'आर्मेनिया का नक्शा।'

लैंग्डन की इस माँग को सुनकर सिएना का दिल धक्क से रह गया। सिएना जल्दी से कमरे की दाहिनी ओर बनी दीवार की तरफ गई और आर्मेनिया का नक्शा ढूँढ़ने लगी।

लैंग्डन भी दीवार की बाई तरफ जाकर कमरे की परिधि पर नक्शा ढूँढ़ने लगा।

अरबिया, स्पेन, ग्रीस. . .

हर देश को काफी विस्तार से दिखाया गया था। यह नक्शा पाँच सौ साल पहले बनाया गया था जिस समय दुनिया के अधिकांश हिस्सों का पता भी नहीं चला था और उनके बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं थी।

आर्मेनिया कहाँ है?

वैसे तो लैंग्डन की स्मृति फोटो की तरह होती थी, लेकिन इस गोपनीय गलियारे में कई साल पहले की गई यात्रा के बारे में उसकी स्मृति धुंधली हो गई थी। इसके पीछे यात्रा के

पहले गाजा *नेबियोलो* नाम के रेड-वाइन के दूसरे प्याले का कम योगदान नहीं था, जो उसने यात्रा शुरू करने के पहले भोजन के समय इस जगह पीया था। उचित ही था कि *नेबियोलो* का अर्थ होता है हल्का कुहासा। फिर भी लैंग्डन को अच्छी तरह याद आ रहा था कि उसे इसी जगह पर आर्मेनिया का एक नक्शा दिखाया गया था, जिसमें एक ख़ास बात थी।

मैं जानता हूँ कि वह नक्शा यहीं है, लैंग्डन ने सोचा। वह वहाँ पर लगे अनगिनत नक्शों पर नज़र दौड़ा रहा था।

'आर्मेनिया।' सिएना ने कहा। 'यहाँ, इस तरफ।'

लैंग्डन कमरे के दाहिने हिस्से के छोर पर खड़ा था। वह तेज़ी से मुड़ा और जल्दी से उस स्थान पर पहुँच गया, जहाँ सिएना आर्मेनिया के नक्शे को दिखा रही थी। उसके चेहरे पर ऐसा भाव था मानो वह कह रही हो, चलो आर्मेनिया का नक्शा तो मिल गया, लेकिन आगे क्या?

लैंग्डन जानता था कि अभी उसके पास विस्तार से समझाने का वक़्त नहीं था। चुनांचे, वह तेज़ी से आगे बढ़ा, उसने मानचित्र के विशाल लकड़ी के फ्रेम को पकड़ उसे अपनी ओर घुमाने लगा। नक्शा घूमकर उसकी ओर आ गया, साथ ही दीवार का एक हिस्सा भी, फर्श के साथ बनी दीवार की स्कर्टिंग के साथ। अब सामने एक रास्ता खुलता हुआ दिखाई दे रहा था।

'अच्छा, तो ये बात है।' सिएना ने प्रभावित होकर कहा। 'यही आर्मेनिया है?'

बिना किसी हिचकिचाहट के सिएना दीवार में बने उस रास्ते पर तेज़ी से आगे जाने लगी। वह निडर होकर सामने दिखाई दे रहे खुली ज़मीन की ओर बढ़ रही थी, जहाँ रोशनी काफी कम थी। लैंग्डन भी उसके पीछे चल पड़ा और उसने दीवार को फिर से उसकी पुरानी जगह पर लाकर रख दिया।

उस यात्रा की धुंधली स्मृति के बावजूद, लैंग्डन को यह रास्ता साफ साफ याद था। सिएना के साथ वह जैसे एक आईने से होकर पालात्ज़ो के अदृश्य लोक में प्रवेश कर चुका था, जो पालात्ज़ो वेखियो की दीवारों के उस पार की गुप्त दुनिया में खुलती थी। यह एक ऐसी दुनिया थी, जो उस वक़्त के शासक ड्यूक और उसके करीबी सहयोगियों को ही मालूम थी।

लैंग्डन दहलीज पर एक क्षण के लिए रुका और उसने अपने आसपास के परिवेश का मुआयना किया। वहाँ हल्के पीले रंग के पत्थरों के हॉलवे में परदों से ढकी खिड़कियों की कतार से होकर थोड़ी-सी प्राकृतिक रोशनी अंदर आ रही थी। वह गलियारा करीब पचास फुट आगे जाकर लकड़ी के एक दरवाज़े में जाकर मिलता था।

अब वह अपनी बाईं तरफ मुड़ा, जहाँ संकरी-सी एक सीढ़ी ऊपर की तरफ जा रही थी, जो आगे चलकर ज़ंजीर से बंद की हुई थी। वहाँ पर एक साइन-बोर्ड लगा था जिस पर इतालवी में लिखा था–*उस्सीता विएताटा।*

लैंग्डन जीने की तरफ जाने लगा।

'नहीं।' सिएना ने उसे रोका। 'इसमें लिखा है–बाहर जाने का रास्ता नहीं–नो एग्जिट।'

'शुक्रिया।' लैंग्डन ने हल्के से तंज की मुद्रा में मुस्कराते हुए कहा। 'मैं इतालवी पढ़ सकता हूँ।'

उसने ज़ंजीर को हुक से उतारा और इसे गुप्त दरवाज़े के पास ले कर चला आया। उसने इस ज़ंजीर को दरवाज़े के हैंडल में घुसाकर चारों तरफ लपेट कर सामने रखी किसी चीज़ से बाँध दिया, ताकि बाहर से खींचने पर यह दरवाज़ा खुले नहीं।

'ओह, अच्छी तरकीब।' सिएना ने शर्मिंदा होकर कहा।

'लेकिन यह उन्हें ज़्यादा देर तक रोक नहीं पाएगा।' लैंग्डन ने कहा। 'वैसे हमें ज़्यादा वक़्त नहीं चाहिए। मेरे पीछे आओ।'

अंत में जब आर्मेनिया का नक्शा टूटकर नीचे गिर गया तो एजेंट ब्रूडर और उसके लोग उस संकरे कॉरिडोर से होते हुए तेज़ी से आगे बढ़े, जहाँ अंत में लकड़ी का दरवाज़ा दिखाई दे रहा था। जब वे इसके बाहर निकले तो ब्रूडर के चेहरे पर ठंढी हवा का एक तेज़ झोंका लगा। बाहर चमकती धूप ने थोड़ी देर के लिए उसे अंधा कर दिया था।

अब वह बाहर वाली पगडंडी पर आ चुका था, जो पालात्ज़ो की छत के साथ-साथ आगे जा रहा था। उसने रास्ते पर अपनी नज़र डाली, जो पचास गज आगे किसी दूसरे दरवाज़े में जाकर मिल रहा था। यह दरवाज़ा इमारत के भीतर जा रहा था।

ब्रूडर ने पगडंडी के बाई तरफ नज़र डाली, जहाँ हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड की ऊँची, नक्काशीदार छत दिखाई दे रही थी, जो किसी पहाड़ की तरह लग रही थी। *इसे पार करना नामुमकिन है।* ब्रूडर अब दाईं तरफ मुड़ा, जहाँ पगडंडी के दोनों तरफ ऊँची, तेज़ ढलान वाली पहाड़ी दिखाई दे रही थी, जो एक गहरे कुएँ जैसी जगह में जाकर ख़त्म हो रही थी। तुरंत मौत वाली जगह।

अब उसने अपने सामने नज़र डाली। 'इस तरफ।'

ब्रूडर और उसके आदमी पगडंडी पर तेज़ी से दूसरे दरवाज़े की तरफ जाने लगे। ऊपर ड्रोन किसी गिद्ध की तरह लगातार चक्कर काट रहा था।

ब्रूडर और उसके आदमियों ने जब दहलीज पार की तो उन्हें अचानक रुकना पड़ा। वे हड़बड़ाकर एक-दूसरे के ऊपर गिर गए।

अब वे पत्थर के बने एक छोटे चेंबर के सामने खड़े थे, जिसमें सिर्फ एक निकास की जगह थी–वही दरवाज़ा जिससे होकर वे इसके अंदर आए थे। वहाँ दीवार से सटाकर एक मेज़

रखी थी। चेंबर की छत पर बनी विद्रूप और भयंकर तस्वीरें जैसे उनकी ओर देखते हुए मज़ाक उड़ा रही थी।

आगे जाने का रास्ता बंद।

ब्रूडर के एक आदमी ने जल्दी-जल्दी दीवार पर लिखी सूचना को पढ़ा। 'रुको।' उसने कहा। 'इसमें लिखा है कि यहाँ एक गुप्त झरोखा है।'

ब्रूडर ने चारों तरफ नज़र दौड़ाई। उसे कोई गुप्त झरोखा नज़र नहीं आया। वह आगे आकर ख़ुद उस सूचना पट्टिका को पढ़ने लगा।

ऐसा लगता था कि यह स्थान किसी समय डचेस बिआँका केपेलो का निजी अध्ययन कक्ष था, जिसमें एक गुप्त खिड़की थी जिसे उना *फिनेस्त्रा सिग्राता* कहा जाता था। इस खिड़की से बिआँका गुप्त ढंग से नीचे हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड में अपने पति के भाषणों को सुन सकती थी।

ब्रूडर ने एक बार फिर कमरे में नज़रें दौड़ाई। इस बार उसे बगल की दीवार में छुपा एक झरोखा नज़र आया, जो जाली से बंद था। *क्या वे लोग इस रास्ते से बाहर भागे?*

वह आगे जाकर उस झरोखे का मुआयना करने लगा। इसका आकार इतना छोटा था कि लैंग्डन के आकार के आदमी का इससे होकर बाहर जाना मुमकिन नहीं लग रहा था। ब्रूडर झरोखे में अपना चेहरा सटा कर बाहर देखने लगा। वह तसल्ली करना चाहता था कि इससे होकर कोई व्यक्ति बाहर नहीं गया था। जाली के दूसरी तरफ काफी तीखी ढलान थी, जो नीचे कई मंज़िल तक जाकर हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड में मिलता था।

आख़िर वे लोग गए कहाँ?

उस छोटे-से पत्थर के बने चेंबर में घुसते हुए ब्रूडर के अंदर दिन-भर की दबी हुई हताशा बाहर आ गई। वैसे वह अपनी भावनाओं को काबू में रखता था, लेकिन आज यह मुश्किल साबित हो रहा था। उसने अपना सिर पीछे की तरफ झटका और उसके मुँह से गुस्से में बेतहाशा गालियाँ निकलने लगी।

उस छोटी-सी जगह में भयानक शोरगुल सुनाई दे रहा था।

काफी नीचे, हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड के भीतर मौजूद सैलानी और पुलिस के लोग जालीदार खिड़की की ओर देखने लगे। वहाँ से आ रही आवाज़ से ऐसा लगता था जैसे डचेस बिआँका के गुप्त अध्ययन कक्ष का इस्तेमाल किसी जंगली जानवर को कैद करने के लिए किया जा रहा था।

सिएना ब्रुक्स और रॉबर्ट घुप्प अंधेरे में खड़े थे।

कुछ ही मिनट पहले सिएना ने देखा था कि किस चतुराई से लैंग्डन ने ज़ंजीर का इस्तेमाल कर आर्मेनिया के घूमने वाले नक्शे के रास्ते को सील किया था और फिर वहाँ से भाग निकला था।

लेकिन उसे हैरानी हो रही थी कि कॉरिडोर में आगे जाने की बजाय लैंग्डन सीधी खड़ी सीढ़ी पर चढ़ रही थी जिस पर लिखा था–*उस्सीता विएताटा* यानी *नो एग्ज़िट. . .*बाहर जाने का रास्ता नहीं।

'रॉबर्ट,' उसने दुविधा में पड़कर कहा। 'वहाँ लिखा है कि यहाँ से बाहर जाना मना है और मैंने सोचा था कि हम नीचे जाने की योजना बना रहे थे।'

'हाँ, हम वही करने वाले हैं।' लैंग्डन ने गरदन पीछे करते हुए जवाब दिया। 'लेकिन कभी-कभी नीचे आने के लिए हमें ऊपर जाना होता है।' उसने सिएना को आँख मारते हुए उसका हौसला बढ़ाया। 'शैतान की नाभि याद है न?'

ये क्या बात कर रहे हैं? सिएना उसके पीछे तेज़ी से चल रही थी। उसे कुछ समझ में नहीं आ रहा था।

'क्या तुमने कभी *इन्फर्नो* पढ़ी है?' लैंग्डन ने पूछा।

हाँ. . .*लेकिन मुझे लगता है उस वक़्त मेरी उम्र सात साल की रही होगी।*

कुछ ही देर में उसे याद आ गया। 'ओह, शैतान की नाभि।' उसने कहा। 'अब मुझे याद आ गया।'

उसे थोड़ा-सा वक़्त लगा था, लेकिन सिएना को अब समझ में आ गया था कि लैंग्डन दांते के *इन्फर्नो* के आख़िरी दृश्य के बारे में चर्चा कर रहा था। इन अध्यायों में दांते नरक से बचने के लिए एक दैत्याकार शैतान के बाल वाले पेट से होकर नीचे उतरते हैं और जब वे शैतान की नाभि के पास पहुँचते हैं, जिस धरती का केंद्र माना जाता है, तो धरती के गुरुत्वाकर्षण की दिशा अचानक बदल जाती है। दांते पर्गेटरी में उतरने की बजाय. . .अब ऊपर की ओर चढ़ने लगते हैं।

सिएना को *इन्फर्नो* की बहुत कम बातें याद थी। हाँ, उसे धरती के केंद्र में गुरुत्वाकर्षण के इस विचित्र आचरण से हुई निराशा अब भी याद थी जिससे पता चलता था कि दांते की प्रतिभा सदिश शक्तियों के विज्ञान को नहीं समझ पाई थी।

वे अब सबसे ऊपर वाली सीढ़ी पर पहुँच गए थे। वहाँ एक ही दरवाज़ा था जिसे लैंग्डन ने खोल दिया। दरवाज़े पर लिखा था–साला देई मॉडली दी आर्किटेक्चुरा यानी वास्तुशिल्प के मॉडलों का कमरा।

लैंग्डन ने उसे अंदर आने को कहा और इसके बाद भीतर से दरवाज़े को बंद कर दिया।

कमरा छोटा था, बिलकुल सादा। इसमें कई आलमारियाँ रखी थीं जिनमें वासारी के वास्तुशिल्प डिज़ाइनों के लकड़ी के बने मॉडल रखे थे जिनका इस्तेमाल पालात्ज़ो के

भीतरी हिस्सों के लिए किया गया था, लेकिन उसने देखा कि कमरे में कोई दरवाज़ा या खिड़की नहीं थी और जैसा कि बाहर लिखा था, बाहर जाने का भी कोई रास्ता नहीं था।

'सन् 1300 के मध्य में,' लैंग्डन ने फुसफुसाते हुए कहा, 'ड्यूक ऑफ़ एथेंस ने महल में गद्दी संभाली। हमला होने पर बाहर भागने के लिए उसने यह गुप्त रास्ता बनवाया था। इसे ड्यूक ऑफ़ एथेंस की सीढ़ी कहा जाता है। यह आगे जाकर बगल वाली गली में बने संकरे दरवाज़े में खुलता है। अगर हम वहाँ पहुँच जाएँ तो हमें कोई भी नहीं देख पाएगा।' उसने एक मॉडल की तरफ दिखाते हुए कहा। 'यहाँ देखो, बगल वाली जगह देख रही हो?'

ये हमें इस जगह पर मॉडलों को दिखाने लाए हैं?

सिएना ने मिनिएचर की तरफ चिंतित नज़रों से देखा। उसने देखा कि महल के ऊपरी हिस्से से निकलकर यह गुप्त सीढ़ी गली तक जा रही थी। इसे इमारत की बाहरी और भीतरी दीवार के बीच चतुराई से छिपाकर बनाया गया था।

'मैं सीढ़ियों को देख पा रही हूँ, रॉबर्ट।' सिएना ने मज़ाक के लहज़े में कहा। 'लेकिन वे महल के ठीक दूसरी तरफ वाले हिस्से में बने हैं। हम वहाँ कभी नहीं पहुँच पाएँगे।'

'थोड़ा भरोसा रखो।' वह मुँह टेढ़ा कर हँसा।

नीचे से धड़ाम की आवाज़ सुनकर उन्हें पता लग गया कि आर्मेनिया का नक्शा गिर चुका था। कॉरिडोर से आगे बढ़ते हुए लोगों के कदमों की आवाज़ सुनकर वे लोग जैसे अपनी जगह बुत की तरह जम गए। किसी ने नहीं सोचा था कि उनका गलियारा इतनी ऊँचाई तक जाएगा और अंत में सीढ़ियों के पास, जहाँ नो एग्ज़िट लिखा है, वहाँ जाकर ख़त्म हो जाएगा।

नीचे से आ रही आवाज़ें जब बंद हो गई तो लैंग्डन पूरे आत्मविश्वास के साथ उस प्रदर्शनी कक्ष के दूसरी तरफ चलकर पहुँच गया। वहाँ प्रदर्शित चीज़ों को पार करता हुआ वह दूर वाली दीवार पर बनी आलमारी के पास पहुँचा। वह आलमारी तकरीबन एक गज वर्गाकार थी और ज़मीन से करीब तीन फीट ऊँचाई पर बनी थी। लैंग्डन ने बिना किसी हिचकिचाहट के हैंडल को पकड़कर घुमा दिया। दरवाज़ा खुल गया।

सिएना हैरान होकर पीछे हट गई।

दरवाज़े के आगे विशाल खाली जगह दिखाई दे रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे आलमारी का दरवाज़ा किसी दूसरी दुनिया में प्रवेश का रास्ता दिखा रहा था। आगे केवल अंधकार ही अंधकार था।

'मेरे पीछे आओ।' लैंग्डन ने कहा।

उसने दरवाज़े के पास दीवार पर लटके फ़्लैशलाइट को नीचे उतारा। फिर बड़ी ही फुर्ती और ताकत के साथ वह उस छेद में घुस गया और सामने खाली स्थान के बीच कहीं गायब हो गया।

46

लासोफिट्टा, लैंग्डन ने सोचा। दुनिया की सबसे नाटकीय परछत्ती।

उस खाली जगह के भीतर सीलन और सदियों से जमी धूल की गंध का अनुभव हो रहा था। धूल इतनी हल्की और महीन थी कि इतने दिनों में भी यह नीचे नहीं बैठी थी और अब भी आसमान में तैर रही थी। उस स्थान पर चलते हुए नीचे से तरह तरह की आवाज़ें सुनाई दे रही थी जिसे सुनकर लगता था कि हम किसी ज़िंदा दैत्य के पेट के भीतर चल रहे थे।

वहाँ तनी रस्सी पर अपना संतुलन बनाने के बाद उसने अपना फ़्लैशलाइट उठाया। उसकी रोशनी अंधेरे को चीरती हुई आगे बढ़ी।

उसके सामने जैसे अनंत दूरी तक फैली सुरंग दिखाई दे रही थी। सुरंग के भीतर लकड़ी के बने त्रिभुजों और चतुर्भुजों का एक जाल दिखाई दे रहा था, जो वहाँ रखे खंभों, शहतीरों, रस्सियों जैसी भवन निर्माण में इस्तेमाल होने वाली चीज़ों से बनी थी। ये वस्तुएँ ही हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड के अदृश्य ढांचे का निर्माण करते थे।

लैंग्डन ने कई साल पहले गुप्त रूप में इसी परछत्ती की यात्रा की थी। उस वक़्त उसके दिमाग पर नेबिओलो की वजह से धुंध छाई हुई थी। वहाँ आने वाले लोगों को आर्किटेक्चर मॉडेल वाले कमरे में रखे मॉडल और रस्सियों के काम को टॉर्च की रोशनी में देखने के लिए वहाँ दीवार में एक चौकोर खिड़की काट कर बनाई गई थी।

इस वक़्त जब लैंग्डन जब इस छत के नीचे खड़ा था तो उसे रस्सियों से बने इस वास्तुशिल्प और न्यू इंग्लैंड में अनाज भंडारण के लिए बने भवन के बीच समानता को देखकर आश्चर्य हो रहा था, जिसमें परंपरागत तरीके से 'पोस्ट ऐंड स्ट्रट एसेंब्ली' और 'जुपिटर के एरो प्वाइंट' तरीके के जोड़ों का इस्तेमाल किया गया था।

अब तक सिएना भी उस छेद से अंदर आ कर उसकी बगल में रखे शहतीर के साथ सटकर स्थिर होने की कोशिश कर रही थी। वह काफी अस्त व्यस्त दिख रही थी। लैंग्डन अपनी फ़्लैशलाइट को इधर-उधर हिला डुला कर उसे इस अनोखे लैंडस्केप को दिखा रहा था।

इस छोर से देखने पर इस छत के नीचे का हिस्सा, गैरेट, ऐसा लग रहा था मानो हम समद्विबाहु त्रिभुज की एक लंबी कतार को देख रहे हों, जो आगे जाकर किसी ख़ास बिंदु पर गायब हो जाते हैं। उनके पैरों के नीचे की सतह पर कोई तख्ती या प्लास्टर नहीं था। इसको संभालने वाला क्षैतिज सहायक शहतीर बिलकुल नंगा था और इसे देखकर रेल की दोनों पटरियों को जोड़ने वाली कंक्रीट के विशाल स्लैब की याद आती थी।

लैंग्डन ने सामने दिख रहे लंबे शाफ्ट की ओर इशारा किया। वह बहुत धीरे-धीरे बोल रहा था। 'यह स्थान हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड के ठीक ऊपर है। अगर हम इसके दूसरे छोर पर पहुँच जाएँ तो मैं जानता हूँ कि उसके आगे ड्यूक ऑफ़ एथेंस की सीढ़ी तक जाने का रास्ता किधर से जाता है।

सिएना ने अपने सामने पसरे हुए शहतीरों और बाकी सामानों की तरफ संदेह की नज़रों से देखा। उस गैरेट को पार करने का एक ही तरीका था –बच्चे जिस तरह रेल की पटरियों को आपस में जोड़ने वाले स्लैबों यानी स्ट्रट, को जिस तरह उछल उछल कर पार करते हैं उसी तरह पार करना। स्ट्रट काफी बड़े आकार के थे। हर स्ट्रट में एक साथ लोहे के कई शहतीर थे, जो लोहे के बने चौड़े बकलसों सें बंधे थे। आपस में जुड़कर ये एक ताकतवर पुलिंदे की तरह लगते थे जिस पर आसानी से खड़ा होना संभव था, लेकिन इन स्ट्रटों के बीच की दूरी इतनी थी कि कूदकर सुरक्षित ढंग से इनके पार जाना मुश्किल था।

'मैं शायद इन शहतीरों को कूदकर उनके पार नहीं जा सकती।' सिएना ने बुदबुदा कर कहा।

लैंग्डन को भी अपने ऊपर भरोसा नहीं हो रहा था। यहाँ से गिरने का मतलब था मौत। उसने स्ट्रटों के बीच की जगह से नीचे की ओर टॉर्च की रोशनी डाली।

आठ फीट नीचे, लोहे की छड़ों पर धूल से भरी एक बडी छत लटकी हुई थी। जहाँ तक नज़र जाती, यही दिखाई छत दिखाई दे रही थी। देखने में भले यह मज़बूत लगती थी, लेकिन लैंग्डन जानता था कि दरअसल यह छत कपड़ों को तानकर बनाई गई थी जिनमें धूल भरी थी। यह हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड की ऊपर लटकी छत का पिछला हिस्सा था, जो दरअसल लकड़ी के फ्रेम की एक लंबी कतार थी, जिनमें वासारी के उनचालीस पेंटिंग लगे हुए थे। फर्श के समांतर लटकी, फ्रेम के अंदर बंद ये तस्वीरें पैबंदकारी की हुई रजाई की तरह दिखती थी।

सिएना ने अपने नीचे पसरे हुए धूल से भरी जगह को दिखाते हुए कहा, 'क्या हम वहाँ उतरकर चलते हुए दूसरी तरफ जा सकते हैं?'

नहीं। अगर तुम वासारी के बनाए कैनवस से होते हुए नीचे हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड में कूदना चाहती हो तो बात अलग है।'

'दरअसल, इसका एक बेहतर तरीका है।' लैंग्डन ने बड़े शांत भाव से कहा। वह सिएना को डराना नहीं चाहता था। वह स्ट्रट पर चलता हुआ गैरेट के बीच वाले हिस्से की तरफ जाने लगा।

अपनी पिछली यात्रा के दौरान, झरोखे से वास्तुकला मॉडलों वाले कमरे में झाँकने के अलावा लैंग्डन ने इस परछत्ती की दूसरी ओर बने एक दरवाज़े घुसकर पैदल चलते हुए इसे काफी नज़दीक से देखा-परखा था। शराब के नशे से प्रभावित उसकी याद्दाश्त अगर ठीक

थी तो गैरेट के बीच से होती हुई लकड़ी की तख्ती आगे जाती थी। बीच की जगह में पहुँचकर सैलानियों को नज़ारा लेने के लिए एक बड़ा-सा झरोखा मिलता था।

लेकिन जब लैंग्डन स्ट्रट के बीच में पहुँचा तो उसने देखा कि वहाँ रखी लकड़ी की तख्ती उस तख्ती से बिलकुल अलग थी, जो उसने अपनी पिछली यात्रा के दौरान देखा था।

उस दिन पता नहीं मैंने कितनी नेबिओलो पी थी?

आज उसे लकड़ी की मज़बूत तख्ती की जगह शहतीर पर यूँ ही लंबवत ढंग से पसरे हुए लकड़ी के तख्ते दिखाई दे रहे थे, जो किसी चीज़ से जुड़े नहीं थे। वहाँ एक तरह का कामचलाऊ रैंप या कैटवॉक-सा बना हुआ था, जो दरअसल तनी रस्सी पर चलने का अनुभव दे रहा था न कि किसी मज़बूत पुल पर चलने का।

ऐसा लगता था जैसे सैलानियों के चलने के लिए लकड़ी का बना यह रास्ता दूसरे छोर से शुरू हुआ था और देखने के लिए बीच में बने चबूतरे पर आकर समाप्त हो जाता था। यहाँ पहुँचकर सैलानी वापस चले जाते थे। सिएना और लैंग्डन के सामने, जो बैलेंस बीम दिखाई दे रहा था वह शायद परछत्ती के बाकी हिस्से की मरम्मत के लिए इंजीनियरों के वास्ते बनाया गया था।

'ऐसा लग रहा है जैसे हम लकड़ी के फट्टे पर चल रहे हैं।' लैंग्डन ने पतले फट्टों को अनिश्चितता के भाव से देखते हुए कहा।

सिएना पर इसका कोई असर नहीं दिखा। उसने कंधे उचकाए। 'बरसात के मौसम में वेनिस से बदतर तो नहीं?'

लैंग्डन को उसकी बात सही लगी। शोध के लिए अपनी हाल फिलहाल की वेनिस यात्रा के दौरान सेंट मार्क का चौराहे पर फुट भर पानी जमा था। वह होटल डैनिएली से लेकर बेसिलिका तक उल्टा कर रखी बाल्टियों और सिंडर ब्लॉक के ऊपर रखे लकड़ी के फट्टों को पार कर गया था। बेशक चप्पल भीगने के ख़तरे और पुनर्जागरण काल की बेहतरीन कलाकृतियों के बीच से नीचे गिर कर जान गंवाने के बीच बहुत फर्क होता है।

इस बात को अपने दिमाग से बाहर करते हुए लैंग्डन ने संकरे से फट्टे पर पाँव रखा। वह झूठमूठ का आत्मविश्वास दिखाने की कोशिश कर रहा था। उसे उम्मीद थी कि ऐसा करने से सिएना के दिमाग में चुपचाप चल रही चिंता थोड़ी कम होगी। फिर भी, बाहर से आत्मविश्वास से लबरेज दिखने के बावजूद पहले फट्टे को पार करते हुए उसका दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। बीच में पहुँचते पहुँचते उसके पाँव के नीचे का फट्टा उसके वजन से टेढ़ा हो गया। उससे डरावनी आवाज़ आ रही थी। वह अब तेज़ी से आगे बढ़ने लगा। आख़िरकार जब वह दूसरे छोर पर पहुँचा, जो पहले की तुलना में थोड़ा सुरक्षित था और जहाँ से दूसरे स्ट्रट की शुरुआत होती थी।

इसे देखकर लैंग्डन भी पीछे मुड़कर दूसरे फट्टे की ओर बढ़ा। उसके पार करने तक सिएना

इंतज़ार करती रही। उस पार जाकर जब उसने फ्लैशलाइट पीछे की ओर दिखाया तो सिएना भी आगे बढ़ी। वह लगातार लैंग्डन के साथ बनी हुई थी। वे दोनों एक ही टॉर्च की रोशनी में तालमेल मिलाते हुए आगे बढ़ रहे थे। उनके नीचे पतली छत की दूसरी ओर से पुलिस के वॉकी टॉकी की आवाज़ सुनाई दे रही थी। लैंग्डन ने हल्की मुस्कान अपने चेहरे पर आने दी। *हम लोग हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड के ऊपर मंडरा रहे हैं, भारशून्य और अदृश्य।*

'तो रॉबर्ट,' सिएना ने फुसफुसाते हुए पूछा, 'आपने कहा कि इग्नाजियो ने आपको बताया कि मुखौटा कहाँ रखा है?'

'हाँ, लेकिन कूटभाषा में।' लैंग्डन ने जल्दी-जल्दी बताया कि इग्नाजियो आँसरिंग मशीन पर मुखौटे का पता नहीं बताना चाहता था। इसलिए उसे कूट भाषा का इस्तेमाल करना पड़ा। 'उसने स्वर्ग, पैराडाइज़, की बात की। मुझे लगता है कि उसका इशारा *द डिवाइन कॉमेडी* के आख़िरी हिस्से की तरफ था। उसके शब्द थे, 'पैराडाइज़ ट्वेंटी फाइव'।

सिएना ने नज़रें उठाकर उसे देखा। 'उसके कहने का मतलब होगा कैंटो पच्चीस।'

'हाँ। मैं भी यही समझता हूँ।' लैंग्डन ने कहा। कैंटो तकरीबन अध्याय के बराबर होता है। यह शब्द महाकाव्यों की गायन परंपरा के समय से चला आ रहा है। *द डिवाइन कॉमेडी* में करीब एक सौ कैंटो हैं, जो तीन खंडों में बंटे हुए हैं:

इन्फर्नो 1-34
पर्गेटेरियो–1-33
पैराडाइज़ो–1-33

पैराडाइज़ पच्चीस, लैंग्डन ने सोचा। वह सोच रहा था कि काश उसकी फोटो जैसी स्मृति और भी अच्छी होती, ताकि वह पूरा पाठ याद कर पाता, लेकिन उसकी स्मृति में तो बहुत ही कम चीज़ें थीं. . .*उसे किताब की एक प्रति चाहिए होगी।*

'उसने कुछ और भी बताया था,' लैंग्डन ने अपनी बात जारी रखी। 'इग्नाजियो ने मुझे, जो आख़िरी बात बताई थी वह थी–तुम्हारे लिए दरवाज़े खुले हैं, लेकिन तुम्हें जल्दी करना होगा।' उसने रुककर सिएना की तरफ देखा। 'शायद कैंटो 25 में फ्लोरेंस के किसी ख़ास स्थान के बारे में बताया गया है। शायद उस जगह पर दरवाज़े बने हैं।'

सिएना नाराज़ हो रही थी। 'लेकिन इस शहर में तो दर्जनों दरवाज़े हैं?'

'बिलकुल। इसीलिए तो हमें पैराडाइज़ का कैंटो पच्चीस पूरा का पूरा पढ़ना होगा। सिएना की ओर उम्मीद से देखते हुए वह मुस्कराया। 'मैं सोच रहा था कि. . .क्या तुम्हें डिवाइन कॉमेडी पूरी की पूरी याद है?'

सिएना उसकी तरफ हैरान नज़रों से देखने लगी। 'पुराने जमाने की इतालवी में लिखी चौदह हज़ार पंक्तियाँ, जो मैंने बचपन में पढ़ी?' उसने अपना सिर हिलाया। 'आपकी याद्दाश्त असाधारण है, प्रोफेसर। मैं तो बस एक डॉक्टर हूँ।'

आगे बढ़ते हुए लैंग्डन को यह सोचकर थोड़ी खिन्नता हो रही थी कि इतना सब साथ मिलकर झेलने के बावजूद, सिएना अपनी असाधारण प्रतिभा की सचाई ज़ाहिर नहीं करना चाहती थी। *वह महज एक डॉक्टर है?* उसे हँसी आ रही थी। धरती की सबसे विनम्र डॉक्टर, उसने सोचा। उसे अखबारों की वे कतरनें याद आ रही थीं, जिसमें उसकी विशेष प्रतिभा के बारे में बताया गया था। यह आश्चर्य और दुख की बात थी कि इन असाधारण प्रतिभाओं में इतिहास के सबसे लंबे महाकाव्य को कंठस्थ कर पाने की प्रतिभा शामिल नहीं थी।

वे लोग चुपचाप इसी तरह की कई शहतीरों को पार कर आगे बढ़ते रहे। अंत में, अंधेरे के बीच लैंग्डन को एक आकृति दिखाई दी जिसे देखकर वह प्रसन्न हो गया। देखने के लिए बनाया गया चबूतरा–*व्यूइंग प्लेटफॉर्म*। वे जिस कमज़ोर से लकड़ी के फट्टे पर आगे बढ़ रहे थे वह सीधा एक चबूतरे में जाकर मिलता था, जिसके मज़बूत ढांचे के चारों तरफ रेलिंग बनी हुई थी। चबूतरे पर चढ़कर वे इस पर बनी पगडंडी के साथ चलते हुए गैरेट में बने दरवाज़े से होकर बाहर निकल सकते थे। लैंग्डन को याद था कि यह दरवाज़ा ड्यूक ऑफ़ एथेंस की सीढ़ी के बहुत पास था।

चबूतरे के पास पहुँचकर लैंग्डन आठ फीट नीचे टंगी छत पर नज़र डाली। अभी तक नीचे दिख रहे सभी अर्ध-चंद्राकार झरोखे एक से लग रहे थे, लेकिन उनके सामने आने वाला झरोखा बाकी सभी से काफी बड़ा था।

द एपोथियोसिस ऑफ़ कोसिमो I, लैंग्डन मन-ही-मन सोच रहा था।

यह विशाल, गोलाकार झरोखा वासारी की सबसे कीमती पेंटिंग थी। यह हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड के झरोखों में सबसे केंद्रीय चंद्राकार झरोखा था। लैंग्डन इसे अपने छात्रों को इसके स्लाइड हमेशा दिखाया करता था और अमेरिकी कैपिटोल में लगे *दि अपोथियोसिस ऑफ़ वाशिंगटन* से इसकी समानताओं के बारे में उन्हें बताया करता था। यह लोगों को विनम्रतापूर्वक याद दिलाता था कि अमेरिका ने अपने शुरुआती दौर में इटली से सिर्फ गणतंत्र की अवधारणा ही नहीं, बल्कि बहुत कुछ उधार में लिया था।

लेकिन आज लैंग्डन अपोथियोसिस के अध्ययन की बजाय इसके सामने से जल्दी से जल्दी निकल जाना चाहता था। उसने अपनी चाल तेज़ कर दी और हल्के से अपना सिर पीछे कर सिएना को फुसफुसाते हुए कहा कि वे अब करीब करीब अपने स्थान पर पहुँच चुके थे।

ऐसा करते हुए लैंग्डन का दाहिना पैर फट्टे के किनारे से नीचे फिसल गया। उसके पैरों में

पहनी उधार माँगकर पहनी चप्पल आधी खुल कर लटक गई। उसका टखना मुड़ गया और लैंग्डन आगे की तरफ झुक गया। लड़खड़ाकर वह तेज़ी से आगे की तरफ बढ़ा, ताकि वह अपना संतुलन दोबारा हासिल कर सके।

लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

उसका घुटना फट्टे के साथ तेज़ी से टकराया और उसका हाथ सामने वाले स्ट्रट को पकड़ने की भरसक कोशिश में तनाव से भर गया। उसके हाथ से छूटकर फ़्लैशलाइट नीचे की अंधेरी जगह में कैनवास पर जाकर गिरा, जिसमें जाकर यह जाल की तरह फँस गया। लैंग्डन ने अपने पैरों से ज़ोर लगाकर किसी तरह अगले स्ट्रट पर ख़ुद को संभाला, लेकिन पीछे वाला फट्टा नीचे गिर गया। आठ फुट नीचे वासारी के *अपोथियोसिस* के कैनवास को घेरने वाले लकड़ी के अर्धचंद्राकार फ्रेम पर गिरकर इससे एक तेज़ आवाज़ आई।

गैरेट में चारों तरफ यह आवाज़ गूँज उठी।

घबराकर, लैंग्डन तेज़ी से खड़ा हुआ और सिएना की ओर मुड़कर देखने लगा।

नीचे के कैनवास पर गिरे हुए फ़्लैशलाइट की मद्धिम रोशनी में लैंग्डन ने देखा कि उसके पीछे वाली स्ट्रट पर सिएना खड़ी थी। वह उस जगह पर फँस चुकी थी और उसके पास आगे जाने का कोई रास्ता नहीं था। उसकी आँखों में वही चीज़ दिखाई दे रही थी जिसे लैंग्डन पहले से ही जानता था। नीचे गिरने वाले फट्टे की आवाज़ ने करीब करीब उनकी उपस्थिति लोगों के बीच ज़ाहिर कर दी थी।

वाएंथा की आँखें ऊपर बनी नक्काशीदार छत की ओर उठी।

'छत वाले कमरे में चूहे हैं।' कैमकॉर्डर पकड़े आदमी ने घबराकर मज़ाक किया। आवाज़ वहाँ अब भी गूँज रही थी।

बड़े चूहे, वाएंथा ने हॉल की छत के बीचों बीच लटके गोलाकार पेंटिंग को देखते हुए सोचा। पेंटिंगों की अर्धचंद्राकार फ्रेमों से होकर धूल का बादल अब नीचे जमा हो रहा था। वाएंथा यकीन के साथ कह सकती थी कि उसे कैनवास के बीच एक हल्का-सा उभार दिखाई दे रहा था. . .ऐसा लग रहा था जैसे दूसरी ओर से कोई व्यक्ति इसके ऊपर धक्का दे रहा हो।

'शायद किसी अफसर की बंदूक देखने वाले चबूतरे से नीचे गिर गया हो,' उस आदमी ने पेंटिंग में दिखाई दे रहे उभार की ओर नज़र डालते हुए कहा। 'तुम्हें क्या लगता है कि वे लोग क्या ढूँढ़ रहे हैं? यहाँ की हलचल काफी मज़ेदार लग रही है।'

'*देखने वाला* चबूतरा–व्यूइंग प्लेटफॉर्म?' वाएंथा ने सवाल किया। 'क्या लोग वहाँ तक जा सकते हैं?'

‘बेशक।’ उसने म्यूजियम के प्रवेश द्वार की तरफ इशारा किया। ‘उस दरवाज़े के अंदर एक दरवाज़ा है, जो अटारी पर बने कैटवॉक तक जाता है। वहाँ से आप वासारी के अद्भुत ट्रस-वर्क को देख सकते हैं।’

अचानक हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड के अंदर ब्रूडर की आवाज़ गूँज उठी। ‘आख़िर वे लोग गए कहाँ?’

ब्रूडर वाएंथा की बाई तरफ दीवार में बने जालीदार दरवाज़े के पीछे खड़ा था। उसकी आवाज़ जैसे दर्द में डूबी चीख की तरह लग रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे ब्रूडर जाली के पीछे खड़ा था..कमरे की नक्काशीदार छत के बिलकुल एक मंज़िल नीचे।

वाएंथा की नज़र एक बार फिर ऊपर कैनवास में दिखाई दे रहे उभार पर पड़ी।

अटारी में चूहे हैं, वाएंथा ने सोचा। *शायद वे बाहर जाने का रास्ता ढूँढ़ रहे हैं।*

उसने कैमकॉर्डर वाले आदमी को शुक्रिया कहा और तेज़ी से म्यूजियम के प्रवेश-द्वार की तरफ बढ़ गई। दरवाज़ा बंद हो गया, लेकिन उस जगह पर इतने सारे पुलिस अफसर आ जा रहे थे कि उसे लगा कि शायद दरवाज़े में ताला नहीं लगाया गया था।

उसके दिल ने, जो समझा था, वह बिलकुल सही था।

47

बाहर पिआत्ज़ा में, पुलिस के आने की वजह से भगदड़ मची थी। वहाँ लोज़िया डि लांजी के साये में एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति खड़ा होकर वहाँ चल रही हलचल बड़े ध्यान से देख रहा था। उस व्यक्ति ने मशहूर प्लुम पैरिस के चश्मे और बेलबूटे दार टाई पहन रखी थी। उसने एक कान में छोटा-सा सोने का बूटा पहन रखा था।

वहाँ चल रही गहमा-गहमी को देखते हुए वह दोबारा अपनी गर्दन खुजाने लगा। पिछली रात उसकी गर्दन पर चकत्ते हो गए थे, जो अब और भी बढ़ते जा रहे थे। उसके जबड़ों, गरदन, गाल और आँख के पास छोटा पीब भरी फुंसियाँ हो गई थी।

उसकी नज़र अपने नाखूनों पर पड़ी। उसे वहाँ खून के निशान दिखाई दिए। उसने रुमाल निकालकर नाखूनों को पोछा। गरदन और गालों पर उभरी घमौड़ियों को भी उसने रुमाल से पोछा।

शरीर की सफाई का काम पूरा करने के बाद उसने पालात्ज़ो के बाहर खड़ी काले रंग की दो वैनों पर दोबारा नज़र डाली। सबसे नज़दीक वाली वैन की पिछली सीट पर दो लोग बैठे थे।

उनमें से एक हथियारबंद सिपाही था जिसने काली पोशाक पहन रखी थी।

दूसरा व्यक्ति एक औरत थी, उम्र में उससे बड़ी, लेकिन ख़ूबसूरत और सफेद बालों वाली। उसने नीले रंग की ताबीज़ पहन रखी थी।

ऐसा लग रहा था जैसे सिपाही सुई देने की तैयारी कर रहा था।

वैन के भीतर, डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की पालात्ज़ो की ओर यूँ ही देख रही थी। वह सोच रही थी कि आख़िर इसकी ऐसी खराब हालत कैसे हुई।

‘मैडम,’ उसके साथ वाली सीट से एक भारी आवाज़ सुनाई दी।

वह उनींदे तरीके से अपने साथ बैठे सिपाही की ओर मुड़ी जिसने उसकी कलाई पकड़ रखी थी। उसके हाथ में एक सिरिंज था। ‘हिलना डुलना नहीं।’

नुकीली सुई उसके मांस में धंस गई।

अपनी आँख बंद करते हुए उसे साफ पता चल रहा था कि पास खड़े होकर कोई व्यक्ति उस पर नज़र रख रहा था। उसने डिज़ाइनर चश्मे और धारीदार टाई पहन रखी थी। उसके चेहरे पर लाल चकत्ते दिखाई दे रहे थे। एक पल के लिए उसे लगा जैसे वह उसे जानती थी, लेकिन उसे देखने के लिए जब उसने दोबारा अपनी आँखें खोलीं तो वह व्यक्ति वहाँ से

गायब हो चुका था।

48

अटारी के अंधकार में लैंग्डन और सिएना अब एक-दूसरे से करीब बीस फुट की दूरी पर थे। उनसे करीब आठ फुट नीचे ऊपर से गिरा फट्टा अब लकड़ी के बने उस फ्रेम पर जाकर अटक गया था, जिसमें वासारी की कलाकृति *अपोथियोसिस* मंढी हुई थी। बड़े आकार का फ़्लैशलाइट अब भी जल रहा था और कैनवास पर अटका हुआ था। उसकी वजह से वहाँ का कैनवास थोड़ा नीचे की तरफ दबा दिखाई दे रहा था जैसे ट्रैंपोलीन पर किसी ने पत्थर रख दिया हो।

'तुम्हारे पीछे, जो फट्टा पड़ा है क्या तुम उसे खींच कर इस स्ट्रट तक ला सकती हो?' लैंग्डन ने फुसफुसाकर पूछा।

सिएना ने फट्टे की तरफ देखा। 'नहीं, अगर मैं इसे अपनी ओर खीचूँगी तो इसका दूसरा सिरा कैनवास के अंदर गिर जाएगा।'

लैंग्डन को भी इसी बात का डर था। वे इस दो फुट गुणा छह फुट की चीज़ को धड़ाम से वासारी के कैनवास को चीरते हुए नीचे गिराना नहीं चाहते थे।

'मुझे एक तरकीब समझ में आई है,' सिएना ने स्ट्रट पर बगल की दिशा में दीवार की तरफ चलते हुए कहा। लैंग्डन भी शहतीर पर उसके साथ ही आगे बढ़ रहा था। हर कदम के साथ आगे बढ़ना ख़तरनाक होता जा रहा था, क्योंकि वे फ़्लैशलाइट की रोशनी से दूर होते जा रहे थे। जब वे बगल वाली दीवार के पास पहुँचे तो वहाँ बिलकुल रोशनी नहीं पहुँच रही थी।

'वहाँ, नीचे।' सिएना ने फुसफुसाते हुए नीचे के अंधकार की ओर इशारा किया। 'उस फ्रेम के छोर पर। वह ज़रूर दीवार के साथ लटकाया गया होगा। इस पर मैं शायद खड़ी हो सकती हूँ।'

लैंग्डन जब तक उसे मना कर पाता, सिएना स्ट्रट पर स्ट्रट और शहतीर को सीढ़ी की तरह इस्तेमाल कर नीचे उतरना शुरू कर चुकी थी। अब वह लकड़ी के अर्धचंद्राकार फ्रेम के छोर पर संतुलित स्थिति में खड़ी थी। इससे एक बार आवाज़ आई, लेकिन वह अपने स्थान पर जमा रहा। इसके बाद दीवार के साथ-साथ चलते हुए सिएना लैंग्डन की तरफ बढ़ने लगी। ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी ऊँची इमारत के पतले से छज्जे के सहारे आगे बढ़ रही थी। एक बार फिर अर्धचंद्राकार फ्रेम से चटखने की आवाज़ सुनाई दी।

बर्फ की पतली चादर। तट पर बने रहो। लैंग्डन ने सोचा।

अब तक सिएना आधा रास्ता पार कर उस स्ट्रट के पास पहुँच चुकी थी, जहाँ अंधकार में लैंग्डन खड़ा था। लैंग्डन के दिल में उम्मीद की किरण जगी की वे शायद समय रहते यहाँ से निकल जाएँगे।

अचानक, अंधेरे में कहीं से दरवाज़े के ज़ोर से बंद होने की आवाज़ सुनाई दी। उसे वॉकवे पर अपनी ओर तेज़ी से आ रहे कदमों की आवाज़ सुनाई दे रही थी। अब फ़्लैशलाइट की चमक दिखाई दी, जो उस पूरे स्थान को तलाश रही थी। हर सेकंड रोशनी नज़दीक आती जा रही थी। लैंग्डन को उम्मीद कम होती नज़र आने लगी। मुख्य वॉकवे से होता हुआ उनकी तरफ कोई आ रहा था और उनके बाहर भागने का रास्ता बंद हो रहा था।

'सिएना, तुम चलती रहो।' उसने फुसफुसाकर कहा। 'दीवार की पूरी लंबाई के साथ आगे बढ़ती रहो। इसके छोर पर बाहर निकलने का एक रास्ता है। मैं उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश करता हूँ।'

'नहीं, रॉबर्ट। वापस आइए।' सिएना ने धीमी आवाज़ में कहा।

लेकिन लैंग्डन आगे बढ़ चुका था। वह स्ट्रट को पार करता हुआ गैरेट के बीच वाले हिस्से की ओर जा रहा था। उसने सिएना को अंधेरे में छोड़ दिया था, जो बगल की दीवार के साथ, उससे आठ फुट नीचे, आगे बढ़ती जा रही थी।

लैंग्डन जब गैरेट के बीचों बीच पहुँचा तो उसे एक व्यक्ति की रूपरेखा दिखाई दी जिसका चेहरा स्पष्ट नहीं दिखाई दे रहा था। उसके हाथ में फ़्लैशलाइट थी। वह अभी-अभी थोड़ी ऊँची जगह पर बने व्यूइंग प्लेटफॉर्म के पास पहुँच चुका था। वह आदमी छोटी-सी रेलिंग के पास रुका। उसने सीधे नीचे खड़े लैंग्डन की आँखों में फ़्लैशलाइट की रोशनी डाली।

फ़्लैशलाइट की तेज़ रोशनी आँखों को चुंधिया देने वाली थी। लैंग्डन ने आत्मसमर्पण की मुद्रा में अपने दोनों हाथ ऊपर कर दिए। उसके लिए इससे ज़्यादा ख़तरनाक स्थिति में नहीं हो सकती थी। इस वक़्त वह हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड के ऊपर किसी तरह अपने को संतुलित कर खड़ा था और उसकी आँखों पर फ़्लैशलाइट की तेज़ रोशनी पड़ रही थी।

लैंग्डन गोली चलने की आवाज़ या किसी के चीख कर उसे हुक्म देने की आवाज़ सुनने की प्रतीक्षा कर रहा था, लेकिन वहाँ सिर्फ चुप्पी छाई हुई थी। कुछ ही क्षण बाद फ़्लैशलाइट की तेज़ रोशनी उसके चेहरे से हटकर किसी दूसरी चीज़ को तलाशने लगी या शायद किसी दूसरे व्यक्ति को। आँखों पर पड़ रही तेज़ रोशनी के हटते ही लैंग्डन को सामने खड़े व्यक्ति की रूपरेखा दिखी, जो उसके बाहर भागने का रास्ता रोककर खड़ा था। उसने देखा कि वहाँ काले पोशाक में एक औरत खड़ी थी। उसे ज़रा भी संदेह नहीं था कि उसकी बेसबॉल वाली टोपी के नीचे नुकीले ढंग से काढ़े बाल छुपे थे।

लैंग्डन को अस्पताल के फर्श पर मर रहे डॉक्टर मार्कोनी की याद आई और उसकी मांसपेशियाँ अनचाहे अकड़ गई।

उसने मुझे ढूँढ़ लिया। वह मुझे मारने यहाँ आई है।

लैंग्डन के दिमाग में सुरंग के भीतर तैर रहे ग्रीक फ्री-डाइवर्स की छवि घूमने लगी, जो अब उस स्थान पर पहुँच चुके थे, जहाँ से वापस लौटना संभव नहीं था और उन्हें आगे बंद सुरंग

का मुहाना दिखाई दे रहा था।

हत्यारे ने दोबारा फ़्लैशलाइट की रोशनी सीधे लैंग्डन की आँखों में डाल दी।

'मिस्टर लैंग्डन,' उसने फुसफुसाकर पूछा। 'आपकी दोस्त कहाँ है?'

लैंग्डन भीतर से काँप गया। *यह कातिल हम दोनों को मारने के लिए यहाँ पहुँचा है।*

लैंग्डन ने ऐसा हाव भाव बनाया जैसे वह सिएना को नहीं, बल्कि उसके पार अंधेरे में किसी को देखने की कोशिश कर रहा था। 'उसे इन सबसे कोई ताल्लुक नहीं। तुम्हें तो मुझसे मतलब है न?'

लैंग्डन मन-ही-मन प्रार्थना कर रहा था कि सिएना दीवार के सहारे आगे जा चुकी होगी। अगर वह व्यूइंग प्लेटफॉर्म से किसी तरह आगे निकल गई होगी तो वह चुपचाप बीच वाले लकड़ी के फट्टे से बने रास्ते पर जा सकती थी, जो नुकीले जूड़े वाली औरत के पीछे का हिस्सा था। वहाँ से वह दरवाज़े तक जा सकती थी।

कातिल ने रोशनी ऊपर की तरफ उठाकर पीछे की तरफ खाली गैरेट का मुआयना किया। आँखों से थोड़ी देर के लिए रोशनी के हटते ही लैंग्डन को उस औरत के पीछे किसी की धुंधली-सी रूपरेखा दिखाई दी।

हे भगवान!

सिएना स्ट्रट को पार कर बीच में फट्टे से बने रास्ते की ओर जा रही थी, लेकिन दुर्भाग्यवश वह अब भी हमलावर से करीब दस गज पीछे थी।

नहीं सिएना, तुम बहुत ही करीब हो। वह तुम्हारी आवाज़ सुन लेगी।

तेज़ रोशनी एक बार फिर लैंग्डन के ऊपर पड़ रही थी।

'प्रोफेसर, मेरी बात ध्यान से सुनिए,' हमलावर ने बहुत ही धीमे स्वर में कहा। 'अगर आप जीना चाहते हैं, तो आपको मुझ पर भरोसा करना होगा। मैं अब मिशन में शामिल नहीं हूँ। मुझे आपको मारने से कुछ भी नहीं मिलेगा। आप और हम अब एक ही टीम में शामिल हैं। शायद मुझे पता है कि मैं आपकी कैसे मदद कर सकती हूँ।'

लैंग्डन मुश्किल से उसकी आवाज़ सुन पा रहा था। उसका चित्त पूरी तरह सिएना पर लगा था जिसकी रूपरेखा अब अंधेरे में हल्की हल्की दिखाई दे रही थी। वह होशियारी के साथ व्यूइंग प्लेटफॉर्म के पीछे बने वॉकवे पर चल रही थी और अब उस औरत के काफी करीब पहुँच चुकी थी, जिसके हाथ में बंदूक थी।

भागो! उसने मन-ही-मन उसके लिए कामना की। *किसी तरह यहाँ से निकल जाओ।*

लैंग्डन को यह देखकर आश्चर्य हो रहा था कि सिएना अपनी जगह पर डटी थी। वह अंधेरे में झुकी हुई चुपचाप सब कुछ देख रही थी।

वाएंथा की नज़रें लैंग्डन के पीछे पसरे अंधकार को टटोल रही थी। *आख़िर वह गई कहाँ? क्या वे लोग अलग हो गए थे ?*

वाएंथा को वहाँ से भागने की कोशिश कर रही इस जोड़ी को किसी भी हालत में ब्रूडर के हाथों में पड़ने से बचाना था। मेरे लिए यही एक उम्मीद बची है।

'सिएना?' वाएंथा ने भारी आवाज़ में, करीब-करीब भर्राए हुए गले से बोला। 'तुम अगर मुझे सुन पा रही हो तो मेरी बात ध्यान से सुनो। तुम नीचे खड़े लोगों के हाथ नहीं पड़ना चाहती हो। वे तुम्हें बिलकुल नहीं बख्शेंगे। मुझे यहाँ से निकलने का एक रास्ता पता है। मैं तुम लोगों की मदद कर सकती हूँ। मुझ पर भरोसा रखो।'

'तुम पर भरोसा रखूँ?' लैंग्डन ने उसे चुनौती के स्वर में कहा। अचानक उसकी आवाज़ इतनी तेज़ हो गई कि वहाँ सभी लोग उसे सुन सकते थे। 'तुम कातिल हो।'

वाएंथा समझ गई कि *सिएना कहीं आसपास ही है और लैंग्डन उससे बात कर रहा है..उसे आगाह करने की कोशिश कर रहा है।*

वाएंथा ने दोबारा कोशिश की। 'सिएना, हालात काफी जटिल हैं, लेकिन मैं तुम्हें यहाँ से निकाल सकती हूँ। तुम अपने विकल्पों के बारे में सोच लो। तुम फँस चुकी हो। तुम्हारे पास कोई दूसरा रास्ता नहीं है।'

'उसके पास विकल्प है।' लैंग्डन ने तेज़ आवाज़ में कहा। 'और वह तुमसे जितनी दूर मुमकिन है, उतनी दूर भाग सकने की क्षमता रखती है।'

'परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल चुकी हैं।' वाएंथा अपनी बात पर अड़ी रही। 'मेरे पास तुम दोनों को मारने की कोई वजह नहीं।'

'तुमने डॉक्टर मार्कोनी का कत्ल किया और मुझे लगता है कि तुम्हीं ने मेरे सिर में गोली मारी।'

वाएँथा समझ गई कि वह आदमी इस बात पर यकीन करने वाला नहीं था कि वह उन्हें मारना नहीं चाहती थी।

बातचीत का समय ख़त्म हो चुका है। मैं उन्हें किसी भी तरह नहीं समझा सकती।

उसने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी चमड़े की जैकेट में हाथ डाला और साइलेंसर लगी पिस्तौल बाहर निकाल ली।

सिएना अंधेरे में बिना हिले डुले खड़ी थी। वह उस औरत से करीब दस गज पीछे वॉकवे पर झुकी हुई खड़ी थी, जो उसी वक़्त लैंग्डन के मुखातिब थी। अंधेरे में भी उस औरत की रूपरेखा साफ ज़ाहिर कर रही थी कि वह कौन थी। सिएना यह देखकर अंदर से हिल गई

कि इस वक़्त भी उसके हाथ में वही हथियार था जिसे उसने डॉक्टर मार्कोनी पर इस्तेमाल किया था।

उस औरत के हाव भाव से सिएना समझ गई थी कि वह पिस्तौल चलाने वाली है।

जैसा कि उसने सोचा था, वह औरत लैंग्डन की ओर दो कदम आगे बढ़ी। उसका अंदाज़ डराने वाला था। वह वासारी के *अपोथियोसिस* के ऊपर बने व्यूइंग प्लेटफॉर्म की छोटी-सी रेलिंग के पास पहुँचकर रुक गई। कातिल अब लैंग्डन के पास जितना संभव था उतना करीब पहुँच चुकी थी। उसने पिस्तौल उठाई और सीधे लैंग्डन की छाती पर तान दिया।

'इससे बस थोड़ी देर के लिए तकलीफ होगी, लेकिन मेरे पास कोई चारा नहीं।' उसने कहा।

सिएना पर इस बात की स्वतः स्फूर्त प्रतिक्रिया हुई।

वाएंथा के पैरों के नीचे लकड़ी के फट्टों में एक अप्रत्याशित कंपन हुई। गोली चलाते हुए बस एक क्षण के लिए उसकी गरदन पीछे की ओर मुड़ी। उसके हथियार से गोली निकली, लेकिन उसे समझ में आ गया कि उसका निशाना लैंग्डन की ओर अब नहीं था।

उसके पीछे कोई नज़दीक आ रहा था।

तेज़ी से नज़दीक आ रहा था।

वाएंथा तेज़ी से अपनी जगह पर 180 डिग्री के कोण पर घूम गई और उसने अपने हमलावर पर बंदूक तान दी। तेज़ गति में आकर उससे कोई टकराया। उसे पल-भर के लिए अंधेरे में किसी के सुनहले बालों की चमक दिखाई दी। पिस्तौल की आवाज़ फिर से सुनाई दी, लेकिन वह व्यक्ति उसकी नाल से नीचे झुक गया था, ताकि वह अपने शरीर से ज़ोर से धक्का मार सके।

वाएंथा के पैर ज़मीन से उखड़ गए। उसके शरीर के बीच वाला हिस्सा व्यूइंग प्लेटफॉर्म की छोटी-सी रेलिंग से जाकर टकराया। उसका शरीर रेलिंग के ऊपर से होता हुआ नीचे की ओर जाने लगा। हवा में उसके हाथ छटपटा रहे थे। वह गिरने से बचने के लिए कुछ पकड़ने की कोशिश कर रही थी, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। वह नीचे गिर गई।

वाएंथा अंधेरे से होते हुए नीचे गिर रही थी। वह आठ फुट नीचे धूल-भरे फर्श पर गिरने के लिए ख़ुद को तैयार कर रही थी, लेकिन हैरत की बात थी कि अपनी कल्पना के विपरीत वह ज़मीन पर वह किसी ठोस चीज़ से नहीं बिलकुल गद्दे जैसी चीज़ से टकराई। उसे लगा कि वह कपड़े के बने झूले पर जाकर गिरी थी, जो उसके शरीर के वजन की वजह से नीचे की ओर धंसा गया था।

वाएंथा हड़बड़ाकर अपने पीठ के बल लेटी हुई अपने हमलावर की ओर देख रही थी। रेलिंग से सिएना ब्रुक्स उसकी ओर नीचे की तरफ देख रही थी। अचंभित होकर, वाएंथा ने कुछ बोलने के लिए अपना मुँह खोला, लेकिन अचानक उसके ठीक नीचे किसी चीज़ के फटने की तेज़ आवाज़ सुनाई दी।

वह जिस कपड़े के बने झूले पर गिरी थी, वह उसके वजन से फट रहा था।

वाएँता दोबारा नीचे की ओर गिर रही थी।

इस बार वह तीन बहुत लंबे सेकंडों तक नीचे जाती रही। इस दौरान उसने पाया कि वह छत को घूर रही थी जिस पर ख़ूबसूरत पेंटिंग बने थे। उसके ठीक ऊपर एक विशाल गोलाकार कैनवास था जिस पर कोसिमो 1 की तस्वीर बनी थी जिसे चारों तरफ से घेर कर धर्मग्रंथों में वर्णित पंख वाले देवदूत, चेरब, बैठे हुए थे। अब यह कैनवास बेतरतीब ढंग से बीच से फटा हुआ दिखाई दे रहा था।

इसके बाद वाएंथा ज़ोर से नीचे गिरी और उसकी पूरी दुनिया अंधेरे में गुम हो गई।

काफी ऊपर से रॉबर्ट लैंग्डन फटे हुए एपोथियोसिस कैनवास के बीच से नीचे फैले हुए विशाल स्थान को देख रहा था। हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड के पत्थर के बने फर्श पर नुकीले जूड़े वाली औरत बेसुध पड़ी थी। उसके सिर से निकलकर खून वहाँ चारों तरफ फैल रहा था। उसने अपने हाथों में अब भी पिस्तौल पकड़ रखी थी।

लैंग्डन ने सिएना की तरफ नज़र डाली, जो अब नीचे की ओर घूर रही थी, जहाँ का दृश्य देखकर वह बुत की तरह खड़ी थी। सिएना के चेहरे पर भयंकर सदमा दिखाई दे रहा था। ‘मैं उसे . . .’

‘तुम्हारी यह स्वाभाविक शारीरिक प्रतिक्रिया थी’, लैंग्डन ने फुसफुसाते हुए कहा। ‘वह मुझे मारने वाली थी।’

नीचे से कैनवास को चीरते हुए अलार्म की आवाज़ ऊपर सुनाई दे रही थी।

लैंग्डन धीरे-से सिएना को रेलिंग से दूर ले गया। ‘हमें चलते रहना होगा।’

49

उचेस बिआँका केपेलो के गुप्त अध्ययन कक्ष में एजेंट ब्रूडर को किसी चीज़ के धड़ाम से गिरने की आवाज़ सुनाई दी, जिसके बाद हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड के अंदर अफरा तफरी मच गई। वह तेज़ी से दीवार में बने झरोखे के पास गया और झाँककर बाहर देखने लगा। सामने संगमरमर के ख़ूबसूरत फर्श के दृश्य को समझ पाने में उसे कई सेकंडों का समय लग गया।

म्यूजियम की निदेशक, जो गर्भवती थी, भी झरोख के पास पहुँच चुकी थी। नीचे के भयानक नजारे को देखकर उसने घबराकर हाथ से अपना चेहरा ढक लिया। फर्श पर किसी इंसान का शरीर अस्त व्यस्त हालत में पड़ा हुआ था और घबराए हुए सैलानी उसे चारों तरफ से घेर कर वहाँ खड़े थे। धीरे-धीरे जब उसकी नज़र ऊपर की तरफ गई तो उसके मुँह से एक दबी हुई चीख निकल गई। ब्रूडर भी अब उसी तरफ देख रहा था, जिधर म्यूजियम के निदेशक की नज़र थी यानी कि छत पर बने गोलाकार पैनल की तरफ, जहाँ कैनवास पर की गई पेंटिंग बीच से फटी हुई दिखाई दे रही थी।

ब्रूडर उस औरत की तरफ मुड़ा। 'हम वहाँ कैसे जा सकते हैं?'

इमारत के दूसरे छोर पर लैंग्डन और सिएना हाँफते हुए छत की अटारी से नीचे उतरे और वहाँ बने दरवाज़े में घुस गए। कुछ ही देर में लैंग्डन को एक छोटा-सा ताखा नज़र आया, जो गुलाबी रंग के परदे के पीछे छुपा हुआ था। उसे अपनी पिछली गुप्त यात्रा के समय से ही इस जगह का पता था।

ड्यूक ऑफ़ एथेंस की सीढ़ी।

लोगों के दौड़ने और चिल्लाने की आवाज़ अब हर तरफ से नज़दीक आती हुई लग रही थी। लैंग्डन जानता था कि अब उनके पास वक़्त कम था। उसने परदे को एक ओर खींचा और सिएना के साथ वह अंदर बने चबूतरे पर पहुँच गया।

बिना कुछ बोले, वे दोनों पत्थर की बनी सीढ़ी से नीचे उतरने लगे। गलियारे में इन सीढ़ियों की एक श्रृंखला बनी थी। ये सीढ़ियाँ इतनी संकरी थी कि इस पर चलने में भय होता था। वे जितना ही अंदर जा रहे थे, सीढ़ी उतनी ही संकरी होती जा रही थी। अब लैंग्डन को लग रहा था जैसे दीवारें उसे दोनों तरफ से दबा देंगी, लेकिन शुक्र था कि वे उस स्थान से आगे नहीं जा सकते थे।

ज़मीन की सतह पर–ग्राउंड लेवल।

आख़िरी सीढ़ी पार करने के बाद उन्हें पत्थर का बना एक बहुत ही छोटा-सा चेंबर दिखाई दिया। वैसे शायद इससे छोटा निकास द्वार दुनिया में शायद ही कहीं होगा, फिर भी उसे दरवाज़े को देखकर खुशी हो रही थी। भारी लकड़ी का बना वह दरवाज़ा बस चार फीट ऊँचा था। इसमें लोहे की कीलें ठुकी थी और अंदर की ओर कुंडी, ताकि लोग इसके अंदर न आ सकें।

'मैं दरवाज़े के उस पार सड़क से आती आवाज़ें सुन रही हूँ।' सिएना ने फुसफुसाकर कहा। वह अब भी घबराई हुई थी। 'इसके दूसरी तरफ क्या है?'

'द विया डेला निना।' लैंग्डन ने जवाब दिया। उसने मन-ही-मन वहाँ पैदल यात्रियों के लिए बने रास्ते की कल्पना करते हुए कहा। 'लेकिन वहाँ पर पुलिस हो सकती है।'

'वे हमें नहीं पहचान पाएँगे। वे सुनहले बालों वाली लड़की और काले बालों वाले मर्द को ढूँढ़ रहे होंगे।'

लैंग्डन ने उसकी ओर हैरान होकर देखा। 'और हम भी तो ठीक यही हैं. . .'

सिएना ने अपना सिर हिलाया। उसके चेहरे पर उदासी भरे संकल्प का भाव दिखाई दे रहा था। 'रॉबर्ट, मैं नहीं चाहती थी कि आप मुझे ऐसी स्थिति में देखें, लेकिन दुर्भाग्यवश मैं इस वक़्त ऐसी ही दिखाई दे रही हूँ।' अचानक सिएना ने अपना हाथ ऊपर किया और अपने सुनहले बालों का एक गुच्छा कसकर खींच लिया। एक ही बार में उसके बाल फिसल कर नीचे आ गए।

लैंग्डन चौंक गया। उसे यह देखकर हैरानी हुई कि सिएना नकली बालों का विग लगाती थी और विग के बिना उसका चेहरा बिलकुल अलग दिखाई देता था। दरअसल, सिएना ब्रुक्स पूरी तरह टकली थी। उसका सिर बिलकुल चिकना और हल्के पीले रंग का था जैसे कीमोथेरेपी करवा रहे कैंसर के मरीजों का होता है और *इससे भी बड़ी बात, वह बीमार थी।*

'मुझे मालूम है,' उसने कहा। 'यह एक लंबी कहानी है। अब ज़रा झुक जाइए।' उसने अपना विग हाथ में उठाया। ज़ाहिर था कि वह इसे लैंग्डन के सिर पर रखना चाहती थी।

क्या वह सचमुच ऐसा करना चाहती है? अनमने ढंग से लैंग्डन सामने की ओर झुक गया। सिएना ने सुनहले बालों को उसकी खोपड़ी पर रख दिया। विग ठीक से उसके सिर पर नहीं आ रहा था, लेकिन उसने जितना मुमकिन था इसे उसके सिर पर रखने की कोशिश की। पीछे हटकर उसने एक बार लैंग्डन का मुआयना किया। वह संतुष्ट नहीं थी। उसने आगे बढ़कर उसकी टाई ढीली की और इसकी गाँठ को उसके माथे पर इस तरह बाँध दिया जैसे लोग पतला साफा लपेटते हैं। इस तरह उसने लैंग्डन के सिर पर विग को कसकर बाँध दिया।

इसके बाद सिएना अपनी वेश-भूषा पर काम करने लगी। उसने अपने पैंट को ऊपर की तरफ मोड़ लिया और मोजे को टखने तक ले आई। अब वह खड़ी हो गई। उसके होंठों पर

एक शैतानी भरी मुस्कराहट खेल रही थी। सुंदर दिखने वाली सिएना ब्रुक्स अब हिप्पियों जैसी लग रही थी–पंक रॉक स्किनहेड। कभी शेक्सपियर के नाटकों में काम कर चुकी अभिनेत्री का रूप परिवर्तन चौंकाने वाला था।

'याद रखिएगा,' उसने कहा। 'लोगों की पहचान का नब्बे प्रतिशत उनकी चाल ढाल से पता चलता है। इसलिए चलते हुए कोशिश कीजिए कि आप बढ़ाते हुए रॉक कलाकार की तरह लगें।'

बूढ़े होने का नाटक तो मैं कर सकता हूँ, लैंग्डन ने सोचा, *लेकिन रॉक-कलाकार का नहीं।*

लैंग्डन जब तक इसके बारे में ज़्यादा कुछ बोल पाता, सिएना ने उस छोटे-से दरवाज़े को खोल दिया। उन्होंने झुककर दरवाज़े को पार किया और अब वे लोग पत्थर से बने सड़क पर पहुँच चुके थे, जहाँ काफी भीड़भाड़ थी। लैंग्डन भी उसके पीछे पीछे आ रहा था। वह जैसे हाथ पैर दोनों से चलते हुए दिन की रोशनी में दरवाज़े से बाहर आया था।

वहाँ मौजूद बस कुछ ही लोगों ने इस बेमेल जोड़ी को हैरानी से देखा, जो पालात्ज़ो वेखियो के निचले हिस्से में बने दरवाज़े से बाहर निकल रहा था। बाकी लोगों ने उन पर कोई ध्यान नहीं दिया। कुछ ही सेकंडों में लैंग्डन और सिएना पूरब की ओर चले जा रहे थे। भीड़ ने उनको लील लिया था।

प्लुम पैरिस चश्मे वाला आदमी अपनी गंजी खोपड़ी खुजाते हुए भीड़ में आगे बढ़ रहा था। उसने रॉबर्ट लैंग्डन और सिएना ब्रुक्स से सुरक्षित दूरी बना रखी थी। चतुराई से भेष बदलने के बावजूद उसने उन दोनों को विया डेला निना के छोटे-से दरवाज़े से बाहर निकलते हुए देख लिया और उन्हें तुरंत पहचान लिया।

वह उनके पीछे मकानों के कुछ ब्लॉक तक ही चला था कि उसकी साँस फूलने लगी। उसकी छाती में तेज़ दर्द होने लगा और वह जल्दी-जल्दी साँस लेने लगा। उसे लगा जैसे किसी ने उसकी छाती में ज़ोर का मुक्का मारा था।

दर्द से अपने दाँत भीचते हुए उसने दोबारा अपना ध्यान सिएना और लैंग्डन पर केंद्रित किया और उनके पीछे-पीछे फ़्लोरेंस की सड़कों पर चलने लगा।

50

आख़िरकार सुबह का सूरज पूरी तरह उग चुका था। पुराने फ़्लोरेंस की इमारतों की परछाई संकरी गलियों में साँप की तरह बलखाती दिख रही थी। दुकानदार अपनी दुकानों के आगे बने धातु के ग्रिल खोल रहे थे, जो उनकी दुकानों की रक्षा करते थे। हवा में सुबह की कॉफी और ताज़ा सेंके जा रहे कोर्नेटी की गंध फैली हुई थी।

तेज़ भूख के बावजूद, लैंग्डन चलता रहा। *मुझे मुखौटे को ढूँढ़ना ही होगा. . .और पता करना होगा कि आख़िर इसके पीछे क्या छुपा है।*

लैंग्डन सिएना को विया डेइ लियोनी की संकरी सड़क के साथ-साथ आगे ले जा रहा था। आगे बढ़ते हुए वह सिएना के गंजे सिर के बारे में लगातार सोच रहा था, जो उसको अब भी अजीब-सा लग रहा था। उसकी पूरी तरह बदल चुके रूप-रंग को देखकर उसे लगा रहा था कि वह शायद उसके बारे में बहुत कम जानता था। वे लोग पिआत्ज़ा डेल डुओमो की तरफ जा रहे थे। यह वही चौराहा था, जहाँ अपना आख़िरी फोन करने के बाद इग्नाजियो बुसोनी को मरा हुआ पाया गया था।

इग्नाजियो की साँस फूल रही थी और वह बस इतना बोल पाया था–*रॉबर्ट, तुम जिसे ढूँढ़ रहे हो वह सुरक्षित तौर पर कहीं रखा हुआ है। दरवाज़े तुम्हारे लिए खुले हैं, लेकिन तुम्हें जल्दी करना होगा। पैराडाइज़ 25। भगवान तुम्हारी सहायता करें।*

पैराडाइज़ 25. लैंग्डन ने मन-ही-मन दुहराया। उसे अब भी यह पहेली समझ में नहीं आ रही थी कि इग्नाजियो बुसोनी को दांते की पंक्तियाँ इतनी अच्छी तरह याद थी कि वह इस ख़ास कैंटो को सीधे-सीधे उद्धृत कर सकता था। उस कैंटो में कुछ ऐसा था, जो बुसोनी को याद रखने लायक लगा था, जो भी हो, लैंग्डन जानता था कि वह इसके बारे में जल्दी ही जानकारी हासिल कर लेगा। बस उसे किताब की ज़रूरत थी, जो आगे किसी भी जगह मिल सकती थी।

कंधे तक लटक रहे उसके विग में अब खुजलाहट हो रही थी। हालाँकि वह इस भेष में हास्यास्पद दिखाई दे रहा था, लेकिन वह मान गया था कि सिएना ने आनन फानन में जिस तरह उसका भेष बदला वह उनकी पहचान छिपाने में कामयाब रहा था। किसी ने भी उनकी ओर मुड़कर नहीं देखा था, पुलिस के दस्ते ने भी नहीं, जो अभी उनकी बगल से होता हुआ पालात्ज़ो वेखियो की तरफ गया था।

सिएना पिछले कुछ मिनटों से चुपचाप उसके पीछे-पीछे चल रही थी। लैंग्डन ने पीछे मुड़कर तसल्ली की कि सब ठीक-ठाक था। ऐसा लग रहा था मानो वह मीलों पीछे चल रही

हो। शायद वह इस बात को स्वीकार करने की कोशिश कर रही थी कि उसने अभी-अभी अपना पीछा कर रही औरत का कत्ल कर दिया था।

'तुम्हारे दिमाग में क्या चल रहा है,' उसने दबी ज़ुबान में पूछा। उसे उम्मीद थी कि बातचीत करने से उसका ध्यान नुकीले जूड़े वाली औरत से हट जाएगा, जो इस वक़्त पालात्ज़ो वेखियो में मरी पड़ी थी।

सिएना अपनी सोच से धीरे-धीरे बाहर आई। 'मैं जोब्रिस्ट के बारे में सोच रही थी। मैं याद करने की कोशिश कर रही थी कि मैं उसके बारे में और क्या जानती हूँ।'

'और?'

उसने अपने कंधे उचकाए। 'उसके बारे में मेरी अधिकांश जानकारी उस विवादास्पद लेख के आधार पर है, जो उसने कई साल पहले लिखा था। मैं उसे कभी नहीं भूल पाई। चिकित्सा विज्ञान से संबंधित लोगों के बीच वह लेख तुरंत जंगल की आग की तरह फैला था।'

लैंग्डन तनाव में था, लेकिन उसने मुस्कराहट लाते हुए कहा, 'आगे बताओ।'

'उसके लेख में दरअसल घोषणा की गई थी कि मानव प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर है। अगर दुनिया में कोई ऐसी भयंकर विपदा नहीं आई, जो आबादी की वृद्धि पर अचानक लगाम लगा देगी तो हमारी प्रजाति का अस्तित्व अगले सौ वर्षों तक समाप्त हो जाएगा।'

लैंग्डन मुड़कर उसे घूरने लगा। 'बस एक सदी के अंदर?'

'यह एक स्तंभित कर देने वाली परिकल्पना थी। उसके द्वारा जिस अवधि का पूर्वानुमान लगाया गया था वह पहले के अनुमानों से काफी कम था, लेकिन उसने इसके पक्ष में कई शक्तिशाली वैज्ञानिक आँकड़े प्रस्तुत किए थे। उसने कहा था कि डॉक्टरों को अपना पेशा छोड़ देना चाहिए, क्योंकि मनुष्यों की आयु बढ़ने से आबादी की समस्या और भी गंभीर हो जाएगी। इसकी वजह से ढेरों डॉक्टर उसके दुश्मन हो गए थे।'

लैंग्डन को अब समझ में आ रहा था कि उसका लेख इतनी तेज़ी से चिकित्सा-विज्ञान से संबंधित लोगों के बीच क्यों पहुँचा था।

'इसमें आश्चर्य की बात नहीं,' सिएना ने अपनी बात आगे बढ़ाई। 'कि जोब्रिस्ट पर चारों तरफ से हमला शुरू हो गया जिनमें नेता, धर्मगुरु और विश्व स्वास्थ्य संगठन शामिल थे। इन सभी ने उसे कयामत की घोषणा करने वाले पागल कहना शुरू कर दिया, जो केवल भय का माहौल बनाना चाहता था। लोगों ने उसकी इस बात की ख़ासकर आलोचना की कि नौजवान अगर बच्चे पैदा करते हैं तो उनकी संतानें अपने जीवन काल में मानव- प्रजाति का अंत देखेंगे। जोब्रिस्ट ने अपने सिद्धांत की व्याख्या के लिए 'प्रलय-घड़ी' बनाई, जिसमें दिखाया गया था कि धरती पर मानव के अस्तित्व को अगर एक घंटे की अवधि माना जाए तो हम उसके आख़िरी सेकंड में जी रहे थे।'

‘मैंने तो उस घड़ी को ऑनलाइन देखा है,’ लैंग्डन ने कहा।

‘हाँ, ये उसी का बनाया हुआ है और इसकी वजह से बड़ा हँगामा हुआ था, लेकिन जोब्रिस्ट पर सबसे बड़ा हमला उस वक़्त हुआ जब उसने कहा कि जीन-इंजीनियरिंग में विकास मानवता के लिए उस समय मददगार होगा जब इसका इस्तेमाल बीमारियों के इलाज के लिए नहीं, बल्कि बीमारियाँ बनाने के लिए किया जाएगा।’

‘क्या?’

‘हाँ। उसका तर्क था कि टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अलग-अलग बीमारियों को मिलाकर नई बीमारियाँ बनाने में किया जाना चाहिए जिनका इलाज आधुनिक दवाओं से नहीं किया जा सकता। इससे आबादी में हो रहे इजाफे को सीमित में मदद मिलेगी।’

अजीबो-गरीब और अलग-अलग बीमारियों के विषाणुओं को मिलाकर बनाए गए ‘डिजाइनर विषाणु जिन्हें प्रयोगशाला से बाहर भेजने के बाद रोकने का कोई तरीका उपलब्ध नहीं होगा, इनकी कल्पना करते हुए लैंग्डन के मन में डर बढ़ता जा रहा था।

‘कुछ ही वर्षों के भीतर जोब्रिस्ट चिकित्सा विज्ञान के लोकप्रिय व्यक्ति की जगह समुदाय से बहिष्कृत व्यक्ति बन चुका था। अछूत।’ वह रुकी। उसके चेहरे पर सहानुभूति की लहर दिखाई दे रही थी। ‘इसमें हैरानी की बात नहीं कि वह इससे टूट गया और उसने आत्महत्या कर ली। यह और भी दुख की बात है, क्योंकि संभवतः उसकी परिकल्पना सही थी।’

लैंग्डन यह सुनकर गिरने को हो आया। ‘माफ करना. . .तुम्हें लगता है कि वह सही था?’

सिएना ने उसकी ओर देखकर बड़ी गंभीरता से कंधा उचकाया। ‘रॉबर्ट, विशुद्ध वैज्ञानिक दृष्टि से अगर मैं कहूँ, सिर्फ तर्क के आधार पर, भावुकता को दरकिनार करते हुए, तो मैं निस्संदेह कह सकती हूँ कि कठोर बदलाव के बिना हमारी प्रजाति का अंत करीब है और यह तेज़ी से करीब आ रहा है। यह किसी अग्निकांड, वज्रपात, प्रलय या नाभिकीय युद्ध की वजह से नहीं, बल्कि यह महाविनाश धरती पर लोगों की संख्या के वजह से घटित होगा। इसके पीछे काम कर रहे गणित को झुठलाया नहीं जा सकता।’

लैंग्डन का शरीर अकड़ गया।

‘मैंने जीव-विज्ञान का काफी अध्ययन किया है।’ उसने कहा। ‘जैव प्रजातियों का अत्यधिक आबादी के कारण विलुप्त होना सामान्य घटना है। आप जंगल के बीच छोटे-से तालाब की सतह पर रह रहे शैवाल की कल्पना कीजिए, जो तालाब की सतह पर उपलब्ध पोषक तत्त्वों की बदौलत ज़िंदा है। अगर उन पर नियंत्रण नहीं किया गया तो वे तेज़ी से बढ़कर तालाब की पूरी सतह पर छा जाएँगे, जिसकी वजह से सूरज की रोशनी अंदर नहीं जा सकेगी। इसके कारण तालाब के अंदर पोषक तत्त्वों का निर्माण बंद हो जाएगा। अपने परिवेश में उपलब्ध सभी पोषक तत्त्वों को खा लेने के बाद शैवाल बहुत जल्द मर जाएँगे और

परिवेश में उनका नामोनिशान नहीं मिलेगा। 'मानव समुदाय के लिए भी ऐसी ही परिस्थिति पैदा हो सकती है, हमारी कल्पना से कहीं जल्द और तेज़ी से।'

लैंग्डन यह सुनकर अंदर से हिल गया। 'लेकिन यह असंभव लगता है।'

'असंभव नहीं रॉबर्ट, बस अकल्पनीय। मानव मस्तिष्क के अंदर अपनी अस्मिता को बचाने के लिए एक तरह का सुरक्षात्मक कवच होता है, जो उन सभी वास्तविकताओं को स्वीकार करने से इनकार करता है जिनसे पैदा होने वाला मानसिक तनाव झेलना उसके लिए मुमकिन नहीं होता। इस शुतुरमुर्ग वाली प्रवृत्ति को अस्वीकृति कहते हैं–डिनायल।'

'मैंने इस प्रवृत्ति के बारे में सुना है' लैंग्डन ने झटककर जवाब दिया। 'लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसका अस्तित्व होता है।'

सिएना ने अपनी आँखें गोल गोल घुमाई। 'प्यारी बात, लेकिन मेरा यकीन मानिए यह एक सचाई है। शुतुरमुर्गी आचरण मनुष्य की आत्मरक्षा प्रक्रिया का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बिना हम लोग रोज़ सुबह अपनी मृत्यु के संभावित तरीकों के बारे में चिंतित होकर जगेंगे। इसकी जगह हमारा मस्तिष्क अस्तित्व पर आने वाले संभावित संकटों से अपना ध्यान हटाकर उन तनावों पर केंद्रित करता है जिन्हें झेलना उसके लिए मुमकिन होता है जैसे कि समय पर दफ्तर जाना या अपने टैक्स अदा करना वगैरह। अगर हमारे सामने व्यापक, अस्तित्व संबंधित भय उपस्थित होता है तो हम उसे तेज़ी से अपने से दूर हटा देते हैं और दैनिक जीवन की छोटी मोटी, साधारण समस्याओं पर अपना ध्यान केंद्रित कर लेते हैं।'

लैंग्डन को हाल में अमेरिका के सबसे ऊँचे दर्जे के कॉलेजों, आईवी लीग कॉलेजों के छात्रों द्वारा किए गए वेब-ट्रैकिंग अध्ययन की बात याद आई, जिसके आधार पर पता चला था कि मानसिक रूप से विकसित, विद्वान लोगों के बीच भी यह शुतुरमुर्गी प्रवृत्ति, डिनायल, पाई जाती है। इस अध्ययन में पाया गया कि विश्वविद्यालय के अधिकांश छात्र आर्कटिक में बर्फ के पिघलने या प्रजातियों के विलुप्त होने की अवसाद पैदा करने वाली खबरों पर क्लिक करने के बाद तुरंत उस पेज से हटकर किसी हल्के-फुल्के मुद्दे वाले पेज को देखने लगते थे, जो उनके दिमाग से डर को दूर कर देता था। ऐसे पेजों में बिल्लियों के मज़ेदार वीडियो और मशहूर लोगों के बारे में गपशप जैसे पेज शामिल होते थे।

'प्राचीन मिथकों में इस तरह की शुतुरमुर्गी प्रवृत्ति वाले हीरो दरअसल अहंकार और हेकड़ी की प्रतिमूर्ति होते हैं,' लैंग्डन ने कहा, जो आदमी अपने को दुनिया के ख़तरों से पूरी तरह सुरक्षित समझता है, उससे अधिक घमंडी और कोई नहीं हो सकता। दांते इस बात से पूरी तरह सहमत थे। उन्होंने अहंकार को दुनिया के सबसे भयंकर पापों में गिना है, जिसके लिए *इन्फर्नो* के सबसे भीतरी घेरे में सजा का प्रावधान दिखाया गया है।'

सिएना ने इस पर एक क्षण के लिए विचार किया। 'जोब्रिस्ट के लेख में दुनिया के कई

नेताओं को इस शुतुरमुर्गी प्रवृत्ति के लिए चिह्नित किया गया है, जो अपना सिर रेत में छुपाने की कोशिश कर रहे हैं। उसने ख़ासकर विश्व स्वास्थ्य संगठन को अपनी आलोचना का केंद्र-बिंदु बनाया है।'

'मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि लोगों ने इसका स्वागत किया होगा।'

'लोगों की प्रतिक्रिया थी कि जोब्रिस्ट एक धार्मिक कट्टरपंथी की तरह आचरण कर रहा था, जो चौराहे पर एक तख्ती लेकर खड़ा है, जिसमें लिखा है 'महाविनाश का वक़्त नज़दीक है।'

'हार्वर्ड चौराहे पर ऐसे कुछ लोग मिल जाते हैं।'

'हाँ और हम उन्हें अनदेखा कर देते हैं, क्योंकि हम इस घटना की कल्पना भी नहीं कर सकते, लेकिन मेरा यकीन मानिए, मानव मस्तिष्क इसकी कल्पना नहीं कर सकता इसका मतलब यह नहीं कि ऐसा होना संभव नहीं।'

'तुम्हारी बातों से लगता है कि तुम जोब्रिस्ट की अंधभक्त हो।'

'हाँ, मैं अंधभक्त हूँ, सत्य की।' उसने ज़ोर देकर कहा। 'अगर इसे स्वीकार करना तकलीफदेह हो तो भी।'

लैंग्डन चुप हो गया। वह ख़ुद को सिएना से बिलकुल अलग थलग महसूस कर रहा था। इस समय वह सिएना के जोशीले भाव और निर्लिप्तता के इस अजीब मिश्रित स्वरूप को समझने की कोशिश कर रहा था।

सिएना ने उस पर उड़ती-सी नज़र डाली। उसके चेहरे पर कोमलता दिखाई दे रही थी। 'रॉबर्ट, देखिए मैं यह नहीं कह रही कि जिस प्लेग की वजह से दुनिया की आधी आबादी मारी गई वह बढ़ती जनसंख्या का समाधान है। न ही मैं ये कह रही हूँ कि हमें बीमार लोगों का उपचार नहीं करना चाहिए। मैं बस इतना कह रही हूँ कि वर्तमान में हमने, जो रास्ता अपनाया है वह हमारे लिए सीधे-सीधे विनाश का मार्ग है। जनसंख्या वृद्धि ज्यामितीय ढंग से बढ़ती है, बेतहाशा तेज़ गति से, जो एक ख़ास तंत्र के भीतर सीमित स्थान और संसाधनों के बीच घटित होती है। इसका अंत हमारे सामने अचानक, बिना चेतावनी के उपस्थित होगा। इस प्रक्रिया में हमें वैसा अनुभव नहीं होगा जैसे गैस धीरे-धीरे कम होकर ख़त्म हो जाती है, बल्कि यह ऊँची पहाड़ी से गहरी खाई में गिरने जैसा अनुभव होगा।'

लैंग्डन ने गहरी साँस ली। उसने अभी, जो सुना था वह उसे समझने की कोशिश कर रहा था।

'इसके बारे में बात करते हुए मुझे लगता है कि निश्चित तौर पर यही वह जगह है, जहाँ से कूदकर जोब्रिस्ट ने आत्महत्या की थी।' सिएना ने दाहिनी ओर खड़ी एक इमारत की ओर इशारा करते हुए कहा।

लैंग्डन ने नज़रें ऊपर की ओर डाली। उसे अपनी दाहिनी ओर पत्थर से बने बार्जेलो

म्यूजियम की सादगीपूर्ण रूपरेखा दिखाई दे रही थी। इसके पीछे बादिया मीनार का नुकीला शिखर दिखाई दे रहा था, जो अपने आसपास की इमारतों से ऊँचा था। वह मीनार के शिखर को गौर से देखते हुए सोचने लगा कि आख़िर जोब्रिस्ट वहाँ से नीचे क्यों कूदा। वह दिल की गहराई से उम्मीद कर रहा था कि जोब्रिस्ट ने शायद कुछ ऐसा भयंकर कृत्य न किया हो, जिसके परिणामों को वह झेलने में अक्षम था।

'जोब्रिस्ट के आलोचकों का कहना है,' सिएना ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा। 'कि यह अजीब विडंबना है कि जोब्रिस्ट ने जिन जीन-तकनीकों का विकास किया उनका इस्तेमाल आज लोगों की संभावित आयु को बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।'

'जिससे जनसंख्या वृद्धि की समस्या और भी जटिल हो रही है।'

'बिलकुल। जोब्रिस्ट ने एक बार सार्वजनिक तौर पर कहा था कि काश वह जिन्न को बोतल में वापस डाल पाता और मनुष्य की आयु को बढ़ाने वाले कुछ आविष्कारों को ख़त्म कर पाता। मुझे लगता है कि वैचारिक ढंग से यह बात सही है। हम जितनी अधिक उम्र तक जीते हैं उतने अधिक संसाधन बूढ़े-बुजुर्गों और बीमारों की देखरेख में खर्च होते हैं।'

लैंग्डन ने सिर हिलाया। 'मैंने पढ़ा है कि अमेरिका में रोगियों पर होने वाले कुल खर्च का करीब 60 प्रतिशत उनकी ज़िंदगी के आख़िरी छह महीनों में होता है।'

'बिलकुल सही। एक तरफ हमारा मस्तिष्क कहता है कि यह महज पागलपन है, हमारा दिल कहता है जब तक मुमकिन हो दादी को ज़िंदा रखो।'

लैंग्डन ने सिर हिलाया। 'यह अपोलो और डायोनिसस के बीच संघर्ष का उदाहरण है, जो हमारे मिथकीय ग्रंथों में वर्णित एक महत्त्वपूर्ण धर्मसंकट को निरूपित करता है। मानव मस्तिष्क और हृदय के बीच चलने वाले द्वंद्व का यह एक प्राचीन उदाहरण है, क्योंकि हमारे दिल और दिमाग एक जैसी चीज़ नहीं चाहते।'

लैंग्डन ने सुना था कि आजकल शराब छुड़ाने के लिए आयोजित उपचार संबंधी मीटिंगों में इस मिथकीय संदर्भ का इस्तेमाल किया जाता था। शराब के आदी लोगों के लिए कहा जाता था कि शराब के प्याले की ओर देखते हुए उनका मस्तिष्क उन्हें शराब के नुकसान के बारे में आगाह करता है, लेकिन उनका हृदय शराब पीने के बाद मिलने वाले आनंद की ओर उन्हें खींचता है। इसका संदेश बिलकुल स्पष्ट था–ख़ुद को अकेला मत समझो, देवता भी इसी दुविधा में रहते हैं।'

'अगाथुसिया कि किसे ज़रूरत है?' अचानक सिएना ने फुसफुसाकर कहा।

'मैं समझा नहीं?'

सिएना ने अपनी नज़रें ऊपर की। 'मुझे आख़िरकार जोब्रिस्ट के लेखक का नाम याद आ गया–हू नीड्स अगाथुसिया?'

लैंग्डन ने अगाथुसिया शब्द कभी नहीं सुना था, लेकिन ग्रीक शब्दों के मूल के आधार पर

उसने अनुमान लगा कर कहा–अगाथोस और थुसिया। ‘अगाथुसिया का अर्थ होगा अच्छा त्याग?’

‘हाँ। आप करीब करीब सही कह रहे हैं। इसका असली अर्थ होता है ‘सार्वजनिक हित के लिए आत्म-त्याग।’ वह रुकी। ‘इसे त्यागपूर्ण आत्महत्या के नाम से भी जाना जाता है।’

बेशक लैंग्डन ने इस शब्द को पहले भी सुना था। एक बार किसी दिवालिया पिता ने आत्महत्या कर ली, ताकि परिवार के लोग उसको मिलने वाली बीमा की राशि पा सकें। दूसरी बार लैंग्डन ने इसे एक सीरियल-किलर के प्रसंग में सुना था जिसने इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसे लगा कि शायद वह हत्या करने के आवेग पर ख़ुद नियंत्रण नहीं रख पाएगा।

लेकिन इसका सबसे रोंगटे खड़ा करने वाला उदाहरण लैंग्डन ने 1967 में प्रकाशित उपन्यास लोगांस रन में पढ़ा था, जिसमें भविष्य के एक समाज का चित्रण किया गया था, जिसमें हर व्यक्ति 21 साल की उम्र में आत्महत्या करने को राजी हो जाता है, ताकि वह अपनी जवानी का भरपूर मज़ा भी उठा पाए और उनकी संख्या या बुढ़ापा की वजह से धरती के सीमित संसाधनों पर दबाव भी नहीं पड़े। जहाँ तक लैंग्डन को याद था, इस उपन्यास पर बनी फिल्म में आत्महत्या की उम्र को 21 से बढ़ाकर 30 कर दिया गया था, ताकि इस फिल्म को अठारह से पच्चीस वर्ष के लोगों के बीच अधिक लोकप्रिय बनाया जा सके, जो बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सफलता की बुनियाद होते हैं।

‘यानी, जोब्रिस्ट का लेख. . .’ लैंग्डन ने कहा। ‘मैं ठीक से इसके शीर्षक को नहीं समझ पा रहा हूँ–हू नीड्स अगाथुसिया? क्या वह इसे तंज के लहज़े में पेश कर रहा है? जैसे कि परोपकार के लिए आत्महत्या की किसे ज़रूरत है. . .हम सभी को।’

‘नहीं। दरअसल यह एक द्विअर्थी शीर्षक है।’

लैंग्डन ने अपना सिर हिलाया। उसे यह बात समझ में नहीं आ रही थी।

‘हू नीड्स सुसाइड के अंदर हू का अर्थ है विश्व स्वास्थ्य संगठन। अपने लेख में जोब्रिस्ट विश्व स्वास्थ्य संगठन, के निदेशक डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की की तीखी आलोचना करता है। डॉक्टर सिंस्की न जाने कितने दिनों से विश्व स्वास्थ्य संगठन में जमी हुई हैं और वे जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे को गंभीरता से नहीं लेती हैं। उनके लेख का मतलब था कि अगर डॉक्टर सिंस्की आत्महत्या कर लें तो यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए बेहतर होगा।’

‘वाह, दयालु व्यक्ति।’

‘मुझे लगता है कि अति-प्रतिभावान होने की कीमत। कई बार इस तरह की असाधारण प्रतिभाएँ, जो दूसरों की अपेक्षा किसी विषय पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, उनमें भावनात्मक परिपक्वता की कमी होती है।’

लैंग्डन सिएना के बचपन के बारे में उसे लेख के बारे में सोचने लगा, जिसमें इस

असाधारण प्रतिभावान बच्ची के बारे में लिखा गया था जिसका आईक्यू 208 था और उसकी बौद्धिक क्षमता किसी भी मापदंड पर समाती नहीं थी। लैंग्डन सोचने लगा कि वह कहीं जोब्रिस्ट की बात करते हुए अपने बारे में तो नहीं बता रही। वह यह भी सोच रहा था कि आख़िर कितने दिनों तक वह अपने रहस्य को गुप्त रखेगी।

लैंग्डन को आगे वह जगह नज़र आई जिसकी उसे तलाश थी। विया डेइ लियोनी को पार करने के बाद लैंग्डन उसे लेकर एक बहुत ही संकरी गली के मुहाने पर पहुँचा, जो दरअसल सुरंग की तरह दिखाई देती थी। ऊपर साइन बोर्ड पर लिखा था–विया दांते अलीगेरी।

'ऐसा लगता है कि तुम मानव मस्तिष्क के बारे में काफी जानकारी रखती हो।' लैंग्डन ने कहा। 'क्या मेडिकल स्कूल तुमने इसी विषय पर अपनी पढ़ाई केंद्रित की थी?'

'नहीं, लेकिन जब मैं छोटी थी तो मैं काफी पढ़ती थी। मस्तिष्क विज्ञान में मेरी गहरी रुचि हो गई, क्योंकि मेरे साथ . . .कुछ शारीरिक समस्याएँ थीं।'

लैंग्डन ने उसकी तरफ सवालिया नज़रों से देखा। उसे उम्मीद थी कि वह अपनी बात जारी रखेगी।

'मेरा दिमाग अन्य बच्चों से कुछ अलग ढंग से विकसित हुआ,' सिएना ने धीरे-से कहा। 'इसके चलते. . .कुछ समस्याएँ पैदा हुई। मैंने अपनी समस्या को समझने में काफी वक़्त लगाया और इस प्रक्रिया में मुझे न्यूरो-साइंस यानी तंत्रिका विज्ञान के बारे में काफी जानकारी हासिल हुई।' उसकी नज़रें लैंग्डन से मिली। 'और हाँ, मेरा गंजापन मेरी इसी बीमारी से जुड़ा है।'

लैंग्डन दूसरी ओऱ देखने लगा। यह सवाल पूछने के लिए वह झेंप गया।

'आप इसकी फिक्र मत कीजिए। मैंने इसके साथ जीना सीख लिया है।' सिएना ने कहा।

छायादार पगडंडी पर आगे बढ़ते हुए उन्हें ठंढी हवा का अहसास हो रहा था। लैंग्डन ने जोब्रिस्ट के बारे में अभी, जो कुछ भी सुना था और उसके चिंताजनक दार्शनिक रुख दोनों के बारे में सोचने लगा।

उसके दिमाग में बार-बार एक सवाल कौंध रहा था। 'ये सिपाही, जो हमें मारने की कोशिश कर रहे हैं, वे कौन हैं? इसका कोई अर्थ नहीं समझ में आता। अगर जोब्रिस्ट ने प्लेग फैलाने के लिए कुछ किया है तो हम सभी को उसे रोकने के लिए एक साथ काम करना चाहिए था?'

'ऐसा ज़रूरी नहीं। जोब्रिस्ट मेडिकल समुदाय में अछूत हो सकता है, लेकिन उसकी विचारधारा को मानने वाले समर्पित लोगों की कमी नहीं है, जो उसके भक्त हैं। वे लोग सहमत हैं कि लोगों की आबादी कम करने के लिए उन्हें मारना एक आवश्यक पाप है, जो इस धरती की रक्षा करने के लिए ज़रूरी है। हमें जितना पता है ये सिपाही जोब्रिस्ट के सपने को पूरा करने के लिए समर्पित हैं।'

जोब्रिस्ट के शिष्यों की फौज? लैंग्डन इस संभावना पर विचार करने लगा। निस्संदेह, इतिहास ऐसे संप्रदायों और कठमुल्लों से भरा है जिन्होंने तरह तरह के पागलपन भरे उद्देश्यों के लिए आत्महत्या की है। जैसे कि यह मान्यता कि उनका नेतृत्व करने वाला व्यक्ति मसीहा है या कि कयामत का दिन आने वाला है वगैरह। जनसंख्या नियंत्रण के बारे में इस तरह के अनुमान तो कम-से-कम विज्ञान पर आधारित हैं, लेकिन कुछ था कि लैंग्डन को इन सिपाहियों का काम सही नहीं लग रहा था।

'मुझे यकीन नहीं होता कि प्रशिक्षित सिपाहियों का दस्ता जानबूझ-कर बेकसूर लोगों की हत्या के लिए राजी हो जाएगा, ख़ासकर जब उन्हें पता है कि इस काम के दौरान वे ख़ुद भी बीमार हो सकते हैं या मर सकते हैं।

सिएना ने उसकी तरफ हैरानी से देखा। 'रॉबर्ट, जब सिपाही युद्ध में जाते हैं तो उनके काम के बारे में आपका क्या ख़्याल है? वे बेकसूर लोगों की हत्या करते हैं और अपनी जान भी दांव पर लगाते हैं। अगर आप एक मकसद में यकीन करते हैं तो कुछ भी मुमकिन है।'

'मकसद? प्लेग फैलाने का मकसद?'

सिएना ने उसकी ओर देखा। उसकी भूरी आँखें उसे आँक रही थी। 'रॉबर्ट, उनका मकसद प्लेग फैलाना नहीं है. . .मकसद है दुनिया को बचाना।' वह रुकी। 'बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट के लेख में एक जगह लोगों को सीधा सीधा एक काल्पनिक सवाल करते हुए दिखाया गया है। मैं चाहती हूँ कि आप इसका जवाब दें।'

'कैसा सवाल?'

'जोब्रिस्ट ने पूछा–अगर एक स्विच दबाने से धरती की आधी आबादी को मारना मुमकिन हो तो क्या आप ऐसा करेंगे?'

'कतई नहीं।'

'ठीक है, लेकिन अगर आपको यह कहा जाए कि अगर आप उस स्विच को अभी *नहीं* दबाएँगे तो अगले सौ वर्षों में धरती पर मानव प्रजाति समाप्त हो जाएगी,' यह बोलकर सिएना चुप हो गई। 'तो क्या आप स्विच को दबाएँगे? अगर इसका अर्थ अपने दोस्तों, परिवार और यहाँ तक कि ख़ुद की हत्या हो तो भी?'

'सिएना, शायद मैं. . .'

'यह एक काल्पनिक प्रश्न है।' उसने कहा। 'क्या आप मानव प्रजाति को विलुप्त होने से बचाने के लिए आज की आधी आबादी को मारना पसंद करेंगे ?'

इस विचित्र, जुगुप्सापूर्ण विषय पर बात करते हुए लैंग्डन काफी परेशान महसूस कर रहा था। इसलिए जब उसे पास की इमारत से एक जाना पहचाना लटका हुआ बैनर दिखाई दिया तो उसने मन-ही-मन भगवान का शुक्रिया अदा किया।

'देखो, हम अपनी जगह पर पहुँच चुके हैं।' लैंग्डन ने कहा।

सिएना ने सिर हिलाया। ‘जैसा मैंने कहा था, शुतुरमुर्गी नज़रिया, *डिनायल।*’

51

दकासा दि दांते विआ सांता मार्गेरिता के पास बना है। इस इमारत के सामने के पत्थर से बने हिस्से से लटके बड़े बैनर को देखकर इसे आसानी से पहचाना जा सकता है। वहीं से गलियारा शुरू होता है, जो म्यूजियो कासा दि दांते तक जाता है यानी दांते के संग्रहालय तक।

सिएना ने बैनर को अनिश्चय के भाव से देखा। 'हम दांते के घर जा रहे हैं?'

'नहीं, दांते वहाँ मोड़ के पास रहते थे। इसे दांते का संग्रहालय कहना बेहतर होगा।' लैंग्डन एक बार यहाँ रखी कलाकृतियों के संग्रह को देखने यहाँ आया था, लेकिन वहाँ सिर्फ दुनिया-भर में दांते से संबंधित कलाकृतियों की नकल ही यहाँ दिखाई दी थी। इसके बावजूद एक छत के नीचे उन सभी कलाकृतियों को एक साथ देखना अपने आप में एक अनुभव था।

अचानक सिएना के चेहरे पर आशा की किरण दिखाई दी। 'और आपको लगता है कि यहाँ *द डिवाइन कॉमेडी* की एक प्रति रखी होगी?'

लैंग्डन मुस्कराया। 'नहीं, लेकिन मैं जानता हूँ कि यहाँ उपहारों की एक दुकान है, जो विशाल आकार के पोस्टर बेचता है। इन पोस्टरों में दांते की *द डिवाइन कॉमेडी* बहुत ही छोटे अक्षरों में छपी होती है।'

उसने लैंग्डन की ओर इस तरह देखा जैसे उसे यह सुनकर उबकाई आ रही हो।

'मुझे पता है, लेकिन कुछ नहीं से तो यह बेहतर है। समस्या सिर्फ इतनी है कि इन छोटे छोटे-से अक्षरों को तुम्हें पढ़ना होगा, क्योंकि मेरी आँखें अब अच्छी तरह काम नहीं करती।'

'*दूकान बंद है।*' उन्हें दरवाज़े के पास पहुँचता देखकर एक बूढ़े ने आवाज़ लगाई। '*और आज छुट्टी का दिन है।*'

सब्बथ के लिए बंद? लैंग्डन एक बार फिर अकबकाया हुआ महसूस कर रहा था। उसने सिएना की तरफ देखा। 'आज क्या सोमवार नहीं है. . .?'

उसने सहमति में सिर हिलाया। 'फ्लोरेंटाइन के लोग सोमवार को सब्बथ रखना पसंद करते हैं।'

लैंग्डन हल्के से गुर्राया। उसे अचानक याद आया कि इस शहर का एक अलग ही साप्ताहिक कैलेंडर था। सैलानियों सबसे अधिक आय सप्ताह के अंत में होती थी इसलिए फ्लोरेंस के व्यापारियों ने ईसाइयों के छुट्टी का दिन रविवार से बदलकर सोमवार कर दिया, ताकि सब्बथ उनकी आमदनी को ज़्यादा धक्का न दे।

दुर्भाग्यवश लैंग्डन को समझ में आया कि उसका दूसरा विकल्प भी अब संभव नहीं था,

क्योंकि किताबों की उसकी पसंद की दूकान पेपरबैक एक्सचेंज भी आज बंद थी। उसे अंदाज़ा था कि पेपरबैक एक्सचेंज में *द डिवाइन कॉमेडी* ज़रूर मिल जाती।

'कोई दूसरा विकल्प?'

लैंग्डन ने काफी देर तक इसके बारे में सोचा और आख़िर में उसने अपना सिर हिलाया। 'गली के मोड़ पर एक जगह है, जहाँ दांते को पसंद करने वाले लोग जमा होते हैं। मुझे पक्का यकीन है कि वहाँ हमें *द डिवाइन कॉमेडी* की प्रति अवश्य हासिल हो जाएगी।'

'शायद वह जगह भी बंद होगी,' सिएना ने आगाह किया। 'शहर की तकरीबन किसी भी जगह पर सब्बथ रविवार को नहीं मनाया जाता।'

'उस जगह पर इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती,' लैंग्डन ने मुस्कराते हुए कहा। 'वह जगह चर्च है।'

उनसे पचास गज पीछे भीड़ में एक आदमी हाँफता हुआ चला आ रहा था। उस आदमी के चमड़े पर चकत्ते थे। उसने कान में सोने की बाली पहनी थी और वह दीवार से सटकर खड़ा अपनी साँस संभालने की कोशिश कर रहा था। उसकी साँस नहीं संभल रही थी और चकत्तों को अनदेखा करना भी मुमकिन नहीं था, ख़ासकर उसकी आँख के ऊपर की संवेदनशील त्वचा पर बने चकत्ते। उसने प्लुम पैरिस का चश्मा उतारा और धीरे-धीरे कमीज़ की आस्तीन से आँख मलने लगा। वह कोशिश कर रहा था कि उसकी चमड़ी छिले नहीं। जब उसने चश्मा फिर से पहना तो उसने देखा कि उसका शिकार आगे जा रहा था। वह उनका पीछा करने की भरसक कोशिश कर रहा था। वह कोशिश कर रहा था कि उसकी साँस भी सामान्य रूप से चलती रहे।

लैंग्डन और सिएना से कई ब्लॉक पीछे, हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड के भीतर एजेंट ब्रूडर नुकीले जूड़े वाली औरत की परिचित पर क्षत विक्षत लाश के सामने खड़ा था। उसने झुककर उसके हाथ से पिस्तौल ले ली। सुरक्षा की दृष्टि से उसने इसका क्लिप निकाल लिया और इसे अपने लोगों के हाथों में सौंप दिया।

म्यूजियम की प्रशासक, गर्भवती मार्टा अलवारेज एक तरफ खड़ी थी। उसने ब्रूडर को संक्षेप में रॉबर्ट लैंग्डन के साथ कल रात हुई चौंकाने वाली घटना के बारे में जानकारी दे दी थी जिसे सुनकर वह काफी हैरान था। इसके साथ ही उसने ब्रूडर को वह सूचना भी दी जिसे समझने की वह अब भी कोशिश कर रहा था।

लैंग्डन का कहना है कि वह विस्मृति का शिकार है।

ब्रूडर ने अपना फोन डायल किया। दूसरी ओर तीन बार घंटी बजी, जिसके बाद उसके बॉस ने फोन उठाया। उसकी आवाज़ अस्थिर और दूर से आती हुई लग रही थी।

'हाँ, एजेंट ब्रूडर? बताओ।'

ब्रूडर धीरे-धीरे बोल रहा था, ताकि उसका बात पूरी तरह समझ ली जाए। 'हम अब भी लैंग्डन और लड़की की तलाश में लगे हैं, लेकिन इस बीच एक और घटना घटी है।' ब्रूडर रुका। 'और अगर यह सच है तो हालात पूरी तरह बदल चुके हैं।'

प्रोवोस्ट अपने दफ्तर में बेचैनी से इधर-उधर चहलकदमी कर रहा था। वह स्कॉच का दूसरा पेग पीने से ख़ुद को रोकने की कोशिश कर रहा था और इस संकट का सामना करने के लिए ख़ुद को तैयार कर रहा था।

अपने करियर में उसने आज तक किसी ग्राहक को धोखा नहीं दिया था और न ही उनके साथ हुए समझौते को उसने कभी तोड़ा था। उसे यकीन था वह अब भी ऐसा नहीं करना चाहता था। साथ ही उसे संदेह हो रहा था कि वह एक ऐसी परिस्थिति में फँस चुका था जिसका उद्देश्य उसकी शुरुआती समझ से कुछ अलग था।

साल भर पहले मशहूर जीन-वैज्ञानिक जोब्रिस्ट *द मेंडेसियम* पर आया। उसने उसे काम करने के लिए एक गोपनीय जगह देने को कहा। उस समय प्रोवोस्ट ने सोचा था कि शायद जोब्रिस्ट किसी गुप्त मेडिकल तकनीक पर काम कर रहा था जिसे पेटेंट कर वह अपनी विशाल संपत्ति में और भी इजाफा करना चाहता था। ऐसा पहली बार नहीं हुआ था जब दुनिया पर शक करने वाले सनकी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने लोगों से बिलकुल अलग थलग रह कर काम करने के लिए कंसोर्शियम की मदद ली थी, ताकि उनके कीमती काम को कोई चुरा न सके।

यही सोचकर प्रोवोस्ट ने इस ग्राहक का काम करना मंजूर कर लिया। उसे कोई आश्चर्य नहीं हुआ जब उसे पता चला कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के लोग उसे ढूँढ़ रहे हैं। उसने तब भी इस पर कोई तवज्जो नहीं दी जब विश्व स्वास्थ्य संगठन की निदेशक डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की ने उसके ग्राहक को ढूँढ़ना अपना निजी मकसद बना लिया।

कंसोर्शियम को हमेशा ताकतवर दुश्मनों का सामना करना पड़ा है।

जोब्रिस्ट के साथ हुए समझौते के अनुरूप कंसोर्शियम ने अपना काम किया। कोई सवाल नहीं। वैज्ञानिक द्वारा किए गए समझौते की अवधि में सिंस्की द्वारा उसे ढूँढ़ने की कोशिश पूरी तरह नाकामयाब रही।

तकरीबन पूरे वक़्त।

समझौते की अवधि पूरी होने के एक सप्ताह पहले सिंस्की को न जाने कैसे पता चल गया कि जोब्रिस्ट फ्लोरेंस में है। वह उसे परेशान करने लगी। वह उसका पीछा तब तक करती रही जब तक उसने आत्महत्या न कर ली। अपने पेशेवर जीवन में प्रोवोस्ट पहली बार अपने ग्राहक को अपने समझौते की शर्तों के अनुरूप सुरक्षा नहीं प्रदान कर पाया। इस बात से वह बहुत परेशान था। साथ ही जोब्रिस्ट की मौत की विचित्र परिस्थिति ने भी उसे अंदर से हिलाकर रख दिया था।

पकड़े जाने की बजाय उसने आत्महत्या करना बेहतर समझा।

आख़िर जोब्रिस्ट किस चीज़ को छुपाने की कोशिश कर रहा था।

जोब्रिस्ट के मरने के बाद सिंस्की ने उसके सेफ-डिपॉजिट बॉक्स से एक चीज़ पर कब्जा कर लिया था। अब कंसोर्शियम फ्लोरेंस में सिंस्की के साथ तीव्र संघर्ष में जुटा था–एक ऊँचे दांव वाले खजाने की खोज में. . .लेकिन

किस चीज़ की खोज?

प्रोवोस्ट को लगा जैसे वह अनचाहे में अपनी किताबों की आलमारी को देख रहा था, जिसमें वह मोटी-सी किताब रखी थी, जो विस्फारित नज़रों से जोब्रिस्ट ने उसे दी थी।

द डिवाइन कॉमेडी।

प्रोवोस्ट किताब को निकालकर अपनी मेज़ की ओर चला गया, जहाँ उसने ज़ोर की आवाज़ के साथ इसे पटक दिया। उसने अपनी कांपती उंगलियों से पहले पेज का कवर उलटाया और फिर से इस पर लिखी पंक्तियाँ पढ़ने लगा-

मेरे प्यारे दोस्त, रास्ता ढूँढ़ने में मदद के लिए तुम्हारा शुक्रिया। दुनिया भी तुम्हें धन्यवाद कह रही है।

सबसे पहली बात तो ये कि तुम और मैं कभी दोस्त नहीं थे, प्रोवोस्ट ने सोचा।

उसने जोब्रिस्ट द्वारा लिखी गई पंक्तियों को तीन बार पढ़ा। फिर उसने अपनी नज़र उस लाल घेरे पर पड़ी, जो उसके ग्राहक ने कैलेंडर पर आने वाले कल की तिथि को घेर कर बनाया था।

दुनिया तुम्हें शुक्रिया कह रही है?

वह पीछे मुड़कर लंबे समय तक दूर क्षितिज को निहारता रहा।

अंधेरे में खड़ा प्रोवोस्ट वीडियो और फोन पर सुनाई दी फेसिलिटेटर नोल्टन की आवाज़ के बारे में सोच रहा था। *मुझे लगता है कि अपलोड करने के पहले आप इसे देखना पसंद करेंगे. . .इसमें कही गई बात काफी परेशान करने वाली है।*

फोन वाली बात अब भी प्रोवोस्ट को समझ में नहीं आ रही थी। नोल्टन उसके सबसे अच्छे फेसिलिटेटरों में गिना जाता था और इस तरह का आग्रह बिलकुल कायदे से बाहर

की चीज़ थी। चीज़ों को अलग-अलग खांचों में रखकर काम करने के प्रोटोकॉल को तोड़कर उसने ऐसा क्यों किया यह प्रोवोस्ट की समझ में नहीं आ रहा था।

द डिवाइन कॉमेडी को आलमारी में वापस रखने के बाद प्रोवोस्ट ने आधी ग्लास स्कॉच फिर से उड़ेली।

उसे एक बहुत ही मुश्किल फैसला करना था।

52

वैसे इसे लोग दांते के चर्च के नाम से जानते हैं, लेकिन चिएसा डि सांता मार्गेरिटा डेइ सेर्ची दरअसल एक चैपल है, जहाँ आकर लोग धार्मिक कर्मकांड पूरा करते हैं। धार्मिक अनुष्ठान, प्रार्थना आदि के लिए बनी इस जगह पर एक कमरा है, जो दांते के भक्तों के बीच लोकप्रिय है। वे लोग इसे एक पवित्र स्थान मानते हैं, जहाँ दांते के जीवन की दो महत्त्वपूर्ण घटनाएँ घटी थी।

लोक प्रचलित कथाओं के अनुसार, इसी चर्च में नौ साल की उम्र में दांते ने बीट्रीस पोर्टीनारी को देखा था। यह वही लड़की थी जिसे देखते ही वे उससे प्रेम कर बैठे थे और, जिसके लिए ज़िंदगी भर उनका दिल धड़कता रहा। दांते को इस बात से गहरी तकलीफ हुई, जब उसने किसी दूसरे व्यक्ति से शादी कर ली और फिर चौबीस साल की नौजवान उम्र में उसकी मौत हो गई।

यही वह जगह थी, जहाँ कुछ साल बाद दांते ने जेमा दोनाती से शादी की, जिसके बारे में महान लेखक और कवि बोक्कासिओ ने भी लिखा है कि दांते के लिए यह एक कमज़ोर फैसला था। उन्हें बच्चे भी हुए, लेकिन उन दोनों के बीच कभी प्रेम का संबंध विकसित नहीं हो पाया। फ्लोरेंस से निष्कासित होने के बाद इस दंपति ने कभी एक-दूसरे से मिलने की इच्छा ज़ाहिर नहीं की।

दिवंगत बीट्रीस पोर्टीनारी दांते का प्यार थी और ज़िंदगी-भर वही उनकी मोहब्बत के केंद्र में बनी रही। दांते बीट्रीस को बहुत कम जानते थे, लेकिन उसकी स्मृति इतनी शक्तिशाली थी कि वही उनकी सर्वश्रेष्ठ रचनाओं की प्रेरणा-स्रोत मानी जाती है।

दांते की कविताओं की मशहूर किताब *ला विटा नुओवा* 'भाग्यवान बीट्रीस' के लिए कसीदों से भरी है। इससे भी अधिक सम्मानपूर्ण ढंग से *द डिवाइन कॉमेडी* में दांते बीट्रीस को अपना रक्षक मानते हैं, जो उन्हें पैराडाइज़, स्वर्ग, से गुज़रने में मदद करती है। दोनों ही किताबों में दांते इस अलभ्य स्त्री के प्रति गहन प्रेम का प्रदर्शन करते हैं।

आज कल दांते का चर्च टूटे दिल वाले लोगों के लिए तीर्थ-स्थल बन चुका है जिन्हें एकतरफा प्यार का दर्द सहना पड़ा है। इसी चर्च के भीतर नवयुवती बीट्रीस का मकबरा भी है। मामूली-सा दिखने वाला यह मकबरा आज दांते के भक्तों और मोहब्बत के मारों दोनों के लिए तीर्थ स्थल बन चुका है।

आज की सुबह लैंग्डन और सिएना पुराने फ्लोरेंस के रास्तों को पार करते हुए इस चर्च की तरफ आ रहे थे। सड़कें धीरे-धीरे संकरी होती हुई अब नामचीन पगडंडियों में बदल चुकी थी। वहाँ इक्का दुक्का स्थानीय कारें दिख जाती थी, जो बड़ी मुश्किल से इन गलियारों के

चक्रव्यूह से गुज़रती हुई आगे बढ़ती। गलियारे में चल रहे लोगों को कार से बचने के लिए इमारतों के साथ चिपकना होता था।

'यहीं मोड़ के पास चर्च है।' लैंग्डन ने सिएना से कहा। उसे उम्मीद थी कि वहाँ कोई सैलानी उनकी मदद कर पाएगा। उसे पता था कि भले आदमी की खोज अब थोड़ी आसान थी, क्योंकि सिएना ने लैंग्डन की जैकेट के बदले अपना विग वापस ले लिया था। अब वे दोनों रॉक-कलाकार और स्किनहेड से बदलकर अपने असली रूप में आ चुके थे यानी कि कॉलेज प्रोफेसर और एक साफ सुथरा जवान लड़की।

लैंग्डन अपने असली स्वरूप में वापस आकर राहत महसूस कर रहा था।

अब वे पहले से भी अधिक संकरे गलियारे विया डेल प्रेस्टो पहुँच चुके थे। लैंग्डन वहाँ के दरवाज़ों का मुआयना करने लगा। चर्च का प्रवेश-द्वार ढूँढ़ना हमेशा मुश्किल होता था, क्योंकि इमारत काफी छोटी थी और इस पर किसी तरह की नक्काशी नहीं थी। यह दो इमारतों के बीचों बीच दबी हुई थी। कई बार लोग इसके आगे बढ़ जाते और उन्हें पता भी नहीं चलता। अजीब बात थी कि इसे ढूँढ़ने के लिए आँखों के बदले कान का इस्तेमाल अधिक कारगर साबित होता था।

ला चिएसा डि सांता मार्गेरिटा डेइ सेर्ची की एक खासियत थी कि यहाँ पर प्रायः संगीत कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता था। जिन दिनों यहाँ संगीत कार्यक्रम नहीं होते उन दिनों कार्यक्रमों की रिकॉर्डिंग बजाई जाती, ताकि यहाँ आने वाले लोग उनका आनंद उठा पाएँ।

जैसा कि लैंग्डन ने सोचा था, गलियारे में आगे बढ़ते हुए उन्हें रिकॉर्ड किए हुए संगीत की हल्की धुन हवा में तैरती सुनाई दे रही थी। वे जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे थे संगीत का स्वर तेज़ होता जा रहा था और अंत में वे चर्च के प्रवेश-द्वार पर पहुँच गए, जो आसपास के परिवेश से बिलकुल घुलामिला था। ये वही जगह थी जिसे वे खोज रहे थे इसका प्रमाण एक छोटे-से साइनबोर्ड से मिलता था, जो म्युजियो कासा डि दांते के चमचमाते लाल बैनर से बिलकुल अलग था। इस साइनबोर्ड में बिना किसी आडंबर के बताया गया था कि यह दांते और बीट्रीस का चर्च है।

लैंग्डन और सिएना जब गलियारे से चर्च के अंधेरे में घुसे तो वहाँ की हवा में उन्हें बढ़ी हुई ठंड का अनुभव हुआ। संगीत की आवाज़ भी तेज़ हो गई थी। चर्च का भीतरी हिस्सा सादगी पूर्ण और तड़क भड़क से दूर था, लैंग्डन की कल्पना से भी छोटा। वहाँ बस थोड़े-से सैलानी थे, जो आपस में बातचीत कर रहे थे। कुछ लोग अपनी डायरियों में लिख रहे थे, कुछ चर्च की मेजों पर बैठकर संगीत का आनंद उठा रहे थे तो कुछ वहाँ रखी तरह तरह की कलाकृतियों को देख रहे थे।

मैडोना के विषय पर बनी चर्च की ऑल्टरपर लगी नेरी डि बिच्ची की कलाकृति के अलावा इस चैपेल की सभी मौलिक कलाकृतियों की जगह आधुनिक काल के मशहूर व्यक्तित्वों

दांते और बीट्रीस से संबंधित कलाकृतियाँ लगा दी गई हैं जिनकी वजह से अधिकांश लोग इस चैपेल में आते हैं। अधिकांश पेंटिंगों में बीट्रीस के साथ दांते की पहली मुलाकात का मशहूर दृश्य दिखाया गया है, जिसमें दांते चाहत भरी नज़रों से उसकी ओर देख रहे हैं। कवि दांते ने ख़ुद स्वीकार किया है कि बीट्रीस को देखते ही उन्हें उससे प्यार हो गया था। ये कलाकृतियाँ गुणवत्ता की दृष्टि से काफी अलग-अलग थी। लैंग्डन की रुचि के अनुसार इनमें से अधिकांश फूहड़ और इस स्थान के अनुपयुक्त थी। इनमें से एक कलाकृति में दांते की मशहूर लाल टोपी और कान को ढंकने वाली पट्टी को देखकर ऐसा लगता था मानो दांते ने उन्हें सांता क्लाउस से चुराया हो। फिर भी अपनी प्रेमिका को निहारती दांते की आँखों को देखकर इस बात में कोई संदेह नहीं रह जाता था कि यह दर्द भरे प्यार की जगह थी–अपूर्ण, एकतरफा और अधूरे प्यार की दास्तान।

लैंग्डन स्वतःस्फूर्त ढंग से बाई तरफ मुड़ा और बीट्रीस पोर्टीनारी के मामूली मकबरे को देखने लगा। यहाँ लोग इसी की वजह से आते थे, शायद मकबरे को देखने उतना नहीं जितना कि उसके साथ रखी एक चीज़ को देखने।

सींक का डलिया।

आज की सुबह भी दूसरे दिनों की तरह बीट्रीस के मकबरे की बगल में सींक का डलिया रखा हुआ था और आज भी दूसरे दिनों की तरह यह आज भी मोड़कर डाले गए कागज़ की छोटी छोटी पर्चियों से लबालब भरा था। ये पर्चियाँ यहाँ आने वाले लोगों ने बीट्रीस के लिए लिखी थी।

बीट्रीस पोर्टीनारी भाग्य के मारे प्रेमियों की रक्षा करने वाले संत के रुप में स्थापित हो चुकी थी। लंब समय से स्थापित परंपरा के अनुसार सींक के डलिए में जमा बीट्रीस को समर्पित हस्तलिखित ये पर्चियाँ इस उम्मीद के साथ लिखी जाती थी कि बीट्रीस पर्ची लिखने वाले के बदले हस्तक्षेप करेगी। शायद कोई प्रेरित होगा, जो पर्ची लिखने वाले को थोड़ा अधिक प्यार करने लगेगा या उन्हें अपना सच्चा प्यार ढूँढ़ने में मदद करेगा। इसमें ये उम्मीद भी शामिल थी कि पर्ची लिखने वाला अपने उस प्रेम को भूल पाने की शक्ति हासिल करेगा, जो अब इस दुनिया से गुज़र चुका है या गुज़र चुकी है।

कई साल पहले जब लैंग्डन कला के इतिहास विषय पर किताब लिखने के लिए शोध कर रहा था तो उस समय वह इस चर्च में आया था। उसने सींक के डलिए में पर्ची डालकर सच्चे प्यार की माँग नहीं की थी, बल्कि उसने दांते को मिलने वाली प्रेरणा का एक हिस्सा मांगा था जिसकी बदौलत वे इतना बड़ा ग्रंथ लिख पाए थे।

मेरे अंदर संगीत भर दो मेरे देवता और मुझे उस कहानी को कहने का माध्यम बनाओ. . .

होमर की ओडिसी की ये पहली पंक्ति थी। उसे लगा कि यह इस स्थान के लिए सर्वथा उचित प्रार्थना थी। लैंग्डन मन-ही-मन आशावान था कि बीट्रीस ने उसकी प्रार्थना सुन ली

थी और उसे दैवी प्रेरणा अवश्य मिलेगी। घर वापस आने के बाद उसने असाधारण सहजता से अपनी किताब पूरी की थी।

'माफ कीजिए,' अचानक सिएना की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। *'आप सभी मेरी बात गौर से सुनें।'*

लैंग्डन ने मुड़कर देखा कि सिएना वहाँ इकट्ठा थोड़े-से सैलानियों को ज़ोर आवाज़ में संबोधित कर रही थी। वे सभी अब थोड़ी चिंतित नज़रों के साथ उसकी ओर देख रहे थे।

सिएना सभी को देखकर प्यार से मुस्कराई और उसने इतालवी में पूछा कि क्या किसी के पास दांते की *द डिवाइन कॉमेडी* है। कुछ लोगों ने अजीब ढंग से सिर हिलाया तो कुछ लोगों ने उसकी ओर हैरानी भरी नज़रों से देखना शुरू किया। इसके बाद सिएना ने यही सवाल अंग्रेज़ी में पूछा, लेकिन इसके बाद भी उसे कोई सफलता नहीं मिली।

एक बुजुर्ग-सी दिख रही महिला ऑल्टरके सामने झाड़ू लगा रही थी। उसने गुस्से में अपने मुँह पर उंगली रखकर उसे चुप होने का इशारा किया।

सिएना लैंग्डन की तरफ मुड़ी जैसे सवाल कर रही हो, 'अब क्या?'

सिएना ने जिस तरह वहाँ मौजूद सभी लोगों से किताब के बारे में पूछा वैसा लैंग्डन ने नहीं सोचा था, लेकिन उसे इससे बेहतर परिणाम की उम्मीद ज़रूर थी। अपनी पिछली यात्रा के दौरान लैंग्डन ने पाया था कि वहाँ आए अनेक सैलानी इस पवित्र स्थान पर *द डिवाइन कॉमेडी* पढ़ रहे थे। ऐसा लग रहा था कि वे लोग दांते के अनुभव में पूरी तरह डूबे हुए थे।

लेकिन आज ऐसा नहीं था।

लैंग्डन चर्च के अगले हिस्से में बैठे एक बुजुर्ग जोड़े को देखने लगा। बूढ़े आदमी का गंजा सिर आगे की ओर झुका था, ठुड्डी छाती में सटी थी। साफ पता चल रहा था कि वह थोड़ी-सी नींद चुराने की कोशिश कर रहा था। उसके साथ बैठी औरत बिलकुल जगी हुई दिखाई दे रही थी। उसके कान में सफेद ईयरबड्स लगे थे, जिसके तार उसके सफेद बालों से नीचे की तरफ झूल रहे थे।

उम्मीद की किरण, लैंग्डन ने सोचा और चर्च के भीतर उनके पास जाने के लिए आगे बढ़ने लगा। अब वह उनके नज़दीक पहुँच चुका था। जैसी कि लैंग्डन ने उम्मीद की थी, उस औरत के सफेद ईयरबड उसकी गोद में रखे आईफोन से जुड़ा था। जब उसे लगा कि लैंग्डन उसे देख रहा है तो उसने कान से ईयरबड निकाल लिया और ऊपर की तरफ देखने लगी।

लैंग्डन उस बुजुर्ग औरत की भाषा समझ नहीं पा रहा था, लेकिन आईफोन, आईपैड और आईपॉड के दुनिया-भर में प्रसार ने एक ऐसी शब्दावली को जन्म दिया था, जो उतने ही विस्तृत पैमाने पर समझा जाता था जितना कि दुनिया-भर के शौचालयों में बने पुरुष और महिला का संकेत।

'आईफोन?' लैंग्डन ने उसके फोन की तारीफ करते हुए उससे पूछा।

बुजुर्ग महिला का चेहरा अचानक खुशी से दमक उठा। उसने गर्व से अपना सिर हिलाया। 'इतना होशियार, छोटा-सा खिलौना।' उसने अंग्रेजों के लहज़े में बोला। 'मेरे बेटे ने दिया है। मैं अपना ईमेल सुन रही हूँ। क्या आप यकीन करेंगे–ईमेल सुन रही हूँ? यह छोटा-सा खजाना मेरे लिए ईमेल पढ़ सकता है। मेरी बूढ़ी आँखें अब उतनी कारगर नहीं रही।'

'मेरे पास भी है।' लैंग्डन ने मुस्कराते हुए कहा और उसके पास बैठ गया। वह सावधानी बरत रहा था कि उस औरत के सोते हुए पति की नींद न खुले। 'लेकिन पिछली रात पता नहीं कैसे मेरा फोन खो गया।'

'ओह, ये तो बड़े दुख की बात है। तुमने क्या खोए हुए फोन को ढूँढ़ने के लिए आईफोन के फाइंड योर आईफोन फीचर का इस्तेमाल किया? मेरा बेटा कहता है. . .'

'मैं बेवकूफ हूँ। मैंने उस फीचर को कभी चालू ही नहीं किया।' लैंग्डन ने उसकी ओर शरमा कर देखा। उसने हिचकिचाते हुए कहा, 'अगर आपको ज़्यादा तकलीफ नहीं हो तो क्या मैं थोड़ी देर के लिए आपका फोन ले सकता हूँ? मुझे ऑनलाइन कुछ देखना है। मेरे लिए यह बड़ी मदद होगी।'

'बिलकुल।' उसने कान से ईयरबड्स निकाल लिया और फोन लैंग्डन के हाथों में रख दिया। 'कोई बात नहीं, मेरे बच्चे।'

लैंग्डन ने उसका शुक्रिया कहा और फोन ले लिया। वह उसकी बगल में लगातार बड़बड़ा रही थी कि अगर उसका आईफोन खो गया तो उसे कितनी मुश्किल होगी। इधर लैंग्डन फोन के गूगल सर्च विंडो में माइक्रोफोन बटन दबा रहा था। जब फोन से एक बार बीप की आवाज़ आई तो लैंग्डन ने अपना लंबा-सा सर्च-स्ट्रिंग बोलना शुरू किया।

'दांते, *द डिवाइन कॉमेडी*, *पैराडाइज़*, कैंटो ट्वेंटी फाइव।'

वह औरत हैरान लग रही थी। शायद उसे फोन के इस फीचर के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं थी। फोन के छोटे-से स्क्रीन पर अब गूगल सर्च का परिणाम दिखाई दे रहा था। लैंग्डन ने जल्दी से सिएना की ओर मुड़कर देखा, जो बीट्रीस के मकबरे के साथ रखी टोकरी के पास किसी पुस्तिका के पन्ने उल्टा रही थी।

सिएना से थोड़ी दूरी पर नेकटाइ पहना एक व्यक्ति छाया में घुटने के बल झुककर मनोयोग से प्रार्थना कर रहा था। उसका सिर नीचे की तरफ झुका था। लैंग्डन उसका चेहरा नहीं देख पा रहा था, लेकिन उस अकेले आदमी को देखकर उसके अंदर दर्द की एक लहर उठी। शायद अपनी प्रेमिका को खोने के बाद सुकून की तलाश में वह यहाँ आया था।

लैंग्डन दोबारा आईफोन को गौर से देखने लगा। कुछ ही सेकंड में उसे एक लिंक मिल गया, जो *द डिवाइन कॉमेडी* के डिजिटल किताब उपलब्ध करा रहा था, क्योंकि अब यह किताब कॉपीराइट की सीमा के बाहर सभी के लिए उपलब्ध थी। जब ठीक कैंटो 25 का

पेज खुला तो वह इस टेक्नोलॉजी का लोहा मान गया। *मुझे चमड़े की ज़िल्द चढ़ी किताबों के बारे में अपनी अकड़ को दूर करना चाहिए, उसने ख़ुद को याद दिलाया। ई-बुक भी काम की चीज़ होते हैं।*

बुजुर्ग महिला उसकी ओर देख रही थी। उसके चेहरे पर विदेशों में डेटा के इस्तेमाल की महंगी दर की चिंता दिखाई दे रही थी। लैंग्डन समझ गया कि उसे यह अवसर अब ज़्यादा देर तक नहीं मिलने वाला। वह स्क्रीन पर दिख रहे पेज को गौर से देखने लगा।

लिखावट काफी छोटी थी, लेकिन चैपेल की धुंधली रोशनी की वजह से वह फोन के स्क्रीन को आसानी से पढ़ पा रहा था। लैंग्डन को यह देखकर अच्छा लगा कि संयोगवश वह मैंडेलबॉम के अनुवाद को देख रहा था। दांते की किताब का अमेरिकी प्रोफेसर मैंडेलबॉम द्वारा किया हुआ यह आधुनिक अनुवाद कभी लोकप्रिय था। इस बेहतरीन अनुवाद के लिए मैंडेलबॉम को इटली का सर्वोच्च सम्मान ‘ द प्रेसिडेंशियल क्रॉस ऑफ़ द ऑर्डर ऑफ़ द स्टार ऑफ़ इटालियन सोलिडैरिटी’ से सम्मानित किया गया था। हालाँकि लौंगफेलो के अनुवाद की तुलना में यह कम काव्यात्मक था, मैंडेलबॉम का अनुवाद समझने की दृष्टि से अधिक आसान माना जाता था।

आज मै काव्यात्मकता से अधिक इसे समझने पर अधिक ज़ोर दूँगा, लैंग्डन ने सोचा। वह जल्द-से-जल्द इस पाठ में आए फ़्लोरेंस की उस ख़ास जगह के बारे में जानना चाहता था, जहाँ इग्नाजियो ने दांते का डेथ मास्क छुपाकर रखा था।

आईफोन के छोटे-से स्क्रीन पर एक बार में केवल छह पंक्तियाँ दिखाई देती थी। इसे पढ़ते हुए लैंग्डन को वह पाठ याद आया। कैंटो 25 के शुरुआत में दांते ने *द डिवाइन कॉमेडी* का संदर्भ लेकर लिखा था कि इसे लिखने में उन्हें कितना शारीरिक त्याग करना पड़ा था। उन्होंने उम्मीद ज़ाहिर की थी कि शायद यह स्वर्गिक काव्य फ़्लोरेंस से निर्वासित किए जाने के क्रूर कृत्य से उन्हें मुक्ति दिलाएगा।

कैंटो 25
अगर ऐसा हो सके. . .अगर यह पवित्र कविता. . .
यह कृति, जिसमें शामिल हैं स्वर्ग और धरती दोनों
जिसने वर्षों तक मुझे बना दिया है कृषकाय, कमज़ोर
अगर जीत पाए उस क्रूरता को
जिसकी वजह से मैं जा नहीं सकता उस जगह के आलिंगन में जहाँ सोया था मैं
मेमने की है कोशिश, भेड़ियों के खिलाफ, जो कर रहे हैं इस पर हमले बार-बार।

इन पंक्तियों में उस आरामदेह फ़्लोरेंस की याद दिलाई गई थी, जो दांते का घर था। द

डिवाइन कॉमेडी लिखते हुए उन्हें इसकी याद आती थी, लेकिन लैंग्डन को इसमें इस शहर के किसी ख़ास स्थान का निर्देश नहीं दिखाई दिया।

'डेटा के इस्तेमाल में खर्च का तुम्हें कोई अंदाज़ा है?' बुजुर्ग औरत ने उसे टोका। वह अपने आईफोन को चिंतित होकर देख रही थी। 'मुझे याद आया था कि मेरे बेटे ने मुझे विदेशों में वेब-सर्फिंग करते हुए सावधान रहने को कहा था।'

लैंग्डन ने उसे आश्वस्त किया कि वह एक मिनट से ज़्यादा का वक़्त नहीं लेगा। उसने डेटा के इस्तेमाल के बदल पैसे देने का भी प्रस्ताव किया। इसके बावजूद उसे लगा कि वह औरत उसे कैंटो 25 के सभी 100 पंक्तियाँ पढ़ने की इजाज़त नहीं देगी।

उसने जल्दी-जल्दी अगली छह पंक्तियाँ पढ़ी और स्क्रॉलिंग चालू रखा।

तब तक किसी दूसरी आवाज़ के साथ, दूसरे वस्त्रों में
अपने बपतिस्मा की जगह लौटूँगा कवि की तरह
पहनकर रस्मी मुकुट
क्योंकि वहीं पाया था मैंने उस आस्था में प्रवेश
जो आत्माओं को बनाती है ईश्वर के द्वारा स्वागत योग्य और फिर
उसी आस्था के लिए पीटर ने पहनाई थी मुझे माला।

लैंग्डन को यह प्रसंग थोड़ा थोड़ा याद था। इसमें अप्रत्यक्ष रूप से अपने विरोधियों द्वारा किए गए राजनीतिक समझौते की पहल का जिक्र आया है। इतिहास के अनुसार, जिन 'भेड़ियों' ने दांते को फ्लोरेंस से निष्कासित किया था उन्होंने दांते के वापस आने की शर्त रखी थी कि उन्हें सार्वजनिक रूप से अपनी गलती माननी होगी। शर्त रखी गई थी कि दांते को फ्लोरेंस लौटने के लिए लोगों की एक बड़ी भीड़ के सामने बापतिस्मा वाली मेज़ पर अकेले खड़े होकर, फटे पुराने कपड़ों में खड़ा होना पड़ेगा, जो लोगों से अपनी गलती के लिए माफी माँगने के बराबर होगा।

लैंग्डन ने अभी, जो उद्धरण पढ़ा था उसमें दांते द्वारा इस शर्त को नामंजूर करने की बात थी। दांते इस उद्धरण में घोषणा करते हैं कि अगर कभी बापतिस्मा वाली मेज़ पर वह वापस लौटेंगे तो फटे चीथड़ों में नहीं, बल्कि कवि को पहनाए जाने वाले मुकुट के साथ।

लैंग्डन ने स्क्रॉल करने के लिए अपनी तर्जनी ऊपर की, लेकिन औरत ने अचानक अपना विरोध ज़ाहिर किया। उसने आईफोन लेने के लिए हाथ आगे बढ़ाया। शायद उसने अपने उधार के बारे में पुनर्विचार किया था।

लैंग्डन ने मुश्किल से उसकी बात सुनी। स्क्रीन को स्क्रॉल करने के लिए उंगली लगाने के

ठीक पहले उसकी नज़र वहाँ दिख रहे टेक्स्ट पर पड़ी. . .उसने दोबारा उस पर नज़र डाली।

अपने बपतिस्मा की जगह लौटूँगा कवि की तरह
पहनकर रस्मी मुकुट

लैंग्डन इन पंक्तियों को घूरकर देखने लगा। उसे लगा कि किसी ख़ास ठिकाने का नाम खोजने की हड़बड़ी में उसने शुरुआत की पंक्तियों में ही संभावित उत्तर को छोड़ दिया था।

अपने बपतिस्मा की जगह लौटूँगा कवि की तरह. . .

फ़्लोरेंस में दुनिया का सबसे मशहूर बपतिस्मा के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला स्थान था। पिछले सात सौ वर्षों से फ़्लोरेंस के लोगों को पवित्र करने और बच्चों के नामकरण के लिए इसका इस्तेमाल किया जा रहा था। इनमें दांते अलीगेरी भी शामिल थे।

लैंग्डन ने तुरंत अपने मस्तिष्क में उस इमारत की कल्पना कर ली, जहाँ बपतिस्मा वाली जगह थी। यह दर्शनीय इमारत आठ भुजाओं वाली थी, जो कई अर्थों में डुओमो से भी अधिक दैवी थी। वह सोच रहा था कि पता नहीं उसने अपनी ज़रूरत की सभी चीज़ें पढ़ी भी थी या नहीं।

क्या इग्नाजियो इसी इमारत के बारे में कह रहा था?

अब लैंग्डन के दिमाग में एक स्वर्णिम रोशनी फैल गई, क्योंकि उसके सामने एक सुंदर छवि उपस्थित हो चुकी थी। पीतल के बने ख़ूबसूरत दरवाज़े, जो सुबह की रोशनी में ख़ूबसूरती ढंग से चमचमा रहे थे।

मैं जानता हूँ कि इग्नाजियो मुझे क्या कहना चाहता था।

उसके मन की बची खुची दुविधा भी अगले ही पल दूर हो गई जब उसे लगा कि फ़्लोरेंस के लोगों में इग्नाजियो बुसोनी ही उन कुछ लोगों में शामिल था, जो शायद उन दरवाज़ों को खोल सकता था।

रॉबर्ट, दरवाज़े तुम्हारे लिए खुले हैं, लेकिन तुम्हें जल्दी करना होगा।

लैंग्डन ने बुजुर्ग महिला को धन्यवाद देकर उसे आईफोन वापस कर दिया।

वह तेज़ी से सिएना के पास गया। उसने उत्साह से लबालब होकर उसके कान में फुसफुसाकर कहा, ‘मैं जानता हूँ कि इग्नाजियो किस दरवाज़े की बात कर रहा था। स्वर्ग के दरवाजे–*द गेट्स ऑफ़ पैराडाइज़।’*

सिएना को इस बात पर यकीन नहीं हो रहा था। ‘स्वर्ग के दरवाजे? क्या ये . . .स्वर्ग में नहीं होते?’

‘दरअसल,’ लैंग्डन ने उसकी तरफ शुष्क हँसी बिखेरते हुए कहा। अब वह दरवाज़े की तरफ बढ़ चुका था। ‘अगर तुम्हें पता है कि नज़र किस तरफ डाली जाए तो फ़्लोरेंस स्वर्ग है।’

53

मैं *कवि की तरह लौटूँगा. . .अपनी बपतिस्मा की जगह।*

सिएना को संकरे गलियारे से उत्तर दिशा की ओर विया डेले स्टूडियो ले जाते हुए लैंग्डन के दिमाग में दांते के शब्द बार-बार गूँज रहे थे। उनका गंतव्य आगे था। हर कदम के साथ लैंग्डन का आत्म-विश्वास बढ़ता जा रहा था कि वे सही रास्ते पर जा रहे थे और उनका पीछा कर रहे लोग अब ख़ुद पीछे छूट चुके थे।

तुम्हारे लिए दरवाज़े खुले हैं, लेकिन तुम्हें जल्दी करना होगा।

दरार की तरह दिख रहे गलियारे के छोर पर पहुँचते पहुँचते लैंग्डन को आगे चल रही गतिविधि की धीमी धीमी आवाज़ सुनाई देने लगी थी। अचानक उनके दोनों तरफ गुफा ख़त्म हो गई। सामने खुला मैदान दिखाई दे रहा था।

द पिआत्ज़ा डेल डुओमो।

इस विशाल चौराहे के चारों तरफ इमारतों का एक जटिल नेटवर्क बना है। इस चौराहे को फ़्लोरेंस का प्राचीन धार्मिक केंद्र माना जाता है। आज कल यह सैलानियों के आकर्षण का केंद्र था। इस समय यहाँ सैलानियों की खासी भीड़ जमी थी। आसपास उनकी बसें लगी हुई थी और फ़्लोरेंस के मशहूर कैथेड्रल को देखने के लिए सैलानियों का हुजूम दिखाई दे रहा था।

पिआत्ज़ा के दक्षिणी छोर पर पहुँचकर लैंग्डन और सिएना अब कैथेड्रल के उस हिस्से के सामने थे, जो हरे, गुलाबी और सफेद संगमरमर से चमचमा रहा था। इसका आकार जितना विशाल था, उतनी ही सुंदर इसकी बनावट थी। कैथेड्रल दोनों तरफ इतनी दूरी तक फैला था कि आँखों को सहसा यकीन नहीं होता था। इसकी कुल लंबाई वाशिंगटन स्मारक को लंबाई में ज़मीन पर लिटा दिए जाने के बराबर थी।

वैसे इस इमारत में परंपरागत एकरंगे पत्थरों का इस्तेमाल नहीं किया गया था और उसकी जगह इसे बनाने के लिए तरह तरह के रंग-बिरंगे चमचमाते पत्थरों का इस्तेमाल किया गया था, फिर भी यह इमारत शुद्ध गोथिक परंपरा का लगता था–शास्त्रीय, मज़बूत और टिकाऊ। मानना होगा कि लैंग्डन जब पहली बार फ़्लोरेंस आया था तो उसे यह इमारत देखने में भोंडी लगी थी, लेकिन बाद में अपनी यात्राओं के दौरान वह हमेशा इस इमारत का घंटों अध्ययन करता। उसे इसका अलग-सा दिखने वाला सौंदर्य अपनी गिरफ्त में ले लेता और आख़िरकार वह इसकी अद्भुत सुंदरता का मुरीद बन जाता।

इल डुओमो, जिसका औपचारिक नाम सांता मारिया डेल फिओरे का कैथेड्रल था, से ही इग्नाजियो बुसोनी का पुकारने वाला नाम बना था। इस स्थान को लंबे समय से फ़्लोरेंस का

आध्यात्मिक केंद्र कहा जाता था, लेकिन इसके साथ ही यह जगह तरह तरह के नाटकों और षड़यंत्रों का केंद्र भी रहा था। इसके इतिहास से वासारी के विवादास्पद फ्रेस्को *द लास्ट जजमेंट* भी जुड़ा है जिसे काफी लंबे समय से लोग नफरत की नज़र से देखते रहे हैं। साथ ही इसके साथ गुंबद को पूरा करने के लिए आर्किटेक्ट के चुनाव के लिए आयोजित प्रतियोगिता संबंधी गहरा विवाद भी जुड़ा हुआ है।

अंततः इस काम को पूरा करने का ठीका फिलिपो ब्रुनेलेस्की को मिला और उसने अपने समय के सबसे बड़े इस गुंबद को बनाने का काम पूरा किया। आज भी फिलिपो ब्रुनेलेस्की की मूर्ति पालात्ज़ो डेइ केनोनिची के बाहर देखी जा सकती है, जहाँ से वह अपनी विशिष्ट कृति को गहरे संतोष के साथ देख रहा है।

आज की सुबह लैंग्डन ने अपनी नज़रें उठाकर लाल टाइल वाले इस गुंबद को देखा, जो अपने समय के वास्तुशिल्प की एक महान उपलब्धि थी। इसे देखते हुए लैंग्डन को याद आया कि उसने इसके गुंबद तक जाने का कैसा बेवकूफी भरा फैसला किया था। उसने सैलानियों से खचाखच भरी इसकी संकरी सीढ़ियों पर ऊपर जाते हुए उसे वैसी ही भयंकर परेशानी हुई जैसी किसी भी अत्यंत ही संकीर्ण जगह में जाने से उसे होती थी। फिर भी लैंग्डन ब्रुनेलेस्की के बनाए गुंबद पर चढ़ने में झेली इस कठिन परीक्षा के लिए कृतज्ञ था, क्योंकि इसी वजह से वह इसी नाम के रॉस किंग की किताब को पढ़ने के लिए प्रेरित हुआ था।

'रॉबर्ट?' सिएना ने पूछा। 'आप आ रहे हैं न?'

लैंग्डन ने गुंबद से अपनी नज़रें नीची की। उसे ध्यान आया कि वास्तुशिल्प की ख़ूबसूरती को निहारते हुए वह अपनी जगह पर ठहर गया था। 'माफी चाहता हूँ।'

वे आगे चौराहे के घेरे के साथ-साथ आगे बढ़ते रहे। अब कैथेड्रल उनकी दाहिनी ओर था। लैंग्डन ने देखा कि कुछ सैलानी इसके बगल वाले निकास-द्वार से बाहर निकलना शुरू कर चुके थे। वे अपनी सूची में देखने की जगहों में इस जगह के नाम पर निशान लगा रहे थे।

अब कैथेड्रल के अहाते में बनी तीन संरचनाओं में दूसरी संरचना यानी घंटाघर दिखाई दे रहा था जिसे कैंपानीली कहा जाता है। इसका स्वरूप सबसे अलग और विशिष्ट था। यह जोट्टो के घंटाघर के नाम से जाना जाता है। इसे देखकर साफ ज़ाहिर होता है कि यह साथ बने कैथेड्रल का हिस्सा है। यह भी कैथेड्रल की ही तरह गुलाबी, हरे और सफेद रंगों के पत्थरों से सुसज्जित है। यह वर्गाकार मीनार आसमान को चीरता हुआ करीब तीन सौ फीट की ऊँचाई तक जाता है। लैंग्डन हमेशा इस बात से हैरान होता था कि इतनी पतली मीनार भूकंपों और खराब मौसम को झेलती हुई इतनी सदियों तक कैसे सीधी खड़ी थी, ख़ासकर ऊपरी हिस्से के इतने भारी होने के बावजूद। सोचने की बात थी कि इसके सबसे ऊपरी छतरी में करीब बीस हज़ार पाउंड की घंटियाँ लटकी हुई थी।

सिएना उसके साथ-साथ तेज़ी से चल रही थी। उसकी घबराई हुई नज़रें घंटाघर के ऊपर आसमान पर टिकी थी। ज़ाहिर था कि वह ड्रोन को खोज रही थी, लेकिन वह कहीं नज़र नहीं आ रहा था। इतनी सुबह सुबह भी वहाँ पर सैलानियों की भारी भीड़ थी। लैंग्डन की कोशिश थी कि वह भीड़ के बीच बना रहे।

घंटाघर के पास पहुँचते हुए उन्होंने कार्टून बनाने वाले कुछ कलाकारों को पार किया। वे लोग अपने ईजल के साथ खड़े सैलानियों के टेढ़े मेढ़े कार्टून बना रहे थे–स्केटबोर्ड पर फिसलता हुआ किशोरवय लड़का, घोड़े जैसी दाँत वाली लड़की, जिसके हाथ में लैक्रोसे खेल वाली छड़ी थी, यूनीकॉर्न पर खड़े होकर एक-दूसरे को चूमते हनीमून मनाते दंपति वगैरह। लैंग्डन को यह सोचकर गुदगुदी हो रही थी कि जिस स्थान की पवित्र ईंटों पर माइकेल एंजेलो को अपना ईजल सजाने की इजाज़त दी गई थी उसी जगह पर इन लोगों को अपनी गतिविधि करने की इजाज़त दी गई है।

जोट्टो के घंटाघर के नीचे तेज़ी से गुज़रते हुए लैंग्डन और सिएना दाहिनी तरफ मुड़े। वे लोग खुले चौराहे से बाहर निकल रहे थे और अब कैथेड्रल के सामने आ चुके थे। यहाँ पर सबसे अधिक भीड़ थी। दुनिया-भर से आए सैलानी अपने कैमरा फोन और वीडियो कैमरे ऊपर की तरफ किए कैथेड्रल के सामने के हिस्से, फसाड, की तस्वीर और वीडियो बना रहे थे।

लैंग्डन ने मुश्किल से ऊपर की तरफ देखा। उसने अपना ध्यान उस छोटी-सी इमारत पर लगा रखा था, जो अब उसकी नज़रों के सामने था। कैथेड्रल के सामने वाले प्रवेश-द्वार के ठीक सामने बनी यह इमारत कैथेड्रल के परिसर में बनी तीसरी और अंतिम इमारत थी।

यह लैंग्डन की ख़ास पसंद वाली इमारत थी।

सैन जिओवानी की बैपटिस्ट्री।

इस इमारत के सामने का हिस्सा भी वैसी ही रंग-बिरंगे पत्थरों और दीवार से सटकर बनाए गए चौकोर खंभों से बना था जैसा कि कैथेड्रल, लेकिन बपतिस्मा के लिए बनी यह इमारत, बड़ी इमारत से अपनी ख़ास, आकर्षित करने वाली बनावट की दृष्टि से अलग थी। यह पूर्णतः अष्टकोण के आकार में बना था, जो बहुमंजिले केक की तरह दिखता था। कुछ लोगों का दावा था कि आठ-फलकों वाली यह संरचना तीन मंजिली थी, जो एक-दूसरे से बिलकुल अलग थे। तीसरी मंज़िल आख़िरकार सफेद रंग की छत में ख़त्म होती थी।

लैंग्डन को पता था कि अष्टफलकीय संरचना का कोई ताल्लुक इमारत की सुंदरता से नहीं था और यह पूर्णतः प्रतीकात्मक शैली में बनाई गई थी। ईसाई धर्म में संख्या 8 पुनर्जन्म और पुनर्निर्माण का प्रतीक है। आठ फलकों वाली इमारत को देखकर ईश्वर के द्वारा धरती और स्वर्ग की रचना में लगे छह दिन, सब्बथ का एक दिन और आठवें दिन की याद दिलाई जाती है जिस दिन ईसाइयों का पुनर्जन्म हुआ था और उन्हें बपतिस्मा के जरिए फिर से

बनाया गया था। दुनिया-भर में बपतिस्मा की जगहें आठ-फलकों वाली होती हैं।

लैंग्डन मानता था कि बपतिस्मा की यह जगह फ़्लोरेंस की सबसे आकर्षक इमारतों में से एक थी, लेकिन उसे लगता था कि यह सही जगह पर नहीं बनाई गई है। बपतिस्मा की यह जगह, भले ही दुनिया में कहीं भी बनाई गई होती, लोगों के आकर्षण का केंद्र होता, लेकिन अपने साथ बनाई गई दो विशाल इमारतों के साये में यह एक माँ के जने बच्चों में सबसे कमज़ोर बच्चे की तरह लगता था।

लैंग्डन ने ख़ुद को याद दिलाया कि बिना *अंदर गए इसकी ख़ूबसूरती का अनुभव करना मुश्किल था।* वह मन-ही-मन इसके अंदर मोजैक के काम को याद कर रहा था जिसे देखकर दिमाग सन्न रह जाता था। यह इतना सुंदर था कि शुरुआती दौर के प्रशंसक कहते थे कि इसकी छत स्वर्ग की तरह दिखती है। लैंग्डन ने भी तो सिएना को कहा था, *अगर तुम्हें पता है कि नज़र किस तरफ डाली जाए तो फ़्लोरेंस स्वर्ग है।*

सदियों से इस आठ फलकों वाली बपतिस्मा की जगह पर न जाने कितने मशहूर लोगों का नामकरण हुआ है–दांते भी इनमें शामिल थे।

अपने बपतिस्मा की जगह लौटूँगा कवि की तरह . . .

फ़्लोरेंस से निष्कासित किए जाने की वजह दांते को इस पवित्र स्थान पर लौटने की कभी इजाज़त नहीं मिली थी, जो उसके बपतिस्मा की जगह थी। लैंग्डन के मन में यह उम्मीद बलवती होती जा रही थी कि पिछली रात हुई अविश्वसनीय घटनाओं के बाद दांते का डेथ-मास्क अपने मूल स्थान पर वापस पहुँच जाएगा।

लैंग्डन सोच रहा था कि *यही वह बपतिस्मा की जगह हैं, जहाँ इग्नाजियो ने मरने के पहले मौत के मुखौटे को छिपाया होगा।* उसे इग्नाजियो द्वारा बेचैन होकर किए गए फोन की याद आ रही थी। एक पल के लिए लैंग्डन के ज़हन में मोटे-तगड़े इग्नाजियो की छवि कौंध गई, जब वह अपनी छाती को पकड़े पिआत्ज़ा से होता हुआ गलियारे में पहुँचा, जहाँ उसने बपतिस्मा की जगह पर मुखौटे को सुरक्षित ढंग से रखने के बाद यह फोन किया होगा।

तुम्हारे लिए दरवाज़े खुले हैं।

भीड़ के बीच से गुज़रते हुए सिएना और लैंग्डन की आँखें बपतिस्मा की जगह पर गड़ी थी। सिएना अब इतनी तेज़ी से चल रही थी कि लैंग्डन को उसके साथ चलने के लिए हल्की दौड़ लगानी पड़ रही थी। दूर से भी उसे बपतिस्मा वाली इमारत के विशाल दरवाज़े सूरज की रोशनी में चमचमाते दिखाई दे रहे थे।

बपतिस्मा वाली इमारत का दरवाज़ा पीतल का बना था जिस पर सोने का पानी चढ़ा था। इसकी ऊँचाई करीब पंद्रह फीट थी। इसे पूरा करने में लोरेंजो घिबेर्टी को बीस वर्ष का समय लगा था। इनपर बाइबल से ली गई आकृतियों से बने दस पैनल सुसज्जित थे जिन पर काफी महीन काम किया गया था। ये आकृतियाँ इतनी सुंदर थीं कि वासारी ने इस दरवाज़े को हर

दृष्टि से पूर्ण कहा था. . .दुनिया की सबसे बेहतरीन कृति।

लेकिन इस दरवाज़े के पुकारने वाले नाम का ताल्लुक माइकेल एंजेलो से है जिसने इसकी भूरि भूरि प्रशंसा की थी। यह आज भी अपने पुकारने के नाम से ही जाना जाता है। माइकेल एंजेलो ने कहा था कि ये दरवाज़े इतने सुंदर हैं कि इन्हें स्वर्ग के दरवाज़े की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है।

54

पीतल की बाइबिल, सामने दिख रहे दरवाज़े की तारीफ करते हुए लैंग्डन ने सोचा।

घिबर्टी के चमचमाते *गेट्स ऑफ़ पैराडाइज़* में दस वर्गाकार पैनल लगे थे जिनमें बाइबल के ओल्ड टेस्टामेंट से कुछ महत्त्वपूर्ण प्रसंगों को दर्शाया गया था। घिबर्टी के द्वारा बनाई तस्वीरें पाँच पाँच के पैनलों में दोनों तरफ ऊपर से नीचे की तरफ बने हुए थे। इनमें ईडन के बगीचे से लेकर मूसा और राजा सोलोमन के मंदिर तक के दृश्य दिखाए गए थे।

इन पैनलों में दिखाए गए बेहतरीन दृश्य कई सदियों के बीच घटित हुए थे। कला के इतिहास को जानने वाले लोग और कलाकारों के बीच बोटीचेली से शुरू होकर आधुनिक आलोचक तक इनमें से सबसे बेहतरीन पैनल के लिए अपनी पसंद को सही ठहराने के लिए बहस करते रहे थे। कई सदियों से इनमें जैकब और इसाउ वाले पैनल की से जीत होती रही थी, जो बाई ओर वाले पैनल के बीच में बना था। इसे बनाने के लिए अनेक प्रभावशाली कलात्मक तरीकों का इस्तेमाल किया गया था, जिसके आधार पर सदियों से इसे सर्वश्रेष्ठ पैनल माना जाता था, लेकिन लैंग्डन को ऐसा लगता था कि इसकी असली वजह ये थी कि घिबर्टी ने इस पैनल पर अपने दस्तख़त किए थे।

कुछ साल पहले इग्नाजियो बुसोनी ने लैंग्डन को बड़े गर्व के साथ इस दरवाज़े को दिखाया था। उसने शरमाते हुए बताया था कि पाँच सौ वर्षों तक बाढ़, तोड़फोड़ और वायु-प्रदूषण से प्रभावित होने के बाद सोने की कलई वाले मूल दरवाज़ों की जगह ठीक उन्हीं की नकल को लगा दिया गया है। मूल दरवाज़े अब म्यूजियो डेल ओपेरा डेल डुओमो में मरम्मत के लिए रखे हुए हैं। लैंग्डन ने विनम्रतावश बुसोनी को यह नहीं बताया उसे इस बात की जानकारी थी कि वे लोग नकली चीज़ों की तारीफ कर रहे थे। दरअसल ये नकली घिबर्टी दरवाज़ों की दूसरी प्रति थे जिनसे लैंग्डन का साबका पड़ा था। पहली बार संयोगवश सैन फ्रांसिस्को में ग्रेस कैथेड्रल की भूलभुलैया के बारे में शोध करते हुए उसे घिबर्टी का *गेट्स ऑफ़ पैराडाइज़* मिला था, जो कैथेड्रल के सामने वाले दरवाज़े के तौर पर बीसवीं सदी के मध्य से वहाँ इस्तेमाल किया जाता था।

घिबेर्टी के मास्टरपीस के सामने खड़ा लैंग्डन पास ही में लगे सूचना पट्ट को पढ़ रहा था। उस पर इतालवी में लिखे एक वाक्य ने लैंग्डन का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। वह उसे पढ़कर हैरान रह गया।

सूचना पट्ट पर इतालवी में लिखा था–*ला पेस्टे नेरा।* इसका अर्थ था, काली मौत, द ब्लैक डेथ। हे भगवान, लैंग्डन सोचने लगा कि वहाँ जहाँ जा रहा है, हर जगह उसका इसी से सामना हो रहा था। सूचना पट्ट के अनुसार इस दरवाज़े को ईश्वर के प्रति कृतज्ञता ज़ाहिर

करने के लिए बनवाया गया था, क्योंकि फ़्लोरेंस किसी तरह प्लेग से बच गया था।

लैंग्डन दोबारा *गेट्स ऑफ़ पैराडाइज़* को देखने लगा। इग्नाजियो के शब्द अब भी उसके कानों में गूँज रहे थे। *तुम्हारे लिए दरवाज़े खुले हैं, लेकिन तुम्हें जल्दी करना होगा।*

इग्नाजियो के वादे के बावजूद, *गेट्स ऑफ़ पैराडाइज़* हमेशा की तरह सभी के लिए बंद थे। हाँ, कभी-कभार धार्मिक छुट्टियों के अवसर पर ही इन्हें खोला जाता था। सामान्य तौर पर सैलानी बपतिस्मा की जगह दूसरी तरफ से घुसते थे, उत्तरी दरवाज़े से।

सिएना दबे कदमों से उसके साथ चल रही थी। वह भीड़ पर नज़र रख रही थी। 'दरवाज़े पर कोई हैंडल नहीं, न ही चाबी डालने के लिए इसमें कोई छेद बना है।' उसने कहा।

ठीक है, लैंग्डन ने सोचा। उसे पता था कि घिबर्टी अपनी इस विशिष्ट कृति को कुंडी जैसी चीज़ें लगाकर बर्बाद नहीं करना चाहता था। 'दरवाज़े अंदर की ओर खुलते हैं। उनमें भीतर की ओर से ताला लगा होता है।'

सिएना ने एक पल के लिए सोचा। उसने अपने होंठ टेढ़े किए। 'यानी कि यहाँ खड़े होकर किसी को. . .ये पता नहीं चलेगा कि दरवाज़ों पर ताला लगा है या नहीं।'

लैंग्डन ने सिर हिलाया। 'मुझे लगता है कि इग्नाजियो भी ठीक यही सोच रहा होगा।'

वह अपने दाहिने तरफ कुछ कदम चला और इमारत की उत्तरी दिशा में देखने लगा। वहाँ सैलानियों के प्रवेश के लिए दरवाज़ा बना था, जिसमें काफी कम नक्क़ाशी थी। दरवाज़े के पास सिगरेट पीता हुआ व्यक्ति खड़ा था, जो काफी ऊबा हुआ लग रहा था। वहाँ आकर सवाल पूछने वाले सैलानियों को वह प्रवेश-द्वार पर बने साइन की तरफ इशारा कर रहा था–खुलने का समय–1300-1700

अभी यह कई घंटों तक खुलने वाला नहीं है और अभी तक इसके अंदर कोई नहीं गया है, लैंग्डन ने सोचा।

आदतन उसने अपनी घड़ी देखने के लिए कलाई पर नज़र डाली तो उसे याद आया कि उसकी मिकी माउस घड़ी गायब थी।

वह सिएना के पास वापस आ गया। उसने देखा कि सिएना सैलानियों के साथ *गेट्स ऑफ़ पैराडाइज़* के पास खड़ी थी, जहाँ घिबेर्टी की इस ख़ास कलाकृति से लोगों दूर रखने के लिए लोहे की जाली लगी थी। सैलानी जाली के बाहर खड़े होकर अंदर की तस्वीर उतार रहे थे।

सुरक्षा के लिए बना यह दरवाज़ा ढलवाँ लोहे का बना था, जिसके ऊपरी हिस्से में सूर्योदय के समय निकलने वाली किरणों की शक्ल में भाले बने हुए थे, जो सुनहले पेंट में रंगे थे। देखने में वे सामान्य तौर पर शहरी इलाकों के घरों में इस्तेमाल किए जाने वाले बाड़े की तरह लगते थे। *गेट्स ऑफ़ पैराडाइज़* के बारे में सूचना देने वाली पट्टी को दर्शनीय पीतल के दरवाज़े पर नहीं, बल्कि सुरक्षा के लिए बनाए इस दरवाज़े के ऊपर लगाया गया था। इसकी

वजह से लोग स्पष्ट तौर पर इसके बारे में नहीं समझ पाते थे।

लैंग्डन ने सुना था कि सूचना पट्ट के लगाए जाने की जगह के कारण सैलानी दुविधा में पड़ जाते थे। इसका सबूत उसी समय मिला जब स्वेट सूट पहने एक मोटी-सी औरत ने सूचना पट्ट पर नज़र डाली और ढलवां लोहे के बने दरवाज़े को देखकर उसने नाक भौं सिकोड़ते हुए कहा, '*गेट्स ऑफ़ पैराडाइज़*? यह तो मेरे घर पर बने कुत्ते के बाड़े जैसा लगता है।' उसे कोई सचाई बता पाता उसके पहले ही वह आगे बढ़ गई।

सिएना ने आगे बढ़कर सुरक्षात्मक दरवाज़े को पकड़ लिया और इसकी सलाखों के बीच से पीछे की ओर ताले को लगाने के लिए की गई व्यवस्था का मुआय़ना करने लगी।

'देखिए, पीछे की तरफ लगा ताला खुला हुआ है।' उसने फुसफुसाते हुए लैंग्डन को कहा। आश्चर्य से उसकी आँखें फैली हुई थी।

लैंग्डन ने भी सलाखों से झाँककर देखा और पाया कि सिएना ठीक कह रही थी। ताले को देखकर लगता था जैसे यह बंद हो, लेकिन नज़दीक से देखने पर पता चलता था कि यह बंद नहीं था।

दरवाज़े तुम्हारे लिए खुले हैं, लेकिन तुम्हें जल्दी करनी होगी।

लैंग्डन ने सुरक्षात्मक बाड़े के आगे *गेट्स ऑफ़ पैराडाइज़* पर नज़र डाली। अगर इग्नाजियो ने सचमुच जानबूझ-कर बपतिस्मा वाली जगह के दरवाज़ों को खुला छोड़ा था तो उन्हें तो झूल जाना चाहिए था, लेकिन असली चुनौती थी चौराहे पर खड़े लोगों में से किसी का भी ध्यान बिना अपनी ओर खींचे अंदर घुसना। इनमें पुलिस और डुओमो के गार्ड भी शामिल थे।

'उधर देखो,' पास ही किसी औरत के चिल्लाने की आवाज़ सुनाई दी। 'वह कूदने वाला है।' उसकी आवाज़ में डर भरा हुआ था। 'वहाँ घंटा घर के पास।'

लैंग्डन ने दरवाज़े से मुड़कर दूसरी ओर देखा। उसने देखा कि चिल्लाने वाला व्यक्ति सिएना थी। वह पाँच गज दूर खड़ी थी और जोट्टो के घंटाघर की ओर दिखा कर चिल्ला रही थी। 'वहाँ देखो, सबसे ऊपर। वह कूदने वाला है।'

सभी की आँखें अब आसमान की ओर लगी थी और घंटाघर के शिखर को देख रही थी। पास ही दूसरे लोग भी उसी तरफ इशारा करने लगे और गौर से उस ओर देखने लगे। सभी लोग एक-दूसरे को पुकार रहे थे।

'कोई वहाँ से कूद रहा है।'

'कहाँ?'

'मुझे नज़र नहीं आ रहा।'

'वहाँ, बाई ओर।'

चौराहे पर खड़े लोगों को इस दहशत को समझने में ज़्यादा वक़्त नहीं लगा। वे भी घंटाघर

के ऊपरी हिस्से को देखकर चिल्लाने लगे। सूखी घास में लगने वाली आग की तरह, भय का माहौल पिआत्ज़ा में चारों तरफ फैल गया। बहुत जल्द सभी लोग अपनी गरदन ऊँची किए ऊपर की तरफ देखकर इशारा कर रहे थे।

लैंग्डन सोच रहा था कि इसे ही वायरल मार्केटिंग कहते हैं। उसे पता था कि उसके पास अपना काम करने के लिए बस कुछ ही पल बचे थे। उसने तुरंत ढलवा लोहे के गेट को पकड़कर खोल दिया। तब तक सिएना भी उसके पास पहुँच चुकी थी और वह भी लैंग्डन के साथ ही आगे वाले छोटे-से स्थान पर पहुँच गई। अंदर पहुँचकर उन्होंने दरवाज़ा बंद कर दिया। अब वे पंद्रह फुट ऊँचे दरवाज़े के पास थे। लैंग्डन को उम्मीद थी कि उसने इग्नाजियो की बात को सही सही सुना था। उसने अपने कंधे से उसे विशाल दो-पल्लों के दरवाज़े को धक्का दिया और पैर से ज़ोर लगाया।

पहले तो कुछ नहीं हुआ, लेकिन फिर बहुत धीरे-धीरे उस विशाल दरवाज़े में थोड़ी गतिविधि नज़र आई। दरवाज़े खुले हैं। द *गेट्स ऑफ़ पैराडाइज़* करीब एक फीट खुल गया। सिएना ने भी वक़्त बर्बाद नहीं किया। उसने अपने शरीर को आड़ा किया और अंदर घुस गई। लैंग्डन भी अंदर आ गया। वह भी शरीर को आड़ा करते हुए गेट के संकरे से खुले हुए रास्ते से होकर अंदर घुस गया, जहाँ बपतिस्मा वाली जगह का अंधेरा क्षेत्र शुरू होता था।

दोनों मुड़े और साथ मिलकर उन्होंने दरवाज़े को धक्का विपरीत दिशाओं में धक्का देना शुरू कर दिया। एक तेज़ आवाज़ के साथ वह पोर्टल बंद हो गया। बाहर से आ रही आवाज़ें भी तुरंत बंद हो गई। अब वहाँ बस चुप्पी बची थी।

सिएना ने वहाँ रखे लकड़ी की एक शहतीर की ओर दिखाया, जो ज़मीन पर उनके पैर के पास पड़ा था। ज़ाहिर था कि उसे दरवाज़े के दोनों तरफ इस तरह रखा गया था कि इसे कोई खोल न पाए। ‘इसे इग्नाजियो ने तुम्हारे लिए यहाँ से हटाया होगा।’ उसने कहा।

दोनों ने मिलकर शहतीर को उठाया और वापस दोनों किनारों पर बने ताखों में इस तरह फँसा दिया कि *गेट्स ऑफ़ पैराडाइज़* पर एक तरह से ताला लग गया। अब वे दोनों अंदर सुरक्षित रूप से बंद थे।

कुछ देर तक लैंग्डन और सिएना वहीं पर दरवाज़े के साथ टिक कर चुपचाप खड़े रहे। वे अपनी उखड़ती साँस को संभालने की कोशिश कर रहे थे। पिआत्ज़ा से आ रहे शोरगुल की तुलना में बपतिस्मा वाली जगह का भीतरी हिस्सा स्वर्ग की तरह शांतिमय लग रहा था।

सान जिओवानी बपतिस्मा स्थल के बाहर प्लुम पैरिस चश्मे और बूटेदार टाई पहना हुआ व्यक्ति भीड़ के बीच आगे बढ़ रहा था। वह उन लोगों को अनदेखा कर रहा था, जो उसके

शरीर पर उभरे चकत्तों को देख रहे थे।

वह अब पीतल के दरवाज़े के पास पहुँच चुका था, जहाँ से होकर बड़ी होशियारी से रॉबर्ट लैंग्डन और सुनहले बालों वाली उसकी सहयोगी बड़ी होशियारी से गायब हो गए थे। उसे दरवाज़ों के बंद होने की तेज़ आवाज़ बाहर रहते हुए भी सुनाई दी थी।

इधर से तो घुसने का कोई रास्ता नहीं है।

धीरे-धीरे चौराहे की सामान्य अवस्था फिर से वापस हो रही थी। जो सैलानी ऊपर की तरफ नज़रें किए कुछ देखने की कोशिश कर रहे थे, उनकी रुचि भी इसमें ख़त्म हो चुकी थी। वहाँ से कूदने वाला व्यक्ति किसी को नज़र नहीं आ रहा था। सभी लोग अब आगे जा चुके थे।

उस आदमी को फिर से खुजली हो रही थी। चकत्तों की हालत बुरी हो रही थी। उसने चकत्तों को खुजलाने से बचने के लिए अपनी मुट्ठी जेब में डाल रखी थी। वह अंदर घुसने के रास्ते की तलाश में आठ फलकों वाली उस संरचना का चक्कर लगा रहा था जिसकी वजह से उसकी साँसें फूल रही थी।

उसने एक मोड़ पूरा किया था कि उसे अपने टेंटुए में तेज़ दर्द का अनुभव हुआ। तभी उसे पता चला कि वह दोबारा वहाँ खुजा रहा था।

55

लोगों के बीच ऐसी मान्यता है कि सैन जिओवानी के बपतिस्मा वाली जगह में घुसने के बाद आप ख़ुद को ऊपर देखने से रोक नहीं सकते। वैसे तो लैंग्डन इस जगह पर पहले भी कई बार आ चुका था, लेकिन इस स्थान का रहस्यमय खिंचाव उसे मजबूर कर रहा था। उसने भी छत की ओर देखना शुरू कर दिया।

जिओवानी बपतिस्मा की आठ फलकों वाली छत की लंबाई करीब अस्सी फीट थी। इसकी चमक और टिमटिमाहट को देखकर लगता था जैसे यह दहकते कोयले से बना था। इसकी हल्के गेरुए रंग की सतह दस लाख से भी अधिक पिघले शीशे और ऑक्साइड को हाथ से मिलाकर बनाई गई टाइलों से आ रही रोशनी को प्रतिबिंबित कर रही थी। इन टाइलों को छह समकेंद्रीय वलयों में सजाया गया था, जिसमें बाइबिल में वर्णित कुछ दृश्यों को चित्रित किया गया था।

कमरे के ऊपरी चमकदार हिस्से को और छत के बीच बना गोलाकार छेद, ऑकुलस और भी नाटकीय बना रहा था। देखने में यह रोम के पैंथियन की तरह लग रहा था। यहाँ से होकर अंदर आती प्राकृतिक रोशनी अंधेरे को चीर रही थी। इसके साथ ही ढेरों ऊँची, छोटी और दीवार में बने ताखों में सजी खिड़कियाँ रोशनी को अंदर आने में मदद कर रही थी। इनसे आती किरणें एक-दूसरे से इतनी करीब और केंद्रित थीं की उन्हें देखकर रोशनी के खंभों का अहसास होता था, जो हर पल अपना कोण बदलती रहती थी।

लैंग्डन अब सिएना के साथ कमरे में और भी भीतर आ चुके थे। वह मोजैक के बने इस मशहूर छत की ओर देखने लगा, जिसमें स्वर्ग और नरक को बहुस्तरीय शैली में दिखाया गया था। यह काफी कुछ *द डिवाइन कॉमेडी* की प्रस्तुति जैसा लग रहा था।

दांते अलीगेरी ने इसे बचपन में देखा था, लैंग्डन ने सोचा। ऊपर से आने वाली प्रेरणा।

लैंग्डन अब मोजैक के बीच वाले हिस्से को गौर से देखने लगा। मुख्य ऑल्टर के ठीक ऊपर सत्ताईस फीट ऊँची ईसा मसीह की प्रतिमा थी, जो उन लोगों के ऊपर बैठे थे जिन्हें ईश्वर की कृपा मिली और वे भी जिन्हें उनकी कृपा नहीं मिल पाई, शापित।

ईसा मसीह के दाहिने भाग में अच्छा काम करने वाले लोग बैठे थे जिन्हें अमर जीवन का वरदान मिला था।

उनकी बाई तरफ पापी बैठे थे जिनके ऊपर पत्थरों से हमला किया गया था, जिन्हें आग में जलाया गया था और जिन लोगों को तरह तरह के जानवर खा रहे थे।

इन सबको मोजैक से बना विशाल आकार का शैतान देख रहा था, जो मनुष्यों का भक्षण करने वाले एक राक्षसी जीव के रूप में चित्रित किया गया था। इस तस्वीर को देखकर

लैंग्डन हमेशा अंदर से हिल जाता था। सात सौ वर्षों से भी पहले बालक दांते इस तस्वीर को देखकर बुरी तरह डर गया था। अंततः दांते को नरक के आख़िरी वलय के वर्णन की प्रेरणा इसी तस्वीर से मिली।

ऊपर के मोजैक में सींग वाला एक दैत्याकार शैतान दिखाया गया था, जो एक आदमी को सिर की तरफ से खा रहा था। उस आदमी की टाँग दैत्य के मुँह से बाहर लटका हुआ था, जो देखने में ठीक वैसा ही लग रहा था जैसे दांते के मैलबोल्जे में ज़मीन के अंदर उल्टे गड़े पापियों के छटपटाते पाँव दिखते हैं।

दुखों के साम्राज्य के सम्राट, लैंग्डन को दांते की पंक्तियाँ इतालवी में याद आई।

शैतान के कानों से दो विशाल, छटपटाते साँप बाहर निकलते दिखाई दे रहे थे। ये साँप भी पापियों को खाने की प्रक्रिया में थे। इन्हें देखकर ऐसा लगता था जैसे शैतान के तीन सिर थे, ठीक दांते के *इन्फर्नो* के आख़िरी कैंटो में वर्णित दृश्य की तरह। लैंग्डन ने अपनी याद्दाश्त पर ज़ोर डाला तो उसे दांते की परिकल्पना के कुछ अंश याद आए-

उसके सिर पर तीन चेहरे थे. . .उसकी टुड्डी से खून का झाग बह रहा था. . .उसके तीनों मुँह चक्की की तरह पीसने का काम कर रहे थे. . .तीन तीन पापियों को एक तरह चूर चूर करने का काम।

लैंग्डन को पता था कि शैतान के पाप के तीन सतहों में होने का एक प्रतीकात्मक अर्थ था। लैंग्डन जानता था कि तीन स्तरों का पाप शैतान को सीधे-सीधे होली ट्रिनिटी यानी पवित्र तिकड़ी के साथ संतुलित अवस्था में ले आता था।

इस भयंकर दृश्य को देखते हुए लैंग्डन मोजैक के दांते पर बचपन में पड़ने वाले प्रभाव के बारे में सोच रहा था। लैंग्डन जानता था कि दांते बचपन में कई सालों तक इस चर्च में आकर धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होते थे। वह जब भी प्रार्थना करते तो उन्हें शैतान अपनी ओर देखता हुआ नज़र आता, लेकिन आज सुबह लैंग्डन को इस बात से परेशानी हो रही थी कि शैतान सीधे उसकी ओर देख रहा था।

उसने तुरंत अपनी नज़र फेर ली और बपतिस्मा वाली जगह की दूसरी मंज़िल और वहाँ लोगों के खड़े होने के लिए बनी गैलरी को देखने लगा। महिलाओं को सिर्फ इसी जगह खड़े होकर बपतिस्मा का अनुष्ठान देखने की इजाज़त थी। वे यहाँ से एँटीपोप जॉन XXIII के आसमान में टंगे मकबरे को भी देख सकती थी जिनका शव दीवार पर ऊँचे उठंग कर रखा था। इसे देखकर ऐसा लगता था जैसे गुफा में रहने वाला कोई आदमी या जादूगर के करतब में शामिल कोई जमूरा आसमान में तैरने का करतब दिखा रहा हो।

अंत में उसकी नज़र बेहतरीन नक्काशीदार फर्श पर गई, जिसके बारे में कई लोगों का मानना था कि इसमें मध्यकालीन नक्षत्र-विज्ञान के संदर्भ छिपे थे। वह फर्श पर बने सफेद-काले पैटर्न को गौर से देखने लगा। अंत में उसकी नज़र कमरे के बीचों बीच पहुँच गई।

अच्छा, यही वह जगह है, उसने सोचा। उसे पता था कि यही वह जगह थी, जहाँ पर तेरहवीं सदी के उत्तरार्ध में दांते अलीगेरी का बपतिस्मा किया गया था। 'अपने बपतिस्मा की जगह लौटूँगा कवि की तरह'। लैंग्डन ने घोषणा की। उसकी आवाज़ उस खाली जगह में गूँज रही थी। 'यही है वह जगह।'

लैंग्डन जिस तरफ इशारा कर रहा था, फर्श के बीच वाली उस जगह को देखकर सिएना परेशान लग रही थी। 'लेकिन यहाँ तो कुछ भी नहीं है।'

'अब नहीं है।' लैंग्डन ने जवाब दिया।

वहाँ अब सिर्फ बड़े आकार की पगडंडियों का लाल-भूरा अष्टकोण दिखाई दे रहा था। सामान्य से अधिक सादा यह अष्टकोण, फर्श के नक्काशीदार डिज़ाइन से बिलकुल अलग दिखाई दे रहा था। य़ह बड़े आकार के गड्ढे की तरह दिख रहा था जिसे अब भर दिया गया था। दरअसल यह था भी यही।

लैंग्डन ने जल्दी-जल्दी बताया कि इस कमरे के बीचों बीच एक बड़े आकार का अष्टकोणीय पूल बना हुआ था जिसका इस्तेमाल बपतिस्मा की रस्म पूरा करने के लिए किया जाता था। आधुनिक काल में बने फव्वारे ज़मीन से ऊपर उठे हुए बेसिन की शक्ल के होते हैं, लेकिन पहले के फव्वारे अपने शाब्दिक अर्थ के करीब होते थे–झरने यानी कि एक गहरे तालाब-सी संरचना, जिसमें बपतिस्मा किए जा रहे व्यक्ति को अच्छी तरह से नहलाया जा सकता था। लैंग्डन सोच रहा था कि पत्थर का बना यह चेंबर उस समय कैसा लगता होगा जब बच्चे बर्फ की तरह ठंढे पानी में नहाने के लिए डुबोए जाने पर डर से चीखते होंगे।

'यहाँ पर होने वाला बपतिस्मा बहुत ही ठंडे पानी में पूरा किया जाता था और वह काफी डरावना होता था।' लैंग्डन ने कहा। 'सच्चे अर्थों में अग्नि परीक्षा, बल्कि ख़तरनाक भी। कहा जाता है कि दांते एक बार डूबते हुए बच्चे को बचाने के लिए इस झरने में कूद गए थे, जो भी हो, इस झरने को सोलहवीं सदी में किसी समय बंद कर दिया गया।

अब सिएना चिंतित हो गई थी। उसकी नज़रें इमारत का सावधानी से मुआयना कर रही थी। 'लेकिन अगर दांते के बपतिस्मा वाला झरना अब है ही नहीं तो आख़िर इग्नाजियो ने मुखौटा छिपाया कहाँ?'

लैंग्डन उसकी चिंता को समझ गया। इस विशाल चेंबर के अंदर छुपाने की जगह की कोई कमी नहीं थी–खंभों के पीछे, मूर्तियों, मकबरों, झरोखों के पीछे, ऑल्टर पर या ऊपर भी।

इसके बावजूद लैंग्डन के आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं आई थी। वह मुड़ा और जिस दरवाज़े से वह अभी-अभी अंदर घुसा था उसके सामने खड़ा हो गया। 'हमें वहाँ से शुरू करना चाहिए।' यह कहते हुए उसने दीवार के पास *गेट्स ऑफ़ पैराडाइज़* के ठीक दाहिनी ओर वाली एक जगह की ओर इशारा किया।

नक्काशीदार गेट के पीछे चबूतरे पर एक लंबा-सा नक्काशीदार संगमरमर का चौखुटा रखा

था, जो देखने में छोटी-सी ऑल्टर या ईसाइयों की पूजा के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली टेबल की तरह लगता था। इसके बाहरी हिस्से में इतनी महीन नक्काशी थी कि यह मदर ऑफ़ पर्ल लॉकेट की तरह दिखाई देता था। संगमरमर के चौखुटे के ऊपर लकड़ी का बना एक टेबल-टॉप रखा था जिसका व्यास तकरीबन तीन फीट था।

लैंग्डन के पीछे इस चौखुटे की तरफ जाते हुए सिएना के अंदर अनिश्चय का भाव था। सीढ़ियों पर चढ़कर सुरक्षा के लिए बनाए गए दरवाज़े के अंदर की जगह से गुज़रते हुए सिएना किसी चीज़ को गौर से देख रही थी। उसे जब समझ में आया कि वह किस चीज़ को देख रही है तो वह भौंचक्की रह गई और उसने गहरी साँस ली।

लैंग्डन मुस्कराया। *बिलकुल सही, यह ऑल्टर के तौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला टेबल नहीं है।* लकड़ी का पॉलिश किया हुआ टेबल-टॉप दरअसल एक ढक्कन था जिससे उस खोखली संरचना को ढंका गया था।

'बपतिस्मा के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला टेबलनुमा झरना?' उसने पूछा।

लैंग्डन ने सिर हिलाया। 'अगर दांते का आज बपतिस्मा किया जाता तो वह ठीक इसी बेसिन में पूरा होता।' बिना वक़्त जाया किए, उसने बड़े उद्देश्यपूर्ण ढंग से एक दो साँसें लीं और अपनी हथेली लकड़ी के ढक्कन पर रख दी। उसे हटाते हुए लैंग्डन के अंदर कुछ खुदबुदी हो रही थी।

लैंग्डन ने ढक्कन के किनारों को कसकर पकड़ा और उसे एक तरफ खिसका दिया। उसने सावधानी से ढक्कन को संगमरमर वाले चौखुटे से हटाकर बपतिस्मा के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले टेबलनुमा झरने के पास फर्श पर रख दिया। फिर उसने दो-फुट चौड़े अंधेरे गड्ढे के अंदर झाँकना शुरू किया।

वहाँ के डरावने दृश्य को देखकर लैंग्डन का गला सूख गया।

अंधेरे गड्ढे के भीतर से दांते अलीगेरी का मृतक चेहरा उसकी ओर टकटकी लगाकर देख रहा था।

56

ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा।

लैंग्डन बपतिस्मा के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले टेबलनुमा झरने के किनारे खड़ा होकर हल्के पीले रंग के डेथ-मास्क को देख रहा था जिसका झुर्रीदार चेहरा खाली नज़रों से ऊपर की तरफ देख रहा था। नुकीली नाक और बाहर की तरफ निकली ठुड्डी को देखकर इसके बारे में किसी शक की गुंजाइश नहीं रह जाती थी।

दांते अलीगेरी।

निर्जीव चेहरा तो अपने आप में डरावना था, लेकिन झरने के अंदर इसे देखकर किसी अलौकिक वास्तविकता का आभास हो रहा था। एक पल के लिए लैंग्डन को समझ में नहीं आया कि वह आख़िर क्या देख रहा था।

क्या मुखौटा तैर रहा है. . .?

लैंग्डन नीचे की तरफ झुककर अपने सामने के दृश्य को करीब से देखने लगा। बपतिस्मा वाला झरना कई फीट गहरा था। यह उथले बेसिन की तुलना में गहरे कुएँ जैसा अधिक लग रहा था। इसकी सीधी खड़ी दीवार नीचे षटकोण के आकार के हौदे में ख़त्म हो रही थी, जिसमें पानी भरा था। अजीब बात थी कि मुखौटा इस कुएँ जैसी संरचना के बीचों बीच जादुई ढंग से लटका हुआ दिखाई दे रहा था–पानी की सतह के थोड़ा ऊपर।

लैंग्डन को इस मरीचिका की वास्तविकता को समझने में थोड़ा समय लगा। झरने के बीचो बीच लंबवत टकुआ था, जो पानी की सतह के थोड़ा ऊपर आकर समाप्त होता था। इस टकुए के ऊपर एक तश्तरी-सी बनी थी, जो सजावटी झरने की तरह लगती थी। शायद बपतिस्मा के दौरान बच्चे की चूतड़ को इस पर टिकाने के लिए इसका इस्तेमाल होता था, लेकिन इस वक़्त यह एक छोटी-सी चौकी का काम कर रहा था जिस पर पानी की सतह से थोड़ा ऊपर, सुरक्षित, दांते का डेथ-मास्क रखा था।

लैंग्डन और सिएना बिलकुल चुपचाप खड़े होकर दांते अलीगेरी के सिलवटों भरे चेहरे को लगातार घूर रहे थे, जो अब भी जिपलॉक बैग में बंद था। ऐसा लग रहा था जैसे दांते की मौत दम घुटने से हुई हो। थोड़ी देर के लिए पानी से भरे बेसिन से बाहर की ओर झाँकते चेहरे को देखकर लैंग्डन को अपने बचपन की डरावनी घटना याद आई जब कुएँ में गिरने के बाद वह बेचैनी से ऊपर आसमान की तरफ देख रहा था।

इन ख्यालों को अपने दिमाग से दूर हटाते हुए लैंग्डन ने सावधानी से नीचे की तरफ हाथ डालकर मुखौटे को दोनों ओर उस तरफ से पकड़ लिया, जहाँ दांते के कान होते। हालाँकि आधुनिक पैमाने से उनका चेहरा छोटा था, लेकिन पुराने वक़्त में इस्तेमाल किया गया

प्लास्टर उसके अनुमान से कहीं अधिक भारी था। उसने झरने के भीतर से सावधानी पूर्वक मुखौटे को बाहर निकाला और सिएना को इसे गौर से दिखाने लगा।

प्लास्टिक बैग के अंदर होने के बावजूद मुखौटा अद्भुत तरीके से जीवंत दिखाई दे रहा था। गीले प्लास्टर के ऊपर बुजुर्ग कवि के चेहरे की हर झुर्री और सिलवट दिखाई दे रहा था। मुखौटे के बीचों बीच एक हल्की-सी दरार दिखाई दे रही थी। इसके अलावा मुखौटा बिलकुल सही सलामत था।

'इसे उलटा कर दिखाइए,' सिएना ने फुसफुसाते हुए कहा। 'ज़रा इसके पीछे भी देखते हैं।'

लैंग्डन तब तक पीछे देखना शुरू कर चुका था। पालात्ज़ो वेखियो के सुरक्षा वीडियो में साफ दिखाई दिया था कि लैंग्डन और इग्नाजियो को मुखौटे के पिछले हिस्से में कुछ दिखाई दिया था, जो इतना अजीबो-गरीब और चौंकाने वाला था कि कि दोनों लोग इस मुखौटे को लेकर महल से बाहर निकल आए थे।

लैंग्डन पूरी कोशिश कर रहा था कि नाज़ुक प्लास्टर उसके हाथ से नीचे नहीं गिरे। लैंग्डन ने मुखौटे को उलटाया और अपनी दायीं हाथ में इसके सामने वाले हिस्से को नीचे की तरफ कर लिया, ताकि वह पीछे वाले हिस्से को ठीक से देख सके। दांते के चेहरे का सामने वाला हिस्सा समय के साथ पुराना और उबड़ खाबड़ हो चुका था, लेकिन इसका भीतरी हिस्सा चिकना और सपाट था। इस मुखौटे को कभी पहनने की ज़रूरत नहीं थी इसलिए इसके पिछले हिस्से में प्लास्टर भर दिया गया था, ताकि इस नाज़ुक कलाकृति में थोड़ी मज़बूती आ सके। इसकी वजह से मुखौटे के पिछले भाग की सतह उत्तल, सूप खाने वाली उथली कटोरी की तरह सपाट लगती थी।

लैंग्डन को पता नहीं था कि मुखौटे के पिछले हिस्से में वह क्या ढूँढ़ रहा था, लेकिन यकीनन वह इसे नहीं ढूँढ़ रहा था।

कुछ भी नहीं।

बिलकुल कुछ नहीं।

बस एक सपाट, खाली सतह।

सिएन भी लैंग्डन की ही तरह कुछ समझ नहीं पा रही थी। 'यह तो बस सपाट प्लास्टर है।' उसने धीमी आवाज़ में कहा। 'यहाँ अगर कुछ है ही नहीं तो आपको और इग्नाजियो को यहाँ क्या नज़र आया था?'

मैं कुछ समझ नहीं पा रहा, लैंग्डन ने सोचा। अधिक स्पष्टता से देखने के लिए लैंग्डन प्लास्टिक के थैले को तान कर देखने लगा। यहाँ तो कुछ भी नहीं है! उसकी परेशानी बढ़ती जा रही थी। लैंग्डन मुखौटे को ऊपर उठाकर रोशनी में देखने लगा। उसे एक पल के लिए लगा जैसे ऊपर की ओर उसे हल्की-सी दरार दिखाई दी–दांते के माथे से भीतरी हिस्से पर

पड़ी हल्की-सी क्षैतिज लकीर।

स्वाभाविक विकृति? या हो सकता है. . .ये कुछ और चीज़ हो। लैंग्डन तुरंत मुड़ा और अपने पीछे की दीवार पर टंगे संगमरमर के पैनल की ओर इशारा करने लगा। 'वहाँ देखो,' उसने सिएना को कहा। 'देखो वहाँ तौलिए हैं क्या?'

सिएना को उसकी बात समझ में नहीं आ रही थी, लेकिन उसने बड़ी होशियारी से दीवार में बनी उस आलमारी को खोला। इसमें तीन सामान रखे थे–झरने में पानी के स्तर को नियंत्रित करने के लिए बना वाल्व, ऊपर लगे स्पॉटलाइट का नियंत्रण करने के लिए एक स्विच और लिनेन तौलियों का एक गट्ठर।

सिएना ने लैंग्डन की तरफ हैरानी भरी नज़रों से देखा, लेकिन लैंग्डन ने दुनिया-भर में कई चर्चों में देखा था कि बपतिस्मा के लिए बने झरने के साथ पुजारियों के इस्तेमाल के लिए तौलिए रखे होते थे, क्योंकि बच्चों के पेशाब-पाखाने का कुछ पता नहीं होता था कि वे नामकरण संस्कार के बीच में कब बाधा खड़ी कर दें।

'अच्छी बात है', लैंग्डन ने तौलियों की तरफ देखते हुए कहा। 'एक सेकंड के लिए मुखौटे को पकड़ो।' उसने सावधानी से मुखौटा सिएना के हाथ में रख दिया और फिर अपने काम में लग गया।

सबसे पहले लैंग्डन ने षटकोण के आकार वाले ढक्कन को वापस झरने के ऊपर रख दिया, ताकि ऑल्टर की तरह दिखने वाला टेबल फिर वैसा ही दिखने लगे जैसा पहली बार उन्होंने देखा था। इसके बाद उसने आलमारी से कई तौलिए निकाले और उन्हें टेबल-क्लॉथ की तरह बिछा दिया। अंत में उसने झरने की बत्ती वाला स्विच ऑन कर दिया। इसे ऑन करते ही उसके ठीक ऊपर लगा स्पॉटलाइट जगमगा उठा। बपतिस्मा वाली जगह रोशनी से नहा गई और ढंकी हुई सतह पर भी रोशनी पड़ने लगी।

सिएना ने बड़ी सावधानी के साथ मुखौटे को झरने के ऊपर रख दिया। लैंग्डन तब तक और भी तौलिए बाहर निकाल चुका था जिसका इस्तेमाल वह मुखौटे को जिपलॉक बैग से सावधानी से बाहर निकालने के लिए कर रहा था। वह सावधानी बरत रहा था कि उसे मुखौटे को अपने हाथ से नहीं छूना पड़े। कुछ ही क्षणों के बाद दांते का मुखौटे प्लास्टिक के थैले से बाहर आ गया था और सामने बिना किसी आवरण के दिखाई दे रहा था। उसका चेहरा ऊपर की ओर था जिस पर तेज़ रोशनी गिर रही थी। इसे देखकर ऐसा लग रहा था जैसे ऑपरेशन की टेबल पर कोई रोगी बेहोश पड़ा हो।

रोशनी में मुखौटे की नाटकीय बनावट और भी कंपाने वाली लग रही थी। बदरंग हो चुके प्लास्टर की वजह से बुढ़ापे की सिलवटें और झुर्रियाँ और भी उभरकर सामने आ रही थी। लैंग्डन ने बिना वक़्त बर्बाद किए तौलियों की मदद से मुखौटे को उलटा दिया।

मुखौटे का पिछला हिस्सा सामने की अपेक्षा काफी कम पुराना लगता था। यह बिलकुल

साफ सुथरा और सफेद दिखाई दे रहा था, गंदा और मटमैला नहीं।

सिएना ने अपनी गरदन टेढ़ी की। वह हैरान लग रही थी। 'क्या यह हिस्सा तुम्हें नया दिख रहा है?'

इन दोनों हिस्सों के बीच रंग का फर्क लैंग्डन की कल्पना से अधिक था, लेकिन ऐसा लग रहा था कि यह हिस्सा भी सामने के हिस्से जितना ही पुराना था। 'दोनों हिस्सों में वक़्त का असर अलग-अलग तरीके से हुआ है,' उसने कहा। 'मुखौटे का पिछला हिस्सा डिस्प्ले केस के कारण सुरक्षित रहा, क्योंकि इसपर सूरज की रोशनी नहीं पड़ी और यह कम पुराना दिखता है।' लैंग्डन ने मन-ही-मन हिसाब लगाया कि उसे भी अपने सनस्क्रीन का एसपीएफ दोगुना करना होगा।

'रुकिए।' सिएना ने मुखौटे के करीब आते हुए कहा। 'इसके कपाल पर गौर कीजिए। शायद आपने इग्नाजियो के साथ यही देखा होगा।'

लैंग्डन ने चिकनी सफेद सतह पर जल्दी से नज़र डाली। उसने प्लास्टिक के ऊपर से भी थोड़ा-सा बदरंग हो चुके इसी हिस्से को देखा था। वहाँ एक हल्की-सी एक लकीर दिखाई दे रही थी, जो दांते के कपाल के भीतरी हिस्से से होती हुई क्षैतिज रूप से गुज़र रही थी, लेकिन तेज़ रोशनी में लैंग्डन ने देखा कि यह लकीर स्वाभाविक ढंग से बना निशान नहीं था। साफ ज़ाहिर हो रहा था कि यह किसी ने जानबूझ-कर बनाया है।

'यह कोई. . .लिखावट है।' सिएना ने बहुत ही धीमी आवाज़ में कहा। आवाज़ उसके गले में अटक गई। 'लेकिन. . .'

लैंग्डन प्लास्टर पर लिखे शब्दों को गौर से देखने लगा, जो केवल एक पंक्ति में अंकित थे। हाथ से लिखे ये शब्द किसी नक्काशीदार लिपि में लिखे थे, जो अब हल्के भूरे-पीले रंग के हो चुके थे।

'इसमें तो बस यह लिखा है।' सिएना ने कहा। वह नाराज़ लग रही थी।

लैंग्डन बमुश्किल उसकी आवाज़ सुन रहा था। वह सोच रहा था कि *यह किसने लिखा था। क्या दांते के समय किसी ने इसे लिखा था?* इस बात की संभावना काफी कम लग रही थी। अगर ऐसा होता तो इसके रखरखाव और पुनर्स्थापन के दौरान किसी-ने-किसी कला के इतिहासकार की नज़र उस पर ज़रूर पड़ी होती। फिर तो लोगों के बीच प्रचलित किस्से कहानियों में इसकी चर्चा ज़रूर होती। लैंग्डन ने आज तक इसके बारे में नहीं सुना था।

अचानक उसके दिमाग में एक संभावित स्रोत का नाम कौंधा, जो इसके पीछे हो सकता था।

बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट।

जोब्रिस्ट इस मुखौटे का मालिक था। वह जब चाहे इसे देखने के लिए जा सकता था। शायद हाल फिलहाल में उसने मुखौटे के पीछे इसे लिख कर वापस आलमारी के अंदर

डिस्प्ले केस में रख दिया होगा। किसी को इसका पता भी नहीं चला होगा। मार्टा ने उन्हें बताया था कि *मुखौटे का मालिक म्यूजियम के कर्मचारियों को भी अपनी गैरहाजिरी में उस बक्से को खोलने की इजाज़त नहीं देता था, जिसमें यह रखा हुआ था।*

लैंग्डन ने जल्दी-जल्दी अपनी व्याख्या बताई।

ऐसा लगा जैसे सिएना को उसकी व्याख्या सही लगी थी, लेकिन वह फिर भी परेशान लग रही थी। 'इसका कोई अर्थ नहीं निकल रहा।' वह बेचैन होकर बोली। 'अगर हम मान भी लें कि जोब्रिस्ट ने गुप्त रूप से दांते के डेथ-मास्क के पीछे कुछ लिखा और उसने मुखौटे की तरफ इशारा करने के लिए वह छोटा-सा प्रोजेक्टर भी बनाया..तब भी वह कोई मतलब की बात लिख सकता था। मुझे तो यह पूरी तरह से अर्थहीन लगता है। मैं और आप पूरे दिन मुखौटे को ढूँढ़ते रहे और जब हमने इसे ढूँढ़ा तो इसमें यही बेकार की चीज़ दिखाई दे रही है. . .'

लैंग्डन दोबारा मुखौटे के पीछे लिखी इबारत को गौर से देखने लगा।

हाथ से लिखा संवाद काफी छोटा था–केवल सात अक्षर। एकबारगी देखने से वे बिलकुल बेमतलब दिखाई दे रहे थे।

मैं सिएना की परेशानी को समझ सकता हूँ।

लैंग्डन के दिल में फिर से वही चिर-परिचित भाव हिलोरें मार रहा था–किसी नए उद्घाटन की संभावना। उसे यकीन हो गया था कि ये सात अक्षर बहुत जल्द उसे और सिएना को बता देंगे कि उन्हें आगे क्या करना है।

इसके अलावा, लैंग्डन को मुखौटे से एक हल्की-सी गंध आने का भी आभास हुआ। वह उस गंध से परिचित था। इससे उसे पता चला कि मुखौटे के पिछले हिस्से का प्लास्टर आगे की तुलना में अधिक सफेद क्यों लग रहा था..वह समझ गया कि इसका मुखौटे के पुराना पड़ने या उस हिस्से पर सूरज की रोशनी पड़ने से कोई ताल्लुक नहीं था।

'मेरी समझ में नहीं आ रहा,' सिएना ने कहा, 'कि सभी अक्षर एक से क्यों दिखाई दे रहे हैं?'

लैंग्डन ने उन अक्षरों को गौर से देखते हुए बड़े ही धैर्य से सिर हिलाया। एक जैसे दिख रहे सात अक्षर, जो दांते के कपाल पर भीतरी हिस्से में क्षैतिज तरीके से कैलीग्राफी वाली शैली में लिखे हुए थे।

पीपीपीपीपीपीपी

'सात पी' सिएना ने कहा। 'इन सात अक्षरों से हम क्या अर्थ निकाल सकते हैं?'

लैंग्डन बड़े ही धैर्य से मुस्कराया। उसने सिएना की ओर देखकर कहा। ‘मुझे लगता है कि हमें ठीक वही करना चाहिए, जो ये सात अक्षर हमें कह रहे हैं।’

सिएना हैरान थी। ‘सात पी. . .ये कोई संदेश है?’

‘हाँ।’ उसके चेहरे पर मुस्कराहट फैली थी। ‘और अगर तुमने दांते को पढ़ा है तो फिर इस संदेश का मतलब बिलकुल स्पष्ट है।’

सैन जिओवानी के बपतिस्मा स्थल के बाहर नेकटाई पहने व्यक्ति ने अपने नाखून को रूमाल से पोछा और गरदन पर बने पीब के फोड़े को रूमाल से सहलाया। अपने गंतव्य स्थान की ओर तेज़ी से जाते हुए वह अपनी आँखों में हो रहे जलन से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा था।

सैलानियों के प्रवेश का दरवाज़ा।

दरवाज़े के बाहर वहाँ के बारे में लोगों को जानकारी देने के लिए तैनात व्यक्ति थका थका-सा दिख रहा था। वह सिगरेट पीटर रहा था और उन सैलानियों को रास्ता दिखा रहा था, जो अंतरराष्ट्रीय शैली में लिखी गई तारीख को ठीक से समझ नहीं पा रहे थे।

अपेर्तुर 1300-1700

शरीर पर चकत्ते वाले व्यक्ति ने घड़ी पर नज़र डाली। सुबह के १० बजकर 2 मिनट हो रहे थे। बपतिस्मा इमारत अगले कुछ घंटों के लिए बंद हो चुका था। उसने वहाँ खड़े होकर लोगों को रास्ता दिखा रहे आदमी की ओर देखा और फिर मन-ही-मन कुछ फैसला कर लिया। उसने कान से सोने की बनी कनौसी बाहर निकालकर जेब में रख ली। इसके बाद उसने जेब से अपना बटुआ निकाला और इसके अंदर रखी चीज़ें देखने लगा। बटुए में क्रेडिट कार्डो के अलावा यूरो-नोट की एक गड्डी थी। इसके अलावा उसके पास करीब तीन हज़ार अमेरिकी डॉलर भी थे।

शुक्र था कि लोभ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैला हुआ पाप था।

57

पेक्सातुम...पेक्सातुम...पेक्सातुम...

दांते के मौत के मुखौटे के पीछे लिखे सात पी को देखते ही लैंग्डन *द डिवाइन कॉमेडी* के बारे में सोचने लगा। एक पल के लिए लगा जैसे वह विएना में था और मंच पर खड़े होकर 'डिवाइन दांते–सिंबल्स ऑफ़ हेल' यानी दांते की किताब में वर्णित नरक के बारे में भाषण दे रहा था।

लैंग्डन एक स्लाइड से दूसरे स्लाइड में जाकर तीन सिर वाले शैतान के बारे में बता रहा था जिनका निरूपण अनेक कलाकृतियों में दिखाया गया था। जैसे कि बोट्टिचेली का माप्पा, द फ्लोरेंस बैपटिस्ट्रीज मोजैक और एंड्रीया डि सिओने निर्मित भयंकर काला दानव, ब्लैक डीमन, जिसके रोएँ अपने शिकार के खून से सने, लाल लाल दिखाए गए थे।

लैंग्डन ने अपनी बात चालू रखी। 'हम लोग साथ-साथ शैतान के रोएँदार छाती से नीचे उतर चुके हैं। गुरुत्वाकर्षण में परिवर्तन के साथ ही अपनी दिशा बदल चुके हैं और अंधकारपूर्ण नरक से बाहर आ चुके हैं। अब हमें फिर से तारे दिखाई दे रहे हैं।'

लैंग्डन स्लाइडों को आगे बढ़ाता जा रहा था। अब वह एक ऐसे स्लाइड के पास पहुँच चुका था जिसे उसने पहले भी दिखाया था–डुओमो के भीतर लगी डोमेनिको डि मिशेलिनो की पेंटिंग। इसमें दांते को फ्लोरेंस के बाहर लाल कपड़े पहने दिखाया गया था। 'और अगर आप गौर से इसे देखें तो. . ..आपको वे तारे दिखाई देंगे।'

लैंग्डन ने दांते के सिर के ऊपर तारों भरे आकाश को दिखाया। 'आप यहाँ देख सकते हैं कि स्वर्ग को पृथ्वी को घेरकर बने नौ सकेंद्रीय गोलों की श्रृंखला के रूप में निरूपित किया गया है। स्वर्ग की यह नौ-मंजिली संरचना नरक के नौ वलयों को दर्शाने और उनके साथ संतुलन स्थापित करने की दृष्टि से बनाई गई है। शायद आपने गौर किया होगा कि दांते के लेखन में नौ का अंक बार-बार दोहराया जाता है।'

लैंग्डन रुका। उसने पानी का एक घूंट पिया। नरक से नीचे उतरकर बाहर निकलने के भयानक अनुभव से गुज़रने के बाद वहाँ मौजूद लोगों ने भी राहत की साँस ली।

'तो, नरक की विभीषिका सहन करने के बाद अब आप स्वर्ग की ओर जाने के लिए व्यग्र होंगे। दुर्भाग्यवश, दांते की दुनिया में चीज़ें कभी इतनी सरल नहीं होती।' यह बोलकर उसने नाटकीय अंदाज़ में गहरी साँस ली। 'स्वर्ग की ओर जाने के लिए हमें प्रतीकात्मक और वास्तविक दोनों अर्थों में पहाड़ पर चढ़ना होगा।'

लैंग्डन ने माइकेल एंजेलो की पेंटिंग की तरफ इशारा किया। सामने क्षितिज पर दांते के पीछे लोगों को टीप के आकार का पहाड़ दिखाई दे रहा था, जो ऊपर स्वर्ग की दिशा में

जाता हुआ लग रहा था। पहाड़ के चारों तरफ एक वर्तुल रास्ता चारों ओर से लिपटता हुआ ऊपर की तरफ जा रहा था। इस वर्तुल रास्ते ने पहाड़ के चारों तरफ नौ घेरे लगाए थे जिसकी वजह से शीर्ष की ओर जाते हुए नौ छज्जे बन रहे थे, जो लगातार संकीर्ण होते जा रहे थे। इन रास्तों पर गहन पीड़ा में डूबे, नंगे मनुष्य ऊपर चढ़ते हुए दिख रहे थे। रास्ते में वे तरह तरह की यातनाएँ सह रहे थे।

'मैं आपके सामने माउंट पर्गेटरी प्रस्तुत कर रहा हूँ।' लैंग्डन ने घोषणा की। 'दुख की बात है कि *इन्फर्नो* की गहराइयों से होकर स्वर्ग की भव्य ऊँचाई तक जाने के लिए यही एक रास्ता है। आप इस रास्ते पर अपने पाप का प्रायश्चित करते हुए ऊपर की तरफ जाती हुई आत्माओं को देख सकते हैं। वे सभी अपने पाप के हिसाब से कीमत अदा कर रहे हैं। दूसरों से ईर्ष्या करने वाले लोगों की आँखों को ऊपर चढ़ते हुए सिल दिया गया है, ताकि वे किसी पर बुरी नज़र न डाल सकें। घमंडियों को अपनी पीठ पर बड़ी बड़ी चट्टानों को ढोना होता है, ताकि उन्हें झुककर चलना पड़े, विनम्रता का पालन करना पड़े। पेटुओं को भूखे-प्यासे ऊपर जाना पड़ता है, ताकि वे भूख-प्यास की भयंकर वेदना को झेल सकें। कामासक्त लोगों को आग की लपटों को पार करना पड़ता है, ताकि वे अपनी वासनाओं से निजात पा सकें।' लैंग्डन रुका। 'लेकिन आपको इस पर्वत को पार करने और अपने पापों का प्रायश्चित करने के पहले आपको इस व्यक्ति से बात करनी होती है।'

लैंग्डन ने स्लाइडों को आगे बढ़ाया। अब सामने मिशेलिनो की पेंटिंग का क्लोज-अप दिखाई दे रहा था, जिसमें माउंट पर्गेटरी की तलहटी में सिंहासन पर बैठे फरिश्ते को दिखाया गया था। फरिश्ते के पाँव के पास अपने पापों के लिए शर्मिंदा लोग पहाड़ पर ऊपर चढ़ने की इजाज़त पाने के लिए इंतज़ार करते दिखाई दे रहे थे। आश्चर्य की बात थी कि फरिश्ते के हाथ में एक लंबी तलवार थी। ऐसा लग रहा था जैसे तलवार की नोक उसके सामने बैठे पहले व्यक्ति के चेहरे में घुसी हुई थी।

'किसे पता कि आख़िर यह फरिश्ता क्या कर रहा है?' लैंग्डन ने कहा।

'किसी के सिर में तलवार भोंक रहा है?' एक व्यक्ति ने हिम्मत जुटाकर कहा।

'नहीं।'

दूसरे व्यक्ति ने कहा, 'किसी की आँख में तलवार घुसेड़ी जा रही है?'

लैंग्डन ने अपना सिर हिलाया। 'कोई और?'

पीछे से किसी ने दृढ़ स्वर में कहा। 'उसके कपाल पर कुछ लिखा जा रहा है।'

लैंग्डन मुस्कराया। 'ऐसा लगता है कि पीछे किसी आदमी को दांते के बारे में जानकारी है।' उसने दोबारा पेंटिंग की ओर इशारा किया। 'मैं जानता हूँ कि देखने से ऐसा लगता है जैसे फरिश्ते उस बेचारे के माथे में तलवार भोंक रहा है, लेकिन दरअसल ऐसा है नहीं। दांते ने लिखा है कि, जो फरिश्ता पर्गेटरी की पहरेदारी करता है वह अपनी तलवार की नोक से वहाँ

आने वाले लोगों के माथे पर अंदर घुसने के पहले कुछ लिखता है। 'आप पूछ सकते हैं कि आख़िर वह क्या लिखता है?'

लैंग्डन अपनी बात को प्रभावी बनाने के लिए रुका। 'आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि वह केवल एक अक्षर लिखता है. . .जिसे वह सात बार दोहराता है। किसी को पता है कि वह अक्षर क्या है, जो फरिश्ता वहाँ आने वाले लोगों के कपाल पर सात बार लिखता है?'

'पी' भीड़ के बीच से किसी की आवाज़ आई।

लैंग्डन मुस्कराया। 'हाँ। यह अक्षर है पी। इसका मतलब होता है पेकाटम–पाप के लिए लैटिन शब्द और इसे सात बार लिखने का मतलब है मनुष्यों के सात महापाप–सेप्टम पेकाटा मोर्टालिया. . .

'मनुष्यों के सात महापाप।' भीड़ के बीच से किसी ने चिल्लाकर कहा।

'बिलकुल सही और इसीलिए पर्गेटरी के सात वलयों से होते हुए ऊपर जाकर ही आप अपने पापों का प्रायश्चित कर सकते हैं। आप जब एक वलय का स्तर पार करते हैं तो फरिश्ता आकर आपके माथे पर लिखा एक पी मिटा देता है। अंत में जब आप सातवें वलय पर पहुँचते हैं तब तक आपके माथे पर लिखे सातों पी मिट जाते हैं. . .और आपका हृदय पाप-मुक्त हो जाता है।' उसने कनखी मारी। 'इस स्थान को पर्गेटरी कहने की आख़िर कोई वजह है।'

लैंग्डन जब अपने ख्यालों से वापस आया तो उसने सिएना को अपनी ओर घूरते हुए पाया। वे लोग उस समय बपतिस्मा वाले झरने के पास खड़े थे। 'सात पी' उसने लैंग्डन को वर्तमान में वापस लाते हुए और दांते के डेथ मास्क की ओर इशारा करते हुए कहा। 'आपके अनुसार एक तरह का संदेश है? यह हमें बताता है कि आगे हमें क्या करना होगा?'

लैंग्डन ने जल्दी-जल्दी माउंट पर्गेटरी के बारे में दांते के विचारों से सिएना को अवगत कराया, जिसके अनुसार सात पी सात महापापों का निरूपण करते हैं। उसने माथे से इन चिह्नों को हटाने के बारे में भी उसे समझाया।

'ज़ाहिर है,' लैंग्डन ने निष्कर्ष के तौर पर कहा। 'बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट दांते को पागलपन की हद तक चाहने वाला व्यक्ति था। वह इन सात पी के निहितार्थ को अवश्य समझता होगा। उसे यह भी पता होगा कि माथे से इन सात पी को हटाने का मतलब होता है स्वर्ग की ओर बढ़ना।'

सिएना को यह बात नहीं जंच रही थी। 'आपको लगता है कि जोब्रिस्ट ने इन सात पी को मुखौटे पर इसलिए लिखा, क्योंकि वह चाहता था कि हम ..अक्षरशः इन्हें उनके डेथ-मास्क से पूरी तरह मिटा दें। आपको लगता है कि हमें यही करना चाहिए?'

'मुझे लगता है कि हमें यही..'

'रॉबर्ट, अगर हम इन अक्षरों को उनके माथे से हटा भी दें तो इससे हमें क्या फायदा

मिलने वाला है? इसके बाद हमें पूरी तरह से सादा मुखौटा मिलेगा, बस?'

'हो सकता है ऐसा ही हो,' लैंग्डन ने आशा भरी मुस्कान बिखेरते हुए कहा। 'और हो सकता है ऐसा नहीं भी हो। मुझे लगता है कि इसके अंदर कुछ ऐसी बातें छिपी हैं जिन्हें हम पूरी तरह समझ नहीं पा रहे।' उसने मुखौटे की तरफ इशारा किया। 'याद करो मैंने तुम्हें कहा था कि मुखौटे का पिछला हिस्सा अगले हिस्से की तुलना में अधिक सादा दिखाई दे रहा है जिसकी वजह है कि ये दोनों अलग-अलग गति से पुराना पड़ रहे हैं।'

'हाँ।'

'हो सकता है मैंने गलत सोचा हो।' लैंग्डन ने कहा। 'इनके रंगों में इतना अधिक अंतर अलग-अलग गति से पुराना पड़ना नहीं लगता। पिछले हिस्से को छूने से दाँत जैसी बनावट का अहसास भी होता है।'

'दाँत जैसी बनावट?'

लैंग्डन ने सिएना को दिखाया कि पिछले हिस्से की सतह सामने की तुलना में काफी रुखड़ी थी और काफी उबड़ खाबड़ भी जैसे सरेस कागज़। 'कला की दुनिया में, इस रुखड़ी सतह को दाँत कहा जाता है। इस तरह की सतहों पर रंग करना कलाकारों को पसंद आता है, क्योंकि रंग इसमें बेहतर ढंग से चिपक जाते हैं।'

'मुझे आपकी बात पल्ले नहीं पड़ रही।'

लैंग्डन मुस्कराया। 'क्या तुम गैस्सो के बारे में जानती हो?'

'हाँ, बिलकुल। पेंटर इसका इस्तेमाल कैनवस को पेंटिंग को तैयार करने के लिए करते हैं।' यह बोलते बोलते वह रुक गई। उसे लगा जैसे लैंग्डन की बात में दम था।

'बिलकुल सही।' लैंग्डन ने कहा। 'चित्रकार गैस्सो का इस्तेमाल एक साफ सुथरी, सफेद व रुखड़ी सतह बनाने के लिए करते हैं। कभी कभार वे इसका इस्तेमाल कैनवस पर बनी पुरानी पेंटिंग को साफ कर उसके ऊपर नई पेंटिंग बनाने के लिए भी किया करते हैं।'

यह सुनकर सिएना उत्साहित हो गई। 'यानी आपको लगता है कि जोब्रिस्ट ने मौत के मुखौटे के पिछले हिस्से में गैस्सो तकनीक का इस्तेमाल कर इसे ढक दिया था?'

'हाँ, इससे दाँत और हल्के रंग की व्याख्या हो जाती है। इससे शायद हम यह भी समझ सकते हैं कि वह हमें सातों पी को मिटाने क्यों कह रहा था।'

सिएना को यह बात समझ में नहीं आ रही थी।

'इसे सूंघो।' लैंग्डन मुखौटे को अपने मुँह के पास ले आया, जैसे पादरी कम्यूनियन के समय करता है।

सिएना का मुँह टेढ़ा हो गया। 'गैस्सो तो जैसे भीगे कुत्ते की तरह बदबू कर रहा है।'

'सभी गैस्सो के साथ ऐसा नहीं होता। साधारण गैस्सो की गंध चॉक की तरह होती है। भींगे कुत्ते वाली बदबू एक्रिलिक गैस्सो से आती है।'

'यानी. . .'

'यानी यह पानी में घुलनशील होता है।'

सिएना ने अपना सिर टेढ़ा किया। लैंग्डन ने महसूस किया कि फर्क आना शुरू हो चुका है। उसने धीरे-से अपनी नज़र मुखौटे की ओर घुमाई और फिर लैंग्डन की ओर। उसकी आँखें जैसे पसरी हुई थी। 'आपको ऐसा लगता है कि गैस्सो के अंदर कुछ है?'

'इससे बहुत सारी चीज़ों की व्याख्या की जा सकती है।'

सिएना ने झपट कर फव्वारे के बने लकड़ी के षटकोणीय ढक्कन को उठा लिया और इसे आधा खोल दिया। अब नीचे का पानी दिखाई दे रहा था। उसने तेज़ी से एक नया तौलिया उठाया और उसे बपतिस्मा वाले पानी में डुबो दिया। पानी रिसते हुए तौलिए को उसने लैंग्डन की ओर बढ़ा दिया। 'आपको यह करना चाहिए।'

लैंग्डन ने मुखौटे को अपनी बाई हथेली में रख दिया। मुखौटे का चेहरा नीचे की तरफ था। उसने रिसते हुए तौलिए को झटककर इसका पानी कम कर दिया। वह भींगे हुए कपड़े से दांते के कपाल के भीतरी हिस्से को उस स्थान पर पोछना शुरू कर दिया, जहाँ पर कैलिग्राफी शैली में सात पी लिखे थे। कई बार अपनी बीच वाली उंगली से इसे पोछने के बाद उसने तौलिए को फव्वारे के पानी में फिर से डुबोया और दोबारा पोछने लगा। काली रोशनाई घुलकर चारों तरफ बिखरने लगी।

'गैस्सो अब पानी में धीरे-धीरे घुल रहा है।' उसने उत्साहित स्वर में कहा। 'रोशनाई का रंग उतर रहा है।'

उसने यह प्रक्रिया तीसरी बार दोहराई। लैंग्डन अपने आप से बड़े ही पवित्र और गंभीर स्वर में बात करने लगा। बपतिस्मा स्थल पर उसकी आवाज़ गूँज रही थी। 'बपतिस्मा के द्वारा परमेश्वर ईसा मसीह ने तुम्हें पापों से मुक्त कर दिया है और इस पवित्र जल और पवित्र आत्मा के द्वारा तुम्हें एक नया जीवन दिया है।'

सिएना लैंग्डन की ओर इस तरह देख रही थी मानो उसका दिमाग खराब हो गया हो।

उसने कंधे उचकाए। 'मुझे यह करना ठीक लगा।'

सिएना ने अपनी आँखें गोल गोल घुमाई और फिर मुखौटे को देखने लगी। लैंग्डन अब भी इस पर पानी डाल रहा था। अब गैस्सो के नीचे लगा मूल प्लास्टर दिखाई देने लगा था। अब यह उसी तरह पीला लग रहा था जैसा कि लैंग्डन इतनी पुरानी कलाकृति के लिए उम्मीद करता था। जब अंतिम पी का दिखना बंद हो गया तो लैंग्डन ने मुखौटे के उस स्थान को साफ तौलिए से पोंछ कर उसे सिएना को दिखाने के लिए ऊपर उठाया।

उसके साँस जैसे अटकी की अटकी रह गई।

जैसा कि लैंग्डन ने सोचा था, गैस्सो के भीतर सचमुच कुछ छुपा था–कैलिग्राफी शैली में लिखावट की एक दूसरी सतह। मूल प्लास्टर के हल्के पीले सतह पर नौ अक्षर लिखे थे।

लेकिन इस बार इन अक्षरों से मिलकर एक शब्द बन रहा था।

58

'पोसेस्ड?' सिएना ने सवाल किया। 'मेरी समझ में नहीं आ रहा।'

मैं भी इसे ठीक से नहीं समझ पा रहा। लैंग्डन ने वहाँ लिखे शब्द को पढ़ा, जो पहले से लिखे सात पी के नीचे छिपा था। दांते के माथे पर एक छोर से दूसरे छोर तक लिखा एक शब्द।

पोसेस्ड।

'जैसे कि. . .शैतान की परछाई से ग्रस्त?' सिएना ने पूछा।

शायद। लैंग्डन ने ऊपर मोजैक ऑफ़ सेटन की तरफ अपनी नज़रें उठाई, जहाँ वह उन लोगों को खाता हुआ दिखाई दे रहा था, जो कभी अपने आपको पापों से मुक्त नहीं कर पाए थे। दांते. . .*शैतान की परछाई?* इसका तो कोई मतलब ही समझ में नहीं आ रहा था।

'इसमें और भी कुछ ज़रूर होगा,' सिएना लैंग्डन के साथ से मुखौटा लेकर इसे गौर से देखने लगी। कुछ ही क्षण बाद वह अपना सिर हिलाने लगी। 'ठीक है, इस शब्द के आख़िरी हिस्से को देखो. . .इसके दोनों तरफ कुछ और भी लिखा है।'

लैंग्डन दोबारा इसे देखने लगा। उसे गीले गैस्सो के भीतर से पोसेस्ड के दोनों ओर कुछ और शब्द दिखाई दे रहे थे।

सिएना ने उत्सुकतापूर्वक कपड़ा अपने हाथों में ले लिया और उस शब्द के दोनों तरफ पोछने लगी। हल्की तिरछी आकृति में एक वाक्य उभर रहा था–

हे तीव्र बुद्धि वाले!

लैंग्डन हौले-हौले सीटी बजाने लगा। *'हे तीव्र बुद्धि वाले...यहाँ की शिक्षाओं को ध्यान से देखो....इतने अस्पष्ट छंदों के पर्दे के नीचे।'*

सिएना उसे घूर रही थी। 'मैं समझी नहीं?'

'यह दांते के *इन्फर्नो* के एक मशहूर स्टान्जा से लिया गया वाक्य है।' लैंग्डन ने उत्तेजित होकर कहा। 'इसमें दांते अपने शिष्यों से इन कूट शब्दों के भीतर छिपे ज्ञान को हासिल करने कह रहे हैं।'

साहित्यिक संकेतविज्ञान पढ़ाते हुए लैंग्डन हमेशा पूरी की पूरी पंक्ति उद्धृत करता था। यह पंक्ति करीब करीब वैसी ही थी जैसे कि कोई लेखक ज़ोर-ज़ोर से अपने दोनों हाथ हिलाकर कह रहा हो, 'अरे पाठकों, इस पंक्ति में प्रतीकात्मक दो अर्थ छिपे हैं।'

सिएना मुखौटे के पिछले हिस्से को अब और भी ज़ोर-ज़ोर से रगड़ने लगी।

'सावधानी से।' लैंग्डन ने उसे आगाह किया।

'आप ठीक कह रहे हैं।' सिएना ने कहा। वह अब भी जोश से भरकर गैस्सो को रगड़ रही

थी। 'दांते के उद्धरण का बाकी हिस्सा भी यहीं है, ठीक वही, जो अभी आपने कहा था।' वह रुकी और दोबारा उसने तौलिए को पानी में भिगोकर निचोड़ दिया।

लैंग्डन दुखी होकर यह देख रहा था। उसके सामने बपतिस्मा वाले फव्वारे का पानी घुले हुए गैस्सो की वजह से मटमैला दिखाई दे रहा था। *सैन जिओवानी से माफी माँग लूँगा,* उसने मन-ही-मन सोचा। उसे अच्छा नहीं लग रहा था कि इस पवित्र फव्वारे का इस्तेमाल सिंक की तरह किया जा रहा था।

सिएना ने जब कपड़े को पानी से बाहर निकाला तो इससे बूंदें नीचे गिर रही थी। उसने इसे बहुत थोड़ा-सा निचोड़ कर भींगे हुए तौलिए को मुखौटे के बीचो बीच रख दिया। वह गीले कपड़े को दोनों तरफ इस तरह घुमाने लगी जैसे वह सूप की कटोरी को साफ कर रही हो।

'सिएना,' लैंग्डन ने उसे डाँटकर कहा। 'यह एक प्राचीन. . .'

'इसके पूरे पिछले हिस्से में कुछ लिखा है,' उसने मुखौटे के भीतरी हिस्से में झाँकते हुए घोषणा की। 'और यह . . .' वह बोलते बोलते रुक गई। उसने अपना सिर हल्के से बाई तरफ घुमा लिया और मुखौटे को दाहिनी तरफ। ऐसा लग रहा था जैसे वह किनारे किनारे शब्दों को पढ़ने की कोशिश कर रही थी।

'किस भाषा में लिखा है. . .' लैंग्डन ने पूछा। वह शब्दों को देख नहीं पा रहा था।

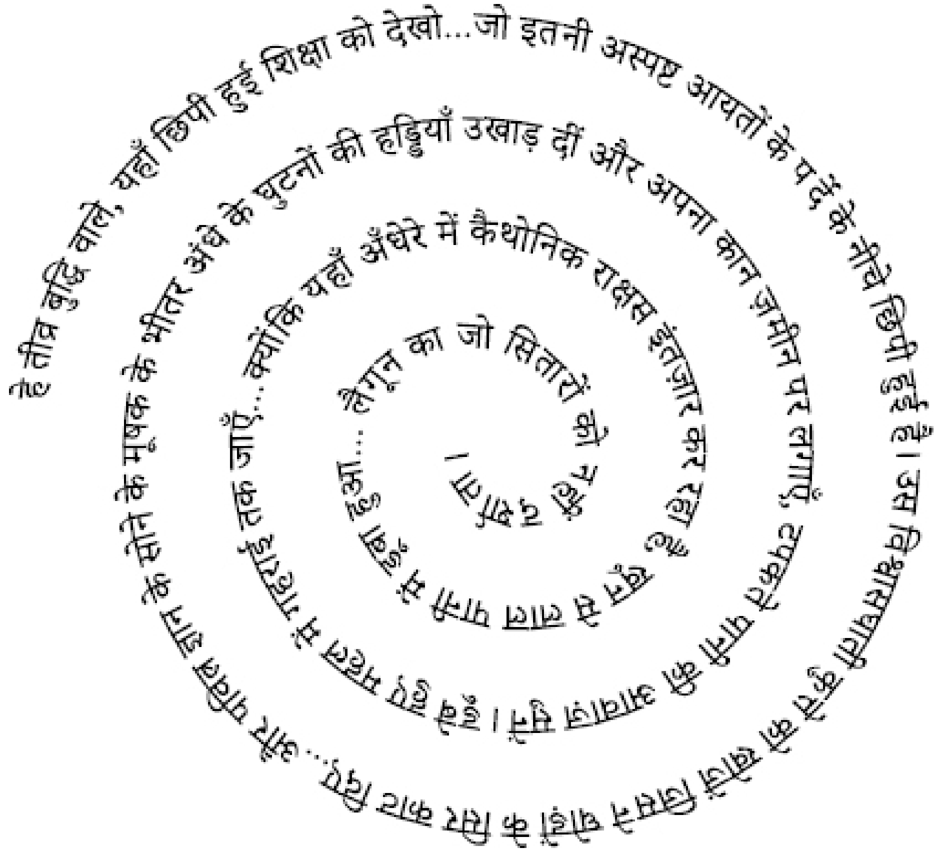
सिएना ने मुखौटे की सफाई का काम पूरा कर इसे एक साफ कपड़े से पोंछ दिया। फिर उसने इसे उसके सामने रख दिया, ताकि वे दोनों इसका अच्छी तरह से अध्ययन कर सकें।

जब लैंग्डन ने मुखौटे का भीतरी हिस्सा देखा तो उसे सहसा यकीन नहीं हुआ। मुखौटे का संपूर्ण भीतरी हिस्सा लिखावट से भरा था, कम-से-कम सौ शब्द। सबसे ऊपर *हे तीव्र बुद्धि वाले* से शुरू होकर एक ही पंक्ति में लिखे शब्द, जो मुखौटे के दाहिने हिस्से से होता हुआ इसके निचले भाग तक जा रहा था। वहाँ पहुँचकर यह थोड़े छोटे-से वलय में मुखौटे के बाई ओर इसी क्रम को दोहरा रहा था।

वहाँ लिखे शब्द जिस तरह ऊपर नीचे जा रहे थे उसके और माउंट पर्गेटरी के बीच एक डरावनी समानता दिखाई दे रही थी, जिसमें स्वर्ग की ओर जाने वाली गोल गोल सीढ़ी दिखाई गई थी। लैंग्डन के अंदर बैठे हुए संकेत-विज्ञानी ने तुरंत इस गोल गोल संरचना को पहचान लिया। घड़ी की सुई की दिशा में बना समरूप आर्किमिडियन–सिमेट्रिकल क्लॉकवाइज आर्किमीडियन। उसने यह भी देख लिया था कि पहले शब्द ओ से लेकर बीचों बीच बने अंतिम पूर्णविराम के बीच चक्करों की संख्या भी एक परिचित अंक था।

नौ।

बहुत ही धीमी साँस लेते हुए, लैंग्डन ने मुखौटे को हल्के हल्के घुमाना शुरू किया। साथ ही वह इस पर लिखे अक्षरों को भी पढ़ रहा था, जो अवतल कटोरे में भीतर इसके केंद्र के नज़दीक चला जा रहा था।



'पहला स्टांजा तो दांते से लिया गया है–शब्दशः।' लैंग्डन ने कहा। '*हे तीव्र बुद्धि वाले, यहाँ छिपी हुई शिक्षा को देखो... जो इतनी अस्पष्ट आयतों के पर्दे के नीचे छिपी हुई है।*'

'और बाकी?' सिएना ने ज़ोर देकर पूछा।

लैंग्डन ने अपना सिर हिलाया। 'मुझे ऐसा नहीं लगता। इसे उसी तरह की काव्यात्मक शैली में लिखा गया है, लेकिन मुझे याद नहीं आता कि यह दांते की किसी रचना से उद्धृत है। ऐसा लगता है कि कोई उनकी शैली की नकल कर रहा हो।'

'जोब्रिस्ट।' सिएना ने फुसफुसाकर कहा। 'ये वही हो सकता है।'

लैंग्डन ने सहमति में सिर हिलाया। कोई भी बस अनुमान ही लगा सकता था। आख़िरकार जोब्रिस्ट ने बोटीचेली के माप्पा डेल *इन्फर्नो* को बदलकर यह साफ कर दिया था कि वह माहिर लोगों के साथ मिलकर अपनी ज़रूरतों के मुताबिक कला के महान रचनाओं को बदल सकता था।

'इस लिखावट का बाकी हिस्सा तो बिलकुल अजीब है।' लैंग्डन ने मुखौटे को घुमाते हुए कहा। अब वह उसके भीतरी हिस्से की लिखावट को पढ़ने की कोशिश कर रहा था। 'इसमें घोड़ों के सिर को अलग करना. . .अंधों के शरीर से हड्डियाँ बाहर निकालना आदि के बारे में लिखा है।' वह बीच की पंक्तियाँ छोड़कर अगली पंक्ति पर चला गया, जो मुखौटे के ठीक

बीच में था। इसमें गोल घेरे के अंदर आपस में सटा सटा कर लिखा हुआ था। उसने घबराहट से भरकर गहरी साँस ली। 'इसमें 'खून के रंग वाले पानी' की बात भी लिखी हुई है–रक्तिम जल।'

सिएना की भौहें टेढ़ी हो गई। '*ठीक उसी सफेद बालों वाली औरत की तरह जिसे तुम अपने सपनों में देखती हो।*'

लैंग्डन ने सिर हिलाया। वह लिखावट को समझने की कोशिश कर रहा था। लैगून का रक्तिम जल. . .जिसमें किसी तारे की छवि नहीं दिखाई देती?

'देखिए।' उसने फुसफुसाकर कहा। वह सिर घुमाकर पीछे देख रही थी, जहाँ पोर्टल के बीच वाली कुंडली में केवल एक अक्षर लिखा हुआ था। 'एक सुनिश्चित स्थान।'

इस बार लैंग्डन की नज़र उस शब्द पर पड़ी जिसे उसने पहली बार नहीं पढ़ा था। यह दुनिया के सबसे ख़ूबसूरत और अनूठे शहरों में गिने जाने वाले स्थान का नाम था। लैंग्डन के शरीर में झुरझुरी फैल गई। वह जानता था कि इसी शहर में दांते अलीगेरी को वह जानलेवा और मशहूर बीमारी हुई थी, जिसकी वजह से आख़िरकार उसकी मौत हो गई।

वेनिस।

लैंग्डन और सिएना उस संकेतात्मक काव्यांश को काफी देर तक चुपचाप देखते रहे। कविता अजीब और डरावनी थी। उसका अर्थ भी दुरूह था। इस कविता में डोज और लगून शब्द का प्रयोग किया गया था जिस से लैंग्डन समझ गया कि इसमें वेनिस की ही बात की गई है। वेनिस यानी कि पानी की दुनिया वाला शहर, जो एक-दूसरे से जुड़े सैकड़ों लैगूनों से बना था। वेनिस यानी वह शहर, जिसके राजा को डोज नाम से जाना जाता था।

पहली नज़र में लैंग्डन ये नहीं समझ सका कि आख़िर वेनिस के अंदर किस जगह के बारे में वहाँ इशारा किया जा रहा था, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि यह पाठकों को उस दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह ज़रूर कर रहा था।

अपने कानों को ज़मीन पर सटाकर धीमे धीमे बहते पानी की आवाज़ सुनो . . .

'इसमें ज़मीन के भीतर किसी स्थान के बारे में कहा जा रहा है,' सिएना ने उसके साथ इसे पढ़ते हुए कहा।

लैंग्डन ने असहज ढंग से अपना सिर हिलाया और आगे की पंक्ति पढ़ने लगा।

ज़मीन के अंदर धंसी जगह में आगे बढ़ते जाओ. . .क्योंकि यहीं अंधेरे के भीतर, इंतज़ार करता है थोनिक राक्षस।

'रॉबर्ट' सिएना ने परेशान होकर पूछा। 'किस तरह का राक्षस?'

'थोनिक।' लैंग्डन ने जवाब दिया। 'इसमें *क* की ध्वनि अवरुद्ध है। इसका अर्थ होता है ज़मीन के भीतर रहने वाला।'

लैंग्डन इसके आगे कुछ कह पाता उसके पहले ही बपतिस्मा वाले भवन के अंदर से धम्म

जैसी आवाज़ गूँज उठी। सैलानियों के प्रवेश करने के दरवाज़े की सांकल बाहर से खोल दी गई थी।

'आपका लाख लाख शुक्रिया,' चेहरे पर उभरे चकत्ते वाले आदमी ने कहा।

बपतिस्मा भवन में पर्यटकों की सहायता करने वाले गाइड, डोसेंट, अपनी जेब में 500 डॉलर का नोट रखते हुए घबराया हुआ इधर-उधर झाँक रहा था कि उसे कोई देख तो नहीं रहा।

'पाँच मिनट।' गाइड ने याद दिलाया। उसने दरवाज़े को सावधानी से इतना भर खोला कि चकत्ते वाला आदमी अंदर घुस पाए। गाइड ने दरवाज़े को बंद कर दिया और उस आदमी को अंदर बंद कर दिया। बाहर से अब कोई आवाज़ अंदर नहीं जा रही थी। *पाँच मिनट।*

शुरुआत में गाइड उस आदमी की बातों से प्रभावित नहीं हुआ था, जो कह रहा था कि वह अमेरिका से सैन जिओवानी के बपतिस्मा स्थल पर अपने इस भयंकर चर्मरोग से मुक्ति पाने के लिए प्रार्थना करने आया था, लेकिन आख़िरकार वह उससे सहानुभूति के लिए सहमत हो गया। हाँ, पाँच सौ डॉलर ने बेशक बपतिस्मा स्थल के भीतर अकेले पाँच मिनट बिताने के आग्रह के प्रति सहमति हासिल करने में उसकी सहायता की थी। साथ ही उसे इस बात का भी डर था कि छुआछूत की बीमारी से ग्रस्त दिखने वाला वह व्यक्ति अगले तीन घंटे तक उसकी बगल में खड़ा रहता जब तक उस इमारत के दरवाज़े खुलने का समय नहीं होता।

अब वह आदमी दबे पाँव अष्टभुजाकार पनाहगाह में आगे बढ़ रहा था। तभी उसकी नज़र स्वतः ऊपर की ओर गई। हे भगवान। ऐसी छत तो उसने अपनी ज़िंदगी में पहले कभी नहीं देखी थी। तीन सिर वाला राक्षस ऊपर से उसकी ओर घूर रहा था। उसने जल्दी से अपनी नज़रें फर्श की ओर फेर ली।

वह जगह निर्जन लग रही थी।

आख़िर वे लोग कहाँ हैं?

वह उस कमरे का मुआयना करने लगा। उसकी नज़र मुख्य ऑल्टर पर पड़ी, जो संगमरमर के विशाल, चौकोर पत्थर का बना था जिसे एक गड्ढे में फँसा कर रखा गया था। इसके पीछे दर्शकों को दूर रखने के लिए पर्दा लगा हुआ था।

पूरे कमरे में ऑल्टर ही छिपने की जगह लग रही थी और पर्दे का एक किनारे में हल्की-सी हलचल जैसी भी दिखाई दे रही थी. . .मानो अभी-अभी किसी ने इसे हिलाया हो।

ऑल्टर के पीछे लैंग्डन और सिएना चुपचाप झुककर खड़े थे। उनके पास गंदे तौलियों को समेटने और फव्वारे के ढक्कन को ठीक से बंद कर मौत के मुखौटे को लेकर भागने के लिए मुश्किल से समय बचा था। उनकी योजना यहाँ उस समय तक छुपे रहने की थी, जब तक वह जगह सैलानियों से पूरी तरह भर न जाता। इसके बाद वे चुपचाप सैलानियों की भीड़ में गुम हो जाते।

बपतिस्मा वाली जगह का उत्तरी दरवाज़ा बेशक किसी ने खोला था, भले ही बहुत कम समय के लिए, क्योंकि लैंग्डन को उस समय पिआत्ज़ा से आ रही आवाज़ें सुनाई दी थी, लेकिन तभी किसी ने जैसे अचानक दरवाज़ा बंद कर दिया था और आवाज़ों का सुनाई देना फिर बंद हो गया था।

अब वहाँ शांति छाई थी। लैंग्डन को पत्थर के फर्श पर चल रहे एक जोड़ी पाँव की आवाज़ सुनाई दे रही थी।

डोसेंट? शायद सैलानियों के लिए दरवाज़ा खोलने के पहले कमरे की निगरानी कर रहा हो?

उसे बपतिस्मा वाले फव्वारे के ऊपर जल रही बत्ती को बुझाने का वक़्त नहीं मिल पाया था। उसे लग रहा था कि कहीं डोसेंट की नज़र तो उस पर नहीं पड़ जाएगी, मगर ऐसा लग नहीं रहा था। पैरों की आहट तेज़ी से उनकी तरफ आती हुई लग रही थी। ऑल्टर के सामने आकर परदे के ठीक पहले वह आवाज़ अचानक बंद हो गई। अभी-अभी लैंग्डन और सिएना उसे फांद कर अंदर आए थे।

काफी लंबी चुप्पी छाई रही।

'रॉबर्ट, मैं हूँ।' किसी मर्द ने गुस्से में कहा। 'मुझे मालूम है कि तुम यहीं हो। बाहर निकलो और बताओ कि माज़रा क्या है?'

59

अ*ब, यह नाटक करने से कुछ नहीं होने वाला कि मैं यहाँ नहीं हूँ।*

लैंग्डन ने सिएना को इशारे से चुपचाप छुपे रहने को कहा, ताकि उसे कोई देख न ले। सिएना के पास दांते का डेथ-मास्क था, जो उसने फिर से जिपलॉक बैग में बंद कर लिया था।

लैंग्डन अब धीरे-धीरे अपने पैरों पर खड़ा हो गया, जैसे बपतिस्मा स्थल के पीछे पादरी खड़ा होता है। लैंग्डन अपने सामने खड़े एक आदमी की भीड़ को देखने लगा। उसके सामने एक अंजान व्यक्ति खड़ा था, जिसके खिचड़ी बाल थे। उसने डिज़ाइनर चश्मा पहन रखा था। उसके चेहरे और गले पर भयंकर चकत्ते दिखाई दे रहे थे। वह गले के चकत्ते को परेशान होकर और घबराहट में तेज़ी से कुरेद रहा था। उसकी सूजी आँखों में गुस्सा और दुविधा का भाव दिखाई दे रहा था।

'रॉबर्ट, तुम मुझे बताओगे कि भला यहाँ तुम क्या कर रहे हो?

'ज़रूर।' लैंग्डन ने विनम्रतापूर्वक जवाब दिया। 'लेकिन पहले तुम बताओ कि आख़िर तुम कौन हो?'

वह व्यक्ति सकपका कर रुक गया। उसे यकीन नहीं हो रहा था। 'क्या कहा तुमने?'

लैंग्डन को उस आदमी की आँखों में कुछ जाना पहचाना-सा लगा. . .

शायद उसकी आवाज़ भी. . .हो सकता है कि *मैं उससे कहीं मिला हूँ. . .*

शायद कभी, कैसे। लैंग्डन ने शांत भाव से फिर अपना सवाल दोहराया। 'मेहरबानी कर बताओ कि तुम कौन हो और मैं तुम्हें कैसे जानता हूँ?'

उस आदमी ने हैरान होकर अपने हाथ खड़े कर दिए। 'जोनाथन फेरिस? विश्व स्वास्थ्य संगठन? वही व्यक्ति, जो हार्वर्ड विश्वविद्यालय से तुम्हें लेकर आया था।'

लैंग्डन इस बात को समझने की कोशिश कर रहा था।

'तुम अभी तक वहाँ पहुँचे क्यों नहीं?' उस आदमी ने सवाल पूछा। वह अब भी अपने गले और गालों के चकत्ते को कुरेद रहा था। चकत्ते लाल दिख रहे थे और उनमें फोड़े उभर आए थे। 'और तुम जिस औरत के साथ अंदर आए हो वह कौन है? क्या तुम इस समय उसके लिए काम कर रहे हो?'

सिएना लैंग्डन की बगल में अब अपने पाँवों पर खड़ी हो गई। वह इस हालात का सामना करने को अब तैयार थी। 'डॉक्टर फेरिस? मैं सिएना ब्रुक्स हूँ। मैं भी डॉक्टर हूँ। मैं यहीं फ़्लोरेंस में काम करती हूँ। बीती रात प्रोफेसर लैंग्डन को किसी ने सिर में गोली मार दी। वे भूलने की बीमारी के शिकार हो गए हैं–रेट्रोग्रेड एम्नेशिया। उन्हें ये पता नहीं है कि तुम कौन

हो और पिछले दो दिनों में उनके साथ क्या हुआ है। मैं यहाँ उनकी मदद के लिए हूँ।'

सुनसान बपतिस्मा स्थल के भीतर सिएना की आवाज़ गूँज रही थी। उस आदमी ने अपना सिर टेढ़ा कर उसे देखा मानो सिएना की बात उसकी समझ में नहीं आई हो। एक पल हैरान रहने के बाद उसने लड़खड़ाते हुए कदम आगे बढ़ाया और वहाँ एक खंभे का सहारा लेकर खड़ा हो गया।

'ओह..हे भगवान।' वह बुदबुदाया। 'अब मुझे समझ में आ गया।'

लैंग्डन ने देखा कि उस व्यक्ति के चेहरे से अब गुस्से का भाव हट चुका था।

'रॉबर्ट।' नवागंतुक ने हकलाते हुए कहा। 'हमें लग रहा था कि तुम्हें. . .' उसने यह कहते हुए ज़ोर से अपना सिर हिलाया जैसे वह दिमाग के भीतर सोच को व्यवस्थित कर रहा हो। 'हमें लगा कि शायद तुमने पाला बदल लिया . . .
शायद उन लोगों ने तुम्हें खरीद लिया.. या तुम्हें धमकी दी हो. . .हमें बिलकुल पता नहीं था।'

'उन्होंने सिर्फ मुझसे बातें की हैं,' सिएना ने कहा। 'वे बस इतना जानते हैं कि पिछली रात वे मेरे अस्पताल में जब जगे तो उस समय कुछ लोग उनकी जान लेने की कोशिश कर रहे थे। उन्हें बहुत ही डरावने सपने भी आ रहे हैं–लाशें, प्लेग के शिकार लोग और सफेद बालों वाली एक औरत जिसने साँप वाली ताबीज़ पहन रखी है और इन्हें कुछ कहना चाह रही है. . .'

'एलिजाबेथ।' उसके मुँह से अचानक निकला। 'वह डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की है। रॉबर्ट, उन्होंने ही तुम्हें हमारी मदद के लिए इस काम पर रखा है।'

'अच्छा, अगर वे डॉक्टर सिंस्की हैं,' सिएना ने कहा। 'तो शायद तुम्हें पता होगा कि वे ख़तरे में हैं। हमने उन्हें सिपाहियों से भरे एक वैन की पिछली सीट पर फँसा देखा। ऐसा लग रहा था जैसे किसी ने उन्हें नशे की गोली खिला दी हो या..'

उस व्यक्ति ने आहिस्ता-आहिस्ता अपना सिर हिलाया। उसने अपनी आँखें बंद कर ली। उसकी पलकें फूली हुई और आँखें लाल लग रही थी।

'आपके चेहरे पर क्या हुआ है?' सिएना ने उससे सवाल किया।

उसने अपनी आँखें खोली। 'माफी चाहूँगा?'

'आपकी चमड़ी? ऐसा लगता है जैसे आपको कोई छूत लगी है। आप बीमार तो नहीं?'

वह आदमी यह सुनकर सन्न रह गया। बेशक सिएना का सवाल इतना सीधा था कि उसे अशिष्ट समझा जा सकता था, लेकिन लैंग्डन भी इसी के बारे में सोच रहा था। आज उसने प्लेग के बारे में जितनी बातें पढ़ी थी उसके मद्देनज़र त्वचा पर बने फोड़े को देखकर परेशान होना स्वाभाविक था।

'मैं ठीक हूँ।' उस आदमी ने कहा। 'यह सब होटल के साबुन की वजह से हुआ है। मुझे

सोया से भयंकर एलर्जी है। इटली में बने ख़ुशबूदार साबुन सोया से बने होते हैं। मैंने इसका ख़्याल नहीं किया यह मेरी बेवकूफी थी।'

सिएना ने चैन की साँस ली। उसके कंधे अब तनावमुक्त थे। 'शुक्र है कि आपने इसे खाया नहीं। छूने से होने वाली त्वचा की यह बीमारी एनफाइलैक्टिक शॉक से भी अधिक ख़तरनाक होती है।'

वे दोनों अजीब ढंग से हँसे।

'अच्छा बताइए,' सिएना ने कहा। 'क्या बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट का नाम आपने कभी सुना है?'

यह सुनते ही वह व्यक्ति सन्न रह गया। ऐसा लगा जैसे तीन सिर वाला राक्षस उसके सामने आकर खड़ा हो गया हो।

'हमें लगता है कि अभी-अभी हमें उसका संवाद मिला है। इसमें वेनिस के किसी स्थान की बात कही गई है। क्या आपको कुछ समझ में आ रहा है?'

उस आदमी की आँखों में जैसे अंगारे बरसने लगे। 'हे भगवान, हाँ। बिलकुल। उस संवाद में किस किस स्थान का उल्लेख है?'

सिएना ने गहरी साँस ली। ऐसा लगा कि वह उस व्यक्ति को गोल-गोल घेरे में लिखी कविता के बारे में सब कुछ बताने को तैयार थी जिसे उसने और लैंग्डन ने मुखौटे के ऊपर अभी-अभी ढूँढ़ा था, लेकिन तभी लैंग्डन ने उसे चुप करने के लिए उसके कंधे पर हाथ रख दिया। यह आदमी वैसे तो दोस्ताना लग रहा था, लेकिन आज के अनुभवों के बाद लैंग्डन का दिल उससे कह रहा था कि उसे किसी पर भरोसा नहीं करना चाहिए। इसके अलावा, उसके टाई को देखकर लैंग्डन को कुछ याद आ रहा था। उसे अंदाज़ा लग गया था कि यही वह आदमी था जिसे उसने दांते के छोटे चर्च में कुछ देर पहले प्रार्थना करते हुए देखा था। क्या यह व्यक्ति हमारा पीछा तो नहीं कर रहा?

'तुम्हें पता कैसे चला कि हम लोग यहाँ हैं?' लैंग्डन ने सवाल किया।

वह व्यक्ति अब भी हैरान लग रहा था कि लैंग्डन को पुरानी बातें याद नहीं आ रही थी। 'रॉबर्ट, तुमने मुझे बीती रात फोन कर बताया था कि तुमने म्यूजियम के निदेशक इग्नाजियों बुसोनी के साथ मीटिंग तय की है। फिर तुम गायब हो गए। तुम वहाँ पहुँचे ही नहीं। जब मैंने सुना कि इग्नाजियो बुसोनी को मृत पाया गया है तो मैं चिंतित हो गया। मैं सुबह से ही यहाँ तुम्हारी तलाश कर रहा हूँ। मैंने पालात्ज़ो वेखियो के बाहर पुलिस वालों की गहमागहमी देखी। जब मैं पता करने की कोशिश कर रहा था कि दरअसल मामला क्या है तो अचानक मैंने तुम्हें उस छोटे-से दरवाज़े के भीतर रेंगकर घुसते हुए . . .' वह बोलते बोलते रुक गया और उसने सिएना पर नज़र डाली। ज़ाहिर था कि वह सिएना को बिलकुल नहीं जानता था।

'सिएना' उसने बीच में टोक कर कहा, 'ब्रुक्स।'

'माफ करना. . .डॉक्टर ब्रुक्स के साथ अंदर घुसते हुए देखा। मैं तुम्हारे पीछे पीछे आ गया। मैं जानना चाहता था कि आख़िर तुम कर क्या रहे हो।'

'मैंने तुम्हें सेरची चर्च में देखा था, प्रार्थना करते हुए। है न?'

'हाँ। मैं जानने की कोशिश कर रहा था कि आख़िर तुम क्या कर रहे हो, लेकिन इसका कोई मतलब नहीं था। तुम्हें चर्च से बाहर निकलता देखकर ऐसा लगा जैसे तुम किसी ख़ास मकसद से कहीं जा रहे हो और इसलिए मैं तुम्हारे पीछे पीछे चला आया। जब मैंने तुम्हें बपतिस्मा स्थल में चुपचाप घुसते हुए देखा तो मुझे लगा कि अब तुम्हारा सामना करने का वक़्त आ गया है। मैंने डोसेंट को कुछ पैसे दिए कि वह मुझे बपतिस्मा स्थल के भीतर कुछ देर के लिए अकेला रहने दे।'

'हिम्मत का काम।' लैंग्डन ने स्वीकार किया। 'जबकि तुम्हें लग रहा था कि मैं तुम्हारे खिलाफ हो चुका हूँ।'

उस व्यक्ति ने अपना सिर हिलाया। 'कहीं न कहीं मुझे अंदर से लग रहा था कि तुम ऐसा कतई नहीं कर सकते। प्रोफेसर रॉबर्ट लैंग्डन? मुझे यकीन है कि इसकी कोई दूसरी वजह रही होगी, लेकिन विस्मृति? अविश्वसनीय। मैंने कभी इसका अनुमान भी नहीं किया होगा।'

चकत्ते वाले आदमी ने फिर से परेशान होकर खुजलाना शुरू कर दिया था। 'सुनो, मुझे केवल पाँच मिनट का वक़्त दिया गया था। हमें यहाँ से अभी बाहर निकलना होगा। अगर मैंने तुम्हें ढूँढ़ लिया तो तुम्हें मारने की कोशिश कर रहे लोग भी तुम्हें ढूँढ़ लेंगे। अभी कई ऐसी बातें हो रही हैं जिनके बारे में तुम्हें जानकारी नहीं है। हमें वेनिस जाना होगा, तुरंत। असली मामला है कि हम चुपचाप बिना किसी की नज़र पड़े फ़्लोरेंस से बाहर कैसे निकलेंगे। जिन लोगों के साथ डॉक्टर सिंस्की हैं. . .जो लोग तुम्हारा पीछा कर रहे हैं..उनकी नज़रें हर तरफ हैं।' उसने दरवाज़े की तरफ इशारा किया।

लैंग्डन अपनी बात पर अड़ा रहा। अंततः उसे लग रहा था कि अब उसके सवालों का जवाब मिलने ही वाला है। 'काली पोशाक वाले सिपाही कौन हैं? वे मुझे क्यों मारना चाहते हैं?'

'यह एक लंबी कहानी है।' उस व्यक्ति ने कहा। 'मैं तुम्हें रास्ते में बताता हूँ।'

लैंग्डन यह जवाब सुनकर थोड़ा झुंझलाया। उसे यह जवाब उतना अच्छा नहीं लगा। उसने सिएना को इशारा कर एक किनारे की तरफ आने को कहा। वह उसके साथ फुसफुसाहट में बातें करने लगा। 'क्या तुम्हें उस पर भरोसा है? तुम क्या सोच रही हो?'

सिएना ने लैंग्डन की तरफ देखा मानो उसने पागलों वाली बात की हो। 'मैं क्या सोच रही हूँ? मुझे लगता है कि वह विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ है। मुझे लगता है कि हमारे सवालों के जवाब की दृष्टि से वह सबसे सही आदमी है।'

'और उसके चकत्ते?'

सिएना ने अपने कंधे उचकाए। 'यही तो वह कह रहा है–छुआछूत से होने वाली त्वचा की बीमारी–कांटैक्ट डरमेटाइटिस।'

'और अगर यह कोई दूसरी बीमारी हो?' लैंग्डन ने धीमी आवाज़ में कहा। 'अगर वह बीमारी के बारे में झूठ बोल रहा हो?'

'दूसरी बीमारी?' उसने उसकी ओर अविश्वास से भरकर देखा। 'रॉबर्ट, उसे प्लेग नहीं है, अगर आपके मन में प्लेग वाली बात हो। वह आख़िर एक डॉक्टर है। अगर उसे पता होता कि उसे छुआछूत की यह भयानक बीमारी है तो वह दूसरों को इस बीमारी की चपेट में लाने के लिए इस तरह से खुले में नहीं घूमता।'

'और अगर उसे पता ही नहीं हो कि उसे प्लेग है तो?'

सिएना ने अपने होंठ गोल किए और पल-भर के लिए सोचने लगी। 'तो मुझे लगता है कि. . .यहाँ मौजूद बाकी लोगों के साथ ही..आप और मैं गए काम से।'

'देखो, रोगी के बिस्तरे के पास जिस तरह का काम तुमने सीखा है उसका इस्तेमाल तुम कर सकती हो।'

'मैं तो बस ईमानदारी से अपनी बात कह रही थी।' यह कहते हुए सिएना ने अपने हाथ में पकड़ा जिपलॉक बैग लैंग्डन को थमा दिया, जिसमें मौत का मुखौटा रखा हुआ था। 'अपने छोटे-से दोस्त को आप साथ रखिए।

जब वे दोनों डॉक्टर फेरिस के पास पहुँचे तो वह किसी को धीमी आवाज़ में फोन कर रहा था।

'मैंने अपने ड्राइवर को फोन किया है।' उस व्यक्ति ने कहा। 'वह सामने मिलेगा. . .' यह बोलते बोलते डॉक्टर फेरिस चुप हो गए। उनकी नज़र लैंग्डन के हाथ पर पड़ी, जहाँ उसने पहली बार दांते अलीगेरी के मृत चेहरे को पहली बार देखा।

'हे भगवान।' फेरिस ने डरते हुए कहा। 'भला ये क्या है?'

'यह एक लंबी कहानी है।' लैंग्डन ने जवाब दिया। 'रास्ते में बतलाता हूँ।'

60

घर के अंदर बने दफ्तर में टेलीफोन की घंटी सुनकर न्यूयॉर्क के संपादक जोनास फॉकमैन की नींद खुल गई। बिस्तर पर करवट लेते हुए उसने घड़ी पर नज़र डाली। सुबह के 4:28 बज रहे थे।

पुस्तक प्रकाशन की दुनिया में देर रात की इमरजेंसी वाली बात उतनी ही दुर्लभ होती थी जितनी की रातों रात मिलने वाली सफलता। संपादक परेशान होकर उठा और तेज़ी से अपने दफ्तर के सामने वाले हॉल में पहुँच गया।

'हेलो।' फोन से किसी की गंभीर आवाज़ सुनाई दे रही थी। परिचित आवाज़। 'जोनास, ऊपर वाले का शुक्र है कि तुम घर पर हो। मैं रॉबर्ट बोल रहा हूँ। तुम्हें मैंने नींद से तो नहीं जगा दिया।'

'बिलकुल, तुमने मुझे नींद से जगा दिया। अभी सुबह के चार बज रहे हैं।'

'ओह, माफ करना। मैं किसी दूसरे देश में हूँ।'

हार्वर्ड में क्या टाइम-जोन के बारे में नहीं बताते?

'मैं थोड़ी मुश्किल में हूँ, जोनास और मुझे तुम्हारी सहायता चाहिए।' लैंग्डन की आवाज़ में तनाव लग रहा था। 'मुझे तुम्हारे कॉरपोरेट नेटजेट्स कार्ड की ज़रूरत थी।'

'नेटजेट्स?' फॉकमैन ज़ोर से हँसा मानो इस बात पर उसे यकीन नहीं हो रहा हो। 'रॉबर्ट, हम लोग पुस्तक प्रकाशन व्यवसाय में हैं। हमें प्राइवेट जेट उपलब्ध नहीं होते।'

'हम दोनों को पता है कि तुम झूठ बोल रहे हो, दोस्त।'

फॉकमैन ने गहरी साँस ली। 'चलो, मैं इसे दूसरी तरह से कहता हूँ। हमारे पास धार्मिक इतिहास पर किताबें लिखने वाले लेखकों के लिए प्राइवेट जेट उपलब्ध नहीं होता। अगर तुम *फिफ्टी शेड्स ऑफ़ आइकनोग्राफी* जैसी किताब लिखना चाहते हो हम आगे बात कर सकते हैं।'

'जोनास, फ़्लाइट में चाहे, जो खर्च हो, मैं तुम्हें वापस कर दूँगा। मेरा वादा है। क्या मैंने कभी अपना वादा तोड़ा है?'

हाँ, *पिछली डेडलाइन को तीन साल बीत चुके, इसके अलावा तो कभी नहीं।* फिर भी फॉकमैन को लैंग्डन की आवाज़ से समझ में आ गया कि कोई गंभीर समस्या है। 'मुझे बताओ कि मामला क्या है। फिर मैं मदद करने की कोशिश करूँगा।'

'मेरे पास बताने का वक़्त नहीं है, लेकिन मुझे तुम्हारी मदद की ज़रूरत है। मेरे लिए यह ज़िंदगी और मौत का सवाल है।'

फॉकमैन ने लैंग्डन के साथ काफी दिनों तक काम किया था। वह उसके शुष्क मज़ाकिया

लहज़े से बखूबी परिचित था, लेकिन इस वक़्त लैंग्डन की बात में उसे हँसी-मज़ाक वाली बात नहीं नज़र आ रही थी। वह मुश्किल में लग रहा था। *यह आदमी काफी परेशान लग रहा है।* फॉकमैन ने गहरी साँस छोड़ी। उसने मन बना लिया। मेरा फाइनेंस मैनेजर मेरी जान ले लेगा। तीस सेकंड बाद फॉकनर ने लैंग्डन के फ़्लाइट के बारे में सारी जानकारी कागज़ पर नोट कर ली थी।

'सब ठीक तो है?' लैंग्डन ने संपादक की हिचकिचाहट और फ़्लाइट के बारे में उसके आग्रह को सुनकर हैरानी का अंदाज़ा लगाते हुए पूछा।

'हाँ, मुझे लगा कि तुम अमेरिका में हो।' फॉकनर ने कहा। 'मुझे जानकर हैरानी हो रही है कि तुम इटली में हो।'

'तुम और मैं दोनों।' लैंग्डन ने कहा। 'फिर से शुक्रिया, जोनास। मैं अब एयरपोर्ट के लिए निकल रहा हूँ।'

नेटजेट्स का ऑपरेशंस सेंटर, ओहायो के कोलंबस में स्थित है। उनकी फ़्लाइट सपोर्ट टीम चौबीसों घंटे उपलब्ध होती है।

अभी-अभी ओनर सर्विसेज के प्रतिनिधि डेब कीएर के पास न्यूयॉर्क से किसी कॉरपोरेट अंशधारक का फोन आया था। 'एक मिनट सर,' उसने अपने हेडसेट ठीक करते हुए अपने टर्मिनल पर टाइप करना शुरू कर दिया। 'तकनीकी ढंग से यह नेटजेट्स की यूरोप वाली फ़्लाइट मानी जाएगी, लेकिन मैं आपकी सहायता कर सकती हूँ।' उसने तुरंत नेटजेट्स के यूरोपीय सिस्टम से संपर्क साधा, जो पुर्तगाल के पैको डे आर्कोस में अवस्थित था। उसने पता लगाया कि इस वक़्त इटली के आसपास उनके कौन से जेट खड़े थे।

'ओके सर।' उस लड़की ने कहा। 'ऐसा लगता है कि मोनाको में एक साइटेशन एक्सेल खड़ा है जिसे हम एक घंटे के अंदर फ़्लोरेंस भेज सकते हैं। क्या मिस्टर लैंग्डन के लिए इतना काफी होगा?'

'शायद, उनका काम चल जाए।' प्रकाशन संस्थान के व्यक्ति ने जवाब दिया। वह थका हुआ और चिड़चिड़ा-सा लग रहा था। 'शुक्रिया।'

'यह हमारा काम है, सर।' डेब ने कहा। 'मिस्टर लैंग्डन क्या जिनेवा जाना चाहते हैं?'

'शायद।'

डेब ने टाइप करना जारी रखा। 'काम पूरा।' उसने अंततः कहा। 'मिस्टर लैंग्डन की फ़्लाइट लुक्का के टैसिग्नानो एफबीओ से पक्की हो गई है। यह जगह फ़्लोरेंस से करीब पचास मील पश्चिम दिशा में है। वे स्थानीय समय के अनुसार ग्यारह बजकर बीस मिनट पर वहाँ से

निकलेंगे। उन्हें एफबीओ जहाज़ चलने के दस मिनट पहले पहुँचना होगा। आपने जहाज़ तक पहुँचने के लिए किसी गाड़ी के बारे में नहीं कहा है। खाना भी नहीं। आपने मुझे उनके पासपोर्ट की जानकारी दी है। अब हम तैयार हैं। आपको और किसी तरह की सहायता चाहिए?'

'कोई नया काम?' उसने हँसते हुए कहा। 'शुक्रिया, आपने मेरी काफी मदद की।'

'शुक्रिया। आपने हमें सेवा का अवसर दिया। आपकी फ़्लाइट सुखद हो।' डेब फोन रखकर रिजर्वेशन को पूरा करने के लिए अपने स्क्रीन की ओर मुड़ी। उसने रॉबर्ट लैंग्डन के पासपोर्ट की जानकारी कंप्यूटर में टाइप की। वह आगे बढ़ने ही वाली थी कि उसके स्क्रीन पर लाल रंग का अलर्ट बॉक्स चमकने लगा। डेब ने वहाँ लिखा मैसेज पढ़ा। उसकी आँखें आश्चर्य से फैल गई।

ज़रूर कोई गलती हो रही है।

उसने दोबारा लैंग्डन के पासपोर्ट की सूचना स्क्रीन पर टाइप की। दोबारा अलर्ट बॉक्स टिमटिमाने लगा। लैंग्डन ने भले ही दुनिया की किसी फ़्लाइट को बुक करने की कोशिश की होती, वहाँ भी यही अलर्ट बॉक्स चमक रहा होता।

डेब किएर को काफी देर तक यकीन नहीं हुआ। उसे पता था कि नेटजेट्स अपने ग्राहकों की निजी सूचनाओं की रक्षा बड़ी तत्परता से करता था, लेकिन यह एलर्ट व्यक्तिगत सूचनाओं की सुरक्षा के बारे में उसके कॉर्पोरेट नियमों को धत्ता बता रहा था।

डेब केर ने तुरंत अधिकारियों को फोन किया।

ठीक उसी समय, किराए की एक फिएट सेडान गाड़ी विया डे पंजानी के साथ-साथ उत्तर की ओर तेज़ी से चली जा रही थी। पिआत्ज़ा डेल डुओमो को पीछे छोड़ते हुए यह फ़्लोरेंस के सांता मेरिया नोवेला ट्रेन स्टेशन की ओर यह तेज़ी से जा रही थी।

इसकी पिछली सीट पर लैंग्डन और सिएना झुककर बैठे थे जबकि डॉक्टर फेरिस ड्राइवर के साथ अगली सीट पर बैठे थे। नेटजेट्स में बुकिंग करवाने का विचार सिएना का था। अगर भाग्य साथ दे तो यह बुकिंग उनकी तलाश करने वाले लोगों को भरमाने के लिए काफी था और इस बीच वे तीनों फ़्लोरेंस ट्रेन स्टेशन से निकलकर आगे जा सकते थे। बेशक इस वक़्त ट्रेन स्टेशन पुलिस वालों से भरा होगा। अच्छी बात थी कि ट्रेन से वेनिस की दूरी मात्र दो घंटे की थी। देश के अंदर यात्रा करने के लिए पासपोर्ट की भी ज़रूरत नहीं थी।

लैंग्डन ने सिएना की तरफ देखा, जो डॉक्टर फेरिस की हर गतिविधि को बहुत गौर से देख रही थी। ज़ाहिर था कि वह आदमी काफी तकलीफ में था। उसे साँस लेने में भी दिक्कत हो

रही थी मानों साँस लेते ही उसे अंदर दर्द हो रहा हो।

उम्मीद करता हूँ कि बीमारी के बारे में उसका अनुमान ठीक होगा, लैंग्डन ने सोचा। वह उस आदमी के चकत्ते को देखते हुए छोटे-से संकीर्ण कार के भीतर तैर रहे जीवाणुओं की कल्पना कर रहा था। उसकी उंगलियों के पोर भी फूले हुए और लाल दिखाई दे रहे थे। लैंग्डन ने चिंता को दिमाग से निकालते हुए खिड़की के बाहर देखना शुरू किया।

ट्रेन स्टेशन पहुँचने के पहले उन्होंने ग्रैंड होटल बाग्लियोनी को पार किया। इस होटल में कला संबंधि सम्मेलन आयोजित होते थे, जिसमें लैंग्डन हर साल शामिल होता था। इसे देखकर, लैंग्डन को लगा कि वह एक ऐसा काम करने वाला है जिसे उसने पहले कभी नहीं किया।

मैं द डेविड को बिना देखे फ्लोरेंस से बाहर जा रहा हूँ।

माइकेल एंजेलो से मन-ही-मन माफी माँगते हुए लैंग्डन सामने ट्रेन स्टेशन को देखने लगा। उसके दिमाग में अब वेनिस का ख़्याल उमड़ घुमड़ रहा था।

61

लैंग्डन जेनेवा जा रहा है?

वैन की पिछली सीट पर उनींदी स्थिति में बार-बार हिलते डुलते हुए डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की को लग रहा था जैसे उसकी तबीयत और भी खराब होती जा रही है। वैन अब फ्लोरेंस से निकलकर पश्चिम की ओर शहर के बाहर किसी निजी एयरपोर्ट की तरफ जा रही थी।

जेनेवा जाने का कोई अर्थ नहीं, सिंस्की ने मन-ही-मन सोचा।

जेनेवा का मतलब बस इतना है कि यहाँ पर विश्व स्वास्थ्य संगठन का मुख्यालय है। *क्या लैंग्डन मुझे ढूँढ़ने वहाँ जा रहा है?* इसका कोई मतलब नहीं निकलता है, क्योंकि लैंग्डन जानता था कि सिंस्की फ्लोरेंस में थी।

उसके दिमाग में एक दूसरी बात कौंधी।

हे भगवान. . .क्या जोब्रिस्ट की नज़र जेनेवा पर थी?

जोब्रिस्ट संकेत विज्ञान के साथ गहराई से जुड़ा था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुख्यालय पर ग्राउंड जीरो का निर्माण बेशक एक ख़ूबसूरत काम था, ख़ासकर यह जानते हुए कि पिछले साल भर से सिंस्की के साथ उसका संघर्ष चल रहा था। इसके अलावा, प्लेग की आग जलाने के लिए अगर जोब्रिस्ट किसी सहयोगी स्थान की तलाश कर रहा था तो इस दृष्टि से जेनेवा का चयन सही नहीं था। अन्य महानगरों की तुलना में जेनेवा भौगोलिक रूप से अलग थलग था और इस समय वहाँ काफी ठंड भी थी। प्लेग प्रायः अत्यंत सघन आबादी वाले गर्म स्थानों पर फैलता है। जेनेवा समुद्र तल से करीब एक हज़ार फुट की ऊँचाई पर स्थित था और महामारी की शुरुआत की दृष्टि से अनुकूल स्थान नहीं था। *इससे फर्क नहीं पड़ता कि जोब्रिस्ट मुझसे कितनी नफरत करता है।*

इसलिए सवाल बरकरार था–आख़िर लैंग्डन वहाँ क्यों जा रहा था? कल रात शुरू हुए लैंग्डन के अटपटे आचरणों की श्रृंखला में बेमतलब की यह यात्रा एक और उदाहरण था जिसकी कोई व्याख्या समझ में नहीं आती थी। सिंस्की अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद इसकी तार्किक व्याख्या नहीं कर पा रही थी।

वह किसकी ओर है?

सिंस्की वैसे लैंग्डन को पिछले कुछ ही दिनों से जानती थी, लेकिन वह लोगों के चरित्र की अच्छी पहचान रखती थी। उसे बिलकुल यकीन नहीं था कि रॉबर्ट लैंग्डन जैसा आदमी पैसों से खरीदा जा सकता है, *लेकिन उसने पिछली रात हम लोगों के साथ अपना संपर्क क्यों काट लिया?* अब वह किसी अपराधी की तरह इधर-उधर भाग रहा था। *क्या उसे ऐसा*

तो नहीं लगने लगा है कि जोब्रिस्ट की बातें अटपटी ही सही, लेकिन उनका कुछ मतलब निकलता है?

यह सोचकर उसके अंदर झुरझुरी भर गई।

नहीं, उसने अपने आपको आश्वस्त किया। *मैं उसकी छवि से भली भांति परिचित हूँ, वह ऐसा नहीं कर सकता।*

सिंस्की रॉबर्ट लैंग्डन से सी-130 मालवाहक जहाज़ के बीच वाले, फिर से डिज़ाइन किए गए हिस्से में मिली थी जिसे जहाज़ के नष्ट होने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन के मोबाइल कोआर्डिनेशन केंद्र के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था।

तकरीबन सात बजे कैंब्रिज, मैसाचुसेट्स से पंद्रह किलोमीटर से भी कम दूरी पर बने हैंसकॉम फील्ड में जहाज़ उतरा था। सिंस्की को कुछ पता नहीं था कि इस नामी-गिरामी विद्वान से क्या अपेक्षा की जा सकती थी जिससे उसने फोन से संपर्क स्थापित किया था, लेकिन जब जहाज़ के पिछले हिस्से से बाहर निकलने के लिए लगाए गए फट्टे के ऊपर से होते हुए वह बाहर आया तो वह सिंस्की से खुले दिल से मुस्कराते हुए मिला। सिंस्की को उससे मिलकर खुशी हुई।

'मुझे लगता है कि आप डॉक्टर सिंस्की हैं?' लैंग्डन ने गर्मजोशी से हाथ मिलाते हुए कहा।

'प्रोफेसर, आपसे मिलना मेरे लिए गौरव की बात है।'

'मेरे लिए यह सम्मान की बात है। आपके कामों के लिए शुक्रिया।'

लैंग्डन एक लंबा इंसान था। शिष्ट, सुशील व्यक्तित्व, भारी आवाज़। उसके कपड़ों को देखकर सिंस्की ने अंदाज़ा लगाया कि यह क्लासरूम में इस्तेमाल किया जाने वाली पोशाक थी–ट्वीड जैकेट, खाकी पतलून और लोफर। ये बात समझ में आ रही थी, क्योंकि उसे बिना किसी पूर्वसूचना के कैंपस से उठाकर यहाँ लाया गया था। वह उसकी कल्पना से कहीं कम उम्र का और जवान दिखाई दे रहा था। उसे देखकर एलिज़ाबेथ को अपनी उम्र याद आ गई। *मैं तो उसकी माँ की उम्र की हूँ।*

उसने लैंग्डन की ओर थकी हुई मुस्कान के साथ देखा, 'यहाँ आने के लिए आपका शुक्रिया,प्रोफेसर।'

लैंग्डन ने हास्य व्यंग्य की क्षमता से शून्य उस व्यक्ति की ओर इशारा किया जिसे सिंस्की ने उसकी अगवानी के लिए भेजा था। 'आपके दोस्त ने मुझे कुछ भी सोचने का अवसर नहीं दिया।'

'अच्छी बात है। मैं उसे इसी काम के लिए पगार देती हूँ।'

'सुंदर ताबीज़।' लैंग्डन ने उसके नेकलेस की तरफ देखकर कहा। 'लापिस लाजुलाई?'

सिंस्की ने सहमति में सिर हिलाया। उसने पत्थर के बने ताबीज़ पर नज़र डाली, जिसमें एक डंडे के ऊपर साँप का मशहूर चिह्न दिखाया गया था। 'चिकित्सा विज्ञान का आधुनिक

प्रतीक चिह्न। शायद आपको पता हो कि इसे कैडुसिएस कहा जाता है।'

लैंग्डन ने अचानक ऊपर की तरफ देखा। ऐसा लगा जैसे वह कुछ कहना चाहता था।

उसने इंतज़ार करते हुए कहा, हाँ, *बताइए*।

ऐसा लगा कि लैंग्डन भावावेग को रोककर चुप हो गया। उसने विनम्रतापूर्वक मुस्कराते हुए बातचीत के मुद्दे को बदल दिया। 'मेहरबानी कर बैठिए। मैं आपको कुछ दिखाना चाहता हूँ।'

लैंग्डन धीरे-से टेबल की तरफ बढ़ा। एलिज़ाबेथ ने अनुमान लगाया कि प्रोफेसर इस गुप्त मीटिंग की वजह से थोड़ा हैरान तो था, लेकिन वह इससे ज़्यादा परेशान नहीं था। ये आदमी अंदर से संतुष्ट है। वह सोचने लगी कि पता नहीं जब उसे यहाँ बुलाए जाने का मकसद मालूम होगा, तब वह इतना सहज महसूस करेगा या नहीं।

एलिज़ाबेथ ने लैंग्डन को आराम से बैठने दिया। इसके बाद बिना किसी भूमिका के उसने लैंग्डन के सामने वह चीज़ रख दी, जो उसने अपनी टीम के साथ फ्लोरेंस की एक तिजोरी से बारह घंटे पहले बरामद की थी।

लैंग्डन काफी देर तक उसे छोटे-से प्राचीन काल के सिलेंडर को देखता रहा जिस पर नक्काशी की हुई थी। फिर उसने इसके बारे में जल्दी से थोड़ा परिचय दिया, जिसके बारे में वह पहले से ही जानती थी। यह एक प्राचीन सिलेंडर आकार का मुहर था जिसका इस्तेमाल प्रिंट-मेकिंग के लिए किया जाता था। इसमें तीन सिर वाले शैतान की एक भयंकर तस्वीर बनी थी जिस पर केवल एक शब्द लिखा था–सालिगिया

'सालिगिया,' लैंग्डन ने कहा। 'यह लैटिन में. . .'

'सात सबसे बड़े पापों को निरूपित करता है।' सिंस्की ने कहा। 'हमने इसका अर्थ ढूँढ़ा था।'

'अच्छा. . .' लैंग्डन हक्का बक्का लग रहा था। 'आप मुझे किसी ख़ास मकसद से इसे देखने कह रही थीं?'

'हाँ। आपने ठीक सोचा।' सिंस्की ने सिलेंडर वापस ले लिया और इसे ज़ोर-ज़ोर से हिलाने लगी। इसके अंदर रखा छोटा-सा गोला, एजिटेटर बॉल, ऊपर नीचे सिलेंडर की दीवार से टकराने लगा।

लैंग्डन हैरान होकर उसकी गतिविधि को देख रहा था, लेकिन वह इसके बारे में कुछ पूछता इसके पहले ही सिलेंडर के छोर पर उसे चमक दिखाई दी। उसने सिलेंडर से आ रही रोशनी को ध्वस्त हो चुके जहाज़ की दीवार पर लगे चिकने इंसुलेशन की ओर मोड़ दिया।

लैंग्डन के मुँह से हल्की सीटी निकल गई। वह दीवार पर दिख रही तस्वीर की तरफ बढ़ गया।

'बोटीचेली। मैप ऑफ़ हेल।' लैंग्डन ने घोषणा की। 'दांते के *इन्फर्नो* पर आधारित। वैसे मेरा अनुमान है कि आप इसके बारे में पहले से जानती हैं।'

एलिज़ाबेथ ने सिर हिलाया। उसने अपनी टीम के साथ मिलकर इंटरनेट की मदद से इस पेंटिंग की पहचान कर ली थी। सिंस्की को यह जानकर हैरानी हुई थी कि यह पेंटिंग बोटीचेली की है, जो *बर्थ ऑफ़ वीनस तथा स्प्रिंगटाइम* जैसी कलाकृतियाँ बनाने को मशहूर था। इन कलाकृतियों में चमकदार रंगों का इस्तेमाल कर आदर्श रूप में मास्टरपीस का निर्माण किया गया था। सिंस्की को ये दोनों कलाकृतियाँ बहुत पसंद थीं, हालाँकि इनमें जीवन की सृष्टि तथा मानव की प्रजनन क्षमता को दर्शाया गया था जिन्हें देखकर उसका हृदय बाँझ होने की वेदना से भर जाता था। शायद अपने उपयोगी और कारगर जीवन में उसे इसी बात का मलाल रह गया था।

'मैं उम्मीद कर रही थीं,' सिंस्की ने कहा, 'कि आप इस पेंटिंग में निहित प्रतीकों का अर्थ मुझे समझाएँगे।'

लैंग्डन पूरी रात में पहली बार झुंझलाहट का अनुभव कर रहा था। 'क्या आपने इसी के लिए मुझे यहाँ बुलाया है? मुझे लगा कि आपने मुझे किसी गंभीर इमरजेंसी के लिए मुझे यहाँ बुलाया है।'

'थोड़ा मुझे मौका दीजिए।'

लैंग्डन ने गहरी साँस ली। 'डॉक्टर सिंस्की, सामान्य तौर पर अगर किसी पेंटिंग के बारे में आपको जानकारी चाहिए तो सबसे पहले उस म्यूजियम से संपर्क करना चाहिए, जहाँ मूल पेंटिंग रखी गई है। इस पेंटिंग के लिए आपको वेटिकन के बिब्लियोटेका एपोस्टोलिका से संपर्क करना चाहिए। वैटिकन में धार्मिक मूर्तिकला के अनेकों विद्वान पाए जाते हैं. . .'

'वेटिकन मुझसे नफरत करता है।'

लैंग्डन ने उसकी ओर हैरान होकर देखा। 'आपसे भी? मुझे लगता है कि वे सिर्फ मुझसे ही नफरत करते हैं।'

उसकी मुस्कराहट से उदासी झाँक रही थी। 'विश्व स्वास्थ्य संगठन इस बात पर गहराई से यकीन करती है कि गर्भ-निरोध के साधनों का इस्तेमाल वैश्विक स्वास्थ्य की दृष्टि एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण कदम है। इससे यौनिक तरीके से फैलने वाली एड्स जैसी बीमारियों की रोकथाम भी होती है और आबादी पर नियंत्रण भी।'

'और वेटिकन की सोच इससे अलग है।'

'बिलकुल। उन्होंने तीसरी दुनिया के देशों में गर्भ-निरोध को बदनाम करने और इसे पापपूर्ण साबित करने के लिए अकूत धन और ऊर्जा खर्च की है।'

'हाँ, बिलकुल।' लैंग्डन ने अपनी परिचित मुस्कान के साथ कहा। 'बेशक, अस्सी वर्ष के ब्रह्मचारियों के अलावा भला दुनिया को सेक्स करने के तौर तरीकों के बारे में कौन समझा सकता है!'

प्रोफेसर के प्रति सिंस्की का स्नेह हर पल बढ़ता जा रहा था।

उसने रिचार्ज करने के लिए सिलेंडर को वापस ले लिया। उसने दीवार पर प्रोजेक्टर से आ रही छवि को दोबारा डाला। 'प्रोफेसर, इसे ज़रा गौर से देखिए।'

लैंग्डन तस्वीर के पास आ गया। वह नज़दीक आकर इस तस्वीर को गौर से देखने लगा। अचानक वह रुक गया। 'ये तो अजीब बात है। इस तस्वीर के साथ छेड़छाड़ किया गया है।'

इसे समझने में उसे ज़्यादा देर नहीं लगी। 'हाँ, इसमें छेड़छाड़ की गई है। मैं जानना चाहती हूँ कि इसमें क्या क्या बदलाव लाया गया है?'

लैंग्डन चुप हो गया। वह पूरी तस्वीर को गौर से देखने लगा। वह रुककर उन दस अक्षरों को देखने लगा जिन्हें मिलाकर कैट्रोवासर. . .शब्द लिखा गया था. . .और फिर प्लेग वाला मुखौटा..और फिर किनारे के बॉर्डर पर लिखा गया अजीब-सा उद्धरण जिस पर 'मौत की आँख'... लिखा गया था।

'ये किसने किया है?' लैंग्डन ने पूछा। 'ये कहाँ से आया?'

'दरअसल, अभी आप इसके बारे में जितना कम जाने उतना अच्छा। मैं चाहती हूँ कि आप तस्वीर में किए गए बदलावों को देखकर उनकी व्याख्या करें और इसका अर्थ हमें बताएँ।' उसने कोने में रखी एक मेज़ की तरफ इशारा किया।

'यहाँ? अभी?'

उसने सहमति में अपना सिर हिलाया। 'मुझे पता है कि इसे बाद में डाला गया है, लेकिन मैं इसके महत्त्व को किसी भी कीमत पर कम कर नहीं आँक सकती।' वह रुकी। 'इसमें जीवन और मौत की सवाल छुपा हो सकता है।'

लैंग्डन ने उसकी ओर चिंतित होकर देखा। 'इसका अर्थ समझने में वक़्त लग सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि अगर यह आपके लिए महत्त्वपूर्ण है तो. . .'

'थैंक्यू।' वह अपनी सोच में कोई परिवर्तन कर पाता उसके पहले ही सिंस्की ने उसे रोक दिया। 'क्या आप किसी को बुलाना चाहेंगे?'

लैंग्डन ने अपना सिर हिलाया। उसने सिंस्की को बताया कि वह सप्ताहाँत अकेले में बिताना चाहता था।

बिलकुल ठीक। सिंस्की ने उसे डेस्क पर आराम से बैठने कहा। उसने लैंग्डन के लिए प्रोजेक्टर, कागज़, पेंसिल और सुरक्षित सैटेलाइट कनेक्शन वाला एक लैपटॉप लाकर रख दिया। लैंग्डन वहाँ हैरान होकर बैठा था। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि आख़िर विश्व स्वास्थ्य संगठन को बोटीचेली की छेड़छाड़ की गई कलाकृति में क्यों इतनी रुचि है। बहरहाल, वह चुपचाप काम पर लग गया।

डॉक्टर सिंस्की सोच रही थी कि शायद वह पेंटिंग को लेकर घंटों बैठा रहेगा और वह इसका अर्थ नहीं ढूँढ़ पाएगा। इसलिए वह अपने काम में लग गई। समय समय पर उसे लैंग्डन द्वारा प्रोजेक्टर का हिलाना और इसके बाद अपनी बही में कुछ लिखना सुनाई देता

था। मुश्किल से दस मिनट गुज़रे होंगे कि लैंग्डन ने अपने पेंसिल को रखते हुए कहा, 'सेरका ट्रोवा।'

सिंस्की ने उसकी ओर देखकर पूछा, 'क्या?'

'सेरका ट्रोवा' उसने दोहराया। 'ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा। इस कूट लिखावट का यही अर्थ है।'

सिंस्की जल्दी से उसके पास आकर बैठ गई। लैंग्डन बताने लगा कि इस कूट लिखावट में दांते के *इन्फर्नो* के विभिन्न स्तरों को किस तरह आपस में मिलाया गया है और जब उन्हें अपने मौलिक क्रम में सजाया जाता है तो इससे इतालवी भाषा का शब्द बनता है सेरका ट्रोवा।

ढूँढ़ो और तुम्हें हासिल होगा। सिंस्की हैरान हो रही थी। *उस पागल ने मेरे लिए यही संदेश भेजा है?* यह वाक्य खंड सीधे-सीधे एक चुनौती की तरह लगता था। काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस की मीटिंग के दौरान उस पागल आदमी के आख़िरी शब्द इस समय भी उसके दिमाग को परेशान कर रहे थे–*तो ऐसा लगता है कि हमारा नृत्य शुरू हो चुका है।*

'आपका चेहरा अभी जर्द पड़ गया।' लैंग्डन ने उसे गौर से देखते हुए कहा। 'मुझे लगता है कि आप इस संदेश की उम्मीद नहीं कर रही थी।'

सिंस्की ने ख़ुद को संभाला। उसने अपने गले में पहनी ताबीज़ ठीक की। 'नहीं, ऐसी बात नहीं. . .मुझे बताइए कि नरक के इस मानचित्र, मैप ऑफ़ हेल, के द्वारा मुझे कुछ ढूँढ़ने के लिए कहा जा रहा है?'

'हाँ। सेरका ट्रोवा।'

'और क्या इसमें ढूँढ़ने वाली चीज़ के बारे में भी कुछ इशारा किया जा रहा है?'

लैंग्डन अपनी ठुड्डी खुजाने लगा। आसपास विश्व स्वास्थ्य संगठन के दूसरे लोग जमा हो रहे थे। वे जानकारी के लिए उतावले हो रहे थे। 'नहीं, सीधे-सीधे तो नहीं. . .वैसे मुझे अच्छी तरह अंदाज़ा है कि आप इसकी खोज कहाँ से शुरू करना चाहेंगी।'

सिंस्की ने अपना हावभाव कठोर कर लिया। वह नहीं चाहती थी कि लोग उसके मनोभावों को समझ सकें, लेकिन उसके स्टाफ के सदस्य अपने पर इतना नियंत्रण नहीं रख पा रहे थे। वे सभी भौचक्के से एक-दूसरे की ओर देख रहे थे। उनमें से एक कहीं फोन करने लगा। दूसरा व्यक्ति तेज़ी से दरवाज़े से बाहर निकलकर हवाई जहाज़ के अगले हिस्से की ओर चला गया।

लैंग्डन भी हैरान लग रहा था। 'मैंने कुछ ऐसी वैसी बात तो नहीं कह दी?'

बिलकुल। सिंस्की ने सोचा। 'आपने फ़्लोरेंस का नाम क्यों लिया?'

'सेरका ट्रोवा' उसने जवाब दिया। उसने जल्दी-जल्दी पालात्ज़ो वेखियो में लगे वासारी के फ़्रेस्को के बारे में लंबे समय से चली आ रही रहस्यमय गुत्थी के बारे में बताया।

काफी कुछ सुनने के बाद सिंस्की ने सोचा, *ये बेशक फ्लोरेंस ही होगा*। ज़ाहिर था कि उसके सबसे बड़े दुश्मन के द्वारा फ्लोरेंस के पालात्ज़ो वेखियो से तीन ब्लॉक आगे की इमारत से कूदकर की गई आत्महत्या महज एक संयोग नहीं थी।

'प्रोफेसर,' उसने कहा 'जब मैंने आपको अपना ताबीज़ दिखाया और इसे ग्रीक मिथकों में वर्णित स्वास्थ्य का प्रतीक डंडा, कैडुसियस कहा तो आप अपनी बात कहते हुए रुक गए थे। मुझे ऐसा लगा जैसे आप कुछ और कहना चाहते थे, लेकिन आप झिझक गए और शायद आपने अपना मन बदल लिया। आप उस समय क्या कहना चाहते थे?'

लैंग्डन ने अपना सिर हिलाया। 'कुछ नहीं। बेवकूफी की बात थी। कभी कभार मेरे अंदर का प्रोफेसर मेरे ऊपर हावी हो जाता है।'

सिंस्की ने उसकी आँखों में घूरकर देखा। 'मैं आपसे इसलिए पूछ रही हूँ, क्योंकि मुझे जानना है कि मैं आप पर यकीन कर सकती हूँ। आप क्या कहने वाले थे?'

लैंग्डन ने थूक गटकते हुए गला साफ किया। 'ऐसा नहीं कि यह कोई बड़ी बात थी, लेकिन आपने कहा कि आपका ताबीज़ चिकित्सा विज्ञान का प्राचीन प्रतीक चिह्न था, जो सही है, लेकिन जब आपने इसे कैडेसियस कहा तो आपने एक आम गलती की। कैडेसियस में डंडे पर दो सांपों को लिपटा हुआ दिखाया जाता है, जिसके ऊपर में पंख होता है। आपके ताबीज़ में एक ही साँप है और इसमें पंख भी नहीं दिखाई दे रहा। आपके प्रतीक चिह्न को. . .'

'*द रॉड ऑफ़ एसक्लेपियस।*'

लैंग्डन ने आश्चर्य में भरकर अपना सिर उसकी ओर घुमाया, 'बिलकुल।'

'मुझे पता है। मैं आपकी सचाई की जाँच कर रही थी।'

'माफ कीजिएगा. . .?'

'मैं यह जानना चाहती थी कि क्या आप मुझसे सच बोलेंगे, भले ही वह मेरे लिए कितना ही असहज क्यों न हो।'

'लगता है कि मैं इसमें नाकामयाब रहा।'

'ऐसा आप दोबारा नहीं कीजिएगा। हम और आप एक साथ तभी काम कर सकेंगे जब हम पूरी ईमानदारी बरतेंगे।'

'साथ काम करेंगे? क्या अब भी कुछ बाकी है?'

'नहीं प्रोफेसर। हमारा काम अभी पूरा नहीं हुआ है। आपको मेरे साथ फ्लोरेंस चलना होगा, जहाँ आप कुछ ढूँढ़ने में मेरी मदद करेंगे।'

लैंग्डन को यकीन नहीं हो रहा था। 'आज रात?'

' हाँ, आज की रात। मैंने अब तक आपको हालात की गंभीरता का सही सही जायज़ा नहीं दिया है।'

लैंग्डन ने अपना सिर हिलाया। 'मुझे आप क्या कहने वाली हैं इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं फ़्लोरेंस नहीं जाना चाहता।'

'मैं भी नहीं जाना चाहती।' उसने चिंतित मुद्रा में कहा। 'लेकिन दुर्भाग्य से हमारे पास अब बहुत कम वक़्त बचा है।'

62

इटली की तेज़ गति से चलने वाली ट्रेन फ्रेकियारजेंटो की छत से दोपहर के सूर्य की किरणें छटक रही थीं। टस्कनी प्रदेश के खेतों के बीच से ख़ूबसूरत अर्ध-वृत्त काटते हुए ट्रेन उत्तर दिशा की ओर बढ़ रही थी। फ्लोरेंस से बाहर की ओर जा रही यह 'सिल्वर एरो' ट्रेन १७४ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी, लेकिन इससे कोई आवाज़ नहीं सुनाई दे रही थी। बीच-बीच में क्लिक की हल्की आवाज़ और हौले हौले झुलाती यह गाड़ी यात्रियों के मन को सुकून दे रही थी।

लैंग्डन के लिए पिछला घंटा जैसे एक धुंधली स्मृति की तरह लग रहा था।

तेज़ गति से चलने वाली ट्रेन फ्रेकियारजेंटो का निजी कक्ष *सैलोटिनी।* इसके अंदर एक छोटा से एक्जीक्यूटिव श्रेणी का बर्थ, जिसके साथ चमड़े की चार सीटें और मुड़ने वाला टेबल। इस कक्ष के भीतर लैंग्डन, सिएना और डॉक्टर फेरिस बैठे हुए थे। फेरिस ने अपने क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हुए पूरा का पूरा केबिन आरक्षित कर लिया था। साथ ही उसने सैंडविच और मिनरल वाटर की बोतलें भी मंगवा रखी थी। लैंग्डन और सिएना ने बाथरूम से तरोताज़ा होकर निकलने के बाद अपने निजी सीट पर बैठते ही भुक्खड़ों की तरह खाना शुरू कर दिया।

वे तीनों लोग जैसे ही वेनिस की अपनी दो घंटे की ट्रेन यात्रा के लिए अपनी अपनी जगह पर बैठे, डॉक्टर फेरिस ने तुरंत दांते के डेथ-मास्क की ओर देखा, जो उसके सामने वाली टेबल पर जिप-लॉक बैग में रखा हुआ था। 'हमें पता करना होगा कि यह मुखौटा हमें आख़िर वेनिस में किस जगह लेकर जा रहा है।'

'और जल्दी।' सिएना ने जोड़ा। उसकी आवाज़ में व्यग्रता झलक रही थी। 'जोब्रिस्ट के प्लेग से बचने के लिए शायद हमारे पास यही एक उपाय है।'

'रुकिए।' लैंग्डन ने मुखौटे के ऊपर सुरक्षात्मक मुद्रा में हाथ रखते हुए कहा। 'आपने वादा किया था कि एक बार इस ट्रेन पर सुरक्षित ढंग से सवार हो जाने के बाद आप मुझे पिछले कुछ दिनों के बारे में बताएँगी। मैं अब तक सिर्फ इतना जान पाया हूँ कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मुझे कैंब्रिज में जोब्रिस्ट द्वारा तोड़ मरोड़ कर बनाई ला मैप्पा तस्वीर का अर्थ समझने के लिए नियुक्त किया। इसके अलावा आपने मुझे कुछ भी नहीं बताया है।'

डॉक्टर फेरिस अपने स्थान पर खिसके। उनके चेहरे पर परेशानी का भाव दिखाई दे रहा था। वे दोबारा अपने चेहरे और गरदन पर पड़े चकत्तों को सहलाने लगे। 'मैं समझ रहा हूँ कि आप निराश हो रहे हैं।' डॉक्टर फेरिस ने कहा। 'मैं जानता हूँ कि पिछली घटनाओं के बारे में विस्मृति से काफी ऊहापोह की स्थिति पैदा होती है, लेकिन चिकित्सा-विज्ञान की दृष्टि

से देखें तो. . .' उन्होंने सहमति प्राप्त करने के लिए आशा भरी नज़रों से सिएना की ओर देखते हुए अपनी बात चालू रखी। 'मैं ज़ोर देकर कहना चाहता हूँ कि जिन चीज़ों को आप याद नहीं कर पा रहे उन्हें याद करने के लिए आप अधिक ज़ोर मत लगाइए। विस्मृति की बीमारी के शिकार लोगों के लिए बीते हुए कल को भुलाना ही बेहतर माना जाता है।'

'छोड़ दूँ?' लैंग्डन का गुस्सा तेज़ हो रहा था। 'छिः। धिक्कार है। मुझे जवाब चाहिए।' आपका संगठन मुझे इटली लेकर आया, जहाँ मुझ पर गोली चली। मेरी ज़िंदगी के कई दिन चले गए। मैं जानना चाहता हूँ कि आख़िर ये सब हुआ कैसे।'

'रॉबर्ट।' सिएना ने उसे टोका। वह धीमी आवाज़ में बोल रही थी, लेकिन स्पष्ट था कि वह लैंग्डन को शांत करने की कोशिश कर रही थी। 'डॉक्टर फेरिस सही कह रहे हैं। अचानक इतनी सारी सूचनाओं को अपने दिमाग पर हावी होने देना आपके लिए अच्छा नहीं होगा। आप उन छोटी छोटी बातों के बारे में सोचें, जो आप याद कर सकते हैं–जैसे कि सफेद बालों वाली औरत, 'ढूँढ़ो और पाओ', *ला माप्पा* में दिखाए गए तड़पते शरीर। पिछले दिनों की स्मृति के तौर पर ये छवियाँ आपके दिमाग के भीतर गड्डमड्ड स्थिति में आई जिन पर आपके दिमाग का नियंत्रण नहीं था। इसकी वजह से आप तकरीबन अक्षम हो गए। अगर डॉक्टर फेरिस पिछले दिनों के बारे में बातें करने लगें तो निस्संदेह वे दूसरी स्मृतियों को उनकी जगह से विस्थापित कर देंगी। आपका मतिविभ्रम फिर से शुरू हो जाएगा–हैलुशिनेशन। रेट्रोग्रेड एम्नीशिया एक गंभीर अवस्था मानी जाती है। अव्यवस्थित स्मृतियों को कुरेदना मानव मस्तिष्क को बुरी तरह झकझोर सकता है।

लैंग्डन ने इसके बारे में नहीं सोचा था।

'आप अभी काफी अव्यवस्थित महसूस कर रहे होंगे,' फेरिस ने कहा। 'लेकिन अभी हम चाहते हैं कि आपकी मानसिक अवस्था को कोई आघात नहीं पहुँचे, ताकि हम आगे बढ़ सकें। हमें यह जानना आवश्यक है कि यह मुखौटा हमें क्या कहने की कोशिश कर रहा है।'

सिएना ने सिर हिलाया।

लैंग्डन चुपचाप रहा। उसने महसूस किया कि डॉक्टर एक-दूसरे की बात से सहमत थे।

लैंग्डन शांत भाव से बैठा रहा। वह अनिश्चय की स्थिति से बाहर आने की कोशिश कर रहा था। यह एक अजीब किस्म की अनुभूति थी जब आपको किसी निहायत अंजान व्यक्ति से मिलकर भी ऐसा लगता है जैसे उसे आप पिछले कई दिनों से जानते हैं। लैंग्डन को लग रहा था *जैसे उसकी आँखों में कुछ ऐसा था जिससे वह परिचित था।*

'प्रोफेसर,' फेरिस ने सहानुभूतिपूर्वक कहा। 'मैं देख रहा हूँ कि आप मुझ पर पूरी तरह यकीन नहीं कर रहे। मैं इसे समझ सकता हूँ, क्योंकि आपने इस बीच बहुत कुछ झेला है। विस्मृति की बीमारी में इस तरह का अज्ञात भय और अविश्वास काफी आम होता है।

ये बात ठीक है, लैंग्डन ने सोचा, क्योंकि इस वक़्त मैं अपने दिमाग पर भी यकीन नहीं कर

पा रहा।

'अगर अज्ञात भय की बात करें,' सिएना ने माहौल की गंभीरता को कम करने के लिए मज़ाक के लहज़े में कहा, 'रॉबर्ट ने आपके चकत्तों को देखकर सोचा कि शायद आप काले प्लेग से ग्रस्त हैं।'

फेरिस की फूली हुई आँखें फैल गई। वह ज़ोर से हँसा। 'ये चकत्ते? यकीन मानिए प्रोफेसर, अगर मुझे प्लेग होता तो मैं दवा की दुकान में बिना डॉक्टर की पुर्जी दिखाए मिलने वाले एँटी-हिस्टामाइन से इसका उपचार नहीं कर रहा होता।' उसने अपनी जेब से दवा की एक छोटी-सी पुड़िया बाहर निकालकर लैंग्डन की ओर उछाल दिया, जो खारिश दूर करने वाले क्रीम का आधा ट्यूब था।

'इसके लिए माफी चाहूँगा।' लैंग्डन ने कहा। उसे लगा जैसे वह बेवकूफ हो। 'लंबा दिन।'

'फिक्र की बात नहीं।' फेरिस ने कहा।

लैंग्डन अब खिड़की की ओर मुड़ गया। वह इटली के ग्रामीण क्षेत्रों के धुंधले रंगों को देखने लगा, जो मन को शांति देने वाला कोलाज बना रहा था। अंगूर के खेत और समतल ज़मीन अब कम होते जा रहे थे। उनकी जगह एपेनाइन की तलहटी दिखाई दे रही थी। बहुत जल्द ट्रेन पहाड़ की सर्पिल गुफा से होकर गुज़रने वाली थी और फिर नीचे, पूरब की ओर एड्रियॉटिक समुद्र की ओर।

मैं प्लेग की तलाश में, उसने सोचा, *वेनिस की ओर जा रहा हूँ।*

आज का दिन लैंग्डन के लिए अजीब गुज़रा था। उसे लग रहा था जैसे वह एक ऐसे भूखंड से गुज़र रहा था, जहाँ बस धुंधली आकृतियाँ दिखाई दे रही थीं। वहाँ कोई चीज़ स्पष्ट नहीं दिखाई दे रही थी। स्वप्न की तरह। विडंबना थी कि दुःस्वप्न देखकर लोगों की नींद खुल जाती है, लेकिन लैंग्डन को लग रहा था कि वह एक दुःस्वप्न में जगा था।

'क्या सोच रहे हैं आप?' सिएना उसकी बगल में फुसफुसाकर बोली।

लैंग्डन ने उसकी ओऱ देखा। उसके चेहरे पर एक थकी हुई मुस्कान थी। 'मैं सोचता रहता हूँ कि मैं घर जाकर जगूँगा और मुझे लगेगा कि यह सब एक दुःस्वप्न भर था।'

सिएना ने अपना सिर टेढ़ा किया। वह शांत और थोड़ी उदास लग रही थी। 'अगर आप जगने के बाद पाएँ कि मैं वास्तविक नहीं हूँ तो आपको बुरा नहीं लगेगा?'

लैंग्डन को मजबूरी में मुस्कराना पड़ा। 'हाँ, दरअसल थोड़ा-सा तो बुरा लगेगा।'

उसने अपने घुटनों को अलग कर लिया। 'दिन में सपने देखना बंद कीजिए, प्रोफेसर। अपना काम शुरू कीजिए।'

लैंग्डन ने अनमने ढंग से दांते अलीगेरी के झुर्रियों से भरे चेहरे को देखना शुरू किया, जो सामने टेबल से उसकी ओर सूनी नज़रों से देख रहा था। लैंग्डन ने बड़े आराम से प्लास्टर के मुखौटे को हाथ में लेकर उसे घुमाना शुरू कर दिया। वह गोलाकार ढंग से की गई

लिखावट की पहली पंक्ति पढ़ने लगा, जो अवतल खोपड़ी के भीतरी हिस्से में लिखा था।

हे तीव्र बुद्धि वाले..

लैंग्डन को इस वक़्त अपनी योग्यता पर भरोसा नहीं हो रहा था। फिर भी वह अपने काम पर लग गया।

तेज़ी से आगे बढ़ते ट्रेन से दो सौ मील की दूरी पर मेंडेशियम एड्रिएटिक समुद्र के बीच में खड़ा था। डेक के निचले हिस्से में फैसिलिटेटर लॉरेंस नोल्टन को शीशे के बने अपने क्यूबिकल पर उंगलियों के ठकठकाने की हल्की आवाज़ सुनाई दी। उसने अपनी मेज़ के नीचे एक बटन दबाया। दीवार पारदर्शी बन गई। बाहर किसी व्यक्ति की परछाई दिखाई दी जिसका शरीर धूप में तांबई रंग का हो चुका था।

प्रोवोस्ट।

वह परेशान लग रहा था।

बिना कुछ बोले वह अंदर आया। उसने दरवाज़ा भीतर से बंद कर स्विच ऑन कर दिया। एक बार फिर क्यूबिकल की दीवारें अपारदर्शी बन गई। उसके शरीर से शराब की बू आ रही थी।

‘जोब्रिस्ट ने हमारे लिए, जो वीडियो छोड़ा था,’ प्रोवोस्ट बोला।

‘यस सर।’

‘मैं इसे देखना चाहता हूँ, अभी।’

63

रॉबर्ट लैंग्डन ने मौत के मुखौटे के भीतर गोल गोल घेरों की लिखावट का करीब से अध्ययन करने के लिए इसे कागज़ में उतार लिया था। सिएना और डॉक्टर फेरिस भी उसकी मदद के लिए पास आ गए थे। लैंग्डन कोशिश कर रहा था कि वह डॉक्टर फेरिस की तेज़ चल रही साँस और खुजलाने पर ध्यान नहीं दे।

वह ठीक लग रहा है, लैंग्डन ने सामने दिख रही लिखावट पर ध्यान केंद्रित करते हुए ख़ुद से कहा।

हे तीव्र बुद्धि वाले, यहाँ छिपी हुई शिक्षा को देखो... इतनी अस्पष्ट आयतों के पर्दे के नीचे।

'जैसा मैंने पहले कहा,' लैंग्डन ने बोलना शुरू किया। 'जोब्रिस्ट की कविता की पहली पंक्ति हूबहू दांते के *इन्फर्नो* से ली गई है। यह पाठकों को बताने के लिए किया गया है कि इन शब्दों के भीतर कुछ गहन अर्थ निहित हैं।

दांते की किताब में धर्म, राजनीति और दर्शनशास्त्र के बारे में अप्रत्यक्ष टिप्पणियों की भरमार है। इसी वजह से लैंग्डन अपने छात्रों को सलाह देता था कि इस इतालवी कवि का अध्ययन ठीक उसी तरह किया जाना चाहिए जैसे कि बाइबिल, अर्थात लिखे हुए शब्दों के भीतर घुसकर विशिष्ट अर्थों की पहचान करते हुए, उनके वास्तविक निहितार्थ को समझ कर।

'मध्यकालीन प्रतीकों का अध्ययन करने वाले विद्वान,' लैंग्डन ने अपनी बात जारी रखी, 'सामान्य तौर पर अपने विश्लेषण को दो श्रेणियों में बांटते हैं–शब्द और चित्र। शब्द यानी कि उस रचना का शाब्दिक अर्थ और चित्र यानी प्रतीकात्मक संदेश।'

'ओके।' फेरिस ने व्यग्रतापूर्वक कहा। 'तो यह कविता इस पंक्ति से शुरू होती है इसका मतलब. . .'

'इसका मतलब होता है..' सिएना ने उसे टोकते हुए कहा। 'कि सतही तौर पर पढ़ने से केवल आँशिक अर्थ ही समझ में आता है। इसका असली अर्थ छिपा हो सकता है।'

'हाँ, ऐसा ही कुछ।' लैंग्डन ने लिखित शब्दों पर नज़र डालते हुए कहा। वह उस पाठ को बोल बोलकर पढ़ रहा था।

वेनिस के विश्वासघाती डोगे की तलाश करें

जिसने घोड़ों के सिर काट दिए..

और अंधे की हड्डियाँ उखाड़ लीं।

'मैं सिर कटे घोड़े और अंधों की हड्डियों का अर्थ ठीक से नहीं समझ पा रहा, लेकिन मुझे लगता है कि वे किसी डोज यानी शहर के मजिस्ट्रेट स्तर के अधिकारी के बारे में इशारा

करते हैं।'

'मुझे लगता है कि. . .यह डोज की कब्र के बारे में..?' सिएना ने पूछा।

'या शायद कोई मूर्ति या तस्वीर? लैंग्डन ने जवाब दिया। 'सदियों से यहाँ कोई शहर मजिस्ट्रेट, डोज, नहीं है।'

वेनिस के डोज दूसरे इतालवी नगर-राज्यों के ड्यूक की तरह होते थे। सन 697 से शुरू होकर सौ से भी अधिक डोज हज़ार साल की अवधि में वेनिस पर राज्य करते रहे। उनकी वंश परंपरा अठारहवीं सदी में नेपोलियन की विजय के बाद समाप्त हुई। आज भी उनकी कीर्ति और प्रभुता इतिहासकारों के लिए गहरे आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

'आप जानते हैं,' लैंग्डन ने कहा, 'कि वेनिस के दो सबसे लोकप्रिय पर्यटक स्थल, डोज का महल और सेंट मार्क गिरजाघर, डोजों ने डोज के लिए बनवाए थे। उनमें से कई यहाँ दफन किए गए हैं।'

'और क्या आपको पता है,' सिएना ने कविता की ओर देखते हुए कहा। 'कि अगर किसी डोज को ख़ास तौर पर ख़तरनाक समझा जाता था तो?'

लैंग्डन ने उस पंक्ति पर नज़र डाली जिस के बारे में बात हो रही थी। *वेनिस के विश्वासघाती डोगे की तलाश करें।* 'मुझे ऐसे किसी डोज की जानकारी नहीं है, लेकिन कविता में उसे ख़तरनाक नहीं कहा गया है, धोखेबाज कहा गया है। इसमें फर्क है, कम-से-कम दांते की दुनिया में तो है ही। धोखेबाजी को सात सबसे भयंकर पापों में गिना जाता है, सबसे घृणित। इसकी सजा सबसे आख़िरी, नरक के नौवें वलय में दी जाती है।

दांते ने धोखेबाजी की परिभाषा की है अपने प्रिय के साथ धोखा। इतिहास में इसका सबसे मशहूर उदाहरण है जुडास के द्वारा ईसा मसीह के साथ किया गया धोखा। इस दुष्कर्म को दांते इतना निकृष्ट मानते हैं कि उन्होंने इसके लिए जुडास को नरक के सबसे भीतरी हिस्से में निर्वासित कर दिया जिसका नाम जुडेक्का रखा गया, इस नरक के सबसे बदनाम व्यक्ति के ऊपर।

'ओके।' फेरिस ने कहा। 'यानी हम उस डोज की तलाश कर रहे हैं जिसने धोखा देने का काम किया था।'

सिएना ने अपनी सहमति व्यक्त की। 'इससे हमें संभावनाओं को सीमित करने में मदद मिलेगी।' वह रुककर उस पाठ को देखने लगी। 'लेकिन अगली पंक्ति. . .घोड़े का सिर काटने वाला डोज?' उसने फेरिस की ओर नज़र डाली। 'क्या कोई ऐसा डोज हुआ था जिसने घोड़े का सिर काटा था?'

सिएना ने उसके दिमाग में जिस तरह की छवि निर्मित की उससे उसे गॉडफादर फिल्म के एक भयंकर दृश्य की याद आ गई। 'कुछ साफ साफ तो याद नहीं आ रहा, लेकिन इसके अनुसार उसने अंधों की हड्डियाँ भी शरीर से बाहर निकाली।' उसने फेरिस की ओर नज़र

डाली। 'आपके फोन में इंटरनेट है न?'

फेरिस ने तुरंत अपना फोन बाहर निकाला। उसने अपने फूले हुए, चकत्तों से भरी उंगलियों को दिखाते हुए कहा, 'मेरे लिए फोन का बटन दबाना मुश्किल होगा।'

'ठीक है।' सिएना ने उसके हाथ से फोन लेते हुए कहा। 'मैं वेनिस के डोजों की तलाश करती हूँ। उनके साथ मैं बिना सिर वाले घोड़ों और अंधों की हड्डियों के बारे में जोड़ कर भी इंटरनेट खंगालती हूँ।' वह छोटे-से आकार के कीबोर्ड पर तेज़ी से उंगलियाँ घुमाने लगी।

लैंग्डन ने एक बार फिर से जल्दी-जल्दी कविता पर नज़र डाली। अब वह बोल बोलकर कविता पढ़ने लगा।

पवित्र ज्ञान के स्वर्णिम माउसियन के भीतर घुटने टेको,
और अपना कान ज़मीन पर रखो,
बहते पानी की आवाज़ सुनो

'मैंने तो कभी mouseion के बारे में सुना भी नहीं है।' फेरिस ने कहा।

'यह एक प्राचीन शब्द है, जिसका अर्थ होता है परियों द्वारा सुरक्षित मंदिर या पूजा-स्थल।' लैंग्डन ने जवाब दिया। 'प्राचीन ग्रीक काल में माउसियन ऐसी जगह होती थी, जहाँ पर विद्वान लोग जमा होकर विचार विमर्श करते, साहित्य, संगीत और कला पर बातचीत करते। सबसे पहला माउसियन टोलेमी ने एलेक्जेंड्रिया की लाइब्रेरी में ईसा मसीह के जन्म के सैकड़ों साल पहले बनवाया था। इसके बाद तो दुनिया-भर में सैकड़ों माउसियन बनाए गए।'

'डॉक्टर ब्रुक्स,' फेरिस ने सिएना की तरफ उम्मीद भरी नज़रों से देखते हुए कहा। 'क्या आप सर्च कर सकती हैं कि वेनिस में कोई माउसियन है या नहीं?'

'हाँ, वेनिस में तो दर्जनों माउसियन हैं।' लैंग्डन ने शरारती मुस्कराहट बिखेरते हुए कहा। 'अब उन्हें म्यूजियम कहा जाता है।'

'अच्छा. . .' फेरिस ने कहा। 'मुझे लगता है कि हमें अपनी तलाश का दायरा बढ़ाना होगा।'

सिएना ने फोन पर टाइप करना जारी रखा। उसे कई काम एक साथ करने में कोई परेशानी नहीं हो रही थी। वह स्थिति का जायज़ा ले रही थी। 'ठीक है। हम एक ऐसे म्यूजियम की तलाश कर रहे हैं, जहाँ एक डोज होगा, जो घोड़ों का सिर काटता है और अंधे लोगों के शरीर से हड्डियाँ बाहर निकालता है। रॉबर्ट, क्या आपकी नज़र में इस तरह का कोई म्यूजियम है?'

लैंग्डन मन-ही-मन वेनिस के सभी मशहूर म्यूजियमों के बारे में सोच रहा था जैसे कि द गैलरी डेल एकेडीमिया, द का रेज़ोनिको, द पालात्ज़ो ग्रासी, पेग्गी गुग्गेनहाइम कलेक्शन, म्यूजियो कोरेर वगैरह, लेकिन इनमें से कोई भी उस वर्णन से मेल नहीं खाता था, जिसकी

वह तलाश कर रहा था।

उसने एक बार फिर उन अक्षरों और शब्दों पर नज़र डाली।

दैवी ज्ञान के स्वर्णिम म्यूजियम के भीतर घुटने टेकें...

लैंग्डन के चेहरे पर एक रहस्यमई मुस्कान फैल गई। 'वेनिस में एक म्यूजियम है, जो इस वर्णन से पूरी तरह मेल खाता है–'दैवी ज्ञान से पूर्ण स्वर्ण-जड़ित म्यूजियम।'

फेरिस और सिएना उसकी तरफ आशा भरी नज़रों से देखने लगे।

'सेंट मार्क का बेसीलिका।' उसने घोषणा की। 'वेनिस का सबसे बड़ा चर्च।'

फेरिस को यह बात समझ में नहीं आई। 'यह चर्च म्यूजियम है?'

लैंग्डन ने सिर हिलाया। 'वेटिकन म्यूजियम के जैसा और सेंट मार्क अपने भीतरी हिस्से में की गई नक्काशी के लिए मशहूर है, क्योंकि यह पूरी तरह से सोने के बने टाइलों का इस्तेमाल किया गया है।'

'स्वर्ण जड़ित म्यूजियम।' सिएना ने कहा। वह काफी उत्साहित लग रही थी।

लैंग्डन ने सिर हिलाया। उसे कोई संदेह नहीं था कि इस कविता में जिस स्वर्ण जड़ित म्यूजियम की बात कही गई थी वह सेंट मार्क का गिरजाघर ही था। सदियों से वेनिस के लोग सेंट मार्क चर्च को सोने का चर्च कहते रहे थे। लैंग्डन का मानना था कि इसका भीतरी हिस्सा दुनिया के सबसे चमचमाते चर्च में एक था।

'कविता में वहाँ जाकर घुटने के बल झुकने को कहा गया है।' फेरिस ने बात आगे बढ़ाई। 'ज़ाहिर है कि चर्च में जाकर लोगों घुटनों के बल झुकते हैं।'

सिएना दोबारा काफी जल्दी-जल्दी टाइप कर रही थी। 'मैं अपने सर्च में सेंट मार्क को जोड़कर देखती हूँ। मुझे लगता है कि हमें उसी जगह पर डोज की भी तलाश करनी चाहिए।'

लैंग्डन जानता था कि सेंट मार्क में डोजों की कमी नहीं थी। यह तो शाब्दिक अर्थ में ही डोजों का बेसीलिका था। कविता की पंक्तियों की ओर देखते हुए वह उत्साहित महसूस कर रहा था।

पवित्र ज्ञान के स्वर्णिम म्यूजियम के सामने घुटने टेकें,\
और अपना कान ज़मीन पर रखें\
और टपकते पानी की आवाज़ सुनें

बहते पानी की आवाज़? लैंग्डन हैरान था। कहीं सेंट मार्क के अंदर पानी तो नहीं?

लेकिन उसे समझ में आ गया कि यह सवाल ही बेवकूफी भरा था। पूरे शहर के भीतर पानी था। वेनिस की हर इमारत ज़मीन में धंसती जा रही थी और उनसे रिसाव हो रहा था। लैंग्डन बेसीलिका की कल्पना करने लगा और सोचने लगा कि आख़िर किस स्थान पर झुककर प्रार्थना करने से बहते पानी की आवाज़ सुनाई दे सकती है और इसे सुनने के बाद हमें. . .क्या करना होगा?

लैंग्डन फिर से कविता की ओर देखने लगा। वह बोल बोलकर इसे पूरा करने लगा।

ज़मीन में धंसे महल के रास्ते पर चलना
क्योंकि यहीं अंधेरे में इंतज़ार करता है थोनिक राक्षस
डूबा है, जो लैगून के रक्तिम जल में
जिसमें दिखाई नहीं देती सितारों की परछाई . . .

'ओके।' लैंग्डन ने कहा। वह तस्वीर को देखकर परेशान हो गया था। 'ऐसा लगता है कि हमें बहते पानी की आवाज़ के साथ आगे बढ़ना होगा. . .किसी ज़मीन के भीतर धंसे स्थान की ओर।

फेरिस अपने चेहरे को खुजलाने लगा। वह घबराया हुआ लग रहा था। 'ये थोनिक राक्षस क्या होता है?'

'धरती के अंदर पाया जाने वाला।' सिएना ने कहा। उसकी उंगलियाँ अब भी फोन पर चल रही थी। 'थोनिक का अर्थ होता है ज़मीन के भीतर की चीज़।'

'हाँ, आँशिक रूप से सही।' लैंग्डन ने कहा। 'हालाँकि इस शब्द का अन्य ऐतिहासिक संदर्भ भी है जिसे प्रायः मिथकों और राक्षसों से जोड़कर देखा जाता है। दरअसल मिथकों तथा राक्षसों से जुड़ी एक पूरी की पूरी श्रेणी थोनिक कहलाती है–जैसे कि इरिनेस, हेकेट और मेडुसा। वे धरती के अंदर रहते हैं और उनका नरक से संबंध है इसलिए उन्हें थोनिक कहा जाता है।' लैंग्डन बोलते बोलते रुका। 'ऐतिहासिक रूप से वे धरती से ही निकलते हैं और मनुष्यों की दुनिया को बर्बाद करने के लिए वे ऊपर आते हैं।'

काफी देर तक वहाँ चुप्पी छाई रही। लैंग्डन ने अंदाज़ा लगाया कि वे सभी एक ही चीज़ के बारे में सोच रहे थे। यह थोनिक राक्षस..*जोब्रिस्ट के प्लेग के अलावा कुछ हो ही नहीं सकता।*

क्योंकि यहीं अंधेरे में इंतज़ार करता है थोनिक राक्षस
डूबा है, जो लैगून के रक्तिम जल में
जिसमें दिखाई नहीं देती सितारों की परछाई . . .

ठीक है। लैंग्डन ने कहा। वह अपना ध्यान इधर-उधर नहीं बँटाना चाहता था। 'स्पष्ट है कि हम धरती के भीतर बने किसी स्थान की तलाश कर रहे हैं। कम-से-कम कविता की आख़िरी पंक्ति की व्याख्या तो इससे हो जाती है, जहाँ कहा गया है लैगून, जिसमें दिखाई नहीं देती सितारों की परछाई।

'महत्त्वपूर्ण बात।' सिएना ने कहा। उसने फेरिस के फोन से अपनी नज़रें हटाई। 'ज़मीन के भीतर अगर कोई लैगून है तो इसमें आकाश का प्रतिबिंब नहीं दिखाई दे सकता, लेकिन क्या वेनिस में धरती के अंदर लैगून पाए जाते हैं?'

'कम-से-कम मुझे तो ऐसी किसी जगह की जानकारी नहीं।' लैंग्डन ने कहा। 'लेकिन पानी

पर बने शहर में तो ऐसी अनंत संभावनाएँ हो सकती हैं।'

'और अगर लैगून किसी घर के अंदर हो तो?' सिएना ने अचानक दोनों की तरफ देखते हुए अचानक पूछा। 'कविता में अंदर धंसे स्थान में फैले अंधकार की बात की गई है। आपने पहले कहा था कि डोज का महल बेसीलिका से जुड़ा है, ठीक? इसका अर्थ है कि इन इमारतों में कविता में निर्दिष्ट बहुत-सी चीज़ें पाई जाती हैं जैसे कि पवित्र ज्ञान का म्यूजियम, महल, डोजों से उनका संबंध आदि। ये सभी चीज़ें वेनिस के मुख्य लैगून में स्थित हैं, जो समुद्र तल पर है।'

लैंग्डन इसके बारे में सोचने लगा। 'तुम्हें लगता है कि कविता में जिस डूबे हुए स्थान की चर्चा की गई है वह डोज का महल है?'

'क्यों नहीं? कविता में हमें पहले सेंट मार्क बेसीलिका में जाकर झुकने को कहा गया है। इसके बाद बहते हुए पानी की आवाज़ के साथ आगे बढ़ने की बात आई है। हो सकता है कि बहते पानी की आवाज़ हम लोगों को डोज के महल तक ले जाए। मुमकिन है कि इसके अंदर कोई डूबी हुई बुनियाद या कोई दूसरी चीज़ हो।'

लैंग्डन कई बार डोज के महल में गया था। वह जानता था कि यह कितनी विशाल जगह होती है। बड़े से अहाते में बनी अनेक इमारतों के बीच महल में विशाल आकार का म्यूजियम भी था। इसमें संस्थागत चेंबरों का एक जाल था। साथ ही अपार्टमेंट और आँगन भी। जेलों का एक नेटवर्क इतना बड़ा था कि यह कई इमारतों के बीच फैला था।

'हो सकता है कि तुम्हारी बात सही हो।' लैंग्डन ने कहा। 'वहाँ जाकर यूँ ही ढूँढ़ने में कई दिन लग सकते हैं। मेरी सलाह है कि हम ठीक वही करें जैसा कि कविता में सुझाया गया है। सबसे पहले हम सेंट मार्क बेसिलिका जाकर धोखेबाज डोज की मूर्ति या उसके मकबरे को ढूँढ़ते हैं। वहाँ जाकर हम नीचे झुकेंगे।'

'और फिर?' सिएना ने पूछा।

'और फिर,' लैंग्डन ने गहरी साँस लेकर कहा। 'हम पूरे मनोयोग से प्रार्थना करेंगे कि हमें बहते पानी की आवाज़ सुनाई दे. . .जिसके पीछे पीछे जाकर हम कहीं पहुँचें।'

इसके बाद वहाँ फैली चुप्पी के बीच लैंग्डन अपने दिल में एलिज़ाबेथ सिंस्की के तनाव भरे चेहरे की कल्पना करने लगा जैसा उसने अपने दुःस्वप्नों में नदी के पार से बुलाते हुए देखा था। वक़्त कम है, ढूँढ़ो और पाओ। वह सोचने लगा कि भला सिंस्की इस वक़्त कहाँ होगी. . .उसकी स्थिति ठीक होगी या नहीं। काली पोशाक वाले सिपाहियों को अब तक इस बात का पता चल चुका होगा कि लैंग्डन और सिएना वहाँ से भाग चुके थे। पता नहीं कितनी देर में वे हमें ढूँढ़ निकालेंगे।

लैंग्डन ने दोबारा जब कविता की ओर नज़रें डाली तो वह अपनी थकावट से लड़ने की कोशिश कर रहा था। उसने कविता की अंतिम पंक्ति पर नज़र डाली और उसके दिमाग में

एक दूसरी बात कौंधी। वह दुविधा में था कि उसे इस बात की चर्चा भी करनी चाहिए या नहीं। डूबा है, जो लैगून के रक्तिम जल में, जिसमें दिखाई नहीं देती सितारों की परछाई . . .शायद उनकी खोज की दृष्टि से इसका कोई महत्त्व नहीं था, लेकिन उसने इसे सबके साथ साझा करना उचित समझा। 'मैं एक बात और साझा करना चाहता हूँ।'

सिएना ने फोन से अपनी नज़रें हटाई।

'दांते की *द डिवाइन कॉमेडी* के तीन अध्यायों में. . .' लैंग्डन ने कहा, '*इन्फर्नो*, *पर्गेटोरियो* तथा *पैराडिजो*। इन सभी का अंत एक ही शब्द से होता है।'

सिएना के चेहरे पर आश्चर्य का भाव दिखाई दे रहा था।

'वह कौन-सा शब्द है?' फेरिस ने पूछा।

लैंग्डन ने जिस पाठ को ट्रांसक्राइब किया था उसकी आख़िरी पंक्ति की ओर इशारा किया। 'इस कविता का अंतिम शब्द है Stars..सितारे। उसने दांते का डेथ-मास्क हाथ में लिया और गोलाकार लिखावट के केंद्र की ओर दिखाया।

द लैगून दैट रिफ्लेक्ट्स नो स्टार्स. . .डूबा है, जो लैगून के रक्तिम जल में, जिसमें दिखाई नहीं देती सितारों की परछाई।

'इसके अलावा,' लैंग्डन ने अपनी बात जारी रखी। '*इन्फर्नो* के अंतिम भाग में हम पाते हैं कि दांते एक दरार के बीच से बह रहे पानी की आवाज़ सुन रहे हैं और वहाँ बने एक छिद्र के साथ-साथ आगे बढ़ते हैं. . .जो उन्हें नरक से बाहर लेकर आता है।'

फेरिस का चेहरा जर्द हो गया। 'हे भगवान।'

तभी तेज़ी से हवा के अंदर आने की कानफाड़ू आवाज़ सुनाई दी। फ्रेकियारजेंटो पहाड़ पर बने सुरंग में घुस रहा था।

अंधेरे में लैंग्डन ने अपनी आँखें बंद कर ली। वह दिमागी तौर पर तनाव मुक्त होना चाहता था। हो सकता है कि जोब्रिस्ट पागल हो, उसने सोचा, लेकिन उसे दांते के बारे में काफी गहरी समझ थी।

64

लॉरेंस नोल्टन को लगा जैसे वह एक बड़े तनाव से मुक्त हो गया हो।

प्रोवोस्ट ने जोब्रिस्ट के वीडियो को देखने के बारे में अपनी राय बदल ली।

नोल्टन जैसे छलाँग मारकर गुलाबी रंग के मेमोरी स्टिक को ले आया। उसने अपने बॉस को दिखाने के लिए मेमोरी स्टिक को कंप्यूटर में डाला। जोब्रिस्ट का नौ-मिनट लंबा, भयानक मैसेज उसके दिमाग को काफी देर से परेशान कर रहा था और वह चाहता था कि कोई दूसरा व्यक्ति इसे एक बार देख ले।

अब इसकी पूरी ज़िम्मेदारी मेरे ऊपर नहीं रहेगी।

नोल्टन प्लेबैक शुरू किया। उसने अपनी साँस रोक रखी थी।

स्क्रीन काला हो गया। पानी के हल्के हल्के थपेड़ों की आवाज़ क्यूबिकल में भर गई। कैमरा ज़मीन के अंदर बनी गुफा में फैली लाल रंग की धुंध से गुज़र रहा था। वैसे प्रोवोस्ट के चेहरे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दिखाई दे रही थी, लेकिन नोल्टन को लग रहा था कि वह भी उतना ही चिंतित था जितना कि परेशान।

कैमरे ने आगे बढ़ना बंद कर दिया। लैगून की सतह पर जाकर यह नीचे की ओर झुक गया और पानी के अंदर डूब गया। कई फीट अंदर जाने पर चमचमाती टाइटेनियम की पट्टी दिखाई दी, जो दीवार में ठुकी थी।

इस जगह, इस तारीख को
दुनिया हमेशा के लिए बदल गई।

प्रोवोस्ट के शरीर में हल्की-सी सिहरन हुई। ‘कल’ तारीख पर नज़र डालने के बाद, वह फुसफुसाकर बोला। ‘क्या हम उस जगह के बारे में जानते हैं?’

नोल्टन ने अपना सिर हिलाया।

कैमरा बाईं ओर घूम गया, जहाँ प्लास्टिक के पैकेट में बंद पीले-भूरे रंग का तरल पदार्थ दिखाई दे रहा था।

‘भगवान के लिए, ये क्या है?’ प्रोवोस्ट ने कुर्सी आगे खींच ली। वह पानी के नीचे बैलून की तरह सतह से बंधे उस बुलबुले को देखने लगा।

कमरे में एक असहज चुप्पी फैल गई। वीडियो आगे बढ़ रहा था। थोड़ी ही देर में स्क्रीन काला हो गया और एक अजीब-सा चोंच जैसी नाक वाली परछाई उभरी, जो किसी अनजानी, प्राचीन भाषा में बातें करने लगी।

मैं शेड हूँ. . .

धरती के अंदर धकेल दी गई..*मुझे धरती के भीतर से लोगों से बात करनी है, इस उदास और डरावनी गुफा के अंदर निर्वासित मैं. . .*जहाँ लैगून में जमा होता है रक्तिम जल और जिस स्थान पर सितारों का प्रतिबिंब नहीं दिखाई देता।

लेकिन यही है मेरा स्वर्ग. . .मेरे सुकुमार बच्चे की कोख।

इन्फर्नो।

प्रोवोस्ट ने अपनी नज़रें ऊपर की। ‘इन्फर्नो।’

नोल्टन ने कंधे उचकाते हुए कहा, ‘मैंने कहा न, विचलित करने वाला।’

प्रोवोस्ट ने फिर से स्क्रीन पर नज़रें जमा ली। वह पूरी तन्मयता से वीडियो देखने लगा।

चोंच जैसी नाक वाली परछाई कई मिनटों तक बोलती रही–प्लेग, जनसंख्या को कम करने, भविष्य में अपनी गौरवपूर्ण भूमिका, उसे रोकने की कोशिश करने वाले अज्ञानी लोगों के खिलाफ अपनी मुहिम और उन थोड़े-से विश्वासी लोगों के बारे में, जो समझ चुके थे कि इस धरती को बचाने के लिए ऐसे ही किसी कठोर कदम की ज़रूरत थी।

यह संग्राम चाहे जिस किसी मुद्दे पर हो, नोल्ट सुबह से चिंतित था कि कहीं कंसोर्शियम गलत पक्ष का समर्थन तो नहीं कर रहा था।

वीडियो की आवाज़ जारी थी।

मैंने मुक्ति के लिए एक मास्टरपीस ढूँढ़ लिया है, लेकिन मेरी कोशिशों को गाजे-बाजे या पुरस्कारों से नहीं नवाजा गया है. . .बल्कि मुझे मौत की धमकी दी गई है।

मुझे मौत का डर नहीं. . .क्योंकि मौत भविष्यद्रष्टाओं को शहीदों में बदल देता है. . .महान विचारों को शक्तिशाली आँदोलनों में परिवर्तित कर देता है।

ईसा मसीह। सुकरात। मार्टिन लूथर किंग।

मैं भी बहुत जल्द उन्ही में शामिल हो जाऊँगा।

मैंने जिस महान कृति, मास्टरपीस, का निर्माण किया है वह सीधे ईश्वर की रचना है. . .जिसने मुझे मेधा, साधन और इस कृति के निर्माण के लिए आवश्यक साहस से युक्त किया है।

अब इसका वक़्त करीब आता जा रहा है।

मेरे नीचे *इन्फर्नो* सो रहा है. . .पानी की कोख से बाहर निकलने को तैयार..थोनिक राक्षस की सावधान *नज़*रों और उसके क्रोध के बीच।

अपने इस पुण्य-कार्य के बावजूद, तुम्हारी तरह, मैं भी पाप से *अंजान* नहीं हूँ।

मैं भी उन सात महापापों में सबसे बड़े पाप का दोषी रहा हूँ. . .*वही एकमात्र लोभ जिससे बच पाना बहुत कम लोगों के लिए मुमकिन होता है।*

अहंकार।

इस मैसेज को रिकॉर्ड कर मैं भी अहंकार के द्वारा कुरेदे जाने का शिकार हुआ हूँ. . .*मेरा हृदय चाहता है कि दुनिया को मेरे काम का पता चले।*

और क्यों नहीं?

मानवता को अपनी मुक्ति के स्रोत की जानकारी होनी चाहिए. . .उस व्यक्ति का नाम जिसने नरक के *मुँह* बाए *दरवाज़े* को हमेशा के लिए बंद कर दिया!

हर घंटे के बीतने के साथ ही इसका परिणाम और भी सुनिश्चित होता जा रहा है।

गणित, गुरुत्वाकर्षण के नियमों की तरह कभी रुकता नहीं। इससे समझौता करना संभव नहीं।

जीवन की तेज़ गति से हुई वृद्धि जिसने मानवता को करीब-करीब नष्ट होने की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है, वही उसकी मुक्ति की द्वार भी खोलेगा। जीवित प्राणियों की ख़ूबसूरती..चाहे वह अच्छा हो या शैतानी, यही है कि वह ईश्वर के बनाए नियम को एक नज़र से देखती है।

उपयोगी बनो और अपनी संख्या में वृद्धि करो।

और इसलिए आग का मुकाबला आग से करो।

‘बहुत हो गया।’ प्रोवोस्ट ने उसे रोकने के लिए ये बात इतने धीमे स्वर में कहा कि नोल्टन को उसकी आवाज़ मुश्किल से सुनाई दी।

‘सर?’

‘वीडियो बंद करो।’

नोल्टन ने प्लेबैक को बंद कर दिया। ‘सर, दरअसल आख़िरी हिस्सा सबसे डरावना है।’

‘मैंने बहुत देख लिया।’ प्रोवोस्ट बीमार लग रहा था। वह काफी देर तक क्यूबिकल में इधर-उधर टहलता रहा और फिर अचानक मुड़कर बोला, ‘हमें एफएस-2080 से संपर्क करना होगा।’

नोल्टन ने इस कदम पर विचार किया। एफएस-2080 प्रोवोस्ट के एक विश्वासी संपर्क सूत्र का कूट-नाम था–कोड नेम। यह वही संपर्क सूत्र था जिसने जोब्रिस्ट को ग्राहक के तौर पर कंसोर्शियम से परिचित कराया था। इसमें कोई शक नहीं था कि इस वक़्त वह एफएस-2080 के निर्णय पर यकीन करने के लिए ख़ुद को कोस रहा था। ग्राहक के तौर पर बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट को स्वीकार करने की वजह से कंसोर्शियम के महीन ताने बाने में अव्यवस्था

फैल गई थी।

एफएस-2080 ही इस संकट का कारण है।

जोब्रिस्ट से संबंधित आपदाओं की श्रृंखला बद से बदतर होती जा रही थी। ऐसा केवल कंसोर्शियम के लिए ही नहीं हो रहा था, बल्कि संभवतः सारी दुनिया के लिए।

'हमें जोब्रिस्ट के असली मकसद की खोज करनी होगी।' प्रोवोस्ट ने घोषणा की। 'मैं पक्के तौर पर जानना चाहता हूँ कि उसने किस चीज़ का निर्माण किया है और क्या यह ख़तरा वास्तविक है?'

नोल्टन जानता था कि अगर किसी के पास इन सवालों का जवाब था तो वह था एफएस-2080. बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट को उससे बेहतर भला कौन जानता था। कंसोर्शियम को अपने प्रोटोकॉल को तोड़ने का वक़्त आ गया था और उसे इस बात का भी मूल्यांकन करना था कि पिछले साल में इस संस्था ने अनजाने न जाने कितने तरह के पागलपन की मदद की थी।

नोल्टन एफएस-2080 से सीधे-सीधे भिड़ने के परिणामों के बारे में अनुमान लगाने की कोशिश कर रहा था। संपर्क करने भर से कई ख़तरों के पैदा होने की आशंका थी।

'बिलकुल सर।' नोल्टन ने कहा। 'अगर तुम एफएस-2080 से संपर्क करते हो तो तुम्हें बहुत सावधानी से इस काम को करना होगा।'

प्रोवोस्ट ने अपना फोन बाहर निकाला। उसकी आँखों से अंगारे बरस रहे थे। 'इस तरह की सावधानी की स्थिति से हम काफी आगे बढ़ चुके हैं।'

फ्रेसियारजेंटो के निजी केबिन में अपने दो सहयोगी यात्रियों के साथ बैठे हुए, बेलबूटेदार टाइ तथा कीमती प्लूम पेरिस चश्मे वाला आदमी भरसक कोशिश कर रहा था कि वह अपने चकत्तों को खुजाए नहीं जिसकी स्थिति अब और भी खराब होती जा रही थी। उसकी छाती का दर्द भी बढ़ता जा रहा था।

ट्रेन के सुरंग से बाहर निकलने के बाद उस व्यक्ति ने लैंग्डन की ओर देखा। लैंग्डन ने धीरे-से अपनी आँखें खोली। ऐसा लगा जैसे वह किसी ख़्याल में डूबा हुआ था। उसकी बगल में सिएना उसके मोबाइल फोन को देख रही थी, जो उसने ट्रेन के सुरंग से गुज़रते वक़्त नीचे रख दिया था, क्योंकि उस वक़्त वहाँ फोन का सिग्नल काम नहीं कर रहा था।

सिएना अपने इंटरनेट सर्च को जारी रखने के लिए बेचैन दिख रही थी, लेकिन वह फोन उठाती उसके पहले ही उसमें थरथराहट होने लगी। फोन से रुक रुककर पिंग की आवाज़ आ रही थी।

रिंग की इस आवाज़ को पहचान कर चकत्ते वाले आदमी ने झटककर फोन उठा लिया। वह फोन के चमकते हुए स्क्रीन को देखने लगा। इस दौरान वह अपने चेहरे पर उभरे हैरानी के भाव को छुपाने की कोशिश भी कर रहा था।

'सॉरी।' उसने खड़े होते हुए कहा। 'माँ बीमार है। मुझे बात करनी होगी।'

सिएना और लैंग्डन ने उसे आश्वस्त करते हुए इशारा किया। वह व्यक्ति केबिन से बाहर निकल गया और गलियारे से होकर पास के शौचालय में चला गया।

चकत्ते वाले आदमी ने फोन पर बातचीत शुरू करने के पहले शौचालय का दरवाज़ा बंद कर लिया।

'हेलो?'

फोन के दूसरे छोर से आ रही आवाज़ गंभीर थी। 'मैं प्रोवोस्ट बोल रहा हूँ।'

65

फ्रे सियारजेंटो का शौचालय व्यावसायिक हवाई जहाज़ के रेस्टरूम से ज़्यादा बड़ा नहीं था। इसमें मुड़ने के लिए मुश्किल से जगह थी। चकत्ते वाले आदमी ने प्रोवोस्ट के साथ अपनी बातचीत समाप्त कर फोन को वापस जेब में रख लिया।

परिस्थितियाँ बदल चुकी हैं, उसने यह बात समझ ली थी। धरती अब ऊपर से नीचे हो चुकी थी और उसे अपना संतुलन वापस पाने के लिए थोड़ा वक़्त चाहिए था।

मेरे दोस्त अब मेरे दुश्मन बन चुके हैं।

उस व्यक्ति ने अपनी बूटेदार टाई को ढीला किया और आईने में पीब से भरे चेहरे को देखने लगा। वह अपनी कल्पना से भी अधिक खराब दिख रहा था। छाती में दर्द की तुलना में उसके चेहरे की अवस्था का कोई ख़ास महत्त्व नहीं था।

उसने सकपकाते हुए अपनी कमीज़ के बटनों को खोल लिया।

वह आईने पर नज़र टिकाने की कोशिश करने लगा..और अपनी खुली छाती का अध्ययन करने लगा।

हे भगवान।

काला धब्बा बड़ा हो रहा था।

उसकी छाती के बीच वाला हिस्सा गहरे नीले काले रंग का दिखाई दे रहा था। गोल्फ के गेंद के आकार का यह धब्बा पिछली रात ही उभरा था, जो अब नारंगी के आकार का हो चुका था। उसने धीरे-से उस जगह को छुआ। दर्द से उसे सिहरन हो गई।

उसने जल्दी-जल्दी अपनी कमीज़ का बटन बंद कर लिया। उसे उम्मीद थी कि उसके पास अपना काम पूरा करने की ताकत बची रहेगी।

अगला घंटा काफी निर्णायक होगा, उसने सोचा। *कई तरह की महीन गतिविधियों का सिलसिला।*

उसने अपनी आँखें बंद कर ख़ुद को संभालने की कोशिश की। वह आगे होने वाली घटनाओं के बारे में विचार करने लगा। *अब मेरे दोस्त दुश्मन बन चुके हैं, उसने फिर सोचा।*

उसने कई बार गहरी, तकलीफदेह साँसें ली। उसे उम्मीद थी कि इससे उसे थोड़ी तसल्ली मिलेगी। उसे पता था कि अपने मकसद को ज़ाहिर नहीं होने देने के लिए उसका शांत बना रहना ज़रूरी था।

लोगों को भरोसा देने वाला नाटक करने के लिए अंदर की शांति आवश्यक होती है।

भेष बनाने का उसका अनुभव नया नहीं था, लेकिन इस वक़्त उसका दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। उसने एक बार फिर गहरी, तकलीफदेह साँस ली। तुम लोगों को बरसों से

ठगते रहे हो, उसने अपने आपको याद दिलाया। तुम यही करते हो।

उसने अपने आपको मज़बूत किया और सिएना तथा लैंग्डन के पास वापस जाने की तैयारी करने लगा।

मेरा आख़िरी नाटक, उसने सोचा।

रेस्टरूम से बाहर निकलने के पहले आख़िरी सावधानी के तौर पर उसने अपने मोबाइल की बैटरी को बाहर निकाल लिया, ताकि उसका मोबाइल फोन काम नहीं कर सके।

चकत्ते वाला आदमी जब रेस्टरूम से वापस केबिन में आकर अपनी सीट पर बैठा तो उसके मुँह से दर्द भरी आह निकली। उसका चेहरा पीला दिखाई दे रहा है, सिएना ने सोचा।

'सब ठीक तो है?' सिएना ने पूछा। वह उसके लिए सचमुच चिंतित थी।

उसने सिर हिलाया। 'शुक्रिया। मैं ठीक हूँ।'

ज़ाहिर था कि वह आदमी जितनी जानकारी साझा करना चाहता था उसे हासिल करने के बाद सिएना ने अपना तरीका बदल लिया था। 'मुझे आपका फोन फिर से चाहिए।' उसने कहा। 'अगर आप बुरा न मानें तो मैं डोज के बारे में और भी जानकारी हासिल करना चाहती हूँ। हो सकता है कि सेंट मार्क पहुँचने के पहले हमें अपने कुछ सवालों का जवाब मिल जाए।'

'कोई बात नहीं।' उसने अपनी जेब से फोन बाहर निकाला और उसके डिस्प्ले को देखने लगा। 'धत्तेरे की। कॉल के दौरान मेरी बैटरी कम हो रही थी। लगता है कि बैटरी ख़त्म हो गई।' उसने घड़ी पर नज़र डाली। 'हम जल्द ही वेनिस पहुँचने वाले हैं। हमें इंतज़ार करना होगा।'

इटली के तट से पाँच मील की दूरी पर *द मेंडेसियम* पर नोल्टन चुपचाप खड़ा होकर प्रोवोस्ट को देख रहा था, जो क्यूबिकल के चारों तरफ पिंजरे में बंद जानवर की तरफ चक्कर काट रहा था। फोन आने के बाद प्रोवोस्ट का दिमाग तेज़ी से घूम रहा था। नोल्टन को पता था कि इस समय प्रोवोस्ट के सामने बिलकुल चुपचाप रहना ही बेहतर था।

अंत में धूप से तांबे के रंग की चमड़ी वाले व्यक्ति ने बोलना शुरू किया। उसके मुँह से ऐसा तनावपूर्ण स्वर नोल्टन पहली बार सुन रहा था। 'हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। हमें यह वीडियो डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की के साथ साझा करना ही होगा।'

नोल्टन पत्थर की तरह चुपचाप खड़ा रहा। वह अपनी हैरानी ज़ाहिर नहीं करना चाहता

था। *सफेद बालों वाली शैतान? वही जिससे बचने में हमने साल भर जोब्रिस्ट की मदद की?* ‘ओके सर। क्या मैं यह वीडियो उन्हें ईमेल से भेजने का तरीका तलाश करूँ?’

‘नहीं, भगवान के लिए ऐसा नहीं करो कि लोगों को इसके बारे में पता लग जाए। जनता पागल हो जाएगी। जितनी जल्दी मुमकिन हो मैं डॉक्टर सिंस्की को इस जहाज़ पर देखना चाहता हूँ।’

नोल्टन हैरान होकर उसकी ओर देखने लगा। *वह विश्व स्वास्थ्य संगठन के निदेशक को द मेंडेसियम पर लाना चाहता है?* ‘सर, सुरक्षा संबंधी हमारे प्रोटोकॉल को तोड़ने में कुछ ख़तरे. . .’

‘जो कह रहा हूँ, वही करो नोल्टन, तुरंत।’

66

एफएस-2080 तेज़ी से आगे बढ़ रहे फ्रेसियारजेंटो की खिड़की से बाहर देख रहा था जिसकी खिड़की के शीशे पर रॉबर्ट लैंग्डन का प्रतिबिंब दिखाई दे रहा था। प्रोफेसर अब भी मौत के मुखौटे की पहेली समझने की कोशिश कर रहा था जिसे बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट ने उसके सामने पेश किया था।

बर्ट्रैंड, एफएस 2080 सोच रहा था, मैं उसे कितना मिस करता हूँ।

उसे खोने का दर्द उसके दिल में ताज़ा था। जिस रात वे दोनों मिले थे उसकी स्मृति उसके दिल में अब भी किसी जादुई सपने की तरह बसी थी।

शिकागो। बर्फीला तूफान।

छः साल पहले, जनवरी का महीना. . .लगता है जैसे कल की बात हो। मैग्निफिसेंट माइल के किनारे पड़े बर्फ से होकर मैं धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा हूँ, तेज, बर्फीले तूफान से बचने के लिए ऊपर किया हुआ शर्ट का कॉलर। ठंड के बावजूद मैं ख़ुद को कह रहा था कि मुझे अपनी मंज़िल पर पहुँचने से कोई रोक नहीं सकता। आज मुझे महान बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट की बातें सुनने का सौभाग्य मिला है. . .आमने सामने।

इस आदमी ने आज तक, जो भी लिखा है वह सब मैंने पढ़ लिया है और मुझे पता है कि यह मेरा सौभाग्य है कि इस कार्यक्रम के लिए, जो पाँच सौ टिकट छपे थे उनमें से एक मेरे लिए भी था।

जब मैं हॉल में पहुँचा तो मेरा शरीर ठंड की वजह से करीब करीब सुन्न हो चुका था। कमरा करीब करीब खाली था जिसे देखकर मेरे अंदर डर फैल गया। क्या भाषण का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है? मौसम की वजह से शहर तकरीबन बंद है. . .क्या इसकी वजह से आज की रात जोब्रिस्ट यहाँ नहीं आ रहे?

फिर वे वहाँ दिखाई दिए।

लंबा, भव्य व्यक्तित्व मंच पर उपस्थित होता है।

लंबा व्यक्ति. . .काफी लंबा. . .जीवंत, हरी आँखें जिसकी गहराइयों में जैसे दुनिया-भर के रहस्य समाए हों। वह खाली हॉल की तरफ देखते हैं, जहाँ मुश्किल से एक दर्जन लोग हैं. . .उसके फैन। मुझे शर्म आ रही है कि हॉल करीब-करीब खाली है।

ये हैं बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट।

वे हमारी ओर घूरकर देखते हैं। उनके चेहरे पर कठोरता दिखाई दे रही है। चारों तरफ भयानक चुप्पी छाई है।

फिर बिना चेतावनी के वे ठहाका लगाने लगते हैं। उनकी हरी आँखें चमक रही हैं। 'खाली

ऑडिटोरियम. . .मेरी बला से। मेरा होटल पास ही है। चलो उसके बार में चलते हैं।'

लोगों के बीच खुशी का माहौल फैल जाता है और थोड़े-से लोग पास ही बने होटल के बार की तरफ चल पड़ते हैं, जहाँ एक बड़े से बूथ पर हम जमा होकर ड्रिंक्स ऑर्डर करते हैं। जोब्रिस्ट अपने शोध के बारे में कहानियाँ सुनाकर हमारा मनोरंजन करते हैं। अपने मशहूर होने की कहानी और जीन-इंजीनियरिंग के भविष्य के बारे में अपनी सोच। शराब का दौर जब आगे बढ़ता है तो जोब्रिस्ट अपने नए प्यार ट्रांसह्यूमेनिस्ट फिलोसोफी के बारे में बातें करना शुरू कर देते हैं।

'मुझे लगता है कि ट्रांस-ह्यूमेनिज्म ही मानवता के लंबे काल तक ज़िंदा रहने की एक मात्र उम्मीद है।' जोब्रिस्ट ने अपना प्रवचन जारी रखा। उसने शर्ट एक तरफ खींचकर अपने कंधे पर बने एच+ टैटू को दिखाना शुरू किया। 'जैसा कि तुम देख सकते हो मैं इसके प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूँ।

मुझे लगता है कि मैं किसी रॉक स्टार के साथ ख़ास मुलाकात कर रहा हूँ। मैंने कल्पना भी नहीं की थी कि जीन विज्ञान का यह महान प्रतिभाशाली विद्वान इतना चमत्कारी या लोगों को मोहने वाला होगा। जोब्रिस्ट जितनी बार मेरी ओर देखता है, उसकी हरी आँखें मेरे अंदर न जाने किस तरह की आशातीत भावनाएँ भर देती हैं. . .एक गहरे किस्म का यौन आकर्षण।

रात जैसे-जैसे बीत रही है, लोगों वास्तविकता में वापस जाने के लिए कोई-न-कोई कारण बताकर वहाँ से निकल रहे हैं। उनकी संख्या कम होती जा रही है। आधी रात होते-होते केवल मैं बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट के साथ बैठा हूँ।

'आज की रात के लिए आपका शुक्रिया।' मैं उससे कहता हूँ। मैं थोड़ी अधिक शराब पीने की वजह से नशे में हूँ। 'आप एक अद्भुत शिक्षक हैं।'

'चापलूसी।' जोब्रिस्ट मुस्कराकर मेरी तरफ झुकता है। अब हमारे पाँव एक-दूसरे को छू रहे हैं। 'यह तुम्हें हर जगह ले जा सकता है।'

बेशक यह चुहलबाजी ठीक नहीं है, लेकिन शिकागो के सुनसान होटल में यह एक बर्फीली रात है और ऐसा लगता है जैसे सारी दुनिया जैसे रुक गई है।

'तो तुम क्या सोच रहे हो।' जोब्रिस्ट पूछता है। 'मेरे कमरे में बैठकर शराब का एक और प्याला?'

मैं जैसे जम गया। मुझे लगा कि मैं उस हिरण की तरह था जिसकी आँख में सीधे कार की रोशनी पड़ रही थी।

जोब्रिस्ट की आँखों में गर्मजोशी वाली चमक थी। 'मुझे अंदाज़ा लगाने दो।' वह फुसफुसाकर कहता है। 'तुम कभी मशहूर इंसान व्यक्ति के साथ नहीं रहे हो?'

मुझे लगता है कि मैं शरमा रहा हूँ। मैं अपनी भावनाओं के ज्वार को छुपाने की कोशिश कर

रहा हूँ – शर्मिंदगी, उत्तेजना, डर, उत्तेजना। 'असल में, अगर मैं सच सच बताऊँ,' मैं उससे कहता हूँ, 'मैं कभी किसी पुरुष के साथ नहीं रहा हूँ।'

जोब्रिस्ट मुस्कराकर और नज़दीक आ जाता है। 'मैं पक्के तौर पर नहीं कह सकता कि तुम किसका इंतज़ार कर रहे थे, लेकिन मैं तुमसे आग्रह करता हूँ कि मुझे उन लोगों में पहला होने का मौका दो।'

उसी क्षण मेरे बचपन के सारे यौन संबंधी डर और घबराहट दूर हो गए. . .बर्फीली रात में समा गए।

पहली बार मैं चाहत का अनुभव करता हूँ, शर्म से मुक्त चाहत।

मुझे वह चाहिए।

दस मिनट बाद, हम लोग जोब्रिस्ट के होटल के कमरे में हैं। नंगे। एक-दूसरे की बाँहों में। जोब्रिस्ट अपना समय लेता है। उसके धैर्यवान हाथ उन संवेदनाओं को जगाते हैं जिन्हें मेरे अनुभवहीन शरीर ने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।

यह मेरा फैसला है। उसने मुझे मजबूर नहीं किया।

जोब्रिस्ट के आलिंगन के खोल में मुझे लगता है कि दुनिया में हर चीज़ सही है। वहाँ लेटे हुए, खिड़की के बाहर बर्फीली रात को निहारते हुए, मैं जानता हूँ कि मैं इस इंसान के पीछे हर जगह जाऊँगा।

फ्रेसियारजेंटो ट्रेन की गति अचानक कम हो गई। एफएस-2080 अपनी आनंददायक स्मृति से बाहर आ चुका था, वापस निराश करने वाली वास्तविकता में।

बर्ट्रैंड. . .तुम जा चुके हो।

साथ बिताई गई उनकी पहली रात इस अद्भुत यात्रा का पहला कदम था।

मैं उसके प्रेमी से कहीं अधिक हो चुका था। मैं उसका शिष्य बन चुका था।

'लिबर्टा ब्रिज।' लैंग्डन ने कहा। 'हम लोग पहुँचने ही वाले हैं।'

एफएस-2080 ने उदासी से भरकर सिर हिलाया। वह लगुना वेनेटा के जल को निहार रहा था। उसे याद आ रहा था कि इस स्थान पर उसने एक बार जोब्रिस्ट के साथ नौका की यात्रा की थी। यह एक शांति देने वाली छवि थी, जो पिछले सप्ताह की भयानक स्मृति के साथ घुल-मिल गई थी।

जब उसने बादिया टावर से छलाँग लगाई थी तो मैं वहीं था।

उसने जिन आँखों को आख़िरी बार देखा, वे मेरी ही आँखें थीं।

67

नेटजेट्स साइटेशन एक्सेल बहुत ही खराब मौसम वाले क्षेत्र से उड़ती हुई टैसिग्नानो हवाई अड्डे से निकलकर वेनिस की ओर बढ़ रहा था। जहाज़ पर बैठी डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की ने जहाज़ में हो रहे कंपकंपाहट का मुश्किल से अनुभव किया। वह तो खोई खोई-सी अपने ताबीज़ को थपथपा रही थी और खिड़की से बाहर खुले आसमान में यूँ ही ताक रही थी।

अंततः उन लोगों ने उसे सुइयाँ देनी बंद कर दी थी और अब सिंस्की का दिमाग स्पष्ट रूप से कुछ सोच पा रहा था। उसकी पीछे वाली सीट पर एजेंट ब्रूडर चुपचाप बैठा था। शायद वह अभी थोड़ी देर पहले की अजीबो-गरीब घटनाओं के बारे में सोच रहा था।

हरेक चीज़ उल्टी-पुल्टी हो गई है, सिंस्की ने सोचा। उसे अब भी उन बातों पर यकीन नहीं हो रहा था जिन्हें उसने अभी-अभी देखा था।

तीस मिनट पहले लैंग्डन को पकड़ने के लिए उन्होंने उस छोटे-से हवाई अड्डे पर चढ़ाई की थी, जहाँ से निजी जेट में बैठकर वह उड़ने वाला था, लेकिन प्रोफेसर के बदले उन्हें वहाँ खड़ा साइटेशन एक्सेल दिखाई दिया, जिसके दोनों पायलट हवाई पट्टी पर बेचैन होकर चहलकदमी कर रहे थे और बार-बार अपनी घड़ी की ओर देख रहे थे।

रॉबर्ट लैंग्डन वहाँ नहीं पहुँचा।

इसके बाद फोन कॉल आया।

जिस वक़्त फोन बचा, सिंस्की उसी जगह पर थी, जहाँ वह पूरे दिन पड़ी हुई थी—काले वैन की पिछली सीट पर। एजेंट ब्रूडर बेवकूफों जैसी शक्ल लेकर गाड़ी में घुसा और उसने सिंस्की को अपना फोन पकड़ा दिया।

'आपके लिए ज़रूरी कॉल, मैडम।'

'किसका फोन है?' उसने पूछा।

'उसने मुझे सिर्फ इतना बताने कहा है कि उसके पास बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट के बारे में कुछ ज़रूरी सूचनाएँ हैं, जो वह आपको बताना चाहता है।'

सिंस्की ने झटककर फोन ले लिया। 'मैं डॉक्टर सिंस्की बोल रही हूँ।'

'डॉक्टर सिंस्की, मैं आपसे कभी नहीं मिला हूँ, लेकिन मेरे संगठन ने पिछले एक साल से बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट को आपसे छिपाकर रखा है।'

सिंस्की तनकर बैठ गई। 'तुम चाहे, जो भी हो, तुमने एक अपराधी को अपने साथ रखा है।'

'हमने कोई भी गैर-कानूनी काम नहीं किया है, लेकिन इसका मतलब. . .'

'नहीं, ऐसा नहीं है. . .'

फोन पर बात कर रहे व्यक्ति ने धैर्यपूर्वक, गहरी साँस ली। वह अब बहुत धीमी आवाज़ में बोल रहा था। 'हमारे पास मेरे काम के नैतिक मूल्यांकन के लिए काफी समय मिलेगा। मुझे पता है कि आप मुझे नहीं जानती, लेकिन मैं आपके बारे में बहुत कुछ जानता हूँ। मिस्टर जोब्रिस्ट आपसे दूर रहने के लिए मुझे पिछले साल से ही काफी अच्छी रकम दे रहे थे। आपसे संपर्क कर मैं अपना सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ रहा हूँ। इसके बावजूद मुझे यकीन है कि अपने संसाधनों को साझा करने के अलावा हमारे पास दूसरा विकल्प नहीं है। मुझे लगता है कि बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट ने कुछ भयंकर काम किया है।'

सिंस्की समझ नहीं पा रही थी कि वह आदमी कौन था। 'तुम्हें ये बात अब समझ में आ रही है?'

'हाँ, बिलकुल सही। अभी।' उसकी आवाज़ से सचाई झलक रही थी।

सिंस्की दिमाग के जालों को दूर करने की कोशिश कर रही थी। 'तुम कौन हो?'

'एक ऐसा व्यक्ति, जो समय रहते आपकी मदद करना चाहता है। मेरे पास जोब्रिस्ट का एक वीडियो मैसेज है। उसने मुझे इसे दुनिया के सामने लाने को कहा है..कल। मुझे लगता है कि आपको इसे तुरंत देखना चाहिए।

'इसमें क्या कहा गया है?'

'ये बातें फोन पर नहीं हो सकती। हमें मिलना होगा।'

'मैं कैसे समझूं कि मैं तुम पर यकीन कर सकती हूँ?'

'क्योंकि मैं आपको बताने वाला हूँ कि रॉबर्ट लैंग्डन कहाँ है. . .और उसके अजीब आचरण की क्या वजह है?'

लैंग्डन का नाम सुनकर सिंस्की का दिमाग चकरा गया। वह उस आदमी द्वारा दी जा रही विचित्र व्याख्या को हैरान होकर सुनने लगी। उसे लगा कि यह व्यक्ति पिछले एक साल से उसके दुश्मन के साथ मिली हुआ था, लेकिन जब उसने विस्तार से उसकी बातें सुनी तो सिंस्की को अंदर से ऐसा लगा कि उसे उसकी बातों पर यकीन करना चाहिए।

मेरे पास उसकी बात मानने के सिवा कोई चारा नहीं।

उन दोनों के साझा संसाधनों से 'ठुकराए हुए' नेटजेट्स साइटेशन एक्सेल का नियंत्रण हासिल करना मुश्किल नहीं था। सिंस्की और उसके सिपाही तेज़ी से वेनिस की ओर बढ़ रहे थे, जहाँ इस आदमी की सूचना के अनुसार, लैंग्डन और उसके साथ यात्रा कर रहे दो सहयोगी थोड़ी देर में ट्रेन से पहुँचने वाले थे। स्थानीय अधिकारियों से सहयोग लेने के लिए समय नहीं बचा था, लेकिन फोन पर बात कर रहे आदमी का दावा था कि उसे लैंग्डन के गंतव्य स्थान के बारे में जानकारी थी।

सेंट मार्क चौराहा? वेनिस की घनी आबादी वाले इस इलाके के भीड़भाड़ वाले चौराहे के

बारे में सोचते हुए सिंस्की के अंदर सिहरन होने लगी। 'तुम्हें कैसे पता?'

'फोन पर नहीं।' उस आदमी ने कहा। 'लेकिन आपको पता होना चाहिए कि अंजाने में ही रॉबर्ट लैंग्डन एक बहुत ही ख़तरनाक व्यक्ति के साथ यात्रा कर रहा है।'

'कौन?' सिंस्की ने पूछा।

'जोब्रिस्ट का एक बहुत ही करीबी व्यक्ति।' उसने गहरी साँस ली। 'जिस पर मेरा गहरा भरोसा था। ज़ाहिर है कि यह मेरी बेवकूफी थी। मुझे लगता है कि यह व्यक्ति अब एक बहुत बड़ा ख़तरा है।'

निजी जेट अब वेनिस के मार्को पोलो हवाई अड्डे के पास पहुँच रहा था। इस पर सिंस्की और छह सिपाही सवार थे। सिंस्की फिर से रॉबर्ट लैंग्डन के बारे में सोचने लगी। उसकी याद्दाश्त चली गई? *उसे अब कुछ भी याद नहीं?* वैसे तो इस अजीब-सी ख़बर ने कई बातें स्पष्ट कर दी थी, लेकिन इस मशहूर विद्वान को इस संकट में डालने की बात उसकी तकलीफ को और भी बढ़ा रही थी।

मैंने उसके लिए कोई विकल्प नहीं छोड़ा।

करीब दो दिन पहले जब सिंस्की ने लैंग्डन को इस काम के लिए बहाल किया तो उसने उसे पासपोर्ट के लिए भी घर नहीं जाने दिया। इसकी जगह उसने फ्लोरेंस एयरपोर्ट से होकर विश्व स्वास्थ्य संगठन का ख़ास सहयोगी घोषित कर चुपचाप निकलने में मदद की।

सी-130 आसमान में तैरता हुआ पूर्व की दिशा में एटलांटिक महासागर को पार कर रहा था। सिंस्की ने अपनी बगल में बैठे लैंग्डन पर नज़र डाली। उसने देखा कि उसकी तबीयत ठीक नहीं लग रही थी। वह लगातार जहाज़ के दीवार को देख रहा था जबकि वहाँ कोई खिड़की नहीं थी।

'प्रोफेसर, क्या आप समझ रहे हैं कि इस जहाज़ में कोई खिड़की नहीं है? हाल फिलहाल तक इस जहाज़ का इस्तेमाल सैनिक सामानों को ढोने के लिए किया जाता था।'

लैंग्डन का चेहरा जर्द हो गया। 'हाँ, जहाज़ में घुसते ही मैं यह बात समझ गया। मुझे बंद जगहें पसंद नहीं।'

'इसीलिए आप खिड़की से बाहर देखने का स्वांग कर रहे हैं।'

उसके चेहरे पर बेवकूफों जैसी मुस्कराहट दिखाई दे रही थी। 'हाँ, कुछ ऐसी ही बात थी।'

'ठीक है, तो फिर इसे देखिए।' उसने लंबे, हरी आँखों वाले अपने जानी दुश्मन की तस्वीर निकालकर उसके सामने रख दी। 'यह बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट है।'

काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में जोब्रिस्ट के साथ हुई भिड़ंत, आबादी के महाविनाश-समीकरण के बारे में उसके जोशीले आकर्षण, दुनिया-भर में प्रचारित काले प्लेग के वैश्विक फायदे के बारे में उसकी बहुप्रचारित टिप्पणी और पिछले एक साल के दौरान दुनिया की नज़रों से पूरी तरह गायब होने जैसी अपशगुनी बातों के बारे में वह पहले ही लैंग्डन को बता

चुकी थी।

'इतना मशहूर आदमी भला साल भर दुनिया की नज़रों से छुप कर कैसे रह सकता है?' लैंग्डन ने पूछा।

'उसे कई लोगों ने मदद की, पेशेवर मदद। शायद किसी विदेशी सरकार ने भी।'

'कौन-सी सरकार प्लेग पैदा करने का समर्थन कर सकती है?'

' वही सरकारें, जो काला बाजारी के द्वारा परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिश करती हैं। मत भूलिए कि एक सफल प्लेग सबसे बड़ा जैव-रासायनिक हथियार है और इसकी बहुत बड़ी कीमत मिल सकती है। जोब्रिस्ट अपने सहयोगियों के साथ आसानी से झूठ बोलकर उन्हें आश्वस्त कर सकता था कि उसकी बनाई इस चीज़ का प्रभाव एक सीमित क्षेत्र में होगा। सिर्फ जोब्रिस्ट को ही पता था कि उसकी बनाई चीज़ क्या क्या कर सकती थी।'

लैंग्डन चुप हो गया।

'जो भी हो,' सिंस्की ने अपनी बात जारी रखी। 'अगर वे पैसे या पावर के लिए नहीं तो जोब्रिस्ट का साथ देने वाले लोग विचारधारा के नाम पर उसका साथ दे रहे थे। जोब्रिस्ट के ऐसे शिष्यों की कमी नहीं थी, जो उसके लिए कुछ भी करने को तैयार थे। वह बहुत ही मशहूर व्यक्ति था। उसने तो आप की यूनिवर्सिटी में भी थोड़े ही दिन पहले भाषण दिया था।

'हार्वर्ड में।'

सिंस्की ने कलम निकाला और जोब्रिस्ट की तस्वीर के किनारे H लिख कर इसके आगे + का चिह्न लगा दिया–H+. 'आप प्रतीकों के बारे में अच्छी समझ रखते हैं', उसने कहा। 'क्या आप इसे पहचान सकते हैं?'

H+

'H-प्लस।' लैंग्डन ने फुसफुसाकर कहा। वह यूँ ही अपना सिर भी हिला रहा था। 'हाँ, कुछ ही गर्मियों के पहले यह चिह्न पूरे कैंपस में चिपका हुआ था। मुझे लगा था कि शायद यह रसायन शास्त्र से संबंधित किसी सम्मेलन से संबंधित है।'

सिंस्की मुस्कराई। 'नहीं, यह 'ह्यूमैनिटी प्लस' सम्मेलन का चिह्न है जिसे दुनिया के सबसे बड़े ट्रांसह्यूमैनिज्म सभाओं में गिना जाता है। H-प्लस ट्रांसह्यूमैनिस्ट आँदोलन का प्रतीक चिह्न है।'

लैंग्डन ने अपना सिर हिलाया जैसे वह ट्रांसह्यूमैनिज्म का अर्थ समझने की कोशिश कर रहा हो।

'ट्रांसह्यूमैनिज्म एक बौद्धिक आँदोलन है,' सिंस्की ने कहा। 'एक प्रकार का दर्शन, जो वैज्ञानिक समुदाय के बीच तेज़ी से अपनी पकड़ बना रहा है। मूलतः इसका मानना है कि मनुष्यों को अपने शरीर की कमियों से ऊपर उठने के लिए टेक्नोलॉजी की इस्तेमाल करना

चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो मानव विकास का अगला चरण हमें ख़ुद को जैविक इंजीनियरिंग द्वारा विकसित करना होना चाहिए।'

'यह तो अनिष्टकारी लगता है।' लैंग्डन ने कहा।

'अन्य परिवर्तनों की तरह, इसमें सिर्फ मात्रा का सवाल है। तकनीकी ढंग से हम वर्षों से अपनी इंजीनियरिंग करते रहे हैं जैसे कि टीके, जो बच्चों को पोलियो, चेचक और टाइफाइड जैसी बीमारियों से बचाते है। फर्क इतना है जर्म-लाइन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जोब्रिस्ट की खोज इन टीकों के प्रभाव को वंशानुगत बनाने का रास्ता दिखाती है। यानी कि टीका लेने वाले व्यक्ति को किस प्रकार जर्म-लाइन के स्तर पर प्रभावित किया जा सकता है, जो आने वाली सभी पीढ़ियों को इन बीमारियों से सुरक्षित रखेगी।

लैंग्डन यह सुनकर अचंभे में पड़ गया। 'यानी कि मानव प्रजाति विकास की एक नई अवस्था में प्रवेश करेगा, जो इसे उदाहरण के लिए टाइफाइड जैसी बीमारियों से प्रभावित नहीं होने देगा।'

'यह एक प्रकार से सहायता प्राप्त विकास है,' सिंस्की ने उसे सुधारते हुए कहा। 'सामान्य तौर पर जैविक विकास की प्रक्रिया में लाखों वर्षों का समय लगता है। उदाहरण के लिए जैसे लंगफिश में पैरों का विकसित होना या बंदरों में उंगलियों के साथ मिलाकर इस्तेमाल किए जाने वाले अंगूठों का विकास। अब हम जीन संबंधी बड़े परिवर्तन एक ही पीढ़ी में पूरा कर सकते हैं। इस सिद्धांत का जन्म देने वाले लोग इसे डार्विन के 'सर्वाइवल ऑफ़ द फिटेस्ट' सिद्धांत की सर्वोच्च अभिव्यक्ति मानते हैं जब एक प्रजाति के रूप में मनुष्य अपनी विकास प्रक्रिया को बेहतर बनाने की क्षमता हासिल कर लेता है।'

'ऐसा लगता है जैसे हम भगवान की भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं।' लैंग्डन ने जवाब दिया।

'मैं इससे पूरी तरह सहमत हूँ।' सिंस्की ने कहा। 'लेकिन अन्य ट्रांसह्यूमेनिस्टों की तरह जोब्रिस्ट भी मानता था कि हमें अपनी प्रजाति को विकसित करने के लिए हर संभव प्रयत्न करना चाहिए जैसे कि जर्म-लाइन जीन परिवर्तन, लेकिन मुश्किल ये है कि हमारी जीन संरचना ताश के पत्तों से बने घर की तरह है, जिसमें एक पत्ता दूसरे अनेक पत्तों से जुड़ा है और उनके ऊपर आधारित है। प्रायः हम इस प्रक्रिया को नहीं समझ पाते हैं। अगर हम मनुष्य के जीन से एक गुण को हटाते हैं तो इसके साथ ही सैकड़ों दूसरे जीन परिवर्तन हो सकते हैं जिनका भयंकर दुष्परिणाम हो सकता है।'

लैंग्डन ने सहमति व्यक्त की, 'विकास की प्रक्रिया क्रमिक होने की कुछ वजह है।'

'बिलकुल।' सिंस्की ने कहा। प्रोफेसर के उसका सम्मान हर पल बढ़ता जा रहा था। 'हम एक ऐसी प्रक्रिया से छेड़छाड़ कर रहे हैं जिसे पूरा होने में न जाने कितने युग लगे हैं। यह ख़तरनाक वक़्त है। अब हमारे पास जीनों की श्रृंखला को सक्रिय बनाने की तकनीक हासिल हो चुकी है, जो हमारी संततियों को अधिक ताकत, कार्यक्षमता, यहाँ तक कि

अधिक बुद्धिमत्ता एवं श्रम करने की क्षमता प्रदान कर सकती है, जो हमें सुपर-प्रजाति बना सकती है। ख़ास तकनीकों के इस्तेमाल से विकसित इन व्यक्तियों को ट्रांसह्यूमेनवादी 'पोस्ट-ह्यूमन' कहते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यही हमारी प्रजाति का भविष्य है।'

'सुनने में यह यूजेनिक्स की तरह डरावना लगता है' लैंग्डन ने कहा।

यूजेनिक्स का संदर्भ सुनकर सिंस्की के शरीर में सिहरन हो गई।

सन् 1940 के दशक में नाजियों ने एक तकनीक विकसित करने की कोशिश की जिसे वे यूजेनिक्स कहते थे। इस अल्प विकसित जीन-इंजीनियरिंग की तकनीक का इस्तेमाल कर वांछित गुणों वाले मानवों के जन्म दर को बढ़ाया जा सकता था और अवांछित प्रजातीय गुणों वाले मनुष्यों के जन्म दर को घटाया जा सकता था।

जीन के स्तर पर प्रजातीय छटनी।

'इनमें कुछ समानताएँ हैं,' सिंस्की ने स्वीकार किया। 'वैसे तो नई मानव प्रजाति को विकसित करने की इंजीनियरिंग के बारे में कल्पना करना मुश्किल है, लेकिन कई समझदार लोगों का मानना है कि इस प्रक्रिया की शुरुआत हमारे अस्तित्व की रक्षा के लिए आवश्यक है। ट्रांसह्यूमेनिस्ट पत्रिका H+ में एक व्यक्ति ने लिखा था कि जर्म-लाइन इंजीनियरिंग स्पष्ट रूप से इसके लिए अगला कदम है। उसका दावा था कि यह प्रक्रिया हमारी प्रजाति की वास्तविक क्षमताओं का प्रमाण है। यह बोलकर सिंस्की रुकी। 'इसके बाद, पत्रिका को सही ठहराने के लिए उन्होंने एक और लेख प्रकाशित किया जिसका शीर्षक था–दुनिया का सबसे ख़तरनाक विचार–द मोस्ट डेंजरस आइडिया इन द वर्ल्ड।'

'मैं बाद वाले लेख का समर्थन करता हूँ।' लैंग्डन ने कहा। 'कम-से-कम समाजशास्त्रीय ढंग से तो अवश्य ही।'

'ऐसा कैसे?'

'देखिए, कॉस्मेटिक-सर्जरी की तरह जीन परिवर्धन भी एक महंगी प्रक्रिया है। इसमें काफी खर्च होता है।'

'बिलकुल। सभी लोग अपने या अपनी संतानों को बेहतर बनाने के लिए इसे नहीं अपना सकते।'

'इसका मतलब है कि कानूनी तौर पर स्वीकृत जीन-परिवर्धन गरीबों और अमीरों की एक नई जमात पैदा कर देगा। वैसे भी गरीबों और अमीरों के बीच की खाई बढ़ती जा रही है, लेकिन जीन इंजीनियरिंग सुपर-ह्यूमन की एक नई नस्ल खड़ी कर देगा..ऐसे लोगों की जमात जिन्हें सुपर-ह्यूमन समझा जाएगा। क्या आपको लगता है कि लोग दुनिया को चलाने वाले एक प्रतिशत आबादी के बारे में चिंतित हैं? कल्पना कीजिए कि इस प्रकार के एक प्रतिशत लोग एक उच्चतर प्रजाति के हैं–ज़्यादा तेज़ तर्रार, मज़बूत और स्वस्थ। इस तरह की परिस्थिति गुलामी और नस्ली-संहार जैसे परिणामों को जन्म देगी।'

सिंस्की अपने पास बैठे ख़ूबसूरत विद्वान को देखकर मुस्कराई। 'प्रोफेसर, आप अपने जीन-इंजीनियरिंग के सबसे बड़े ख़तरे को बहुत जल्दी समझ लिया जिसकी तरफ मैं इशारा कर रही थी।'

'हाँ, हो सकता है कि मैंने इसे समझ लिया, लेकिन मैं अब भी जोब्रिस्ट के बारे में ठीक से नहीं समझ पाया हूँ। पूरा का पूरा ट्रांसह्यूमेनिस्ट विचार मानवता को बेहतर बनाने के, हमें अधिक स्वस्थ बनाने के लिए, गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए और हमारी आयु में वृद्धि के लिए केंद्रित है। इसके बावजूद जनसंख्या वृद्धि के बारे में जोब्रिस्ट के ख़्याल लोगों को मारने की बात करते हैं। ट्रांसह्यूमेनिज्म तथा जनसंख्या में वृद्धि के बारे में उसके विचार विरोधाभासी लगते हैं। है कि नहीं?'

सिंस्की ने गंभीरता से भरकर साँस ली। यह एक अच्छा सवाल था, लेकिन दुर्भाग्यवश इसका जवाब ज़ाहिर तौर पर परेशान करने वाला था। 'जोब्रिस्ट पूरी तरह से ट्रांसह्यूमेनिज्म में यकीन करता था यानी कि टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर मानव प्रजाति को बेहतर बनाने में, लेकिन उसका यह भी मानना था कि हमें ऐसा करने का मौका मिलने के पहले ही मानव-प्रजाति नष्ट हो जाएगी। सारांशतः, अगर किसी ने पहल नहीं की तो हमारी संख्या के कारण मानव-प्रजाति समाप्त हो जाएगी और हमें जीन-इंजीनियरिंग की तकनीक का इस्तेमाल करने का मौका ही नहीं मिल पाएगा।'

लैंग्डन की आँखें आश्चर्य से फैल गई। 'यानी कि जोब्रिस्ट भीड़ को कम करना चाहता था..ताकि हम थोड़ा वक़्त मिल सके।'

सिंस्की ने सिर हिलाया। 'उसने एक बार अपनी स्थिति की तुलना उस जहाज़ पर बैठे व्यक्ति से की थी जिस पर यात्रियों की संख्या हर घंटे दोगुनी होती जा रही थी। अपने ही वजह से जहाज़ को डूबने से बचाने के लिए वह लाइफ-बोट बनाने की कोशिश कर रहा था।' वह बोलते बोलते रुक गई। 'वह आधे लोगों को पानी में फेंक देने के पक्ष में था।'

लैंग्डन ने आँखें सिकोड़ ली। 'डरावना ख्याल।'

'बिलकुल। इसके बारे में शक की गुंजाइश नहीं।' उसने कहा। 'जोब्रिस्ट को यकीन था कि मानव आबादी में तेज़ी से कमी लाने को एक दिन वीरतापूर्ण काम के रूप में देखा जाएगा. . .यह वही क्षण होगा जब मानव नस्ल ने ख़ुद को बचाने का निर्णय करेगी।'

'हाँ, जैसा मैंने कहा, डरावना।'

'यह और भी डरावना इसलिए है, क्योंकि ऐसा सोचने वाला जोब्रिस्ट अकेला व्यक्ति नहीं था। मरने के बाद ढेरों लोग उसे शहीद मानने लगे। मुझे नहीं पता कि फ़्लोरेंस पहुँचने पर हमारा सामना किन लोगों से होगा, लेकिन हमें काफी सावधान रहना पड़ेगा। प्लेग की तलाश में सिर्फ हम लोग ही वहाँ नहीं पहुँचेंगे और आपकी सुरक्षा के लिए हम किसी भी दूसरे व्यक्ति को यह नहीं जानने देंगे की आप इसकी तलाश में इटली आए हैं।'

लैंग्डन ने उसे अपने दोस्त इग्नाजियो बुसोनी के बारे में बताया, जो दांते विशेषज्ञ था। लैंग्डन का मानना था कि बुसोनी उसे पालात्ज़ो वेखियो ले जा सकता है, जहाँ वह म्यूजियम बंद होने के बाद आराम से जोब्रिस्ट के छोटे-से प्रोजेक्टर की सहायता से उस पेंटिंग को देख सकता था, जिसमें सेरका ट्रोवा लिखा हुआ था। शायद बुसोनी लैंग्डन को मौत की आँखों के बारे में अजीब-से उद्धरण को समझने में भी मदद कर सकता था।

सिंस्की ने अपने लंबे, सफेद बालों को पीछे किया और लैंग्डन को गौर से देखने लगी। 'ढूँढ़ो और पाओ, प्रोफेसर। वक़्त बहुत कम है।'

सिंस्की जहाज़ पर बने स्टोर रूम में जाकर विश्व स्वास्थ्य संगठन का सबसे सुरक्षित हैजमैट ट्यूब लेकर आई, जो बायोमीट्रिक सीलिंग कर सकता था।

'अपना अंगूठा दीजिए,' उसने लैंग्डन के आगे कनस्तर को रखते हुए कहा।

लैंग्डन हैरान था, लेकिन वह कृतज्ञता का अनुभव भी कर रहा था।

सिंस्की ने ट्यूब को इस तरह प्रोग्राम कर दिया कि इसे केवल लैंग्डन ही खोल सकता था। इसके बाद उसने छोटे-से प्रोजेक्टर को इसके अंदर सुरक्षित ढंग से रख दिया।

'इसे चलती फिरती तिजोरी समझिए।' उसने मुस्कराते हुए कहा।

'बायोहैजर्ड संकेत चिह्न के साथ?' लैंग्डन असहज लग रहा था।

'हमारे पास यही है। अच्छी बात है कि किसी की इसके साथ छेड़छाड़ की हिम्मत नहीं होगी।'

लैंग्डन ने अपनी टाँगे सीधी करने और शौचालय का इस्तेमाल करने की इजाज़त मांगी। उसके जाने के बाद सिंस्की ने उसकी जैकेट की जेब में सील किए हुए कनस्तर को रखने की कोशिश की, लेकिन जेब छोटी पड़ गई।

वह सबके सामने इस कनस्तर को लेकर नहीं जा सकता। उसने थोड़ी देर के लिए इसके बारे में सोचा और फिर स्टोर रूम जाकर एक मेडिकल इस्तेमाल वाला चाकू और सिलाई का औजार ले आई। इस काम में माहिर व्यक्ति की तरह उसने लैंग्डन के जैकेट की लाइनिंग में एक चीरा लगाया और उसमें इस बायोट्यूब को छुपाने के लिए बिलकुल सही आकार का छुपी हुई एक जेब बना दी।

लैंग्डन जब वापस हुआ तो वह इस काम को पूरा करने वाली थी।

प्रोफेसर रुका। वह इस तरह से देख रहा था मानो किसी ने मोनालिसा की तस्वीर को नष्ट-भ्रष्ट कर दिया हो। 'आपने मेरे हैरिस ट्वीड की लाइनिंग में चीरा लगाया?'

'शांत हो जाइए, प्रोफेसर।' उसने कहा। 'मैं एक प्रशिक्षित सर्जन हूँ। ये टाँके बिलकुल पेशेवर ढंग से लगाए गए हैं।'

68

वेनिस का सांता लुसिया ट्रेन स्टेशन बहुत ही ख़ूबसूरत है। इसकी छत नीची है, जो भूरे रंग के पत्थरों और कंक्रीट से बनी है। इसे आधुनिक, सादगीपूर्ण तरीके, मिनिमलिस्ट स्टाइल, में बनाया गया है। इसके सामने वाले हिस्से में किसी भी प्रकार का दिशा-निर्देश नहीं लिखा गया है। वहाँ केवल एक चिह्न है–पंखदार एफएस, जो देश की रेल व्यवस्था फेरोवी डेलो स्टेटो का संकेत चिह्न है।

स्टेशन ग्रैंड कैनाल के सबसे पश्चिमी हिस्से में बना है। इसलिए स्टेशन के बाहर पहला कदम रखते ही यात्री वेनिस के विशिष्ट दृश्यों, गंध और आवाज़ों में डूब जाते हैं।

लैंग्डन को हमेशा यहाँ की नमकीन हवा सबसे पहले प्रभावित करती थी, जिसमें समुद्र से आने वाली ताजी हवा में सड़क के किनारे बिक रहे सफेद पिज़्ज़ा की ख़ुशबू शामिल रहती थी। आज पुरवैया हवा चल रही थी और हवा अपने साथ ग्रैंड कैनाल के स्थिर जल में इंतज़ार कर रहे वाटर-टैक्सी से आ रही डीजल की तीखी गंध भी लेकर आ रही थी। वाटर टैक्सी के दर्जनों कैप्टन ज़ोर-ज़ोर से हाथ हिलाकर सैलानियों को अपनी टैक्सियों, गोंडोला, वैपोरेट्टी और प्राइवेट स्पीड बोट की ओर आकर्षित करने की उम्मीद कर रहे थे।

पानी में तैर रहे ट्रैफिक जाम की तरफ देखकर लैंग्डन पानी में अफरा तफरी की बात सोच रहा था। बोस्टन में, जो ट्रैफिक जाम लोगों को पागल बना देता था वही यहाँ वेनिस में विलक्षण लग रहा था।

नहर के दूसरी ओर थोड़ी ही दूरी पर दोपहर के आसमान में सैन सिमोन पिकोलो चर्च का शानदार वर्डिग्रिस गुंबद दिखाई दे रहा था। यह चर्च पूरे यूरोप में स्थापत्य कला की दृष्टि से अनूठा था, क्योंकि इसमें कई शैलियों का इस्तेमाल किया गया था। इसके सामान्य से अधिक तीखी ढलान वाली गुंबद और गोलाकार सैंक्चुअरी बाइजेंटाइन शैली में बनी थी, लेकिन खंभों पर टिका सामने का बरामदा साफ तौर पर ग्रीक शैली में बना था जैसा कि रोम के पैंथियन में दिखाई देता है। मुख्य प्रवेश-द्वार के ऊपर संगमरमर की बनी दर्शनीय तिकोनी संरचना थी, जिसमें कई शहीद संतों को दिखाया गया था।

वेनिस खुले आसमान में बना संग्रहालय है, लैंग्डन ने सोचा। अब उसकी आँखें नहर के पानी पर जमी थी, जो चर्च की सीढ़ियों से टकरा रहा था। आहिस्ता-आहिस्ता डूबता म्यूजियम। इसके बावजूद, शहर के ऊपर, जो ख़तरा मंडरा रहा था, उसके सामने बाढ़ का ख़तरा लैंग्डन को महत्त्वहीन लग रहा था।

और किसी को कुछ पता नहीं. . .

दांते के डेथ-मास्क के पीछे लिखी कविता अब भी लैंग्डन के दिमाग में घूम रही थी। वह

सोच रहा था कि आख़िर ये कविता उसे कहाँ ले जाएगी। उसकी जेब में कविता की नकल थी, लेकिन सिएना की सलाह पर उसने प्लास्टर का बना मुखौटा एक अखबार में लपेटकर ट्रेन स्टेशन के सेल्फ-सर्विस लॉकर में बंद कर दिया था। वैसे तो इतने कीमती सामान को इस तरह की जगह पर रखना कतई मुनासिब नहीं था, लेकिन पानी से भरे शहर में इस बेशकीमती मुखौटे को लेकर इधर-उधर घूमने से तो यह बेशक बेहतर था।

'रॉबर्ट?' सिएना फेरिस के साथ आगे आगे चल रही थी और वह वाटर-टैक्सी की ओर इशारा कर रही थी। 'हमारे पास ज़्यादा वक़्त नहीं है।'

लैंग्डन तेज़ी से उनकी ओर बढ़ा, हालाँकि ग्रैंड कैनाल के किनारे चलते हुए इस प्रकार तेज़ी से निकल जाना उसके जैसे स्थापत्य कला के प्रेमी को नागवार गुज़र रहा था। वेपोरेट्टो नंबर १ इस शहर का सबसे ख़ास खुली वाटर-बस मानी जाती थी। वेनिस में खुले आसमान के नीचे इस वाटर बस के अगले हिस्से में बैठकर, ख़ासकर रात में, रोशनी से जगमगाते गिरजाघरों और महलों को पीछे जाते हुए देखने से अधिक आनंददायक दूसरा अनुभव नहीं हो सकता था।

आज कोई वेपोरेट्टो नहीं दिखाई दे रहा, लैंग्डन ने सोचा। वेपोरेट्टी वाटर बस वाटर टैक्सी की तुलना में बहुत ही धीमे चलने के लिए कुख्यात थे। जल्दी पहुँचने के लिए वाटर-टैक्सी बेहतर विकल्प था। दुर्भाग्यवश, इस वक़्त ट्रेन स्टेशन के बाहर टैक्सियों की कतार जैसे ख़त्म होने का नाम ही नहीं ले रही थी।

फेरिस इंतज़ार करने के मूड में नहीं था। उसने तुरंत स्थितियों को अपने कब्जे में कर लिया। उसने मुट्ठी में पैसा भरकर तुरंत एक वाटर लिमोजीन को अपने पास बुला लिया। यह ख़ूबसूरत, चमचमाती वाटर टैक्सी, वेनेजियानो कन्वर्टिबुल, दक्षिण अफ्रीकी महोगनी की बनी थी। देखने में यह सचमुच लाजवाब लग रही थी जिससे यात्रा करना तेज़ भी होता और किसी दूसरे की नज़र भी उन पर नहीं पड़ती। ग्रैंड कैनाल से होकर सेंट मार्क चौराहे तक पहुँचने में में उन्हें महज पंद्रह मिनट का समय लगता।

इस वाटर टैक्सी का ड्राइवर बेहद ख़ूबसूरत था और उसने अरमानी की सूट पहन रखी थी। वह टैक्सी चालक से अधिक सिनेमा का हीरो लग रहा था, लेकिन आख़िरकार यह वेनिस था, इतालवी ख़ूबसूरती का शहर।

'मौरिजियो पिंपोनी,' उस व्यक्ति ने सिएना को आँख मारते हुए सबका स्वागत किया। 'प्रोसेक्को? लिमोनचेलो? शैंपेन?'

'*नहीं, शुक्रिया,*' सिएना ने इतालवी में उसे जवाब दिया। उसने धाराप्रवाह इतालवी में उसे जितनी जल्दी संभव हो सेंट मार्क चौराहा पहुँचाने को कहा।

'बेशक।' मौरिजियो ने फिर से कनखी मारी। 'मेरी नाव पूरे वेनिस में सबसे तेज़ चलती है।'

खुली छत वाली इस नाव के गद्देदार सीट पर अब लैंग्डन और दूसरे लोग आराम से बैठ

चुके थे। मौरिजियो ने इसके वोल्वो पेंटा मोटर को पीछे की तरफ चालू किया और पूरी दक्षता के साथ इसे किनारे से दूर ले जाने लगा। इसके बाद उसने स्टीयरिंग व्हील को तेज़ी से दाहिनी तरफ मोड़ा और इंजन को आगे की तरफ चालू कर दिया। वहाँ लगे अनेक छोटी नावों के बीच से वह अपनी बड़ी नाव को निकालकर जब आगे बढ़ा तो पानी की लहरों के कारण धारीदार शर्ट पहने गोंडोला चालक ऊपर नीचे होने लगे।

'*माफ कीजिए।*' मौरिजियो ने विनम्रतापूर्वक कहा, 'वीआईपी?'

कुछ ही सेकंडों में मौरिजियो सांता लुसिया स्टेशन की भीड़ भाड़ से निकलकर ग्रैंड कैनाल में पूरब की दिशा में जाने लगा। विशाल और ख़ूबसूरत पोंटे डेगली स्कैलजी पुल के नीचे से गुज़रते हुए लैंग्डन ने वहाँ के स्थानीय भोजन सेपी एल नेरो की सुगंध का अनुभव किया, जो नहर के किनारे बनी छतरीदार दुकानों से छन छन कर आ रही थी। सेपी एल नेरो यानी अपनी ही रोशनाई में पकाया गया स्क्विड। नहर के एक मोड़ पर मुड़ते हुए सामने अब सैन जेरेमिया का गुंबद वाला चर्च दिखाई दे रहा था।

'सेंट लुसिया' लैंग्डन ने चर्च के बगल में लगी पट्टिका पर लिखे नाम को पढ़ते हुए फुसफुसाकर कहा। 'अंधों की हड्डी।'

'माफ करना', सिएना ने मुड़कर देखा। वह उम्मीद कर रही थी कि लैंग्डन ने रहस्यमय कविता के आगे जाकर भी कुछ ढूँढ़ा होगा।

'नहीं, कुछ भी नहीं।' लैंग्डन ने कहा। 'कुछ अजीब-सा ख़्याल आ रहा है। शायद इसका कोई मतलब नहीं है।' उसने चर्च की ओर इशारा किया। 'पट्टिका पर लिखावट को देख रहे हो? सेंट लुसिया वहीं दफन हैं। मैं कभी कभार प्रशस्ति वाचक कला के बारे में लेक्चर देता हूँ, जिसमें ईसाई संतों का निरूपण किया जाता है। अभी-अभी मुझे याद आया कि सेंट लुसिया को अंधों का इष्ट संत माना जाता है।'

'*हाँ, सांता लुसिया।*' मौरिजियो ने उनके स्वर में स्वर मिलाते हुए कहा। वह दिखाना चाहता था कि वह उनके काम का आदमी था। 'अंधों का संत। आपको कहानी पता है न?' उनके ड्राइवर ने मुड़कर उनकी ओर देखा। वह शोरगुल के बीच ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाकर बात कर रहा था। 'लुसिया इतनी ख़ूबसूरत थी कि सभी उसे हासिल करना चाहते थे। इसलिए लुसिया ने ईश्वर के प्रति पवित्र बने रहने और अपने कौमार्य की रक्षा के लिए अपनी आँखें ख़ुद निकाल ली।'

सिएना के गले से हल्की-सी कराह निकली। 'यह समर्पण था।'

'इस त्याग के बदले में ईश्वर ने लुसिया को उससे भी बेहतर आँखें प्रदान की।' मौरिजियो ने कहा।

सिएना ने लैंग्डन की ओर देखा। 'उसे मालूम है कि इसका कोई मतलब नहीं होता, है न?'

'ईश्वर के खेल कोई नहीं समझ सकता,' लैंग्डन ने कहा। वह मन-ही-मन ओल्ड मास्टर की

बीस से अधिक तस्वीरों के बारे में सोच रहा था जिनमें सेंट लुसिया को तश्तरी में अपनी ही आँखें ले जाते हुए दिखाया गया था।

वैसे तो सेंट लुसिया की कहानी की कहानी के कई स्वरूप थे, लेकिन हर कहानी में लुसिया को अपनी आकर्षक आँखों को प्लेट में निकालकर अपने जिद्दी प्रेमी के सामने रखकर बोलते हुए दिखाया गया है, 'जिस वस्तु को तुम इतना चाहते थे वह तुम्हारे लिए हाज़िर है. . .और आगे के लिए मैं तुमसे विनती करती हूँ कि मुझे चैन से रहने दो।' अजीब बात है कि लुसिया को अपने शरीर को क्षत विक्षत करने की प्रेरणा पवित्र धर्मग्रंथ से मिली थी जिसने उसे हमेशा के लिए ईसा मसीह के इस मशहूर फटकार से जोड़ दिया था। 'अगर तुम्हारी आँखें तुम्हें परेशान कर रही हों तो इन्हें बाहर निकालकर मेरे आगे रख दो।'

ईसा मसीह की फटकार में आँखें निकालने के लिए प्लक का इस्तेमाल किया गया था। इस कविता में भी इसी शब्द का प्रयोग हुआ था। *वेनिस के उस विश्वासघाती कुत्ते की तलाश करो जिसने अंधे की हड्डियाँ उखाड़ ली थीं।*

इस संयोग से वह हैरान था। वह सोच रहा था कि शायद यह कूट-संदेश बता रहा था कि इस कविता में जिस अंधे व्यक्ति की चर्चा की गई है वह सेंट लुसिया ही है।

'मौरिजियो,' लैंग्डन सैन जेरेमिया के चर्च की ओर देखते हुए चिल्लाया। 'सेंट लुसिया की हड्डियाँ उस चर्च में भी हैं न?'

'हाँ, कुछ हड्डियाँ।' मौरिजियो ने कहा। वह एक हाथ से दक्षता पूर्वक अपनी नाव चलाते हुए पीछे बैठे यात्रियों की ओर देख रहा था। वह सामने नावों के ट्रैफिक को नहीं देख रहा था। 'लेकिन ज़्यादा नहीं। सेंट लुसिया को लोग इतना प्यार करते हैं कि दुनिया-भर के गिरजाघरों में उसके शरीर के हिस्से बिखरे हुए हैं। वेनिस के लोग सेंट लुसिया को सबसे ज़्यादा प्यार करते हैं और हम उसकी याद में त्योहार. . .'

'मौरिजियो!' फेरिस चिल्लाया। 'सेंट लुसिया अंधी थी, लेकिन तुम्हारी तो आँखें हैं।सामने देखो।'

मौरिजियो दिल खोल कर हँसा और उसने जल्दी से अपने नाव की दिशा बदलकर सामने से आ रहे दूसरे नाव से इसे टकराने से बचा लिया।

सिएना लैंग्डन को गौर से देख रही थी। 'आप क्या कहना चाह रहा हैं? धोखेबाज डोज जिसने अंधों की हड्डियाँ निकालीं?'

लैंग्डन ने अपने होंठ दबाते हुए कहा, 'मैं पूरे यकीन के साथ नहीं कह सकता।'

उसने जल्दी-जल्दी सिएना और फेरिस को सेंट लुसिया के पार्थिव अवशेषों, उसकी हड्डियों की कहानी बताई। यह संतों की यशोगाथा की कहानियों में सबसे अद्भुत कहानी थी। कहा जाता है कि वहाँ का एक प्रभावशाली व्यक्ति लुसिया से विवाह करना चाहता था। जब ख़ूबसूरत लुसिया ने उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया तो उस व्यक्ति ने लुसिया की

सार्वजनिक भर्त्सना की और उसे सूली पर ज़िंदा जला दिया। मान्यता है कि उसका शरीर आग में भी नहीं जला। चूँकि उसका शरीर आग से प्रभावित नहीं हुआ इसलिए लोगों का विश्वास है कि उसके पार्थिव अवशेषों में विशेष शक्ति है। माना जाता है कि जिस किसी के पास वे अवशेष होंगे उसे बहुत ही लंबी आयु प्राप्त होगी।

'जादुई हड्डियाँ?' सिएना ने कहा।

'हाँ, ऐसी मान्यता है। इसी वजह से उसके पार्थिव अवशेष दुनिया-भर में पाए जाते हैं। दो सहस्राब्दियों तक, शक्तिशाली नेता बुढ़ापे और मौत से बचने के लिए सेंट लुसिया की हड्डियाँ हासिल करने की कोशिश करते रहे हैं। उसके अस्थिपंजरों की चोरी की गई, उसे दोबारा चुराया गया, एक जगह से दूसरे जगह ले जाया गया और इतिहास में किसी भी दूसरे संत से अधिक बार इसे लोगों के बीच बांटा गया। उसकी हड्डियाँ कम-से-कम एक दर्जन बार इतिहास के सबसे शक्तिशाली लोगों के हाथों से होकर गुज़री है।

'इनमें एक धोखेबाज डोज भी शामिल है,' सिएना ने कहा।

वेनिस के उस धोखेबाज डोज को ढूँढ़ो जिसने घोड़ों का सिर कलम किया. . .और अंधों की हड्डियाँ निकाली।

'यह बिलकुल संभव है,' लैंग्डन ने कहा। उसे याद आया कि दांते के *इन्फर्नो* में सेंट लुसिया की चर्चा काफी प्रमुखता से की गई है। लुसिया उन तीन विशेष आशीर्वाद प्राप्त लोगों में थीं जिन्हें ले 'ट्रे डोने बेनेडेट' कहा जाता था। उन्होंने वर्जिल को बुलाकर दांते को नरक से निकलने में मदद की थी। सेंट लुसिया के अलावा वर्जिन मेरी और दांते की प्रेयसी बीट्रिस भी इन तीनों स्त्रियों में शामिल थी जिनमें सेंट लुसिया को दांते ने सबसे ऊँचा स्थान प्रदान किया था।

'अगर इसके बारे में आपकी बात सही है,' सिएना ने उत्साहित होकर कहा, 'तो उसी धोखेबाज डोज, जिसने घोड़ों का सिर कलम किया. . .'

'...उसी ने सेंट लुसिया की हड्डियाँ भी चुराई।' लैंग्डन ने उसकी बात पूरी की।

सिएना ने सहमति ज़ाहिर की। 'इससे हमारी सूची काफी छोटी हो जाती है।' उसने फेरिस की ओर देखा। 'क्या सचमुच तुम्हारा फोन नहीं काम कर रहा? हमें शायद ऑनलाइन सर्च करने पर. . .'

'बिलकुल समाप्त।' फेरिस ने कहा। 'मैंने अभी-अभी देखा।सॉरी।'

'हम वहाँ बहुत जल्दी पहुँच जाएँगे।' लैंग्डन बोला। 'मुझे कोई संदेह नहीं कि सेंट मार्क बेसीलिका में हमें अपने सवालों का जवाब मिल जाएगा।'

इस पहेली में सेंट मार्क ही लैंग्डन को एक पक्की कड़ी लग रहा था। पवित्र विवेक का म्यूजियम। लैंग्डन को उम्मीद थी कि इस बेसीलिका से ही रहस्यमय डोज की पहचान हो पाएगी. . .और वहाँ से अगर भाग्य ने साथ दिया वह उस महल को भी ढूँढ़ पाएँगे, जहाँ

जोब्रिस्ट ने प्लेग के विषाणु को फैलाने का फैसला किया था, *क्योंकि यहीं अंधेरे में इंतज़ार करता है थोनिक राक्षस।*

लैंग्डन अपने दिमाग से प्लेग के ख़्याल को दूर रखने की भरसक कोशिश कर रहा था, लेकिन इसका फायदा नहीं हो रहा था। वह प्रायः प्लेग आने के बाद कमज़ोर होकर ओटोमन साम्राज्य के अधीन होने और उसके बाद नेपोलियन के कब्जे में आने के पहले अपने उत्कर्ष के दिनों में इस ख़ूबसूरत शहर के स्वरूप के बारे में सोचता रहता था। उस समय वेनिस को यूरोप की व्यावसायिक राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। उस समय के सभी विवरणों में वेनिस को दुनिया का सबसे ख़ूबसूरत शहर कहा जाता था। इसकी समृद्धि और संस्कृति का दुनिया-भर में जोड़ा नहीं था।

विडंबना थी कि ऐशो आराम के लिए विदेशी वस्तुओं की चाहत इस शहर के पतन का कारण बना। विनाशकारी प्लेग चीन से होकर वेनिस उन चूहों की पीठ पर सवार होकर वेनिस पहुँचा, जो व्यापारिक जहाज़ों के माध्यम से यहाँ आए। जिस प्लेग ने चीन की दो-तिहाई आबादी को नष्ट कर दिया उसी ने यूरोप आकर यहाँ की एक तिहाई आबादी को ख़त्म कर दिया, जिसमें बूढ़े और जवान, अमीर और गरीब सभी शामिल थे।

लैंग्डन ने प्लेग के दौरान वेनिस के हालात के बारे में पढ़ा था। मृतकों को दफनाने के लिए सूखी ज़मीन के अभाव में लाशें नहरों में तैरती रहती थी। कुछ इलाकों में नहरों में इतनी अधिक लाशें जमा हो गई कि मजदूरों को लकड़ी के लट्ठों की तरह इन्हें घसीटकर समुद्र में डालना पड़ा था। ऐसा लगता था कि प्रार्थनाओं का प्लेग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा था। जब तक शहर के अधिकारियों को समझ में आया कि यह बीमारी चूहों के कारण फैल रही है, तब तक काफी देर हो चुकी थी, लेकिन वेनिस ने वहाँ आने वाले सभी जहाज़ों को चालीस दिनों तक समुद्र तट से दूर लंगर डालकर रहने के नियम को लागू करने में सफलता प्राप्त की। आज भी इस प्रक्रिया के साथ चालीस का नाम जुड़ा है जिसे इतालवी में कोरान्टा, कहा जाता है। यह शब्द आज भी कोरांटाइन के पीछे उस भयानक मूल शब्द की याद दिलाता है।

उनकी नाव अब तेज़ी से नहर के एक-दूसरे मोड़ पर पहुँच चुकी थी। लाल रंग का उत्सव की शैली में लगा शामियाना हवा में लहरा रहा था। इसने लैंग्डन का ध्यान मौत के उदासी भरे ख्यालों से हटाकर बाई तरफ बने तिमंजिली इमारत की ओर ला दिया।

कैसीनो डि वेनेज़िया: एक अनंत भावना

वैसे लैंग्डन को आज तक कैसिनो के बैनर पर लिखे इन शब्दों का अर्थ समझ में नहीं आया था, पुनर्जागरण काल की शैली में बना यह दर्शनीय महल सोलहवीं सदी से ही वेनिस के परिदृश्य का अभिन्न अंग रहा था। किसी जमाने में यह एक निजी इमारत थी, जो अब यह ब्लैक-टाइ गेमिंग हॉल था। इसी स्थान पर सन् 1883 में अपने ओपेरा पर्सिफाल की रचना

के बाद हार्ट-अटैक की वजह से संगीतकार रिचर्ड वैगनर की मौत हो गई थी।

दाहिनी ओर बने कैसिनो के अलावा वहीं पर बरोक शैली की एक इमारत के सामने वाले हिस्से में इससे भी बड़ा बैनर दिखाई दे रहा था जिसका रंग गहरा नीला था। इस पर लिखा था सीए' पेसारो: गैलेरिया इंटरनैजियोनेल डी'आर्टे मॉडर्न। कई साल पहले लैंग्डन इसके अंदर गया था, जहाँ उसने गुस्ताव क्लिम्ट के मास्टरपीस द किस को देखा था, जो उस समय किसी दूसरी जगह से विएना लाया गया था। क्लिम्ट के इस पेंटिंग में चमचमाते सोने के पत्तों के माध्यम से आलिंगनबद्ध प्रेमियों को दिखाया गया था जिसने लैंग्डन के हृदय में इस कलाकार की कृतियों के लिए गहन प्रेम का जन्म दिया था। आज भी लैंग्डन वेनिस के सीए' पेसारो को अपने हृदय में आधुनिक कला के प्रति प्रेम पैदा करने का श्रेय देता था।

मौरिजियो चौड़ी नहर में अपनी नाव को अब और भी तेज़ी से लेकर आगे चला जा रहा था।

थोड़ा आगे, मशहूर रिआल्टो पुल दिखाई दे रहा था, जो सेंट मार्क चौराहे पर पहुँचने की आधी दूरी पर था। पुल के पास पहुँचकर जब वे इसे पार करने वाले थे तो लैंग्डन की नज़र ऊपर की ओर गई, जहाँ उसे एक अकेला आदमी दिखा। वह पुल की रेलिंग को पकड़कर चुपचाप खड़ा था। वह उनकी ओर लगातार देख रहा था। उसके चेहरे पर गंभीरता दिखाई दे रही थी।

चेहरा जाना पहचाना. . .और डरावना लग रहा था।

अचानक लैंग्डन पीछे की तरफ हट गया।

उस व्यक्ति का चेहरा लंबोतरा और रंग भूरा था। आँखें मौत की तरह ठंढी। चोंच जैसी लंबी नाक।

नाव उस अपशकुनी व्यक्ति के नीचे से गुज़र गई। लैंग्डन को समझ में आया कि यह और कुछ नहीं, बल्कि एक सैलानी था, जो अपनी नई खरीदारी को दिखा रहा था, वहाँ बिकने वाले सैकड़ों प्लेग-मुखौटों में एक, जो पास के रिआल्टो बाज़ार में रोज़ बेची जाती थी।

लेकिन आज यह मुखौटा कतई आकर्षक नहीं लग रहा था।

69

सेंट मार्क चौराहा वेनिस के ग्रैंड कैनाल के सबसे दक्षिणी छोर पर स्थित है। यहीं आकर नहर का बंधा हुआ पानी खुले समुद्र में मिलता है। इस ख़तरनाक संधि स्थल के सामने सादगी से बना डोगाना द मार का तिकोना किला है। यह समुद्री कस्टम दफ्तर का काम करता है जिसका वॉचटावर कभी विदेशी आक्रमण से वेनिस की रक्षा करता था। आजकर इस टावर की जगह सुनहले रंग के विशाल ग्लोब और मौसम-यान ने ले ली है, जो भाग्य की देवी को दिखाता रहता है। हवा की दिशा के साथ इसकी लगातार बदलती दिशा समुद्री यात्रा पर जा रहे नाविकों को भाग्य की अनिश्चितता का अहसास दिलाता रहता है।

मौरिजियो अपने आकर्षक नाव को अब नहर के छोर पर ला रहा था, जहाँ उनके सामने डरावनी समुद्री लहरें दिखाई दे रही थी। रॉबर्ट लैंग्डन पहले भी इस रास्ते पर यात्रा कर चुका था, हालाँकि पहले वह इससे काफी बड़े वैपोरेट्टो में आया था। उनकी लिमो ऊँची-ऊँची लहरों पर झूल रही थी। लैंग्डन असहज अनुभव कर रहा था।

सेंट मार्क चौराहे के बंदरगाह तक पहुँचने के लिए उनकी नाव को खुले लैगून से होकर गुज़रना होता, जिसमें सैकड़ों जलयानों का जमावड़ा लगा होता है। इन जलयानों में लग्जरी यॉट से लेकर टैंकर और निजी सेलबोट और विशाल आकार के क्रूज लाइनर तक शामिल होते थे। ऐसा लग रहा था जैसे वे गाँव के रास्ते को छोड़कर अब आठ-लेन वाले सुपर हाइवे पर आ गए हों।

सिएना भी उतनी ही ढुलमुल स्थिति में थी। करीब तीन सौ गज आगे दस मंजिला क्रूज लाइनर आगे बढ़ा जा रहा था। जहाज़ के डेक पर यात्रियों का रेला लगा था। वे सभी सेंट मार्क चौराहे की तस्वीर उतार रहे थे। जहाज़ के पीछे पानी के रेले में तीन और जहाज़ वेनिस के सबसे मशहूर दर्शनीय स्थल के सामने से गुज़रने की अपनी बारी का इंतज़ार कर रहे थे। लैंग्डन ने सुना था कि हाल के वर्षों में जहाज़ों की संख्या इतनी तेज़ी से बढ़ी थी कि दिन-रात जहाज़ों का सिलसिला वहाँ से गुज़रता रहता था।

नाव के शीर्ष पर मौरिजियो उस तरफ आ रहे क्रूज-लाइनरों को देख रहा था। उसने अपनी बाईं ओर पास ही बने छतरीदार डॉक पर नज़र डाली। 'मैं हैरी बार के पास नाव पार्क करता हूँ?' उसने मशहूर रेस्त्रां की तरफ दिखाया, जो बेलिनी का आविष्कार करने के लिए जाना जाता था। 'यहाँ से सेंट मार्क चौराहा पैदल रास्ते से काफी नज़दीक है।'

'नहीं, हमें सीधे वहीं ले चलो।' फेरिस ने उसे सेंट मार्क चौराहे के डॉक पर बने लैगून की तरफ इशारा करते हुए उसे हुक्म दिया।

मौरिजियो ने ख़ुशमिजाजी के साथ अपने कंधे उचकाए। 'आपकी मर्जी। रुके रहिए।'

इंजन चालू हो गया और लिमो पानी में तैरने वाले चिह्नों के बीच से ऊँची नीची लहरों को काटता हुआ पानी में निर्दिष्ट रास्ते से आगे बढ़ रहा था। वहाँ से गुज़रते हुए क्रूज लाइनरों को देखकर ऐसा लग रहा था मानो बहुमंजिली इमारतें तैर रही हों। उनके पीछे उठ रही तेज़ लहरें दूसरे नावों को कॉर्क की तरह उछला रही थी।

लैंग्डन को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि दर्जनों अन्य गोंडोला भी इसी रास्ते से आगे बढ़ रहे थे। उनके पतले पेट की लंबाई करीब चालीस फुट थी और उनका वजन चौदह सौ पाउंड के करीब। ये गोंडोला तेज़ लहरों के बावजूद आश्चर्यजनक रूप से स्थिर दिखाई दे रहे थे। हर गोंडोला को एक ड्राइवर चला रहा था, जो नाव के पिछले हिस्से की बाई तरफ बने एक चबूतरे पर अपने परंपरागत सफेद-काली धारीदार कमीज़ में बिलकुल स्थिर पाँव के साथ खड़े थे। वे वहाँ लगे एकमात्र पतवार को चला रहे थे, जो दाहिने हाथ वाले गनवेल से जुड़ा था। तेज़ लहरों के बीच भी गोंडोला बाई तरफ झुके हुए दिखाई दे रहे थे, जो अपने आप में एक रहस्यमय बात थी। लैंग्डन को पता था कि इसकी वजह नाव की असंतुलित बनावट थी। हर गोंडोला का पेट वाला हिस्सा इसके चालक की उल्टी दिशा में दाहिनी तरफ झुका होता था, ताकि दाहिनी ओर से नाव चलाने की वजह से इसके बाएँ तरफ मुड़ने की सहज प्रवृत्ति को नियंत्रित किया जा सके।

मौरिजियो एक गोंडोला को पीछे छोड़ता हुआ आगे बढ़ा। मौरिजियो ने गर्व पूर्वक कहा, 'आप सामने बने धातु के डिज़ाइन को देख रहे हैं?' उसने जहाज़ के अगले भाग से बाहर निकले हुए ख़ूबसूरत आभूषणनुमा चीज़ को दिखाते हुए अपना सिर पीछे की ओर मोड़कर कहा। 'गोंडोला में सिर्फ यही धातु की बनी चीज़ होती है। इसे फेरो डि प्रुआ कहते हैं–यानी नाव का लोहा कहा जाता है। यह वेनिस की तस्वीर है।'

मौरिजियो ने बताया कि गोंडोला में हँसुए के आकार का, जो अलंकरण वेनिस के हर गोंडोला में दिखाई देता है उसका एक प्रतीकात्मक अर्थ होता है। इसका अर्ध-गोलाकार आकार ग्रैंड कैनाल को निरूपित करता है, छह दाँत वेनिस के छह जिलों और लंबोतरा ब्लेड वेनिस के डोज की पगड़ी का ही एक विशिष्ट निरूपण था।

डोज। लैंग्डन का दिमाग फिर से आगे आने वाले काम के बारे में सोचने लगा। *वेनिस के उस धोखेबाज डोज को ढूँढ़ो जिसने घोड़ों का सिर कलम किया. . .और अंधों की हड्डियाँ निकाली।*

लैंग्डन ने अपनी नज़रें आगे नहर के किनारे की ओर डाली, जहाँ पानी के छोर पर एक जंगली पार्क दिखाई दे रहा था। पेड़ों के ऊपर, बादलों से मुक्त आकाश में लाल ईंटों से बना सेंट मार्क के बेल-टावर का शिखर दिखाई दे रहा था। इसके तीन सौ फुट ऊपर से सुनहले रंग का फरिश्ता गैब्रियल नीचे देख रहा था। यह सिर चकराने वाला दृश्य था।

वेनिस जैसे शहर में जहाँ ऊँची इमारतों के धंसने का ख़तरा था, गगनचुंबी कैंपेनील डि

सैन मार्को वेनिस के नहरों के जाल और रास्तों से होकर अंदर आने वाले सभी लोगों के लिए प्रकाश-स्तंभ का काम करता था। यहाँ खोया हुआ कोई यात्री ऊपर की ओर एक नज़र डालते ही सेंट मार्क चौराहे तक आसानी से पहुँच सकता था। लैंग्डन को अब भी यकीन नहीं हो रहा था कि सन् 1902 में यह विशाल टावर ध्वस्त हो गया था और सेंट मार्क चौराहे पर मलबे का अंबार लग गया था। आश्चर्य की बात थी कि इस हादसे में सिर्फ एक बिल्ली की मौत हुई थी।

वेनिस आने वाले लोग शहर के अद्वितीय वातावरण का अनुभव वहाँ पाए जाने वाले ढेरों विस्मयकारी स्थलों पर कर सकते थे, लेकिन लैंग्डन की पसंदीदा जगह थी रिवा डेग्ली शियावोनी। नहर के किनारे बना, पत्थर का बना यह सार्वजनिक प्रांगण, प्रॉमेनाड, काफी चौड़ा है। इसका निर्माण नौवीं सदी में किया गया था। इसे नहर से निकाले गए गाद से बनाया गया है। यह प्रॉमेनाड पुराने आर्सेनल से शुरू होकर सेंट मार्क चौराहे तक जाता है।

आर्सेनल से शुरू होकर आगे तक विस्तृत इस प्रांगण के साथ-साथ ढेरों ख़ूबसूरत कैफे, होटल और एँटोनियो विवाल्डी का होम-चर्च भी बना हुआ है। आर्सेनल प्राचीन काल से ही वेनिस का पोत-निर्माण स्थल रहा है। कभी इस जगह पेड़ों के रस की कसैली गंध फैली रहती थी, क्योंकि पोत-निर्माण के दौरान कारीगर जलयानों के छेदों को बंद करने के लिए उन पर गरम गरम गोंद चिपकाया करते थे। कहते हैं कि इसी शिपयार्ड में आकर दांते को अपनी किताब *इन्फर्नो* में यंत्रणा के साधन के रूप में खौलते गोंद की नदियों को शामिल करने की प्रेरणा मिली थी।

लैंग्डन अब दाहिनी तरफ देखने लगा। वह वाटरफ्रंट के साथ-साथ चल रहे रिवा को देख रहा था, जो प्रॉमेनाड के नाटकीय आख़िरी बिंदु तक आकर समाप्त हो जाता था। सेंट मार्क चौराहे के आख़िरी, सबसे दक्षिणी छोर पर यह विशाल प्रांगण समुद्र से मिलता था। वेनिस के स्वर्णिम काल के दौरान, इस स्तंभित कर देने वाली गहरी खाईनुमा जगह को ‘सभ्यताओं का आख़िरी छोर’ कहा जाता था।

आज, सेंट मार्क चौराहा जहाँ समुद्र से मिलता है उस तीन सौ गज लंबी जगह के आसपास, हमेशा की तरह कम-से-कम सौ काले गोंडोले लगे हुए थे। किनारों के साथ रस्सियों से बंधे ये गोंडोले लहरों के साथ ऊपर नीचे हो रहे थे। हँसुए की शक्ल वाला इनका अगला हिस्सा पिआत्ज़ा में बने संगमरमर की सफेद इमारतों के सामने कभी ऊपर तो कभी नीचे जा रहा था।

लैंग्डन को अब भी यह यकीन करना मुश्किल हो रहा था कि इतना छोटा-सा शहर, जिसका आकार न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क से बस दोगुना था, समुद्र से निकलकर किसी जमाने में पश्चिम का सबसे बड़ा और समृद्ध साम्राज्य बन गया था।

मौरिजियो नाव को चौराहे के नज़दीक ला रहा था। लैंग्डन को दिखाई दे रहा था कि मुख्य

चौराहे पर लोगों की भारी भीड़ जमा थी। नेपोलियन ने कभी सेंट मार्क चौराहे को यूरोप का ड्राइंग रूम कहा था। देखने से ऐसा लग रहा था जैसे इस ड्राइंग रूम में पार्टी चल रही थी, जहाँ ज़रूरत से अधिक लोग इकट्ठा थे। ऐसा लग रहा था जैसे अपने चाहने वाले लोगों के वजन से यह पित्ज़ा नीचे धंस जाएगा।

'हे भगवान,' लोगों की भारी भीड़ की ओर देखते हुए सिएना ने कहा।

लैंग्डन ठीक से समझ नहीं पा रहा था कि वह ऐसा इसलिए कह रही थी, क्योंकि जोब्रिस्ट ने इतनी घनी आबादी वाली जगह में आकर प्लेग को फैलाने का निर्णय किया था . . .या उसे लग रहा था कि जोब्रिस्ट ने दरअसल जनसंख्या विस्फोट के ख़तरों से आगाह करने के लिए ऐसा किया था।

वेनिस में हर साल बहुत बड़ी संख्या में सैलानी आते थे–दुनिया की आबादी के एक प्रतिशत का एक तिहाई। सन् 2000 में यहाँ दो करोड़ सैलानी आए थे। दुनिया की आबादी में पिछले साल से एक अरब लोग जुड़ चुके थे और शहर में अब तीस लाख अतिरिक्त सैलानी हर साल आ रहे थे। दुनिया की तरह वेनिस में भी सीमित जगह थी और एक वक़्त ऐसा भी आने वाला था जब यह ज़रूरत के मुताबिक खाद्य-पदार्थों का आयात नहीं कर पाएगा, न ही यह कचरे को साफ कर पाएगा या यहाँ आने वाले लोगों के सोने के लिए बिस्तरों की व्यवस्था कर पाएगा।

फेरिस पास ही खड़ा था। वह ज़मीन की ओर नहीं, बल्कि समुद्र के रास्ते से आ रहे जहाज़ों को वह देख रहा था।

'तुम ठीक तो हो?' सिएना ने उसकी ओर हैरानी से देखते हुए कहा।

फेरिस अचानक उसकी ओर मुड़ा। 'हाँ, ठीक हूँ. . .कुछ सोच रहा था।' उसने सामने की ओर मुड़कर मौरिजियो को आवाज़ लगाई, 'सेंट मार्क के जितना करीब हो सके पार्क करो।'

'कोई बात नहीं।' ड्राइवर ने हाथ हिलाया। 'दो मिनट।'

लिमो अब सेंट मार्क के बिलकुल सामने आ चुका था। उनकी दाहिनी तरफ डोज का भव्य महल दिखाई दे रहा था। नहर के किनारे यह सब पर भारी पड़ रहा था।

डोज का महल वेनिस के गोथिक स्थापत्य का सबसे बेहतरीन उदाहरण था। यह महल सादगीपूर्ण सौंदर्य का एक सुंदर नमूना था। इसके किसी भी कंगूरे या मीनार को स्थापत्य की दृष्टि से फ्रांस या इंग्लैंड के महलों से नहीं जोड़ा जा सकता है। इसकी परिकल्पना एक विशाल आकार के चौकोर प्रिज्म के रूप में की गई थी, जिसके अंदर सर्वाधिक मात्रा में चौकोर स्थान उपलब्ध हो सकता था, जहाँ बड़ी संख्या में डोज के यहाँ काम करने वाले सरकारी कर्मचारी और उनके सहायकों को बैठाया जा सकता था।

समुद्र से देखने पर महल में विपुल मात्रा में इस्तेमाल किए गए चूना-पत्थर का काम बाकी चीज़ों पर भारी दिखाई देता, लेकिन इसमें सावधानी से इस्तेमाल किए गए पोर्टिको, खंभों,

एक तरफ से खुले कमरे और चार मेहराबों को मिलाकर बनाई गई गोलाकार संरचना के कारण ऐसा नहीं लगता। बाहरी हिस्से में चारों तरफ गुलाबी लाइमस्टोन से बनी ज्यामितीय संरचनाएँ लैंग्डन को स्पेन के अल्हाम्ब्रा की याद दिला रही थी।

नाव तट पर पहुँच रही थी। फेरिस महल के सामने जमा लोगों की भीड़ को देखकर परेशान लग रहा था। पुल पर ढेर सारे लोग जमा थे। वे सभी एक संकरे नहर की तरफ इशारा कर रहे थे, जो डोज के महल को दो बड़े हिस्से में बांट रहा था।

'वे किस चीज़ को देख रहे हैं?' फेरिस ने जानना चाहा। वह घबराया हुआ लग रहा था।

'इल पोंटे डेई सोस्पीरी,' सिएना ने जवाब दिया। 'वेनिस का मशहूर पुल।'

लैंग्डन ने नीचे की ओर झाँककर देखा। उसने दोनों इमारतों के बीच मेहराब की शक्ल में ख़ूबसूरती से बनी सुरंग को देखा। द ब्रिज ऑफ़ सायज–आहों का पुल, उसे अपनी एक पसंदीदा हॉलीवुड फिल्म ए लिटिल रोमांस याद आ गई। यह फिल्म एक प्राचीन कथा पर आधारित थी, जिसके अनुसार इस पुल के नीचे सूर्यास्त के वक़्त जब सेंट मार्क के घंटे बज रहे होते हैं, उस समय दो युवा प्रेमी अगर एक-दूसरे का चुंबन करते हैं तो उनका प्यार हमेशा बना रहता है। यह गहरी रूमानी मान्यता लैंग्डन के दिल में ज़िंदगी-भर बनी रही। इसमें चौदह साल के एक प्रशंसनीय नए कलाकार ने काम किया था जिसका नाम डायना लेन था। लैंग्डन का दिल तुरंत ही उस पर आ गया था. . .ऐसा प्यार जिसे वह अपने दिल से कभी निकाल नहीं पाया था। इस बात ने भी उसके दिल में इस फिल्म के असर को बरकरार रखा था।

बरसों बाद जब लैंग्डन को पता चला कि इस पुल का नाम प्यार में दिए गए चुंबन पर नहीं, बल्कि वेदना की आह पर आधारित था तो वह बेहद परेशान हो गया था। उसे पता चला कि यह पगडंडी डोज के महल को उसके कारागार से जोड़ती थी, जहाँ कैदियों को रखा जाता था और वहीं उनकी मौत होती थी। दुख से भरी उनकी आहें कारागार की सलाखों वाली खिड़कियों से होकर इस संकरे नहर के आसपास गूँजती रहती थी।

लैंग्डन ने इस कारागार को एक बार देखा था। उसे यह जानकर हैरानी हुई थी कि इसके सबसे डरावने कमरे पानी के स्तर के बराबर नहीं बने थे, बल्कि पास ही में महल के सबसे ऊँचे तल्ले पर स्थित थे जिन्हें पिओम्बी कहा जाता था, क्योंकि उनकी छत शीशे की टाइलों से बने थे। इसकी वजह से इन कमरों में गर्मियों के मौसम में भयंकर गर्मी और सर्दियों के मौसम में जमाने वाली ठंड होती थी। मशहूर प्रेमी कैसानोवा को एक बार इस पिओम्बी में कैद कर रखा गया था। उसके ऊपर पादरियों ने गुप्तचरी और व्यभिचार का आरोप लगाया था। करीब पंद्रह महीने तक यहाँ बंद रहने के बाद वह पहरेदार को धोखा देकर वहाँ से भागने में कामयाब हुआ था।

'*सावधान।*' मौरिजियो ने अपनी लिमो को किनारे लाते हुए वहाँ से हट रहे गोंडोला के

ड्राइवर को चिल्लाकर कहा। उसे होटल डैनीएली के सामने एक खाली जगह मिली थी, जो सेंट मार्क चौराहे और डोज के महल से महज 100 गज की दूरी पर था।

मौरिजियो ने किनारे पर नाव को बाँधने के लिए बने खंभे की तरफ रस्सी फेंकी और इस तरह कूदकर किनारे पहुँचा जैसे वह किसी एक्शन-फिल्म के लिए परीक्षा दे रहा हो। नाव को अच्छी तरह बाँधने के बाद उसने यात्रियों को उतारने में मदद करने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया।

'शुक्रिया।' बलिष्ठ इतालवी को किनारे उतरने में मदद के लिए लैंग्डन ने कहा।

इसके बाद फेरिस नीचे उतरा। वह थोड़ा विचलित था और समुद्र की ओर देख रहा था।

सबसे आख़िर में सिएना उतरी। बेहद ख़ूबसूरत मौरिजियो ने उसे तट पर उतारते हुए इस तरह घूरकर देखा मानो वह कह रहा हो कि अपने इन दोनों साथियों को छोड़कर अगर वह उसके साथ नाव पर ही रुक जाए तो उसे ज़्यादा मज़ा आएगा। सिएना ने उस पर ध्यान नहीं दिया।

'*शुक्रिया, मौरिजियो।*' उसने अन्यमनस्क होकर कहा। उसकी नज़रें पास ही बने डोज के महल पर टिकी थी।

इसके बाद वह बिना वक़्त गँवाए लैंग्डन और फेरिस को लेकर भीड़ में शामिल हो गई।

70

मार्को पोलो हवाई अड्डे का नाम इतिहास के सबसे मशहूर यात्रियों पर आधारित है, जो इसके लिए बिलकुल सही है। यह सेंट मार्क चौराहे से चार मील उत्तर लैगुना वेनेटा के जलक्षेत्र में बना है।

निजी हवाई यात्रा की सुविधाओं के कारण, एलिज़ाबेथ सिंस्की केवल दस मिनट पहले जहाज़ से उतरी थी और इस समय वह अति आधुनिक, पानी के छोटे जहाज़, ब्लैक टेंडर–डुबोइस एसआर 52 ब्लैकबर्ड में सवार होकर तेज़ी से चली जा रही थी। यह जहाज़ उसी अजनबी ने भेजा था जिसने उसे थोड़ी देर पहले फोन किया था।

प्रोवोस्ट।

दिन-भर काले वैन की पिछली सीट पर ज़बरदस्ती लेटे रहने के बाद, समुद्र की खुली हवा स्फूर्तिदायक लग रही थी। उसने समुद्र से आती खारी हवा की तरफ अपना चेहरा घुमा लिया। उसके सफेद बाल पीछे की तरह उड़ रहे थे। पिछली सुई को अब दो घंटे हो चुके थे और अब अंततः वह ख़ुद को होश में आया अनुभव कर रही थी। कल की रात के बाद पहली बार एलिज़ाबेथ सिंस्की को लग रहा था जैसे वह पूरी तरह होश में आ चुकी थी।

एजेंट ब्रूडर अपनी पूरी टीम को लेकर उसकी बगल में बैठा था। उनमें से कोई भी कुछ नहीं बोल रहा था। उन्हें इस असामान्य मीटिंग के बारे में अगर कोई चिंता भी थी तो वे जानते थे कि इसका कोई महत्त्व नहीं था। ये फैसला उनके अधिकार-क्षेत्र में नहीं आता था।

जहाज़ तेज़ी से आगे बढ़ता जा रहा था। अब उन्हें अपनी दाहिनी ओर एक बड़ा-सा टापू दिखाई दे रहा था। इसके तट पर ईंट की बनी चौकोर इमारतें और धुआँ उगलती चिमनियाँ दिखाई दे रही थी। एलिज़ाबेथ समझ गई कि यह मुरानो था, जो शीशों के बीच बुलबुले डालने वाले कारखानों के लिए मशहूर था।

मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं वापस आ गई हूँ, उसने सोचा। उसके दिल में उदासी की सुइयाँ चुभ रही थी। फुल सर्किल।

कई साल पहले जब वह डॉक्टरी की पढ़ाई कर रही थी उस समय अपने मंगेतर के साथ वेनिस आई थी, जहाँ रुककर उसने मुरानो के ग्लास-म्यूजियम को देखा था। वहाँ उसके मंगेतर ने एक ख़ूबसूरत, हाथ से फुलाए मोबाइल को देखकर नादानी में कहा था कि एक दिन वह अपने बच्चे की नर्सरी में इसे टाँगना चाहता है। मंगेतर से इतने लंबे समय तक इस रहस्य को छुपाने के कारण पैदा हुए अपराध बोध को दूर करने के लिए अंततः उसने बचपन में हुए दमे और इसके इलाज के लिए इस्तेमाल किए गए ग्लूकोकोर्टीकॉयड की बात उसे बता दी जिसने उसके प्रजनन तंत्र को नाकाम बना दिया था।

उस नौजवान का दिल उसकी बेईमानी से पत्थर बन गया या उसके बांझ होने की बात से, यह एलिज़ाबेथ को कभी पता नहीं चला, लेकिन एक सप्ताह बाद वह वेनिस से लौट आई। उसके हाथ में अब सगाई वाली अंगूठी नहीं थी।

दिल तोड़ने वाली इस यात्रा की एक मात्र निशानी थी लापिस लाजुलाई की ताबीज़। एस्क्लेपियस का डंडा चिकित्साशास्त्र का सटीप प्रतीक-चिह्न था, जो इस समय एक कड़वी दवा के रूप में उपस्थित हुआ था, लेकिन उसी दिन से सिंस्की ने उसे पहन रखा था।

मेरा बहुमूल्य ताबीज़, उसने सोचा। *मुझे अपने बच्चे की माँ बनाने की चाहत रखने वाले व्यक्ति की ओर से विदाई का उपहार।*

इन दिनों वेनिस के टापुओं को देखकर उसके अंदर किसी तरह का रूमानी अहसास पैदा नहीं होता था। दूर दूर पर बसे उनके गाँवों को देखकर उसके अंदर प्रेम की भावना की जगह क्वारेंटाइन के लिए बनाई कॉलोनियों की याद आती थी जिन्हें प्लेग से होने वाली मौतों को कम करने के लिए बनाया गया था।

ब्लैकबर्ड टेंडर जहाज़ तेज़ी से इसोला सैन पिएट्रो को पीछे छोड़ती हुई बढ़ती जा रही थी। एलिज़ाबेथ ने देखा कि वे लोग एक विशाल, भूरे रंग के यॉट की ओर जा बढ़ रहे थे, जो गहरे समुद्र में खड़ी उनका इंतज़ार कर रही थी।

गनमेटल-ग्रे रंग का जहाज़ अमेरिकी फौज के गोपनीय कार्यक्रम का हिस्सा लग रहा था। इसके पीछे लिखे नाम से कुछ जहाज़ के बारे में कुछ पता नहीं चल पा रहा था।

द मेंडैसियम?

जहाज़ का आकार धीरे-धीरे बड़ा दिखाई दे रहा था। सिंस्की को इसके पिछले डेक पर एक अकेला आदमी दिख रहा था–नाटे कद का अकेला इंसान, धूप में तांबई रंग की त्वचा, दूरबीन से देखता हुआ। जहाज़ जब मेंडैसियम के पिछले डेक डॉकिंग के लिए बने चबूतरे के पास पहुँचते ही वह आदमी उनके स्वागत के लिए नीचे उतरा।

'जहाज़ पर आपका स्वागत है, डॉक्टर सिंस्की।' सूरज की रोशनी में नहाए हुए व्यक्ति ने विनम्रता से उसका हाथ मिलाया। उसकी हथेली मुलायम और चिकनी थी, नाविकों से बिलकुल अलग। 'यहाँ आने के लिए मैं आपका शुक्रगुजार हूँ। मैं पीछे आइए।'

कई डेक ऊपर जाते हुए सिंस्की ने उड़ती उड़ती नज़रों से देखा कि वहाँ ढेरों छोटे-छोटे क्यूबिकल बने थे। इस अजीब-से जहाज़ पर लोगों की भरमार थी, लेकिन उनमें से कोई भी आराम नहीं कर रहा था। वे सभी काम में व्यस्त थे।

किस काम में?

सिंस्की ऊपर की तरफ जाती रही। उसे अब जहाज़ के विशाल इंजन के चलने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। जहाज़ के पीछे तेज़ लहरें उठ रही थी और यॉट फिर से चलने लगा था।

हम लोग कहाँ जा रहे हैं, वह चिंतित होकर सोचने लगी।
'मैं डॉक्टर सिंस्की से अकेले में बात करना चाहता हूँ,' उस व्यक्ति ने अपने सिपाहियों से कहा। वह थोड़ा रुका और सिंस्की की ओर देखने लगा। 'अगर आप इसे ठीक समझें।'
एलिज़ाबेथ ने हामी भरी।
'सर,' ब्रूडर ने ज़ोर देकर कहा। 'मेरी सलाह है कि जहाज़ के डॉक्टरों को सिंस्की की जाँच कर लेनी चाहिए। उन्हें कुछ. . .'
'मैं बिलकुल ठीक हूँ।' सिंस्की ने बीच में उसे टोका। 'यकीन मानिए। फिर भी आपका शुक्रिया।'
प्रोवोस्ट ने ब्रूडर की ओर देर तक देखा और टेबल की ओर इशारा किया जिस पर खाने-पीने का इंतजाम किया जा रहा था। 'थोड़ा साँस ले लीजिए। आपको इसकी ज़रूरत होगी। बहुत जल्द आप तट पर वापस जाएँगी।'
बिना किसी तामझाम के प्रोवोस्ट ने एजेंट से पीठ मोड़ ली और सिंस्की को लेकर अपने ख़ूबसूरत स्टेट-रूम सह अध्ययन कक्ष में लेकर चला गया। अंदर जाकर उसने दरवाज़ा बंद कर दिया।
'कुछ पीना चाहेंगी?' उसने बार की तरफ इशारा किया।
उसने अपना सिर हिलाया। वह अब भी इस अजीबो-गरीब नजारे के साथ सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रही थी। *यह आदमी कौन है? वह यहाँ क्या करता है?*
वह आदमी उसे पढ़ने की कोशिश कर रहा था। उसकी उंगलियाँ ठुड्डी पर टिकी थी। 'क्या आपको पता है कि मेरा असामी आपको 'सफेद बालों वाली राक्षसी' कहता है?'
'मैंने भी उसके लिए कुछ नाम चुन कर रखे हैं।'
उस आदमी के चेहरे पर कोई भाव नहीं दिखाई दे रहा था। वह डेक की ओर बढ़ा। उसने एक मोटी-सी किताब की ओर इशारा किया। 'मैं चाहता हूँ कि आप इसपर एक नज़र डालें।'
सिंस्की ने आगे बढ़कर किताब पर नज़र डाली। दांते का इन्फर्नो? उसे मौत की वह भयंकर तस्वीर याद आई, जो काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में जोब्रिस्ट के साथ अपनी भिड़ंत में उसने सिंस्की को दिखाया था।'
'मुझे जोब्रिस्ट ने यह किताब दो सप्ताह पहले दी थी। इसमें कुछ लिखा है।'
सिंस्की ने टाइटल-पेज पर हाथ से लिखी इबारत को पढ़ा। इस पर जोब्रिस्ट के दस्तख़त थे।
मेरे प्रिय दोस्त, इस रास्ते को ढूँढ़ने में मदद के लिए तुम्हारा शुक्रिया। दुनिया भी तुम्हारी शुक्रगुज़ार है।
सिंस्की का दिमाग झनझना गया। 'तुमने उसे किस रास्ते को ढूँढ़ने में मदद की?'
'मुझे नहीं पता, बल्कि ये कहना सही होगा कि कुछ घंटे पहले तक मुझे इसकी जानकारी

नहीं थी।'

'और अब?'

'अब मैंने अपने प्रोटोकॉल में एक असामान्य बदलाव किया है. . .और मैंने आपसे संपर्क किया है।'

सिंस्की काफी दूर से आई थी और इस तरह की कूट-भाषा सुनने का उसका बिलकुल मूड नहीं था। 'सर, मैं नहीं जानती की आप कौन हैं या आप इस जहाज़ पर किस बला से हैं, लेकिन आपको मुझे कुछ बताना ही होगा। बताइए कि जिस इंसान को विश्व स्वास्थ्य संगठन ढूँढ़ने में लगा था उसे आप ने यहाँ छुपाकर क्यों रखा था?'

सिंस्की की नाराज़गी भरे स्वर के बावजूद, उस व्यक्ति ने अपने पर नियंत्रण रखते हुए फुसफुसाकर कहा, 'मुझे मालूम है कि मैं और आप विपरीत उद्देश्यों के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन मैं आपसे पुरानी बातें भूल जाने की गुजारिश करूँगा, जो बीत गया सो बीत गया। मुझे लगता है कि भविष्य की कार्रवाई पर हमें तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है।'

यह बोलकर उस व्यक्ति ने लाल रंग का एक छोटा से पेन-ड्राइव निकालकर अपने कंप्यूटर में लगाया और सिंस्की को बैठने का इशारा किया। 'बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट ने यह वीडियो बनाया था। उसे उम्मीद थी कि मैं इसे कल जारी करूँगा।'

सिंस्की कुछ जवाब दे पाती उसके पहले ही कंप्यूटर का स्क्रीन धुंधला हो गया और पानी की लहरों की धीमी आवाज़ सुनाई देने लगी। अंधेरे के बीच से एक दृश्य उभरने लगा. . .पानी से भरी गुफा का भीतरी हिस्सा. . .जैसे ज़मीन के अंदर बना कोई तालाब। अजीब बात थी कि पानी अंदर से प्रकाशित लग रहा था. . .अजीब-सी गुलाबी चमक से झिलमिलाता।

लहरों की आवाज़ जारी थी। कैमरा अब नीचे की ओर झुककर पानी के भीतर चला गया। अब उसका फोकस तालाब की कीचड़ भरी सतह पर था। तालाब की तलहटी में चौकोर आकार की एक पट्टी को पेंच से कस दिया गया था। इस पट्टिका पर कुछ लिखा था। साथ ही एक तारीख और नाम भी लिखा था।

इस जगह, इस तारीख को
दुनिया हमेशा के लिए बदल गई।

तारीख थी आने वाले कल की। नाम था–बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट।

एलिज़ाबेथ सिंस्की को लगा जैसे उसके बदन में झुरझुरी हो रही थी। 'यह कौन-सी जगह है?' उसने जानना चाहा। 'यह जगह कहाँ है?'

इसके जवाब में प्रोवोस्ट ने उसे पहली बार अपने चेहरे पर किसी भाव को आने दिया–निराशा और चिंता से भरा गहरा निःश्वास। ‘डॉक्टर सिंस्की,’ उसने जवाब दिया, ‘मुझे उम्मीद थी कि आपको इस सवाल का जवाब पता होगा।’

वहाँ से एक मील दूर, रिवा डेग्ली शियावोनी के वाटरफ्रंट वॉकवे पर, सामने फैले समुद्र का दृश्य बहुत थोड़ा-सा बदला था। गौर से देखने वाले व्यक्ति ने देखा होता कि विशाल आकार का एक भूरा यॉट ज़मीन के एक छोटे-से टुकड़े से हटकर थोड़ा आगे चला आया था। अब यह तेज़ी से सेंट मार्क चौराहे की तरफ बढ़ रहा था।

द मेंडेसियम, एफएस-2080 यह समझते ही घबरा गया।

इसका भूरा ढाँचा बिलकुल स्पष्ट दिखाई दे रहा था।

प्रोवोस्ट आ रहा है. . .और वक़्त बहुत कम बचा है।

71

लैंग्डन, सिएना और फेरिस भारी भीड़ के बीच से धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे। वे पानी के साथ-साथ किनारे पर चलते हुए सेंट मार्क चौराहे की ओर जा रहे थे। वे अब इसके सबसे दक्षिणी छोर पर पहुँच चुके थे, जहाँ यह पिआत्ज़ा समुद्र से मिलता था।

यहाँ पर सैलानियों की भीड़ को पार करना तकरीबन नामुमकिन था। लैंग्डन को भीड़ में घुटन का अनुभव हो रहा था, क्योंकि सभी लोग यहाँ बने दो विशाल खंभों की तस्वीर लेने को बेसब्र थे, जो इस चौराहे को जैसे फ्रेम कर रहे थे।

शहर का आधिकारिक प्रवेशद्वार। लैंग्डन इसे विडंबना के तौर पर देख रहा था, क्योंकि उसे पता था इस जगह का इस्तेमाल अठारहवीं सदी तक सार्वजनिक रूप से फाँसी देने के लिए किया जाता था।

प्रवेशद्वार के एक खंभे के ऊपर उसे सेंट थियोडोर की एक अजीब-सी प्रतिमा दिखाई दे रही थी, जिसमें उन्हें अपने द्वारा मारे गए ड्रैगन के साथ दिखाया गया था, जो दंतकथाओं में मशहूर रहा था। लैंग्डन को हमेशा यह ड्रैगन घड़ियाल की तरह लगता था।

दूसरे खंभे के ऊपर वेनिस का प्रतीक चिह्न लगा था, जो यहाँ हर जगह दिखाई देता था–पंखों वाला शेर। पूरे शहर में पंख वाला शहर हर तरफ दिखाई देता था जिसका पंजा शान से एक खुली किताब पर रखा था। किताब पर लैटिन में लिखा था–पैक्स तिबी मार्के, इवेंजेलिस्टा मीस यानी तुम्हें शांति हासिल हो, मार्क, मेरे धर्म-प्रचारक। कहा जाता है कि ये शब्द सेंट मार्क के वेनिस आने पर किसी फरिश्ते ने कहे थे। साथ ही उसने यह भी भविष्यवाणी की थी कि उसका शव किसी दिन यहीं दफन किया जाएगा। वेनिस के लोग इस प्राचीन कथा का इस्तेमाल एलेक्जेंड्रिया जाकर सेंट मार्क की हड्डियों को वेनिस के सेंट मार्क गिरजाघर में दोबारा दफन करने के लिए लूटकर लाने के कृत्य को सही ठहराना के लिए करते थे। आज भी पंखों वाला यह शेर शहर के हर कोने पर दिखाई देता है।

लैंग्डन ने अपनी दाहिनी तरफ, खंभों से आगे सेंट मार्क चौराहे की तरफ इशारा किया। ‘अगर हम लोग बिछड़ जाएँ तो गिरजाघर के सामने वाले दरवाज़े पर मिलना।’

अन्य लोग इससे सहमत हुए और वे भीड़ से बचकर डोज के महल की पश्चिमी दीवार के साथ चौराहे की ओर आगे बढ़ने लगे। कानून में कबूतरों को खिलाने पर मनाही के बावजूद, वेनिस के ये मशहूर कबूतर बड़े जीवंत और ठीक दिखाई दे रहे थे। इनमें से कुछ भीड़ के पाँवों के पास दाना चुग रहे थे तो अन्य पास के कैफे की ओर उड़कर जा रहे थे, जहाँ वे ब्रेड की उन टोकरियों पर चोंच मार रहे थे, जिसकी रक्षा करने वाला कोई नहीं था। साथ ही वे वर्दी पहने वेटरों को भी परेशान कर रहे थे।

यह भव्य पिआत्ज़ा सामान्य रूप से पाए जाने वाले चौकोर पिआत्ज़ा की जगह L आकार का था। इसकी छोटी क्षैतिज लकीर, जिसे पिआत्जेट्टा कहा जाता है, समुद्र को सेंट मार्क बेसिलिका से जोड़ती है। आगे जाकर चौराहा नब्बे डिग्री के कोण पर बाईं ओर मुड़कर एल की बड़ी, खड़ी रेखा की तरफ मुड़ जाता है, जो बेसिलिका से होते हुए म्यूजियो कॉर्नर की तरफ जाती है। आश्चर्यजनक रूप से, सीधी रेखाओं से जुड़े होने के बजाय यह चौराहा विषम चतुर्भुज की शक्ल का है, जो एक छोर पर जाकर काफी संकरा हो जाता है। इससे फन-हाउस जैसा दृष्टिभ्रम पैदा होता है, जिसकी वजह से पिआत्ज़ा अपने वास्तविक आकार से कहीं अधिक लंबा दिखाई देता था। वहाँ लगी टाइलों के ग्रिड का पैटर्न पंद्रहवीं सदी में सड़क के किनारे बनी दुकानों की व्यवस्था दिखाता है। यह दृष्टि-भ्रम के प्रभाव को और भी बढ़ा देता है।

लैंग्डन चौराहे के मोड़ के पास पहुँचने वाला था। उसे अपने आगे थोड़ी दूरी पर सेंट मार्क के घंटाघर का नीले रंग का चमचमाता डायल दिखाई दे रहा था। यह वही नक्षत्रीय घड़ी थी, जहाँ से मूनरेकर फिल्म में जेम्स बॉन्ड ने एक खलनायक को नीचे फेंका था।

इस सुरक्षित चौराहे के अंदर पहुँचने के पहले लैंग्डन को इस शहर की सबसे ख़ास पेशकस के बारे में जानकारी नहीं थी।

ध्वनि।

कारों और मोटर-चालित अन्य यानों की अनुपस्थिति में वेनिस के अंदर शहरों में सामान्य तौर पर पाया जाने ट्रैफिक, सबवे और सायरन जैसी वस्तुओं की आवाज़ बिलकुल नहीं सुनाई देती थी। इसके कारण वहाँ गैर-मशीनी आवाज़ें, जैसे की मनुष्यों की ध्वनि, कबूतर की गुटर गू और खुली जगह पर बने कैफे से आने वाली वायलिन के मधुर स्वर घुल-मिलकर एक विशिष्ट ध्वनि-चित्र का निर्माण कर रहे थे। वेनिस दुनिया के अन्य किसी महानगर से अलग सुनाई देता था।

अब दोपहर ढल रही थी। सेंट मार्क चौराहे पर पश्चिम से पड़ रही सूरज की रोशनी के कारण परछाइयाँ लंबी हो रही थी। लैंग्डन ने चौराहे के आसमान में दिखाई दे रहे घंटाघर के ऊँचे शिखर की ओर नज़र डाली, जो प्राचीन वेनिस के क्षितिज पर हावी लग रहा था। घंटाघर के ऊपरी चबूतरे पर सैकड़ों लोग भरे पड़े थे। ऊपर उस स्थान पर जाने की बात सोचने भर से लैंग्डन के दिल में सिहरन पैदा हो रही थी। उसने अपना सिर नीचे कर लिया और जन-समुद्र के बीच चलने लगा।

सिएना आसानी से लैंग्डन के साथ-साथ चल सकती थी, लेकिन फेरिस पीछे हो रहा था।

सिएना उन दोनों पर एक साथ नज़र रखने के लिए उनके बीच में रहना चाहती थी, लेकिन अब उनके बीच की दूरी बढ़ती जा रही थी। सिएना ने बेचैन होकर पीछे नज़र डाली। फेरिस ने अपनी छाती पर हाथ रखकर बताया किया कि उसका दम फूल रहा था। उसने उसे आगे चलने का इशारा किया।

सिएना ने उसकी बात मान ली। वह तेज़ी से लैंग्डन के पास पहुँच गई और अब फेरिस उसकी नज़रों से दूर हो चुका था, लेकिन भीड़ के बीच चलते हुए उसके दिल में एक ख़्याल बार-बार आ रहा था। उसे न जाने क्यों लग रहा था कि फेरिस जानबूझ-कर पीछे रहने की कोशिश कर रहा था..जैसे वह दोनों के बीच दूरी पैदा करने की कोशिश कर रहा हो।

सिएना बहुत पहले अपने दिल के इशारों पर यकीन करना सीख चुकी थी। सिएना एक छतरी के नीचे छुप गई और चुपचाप फेरिस को तलाश करते हुए अपने पीछे आ रही भीड़ को देखने लगी।

आख़िर वह गया कहाँ?

सिएना को लगा जैसे फेरिस अब उसके पीछे आने की कोशिश भी नहीं कर रहा था। वह भीड़ में लोगों के चेहरे पढ़ने लगी। आख़िरकार उसे फेरिस नज़र आया। उसे हैरानी हुई कि फेरिस नीचे झुककर अपने फोन में कुछ टाइप कर रहा था।

ये वही फोन है, जिसके बारे में उसने कहा था कि इसकी बैटरी मर चुकी है।

उसके अंदर एक अजीब-सा डर समा गया। उसे फिर से लगा कि उसे अपने डर पर यकीन करना चाहिए।

उसने ट्रेन में मुझसे झूठ बोला था।

फेरिस की तरफ देखते हुए सिएना कल्पना कर रही थी कि आख़िर वह क्या कर रहा था। किसी के लिए चुपचाप कोई मैसेज? उसकी पीठ पीछे किसी चीज़ की खोज? लैंग्डन और सिएना के पहले जोब्रिस्ट की कविता के रहस्य को समझने की कोशिश?

भले ही उसका मकसद कुछ भी रहा हो, उसने उसके साथ सफेद झूठ कहा था।

मैं उस पर भरोसा नहीं कर सकती।

सिएना सोचने लगी कि उसे सामने जाकर फेरिस से भिड़ जाना चाहिए या नहीं, लेकिन उसकी नज़र पड़े उससे पहले उसने तुरंत भीड़ में वापस जाने का फैसला कर लिया। वह फिर से लैंग्डन की तलाश में बेसिलिका की ओर चल पड़ी। *मुझे उसे बताना ही होगा कि वह फेरिस को कोई भी गोपनीय बात न बताए।*

वह बेसिलिका से करीब पचास गज की दूरी पर रही होगी कि उसे लगा जैसे पीछे से किसी का ताकतवर हाथ उसके स्वेटर को खींच रहा था।

वह पीछे मुड़ी। सामने फेरिस खड़ा था।

चकत्ते वाला आदमी ज़ोर-ज़ोर से हाँफ रहा था। साफ पता चल रहा था कि भीड़ से

गुज़रते हुए उसके नज़दीक पहुँचा था। वह काफी हड़बड़ी में लग रहा था, जिसका अनुभव सिएना ने पहले कभी नहीं किया था।

'माफ करना,' वह मुश्किल से साँस ले पा रहा था, 'मैं भीड़ में खो गया था।'

सिएना ने जैसे ही उसकी आँखों में झाँका, वह समझ गई।

फेरिस कुछ छुपा रहा है।

फेरिस अब सेंट मार्क बेसिलिका के सामने पहुँच चुका था। उसे जानकर हैरानी हुई कि उसके दोनों साथी अब उसके पीछे पीछे नहीं आ रहे थे। उसे यह देखकर भी आश्चर्य हुआ कि उसके पीछे चर्च में घुसने के लिए सैलानियों की कोई भीड़ नहीं दिखाई दे रही थी। फिर उसे समझ में आया कि ढलती दोपहरी में वेनिस के अंदर पास्ता और वाइन का नाश्ता करने के बाद सैलानियों की ऊर्जा कम हो जाती है। वे इस वक़्त इतिहास में डूबने की बजाय पिआत्ज़ा में मटरगश्ती करना या कॉफी की चुस्की लेना पसंद करते हैं।

वह उम्मीद कर रहा था कि सिएना और फेरिस किसी भी क्षण उसके पास पहुँच सकते थे। लैंग्डन ने सामने बेसिलिका के प्रवेश-द्वार की ओर देखना शुरू कर दिया। वैसे तो कभी-कभी ज़रूरत से ज़्यादा प्रवेश-द्वारों के लिए इस इमारत की आलोचना की जाती थी, लेकिन इस इमारत के अग्रभाग का निचला हिस्सा ताखे की शक्ल में बने पाँच प्रवेश-द्वारों से सुसज्जित था। इस जगह पास पास बने खंभों, मेहराबदार गलियारों और तांबे के बने विशाल दरवाज़ों को देखकर इतना तो ज़रूर लगता था कि ये लोगों का स्वागत कर रहे हैं।

सेंट मार्क यूरोप के बाइजेंटाइन स्थापत्य के सर्वोत्कृष्ट उदाहरणों में गिना जाता है। यह चर्च देखने में अद्भुत होने का अहसास देता है। नोर्टर डेम या चार्टर्स के सादगीपूर्ण धूसर रंग वाली मीनारों की तुलना में सेंट मार्क भव्य दिखाई देता था, लेकिन साथ ही यह उनकी अपेक्षा अधिक ज़मीन से जुड़ा हुआ भी लगता था। लंबाई की अपेक्षा इसकी चौड़ाई अधिक थी। चर्च के ऊपरी भाग में पाँच फूले हुए गुंबद थे जिन पर सफेदी की हुई थी, जो हवादार होने के साथ ही उत्सवपूर्ण होने का अहसास दिलाते थे। इसकी वजह से कई गाइड-बुक सेंट मार्क की तुलना फूले हुए शादी वाले केक से करते थे।

चर्च के सबसे ऊँचे शिखर पर, सेंट मार्क की एक पतली-सी मूर्ति चौराहे की ओर देख रही थी, जो उनका नाम दिया गया था। उनका पैर शिखरदार मेहराब पर टिका था, जो दोपहर रात के नीले रंग का दिखाई देता था। इसपर सुनहरे रंग के कई सितारे बने थे। इस रंगीन पृष्ठभूमि में, वेनिस का प्रतीक चिह्न, सुनहले पंखों वाला शेर, चमचमा रहा था।

लेकिन सेंट मार्क की सबसे मशहूर, कीमती चीज़ इसके नीचे दिखाई गई थी–तांबे के बने

विशाल आकार के चार घोड़े। इस वक़्त ये घोड़े दोपहर की धूप में चमचमा रहे थे।

सेंट मार्क के घोड़े।

इन घोड़ों को देखकर ऐसा लगता था मानो वे किसी भी क्षण चौराहे में कूदने को तैयार हों, लेकिन वेनिस की अन्य कीमती चीज़ों की तरह ये भी क्रूसेड के दौरान कांस्टेंटिनोपल यानी आज के इस्तांबुल से लूटकर लाए गए थे। घोड़े के नीचे चर्च के दक्षिण पश्चिमी भाग में इसी दौरान लूटकर लाई गई एक और चीज़ दिखाई देती थी–बैगनी रंग के ग्रेनाइट पर बनी नक्काशी, जो द टेट्रार्क के नाम से जानी जाती थी। यह मूर्ति अपनी टाँग के लिए मशहूर थी, जो 13वीं सदी में इस्तांबुल से वेनिस लाने के दौरान टूट गई थी। आश्चर्य की बात थी कि 1960 के दशक में इस्तांबुल में यह टाँग मिल गई। वेनिस ने मूर्ति के इस टूटे हिस्से को भेजने के लिए अर्जी दी, लेकिन तुर्की के अधिकारियों ने उन्हें सीधा जवाब दिया–*आपने मूर्ति चुरा ली, हम अपनी टाँग रख रहे हैं।*

'मिस्टर, खरीदेगा?' किसी औरत की आवाज़ सुनकर लैंग्डन उस ओर देखने लगा।

मोटी-सी एक जिप्सी औरत खंभा लेकर खड़ी थी, जिसके ऊपर कई तरह के वेनिस के मुखौटे टंगे थे। इनमें से अधिकांश वहाँ प्रचलित वोल्टो इंटेरो शैली में बने थे, जिसमें पूरे चेहरे वाला, सफेद मुखौटा होता था। औरतें ये मुखौटे कार्निवल के दौरान लगाती थी। मुखौटों के उसके संग्रह में कई हँसमुख, आधे चेहरे वाले कोलोंबिना मुखौटे, कुछ तिकोनी-ठुड्डी वाले बौता मुखौटे और बिना फीते वाला मुरेठा मुखौटा भी शामिल था। अपने रंग बिरंगे मुखौटों के बावजूद खंभे के सबसे ऊपर टंगा धूसर-काले रंग का अकेला मुखौटा लैंग्डन का ध्यान अपनी ओर खींच रहा था। इसकी ख़तरनाक, मुर्दा आँखें अपने लंबी, चोंच जैसी नाक के बीच से जैसे सीधे-सीधे उसी को घूर रही थी।

द प्लेग डॉक्टर। लैंग्डन ने अपनी आँखें इससे हटा ली। वह ख़ुद को याद नहीं दिलाना चाहता था कि वह वेनिस में क्या कर रहा था।

'तुम खरीदेगा?' जिप्सी ने दोहराया।

लैंग्डन धीरे-से मुस्कराया और उसने अपना सिर हिलाया। *'ख़ूबसूरत महिला, मुझे ज़रूरत नहीं।आपका शुक्रिया।'*

उस औरत को वहाँ से जाते हुए लैंग्डन की नज़रें अपशकुनी मुखौटे पर टिकी हुई थी, जो भीड़ के बीच कभी ऊपर, कभी नीचे होता दिखाई दे रहा था। उसने गहरी साँस ली और अपनी नज़रें उठाकर फिर से दूसरे तल्ले की बालकनी पर बने तांबे के चारों घोड़ों को देखने लगा।

अचानक उसे कुछ समझ में आया।

लैंग्डन को लगा जैसे कई तत्त्व उसके अंदर आकर टकरा रहे हैं–सेंट मार्क के घोड़े, वेनिस के मुखौटे, इस्तांबुल से लूटकर लाई गई कीमती वस्तुएँ।

‘हे भगवान।’ वह फुसफुसाया। ‘ये बात है।’

72

लैंग्डन स्तब्ध था।

सेंट मार्क के घोड़े

शाही गरदन और ताकतवर कंधों वाले चार घोड़ों ने लैंग्डन के मस्तिष्क में अचानक कई आशातीत स्मृतियों को जगा दिया था। वह समझ गया था कि दांते के डेथ-मास्क पर छपी उस रहस्यमय कविता के एक महत्त्वपूर्ण तत्त्व की व्याख्या इनके आधार पर की जा सकती थी।

लैंग्डन एक बार न्यू हैंपशर के ऐतिहासिक रनीमीड फार्म में किसी नामचीन हस्ती के विवाह के अवसर पर आयोजित स्वागत समारोह में शामिल हुआ था। यहाँ केंटुकी के डर्बी विजेता नर्तक की तस्वीर लगी थी। इस शानदार समारोह के दौरान अतिथियों को एक जाने माने नाट्य दल की प्रस्तुति दिखाई गई थी, जो घोड़ों पर सवार होकर, मुखौटे लगाकर नाटक करते थे। इस विलक्षण नाटक में घुड़सवार वेनिस की चमचमाती पोशाक पहनते थे। उनके चेहरे वोल्टो इंटर्नो मुखौटों के पीछे छुपे होते थे। यह नाट्य-दल जिन फ्रीसियन नस्ल के गहरे काले घोड़ों का इस्तेमाल करता था उनसे बड़े आकार के घोड़े लैंग्डन ने अपनी ज़िंदगी में नहीं देखे थे। मैदान में विशाल आकार के इन घोड़ों की गरजदार हिनहिनाहट सुनाई देती थी। उनकी कसी हुई मांसपेशियाँ, मुलायम रोओं से ढके खुर और उनकी शानदार गरदन पर लटके तीन फीट लंबे बाल अद्भुत सौंदर्य की सृष्टि करते थे।

इन घोड़ों की ख़ूबसूरती से लैंग्डन इतना प्रभावित हुआ था कि घर लौटकर लैंग्डन उनके बारे में ऑनलाइन सर्च करने लगा। उसने पाया कि यह नस्ल किसी जमाने में युद्ध के लिए मध्ययुगीन राजाओं की ख़ास पसंद होती थी। हाल के वर्षों में इन्हें विलुप्ति की कगार से वापस लाया गया था। इनका असली नाम इक्वस रोबस्टस था, लेकिन आधुनिक काल में इन्हें फ्रीसियन कहा जाता था, जो उनके मूल स्थान फ्रिसलैंड के सम्मान में इन्हें दिया गया गया था। फ्रिसलैंड हॉलैंड का एक प्रदेश है, जो मेधावी ग्राफिक कलाकार एम.सी.एशर का जन्मस्थान है।

लैंग्डन को पता चला कि शुरूआती दौर के फ्रिशियन घोड़ों के शक्तिशाली सौंदर्यबोध ने ही वेनिस के सेंट मार्क में बनी मूर्तियों के लिए प्रेरणा प्रदान की थी। वेबसाइट के अनुसार सेंट मार्क के घोड़े इतने ख़ूबसूरत थे कि वे 'इतिहास में सबसे अधिक बार चुराई जाने वाली कलाकृति' कही जाती है।

लैंग्डन हमेशा मानता था कि इस अजीब-से सम्मान की हकदार घेंट आल्टरपीस थी। उसने अपनी इस मान्यता को परखने के लिए जल्दी से एआरसीए वेबसाइट पर नज़र

डाली। द एसोशियएशन फॉर रिसर्च इंटू क्राइम्स अगेंस्ट आर्ट में ऐसी कोई पक्की रैंकिंग नहीं दी गई थी, लेकिन इसमें इस मूर्ति की चोरी और लूट के हैरान करने वाले इतिहास बारे में एक संक्षिप्त विवरण अवश्य दिया गया था।

तांबे के इन चार घोड़ों को किसी अंजाने ग्रीक मूर्तिकार ने चिओज टापू पर बनाया था। घोड़े की ये मूर्तियाँ वहीं पर उस समय तक रही जब थियोडोसियस II इसे लेकर हिप्पोड्रम में प्रदर्शित करने के लिए कॉन्स्टेंटिनोपल नहीं लेकर चला गया। इसके बाद चौथे क्रूसेड, क्रूसेड, के दौरान जब वेनिस की फौजों ने कॉन्स्टेंटिनोपल में लूटमार किया तो वहाँ के शासक डोज ने चारों कीमती मूर्तियों को जहाज़ के द्वारा वेनिस भेजने की माँग रखी, जो इनके आकार और वजन के कारण असंभव काम था। किसी प्रकार ये घोड़े सन् 1254 में वेनिस पहुँचे और इन्हें सेंट मार्क गिरजाघर के सामने स्थापित किया गया।

आधी सहस्राब्दि बाद, सन् 1797 में नेपोलियन ने वेनिस पर कब्जा कर लिया और घोड़ों को अपने लिए लेकर चला गया। इन्हें पेरिस लाया गया, जहाँ आर्क डे ट्रायोंफे के ऊपर काफी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। अंततः सन् 1815 में वाटरलू में नेपोलियन की हार और उसके निर्वासन के बाद इन्हें आर्क डे ट्रायोंफे से नीचे उतारा गया और पानी में तैरने वाले चबूतरे पर लाद कर फिर से वेनिस पहुँचाया गया। यहाँ इन्हें दोबारा सेंट मार्क बेसिलिका के सामने वाली बालकनी पर स्थापित किया गया।

वैसे तो लैंग्डन घोड़ों के इतिहास से अच्छी तरह परिचित था, लेकिन एआरसीए साइट पर लिखी एक बात को देखकर वह स्तब्ध रह गया।

> वेनिस के लोगों ने सन् 1204 में इन्हें जहाज़ पर लादकर कॉन्स्टेंटिनोपल से वेनिस लाने में सहूलियत के लिए काटी गई गर्दन को छुपाने के लिए अलंकृत कॉलर लगाए।

डोज ने सेंट मार्क के घोड़ों की गरदन काटने का हुक्म दिया था? लैंग्डन को यह बात अकल्पनीय लगती थी।

'रॉबर्ट,' पीछे से सिएना की आवाज़ सुनाई दी।

लैंग्डन अपने ख्यालों से बाहर आया और सिएना की ओर मुड़ा, जो भीड़ को चीरती हुई उसकी ओर आ रही थी। फेरिस उसके पास था।

'कविता में जिन घोड़ों के बारे में. . .' लैंग्डन जोश में आकर बोला, 'कहा गया है उनके बारे में मैंने पता कर लिया।'

'क्या?' सिएना ठीक से समझ नहीं पाई।

'हम उस धोखेबाज डोज की तलाश कर रहे हैं जिसने घोड़ों की गरदन काटी थी।'

‘हाँ।’

‘कविता में ज़िंदा घोड़ों की बात नहीं हो रही है।’ लैंग्डन ने सेंट मार्क गिरजाघर के सामने ऊपर की तरफ दिखाते हुए कहा। उस वक़्त सूरज की रोशनी तांबे की बनी उन चार मूर्तियों को रोशन कर रही थी। ‘ये इन घोड़ों के संदर्भ में कही गई है।’

73

प्रोवोस्ट की स्टडी में जोब्रिस्ट के वीडियो को देखकर मेंडेसियम पर सवार डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की के हाथ काँप रहे थे। वैसे तो उसने अपनी ज़िंदगी में कई डरावनी चीज़ें देखी थीं।आत्महत्या के पहले बनाए बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट के इस अबूझ वीडियो को देखकर उसे अपने अंदर मौत जैसी ठंड का अहसास हो रहा था।

उसके सामने स्क्रीन पर, चोंच वाले चेहरे की तस्वीर थरथरा रही थी। तस्वीर को पानी के भीतर बनी गुफा की रिसती दीवार पर प्रोजेक्ट किया जा रहा था। किसी इंसान की परछाई बोलती जा रही थी। यह इसे अपना मास्टरपीस बता रही थी जिसे उसने *इन्फर्नो* का नाम दिया था, जो बड़े पैमाने पर नरसंहार कर दुनिया की रक्षा करने वाला था।

भगवान हमारी रक्षा करें, सिंस्की ने सोचा। 'हमें. . .' उसने कांपती आवाज़ में कहा। 'ज़मीन के अंदर बनी इस जगह को हमें ढूँढ़ना ही होगा। वरना बहुत देर हो जाएगी।'

'देखते रहिए।' प्रोवोस्ट ने कहा। 'आगे इसमें और भी विचित्र बातें दिखाई गई हैं।'

अचानक भींगे हुए दीवार पर दिख रही मुखौटे की परछाई काफी बड़ी हो गई। परछाई उसके सामने पसरी दिखाई दे रही थी तभी फ्रेम में एक व्यक्ति दिखाई दिया।

हे भगवान।

सिंस्की के सामने अब अपने पूरे लिबास में प्लेग का डॉक्टर दिखाई दे रहा था–काला लबादा और डरावने चोंच वाले मुखौटे के साथ। प्लेग डॉक्टर सीधा कैमरे की तरफ आ रहा था। अब पूरे स्क्रीन पर उसका मुखौटा छाया हुआ था जिसे देखकर डर लग रहा था।

'नरक की सबसे अंधेरी जगह, ' उसने फुसफुसाकर कहा, 'उन लोगों के लिए सुरक्षित होती है, जो नैतिक संकट के समय में भी तटस्थ बने रहते हैं।'

सिंस्की के रोंगटे खड़े हो गए। ये वही उद्धरण था, जो जोब्रिस्ट ने उसके लिए एयरलाइन के काउंटर पर छोड़ा था जब वह न्यूयॉर्क में उससे बचकर भाग निकली थी।

'मुझे पता है,' प्लेग डॉक्टर ने बोलना जारी रखा, 'कि कुछ लोग मुझे राक्षस कहते हैं।' वह रुका। सिंस्की समझ गई कि ये शब्द उसके लिए कहे गए हैं। 'मुझे मालूम है कि मुझे कुछ लोग हृदयहीन जानवर कहते हैं, जो मुखौटे के पीछे छुपा रहता है।' वह फिर रुका। अब वह कैमरे के और भी नज़दीक आ गया। 'लेकिन न ही मैं पहचान रहित हूँ, न ही हृदयहीन।'

यह बोलकर जोब्रिस्ट ने चेहरे से मुखौटे को हटा लिया और अपने लबादे के हुड को नीचे कर लिया। अब उसका चेहरा साफ दिखाई दे रहा था। सिंस्की का शरीर उसे देखकर अकड़ गया। सामने वही परिचित हरी आँखें दिखाई दे रही थी जिसे उसने सीआफआर के अंधेरे में देखा था। वीडियो में भी उसकी आँखों में वही आग और जोश दिखाई दे रहा था,

लेकिन इसमें एक चीज़ और भी जुड़ गई थी–सनकी आदमी की ज़िद।

'मेरा नाम बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट है।' उसने कैमरे को घूरते हुए कहा। 'और यह मेरा चेहरा है, दुनिया के लिए परदे से बाहर और नंगा। जहाँ तक मेरी आत्मा का सवाल है. . .अगर मैं अपने दहकते दिल को सबके सामने दिखा पाता, जैसा कि दांते के भगवान ने उनकी प्रियतमा के लिए किया था, तो आप देख पाते कि यह किस तरह प्यार से लबरेज है। सबसे गहरे किस्म का प्यार। आप सभी के लिए और सबसे अधिक, आप में से एक के लिए।'

जोब्रिस्ट और नज़दीक आ गया। वह कैमरे को और गहराई से घूरते हुए धीमी आवाज़ में बोलने लगा, जैसे किसी प्रेमी से बात कर रहा हो।

'मेरे प्रियतम,' वह फुसफुसाकर बोला, 'मेरा बहुमूल्य प्यार। तुम्ही मेरे परमसुख हो, मेरे सभी पापों को नष्ट करने वाले, मेरे पुण्यों की तस्दीक करने वाले, मेरी मुक्ति। तुम्हीं वह व्यक्ति हो, जो मेरे पहलू में निर्वस्त्र लेटे थे और अंजाने ही मुझे इस गहरी खाई को पार करने में तुम्हीं ने मेरी सहायता की थी और मुझे वह सब करने की ताकत दी थी, जो मैं अब कर रहा हूँ।'

सिंस्की को यह सुनते हुए घृणा हो रही थी।

'मेरे प्रियतम,' जोब्रिस्ट खिन्न स्वर में फुसफुसाते हुए कह रहा था। उसकी आवाज़ ज़मीन के भीतर बनी सुरंग में गूँज रही थी। 'तुम मेरी प्रेरणा हो, मेरे पथ-प्रदर्शक, एक ही साथ मेरे वर्जिल और मेरी बीट्रिस भी। यह मास्टरपीस जितना मेरा है उतना ही तुम्हारा भी। अगर भाग्य से साथ लाए गए प्रेमियों की तरह तुम और मैं भविष्य में कभी एक-दूसरे का स्पर्श नहीं कर सकें तो मुझे बस इतना जानकर शांति मिलेगी कि मैंने भविष्य को तुम्हारे कोमल हाथों में छोड़ा है। नीचे मेरा काम पूरा हो चुका है। अब मुझे ऊपर के लोक में जाने. . .और सितारों को आलिंगन में लेने का वक़्त आ गया है।'

जोब्रिस्ट चुप हो गया। गुफा के भीतर थोड़ी देर तक सितारों शब्द गूँजता रहा। इसके बाद सुस्थिर तरीके से जोब्रिस्ट ने आगे बढ़कर कैमरे को छुआ और ट्रांसमिशन बंद हो गया।

स्क्रीन काला हो गया।

'ज़मीन के भीतर की जगह को हम नहीं जानते हैं। क्या आप जानती हैं?' प्रोवोस्ट ने मॉनिटर को बंद करते हुए कहा।

सिंस्की ने सिर हिलाया। मैंने ऐसी चीज़ कभी नहीं देखी है। वह रॉबर्ट लैंग्डन के बारे में सोचती हुई मन-ही-मन अंदाज़ा लगाने लगी कि उसे जोब्रिस्ट के सुरागों को समझने में सफलता मिली या नहीं।'

'अगर इससे कोई सहायता मिल पाए,' प्रोवोस्ट ने कहा, 'तो मैं बता सकता हूँ कि जोब्रिस्ट का प्रेमी कौन है।' वह रुका। 'कोडनेम एफएस-2080 वाला व्यक्ति।'

सिंस्की उछल गई। 'एफएस-2080?' वह सदमे में प्रोवोस्ट की तरफ देखने लगी।

प्रोवोस्ट भी उतना ही हतप्रभ लग रहा था। 'इससे आपको कुछ अंदाज़ा लग रहा है?'

सिंस्की ने उसकी ओर अविश्वास भरी नज़रों से देखा। 'हाँ, बिलकुल।'

सिंस्की का दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। एफएस-2080. वह उस व्यक्ति को पहचानती तो नहीं थी, लेकिन वह इस कोडनेम का अर्थ ज़रूर जानती थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन इसी तरह के कोडनेम पर सालों से निगरानी रख रहा था।

' द ट्रांसह्यूमेनिस्ट मूवमेंट।' उसने कहा। 'क्या आप इससे परिचित हैं?'

प्रोवोस्ट ने अपना सिर हिलाया।

'बिलकुल सरल शब्दों में कहें,' सिंस्की ने इसकी व्याख्या करते हुए कहा, 'ट्रांसह्यूमेनिज्म का दर्शन मानता है कि मनुष्यों को अपनी प्रजाति को ताकतवर बनाने के लिए हर तरह की उपलब्ध टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करना चाहिए। आख़िरकार सबसे ताकतवर ही भविष्य में ज़िंदा बच सकता है–सर्वाइवल ऑफ़ द फिटेस्ट।

प्रोवोस्ट ने अपना सिर हिलाया मानो उस पर इस बात का कोई प्रभाव नहीं पड़ा हो।

'सामान्य तौर पर कहें,' उसने बोलना जारी रखा, 'तो ट्रांसह्यूमेनिस्ट आँदोलन में ज़िम्मेदार लोग शामिल है–नैतिक दायित्व वाले वैज्ञानिक, भविष्य विज्ञान के ज्ञाता, बेहतर विश्व की परिकल्पना रखने वाले लोग वगैरह, लेकिन दूसरे कई आँदोलनों की तरह इसके अंदर भी एक छोटा-सा उग्र विचार वाला तबका है जिसका मानना है कि यह आँदोलन अपेक्षित तेज़ी से आगे नहीं बढ़ रहा। वे महाविनाश में विश्वास रखने वाले विचारक हैं जिनका मानना कि प्रलयकाल नज़दीक आ रहा है। वे मानते हैं कि किसी-ने-किसी को मानव प्रजाति के भविष्य को बचाने के लिए कठोर कदम उठाना ही होगा।'

'और मेरे अनुमान के मुताबिक,' प्रोवोस्ट ने कहा, 'बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट इन्हीं लोगों में शामिल था।'

'यकीनन।' सिंस्की ने कहा। 'इस आँदोलन का नेता।' वह न केवल अत्यंत मेधावी ही था, बल्कि उसके अंदर एक तरह का चुंबकीय आकर्षण भी था। उसने महाविनाश से संबंधित कई लेख लिखे जिसने ट्रांसह्यूमेनिस्ट संप्रदाय में सनक की तरह यकीन करने वाले लोगों की एक बड़ी जमात पैदा कर दी। आज उसके यही सनकी शिष्य इन कूट-नामों का इस्तेमाल करते हैं जैसे कि डीजी-2064, बीए-2105 या, जो आपने अभी-अभी बोला।'

'एफएस-2080'

सिंस्की ने सिर हिलाया। 'यह ट्रांसह्यूमेनिस्ट कोड-नेम के अलावा कुछ हो ही नहीं सकता।'

'इन अक्षरों और संख्या का कोई अर्थ भी होता है?'

सिंस्की ने अपने कंप्यूटर की ओर इशारा किया। 'अपना ब्राउजर निकालो। मैं दिखाती हूँ।'

प्रोवोस्ट अनिश्चय की स्थिति में लग रहा था, लेकिन उसने अपना कंप्यूटर खोलकर सर्च-इंजन चालू किया।

‘एफएम-2030 सर्च करो।’ सिंस्की ने कहा और उसके पीछे बैठ गई।

प्रोवोस्ट ने एफएम-2030 टाइप किया और स्क्रीन पर हज़ारों वेब-पेज दिखने लगे।

‘इनमें से किसी पर भी क्लिक करो।’ सिंस्की ने कहा।

प्रोवोस्ट ने सबसे ऊपर दिखाई दे रहे सर्च परिणाम को क्लिक किया। विकीपीडिया का पेज खुला, जिसमें एक ख़ूबसूरत ईरानी व्यक्ति फेरीदून एम. एस्फनडियारी दिखाई दिया। उसे एक लेखक, दार्शनिक, फ्यूचरिस्ट और ट्रांसह्यूमेनिस्ट आँदोलन का जनक बताया जा रहा था। उसका जन्म 1930 में हुआ था और उसे ट्रांसह्यूमेनिस्ट दर्शन को लोगों के बीच प्रचलित करने का श्रेय दिया गया था। साथ ही उसे इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन, जीन इंजीनियरिंग और सभ्यता के वैश्वीकरण जैसे विचारों की भविष्यवाणी करने वाला व्यक्ति भी बताया गया था।

विकिपीडिया के अनुसार, एस्फनडियारी का सबसे बोल्ड दावा था कि नई तकनीक उसे सौ साल की उम्र तक जीवित रखने में मदद करेंगी, जो उसकी पीढ़ी के लिए एक दुर्लभ बात थी। भविष्य की टेक्नोलॉजी में अपने यकीन को दिखाने के लिए उसने अपना बदलकर एफएम-2030 कर लिया था। इस कोडनेम में उसके नाम के पहले और बीच वाले प्रथमाक्षर को उस साल के साथ जोड़ दिया गया था जब वह 100 साल का होने वाला था। दुर्भाग्यवश, वह सत्तर साल की उम्र में पैंक्रियास के कैंसर से मर गया और अपने लक्ष्य पर नहीं पहुँच पाया, लेकिन उसकी स्मृति का सम्मान करते हुए ट्रांह्यूमेनिस्ट आँदोलन के कट्टर समर्थक एफएम-2030 जैसे नामकरण की परंपरा अब भी अपना रहे थे।

वेबपेज को पूरा पढ़ने के बाद वह खड़ा हो गया और खिड़की के पास जाकर काफी देर तक बाहर समुद्र की ओर यूँ ही देखता रहा।

‘यानी,’ उसने अंततः धीमी आवाज़ में बोला, जैसे वह कुछ सोच रहा था। ‘बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट का प्रेमी, एफएस 2080 नाम का व्यक्ति इन्हीं में से कोई है, लेकिन. . .’

‘यही मेरे कहने का मतलब है,’ प्रोवोस्ट ने उसे बीच में टोका। वह अब भी समुद्र की ओर देख रहा था। ‘मैं जानता हूँ। मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि वह व्यक्ति कौन है।’

74

ऐसा लगता है मानो हवा भी सोने की बनी हो।

रॉबर्ट लैंग्डन ने अपनी ज़िंदगी में अनेक भव्य गिरजाघर देखे थे, लेकिन सेंट मार्क चिएसा डि ओरो का परिवेश उसे हमेशा सबसे अलग और विशिष्ट लगता था। सदियों से कहा जाता था कि सेंट मार्क की हवा में साँस लेने भर से व्यक्ति धनी बन सकता था। इस वक़्तव्य का केवल सांकेतिक ही नहीं शाब्दिक अर्थ भी था।

इस कैथेड्रल का भीतरी हिस्सा प्राचीन काल के *लाखों* सोने के टाइलों से बना था। माना जाता था कि कैथेड्रल के अंदर की हवा में सोने के कण तैर रहे होते थे। हवा में तैरते सोने की धूल और इसकी पश्चिमी खिड़की से आ रही सूरज की रोशनी, दोनों मिलकर एक जीवंत परिवेश का निर्माण करते थे, जो आस्थावान लोगों के लिए आध्यात्मिक समृद्धि प्रदान करता था। साथ ही, जब वे गहरी साँस लेते तो उनके फेफड़ों पर जमने वाली सोने की धूल उन्हें भी समृद्ध करती थी।

इस समय, क्षितिज पर सूरज नीचे आ चुका था। पश्चिम वाली खिड़की को छेद कर इसकी किरणें लैंग्डन के सिर पर एक चौड़े, चमचमाते पंखे या दीप्तिमान रेशम की छतरी की तरह पसरी हुई थी। लैंग्डन ख़ुद को गहन विस्मय से भरी गहरी साँस लेने से रोक नहीं पाया। उसे लगा कि उसके साथ खड़ी सिएना और फेरिस ने भी ऐसा ही किया।

'किस तरफ?' सिएना ने धीमे स्वर में पूछा।

लैंग्डन ने ऊपर की तरफ जा रही सीढ़ियों की तरफ इशारा किया। चर्च का म्यूजियम वाला हिस्सा ऊपरी लेवल पर था, जहाँ सेंट मार्क के घोड़ों से संबंधित तरह तरह के सामान प्रदर्शित किए गए थे। लैंग्डन को यकीन था कि इन्हें देखते ही वह रहस्यमय डोज को पहचान लेगा जिसने इन जानवरों का सिर काटा था।

सीढ़ियों से ऊपर जाते हुए उसने देखा कि फेरिस की साँस फिर से उखड़ रही थी। सिएना की भी नज़रें लैंग्डन से मिली जिस की कोशिश वह कई मिनटों से कर रही थी। उसके चेहरे पर चेतावनी और सावधान रहने का भाव दिखाई दे रहा था। उसने नज़रें बचाते हुए फेरिस की ओर इशारा किया। उसने कुछ बोला जिसे लैंग्डन नहीं समझ पाया। वह सिएना से कुछ पूछ पाता उसके पहले ही फेरिस ने पीछे मुड़कर देखा, शायद एक पल की देरी के बाद। उस समय तक सिएना ने लैंग्डन की ओर से अपनी नज़रें हटा ली थी और वह सीधे फेरिस को देख रही थी।

'आप ठीक तो हैं, डॉक्टर?' उसने भोलेपन से पूछा।

फेरिस ने हामी भरी और तेज़ी से सीढ़ियाँ चढ़ने लगा।

प्रतिभाशाली एक्ट्रेस, लैंग्डन ने सोचा, लेकिन वह कहना क्या चाह रही थी?

जब वे दूसरी मंज़िल पर पहुँचे तो उन्हें अपने नीचे पसरा हुआ पूरा गिरजाघर दिखाई दे रहा था। सैंक्चुअरी को ग्रीक क्रॉस की शैली में बनाया गया था। यह देखने में सेंट पीटर्स के नोर्टर डेम की तुलना के लंबोतरे चतुर्भुजों की तुलना में कहीं अधिक वर्गाकार दिखाई दे रहा था। नार्थेक्स से ऑल्टर के बीच सेंट मार्क को देखकर मज़बूती और स्थायित्व का भान होता था। साथ ही यह अधिक सुगम्य भी जान पड़ता था।

लेकिन आवश्यकता से अधिक आसानी से पहुँचने योग्य नहीं बनाने के लिए, चर्च के ऑल्टर को खंभों पर टिके एक स्क्रीन के पीछे छिपाया गया था, जिसके ऊपर बड़ा-सा क्रूस बना हुआ था। इसके चारों तरफ सुंदर मेडल जैसी संरचना बनी थी जिसे सिबोरियम कहते हैं। यहाँ दुनिया का सबसे कीमती ऑल्टरपीस भी पाया जाता है–मशहूर पाला डि ओरो। सोने का बना यह बेशकीमती कपड़ा सिर्फ इसी अर्थ में कपड़ा था कि इसमें पहले के कामों की कई परतें एक साथ गोथिक फ्रेम में गुंथी थी, जो मुख्यतः बाइजेंटाइन एनामेल की बनी थी। यह कपड़ा पीछे के परदे का काम करता था। पाला डि ओरो तेरह सौ मोतियों, चार सौ रक्तमणि और तीन सौ नीलम के साथ ही जवाहरों, बिल्लौरी पत्थर और माणिक से सुसज्जित था। इसे सेंट मार्क के घोड़ों के साथ ही वेनिस के सबसे बेहतरीन खजानों में गिना जाता था।

स्थापत्य की दृष्टि से, पूरब में बाइजेंटाइन शैली में बने चर्च को यूरोप या पश्चिम में बेसिलिका कहा जाता है। सेंट मार्क दरअसल कांस्टेंटिनोपल के होली एपोसल के जस्टीनियन बेसिलिका की प्रतिकृति थी। इसका स्थापत्य पूर्व की शैली से इतना मिलता जुलता था कि गाइडबुक प्रायः इसे तुर्की की मस्जिदों की जगह देखने की सलाह देते थे जिनमें से कई पहले बाइजेंटाइन चर्च ही थे जिन्हें मस्जिदों में बदल दिया गया था।

लैंग्डन सेंट मार्क को किसी हालत में तुर्की के दर्शनीय मस्जिदों के बराबर नहीं मानता था, लेकिन उसे भी यह मानना पड़ता था कि बाइजेंटाइन कला की भूख को चर्च के राइट ट्रांसक्रिप्ट के बगल में बने गुप्त कमरों को देखकर शांत किया जा सकता था। यहीं पर सेंट मार्क का तथाकथित खजाना यानी कि 263 कीमती मूर्तियों, आभूषणों और कांस्टेनटिनोपल से लूटकर लाए गए प्यालों का संग्रह भी पाया जाता था।

आज दोपहर बेसिलिका को अपेक्षाकृत शांत देखकर लैंग्डन को खुशी हुई। वैसे तो वहाँ अब भी काफी लोग मौजूद थे, लेकिन वहाँ कम-से-कम इधर-उधर जाने के लिए जगह बची हुई थी। विभिन्न समूहों के बीच आ जाकर लैंग्डन ने फेरिस और सिएना को पश्चिमी खिड़की की तरफ आने का इशारा किया, जहाँ सैलानी बाहर निकलकर बालकनी पर रखे घोड़ों को देख सकते थे। डोज की खोज करने के बारे में आत्म-विश्वास दिखाने के बावजूद लैंग्डन को इसके अगले कदम के बारे में चिंता हो रही थी यानी की डोज की खोज। *उसका मकबरा?*

उसकी मूर्ति? इसके लिए शायद थोड़ी मदद की ज़रूरत थी, क्योंकि वहाँ चर्च के भीतर अंदर के तहखाने और इसके बाएँ भाग में बने गुंबदों वाले मकबरों में सैकड़ों मूर्तियाँ रखी हुई थी।

लैंग्डन ने देखा कि एक नौजवान डोसेंट सैलानियों को वह जगह दिखा रहा था। उसने विनम्रतापूर्वक ने उसके भाषण के बीच में उसे टोकते हुए कहा, 'माफ करना, क्या आज दोपहर इटोरे वियो इधर आ रहे हैं?'

'एटोरे वियो?' औरत ने लैंग्डन की ओर अजीब ढंग से देखा। '*हाँ, बिलकुल, लेकिन. . .*' वह इतालवी में बोलते बोलते रुक गई। उसकी आँखों में चमक दिखाई दे रही थी। '*आप रॉबर्ट लैंग्डन हैं न?*'

लैंग्डन धैर्यपूर्वक मुस्करा रहा था। 'हाँ, मैं लैंग्डन हूँ। क्या मैं एटोरे से बात कर सकता हूँ?'

'*हाँ, बिलकुल।*' औरत ने अपने साथ चल रहे लोगों के झुंड को रुकने का इशारा किया और तेज़ी से उनकी ओर चली गई।

लैंग्डन और म्यूजियम के निदेशक एटोरे वियो ने एक बार इस बेसीलिका पर बनी एक छोटी-सी डॉक्यूमेंट्री में एक साथ काम किया था। इसके बाद उन दोनों के बीच संपर्क जारी रहा। 'एटोरे ने इसे बेसिलिका पर एक किताब लिखी है।' लैंग्डन ने सिएना को बताया। 'दरअसल कई किताबें।'

सिएना अब भी फेरिस से अजीब तरीके से घबराई हुई लग रही थी, जो उसके पास खड़ा था। उसी वक़्त लैंग्डन वहाँ आए दूसरे लोगों के साथ दूसरी मंज़िल की पश्चिमी खिड़की की ओर जा रहा था, जहाँ से घोड़ों को देखा जा सकता था। खिड़की के पास पहुँचने के बाद ढलते सूरज की रोशनी में घोड़े की पिछली टाँगों की उभरी हुई मांसपेशियों की रूपरेखा दिखाई देने लगी। बालकनी से वहाँ घूमने आए सैलानी घोड़ों को नज़दीक से देखने और सेंट मार्क के दर्शनीय नजारे का आनंद उठा रहे थे।

'वे उस ओर रहे,' सिएना चिहुंककर बोली। अब वह बालकनी में खुलने वाले दरवाज़े के पास पहुँच चुकी थी।

'नहीं।' लैंग्डन ने कहा। 'बालकनी पर दिख रहे घोड़े असली नहीं, बल्कि उनकी प्रतिकृतियाँ हैं। सेंट मार्क के असली घोड़ों को हिफाजत और लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए अंदर रखा गया है।'

लैंग्डन सिएना और फेरिस को लेकर एक कॉरिडोर में आगे जान लगा, जहाँ रोशनी से भरपूर ताखे के भीतर ठीक वैसे ही चार घोड़े दिखाई दे रहे थे। पीछे ईंट से बने बैकड्रॉप की ओर से वे घोड़े दौड़ते हुए उनकी ओर आते हुए लग रहे थे।

लैंग्डन ने मूर्तियों की तरफ प्रशंसा भरी नज़रों से इशारा किया। 'ये रहे असली घोड़े।'

लैंग्डन जब भी इन घोड़ों को नज़दीक से देखता वह इनकी बनावट, ख़ासकर इनकी

मांसपेशियों की ख़ूबसूरती से बनी संरचना की तारीफ करने से ख़ुद को नहीं रोक पाता।

नाटकीय ढंग से लहराती उनकी त्वचा को सुनहले-हरे रंग की तांबे की सतह पर बनी परत और भी ख़ूबसूरत बना रही थी। ऐतिहासिक उथल पुथल को झेलने के बावजूद इन चारों घोड़ों को जितने अच्छे तरीके से संरक्षित रखा गया था वह लैंग्डन को हमेशा याद दिलाता था कि महान कलाओं को संरक्षित करना कितना महत्त्वपूर्ण है।

'उनके कॉलर,' सिएना ने उनकी गर्दन पर लिपटे ब्रेस्ट-कॉलरों की ओर दिखाते हुए कहा, 'आपने कहा, कि सिलाई को ढकने के लिए उन्हें बाद में जोड़ा गया था?'

लैंग्डन ने सिएना और फेरिस को घोड़ों के 'काटे गए गलों' के बारे में विस्तार से बताया था, जिसके बारे में उसने एआरसीए वेबसाइट पर पढ़ा था।

'हाँ, ऐसा ही लगता है।' लैंग्डन यह बोलते हुए नज़दीक में लगी सूचना-पट्टिका की तरफ बढ़ गया।

'रॉबर्टो।' उसके पीछे से किसी की दोस्ताना आवाज़ गूँजी। 'तुम मेरी बेइज़्ज़ती कर रहे हो।'

लैंग्डन ने मुड़कर एटोरे वियो को देखा। उसके बाल सफेद थे। देखने में वह ख़ुशमिज़ाज लग रहा था। उसने नीली कमीज़ पहन रखी थी। उसने गरदन में धागे से चश्मा लटका रखा था। वह भीड़ को चीर कर आगे आ रहा था। 'तुम ने मुझे बिना बताए वेनिस आने की हिमाकत की?'

लैंग्डन ने मुस्कराकर उससे हाथ मिलाया। 'एटोरे, तुम्हें चौंकाने में मुझे मज़ा आता है। तुम अच्छे दिख रहे हो। मेरे दोस्तों डॉक्टर ब्रुक्स और डॉक्टर फेरिस से मिलो।'

एटोरे ने उनका स्वागत किया और पीछे हटकर लैंग्डन को गौर से देखने लगा। 'डॉक्टरों के साथ यात्रा पर निकले हो? क्या तुम बीमार हो? तुम्हारे कपड़े? क्या तुम इतालवी बनने के चक्कर में हो?'

'नहीं, दोनों में से कोई बात सही नहीं है।' लैंग्डन ने मुस्कराते हुए कहा। 'मैं घोड़ों के बारे में कुछ जानकारी इकट्ठा करने आया हूँ।'

एटोरे यह सुनकर हैरान था। 'क्या ऐसी भी चीज़ है, जो इस मशहूर प्रोफेसर को पता नहीं हो?'

लैंग्डन हँसने लगा। 'मुझे क्रूसेड के दौरान एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के दौरान इन घोड़ों की गरदन काटे जाने के बारे में कुछ पता करना है।'

एटोरे वियो लैंग्डन की तरफ इस तरह देखने लगा मानो उसने महारानी के बवासीर के बारे में कोई सवाल पूछ दिया हो। 'भगवान के लिए, लैंग्डन,' उसने धीमी आवाज़ में कहा। 'हम इसके बारे में चर्चा नहीं करते। अगर तुम कटे हुए सिरों के बारे में बातें करना चाहते हो तो मैं तुम्हें मशहूर कार में गोला या. . .'

‘एटोरे, मैं जानना चाहता हूँ कि इन घोड़ों का सिर वेनिस के किस डोज ने काटा?’

‘ऐसा हुआ ही नहीं,’ एटोरे ने बचाव की मुद्रा में कहा। ‘मैंने बेशक कहानियाँ सुनी हैं, लेकिन ऐतिहासिक रूप से इसका कोई प्रमाण नहीं मिलता कि किसी डोज ने ऐसा..’

‘एटोरे, मेरे साथ मज़ाक मत करो।’ लैंग्डन ने कहा। ‘प्रचलित कथाओं के अनुसार, वह डोज कौन था?’

एटोरे ने आँखों पर चश्मा डाल लिया और लैंग्डन को देखने लगा। ‘ठीक है। कहानियों के अनुसार हमारे प्यारे घोड़ों को वेनिस के सबसे होशियार और धूर्त डोज ने ढोकर लाया।’

‘धूर्त, मक्कार?’

‘हाँ, जिस डोज ने धूर्तता से सभी को क्रूसेड में शामिल करवाया।’ वह लैंग्डन की तरफ आशा भरी नज़रों से देखने लगा। ‘वही डोज, जो सरकारी खजाने से पैसा लेकर मिस्र गया. . .लेकिन उसने अपनी फौजों कि दिशा कांस्टेंटिनोपल की ओर मोड़ दी, जहाँ उन्होंने ख़ूब लूटपाट मचाई।’

यह तो धोखेबाजी जैसी बात लगती है, लैंग्डन मन-ही-मन सोच रहा था। ‘और उसका नाम क्या था?’

एटोरे के चेहरे पर नाराज़गी दिखाई दे रही थी। ‘रॉबर्ट, मैं सोचता था कि तुम विश्व इतिहास के छात्र रहे हो।’

‘हाँ, लेकिन दुनिया इतनी बड़ी है और इतिहास इतना लंबा। मुझे भी मदद की ज़रूरत होती है।’

‘ठीक है, फिर मैं तुम्हें एक अंतिम सुराग देता हूँ।’

लैंग्डन इस बात पर विरोध ज़ाहिर करना चाहता था, लेकिन उसे लगा कि इससे बस उसकी ऊर्जा खर्च होने वाली थी।

‘तुम्हारे डोज करीब सौ साल की उम्र तक ज़िंदा रहे।’ इटोरे ने कहा। ‘उस समय के लिए यह चमत्कार से कम नहीं था। अंधविश्वासियों का मानना था कि यह कांस्टेंटिनोपल से सेंट लुसिया की हड्डियों को वापस वेनिस लाने की वजह से ही संभव हो पाया। सेंट लुसिया की आँखें. . .’

‘उसने अंधों की हड्डियों को जमा किया,’ सिएना के मुँह से अचानक निकल गया। वह लैंग्डन की ओर देख रही थी, जिसके दिमाग में भी यही बात चल रही थी।

इटोरे ने सिएना की ओर हैरान होकर देखा। ‘हाँ, कह सकते हैं कि ऐसा हुआ।’

अचानक फेरिस का चेहरा जर्द हो गया। ऐसा लगा जैसे प्लाजा से चलते हुए सीढ़ियों से यहाँ आने के बाद उसे अपनी साँस स्थिर करने का मौका नहीं मिला था।

‘मैं इसमें जोड़ना चाहूँगा,’ एटोरे बोला, ‘कि डोज सेंट लुसिया को इतना अधिक प्यार इसलिए करता था, क्योंकि वह ख़ुद अंधा था। नब्बे साल की उम्र में, वह इसी चौराहे पर

आकर खड़ा हुआ। वह कुछ भी नहीं देख पा रहा था और उसने क्रूसेड के लिए लोगों को प्रवचन देना शुरू कर दिया।'

'मैं जानता हूँ कि वह कौन था।' लैंग्डन ने कहा।

'मैं भी तुमसे यही उम्मीद करता हूँ।' एटोरे ने मुस्कराते हुए जवाब दिया।

लैंग्डन की फोटोग्राफिक याद्दाश्त की वजह से वह चीज़ों को तस्वीरों की तरह याद रख सकता था, लेकिन संदर्भ से कटी सूचनाओं को याद रखना उसके लिए मुश्किल था। लैंग्डन के दिमाग में, जो बात कौंधी थी वह एक कलाकृति के रूप में प्रकट हुई थी–गुस्ताव डोर की प्रसिद्ध कलाकृति, जिसमें एक वृद्ध, अंधे डोज को दिखाया गया था, जो सिर के ऊपर हाथ उठाकर वहाँ इकट्ठा भीड़ को क्रूसेड के लिए उकसा रहा था। डोर के बनाई पेंटिंग का नाम उसके दिमाग में स्पष्ट था–डैनडोलो प्रीचिंग द क्रूसेड, धर्मयुद्ध का उपदेश देता हुआ डैनडोलो।

'एनरिको डैनडोलो।' लैंग्डन ने घोषणा की। 'डोज, जो हमेशा जीवित रहा।'

'*फिनालमेंटे।*' एटोरे ने कहा। 'मुझे लगता है कि तुम्हारा दिमाग भी अब बूढ़ा हो रहा है।'

'हाँ, मेरे शरीर के अन्य अंगों की तरह। क्या उसे यहीं दफनाया गया है?'

'डैनडोलो?' एटोरे ने सिर हिलाया। 'नहीं, यहाँ नहीं।'

'तो कहाँ?' सिएना ने जानना चाहा। 'डोज के महल में?'

एटोरे अपना चश्मा उतारकर थोड़ी देर तक सोचता रहा। 'मुझे थोड़ा वक़्त दो। इतने सारे डोज हुए हैं कि मुझे ठीक से याद नहीं आ रहा।'

एटोरे अपनी बात पूरी कर पाता कि डोसेंट दौड़ता हुआ उसके पास पहुँचा। वह घबराया हुआ लग रहा था। उसने एटोरे को एक तरफ ले जाकर उसके कान में कुछ कहा। एटोरे का शरीर अचानक अकड़ गया। वह चिंतित लग रहा था। वह तेज़ी से रेलिंग के पास गया और झाँककर नीचे सैंक्चुअरी में देखने लगा। थोड़ी देर में वह लैंग्डन की ओर मुड़ा।

'मैं अभी वापस आ रहा हूँ।' एटोरे ने चिल्लाकर कहा और बिना कुछ बोले तेज़ी से वहाँ से निकल गया।

लैंग्डन हैरान था। वह भी रेलिंग के पास जाकर नीचे झाँकने लगा। *आख़िर, नीचे हो क्या रहा है?*

पहले तो उसे वहाँ उमड़ी सैलानियों की भीड़ के सिवा कुछ नहीं दिखाई दिया, लेकिन थोड़ी देर में, उसे समझ में आया कि बहुत सारे सैलानी एक ही दिशा में, मुख्य प्रवेश-द्वार की ओर, देख रहे थे। वहाँ से काली पोशाक पहने सिपाहियों का एक दस्ता अभी-अभी चर्च के अंदर घुसा था। वे लोग नैर्थेक्स की तरफ जाकर बाहर निकलने के सभी रास्तों को बंद कर रहे थे।

काली पोशाक में सिपाही। लैंग्डन को लगा कि उसके हाथ रेलिंग को जकड़ रहे थे।

'रॉबर्ट।' सिएना ने पीछे से आवाज़ लगाई।

लैंग्डन का ध्यान पूरी तरह सिपाहियों पर केंद्रित था। उन्होंने हमें कैसे ढूँढ़ा।

'रॉबर्ट।' इस बार उसकी आवाज़ में और भी अधिक बेचैनी थी। 'कुछ गड़बड़ हुई है। मेरी मदद कीजिए।'

लैंग्डन रेलिंग से मुड़ा। वह मदद की उसकी गुहार से हैरान था।

वह कहाँ गई?

कुछ ही क्षणों में, उसकी आँखों ने सिएना और फेरिस को ढूँढ़ लिया। सेंट मार्क के घोड़ों के आगे सिएना डॉक्टर फेरिस के ऊपर झुकी हुई थी. . .जो नीचे गिरा हुआ तड़प रहा था। उसने अपनी छाती कसकर पकड़ी हुई थी।

75

'मुझे लगता है कि उसे दिल का दौरा पड़ा है।' सिएना ने चिल्लाकर कहा।

लैंग्डन दौड़कर डॉक्टर फेरिस के पास पहुँचा, जो ज़मीन पर लेटा था। वह हाँफ रहा था और उसे साँस लेने में उसे मुश्किल हो रही थी।

'उसे क्या हुआ?' लैंग्डन के दिमाग में अचानक सभी बातें एक साथ घूमने लगी। नीचे सिपाही पहुँच चुके थे और फेरिस फर्श पर पड़ा तड़प रहा था। यह देखकर एक क्षण के लिए लैंग्डन को जैसे लकवा मार गया। वह समझ नहीं पा रहा था कि उसे किस दिशा में मुड़ना चाहिए।

सिएना ने नीचे झुककर फेरिस की टाई को ढीला किया। उसने उसकी कमीज़ के ऊपरी बटनों को हटाकर उसे साँस लेने में मदद की, लेकिन जैसे ही उसकी कमीज़ हटी कि सिएना घबराकर पीछे हट गई और उसके मुँह से घबराहट में चीख निकल गई। वह पीछे हट गई और उसने हाथ से अपना मुँह ढक लिया। वह उसकी खुली छाती को एकटक घूरती जा रही थी।

लैंग्डन ने भी इसे देखा।

फेरिस की छाती की चमड़ी अजीब तरीके से बदरंग दिखाई दे रही थी। उसके छाती के बीच वाले हिस्से में स्टर्नम के पास अंगूर के आकार का धब्बा दिखाई दे रहा था जिसका रंग बैंगनी-काला था। फेरिस को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे उसकी छाती पर किसी तोप का गोला लगा हो।

'यह भीतरी हिस्से में खून रिसने की पहचान है।' सिएना ने लैंग्डन की तरफ हैरान होकर देखा। 'आश्चर्य की बात नहीं कि पूरे रास्ते उसे साँस लेने में मुश्किल हो रही थी।'

फेरिस ने अपना सिर घुमाया। साफ पता चल रहा था कि वह बोलने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसके मुँह से बहुत ही धीमी घिग्घी बँधी आवाज़ ही निकल रही थी। उसके आसपास सैलानी इकट्ठा हो रहे थे। लैंग्डन को लगा कि हालात पूरी तरह अव्यवस्थित होने वाले हैं।

'सिपाही नीचे हैं।' लैंग्डन ने सिएना को चेताया। 'पता नहीं उन्हें हमारे बारे में कैसे जानकारी मिली।'

सिएना के चेहरे पर दिखाई दे रहा हैरानी और भय का भाव तुरंत गुस्से में बदल गया। उसने फेरिस की ओर घूरते हुए कहा, 'तुम हम लोगों के साथ झूठ बोल रहे थे, है ना?'

फेरिस ने दोबारा बोलने की कोशिश की, लेकिन उसके मुँह से मुश्किल से आवाज़ निकल पा रही थी। सिएना ने बड़ी रुखाई से फेरिस के जेब की तलाशी ली और उसका बटुआ और

फोन बाहर निकालकर अपने जेब में रख लिया। अब वह उसकी तरफ संदेह की नज़रों से देख रही थी।

उसी समय एक बुजुर्ग इतालवी महिला भीड़ को चीरते हुए आगे आई। वह गुस्से में सिएना के ऊपर चिल्लाने लगी। 'तुमने उसे छाती पर मारा है।' वह लैंग्डन की ओर मुड़ी। 'रॉबर्ट, हमें यहाँ से निकलना होगा। तुरंत।'

लैंग्डन ने फेरिस की ओर देखा। उसने बेचैनी से भरकर उस से आँखें मिलाई। ऐसा लग रहा था मानो वह उससे कुछ कहने की कोशिश कर रहा हो।

'हम उसे यूँ ही छोड़कर नहीं जा सकते।' लैंग्डन ने बेचैन होकर कहा।

'मेरा यकीन करो।' सिएना ने कहा। 'उसे दिल का दौरा नहीं पड़ा है। हम लोग अभी यहाँ से निकल रहे हैं।'

भीड़ अब नज़दीक आती जा रही थी। सैलानी मदद के लिए चिल्ला रहे थे। सिएना ने पूरी ताकत से लैंग्डन का हाथ पकड़ लिया और उसे घसीटते हुए भीड़भाड़ से दूर लेकर चली गई। वे अब बालकनी की ताजी हवा में खड़े थे।

एक पल के लिए लैंग्डन की आँखें चौंधिया गई। सेंट मार्क के चौराहे के पश्चिमी छोर पर सूरज डूब रहा था। इसकी रोशनी सीधे उसकी आँख में पड़ रही थी। पूरी बालकनी सुनहली रोशनी में नहाई हुई थी। सिएना लैंग्डन को लेकर दूसरी मंज़िल की छत पर सैलानियों की भीड़ को चीरते हुए अपनी बाई दिशा में चल पड़ी। वहाँ खड़े सैलानी पिआत्ज़ा और सेंट मार्क में लगे घोड़े की प्रतिकृति की तारीफ में लगे थे।

वे बेसिलिका के सामने तेज़ी से आगे बढ़ रहे थे। अब उनके ठीक सामने लैगून दिखाई दे रहा था। पानी के ऊपर एक अजीब ढंग की परछाई पर लैंग्डन की नज़र पड़ी–अति आधुनिक यॉट, जो किसी युद्धक पोत की तरह लगता था।

वह इसके बारे में दोबारा कुछ सोच पाता इसके पहले ही सिएना फिर से बाई तरफ मुड़ गई। अब वह बेसिलिका की बालकनी के दक्षिण-पश्चिमी कोने पर बने 'पेपर डोर' के पास पहुँच चुके थे। यह एनेक्स गिरजाघर को डोज के महल से जोड़ता था। इस जगह पर डोज जनता के लिए अपने राज्यादेशों को चिपका देते थे, इसीलिए इसका नाम 'पेपर डोर' पड़ा।

दिल का दौरा नहीं? फेरिस के छाती पर पड़े लाल-नीले निशान का दृश्य लैंग्डन के दिमाग में अंकित हो चुका था। सिएना इस बीमारी की क्या असली पहचान करेगी इसके बारे में सोचकर उसे अंदर से घबराहट हो रही थी। इसके अलावा, उसे लग रहा था जैसे लग रहा था कि कुछ चीज़ें बदल चुकी थी और सिएना फेरिस पर अब यकीन नहीं कर रही थी। *क्या वह इसी वजह से मुझे किसी चीज़ के बारे में इशारा कर रही थी?*

सिएना अचानक वहाँ रुक गई। वह उस ख़ूबसूरत जंगले पर झुककर नीचे की ओर देखने लगी, जहाँ काफी नीचे सेंट मार्क चौराहे का एक संकरा-सा कोना नज़र आ रहा था।

'धत्तेरे की,' उसने कहा। 'मैंने जितना सोचा था, हम उससे कहीं अधिक ऊँचाई पर हैं।'

लैंग्डन उसे घूरकर देख रहा था। *'तुम यहाँ से कूदने के बारे में सोच रही थी?'*

सिएना डरी हुई लग रही थी। 'हम उन्हें हम लोगों को गिरफ्तार करने का मौका नहीं दे सकते, रॉबर्ट।'

लैंग्डन बेसिलिका की ओर मुड़ा। वह अपने पीछे कच्चे लोहे के बने भारी दरवाज़े और शीशे को देख रहा था। सैलानी अंदर आ जा रहे थे। अगर लैंग्डन का अंदाज़ा सही था तो इस दरवाज़े से निकलने के बाद वे फिर से चर्च के पिछले हिस्से में बने म्यूजियम में घुस जाते।

'वे लोग सभी निकास-द्वारों पर तैनात होंगे।' सिएना ने कहा।

लैंग्डन वहाँ से निकलने के विकल्पों के बारे में सोचने लगा, लेकिन उसे केवल एक रास्ता सूझ रहा था। 'मुझे लगता है कि मैंने अंदर कुछ देखा है, जो हमारी समस्या का समाधान कर सकता है।'

वह मुश्किल से समझ पा रहा था कि इस वक़्त उसके दिमाग में क्या चल रहा था। लैंग्डन दोबारा सिएना को लेकर बेसिलिका के अंदर जाने लगा। भीड़ की नज़रों से बचने के लिए वे म्यूजियम की परिधि को छोड़कर चल रहे थे। भीड़ में शामिल बहुत से लोग अब बीच वाले खुले विशाल प्रांगण की तिरछी दिशा में देख रहे थे जहाँ फेरिस के चारों तरफ अफरातफरी मची थी। लैंग्डन ने देखा कि नाराज़ इतालवी बुढ़िया काले पोशाक में दो सिपाहियों को बालकनी का रास्ता दिखा रही थी, जो लैंग्डन और सिएना के भागने का रास्ता था।

हमें जल्दी चलना होगा, लैंग्डन ने दीवार पर नज़र डालते हुए सोचा। आख़िरकार उसे बड़े आकार के परदे के पास वह चीज़ नज़र आई जिसकी वह तलाश कर रहा था।

दीवार पर लगे यंत्र का रंग चमकीला पीला था जिस पर चेतावनी के लिए लाल रंग का स्टिकर लगा था–फायर-अलार्म।

'फायर अलार्म?' सिएना ने कहा। 'आपकी यही योजना है?'

'हम लोग भीड़ में शामिल होकर बाहर निकल सकते हैं।' लैंग्डन ने हाथ बढ़ाकर फायर-अलार्म का हैंडल पकड़ लिया। इसके पहले कि वह कुछ दूसरी बात सोचता, लैंग्डन ने ज़ोर से हैंडल को नीचे खींच लिया। उसने देखा कि अंदर रखा शीशे का छोटा-सा सिलेंडर टूट गया।

लेकिन लैंग्डन जिस सायरन और हँगामे का अनुमान लगा रहा था, वैसा कुछ भी नहीं हुआ।

चुप्पी।

उसने दोबारा हैंडल को खींचा।

कुछ नहीं।

सिएना उसकी ओर ऐसे देख रही थी मानो वह सनकी हो। 'रॉबर्ट, हम लोग पत्थर के बने

गिरजाघर में हैं, जिसमें पर्यटक भरे हैं। क्या आपको लगता है कि ये अलार्म काम करते होंगे जबकि शैतानी करने वाला कोई भी आदमी इसे. . .'

'बेशक। अमेरिका में आग से संबंधित कानून. . .'

'आप यूरोप में हैं। यहाँ कम वकील होते हैं।' उसने लैंग्डन के कंधे के पीछे इशारा किया। 'और अब हमारे पास वक़्त भी नहीं है।'

लैंग्डन शीशे के दरवाज़े की तरफ मुड़ा जिधर से वे अभी अंदर घुसे थे। उसने देखा कि बालकनी से दो सिपाही तेज़ी से अंदर आ रहे थे। वे तीखी नज़रों से पूरे क्षेत्र की निगरानी कर रहे थे। लैंग्डन ने पहचान लिया कि इनमें से एक आदमी वही था जिसने सिएना के अपार्टमेंट से ट्राइक पर सवार होकर भागते समय उन पर गोली चलाई थी।

अब उनके पास बहुत ही कम विकल्प बचे थे। लैंग्डन और सिएना चक्करदार सीढ़ी के निचले हिस्से में घुस गए, जो भूतल की ओर जा रहा था। सीढ़ी के निचले चबूतरे पर पहुँचकर वे एक अंधेरी जगह में छुप गए।

सैंक्चुअरी के दूसरे छोर पर कई सिपाही बाहर निकलने वाले दरवाज़े पर तैनात थे। उनकी नज़रें पूरे कमरे को गौर से तलाश रही थी।

'अगर हम सीढ़ी के इस हिस्से से बाहर आएँगे तो वे हमें देख लेंगे', लैंग्डन ने कहा।

'सीढ़ी और भी नीचे जा रही है,' सिएना फुसफुसाकर बोली। उसने उनकी सीढ़ी के नीचे लगे एक बोर्ड की तरफ दिखाया जिस पर लिखा था 'प्रवेश निषेध।' इस बोर्ड का आगे नीचे की ओर जाती हुई सीढ़ी और भी संकरी हो रही थी। थोड़ा आगे घुप्प अंधेरा दिखाई दे रहा था।

गलत उपाय, लैंग्डन ने सोचा। *ज़मीन के नीचे बना कमरा जिससे बाहर निकलने का रास्ता नहीं।*

तब तक सिएना बोर्ड को पार कर आगे बढ़ चुकी थी। वह चक्करदार सुरंग में टटोल टटोल कर आगे बढ़ रही थी। अब वह आँखों से ओझल हो चुकी थी।

'यह खुला हुआ है।' नीचे से सिएना की फुसफुसाहट सुनाई दी।

लैंग्डन को इससे आश्चर्य नहीं हुआ। सेंट मार्क का तहखाना ऐसी कई दूसरी जगहों से भिन्न था, क्योंकि इस जगह का इस्तेमाल चैपेल के तौर पर किया जाता था, जहाँ सेंट मार्क की हड्डियों की उपस्थिति में नियमित तौर पर धार्मिक कृत्य किए जाते थे।

'मुझे लगता है कि मैंने बाहर से आ रही प्राकृतिक रोशनी देखी है।' सिएना फुसफुसाकर बोली।

यह कैसे संभव है? लैंग्डन इस तहखाने की अपनी पिछली यात्राओं के बारे में सोचने लगा। उसे लगा कि सिएना शायद लक्स इटर्ना को देख रही थी। लक्स इटर्ना बिजली का बल्ब होता था, जो तहखाने के बीचो बीच सेंट मार्क की मज़ार पर जलता रहता था। ऊपर से

नीचे की तरफ आ रहे पैरों की आवाज़ तेज़ होती जा रही थी। लैंग्डन के पास सोचने का वक़्त नहीं था। वह जल्दी-जल्दी परदे के पार गया। उसकी पूरी कोशिश थी कि परदा हिले डुले नहीं। दूसरी तरफ जाकर उसने पत्थर की खुरदरी दीवार को अपनी हथेली से टटोलना शुरू किया और मोड़ के साथ-साथ आगे बढ़ता गया, ताकि लोगों की नज़र उस पर नहीं पड़े।

सीढ़ी के सबसे निचले छोर पर सिएना उसका इंतज़ार कर रही थी। उसके पीछे अंधेरे में तहखाने के अंदर कुछ भी नहीं दिखाई दे रहा था। तहखाना एक चौकोर कमरे की शक्ल में था जिसकी छत बहुत ही नीची थी। यह प्राचीन खंभों और ईंट के बने वॉल्टनुमा मेहराबों पर टिकी थी। *इस पूरे बेसीलिका का वजन इन्ही खंभों पर टिका है,* लैंग्डन ने सोचा। इस संकरी जगह में उसे घबराहट हो रही थी।

'मैंने आपसे कहा था,' सिएना ने धीमी आवाज़ में कहा। उसके ख़ूबसूरत चेहरे पर हल्की-सी प्राकृतिक रोशनी पड़ रही थी। उसने दीवार में ऊपर की तरफ बने कई छोटे छोटे, मेहराब की शक्ल में बने रोशनदानों की तरफ इशारा किया।

लाइट-वेल, लैंग्डन ने सोचा। वह भूल चुका था कि यहाँ लाइट-वेल भी थे जिन्हें इस संकरे तहखाने में रोशनी और हवा के लिए बनाया गया था। ये लाइट वेल ऊपर सेंट मार्क चौराहे से नीचे आए थे। खिड़की पर लगा शीशा एक-दूसरे में गुंथे लोहे के पंद्रह गोलों से बना था। हालाँकि लैंग्डन को लगा कि इन्हें अंदर से खोला जा सकता है, क्योंकि वे कंधों की ऊँचाई पर बने थे और उन्हें कसकर खिड़की में फँसाया गया था, लेकिन वे अगर खिड़की से होकर शाफ्ट में घुस भी गए तो इससे बाहर निकलना नामुमकिन था, क्योंकि यह दस फुट गहरा था और उसके ऊपर सुरक्षा के लिए भारी जालियाँ लगी थी।

इन लाइट-वेल से आ रही हल्की हल्की रोशनी में सेंट मार्क का तहखाना चाँदनी रात में जंगल-सा दिखता था। इसके खंभे सघन पेड़ों के तने की तरह लगते थे, जिनकी लंबी और विशालकाय परछाई ज़मीन पर पड़ रही थी। लैंग्डन ने तहखाने के बीच वाले हिस्से पर नज़र डाली, जहाँ सेंट मार्क की मज़ार पर एक बत्ती जल रही थी। बेसीलिका के नाम वाला व्यक्ति पत्थर के बने ताबूत में ऑल्टर के पीछे लेटा था। इसके पीछे पूजा के लिए बनी मेज-कुर्सियों कतार थी। ये मेज-कुर्सियाँ उन थोड़े-से भाग्यशाली लोगों के लिए थीं जिन्हें वेनिस की ईसाइयत के केंद्र में आकर प्रार्थना का अवसर मिलता था।

तभी उसकी बगल में एक बहुत ही छोटी-सी रोशनी टिमटिमाई। लैंग्डन मुड़ा। उसने देखा कि सिएना के हाथ में रखा फेरिस के फोन का स्क्रीन चमक रहा था।

लैंग्डन को यकीन नहीं हुआ। 'मुझे लगा कि फेरिस ने कहा था कि उसकी बैटरी दम तोड़ चुकी है।'

'उसने झूठ बोला था।' सिएना ने कहा। वह अब भी टाइप कर रही थी। 'कई चीज़ों के बारे

में झूठ।' उसने फोन पर नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए अपना सिर झटका। 'यहाँ सिगनल नहीं आ रहा। मैंने सोचा था कि शायद मैं एनरिको डैनडोलो की मज़ार की जगह का पता लगा लूंगी।' वह तेज़ी से लाइट-वेल की तरफ गई और फोन को ऊपर की तरफ, शीशे के पास ले गई। वह सिग्नल पाने की कोशिश कर रही थी।

एनरिको डैनडोलो, लैंग्डन ने सोचा। उस इलाके से भागने के पहले उसे डोज के बारे में सोचना का वक़्त ही नहीं मिला था। अभी उनके हालात भले ही कैसे भी हों, सेंट मार्क की उनकी यात्रा ने अपना मकसद पूरा किया था। उन्हें धोखेबाज डोज का पता चल चुका था जिसने घोड़ों का सिर काटा था. . . और अंधे की हड्डी निकाली थी।

लेकिन दुर्भाग्यवश, लैंग्डन को एनरिको डैनडोलो की कब्र कहाँ है यह पता नहीं चल पाया था, न ही एटोरे वियो की इसकी जानकारी थी। *वह इस बेसीलिका के चप्पे चप्पे के बारे में जानता है. . .शायद वह डोज के महल के बारे में भी जानता है।* एटोरे वियो डैनडोलो की कब्र के बारे में कुछ भी नहीं बता पाया था इसका मतलब था कि ये कब्र सेंट मार्क या डोज के महल के आसपास नहीं थी।

तो फिर ये जगह कहाँ है?

लैंग्डन ने सिएना की ओर देखा। वह अब वहाँ रखी एक मेज-कुर्सी पर खड़ी थी जिसे खिसका कर वह एक लाइट-वेल के पास ले आई थी। उसने खिड़की की कुंडी हटाकर इसके पल्ले खोल दिए। सिग्नल की तलाश में उसने फेरिस के फोन को शाफ्ट में बाहर निकाल दिया।

ऊपर सेंट मार्क चौराहे से आवाज़ें छन छन कर अंदर आ रही थी। लैंग्डन सोचने लगा कि इस जगह से बाहर निकलने का कोई रास्ता था भी कि नहीं। अंदर रखी मेज-कुर्सियों के पीछे फोल्डिंग कुर्सियों की एक कतार लगी थी। लैंग्डन को लगा कि वह इनमें से एक कुर्सी को लाइट वेल में डाल सकता था। *मुमकिन है कि वेल के अंदर से जाली को खोला जा सकता है?*

लैंग्डन अंधेरे में सिएना की तरफ तेज़ी से बढ़ा। वह एक दो कदम आगे बढ़ा था कि उसके माथे पर ज़ोर का धक्का लगा। वह पीछे की तरफ गिर पड़ा। घुटने के बल बैठकर वह हमलावर के बारे में सोचने लगा, लेकिन उसे तुरंत ही समझ में आ गया कि उस पर किसी ने हमला नहीं किया था। अपनी छह फुट लंबी कद काठी की वजह से उसका सर वॉल्ट से टकराया था जिसे एक हज़ार साल पहले के मनुष्य की सामान्य कद काठी के हिसाब से बनाया गया था।

वह पत्थर के फर्श पर घुटने के बल बैठकर अपने दिमाग को स्थिर करने की कोशिश कर रहा था। तभी उसकी नज़र फर्श पर खुदे शब्दों पर पड़ी।

सैंक्टस मार्कस।

वह इसे काफी देर तक घूरता रहा। उसे पत्थर पर खुदे सेंट-मार्क के नाम से उतना हैरान नहीं था जितना कि इसकी भाषा से।

लैटिन।

दिन-भर आधुनिक लैटिन में डूबे रहने के बाद लैंग्डन का दिमाग लैटिन में लिखे शब्दों को देखकर एकाग्र नहीं हो पा रहा था। लैटिन में लिखा यह शब्द उसे याद दिला रहा था कि यह सेंट मार्क की मौत के समय यह मृत भाषा वहाँ के लोगों के लिए बोलचाल की भाषा था।

लैंग्डन के दिमाग में एक दूसरा ख़्याल कौंधा।

एनरिको डैनडोले और चौथे क्रूसेड के दौरान तेरहवीं सदी में लैटिन ही शक्तिशाली, सत्ताधारी लोगों की भाषा थी। वेनिस के जिस डोज ने कांस्टेंटिनोपल को फिर से जीत कर रोमन साम्राज्य के गौरव को पुनर्स्थापित किया था उसे एनरिको डैनडोलो के नाम से दफन किया गया था, यह कतई मुमकिन नहीं था। इसके बदले उसके लैटिन नाम का इस्तेमाल किया गया होगा।

हेनरिकस डैनडोलो।

उसके शरीर में जैसे बिजली की झटका लगा। उसके दिमाग में एक पुरानी छवि कौंध गई। उसके दिल में यह रहस्योद्घाटन वैसे तो उस वक़्त आया जब वह चर्च में घुटनों के बल झुका था, लेकिन उसे मालूम था कि इसके पीछे किसी भी तरह की दैवी प्रेरणा काम नहीं कर रही थी। इसकी संभावना अधिक थी कि किसी ख़ास चीज़ को देखकर अचानक उसके दिमाग ने उसे एक दूसरी वस्तु से जोड़ लिया था। लैंग्डन के दिमाग की गहराई से अचानक डैनडोलो का लैटिन नाम उभरा था. . .जो संगमरमर के एक पुरानी, घिसी पिटी चट्टान पर उकेरा हुआ था, जो एक नक्काशीदार फर्श में गड़ा हुआ था।

हेनरिकस डैनडोलो।

डोज की कब्र की पहचान कराने वाली इस मामूली चीज़ को देखने के बाद लैंग्डन की साँस फूलने लगी। मैं वहाँ गया हूँ। कविता में कही गई बात से पूरी तरह मिलती हुई बात–डैनडोलो को सोने से मढ़े म्यूजियम में दफनाया गया था, जिसे दैवी ज्ञान का म्यूजियम भी कहा जाता था, लेकिन यह सेंट मार्क का बेसिलिका नहीं था।

'मुझे सिग्नल नहीं मिल पा रहा।' सिएना ने लाइट-वेल से नीचे उतरते हुए कहा। अब वह लैंग्डन की ओर आ रही थी।

'तुम्हें इसकी कोई ज़रूरत नहीं।' लैंग्डन ने किसी तरह बोला। 'दैवी ज्ञान का सोने से मढ़ा म्यूजियम. . .' उसने गहरी साँस ली। 'मुझसे. . .गलती हुई थी।'

सिएना का चेहरा पीला पड़ गया। 'अब ये मत कहिएगा कि हम लोग गलत म्यूजियम में आ गए हैं।'

'सिएना।' लैंग्डन ने धीरे-से कहा। वह ख़ुद को बीमार अनुभव कर रहा था। 'हम लोग

गलत देश में आ गए हैं।'

76

बाहर, सेंट मार्क चौराहे पर वेनिस के मुखौटे बेच रही जिप्सी औरत थोड़ी देर के लिए आराम कर रही थी। वह बेसीलिका की बाहरी दीवार से सटी सुस्ता रही थी। हमेशा की तरह उसने अपनी ख़ास जगह पर कब्जा जमा लिया था–धातु की बनी दो जालियों के बीच बना छोटा-सा ताखा। अपने भारी सामान को रखने और डूबते सूरज को देखने के लिए सबसे उपयुक्त जगह।

सालों साल यहाँ आते हुए उसने सेंट मार्क के चौराहे पर बहुत कुछ देखा था, लेकिन अभी, जो घटना उसका ध्यान अपनी ओर खींच रही थी वह इस चौराहे पर घटित नहीं हो रही थी. . .बल्कि इसके नीचे घटित हो रही थी। वह अपने पैरों के नीचे से आ रही तेज़ आवाज़ से चौंक गई। उसने एक जाली से नीचे की तरफ संकरे से कुएँ की ओर देखा, जो तकरीबन दस फुट गहरा रहा होगा। इसके निचले हिस्से में बनी खिड़की खुली थी और एक फोल्डिंग कुर्सी उसमें रखी हुई थी, जो पगडंडी से सटी हुई थी।

जिप्सी को और भी आश्चर्य हुआ जब उसने देखा कि कुर्सी के पीछे सुनहले बालों वाली एक ख़ूबसूरत औरत खड़ी थी जिसे पीछे से किसी ने उठा रखा था। वह खिड़की से होकर उस छोटे-से छेद में घुसने की कोशिश कर रही थी।

सुनहले बालों वाली औरत तुरंत अपने पैरों पर खड़ी हो गई और उसने ऊपर की ओर देखा। लोहे की जाली से नीचे की ओर झाँकती हुई जिप्सी औरत को देखकर वह चौंक गई। उसने अपने होंठों पर उंगली रखा और खुलकर मुस्कराई। इसके बाद उसने अपनी कुर्सी खोल दी और उस पर चढ़कर जाली तक पहुँचने की कोशिश करने लगी।

तुम्हारा कद बहुत छोटा है, जिप्सी ने सोचा और *आख़िर तुम कर क्या रही हो?*

सुनहले बालों वाली औरत कुर्सी से उतर गई। उसने इमारत के अंदर किसी से कुछ बात की। वैसे उस संकरे कुएँ में उसके लिए भी जगह कम पड़ रही थी, लेकिन वह एक तरफ हट गई और एक दूसरा आदमी वहाँ आ गया। लंबा कद, काले बाल और फैंसी सूट पहना एक आदमी बेसीलिका के तहखाने से निकलकर उस भीड़ भाड़ वाले शाफ्ट में दाखिल हो गया।

उसने भी ऊपर की ओर देखा। लोहे की जाली को पार करती हुई उसकी आँखें जिप्सी औरत से मिली। इसके बाद अजीब तरीके से अपने शरीर को तोड़-मरोड़कर वह उसी जगह पर पहुँच गया, जहाँ सुनहले बालों वाली औरत खड़ी थी। अब वह चरमराई कुर्सी पर खड़ा था। औरत की तुलना में उसकी लंबाई अधिक थी। खड़े होने पर वह जाली के नीचे सुरक्षा के लिए लगाए गए हैंडल को हटाने में कामयाब हो गया। अंगूठे के बल पर खड़ा होकर, उसने अपनी हथेली जाली पर रखी और उसे ऊपर की तरफ धक्का दिया। जाली एक इंच के

करीब ऊपर उठ गई। उसने जाली को वापस नीचे रख दिया।

'मदद के लिए थोड़ा हाथ आगे बढ़ा सकती हो?' सुनहले बालों वाली औरत ने जिप्सी औरत को पुकारा।

तुम्हारे लिए हाथ बढाऊँ? जिप्सी औरत हैरान होती हुई सोच रही थी। उसको पचड़े में पड़ने का कोई इरादा नहीं था। *तुम वहाँ क्या कर रही हो?*

सुनहले बालों वाली औरत ने मर्दों वाला पर्स निकाला। उसने सौ यूरो का नोट उसकी ओर चढ़ावे के तौर पर लहराया। इतना पैसा तो वह मुखौटे बेचकर तीन दिन में भी नहीं कमाती थी। सौदा करने में तो वह माहिर थी ही। उसने अपना सिर हिलाया और दो उंगलियाँ दिखाई। सुनहले बालों वाली औरत ने दूसरा नोट निकाला।

उसे अपने भाग्य पर भरोसा नहीं हो रहा था। जिप्सी औरत ने उसकी ओर इस तरह देखा जैसे उसकी कोई रुचि नहीं हो। वह झुकी और उसने जाली में लगे सरिए को पकड़ लिया। उस आदमी की आँखों में उसने झाँकना शुरू किया, ताकि वे दोनों एक साथ मिलकर जाली को ऊपर उठा सकें।

नीचे से जब उस व्यक्ति ने जाली को ऊपर उठाया, ठीक उसी समय जिप्सी औरत ने भी सालों साल सामान बेचने की वजह से मज़बूत हाथों के द्वारा ऊपर की तरफ ज़ोर लगाया। जाली ऊपर उठ गई. . .आधी। उसे जैसे ही लगा कि काम पूरा हो गया कि तभी उसे नीचे से किसी के गिरने की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। वह आदमी धड़ाम से गड्ढे के अंदर गिर गया और उसकी नज़रों से ओझल हो गया। उसके नीचे की कुर्सी गिर गई थी।

लोहे की जाली अब उसे भारी लग रही थी। उसे लगा कि अब उसे जाली को छोड़ना ही पड़ेगा, लेकिन दो सौ यूरो मिलने के ख़्याल ने उसे ताकत से भर दिया। वह जाली को बेसिलिका के किनारे वाली जगह की ओर उठाने में कामयाब हो गई, जहाँ वह धम्म की आवाज़ के साथ टिक गया।

उसकी साँस फूल रही थी। उसने गड्ढे में झाँककर देखा, जहाँ उसे कुछ फर्नीचर और एक दो लोगों के अजीब ढंग से तुड़े मुड़े शरीर दिखाई दे रहे थे। आदमी उठकर खड़ा हुआ और उसने अपने कपड़ों से धूल झाड़ ली। उसने गड्ढे के अंदर अपने दो सौ यूरो वसूलने के लिए हाथ डाला।

जूड़े वाली औरत ने सिर हिलाया। हाथ में पैसे लेकर उसने सिर के ऊपर उठाया। जिप्सी औरत ने अपना हाथ अंदर डाला, लेकिन वह उस जगह तक नहीं पहुँच पाया।

पैसा उस आदमी के हाथ में दो।

अचानक शाफ्ट में शोरगुल सुनाई देने लगा। बेसिलिका के भीतर से गुस्से में चिल्लाते लोगों की आवाज़ें सुनाई दे रही थी। अंदर दिख रहे दोनों मर्द और औरत तेज़ी से खिड़की से दूर हो गए।

चारों तरफ अफरा तफरी मच गई।

काले बालों वाले पुरुष ने हालात को अपने नियंत्रण में लेते हुए औरत को नीचे उतरने के लिए कहा, जहाँ उसने अपने हाथों को बाँधकर झूले जैसा बना लिया था। उसने उसकी हथेलियों के बनाए झूले पर पैर रखा और पुरुष ने ज़ोर से उसे ऊपर की तरफ उछला दिया। वह शाफ्ट के किनारे ऊपर की ओर उठ गई। हाथों को खाली रखने के लिए उसने यूरो के नोट अपने होंठों में दबा रखे थे। आदमी उसे ऊपर उठाता गया, ऊपर, ऊपर. . .जब तक कि उसके हाथ शाफ्ट की किनारी को नहीं छूने लगे।

बड़ी मशक्कत के बाद वह चौराहे पर पहुँच गई। ऐसा लग रहा था जैसे कोई इंसान स्विमिंग पूल से बाहर निकला हो। उसने जल्दी-जल्दी पैसे जिप्सी के हाथ में डाल दिया और तेज़ी से मुड़कर शाफ्ट के किनारे झुक गई। उसने अंदर फँसे आदमी के लिए अपना हाथ अंदर डाला।

लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

लंबी काली आस्तीनों वाले हाथ वेल के अंदर जा रहे थे। उन्हें देखकर लगता था जैसे भूखे राक्षस जैसे जीव के पंजों का शिकंजा फड़फड़ा रहा हो। वे उस आदमी की टाँगों को पकड़ खिड़की के अंदर खींच रहे थे।

'भागो, सिएना।' संघर्ष करते हुए आदमी ने कहा। 'जल्दी।'

जिप्सी ने देखा कि उन दोनों की आँखें मिली। उनमें दर्द से भरी हताशा का भाव भरा था।. . .और फिर सब कुछ समाप्त हो गया।

वे लोग उस आदमी को खिड़की से अंदर घसीटकर बेसीलिका में ले कर चले गए।

सुनहले बालों वाली औरत सदमे से भरी नीचे देख रही थी। उसकी आँखों में आँसू थे। 'आई एम सो सॉरी, रॉबर्ट।' वह बुदबुदाई। फिर थोड़ा रुककर उसने कहा, 'फॉर एवरीथिंग।'

एक क्षण बाद वह औरत दौड़कर भीड़ में चली गई। मेरसेरिया डेल ओरोलोजिया की संकरी गलियों में दौड़ते हुए उसके लंबे बाल ऊपर नीचे उछल रहे थे. . .और थोड़ी ही देर में वह वेनिस के दिल में गायब हो गई।

77

पानी की कलकल ध्वनि ने रॉबर्ट लैंग्डन को होश में लाया। उसे एँटीसेप्टिक दवाइयों की गंध आ रही थी, जिसमें समुद्र के खारे पानी की गंध भी मिली थी। उसे लगा कि उसके पैरों के नीचे की धरती डोल रही थी।

मैं कहाँ हूँ?

कुछ ही क्षण पहले, उसे लगा, जैसे वह किसी शक्तिशाली हाथ से जीवन रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा था, जो उसे लाइट वेल से बाहर खींच कर तहखाने में लाने की कोशिश कर रहे थे। अजीब बात थी कि अब उसे अपने नीचे सेंट मार्क के पथरीले फर्श का भी अहसास नहीं हो रहा था, बल्कि अब उसे लग रहा था कि वह किसी मुलायम गद्दे पर लेटा था।

लैंग्डन ने अपनी आँखें खोली और आसपास के परिवेश को समझने की कोशिश करने लगा–छोटा-सा साफ सुथरा दिखने वाला कमरा, जिसमें सिर्फ एक गोलाकार खिड़की बनी थी। हिलना डुलना जारी था।

क्या मैं नाव पर सवार हूँ?

लैंग्डन की आख़िरी स्मृति थी कि पत्थर के फर्श पर काली पोशाक वाले सिपाही ने उसे पटक रखा था। सिपाही गुस्से में उसके ऊपर फुफकार रहा था। ‘भागने की कोशिश बंद करो।’

सिपाही उसकी आवाज़ को दबाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन लैंग्डन मदद के लिए तेज़ आवाज़ में चिल्ला रहा था।

‘हमें उसे यहाँ से बाहर ले जाना होगा।’ एक सिपाही ने दूसरे से कहा।

उसके साथी ने अनमने ढंग से कहा, ‘ठीक है।’

लैंग्डन ने अनुभव किया कि किसी की शक्तिशाली उंगलियाँ उसकी गरदन की नसों को बड़े दक्ष तरीके से टटोल रही थी। उसके गले की कैरोटिड नस मिलते ही उसे लगा कि उस व्यक्ति की उंगलियाँ किसी ख़ास जगह की तलाश कर रही थी। कुछ ही सेकंड में लैंग्डन की आँखें बंद होने लगी। उसे लगा कि वह बेहोश हो रहा था। उसके दिमाग में जैसे ऑक्सीजन की कमी हो रही थी।

वे मुझे जान से मार रहे हैं, लैंग्डन ने सोचा। *यहीं, सेंट मार्क के मकबरे के बगल में।*

अंधेरा छा रहा था, लेकिन कुछ अधूरा लग रहा था. . .उसे मटमैला भूरा रंग दिखाई दे रहा था, जिसमें धुंधली छवियाँ और आवाज़ें सुनाई दे रही थी।

लैंग्डन को समय बीतने का कोई अंदाज़ा नहीं लग रहा था, लेकिन फिर से उसके दिमाग में दुनिया का अहसास वापस आ रहा था। उसे जितना समझ में आ रहा था उससे लग रहा

था जैसे वह किसी अस्पताल जैसी जगह में था। अस्पताल में पाई जाने वाली आइसो प्रोपाइल अल्कोहल की गंध से उसे लग रहा था जैसे पहले भी उसने कहीं ऐसा अनुभव किया था। लैंग्डन को लगा कि घूम फिर कर उसकी दुनिया उसी जगह वापस आ गई थी, जहाँ वह पिछली रात को था–अजीब-से अस्पताल में, नीम-बेहोशी की स्थिति में।

तुरंत उसके दिमाग में सिएना और उसकी सुरक्षा का ख़्याल घूमने लगा। उसे अब भी उसकी दयालु, भूरी आँखें अपनी तरफ घूरती लग रही थी। उन आँखों में पश्चाताप और भय दिखाई दे रहा था। लैंग्डन मन-ही-मन उसके वहाँ से सुरक्षित निकलने और वेनिस से बाहर जाने की प्रार्थना कर रहा था।

एनरिको डैनडोलो की कब्र के असली ठिकाने के बारे में जानकर उसे धक्का लगा था। उसने सिएना को बताया था. . .*हम लोग गलत देश में हैं।* कविता में जिस रहस्यमय म्यूजियम की बात कही गई थी वह वेनिस में नहीं, बल्कि दूर किसी दूसरी दुनिया में था। दांते ने अपनी रचना में जैसी चेतावनी दी थी ठीक उसी तरह, कूट भाषा में लिखी कविता का अर्थ 'गूढ़ और अबूझ कविताओं के भीतर छुपा था।'

लैंग्डन ने सोचा था कि तहखाने से बाहर आते ही वह सिएना को सारी बातें बता देगा, लेकिन उसे कभी इसका मौका ही नहीं मिला।

मैं नाकामयाब रहा यह जानते ही वह भाग गई।

लैंग्डन को लगा जैसे उसके पेट में मरोड़ हो रहा था।

दुनिया के उस छोर पर. . .अब भी प्लेग चल रहा है।

अस्पताल के बाहर उसे हॉल में भारी बूटों की आवाज़ सुनाई दे रही थी। लैंग्डन ने मुड़ते ही देखा कि काली पोशाक में सिपाही उसके कमरे में दाखिल हो रहा था। ये वही हट्टा कट्टा सिपाही थी जिसने उसे तहखाने की फर्श पर पटका था। उसकी आँखें बर्फ की तरह ठंढी, भावशून्य लग रही थी। उस आदमी के करीब आते ही लैंग्डन को वहाँ से भागने की इच्छा हो रही थी, लेकिन भागने की वहाँ कोई जगह ही नहीं थी। *ये लोग मेरे साथ, जो चाहें कर सकते हैं।*

'मैं कहाँ हूँ?' लैंग्डन ने पूछा। वह अपनी आवाज़ में जितना विरोध का स्वर भर सकता था उतना उसने किया।

'वेनिस के तट पर लगे जहाज़ पर।'

लैंग्डन ने उस आदमी की वर्दी पर लगे हरे रंग के तमगे को देखा–ग्लोब, जिसके ऊपर लिखा था ईसीडीसी। लैंग्डन ने यह प्रतीक-चिह्न या संक्षिप्त शब्द पहले कभी नहीं देखा था।

'हमें तुमसे कुछ जानकारी चाहिए।' सिपाही ने कहा। 'और हमारे पास ज़्यादा वक़्त नहीं है।'

'मैं तुम्हें कुछ भी क्यों बताऊँ?' लैंग्डन ने कहा। 'तुमने तो मेरी जान ही ले ली थी।'

‘बिलकुल नहीं। हमने जूडो की तकनीक शाइम वाजा का इस्तेमाल कर तुम्हें शिथिल कर दिया। हम तुम्हें चोट पहुँचाने की कोई मंशा नहीं रखते थे।’

‘तुमने आज सुबह मुझ पर गोली चलाई।’ लैंग्डन ने कहा। उसे साफ साफ याद आ रहा था कि सिएना की तेज़ी से चल रहे तिपहिए पर किस तरह बुलेट के लगने की झनझनाहट सुनाई दी थी। ‘तुम्हारी बुलेट मेरी रीढ़ की हड्डी में लगने वाली थी।’

उस आदमी की आँखें सिकुड़ गई। ‘अगर मैं तुम्हारी रीढ़ की हड्डी में गोली मारना चाहता तो मार सकता था। मैंने तुम्हारे तिपहिए के पिछले पहिए को पंक्चर करने के लिए बस एक गोली चलाई, ताकि मैं तुम्हें वहाँ से भागने से रोक सकूँ। मुझे तुमसे संपर्क स्थापित करने का हुक्म मिला था। हमें पता करने को कहा गया था कि तुम इस तरह की अजीबो-गरीब हरकत क्यों कर रहे थे।’

लैंग्डन इसे ठीक से समझ पाता उसके पहले ही दरवाज़े से दो सिपाही अंदर दाखिल हुए और उसके बेड की तरफ आने लगे।

उनके बीच एक औरत चल रही थी।

भूत की परछाई।

किसी दूसरी दुनिया की चीज़, काल्पनिक।

लैंग्डन ने उसे तुरंत पहचान लिया। यह उसकी बेहोशी के दौरान दिखाई देने वाली औरत थी। उसके सामने खड़ी औरत ख़ूबसूरत थी। उसके लंबे बाल थे और उसने लापिस लाजुलाई का ताबीज़ पहन रखा था। लैंग्डन ने उसे पहले मरते हुए लोगों के बीच एक भयंकर दृश्य के रूप में देखा था इसलिए उसे यकीन करना में थोड़ा वक़्त लगा कि वह सशरीर उसके सामने खड़ी थी।

‘प्रोफेसर लैंग्डन,’ उस औरत ने धीमे से मुस्कराते हुए कहा। वह उसके बेड के पास आ चुकी थी। ‘आपको ठीक देखकर मेरी चिंता दूर हुई।’ वह नज़दीक बैठकर उसकी नाड़ी देखने लगी। ‘मुझे बताया गया है कि आपको विस्मृति की बीमारी है। क्या आप मुझे पहचानते हैं?’

लैंग्डन ने उसे थोड़ी देर के लिए देखा। ‘मैंने आपको कई बार सपने में देखा है. . .वैसे मुझे याद नहीं कि मैं आपसे कभी मिला हूँ।’

औरत उसकी ओर झुकी। उसके चेहरे पर सहानुभूति का भाव था। ‘मेरा नाम एलिज़ाबेथ सिंस्की है। मैं विश्व स्वास्थ्य संगठन की निदेशक हूँ। मैंने आपको कुछ ढूँढ़ने में मदद के लिए यह काम अपने ज़िम्मे लिया है. . .’

‘प्लेग,’ लैंग्डन किसी तरह बोला। ‘जिसे बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट ने बनाया है।’

सिंस्की ने सिर हिलाया। लैंग्डन का जवाब सुनकर वह उत्साहित लग रही थी। ‘आपको याद है?’

'नहीं, मैं अस्पताल में जगा तो मेरे पास एक अजीब-सा प्रोजेक्टर था, जिसमें आपकी तस्वीर दिखाई दे रही थी। आप चिल्लाकर कह रही थी ढूँढ़ो और पाओ। जिस समय वे लोग मुझे मारने की कोशिश कर रहे थे, उस समय मैं यह करने की कोशिश कर रहा था।' लैंग्डन ने सिपाहियों की तरफ इशारा किया।

हट्टा कट्टा सिपाही हरकत में आ गया। वह जवाब देने के लिए बेचैन लग रहा था, लेकिन सिंस्की ने उसे हाथ के इशारे से रोक दिया।

'प्रोफेसर,' उसने धीमी आवाज़ में कहा, 'मुझे कोई संदेह नहीं कि आपका दिमाग अभी गड्डमड्ड स्थिति में है। मैंने ही आपको इस मुश्किल में डाला है और आपके साथ, जो कुछ भी हुआ उसे देखकर मैं बहुत हैरान हूँ। मैं शुक्रगुजार हूँ कि आप सुरक्षित हैं।'

'सुरक्षित?' लैंग्डन ने जवाब दिया। 'मैं इस जहाज़ पर बंदी हूँ।' और आप भी।

सफेद बालों वाली औरत ने सिर हिलाकर उसकी बात से सहमति ज़ाहिर की। 'मुझे संदेह है कि मैं आपको, जो बातें बताने जा रही हूँ उनमें से कई बातें आपको विस्मृति की वजह से परेशान कर सकती है। फिर भी, हमारे पास वक़्त कम है और अनेक लोगों को आपकी मदद की ज़रूरत है।'

सिंस्की हिचकिचाई। ऐसा लगा जैसे वह आगे बोलने का फैसला नहीं कर पा रही थी। 'सबसे पहले,' उसने अपनी बात शुरू की। 'मैं चाहती हूँ कि आप इसे समझ लें कि एजेंट ब्रूडर और उसकी टीम कभी आपको मारना नहीं चाहती थी। उन्हें आपसे किसी भी कीमत पर आप से फिर से संपर्क साधने की ज़िम्मेदारी दी गई थी।'

'फिर से? मेरा तो उनसे कभी संपर्क. . .'

'प्लीज प्रोफेसर, बस मेरी बात सुनिए। आपके सामने सभी बातें स्पष्ट हो जाएगी। मैं वादा करती हूँ।'

लैंग्डन अस्पताल वाले बेड पर ठीक से बैठ गया। डॉक्टर सिंस्की की बातें सुनकर उसके दिमाग में तरह तरह की बातें उमड़ घुमड़ रही थी।

'एजेंट ब्रूडर और उसके लोग एसआरएस टीम के सदस्य हैं–सर्वेलेंस ऐंड रेसपोंस सपोर्ट। वे यूरोपियन सेंटर फॉर डिजीज प्रिवेंशन ऐंड कंट्रोल के अंदर काम करते हैं।'

लैंग्डन ने उनकी वर्दी पर लगे ईसीडीसी तमगों की ओर देखा। डिजीज प्रिवेंशन एँड कंट्रोल–रोग निरोध एवं नियंत्रण?

'उनका यह ग्रुप,' सिंस्की ने बोलना जारी रखा, 'छुआछूत की बीमारियों की पहचान और उनकी रोकथाम में विशेष दक्षता रखता है। दरअसल वे लोग बड़े पैमाने पर होने वाली, गंभीर बीमारियों से निपटने के लिए फौरी दस्ते का काम करती है। जोब्रिस्ट ने जिस छुआछूत की बीमारी को पैदा किया था उसके ठिकाने का पता करने के लिए आप हमारी उम्मीद के मुख्य आधार थे। इसलिए जब आप गुम हो गए तो मैंने एसआरएस टीम के लोगों

को आपकी खोज में लगा दिया. . .मैंने उन्हें अपनी सहायता के लिए फ़्लोरेंस बुलाया।'

लैंग्डन यह सुनकर भौंचक्का हो गया। 'वे सिपाही आपके लिए काम करते हैं?'

उसने सिर हिलाया। 'मैंने उन्हें ईसीडीसी से उधार लिया है। पिछली रात जब आप गुम हो गए और आपने फोन करना बंद कर दिया तो हमें लगा कि आपके साथ कोई हादसा हो गया है। आज सुबह ही जब हमारी टेक-सपोर्ट टीम ने पता किया कि आपने अपने हार्वर्ड ईमेल अकाउंट को चेक किया है तो हमें लगा कि आप ज़िंदा हैं। उस समय आपकी अजीबो-गरीब हरकत की एक ही व्याख्या थी कि आप दूसरे खेमे में शामिल हो गए हैं. . .शायद आपको किसी दूसरे ने इस महामारी का पता ठिकाना बताने के लिए काफी बड़ी रकम दी और आप उसके लिए काम करने लगे।'

लैंग्डन यह सुनकर सदमे में पड़ गया। 'यह बिलकुल बेहूदी बात है।'

'हाँ, इसकी संभावना काफी कम थी, लेकिन यही एक व्याख्या मुमकिन थी और इतने बड़े दांव में हम किसी तरह का जोखिम नहीं ले सकते थे। बेशक, हमने कभी सोचा भी नहीं था कि आप विस्मृति की बीमारी से ग्रस्त हैं। जब हमारी टेक सपोर्ट टीम ने आपके हार्वर्ड ईमेल अकाउंट को अचानक सक्रिय देखा तो हमने आईपी एड्रेस के आधार पर पता कर लिया कि आप फ़्लोरेंस के एक अपार्टमेंट में हैं। हम लोग वहाँ पहुँच गए, लेकिन आप उस औरत के साथ मोपेड पर भाग निकले। इससे हमारा शक और मज़बूत हो गया कि आप किसी दूसरे के लिए काम कर रहे हैं।'

'हम लोग बिलकुल आपकी बगल से निकले थे,' लैंग्डन की आवाज़ भर्रा गई। 'मैंने आपको एक काली वैन की पिछली सीट पर देखा। आपको चारों तरफ से सिपाहियों ने घेर रखा था। मुझे लगा कि आपका अपहरण कर लिया गया है। आपको देखकर लग रहा था जैसे आप आधी बेहोशी की हालत में थीं जैसे उन्होंने आपको बेहोशी की दवा खिला दी हो।'

'आपने हमें देखा'?' डॉक्टर सिंस्की को यह सुन कर आश्चर्य हो रहा था। 'आश्चर्य की बात है कि आप सही कह रहे हैं. . .उन्होंने मुझे नशे की दवा दे रखी थी।' वह रुकी। 'लेकिन उन्होंने ऐसा मेरे हुक्म से किया था।'

लैंग्डन अब पूरी तरह चकरा गया था। उसने उन्हें नशे की दवा देने को कहा?

'आपको शायद याद नहीं हो,' सिंस्की ने कहा। 'लेकिन जब हमारा सी-130 फ़्लोरेंस में उतरा तो मुझे दौरा पड़ा जिसे प्रोक्सिसमल पोजिशनल वर्टिंगो कहा जाता है। कान के अंदर होने वाली यह बीमारी मुझे पहले भी हुई थी। यह अस्थाई बीमारी होती है और ख़तरनाक भी नहीं होती, लेकिन इसके शिकार लोगों को सिर में इतना चक्कर आता है और उन्हें इतनी ज़्यादा मितली आती है कि वे अपना सिर ऊपर ही नहीं कर पाते। सामान्य तौर पर मैं अपने बिस्तर पर लेटकर भयंकर मितली का मुकाबला करती हूँ, लेकिन उस वक़्त हम जोब्रिस्ट

संकट का सामना कर रहे थे। इसलिए उल्टी से बचने के लिए मैंने उन्हें हर घंटे मेटोक्लोप्रामाइड की सुई देने को कहा। इस दवा का एक साइड-इफेक्ट होता है कि दवा लेने वाला व्यक्ति गहरी तंद्रा में चला जाता है, लेकिन इसकी मदद से वैन की पिछली सीट पर बैठकर मैं फोन से अपने ऑपरेशन को चला पाई। एसआरएस टीम मुझे अस्पताल ले जाना चाहती थी, लेकिन मैंने उन्हें आपको वापस लाने के पहले ऐसा करने से मना कर दिया। शुक्र है कि वेनिस की फ़्लाइट के दौरान मेरा वर्टिगो ख़त्म हो गया।

लैंग्डन धम्म से अपने बेड पर बैठ गया। वह सन्न था। *मैं दिन-भर विश्व स्वास्थ्य संगठन से बचने की कोशिश कर रहा था जिन्होंने मुझे इस काम पर लगाया था।*

'अब हमें अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना होगा, प्रोफेसर।' सिंस्की ने घोषणा की। उसकी आवाज़ में गंभीरता झलक रही थी। 'आपको जोब्रिस्ट के प्लेग के ठिकाने के बारे में कुछ पता है. . .?' वह उसकी ओर घूरकर देख रही थी। उसकी आँखों में गहरी उम्मीद की किरण दिखाई दे रही थी। 'हमारे पास बहुत कम समय बचा है।'

वह जगह काफी दूर है, लैंग्डन ने कहना चाहा, लेकिन किसी वजह से उसने अपने आपको रोक लिया। उसने ब्रूडर की ओर देखा। यह वही आदमी था जिसने आज सुबह उस पर बंदूक तानी थी और थोड़ी देर गला घोंटकर तकरीबन उसकी जान लेने वाला था। लैंग्डन के पैरों के नीचे ज़मीन इतनी तेज़ी से खिसक रही थी कि उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह किस पर यकीन करे।

सिंस्की आगे की तरफ झुकी। उसके चेहरे का भाव और भी गंभीर हो चुका था। 'हमें ऐसा लगता है कि यह महामारी वेनिस में ही कहीं है। क्या यह बात सच है? हमें उस जगह का पता बताइए और मैं अपनी टीम तट पर भेज दूँगी।'

लैंग्डन हिचकिचा रहा था।

'सर,' ब्रूडर बेचैन हो कर चिल्लाया। 'साफ पता चल रहा है कि तुम्हें कुछ जानकारी है. . .हमें बताओ कि वह जगह कहाँ है। तुम समझ नहीं रहे कि आगे क्या होने वाला है।'

'एजेंट ब्रूडर,' सिंस्की उसकी ओर गुस्से से मुड़ी। 'बहुत हो गया।' उसने उसे रोका और लैंग्डन की ओर मुड़कर धीमी आवाज़ में बोली। 'आपने जितना कुछ झेला है, उसे देखते हुए मैं समझ सकती हूँ कि आपका दिमाग अभी अस्तव्यस्त स्थिति में है। शायद आप समझ नहीं पा रहे होंगे कि किस पर यकीन करें।' वह रुकी और उसकी आँखों में आँखें डालकर देखने लगी। 'लेकिन हमारे पास वक़्त बहुत कम है। मैं आपसे हमारे ऊपर भरोसा करने का आग्रह कर रही हूँ।'

'क्या लैंग्डन खड़ा हो सकता है?' किसी नए आदमी की आवाज़ सुनाई दी।

दहलीज पर नाटे कद का गठीला आदमी दिखाई दे रहा था। उसकी त्वचा का रंग गहरा तांबई था। उसने लैंग्डन की ओर सोचे-समझे तरीके से, लेकिन शांतिपूर्वक देखा। लैंग्डन

को उसकी आँखों में ख़तरा दिखाई दिया।

सिंस्की ने लैंग्डन को खड़ा होने कहा। 'प्रोफेसर, इस व्यक्ति के साथ मैं सहयोग नहीं करना चाहती, लेकिन परिस्थिति इतनी गंभीर है कि हमारे पास कोई चारा नहीं है।'

लैंग्डन फैसला नहीं कर पा रहा था, लेकिन उसने अपना पैर बेड के नीचे किया और सीधा खड़ा हो गया। उसे अपना संतुलन हासिल करने में थोड़ा वक़्त लगा।

'मेरे पीछे आओ।' दरवाज़े की ओर जाते हुए उस आदमी ने कहा। 'तुम्हें मैं कुछ दिखाना चाहता हूँ।'

लैंग्डन अपनी बात पर अड़ा रहा। 'तुम कौन हो?'

वह आदमी रुका। उसने दोनों हाथों की उंगलियाँ एक-दूसरे से फँसा ली। 'नाम का कोई ख़ास महत्त्व नहीं होता। तुम मुझे प्रोवोस्ट कह सकते हो। मैं एक संस्था चलाता हूँ. . .जिसने, माफ करना, जोब्रिस्ट को अपना मकसद हासिल करने में मदद करने की गलती की। देर हो जाए उसके पहले मैं अब उस गलती को ठीक करना चाहता हूँ।'

'तुम मुझे क्या दिखाना चाहते हो?' लैंग्डन ने पूछा।

उस आदमी ने लैंग्डन को घूरना जारी रखा। 'एक ऐसी चीज़ जिसे देखकर तुम्हें पूरी तरह यकीन हो जाएगा कि हम सभी एक ही मकसद से काम कर रहे हैं।'

78

लैंग्डन तांबई रंग की चमड़ी वाले आदमी के पीछे पीछे जहाज़ के डेक के नीचे बनी बहुत ही संकरी गलियों के जाल को पार करता हुआ चलता जा रहा था। उसके साथ डॉक्टर सिंस्की और ईसीडीसी के सिपाही भी एक पंक्ति में चल रहे थे। ये लोग जब सीढ़ियों के पास पहुँचे तो लैंग्डन को लगा कि वे धूप वाली जगह की ओर जा रहे हैं, लेकिन वे जहाज़ के और भी भीतरी हिस्से की ओर जाने लगे।

अब वे जहाज़ के पेट में और भी गहराई में पहुँच चुके थे। उनका गाइड उन्हें लेकर एक ऐसी जगह आ चुका था, जहाँ ढेरों छोटे-छोटे क्यूबिकल बने थे–शीशे के सील किए हुए छोटे-छोटे कमरे। इनमें से कुछ की दीवारें पारदर्शी थीं तो कुछ की अपारदर्शी। ये कमरे साउंड-प्रूफ थे। इनके भीतर बैठे कर्मचारी टेलिफोन पर बात करते हुए कंप्यूटर पर मेहनत से टाइप कर रहे थे। जिन लोगों ने नज़र उठाकर इन लोगों को वहाँ से गुज़रते हुए देखा वे इनके बीच किसी अंजाने व्यक्ति को देखकर घबराए हुए लग रहे थे। तांबई चमड़ी वाले व्यक्ति ने उनकी ओर देखकर उन्हें निश्चिंत रहने का इशारा किया और आगे बढ़ गया।

ये कौन-सी जगह है? इसी तरह के पास-पास बने दफ्तर जैसे कमरों के सामने से गुज़रते हुए लैंग्डन सोच रहा था।

अंत में उनका मेजबान एक बड़े कांफ्रेंस हॉल में पहुँचा, जहाँ वे सभी जाकर बैठ गए। इसके बाद उस आदमी ने एक बटन दबाया। बटन दबाते ही एक सरसराहट की आवाज़ आई और शीशे की दीवार अपारदर्शी हो गई। वे अब उस कमरे के अंदर सील हो चुके थे। लैंग्डन ने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। वह सन्न रह गया।

'हम लोग कहाँ हैं?' आख़िरकार लैंग्डन ने पूछा।

'यह मेरा जहाज़ है–*द मेंडेसियम*।'

'*द मेंडेसियम?*' लैंग्डन ने पूछा। 'वही जिसका लैटिन में अर्थ होता है स्यूडोलोगस, छल या फरेब का ग्रीक देवता?'

यह सुनकर वह आदमी काफी प्रभावित हुआ। '*इसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।*'

यह तो कोई सम्मानज़नक नाम नहीं, लैंग्डन ने सोचा। मेंडेशियम उस फरेबी देवता का नाम था, जो स्यूडोलोगोइ पर राज करता था यानी उन झूठ, फरेब, धोखे के देवताओं पर।

उस आदमी ने लाल रंग का एक छोटा-सा पेन ड्राइव निकाला और कमरे के पीछे बने इलेक्ट्रॉनिक मशीनों के एक रैक में घुसा दिया। विशाल आकार के फ्लैट-पैनल एलईडी चालू हो गया और छत में लगी बत्तियाँ धुंधली हो गई।

उत्सुकता से भरे लोग चुपचाप इंतज़ार कर रहे थे। लैंग्डन को अब पानी के लहरों के तट

से टकराने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। पहले उसे लगा कि शायद यह आवाज़ जहाज़ के बाहर से आ रही थी, लेकिन फिर उसे समझ में आया कि यह आवाज़ एलसीडी स्क्रीन के स्पीकर से आ रही थी। धीरे-धीरे वहाँ एक तस्वीर दिखाई देने लगी–गुफा जिसकी छत से पानी टपक रहा था। गुफा के अंदर लाल रंग की हल्की रोशनी फैली हुई थी।

'यह वीडियो बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट ने बनाया है।' मेजबान ने कहा। 'उसने मुझे कल इसे दुनिया के सामने लाने को कहा है।'

लैंग्डन हक्का बक्का था। वह चुपचाप घर पर बनाए गए इस वीडियो को देखता रहा. . .बड़ी-सी गुफा, लहरों से उफनता लैगून, जहाँ जाकर कैमरा पानी में डूब जाता है। लैगून की तलहटी में टाइल वाल फर्श जिस पर कीचड़ जमी है. . .फर्श पर धातु की एक तख्ती को नट-बोल्ट से चिपका दिया गया है जिस पर लिखा है *इस जगह, इस तारीख को, दुनिया हमेशा के लिए बदल गई।*

धातु की तख्ती पर दस्तख़त थे–*बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट।*

तारीख–आने वाले *कल की।*

हे भगवान। अंधेरे में लैंग्डन सिंस्की की ओर मुड़ा, लेकिन वह फर्श की तरफ यूँ ही घूरती जा रही थी। ऐसा लग रहा था कि उसने यह वीडियो पहले भी देखा था और वह इसे दोबारा नहीं देख सकती थी।

अब कैमरा बाई तरफ घूम रहा था। लैंग्डन ने देखा कि पानी के नीचे पारदर्शी प्लास्टिक का एक बुलबुला हिलडुल रहा था। इसके अंदर जिलेटिन जैसा, पीला-भूरा तरल पदार्थ दिखाई दे रहा था। सतह पर आने से रोकने के लिए इस नाज़ुक गोले को नीचे फर्श के साथ बाँध दिया गया था।

उफ, आख़िर ये है क्या? लैंग्डन उस फूले बुलबुले को देखने लगा, जो थैले की तरह लग रहा था। इसके अंदर का द्रव्य हौले हौले चक्कर काट रहा था. . .करीब करीब सुलगता सा।

लैंग्डन को जब इसकी असलियत समझ में आई तो उसकी साँस अटक गई। *जोब्रिस्ट का प्लेग।*

'प्लेबैक बंद करो।' अंधेरे से सिंस्की की आवाज़ आई।

स्क्रीन पर दिख रही तस्वीर फ्रीज हो गई। पानी के अंदर, फर्श के साथ रस्सी से बंधा प्लास्टिक का थैला। हवा में लटका तरल पदार्थ का सील किया हुआ बादल।

'मुझे लगता है कि आप अंदाज़ा लगा सकते हैं कि यह क्या है।' सिंस्की ने कहा। 'सवाल है कि यह कितनी देर तक सीलबंद रहेगा?' वह चलकर एलसीडी के पास गई। उसने पारदर्शी थैले पर बने एक छोटे-से निशान को दिखाया। 'दुर्भाग्यवश, यह हमें बताता है कि यह थैला किस चीज़ का बना है। क्या आप इसे पढ़ सकते हैं?'

लैंग्डन की धड़कन तेज़ हो गई थी। वह आँखें सिकोड़ कर उन छोटे अक्षरों को पढ़ने की

कोशिश करने लगा, जो शायद इसे बनाने वाली कंपनी का ट्रेडमार्क था−Solublon[R.]

'पानी में घुलने वाले प्लास्टिक को बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी।' सिंस्की ने कहा।

लैंग्डन को पेट में मरोड़ उठने लगा। 'आप कह रही हैं कि ये थैला पानी में *घुल* रहा है?'

सिंस्की ने उसकी ओर देखकर सिर हिलाया। उसके चेहरे पर गहरी चिंता झलक रही थी। 'हम इसे बनाने वाली कंपनी के साथ संपर्क में हैं। उनसे हमें पता चला है कि दुर्भाग्यवश वे इस तरह के दर्जनों किस्म के प्लास्टिक बनाते हैं, जो पानी में घुलने में दस मिनट से लेकर दस सप्ताह का समय ले सकते हैं। यह उनके इस्तेमाल पर निर्भर करता है। पानी में घुलने का समय पानी के प्रकार और तापमान पर निर्भर करता है, लेकिन हमें कोई संदेह नहीं कि जोब्रिस्ट ने इन सभी पर सावधानी से गौर किया होगा।' वह रुकी। 'हमें लगता है, यह थैला. . .'

'कल तक पानी में घुल जाएगा,' प्रोवोस्ट उसे रोककर बीच में ही बोल पड़ा। 'जोब्रिस्ट ने मेरे कैलेंडर में कल की तारीख में निशान लगाया है। तख्ती पर यही तारीख लिखी है।'

लैंग्डन अवाक होकर अंधेरे में बैठा था।

'इन्हें बाकी वीडियो दिखाओ।' सिंस्की ने कहा।

एलसीडी स्क्रीन पर वीडियो तस्वीर रिफ्रेश हुई। अब कैमरा चमचमाते पानी और गुफा के अंधेरे में घूम रहा था। लैंग्डन को अब कोई संदेह नहीं था कि यह वही जगह है, जिसके बारे में कविता में बताया गया है। *लैगून, जिसमें दिखाई नहीं देती सितारों की परछाई . . .*

इस दृश्य को देखकर उसके दिल में दांते के द्वारा की गई नरक की परिकल्पना चक्कर काटने लगी. . .पाताल लोक की गुफाओं से प्रवाहित होती कोकाइटस नदी. . .।

लैगून चाहे जहाँ भी था, इसके जल ऊँचे, काई लगी दीवारों के बीच बंधा हुआ था। लैंग्डन ने अनुमान लगाया कि ये दीवारें मानव-निर्मित थी। उसने यह भी अनुमान लगा लिया कि कैमरा अंदर के इस विशाल स्थल के एक बहुत ही छोटे हिस्से को दिखा रहा था। उसकी इस बात को दीवार पर दिखाई दे रही धुंधली लंबवत परछांई से भी बल मिल रहा था। ये परछाई चौड़ी, खंभेनुमा और समान दूरी पर दिखाई दे रही थी।

खंभे, लैंग्डन समझ गया।

इस गुफा की छत खंभों पर टिकी है।

यह लैगून किसी गुफा के भीतर नहीं बना था। दरअसल यह एक बहुत बड़ा कमरा था।

डूबे महल में गहराई से ढूँढ़ो।

वह आगे कुछ बोल पाता उसके पहले ही उसका ध्यान दीवार पर बनी एक नई परछाई ने अपनी ओर खींचा। मनुष्य की तरह दिखने वाली आकृति जिसकी लंबी, चोंचनुमा नाक थी।

हे भगवान. . .

परछाई अब कुछ बोल रही थी। इसकी आवाज़ दबी-दबी-सी थी। यह पानी के अंदर डरावनी, लेकिन कविता वाली शैली में कह रही थी-

'मैं ही तुम्हारी मुक्ति हूँ। मैं शेड हूँ।'

इसके बाद कई मिनटों तक लैंग्डन इस वीडियो को देखता रहा। यह उसकी ज़िंदगी की सबसे खौफनाक फिल्म थी। इसे देखकर साफ पता चल रहा था कि कोई सनकी, लेकिन अत्यंत प्रतिभाशाली व्यक्ति बड़बड़ा रहा है–बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट की बड़बड़ाहट। वह प्लेग के डॉक्टर का भेष बनाकर यह सब बोल रहा था। इसमें दांते के *इन्फर्नो* से कई संदर्भ उद्धृत थे। इसका संदेश बिलकुल स्पष्ट था–मनुष्यों की जनसंख्या में वृद्धि नियंत्रण से बाहर थी और मानव प्रजाति का अस्तित्व पतले धागे से बंधा था।
स्क्रीन पर आवाज़ सुनाई दी-

'कुछ भी नहीं करने का मतलब होगा दांते के नरक का स्वागत..संकीर्ण जगह में ठूंसे, भूखे, पाप में छटपटाते। मैंने इतनी हिम्मत से यह कदम उठाया है। कुछ लोग घबराकर नफरत करेंगे, लेकिन मुक्ति की कीमत चुकानी पड़ती है। एक दिन दुनिया मेरे त्याग के सौंदर्य को स्वीकार करेगी।'

अचानक स्क्रीन पर जोब्रिस्ट के चेहरे को देखकर लैंग्डन नफरत से भर गया। उसने प्लेग डॉक्टर की पोशाक पहन रखी थी। उसने अपना मुखौटा चीरकर हटा दिया। लैंग्डन ने मरियल से चेहरे वाले उस आदमी को घूरकर देखा। उसकी आँखें हरी थी। वह समझ चुका था कि वह इस संकट की बुनियाद का काम कर रहे व्यक्ति का चेहरा देख रहा था। जोब्रिस्ट अब उस व्यक्ति की तारीफ के पुल बाँध रहा था, जो उसकी प्रेरणा का स्रोत था।

'मैंने भविष्य को तुम्हारे नाज़ुक हाथों में सौंप दिया है। इस धरती पर मेरा काम पूरा हो चुका है। मेरे लिए ऊपर की दुनिया में कदम रखने का वक़्त आ चुका है..और तारों को एक बार फिर से निहारने का।'

वीडियो समाप्त हो गया। उसे जोब्रिस्ट के आख़िरी शब्द जैसे दांते द्वारा *इन्फर्नो* के आख़िरी शब्दों को शब्दशः दोहराने जैसे लगे।
कॉन्फ्रेंस रूम के अंधेरे में लैंग्डन को लगा कि आज दिन में वह जिस भय का अनुभव कर

रहा था वह अब घनीभूत होकर एक मात्र, डरावनी सचाई में बदल चुका है।

बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट के नाम से अब एक चेहरा. . .और आवाज़ जुड़ी थी।

कॉन्फ्रेंस रूम की बत्ती जल गई थी। लैंग्डन ने देखा कि वहाँ बैठे सभी लोगों की नज़रें उसकी तरफ उम्मीद से देख रही थी।

एलिज़ाबेथ सिंस्की के चेहरे पर जैसे एक भाव जम-सा गया था। वह खड़ी हुई और अपने ताबीज़ को थपकी देते हुए कमरे में बेचैनी से चहलकदमी करने लगी। 'प्रोफेसर, ज़ाहिर है कि हमारे पास समय बहुत कम है। अच्छी बात सिर्फ इतनी है कि अब तक हमें विषाणु पाए जाने की या बीमारी की कोई ख़बर नहीं मिली है। इसलिए हमारा अंदाज़ा है कि पानी के अंदर तैर रहा वह थैला अब तक सही सलामत है, लेकिन हमें ये नहीं पता कि उसकी तलाश कहाँ की जानी है। हमारा लक्ष्य इस थैले को फटने से रोककर ख़तरे को समाप्त करना है। इसके लिए हमें थैले के स्थान का पता लगाना सबसे आवश्यक है।

एजेंट ब्रूडर अब खड़ा हो गया। वह लगातार लैंग्डन को घूर रहा था। 'हमें लगता है कि तुम वेनिस इसलिए आए, क्योंकि तुम्हें पता चला कि इसी जगह पर जोब्रिस्ट ने अपने प्लेग को छुपाया है?'

लैंग्डन वहाँ बैठे लोगों को देखने लगा जिनके चेहरों पर डर के कारण तनाव का भाव दिखाई दे रहा था। वहाँ हर व्यक्ति चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठा था। वह सोच रहा था कि काश उसके पास उन्हें देने के लिए अच्छी ख़बर होती।

'हम गलत देश में तलाश कर रहे हैं।' लैंग्डन ने घोषणा की। 'आप जिसे ढूँढ़ रहे हैं वह यहाँ से हज़ार मील से भी अधिक दूरी पर है।'

वेनिस एयरपोर्ट की तरफ जाते हुए *द मेंडेसियम* जहाज़ एक बड़ा चक्कर लगाते हुए तेज़ी से मुड़ा। इंजन से आ रहे शक्तिशाली कंपन ने लैंग्डन को अंदर तक कंपकंपा दिया। जहाज़ पर अफरा-तफरी मची थी। प्रोवोस्ट तेज़ी से आगे चला जा रहा था और अपने क्रू के सदस्यों के लिए चिल्लाकर निर्देश दे रहा था। एलिज़ाबेथ सिंस्की फोन पर लगी थी। वह विश्व स्वास्थ्य संगठन के सी-130 जहाज़ के पायलट को वेनिस एयरपोर्ट से उड़ान के लिए जहाज़ तुरंत तैयार रखने को कह रही थी। एजेंट ब्रूडर अपने लैपटॉप पर लगा था। वह पता करने की कोशिश कर रहा था कि उनके गंतव्य स्थान पर किसी अंतर्राष्ट्रीय एडवांस टीम की व्यवस्था की जा सकती थी या नहीं।

दुनिया के दूसरे छोर पर।

प्रोवोस्ट अब कॉन्फ्रेंस रूम में वापस आ गया था। उसने व्यग्रता से भरे स्वर में ब्रूडर से

पूछा, 'वेनिस के अधिकारियों से कोई और सूचना?'

ब्रूडर ने अपना सिर हिलाया। 'कोई अता पता नहीं। वे लोग सिएना ब्रूक्स की तलाश में लगे हैं, लेकिन वह गायब है।'

लैंग्डन को यकीन नहीं हो रहा था। ये सिएना ब्रूक्स की तलाश कर रहे हैं?

अपना फोन कॉल पूरा कर सिंस्की भी इस बातचीत में शामिल हो गई। 'उसे तलाशने में अब तक कामयाबी नहीं मिली?'

प्रोवोस्ट ने अपना सिर हिलाया। 'अगर आप सहमत हों तो विश्व स्वास्थ्य संगठन को उसे वापस लाने के लिए ताकत का इस्तेमाल करने की सहमति प्रदान करनी चाहिए।'

लैंग्डन उछल कर अपनी जगह पर खड़ा हो गया। 'क्यों? सिएना ब्रुक्स इस काम में शामिल नहीं है।'

प्रोवोस्ट की काली आँखें लैंग्डन को घूर रही थी। 'प्रोफेसर, मुझे मिस ब्रूक्स के बारे में कुछ बातें तुम्हें बतानी हैं।'

79

रिआल्टो ब्रिज पर जमी सैलानियों की भीड़ को चीरते हुए सिएना फिर से दौड़ने लगी। वह फोंडामेंटा विन कैस्टेलो के कैनाल-फ्रंट वॉकवे के साथ-साथ पश्चिम दिशा में चली जा रही थी।

उन्होंने रॉबर्ट को पकड़ लिया है।

उसकी आँखों के आगे अब भी वह दृश्य घूम रहा था जब सिपाही उसे लाइट वेल से नीचे की ओर घसीटकर तहखाने में ले जा रहे थे। उसे कोई संदेह नहीं था कि अपहरणकर्ता बहुत जल्द किसी न किसी तरीके से उससे वे सारी जानकारियाँ उगलवा लेंगे, जो उसने अब तक हासिल की थी।

हम गलत देश में आ गए हैं।

लेकिन इससे भी दुखद था कि उसके अपहरणकर्ता लैंग्डन को हालात की सचाई ज़ाहिर करने में एक पल का भी वक़्त बर्बाद नहीं करेंगे।

आई एम सो सॉरी रॉबर्ट. . .मुझे माफ कर देना रॉबर्ट।

हर बात के लिए।

जान लो कि मेरे पास कोई चारा नहीं था. . .

अजीब-सी बात थी कि सिएना उसके नहीं होने से उदास महसूस कर रही थी। वेनिस में लोगों की भीड़ के बीच वह ख़ुद को बिलकुल अकेला महसूस कर रही थी।

यह अनुभव उसके लिए नया नहीं था।

बचपन से ही सिएना ब्रूक्स ख़ुद को अकेला महसूस करती थी।

सिएना ब्रूक्स बचपन से ही अद्भुत प्रतिभाशाली थी। उसने अपनी युवावस्था अजनबी दुनिया में अजनबी इंसान की तरह काटी थी मानों दूसरी दुनिया का प्राणी अकेले इस दुनिया में आकर फँस गया हो। वह दोस्त बनाने की कोशिश करती थी, लेकिन वे हल्की फुल्की बातों में हमेशा उलझे रहते थे। सिएना की उन चीज़ों में कोई रुचि नहीं थी। वह अपने से बड़ी उम्र के लोगों का सम्मान करना चाहती थी, लेकिन उसे ज्यादातर बुजुर्ग बड़ी उम्र के बच्चे लगते जिन्हें अपने चारों तरफ की दुनिया के बारे में मामूली समझ तक नहीं थी। इससे भी ज़्यादा परेशान करने वाली बात थी कि उन्हें इसके बारे में जानने में कोई रुचि भी नहीं थी न ही उन्हें दुनिया के बारे में कोई फिक्र थी।

मुझे लगता था कि मैं किसी के हिस्से में शामिल नहीं हूँ।

इसलिए सिएना ब्रूक्स ने भूत बनना सीख लिया। अदृश्य। वह गिरगिट की तरह मनचाहे ढंग से रंग बदल सकती थी, नाटक कर सकती थी, जो भीड़ में किसी दूसरे व्यक्ति का चेहरा

अपना सकता था। उसे कोई संदेह नहीं था कि बचपन से ही नाटकों के प्रति उसके आकर्षण के पीछे उसकी जीवन भर की यही चाहत थी–किसी दूसरे व्यक्ति का रूप धरना।

एक सामान्य व्यक्ति।

शेक्सपियर के नाटक *ए मिडसमर नाइट्स ड्रीम* में भाग लेने के बाद उसे लगा कि वह भी किसी चीज़ में शामिल थी, किसी चीज़ का हिस्सा थी। नाटक में भाग ले रहे वयस्क कलाकारों ने उसके साथ सहयोग किया, लेकिन कभी उस पर हावी होने की कोशिश नहीं की, लेकिन उसकी खुशी की उम्र लंबी नहीं थी। नाटक की पहली रात जैसे ही वह स्टेज से उतरकर बाहर निकली तो उसके सामने मीडिया की भीड़ आँख फाड़े खड़ी थी। उसके साथ काम करने वाले कलाकार तो पहले ही पिछले दरवाज़े से बाहर निकल चुके थे।

अब वे भी मुझसे नफरत करते हैं।

सात साल की होते होते सिएना ने इतना पढ़ लिया था कि वह अपने बारे में समझ गई कि वह डिप्रेशन से गंभीर रूप से ग्रस्त थी। जब उसने अपने माता-पिता को बताया तो वे सदमे में आ गए, ठीक उसी तरह जैसे वे उसके अजीब होने की बात से होते थे। फिर भी उन्होंने उसे एक मनोचिकित्सक के पास भेजा। डॉक्टर ने उस से तरह तरह के सवाल पूछे। ये सवाल सिएना पहले ही ख़ुद से पूछ चुकी थी। डॉक्टर ने उसे दवा के तौर पर ऐमिट्रिप्टिलाइन और क्लोरडाएज़पोक्साइड खाने को कहा था।

इन दवाओं का नाम सुनकर सिएना गुस्से में अपने बेड से उछल पड़ी। 'ऐमिट्रिप्टिलाइन?' उसने डॉक्टर को चुनौती दी। 'मैं ख़ुश रहना चाहती हूँ, जोंबी नहीं बनना चाहती।'

मनोचिकित्सक को शाबाशी देनी होगी कि सिएना की बात सुनकर भी वह शांत रहा। उसने कोई गुस्सा ज़ाहिर नहीं किया और उसके लिए दूसरी सलाह दी। 'सिएना, अगर तुम दवा नहीं खाना चाहती तो हम एक सर्वांगीण नज़रिए को अपना सकते हैं।' वह रुका। 'ऐसा लगता है कि तुम अपने बारे में सोचने और यह मानने के दुष्चक्र में फंसी हो कि तुम इस दुनिया में शामिल नहीं हो।'

'हाँ, यह सच है।' सिएना ने फिर से कहा। 'मैं इसे रोकने की कोशिश करती हूँ, लेकिन रोक नहीं पाती हूँ।'

वह शांत भाव से हँसा। 'बेशक तुम इसे नहीं रोक सकती। मानव मस्तिष्क के लिए कुछ भी नहीं सोचने की स्थिति में रह पाना संभव नहीं। मनुष्य की आत्मा भाव की भूखी होती है और यह हमेशा भावों के लिए ईंधन की तलाश में रहती है, चाहे वह अच्छा हो या बुरा। तुम्हारी समस्या है कि तुम इसे गलत ढंग का ईंधन दे रही हो।'

मस्तिष्क के बारे में इस मशीनी ढंग से बात करते हुए सिएना किसी को पहली बार सुन रही थी। वह हैरान थी। 'मैं इसे अलग तरह का ईंधन कैसे दे सकती हूँ?'

'तुम्हें अपने बौद्धिक फोकस को बदलना होगा।' उसने कहा। 'अभी तुम ज्यादातर समय

अपने बारे में सोचती हो। तुम्हें लगता है कि आख़िर तुम फिट क्यों नहीं कर पाती. . .और तुम्हारे साथ कौन-सी समस्या है?'

'हाँ, यह सच है।' सिएना ने फिर से कहा। 'लेकिन मैं समस्या के समाधान की कोशिश में लगी हूँ। मैं लोगों के साथ सामंजस्य बैठाने की कोशिश कर रही हूँ। मैं अगर समस्याओं के बारे में सोचूँगी नहीं तो उनका समाधान कैसे कर पाऊँगी।'

वह मुस्कराया। 'मुझे लगता है कि समस्या के बारे में सोचना. . .ही तुम्हारी समस्या है।' डॉक्टर ने उसे अपनी सोच के फोकस को अपने आप से और अपनी समस्याओं से हटाने की सलाह दी। उसने सिएना को दुनिया और इसकी समस्याओं पर अपने को फोकस करने की सलाह भी दी।

और उसी समय सभी चीज़ें बदल गई।

उसने अपनी सारी ऊर्जा अपनी हालत पर दुखी होने में खर्च करना बंद कर दिया। अब वह दूसरों के लिए दुखी रहने लगी। उसने एक लोकोपकारी कार्य की शुरुआत की, बेघरों के रहने की जगह जाकर उनके लिए खाने पीने की व्यवस्था में लग गई और अंधों को किताब पढ़कर सुनाने लगी। आश्चर्य की बात थी कि जिन लोगों की वह मदद कर रही थी उनमें से किसी को भी ऐसा नहीं लगा कि सिएना सामान्य लोगों से कुछ अलग थी। वे इस बात के लिए कृतज्ञ थे कि आख़िर किसी ने उनकी सुध तो ली।

सिएना हर सप्ताह कड़ी मेहनत करती थी। वह उन लोगों के बारे में हमेशा सोचती रहती थी जिन्हें मदद की ज़रूरत थी।

'सिएना, अपनी रफ्तार धीमी करो।' लोग उसे सलाह देते। 'तुम दुनिया को नहीं बचा सकती।'

कितनी भयंकर बात थी यह।

लोगों की सेवा का काम करते हुए वह स्थानीय स्तर पर मानवीय कार्य करने वाले कई लोगों के संपर्क में आई। जब उन्होंने उसे फिलीपींस की महीने भर की यात्रा का न्योता दिया तो वह खुशी से उछल पड़ी।

सिएना ने सोचा था कि वे लोग गाँव के गरीब मछुआरों या किसानों को खिलाने जा रहे हैं। उसने पढ़ा था कि फिलीपींस भूगर्भीय दृष्टि से अद्भुत सुंदरता वाली जगह थी। यहाँ मनोहारी समुद्र तल भी था और चमचमाते मैदान भी, लेकिन जब ये लोग दुनिया की सबसे घनी आबादी वाले शहर मनीला की भीड़भाड़ वाली जगह पहुँचे तो वह अंदर से काँप उठी। इतनी भयंकर गरीबी उसने कभी नहीं देखी थी।

आख़िर एक आदमी इस परिस्थिति में कैसे बदलाव ला सकता है?

सिएना जब एक आदमी को खाना खिलाती तो उसके सामने सैकड़ों भूखे लोग मुँह बाए खड़े होते। उनकी आँखों में उदासी छाई रहती। मनीला में छह घंटे का ट्रैफिक जाम लगता

था। इसका प्रदूषण जानलेवा था। सेक्स-व्यापार की भयंकर स्थिति थी, जिसमें ख़ासकर छोटे बच्चे काम करते थे जिन्हें उनके माँ बाप भडुए के हाथों बेच दिया करते थे। हाँ, माँ बाप को इतना संतोष ज़रूर होता था कि उनके बच्चे भूखे नहीं जी रहे।

बाल-वेश्यावृत्ति के हालातों, गिरहकट-जेबकतरे और इनसे भी गए गुज़रे लोगों के बीच सिएना को लगा जैसे वह लकवे का शिकार हो गई हो। उसे अपने चारों तरफ मानवता जीवन रक्षा के लिए पाशविकता के चक्र से पिसती नज़र आ रही थी। मनुष्य जब हताशा के गर्त में पहुँच जाता है तो वह पशु से भी गया गुज़रा बन जाता है।

सिएना के लिए फिर से डिप्रेशन की स्थिति वापस आ गई थी। उसे अचानक समझ में आ गया कि मानवता की स्थिति क्या थी. . .विनाश के कगार पर पहुँची प्रजाति।

मैं गलत सोच रही थी, सिएना ने सोचा। मैं दुनिया को नहीं बचा सकती।

सिएना अब मैनिया की गिरफ्त में थी। वह शहर की गलियों में बेतहाशा दौड़ती रही, लोगों की भीड़ के बीच गुज़रती हुई, लोगों के हुजूम को काटती हुई, वह खुली जगह की तलाश में भटकती रही।

मनुष्य के शरीर की गंध मेरा साँस लेना मुश्किल कर रही है।

शहर में दौड़ते हुए उसे लगा कि सभी लोगों की आँखें उसी पर गड़ी थी। वह लोगों के बीच कभी फिट नहीं हो सकी। वह लंबी थी। उसका रंग गोरा था। वह सुनहले बालों की चोटी उसके पीछे पीछे झूलती रहती थी। पुरुष उसकी ओर इस तरह घूरकर देखते जैसे वह नंगी हो।

अंत में जब उसके पाँवों ने जवाब दे दिया उस समय तक उसे ख़ुद पता नहीं था कि वह कितनी दूरी तक दौड़ चुकी थी या वह कहाँ जा चुकी थी। उसने अपनी आँखों में पड़ी धूल-कीचड़ साफ की। उसने देखा कि वह किसी झोपड़-पट्टी में खड़ी थी। धातु के टुकड़ों और गत्तों को साथ मिलाकर खड़े किए गए घर। उसके चारों तरफ बच्चों के चीखने चिल्लाने और रोने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। हवा में पाखाने की बदबू फैली हुई थी।

मैं नरक के दरवाज़े को पार कर यहाँ पहुँची हूँ।

‘टूरिस्टा,’ पीछे से किसी की भारी भरकम आवाज़ सुनाई दी। ‘कितना?’

सिएना जल्दी से पीछे मुड़ी। उसे अपने सामने तीन नौजवान दिखाई दिए। उनकी जीभ से भेड़िए की तरह लार टपक रही थी। वह तुरंत भांप गई कि ख़तरा मंडरा रहा है। उसने भागने की कोशिश की, लेकिन उन लोगों ने उसे घेर लिया, ठीक उसी तरह जैसे जंगली जानवर अपने शिकार को घेरते हैं।

सिएना मदद के लिए चिल्लाई, लेकिन उसकी मदद के लिए कोई आगे नहीं आया। उसने देखा कि पंद्रह फुट आगे एक बुढ़िया टायर पर बैठी थी। वह प्याज के सड़े हिस्से को जंग लगे चाकू से निकाल रही थी। सिएना को चिल्लाते देखकर भी उस औरत ने अपनी नज़रें

ऊपर नहीं उठाई।

वे लोग जब सिएना को घसीटकर एक झोपड़ी के अंदर ले गए तो सिएना को ज़रा भी संदेह नहीं था कि उसके साथ क्या होने वाला था। उसके ऊपर भय छा गया। उसके हाथ में, जो भी आया उसे लेकर वह बचने की कोशिश करने लगी, लेकिन वे लोग बहुत ताकतवर थे। उन्होंने उसे एक गंदे, पुराने गद्दे पर पटक दिया।

उन्होंने उसकी शर्ट फाड़ दी और उसकी मुलायम त्वचा को नोचने लगे। उसके चिल्लाने पर उन लोगों ने उसी की फटी हुई शर्ट को फाड़कर उसके मुँह में ठूंस दिया। थोड़ी देर के लिए उसे लगा कि उसकी साँस अब बंद हो जाएगी। इसके बाद उन्होंने उसे पेट के बल लिटा दिया और उसके मुँह को बदबूदार गद्दे में ठूंस दिया।

सिएना को हमेशा उन लोगों पर दया आती थी, जो दुनिया में पाए जाने वाली पीड़ाओं के बावजूद ईश्वर पर आस्था रखते थे, लेकिन इस समय वह ख़ुद प्रार्थना कर रही थी. . .पूरे दिल से प्रार्थना।

हे भगवान, मुझे इन राक्षसों से बचाओ।

मैं कुँवारी हूँ, सिएना ने सोचा। मेरे साथ भी ऐसा ही होगा।

वह प्रार्थना कर रही थी और उसी वक़्त उसे उन लोगों के ठहाकों की आवाज़ सुनाई दे रही थी। उसकी जीन्स को छटपटाती टाँगों से नीचे खींचते हुए वे लोग उस पर फब्तियाँ कस रहे थे। उनमें से एक उसकी पीठ पर चढ़ गया। भारी वजन वाले उस व्यक्ति के शरीर से टपक-कर पसीना उसकी त्वचा पर गिर रहा था। तभी उसे लगा कि इसकी रफ्तार तेज़ हो गई थी और लाल लाल फव्वारे गद्दे पर गिर रहे थे।

सिएना ने जब पलटकर देखा तो उसे अपने सामने प्याज छीलती बुढ़िया दिखाई दी। उसके हाथ में अब भी आधा छिला हुआ प्याज और पुराना, जंग खाया चाकू था। वह उसके हमलावरों के ऊपर खड़ी थी जिसकी पीठ से इस वक़्त तेज़ी से खून बह रहा था।

बुढ़िया ने दूसरे हमलावरों की तरफ धमकी भरी नज़रों से घूरा। वह हवा में अपना चाकू तब तक घुमाती रही, जब तक वे तीनों लोग वहाँ से रफा दफा नहीं हो गए।

बिना कुछ बोले बुढ़िया ने सिएना को अपने कपड़े समेट-कर पहनने में मदद की।

'*सलामत,*' बुढ़िया ने बुदबुदा कर कहा। 'शुक्रिया।'

बुढ़िया ने अपने कान थपथपा कर उसे बताया कि वह बहरी है।

सिएना ने अपने दोनों हाथ जोड़कर आँखें बंद कर लीं। उसके प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए वह उसके आगे झुकी। उसने आँखें खोली तब तक बुढ़िया वहाँ से जा चुकी थी।

सिएना तुरंत फिलीपींस से निकल गई। उसने अपने साथ आए लोगों को गुडबाय तक नहीं कहा। उसने इस घटना के बारे में कभी किसी से चर्चा तक नहीं की। उसे लगा कि इस घटना को अपने दिमाग से दूर रखने से वह इसे भूल जाएगी, लेकिन हुआ इसका उल्टा।

उसकी स्थिति खराब होती गई। महीनों बाद तक उसे दुःस्वप्न आते रहे। वह कहीं भी अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं करती थी। उसने मार्शल-आर्ट सीखना शुरू किया। बहुत जल्द उसने डिम-माक की ख़तरनाक कला सीख ली। फिर भी वह जहाँ जाती ख़ुद को असुरक्षित महसूस करती।

उसका डिप्रेशन वापस आ चुका था। दस गुणा अधिक तीव्रता के साथ। अंत में उसने सोना बंद कर दिया, पूरी तरह। जब भी वह कंघी करती, बालों का गुच्छा निकल आता जिसकी मात्रा रोज़ बढ़ती जा रही थी। कुछ ही सप्ताह में वह आधी गंजी हो गई। वह काफी डर गई। अपने लक्षणों को देखकर उसने समझ लिया कि वह टेलीजेनिक इफ़्लुवियम नामक बीमारी से ग्रस्त है। यह तनाव के कारण पैदा होने वाला एलोपेसिया होता है जिसका इलाज तनाव कम करने के सिवा कुछ भी नहीं होता। जब भी वह अपना चेहरा आईने में देखती, अपने गंजे सिर को देखकर उसकी धड़कन तेज़ हो जाती।

मैं बुढ़िया की तरह दिखती हूँ।

अंत में अपना सिर मुड़ाने के सिवा उसके पास कोई चारा नहीं बचा। कम-से-कम अब वह बूढ़ी तो नहीं लगती थी, बस बीमार लगती थी। वह कैंसर के रोगी की तरह नहीं दिखना चाहती थी। इसलिए उसने एक विग खरीद ली, जो वह सुनहले बालों वाली चोटी बना कर पहनती थी। अब वह कम-से-कम अपनी तरह दिखती थी।

लेकिन सिएना अंदर से बदल चुकी थी।

मैं खोटा सिक्का हूँ।

अपनी पिछली ज़िंदगी को भुलाने की बेचैनी में वह अमेरिका आ गई, जहाँ उसने एक मेडिकल स्कूल में दाखिला लिया। वह हमेशा से मेडिकल साइंस को पसंद करती थी। उसे उम्मीद थी कि डॉक्टर उसे किसी काम के लायक समझेंगे. . .जैसे कि वह तकलीफों से भरी इस दुनिया के दुखों को कम करने में थोड़ा योगदान कर पाएगी।

लंबे समय तक चलने के बावजूद, स्कूल उसके लिए आसान था। उसके दोस्त पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन उसने पैसा कमाने के लिए पार्ट-टाइम एक्टिंग का काम करना शुरू कर दिया। यह काम शेक्सपियर की तरह तो कतई नहीं था, लेकिन भाषा और याद रखने की अपनी क्षमता के कारण उसे यह काम, काम से ज़्यादा एक शरण-स्थली की तरह लगती थी, जहाँ जाकर वह अपने आपको भूल सकती थी. . .और *कोई दूसरा* व्यक्ति बन सकती थी।

कोई भी दूसरा व्यक्ति।

सिएना ने जब से बोलना शुरू किया था तभी से वह अपनी पहचान से किसी तरह बाहर निकलना चाहती थी। बचपन में उसने माँ बाप द्वारा पुकारे जाने वाले नाम फेलिसिटी को बदलकर बीच वाला नाम सिएना अपना लिया था। फेलिसिटी का अर्थ होता है भाग्यवान और वह जानती थी कि वह कुछ भी हो सकती थी भाग्यवान नहीं।

अपनी समस्याओं से ध्यान हटाओ, उसने ख़ुद को याद दिलाया। दुनिया की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करो।

मनीला की भीड़भाड़ वाली गलियों में आए डर के हमले, पैनिक अटैक, ने सिएना के मन में भीड़भाड़ और दुनिया की आबादी के बारे में गहरी चिंता पैदा कर दी थी। इसी समय उसका परिचय बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट के लेखन से हुआ, जो एक जीन-इंजीनियर था। उसने दुनिया की आबादी के बारे में कुछ अत्यंत प्रगतिशील सिद्धांत दिए थे।

जोब्रिस्ट की रचनाओं को पढ़ते हुए उसे लगा कि वह एक अत्यंत *प्रतिभाशाली* व्यक्ति था। दूसरे मनुष्यों के बारे में सिएना ने पहले कभी इस तरह नहीं सोचा था। वह जोब्रिस्ट को जितना पढ़ती उतना ही वह उसे अपने दिल का मीत लगता। उसके लेख 'यू कैंट सेव द वर्ल्ड' ने सिएना को अपने बचपन में लोगों द्वारा कही गई बात याद आई. . .लेकिन जोब्रिस्ट ठीक इसके विपरीत सोचता था।

तुम दुनिया को बचा सकते हो, जोब्रिस्ट ने लिखा था। *अगर तुम नहीं तो फिर कौन? अगर अभी नहीं तो कब?*

सिएना ने जोब्रिस्ट के गणितीय समीकरणों को बहुत ध्यान देकर पढ़ा। उसे माल्थस द्वारा की गई मानवता के विनाश और सामने उपस्थित मानव प्रजाति के विलुप्त होने के ख़तरे की बात समझ में आ गई। ऊँचे दर्जे के अनुमानों को उसका दिमाग पसंद करता था, लेकिन अपने सामने संपूर्ण भविष्य का खाका देखकर उसे लगा कि उसका तनाव बढ़ता जा रहा है. . .गणितीय ढंग से सुनिश्चित. . .बिलकुल स्पष्ट..अनिवार्य।

किसी दूसरे को यह क्यों नहीं दिखाई देता?

सिएना यूँ तो जोब्रिस्ट के विचारों से डरती थी, लेकिन वह जोब्रिस्ट की दीवानी हो गई। वह उसके प्रेजेंटेशन की वीडियो देखती और उसने, जो कुछ भी लिखा था उसे पढ़ती। जब सिएना ने सुना कि वह अमेरिका में भाषण के दौरे पर आ रहा है तो उसने जोब्रिस्ट से मिलने की ठान ली और यही वह रात थी जब दुनिया बदल गई।

उसके चेहरे पर मुस्कराहट फैल गई, जो उसके लिए एक दुर्लभ पल था। वह उस जादुई शाम के बारे में कल्पना करने लगी। कुछ ही घंटों पहले लैंग्डन और फेरिस के साथ ट्रेन में यात्रा करते हुए इसी शाम का ख़्याल उसकी आँखों के सामने जीवंत हो उठा था।

शिकागो। बर्फीला तूफान।

छह साल पहले, जनवरी का महीना. . .लेकिन ऐसा लगता है जैसे यह कल की बात हो। मैं तेज़ हवाओं से गुज़रते हुए मैग्निफिसेंट माइल की बर्फ में डूबी सड़क पर चली जा रही थी। तेज़ बर्फबारी से बचने के लिए मैंने अपने कमीज़ का कॉलर ऊपर कर लिया था।

भयानक ठंड के बावजूद मैं ख़ुद से कहती जा रही थी कि मुझे अपनी मंज़िल से कोई दूर नहीं रख सकता। आज की रात मुझे महान बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट को सुनना है..आमने सामने।
बर्ट्रैंड जब स्टेज पर आता है उस समय हॉल तकरीबन सूना है। वह लंबा है. . .काफी लंबा. . .उसकी जीवंत हरी आँखों में जैसे दुनिया के सारे रहस्य छुपे थे।
‘यह खाली ऑडिटोरियम . . .मेरी बला से,’ उसने ऐलान किया। ‘चलो, बार में बैठते हैं।’
इसके बाद हम थोड़े-से लोग वहाँ पहुँच गए, एक शांत बूथ पर। वह जीन विज्ञान, जनसंख्या और अपने नए प्रेम, ट्रांसह्यूमेनिज्म के बारे में बोल रहा था।
शराब के प्याले के बीच मुझे लगता है कि मैं किसी रॉक-स्टार से निजी बातचीत कर रही हूँ। जोब्रिस्ट जब भी मेरी ओर देखता है तो उसकी हरी आँखें मेरे अंदर अचानक न जाने कैसी भावनाएँ उमड़ने लगी. . .तीव्र यौनिक आकर्षण।
यह मेरे लिए बिलकुल नए ढंग की अनुभूति थी।
और फिर हम दोनों वहाँ अकेले रह गए।
‘आज की रात के लिए शुक्रिया,’ मैंने उससे बोला। मैं हल्के नशे में थी। ‘आप एक अद्भुत शिक्षक हैं।’
‘चापलूसी।’ जोब्रिस्ट मुस्कराते हुए आगे की तरफ झुक गया। अब हमारे पैर एक-दूसरे से सट रहे थे। ‘यह तुम्हें कहीं भी ले जा सकता है।’
इस तरह इश्क लड़ाना और चुहलबाजी ठीक तो नहीं थी, लेकिन शिकागो के सुनसान होटल में यह एक बर्फीली रात थी। ऐसा लगता था जैसे दुनिया थम गई हो।
‘तो तुम क्या सोचती हो?’ जोब्रिस्ट पूछता है। ‘मेरे कमरे में रात का आख़िरी पेग?’
मैं वहीं जम जाती हूँ। मुझे लगता है जैसे मैं सामने से आ रही गाड़ी की तेज़ रोशनी के सामने रात के अंधेरे में खड़ी हिरण हूँ। मैं समझ नहीं पा रही कि मुझे क्या करना होगा।
जोब्रिस्ट की आँखों में शरारती चमक दिखाई देती है। ‘चलो, मैं अंदाज़ा लगाता हूँ,’ वह फुसफुसाकर बोला। ‘तुम कभी किसी मशहूर व्यक्ति के साथ नहीं रही हो?’
मैं शर्म से लाल हो जाती हूँ। मैं अपने दिल में उठते भावों को छिपाने की कोशिश कर रही हूँ–शर्म, उत्तेजना, घबराहट। ‘दरअसल सचाई है कि मैं आज तक किसी पुरुष के साथ नहीं रही हूँ।’
जोब्रिस्ट मुस्कराता हुआ और नज़दीक खिसक आता है। ‘पता नहीं तुम अब तक किसका इंतज़ार कर रही थी, लेकिन तुम मुझे अपना पहला होने का अवसर दे सकती हो।’
उसी क्षण सेक्स के बारे में मेरा लड़कपन से चला रहा डर और कुंठा काफूर हो गई. . .बर्फीली रात में पता नहीं ये कहाँ गायब हो गई।

इसके बाद,मैं उसकी बाँहों में हूँ, निर्वस्त्र।
'रिलैक्स, सिएना।' वह फुसफुसाकर बोला। फिर अपने हाथों का धीरे-धीरे इस्तेमाल कर वह मेरे अंदर भावनाओं का ऐसा ज्वार पैदा करता है, जिसके बारे में मैं पहले जानती तक नहीं थी।
मैं जोब्रिस्ट के आलिंगन की गरमी में नहा गई। मुझे अब दुनिया की हर चीज़ सही लगने लगी। मुझे लगने लगा कि मेरी ज़िंदगी का भी कोई मकसद है।
मुझे प्यार मिल गया।
मैं इसके पीछे कहीं भी जा सकती हूँ।

80

द *मेंडेसियम* के डेक के ऊपर लैंग्डन ने पॉलिश की हुई रेलिंग को पकड़ लिया। उसने अपने कांपते पैरों को स्थिर किया और अपनी गहरी साँस लेने लगा। समुद्र से आ रही हवा में ठंड बढ़ गई थी। कम ऊँचाई पर उड़ रहे व्यावसायिक जेट से उसे अंदाज़ा लग गया कि वे लोग वेनिस एयरपोर्ट के पास पहुँच चुके हैं।

मुझे मिस ब्रुक्स के बारे में कुछ बातें बतानी है।

रेलिंग पर उसके साथ डॉक्टर सिंस्की और प्रोवोस्ट चुपचाप खड़े थे, लेकिन वे चौकन्ने थे। वे उसे अपना संतुलन हासिल करने के लिए वक़्त दे रहे थे। उन्होंने नीचे लैंग्डन को, जो कुछ भी बताया था उसकी वजह से वह इतना परेशान और उद्विग्न हो गया था कि ताजी हवा के लिए सिंस्की उसे बाहर लेकर आई।

समुद्र की हवा उसे तरोताज़ा कर रही थी। इसके बावजूद लैंग्डन के दिमाग की उलझन दूर नहीं हो रही थी। इस वक़्त वह जहाज़ के पीछे उठती तेज़ लहरों को सूनी नज़रों से देखने के सिवा कुछ भी नहीं कर पा रहा था। उसने, जो कुछ सुना था उसके पीछे काम करने वाले तर्क को वह समझने की कोशिश कर रहा था।

प्रोवोस्ट के अनुसार सिएना ब्रूक्स और बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट लंबे समय से एक-दूसरे के प्रेमी रहे थे। वे दोनों गुपचुप ढंग से चलने वाले ट्रांसह्यूमेनिस्ट आँदोलन में साथ-साथ काम करते थे। उसका पूरा नाम फेलिसिटी सिएना ब्रूक्स था, लेकिन वह एफएस-2080 कोडनेम से भी जानी जाती थी. . .

जिसका ताल्लुक उसके नाम के पहले अक्षर और उसके सौवें जन्मदिन से था।

इस सब का कोई मतलब नहीं निकलता।

‘मैं सिएना ब्रूक्स को एक-दूसरे स्रोत से जानता था।’ प्रोवोस्ट ने लैंग्डन को कहा। ‘मैंने उस पर यकीन किया। इसीलिए पिछले साल जब वह एक अमीर ग्राहक को लेकर मेरे पास पहुँची तो मैं मान गया। वह अमीर ग्राहक था बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट। उसने छुपने के लिए मुझसे जगह मांगी जिस दौरान वह बिना किसी की नज़र में आए अपने मास्टरपीस पर काम कर सकता था। मुझे लगा कि वह किसी नई तकनीक पर काम कर रहा था जिसकी चोरी होने से वह बचना चाहता था। या फिर वह जीन से संबंधित कोई अत्याधुनिक शोध कार्य कर रहा था, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के नैतिकता संबंधी कानूनों के खिलाफ था। मैंने उससे कोई सवाल नहीं पूछा, लेकिन मेरा यकीन मानिए मैंने सोचा भी नहीं था कि वह प्लेग का निर्माण कर रहा था।

लैंग्डन सिर्फ अपना सिर हिलाने की स्थिति में था। वह हक्का बक्का था।

'जोब्रिस्ट दांते के प्यार में पागल था।' प्रोवोस्ट ने अपनी बात जारी रखी। 'और इसीलिए उसने छुपने के लिए फ़्लोरेंस को चुना।' इसलिए मेरी संस्था ने ज़रूरत के हिसाब से सारे इंतजाम किए–जनता नज़रों से दूर बना लैब, जिसमें काम करने वाले लोगों के रहने के लिए घर बने थे। उसके लिए कई छद्म नाम और संचार के साधन मुहैया कराए गए। निजी सहायक उसकी सुरक्षा से लेकर खाने पीने की व्यवस्था तक हर ज़रूरत का ख़्याल रखता था। जोब्रिस्ट कभी अपने क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल नहीं करता था, न ही वह किसी सार्वजनिक स्थान पर आता जाता था। इसलिए उसको ढूँढ़ पाना असंभव था। हमने उसे भेष बदलने, छद्मनाम और यात्रा के लिए नकली दस्तावेज भी उपलब्ध कराए थे, ताकि उसे कोई पहचान नहीं पाए।' वह रुका। 'जब उसने सोल्युब्लॉन बैग को वहाँ रखा तो उसने इसी सुविधा का इस्तेमाल किया।'

सिंस्की ने गहरी साँस ली। वह अपनी हताशा को छिपाने की कोई कोशिश नहीं कर रही थी। 'पिछले साल से ही विश्व स्वास्थ्य संगठन उस पर नज़र रखने की कोशिश कर रहा था, लेकिन ऐसा लगता था जैसे वह गधे की सींग की तरह गायब हो गया था।'

'सिएना से भी बचता हुआ।' प्रोवोस्ट ने कहा।

'आई एम सॉरी, क्या कहा आपने?' लैंग्डन ने अपनी नज़रें ऊपर की और गला साफ किया। 'मुझे लगा कि आपने कहा था वे दोनों पुराने प्रेमी थे?'

'हाँ, वे प्रेमी थे, लेकिन जब वह गुप्तवास में गया तो उसने अचानक सिएना से भी संपर्क काट लिया। सिएना ने उसे हम लोगों से मिलवाया था, लेकिन हमारा करार जोब्रिस्ट के साथ था। हमारे करार में यह बात शामिल थी कि जब वह गायब होगा तो पूरी दुनिया से गायब होगा, सिएना से भी। ज़ाहिर है कि जब वह गुप्तवास में गया तो उसने उसके लिए विदाई का एक पत्र लिखा, जिसमें उसने बताया कि वह काफी बीमार है और साल भर के आसपास मरने वाला है। उसने लिखा कि अपनी खराब होती हालत उसे नहीं देखने देना चाहता था।'

जोब्रिस्ट ने सिएना को छोड़ दिया?

'सिएना ने उसके बारे में जानने के लिए मुझसे संपर्क किया।' प्रोवोस्ट बोला। 'लेकिन मैंने उसका फोन कॉल लेने से मना कर दिया। मेरे लिए अपने ग्राहक की इच्छाओं का पालन करना आवश्यक था।'

'दो सप्ताह पहले,' सिंस्की ने कहा, 'जोब्रिस्ट फ़्लोरेंस के एक बैंक में गया, जहाँ उसने एक लॉकर किराए पर लिया। उसके जाने के बाद उस पर नज़र रख रहे हमारे लोगों को पता चला कि बैंक के चेहरा पहचानने वाले सॉफ्टवेयर ने भेष बदलकर आए उस व्यक्ति की पहचान बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट के रूप में की है। मेरी टीम फ़्लोरेंस गई। उसे जोब्रिस्ट के सेफ-हाउस का पता लगाने में सप्ताह भर का वक़्त लग गया। वह घर खाली था, लेकिन उसके अंदर

कुछ ऐसे सबूत मिले जिससे पता चलता था कि उसने किसी अत्यंत संक्रामक विषाणु का निर्माण किया था जिसे उसने कहीं छिपाकर रख दिया था।'

सिंस्की रुकी। 'मैं उसे ढूँढ़ने के लिए बेचैन था। अगले दिन, सूरज के उगने के पहले हमने उसे अरनो के पास टहलते हुए पाया। हमने उसका पीछा किया। उसी समय वह बादिया टावर पर चढ़ गया, जहाँ से कूदकर उसने आत्महत्या कर ली।'

'शायद वह पहले से ही इसकी तैयारी कर रहा होगा,' प्रोवोस्ट ने जोड़ा। 'उसे यकीन हो चुका था कि उसे अब लंबे वक़्त तक नहीं जीना था।'

'जैसा कि अंततः हुआ,' सिंस्की ने कहा, 'सिएना भी उसकी तलाश कर रही थी। उसे पता चल गया कि हम लोग फ़्लोरेंस में उसकी तलाश कर रहे हैं और वह हमारी गतिविधियों का पीछा करने लगी। उसे लगा कि शायद हमने उसका पता कर लिया है। दुर्भाग्यवश, जोब्रिस्ट को टावर से नीचे कूदते हुए सिएना ने देख लिया।' सिंस्की ने गहरी साँस ली। 'मुझे लगता है कि अपने प्रेमी और गुरु को कूदकर मरते हुए देखकर उसे गहरा धक्का लगा।'

लैंग्डन को लग रहा था जैसे वह बीमार हो गया हो। उसे उनकी बातें समझ में नहीं आ रही थी। इस पूरे परिदृश्य में वह केवल सिएना पर यकीन करता था और ये लोग उसे बता रहे थे दरअसल वह वो नहीं थी जैसा वह अपने बारे में दावा करती थी। ये लोग भले, जो भी कहें, वह मानने को तैयार नहीं थी कि सिएना प्लेग के निर्माण के बारे में जोब्रिस्ट की बातों से सहमत थी।

या कि वह जोब्रिस्ट से सहमत थी?

क्या आप हमारी प्रजाति को विलुप्त होने से बचाने के लिए, सिएना ने पूछा था, *आधी आबादी की हत्या करना चाहेंगे?*

लैंग्डन अंदर से काँप गया।

'जोब्रिस्ट के मरने के बाद,' सिंस्की ने कहा, 'मैंने जोब्रिस्ट के लॉकर को खुलवाने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल किया। हैरानी की बात थी कि उसमें मुझे मेरे लिए लिखी एक चिट्ठी मिली..और उसके साथ ही एक अजीब-सा दिखने वाला छोटा-सा यंत्र भी।'

'प्रोजेक्टर,' लैंग्डन ने अंदाज़ा लगाया।

'बिलकुल सही। उसकी चिट्ठी में लिखा था मैं सबसे पहले ग्राउंड जीरो पर जाऊँ, जहाँ जाना तभी संभव था, जब कोई व्यक्ति उसके मैप ऑफ़ हेल के अनुसार आगे बढ़े।'

लैंग्डन बोटीचेली की पेंटिंग के बारे में सोचने लगा, जिसकी परिवर्तित की गई तस्वीर उस छोटे-से प्रोजेक्टर में दिखाई दी थी।

प्रोवोस्ट ने अपनी बात आगे बढ़ाई। 'जोब्रिस्ट ने मुझसे संपर्क कर बताया था कि लॉकर में मिली चीज़ें मैं डॉक्टर सिंस्की को सौंप दूँ, लेकिन मुझे कल सुबह के पहले ऐसा करने से मना किया गया था। जब डॉक्टर सिंस्की को यह समय से पहले हासिल हो गया तो हम बुरी

तरह घबरा गए और हमने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी। अपने ग्राहक की इच्छा के अनुरूप हमने इसे हासिल करने के लिए तलाश शुरू कर दी।'

सिंस्की ने लैंग्डन की ओर देखा। 'मुझे समय रहते उस नक्शे को समझ पाने की उम्मीद नहीं थी। इसलिए मैंने अपनी मदद के लिए आपको नियुक्त करने की कोशिश की। क्या आपको ये बातें याद आ रही हैं?'

लैंग्डन ने ना की मुद्रा में अपना सिर हिलाया।

'हम लोगों ने आपको चुपचाप फ्लोरेंस मँगा लिया, जहाँ आपने किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने का समय लिया था, जो इस काम में आपकी सहायता करने वाला था।'

इग्नाजियो बुसोनी।

'आप उससे पिछली रात मिले।' सिंस्की ने कहा। 'और फिर आप गायब हो गए। हमें लगा कि आपके साथ कोई हादसा हो गया है।'

'और दरअसल,' प्रोवोस्ट ने कहा। 'आपके साथ कुछ हुआ तो अवश्य। प्रोजेक्टर वापस लाने की कोशिश में हमारी एजेंट वाएंथा एयरपोर्ट से ही आपका पीछा कर रही थी। पिआत्ज़ा डेला सायनोरिया के पास आकर आप उसकी नज़रों से ओझल हो गए।' उसने अपना चेहरा सिकोड़ लिया। 'आपका खोना एक गंभीर गलती थी और वाएंथा की हिमाकत देखिए। उसने इसके लिए एक चिड़िया पर ज़िम्मेदारी डाल दी।'

'आई एम सॉरी।'

'गुटरगूँ करता कबूतर। वाएंथा के अनुसार वह बिलकुल सही जगह पर खड़ी थी। अंधेरी छज्जे पर। तभी वहाँ से सैलानियों का एक जत्था गुजरा। तभी उसके सिर के ठीक ऊपर बनी खिड़की पर बैठे कबूतर ज़ोर-ज़ोर से गुटरगूँ करने लगे जिसे सुनकर सैलानी रुक गए जिसकी वजह से उसे सामने का दृश्य नहीं दिखाई देने लगा। जब तक वह अपनी जगह बदलती तब तक तुम गायब हो चुके थे।' उसने नफरत से भरकर अपना सिर हिलाया। 'खैर, कई घंटे तक तुम उसे नज़र नहीं आए, लेकिन अंततः उसने फिर से तुम्हारा सुराग पा लिया। इस बार तुम्हारे साथ एक आदमी और था।'

इग्नाजियो, लैंग्डन ने सोचा। *मैं और वह पालात्ज़ो वेखियो से मुखौटा लेकर बाहर निकल रहे होंगे।*

'तुम जब पिआत्ज़ा डेला सिग्नोरिया की दिशा में गए तो वाएंथा तुम्हारे पीछे पीछे चलती रही, लेकिन शायद तुमने उसे देख लिया और उससे बच निकले। तुम दोनों अलग-अलग दिशाओं में चले गए।'

हाँ, ये बात समझ में आती है, लैंग्डन ने सोचा। *इग्नाजियो मास्क लेकर भाग गया और बापटिस्ट्री में जाकर छुप गया, जहाँ थोड़ी देर बाद उसे दिल का दौरा पड़ा।*

'इसी समय वाएंथा से एक बड़ी गलती हुई।' प्रोवोस्ट ने कहा।

'उसने मुझे माथे में गोली मारी?'

'नहीं, उसने अपनी सचाई समय से पहले ज़ाहिर कर दी। जब तक तुम कुछ समझ पाते उससे पहले ही उसने तुम्हें पूछताछ के लिए घसीट लिया। हम यह जानना चाहते थे कि तुम ने नक्शे के अर्थ को समझ लिया है कि नहीं। साथ ही क्या तुमने डॉक्टर सिंस्की को वे बातें बता दी हैं, जो वह जानना चाहती थी। तुमने कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया। तुमने कहा कि तुम मरना पसंद करोगे, लेकिन कुछ भी बताओगे नहीं।'

मैं उस ख़तरनाक प्लेग को ढूँढ़ना चाहता था ! मुझे शायद लगा कि तुम लोग भाड़े के सिपाही हो, जो किसी बायोलोजिकल हथियार की तलाश में लगे हो !

अचानक जहाज़ का विशाल इंजन उल्टी दिशा में चलने लगा। एयरपोर्ट के लोडिंग डॉक के पास पहुँचकर जहाज़ की गति धीमी हो गई। लैंग्डन को कुछ दूर पर सी-130 ट्रांसपोर्ट जहाज़ का मुख्य हिस्सा दिखाई दे रहा था, जो बिलकुल मामूली लगता था। इसमें ईंधन भरा जा रहा था। जहाज़ के पेट पर लिखा था–वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाईजेशन।

तभी ब्रूडर वहाँ पहुँचा। उसके चेहरे पर तनाव दिखाई दे रहा था। 'मुझे अभी पता चला है कि हमारी सक्षम रेसपोंस टीम इस जगह से पाँच घंटे की दूरी पर है यानी की हम लोग ही अपनी रेसपोंस टीम हैं। हमें अब अपने बलबूते पर ही कुछ करना होगा।'

सिंस्की अपनी कुर्सी पर लुढ़क गई। 'स्थानीय अधिकारियों के साथ कोई तालमेल?'

ब्रूडर चौकन्ना लग रहा था। 'अभी नहीं। यही मेरी सलाह है। हमें अभी पक्के तौर पर उस स्थान का पता ठिकाना नहीं मिला है। इसलिए वे अभी कुछ नहीं कर सकते। इसके अलावा, रोकने की कोई भी कार्रवाई उनकी क्षमता से बाहर की बात है। हमें फायदे के बदले नुकसान होने का ख़तरा अधिक है।'

'*सबसे पहली बात, किसी को नुकसान नहीं पहुँचाओ।*' सिंस्की मेडिकल नैतिकता के पहले वाक्य को बार-बार बुदबुदा रही थी।

'अंततः', ब्रूडर ने कहा, 'हमें अभी तक सिएना ब्रूक्स के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है।' उसने प्रोवोस्ट की तरफ देखा। 'क्या तुम वेनिस में सिएना की जान-पहचान के किसी व्यक्ति को जानते हो, जो उसकी मदद कर सकता है?'

'मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं होगी,' उसने जवाब दिया। 'जोब्रिस्ट के शिष्य हर जगह थे और अगर मैं सिएना को सही तरीके से जानता हूँ तो वह निर्देशों को पूरा करने के लिए अपने सभी संपर्कों का इस्तेमाल करेगी।'

'तुम उसे वेनिस से बाहर जाने नहीं दे सकते।' सिंस्की ने कहा। 'हमें पता नहीं कि इस वक़्त सोलुब्लोन बैग किस स्थिति में होगा। अगर यह किसी व्यक्ति के हाथों में पड़ जाता है तो इसे छूते ही यह फट जाएगा और विषाणु पानी में प्रवेश कर जाएगा।'

थोड़ी देर के लिए वहाँ चुप्पी छा गई। लोगों को परिस्थिति की गंभीरता का अहसास हो

चुका था।
‘मुझे लगता है कि आपके लिए मेरे पास कुछ और भी बुरी खबरें हैं।’ लैंग्डन ने कहा। ‘दैवी ज्ञान वाले स्वर्ण जड़ित म्यूजियम के बारे में सिएना को पता है। वह जानती है कि हम लोग कहाँ जा रहे हैं।’ लैंग्डन ने कहा।
‘क्या?’ सिंस्की की आवाज़ में घबराहट थी। ‘मुझे लगा कि आपको सिएना को वे सारी बातें कहने का वक़्त नहीं मिला जिसकी जानकारी आपने हासिल कर ली थी। मुझे तो आपने कहा था कि आप बस उसे इतना बता पाए थे कि हम लोग गलत देश में हैं।’
‘हाँ, यह सच है।’ लैंग्डन ने कहा। ‘लेकिन वह जानती थी कि हम एनरिको डैनडोलो की कब्र को ढूँढ़ रहे थे। वेब पर थोड़े-से सर्च से उसे पता चल जाएगा कि यह जगह कहाँ है. . .वहाँ से पानी में घुलने वाला कनस्तर ज़्यादा दूर नहीं होगा। कविता में पानी के टपकने की आवाज़ के पीछे पीछे जाकर ज़मीन में धंसे महल की तलाश करने को कहा गया है।’
‘उफ, य़ह तो बड़ी मुसीबत है।’ ब्रूडर गुस्से में उबल पड़ा। वह बाहर निकल गया।
‘वह उस जगह हम से कभी नहीं जीत सकती।’ प्रोवोस्ट ने कहा। ‘हम उससे काफी आगे चल रहे हैं।’
सिंस्की ने गहरी साँस ली। ‘मैं इतने यकीन से नहीं कह सकती। हमारा जहाज़ धीमी गति से चलता है और ऐसा लगता है कि सिएना ब्रूक्स के पास साधनों की कोई कमी नहीं है।’
द मेंडेसियम अब किनारे पर लंगर डाल चुका था। लैंग्डन परेशान-सा रनवे पर खड़े अनगढ़ सी-130 जहाज़ को घूरता जा रहा था। यह उड़ने के लायक भी नहीं लग रहा था। इसमें कोई खिड़की भी नहीं थी। *मैं इस पर पहले भी चढ़ चुका हूँ।* लैंग्डन को कुछ भी याद नहीं था।
अचानक लैंग्डन को ज़ोर से उल्टी आ रही थी। वह समझ नहीं पा रहा था कि इसकी वजह किनारे पर लगते हुए जहाज़ की गति थी या हर तरफ से बंद उस जहाज़ के बारे में बढ़ती जा रही चिंता।
वह सिंस्की की ओर मुड़ा। ‘मुझे आत्मविश्वास नहीं हो रहा कि मैं हवाई यात्रा कर पाऊँगा।’
‘आप बिलकुल ठीक हैं।’ उसने कहा। ‘आज आपने काफी यातनाएँ सही हैं और आपके शरीर में ज़हरीले पदार्थ तो हैं ही।’
‘जहरीले पदार्थ?’ लैंग्डन लड़खड़ाते हुए पीछे हटा। ‘आप कैसी बातें कर रही हैं।’
सिंस्की दूसरी तरफ देखने लगी। शायद उसे जितना बोलना चाहिए था वह उससे अधिक बोल गई थी।
‘प्रोफेसर, आई एम सॉरी। दुर्भाग्यवश मुझे अभी पता चला है कि आपके स्वास्थ्य की स्थिति माथे में गोली लगने से कहीं अधिक जटिल है।’
लैंग्डन के अंदर जैसे डर का झटका लगा। बेसिलिका में जब वह फर्श पर गिरा था उस

समय फेरिस की छाती पर काले निशान के बारे में सोचने लगा।।

'मुझे कौन-सी बीमारी है?' लैंग्डन ने जानना चाहा।

सिंस्की उसे बताने से हिचकिचा रही थी। वह समझ नहीं पा रही थी कि बातों को कैसे शुरू किया जाए। 'चलिए, पहले जहाज़ में जाकर बैठते हैं।'

81

दर्शनीय फ़्रारी चर्च के ठीक पूर्वी हिस्से में बना पिएट्रो लोंघी एटेलियर। यह स्थान हमेशा से ऐतिहासिक पोशाकों, विग और नाटक के लिए ज़रूरी सामानों के लिए प्रमुख स्थान रहा है। यहाँ आने वाले ग्राहकों में फिल्म कंपनियाँ, नाटक दल और समाज के प्रभावशाली लोग शामिल थे, जो कार्नेवेल में आयोजित शानदार उत्सवों में शामिल होने के लिए यहाँ काम करने वाले स्टाफ की विशेष क्षमता पर निर्भर करते थे।

दुकानदार शाम के लिए अपनी दूकान बंद करने वाला था तभी दरवाज़े पर उसे घंटी की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। उसने देखा कि सामने सुनहरी चोटी वाली एक ख़ूबसूरत औरत खड़ी थी। वह तेज़ी से दुकान के अंदर घुसी। उसकी साँस फूल रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे वह कई मील से दौड़ती आ रही थी। वह जल्दी से काउंटर के पास पहुँची। उसकी भूरी आँखों में बेचैनी और निराशा दिखाई दे रही थी।

'मैं जोर्जियो वेंची से बात करना चाहती हूँ।' उसने हाँफते हुए कहा।

ये तो हम सभी चाहते हैं, दुकानदार ने सोचा, *लेकिन कोई भी इंसान उस जादूगर से मिल नहीं पाता।*

जोर्जियो वेंची इस एटेलियर का मुख्य डिज़ाइनर था, जो पर्दे के पीछे रहकर अपना जादू किया करता था। वह कभी कभार ही ग्राहकों से बात करता था और बिना पहले से समय लिए तो कभी नहीं। एक अत्यंत समृद्ध और प्रभावशाली व्यक्ति के नाते जोर्जियो का सनकीपन लोगों को स्वीकार्य था, जिसमें अकेले रहने की सनक भी शामिल थी। वह अकेले खाना खाता था, अकेले हवाई यात्रा करता था और वेनिस में सैलानियों की बढ़ती तादाद के बारे में हमेशा शिकायत करता था। उसे लोगों के साथ रहना पसंद नहीं था।

'माफ कीजिएगा।' दुकानदार ने आदतन मुस्कराते हुए कहा। 'वेंची साहब इस वक़्त यहाँ नहीं हैं। क्या मैं आपकी कोई सहायता कर सकता हूँ?'

'जोर्जियो यहीं हैं।' उसने ज़ोर देकर कहा। 'उनका फ़्लैट ऊपर है। मैंने वहाँ बत्ती जलती देखी है। मैं उनकी दोस्त हूँ। मुझे उनसे मिलना बहुत ही ज़रूरी है–इमरजेंसी।'

इस औरत की बातों में एक जलाने वाली तीव्रता थी। *दोस्त? दोस्ती का दावा?* 'क्या मैं जोर्जियो को आपका नाम बता सकता हूँ?'

औरत ने काउंटर पर रखी पर्ची उठाई और उस पर कई अक्षर और अंक लिख दिए।

'उन्हें ये दे दो।' उसने दुकानदार को पर्ची पकड़ाते हुए कहा।

'और हाँ, ज़रा जल्दी करना। मेरे पास ज़्यादा वक़्त नहीं है।'

दुकानदार हिचकिचाते हुए कागज़ लेकर ऊपर गया। उसने पर्ची को ऑल्टरिंग टेबल पर रख दिया, जहाँ जोर्जियो अपनी सिलाई वाली टेबल पर झुका हुआ अपने काम में डूबा हुआ था।

'*सर,*' उसने धीमी आवाज़ में कहा। 'कोई आपसे मिलने आया है। वह कह रही है कि उसे आपसे मिलना बहुत ज़रूरी है।'

अपने काम से बिना ध्यान हटाए उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया और पर्ची को पढ़ने लगा।

उसकी सिलाई मशीन अचानक रुक गई।

'उसे तुरंत ऊपर भेजो।' जोर्जियो ने हुक्म दिया। पर्ची को उसने छोटे-छोटे टुकड़ों में फाड़ दिया।

82

विशालकाय सी-130 जहाज़ अभी ऊपर की ओर चढ़ाई कर रहा था कि अचानक यह दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर मुड़ा। जहाज़ एड्रियॉटिक समुद्र के ऊपर उड़ रहा था। जहाज़ में बैठा लैंग्डन ख़ुद को एक साथ दबा दबा और खोया महसूस कर रहा था। जहाज़ में खिड़की नहीं होने की वजह से वह परेशान था और उसी वक़्त उसके दिमाग में ढेरों ऐसे सवाल उमड़ घुमड़ रहे थे जिनका जवाब उसे पता नहीं था।

तुम्हारे स्वास्थ्य की स्थिति, सिंस्की ने उससे कहा था। *सिर में लगी गोली से कहीं अधिक जटिल है।*

सिंस्की उसे क्या कहने वाली थी उसकी चिंता से लैंग्डन के दिल की धड़कन तेज़ हो गई, लेकिन इस वक़्त वह अपनी एसआरएस टीम के साथ मिलकर इस समस्या निपटने के लिए योजना बनाने में व्यस्त थी। पास ही ब्रूडर फोन पर लगा था। वह किसी सरकारी संस्था से सिएना ब्रूक्स के बारे में बात कर रहा था और उसे ढूँढ़ने की कोशिशों का जायज़ा ले रहा था।

सिएना . . .

लैंग्डन अब भी इस दावे को समझने की कोशिश कर रहा था कि सिएना इस मामले में इतनी गहराई से जुड़ी है। ऊँचाई पर पहुँचकर जहाज़ अब सीधी रेखा में चल रहा था। छोटे कद का आदमी, जो ख़ुद को प्रोवोस्ट कहता था, अपने केबिन से निकलकर लैंग्डन के सामने आकर बैठ गया। उसने अपनी टुड्डी के नीचे उंगलियाँ फँसा रखी थी। अपने होंठों को दाँत से दबाते हुए वह बोला, 'डॉक्टर सिंस्की ने मुझे तुमसे बात करने कहा है. . .तुम्हारी स्थिति को स्पष्ट करने के लिए।'

लैंग्डन समझ नहीं पा रहा था कि वह आदमी भला उसकी परिस्थिति को स्पष्ट करने के लिए उसे क्या कहने वाला था।

'जैसा मैं पहले तुमसे कह रहा था,' प्रोवोस्ट ने कहा, 'ये सब तब शुरू हुआ जब मेरी एजेंट वाएंथा ने वक़्त से पहले तुम्हें इस प्रक्रिया में शामिल कर दिया। हमें इस बात की जानकारी नहीं थी कि तुमने डॉक्टर सिंस्की के काम को कितना आगे बढ़ाया था या तुमने उनके साथ कितनी बातें साझा की थी, लेकिन हमें डर था कि अगर उसे प्रोजेक्ट का पता ठिकाना हासिल हो जाएगा जिसकी सुरक्षा का काम हमारे ग्राहक ने हमें सौंपा था तो वह उसे या तो हथिया लेगी या नष्ट कर देगी। हमें उसके पहले इसका पता करना था। इसलिए हमें अपने काम के लिए तुम्हारी ज़रूरत थी.. न कि सिंस्की के काम के लिए।' यह बोलकर प्रोवोस्ट रुका। वह अपनी उंगलियों को पोरों को थपका रहा था। 'दुर्भाग्यवश हमने अपने पत्ते पहले

ही खोल दिए थे. . .और तुम हम लोगों पर भरोसा नहीं करते थे।'

'इसलिए तुमने मेरे सिर में गोली मार दी?' लैंग्डन ने गुस्से में जवाब दिया।

'हम लोगों ने तुम्हारा भरोसा जीतने के लिए एक योजना बनाई।'

लैंग्डन को कुछ समझ में नहीं आ रहा था। 'तुम किसी को अपने ऊपर भरोसा करने के लिए मजबूर कैसे कर सकते हो. . .उसका अपहरण कर और गहरी पूछताछ कर?'

वह आदमी अब थोड़ा परेशान हो रहा था। 'प्रोफेसर, तुम बेंजोडाइजेपाइन परिवार की दवाइयों के बारे में तो जानते हो न?'

लैंग्डन ने सिर हिलाया।

'ये दवाइयाँ, दूसरी कई बीमारियों के अलावा, सदमे से उबर रहे रोगियों के इलाज में काम आती हैं। तुम जानते हो कि जब कोई व्यक्ति हादसे का शिकार होता है जैसे कि कार-दुर्घटना या यौनिक उत्पीड़न, तो व्यक्ति की दीर्घकालीन याद्दाश्त हमेशा के लिए समाप्त हो सकती है या इसे नुकसान पहुँच सकता है। बेंजोडाइजेपाइन के इस्तेमाल के द्वारा न्यूरोसाइंटिस्ट सदमे से होने वाले नुकसान का इलाज कर सकते हैं और पहले की स्थिति में उसे वापस ला सकते हैं।'

लैंग्डन चुपचाप सारी बातें सुन रहा था। उसे समझ में नहीं आ रहा था कि आख़िर ये बातचीत किस दिशा में जा रही थी।

'जब नई स्मृतियों का निर्माण होता है,' प्रोवोस्ट ने बात आगे बढ़ाई, 'तो घटनाएँ पहले 48 घंटे तक मनुष्य की अल्पकालिक स्मृति में जमा हो जाती हैं और बाद में दीर्घकालिक स्मृति में शामिल होती है। बेंजोडाइजेपाइन की नई दवाइयों के इस्तेमाल के द्वारा हम अपनी अल्पकालिक स्मृति को आसानी से ताज़ा बना सकते हैं. . .यानी कि हाल में जमा हुई स्मृतियों के दीर्घकालिक स्मृति में शामिल होने के पहले। उदाहरण के लिए अगर हमले के शिकार किसी व्यक्ति को कुछ ही घंटों के भीतर बेंजोडाइजेपाइन की दवा दी जाए तो उन स्मृतियों को हमेशा के लिए नष्ट किया जा सकता है और सदमा हमारे मस्तिष्क को प्रभावित नहीं कर पाता है। हाँ, इसका दुष्प्रभाव होता है कि व्यक्ति अपने जीवन के कई दिनों की स्मृति हमेशा के लिए खो देता है।'

लैंग्डन ने उस ठिगने आदमी की तरफ हैरानी से देखा। 'यानी तुमने मुझे विस्मृति की बीमारी दी?'

प्रोवोस्ट के मुँह से हल्की-सी आह निकली मानो वह माफी माँग रहा हो। 'हाँ, मुझे ऐसा लगता है। रासायनिक तरीके से। पूरी तरह सुरक्षित, लेकिन तात्कालिक स्मृतियों को नष्ट करने वाला।' वह रुका। 'जब तुम बाहर थे तुम प्लेग के बारे में कुछ बुदबुदा रहे थे। हमें लगा कि प्रोजेक्टर पर देखी गई तस्वीर की वजह से ऐसा हो रहा था। हमने कल्पना भी नहीं की थी कि जोब्रिस्ट ने असली प्लेग का निर्माण किया था।' वह फिर रुका। 'तुम बार-बार कुछ

दोहरा रहे थे जिसे सुनकर हमें लग रहा था जैसे तुम आई एम वेरी सॉरी, आई एम वेरी सॉरी जैसा कुछ बुदबुदा रहे थे।'

वसारी। शायद उस समय तक वह प्रोजेक्टर के बारे में बस इतना ही जान पाया था। सेरका ट्रोवा 'लेकिन . . .मुझे लगा था कि सिर में गोली लगने की वजह से मुझे विस्मृति हुई थी। किसी ने मुझे गोली मारी थी।'

प्रोवोस्ट ने सिर हिलाया। 'तुम्हें किसी ने गोली नहीं मारी, प्रोफेसर। तुम्हारे सिर में कोई चोट नहीं लगी।'

'क्या?' लैंग्डन की उंगलियाँ सिर पर लगे टाँकों और पिछले हिस्से में सूजन को महसूस करने के लिए उठी। 'फिर ये सब क्या है?' उसने अपने बाल उठाकर मुंडे हुए हिस्से को दिखाया।

'यह भी नाटक का हिस्सा है।' प्रोवोस्ट ने कहा, 'हम लोगों ने तुम्हारे माथे पर यूँ ही छोटा-सा चीरा लगाकर उसे सिल दिया। तुम्हें यकीन दिलाना था कि तुम्हारे ऊपर हमला हुआ है।'

तो यह गोली लगने का निशान नहीं है?

'जब तुम होश में आए,' प्रोवोस्ट ने कहा, 'हम तुम्हें यकीन दिलाना चाहते थे कि लोग तुम्हें मारना चाहते हैं. . .और तुम्हारी जान ख़तरे में है।'

'लोग मुझे मारना चाहते थे!' लैंग्डन ने चिल्लाकर कहा। उसकी तेज़ आवाज़ ने हवाई जहाज़ में सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। 'मैंने अस्पताल के के भीतर डॉक्टर मार्कोनी की बेरहमी से हत्या होते हुए देखी।'

'हाँ, ये तुमने देखा।' प्रोवोस्ट ने संयत स्वर में कहा। 'लेकिन यह वास्तविकता नहीं थी। वाएंथा मेरे लिए काम करती थी। इस तरह के कामों के लिए उसमें अद्भुत प्रतिभा थी।'

'लोगों को मारने की प्रतिभा?' लैंग्डन ने सवाल पूछा।

'नहीं।' प्रोवोस्ट ने शांति से कहा। 'लोगों को मारने का नाटक करना।'

लैंग्डन उस आदमी को देर तक घूरता रहा। वह पकी दाढ़ी और घनी भौंहों वाले डॉक्टर की कल्पना कर रहा था, जो फर्श पर गिरा और उसकी छाती से खून का फव्वारा छूट गया।

'वाएंथा की बंदूक में नकली गोली भरी थी।' प्रोवोस्ट ने कहा। 'इसने रेडियो से चलने वाले एक पलीते को सक्रिय कर दिया जिसने डॉक्टर मार्कोनी की छाती में छिपाकर रखे गए खून के थैले को फोड़ दिया। वैसे वह बिलकुल ठीक हैं। स्वस्थ।'

लैंग्डन ने आँखें बंद कर ली। वह इन बातों को सुनकर हैरान था। 'और अस्पताल. . .का कमरा?'

'वह भी बहुत कम समय में बनाया गया नाटक का सेट था।' प्रोवोस्ट ने कहा। 'प्रोफेसर, मैं जानता हूँ कि इन सब पर विश्वास कर पाना बहुत मुश्किल है। हम लोग काफी तेज़ी से काम

कर रहे थे। तुम आधी बेहोशी की हालत में थे। इसलिए इसे पूर्ण होना भी ज़रूरी नहीं था। जब तुम होश में आए तो तुमने वही देखा, जो हम तुम्हें दिखाना चाहते थे–अस्पताल का सेट, कुछ एक्टर और हमले का एक नकली दृश्य।'

लैंग्डन का सिर चकरा रहा था।

'मेरी कंपनी यही करती है।' प्रोवोस्ट ने कहा। 'हम दृष्टिभ्रम पैदा करने में माहिर हैं।'

'और सिएना की क्या कहानी है?' लैंग्डन ने हाथ मलते हुए सवाल पूछा।

'मुझे इस बारे में अपने लिए एक फैसला करना था और मैंने उसके साथ मिलकर काम करने का फैसला किया। अपने ग्राहक के प्रोजेक्ट को डॉक्टर सिंस्की के हाथ में पड़ने से बचाना मेरी प्राथमिकता थी। सिएना भी यही चाहती थी। तुम्हारा भरोसा हासिल करने के लिए सिएना ने तुम्हें हमलावर से बचाया और पीछे की गली से होकर वहाँ से भागने में मदद की। वहाँ इंतज़ार कर रही टैक्सी भी हमारी थी। इसमें भी पिछले शीशे पर रेडियो से नियंत्रित पलीते लगाया गया था, जो तुम्हारे भागते हुए आख़िरी प्रभाव पैदा करने के लिए किया गया था। टैक्सी तुम्हें उसी अपार्टमेंट में लेकर गई जिसकी व्यवस्था हमने आनन फानन में की।'

सिएना का अपार्टमेंट, लैंग्डन सोचने लगा। अब उसे समझ में आ रहा था कि इसे देखकर ऐसा क्यों लगता था मानो कबाड़ी की दूकान से सामान लाकर इसे सजाया गया हो। उसके पड़ोसी के कपड़े उसे बिलकुल फिट हो रहे थे, इसकी भी व्याख्या आसानी से हो रही थी।

पूरा घटनाक्रम एक नाटक था।

सिएना के दोस्त ने बेचैन होकर, जो फोन किया था वह भी नकली था। *सिएना, इज दानिकोवा!*

'जब तुमने अमेरिकी कांसुलेट को फोन किया,' प्रोवोस्ट ने कहा, 'तो वह फोन नंबर वही था जिसकी सिएना ने व्यवस्था की थी। यह फोन दरअसल *द मेंडेसियम* पर बज रहा था।'

'मैंने कांसुलेट फोन नहीं किया था. . .'

'नहीं।'

नकली कांसुलेट के कर्मचारियों ने उससे कहा था, *जहाँ हो वहीं रहो। मैं तुम्हारे लिए फौरन मदद भेजता हूँ।* इसके बाद सिएना वहाँ आ गई। गली की दूसरी तरफ जादुई ढंग से सिएना प्रकट हो गई। इस तरह घटनाओं का तार जुड़ रहा था। *रॉबर्ट, तुम्हारी अपनी ही सरकार तुम्हें मारना चाहती है। तुम इसमें किसी ऑफिस को शामिल नहीं कर सकते। तुम्हारे लिए बचने का एक ही रास्ता है– पता लगाना कि प्रोजेक्टर का क्या मतलब है।*

प्रोवोस्ट और उसके रहस्यमय संगठन ने, भले ही वह कुछ भी हो, लैंग्डन को सिंस्की का काम करने से रोककर अपने काम में लगा दिया था। इसमें वे कामयाब रहे थे।

सिएना ने अच्छी तरह मेरी आँख में धूल झोंकी, वह सोच रहा था। वह गुस्से से अधिक

उदास हो रहा था। वे थोड़े वक़्त के लिए ही साथ रहे थे, लेकिन लैंग्डन को सिएना अच्छी लगने लगी थी। लैंग्डन को सबसे अधिक तकलीफ इस बात से हो रही थी कि आख़िर सिएना के जैसी प्रतिभाशाली और जीवंत महिला कैसे जोब्रिस्ट के द्वारा अत्यधिक आबादी के निदान के लिए सुझाए गए घृणास्पद समाधान के बहकावे में आ गई।

मैं आपको बिना किसी संदेह के बता सकती हूँ, सिएना ने उससे कहा था, कि बिना कठोर कदम उठाए हम मानव प्रजाति को विनाश से नहीं बचा सकते. . .गणित के बिना काम नहीं चल सकता।

'और सिएना के बारे में छपे लेख?' लैंग्डन ने पूछा। वह शेक्सपियर के नाटक के टिकट और उसके सामान्य से बहुत अधिक आईक्यू के बारे में छपे लेखों के बारे में सोच रहा था।

'बिलकुल असली।' प्रोवोस्ट ने जवाब दिया। 'सबसे कामयाब दृष्टिभ्रम वही होता है, जिसमें असली दुनिया के तथ्यों का इस्तेमाल किया गया हो। हमें नकली व्यवस्था करने का वक़्त नहीं मिला। इसलिए हमने सिएना के कंप्यूटर और असली फाइलों के साथ ही ऐसा दृश्य रचने की कोशिश की। तुम उन्हें तब तक देखने की ज़रूरत महसूस नहीं करते जब तक तुम्हें सिएना की विश्वसनीयता पर संदेह नहीं होता।'

'और न उसके कंप्यूटर का इस्तेमाल करता।' लैंग्डन ने कहा।

'हाँ और यहीं पर हमने अपना नियंत्रण खो दिया। सिएना को उम्मीद नहीं थी कि सिंस्की की एसआरएस टीम उसके अपार्टमेंट को ढूँढ़ लेगी। इसलिए जब सिपाही उसके अपार्टमेंट में घुसे तो सिएना घबरा गई। उसे अचानक कुछ नया नाटक करना पड़ा, ताकि दृष्टिभ्रम बना रहे। उसे तुम्हारे साथ मोपेड पर भागना पड़ा। उस समय भी वह इस विभ्रम को बनाए रखना चाहती थी। जब इस मिशन में गड़बड़ी होने लगी तो मुझे वाएंथा को निकालने के सिवा दूसरा कोई उपाय नज़र नहीं आया, हालाँकि वह प्रोटोकॉल तोड़कर तुम्हारा पीछा करती रही।'

'उसने तो मेरी जान ही ले ली थी।' लैंग्डन ने कहा। उसने प्रोवोस्ट को पालात्ज़ो वेखियो की बरसाती में हुई भिड़ंत की कहानी बताई, जहाँ वाएंथा ने बिलकुल सामने से आकर लैंग्डन की छाती में गोली मारी थी। *इससे बस थोड़ी देर के लिए तकलीफ होगी. . .लेकिन मेरे पास दूसरा चारा नहीं।* इसके बाद सिएना तेज़ी से बाहर निकली थी और उसने वाएंथा को धक्का देकर मौत की गोद में भेज दिया था।

प्रोवोस्ट ने गहरी आह भरी। वह लैंग्डन के द्वारा कही बातों के बारे में सोच रहा था। 'मुझे नहीं लगता कि वाएंथा तुम्हें मारने की कोशिश कर रही थी. . .उसकी बंदूक से केवल नकली गोली निकलती है। उस समय तुम्हें अपने कब्जे में लेना ही उसे अपनी मुक्ति का एकमात्र रास्ता नज़र आ रहा था। उसने शायद सोचा कि तुम पर खाली गोली चलाकर वह तुम्हें समझा पाएगी कि तुम दृष्टि-भ्रम के शिकार हो और वह तुम्हारी हत्या के लिए वहाँ नहीं

आई है।

यह बोलकर प्रोवोस्ट रुका। वह कुछ सोचने लगा और फिर उसने बोलना शुरू किया। 'सिएना सचमुच वाएंथा को मारना चाहती थी या गोली को रोकने की कोशिश कर रही थी, मैं इसके बारे में कोई अनुमान नहीं लगाऊँगा। मुझे अब लगने लगा है कि मैं सिएना ब्रूक्स को शायद उतनी अच्छी तरह नहीं जानता था जितना कि मैं सोचता था।'

शायद मैं भी नहीं, लैंग्डन ने सहमति ज़ाहिर की। वैसे जब उसने सिएना के चेहरे पर उस वक़्त पछतावे का, जो भाव दिखाई दे रहा था उस से लगता था कि नुकीले बालों वाली उस औरत के साथ उसने, जो कुछ किया शायद वह एक गलती थी।

लैंग्डन ख़ुद को अकेला और अधर में लटका हुआ महसूस कर रहा था। उसके मन में खिड़की से नीचे की ओर देखने की तीव्र इच्छा उठी, लेकिन जब वह मुड़ा तो उसे जहाज़ की दीवार के अलावा कुछ भी नहीं दिखाई दिया।

मुझे यहाँ से बाहर निकलना है।

'तुम ठीक तो हो,' प्रोवोस्ट ने लैंग्डन की तरफ चिंतित होकर देखा।

'नहीं।' लैंग्डन ने जवाब दिया। 'बिलकुल नहीं।'

वह बच जाएगा, प्रोवोस्ट ने सोचा। *वह अपनी नई वास्तविकता को समझने की कोशिश कर रहा है।*

अमेरिकी प्रोफेसर ने उसकी तरफ इस तरह देखा जैसे किसी तूफान ने उसे ज़मीन से उठाकर किसी दूसरे देश की ज़मीन पर लाकर पटक दिया हो। वह अपने आपको सदमे में और दिशाहीन महसूस कर रहा था।

कंसोर्शियम जिन लोगों पर कार्रवाई करता थे उन्हें शायद ही कभी उन नकली घटनाक्रमों के बारे में पता चलता था जिनका नाटक उनके सामने करवाया जाता था और अगर वे समझ भी लेते थे तो इसका असर देखने के लिए प्रोवोस्ट वहाँ कभी मौजूद नहीं होता था, लेकिन आज अपनी आँखों के सामने लैंग्डन की हालत देखकर वह ख़ुद को अपराधी महसूस कर रहा था। इस वक़्त वह वर्तमान संकट के लिए अपने को कोस रहा था।

मैंने गलत ग्राहक के लिए काम करना स्वीकार किया। बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट।

मैंने गलत व्यक्ति पर भरोसा किया। सिएना ब्रूक्स।

अब प्रोवोस्ट उस संभावित तूफान के केंद्र की ओर जा रहा था, जिसमें भयंकर प्लेग का पता चलने वाला था, जो पूरी दुनिया में तबाही मचा सकता था। अगर इस संकट से वह ज़िंदा बचकर निकल जाए तो उसे शक था कि कंसोर्शियम इसके परिणामों से कभी उबर

पाएगा। उसे शायद अंतहीन आरोपों और सवालों का सामना करना पड़ेगा।

क्या मेरा अंत इसी तरह होने वाला है?

83

*मुझे हवा चाहिए. . .*बाहर का नजारा..लैंग्डन सोच रहा था।

जहाज़ के अंदर देखते हुए उसे लग रहा था जैसे इसकी दीवारें सिमट-कर उसे खाने के लिए आमादा हो।

बेशक, आपबीती के बारे में उसने, जो अजीब-सी कहानी सुनी थी उससे भी उसे कोई फायदा नहीं हो रहा था। उसके दिमाग में ऐसे सवाल उमड़ घुमड़ रहे थे, जिनका कोई जवाब उसके पास नहीं था. . .जिनमें से ज्यादातर सवाल सिएना के बारे में थे।

अजीब बात थी कि उसका न होना उसे अंदर से साल रहा था।

वह नाटक कर रही थी, मेरा इस्तेमाल कर रही थीं, उसने अपने आपको याद दिलाया।

लैंग्डन बिना कुछ बोले अपनी सीट से उठा और जहाज़ के सामने वाले हिस्से की ओर जाने लगा। कॉकपिट का दरवाज़ा खुला था। वहाँ से आ रही प्राकृतिक रोशनी उसे अपनी ओर खींच रही थी। कॉकपिट की दहलीज पर खड़े लैंग्डन पर पायलट की नज़र नहीं पड़ी थी। सूरज की रोशनी चेहरे पर गिरने से उसे गर्माहट महसूस हो रही थी। सामने खुली जगह उसे जैसे ईश्वर का उपहार लग रही थी। साफ, नीला आसमान कितना शांतिदायक . . .और स्थाई लग रहा था।

कुछ भी स्थाई नहीं होता, उसने ख़ुद को याद दिलाया। वह अब भी उस संभावित ख़तरे की संभावना को स्वीकार नहीं कर पा रहा था, जो उनके सामने मुँह बाए खड़ा था।

'प्रोफेसर,' पीछे से किसी की सधी हुई आवाज़ सुनाई दी। वह पीछे मुड़ा।

लैंग्डन घबराकर पीछे मुड़ा। उसके सामने डॉक्टर फेरिस खड़ा था। आख़िरी बार लैंग्डन ने उसे सेंट मार्क बेसिलिका की फर्श पर छटपटाता हुआ देखा था। उसे साँस लेने में मुश्किल हो रही थी। अब इस वक़्त वह जहाज़ में दीवार से सटकर उसके सामने खड़ा था। उसने बेसबॉल वाली टोपी पहन रखी थी। उसके चेहरे पर गुलाबी रंग का कैलामाइन लोशन लगा था। वह तेज़ी से साँस ले रहा था। अगर फेरिस को प्लेग हुआ था तब भी ऐसा लग रहा था जैसे किसी को इसकी कोई चिंता नहीं थी कि वह इस बीमारी को फैलाने वाला था।

'तुम *ज़िंदा* हो?' लैंग्डन ने उसे घूरते हुए कहा।

फेरिस ने उस पर थकी-सी नज़र डाली। 'हाँ मिला जुला कर।' उस व्यक्ति का आचरण नाटकीय ढंग से बदल चुका था। उसके चेहरे पर कोई परेशानी नज़र नहीं आ रही थी।

'लेकिन मुझे लगा था. . .' लैंग्डन बोलते बोलते रुक गया। 'दरअसल अब मैं समझ नहीं पा रहा कि मुझे क्या सोचना चाहिए।'

फेरिस ने उसकी ओर सहानुभूति से देखा। 'आज आपने ढेरों झूठ सुने हैं। मैंने सोचा कि मैं

आपसे माफी माँग लूं। वैसे तो आप समझ चुके होंगे कि मैं विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए काम नहीं करता और न ही मैं आपको इसमें भर्ती करने के लिए कैंब्रिज गया था।'

लैंग्डन ने सिर हिलाया। वह इतना थक चुका था कि उसे अब किसी बात पर आश्चर्य नहीं हो रहा था। 'तुम प्रोवोस्ट के लिए काम करते हो?'

'हाँ, मैं उसी के लिए काम करता हूँ। उसने मुझे सिएना और तुमको इमरजेंसी फील्ड सपोर्ट के लिए और . . .एसआरएस टीम से बचाने के लिए भेजा था।'

'तो मुझे लगता है कि तुमने अपना काम अच्छी तरह पूरा किया।' लैंग्डन ने कहा। उसे याद आया कि किस तरह वह बापतिस्मा वाली जगह पर पहुँचा और उसने लैंग्डन को विश्व स्वास्थ्य संगठन का कर्मचारी होने का भरोसा दिलाया। इसके बाद उसने फ्लोरेंस से सिंस्की की टीम से बचकर भागने में सिएना और उसकी सहायता की। 'ज़ाहिर है कि तुम डॉक्टर नहीं हो।'

उस व्यक्ति ने अपना सिर हिलाया। 'लेकिन आज मैंने डॉक्टर की भूमिका निभाई। दृष्टिभ्रम को बनाए रखने में सिएना की मदद करना मेरी ड्यूटी थी, ताकि आप बता सकें कि प्रोजेक्टर किस जगह की ओर इशारा कर रहा था। प्रोवोस्ट जोब्रिस्ट द्वारा बनाए प्लेग के ठिकाने को जानने के लिए कटिबद्ध था, ताकि सिंस्की इसे हासिल नहीं कर सके।'

'तुम्हें इस बात का ज़रा भी अंदेशा नहीं था कि यह प्लेग है?' लैंग्डन ने कहा। वह अब भी फेरिस के अजीबो-गरीब चकत्ते और भीतरी हिस्सों से हो रहे रक्तस्राव के बारे में जानने को उत्सुक था।

'बिलकुल नहीं। जब तुमने प्लेग की चर्चा की तो मुझे लगा कि तुम्हारा उत्साह बनाए रखने के लिए सिएना ने यह कहानी गढ़ी थी। इसलिए मैं भी तुम्हारी हाँ में हाँ मिलाता गया। मैं बाकी सभी लोगों के साथ वेनिस की ट्रेन में बैठ गया. . .और फिर सब कुछ बदल गया।'

'ऐसा कैसे?'

'प्रोवोस्ट ने जोब्रिस्ट के उस अजीब वीडियो को देख लिया।'

इस तरीके से यह मुमकिन है। 'वह समझ गया कि जोब्रिस्ट पागल इंसान था।'

'बिलकुल सही। प्रोवोस्ट को समझ में आ गया कि कंसोर्शियम किस तरह के काम में शामिल हो चुका था। वह बुरी तरह से घबरा गया। उसने तुरंत उस आदमी से बात करवाने को कहा, जो जोब्रिस्ट को सबसे अच्छी तरह से जानता था–एफएस 2080. वह जानना चाहता था कि उसे जोब्रिस्ट की करतूत के बारे में पता था या नहीं।'

'एफएस-2080'

'माफ कीजिएगा, मेरा मतलब था सिएना ब्रूक्स। उसने इस ऑपरेशन का यही नाम दिया था। यह ट्रांसह्यूमेनिस्टों जैसी चीज़ थी और प्रोवोस्ट सिएना के पास मेरे अलावा किसी दूसरे तरीके से नहीं पहुँच सकता था।'

‘और ट्रेन पर आया फोन कॉल, तुम्हारी बीमार माँ?’ लैंग्डन ने पूछा।

‘ज़ाहिर है कि मैं तुम्हारे सामने प्रोवोस्ट का फोन रिसीव नहीं कर सकता था। इसलिए मैं बाहर निकल आया। उसने मुझे वीडियो के बारे में बताया। मैं घबरा गया। वह उम्मीद कर रहा था कि सिएना भी ठगी गई होगी, लेकिन जब मैंने उसे बताया कि तुम और सिएना प्लेग के बारे में बातें कर रहे थे और तुम्हारा इस मिशन को छोड़ने का कोई इरादा नहीं था तभी वह समझ गया कि इस मिशन में सिएना जोब्रिस्ट के साथ मिली हुई थी। सिएना तुरंत उसकी दुश्मन बन गई। उसने मुझसे वेनिस में तुम्हारे बारे में लगातार जानकारी देते रहने को कहा। उसने मुझे बताया कि वह उसे गिरफ्तार करने के लिए एक टीम को भेज रहा था। एजेंट ब्रूडर की टीम सेंट मार्क बेसिलिका में उसे पकड़ने ही वाली थी..लेकिन वह बच निकली।’

‘लैंग्डन फर्श की ओर बेमतलब घूरता जा रहा था। उसे अब भी वहाँ से भागने के पहले सिएना की ख़ूबसूरत भूरी आँखें अपनी ओर निहारती दिखाई दे रही थी।

*आई एम सो सॉरी, रॉबर्ट, फॉर एवरीथिंग. . .*मुझे माफ करना लैंग्डन, मेरी सारी गलतियों के लिए माफ करना।

‘वह काफी मज़बूत है।’ उस आदमी ने कहा। ‘शायद तुमने बेसिलिका में उसे मेरे ऊपर हमला करते हुए नहीं देखा था।’

‘तुम्हारे ऊपर हमला?’

‘हाँ, जब सिपाही अंदर घुसे तो मैं चिल्लाकर सिएना कहाँ है यह बताने ही वाला था, लेकिन उसे इसका अंदाज़ा लग चुका था। उसने अपनी हथेली से पूरी ताकत लगाकर मेरी छाती के बीचों बीच मारा था।’

‘क्या?’

‘मैं समझ नहीं पाया कि मुझे किस चीज़ से चोट लगी थी। लगता है यह एक प्रकार का मार्शल-आर्ट वाला कोई दांव था। मुझे वहाँ काफी चोट लगी और मुझे काफी दर्द भी हो रहा था। मुझे संभालने में पाँच मिनट का समय लग गया। चश्मदीद गवाह वहाँ की घटनाओं के बारे में कुछ बता सकता उसके पहले ही सिएना तुम्हें घसीटकर बालकनी में ले कर चली गई।’

लैंग्डन सन्न रह गया। वह उस इतालवी महिला के बारे में सोचने लगा जिसने चिल्लाकर उसे कुछ कहा था–लहे कोलपिटो अल पेट्टो। यह बोलते हुए वह बूढ़ी औरत अपने हाथों से ज़ोर-ज़ोर से छाती की तरफ इशारा कर रही थी।

‘मैं यह नहीं कर सकती।’ सिएना ने जवाब दिया था। *छाती दबाने पर उसकी मौत हो सकती है। उसकी छाती तो देखो!*

लैंग्डन अपने मन में उस दृश्य को दोहराने लगा। उसे याद आया कि सिएना कितनी जल्दी

चीज़ों के बारे में सोच लेती थी। उस बुढ़िया के इतालवी वाक्य को उसने बड़ी होशियारी से गलत अनुवाद कर सुना दिया था।

लहे कोलपिटो अल पेट्टो। का मतलब यह नहीं था कि वह सिएना को उसकी छाती दबाने कह रही थी, बल्कि वह गुस्से में उस पर आरोप लगा ऱही थी कि *तुमने उसकी छाती में मुक्का मारा।*

उस अफरा-तफरी के बीच, लैंग्डन को यह दिखाई भी नहीं पड़ा था।

फेरिस ने उसकी तरफ मुस्कराते हुए देखा। उसके आँखों में उदासी झाँक रही थी। 'शायद तुमने सुना होगा कि सिएना बहुत होशियार और चालाक थी।'

'हाँ, मैंने सुना है।' लैंग्डन ने सहमति ज़ाहिर की।

'सिंस्की के लोग मुझे *द मेंडेसियम* पर लेकर आ गए और मेरी मरहम पट्टी की। प्रोवोस्ट ने मुझे खुफिया सहायता के लिए साथ आने को कहा, क्योंकि तुम्हारे अलावा मैंने ही आज सिएना के साथ वक़्त बिताया है।'

लैंग्डन ने सिर हिलाया। उस व्यक्ति के शरीर पर उभरे चकत्ते उसका ध्यान भटका रहे थे। 'तुम्हारा चेहरा? और तुम्हारी छाती पर दिखने वाला चोट का निशान। क्या यह. . .'

'प्लेग?' फेरिस ज़ोर से हँसने लगा। उसने अपना सिर हिलाया। 'मुझे नहीं पता कि तुम्हें किसी ने अभी तक यह बताया है या नहीं, लेकिन मैंने आज दो डॉक्टरों की भूमिका निभाई।'

'क्या, मैं समझा नहीं।'

'जब मैं बापतिस्मा वाली जगह पर पहुँचा, तो तुमने कहा था कि मेरा चेहरा थोड़ा जाना पहचाना लगता है।'

'हाँ, मुझे ऐसा लगा था। थोड़ा थोड़ा। ख़ासकर तुम्हारी आँखें। तुमने कहा कि ऐसा इसलिए लगा था, क्योंकि मैंने ही तुम्हें कैंब्रिज में काम पर रखा था।' यह बोलकर लैंग्डन चुप हो गया। 'जिसके बारे में मैं समझ चुका हूँ कि इसमें कोई सचाई नहीं। इसलिए. . .'

'मेरा चेहरा जाना-पहचाना इसलिए लग रहा था, क्योंकि हम कभी मिले थे, लेकिन केंब्रिज में नहीं।' वह आदमी लैंग्डन के चेहरे पर आए बदलावों का अध्ययन कर रहा था कि उसे कुछ याद आया या नहीं। 'दरअसल आज सुबह जगने के बाद अस्पताल में तुमने सबसे पहले मुझे ही देखा था।'

लैंग्डन की आँखों के सामने अस्पताल का वह छोटा-सा, डरावना कमरा तैरने लगा। वह आधी नींद की हालत में था और उसकी नज़र भी कमज़ोर हो गई थी, लेकिन उसे पूरी तरह यकीन था कि जागने के बाद उसने जिस व्यक्ति को सबसे पहले देखा वह अधिक बूढ़ा लग रहा था और उसके चेहरे पर पीलापन दिखाई दे रहा था। उसके चेहरे पर बेतरतीब अधपकी दाढ़ी थी। वह सिर्फ इतालवी जानता था।

'नहीं।' लैंग्डन ने कहा। 'नींद से जागने के बाद मैंने सबसे पहले डॉक्टर मार्कोनी को. . .'

'*माफ कीजिएगा, प्रोफेसर*' उस व्यक्ति ने धाराप्रवाह इतालवी बोलते हुए उसे रोका। '*लेकिन आप मुझे पहचान नहीं पा रहे?*' वह बूढ़े आदमी की तरह झुककर अपनी काल्पनिक भौंहों को सहलाने लगा। साथ ही वह अपनी काल्पनिक पकी दाढ़ी पर भी हाथ फिराने लगा। '*मैं डॉक्टर मार्कोनी हूँ।*'

लैंग्डन का मुँह खुला का खुला रह गया। 'तुम्ही डॉक्टर मार्कोनी हो?'

'यही वजह है कि मेरी आँखें आपको जानी पहचानी लग रही थी। मैंने कभी नकली दाढ़ी और भौहें नहीं लगाई हैं। जब तक मुझे पता चलता कि मुझे चेहरे पर इन्हें चिपकाने वाले लैटेक्स स्पिरिट गोंद से एलर्जी है, तब तक देर हो चुकी थी। इसकी वजह से मेरी चमड़ी छिल गई और मुझे जलन का अनुभव होने लगा। मैं जानता हूँ कि मुझे देखकर तुम काफी घबरा गए थे। ख़ासकर इस वजह से, क्योंकि तुम प्लेग की तलाश में लगे थे।

लैंग्डन के पास उसे घूरने के सिवा कोई चारा नहीं था। उसे याद आया कि डॉक्टर मार्कोनी वाएंथा के हमले में ज़मीन पर गिरने के पहले किस तरह अपनी दाढ़ी खुजला रहे थे। उनकी छाती से खून बह रहा था।

'हालात और भी खराब हो गए जब ऑपरेशन के दौरान खून का थैला अपनी जगह से हिल गया। मैं इसे समय रहते सही जगह पर नहीं लगा पाया और यह टेढ़ा हो गया। जब यह फूटा तो मैं तिरछा खड़ा था। इसकी वजह से मेरी छाती की एक हड्डी टूट गई और मुझे काफी खरोंच भी आई। मुझे दिन-भर साँस लेने में मुश्किल होती रही है।'

और कहाँ मैं सोच रहा था कि तुम्हें प्लेग है।

उस आदमी ने गहरी साँस ली और मुँह बनाते हुए बोला, 'मुझे लगता है कि मेरे बैठने का वक़्त हो चुका है।' वहाँ से जाते हुए उसने लैंग्डन की तरफ इशारा किया। 'ऐसा लगता है कि तुम्हें साथी मिल गए हैं।'

लैंग्डन जब मुड़ा तो उसे अपने सामने डॉक्टर सिंस्की दिखाई दी, जो केबिन की ओर तेज़ी से आ रही थी। उसके लंबे, सफेद बाल पीछे की ओर उड़ रहे थे। 'प्रोफेसर, तो आप यहाँ हैं।'

वैसे तो विश्व स्वास्थ्य संगठन की निदेशक थकी हुई लग रही थी, लेकिन लैंग्डन ने उसकी आँखों में उम्मीद की एक नई चमक भी देखी। *उसे कुछ मिला है।*

'माफ कीजिएगा, मैं आपको छोड़कर चली गई।' सिंस्की लैंग्डन के पास आते हुए बोली। 'हम लोग कुछ रिसर्च में लगे थे और साथ ही कुछ लोगों के साथ तालमेल भी बिठा रहे थे।' उसने कॉकपिट के खुले दरवाज़े की ओर इशारा करते हुए कहा, 'मैं देख रही हूँ कि आपको थोड़ी धूप भी मिल रही है।'

लैंग्डन ने अपने कंधे उचकाए। 'आपके जहाज़ को खिड़कियों की ज़रूरत है।'

वह लैंग्डन को देखकर सहानुभूतिपूर्वक ढंग से मुस्कराई। 'जहाँ तक रोशनी का सवाल है, मुझे उम्मीद है कि प्रोवोस्ट ने हाल की घटनाओं पर थोड़ा प्रकाश डाला होगा।'

'हाँ, लेकिन इनमें से किसी बात से मुझे खुशी नहीं हुई।'

'और न मुझे।' उसने सहमति जताई। उसने चारों तरफ देखने के लिए नज़र दौड़ाया कि आसपास कोई और तो नहीं।

'मेरा यकीन मानो।' उसने फुसफुसाकर कहा। 'उसके और उसके संगठन के लिए इसके काफी गंभीर परिणाम होने वाले हैं। मैं इसे सुनिश्चित करूँगी, लेकिन इस वक़्त, हम सब को फूटकर दुनिया में महामारी फैलाने के पहले उस कंटेनर को ढूँढ़ने पर ध्यान केंद्रित करना है।'

या सिएना के वहाँ पहुँचने और उसे पानी में घुलने में सहायता करने से पहले. . .

'मुझे उस इमारत के बारे में तुमसे बात करनी है, जहाँ डैनडोलो की कब्र है।'

लैंग्डन उसी समय से अपने मन में इस दर्शनीय इमारत का खाका बना रहा था, जब उसे पता चला था कि यही उनकी मंज़िल थी। पवित्र ज्ञान का म्यूजियम।

'मुझे अभी-अभी एक उत्साहवर्धक जानकारी मिली है।' सिंस्की ने कहा। 'हम एक स्थानीय इतिहासकार से फोन पर बातचीत कर रहे थे।' उसने कहा। 'उसे इस बात की कोई जानकारी नहीं कि हम डैनडोलो की कब्र क्यों ढूँढ़ रहे हैं, लेकिन मैंने पूछा कि इस कब्र के नीचे क्या है, वह इसके बारे में कुछ जानता है? सोचो उसने क्या कहा?' वह मुस्कराई। 'पानी।'

लैंग्डन यह सुनकर हैरान हो गया। 'सचमुच?'

'हाँ, ऐसा लगता है कि इस इमारत के निचले तल्लों में पानी भरा है। सदियों की अवधि में इस इमारत के नीचे पानी का स्तर ऊपर आ गया है। इस क्रम में इसके दो तल्ले पानी में डूब गए हैं। उसने बताया कि आँशिक रूप से डूबी इस इमारत में कई तरह के एयर-पॉकेट हैं।'

हे भगवान। लैंग्डन की आँखों के सामने जोब्रिस्ट का वीडियो कौंध गया, जिसमें अजीब ढंग से चमक रहे ज़मीन के भीतर बनी गुफा दिखाई गई थी। इसकी काई लगी दीवारों पर उसने लंबे लंबे खंभों की धुंधली परछाई देखी थी। 'यह पानी के अंदर डूबे हुए कमरे का दृश्य है।'

'बिलकुल सही।'

'लेकिन . . .जोब्रिस्ट वहाँ पहुँचा कैसे?'

सिंस्की की आँखों में चमक आ गई। 'यही तो इसका सबसे अद्भुत हिस्सा है। हमने, जो पता लगाया है उसे सुनकर तुम्हें विश्वास नहीं होगा।'

ठीक उसी समय वेनिस के तट से एक मील से भी कम दूरी पर छोटे-से टापू लीडो से एक सेसना साइटेशन मुस्टंग जहाज़ निचेली एयरपोर्ट से उड़ान भरकर शाम के धुंधले आकाश में चला जा रहा था।

जेट का मालिक मशहूर कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर जोर्जियो वेंची जहाज़ पर सवार नहीं था, लेकिन उसने अपने पायलटों को जहाज़ में बैठे ख़ूबसूरत यात्री को उसकी मनचाही जगह पर ले जाने का हुक्म दे रखा था।

84

प्राचीन बाइजेंटाइन की राजधानी रात के आगोश में जा चुकी थी। मारमारा समुद्र के किनारे किनारे रोशनी जल चुकी थी जिससे वहाँ बनी मस्जिदों और उनकी छरहरी मीनारें दमक रही थी। यह अक्सम का वक़्त था। शहर में हर तरफ लाउडस्पीकरों से अजान की आवाज़ सुनाई दे रही थी।

ला इलाहा इल्ला अल्लाह।

एक ईश्वर के सिवा दूसरा कोई ईश्वर नहीं।

आस्थावान लोग जल्दी-जल्दी मस्जिद की ओर भाग रहे थे, वहीं शहर के दूसरे हिस्सों में ज़िंदगी अपनी रफ्तार से चली जा रही थी। यूनिवर्सिटी के छात्र बीयर पी रहे थे, दुकानदार सौदेबाजी में लगे थे और व्यापारी मसालों और कपड़ों की बिक्री में मशगूल थे। सैलानी इस सब को हैरानी भरी नज़रों से देख रहे थे।

यहाँ की दुनिया बंटी हुई थी। दो विपरीत शक्तियाँ–धार्मिक और सेकुलर, प्राचीन और आधुनिक, पूर्वी और पश्चिमी। यूरोप और एशिया की भौगोलिक सीमाओं के बीच बसा, समय की सीमाओं के परे यह शहर जैसे पुरानी दुनिया को इपने से भी पुरानी दुनिया से जोड़ने वाले पुल की तरह लगता था।

इस्तांबुल।

वैसे तो अब यह तुर्की की राजधानी नहीं थी, लेकिन कई सदियों तक यह तीन अलग-अलग साम्राज्यों, बाइजेंटाइन, रोमन और ऑटोमन, का हृदय-स्थल रही थी। इसी वजह से शायद इस्तांबुल को ऐतिहासिक रूप से दुनिया का सबसे विविधतापूर्ण स्थान माना जाता था। टोपकापी महल से लेकर नीली-मस्जिद और सेवन वंडर्स के किले तक इस शहर में युद्ध, गौरवगाथा और पराजय की गाथाएँ गूँजती रहती थी।

लोगों की भीड़भाड़ से ऊपर आसमान में आज की रात C130 मालवाहक जहाज़ नीचे उतर रहा था। अतातुर्क हवाई अड्डे पर उतरने के ठीक पहले तूफान आने की संभावना भी बन रही थी। कॉकपिट के भीतर पायलट के पीछे बने जंपसीट पर बैठा लैंग्डन विंडशील्ड से बाहर की ओर देख रहा था। सामने का दृश्य दिखाने वाली सीट पर बैठकर उसे थोड़ी राहत महसूस हो रही थी।

जहाज़ की पिछली सीट पर करीब एक घंटे तक ऊँघते हुए आराम करने के बाद उसने थोड़ा-सा खाना खाया था। अब उसे अंदर से ताजगी महसूस हो रही थी।

इस वक़्त अपनी दाहिनी तरफ उसे इस्तांबुल की रोशनी दिखाई दे रही थी। इस्तांबुल मारमारा के अंधेरे समुद्र में सींग की तरह घुसा हुआ अंतरीप था। इस तरफ यूरोप वाला

हिस्सा था, जो अपने एशियाई बहन से अंधेरे की एक काली पट्टी से बँटा हुआ था।

बोस्फोरस का जलमार्ग।

एक नज़र में बोस्फोरस एक चौड़े निशान की तरह दिखाई देता है, जो इस्तांबुल को दो हिस्सों में बाँटता है। वैसे लैंग्डन जानता था कि यह चैनल इस्तांबुल की व्यापारिक रीढ़ थी। इसके अलावा, यह शहर के लिए एक की बजाय दो तट भी उपलब्ध कराता है। बोस्फोरस मेडिटेरेनियन समुद्र से काले सागर तक जाने वाले जहाज़ों को रास्ता भी प्रदान करता है जिसकी वजह से इस्तांबुल दो दुनिया के बीच रास्ते के एक स्टेशन का काम करता है।

जहाज़ धुंध को चीरता हुआ नीचे उतर रहा था। उसी वक़्त लैंग्डन की आँखें दूर से दिख रहे शहर पर गड़ी थी। वह उस विशाल इमारत को देखने की कोशिश कर रहा था जिसकी तलाश में वे वहाँ जा रहे थे।

एनरिको डैनडोलो के कब्र की खोज।

उन्हें इस बात की जानकारी मिली कि वेनिस के धोखेबाज डोज एनरिको डैनडोलो को वेनिस में नहीं दफनाया गया था। दरअसल उसे उस स्थान के केंद्र में दफनाया गया था जिस पर इसने सन् 1202 में कब्जा किया था यानी वही शहर, जो इस वक़्त उनके नीचे दिखाई दे रहा था। डैनडोलो को उस शहर के सबसे दर्शनीय समाधि-स्थल में दफनाया गया था। यह इमारत आज भी इस इलाके का सिरमौर मानी जाती है।

हागिया सोफिया।

हागिया सोफिया का निर्माण सन् 360 में हुआ था। यह सन् 1204 तक ईस्टर्न ऑर्थोडॉक्स कैथेड्रल के रूप में इस्तेमाल होता रहा जब एनरिको डैनडोलो और चौथे क्रूसेड ने इस शहर को जीतकर इसे कैथोलिक चर्च में बदल दिया। बाद में, पंद्रहवीं सदी में कॉस्टेंटिनोपल पर फतीह सुलतान महमद की विजय के बाद इसे मस्जिद में तब्दील कर दिया गया, जो 1935 तक इस्लामी पूजा-स्थल बना रहा। इसके बाद इसे धार्मिक पूजा-स्थल की बजाय म्यूजियम में बदल दिया गया।

पवित्र ज्ञान का स्वर्ण-जड़ित म्यूजियम, लैंग्डन ने सोचा।

सेंट मार्क की तुलना में हागिया सोफिया में न केवल सोने की अधिक ईंटों का इस्तेमाल किया गया था, बल्कि इसका शाब्दिक अर्थ होता है 'पवित्र ज्ञान।'

लैंग्डन इस विशाल इमारत की कल्पना करने लगा। वह सोचने लगा कि कहीं न कहीं इस इमारत के नीचे अंधेरे लैगून के भीतर डोरी से बँधी एक थैली में हिलडुल रही थी और धीरे-धीरे पानी में घुलती जा रही थी। थोड़े ही वक़्त में इसके अंदर रखी चीज़ पानी में मिलने वाली थी।

लैंग्डन प्रार्थना कर रहा था कि उन्हें उस जगह पहुँचने में देर न हो जाए।

'इमारत की निचली मंज़िल पानी में डूबी है,' फ़्लाइट के दौरान सिंस्की ने बताया था। यह

बोलते हुए वह लैंग्डन को अपने दफ्तर वाले कमरे की ओर आने का इशारा कर रही थी। 'हमें अभी-अभी जिस बात की जानकारी मिली है उसे सुनकर आपको यकीन नहीं होगा। क्या आपने डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्देशक गोक्सल गुलेनसोय का नाम सुना है?'

लैंग्डन ने अपना सिर हिलाया।

'जब मैं हागिया सोफिया के बारे में रिसर्च कर रहा था,' सिंस्की ने कहा, 'तो मुझे पता चला कि इसके बारे में एक फिल्म बनी है, जिसके निर्देशक गोक्सल गुलेनसोय थे। यह फिल्म कुछ साल पहले बनी थी।'

लैंग्डन ने अपना सिर हिलाया।

'हागिया सोफिया के बारे में दर्जनों फिल्में बनी हैं।'

'हाँ,' उसने अपने दफ्तर वाले कमरे में पहुँचते हुए कहा। 'लेकिन इसके जैसी कोई दूसरी फिल्म नहीं है।' उसने अपना लैपटॉप उसकी ओर घुमा दिया, ताकि वह इसे देख सके। 'इसे पढ़ो।'

लैंग्डन बैठकर उस लेख को पढ़ने लगा। इसमें कई समाचार स्रोतों को मिलाकर लिखा गया था, जिसमें *हुरिएत डेली न्यूज* भी शामिल था। इसमें गुलेनसॉय की इस नई फिल्म के बारे में बताया गया था–*इन द डेप्थ्स ऑफ़ हागिया सोफिया।*

लेख को पढ़ते हुए लैंग्डन को यह तुरंत पता चल गया कि सिंस्की काफी उत्साहित थी। पहले दो शब्दों को पढ़ते ही लैंग्डन ने आश्चर्य में भरकर उसकी ओर देखा–स्कूबा डाइविंग?

'हाँ, मुझे पता है।' उसने कहा। 'बस पढ़ते जाइए।'

लैंग्डन दोबारा लेख पढ़ने लगा।

हागिया सोफिया के नीचे स्कूबा डाइविंग–डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माता गोक्सल गुलेनसॉय और उसके खोजी स्कूबा टीम ने इस्तांबुल के इस मशहूर इमारत के सैकड़ों फुट नीचे पानी में डूबे बेसिनों को फिल्माया है, जो सैलानियों के लिए ख़ास आकर्षण का केंद्र रहा है।

इस क्रम में उन्होंने स्थापत्य कला की दृष्टि से अद्भुत संरचनाओं का भी पता लगाया है, जिसमें शहीद बच्चों की 800 साल पुरानी कब्रें भी शामिल हैं। इसके अलावा वहाँ हागिया सोफिया को टोपकापी महल से जोड़ने वाली एक सुरंग भी है। लोगों के बीच एनेमास कैदखाने के पानी के अंदर बने एक्सटेंशन के बारे में भी कई किंवदंतियाँ प्रचलित हैं।

'मुझे पूरा यकीन है कि सोफिया हागिया के नीचे बनी चीज़ें इसके अंदर बनी चीज़ों से कहीं ज़्यादा मज़ेदार हैं।' गुलेनसॉय इस फिल्म को बनाने के पीछे काम कर रही प्रेरणा के बारे में कह रहा था। वह कहता है कि एक बार उसने एक तस्वीर देखी, जिसमें रिसर्च

करने वाले लोग हागिया सोफिया की बुनियाद की जाँच करते हुए दिखाया गया था। वे लोग आँशिक रूप से पानी में डूबे एक हॉल के अंदर नाव से जा रहे थे।

'ज़ाहिर है कि आपने बिलकुल सही इमारत को ढूँढ़ा है।' सिंस्की चिहुंककर बोली। 'ऐसा लगता है कि इस इमारत के अंदर इस तरह की पानी में डूबी जगहें हैं। इनमें से कई स्थानों पर बिना स्कूबा गियर के जाना संभव नहीं है। इसे देखकर ही हम जोब्रिस्ट के वीडियो में दिखाए गए दृश्य की व्याख्या कर सकते हैं।'

एजेंट ब्रूडर उसके पीछे खड़ा होकर लैपटॉप स्क्रीन को देख रहा था। 'ऐसा भी लगता है कि इमारत के भीतर बने जलमार्ग बाहर की कई स्थानों की ओर जा रहे हैं। अगर हमारे वहाँ पहुँचने के पहले वह थैला पानी में घुल जाता है तो इसके अंदर की चीज़ को चारों तरफ फैलने से कोई रोक नहीं सकता।'

'इसके अंदर की चीज़..' लैंग्डन ने पूछने की हिम्मत जुटाई। 'आपको इसके बारे में कोई जानकारी है? मेरा कहना है, पक्के तौर पर? मैं जानता हूँ कि हम लोग एक संक्रामक विषाणु की बात कर रहे हैं लेकिन. . .'

'हम लोग इस फुटेज की व्याख्या करने की कोशिश कर रहे हैं,' ब्रूडर ने कहा। 'इससे निष्कर्ष निकलता है कि यह तत्त्व जैविक है, रासायनिक नहीं यानी कि जीवित पदार्थ। इस थैली में रखी बहुत छोटी-सा मात्रा के आधार पर हम अनुमान लगा सकते हैं कि यह अत्यंत संक्रामक है और इसके अंदर अपनी संख्या तेज़ी से बढ़ाने की क्षमता है। यह जल में पैदा होने वाला बैक्टीरिया है या इसके हवा के माध्यम से फैलने का ख़तरा है, इसके बारे में मैं यकीन से नहीं कह सकते, लेकिन ये दोनों ही संभव हैं।'

सिंस्की ने कहा, 'अभी हम लोग इस क्षेत्र में जल-स्तर के तापमान के बारे में आँकड़े जमा कर रहे हैं। इसके द्वारा हम पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि पानी के भीतर इस तरह के क्षेत्र में कौन कौन से संक्रामक तत्त्व फैल सकते हैं, लेकिन जोब्रिस्ट अत्यंत प्रतिभाशाली व्यक्ति था। वह विशिष्ट क्षमता वाले जैविक तत्त्वों का निर्माण कर सकता था। मुझे शक है कि इसी वजह से उसने इस जगह को चुना।'

ब्रूडर ने उसकी ओर निरीह भाव से देखा और इसके फैलने के संभावित तरीके के बारे में अपनी राय ज़ाहिर की। पानी के अंदर डुबाकर रखे इस सोल्युब्लॉन थैले की मामूली-सी दिखने वाली चमक अब इन लोगों पर अपना गहरा प्रभाव छोड़ रही थी। ज़मीन के नीचे और पानी के अंदर इस बैग को छुपाकर जोब्रिस्ट ने जैविक तत्त्व के विकास के लिए एक असाधारण ढंग से संतुलित और स्थाई परिवेश उपलब्ध कराया था। इस स्थान पर पानी का तापमान स्थिर रहता था, सौर-विकिरण से यह जगह दूर थी और यहाँ ऊर्जा के संरक्षण

के लिए काइनेटिक बफर स्वाभाविक रूप से उपलब्ध था। यह जगह लोगों की नज़रों से पूरी तरह दूर थी। जोब्रिस्ट इस विषाणु को एक निश्चित समय के अंदर परिपक्व होने तक यहाँ छोड़ सकता था, जिसके बाद निर्धारित समय पर यह अपने आप परिवेश में फैल सकता था।

जोब्रिस्ट इस जगह पर वापस नहीं लौटे, तब भी।

जहाज़ के ज़मीन पर उतरने से लैंग्डन को झटका लगा। वह कॉकपिट के पीछे जंपसीट पर अपने ख्यालों से वापस आ गया। पायलट ने तेज़ ब्रेक लगाया। वह जहाज़ को दूर वाले हैंगर की ओर लेकर जा रहा था। वहाँ पहुँचकर जहाज़ रुक गया।

लैंग्डन को लगा था कि हवाई-अड्डे पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के कर्मचारियों का जत्था संक्रमण से बचाने वाले ख़ास सूट, हैजमेट सूट, पहनकर उनका इंतज़ार कर रहा होगा, लेकिन अजीब बात थी कि वहाँ उनका इंतज़ार सिर्फ एक व्यक्ति कर रहा था–बड़े से सफेद रंग की वैन का ड्राइवर जिस पर बराबर लंबाई वाला, चटक लाल रंग के क्रॉस का चिह्न बना था।

यहाँ रेड-क्रॉस? लैंग्डन ने दोबारा उस वैन की ओर नज़र डाली। उसे समझ में आ गया कि रेड-क्रॉस का इस्तेमाल करने वाली यह दूसरी संस्था थी। स्विट्जरलैंड का दूतावास।

उसने सीट की पेटी खोली। लोग जहाज़ से उतरने की तैयारी कर रहे थे। उसकी नज़र सिंस्की पर पड़ी। ‘बाकी लोग कहाँ हैं?’ लैंग्डन ने पूछा। ‘विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम? तुर्की के अधिकारी? क्या अन्य सभी लोग हागिया सोफिया पहुँच चुके हैं?’

सिंस्की ने उसकी ओर देखा। वह परेशान लग रही थी। ‘दरअसल,’ सिंस्की ने बताया, ‘हम लोगों ने स्थानीय अधिकारियों को इसके बारे में जानकारी नहीं देने का फैसला किया है। ईसीडीसी की सबसे अच्छी एसआरएस टीम हमारे साथ है। इस ऑपरेशन को थोड़े वक़्त के लिए गुप्त रखना ही बेहतर होगा। लोगों के बीच अफरा-तफरी फैलाने से कोई फायदा नहीं होगा।’

लैंग्डन को पास ही ब्रूडर और उसकी टीम नज़र आई, जो अपने बड़े बड़े डफल-बैग को बंद कर रहे थे, जिसमें तरह तरह के संक्रमणरोधी उपकरण, कपड़े वगैरह रखे थे जैसे कि बायोसूट, रेस्पिरेटर और संक्रमण का पता लगाने वाले इलेक्ट्रॉनिक यंत्र आदि।

ब्रूडर ने बैग को कंधे पर टाँग लिया। ‘हम लोग तैयार हैं। हम लोग पहले उस इमारत में घुसकर डैनडोलो की कब्र ढूंढेंगे। हम वहाँ पर पानी का आवाज़ सुनने की कोशिश करेंगे जैसा कि कविता में कहा गया है। इसके बाद अपनी टीम के साथ मिलकर मैं तय करूँगा कि हमें मदद के लिए दूसरे अधिकारियों को बुलाने की ज़रूरत है या नहीं।’

लैंग्डन को इस योजना में कई समस्याएँ नज़र आ रही थी। ‘हागिया सोफिया, सूर्यास्त के समय बंद हो जाता है। इसलिए स्थानीय अधिकारियों की मदद के बिना हम अंदर भी नहीं

घुस पाएँगे।'

'सारे इंतजाम हो चुके हैं।' सिंस्की ने कहा। 'स्विस दूतावास में मेरा एक संपर्क है जिसने हागिया सोफिया म्यूजियम के निदेशक से हमारे वहाँ पहुँचने पर एक प्राइवेट वीआईपी टूर के लिए बात की है। निदेशक इसके लिए मान गया है।'

लैंग्डन हँस पड़ा। 'विश्व स्वास्थ्य संगठन के निदेशक के लिए प्राइवेट टूर? और पीछे पीछे हैजमैट सूट पहने लोगों का हुजूम! आपको नहीं लगता कि ये सब देखकर लोगों को संदेह हो जाएगा?'

'एसआरएस टीम और उनका सामान कार में ही रहेगा। मैं, ब्रूडर और आप पहले हालात का जायज़ा लेंगे।' सिंस्की ने कहा। 'और बस आपकी जानकारी के लिए कह रही हूँ, वीआईपी मैं नहीं, बल्कि आप हैं।'

'मै समझा नहीं?'

'हमने म्यूजियम को बताया कि एक मशहूर अमेरिकी प्रोफेसर अपनी रिसर्च टीम के साथ यहाँ आ रहे हैं। वे हागिया सोफिया के प्रतीकों के बारे में एक लेख लिख रहे हैं, लेकिन उनका जहाज़ पाँच घंटे विलंब से चल रहा है जिसकी वजह उन्हें इस इमारत को देखने का मौका नहीं मिल पाया। वे अपनी टीम के साथ कल सुबह वापस जा रहे हैं इसलिए हम चाहते थे. . .'

'ठीक है।' लैंग्डन ने कहा। 'मैं समझ गया।'

'म्यूजियम अपने एक कर्मचारी को हम लोगों से मिलने के लिए भेज रहा है। पता चला है वह इस्लामी कला के बारे में आपके लेखों का दीवाना है।' सिंस्की ने उसकी तरफ थकी मुस्कान बिखेरी। ज़ाहिर था कि वह आशावान दिखने की कोशिश कर रही थी। 'हमें आश्वस्त किया गया है कि वे आपको इस इमारत के हर हिस्से में जाने की इजाज़त देंगे।'

'और इससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण बात,' ब्रूडर ने कहा, 'पूरी इमारत में सिर्फ हम लोग ही होंगे।'

85

वैन वाटरवे के किनारे किनारे अतातुर्क एयरपोर्ट को इस्तांबुल के केंद्र से जोड़ने वाली सड़क पर फर्राटा भरते हुए चली जा रही थी। गाड़ी में बैठा रॉबर्ट लैंग्डन खिड़की के बाहर अनमने ढंग से देख रहा था। स्विस अधिकारी ने कस्टम की कार्रवाई में किसी तरह तबदीली करवा दी थी और टीम के सदस्यों के साथ लैंग्डन एवं सिंस्की कुछ ही मिनटों में एयरपोर्ट से बाहर निकलकर अपने गंतव्य की ओर चल चुके थे।

सिंस्की ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के लोगों के साथ ही प्रोवोस्ट और फेरिस को सी-130 के अंदर ही रहने का निर्देश दिया था। उन्हें सिएना ब्रुक्स का पता लगाने की कोशिश जारी रखने को कहा गया था।

वैसे तो किसी को यकीन नहीं था कि सिएना इतनी जल्दी इस्तांबुल पहुँच पाएगी, लेकिन आशंका थी कि वह तुर्की में जोब्रिस्ट के किसी चेले को फोन कर मदद माँग सकती थी, ताकि वह सिंस्की की टीम के वहाँ पहुँचने के पहले जोब्रिस्ट की इस सनकी योजना को अंजाम दे सके।

क्या सिएना सचमुच नरसंहार करेगी? आज, जो कुछ भी हुआ उसे समझने के लिए लैंग्डन अब भी मानसिक रूप से संघर्ष कर रहा था। उसे तकलीफ हो रही थी, लेकिन सच को स्वीकार करने के सिवा उसके पास कोई चारा नहीं था। *रॉबर्ट, तुम उसे कभी जानते ही नहीं थे। उसने तुम्हारा इस्तेमाल किया।*

शहर में हल्की बूंदाबांदी शुरू हो चुकी थी। कार के विंडशील्ड से बार-बार आ रही सरसराहट को सुनते सुनते लैंग्डन अचानक थकावट महसूस करने लगा। उसकी दाहिनी तरफ मारमारा समुद्र में लग्जरी यॉट की रोशनी दिखाई दे रही थी। विशाल आकार के टैंकर शहर के बंदरगाह से आ जा रहे थे। वाटरफ्रंट के किनारे किनारे बनी संकरी और ख़ूबसूरत मीनारें रोशनी में नहाई थी जिनके नीचे मस्जिदों की गुंबदें दिखाई दे रही थी। ये चुपचाप याद दिला रही थी इस्तांबुल एक आधुनिक, सेकुलर शहर अवश्य था, लेकिन इसकी आत्मा में धर्म अब भी बसा था।

लैंग्डन को हमेशा यह दस मील लंबा ड्राइव-वे यूरोप में सबसे ख़ूबसूरत लगता था। यह इस्तांबुल के आधुनिक और प्राचीन के संघर्ष का सबसे सटीक उदाहरण प्रस्तुत करता था। यह सड़क कौंस्टेंटीन की दीवार के एक हिस्से के साथ-साथ चलती थी, जो जॉन एफ कैनेडी के जन्म से करीब सोलह सौ साल बनाई गई थी, जिसके नाम पर आज इसे कैनेडी एवेन्यु कहा जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति पराजित साम्राज्य की खाक पर खड़े किए गए तुर्की गणराज्य के लिए कमाल अतातुर्क की परिकल्पना के बहुत बड़े प्रशंसक थे।

कैनेडी एवेन्यु से गुज़रते हुए समुद्र का बेजोड़ नज़ारा दिखाई देता था। यह भव्य बगीचों और ऐतिहासिक पार्कों से होता हुआ, येनीकापी हार्बर से आगे शहर की सीमा और बोस्फोरस खाड़ी को पार करता हुआ उत्तर दिशा में गोल्डेन हॉर्न के पास पहुँचता था। इसी जगह पर शहर से काफी ऊँचाई पर ओटोमन साम्राज्य का गढ़ टोपकापी महल दिखाई देता था। यहाँ से बोस्फोरस की खाड़ी का बेहतरीन नज़ारा दिखाई देता था जिसकी वजह से सैलानी इसे बहुत पसंद करते थे। वे इसकी भौगोलिक सुंदरता के साथ ही यहाँ ओटोमन काल के मूल्यवान संग्रह का लुत्फ उठाते थे, जिसमें पैगंबर मोहम्मद की तलवार और उनका एक वस्त्र भी शामिल है।

लैंग्डन को पता था कि *वे लोग इतनी दूर तक नहीं जाने वाले थे।* उसने अपने मन में हागिया सोफिया का चित्र खींचा, जो थोड़ा आगे शहर के मध्यवर्ती हिस्से में बना था।

अब वे कैनेडी एवेन्यु से उतरकर घनी आबादी वाले शहर में घुस चुके थे। लैंग्डन सड़कों और फुटपाथ पर लोगों की भीड़ को देख रहा था। आज दिन में हुई बातचीत उसे अब भी डरा रही थी।

आबादी का विस्फोट।

जोब्रिस्ट की सनकी इच्छाएँ।

वैसे तो लैंग्डन एसआरएस मिशन के मकसद को पहले ही समझ चुका था, लेकिन इस क्षण के पहले वह पूरी तरह इसके परिणामों को नहीं जान पाया था। *हम लोग ग्राउंड जीरो पर जा रहे हैं।* उसके दिमाग में पानी के भीतर धीरे-धीरे घुल रहे बैग की तस्वीर उमड़ घुमड़ रही थी, जिसके अंदर भूरे रंग का तरल पदार्थ भरा था। वह सोच रहा था कि भला वह इस पचड़े में कैसे पड़ गया।

सिएना और उसने दांते के डेथ-मास्क के पीछे जिस अजीब-सी कविता को ढूँढ़ा था उसी ने उसे यहाँ इस्तांबुल पहुँचने में मदद की थी। लैंग्डन ने एसआरएस टीम को हागिया सोफिया जाने का निर्देश दिया था। वह जानता था कि वहाँ पहुँचकर उन्हें और भी कई काम करने थे।

पवित्र ज्ञान वाले स्वर्ण-जड़ित म्यूजियम में घुटनों के बल झुकना,
लगा लेना ज़मीन पर अपने कान,
सुनना बहते पानी की आवाज़।
ज़मीन में धसे महल के रास्ते पर चलना. . .
क्योंकि यहीं अंधेरे में इंतज़ार करता है थोनिक राक्षस
डूबा है, जो लैगून के रक्तिम जल में
जिसमें दिखाई नहीं देती सितारों की परछाई . . .

लैंग्डन को यह याद करते हुए फिर से परेशानी हो रही थी कि दांते के *इन्फर्नो* का अंतिम कैंटो भी करीब करीब ऐसे ही दृश्य के साथ समाप्त होता है–ज़मीन के भीतर बने लोक में गहरे उतरने के बाद, दांते और वर्जिल नरक के सबसे नीचे वाले हिस्से में पहुँच जाते हैं। यहाँ से बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। उन्हें अपने नीचे चट्टानों के बीच से पानी के बहने की कलकल ध्वनि सुनाई देती है। वे उस छोटी-सी नदी की दरारों के साथ-साथ आगे बढ़ते हैं. . .और अंत में सुरक्षित स्थान पर पहुँच जाते हैं।

दांते ने लिखा है, *'ज़मीन के भीतर वहाँ एक महल है. . .जिसे देखकर नहीं, बल्कि नदी की कलकल आवाज़ से पहचाना जा सकता है, जो चट्टानों के नीचे बने खोखले स्थान से गुज़रती है. . .और इसी गुप्त रास्ते से होकर, अपने गाइड के साथ मैं अपनी सुंदर दुनिया में वापस लौटा।'*

स्पष्ट था कि जोब्रिस्ट की कविता दांते से प्रेरित थी, हालाँकि जोब्रिस्ट ने उसे पूरी तरह उलट दिया था। लैंग्डन और उसके साथ गए लोग बेशक पानी की आवाज़ के साथ-साथ आगे बढ़ेंगे, लेकिन दांते के विपरीत वे *इन्फर्नो* से बाहर नहीं . . .बल्कि सीधे इसके अंदर प्रवेश करने वाले थे।

उनकी वैन अब इस्तांबुल की और भी संकरी गलियों और घनी आबादी वाले इलाकों से होकर आगे बढ़ रही थी। लैंग्डन को अब जोब्रिस्ट की विकृत सोच समझ में आ रही थी, जिसके आधार पर उसने इस्तांबुल को इस महामारी का केंद्र बनाने का फैसला किया था।

पूरब और पश्चिम का मिलन।

दुनिया का चौराहा।

इतिहास में इस्तांबुल ने कई भयानक प्लेगों को झेला था जिसकी वजह से यहाँ असंख्य लोगों की मौतें हुई थी। दरअसल, ब्लैक डेथ के अंतिम दौर में इसी शहर को साम्राज्य का प्लेग केंद्र कहा गया था। कहा जाता है कि उस समय प्लेग के कारण इस शहर में रोज़ दस हज़ार से भी अधिक लोगों की मौत होती थी। ऐसे अनेक ऑटोमन पेंटिंग पाए जाते हैं जिनमें शहर के लोगों को प्लेग से मरे लोगों की लाशों के ढेर को टाक्सिम के पास वाले इलाके में दफनाने के लिए गड्ढा खोदते हुए दिखाया गया है।

लैंग्डन मन-ही-मन उम्मीद कर रहा था कि कार्ल मार्क्स का कथन गलत साबित हो, 'इतिहास अपने को दुहराता है।'

शाम का वक़्त। बारिश में भीगी सड़कों पर लोग बेफिक्र घूम रहे थे। एक ख़ूबसूरत औरत रात के खाने पर अपने बच्चों को बुला रही थी, खुले आसमान के नीचे बने कैफे में बैठा एक बुजुर्ग शराब पी रहा था, सुंदर कपड़े पहना, हाथों में हाथ लिए छतरी के नीचे एक जोड़ा दिखाई दे रहा था, टक्सेडो पहना बस से कूदकर उतरकर तेज़ी से सड़क पर जा रहा था और उसने जैकेट के नीचे अपनी वायलिन छुपा रखी थी, शायद संगीत कार्यक्रम में पहुँचने

में उसे देर हो रही थी।
लैंग्डन अपने आसपास के चेहरों के अध्ययन में मशगूल था। वह उन सभी की निजी-जिंदगी की जटिलताओं की कल्पना कर रहा था।

भीड़ भी एक-एक लोगों से मिलकर बनती है।

उसने अपनी आँखें बंद कर ली और खिड़की से मुँह मोड़ लिया। वह अपने ख्यालों को इन घिनौने विचारों से हटाना चाहता था, लेकिन नुकसान तो हो चुका था। उसके मन के अंधेरे में एक अनचाही तस्वीर उभड़ी–ब्रुगेल के *ट्रायंफ ऑफ़ डेथ* में चित्रित सुनसान इलाका, जहाँ महामारी, गरीबी और यंत्रणा ने समुद्र-तट पर बसे शहर को तहस नहस कर दिया था। भयानक दृश्य।

वैन अब दाहिनी ओर मुड़कर टोरुन एवेन्यु की ओर जा रही थी। एक पल के लिए लैंग्डन को लगा जैसे वे अपने गंतव्य पर पहुँच चुके हैं। उसकी बाई ओर धुंध के बीच से मस्जिद की रूपरेखा दिखाई दे रही थी।

लेकिन यह सोफिया हागिया नहीं था।

द ब्लू मॉस्क–नीला मस्जिद, उसने सोचा। उसे अपने सामने मस्जिद की छह धारीदार, छरहरी मीनारें दिखाई दे रही थी। इन मीनारों के चारों तरफ बालकनी बनी थी। मीनारें आसमान को चीरती हुई ऊपर जाकर कंगूरों में ख़त्म हो रही थी। लैंग्डन ने कभी पढ़ा था कि नीले मस्जिद की बालकनी वाली ये आकर्षक मीनारें ही डिजनी वर्ल्ड में बने सिंड्रेला के मशहूर महलों के लिए प्रेरणा के स्रोत थे।

हम अब अपने गंतव्य के करीब हैं, लैंग्डन ने सोचा। वैन अब तेज़ी से सुल्तानहमत पार्क के विशाल प्लाजा को पार करती हुई कबासाकाल एवेन्यु की तरफ मुड़ रही थी। ये नीले मस्जिद और हागिया सोफिया के बीच वाली जगह थी, जो दोनों स्थानों का बेहतरीन नज़ारा दिखाने के लिए मशहूर थी।

लैंग्डन ने बारिश में भीगे विंडशील्ड के भीतर से आँखें सिकोड़कर बाहर देखने की कोशिश की। वह आसमान में हागिया सोफिया की रूपरेखा देखने की कोशिश कर रहा था, लेकिन बारिश और गाड़ियों की हेडलाइट की वजह से बाहर कुछ साफ नज़र नहीं आ रहा था। इससे भी बड़ी परेशानी थी कि एवेन्यु के चलने वाला ट्रैफिक रुका हुआ दिखाई दे रहा था।

सड़क पर आगे की तरफ, लैंग्डन को सिर्फ चमकती हुई ब्रेक-लाइटें दिखाई दे रही थी।

'कोई आयोजन हो रहा है. शायद,' ड्राइवर ने घोषणा की। 'मुमकिन है संगीत का कार्यक्रम हो रहा हो। पैदल चलकर हम वहाँ जल्दी पहुँच सकते हैं।'

'कितनी दूर?' सिंस्की ने सवाल किया।

'बस पार्क के उस पार। तीन मिनट। पूरी तरह से सुरक्षित।'

सिंस्की ने ब्रूडर की ओर देखकर सिर हिलाया और फिर एसआरएस टीम की ओर मुड़

गया। 'वैन में ही बैठे रहो। इमारत के जितना करीब हो सके, पहुँचो। एजेंट ब्रूडर बहुत जल्द तुमसे संपर्क करेगा।'

यह कहकर सिंस्की, ब्रूडर और लैंग्डन वैन से बाहर कूद गए और पार्क की तरफ पैदल चल पड़े।

छतरीदार रास्ते से वे लोग आगे बढ़ रहे थे। रास्ते में सुल्तानहमत पार्क के चौड़े पत्तों वाले पेड़ खराब होते मौसम से उनका थोड़ा बचाव कर रहे थे। वाकवे में जगह जगह पर तख्तियाँ लगी थी, जो वहाँ आने वाले लोगों को पार्क के अंदर देखने लायक जगहों की दिशा बता रही थी जैसे की लक्सर से लाया गया मिस्र का ओबेलिस्क, डेल्फी के अपोलो टेंपल से लाया गया साँपनुमा खंभा और मिलियन खंभा, जो किसी जमाने में जीरोमाइल का काम करता था, जहाँ से बाइजेंटाइन साम्राज्य के हर स्थान की दूरी मापी जाती थी।

आख़िरकार वे पेड़ों की झुरमुट से निकलकर एक चक्करदार जगह के नीचे पहुँचे, जो उस पार्क का केंद्र था। लैंग्डन ने खुले आसमान में पैर रखा और पूरब की ओर देखने लगा।

हागिया सोफिया।

इमारत की तरफ कम..पहाड़ी की तरफ ज्यादा।

बारिश के बीच चमचमाता हागिया सोफिया की विशाल छाया-आकृति अपने आप में एक शहर की तरफ दिखती थी। इसके बीच वाले गुंबद का विशाल आकार देखकर सहसा यकीन नहीं होता था। धारीदार और सफेद मटमैले रंग का यह गुंबद मानो अपने चारों तरफ बनी दूसरी इमारतों पर टिका हुआ लगता था। चार ऊँची ऊँची मीनारें जिनमें हरेक के साथ एक एक बालकनी बनी थी। ऊपर सफेद-मटमैले रंग का कंगूरा। ये मीनारें इमारत के एक कोने से ऊपर की ओर जाती थी, जो बीच वाली गुंबद से इतना दूर था कि लोगों के लिए यह समझना मुश्किल था कि वे सभी एक ही इमारत के हिस्से थे।

सिंस्की और ब्रूडर उस समय तक अपनी गति में चलते हुए आगे बढ़ रहे थे, लेकिन वे अचानक रुक गए। वे ऊपर की ओर देख रहे थे। ऊपर की ओर। उनका दिमाग सामने दिख रही इमारत की ऊँचाई और चौड़ाई का अनुमान लगाने की कोशिश कर रहा था।

'हे भगवान,' ब्रूडर के मुँह से एक आह निकली। उसे यकीन नहीं हो रहा था। 'हम लोग इसके अंदर. . .उसे ढूँढ़ने जा रहे हैं?'

86

ह*म लोगों को अगवा कर लिया गया है*, पार्क किए हुए सी-130 में बेचैनी से चहलकदमी करते हुए प्रोवोस्ट सोच रहा था। वह सिंस्की की मदद के लिए इस्तांबुल चलने को राजी हुआ था, ताकि वह समय रहते हुए इस संकट को रोकने में सहायता कर सकें।

प्रोवोस्ट यह भी समझ रहा था कि सिंस्की के साथ सहयोग करने से उसे इस संकट में अंजाने शामिल होने की वजह से संभावित सजा से बचने में भी मदद मिल सकती थी, *लेकिन इस वक़्त मैं सिंस्की की कैद में हूँ।*

जहाज़ जैसे ही अतातुर्क एयरपोर्ट के सरकारी हैंगर में जाकर खड़ा हुआ, सिंस्की और उसकी टीम नीचे उतर गए, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने प्रोवोस्ट और उसके कंसोर्शियम के सदस्यों को अंदर ही बैठे रहने को कहा।

प्रोवोस्ट ने एक बार ताजी हवा के लिए बाहर आने की कोशिश की, लेकिन वहाँ तैनात सख्त सुरक्षाकर्मियों ने उसे रोक दिया। इससे उसे लगा कि सिंस्की ने उन्हें किसी को भी विमान से नीचे नहीं उतरने का निर्देश दिया था।

यह ठीक नहीं, प्रोवोस्ट ने सोचा। वह एक सीट पर आकर बैठ गया और अपने भविष्य की अनिश्चितता उसके आँखों के सामने नाचने लगी।

जोब्रिस्ट, सिएना, सिंस्की।

इन सभी लोगों ने उसका हुक्म मानने से मना कर दिया था. . .बल्कि उसी को अपने कब्जे में ले लिया था।

अब वह विश्व स्वास्थ्य संगठन के इस विशाल, बिना खिड़की वाले मालवाही जहाज़ में फँसा हुआ था। उसे लगा कि कहीं उसका अच्छा वक़्त अब ख़त्म तो नहीं हो गया। पता नहीं उसे कहीं अपने कर्मों की सजा तो नहीं मिल रही. . .।

मैं जीविका के लिए झूठ बोलता हूँ।

मैं झूठ का व्यापारी हूँ।

वैसे प्रोवोस्ट अकेला व्यक्ति नहीं था, जो झूठ का व्यापार करते थे, लेकिन वह इस तालाब की सबसे बड़ी मछली था। छोटी मछलियों की तो बिलकुल अलग ही जमात थी। प्रोवोस्ट को उनके साथ किसी तरह का मेलजोल कतई पसंद नहीं था।

एलीबाई कंपनी और एलिबाइ नेटवर्क जैसी कंपनियाँ दुनिया-भर में बेवफा बीवियों को धोखा देने और पकड़े जाने से बचाने का रास्ता दिखाकर हर साल लाखों करोड़ों कमाती थी। वे अपने ग्राहकों को थोड़ी देर के लिए ‘समय को रोक देने’ का वादा करती थी जिस

दौरान वे अपने पति या पत्नी या बच्चों की नज़रों से ओझल रह सकते हैं। ये संस्थाएँ नज़र-बंध की कला में माहिर होती हैं और आसानी से नकली व्यापार संबंधी मीटिंग, डॉक्टरों से मिलने का एपॉयंटमेंट, झूठे विवाह आयोजन आदि का झाँसा पैदा कर सकती हैं। इसके लिए ये कंपनियाँ नकली निमंत्रण-पत्र,ब्रोचर, हवाई टिकट, होटल बुकिंग के फॉर्म, यहाँ तक कि नकली फोन नंबर भी दिखा सकती हैं, जो इन कंपनियों के दफ्तर में बजते हैं। फोन बजने पर इन्हें कंपनी के प्रशिक्षित लोग उठाते हैं, जो ग्राहक के साथ हुए समझौते के अनुरूप होटल के रिसेप्शनिस्ट या दृष्टि-भ्रम को बनाए रखने की दृष्टि से ज़रूरी कुछ भी होने का नाटक कर सकते हैं।

लेकिन प्रोवोस्ट इस तरह के छोटे मोटे तरीकों के इस्तेमाल में यकीन नहीं करता था। वह बड़े पैमाने पर दृष्टि-भ्रम पैदा करने का काम करता था, जिसके लिए उसके ग्राहक लाखों डॉलर देते थे, ताकि उन्हें सर्वोत्तम सेवा मिल सके।

सरकारें।

बड़े बड़े कॉरपोरेशन।

कभी-कभार अत्यंत धनाढ्य वीआईपी।

अपने मकसद को पूरा करने के लिए कंसोर्शियम इन ग्राहकों को अपने सभी संसाधन मुहैया करवाती थी, जिसमें इसके अनुभवी कार्यकर्ता और उनकी सृजनात्मकता शामिल होती थी। सबसे महत्त्वपूर्ण बात थी कि इस नाटक का पर्दाफाश होने पर इस नकली आयोजन में शामिल नहीं होने का बहाना भी उन्हें उपलब्ध कराया जाता था, ताकि किसी को पता नहीं चल सके कि वे इसमें शामिल रहे थे।

मामला चाहे स्टॉक मार्केट में ज़बरदस्ती उछाल लाने का हो या युद्ध को सही साबित करने का, चुनाव जीतने का या आतंकी को उसके छुपने की जगह से बाहर निकालने का, दुनिया के सबसे शक्तिशाली सत्ता के दलाल झूठी सूचनाओं को फैलाने के लिए इस संगठन के विशाल तंत्र का इस्तेमाल किया करते थे।

वे हमेशा इसी तरह काम करते थे।

साठ के दशक में रूसियों ने एक पूरा का पूरा नकली खुफिया तंत्र बनाया था, जो झूठी खबरें भेजा करता था। कई वर्षों तक ब्रिटेन की जासूसी संस्था इन्हीं सूचनाओं को इकट्ठा करती रही थी। सन् 1947 में अमेरिकी एयर-फोर्स ने न्यू मेक्सिको के रोजवेल में हुई हवाई दुर्घटना से लोगों का ध्यान हटाने के लिए यूएफओ के बारे में नकली ख़बर फैलाई। हाल के वर्षों में दुनिया को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की गई कि इराक में बड़े पैमाने पर विनाश की क्षमता रखने वाले हथियार पाए गए हैं।

तकरीबन तीन दशकों तक प्रोवोस्ट ने शक्तिशाली लोगों को अपनी सत्ता बनाए रखने और इसे बढ़ाने के लिए मदद की थी। हालाँकि वह किसी भी काम को हाथ में लेने के बारे में बेहद

सावधानी रखता था, उसे डर था कि किसी-ने-किसी दिन वह गलत काम हाथ में लेकर फँस जाएगा।

आज वह दिन आ चुका था।

प्रोवोस्ट मानता था कि बड़ी से बड़ी दुर्घटना के पीछे किसी एक पल का हाथ होता है–जैसे अचानक हुई मुलाकात, कोई गलत फैसला, किसी की अचानक पड़ी नज़र।

इस घटना के संदर्भ में उसे लग रहा था कि वह क्षण करीब बारह साल पहले आ चुका था जब उसने एक स्कूल के एक नौजवान छात्रा को अपने यहाँ नौकरी दी थी, जो थोड़े-से पैसे कमाने के लिए काम करना चाहती थी। उस लड़की की तीक्ष्ण बुद्धि, भाषाओं के बारे में शानदार योग्यता और ऐन वक़्त पर रूप बदलने की क्षमता ने उसे कंसोर्शियम के भीतर अपनी अलग पहचान बनाने में मदद की थी।

सिएना ब्रुक्स सहज प्रतिभा की धनी थी।

सिएना ब्रुक्स ऑपरेशन के बारे में तुरंत समझ जाती थी। प्रोवोस्ट समझ चुका था कि वह गोपनीय बातों को अपने तक रखने की कला से अंजान नहीं थी। सिएना ने उसके लिए करीब दो साल तक काम किया, जिसके लिए उसे अच्छी खासी रकम मिली। इसका इस्तेमाल उसने स्कूल की फीस देने के लिए की, लेकिन अचानक एक दिन उसने बिना किसी चेतावनी के उसने काम छोड़ने की घोषणा कर दी। उसे दुनिया को बचाना था और जैसा कि उसने सिएना को पहले बताया था, यह काम इस जगह पर कर पाना मुमकिन नहीं था।

प्रोवोस्ट ने कल्पना भी नहीं की थी कि एक दशक बाद सिएना ब्रुक्स फिर से प्रकट होगी और अपने साथ एक तोहफा भी लेकर आएगी–अत्यंत धनाढ्य संभावित ग्राहक।

बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट।

इसे याद करते हुए प्रोवोस्ट अंदर से हिल गया।

ये सिएना की गलती थी।

वहीं सी-130 के अंदर बने तात्कालिक कॉन्फ्रेंस टेबल पर चल रही बहस गर्म हो रही थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के लोग फोन पर किसी मुद्दे पर बहस कर रहे थे।

‘सिएना ब्रुक्स?’ उनमें से एक व्यक्ति ने फोन पर चिल्लाकर पूछा। ‘क्या तुम यकीन के साथ कह रहे हो?’ वह अधिकारी थोड़ी देर तक नाराज़ होकर चुपचाप सुनता रहा। ‘ठीक है, मुझे पूरी जानकारी दो। मैं होल्ड पर हूँ।’

उसने रिसीवर को हाथ से ढंक दिया और अपने साथियों की ओर मुड़ा, ‘ऐसा लगता है कि हम लोगों के थोड़ी देर बाद सिएना ब्रुक्स भी इटली से निकल गई।’

टेबल पर बैठे सभी लोग चौंक गए।

‘कैसे?’ एक महिला कर्मचारी ने पूछा। ‘हमने एयरपोर्ट, पुल, ट्रेन स्टेशन हर जगह घेर रखा

था।'

'निचेली एयरफील्ड।' उसने जवाब दिया। 'लिडो पर।'

'असंभव।' महिला ने अपना सिर हिलाते हुए पूछा। 'निसेली बहुत ही छोटा है। वहाँ से बाहर की फ्लाइट नहीं जाती। यहाँ स्थानीय यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था रहती है और. . .'

'पता नहीं कैसे, लेकिन वहाँ सिएना ब्रुक्स को एक प्राइवेट जेट उपलब्ध था, जो निसेली के हैंगर में रखा हुआ था। वे अब भी इसकी जाँच कर रहे हैं।' उसने दोबारा रिसीवर को मुँह से लगाया। 'बोलो, तुम्हें क्या पता चला?' ताज़ा जानकारी को सुनते हुए उसके कंधे नीचे झुक गए और अंत में वह बैठ गया। 'ठीक है, मैं समझ गया।' उसने फोन रख दिया।

उसके सहकर्मी उसकी ओर उम्मीद से देख रहे थे।

'सिएना का जेट तुर्की आ रहा था।' उसने आँखें मलते हुए कहा।

'तो, यूरोपियन एयर ट्रांसपोर्ट कमांड को फोन करो।' किसी ने कहा। 'उनसे जेट को वापस मोड़ने कहो।'

'मैं ऐसा नहीं कर सकता।' उस व्यक्ति ने कहा। 'बारह मिनट पहले यहाँ से सिर्फ पंद्रह मील दूर हेजारफेन प्राइवेट एयरफील्ड पर उतर चुका है। सिएना ब्रुक्स निकल चुकी है।'

87

हागिया सोफिया के प्राचीन गुंबदों को अब मूसलाधार बारिश झेलनी पड़ रही थी। करीब एक हज़ार साल तक यह यूरोप का सबसे बड़ा चर्च था। आज भी इससे बड़े चर्च की कल्पना मुश्किल थी। इसे दोबारा देखकर लैंग्डन को याद आया कि इसका निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सम्राट जस्टीनियन ने इसकी ओर देखकर कहा था, 'सोलोमन, मैंने तुम्हें पीछे छोड़ दिया।'

सिंस्की और ब्रूडर इस विशाल इमारत की ओर बढ़ रहे थे। उनके अंदर अपना लक्ष्य पूरा करने का संकल्प दृढ़ होता जा रहा था। जैसे-जैसे वे इसके नज़दीक पहुँच रहे थे, उन्हें लग रहा था जैसे इसका आकार बढ़ता जा रहा था।

यहाँ जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ विजेता सम्राट मेहमत की फौजों के द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले तोप के गोले रखे हुए थे। सजाने के लिए रखे गए ये गोले इस इमारत के हिंसा से भरे इतिहास की याद दिलाते थे। इसे जीतने के बाद विजई शक्तियों की आध्यात्मिक ज़रूरतों के अनुरूप इसके इस्तेमाल का तरीका बदलता रहा।

इमारत के दक्षिणी हिस्से पर पहुँचकर लैंग्डन ने अपनी दाहिनी तरफ नज़र डाली, जहाँ इस इमारत से तीन गुंबदों वाली सिलेंडर जैसी संरचनाएँ बाहर की तरफ निकली हुई दिखाई दे रही थी। ये सुल्तानों के मकबरे थे जिनमें से एक, मुराद तृतीय के बारे में कहा जाता है कि उसकी सौ संतानें थीं।

रात के अंधेरे को चीरती हुई किसी के फोन की घंटी बजी। ब्रूडर ने अपना फोन बाहर निकाला और उसकी कॉलर आईडी को देखने लगा। उसने रुखाई से जवाब दिया, 'कोई ख़बर?'

रिपोर्ट को सुनते हुए वह हैरान होकर अपना सिर हिला रहा था। 'यह कैसे मुमकिन है?' वह फोन सुनता रहा। उसने गहरी साँस ली। 'ठीक है, मुझे जानकारी देते रहना। हम अंदर घुसने वाले हैं।' यह बोलकर उसने फोन रख दिया।

'क्या बात है?' सिंस्की ने पूछा।

'हमें अपनी आँखें खुली रखनी होंगी।' ब्रूडर ने चारों तरफ देखते हुए कहा। 'हमारे कुछ और भी साथी हो सकते हैं।' उसने अब सिंस्की पर नज़र डाली। 'ऐसा लगता है कि सिएना ब्रुक्स इस्तांबुल में है।'

लैंग्डन उसे घूरकर देखने लगा। उसे यह सुनकर विश्वास नहीं हो रहा था सिएना को तुर्की पहुँच चुकी थी। इसके अलावा वेनिस से भागने में कामयाब होने के बाद उसने जोब्रिस्ट की योजना को सफल करने के लिए दोबारा पकड़े जाने का ख़तरा मोल लिया, बल्कि मरने का

ख़तरा मोल लिया।

सिंस्की भी उतनी ही घबराई हुई लग रही थी। उसने गहरी साँस ली मानो वह ब्रूडर की पूछताछ करने की तैयारी कर रही हो, लेकिन फिर उसने अपना मन बदल लिया और लैंग्डन की ओर मुड़ गई। 'किस तरफ?'

लैंग्डन ने उनकी बाई ओर इशारा किया, जहाँ इमारत का दक्षिण-पश्चिमी किनारा था। 'एब्लुशन का फव्वारा उस तरफ है।' उसने कहा।

म्यूजियम वाले व्यक्ति से वे लोग एक कुएँ के पास मिलने वाले थे, जो नक्काशीदार जाली से ढंका था। उस जमाने में इसका इस्तेमाल नमाज़ के पहले वजू के लिए किया जाता था।

'प्रोफेसर लैंग्डन,' कुएँ के नज़दीक आते हुए उन्हें किसी की आवाज़ सुनाई दी।

फव्वारे के ऊपर बनी अष्टकोणीय छतरी के नीचे एक तुर्क मुस्कराते हुए खड़ा था। वह उनकी ओर बढ़ा। वह बड़े उत्साह में ज़ोर-ज़ोर से हाथ हिला रहा था। 'प्रोफेसर, इधर आइए।'

लैंग्डन और उसके साथी तेज़ी से उसकी ओर बढ़े।

'हेलो, मेरा नाम मिरसत है।' वह तुर्की की ख़ास शैली में अंग्रेज़ी बोल रहा था। वह काफी उत्साहित भी लग रहा था। उसका कद छोटा था और उसके बाल उड़े हुए थे। उसने विद्वानों जैसा चश्मा और भूरे रंग की सूट पहन रखी थी। 'मेरे लिए यह बड़े सम्मान की बात है।'

'यह तो हमारा सौभाग्य है।' लैंग्डन ने जवाब देते हुए मिरसत से हाथ मिलाया। 'इतना कम वक़्त होने के बावजूद आपकी मेहमान नवाजी के लिए शुक्रिया।'

'जी, जी।'

'मेरा नाम एलिज़ाबेथ सिंस्की है।' डॉक्टर सिंस्की ने मिरसत से हाथ मिलाते हुए कहा। उसने ब्रूडर की ओर इशारा किया, 'ये क्रिस्टोफ ब्रूडर हैं। हम यहाँ प्रोफेसर लैंग्डन की मदद के लिए आए हैं। मुझे दुख है कि हमारे जहाज़ को पहुँचने में विलंब हुआ। आपने हमें मौका दिया इसके लिए हम आपके आभारी हैं।'

'प्लीज। इसके बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं।' मिरसत ने ख़ुश होकर कहा। 'प्रोफेसर लैंग्डन के लिए तो मैं किसी भी वक़्त प्राइवेट टूर का इंतजाम कर सकता हूँ। हमारे म्यूजियम में बिकने वाली उनकी किताब क्रिश्चियन सिंबल्स इन द मुस्लिम वर्ल्ड लोगों को बहुत पसंद आती है।'

'*सचमुच?*' लैंग्डन ने सोचा। *अब मैं कम-से-कम एक जगह के बारे में जानता हूँ, जहाँ मेरी किताब मिल सकती है।*

'चलें?' मिरसत ने उन्हें चलने का इशारा किया।

वे लोग जल्दी-जल्दी एक खुली जगह को पार करने लगे। सैलानियों के लिए बने दरवाज़े

को पार कर वे लोग उस तरफ जाने लगे, जो इस इमारत का मुख्य प्रवेश-द्वार था, जो काफी अंदर की तरफ धंसे हुए मेहराबों से बना था, जहाँ पीतल के बड़े दरवाज़े बने थे।

वहाँ दो हथियारबंद गार्ड उनके स्वागत में खड़े थे। मिसरत को देखते ही गार्ड ने एक दरवाज़े का ताला खोला और दरवाज़े को एक तरफ कर दिया।

'साग ओलुन,' मिसरत ने कहा। लैंग्डन तुर्की भाषा के जिन कुछ शब्दों को जानता था उनमें यह भी शामिल था। यह अत्यंत विनम्रता से धन्यवाद कहने के लिए इस्तेमाल किया जाता था।

वे लोग अंदर घुस गए। गार्ड ने फिर से उस भारी दरवाज़े को बंद कर दिया। दरवाज़े के बंद होने की धमक पत्थर के बने भीतरी हिस्से में गूँज रही थी।

लैंग्डन और दूसरे लोग अब हागिया सोफिया के नैर्थेक्स में खड़े थे। नैर्थेक्स दरअसल पीछे की ओर बना एक छोटा-सा कमरा होता था, जो दैवी और सांसारिक दुनिया के बीच विभाजक रेखा का काम करता था।

आध्यात्मिक खंदक, लैंग्डन उन्हें इसी नाम से बुलाता था।

अब वे लोग दूसरे दरवाज़ों की तरफ बढ़ रहे थे जिसे मिरसत ने खींचकर खोल दिया। इसके आगे लैंग्डन को सैंक्चुअरी मिलने की उम्मीद थी, लेकिन उसकी जगह उसे एक दूसरा नैर्थेक्स दिखाई दिया, जो पहले से थोड़ा बड़ा था।

एसोनैर्थेक्स, लैंग्डन ने सोचा। वह भूल गया था कि हागिया सोफिया की सैंक्चुअरी में बाहरी दुनिया से सुरक्षा के लिए दो स्तरों पर व्यवस्था थी।

यह एसोनैर्थेक्स पिछले नैर्थेक्स की तुलना में अधिक अलंकृत था। ऐसा लगता था जैसे यह यहाँ आने वाले लोगों को आगे के दृश्यों के लिए तैयार कर रहा हो। इसकी दीवारें पके पत्थरों से बनी थी, जो ख़ूबसूरत झूमरों की रोशनी में चमक रहे थे। इस शांत जगह के दूर वाले कोने पर चार दरवाज़े बने थे जिनके ऊपर दर्शनीय मोजैक का काम किया था। लैंग्डन ने पाया कि वह मन-ही-मन इनकी प्रशंसा में डूबा हुआ था।

मिरसत इनमें से सबसे बड़े दरवाज़े के पास पहुँच गया। विशाल आकार का यह दरवाज़ा पीतल की चादर से ढके पोर्टल की तरह था।

'शाही दरवाज़ा।' मिरसत ने फुसफुसाकर कहा। अति उत्साह की वजह से उसकी आवाज़ काँप रही थी। 'बाइजेंटाइन काल में इस दरवाज़े का इस्तेमाल केवल राजा करते थे। सैलानी सामान्य तौर पर इस रास्ते से नहीं जाते, लेकिन आज की रात तो ख़ास है।'

मिरसत दरवाज़े के नज़दीक जाकर रुक गया। 'अंदर घुसने के पहले,' वह फुसफुसाया, 'मैं जानना चाहता हूँ कि क्या इसके भीतर कोई ख़ास चीज़ है जिसे आप देखना चाहते हैं?'

लैंग्डन, ब्रूडर और सिंस्की हक्के बक्के एक दूसरी की तरफ देखने लगे।

'हाँ,' लैंग्डन ने कहा। 'यहाँ इतना कुछ देखने को है, लेकिन अगर संभव हो तो हम

एनरिको डैनडोलो की कब्र से शुरू करना चाहेंगे।'
मिरसत ने अपना सिर घुमाया। ऐसा लगा जैसे उसने कुछ गलत सुन लिया हो। 'माफ कीजिए? आप . . .डैनडोलो की कब्र देखना चाहते हैं?'
'जी, हाँ।'
मिरसत उदास हो गया। 'लेकिन सर. . .डैनडोलो की कब्र बिलकुल सादी है। इसपर कोई संकेत चिह्न नहीं बना है। बिलकुल सादा। यह उतनी दर्शनीय जगह नहीं है।'
'मुझे मालूम है,' लैंग्डन ने विनम्रता के साथ कहा। 'फिर भी हम आपके तहे दिल से शुक्रगुजार होंगे अगर आप हमें यह जगह दिखा सकेंगे।'
मिसरत काफी देर तक लैंग्डन को देखता रहा। इसके बाद उसने अपनी नज़रें ऊपर लगे मोजैक की ओर घुमा ली, जो दरवाज़े केठीक ऊपर बना था। लैंग्डन अभी-अभी इसकी तारीफ कर रहा था। मोजैक में नवीं सदी के पैंटोक्रेटर ईसा मसीह को दिखाय़ी गया था। इस ऐतिहासिक तस्वीर में ईसा मसीह के बाएँ हाथ में न्यू टेस्टामेंट दिखाई देता है जबकि वे अपने दाहिने हाथ से लोगों को आशीर्वाद दे रहे हैं।
तभी, ऐसा लगा जैसे उनके गाइड के दिमाग की कोई बत्ती जली। मिसरत के होंठों के कोने पर हँसी दिखाई दे रही थी। उसने अपनी उंगलियाँ घुमानी शुरू कर दी। 'चतुर व्यक्ति। काफी तेज़ तर्रार।'
लैंग्डन उसकी ओर घूरकर देखता रहा। 'आई एम सॉरी?'
'चिंता मत कीजिए, प्रोफेसर।' मिसरत ने षड्यंत्रकारी लहज़े में कहा। 'मैं किसी को नहीं बताऊँगा कि आप यहाँ आए थे।'
सिंस्की और ब्रूडर ने लैंग्डन की ओर हैरानी से देखा।
लैंग्डन इस वक़्त अपने कंधे उचकाने के सिवा और कुछ नहीं कर सकता था। मिसरत ने धक्का देकर दरवाज़ा खोल दिया और उन्हें लेकर अंदर दाखिल हो गया।

88

कुछ लोग इसे दुनिया का आठवां आश्चर्य कहते थे। यहाँ खड़ा लैंग्डन इस आकलन के बारे में बहस नहीं करना चाहता था।

इस इमारत के अंदर बने विशाल सैंक्चुअरी में पैर रखते हुए लैंग्डन समझ गया कि अपनी विशाल आकृति के कारण हागिया सोफिया यहाँ आने वाले लोगों को प्रभावित करने में एक पल का भी समय नहीं लेता।

यह कमरा इतना बड़ा था कि इसके सामने यूरोप के कैथेड्रल बौने दिखाई देते थे। लैंग्डन जानता था कि इसकी विशालता आँशिक रूप से एक भ्रम था, एक तरह का नाटकीय प्रभाव, जो इसके बाइजेंटाइन फ्लोर-प्लान की वजह से पैदा होता था। इसके बीचों बीच बनी मंदिरनुमा संरचना, नाओस, के कारण इसका पूरा का पूरा भीतरी क्षेत्र क्रूसीफॉर्म के चारों छोर में फैलने की बजाय एक ही वर्गाकार कमरे में केंद्रित हो जाता था। बाद में बने गिरजाघरों में इसी शैली को अपनाया गया।

यह इमारत नोटर-डेम की तुलना में सात सौ साल पुरानी है, लैंग्डन ने सोचा।

लैंग्डन को कमरे की लंबाई-चौड़ाई का अनुमान लगाने में थोड़ा वक़्त लगा। इसके बाद वह ऊपर की तरफ देखने लगा–डेढ़ सौ फुट की ऊँचाई पर बना सुनहरा गुंबद, जो कमरे के ऊपर सिरमौर की तरह दिखाई दे रहा था। इसके केंद्रीय बिंदु से चारों तरफ सूरज की रोशनी की तरह चालीस रेखाएँ बाहर की तरफ निकल रही थी, जो एक गोलाकार आर्केड में मिलती थी। उस आर्केड में चालीस मेहराबदार खिड़कियाँ बनी थी। दिन के समय जब इन खिड़कियों से आ रही सूर्य की रोशनी इसमें लगे सुनहले टाइलों में धंसे शीशे के टुकड़ों से प्रतिबिंबित और पुनः-प्रतिबिंबित होती थी। सोफिया हागिया जिस रहस्यमई रोशनी के लिए सबसे अधिक मशहूर था उसका यही राज था।

लैंग्डन ने इस कमरे की सुनहली आभा का पेंटिंग में चित्रण केवल एक जगह देखा था। जॉन सिंगर सार्जेंट। आश्चर्य नहीं कि हागिया सोफिया की अपनी मशहूर पेंटिंग बनाने के लिए इस अमेरिकी कलाकार ने एक ही रंग के विभिन्न शेड्स का इस्तेमाल किया था।

सुनहला।

चमचमाते सुनहले गुंबद को प्रायः ‘स्वर्ग का गुंबद’ कहा जाता था। यह चार विशाल मेहराबों पर टिका था, जो ख़ुद अनेक छोटे मेहराबों और टिंपाना पर टिका था। गुंबदों को संभालने वाली ये संरचनाएँ ख़ुद भी छोटे उप-गुंबदों और आर्केडों की श्रृंखला पर टिकी थी जिसे देखकर लगता था कि ये वास्तुशिल्पीय संरचनाएँ धरती से शुरू होकर सीधे स्वर्ग की ओर जा रही थी।

इसके विपरीत छत से नीचे की ओर लटक रही धातु की बनी लंबी रस्सियों से चमचमाते ढेरों फानूस मानो स्वर्ग से धरती की ओर आते दिखाई दे रहे थे। ये फानूस फर्श के इतने नज़दीक तक आ रहे थे कि लंबे कद के लोगों को इनसे टकराने का डर लगा रहता था। दरअसल यह भी एक प्रकार का दृष्टि-भ्रम था, जो उस स्थान की विशालता के कारण पैदा होता था। सचाई थी कि ये फानूस फर्श से कम-से-कम बारह फीट ऊपर टंगे थे।

दुनिया के दूसरे मशहूर मकबरों की तरह, हागिया सोफिया का विशाल आकार दो मकसद पूरा करता था। पहला, यह ईश्वर के सामने यह सबूत पेश करता था कि उसके प्रति अपनी श्रद्धा प्रदर्शित करने के लिए मनुष्य किस हद तक जा सकता था। दूसरा, यह वहाँ प्रार्थना करने के लिए आने वाले लोगों के लिए एक तरह के सदमे का काम करता था। इस विशाल संरचना के भीतर आकर उन्हें अपने बौनेपन का अहसास होता था, उनका अहंकार समाप्त हो जाता था, उनका शरीर और इस ब्रह्मांड के अंदर उनका अस्तित्व ईश्वर के सामने महज धूल के कण के बराबर प्रतीत होता था, सृष्टिकर्ता के हाथों में एक अणु के बराबर।

जब तक मनुष्य शून्य नहीं होता, तब तक ईश्वर उसे कुछ नहीं बना सकता। ये शब्द मार्टिन लूथर ने सोलहवीं सदी में कहे थे, लेकिन यह विचार शुरुआत से ही धार्मिक इमारतों को बनाने वाले लोगों की सोच का हिस्सा रहा था।

लैंग्डन ने ब्रूडर और सिंस्की की ओर देखा। वे लोग भी ऊपर की तरफ देख रहे थे। अब उन्होंने अपनी नज़रें नीची कर ली।

'जीसस,' ब्रूडर ने कहा।

'हाँ,' मिरसत ने उत्साहित होकर कहा। 'साथ ही अल्लाह और मुहम्मद भी।'

गाइड ने ब्रूडर को मुख्य ऑल्टर की तरफ देखने को कहा, जहाँ ईसा मसीह की एक विशाल छवि दीवार में मोजैक की शक्ल में बनी थी। इसके दोनों तरफ दो बड़ी चकतियाँ लगी थीं, जिनमें अलंकृत शैली में अरबी में अल्लाह लिखा था।

'यह म्यूजियम आगंतुकों को जानकारी देना चाहता है कि इस पवित्र स्थान का कई उद्देश्यों से इस्तेमाल होता था।' मिसरत ने कहा। 'इसीलिए इसमें उस वक़्त का चित्र भी दिखाया गया है, जब हागिया सोफिया एक गिरजाघर था। साथ ही इसके मस्जिद में बदले जाने के बाद बने इस्लामी चित्र शैली को भी यहाँ प्रदर्शित किया गया है।' उसके चेहरे पर गर्व भरी मुस्कान दिखाई दे रही थी। 'वास्तविक दुनिया में धर्मों के बीच होने वाले संघर्षों के बावजूद मुझे लगता है कि उनके प्रतीक साथ-साथ अच्छी तरह से रह पाते हैं। मुझे मालूम है कि आप मेरी बातों से सहमत हैं, प्रोफेसर।'

लैंग्डन ने तहेदिल से उसकी बातों को स्वीकार किया। उसे याद आया कि जब इस इमारत को मस्जिद में बदला गया था तो इसके अंदर बने ईसाई धर्म से संबंधित चित्रों को सफेदी से ढक दिया गया था। इस्लामी प्रतीकों के साथ-साथ बने ईसाई प्रतीक-चिह्न मंत्रमुग्ध करने

वाला दृश्य उपस्थित कर रहे थे, ख़ासकर इस वजह से कि उनकी चित्र-शैली और संवेदनाएँ एक-दूसरे से बिलकुल विपरीत थी।

एक तरफ ईसाई चित्रशैली में भगवान और संतों का शारीरिक निरूपण किया जाता था वहीं दूसरी ओर इस्लामी शैली में कैलीग्राफी और ज्यामितीय आकृतियों के माध्यम से ईश्वर की रचना यानी इस संसार का निरूपण किया गया था। इस्लाम की मान्यता थी कि केवल ईश्वर ही जीवों को पैदा कर सकता था और इसलिए मनुष्य को जीवंत वस्तुओं के निरूपण का कोई हक नहीं था–न ही भगवान का, न मनुष्य और न ही पशुओं का चित्र।

लैंग्डन को याद आया कि वह एक बार अपने छात्रों को इसके बारे मे समझाने की कोशिश कर रहा था। 'उदाहरण के लिए एक मुसलमान माइकेल एंजेलो ने सिस्टीन गिरजाघर की छत पर कभी ईश्वर के चेहरे की पेंटिंग नहीं बनाई होती। उसने वहाँ उनका नाम लिखा होता। ईश्वर के चेहरे को दिखाना धार्मिक अपराध होता।'

लैंग्डन ने इसकी वजह भी बताई थी।

'ईसाइयत और इस्लाम दोनों ही शब्द केंद्रित हैं।' उसने अपने छात्रों को बताया। 'ईसाई परंपरा में बुक ऑफ़ जॉन में शब्द शरीर बन गएः ऐंड द वर्ड वॉज मेड फ़्लेश ऐंड ही ड्वेल्ट अमंग अस. . .शब्द शरीर बन गए और वे हमारे बीच रहने लगे।' इसलिए शब्द मानवीय स्वरूप में स्वीकार्य थे, लेकिन इस्लामी परंपरा में शब्दों ने शरीर का स्वरूप ग्रहण नहीं किया। इसलिए शब्दों को शब्द ही रहना पड़ा..प्रायः. . .इस्लाम के पवित्र व्यक्तित्वों का कैलिग्राफिक शैली में निरूपण, लिखावट के माध्यम से।'

लैंग्डन के एक छात्र ने इस जटिल इतिहास को बड़े ही मज़ेदार ढंग से पेश किया, 'ईसाई चेहरे को पसंद करते हैं, मुसलमान शब्दों को।'

'यहाँ, हमारे सामने,' मिरसत ने अपनी बात जारी रखी। वह इस शानदार कमरे की तरफ इशारा कर रहा था। 'आप इस्लाम और ईसाइयत के एक नायाब मिश्रण को यहाँ देख रहे हैं।'

उसने जल्दी से वहाँ बने अर्धवृत्ताकार स्थान, ऐप्स, की ओर दिखाया, जहाँ इन दोनों धर्मों का मिश्रित स्वरूप दिखाई दे रहा था। ख़ासकर, मेहराब से नीचे झाँकती वर्जिन मेरी और बच्चा। मस्जिद के अंदर बना अर्धवृत्ताकार मेहराब मक्का की दिशा निरूपित करता है। पास ही एक सीढ़ी बनी थी, जो उस मंच तक जाती थी, जहाँ से ईसाई संत प्रवचन देते थे, लेकिन यह दरअसल मिनबर था, जहाँ खड़े होकर इमाम शुक्रवार की नमाज़ का नेतृत्व करता है। इसी तरह वहाँ मंच जैसी संरचना ईसाई क्वायर की तरह लगती थी, लेकिन वास्तविकता में यह मुअज़्ज़िन महफिली थी, जहाँ घुटनों के बल खड़े होकर मुअज़्ज़िन इमाम के पीछे पीछे नमाज़ पढ़ता है।

'मस्जिद और कैथेड्रल के बीच में अद्भुत समानता दिखाई देती है,' मिरसत ने घोषणा की।

'पूर्व और पश्चिम की परंपराएँ आपको जितनी अलग-अलग दिखाई देती हैं, वे वस्तुतः उतनी अलग नहीं हैं।'

'मिरसत,' ब्रूडर ने ज़िद करते हुए कहा। 'हम अभी डैनडोलो की कब्र देखना चाहते हैं, अगर आप की इजाज़त हो।'

मिरसत इसे सुनकर थोड़ा नाराज़ लग रहा था मानो ब्रूडर की जल्दबाजी शायद इस इमारत की बेइज़्ज़ती हो।

'हाँ,' लैंग्डन ने कहा। 'जल्दबाजी के लिए माफी चाहूँगा, लेकिन हमारे पास बहुत कम वक़्त है।'

'फिर ठीक है,' मिरसत ने दाहिनी तरफ ऊँचाई पर बनी बालकनी की ओर दिखाते हुए कहा। 'हम मज़ार को देखने के लिए ऊपर चलते हैं।'

'ऊपर?' लैंग्डन ने हैरान होकर पूछा। 'क्या एनरिको डैनडोलो को नीचे तहखाने में नहीं दफनाया गया है?' लैंग्डन को मकबरा तो याद था, लेकिन इस इमारत में उस जगह का पता नहीं था, जहाँ यह बना था। उसके मन में इमारत के तहखाने की अंधेरी जगह उभर रही थी।

मिरसत इस सवाल को सुनकर भौंचक्का था। 'नहीं प्रोफेसर, एनरिको डैनडोलो का मकबरा, मुझे पूरा यकीन है, ऊपर है।'

पता नहीं यहाँ क्या चल रहा है? मरसत ने पूछा।

लैंग्डन ने जब उसे डैनडोलो की कब्र दिखाने को कहा था उसी समय मिरसत को शक हो गया था कि इसके पीछे कोई दूसरी बात थी। *डैनडोलो की कब्र भला कौन देखना चाहता है?* मिरसत को लगा था कि लैंग्डन डैनडोलो की कब्र के साथ बने रहस्यमय खजाने डीसिस मोजैक को देखना चाहता था। सर्वशक्तिमान ईसा मसीह की यह मोजैक में बनी तस्वीर इस इमारत की सबसे रहस्यमय कलाकृतियों में शुमार होती थी।

लैंग्डन इस मोजैक पर रिसर्च कर रहा है और वह इसे गोपनीय रखना चाहता है, मिरासत ने अनुमान लगाया था। उसका अंदाज़ा था कि शायद लैंग्डन डीसिस पर चुपचाप कोई लेख लिख रहा था।

लेकिन अब मिरसत दुविधा में पड़ गया था। लैंग्डन को ज़रूर पता होगा कि डेसिस मोजैक दूसरी मंज़िल पर था, लेकिन इसके बावजूद वह हैरान होने का नाटक क्यों कर रहा था?

मुमकिन है कि वह डैनडोलो की कब्र की ही तलाश कर रहा है?

मिरसत भौचक्का था। वह उन लोगों को लेकर सीढ़ियों की तरफ जाने लगा। आगे बढ़ते हुए उन लोगों के हागिया सोफिया के दो मशहूर मटकों को पार किया। 330 गैलन की क्षमता

वाले इन विशाल मटकों को हेलेनिस्टिक काल में संगमरमर की एक ही चट्टान को काटकर बनाया गया था।

अपने साथ चल रहे लोगों के समूह के साथ वह चुपचाप ऊपर जाते हुए मिरसत ख़ुद को परेशान महसूस कर रहा था। लैंग्डन के सहयोगी शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोग कतई नहीं लग रहे थे। उनमें से एक तो सिपाही या फौजी की तरह लग रहा था। उसकी शरीर गठीला और तना हुआ था। उसने पूरी तरह से काली पोशाक पहन रखी थी और सफेद बालों वाली औरत..मिरसत को लगा जैसे उसने उसे पहले देखा था. . .*शायद टीवी पर।*

उसे शक होने लगा कि यहाँ आने का उनका मकसद वह नहीं था, जो वे कह रहे थे। *ये लोग आख़िर यहाँ क्यों आए हैं?*

‘एक मंज़िल और’, मिरसत ने खुशी ज़ाहिर करते हुए बताया। वे अब चबूतरे पर पहुँच चुके थे। ‘ऊपर हमें एनरिको डैनडोलो की कब्र मिलेगी और साथ ही..’ वह बोलते बोलते थोड़ा रुक गया और लैंग्डन को देखने लगा। ‘*मशहूर डेसिस मोजैक।*’

कोई सुगबुगाहट तक नहीं।

ऐसा लग रहा था कि दरअसल लैंग्डन यहाँ डेसिस मोजैक के लिए बिलकुल नहीं आया था। लैंग्डन और उसके साथी पूरी तरह डैनडोलो की कब्र पर केंद्रित थे जिसकी वजह समझ में नहीं आ रही थी।

89

मिरसत जब उन्हें लेकर ऊपर जा रहा था तो लैंग्डन को लग रहा था कि ब्रूडर और सिंस्की परेशान हो रहे थे। ज़ाहिर था कि दूसरी मंज़िल पर जाना बेमतलब का काम था। लैंग्डन की आँखों के सामने जोब्रिस्ट की ज़मीन के नीचे बनाई गई फिल्म और हागिया सोफिया के नीचे पानी में डूबे क्षेत्र के बारे में बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म की बात घूम रही थी।

पवित्र ज्ञान वाले स्वर्ण-जड़ित म्यूजियम में घुटनों के बल झुकना, लगा लेना ज़मीन पर अपने कान, सुनना बहते पानी की आवाज़।

अंततः जब वे दूसरी मंज़िल पर पहुँचे तो मिरसत उन्हें बालकनी के किनारे किनारे दाहिनी ओर ले गया, जहाँ से नीचे सैंक्चुअरी का ख़ूबसूरत नज़ारा दिखाई दे रहा था। लैंग्डन सामने देख रहा था, बिलकुल अपना ध्यान एक बिंदु पर केंद्रित रखते हुए।

मिरसत डेसिस मोजैक के बारे में उत्साह से जानकारी दे रहा था, लेकिन लैंग्डन उसपर ध्यान नहीं दे रहा था।

अब उसे अपना लक्ष्य सामने दिखाई दे रहा था।

डैनडोलो की कब्र।

कब्र ठीक वैसी ही दिखाई दे रही थी जैसी कि लैंग्डन ने कल्पना की थी–सफेद संगमरमर का बना चौकोर टुकड़ा, जो पॉलिश किए हुए फर्श में धंसी हुई थी। इसके चारों तरफ ज़ंजीरों और रस्सियों का घेरा था।

लैंग्डन तेज़ी से कब्र के पास गया और उस पर लिखी चीज़ पढ़ने लगा।

हेनरिकस डैनडोलो।

उसके साथ चल रहे लोग जब नज़दीक पहुँचे तो लैंग्डन अचानक सक्रिय हो गया। वह सुरक्षा के लिए लगाई ज़ंजीर को पार कर दूसरी तरफ चला गया, जहाँ उसने कब्र के आगे मज़बूती से अपना पैर टिका दिया।

मिरसत ने जोरदार तरीके से इसका विरोध किया, लेकिन लैंग्डन रुका नहीं। वह घुटनों के बल बैठकर धोखेबाज डोज के आगे प्रार्थना करने लगा।

इसके बाद मिरसत के चिल्लाकर मना करने के बावजूद लैंग्डन ने अपनी हथेली सीधे कब्र पर रख दी और साष्टांग लेट गया। चेहरे को ज़मीन पर सटाते हुए लैंग्डन को लगा जैसे वह मक्का की ओर झुककर प्रार्थना कर रहा था। इसे देखकर मिरसत दंग रह गया। वह अवाक था। अचानक पूरी इमारत में चुप्पी छा गई।

लैंग्डन ने गहरी साँस लेते हुए सिर को दायीं ओर घुमाया और अपने बाएँ कान को कब्र से सटाया। पत्थर उसके कान में सटा तो उसे ठंड का अनुभव हुआ।

पत्थर से होकर आती हुई आवाज़ दिन की रोशनी की तरह स्पष्ट थी।

हे भगवान।

दांते के *इन्फर्नो* का अंतिम दृश्य जैसे नीचे से प्रतिध्वनित हो रहा था।

लैंग्डन ने धीरे-धीरे अपना सिर ज़मीन से ऊपर किया और ब्रूडर तथा सिंस्की की ओर देखने लगा।

'मैंने वह आवाज़ सुनी।' उसने फुसफुसाकर कहा। 'बहते हुए पानी की आवाज़।'

ब्रूडर भी ज़ंजीर को फांद कर दूसरी तरफ चला गया और लैंग्डन की बगल में झुककर आवाज़ सुनने की कोशिश करने लगा। थोड़ी ही देर में वह भी तन्मयता से अपना सिर हिला रहा था।

अब वे नीचे बहते पानी की आवाज़ सुन चुके थे तो एक सवाल बचा था। यह पानी बहकर कहाँ जा रहा है?

लैंग्डन के दिमाग में पानी के भीतर डूबी, लाल रंग की रोशनी में नहाई डरावनी गुफा का दृश्य घूम रहा था, जो यहीं कहीं उनके पैरों के नीचे था. . .

ज़मीन में धंसे महल के रास्ते पर चलना
क्योंकि यहीं अंधेरे में इंतज़ार करता है थोनिक राक्षस
डूबा है, जो लैगून के रक्तिम जल में
जिसमें दिखाई नहीं देती सितारों की परछाई . . .

लैंग्डन जब खड़ा हुआ और लोहे की ज़ंजीर और रस्सियों के घेरे को पार कर इस तरफ आया तो मिरसत ने उसकी तरफ देखा। उसके चेहरे पर चिंता और धोखा खाने का भाव दिखाई दे रहा था। अपने तुर्क गाइड की तुलना में लैंग्डन कम-से-कम एक फुट अधिक लंबा था।

'मिरसत,' लैंग्डन ने अपनी बात शुरू की। 'मैं माफी चाहता हूँ। तुम देख सकते हो कि यह एक असामान्य परिस्थिति है। मुझे इसकी व्याख्या करने का वक़्त नहीं है, लेकिन मैं तुमसे इस इमारत के बारे में एक बहुत ही अहम सवाल पूछना चाहता हूँ।'

मिरसत ने किसी तरह अपना सिर हिलाया, 'पूछिए।'

'यहाँ डैनडोलो की कब्र के साथ पत्थरों के नीचे हमें किसी छोटी नदी के बहने की आवाज़ सुनाई दे रही है। हम जानना चाहते हैं कि यह नदी किस ओर बहती है?'

मिरसत ने अपना सिर हिलाया। 'मैं इसे नहीं समझ पाता हूँ। हागिया सोफिया के फर्श पर हर जगह पानी के बहने की आवाज़ सुनाई देती है।'

वहाँ मौजूद सभी लोग अकड़ गए।

'हाँ,' मिरसत ने उनसे कहा, 'ख़ासकर बारिश के समय। हागिया सोफिया की छत पर करीब एक लाख वर्ग फुट ऐसी जगह है, जहाँ पानी जमता है। वहाँ से पानी के बाहर निकलने में कई दिन का समय लग जाता है। जब तक पानी वहाँ से पूरी तरह निकलता है, तब तक दोबारा बारिश हो जाती है। शायद आपको पता होगा कि हागिया सोफिया पानी की विशाल गुफाओं के ऊपर खड़ी है। इस पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी बनी थी जिसमें. . .'

'हाँ-हाँ,' लैंग्डन ने कहा। 'लेकिन क्या तुम्हें इस बात की जानकारी है कि डैनडोलो की कब्र पर सुनाई देने वाला पानी किस स्थान को जाता है?'

'बिलकुल।' मिरसत ने कहा। 'ये पानी भी उसी जगह जाता है, जहाँ हागिया सोफिया से गिरने वाला शेष पानी जाता है। शहर के लिए बने कुंड में।'

'नहीं।' ब्रूडर ने रस्से के घेरे से दूर होते हुए कहा। 'हम नाले की तलाश में यहाँ नहीं आए हैं। हम धरती के भीतर बने बड़े आकार की उस जगह की तलाश कर रहे हैं, जिसमें शायद खंभे बने हैं।'

'हाँ, शहर के प्राचीन काल में बने नाले ठीक इसी तरह के हैं। धरती के भीतर बनी जगह जिनमें खंभे हैं। दरअसल ये काफी शानदार हैं। इसे शहर की जलापूर्ति के लिए छठी सदी में बनाया गया था। आजकल इसमें सिर्फ चार फुट पानी पाया जाता है लेकिन..'

'यह कहाँ है?' ब्रूडर ने पूछा। वह घबराया हुआ लग रहा था। उसकी आवाज़ खाली हॉल में गूँज रही थी।

'यह कुंड..' मिरसत ने घबराते हुए पूछा। 'यह केवल एक ब्लॉक आगे है। इस इमारत के ठीक पूरब की ओर।' उसने बाहर की तरफ इशारा किया। 'इसे येरेबतन सराई कहते हैं।'

सराई? लैंग्डन को यह सुनकर हैरानी हुई। *जैसे कि टोपकापी सराई?* वे जब इस तरफ आ रहे थे तो उन्हें हर जगह टोपकापी का रास्ता दिखाने वाली तख्ती दिखाई दी थी। 'लेकिन सराई की मतलब तो महल होता है?'

मिरसत ने सिर हिलाया। 'हाँ। हमारे प्राचीन कुंड का नाम येरेबतन सराई है। *इसका मतलब होता है—पानी के नीचे डूबा महल।*

90

जिस समय डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की, लैंग्डन, ब्रूडर और उनके भौचक गाइड मिरसत के साथ हागिया सोफिया से बाहर निकल रही थी वहाँ मूसलाधार बारिश हो रही थी।

ज़मीन में धंसे महल के रास्ते पर चलना, सिंस्की ने सोचा।

शहर का कुंड येरेबतन सराई वहाँ से पीछे नीली मस्जिद के पास थोड़ा उत्तर की ओर था।

मिरसत उन्हें रास्ता दिखाता हुआ चल रहा था।

सिंस्की के पास अब अपना असली परिचय बताने के अलावा कोई चारा नहीं बचा था। उसने मिरसत को बता दिया कि वे लोग ज़मीन के अंदर बने महल में एक संभावित दुर्घटना को टालने के लिए कोशिश कर रहे हैं।

'इस तरफ' अंधेरे पार्क को पार करते हुए मिरसत ने कहा। हागिया सोफिया की पहाड़ी अब उनके पीछे थी। नीली मस्जिद का कंगूरा देवलोक की तरह सामने चमचमा रहा था।

ब्रूडर सिंस्की के साथ-साथ चलते हुए फोन पर किसी से चिल्लाकर बात कर रहा था। वह एसआरएस टीम के लोगों को ताज़ा स्थिति के बारे में बता रहा था और उन्हें कुंड के दरवाज़े के पास मिलने के लिए हुक्म दे रहा था। 'ऐसा लगता है कि जोब्रिस्ट शहर की जलापूर्ति व्यवस्था में प्लेग के जीवाणु डालना चाहता है।' ब्रूडर ने हाँफते हुए कहा। 'मुझे इस कुंड के अंदर जाने और बाहर निकलने के सभी रास्तों का खाका चाहिए। हम संक्रामक रोगों के लिए अपनाए जाने वाले आइसोलेशन और नियंत्रण संबंधी प्रोटोकॉल का पालन करेंगे। हमें वैक्युम के साथ ही भौतिक-रासायनिक रोधकों की ज़रूरत होगी..'

'रुको।' मिरसत ने उसकी ओर चिल्लाकर कहा। 'तुमने गलत समझा। यह कुंड आज की तारीख में शहर की जलापूर्ति नहीं करता। पहले करता था, लेकिन अब नहीं।'

ब्रूडर ने फोन नीचे कर लिया और गाइड को घूरकर देखने लगा। 'क्या?'

'प्राचीन काल में इस कुंड का इस्तेमाल शहर में पानी की व्यवस्था के लिए किया जाता था।' मिरसत ने साफ किया। 'लेकिन अब नहीं। हमने अब आधुनिक व्यवस्था अपना ली है।'

ब्रूडर एक छायादार पेड़ के नीचे आकर रुक गया। सभी लोग उसके साथ रुक गए।

'मिरसत,' सिंस्की ने कहा, 'क्या तुम यकीन के साथ कह सकते हो कि इस कुंड का पानी कोई नहीं पीता?'

'नहीं, बिलकुल नहीं।' मिरसत ने कहा। 'पानी इसमें जमा रहता है, बस। अंत में यह ज़मीन के नीचे चला जाता है।'

सिंस्की, लैंग्डन और ब्रूडर ने एक-दूसरे की तरफ सवालिया नज़रों से देखा। सिंस्की समझ

नहीं पा रही थी कि उसे चिंतित होना चाहिए या ख़ुश। *अगर इस पानी का इस्तेमाल कोई करता ही नहीं है तो फिर जोब्रिस्ट ने प्लेग का जीवाणु डालने के लिए इसे क्यों चुना?*

'हमने जब कई दशकों पहले अपनी जलापूर्ति व्यवस्था को आधुनिक बनाया,' मिरसत ने कहा 'तो इस कुंड का इस्तेमाल बंद हो गया। यह बस ज़मीन के अंदर बनी एक विशाल हौदी रह गई।' उसने अपने कंधे उचकाए। 'आजकल तो यह सैलानियों के देखने की जगह भर है, बस।'

सिंस्की हड़बड़ाकर मिरसत की ओर मुड़ी। सैलानियों के आकर्षण का केंद्र? 'रुको. . .तो लोग नीचे जा सकते हैं, कुंड के भीतर?'

'बिलकुल।' उसने कहा। 'कई हज़ार लोग वहाँ रोज़ जाते हैं। यह गुफा देखने में अद्भुत है। पानी के ऊपर चलने के लिए लकड़ी की तख्तियाँ लगी हैं. . .वहाँ एक छोटा-सा कैफे भी है। अंदर थोड़ी-सी ही हवा जा पाती है इसलिए वहाँ नमी और सीलन का अनुभव होता है। इसके बावजूद यह काफी लोकप्रिय है।'

सिंस्की की आँखें ब्रूडर से मिली। वह तुरंत समझ गई कि वह और उसकी प्रशिक्षित एसआरएस एजेंट, दोनों ही एक ही चीज़ की कल्पना कर रहे थे–अंधेरी, लंबे समय से ठहरे पानी से भरी सीलन वाली गुफा, जिसमें छुआछूत से फैलने वाला विषाणु विकसित हो रहा था। इस चिंताजनक स्थिति को वहाँ पानी की सतह के ठीक ऊपर दिन-भर बोर्डवॉक कर रहे सैलानियों की उपस्थिति और भी भयंकर बना रही थी।

'उसने एक बायोएयरोसोल का निर्माण किया है।'

सिंस्की ने सिर हिलाया। उसका शरीर ढीला पड़ गया।

'बायोएयरोसोल, यानी?'

'यानी, हवा में उड़कर फैलने वाला।'

लैंग्डन चुप हो गया। सिंस्की ने देखा कि वह अब इस संकट की संभावित गंभीरता का अनुमान लगा रहा था।

सिंस्की भी हवा में फैलने वाले विषाणु की संभावना बारे में थोड़े दिनों से सोच रही थी, लेकिन जब उसे पता चला कि यह कुंड शहर की जलापूर्ति किया करता था तो उसे लगा था कि शायद जोब्रिस्ट ने पानी के माध्यम से फैलने वाली किसी विधि का इस्तेमाल करने की योजना बनाई होगी। पानी में रहने वाली बैक्टीरिया ताकतवर होते थे और उन पर पानी का असर नहीं होता था, लेकिन उनके फैलने की गति भी धीमी होती थी।

हवा के माध्यम से फैलने वाले विषाणु बहुत तेज़ी से फैलते थे।

बहुत तेज़ी से।

'अगर ये हवा के माध्यम से फैलने वाला है,' ब्रूडर ने कहा, *'तो यह वायरल है।'*

वायरस, सिंस्की इस बात से सहमत थी। शायद इससे अधिक तेज़ी से फैलने वाले विषाणु

का चुनाव जोब्रिस्ट नहीं कर सकता था।

हवा से फैलने वाले विषाणु को फैलाने के लिए इसे पानी के अंदर डालना असामान्य बात थी, लेकिन ऐसी जैविक इकाइयाँ भी होती थीं, जो पानी में पैदा होती थी और हवा में अंडे देती थी जैसे कि मच्छड़, फफूंदी, लिजेनेयर डिजीज को जन्म देने वाले बैक्टीरिया, माइकोटोक्सिन, रेड टाइड, यहाँ तक कि स्वयं मनुष्य भी। सिंस्की कुंड के लैगून में प्रवेश कर रहे वायरस की कल्पना करने लगी. . .और फिर नमी वाली हवा में घुल रहे संक्रमित अत्यंत सूक्ष्म कण, माइक्रोड्रॉपलेट।

मिरसत अब ट्रैफिक जाम से भरी सड़क की ओर देख रहा था। उसके चेहरे पर चिंता की रेखा दिखाई दे रही थी। सिंस्की उसी तरफ देखने लगी जिधर मिरसत देख रहा था–चौकोर, लाल-सफेद ईंटों से बनी इमारत, जिसमें बना एकमात्र दरवाज़ा खुला था। अंदर दरवाज़े जैसा कुछ दिखाई दे रहा था। बाहर सुंदर पोशाकों में कई लोग इंतज़ार करते हुए दिख रहे थे। उनके हाथों में छतरियाँ थी। दरबान सीढ़ियों से उतर रहे अतिथियों के आने जाने की व्यवस्था देख रहा था।

ज़मीन के अंदर बना नाइट-क्लब?

सिंस्की ने इमारत पर सुनहले अक्षरों में लिखी इबारत देखी। उसे अचानक अपनी छाती अकड़ती लगने लगी। अगर इस क्लब को सिस्टर्न, कुंड, नहीं कहा जाता है और यह 1523 ई. में नहीं बना है तो फिर मिरसत इतना परेशान क्यों लग रहा था।

‘ज़मीन के अंदर धंसा महल’, मिरसत हकलाते हुए बोला। ‘ऐसा लगता है कि आज की रात संगीत कार्यक्रम आयोजित हो रहा है।’

सिंस्की को यह सुनकर विश्वास नहीं हुआ। ‘कुंड के भीतर कंसर्ट?’

‘यह ज़मीन के अंदर बनी काफी बड़ी जगह है,’ उसने जवाब दिया।’ इसका प्रायः सांस्कृतिक केंद्र के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।’

ऐसा लगा कि ब्रूडर इसके बारे में और अधिक नहीं सुनना चाहता था। भारी ट्रैफिक वाले अलेमेडार एवेन्यु को पार करता हुआ वह तेज़ी से उस इमारत की ओर दौड़ा। सिंस्की और दूसरे लोग भी एजेंट के पीछे पीछे तेज़ी से दौड़ने लगे।

जब वे कुंड के प्रवेशद्वार के पास पहुँचे तो संगीत-कार्यक्रम में जाने वाले कुछ लोग अंदर जाने के लिए दरवाज़े पर इंतज़ार कर रहे थे–बुरका पहनी तीन औरतें, हाथ में हाथ डाले दो सैलानियों का जोड़ा, टक्सेडो पहना एक आदमी। वे सभी बारिश से बचने के लिए दरवाज़े की दहलीज पर खड़े थे।

नीचे से आ रहे संगीत का मधुर स्वर सिंस्की के कानों में पड़ रहा था। बर्लिओज, उसने ख़ास शैली में बज रहे आर्केस्ट्रा के आधार पर अनुमान लगाया। यह संगीत भले ही कुछ भी हो, यहाँ इस्तांबुल की गलियों में यह अटपटा-सा लग रहा था।

दरवाज़े के पास पहुँचते हुए उसे लगा कि नीचे सीढ़ियों से गर्म हवा का झोंका आ रहा था। चारों ओर से बंद गुफा से उठकर हवा का झोंका ऊपर आ रहा था। हवा के साथ वायलिन की आवाज़ के साथ-साथ नमी और वहाँ इकट्ठा हुआ लोगों की भीड़ की गंध भी ऊपर आ रही थी।

इसके साथ ही सिंस्की के दिल में एक बड़ी आशंका भर रही थी।

अंदर से सैलानियों का एक समूह गपशप करता हुआ ऊपर आया। इमारत से बाहर निकलते हुए वे लोग काफी ख़ुश नज़र आ रहे थे। उनके बाहर आने के बाद, दरबान ने सैलानियों के दूसरे समूह को नीचे उतरने दिया।

ब्रूडर आगे बढ़ा। वह जल्द-से-जल्द नीचे पहुँचना चाहता था, लेकिन दरबान ने उसे मुस्कराते हुए हाथ के इशारे से रोक दिया। 'सर, एक मिनट। नीचे कुंड में अब जगह नहीं है। बस एक मिनट में कुछ लोग बाहर निकलने वाले हैं जब वहाँ से कुछ लोग बाहर आएँगे। थैंक्यू।'

ब्रूडर ज़बरदस्ती अंदर घुसने को तैयार दिख रहा था, लेकिन तभी सिंस्की ने उसके कंधे पर हाथ रखकर एक तरफ खिसकने को कहा।

'रुको।' उसने हुक्म दिया। 'तुम्हारी टीम पहुँचने वाली है और तुम इस जगह की तलाशी अकेले नहीं ले सकते।' उसने दीवार पर लगी एक तख्ती की ओर दिखाया, 'यह कुंड विशाल है।'

सूचना देने के लिए वहाँ लगी तख्ती में बताया गया था कि ज़मीन के अंदर बने इस विशाल कमरे का क्षेत्रफल फुटबॉल के दो मैदानों के बराबर था। इसकी छत करीब एक लाख वर्ग फीट थी और इसकी छत 336 खंभों के जंगल पर टिकी थी।

'इसे देखो।' लैंग्डन ने कहा। वह बस कुछ ही गज की दूरी पर खड़ा था। 'तुम्हें यह देखकर यकीन नहीं होगा।'

सिंस्की मुड़ी। लैंग्डन ने दीवार पर कंसर्ट के बारे में लगा पोस्टर दिखाया।

उफ। हे भगवान।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अध्यक्ष ने संगीत के बारे में सही अनुमान लगाया था–रोमांटिक, लेकिन उस समय, जो धुन बजाई जा रही थी उसे बर्लिओज ने नहीं बनाया था। इसे एक-दूसरे रोमांटिक संगीतकार ने बनाया था–फ्रांज लिज्ट।

आज की रात ज़मीन के अंदर किसी गहरी जगह में इस्तांबुल का स्टेट सिंफनी आर्केस्ट्रा फ्रांज लिज्ट की सबसे मशहूर रचना–दांते सिंफनी–का प्रदर्शन कर रहा था। यह पूरी की पूरी सिंफनी दांते के नरक में जाने और वहाँ से वापस लौटकर आने के कथानक पर आधारित है।

'यह पिछले एक सप्ताह से यहाँ चल रहा है।', लैंग्डन ने पोस्टर में महीन अक्षरों में लिखी

सूचना को पढ़ते हुए कहा। 'निःशुल्क कंसर्ट। किसी गुमनाम व्यक्ति द्वारा प्रायोजित।'

सिंस्की को लगा कि वह उस गुमनाम व्यक्ति की पहचान जानती है। ऐसा लग रहा था कि बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट के नाटकों के प्रति प्रेम उसकी निष्ठुर व्यावहारिक योजना का भी हिस्सा था। इस सप्ताह आयोजित किए जाने वाला मुफ्त संगीत समारोह हज़ारों लोगों को आकर्षित करेगा, जो सामान्य दिनों में यहाँ आने वाले सैलानियों से कई गुणा ज़्यादा होगा। वे सभी इस कुंड की संकरी-सी जगह में इकट्ठा होंगे. . .जहाँ वे संक्रमित हवा में साँस लेंगे और फिर देश विदेश में अपने अपने घरों को लौट जाएँगे।

'सर?' दरबान ने ब्रूडर को आवाज़ लगाई। 'अंदर कुछ लोगों के लिए अभी जगह बनी है।'

ब्रूडर सिंस्की की ओर मुड़ा। 'स्थानीय अधिकारियों को बुलाओ। हमें नीचे, जो कुछ भी मिलता है, उसके लिए हमें मदद की ज़रूरत होगी। जब मेरी टीम यहाँ पहुँचेगी तो उन्हें मुझे ताज़ा जानकारी के लिए रेडियो से सूचित करने कहना। मैं नीचे जाकर देखूंगी कि जोब्रिस्ट ने पानी के अंदर फँसा कर वह चीज़ कहाँ रखी है।'

'बिना रेस्पिरेटर के?' सिंस्की ने पूछा। 'तुम यकीन के साथ तो नहीं कह सकते कि सोल्युब्लोन बैग अब भी नष्ट नहीं हुआ है।'

ब्रूडर यह सुनकर खिसिया गया। उसने दरवाज़े से होकर आती हुई गर्म हवा में अपने दोनों हाथ उठा दिए। 'मुझे यह कहना बिलकुल अच्छा नहीं लगता, लेकिन अगर अब तक संक्रमण फैल चुका है तो मेरा अंदाज़ा है कि शहर में सभी लोग इससे संक्रमित हो चुके होंगे।'

सिंस्की भी यही सोच रही थी, लेकिन लैंग्डन और मिरसत के सामने वह कुछ बोलना नहीं चाह रही थी।

'इसके अलावा,' ब्रूडर ने उससे कहा, 'जब मेरी टीम हैजमैट पहनकर बाहर निकलती है तो भीड़ भाड़ वाली जगहों में क्या हाल होता है, इसे मैंने देखा है। ऐसे वक़्त में अफरा-तफरी और भगदड़ मचती है।'

सिंस्की ने ब्रूडर की बात मानना उचित समझा।आख़िर वह इन चीज़ों का माहिर था और उसने ऐसी परिस्थितियों को पहले भी झेला था।'

'हमारे पास सिर्फ एक विकल्प बचता है,' ब्रूडर ने उससे कहा। 'हमें यह मान कर चलना होगा कि वह जगह अब भी सुरक्षित है और हमें इसे फैलने से रोकने का नाटक करना होगा।'

'ठीक है।' सिंस्की ने कहा। 'तो फिर ऐसी ही करो।'

'एक समस्या और है।' लैंग्डन ने बीच में टोका, 'सिएना का क्या करें?'

'सिएना के बारे में क्या?' ब्रूडर ने सवाल किया।

'यहाँ इस्तांबुल में उसका मकसद भले ही, जो भी हो, भाषाओं के मामले में वह बड़ी

कुशल है और शायद वह थोड़ी बहुत तुर्क भाषा भी बोलती होगी।'

'तो?'

'सिएना ज़मीन के अंदर धंसे महल के बारे में कविता के उद्धरण को जानती है।' लैंग्डन ने कहा। 'और तुर्क भाषा में धंसा हुआ महल ठीक इसी जगह का नाम है. . .'। यह बोलकर उसने दरवाज़े पर लिखे येरेबेतन सराई की ओर दिखाया।

'हाँ, ये बात तो सही है।' सिंस्की ने थके हुए अंदाज़ में सहमति व्यक्त की। 'वह इस बात को समझ चुकी होगी और इसीलिए शायद वह हागिया सोफिया गई ही नहीं होगी।'

ब्रूडर ने उस दरवाज़े की तरफ देखकर दबी आवाज़ में गाली दी। 'ठीक है। अगर वह अंदर पहुँच चुकी है और सोल्युब्लोन बैग को हमारी कार्रवाई होने के पहले नष्ट करना चाहती है तो भी इतना तो पक्का है कि वह उस जगह पर बहुत पहले नहीं पहुँची होगी। वह एक बहुत ही बड़ी जगह है और उसे इस बात का अंदाज़ा नहीं होगा कि उसे कहाँ तलाश करनी होगी। वह बिना जाने कहीं भी पानी के अंदर नहीं कूद सकती है।'

'सर,' दरबान ने ब्रूडर को फिर से आवाज़ दी। 'क्या आप अब अंदर जाना चाहेंगे?'

ब्रूडर ने देखा कि संगीत सम्मेलन में शामिल होने के लिए दर्शकों का एक दूसरा जत्था भी सड़क की दूसरी ओर से दरवाज़े की ओर आ रहा था।उसने सिर हिलाकर दरबान को कहा कि वह अंदर आ रहा है।

'मैं भी तुम्हारे साथ अंदर आ रहा हूँ,' लैंग्डन ने उसके पीछे पीछे आते हुए कहा।

ब्रूडर उसकी ओर मुड़ा, 'सवाल ही नहीं।'

लैंग्डन की आवाज़ से लग रहा था जैसे वह अपनी ज़िद पर अड़ा था। 'एजेंट ब्रूडर, आज हम जिस मुश्किल में पड़े हैं उसकी वजह है कि सिएना ब्रुक्स दिन-भर मुझे बेवकूफ बनाती रही और जैसा कि तुमने मुझसे कहा, मुमकिन है कि हम सभी अब तक संक्रमित हो चुके हों। तुम्हें अच्छा लगे या नहीं, मैं तुम्हारी सहायता कर रहा हूँ।'

ब्रूडर उसे एक पल के लिए घूरता रहा। फिर वह उसकी बात मान गया।

दरवाज़े को पार कर ब्रूडर के पीछे पीछे लैंग्डन नीचे उतरने लगा।सीढ़ियों की ढलान काफी तीखी थी और कुंड के पेट से निकलकर गर्म हवा का झोंका उन्हें छूता हुआ गुज़र रहा था। नम हवा की पीठ पर सवार लिज्ट के दाँत सिंफनी का संगीत भी उनके कानों में पड़ रहा था। उन्हें एक परिचित गंध का हल्का-सा झोंका कहीं से आता हुआ लग रहा था..किसी बंद जगह में जमी भारी भीड़ में लोगों के देह से आती गंध।

अचानक लैंग्डन को लगा जैसे वह किसी भुतही उदासी से जकड़ गया हो। उसे लग रहा

था जैसे किसी अंजाने हाथ की लंबी उंगलियाँ उसके शरीर से मांस को नोच रही हो।

संगीत।

सौ लोग एक साथ मिलकर कोरस गा रहे थे, जिसमें जाने माने गीत को दोहराया जा रहा था यानी कि दांते की उदासी भरी कविता की हर पंक्ति का वाचन।

यहाँ आने वाले, छोड़ दो सारी उम्मीदें।

कोरस में बार-बार इस पंक्ति को दोहराया जा रहा था। दांते के *इन्फर्नो* से लिए गए ये छह शब्द सबसे निचली सीढ़ी से छन-छनकर इस तरह ऊपर आ रहे थे मानो वे मौत की अपशगुनी गंध चारों तरफ फैला रहे हों।

तुरही और भोंपू की आवाज़ से मिलकर कोरस ने दोबारा चेतावनी को स्वर दिया–यहाँ आने वाले, छोड़ दो सारी उम्मीदें।

यहाँ आने वाले छोड़ दो सारी उम्मीदें।

91

लाल रोशनी में डूबे ज़मीन के अंदर बनी गुफा नरक से प्रेरित संगीत से गुंजायमान थी। वेदना में डूबी आवाज़ें, तरह तरह के वाद्य-यंत्रों की डोरियों से पैदा होने वाला स्वर और टिंपानी की गंभीर धमक गुफा में गूँजती हुई भूकंप जैसा माहौल बना रही थी।

लैंग्डन की नज़रें जहाँ तक जा रही थी, उसे ज़मीन के नीचे की इस दुनिया में पानी ही पानी दिखाई दे रहा था, जो शीशे की चादर की तरह सामने पसरा हुआ था। अंधेरा, लेकिन चिकना जैसे न्यू इंग्लैंड के तालाब में जमी काली बर्फ।

लैगून, जिसमें दिखाई नहीं देती सितारों की परछाई।

पानी के भीतर से बाहर की ओर निकले सैकड़ों मोटे मोटे डोरिक खंभों की करीने से बनी कतारें जैसे अनंत दूरी तक फैली थी। इनमें हरेक खंभे की ऊँचाई तकरीबन तीस फीट थी, जो गुफा की मेहराबदार छत को थामे हुई थीं। खंभों के नीचे लाल रंग के स्पॉटलाइट अलौकिक प्रकाश से प्रकाशित पेड़ों के तने जैसी लग रही थी, जो अंधेरे में बड़ा आकार ग्रहण कर आईने से पैदा होने वाला दृष्टिभ्रम पैदा कर रही थी।

लैंग्डन और ब्रूडर सबसे नीचे वाली सीढ़ी के पास आकर रुक गए। अपने सामने एक भुतहा कोटर को देखकर वे पल-भर के लिए ठिठक गए। गुफा के अंदर भी लाल रंग की रोशनी दिखाई दे रही थी। इन सबको गौर से देखते हुए लैंग्डन ने पाया कि वह जितना मुमकिन था उतना धीरे-धीरे साँस ले रहा था।

यहाँ की हवा उसकी कल्पना से अधिक भारी थी।

लैंग्डन को अपने से दूर बाईं तरफ लोगों की भीड़ दिखाई दे रही थी। ज़मीन के अंदर बनी इस जगह में दीवार से आधी दूरी पर संगीत समारोह चल रहा था। दर्शक वहाँ बने अनेक चबूतरों पर बैठे हुए थे। आर्केस्ट्रा के चारों तरफ बने गोलाकार घेरों में सैकड़ों दर्शक बैठे हुए थे। साथ ही, सैकड़ों लोग इसकी परिधि पर भी बैठे हुए थे। बोर्डवॉक के ऊपर और इसके पास भी दर्शक खड़े दिखाई दे रहे थे। वे मज़बूत रेलिंगों पर झुके हुए पानी को देख रहे थे और संगीत का भी आनंद ले रहे थे।

लैंग्डन वहाँ चारों तरफ फैले धुंधली रूपरेखाओं के जाल पर नज़र दौड़ा रहा था। उसकी आँखें सिएना की तलाश कर रही थी जिसका कोई अता पता नहीं था। उसकी जगह लैंग्डन को वहाँ टक्सेडो, गाउन, बिश्त, बुरका और यहाँ तक की शॉर्ट और स्वेट-शर्ट पहने सैलानी दिखाई दे रहे थे। हल्के लाल रंग की रोशनी में इकट्ठा लोग लैंग्डन को तांत्रिक अनुष्ठान में जमा भक्तों की भीड़ की तरह दिखाई दे रहे थे।

अगर सिएना यहाँ है तो भी उसे ढूँढ़ पाना नामुमकिन है, वह सोच रहा था।

उसी समय सीढ़ियाँ चढ़ता हुआ उनकी बगल से एक मोटा-सा आदमी गुजरा। वह खांस रहा था। ब्रूडर ने मुड़कर उस पर नज़र डाली और उसे गौर से देखने लगा। लैंग्डन को अपने गले में हल्की-सी गुदगुदी महसूस हुई, लेकिन उसने ख़ुद को समझा लिया कि यह उसकी कल्पना थी।

ब्रूडर अब सावधानी से बोर्डवॉक की तरफ आगे बढ़ा। वह अपने सामने उपस्थित विकल्पों को तोल रहा था। सामने दिखाई दे रहा रास्ता उसे मिथकों में वर्णित मिनोटॉर दैत्य के चक्रव्यूह की तरह लग रहा था। एक बोर्डवॉक से तीन शाखाएँ निकल रही थीं जिनमें आगे जाकर और भी कई प्रशाखाएँ निकल रही थी। ये शाखाएँ-प्रशाखाएँ पानी के ऊपर तैर रही भूलभुलैया जैसा प्रभाव उत्पन्न कर रही थी, जो कभी पानी के ऊपर तो कभी बाहर बलखाती अंधकार में गुम होती दिखाई दे रही थी।

मैंने अंधेरे जंगल में ख़ुद को भटका हुआ पाया, लैंग्डन दांते की विशिष्ट कृति *फॉर द स्ट्रेट फॉरवर्ड पाथवे हैड बीन लॉस्ट* के बारे में सोच रहा था।

लैंग्डन ने वॉकवे की रेलिंग से पानी के अंदर देखा। पानी की गहराई तकरीबन चार फुट थी। यह आश्चर्यजनक रूप से साफ दिखाई दे रहा था। पानी के अंदर से पत्थर का टाइल स्पष्ट दिखाई दे रहा था, जिसके ऊपर कीचड़ की एक हल्की परत जमी थी।

ब्रूडर ने तेज़ी से नीचे की ओर नज़र डाली। उसके गले से हुंकारी जैसी बेमतलब की आवाज़ निकली और फिर वह दोबारा कमरे को देखने लगा। 'क्या तुम्हें यहाँ जोब्रिस्ट के वीडियो में दिखाई गई जगह जैसी कोई चीज़ नज़र आ रही है?'

हरेक चीज़, लैंग्डन ने वहाँ की तीखी ढलान वाली, सीलनदार दीवारों की ओर देखते हुए कहा। उसने गुफा के सबसे दूर वाले दाहिनी तरफ के हिस्से की तरफ इशारा किया। यह जगह भीड़भाड़ वाले आर्केस्ट्रा चबूतरे से दूर थी। 'मुझे लगता है कि उस तरफ कहीं. . .'

ब्रूडर ने हामी भरी, 'हाँ, मेरा भी दिल यही कह रहा है।'

वे दोनों बोर्डवॉक पर तेज़ी से आगे बढ़े और दाहिनी ओर जाने वाली शाखा की ओर मुड़ गए। अब वे भीड़ से दूर, डूबे हुए महल के सबसे दूर वाले हिस्से की ओर बढ़ रहे थे।

उस तरफ जाते हुए लैंग्डन सोच रहा था कि यहाँ रात में आकर छुपना कितना आसान था। यहाँ किसी की नज़र नहीं पड़ सकती थी। जोब्रिस्ट ने भी ठीक अपना वीडियो बनाने के लिए यही किया होगा। बेशक, सप्ताह भर चलने वाले इस संगीत समारोह के लिए उसने पैसा ज़रूर दिया होगा। उसके लिए कुंड में थोड़ी देर अकेले रहने का आग्रह करना मुश्किल नहीं रहा होगा।

वैसे इसका अब कोई महत्त्व नहीं था।

ब्रूडर ने अपनी चाल अब तेज़ कर दी थी। शायद अंजाने वह सिंफनी की थाप के साथ अपनी चाल का सामंजस्य बैठा रहा था, जो अब एक-दूसरे में मिल रहे स्वरों का ध्वनि-जाल

पैदा कर रहे थे।

दांते और वर्जिल का नरक में प्रवेश।

लैंग्डन अपने से दूर दाहिनी तरफ काई लगी, तीखी ढलान वाली दीवारों को बहुत ही गौर से देख रहा था। वह वीडियो में दिखाए गए दृश्य से इसे मिलाने की कोशिश कर रहा था। बोर्डवॉक पर चलते हुए वे हर शाखा-प्रशाखा के साथ दाहिनी ओर मुड़ रहे थे। वे गुफा के सबसे दूर वाले छोर की तरफ जा रहे थे। लैंग्डन ने पीछे मुड़कर देखा तो उसे आश्चर्य हुआ कि वह कितनी दूर आ चुका था।

अब वे धीमी गति से दौड़ रहे थे। उन्होंने उस जगह पर मटरगश्ती करते कुछ सैलानियों को पार किया, लेकिन जब वे कुंड के सबसे दूर वाले हिस्से के पास पहुँचे तो वहाँ लोगों की संख्या बिलकुल नगण्य हो चुकी थी।

ब्रूडर और लैंग्डन अकेले थे।

'यहाँ तो चारों तरफ एक-सा दिखाई दे रहा है,' ब्रूडर ने निराश होकर कहा। 'आख़िर हम कहाँ से शुरू करें।'

लैंग्डन ने भी अपनी हताशा व्यक्त की। उसकी आँखों के सामने वीडियो की छवि साफ साफ तैर रही थी, लेकिन यहाँ ऐसी कोई चीज़ नज़र नहीं आ रही थी जिसे वह देखते ही पहचान ले।

लैंग्डन बोर्डवॉक पर आगे बढ़ते हुए वहाँ पर जगह जगह लगी सूचना पट्टिका को गौर से देख रहा था। इन पर हल्की हल्की रोशनी पड़ रही थी। एक तख्ती पर इस कमरे की क्षमता के बारे में लिखा था–2.1 करोड़ गैलन। दूसरे में उस खंभे के बारे में बताया था, जो बाकी खंभों से अलग था। इसे पास की किसी इमारत से लूटकर लाया गया था। तीसरी सूचना पट्टिका में किसी प्राचीन नक्काशी के बारे में लिखा था, जो धुंधली होकर अदृश्य हो चुकी थी। इसमें रोती हुई मुर्गी की आँख दिखाई गई थी। मुर्गी इस कुंड को बनाते समय मारे गए गुलामों की मौत पर रो रही थी।

अजीब बात थी कि इस चिह्न में एक शब्द ऐसा था जिसे देखकर लैंग्डन ठिठक गया।

ब्रूडर भी रुक गया। उसने पीछे मुड़कर पूछा, 'क्या हुआ?'

लैंग्डन ने उसे इशारा किया।

सूचना वाली तख्ती पर एक भयानक राक्षसी का नाम लिखा था और साथ ही तीर का निशान भी–गोर्गन।

MEDUSA

ब्रूडर ने पट्टी पर लिखे चिह्न को पढ़ा। उसने कंधे उचकाते हुए कहा, 'इससे क्या?'

लैंग्डन का दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। वह जानता था कि मेडुसा न केवल साँप जैसे बालों वाली चुड़ैल थी जिसकी नज़र पड़ते ही इंसान पत्थर बन जाता था, बल्कि वह ग्रीक मिथकों के अनुसार पाताललोक में रहने वाली डरावनी आत्माओं में भी गिनी जाती थी। इस श्रेणी के प्रेतों-चुड़ैलों को थोनिक राक्षस कहा जाता था।

ज़मीन में धंसे महल के रास्ते पर चलना. . .

क्योंकि यहीं अंधेरे में इंतज़ार करता है थोनिक राक्षस

वह इसी तरफ इशारा कर रही है, लैंग्डन ने सोचा। यह सोचते हुए बोर्डवॉक पर तेज़ी से दौड़ने लगा। ब्रूडर मुश्किल से उसके साथ दौड़ पा रहा था। लैंग्डन अंधेरे में टेढ़े-मेढ़े रास्तों से गुज़रता हुआ मेडुसा की दिशा बताने वाले निशान को देखता हुआ आगे बढ़ता जा रहा था। अंत में वह एक ऐसी जगह पहुँच गया, जहाँ से आगे का रास्ता बंद था। उस जगह पर कुंड के सबसे दाहिने छोर के पास छोटा-सा चबूतरा बना था–व्यूइंग प्लेटफॉर्म।

उसके सामने एक अविश्वसनीय दृश्य दिखाई दे रहा था।

उस जगह पानी से बाहर निकल रही काले रंग की विशाल संगमरमर की चट्टान दिखाई दे रही थी–मेडुसा का सिर। उसके सिर में ढेरों साँप दिखाए गए थे। इस जगह पर उसकी उपस्थिति और भी अजीब लग रही थी, क्योंकि उसका सिर उसके कंधों के ऊपर उल्टा रखा गया था।

शापित व्यक्ति की तरह उल्टा, लैंग्डन को समझ में आया। उसे बोटीचेली के *मैप ऑफ़ हेल* की याद आ रही थी, जिसमें उल्टे लटके पापियों को प्रदर्शित किया गया था जिन्हें मेलबोल्ज के अंदर रखा गया था।

हाँफते हाँफते ब्रूडर भी वहाँ रेलिंग के साथ खड़े लैंग्डन के पास पहुँच गया, जो उल्टी लटकी मेडुसा को हैरान होकर देख रहा था।

यह नक्काशीदार सिर इस समय एक खंभे को संभालने में प्लिंथ का काम कर रहा था। लैंग्डन को संदेह हुआ कि शायद इसे भी किसी दूसरी जगह से लूटकर यहाँ लाया गया था और इसका इस्तेमाल कुंज बनाने के सस्ते साधन के तौर पर किया गया था। मेडुसा के सिर को उल्टा कर इसलिए रखा गया था, क्योंकि ऐसा अंधविश्वास था कि इससे उसकी शैतानी शक्ति का प्रभाव समाप्त हो जाता है। इसके बावजूद लैंग्डन अपने दिमाग से उन डरावनी चिंताओं को नहीं निकाल पा रहा थी, जो उसे लगातार परेशान कर रही थी।

दांते का इन्फर्नो। *अंतिम दृश्य-फिनाले। धरती का केंद्र, जहाँ गुरुत्वाकर्षण अपनी दिशा बदल लेती है। जहाँ नीचे ऊपर हो जाता है और ऊपर नीचे।*

उसकी त्वचा अब चुनचुना रही थी। उसे किसी अनिष्ट की आशंका सता रही थी। लैंग्डन ने नक्काशीदार सिर को चारों तरफ से ढक रहे लाल रंग के कोहरे के बीच कुछ देखने के लिए अपनी आँखें सिकोड़ी। मेडुसा के साँप से भरे बालों का अधिकांश हिस्सा पानी के अंदर

डूबा था, लेकिन उसकी आँखें पानी के बाहर थी, जो बाई तरफ देख रही थी, लैगून की ओर।

डरते हुए लैंग्डन रेलिंग पर झुका। उसने अपना सिर घुमाया। वह उसी दिशा में देखने लगा जिधर उस मूर्ति की आँखें देख रही थी यानी कि डूबे हुए महल के खाली हिस्सों की तरफ।

अगले ही पल बात उसकी समझ में आ गई।

यही वह जगह थी।

जोब्रिस्ट का ग्राउंड जीरो।

92

एजेंट ब्रूडर चुपचाप रेलिंग से नीचे उतरा और छाती भर पानी में खड़ा हो गया। ठंढे पानी ने जैसे ही उसके कपड़ों को भिगोया उसकी मांसपेशियाँ अकड़ने लगी। जूते के नीचे पानी के भीतर ज़मीन में फिसलन थी, लेकिन यह ठोस लग रही थी। वह एक पल के लिए खड़ा वहाँ के बारे में मन-ही-मन अनुमान लगाता रहा। उसके शरीर से टकरा कर दूर जाती पानी की गोल गोल लहरों को देखते हुए उसे ऐसा लग रहा था जैसे वह लैगून के पास कंपाने वाली लहरें भेज रहा था।

एक क्षण के लिए ब्रूडर ने साँस लेना बंद कर दिया। धीरे-धीरे जाओ, किसी भी *चीज़ से छेड़छाड़ न करो,* वह ख़ुद को समझा रहा था।

उसके ऊपर बोर्डवॉक पर लैंग्डन रेलिंग को पकड़कर खड़ा था। वह बोर्डवॉक के आसपास की चीज़ों को गौर से देख रहा था।

‘सब तैयार है।’ लैंग्डन ने फुसफुसाकर कहा। ‘तुम्हें कोई नहीं देख रहा।’

ब्रूडर मुड़ा। अब वह मेडुसा के सामने खड़ा था जिसका सिर उलटा दिखाई दे रहा था। उस पर लाल रंग के स्पॉटलाइट की तेज़ रोशनी पड़ रही थी। उसके सामने खड़े ब्रूडर को उल्टा लटका हुआ वह राक्षस और भी बड़ा दिखाई दे रहा था।

‘लैगून के पार जाती मेडुसा की नज़रों के साथ-साथ आगे बढ़ो।’ लैंग्डन ने फुसफुसाकर कहा। ‘जोब्रिस्ट को प्रतीकात्मकता और नाटकीयता बहुत पसंद थे. . .मुझे इस बात पर बिलकुल आश्चर्य नहीं होगा अगर उसने अपनी बनाई चीज़ को सीधे-सीधे मेडुसा की ख़तरनाक नज़रों की सीधी रेखा में रख दिया हो।’

सभी महान लोग एक ढंग से सोचते हैं। ब्रूडर शुक्रगुज़ार था कि अमेरिकी प्रोफेसर उसके साथ नीचे आने को राजी हुआ। लैंग्डन की गहरी जानकारी के बलबूते पर ही वे लोग कुंड के इस दूर वाले हिस्से में तुरंत पहुँच पाए थे।

दूर से आ रही दांते के सिंफनी की मधुर आवाज़ अब भी उसके कानों में सुनाई दे रही थी। ब्रूडर ने अपना वाटरप्रूफ टोवोटेक पेनलाइट निकालकर इसे पानी में डुबो दिया। फिर उसने इसका स्विच चालू किया। तेज़ हैलोजन लाइट पानी के अंदर फैल गया। कुंड की सतह चमकने लगी थी।

आराम से, ब्रूडर ने ख़ुद को समझाया, कि*सी भी चीज़ को इधर-उधर मत करो।*

बिना एक भी शब्द कहे, उसने लैगून के अंदर अपनी यात्रा शुरू कर दी। धीमी गति से पानी के भीतर चलते हुए, वह अपनी फ़्लैशलाइट को कभी आगे तो कभी पीछे हिला रहा था जैसे वह खदानों को साफ करने वाला माइनस्वीपर चला रहा हो।

रेलिंग को पकड़े हुए लैंग्डन को अपने गले में जकड़न का अहसास हुआ। कुंड के अंदर की हवा नमी के बावजूद बासी लग रही थी। इसमें ऑक्सीजन की कमी भी महसूस हो रही थी। दूसरी तरफ ब्रूडर लैगून के पानी में सावधानी से आगे बढ़ रहा था। प्रोफेसर ने ख़ुद को ढांढस बंधाया कि सब कुछ ठीक हो जाएगा।

हम समय पर पहुँच गए।

वहाँ कोई नुकसान नहीं हुआ है।

ब्रूडर की टीम इस मुश्किल का सामना कर सकती है।

इसके बावजूद लैंग्डन के दिल में हलचल मची थी। उसे बंद जगहों में हमेशा डर लगता था। वह जानता था कि इस जगह पर वह डर से मुक्त नहीं हो सकता। *सिर के ऊपर लदे हज़ारों टन मिट्टी का बोझ. . .जो थोड़े-से कमज़ोर हो चुके खंभों पर टिका है।*

उसने किसी तरह इस ख़्याल को अपने मन से दूर किया। वह पीछे मुड़कर देखने लगा कि कहीं कोई दूसरा आदमी उसके काम में ज़्यादा रुचि तो नहीं ले रहा था।

कोई भी नहीं।

उसके आसपास बोर्डवॉक पर कुछ लोग खड़े थे, लेकिन वे सभी उल्टी दिशा में आर्केस्ट्रा की ओर देख रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे ब्रूडर पर किसी की नज़र नहीं पड़ी थी। वह धीरे-धीरे कुंड के गहरे हिस्से की ओर बढ़ रहा था।

लैंग्डन अब एसआरएस टीम लीडर की ओर देखने लगा जिसका पानी में डूबा हैलोजेन बीम अब भी उसके सामने हिलता डुलता दिखाई दे रहा था। इसकी रोशनी रास्ते पर पड़ रही थी।

लैंग्डन सामने देख रहा था, लेकिन उसकी आँखों के कोने में बाई ओर कोई गतिविधि नज़र आई। ब्रूडर के सामने पानी के भीतर से एक डरावनी से चीज़ बाहर निकलती हुई दिखाई दे रही थी। लैंग्डन मुड़ा। वह सामने फैले अंधेरे की ओर देखने लगा। उसे हल्की-सी उम्मीद थी कि पानी की सतह से ऊपर उठकर कोई लेवियाथन सामने आएगा।

ब्रूडर भी ठिठक गया। शायद उसे भी कुछ नज़र आया था।

दूर किसी कोने में दीवार पर करीब तीस फुट की ऊँचाई पर एक कांपती हुई काली छाया दिखाई दी। यह भुतहा छाया जोब्रिस्ट के वीडियो में दिखने वाले प्लेग डॉक्टर से पूरी तरह मिलती जुलती थी।

यह छाया है. . .ब्रूडर की छाया। लैंग्डन को समझ में आ गया। उसने गहरी साँस छोड़ी।

ब्रूडर लैगून में पानी के भीतर जल रहे स्पॉटलाइट से जैसे-जैसे आगे जा रहा था दीवार पर उसकी छाया बन रही थी, ठीक उसी तरह जैसा कि जोब्रिस्ट ने अपने वीडियो में दिखाया

था।

'यही वह जगह है।' लैंग्डन ने ब्रूडर को पुकारा। 'तुम काफी नज़दीक हो।'

ब्रूडर ने सहमति ज़ाहिर करते हुए सिर हिलाया और लैगून में आगे बढ़ता रहा। लैंग्डन भी रेलिंग के साथ-साथ आगे चलता रहा। वह ब्रूडर के करीब बना हुआ था। एजेंट दूर की तरफ जा रहा था। लैंग्डन ने जल्दी से आर्केस्ट्रा की ओर नज़र डाली। वह इत्मीनान होना चाहता था कि ब्रूडर पर किसी की नज़र नहीं पड़े।

कुछ भी नहीं।

लैंग्डन ने फिर से लैगून की तरफ नज़र डाली। अपने पैरों के नीचे बोर्डवॉक पर किसी चीज़ की चमक ने उसका ध्यान खींचा।

उसने नीचे देखा। वहाँ एक गढ़ैये में लाल रंग का तरल पदार्थ दिखाई दे रहा था।

क्या मेरे शरीर से खून बह रहा है?

लैंग्डन को दर्द नहीं हो रहा था, लेकिन वह परेशान होकर अपने शरीर में किसी घाव या हवा में फैल विषाक्त कण के प्रभाव को ढूँढ़ने की कोशिश करने लगा। उसने अपनी नाक, नाखून और कानों को छूकर देखा कि कहीं वहाँ से खून तो नहीं बह रहा था।

उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वहाँ खून कहाँ से आया। लैंग्डन अपने चारों तरफ देखने लगा। वह अपने को यकीन दिलाना चाहता था कि उस सुनसान वॉकवे पर वह अकेला था।

लैंग्डन ने लाल रंग के तरल पदार्थ वाले गढैये को फिर से देखा। इस बार उसे वहाँ से एक छोटी-सी धारा बहती हुई दिखाई दी, जो बोर्डवॉक के साथ बहती हुई उसके पैर के पास बने गड्ढे में जमा हो रही थी। ऐसा लग रहा था कि लाल रंग का तरल पदार्थ आगे किसी जगह से ढलान की ओर बहता हुआ बोर्डवॉक के साथ नीचे आ रहा था।

शायद ऊपर कोई इंसान घायल है, लैंग्डन ने अनुमान लगाया। उसने जल्दी से ब्रूडर की ओर नज़र डाली, जो पास ही लैगून के बीचो बीच खड़ा था।

लैंग्डन उस छोटी-सी धारा के साथ चलते हुए तेज़ी से बोर्डवॉक पर आगे बढ़ा। वह इसके बंद मुहाने पर जब पहुँचा तो वह छोटी धारा बड़ी हो गई और खुलकर बहने लगी। *ये क्या माज़रा है?* वहाँ पहुँचकर यह फिर से छोटी-सी धारा में बदल गई। वह बहते हुए तरल पदार्थ के साथ चलता हुआ दीवार के पास पहुँच गया, जहाँ अचानक बोर्डवॉक समाप्त हो गया।

बंद सिरा।

अंधेरे के बीच उसे एक बड़ा-सा गढ़ैया दिखाई दिया, जो लाल रंग की रोशनी से चमक रहा था।ऐसा लगता था जैसे यहाँ अभी-अभी किसी की बलि दी गई थी।

उसी समय लैंग्डन समझ में आ गया कि बोर्डवॉक से कुंड में रिस रहा लाल रंग का तरल पदार्थ दरअसल खून नहीं था। उसका अनुमान गलत था।

यह खून नहीं है।

उस विशाल क्षेत्र में फैली लाल रोशनी, बोर्डवॉक के लाल रंग के साथ मिलकर एक तरह का दृष्टिभ्रम पैदा कर रही थी जिसकी वजह से इन छोटी छोटी साफ बूँदों का रंग लाल-काले का मिश्रण नज़र आ रहा था।

यह तो बस पानी है।

इस जानकारी से उसे राहत नहीं मिली, बल्कि उसका डर और भी गहरा हो गया। वह पानी के गढ़ैये को घूरने लगा। उसे अब रेलिंग पर भी छींटे दिखाई दे रहे थे..और पैरों के निशान।

यहाँ कोई पानी से बाहर निकला है।

लैंग्डन तेज़ी से ब्रूडर को आवाज़ देने के लिए मुड़ा, लेकिन वह काफी दूर था। ब्रास और टिंपानी की ध्वनि अपने शिखर पर जा चुकी थी और वे कानों को फाड़ रही थी। लैंग्डन को लगा जैसे उसके पास कोई खड़ा था।

मैं यहाँ अकेला नहीं हूँ।

वह धीमी गति में दीवार की ओर मुड़ा, जहाँ जाकर बोर्डवॉक समाप्त हो रहा था। दस फुट आगे, अंधेरे में घिरी उसे गोलाकार एक चीज़ दिखाई दे रही थी, जो पत्थर को कपड़े में लपेटी हुई किसी वस्तु की तरह लग रही थी। इससे पानी टपक रहा था। इस आकृति में किसी तरह की गति नहीं दिखाई दे रही थी।

और तभी इसमें हलचल हुई।

वह आकृति और भी लंबी हो गई। बिना किसी ख़ास स्वरूप वाला इसका झुका हुआ सिर घूमकर ऊपर की तरफ जाने लगा।

काले बुर्के में लिपटा हुआ कोई इंसान, लैंग्डन समझ गया।

इस्लामी परंपरा की पोशाक की वजह से शरीर का कोई हिस्सा नज़र नहीं आ रहा था, लेकिन वह सर जैसे ही लैंग्डन की ओर मुड़ा, दो काली आँखें उसके सामने दिखाई दी, जो बुर्के में बने दो छेदों से उसे लगातार घूर रही थी।

उसी क्षण, लैंग्डन को बात समझ में आ गई।

सिएना ब्रुक्स अपने छुपने की जगह से अचानक बाहर आई। वह एक ही छलाँग में तेज़ दौड़ लगा रही थी। उसने लैंग्डन को ज़ोर का धक्का देकर उसे ज़मीन पर गिरा दिया और तेज़ी से बोर्डवॉक पर आगे बढ़ गई।

93

लैगून के अंदर एजेंट ब्रूडर अपनी जगह पर ठिठक गया। पानी के नीचे कुंड के तल में पड़ा हुआ धातु अब टोवाटेक पेनलाइट की तेज़ हैलोजन रोशनी में चमक रहा था। ब्रूडर बहुत ही धीमे धीमे साँस ले रहा था। उसने हौले से एक कदम आगे बढ़ाया। पानी की सतह पर किसी तरह की हलचल नहीं पैदा हो इसके लिए वह सावधानी बरत रहा था। शीशे की तरह चमक रहे कुंड के फर्श पर वह धातु की पतली पट्टी को चिपकाया हुआ देख रहा था–टाइटेनियम।

जोब्रिस्ट की धातु वाली पट्टी।

पानी वहाँ इतना साफ था कि वह उस पर लिखी तारीख और लिखावट को आसानी से पढ़ सकता था-

इसी जगह पर, इसी तिथि को
दुनिया हमेशा के लिए बदल गई थी।

दोबारा सोचो, ब्रूडर के दिमाग में बातें उमड़ घुमड़ रही थी। उसका आत्मविश्वास बढ़ता जा रहा था। *कल होने के पहले इससे निपटने के लिए हमारे पास कई घंटे हैं।*

जोब्रिस्ट के वीडियो की कल्पना करते हुए ब्रूडर ने फ़्लैशलाइट की रोशनी को धातु की उस पट्टी के बाई तरफ डाला। वह रस्सी से बंधे सोल्युब्लॉन बैग को ढूँढ़ने की कोशिश कर रहा था।फ़्लैश-लाइट ने जैसे ही उस अंधेरी जगह पर रोशनी फैलाई, ब्रूडर ने चारों तरफ कुछ ढूँढ़ना शुरू किया।

बैग का कोई अता-पता नहीं।

उसने अब और भी बाई तरफ रोशनी डाली, ठीक उसी जगह, जहाँ वीडियो में उसने बैग को देखा था।

फिर भी कुछ नहीं दिखाई दिया।

लेकिन. . .वह तो ठीक यहीं नज़र आ रहा था।

उसने अनमने ढंग से एक कदम और आगे बढ़ाया। उसके जबड़े भिंच रहे थे। अब वह उस जगह पर हर तरफ फ़्लैशलाइट डाल रहा था
वहाँ कोई बैग नज़र नहीं आया, बस धातु की एक पट्टी।

बहुत थोड़े वक़्त के लिए ब्रूडर के मन में सवाल आया कि कहीं आज की दूसरी चीज़ों की तरह से यह ख़तरा भी महज एक दृष्टिभ्रम था।

क्या यह डराने के लिए दी जाने वाली ख़बर थी?

क्या जोब्रिस्ट बस हमें डराने के लिए ये सब कर रहा था?

और तभी उसे कुछ नज़र आया।

धातु की तख्ती के बाई तरफ एक ढीली ढाली रस्सी ज़मीन पर पड़ी दिखाई दे रही थी, जो मुश्किल से दिखाई दे रही थी। यह रस्सी मरे हुए पिल्लू की तरह लग रही थी। रस्सी के दूसरे छोर पर प्लास्टिक का एक छोटा-सा टंगना दिखाई दे रहा था, जिसके साथ सॉल्यूब्लॉन प्लास्टिक बैग के कुछ टुकड़े चिपके हुए दिख रहे थे।

ब्रूडर टूटे फूटे बैग के टुकड़ों को घूर रहा था। यह टंगने के छोर पर उसी तरह चिपकी हुई थी जैसे फटने के बाद पार्टी बैलून दिखाई देता है।

उसे धीरे-धीरे सचाई का अहसास हो रहा था।

हम लोगों से देर हो गई।

वह पानी में डूबे हुए प्लास्टिक के बैग के धीरे-धीरे घुलने और उसके फटने का कल्पना करने लगा। इसका ज़हरीला माल पानी में फैल कर धीरे-धीरे लैगून की सतह पर आ रहा था।

कांपती उंगलियों से उसने अपनी फ़्लैशलाइट का स्विच बंद कर दिया। वह अब अंधेरे में खड़ा अपने दिमाग को एकाग्र करने की कोशिश कर रहा था।

सोच की जगह अब उसके दिल में प्रार्थना चल रही थी।

ईश्वर हम सभी की रक्षा करें।

'एजेंट ब्रूडर, दुहराओ।' सिंस्की अपने रेडियो में चिल्लाकर बोल रही थी। वह रेडियो में बेहतर सिग्नल पाने के लिए सीढ़ियों से होकर कुंड में नीचे उतर रही थी। 'मुझे तुम्हारी आवाज़ नहीं सुनाई दी।'

सीढ़ियों से होता हुआ खुले दरवाज़े की तरफ उसकी बगल से गरम हवा का झोका गुजरा। बाहर एसआरएस की टीम आ चुकी थी और इसके सदस्य इमारत के बाहर अपने हैजमैट सूट को लोगों की नज़र से बचाने के लिए तैयारी में लगे थे। वे ब्रूडर के द्वारा तैयार सूचना का भी इंतज़ार कर रहे थे।

'....बैग फट गया. . .' सिंस्की के रेडियो में ब्रूडर की कांपती हुई आवाज़ सुनाई दी। '....और. . .द्रव्य. . .बाहर आ चुका. . .'

'*क्या?* सिंस्की मन-ही-मन प्रार्थना कर रही थी कि उसने, जो सुना वह गलत हो। वह तेज़ी से नीचे की ओर सीढ़ियाँ उतर रही थी। 'दोहराओ', उसने आदेश दिया। अब वह सीढ़ी की

आख़िरी पायदान पर पहुँच चुकी थी। वहाँ आर्केस्ट्रा की आवाज़ और भी तेज़ सुनाई दे रही थी।

अब ब्रूडर की आवाज़ साफ सुनाई दे रही थी। 'और मैं दोबारा कह रहा हूँ. . .छुआछूत का जीवाणु फैल चुका है. . .'

सिंस्की आगे की तरफ झुक गई। ऐसा लगा वह कुंड के दरवाज़े के पास गिरने वाली थी। *यह कैसे हो सकता है?*

'थैला पानी में घुल चुका है।' अचानक ब्रूडर की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। 'छुआछूत के जीवाणु अब पानी में हैं।'

डॉक्टर सिंस्की के गालों पर डर से पसीने की बूंदें उभर आई। उसने सामने फैली ज़मीन के भीतर की इस दुनिया पर नज़र डाली। लाल रंग के धुंध के बीच उसे चारों तरफ पानी ही पानी दिखाई दे रहा था, जिसके बीच में सैकड़ों खंभे खड़े थे, लेकिन उसे कुछ लोग भी नज़र आए।

सैकड़ों लोग।

सिंस्की ने वहाँ जमा लोगों को देखा जिन्हें इस ख़तरे का कोई भान नहीं था। वे सभी जोब्रिस्ट के बिछाए मौत के जाल में फंसे थे। स्वतः स्फूर्त प्रतिक्रिया के तौर उसके मुँह से आवाज़ आई। 'एजेंट ब्रूडर, तुरंत यहाँ आओ। हम लोगों को बिना किसी देरी के यहाँ से बाहर निकालना शुरू करेंगे।'

विश्व स्वास्थ्य संगठन के निदेशक के तौर पर सिंस्की को बिना किसी सवाल के अपने आदेश के पालन किए जाने की आदत थी। थोड़ी देर के लिए उसे लगा जैसे उसने एसआरएस टीम के मुखिया की आवाज़ को गलत सुना। दरवाज़ों को सील करो !

यहाँ से किसी को बाहर नहीं निकलने देना।!

'डॉक्टर सिंस्की,' ब्रूडर ने वहाँ चल रहे संगीत के बीच आवाज़ तेज़ करते हुए कहा। 'तुमने मेरी बात सुनी?' भगवान के लिए दरवाज़ों को बंद करो!'

ब्रूडर ने अपना हुक्म दोहराया, लेकिन इसकी कोई ज़रूरत नहीं थी। सिंस्की जानती थी कि वह सही कह रहा है। आसन्न महामारी के सामने इस फैलने से रोकने की कोशिश ही सबसे सही विकल्प होता है।

सिंस्की का हाथ अचानक अपने लापिस लाजुलाई के ताबीज़ को ढूँढ़ने लगा। ज़्यादा लोगों की रक्षा के लिए कुछ लोगों की बलि। उसका संकल्प कठोर हो रहा था। उसने रेडियो को अपने मुँह के पास लाया। 'ठीक है, ब्रूडर। मैं दरवाज़ों को सील करने का हुक्म दे रही हूँ।'

सिंस्की कुंड के अंदर चल रही इस भयानक परिस्थिति से दूर जाने ही वाली थी कि उसे भीड़ के बीच भगदड़ की आवाज़ सुनाई दी।

थोड़ी ही दूर पर, भीड़भाड़ वाले बोर्डवॉक को तेज़ी से पार करती, बुर्के में एक औरत उसकी ओर आती हुई दिखाई दी। वह बोर्डवॉक पर लोगों को धक्का देती हुई वह ठीक उसी तरफ आ रही थी, जहाँ बाहर निकलने वाले दरवाज़े के पास सिंस्की खड़ी थी।

उसका पीछा हो रहा है, सिंस्की को समझ में आया। उसने देखा कि उसके पीछे एक आदमी दौड़ता हुआ आ रहा था।

सिंस्की ठिठक गई। ये तो लैंग्डन है!

सिंस्की फिर से बुर्के वाली औरत की ओर देखने लगी। वह तेज़ी से उसके करीब आ रही थी और बोर्डवॉक पर खड़े लोगों को तुर्क भाषा में चिल्लाकर कुछ कह रही थी। सिंस्की को तुर्क भाषा नहीं आती थी, लेकिन लोगों के चेहरे पर फैले डर को देखकर उस औरत के शब्द का अर्थ लग रहा था 'आग!' भीड़भाड़ वाले थियेटर में आग।

लोगों की भीड़ के बीच खौफ की लहर दौड़ पड़ी। अचानक सिर्फ लैंग्डन और सिंस्की ही नहीं, वहाँ इकट्ठा सभी लोग सीढ़ियों की ओर दौड़ते हुए चले आ रहे थे।

सिंस्की ने अपनी पीठ भीड़ की ओर कर दी और ज़ोर-ज़ोर से हाथ हिलाकर चिल्लाने लगी।

'दरवाज़ों में ताला लगाओ।' सिंस्की चिल्लाई। 'कुंड को सील करो, तुरंत।'

सीढ़ियों पर डरे हुए लोगों की चीख पुकार मची थी। चारों तरफ अफरा तफरी फैली हुई थी। आर्केस्ट्रा की आवाज़ अब शोरगुल में तब्दील हो चुकी थी। उस छोटी-सी जगह में बढ़ती जा रही भीड़ की वजह से लैंग्डन अपनी पीठ पर दबाव को बढ़ता हुआ महसूस कर रहा था। उसके पीठ की हड्डी दरवाज़े में चिपक रही थी। उसे दर्द हो रहा था।

तभी तेज़ आवाज़ के साथ दरवाज़ा बाहर की तरफ खुल गया। लैंग्डन रात के अंधेरे में उसी तरफ उछल कर गिरा जैसे शैंपेन की बोतल खोलने पर इसका कॉर्क। वह लड़खड़ाकर पगडंडी के पास पहुँच गया। वह सड़क पर गिरने से मुश्किल से बच पाया। उसके पीछे ज़मीन के भीतर से लोगों का हुजूम उसी तरह बाहर आता हुआ दिखाई दे रहा था जैसे ज़हर भरने के डर से अपनी बिलों से निकलती चीटियाँ।

एसआरएस के एजेंटों ने जब अफरातफरी की आवाज़ सुनी तो वे इमारत के पीछे वाले हिस्से से उसके नज़दीक पहुँच गए। पूरी तरह से हैजमैट सूट और अपने रेस्पिरेटरों के साथ उन्हें देखकर लोगों के बीच फैला खौफ कई गुणा बढ़ गया।

लैंग्डन मुड़कर सड़क के उस पार सिएना को ढूँढ़ने लगा। उसे सिर्फ ट्रैफिक और रोशनी दिखाई दे रही थी। चारों तरफ अफरा तफरी का माहौल था।

तभी, एक पल के लिए सड़क पर बाई ओर रात के अंधेरे में किसी का गंजा सिर चमका,

जो भीड़भाड़ वाले फुटपाथ से होता हुआ आगे जाकर गायब हो गया।

लैंग्डन ने बेचैन होकर अपने पीछे नज़र डाली। वह ढूँढ़ रहा था कि सिंस्की, पुलिस या एसआरएस एजेंट, कोई भी नज़र आ जाए जिसने भारी भरक हैजमैट सूट नहीं पहन रखा हो।

कुछ भी नहीं।

लैंग्डन समझ गया कि वह निहायत अकेला था।

बिना किसी दुविधा के वह सिएना के पीछे दौड़ पड़ा।

काफी नीचे, कुंड की गहराइयों में एजेंट ब्रूडर कमर भर पानी में अकेला खड़ा था। वहाँ पसरे अंधकार में अफरा तफरी की आवाज़ गूँज रही थी।डरे हुए सैलानी और आर्केस्ट्रा के कलाकार बाहर जाने वाले दरवाज़े की तरफ जाने के लिए धक्कामुक्की कर रहे थे। सीढ़ियों के पास जाकर वे गायब हो जा रहे थे।

दरवाज़े को कभी सील किया ही नहीं गया, ब्रूडर को यह डरावनी बात समझ में आ गई। *महामारी को फैलने से रोकने की कोशिश नाकाम हो गई थी।*

94

रॉबर्ट लैंग्डन वैसे तो दौड़ाक नहीं था, लेकिन तैराकी ने उसके पाँवों को ताकतवर बना दिया था। वह तेज़ कदमों से भाग सकता था।वह बहुत ही कम समय में मोड़ पर पहुँच गया। दूसरी तरफ उसे बड़ा-सा एवेन्यु दिखाई दे रहा था। उसकी आँखें पास की सड़क पर लोगों के बीच किसी को तलाश कर रही थी।

वह यहीं कहीं होगी!

बारिश अब बंद हो चुकी थी और लैंग्डन इस जगह से पूरी सड़क देख सकता था, जहाँ अच्छी रोशनी थी। यहाँ छुपने की कोई जगह नहीं थी।

इसके बावजूद सिएना पता नहीं कहाँ गायब हो गई थी।

लैंग्डन रुक गया। कमर पर हाथ रखकर वह खड़ा था। हाँफते हुए उसने बारिश में नहाए हुई सड़क का मुआयना करना शुरू कर दिया। उसे बस एक ही जगह हरकत दिखाई दी–करीब पचास गज आगे इस्तांबुल का मशहूर ओटोबसेस कोने पर मुड़ रहा था और एवेन्यू से आगे की ओर जा रहा था।

क्या सिएना सिटी बस में बैठ गई?

यह काफी जोखिम का काम था। लोग चारों तरफ उसकी तलाश कर रहे थे। क्या बस में बैठकर वह ख़ुद को जाल में फँसाने का काम करेगी? लेकिन, अगर उसे यकीन है कि मोड़ पर उसे किसी ने नहीं देखा है और ठीक उसी समय बस खुल रही हो तो यह उसके लिए वहाँ से भागने का बेहतरीन मौका होगा. . .

शायद।

बस के ऊपर उसके गंतव्य स्थान का बोर्ड लगा था। वहाँ ज़रूरत के हिसाब से बदलने वाला एक बोर्ड लगा था जिस पर एक ही शब्द लिखा था–गलाता।

लैंग्डन दौड़कर गली के छोर पर रेस्त्रां की छतरी के नीचे खड़ी एक बुजुर्ग आदमी के पास पहुँच गया। उसने सुंदर, कसीदेदार कुर्ता और सफेद पगड़ी पहन रखी थी।

'माफ कीजिए,' लैंग्डन ने उसके पास पहुँचकर हाँफते हुए कहा। 'क्या आप अंग्रेज़ी बोल सकते हैं।'

'बेशक।' उसने जवाब दिया। लैंग्डन के बोलने के लहज़े में बेचैनी देखकर वह परेशान हो रहा था।

'*गलाता?*' यह एक जगह का नाम है?'

'गलाता?' उस आदमी ने जवाब दिया। 'गलाता पुल? गलाता टावर? गलाता बंदरगाह?'

लैंग्डन ने वहाँ से निकल रही ओटोबस की ओर दिखाते हुए पूछा, 'गलाता! ये बस कहाँ

जा रही है?'

पगड़ी वाले आदमी ने वहाँ से निकल रही बस की ओर देखा। थोड़ी देर सोच कर उसने कहा। 'गलाता पुल।' उसने जवाब दिया। 'पुराने शहर से निकलकर यह वाटरवे को पार करती है।'

लैंग्डन ने हुंकारी भरी। उसने दोबारा जल्दी से सड़क का मुआयना किया, लेकिन उसे कहीं भी सिएना नज़र नहीं आ रही थी। हर तरफ से सायरन बजने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। इमरजेंसी के समय इस्तेमाल की जाने वाली गाड़ियाँ उनके आगे से तेज़ी से निकलती हुई हर कुंड की दिशा में जा रही थी।

'क्या हो रहा है?' उस आदमी ने पूछा। वह चिंतित लग रहा था। 'सब ठीक तो है?'

लैंग्डन ने वहाँ से निकल रही बस पर फिर से नज़र डाली। वह जानता था कि यह जुए जैसी बात थी, लेकिन उसके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था।

'नहीं सर।' लैंग्डन ने जवाब दिया। 'एक इमरजेंसी है। मुझे आपकी मदद चाहिए।' उसने मोड़ की ओर इशारा किया, जहाँ ड्राइवर ने सुंदर-सी चाँदी के रंग वाली बेंटली कार लगा रखी थी। 'क्या यह आपकी कार है?'

'हाँ, लेकिन. . .'

'मुझे इसमें लिफ्ट चाहिए' लैंग्डन ने कहा। 'मैं जानता हूँ कि पहले हम लोग नहीं मिले हैं, लेकिन एक प्रलयंकारी घटना घटी है। यह ज़िंदगी और मौत का सवाल है।'

पगड़ी वाले आदमी ने प्रोफेसर की आँखों में झाँककर देखा मानो वह उसकी आत्मा के भीतर देखने की कोशिश कर रहा हो। 'ठीक है, आप मेरी गाड़ी ले जा सकते हैं।'

मोड़ से बेंटली तेज़ी से आगे दौड़ी जा रही थी। लैंग्डन अपनी सीट को कसकर पकड़कर बैठा था। ज़ाहिर था कि ड्राइवर काफी अनुभवी था। भीड़ के बीच से गाड़ी को निकालने की चुनौती से जूझना उसे मज़ेदार लग रहा था। वह बस के पास पहुँचने की कोशिश कर रहा था।

तीन ब्लॉक आगे जाते जाते उसने अपनी बेंटली ओटोबस के पीछे लगा ली। लैंग्डन अपनी सीट में आगे झुका और पीछे वाली खिड़की से बस के अंदर झाँकने लगा। भीतर की रोशनी मद्धिम थी और लैंग्डन को अंदर बैठे लोगों की रूपरेखा ही दिखाई दे रही थी।

'बस के साथ बने रहो, प्लीज।' लैंग्डन ने कहा। 'तुम्हारे पास फोन है क्या?'

उस आदमी ने अपनी जेब से एक छोटा-सा फोन निकाला और अपने पैसेंजर के हाथ में रख दिया। लैंग्डन ने उसे तहेदिल से शुक्रिया कहा, लेकिन उसे समझ में नहीं आ रहा था कि वह किसे फोन करे।उसके पास सिंस्की या ब्रूडर का फोन नंबर नहीं था। पेरिस में विश्व स्वास्थ्य संगठन के दफ्तर में फोन करने का मतलब था वक़्त बर्बाद करना।

'यहाँ की पुलिस से कैसे बात हो सकती है?' लैंग्डन ने पूछा।

‘एक पाँच पाँच,’ ड्राइवर ने जवाब दिया। ‘इस्तांबुल में किसी भी जगह।’

लैंग्डन ने तीनों नंबर दबाया और इंतज़ार करने लगा। घंटी बजती जा रही थी, बजती जा रही थी। अंत में एक रिकॉर्ड की हुई आवाज़ सुनाई दी। इसमें तुर्क और अंग्रेज़ी दोनों भाषा में कहा गया था कि बहुत सारी कॉल आने की वजह से उन्हें अभी इंतज़ार करना होगा। लैंग्डन सोचने लगा कि कहीं कुंड के संकट की वजह से तो ऐसा नहीं हो रहा।

ऐसा लग रहा था जैसे ज़मीन के अंदर धंसे महल में अब पूरी अफरा-तफरी मची हुई थी। उसने अनुमान लगाया कि ब्रूडर लैगून के पानी में छप छप कर रहा होगा। पता नहीं उसे वहाँ पर क्या मिला होगा। लैंग्डन को लग रहा था कि वह इसके बारे में जानता था। उसका दिल डूबा जा रहा था।

सिएना उसके पहले पानी में पहुँच चुकी थी।

सामने, बस की ब्रेक-लाइट जली। यह आगे चलकर सड़क के किनारे बने बस-स्टॉप पर रुक गई। बेंटली के ड्राइवर ने अपनी गाड़ी रोक ली। वह बस से करीब पचास फुट पीछे था। वहाँ से लैंग्डन को बस में चढ़ने उतरने वाले लोग साफ नज़र आ रहे थे। उस जगह सिर्फ तीन लोग नीचे उतरे–सभी पुरुष। फिर भी लैंग्डन सभी को गौर से देख रहा था। वह भेष बदलने में सिएना की महारत से बखूबी परिचित था।

अब वह दोबारा बस के पिछले शीशे से अंदर देख रहा था। शीशे पर काली फिल्म लगी थी, लेकिन अंदर लगी बत्तियाँ अब पूरी तरह जल रही थी। लैंग्डन अंदर बैठे लोगों को अब साफ साफ देख पा रहा था। वह आगे झुका। उसने अपनी गर्दन टेढ़ी की और बेंटली के विंडशील्ड से आँखें सटाकर सिएना को तलाशने की कोशिश करने लगा।

मुझे ये मत कहना कि मैंने गलत दाँव लगाया है।

फिर उसने उसे देखा।

बस ने जैसे ही चलना शुरू किया, भीतर की रोशनी फिर से मद्धिम हो गई। ठीक इसके पहले, एक पल के लिए किसी का सिर पीछे की ओर मुड़ा, जो पीछे वाले शीशे से बाहर को देख रही थी।

लैंग्डन सीट में झुक गया। वह बेंटली की छाया में छुपने की कोशिश कर रहा था। क्या उसने मुझे देख लिया? उसका पगड़ी वाला ड्राइवर फिर से बस का पीछा कर रहा था।

सड़क अब नीचे, पानी की ओर जा रही थी। लैंग्डन को अपने आगे कम ऊँचाई वाला पुल की रोशनी दिखाई दे रही थी। पुल ट्रैफिक से अटा पड़ा था। दरअसल, वहाँ का पूरा इलाका ट्रैफिक से भरा था।

‘मसाला बाजार,’ उस आदमी ने कहा। ‘बरसात की रातों में यहाँ बहुत भीड़ होती है।’

उस आदमी ने पानी के किनारे की तरफ इशारा किया। वहाँ एक विशाल इमारत दिखाई दे रही थी। अगर लैंग्डन का अनुमान सही था तो इसकी प्रसिद्ध जुड़वां मीनारों को देखकर

यही लग रहा था कि यह इमारत इस्तांबुल की एक और मशहूर मस्जिद, न्यू मॉस्क, के साए में बनी थी। मसाला बाज़ार अधिकांश अमेरिकी मॉल की तुलना में बड़ी थी। लैंग्डन बाज़ार के मेहराबनुमा विशाल दरवाज़े से लोगों को आते जाते देख रहा था।

'हेलो।' किसी ने धीमी आवाज़ में कहा। *'एसिल ड्रुम। हेलो।'*

लैंग्डन ने हाथ में रखे फोन की ओर देखा। *पुलिस।*

'हाँ, हेलो।' लैंग्डन ने रिसीवर को अपने मुँह के पास लाकर कहा। 'मेरा नाम रॉबर्ट लैंग्डन है। मैं विश्व स्वास्थ्य संगठन में काम करता हूँ। आपके शहर में एक बहुत बड़ा संकट आया है। मैं इस संकट के लिए ज़िम्मेदार आदमी की तलाश कर रहा हूँ।वह मसाला बाज़ार के पास बस में है जो. . .'

'एक मिनट रुकिए,' ऑपरेटर ने कहा। 'मैं आपकी बात डिस्पैच से कराती हूँ।'

'नहीं, रुको।', लेकिन लैंग्डन को उसने तब तक होल्ड पर डाल दिया था।

बेंटली का ड्राइवर उसकी तरफ देख रहा था। वह काफी डरा हुआ लग रहा था। 'कुंड के भीतर संकट?'

लैंग्डन कुछ बोलना चाहता था तभी ड्राइवर का चेहरा अचानक चमकने लगा, शैतान की तरह।

ब्रेक लाइट।

ड्राइवर ने जब तक अपना सिर घुमाया, बेंटली सड़क पर घिसटती हुई ठीक बस के पीछे जाकर रुक गई। बस के भीतर की रोशनी दोबारा जल गई थी। लैंग्डन अब सिएना को दिन की रोशनी की तरह साफ साफ देख रहा था। वह पिछले दरवाज़े के पास खड़ी थी और नीचे उतरने के लिए बार-बार इमरजेंसी स्टॉप वाली रस्सी को खींच रही थी।

उसने मुझे देख लिया, लैंग्डन समझ चुका था। इसमें कोई संदेह नहीं था कि सिएना ने भी गलाता ब्रिज पर ट्रैफिक को देख लिया था। वह वहाँ जाकर फँसने का ख़तरा मोल नहीं ले सकती थी।

लैंग्डन ने झट से दरवाज़ा खोल दिया, लेकिन तब तक सिएना बस से निकलकर भाग चुकी थी। बस तेज़ी से आगे चली जा रही थी। लैंग्डन ने मोबाइल फोन उसके मालिक की ओर फेकते हुए कहा, 'जो भी हुआ उसे पुलिस को बता दो। बोलो वे इस इलाके की घेराबंदी कर दें।'

पगड़ी वाले आदमी ने उसकी ओर घबराकर देखा।

'और, आपका शुक्रिया।' लैंग्डन ने चिल्लाकर कहा। 'टेसेकुलर।'

यह बोलते हुए लैंग्डन पहाड़ी के नीचे सिएना के पीछे दौड़ने लगा, जो मसाला बाज़ार में इकट्ठा भारी भीड़ भीड़ की तरफ दौड़ती जा रही थी।

95

इस्तांबुल का मसाला बाज़ार तीन सौ साल पुराना है। यह दुनिया के सबसे पुराने छतदार बाजारों में गिना जाता है। L आकार में बने इस विशाल बाज़ार में अठासी मेहराबदार कमरे हैं जिनमें सैकड़ों स्टॉल हैं। इन स्टॉलों में स्थानीय दुकानदार दुनिया-भर से लाए गए तरह तरह के मसाले, फल, जड़ी-बूटी बेचते हैं। इन सामानों की विविधता को देखकर किसी का दिमाग चकरा सकता है। यहाँ पर इस्तांबुल की लेमनचूस 'टर्किश डिलाइट' हर तरफ बिकती दिखाई देती है।

इस बाज़ार में घुसने के लिए पत्थर का विशाल पोर्टल है, जिसमें गोथिक शैली में मेहराब बना है। यह दरवाज़ा दरवाज़ा चिचेक पाजारी और ताहमिस स्ट्रीट के कोने पर बना है। कहा जाता है कि यहाँ रोजाना तकरीबन तीन लाख लोग आते हैं।

आज की रात जब लैंग्डन भीड़ भाड़ वाले इसके प्रवेश-द्वार के पास पहुँच रहा था तो उसे लगा जैसे तीन लाख लोग वहाँ अंदर घुसने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे। वह अब भी दौड़ता हुआ आगे बढ़ रहा था। उसकी नज़रें पल-भर के लिए भी सिएना से नहीं हट रही थी, जो इस वक़्त उससे केवल बीस गज आगे दिखाई दे रही थी।। वह तेज़ी से बाज़ार के प्रवेश-द्वार की तरफ जा रही थी। साफ पता चल रहा था कि रुकने का उसका कोई इरादा नहीं है।

सिएना मेहराबदार दरवाज़े के पास पहुँची जहाँ उसका सामना उमड़ती भीड़ से हुआ। वह लोगों के बीच रास्ता बनाती हुई अंदर की ओर बढ़ती रही थी। दहलीज से अंदर कदम रखते ही उसने धीरे-से गर्दन मोड़कर पीछे की ओर नज़र डाली। लैंग्डन को उसकी आँखों में डरी सहमी छोटी-सी लड़की दिखाई दी, जो परेशान होकर भाग रही थी. . .अनियंत्रित।

'सिएना।' उसने ज़ोर से आवाज़ लगाई।

लेकिन वह लोगों की भीड़ में घुसकर कहीं गुम हो गई।

लैंग्डन तेज़ी से उसके पीछे दौड़ा।लोगों से टकराता, धक्का-मुक्की करता वह अपनी गरदन इधर-उधर घुमाकर सिएना की तलाश में भीड़ के बीच आगे बढ़ता जा रहा था। अंत में जब वह अपनी बाईं ओर बाज़ार के पश्चिमी हॉलवे के पास पहुँचा तो उसकी नज़र सिएना पर पड़ी।

रास्ते में दोनों तरफ तरह तरह के विदेशी मसालों से दुकानें सजी थी। भारतीय मसाले, ईरानी जाफरान, चीनी फूल की चाय जैसी रंग बिरंगी चीज़ें जैसे पीले, भूरे और सुनहले रंगों की एक सुरंग बना रही थी। लैंग्डन को हर कदम के साथ एक नई ख़ुशबू का अनुभव हो रहा था–तेज़ गंध वाले मशरूम, तीखे कंदमूल, सुगंधित तेल की ख़ुशबू हवा में तैरती हुई उसके

नाक में घुस रही थी। साथ ही दुनिया-भर की भाषाओं में लोगों की आवाज़ों का शोरगुल कान फाड़ रहा था। शरीर के अंग अंग पर ढेरों प्रकार के अनुभव अपना प्रभाव छोड़ रहे थे और लोगों की उपस्थिति का कंपन जैसे बंद ही नहीं हो रहा था।

हज़ारों लोग।

लैंग्डन के दिमाग पर बंद जगहों का खौफ फिर से तारी हो रहा था। वह निराश हो कर वापस लौटने ही वाला था, लेकिन उसने फिर से हिम्मत जुटाई और बाज़ार में और भी अंदर की तरफ घुसने लगा। सिएना उसे अपने ठीक आगे दिखाई दे रही थी। वह पूरी ताकत के साथ भीड़ को चीरती हुई आगे बढ़ती जा रही थी। ज़ाहिर था कि वह अपने गंतव्य तक पहुँचने के लिए मन बना चुकी थी, चाहे वह जगह जहाँ भी हो।

एक पल के लिए लैंग्डन सोचने लगा कि आख़िर वह उसका पीछा क्यों कर रहा है।

इंसाफ के लिए? सिएना ने, जो किया था उसके बारे में सोचकर लैंग्डन पकड़े जाने के बाद उसके लिए मुफीद सजा की कल्पना भी नहीं कर पा रहा था।

महामारी को रोकने के लिए? इसके लिए, जो कुछ भी किया जाना था वह किया जा चुका था।

अंजाने लोगों की भीड़ से आगे बढ़ते हुए अचानक लैंग्डन को समझ में आ गया कि वह सिएना को रोकने के लिए इतना बेचैन क्यों था।

मुझे जवाब चाहिए।

बाज़ार के पश्चिमी हिस्से में उस से केवल दस गज आगे सिएना बाहर निकलने वाले रास्ते के करीब पहुँच चुकी थी। उसने जल्दी से पीछे मुड़कर लैंग्डन पर नज़र डाली। उसे इतना करीब देखकर सिएना के चेहरे पर घबराहट दिखाई दे रही थी। उसने जैसे ही दोबारा गरदन मोड़ी, उसके पाँव लड़खड़ा गए।

सिएना के सिर आगे की ओर झुका और वह सामने खड़े व्यक्ति की गरदन से टकराया। असंतुलित होकर नीचे गिरते हुए उसने अपना दाहिना हाथ आगे बढ़ाया और गिरने से बचने के लिए किसी चीज़ को पकड़ने की कोशिश करने लगी। उसके हाथ में अखरोट की टोकरी आई। टोकरी से अखरोट उसके पूरे शरीर और सामने फर्श पर बिखर गए।

सिएना जिस जगह ज़मीन पर गिरी थी लैंग्डन वहाँ से तीन कदम पीछे था। उसने ज़मीन पर नज़र डाली, लेकिन वहाँ उलटी टोकरी और बिखरे अखरोटों के सिवा उसे कुछ नज़र नहीं आ रहा था। सिएना कहीं नहीं दिखाई दे रही थी।

दुकानदार ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहा था।

आख़िर वह गई कहाँ?

लैंग्डन अपनी जगह पर खड़ा पूरा चक्कर घूम गया, लेकिन सिएना कहीं नज़र नहीं आई। जब तक उसकी नज़र बाहर को जाने वाले केवल पंद्रह गज दूर पश्चिमी दरवाज़े पर पड़ी वह

समझ चुका था कि नाटकीय ढंग से ज़मीन पर गिरना दुर्घटना नहीं, बल्कि सोची समझी योजना थी।

लैंग्डन तेज़ी से निकास द्वार के पास पहुँचा। अब वह बाज़ार के सामने बने विशाल प्लाजा में खड़ा था। यहाँ भी लोगों की भीड़ थी। वह प्लाजा में नज़र दौड़ाने लगा, लेकिन बेकार।

सामने कई रास्तों वाला हाईवे दिखाई दे रहा था, जिसके ऊपर गोल्डेन हॉर्न पर बना गलाता ब्रिज दिखाई दे रहा था। लैंग्डन के दाहिने हाथ की तरफ प्लाजा में नए मस्जिद की दोनों मीनारें चमकती दिखाई दे रही थी। उसकी बाई ओर बस प्लाजा पसरा हुआ था. . .लोगों से ठसाठस भरा।

आगे से कारों की तेज़ हॉर्न ने लैंग्डन का ध्यान फिर अपनी ओर खींचा। ये आवाज़ें प्लाजा और पानी के बीच बने हाइवे से आ रही थी। उसकी नज़र अपने से महज कुछ सौ गज आगे सिएना पर पड़ी, जो तेज़ी से गुज़र रहे ट्रैफिक के बीच से भागी जा रही थी। लैंग्डन ने देखा कि वह दो ट्रकों के बीच कुचले जाने से मुश्किल से बची।वह समुद्र की ओर जा रही थी।

लैंग्डन की बाईं तरफ गोल्डेन हॉर्न के किनारे यातायात केंद्र में फेरी डॉक्यूमेंट्री, ऑटोबसों, टैक्सियों और सैलानियों की नावों की गहमागहमी दिखाई दे रही थी।

लैंग्डन प्लाजा को पार करते हुए हाईवे की तरफ तेज़ी से दौड़ा। जब वह गार्डरेल के पास पहुँचा तो सामने से आ रही गाड़ी की हेडलाइट का अनुमान लगाते हुए वह छलाँग लगाकर दूसरी ओर पहुँच गया जहाँ दो-लेन वाले हाईवे में से पहली हाईवे जा रही थी।आँखों को चौंधियाती कारों की हेडलाइटों और गुस्से में हॉर्न बजाती कारों से किसी तरह बचते बचाते लैंग्डन पंद्रह सेकंड के भीतर हाईवे के एक डिवाइडर से दूसरे पर कूदते फांदते अब समुद्र के सामने वाले मैदान में पहुँच चुका था। मैदान में घास बिछी थी।

वैसे तो सिएना अब भी उसे नज़र आ रही थी, लेकिन वह उससे काफी आगे थी।वह टैक्सी स्टैंड को पार करती, सड़क पर खड़ी बसों को पीछे छोड़ती सीधे डॉक की ओर जा रही थी। लैंग्डन ने देखा कि डॉक से तरह तरह के टूरिस्ट नावें, वाटर-टैक्सी, मछली मारने वाली निजी नावें और स्पीडबोट निकल रही थी।खाड़ी के पार, गोल्डेन हॉर्न के पश्चिमी छोर पर शरह की रोशनी टिमटिमाती दिखाई दे रही थी। लैंग्डन को कोई संदेह नहीं था कि अगर सिएना उस ओर पहुँच जाती तो फिर उसे ढूँढ़ पाना नामुमकिन था, शायद हमेशा के लिए।

आख़िरकार जब लैंग्डन समुद्र तट पर पहुँचा तो वह बाईं ओर मुड़ा और तेज़ी से बोर्डवॉक पर चलने लगा। वहाँ मौजूद सैलानी उसे हैरान होकर देखने लगे, जो पानी पर तैरने वाले चबूतरे, फ़्लोटिला पर चढ़ने का इंतज़ार कर रहे थे। इस फ़्लोटिला में भोंडी नक्काशी वाले डिनर बार्ज बने थे जिनके ऊपर मस्जिदों जैसी मीनारें और नकली सोने की नक्काशी की गई थी। इनके ऊपर नियोन की रोशनी टिमटिमा रही थी।

बोस्फोरस का लास-वेगस। लैंग्डन तेज़ी से आगे बढ़ते हुए बुदबुदाया।

उसे काफी आगे सिएना दिखाई दे रही थी जिसने अब दौड़ना बंद कर दिया था। इस वक़्त वह डॉक पर खड़ी थी। वहाँ चारों तरफ स्पीड-बोट नज़र आ रहे थे।वह एक स्पीड बोट के मालिक से कुछ बहस करती दिखाई दे रही थी।

उसे स्पीड बोट पर चढ़ने मत देना।

नज़दीक आने पर लैंग्डन ने देखा कि सिएना एक नौजवान व्यक्ति से बात कर रही थी, जो एक सुंदर, छोटे-से पावरबोट पर खड़ा था। बोट अब डॉक से बाहर निकलने ही वाला थी। वह आदमी मुस्कराते हुए विनम्रतापूर्वक सिएना को ना कह रहा था। सिएना हाथ से कुछ इशारा कर रही थी, लेकिन बोट मालिक अपनी बात पर अड़ा रहा। सिएना को मना करने के बाद वह जहाज़ के कंट्रोल की तरफ जाने लगा।

लैंग्डन अब और भी नज़दीक आ चुका था। सिएना ने उस पर नज़र डाली। उसके चेहरे पर बेचैनी छाई थी। उसके नीचे नाव के दोनों इंजन घरघराने लगे थे। पानी में उफान आ चुका था और स्पीड बोट डॉक को छोड़कर आगे बढ़ने लगी थी।

तभी दिखाई दिया कि सिएना ने डॉक से छलाँग लगा दी। वह धड़ाम की आवाज़ के साथ स्पीडबोट के फाइबरग्लास वाले स्टर्न पर आकर गिरी। आवाज़ सुनकर ड्राइवर पीछे मुड़ा। उसके चेहरे पर हैरानी और अविश्वास का भाव दिखाई दे रहा था। उसने स्पीडबोट के थ्रॉटल को खींचा और नाव का इंजन बंद हो गया, जो इस समय तक समुद्र तट से करीब बीस फुट की दूरी तय कर चुकी थी। गुस्से में चिल्लाते हुए वह इस अनचाहे यात्री की ओर बढ़ने लगा।

ड्राइवर जैसे ही उसके नज़दीक पहुँचा, सिएना बड़े आराम से एक तरफ हट गई। उसने ड्राइवर की कलाई पकड़ी और अपनी गति से उत्पन्न ताकत का इस्तेमाल करते हुए उसे उठाकर नाव के ऊपरी हिस्से से नीचे की ओर समुद्र में उछाल दिया। कुछ ही पल बाद, ड्राइवर पानी में डूबता उतराता नज़र आया। वह पानी में बेतरह हाथ पैर मार रहा था। उसके मुँह से तरह तरह की आवाज़ें निकल रही थी। बेशक वह चुनिंदा इतालवी गालियों की बौछार कर रहा था।

इंजन दोबारा चालू हो गया और स्पीडबोट तेज़ी से आगे बढ़ गई।

लैंग्डन डॉक पर खड़ा था। वह अपनी साँसें संभालने की कोशिश कर रहा था। सफेद रंग का सुंदर स्पीडबोट पानी की सतह पर तैरता हुआ आगे बढ़ रहा था। रात के अंधेरे में यह एक भुतहा छाया की तरह दिखाई दे रहा था। लैंग्डन ने सामने क्षितिज की ओर नज़र डाली। वह समझ गया कि ब्लैक-सी से भूमध्य सागर को जा रहे अनंत समुद्री रास्तों में किसी पर भी अब सिएना की पहुँच बन चुकी थी।

वह जा चुकी थी।

उसके पास ही, स्पीडबोट का मालिक पानी से बाहर निकला और पुलिस को ख़बर करने

के लिए तेज़ी से आगे जाने लगा।

तभी इंजन की आवाज़ बंद हो गई।

लैंग्डन अंधेरे में देखने की कोशिश कर रहा था। *क्या उसने इंजन बंद कर दिया?*

वह हथेलियों का घेरा बनाकर दूर से आती आवाज़ को सुनने की कोशिश करने लगा। उसे बंद पड़े इंजन की हल्की-सी घरघराहट सुनाई दे रही थी।

अगर उसका ईंधन ख़त्म नहीं हुआ तो आख़िर वह क्या कर रही है?

लैंग्डन इंतज़ार करने लगा।

दस सेकंड। पंद्रह सेकंड। तीस सेकंड।

तभी बिना किसी पूर्व सूचना के इंजन फिर से चालू हो गया। पहले धीरे-धीरे, फिर ज़ोर से, पूरे निश्चय के साथ। लैंग्डन को यह देखकर हैरानी हो रही थी कि स्पीडबोट की रोशनी एक लंबे घेरे में घूम रही थी और उसका मुँह अब उसकी तरफ घूम गया था।

वह वापस आ रही है।

स्पीडबोट जब नज़दीक पहुँचा तो लैंग्डन ने देखा कि सिएना इसके व्हील के साथ खड़ी सामने देख रही थी। तट से तीस गज पहले उसने इंजन को धीमा कर दिया और नाव अब तट पर उसी जगह वापस आ चुकी थी, जहाँ से थोड़ी देर पहले आगे गई थी। उसने इंजन बंद कर दिया।

चुप्पी।

हैरान होकर लैंग्डन उसकी ओर देखने लगा। हक्का-बक्का।

सिएना ने उसकी ओर नज़र नहीं डाली।

सिएना हथेलियों के बीच चेहरा छुपाकर खड़ी थी। वह काँप रही थी। उसके कंधे झुके थे। उनकी कंपकंपाहट दिखाई दे रही थी। अंत में जब उसने लैंग्डन की ओर देखा तो उसकी आँखों से आँसुओं की धारा बह निकली।

'रॉबर्ट', उसने सिसकते हुए कहा। 'मैं अब नहीं भाग सकती। मेरे लिए अब कोई जगह नहीं बची है।'

96

बात खुल चुकी थी।

एलिज़ाबेथ सिंस्की कुंड की ओर जा रही सीढ़ी के आख़िरी चबूतरे पर बैठी खाली किए जा चुकी गुफा को देख रही थी। वह रेस्पिरेटर से साँस ले रही थी और उसकी साँसें चढ़ी हुई लग रही थी। वैसे तो यहाँ, जो भी विषाणु या जीवाणु रहा होगा, सिंस्की उससे प्रभावित हो चुकी थी, लेकिन उसे तसल्ली थी कि इस सुनसान जगह में उतरते हुए उसने और उसकी एसआरएस टीम ने हैजमेट सूट पहन रखा था। उन लोगों ने सफेद रंग का फूला हुआ जंपसूट पहन रखा था, जो सिर पर लगे हेलमेट के साथ इस तरह जुड़ा था कि अंदर की हवा न बाहर जा सकती थी और न बाहर की हवा अंदर आ सकती थी। वे सभी लोग अंतरिक्ष यात्रियों की तरह लग रहे थे, जो दूसरे ग्रह से आए मानवों के जहाज़ पर हमले की तैयारी में थे।

सिंस्की को पता था कि ऊपर संगीत सम्मेलन में पहुँचे सैकड़ों दर्शक और संगीतकार कहीं दुबक कर बैठे थे। घबराहट में उन लोगों को पता नहीं चल रहा था कि आख़िर माज़रा क्या है। वहाँ मचे धक्कमपेल में घायल लोगों का इलाज भी चल रहा था, वहीं बहुत से लोग उस इलाके से बचकर भाग निकले थे। शायद उनमें से किसी की कोहनी छिल गई थी तो किसी के घुटने में मामूली-सी चोट आई थी।

वायरस से अधिक तेज़ी से केवल एक चीज़ फैलती है–सिंस्की सोच रही थी और वह चीज़ थी डर।

ऊपर के दरवाज़े अब बंद हो चुके थे। उन्हें पूरी तरह से सीलबंद कर दिया गया था, ताकि अंदर की हवा बाहर और बाहर की हवा अंदर न आ सके। स्थानीय अधिकारी वहाँ पहरा दे रहे थे। सिंस्की को लगा था कि स्थानीय पुलिस के आने के बाद शायद वहाँ अपने अधिकारक्षेत्र को लेकर उनके बीच तकरार होगी, लेकिन बायोहैजर्ड पोशाक पहनी एसआरएस टीम के लोगों को देखकर और प्लेग फैलने की संभावना के बारे में सिंस्की की उद्घोषणा को सुनते ही ही किसी भी तरह के संघर्ष की संभावना छूमंतर हो गई।

हम लोगों को अपना काम अब ख़ुद करना होगा, विश्व स्वास्थ्य संगठन की अध्यक्ष लैगून में खंभों के प्रतिबिंब से बने जंगल को देखते हुए यह सोच रही थी। यहाँ नीचे की ओर आने की हिम्मत कोई नहीं कर रहा।

उसके पीछे दो एजेंट कुंड की तलहटी में पॉलीयुरीथेन की चादर फैला कर इसे दीवार के साथ हीटगन की मदद से चिपका रहे थे। दो अन्य लोग बोर्डवॉक के फट्टों पर एक खुली जगह में इलेक्ट्रॉनिक यंत्र लगा रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे वे किसी अपराध स्थल की

जाँच में जुटे हों।

यह *बिलकुल* क्राइम सीन की जगह है, सिंस्की ने सोचा।

उसकी आँखों के आगे फिर से भीगे बुर्के में कुंड से बाहर भाग रही औरत की तस्वीर घूमने लगी। साफ ज़ाहिर हो रहा था कि सिएना ब्रुक्स ने अपनी जान की परवाह किए बिना विश्व स्वास्थ्य संगठन की इस महामारी को फैलने से रोकने की कोशिश नाकामयाब करने का निश्चय कर लिया था। उसने जोब्रिस्ट के विकृतिपूर्ण मिशन को सफल बनाने की ठान ली थी। *वह यहाँ आई और उसने सोल्युब्लोन के थैले को फोड़ा।*

लैंग्डन ने रात में ही सिएना का पीछा किया था। सिंस्की को अब तक पता नहीं चला था कि वे दोनों इस समय किसी स्थिति में थे।

उम्मीद करती हूँ कि प्रोफेसर लैंग्डन सुरक्षित होंगे, उसने सोचा।

एजेंट ब्रूडर बोर्डवॉक पर खड़ा था। उसके शरीर से टपटप पानी चू रहा था।वह भावशून्य आँखों से मेडुसा के उलटे सिर को देख रहा था और मन-ही-मन आगे की योजना के बारे में सोच रहा था।

एसआरएस एजेंट के तौर पर ब्रूडर ने व्यापक से व्यापक स्तर पर सोचने का प्रशिक्षण हासिल किया था। उसे अपने तात्कालिक नैतिक या निजी प्रश्नों से कोई मतलब नहीं होता था। वह दीर्घकालिक नज़रिए से अधिक से अधिक लोगों की जान बचाने के बारे में विचार करता था। इस क्षण के पहले अपने स्वास्थ्य पर इसके असर के बारे में उसने कुछ भी नहीं सोचा था। *मैंने ही इस मामले में अपनी नाक घुसेड़ दी,* वह सोचने लगा। इस ख़तरनाक मिशन में शामिल होने के लिए वह ख़ुद को धिक्कार रहा था, लेकिन वह जानता था कि उसके पास कोई विकल्प नहीं था। हमें *इसका तुरंत आकलन करना था।*

ब्रूडर अपना ध्यान इन बातों से हटाकर सामने खड़े मसले के बारे में सोचने लगा कि उसकी दूसरी योजना, प्लान-बी, को कैसे लागू किया जाए। दुर्भाग्यवश महामारी को फैलने से रोकने के मामले में प्लान बी हमेशा एक ही होता था–*अपने कार्यक्षेत्र के दायरे को बढ़ाना।* छुआछूत की बीमारी से लड़ना ठीक वैसा ही होता था जैसे जंगल की आग से लड़ना। कभी कभार छोटी मोटी लड़ाई से पीछे हटना या आत्मसमर्पण करना युद्ध जीतने के लिए आवश्यक होता है।

इस वक़्त ब्रूडर ने इस की उम्मीद नहीं छोड़ी थी कि छुआछूत की इस बीमारी को फैलने से पूरी तरह रोक पाना मुमकिन था। इस बात की पूरी संभावना थी कि सिएना ब्रुक्स ने प्लास्टिक के उस थैले को उनके वहाँ पहुँचने के थोड़ी ही देर पहले फोड़ा था जिस समय

चारों तरफ अफरा-तफरी और हँगामा मचा हुआ था। अगर यह सच था तो सभी लोग महामारी के स्रोत से काफी दूर रहे होंगे और उन्हें इस बीमारी की छूत नहीं लगी होगी।

लैंग्डन और सिएना को छोड़कर बाकी सभी लोग, ब्रूडर समझ गया। वे दोनों लोग यहीं ग्राउंड जीरो पर थे और अब शहर में कहीं हैं।

ब्रूडर को एक और चिंता सता रही थी, जो उसके तर्क में एक कमी से संबंधित थी। पानी के अंदर उसे सोल्युब्लॉन बैग का कोई टुकड़ा नहीं मिला था। ब्रूडर को लगा कि अगर सिएना ने बैग को अगर लात मारकर या फाड़कर या किसी अन्य तरीके से नष्ट किया था तो उसे बैग के टूटे-फूटे टुकड़े कहीं-न-कहीं ज़रूर दिखाई दिए होते।

लेकिन ब्रूडर को ऐसा कुछ भी नज़र नहीं आया था। ऐसा लग रहा था जैसे उस बैग के टुकड़े गधे की सींग की तरह कहीं गायब हो गए थे। ब्रूडर को इस बात पर कोई भरोसा नहीं था कि सिएना सोल्यूब्लॉन बैग को अपने साथ लेकर चली गई होगी, क्योंकि उस समय तक ख़ास प्लास्टिक से बना यह थैला गलकर एक चिपचिपी लेई जैसी चीज़ में बदल चुका होगा।

तो फिर वह गया कहाँ?

ब्रूडर को कहीं ने कहीं लग रहा था कि कुछ ऐसी बात थी, जो वह समझ नहीं पा रहा था। फिर भी वह महामारी को फैलने से रोकने की योजना पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा था। इसके लिए एक सवाल का जवाब जानना ज़रूरी था।

छुआछूत की इस बीमारी का वर्तमान दायरा क्या था?

ब्रूडर जानता था कि अगले कुछ ही मिनटों में उसे इस सवाल का जवाब मिलने वाला था। उसकी टीम ने वायरस की पहचान करने वाले किट को बोर्डवॉक पर लैगून से बढ़ती दूरी पर लगा दिया था। ये किट, जिन्हें पीसीआर यूनिट कहा जाता है, पॉलीमरेज प्रतिक्रिया का इस्तेमाल करते हैं जिससे वहाँ फैले छुआछूत के विषाणु का पता लगता है।

एसआरएस एजेंट की उम्मीद अब भी बनी हुई थी। लैगून के पानी में कोई हलचल नहीं थी और अभी बहुत कम वक़्त बीता था। उसे भरोसा था कि पीसीआर यंत्र बहुत छोटी मात्रा में होने पर भी बीमारी के जीवाणु का पता लगा लेंगे। पता लगने के बाद वे हवा की मदद से उन्हें अंदर खींचने और रसायनों की मदद से उन्हें मारने में कामयाबी हासिल कर लेंगे।

'तैयार?' टेक्नीशियन मेगाफोन की मदद से चिल्लाया।

कुंड के आसपास जमे टेक्नीशियनों ने अंगूठा दिखाकर सहमति ज़ाहिर की।

'अपने नमूनों को मशीन में डालो।' मेगाफोन से आवाज़ आई।

पूरे कुंड के अंदर, टेक्नीशियन झुककर पीसीआर मशीन की मदद से इकट्ठा किए गए नमूनों की जाँच करने लगे। हर पीसीआर मशीन में बोर्डवॉक के नीचे खड़े टेक्नीशियन के द्वारा कुंड की सतह से उठाया गया नमूना डाला जाने लगा। वे लोग जोब्रिस्ट की पट्टिका के

चारों तरफ गोलों में फैलते हुए यह जाँच करने लगे।

सभी लोग परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे थे। कुंड के भीतर सन्नाटा फैला हुआ था। वे बस हरी रोशनी देखने के लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे थे।

और फिर वही घटित हुआ।

ब्रूडर के सबसे पास वाली मशीन पर वायरस की पहचान करने वाली लाल बत्ती जलने लगी। उसकी मांसपेशी यह देखकर अकड़ने लगी। उसने अपनी आँख अब दूसरी मशीन पर जमा दी।

बहुत जल्द, इसकी लाल बत्ती भी जलने लगी।

नहीं।

लोगों की घबराहट भरी फुसफुसाहट से कुंड काँप उठा। ब्रूडर घबाराहट से भरकर यह सब देख रहा था। धीरे-धीरे सभी पीसीआर की बत्तियाँ जल उठी, कुंड के प्रवेश द्वार तक।

*हे भगवान. . .*वह सोचने लगा। चमचमाती लाल बत्तियाँ साफ ज़ाहिर कर रही थीं कि असलियत क्या थी।

छुआछूत के फैलाव का दायरा काफी बड़ा था।

पूरा-का-पूरा कुंड वायरसों से भरा था।

97

रॉबर्ट लैंग्डन सिएना ब्रुक्स को घूर रहा था, जो चुराए गए पावर-बोट के व्हील पर झुकी हुई थी। उसने अभी अभी, जो देखा था वह उसे समझने की कोशिश कर रहा था।

'मैं जानती हूँ कि आप मुझसे नफरत करते हैं।' सिएना सुबक रही थी। उसने अपनी आँसू भरी नज़रें उसकी ओर की।

'नफरत?' लैंग्डन ने आश्चर्य ज़ाहिर करते हुए कहा। 'मुझे तो यह भी नहीं पता कि तुम कौन हो। तुमने तो मुझसे सिर्फ झूठ बोला है।'

'हाँ, मैं जानती हूँ।' उसने धीमी आवाज़ में कहा। 'मैं माफी चाहती हूँ। मैं सही काम करने की कोशिश कर रही थी।'

'प्लेग का वायरस दुनिया में फैलाकर?'

'नहीं रॉबर्ट, आप मेरी बात नहीं समझ रहे।'

'मैं बिलकुल समझ रहा हूँ।' लैंग्डन ने जवाब दिया। मैं जानता हूँ कि तुम सोल्यूब्लॉन के थैले को फोड़ने के लिए पानी के अंदर गई। दुनिया इसे रोक पाए, उसके पहले ही तुम जोब्रिस्ट के वायरस को फैलाना चाहती थी।'

'सोल्यूब्लॉन बैग?' सिएना की आँखों में हैरानी का भाव झलक रहा था। 'मैं नहीं जानती आप किस चीज़ के बारे में बात कर रहे हैं। रॉबर्ट, मैं तो बर्ट्रैंड के वायरस को फैलने से रोकने के लिए कुंड में गई थी. . .इसे चुराकर हमेशा के लिए गायब करने के लिए...ताकि इसका कोई अध्ययन नहीं कर सके, डॉक्टर सिंस्की और विश्व स्वास्थ्य संगठन भी नहीं।'

'चुराने के लिए? इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहुँच से दूर रखने की क्या ज़रूरत थी?'

सिएना ने गहरी साँस ली। 'आपको बहुत सारी चीज़ों के बारे में जानकारी नहीं, लेकिन अब यह विवाद का विषय है। हमारे वहाँ पहुँचते पहुँचते काफी देर हो चुकी थी, रॉबर्ट। हमारे पास ऐसा कर पाने का अवसर बचा ही नहीं था।'

'बिलकुल था, हमारे पास मौका था। वायरस कल के पहले नहीं फैलाया जाने वाला था। जोब्रिस्ट ने यही तारीख तय की थी और अगर तुम पानी के भीतर नहीं गई होती. . .'

'रॉबर्ट, मैंने वहाँ वायरस नहीं फैलाया।' सिएना ने चिल्लाकर कहा। 'जब मैं कुंड में पानी के अंदर गई तो मैं इसे ढूँढ़ने की कोशिश कर रही थी, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। वहाँ कुछ भी नहीं था।'

'मुझे तुम्हारी बात पर यकीन नहीं।' लैंग्डन ने कहा।

'हाँ, मुझे पता है कि आप मेरा भरोसा नहीं करते और इसके लिए मैं आपको ज़िम्मेदार नहीं मानती।' उसने अपनी जेब में हाथ डालकर पानी में भींगा हुआ एक पैंफलेट बाहर

निकाला। 'हो सकता है इससे कुछ मदद मिले।' उसने कागज़ को लैंग्डन की ओर उछाल दिया। 'लैगून के अंदर जाने के ठीक पहले मुझे यह कागज़ मिला।'

उसने कागज़ को लपककर उसे खोल दिया। इसमें कुंड के अंदर होने वाले दांते सिंफनी के सात संगीत कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई थी।

'इनकी तारीखों पर नज़र डालिए।' उसने कहा।

लैंग्डन ने तारीखों को एक बार पढ़ा, फिर दोबारा पढ़ा। वह अचंभित लग रहा था। पता नहीं किस वजह से उसे लगता था कि आज का कार्यक्रम रात में शुरू होने वाला था, जो सात कार्यक्रमों में पहला था। इस सीरीज के अन्य कार्यक्रम सप्ताह के दूसरे दिनों में होने वाले थे जिनका मकसद लोगों को प्लेग से संक्रमित कुंड में आकर्षित करना था, लेकिन इस कार्यक्रम में कुछ दूसरी ही कहानी दिखाई दे रही थी।

'आज इस सीरीज का आख़िरी कार्यक्रम था?' लैंग्डन ने कागज़ से अपनी नज़र हटाते हुए पूछा। 'आर्केस्ट्रा सप्ताह-भर से चालू था?'

'ऐसा होना असंभव है।' लैंग्डन ने कहा। 'वह तारीख कल है। जोब्रिस्ट ने कल की तारीख डालकर एक पट्टिका भी बनवाई थी।'

'हाँ, मैंने वह पट्टिका पानी में देखी।'

'फिर तो तुम्हें पता होगा कि इसमें कल की तारीख दी गई है।'

सिएना ने गहरी साँस ली। 'रॉबर्ट, मैं बर्ट्रेंड को अच्छी तरह जानती थी। इतनी अच्छी तरह कि मैंने आपको भी उसके बारे में कभी नहीं बताया था। वह एक वैज्ञानिक था, जो अपने काम के परिणामों के बारे में सोचता था। मुझे अब लगता है कि पट्टिका पर लिखी गई तारीख वायरस को फैलाने की तारीख नहीं, बल्कि कुछ और है, शायद उसके उद्देश्य की दृष्टि से कहीं ज़्यादा महत्त्वपूर्ण।'

'यानी वह कौन-सी बात है. . .'

सिएना ने नाव के ऊपर आसमान की तरफ देखा। 'यह ग्लोबल-सैचुरेशन की तिथि दर्शाता है, एक तरह का गणितीय अनुमान जिससे पता चलता है कि उस समय तक यह वायरस दुनिया-भर में फैल चुका होगा. . .और प्रत्येक व्यक्ति इससे संक्रमित हो चुका होगा।'

इस बात की संभावना को सुनकर लैंग्डन के शरीर में झुरझुरी फैल गई। फिर भी उसे लग रहा था जैसे सिएना झूठ बोल रही थी। उसकी कहानी में एक बड़ी कमी थी और सिएना ब्रुक्स ने पहले ही साबित कर दिया था कि वह किसी भी चीज़ के बारे में झूठ बोल सकती थी।

'एक समस्या है, सिएना,' उसने उसे घूरते हुए कहा। 'अगर यह प्लेग एक सप्ताह से दुनिया-भर में फैल चुका है तो फिर लोग बीमार क्यों नहीं हो रहे?'

सिएना दूसरी ओर देखने लगी। 'क्योंकि. . .' उसने अपनी बात कहनी शुरू की। उसकी बात गले में अटक रही थी। 'बरनार्ड ने प्लेग नहीं बनाया था।' उसकी आँखों में फिर से आँसू भर आए। 'उसने इससे कहीं ख़तरनाक चीज़ बनाई थी।'

98

रेस्पिरेटर से चल रहे ऑक्सीजन के प्रवाह के बावजूद सिंस्की को चक्कर आ रहा था। ब्रूडर की पीसीआर मशीनों के द्वारा इस इस भयानक सचाई को ज़ाहिर किए पाँच मिनट बीत चुके थे।

महामारी को फैलने से रोकने की संभावना काफी पहले ख़त्म हो चुकी थी।

सोल्यूब्लॉन बैग शायद पिछले सप्ताह ही पानी में घुल चुका था, शायद उसी रात जब संगीत सम्मेलन की शुरुआत हुई थी। सिंस्की को पता चल चुका था कि यह कार्यक्रम सात दिनों से चल रहा था। सोल्यूब्लॉन बैग के कुछ टुकड़े, जो ज़ंजीर में बंधे थे वे गायब नहीं हुए थे, क्योंकि ज़ंजीर से चिपकाने के लिए उन पर एक तरह का गोंद लगाया गया था।

महामारी को फैले हुए एक सप्ताह हो चुका है।

अब महामारी के जीवाणु को फैलने से रोकना संभव नहीं था। एसआरएस के एजेंट कुंड के भीतर बनाए गए अस्थाई प्रयोगशाला में वहाँ से इकट्ठा किए गए नमूनों की जाँच कर रहे थे। उन्होंने अब अपना पहले से आजमाया हुआ तरीका अख्तियार कर लिया था यानी कि नमूनों का वर्गीकरण, व्याख्या और ख़तरे का आकलन। अभी तक पीसीआर यूनिटों को सिर्फ एक ठोस आँकड़ा मिला था जिसे देखकर किसी को भी आश्चर्य नहीं हुआ था।

वायरस अब हवा के द्वारा फैल रहा था।

सोल्युब्लॉन बैग के अंदर रखी चीज़ अब बबूले की शक्ल में सतह पर आ चुकी थी और जीवाणु अब हवा में घुल चुके थे। इसके लिए ज्यादा लोगों की *जरूरत* नहीं थी, सिंस्की जानती थी, *ख़ास*कर इस तरह की घिरी हूई जगह के भीतर।

बैक्टीरिया या रासायनिक विषाणु की तुलना में वायरस लोगों के बीच बेहद तेज़ी से और आसानी से फैल सकता था। वायरस परजीवी होते हैं और वे दूसरे जीवों के अंदर घुसकर उनकी कोशिकाओं में प्रवेश कर जाते हैं। इस प्रक्रिया को एडजोर्पशन कहा जाता है। इसके बाद वे अपना डीएनए या आरएनए उस कोशिका में डाल देते हैं, जो वायरस की अनेक कॉपी बनाने लगता है। जब इस वायरस के कॉपियों की संख्या पर्याप्त हो जाती है तो वायरस उस कोशिका को मार देता है, जहाँ घुसकर उसने अपने लिए जगह बनाई होती है। इसके बाद वह कोशिका की दीवार को छेदकर किसी नई कोशिका को अपना घर बना लेता है। यह प्रक्रिया लगातार दोहराती रहती है।

संक्रमित व्यक्ति जब भी साँस छोड़ता है या छींकता है तो इसके साथ बहुत ही छोटे-छोटे बुलबुले हवा में जाकर तैरने लगते हैं, जो कालक्रम में दूसरे व्यक्ति के द्वारा साँस लेने की प्रक्रिया में उसके शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इस तरह यह प्रक्रिया फिर से शुरू हो जाती है।

अत्यंत तीव्र गति से होने वाली वृद्धि, सिंस्की, जोब्रिस्ट के ग्राफ के बारे में सोच रही थी, जो जनसंख्या विस्फोट की व्याख्या को प्रदर्शित करती थी। *जोब्रिस्ट वायरस के बढ़ने की तीव्र गति का इस्तेमाल कर जनसंख्या के तीव्र गति से बढ़ने का मुकाबला करने की कोशिश कर रहा था।*

लेकिन अभी सबसे गंभीर सवाल यह था कि आख़िर इस वायरस का आचरण क्या होगा?

निष्ठुर ढंग से कहें तो सवाल था कि यह जिस जीव को अपना घर बनाता है, *उस पर यह किस तरह हमला करेगा?*

इबोला वायरस खून के जमने की क्षमता को समाप्त करे देता है, जिसकी वजह से खून का ऐसा रिसाव शुरू होता है, जो कभी बंद नहीं होता। हंटा वायरस फेफड़ों को नाकामयाब कर देता है। वायरसों का एक ऐसा समूह होता है, जिसकी वजह से कैंसर की बीमारी होती है। एचआईवी वायरस शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करता है जिससे एड्स की बीमारी होती है। मेडिकल समुदाय के लोगों से यह बात छुपी नहीं है कि अगर एड्स का वायरस हवा से फैलता तो यह मानव प्रजाति को विनष्ट करने वाली घटना होती।

स्पष्ट था कि यह वायरस भले ही, जो भी प्रभाव छोड़ता, इसको प्रकट होने में वक़्त लग रहा था। आसपास के अस्पतालों से किसी भी तरह की असामान्य बीमारी की कोई ख़बर नहीं आई थी।

सिंस्की इन सवालों का जवाब जानने के लिए बेचैन थी। वह लैब की ओर चल पड़ी। उसने सीढ़ियों के पास ब्रूडर को खड़ा देखा। उसके मोबाइल फोन को कमज़ोर-सा सिग्नल मिल रहा था। वह किसी से धीमी आवाज़ में बात कर रहा था।

वह तेज़ी से उसके नज़दीक आई। वह अपना फोन कॉल पूरा कर रहा था।

'ठीक है, समझ गया।' ब्रूडर ने कहा। उसके चेहरे पर भय और अविश्वास का मिलाजुला भाव दिखाई दे रहा था। 'और मैं दोबारा तुम्हें इस सूचना की गोपनीयता के बारे में आगाह करना चाहता हूँ। इस समय यह सिर्फ तुम्हारे देखने के लिए है। जब तुम्हें कोई जानकारी मिले तो मुझे फोन करना। थैंक्स।' उसने फोन रख दिया।

'ये सब क्या चल रहा है?' सिंस्की ने सवाल पूछा।

ब्रूडर ने धीरे-धीरे साँसें छोड़ते हुए कहा, 'मैंने अभी अपने एक दोस्त से बात की, जो सीडीसी एटलांटा में वायरसों का बहुत बड़ा विद्वान है।'

यह सुनकर सिंस्की भड़क गई। 'तुमने मेरी सहमति के बिना सीडीसी को इसके बारे में बता दिया?'

'मैंने फैसला लेने के लिए उसे कॉल किया।' उसने कहा। 'सीडीसी में मेरा संपर्क सूत्र इसके बारे में किसी को भी नहीं बताएगा। हमें इस अस्थाई लैब से जिस तरह से आँकड़े मिलेंगे, हमें उससे बेहतर आँकड़ों की ज़रूरत है।'

सिंस्की ने वहाँ मौजूद थोड़े-से एसआरएस एजेंटों की तरफ देखा, जो पानी के नमूने इकट्ठे कर रहे थे और अपने पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों पर झुके हुए कुछ देख रहे थे। यह सही कह रहा है।

'सीडीसी में मेरे संपर्क सूत्र', ब्रूडर ने अपनी बात जारी रखी, 'के पास पर्याप्त सुविधाओं वाला एक लैब है। उसने भी एक अत्यंत संक्रमणकारी वायरस के होने की पुष्टि की है। इस वायरस को आज के पहले कहीं नहीं देखा गया था।'

'रुको।' सिंस्की ने उसे टोका। 'तुमने इतनी जल्दी नमूने को उसके पास कैसे भेजा?'

'मैंने नहीं भेजा।' ब्रूडर ने कहा। वह तनाव में लग रहा था। 'उसने ख़ुद अपने खून की जाँच की।'

सिंस्की को बहुत जल्द इसका अर्थ समझ में आ गया।

यानी कि यह दुनिया-भर में फैल चुका है।

99

लैंग्डन धीरे-धीरे चल रहा था। उसे लग रहा था जैसे उसके शरीर में जान नहीं हो, जैसे वह दिन की तरह साफ किसी दुःस्वप्न से होकर गुज़र रहा हो। *प्लेग से अधिक ख़तरनाक भला क्या हो सकता है?*

सिएना स्पीडबोट से कूदकर नीचे आने के बाद कुछ भी नहीं बोली थी। उसने लैंग्डन को इशारा कर डॉक से अपनी ओर बुलाया। वह पानी और भीड़ से दूर जा रहे बजरी के बने रास्ते पर आगे बढ़ रही थी।

वैसे तो सिएना के आँसू अब रुक चुके थे, लैंग्डन को महसूस हो रहा था कि उसके अंदर भावनाओं का ज्वार उठ रहा था। उसे कहीं दूर सायरन की आवाज़ भी सुनाई दे रही थी, लेकिन ऐसा लग रहा था कि सिएना पर इसका कोई असर नहीं हो रहा था। वह लगातार ज़मीन की ओर देख रही थी। शायद पैरों के नीचे बजरी की आवाज़ ने उसे सम्मोहित कर लिया था।

वे लोग एक छोटे-से पार्क में पहुँच चुके थे। सिएना ने लैंग्डन को पेड़ों के एक घने झुरमुट की ओर बुलाया। यहाँ वे लोग दुनिया की नज़रों से दूर थे। वे यहाँ आकर एक बेंच पर बैठ गए, जिसके सामने पानी दिखाई दे रहा था। दूसरे किनारे पर पहाड़ियों पर बने घरों के अंदर टिमटिमाती रोशनी के पार प्राचीन गलाता टावर चमक रहा था। यहाँ से दुनिया अजीब ढंग से शांतिपूर्ण लग रही थी। लैंग्डन इसकी तुलना इसी वक़्त कुंड के भीतर मची अफरा तफरी के साथ कर रहा था। वह कल्पना कर रहा था कि अब तक सिंस्की और उसकी एसआरएस टीम को पता चल चुका होगा कि प्लेग को रोक पाने की कोशिश में अब तक काफी देर हो चुकी थी।

उसकी बगल में सिएना समुद्र की ओर अपलक देखती जा रही थी। 'मेरे पास अब ज़्यादा वक़्त नहीं है, रॉबर्ट।' उसने कहा। 'शहर के अधिकारियों को जल्द ही मेरे ठिकाने का पता चल जाएगा, लेकिन इसके पहले मैं तुम्हें सच बताना चाहती हूँ. . .पूरा सच।'

लैंग्डन ने उसकी ओर देखकर बिना कुछ बोले सिर हिलाया।

सिएना ने अपनी आँख पोछी और बेंच पर बैठ गई। अब वह लैंग्डन के बिलकुल आमने सामने बैठी थी। 'बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट. . .' उसने बोलना शुरू किया। 'वह मेरा पहला प्यार था। वह मेरा दिशा-निर्देशक था।'

'ये तुम मुझे बता चुकी हो, सिएना।' लैंग्डन ने कहा।

उसने उसकी ओर अचंभित होकर देखा, लेकिन उसने बोलना जारी रखा मानो वह अपने बोलने के प्रवाह को रोकना नहीं चाह रही थी। 'मैं उसे छोटी उम्र में मिली जब मैं अपरिपक्व

थी। उसके विचारों और मानसिक क्षमता ने मुझ पर जादू कर दिया। बर्ट्रेंड मेरी ही तरह मानता था कि हमारी प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर थी..हम एक भयंकर महाविनाश की कगार पर थे। हम उस रास्ते पर जितनी तेज़ी से बढ़ रहे थे, उसे कोई स्वीकार करने को तैयार नहीं था।'

'अपने बचपन के दौरान, हमेशा,' सिएना ने कहा, 'मैं दुनिया को बचाना चाहती थी और मुझे हमेशा, सिर्फ यही कहा जाता था, 'तुम दुनिया को नहीं बचा सकती, इसलिए तुम इसकी कोशिश में अपने सुखों की कुर्बानी मत दो।' वह रुकी। उसके चेहरे पर तनाव दिखाई दे रहा था। उसने किसी तरह अपने आँसू रोके। 'इसके बाद मेरी बर्ट्रेंड से मुलाकात हुई–एक ख़ूबसूरत, अत्यंत मेधावी इंसान जिसने मुझे कहा कि दुनिया को बचाना केवल मुमकिन ही नहीं बल्कि. . .हमारी नैतिक ज़िम्मेदारी भी थी। उसने अपनी तरह के सोच वाले दूसरे विद्वान लोगों से परिचित कराया जिसकी योग्यता और बौद्धिक क्षमता का सानी नहीं था। ये वैसे लोग थे, जो सचमुच भविष्य को बदल सकते थे। मुझे ज़िंदगी में पहली बार लगा कि मैं अकेली नहीं हूँ, रॉबर्ट।'

उसकी बातों में निहित दर्द को देखकर लैंग्डन के चेहरे पर हल्की-सी मुस्कराहट आई।

'मैंने अपनी ज़िंदगी में कई भयंकर अनुभवों से गुज़री हूँ।' सिएना ने अपनी बात जारी रखी। अब उसकी आवाज़ में अस्थिरता बढ़ती जा रही थी। 'मुझे उन अनुभवों को अपने दिमाग से बाहर निकालना काफी मुश्किल लगता था..' उसने ज़मीन की तरफ देखना बंद कर अपनी हथेलियों को अपने गंजे सिर पर घुमाना शुरू किया। थोड़ी देर में अपना संतुलन वापस पाने के बाद उसने दोबारा लैंग्डन को देखना शुरू किया। 'शायद सिर्फ एक ही विश्वास ने मुझे अपने रास्ते पर बने रहने का साहस दिया है कि हम आज से बेहतर कल हो सकते हैं. . .हम भविष्य में होने वाले महाविनाश से ख़ुद को बचाने के लिए कदम उठा सकते हैं।'

'और बर्ट्रेंड भी इसी में यकीन करता था।' लैंग्डन ने पूछा।

'बिलकुल। पूरी तरह। बर्ट्रेंड को मानवता में अटूट विश्वास था। वह एक ट्रांसह्यूमेनिस्ट था जिसे भरोसा था कि आज दुनिया एक चमचमाते हुए मानवेतर युग, पोस्ट-ह्यूमेनिस्ट एज, की दहलीज पर खड़ी थी। यह सच्चे अर्थों में महापरिवर्तन का युग होने वाला था। उसके पास एक भविष्यद्रष्टा, फ्यूचरिस्ट, का दिमाग था। उसकी आँखें भविष्य में घटित होने वाली उन चीज़ों को भी देख सकती थी, जिनकी कल्पना भी बहुत कम लोग कर सकते थे। वह टेक्नोलॉजी की अकल्पनीय क्षमता को जानता था। उसे यकीन था कि आगे आने वाली कुछ पीढ़ियों के अंदर हमारी प्रजाति एक बिलकुल नई प्रजाति में परिवर्तित होने वाली थी। इसकी जीन संरचना में किए जाने वाले परिवर्तन इसे अधिक स्वस्थ, तेज़ तर्रार और स्मार्ट, ताकतवर, बल्कि अधिक सहानुभूति की क्षमता वाला जीव बनाने वाले थे।' वह रुकी। 'बस

एक समस्या है। उसे नहीं लगता था कि यह प्रजाति उन संभावनाओं को देख पाने के लिए जीवित बच पाएगी।

'अत्यधिक जनसंख्या की वजह से?' लैंग्डन ने पूछा।

उसने सिर हिलाया। 'माल्थस का महाविनाश। बर्ट्रैंड मुझसे कहता था कि वह अपने को सेट जॉर्ज की तरह महसूस करता है, जो उस भयंकर थोनिक राक्षस को मारने की कोशिश में लगा था।'

लैंग्डन को उसकी बात का अर्थ समझ में नहीं आया। 'मेडुसा?'

'हाँ, प्रतीकात्मक रूप से। मेडुसा और उसके समूह में पाए जाने वाले सभी थोनिक राक्षस पाताल लोक में रहते थे, क्योंकि वे सभी धरती माता के साथ सीधे जुड़े थे। प्रतीकों में हमेशा थोनिकों को माना जाता था कि वे . . .'

'प्रजनन शक्ति के प्रतीक हैं।' लैंग्डन ने कहा। उसे हैरानी हुई कि यह साम्य उसकी नज़र में पहले क्यों नहीं आया। *फलदार, आबादी।*

'हाँ, प्रजनन।' सिएना ने जवाब दिया। 'बर्ट्रैंड थोनिक राक्षस शब्द का इस्तेमाल हमारी समृद्ध प्रजनन क्षमता को निरूपित करने के लिए करता था। वह संतानोत्पत्ति की हमारी क्षमता को हमेशा सिर पर मंडराते ख़तरे के रूप में देखता था। उसकी दृष्टि में यह एक ऐसा राक्षस था, जिसका सामना जल्द-से-जल्द किया जाना आवश्यक था। वरना यह हम सभी को लील जाने वाला था।'

हमारी अपनी प्रजनन क्षमता ही हमारे सिर पर मंडराने वाला ख़तरा है, लैंग्डन सोच रहा था। *थोनिक राक्षस। 'और बर्ट्रैंड इसी राक्षस से लड़ रहा था. . .कैसे?*

'समझने की कोशिश कीजिए,' उसने संकोच के साथ कहना शुरू किया। 'इन समस्याओं का समाधान करना आसान नहीं। आपातकालीन उपचार में हमेशा अप्रिय प्रक्रियाएँ अपनानी होती हैं। तीन साल के बच्चे की टाँग काटने वाले व्यक्ति को एक भयंकर अपराधी माना जाता है. . .हाँ अगर वह व्यक्ति डॉक्टर हो और उसने बच्चे को गैंग्रीन से बचाने के लिए ऐसा किया हो तो बात अलग है। कभी कभार हमारे सामने दो अप्रिय विकल्पों में से एक का चुनाव करना होता है।' उसकी आँखें फिर से डबडबा गई। 'मैं मानती हूँ कि बर्ट्रैंड का उद्देश्य पवित्र था. . .लेकिन उसके तरीके. . .' वह दूसरी ओर देखने लगी। वह फूट फूट कर रोने के कगार पर थी।

'सिएना,' लैंग्डन फुसफुसाकर बोला। 'मैं यह सब समझना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि तुम मुझे समझाओ कि लैंग्डन ने क्या किया। उसने कौन-सी चीज़ दुनिया में रिलीज की?'

सिएना फिर से उसकी तरफ देखने लगी। उसकी कोमल, भूरी आँखों में खौफ तैर रहा था। 'उसने एक वायरस रिलीज किया।' उसने धीमी आवाज़ में कहा। 'एक बहुत ही ख़ास ढंग का वायरस।'

लैंग्डन साँसें रोककर सुन रहा था। 'अच्छा, बताओ मुझे, कौन-सा वायरस?'

'बर्ट्रेंड ने जिस वायरस का निर्माण किया उसे वायरल वेक्टर कहते हैं। इस वायरस को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह जिस कोशिका पर हमला करता है उसके अंदर एक ख़ास ढंग की जीन संबंधी सूचना डाल देता है।' सिएना रुकी। वह चाहती थी कि लैंग्डन को उसकी बात की गंभीरता समझने का समय मिले। 'वेक्टर वायरस. . .उस कोशिका को *मारता* नहीं जिसे वह अपना घर बना लेता है. . .बल्कि वह इसमें पहले से निर्धारित एक डीएनए को स्थापित कर देता है, जो कोशिका के जीनोम को परिवर्तित कर देता है।'

लैंग्डन इस बात के महत्त्व को समझने की कोशिश कर रहा था। यह वायरस हमारे डीएनए को *बदल* देता है?

'यह वायरस चुपचाप अपना काम करता है।' सिएना ने कहा। 'इसकी वजह से हमें पता ही नहीं चलता कि हम इस वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। इसकी वजह से कोई बीमार नहीं होता। इसके कोई बाहरी लक्षण नहीं होते जिससे पता चले कि हमारी जीनों में कोई बदलाव आ चुका है।'

एक पल के लिए लैंग्डन को लगा जैसे उसकी नसों में खून खौल रहा था। 'तो फिर इससे क्या *परिवर्तन* होते हैं?'

सिएना ने थोड़ी देर के लिए अपनी आँखें बंद कर ली। 'रॉबर्ट,' उसने फुसफुसाते हुए कहा, 'कुंड के लैगून में जैसे ही इस वायरस को रिलीज किया गया, प्रतिक्रियाओं की एक श्रृंखला चालू हो गई, चेन रिएक्शन। कुंड में जाने वाले हर व्यक्ति की साँसों ने उसे इस वायरस से संक्रमित बना दिया। वे इस वायरस को ढोने वाले, एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के साधन बन गए। वे अंजाने में इस वायरस को दूसरों तक ले जाने में सहयोग करने लगे। इस तरह विस्फोटक तरीके से यह वायरस चारों तरफ फैलने लगा। अब तक यह वायरस दुनिया-भर में जंगल की आग की तरह फैल चुका होगा। दुनिया-भर की आबादी इससे प्रभावित हो चुकी होगी। आप, मैं. . .*हर व्यक्ति।*'

लैंग्डन उठकर खड़ा हो गया और बेचैन होकर इधर-उधर चहलकदमी करने लगा। 'और इसका हमारे ऊपर क्या असर होता है?' उसने अपना सवाल दोहराया।

सिएना थोड़ी देर चुप रही। 'वायरस मनुष्य के शरीर की. . .प्रजनन शक्ति समाप्त कर देता है।' वह परेशान होकर दूसरी ओर मुड़ी। 'बर्ट्रेंड ने प्रजनन-शक्ति समाप्त करने वाला प्लेग का वायरस बनाया।'

उसकी बात सुनकर लैंग्डन को ज़ोर का धक्का लगा। *प्रजनन शक्ति समाप्त करने वाला वायरस?* लैंग्डन जानता था कि कुछ वायरस लोगों को बाँझ बनाने की क्षमता रखते हैं, लेकिन हवा के माध्यम से तेज़ी से फैलने वाला ऐसा वायरस, जो हमारी जीन संरचना को बदलने का क्षमता रखता हो, यह तो किसी दूसरी दुनिया की बात लगती थी. . .ऑरवेल के

उपन्यासों में दिखाए गए भविष्य की भयानक रूपरेखा।

'बर्ट्रेंड हमेशा इस तरह के वायरस की परिकल्पना करता था।' सिएना ने शांत भाव से कहा। 'लेकिन मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह इसे बनाने की कोशिश करेगा. . .सफल होने की तो मैंने कल्पना ही नहीं की थी। जब मुझे यह चिट्ठी मिली तो मुझे पता चला कि उसने क्या किया है। मुझे सदमा लगा। मैं उसे ढूँढ़ने के लिए बेचैन हो गई। मैं उससे अपने इस आविष्कार को नष्ट करने के लिए कहना चाहती थी, लेकिन जब तक मैं पहुँची, देर हो चुकी थी।'

'रुको।' लैंग्डन ने उसे रोका। आख़िरकार उसकी जुबान खुली थी। 'अगर यह वायरस हर व्यक्ति की प्रजनन क्षमता को समाप्त करे देता है तो फिर नई पीढ़ी कैसे आएगी। इस तरह मानव प्रजाति समाप्ति की ओर अग्रसर हो जाएगी..तुरंत।'

'बिलकुल ठीक।' उसने कहा। उसकी आवाज़ काफी धीमी थी। 'लेकिन प्रजाति को विलुप्त करवाना बर्ट्रेंड का मकसद नहीं था, बल्कि सचाई इसके ठीक विपरीत थी। दरअसल यही वजह थी कि उसने इस वायरस को रैंडम ढंग से सक्रिय किया। वैसे तो *इन्फर्नो* सभी मनुष्यों के डीएनए में पाया जाएगा और हमारी पीढ़ी के बाद आने वाली सभी पीढ़ियों में वंशानुगत ढंग से हस्तांतरित होगा, यह केवल कुछ प्रतिशत लोगों के डीएनए में ही सक्रिय होगा। इसका मतलब है कि यह आबादी के कुछ ही हिस्से को रैंडम तरीके से प्रभावित करेगा।'

'क्या. . .आबादी के एक हिस्से को?'लैंग्डन को अपने ही सवाल पर यकीन नहीं हो रहा था।

'आप तो जानते हैं कि ब्लैक डेथ का विचार बर्ट्रेंड के दिमाग में घर बना चुका था–यानी कि वह प्लेग जिसकी वजह से यूरोप की एक तिहाई आबादी मारी गई थी। उसका मानना था कि प्रकृति जनसंख्या को कम करने के तरीके जानती है। बर्ट्रेंड ने जब इनफर्टिलिटी, प्रजनन-क्षमता के अभाव, के बारे में हिसाब लगाना शुरू किया तो उसे यह देखकर गहरी खुशी हुई कि प्लेग में मारे जाने वाली एक तिहाई आबादी ठीक वही अनुपात था, जो मानव प्रजाति की वृद्धि को महाविनाश की सीमा में बनाए रखने के लिए आवश्यक था। '

यह एक भयानक विचार है, लैंग्डन ने सोचा।

'ब्लैक प्लेग ने लोगों की संख्या को कम कर दिया और इसने पुनर्जागरण काल को लाना संभव बनाया।' सिएना बोली। 'और बर्ट्रेंड ने दुनिया में एक नए युग की शुरुआत के उत्प्रेरक के रूप में काम करने के लिए ही *इन्फर्नो* को बनाया। इसे ट्रांसह्यूमेनिस्ट ब्लैक डेथ कहा जा सकता है। फर्क सिर्फ इतना है कि जिन लोगों को यह बीमारी होगी वे मरेंगे नहीं, बल्कि उनकी प्रजनन क्षमता समाप्त हो जाएगी। अगर हम मान लें कि बर्ट्रेंड का वायरस दुनिया़ भर में फैल चुका है तो अब तक एक तिहाई लोग अपनी प्रजनन क्षमता खो चुके होंगे। आगे आने

वाली पीढ़ियों की एक तिहाई आबादी भी प्रजनन क्षमती को हासिल नहीं कर पाएगी। इसका प्रभाव वही होगा, जो पीढ़ी दर पीढ़ी संप्रेषित होने वाले जीन का होता है। संततियों में प्रवेश करने के बावजूद यह जीन कुछ ही लोगों में सक्रिय होता है।

यह बोलते हुए सिएना का हाथ काँप रहा था। 'मुझे लिखी बर्ट्रेंड की चिट्ठी से लगता है कि बर्ट्रेंड को इस बात के लिए काफी गौरव था। वह मानता था कि *इन्फर्नो* इस समस्या का बहुत ही अच्छा और मानवीय समाधान था।' उसकी आँखों में फिर से आँसू उमड़ रहे थे। उसने अपने आँसू पोंछते हुए कहा, 'ब्लैक डेथ की भयंकरता से अगर तुलना करें तो मैं मानती हूँ कि इस नज़रिए में सहानुभूति दिखाई देती है। इसकी वजह से अस्पतालों में बीमार और मरणासन्न लोगों की भीड़ नहीं उमड़ेगी। गलियों में लाशें नहीं सड़ेंगी। ज़िंदा बचे लोगों को अपने प्रिय परिजनों की मृत्यु का दंश नहीं सहना होगा। लोगों को बस इतने बच्चे होना बंद हो जाएगा। धरती पर धीरे-धीरे आबादी कम होती जाएगी और एक समय आएगा, जब आबादी का ग्राफ पलट जाएगा और हमारी संख्या घटने लगेगी।' वह रुकी। 'प्लेग की तुलना में यह वायरस काफी अधिक प्रभावी होगा। प्लेग ने बस कुछ समय के लिए आबादी का बढ़ना रोका था जिसकी वजह से जनसंख्या वृद्धि बहुत कम समय के लिए नियंत्रित हुई थी। *इन्फर्नो* के द्वारा बर्ट्रेंड ने एक दूरगामी समाधान किया है, स्थाई समाधान. . .ट्रांसह्यूमेनिस्ट समाधान। वह जर्म-लाइन पर काम करने वाला जीन-इंजीनियर था। वह समस्याओं का मौलिक समाधान खोजता था।'

'यह जीन-आतंकवाद है।' लैंग्डन ने धीमी आवाज़ में कहा। 'यह हमारे अस्तित्व को प्रभावित करने वाला, हमारी पहचान को बदलने वाला कदम है। हम अपने बुनियादी स्वरूप में जैसे हैं, हमेशा जैसे रहे हैं, उसे बदलने वाला कार्य।'

'बर्ट्रेंड की नज़र में ऐसा नहीं था। मानव विकास की प्रक्रिया में इस गंभीर कमी को वह दूर करने का सपना देखता था. . .यानी कि अत्यधिक प्रजनन क्षमता। हम एक ऐसी प्रजाति हैं, जो अपनी उन्नत मेधा के बावजूद अपनी संख्या पर नियंत्रण नहीं रख सकते। भले ही हम कितनी ही गर्भ-निरोधक सुविधाएँ लोगों को मुफ्त में बांटें, उनकी जानकारी बढ़ाने की कोशिश करें या सरकार की ओर से प्रलोभन दिए जाएँ, हमें जनसंख्या नियंत्रण में सफलता नहीं मिलती। नवजात शिशुओं की संख्या बढ़ती ही जाती है. . .हम चाहें या न चाहें। आपने सुना होगा कि सीडीसी ने हाल में ही जानकारी दी है कि अमेरिका में करीब आधे लोग अनचाहे गर्भधारण करते हैं। पिछड़े और गरीब देशों में यह संख्या सत्तर प्रतिशत के करीब है।'

लैंग्डन ने इन आँकड़ों को पहले देखा था, लेकिन इसके परिणाम उसे अब समझ में आ रहे थे। एक प्रजाति के तौर पर मनुष्य उन खरगोशों की तरह थे जिन्हें प्रशांत महासागर के कुछ टापुओं पर छोड़ दिया गया था। उनके प्रजनन पर कोई नियंत्रण नहीं था। एक समय ऐसा

आया, जब उनकी संख्या इतनी बढ़ गई कि उन टापुओं का इकोसिस्टम नष्ट हो गया। अंततः वे खरगोश उन टापुओं से विलुप्त हो गए।

बर्ट्रैंड जोब्रिस्ट ने हमारी प्रजाति को रिडिज़ाइन किया. . .हमारी रक्षा की कोशिश की. . .हमें कम प्रजनन क्षमता वाली प्रजाति बनाने की कोशिश की।

लैंग्डन ने गहरी साँस ली और सामने पसरे बोस्पोरस की ओर देखने लगा। उसे लग रहा था जैसे वह समुद्र में चल रहे नावों की तरह आधार-विहीन हो। डॉक पर हर तरफ से आ रही सायरनों की आवाज़ और भी तेज़ होती जा रही थी। लैंग्डन को लगा कि उसके पास अब बहुत कम वक़्त बचा था।

'सबसे ख़तरनाक बात ये नहीं है,' सिएना ने कहा, 'कि *इन्फर्नो* के कारण लोगों की प्रजनन क्षमता समाप्त हो जाती है, बल्कि यह कि इसके अंदर यह क्षमता मौजूद है। हवा से फैलने वाला वायरल वेक्टर एक बड़ी छलाँग है. . .अपने समय से सालों आगे। बर्ट्रैंड हमें जीन इंजीनियरिंग के अंधयुग से अचानक बाहर निकालकर सीधे भविष्य की ओर लेकर गया। उसने जीवों के क्रमिक विकास की प्रक्रिया का ताला खोल दिया और मानवता को अपनी प्रजाति की संख्या कम करने की व्यापक, प्रभावी क्षमता प्रदान की। अब जिन्न बोतल से बाहर निकल चुका है और इसे बोतल में बंद करना मुमकिन नहीं। बर्ट्रैंड ने मानव प्रजाति को नए ढंग से परिभाषित करने की क्षमता की चाबी हमें दी है. . .और अगर यह चाबी गलत हाथों में चली गई तो फिर भगवान ही हमारी मदद कर सकते हैं। इस टेक्नोलॉजी का निर्माण कभी नहीं किया जाना चाहिए था। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के बारे में बर्ट्रैंड की चिट्ठी मैंने जैसे ही पढ़ी, मैंने उसे जला दिया। मैंने इस वायरस का पता कर इसे नष्ट करने का फैसला कर लिया।'

'ये बात मेरी समझ में नहीं आ रही,' लैंग्डन ने कहा। उसकी आवाज़ में गुस्सा झलक रहा था। 'अगर तुम वायरस को नष्ट करना चाहती थी तो तुमने डॉक्टर सिंस्की और विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ क्यों नहीं सहयोग किया?' तुम्हें सीडीसी या किसी दूसरे व्यक्ति को ख़बर करनी चाहिए थी।'

'आप मज़ाक तो नहीं कर रहे? सरकारों की तो इस टेक्नोलॉजी तक पहुँच कभी नहीं होनी चाहिए। सोचिए, रॉबर्ट। मानव सभ्यता में आज तक जिस किसी भी महत्त्वपूर्ण टेक्नोलॉजी का आविष्कार हुआ उसका हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया–आग जैसी मामूली चीज़ से लेकर परमाणु ऊर्जा तक और यह तकरीबन हमेशा सरकारों ने किया है। आपको क्या लगता है कि जैविक-हथियार कहाँ से आए हैं? ये विश्व स्वास्थ्य संगठन और सीडीसी जैसी संस्थाओं में हुए शोध-कार्य से पैदा हुए हैं। बर्ट्रैंड की टेक्नोलॉजी, जीन वेक्टर के तौर पर काम करने वाला महामारी का वायरस, दुनिया का सबसे शक्तिशाली हथियार है। इसके भयंकर परिणामों के बारे में हम अभी कल्पना भी नहीं कर सकते जिनमें सुनिश्चित लक्ष्य

वाले जैविक हथियार भी शामिल हैं। किसी ऐसे विषाणु की कल्पना कीजिए, जो सिर्फ उन्हीं लोगों को प्रभावित करती है जिनके जीन में एक ख़ास जनजाति के गुण पाए जाते हैं। इसकी मदद से बड़े पैमाने पर जीन के स्तर पर चुन-चुनकर कुछ ख़ास जैविक समुदाय के लोगों का नरसंहार करना संभव है।'

'मैं तुम्हारी चिंताओं को समझ सकता हूँ, सिएना। बिलकुल समझ सकता हूँ, लेकिन इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अच्छे उद्देश्य के लिए भी किया जा सकता है। है कि नहीं? क्या जीन पर काम करने वाली दवाओं के लिए यह रामबाण का काम नहीं कर सकती? उदाहरण के लिए, टीकाकरण को दुनिया-भर में आसानी से उपलब्ध कराने के लिए यह एक नया तरीका हो सकता है।'

'शायद, लेकिन दुर्भाग्यवश राज्य-सत्ता पर काबिज लोगों को मैंने बदतर काम करते देखा है।'

लैंग्डन को दूर कहीं आसमान को चीरती हेलीकॉप्टर की आवाज़ सुनाई दे रही थी। उसने पेड़ों के झुरमुट से मसाला बाज़ार की ओर देखा, जहाँ उसे एक पहाड़ियों के ऊपर एक जहाज़ उड़ता हुआ दिखाई दिया। जहाज़ डॉक की ओर जा रहा था।

सिएना के चेहरे पर तनाव छा गया। 'मुझे जाना होगा।' उसने पश्चिम में अतातुर्क ब्रिज की ओर देखते हुए कहा। 'मुझे लगता है कि मैं पुल को पैदल पार कर सकती हूँ और वहाँ से. . .'

'तुम कहीं नहीं जा रही हो, सिएना।' उसने मज़बूती से कहा।

'रॉबर्ट, मैं वापस इसलिए आई, क्योंकि मुझे लगा कि मुझे आपको ये सारी बतानी चाहिए। अब आप ये सब जान चुके हैं।'

'नहीं सिएना।' लैंग्डन ने कहा। 'तुम वापस आई, क्योंकि तुम ज़िंदगी-भर भागते भागते परेशान हो चुकी थी और तुम्हें आख़िरकार लगा कि अब तुम भाग नहीं सकती।'

ऐसा लगा जैसे सिएना उसके आगे सिकुड़ गई थी। 'मेरे पास कौन से विकल्प हैं?' उसने आसमान से समुद्र को स्कैन कर रहे हेलीकॉप्टर की ओर देखते हुए कहा। 'मुझे पकड़ते ही वे तुरंत जेल में डाल देंगे।'

'तुमने कुछ भी गलत नहीं किया है, सिएना। तुमने ये वायरस नहीं बनाया है..न ही तुमने इसे बाहर फैलाया है।'

'हाँ, ये सही है, लेकिन मैंने विश्व स्वास्थ्य संगठन को इसे ढूँढ़ने से रोकने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अगर मुझे तुर्की की जेल में नहीं डाला गया तो शायद किसी अंतर्राष्ट्रीय ट्रिब्यूनल में जैविक-आतंकवाद के नाम पर मेरे ऊपर मुकदमा चलाया जाएगा।'

हेलीकॉप्टर की घरघराहट तेज़ होती जा रही थी। लैंग्डन ने दूर डॉक की ओर देखा। जहाज़ अपनी जगह पर खड़ा था, इसके रोटर हवा को मथ रहे थे। ऊपर से लगातार उसके

ऊपर सर्चलाइट की रोशनी पड़ रही थी।

ऐसा लग रहा था कि सिएना किसी भी क्षण वहाँ से भागने को तैयार थी।

'मेहरबानी कर मेरी बात सुनो,' लैंग्डन ने अपनी आवाज़ धीमी रखते हुए कहा। 'मुझे मालूम है कि तुम्हें बहुत कुछ सहना पड़ा है। मैं ये भी जानता हूँ कि तुम डरी हुई हो, लेकिन तुम्हें बड़े परिदृश्य में सोचना होगा। बर्ट्रैंड ने यह वायरस बनाया। तुमने इसे रोकने की कोशिश की।'

'लेकिन मैं नाकामयाब रही।'

'हाँ, लेकिन इस समय वैज्ञानिक और मेडिकल समुदाय के लोगों को इस बात को अच्छी तरह समझना होगा। इसके बारे में सिर्फ तुम्हें पूरी जानकारी है। शायद इसके प्रभाव को समाप्त करने का कोई तरीका होगा. . .या हमें आगे की तैयारी करनी होगी।' लैंग्डन की तीखी नज़र सिएना को भेद रही थी। 'सिएना, तुम्हें, जो भी पता है उसे दुनिया को तुम्हें बताना होगा। तुम यूँ ही गायब नहीं हो सकती।'

सिएना का दुबला पतला शरीर अब काँप रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे दुखों और अनिश्चय का तूफान उसे अंदर से हिला रहा था। 'रॉबर्ट, मैं नहीं जानती. . .कि मुझे क्या करना चाहिए। मैं यह भी नहीं समझ पा रही कि मैं हूँ कौन। मेरी ओर देखिए।' उसने अपने गंजे सिर पर हाथ रखा। 'मैं एक शैतान में बदल चुकी हूँ। मैं आख़िर इसका सामना कैसे. . .'

लैंग्डन ने आगे बढ़कर उसे अपनी बाँहों में भर लिया। वह सिएना के काँपते शरीर को महसूस कर पा रहा था। वह उसकी कमज़ोर काया का अपनी छाती पर अनुभव कर रहा था। उसने सिएना के कान में फुसफुसाया।

'सिएना, मैं जानता हूँ कि तुम यहाँ से भागना चाहती हो, लेकिन मैं तुम्हें भागने नहीं दूँगा। आज नहीं तो कल तुम्हें किसी-ने-किसी पर यकीन करना ही होगा।'

'मैं नहीं कर सकती. . . ' वह सुबक रही थी। 'मुझे नहीं पता क्यों।'

लैंग्डन ने उसे और भी कसकर पकड़ लिया। 'तुम्हें छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे। शुरुआत करनी होगी। तुम मेरे ऊपर भरोसा करती हो।'

100

बिना खिड़की वाले मालवाही जहाज़ सी-130 के अंदर धातु से धातु के टकराने की तेज़ आवाज़ सुनाई दे रही थी। इसे सुनकर प्रोवोस्ट उछलकर खड़ा हो गया। बाहर कोई आदमी अपने पिस्तौल के पिछले हिस्से से जहाज़ के दरवाज़े को खटखटा कर अंदर आने की माँग कर रहा था।

'सभी लोग बैठे रहें।' सी-130 के पायलट ने दरवाज़े की ओर आते हुए कहा। 'ये तुर्की पुलिस के लोग हैं। वे अभी इस जहाज़ के पास पहुँचे हैं।'

प्रोवोस्ट और फेरिस ने कनखियों में एक-दूसरे को देखा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के लोगों के बीच फोन पर चल रही घबराहट भरी बातचीत से प्रोवोस्ट को लगा कि वायरस को फैलने से रोकने का अभियान नाकामयाब हो चुका था। *जोब्रिस्ट की योजना सफल रही, उसने सोचा और मेरी कंपनी ने इसे मुमकिन बनाया।*

दरवाज़े के बाहर, तुर्क भाषा में कुछ लोग ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहे थे। वे लोग सरकारी अधिकारी लग रहे थे।

प्रोवोस्ट उछलकर खड़ा हो गया। 'दरवाज़ा मत खोलना।' उसने पायलट को हुक्म दिया।

पायलट अपनी जगह पर रुक गया। वह प्रोवोस्ट को घूर रहा था। 'आख़िर क्यों नहीं?'

'विश्व स्वास्थ्य संगठन रिलीफ के लिए बनाई गई अंतर्राष्ट्रीय संस्था है।' प्रोवोस्ट ने कहा। 'यह जहाज़ एक संप्रभु स्थान है।'

पायलट ने अपना सिर हिलाया। 'यह जहाज़ तुर्की के एयरपोर्ट पर खड़ा है। जब तक यह तुर्की की हवाई सीमा के अंदर है इसे यहाँ के कानून का पालन करना होगा।' पायलट आगे बढ़ा। उसने जहाज़ के दरवाज़े की कुंडी घुमाकर खोल दी।

वर्दी पहने हुए दो लोग सामने से घूर रहे थे। उनकी आँखों में निष्ठुरता थी। वे किसी तरह की रियायत देने के मूड में नहीं लग रहे थे। 'इस जहाज़ का कैप्टन कौन है?' उनमें से एक व्यक्ति ने भारी आवाज़ में पूछा।

'मैं।' पायलट ने जवाब दिया।

एक ऑफिसर ने पायलट को कागज़ के दो पन्ने थमाए। 'गिरफ्तारी के कागज़ात। इन दोनों यात्रियों को तुरंत मेरे साथ चलना होगा।'

पायलट ने कागज़ पर नज़र डाली। वह प्रोवोस्ट और फेरिस की ओर देखने लगा।

'डॉक्टर सिंस्की को फोन करो।' प्रोवोस्ट ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के पायलट को हुक्म दिया। 'हम लोग अंतरराष्ट्रीय सहायता मिशन पर हैं।'

उनमें से एक ऑफिसर ने प्रोवोस्ट की ओर अवहेलना की दृष्टि से देखा। उसके चेहरे पर

कुटिल मुस्कान थी। 'डॉक्टर एलिज़ाबेथ सिंस्की? विश्व स्वास्थ्य संगठन की निदेशक? उन्होंने ही तुम्हारी गिरफ्तारी का आदेश दिया है।'

'ऐसा नहीं हो सकता।' प्रोवोस्ट ने कहा। 'मैं और मिस्टर फेरिस यहाँ तुर्की में डॉक्टर सिंस्की की मदद के लिए आए हैं।'

'इसका मतलब है कि तुम अपना काम ठीक से नहीं कर रहे।' दूसरे ऑफिसर ने जवाब दिया। 'डॉक्टर सिंस्की ने हमें ख़बर की है कि तुम दोनों तुर्की की ज़मीन पर किसी अंतरराष्ट्रीय जैविक-आतंकवाद की घटना को अंजाम देने में शामिल हो।' उसने हथकड़ी बाहर निकाला। 'तुम दोनों पूछताछ के लिए हेडक्वार्टर चल रहे हो।'

'मुझे अपने लिए वकील चाहिए।' प्रोवोस्ट ने चिल्लाकर कहा।

तीस सेकेंड बाद फेरिस और प्रोवोस्ट के हाथों में हथकड़ी पहनाकर उन्हें गैंगवे से होते हुए एक काली सेडान की पिछली सीट पर धक्का देकर बैठा दिया गया था। सेडान हवाई पट्टी को पार करती इसके दूर वाले छोर की तरफ तेज़ी से चल पड़ी। वहाँ पर कंटीले तार के बाड़े को काटकर कार के निकलने की जगह बनाई गई थी। बाहरी घेरे से निकलने के बाद कार तेज़ी से आगे बढ़ती जा रही थी। रास्ते में हवाई अड्डे के टूटे-फूटे पुराने यंत्र बिखरे दिखाई दे रहे थे। कार एक पुरानी सर्विस बिल्डिंग के सामने आकर रुक गई।

वर्दी पहने हुए दोनों लोग सेडान से बाहर आकर आसपास का मुआयना करने लगे। जब वे संतुष्ट हो गए कि उनका पीछा नहीं किया जा रहा है तो उन्होंने पुलिस की वर्दी उतारकर फेंक दी। इसके बाद उन्होंने फेरिस और प्रोवोस्ट को बाहर निकलने में मदद की और उनकी हथकड़ियाँ खोल दी।

प्रोवोस्ट ने अपनी कलाइयाँ रगड़ी। वह समझ गया था कि कैद में उसकी स्थिति अच्छी नहीं थी।

'कार की चाबी मैट के नीचे है', एक एजेंट ने सामने पार्क की गई सफेद रंग के वैन की ओर दिखाते हुए कहा। 'पिछली सीट पर एक झोला रखा है, जिसमें तुम्हारे काम की सारी चीज़ रखी है–यात्रा का दस्तावेज, नकदी, प्रीपेड फोन, कपड़े और कुछ और चीज़ें जिन्हें तुम शायद पसंद करोगे।'

'शुक्रिया,' प्रोवोस्ट ने कहा। 'तुम अच्छे लोग हो।'

'नहीं, बस हमारी ट्रेनिंग अच्छी हुई है सर।'

यह कहकर वे दोनों तुर्क काली सेडान में बैठकर वहाँ से निकल गए।

सिंस्की मुझे वहाँ से कभी नहीं निकलने देती, प्रोवोस्ट ने अपने आपको याद दिलाया। इस्तांबुल आते हुए उसने यह समझ लिया था और इसीलिए उसने कंसोर्शियम की स्थानीय ब्रांच को ईमेल कर आगाह कर दिया था कि उन्हें जहाज़ से बाहर निकालने में मदद की ज़रूरत हो सकती थी।

‘तुम्हें लगता है कि वह हमारे पीछे आएगी?’ फेरिस ने पूछा।

‘सिंस्की?’ प्रोवोस्ट ने सिर हिलाया। ‘बेशक। वैसे मुझे लगता है कि वह इस वक़्त दूसरी चिंताओं में उलझी होगी।’

वे दोनों लोग सफेद वैन में बैठ गए। प्रोवोस्ट थैले को खोलकर उसके अंदर रखे सामान को देखकर अपने कागज़ात ठीक करने लगा। उसने बेसबॉल टोपी पहन ली। टोपी के अंदर उसे हाइलैंड पार्क सिंगल मॉल्ट की बोतल मिली।

ये लोग सचमुच अच्छे हैं।

प्रोवोस्ट कहरुए रंग के तरल पदार्थ को देखने लगा। वह ख़ुद को समझाने की कोशिश कर रहा था कि उसे कल तक इंतज़ार करना चाहिए। फिर उसकी आँखों के सामने जोब्रिस्ट के सोल्युब्लॉन बैग की छवि तैर गई। वह इस वक़्त आने वाले कल की कल्पना भी नहीं कर पा रहा था।

मैंने अपने मूल सिद्धांत से समझौता कर लिया, वह सोचने लगा। *मैंने अपने ग्राहक का काम बीच में छोड़ दिया।*

प्रोवोस्ट अपने को अजीब ढंग से बहका बहका-सा महसूस कर रहा था। उसे पता था कि आने वाले दिनों में चारों तरफ से उसके पास महाविनाश की ख़बर आएगी जिसे लाने में उसका बहुत बड़ा हाथ था। *मेरे बिना यह हो पाना नामुमकिन था।*

जिंदगी में पहली बार उसे लगा कि किसी चीज़ के बारे में नहीं जानना नैतिकता नहीं होती। उसने स्कॉच की बोतल पर लगी सील को अपनी उंगलियाँ घुमाकर खोल डाला।

मज़े लो, उसने ख़ुद से कहा। *ऐसे न वैसे, तुम्हारे पास तो अब गिनती के दिन बचे हैं।*

प्रोवोस्ट ने बोतल से एक गहरी घू◌ँट ली। गले में गरमाहट का अहसास उसे बहुत अच्छा लग रहा था।

अचानक अंधेरे के बीच से रोशनी फैलने लगी। उसके चारों तरफ पुलिस कार की नीली फ़्लैशलाइट चमक रही थी जिसने उसे चारों तरफ से घेर रखा था।

प्रोवोस्ट बेचैन होकर अपने चारों तरफ देखने लगा. . .और पत्थर की तरह स्थिर होकर बैठ गया।

भागना नामुमकिन।

हथियारबंद तुर्क पुलिस वैन की तरफ बढ़ रहे थे। उनकी तलवारें तनी थी। प्रोवोस्ट ने हाइलैंड पार्क से दोबारा गहरी घूँट ली और शांत भाव से अपने दोनों हाथ उठाकर सिर के पीछे कर लिया।

इस बार उसे पता था कि वे अफसर उसके अपने वाले लोग नहीं थे।

101

इस्तांबुल का स्विस कांसुलेट वन लेवेंट प्लाजा के एक ख़ूबसूरत, अति-आधुनिक गगनचुंबी इमारत के भीतर बनी। इस इमारत का अवतल सामने वाला हिस्सा, नीले शीशे से ढंका था। इसे देखकर इस प्राचीन महानगर के आकाश में टंगी बड़ी-सी चट्टान का अहसास होता है।

सिंस्की एक घंटे पहले कांसुलेट दफ्तर में अस्थाई कमांड पोस्ट बनाने के लिए कुंड से बाहर निकल चुकी थी। स्थानीय न्यूज चैनलों पर कुंड में आयोजित संगीत समारोह में लिज्ट की दांते सिंफनी के प्रदर्शन के दौरान मची अफरा-तफरी की खबरें छाई हुई थी। वैसे तो इस घटना के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं थी, लेकिन हैजमैट सूट पहने अंतरराष्ट्रीय टीम मेडिकल टीम के सदस्यों की उपस्थिति को देखकर शहर में अफवाहों का बाज़ार गर्म था।

सिंस्की इमारत की खिड़की से शहर की रोशनी की ओर देखती हुई अपने को निहायत अकेला महसूस कर रही थी। अंजाने में उसने गरदन पर हाथ फेरा तो उसे अपनी ताबीज़ कहीं नज़र नहीं आई। टूटे हुए तलिस्मे के दो टुकड़े उसकी मेज़ पर पड़े थे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के निदेशक ने पिछले कई घंटों के दौरान जिनेवा में कई फौरी मीटिंगों की आना फानन में व्यवस्था करवाई थी। विभिन्न संगठनों के विशेषज्ञ मीटिंगों में शामिल होने के लिए अपनी जगहों से निकल चुके थे। सिंस्की भी बहुत जल्द उन्हें इस घटना के बारे में जानकारी देने के लिए वहाँ से निकलने वाली थी। शुक्र था कि वहाँ रात की ड्यूटी पर काम करने कर्मचारियों ने उसके लिए तुर्की की मशहूर कॉफी के गर्म प्याले का इंतजाम कर रखा था जिसे सिंस्की ने तुरंत गटक लिया।

कांसुलेट के एक नौजवान कर्मचारी ने उसके खुले दरवाज़े में झाँकते हुए कहा, ‘मैडम? आपसे मिलने रॉबर्ट लैंग्डन आए हैं।’

‘थैंक्यू।’ उसने जवाब दिया। ‘उन्हें अंदर भेज दो।’

ठीक बीस मिनट पहले लैंग्डन ने सिंस्की को फोन से बताया था कि सिएना ब्रुक्स उससे बचकर निकल गई थी और नाव चुराकर वह समुद्र के रास्ते कहीं निकल गई थी। सिंस्की को यह ख़बर वहाँ के अधिकारियों ने पहले ही दे दी थी, जो अब भी उस इलाके की तलाश कर रहे थे, लेकिन अब तक उन्हें कोई कामयाबी हाथ नहीं लगी थी।

दरवाज़े के सामने अब रॉबर्ट लैंग्डन की लंबी काया दिखाई दे रही थी, लेकिन सिंस्की उसे मुश्किल से पहचान पा रही थी। उसका सूट गंदा था, काले घने बाल उलझे दिखाई दे रहे थे और उसकी आँखें थकी और धंसी हुई लग रही थी।

'प्रोफेसर, आप ठीक तो हैं?' सिंस्की खड़ी हो गई।

लैंग्डन ने उसकी ओर थकी हुई नज़रों से मुस्कराकर देखा। 'पहले की मेरी रातें थोड़ी बेहतर बीती थी।'

'प्लीज,' उसने कुर्सी की ओर इशारा करते हुए कहा। 'बैठिए।'

'जोब्रिस्ट की महामारी।' लैंग्डन ने वहाँ बैठते हुए बिना किसी भूमिका के बोलना शुरू किया। 'मुझे लगता है कि इसे एक सप्ताह पहले ही रिलीज कर दिया गया था।'

सिंस्की ने धैर्यपूर्वक सिर हिलाया। 'हाँ, हम लोग भी इसी निष्कर्ष पर पहुँचे हैं। अभी तक इसके कोई लक्षण नहीं प्रकट हुए हैं, लेकिन हमने नमूने इकट्ठा किए हैं और इसकी गहराई से जाँच करने की तैयारी कर रहे हैं। दुर्भाग्यवश, वायरस के बारे में किसी भी तरह की पक्की जानकारी, इसके कार्य और प्रभाव को समझने में हमें कई सप्ताह का वक़्त लग सकता है।'

'यह एक वेक्टर वायरस है।' लैंग्डन ने कहा।

सिंस्की ने अपना सिर एक तरफ झुका कर आश्चर्य व्यक्त किया। वह हैरान थी कि लैंग्डन को इस शब्द के बारे में कैसे जानकारी थी। 'मैं समझी नहीं?'

'जोब्रिस्ट ने हवा से फैलने वाला एक वेक्टर वायरस बनाया, जो मनुष्य के डीएनए को बदल सकता है।'

सिंस्की उठकर खड़ी हो गई। हड़बड़ाहट में उसकी कुर्सी गिर गई। यह संभव नहीं है। 'आपके दावे का क्या आधार है?'

'सिएना।' लैंग्डन ने धीरे-से कहा। 'उसने आधे घंटे पहले मुझे बताया।'

सिंस्की अपनी मेज़ पर हाथ टिकाकर लैंग्डन की ओर देखने लगी। अचानक ऐसा लग रहा था जैसे लैंग्डन से उसका भरोसा हट गया था। 'वह भागी नहीं?'

'बेशक, वह भाग गई।' उसने जवाब दिया। 'वह समुद्र के बीच तेज़ी से एक स्पीडबोट पर जा रही थी। वह आज़ाद थी और जहाँ चाहे वहाँ जा सकती थी, लेकिन कुछ सोचकर वह वापस आई, अपने मन से। सिएना इस संकट में हमारी मदद करना चाहती है।'

सिंस्की के चेहरे पर एक कड़वी मुस्कराहट फैल गई। 'माफ कीजिए, लेकिन मैं मिस ब्रुक्स पर यकीन नहीं कर सकती। ख़ासकर जब वह इस तरह के बेसिर-पैर के दावे कर रही है।'

'मैं उस पर यकीन करता हूँ।' लैंग्डन ने कहा। उसकी आवाज़ बिलकुल स्थिर थी। 'और अगर वह कहती है कि यह एक वेक्टर वायरस है तो मुझे लगता है कि आपको उसकी बात को गंभीरता से लेना चाहिए।'

सिंस्की अचानक ख़ुद को थका हुआ महसूस कर रही थी। उसके दिमाग में लैंग्डन की बातों को समझने की ताकत नहीं बची थी। वह खिड़की के पास आकर बाहर की ओर देखने लगी। डीएनए में बदलाव लाने वाला वायरल वेक्टर? सुनने में भले ही यह कितना ही असंभव या भयंकर लगता हो, इस बात में दम था। आख़िरकार, जोब्रिस्ट जीन इंजीनियर

था और उसे पता था कि जीन की संरचना में छोटा-सा बदलाव भी शरीर पर भयंकर दुष्प्रभाव छोड़ सकता था जैसे कि कैंसर, अंगों का निष्क्रिय हो जाना और खून की बीमारियाँ। यहाँ तक कि सिस्टिक फाइब्रोसिस जैसी घिनौनी बीमारी, जो अपने रोगियों को पीब में डुबो देती है, वह भी एक क्रोमोजोम सेवेन के रेगुलेटर जीन में पाई जाने वाली छोटी-सी समस्या की वजह से पैदा होती है।

जीन संबंधी इन बीमारियों के इलाज के लिए विशेषज्ञ अब सरल किस्म के वेक्टर वायरस का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो रोगियों के अंदर सूई के द्वारा डाला जाता है। ये छुआछूत से फैलने वाले वायरस नहीं होते। इन्हें रोगी के शरीर के भीतर फैलने के लिए इस तरह से प्रोग्राम किया जाता है कि ये बीमारी का उपचार करने वाले डीएनए के तौर पर स्थापित हो जाते हैं, जो उन क्षतिग्रस्त हिस्सों को ठीक कर देता है, लेकिन इसी तरह की दूसरी टेक्नोलॉजी की तरह इस विज्ञान का भी एक बुरा पहलू है। वेक्टर वायरस का प्रभाव अच्छा भी हो सकता है और बुरा भी। यह जीन इंजीनियर की मंशा पर निर्भर करता है। अगर किसी वायरस को जानबूझ-कर क्षतिग्रस्त डीएनए को स्वस्थ कोशिका के अंदर डालने की मंशा से बनाया जाता है तो इसके परिणाम भयंकर हो सकते हैं और अगर वह वायरस विनाशकारी होत और उसे संक्रामक विषाणु के रूप में बनाया गया हो, जो हवा के माध्यम से फैल सकता है तो. . .

इसके भयंकर परिणामों के बारे में सोचकर सिंस्की काँप गई। *पता नहीं जोब्रिस्ट ने किस तरह के जीन संबंधी भयंकर कारनामे को अंजाम देना सोच रखा था? पता नहीं उसने मानव प्रजाति की आबादी को कम करने का कौन-सा तरीका ढूँढ़ा था ?*

सिंस्की जानती थी कि इसका जवाब मिलने में कई सप्ताह का समय लग सकता था। मनुष्य का जीन-कोड दरअसल रासायनिक तत्त्वों के क्रमचयों की अनंत श्रृंखला से बना होता है। इसके भीतर जोब्रिस्ट के द्वारा पैदा किए गए एक परिवर्तन की तलाश वैसा ही थी जैसे भूसे के ढेर में सुई ढूँढ़ना और शायद हमें यह भी पता नहीं था कि आख़िर वह भूसे का ढेर किस ग्रह-नक्षत्र पर रखा हुआ है।

'एलिजाबेथ?' लैंग्डन की गंभीर आवाज़ ने सिंस्की को अपने ख्यालों से बाहर निकाला।

सिंस्की खिड़की से मुड़कर लैंग्डन की तरफ देखने लगी।

'आपने मेरी बात सुनी?' उसने पूछा। वह अब भी शांत होकर बैठा था। 'सिएना भी इस वायरस को नष्ट करना चाहती थी, ठीक उसी तरह जैसे आप।'

'मुझे इस बात पर कतई भरोसा नहीं।'

लैंग्डन गहरी साँस लेकर खड़ा हो गया। 'मुझे लगता है कि आपको मेरी बात सुननी चाहिए। मरने के थोड़े समय पहले जोब्रिस्ट ने सिएना को एक चिट्ठी लिखी थी। इसमें उसने बताया था कि उसने क्या किया है। उसने इस वायरस के प्रभाव के बारे में उस चिट्ठी में

बताया था. . .कि किस तरह यह हमारे ऊपर अपना असर डालेगा. . .यह अपना मकसद कैसे पूरा करेगा।'

सिंस्की ठिठक गई। *इसके बारे में चिट्ठी है?*

'जब सिएना ने जोब्रिस्ट के बनाए वायरस का विवरण देखा तो वह बेहद घबरा गई। वह उसे रोकना चाहती थी। वह इस वायरस को बेहद ख़तरनाक मानती थी। वह नहीं चाहती थी कि यह किसी को भी हासिल हो, विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी नहीं। आप समझ रही है न? सिएना इस वायरस को नष्ट करने की कोशिश कर रही थी. . .इसे रिलीज करने की नहीं।'

'इसके बारे में कोई चिट्ठी है?' सिंस्की ने पूछा। अब उसका पूरा ध्यान चिट्ठी वाली बात पर था। 'इसमें वायरस के बारे में ख़ास तौर पर कुछ लिखा है?'

'हाँ, सिएना ने मुझे यही बताया।'

'हमें वह चिट्ठी चाहिए। अगर इसमें वायरस का विवरण दिया गया है तो हमें इसे समझने में, जो महीनों का समय लगने वाला था हम उससे बच जाएँगे। फिर हम इससे निपटने का तरीका भी ढूँढ़ पाएँगे।

लैंग्डन ने अपना सिर हिलाया। 'आप समझी नहीं। जोब्रिस्ट की चिट्ठी पाकर सिएना बेहद घबरा गई। उसने तुरंत चिट्ठी जला दी। वह नहीं चाहती थी कि कोई भी व्यक्ति इसे. . .'

सिंस्की ने मेज़ पर ज़ोर से हाथ पटका। 'उसने वही चीज़ जला दी, एकमात्र चीज़, जिसकी मदद से हम इस संकट का सामना कर सकते थे और आप चाहते हैं कि मैं उस पर यकीन करूँ?'

'हाँ, मैं जानता हूँ कि यह किसी के लिए भी मुश्किल होगा, ख़ासकर उसके कारनामों को देखते हुए, लेकिन उसे हिकारत की नज़र से देखने की जगह शायद बेहतर होगा कि हम इस बात को याद रखें कि सिएना के पास एक अद्भुत क्षमता है, एक अद्भुत किस्म की स्मरण-शक्ति।' लैंग्डन रुका। 'मान लीजिए कि वह जोब्रिस्ट की चिट्ठी को हू-ब-हू आपको बता दे तो फिर कुछ फायदा होगा?'

सिंस्की ने आँखें सिकोड़ ली और वह अपना सिर धीरे-धीरे हिलाने लगी। 'तो आपके अनुसार हमें क्या करना चाहिए?'

लैंग्डन ने उसके खाली कॉफी-कप की ओर इशारा किया। 'मुझे लगता है कि आपको थोड़ी कॉफी और मंगवानी चाहिए।. . .और सिएना की एकमात्र शर्त के बारे में सुनना चाहिए।'

सिंस्की के दिल की धड़कन तेज़ हो गई। वह फोन की तरफ देखने लगी। 'आप जानते हैं कि उससे कैसे संपर्क किया जा सकता है?'

'हाँ, मैं जानता हूँ।'

‘बताइए उसने क्या शर्त रखी है?’

लैंग्डन ने उसे सिएना की शर्त बताई। सिंस्की चुप हो गई। वह उसके प्रस्ताव पर विचार करने लगी।

‘मुझे लगता है कि यही सही कदम होगा।’ लैंग्डन ने अपनी बात आगे बढ़ाई। ‘और इसमें भला आपका नुकसान क्या है?’

‘अगर आपकी सभी बातें सही हैं, तो फिर मैं वचन देती हूँ।’ सिंस्की ने उसकी ओर फोन सरकाते हुए कहा। ‘प्लीज, आप उसे फोन कीजिए।’

सिंस्की को हैरानी हुई कि लैंग्डन ने उसके फोन पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि वह खड़ा हो गया और दरवाज़े के बाहर जाने लगा। उसने कहा कि वह एक मिनट में वापस आ रहा है। सिंस्की हैरान थी। उसने देखा कि लैंग्डन शीशे के दरवाज़ों को खोलकर कांसुलेट के वेटिंग-हॉल के दूसरी ओर तेज़ी से चला जा रहा था। वह फोएर के लिफ्ट के पास पहुँचा। एक पल के लिए उसे लगा कि वह कहीं जा रहा था, लेकिन लिफ्ट का बटन दबाने की जगह वह चुपके से महिलाओं के बाथरूम में घुस गया।

कुछ ही मिनट के बाद वह एक औरत के साथ बाहर निकला। औरत की उम्र तीस के आसपास लग रही थी। सिंस्की को यह स्वीकार करने में काफी वक़्त लगा कि वह औरत सचमुच सिएना ब्रुक्स थी। जूड़े वाली जिस ख़ूबसूरत औरत को उसने पहले देखा था वह अब बिलकुल बदल चुकी थी। वह पूरी तरह गंजी थी मानो उसने अपने बाल मुंडवा लिए थे।

वे दोनों चुपचाप दफ्तर में घुसे और चुपचाप मेज़ के सामने बैठ गए।

‘मैं माफी चाहती हूँ।’ सिएना ने जल्दी से कहा। ‘मैं जानती हूँ कि हमें बहुत सारी बातें करनी है, लेकिन मैं सोच रही थी कि शायद आप मुझे पहले अपनी बात कहने का मौका देंगी।’

सिएना ने उसकी आँखों में उदासी देखी।

‘मैडम,’ उसने कमज़ोर-सी आवाज़ में कहना शुरू किया। ‘आप विश्व स्वास्थ्य संगठन की निदेशक हैं। आप किसी से भी बेहतर यह जानती हैं कि मानव प्रजाति के तौर पर आज हम एक गहरी खाई के मुहाने पर खड़े हैं. . .हमारी जनसंख्या बेहिसाब तेज़ी से बढ़ रही है। बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट कई सालों से आप जैसे प्रभावशाली लोगों के साथ मिलकर इस संकट को रोकने के बारे में बातचीत करने की कोशिश कर रहा था। उसने न जाने कितने संगठनों में लोगों से मुलाकातें की जिनके बारे में उन्हें लगता था कि वे कुछ बदलाव ला सकते थे जैसे कि वर्ल्डवॉच इंस्टीट्यूट, द क्लब ऑफ़ रोम, पोपुलेशन मैटर्स, द काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस, लेकिन उसे कोई ऐसा व्यक्ति या संस्था नहीं मिली, जो इस विषय पर सार्थक बातचीत में रुचि रखता हो। आप सभी लोग परिवार नियोजन के बेहतर उपाय, छोटे परिवारों के लिए टैक्स सुविधाएँ, यहाँ तक कि चाँद पर जाकर बसने जैसी बातें करते थे।

आश्चर्य की बात नहीं कि बर्ट्रेंड का दिमाग खराब हो गया।

सिंस्की उसकी ओर घूरकर देखने लगा। उसने कोई प्रतिक्रिया ज़ाहिर नहीं की।

सिएना ने गहरी साँस ली। 'डॉक्टर सिंस्की, बर्ट्रेंड आप के पास ख़ुद आए थे। उन्होंने आपसे प्रार्थना की कि आप उनसे बातचीत करें, लेकिन उसकी बात सुनने की जगह आपने उसे पागल करार दिया। उसे आपने निगरानी पर डाल दिया, जिसकी वजह से उसे भूमिगत होना पड़ा।' भावना के आवेग में सिएना की आवाज़ भर्रा गई। 'बर्ट्रेंड ने अकेले रहते हुए मौत को गले लगाया, क्योंकि आपके जैसे लोग उनके साथ इस मुद्दे पर बातचीत को राजी नहीं हुए कि परिस्थितियाँ इतनी भयंकर हैं कि इनके समाधान के लिए किसी निष्ठुर तरीके के ज़रूरत थी। बर्ट्रेंड की सिर्फ इतनी गलती थी कि उसने सच बोला . . .और इसकी वजह से उसे आप सभी ने तिरस्कृत किया और बहिष्कृत कर दिया।' सिएना ने अपने आँसू पोछकर मेज़ की दूसरी तरफ बैठी सिंस्की को देखा। 'यकीन मानिए मैंने अकेलेपन का अहसास झेला है. . .दुनिया में सबसे खराब अकेलापन है, गलत समझे जाने के कारण पैदा होने वाला अकेलापन। यह लोगों को वास्तविकता से दूर ढकेल सकता है।'

सिएना चुप हो गई। वहाँ चारों तरफ तनाव भरी चुप्पी फैल गई।

'बस, मैं इतना ही कहना चाहती थी।' उसने फुसफुसाकर कहा।

सिंस्की काफी देर तक उसे यथासंभव शांत भाव से देखती रही। 'तुम ठीक कह रही हो। मैंने शायद पहले उसकी बात नहीं सुनी. . .' उसने मेज़ पर अपने दोनों हाथ मोड़ लिए और सीधे सिएना को देखने लगी। 'लेकिन अब मैं सुन रही हूँ।'

102

स्विस कांसुलेट की लॉबी में लगी घड़ी ने काफी देर पहले रात के 1 बजे का घंटा बजा दिया था।

सिंस्की की मेज़ पर रखे नोटपैड में अब तक हाथ की लिखावट, सवालों और डायग्राम का हौच-पौच बन चुका था। पिछले पाँच मिनटों में विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुखिया ने एक भी शब्द नहीं बोला था, न वह वहाँ से हिली थी। वह खिड़की पर खड़ी रात के घुप्प अंधेरे को घूर रही थी।

उसके पीछे लैंग्डन और सिएना इंतज़ार कर रहे थे। वे लोग चुपचाप बैठे थे। उन्होंने अपने हाथ में तुर्क-कॉफी का मग पकड़ रखा था। कॉफी के पिसे हुए बीजों और पिस्ते की ख़ुशबू कमरे में पसरी थी।

कमरे में सिर्फ ऊपर लटके हुए फ़्लोरेसेंट बल्ब की रोशनी फैली थी।

सिएना को तेज़ी से धड़कते अपने दिल की आवाज़ सुनाई दे रही थी। कड़वे सच को विस्तार से सुनाने के बाद वह कल्पना कर रही थी कि पता नहीं सिंस्की के दिमाग में क्या चल रहा था। *बर्ट्रैंड का वायरस प्रजनन क्षमता को समाप्त करने वाले प्लेग का विषाणु है। इससे प्रभावित दुनिया की एक तिहाई आबादी की प्रजनन क्षमता समाप्त हो जाएगी।*

बर्ट्रैंड के वायरस के बारे में बताते समय वह सिंस्की की प्रतिक्रियाओं पर गौर कर रही थी। हालाँकि उसने अपनी भावनाओं को नियंत्रण में रखा था, लेकिन चेहरे पर इसका प्रभाव दिखाई दे रहा था। सबसे पहले तो उसे यह सुनकर धक्का लगा था कि जोब्रिस्ट ने हवा के माध्यम से फैलने वाले वायरस का निर्माण किया था, लेकिन उसने इसे स्वीकार कर लिया। फिर जब उसे पता चला कि इस वायरस की वजह से लोगों की मौत नहीं होगी तो उसे थोड़ी-सी उम्मीद बँधी थी। इसके बाद, जब उसे यह बात समझ में आई कि यह वायरस धरती के अधिसंख्य मनुष्यों की प्रजनन क्षमता को समाप्त कर देगा तो व्यक्तिगत अनुभवों की पृष्ठभूमि में धीरे-धीरे उसके अंदर अवसाद बढ़ने लगा।

सिएना के मामले में बात अलग थी। वह अब राहत का अनुभव कर रही थी। उसने विश्व स्वास्थ्य संगठन के अध्यक्ष को बर्ट्रैंड की चिट्ठी पूरी-की-पूरी सुना दी थी। *मेरे दिल में अब कोई रहस्य छुपा नहीं है।*

'एलिजाबेथ?' लैंग्डन ने हिम्मत बटोरकर कहा।

सिंस्की धीरे-धीरे अपने ख्यालों से बाहर आई। जब उसने वहाँ बैठे लोगों की ओर देखा तो उसका चेहरा उतरा हुआ था। 'सिएना,' उसने अपनी बात शुरू की। उसकी आवाज़ सपाट थी। 'तुम्हारी सूचना हमें इस संकट का सामना करने के लिए रणनीति बनाने में मदद

करेगी। मैं तुम्हारी बेबाकी की तारीफ करती हूँ। तुम जानती हो कि महामारी फैलाने वाले वेक्टर वायरस का इस्तेमाल बड़ी संख्या में आबादी के टीकाकरण के लिए किया जा सकता है। इसके बारे में लोगों ने सैद्धांतिक व्याख्या की है, लेकिन सभी का मानना था कि यह टेक्नोलॉजी हासिल होने में अभी कई सालों का समय लगेगा।'

सिंस्की अपनी मेज़ पर वापस आकर बैठ गई।

'मुझे माफ कर दीजिए,' उसने अपना सिर हिलाते हुए कहा। 'इस वक़्त मुझे यह विज्ञान फंतासी जैसी कहानी लगती है।'

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं, सिएना ने सोचा। दवाओं के क्षेत्र में आये सभी क्रांतिकारी परिवर्तन शुरू शुरू में इसी तरह लगते थे–पेनीसिलीन, बेहोशी की दवा, एक्स-रे, पहली बार जब मनुष्यों ने माइक्रोस्कोप के अंदर झाँककर कोशिका विभाजन को देखा उस वक़्त। ऐसे अनेक उदाहरण हैं।

डॉक्टर सिंस्की अपने नोटपैड को देखने लगी। 'कुछ ही घंटों में मैं जिनेवा पहुँचने वाली हूँ, जहाँ हर तरफ से मेरे ऊपर सवालों का हमला शुरू हो जाएगा। मुझे कोई संदेह नहीं कि लोगों का पहला सवाल यही होगा कि इस वायरस के असर को नाकामयाब करने का कोई तरीका है या नहीं।'

सिएना को लग रहा था कि उसकी बात सही है।

'और,' सिंस्की ने बात आगे बढ़ाई। 'मुझे लगता है कि समाधान के लिए पहला कदम होगा बर्ट्रेंड के वायरस की जाँच, जितना मुमकिन हो इसे समझना और फिर इसके दूसरे स्वरूप यानी स्ट्रेन का निर्माण। इस स्ट्रेन को हम रीप्रोग्राम कर अपने डीएनए को पहले वाली स्थिति में लाने की कोशिश कर सकते हैं।' सिंस्की ने सिएना की ओर देखा। उसे इस प्रस्ताव की सफलता पर ज़्यादा यकीन नहीं हो रहा था। 'बर्ट्रेंड के वायरस के प्रभाव को समाप्त करने के लिए इसके विरोधी वायरस का निर्माण मुमकिन भी होगा कि नहीं, यह हमें देखना होगा, लेकिन अगर हमें इसे मान लें कि ऐसा मुमकिन है तो मैं इस नज़रिए के बारे में तुम्हारे विचार सुनना चाहती हूँ।'

मेरे विचार? सिएना लैंग्डन की ओर देखने लगी। प्रोफेसर ने उसकी ओर देखकर सिर हिलाया जिसका मतलब साफ था। *तुम यहाँ तक आ चुकी हो। जो तुम्हारे दिल में है, कहो। तुम सच को जैसे देख रही हो, वही बोलो।*

सिएना ने अपना गला साफ किया और सिंस्की की ओर मुड़कर बिलकुल स्पष्ट, मज़बूत आवाज़ में बोलना शुरू किया। 'मैडम, जीन इंजीनियरिंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें मैंने बर्ट्रेंड के साथ कई साल बिताए हैं। आप जानती हैं कि मानव जीनोम एक अत्यंत ही नाज़ुक संरचना होती है. . .ताश के पत्तों की तरह। हम इसमें जितना अधिक जोड़-तोड़ करेंगे, गलती होने की और इसके भरभरा कर ढह जाने की संभावना भी उतनी ही बढ़ती जाती है।

मेरी व्यक्तिगत मान्यता है कि, जो हो चुका है उसे ठीक करने की कोशिश ख़तरों से भरा काम है। बर्ट्रेंड एक अद्भुत प्रतिभासंपन्न और असाधारण क्षमता एवं विजन वाला जीन वैज्ञानिक था। वह अपने समकक्ष लोगों से वर्षों आगे था। इस वक़्त मैं नहीं जानती कि जीन के साथ छेड़छाड़ करने के लिए हम किसी व्यक्ति पर विश्वास कर सकते हैं कि उससे गलती नहीं होगी। आप अगर कोई ऐसी चीज़ डिज़ाइन कर भी लेते हैं, जिसके बारे में आपको लगता है कि यह काम कर सकता है, इसे पूरा करने के लिए आपको दुनिया की पूरी आबादी को एक नई चीज़ से संक्रमित करना होगा।'

'बिलकुल सही।' सिंस्की ने कहा। उसे इस बात से कोई ख़ास हैरानी नहीं हुई। 'लेकिन एक इससे भी बड़ा मुद्दा है। शायद हम इसे रोकना ही नहीं चाहें।'

उसकी बात सुनकर सिएना को अचानक कुछ समझ में नहीं आया। 'क्या कहा आपने?'

'मिस ब्रुक्स, मैं बर्ट्रेंड के तौर-तरीकों से असहमत हो सकती हूँ, लेकिन दुनिया के बारे में उसका आकलन सही है। हमारी धरती आज अत्यधिक जनसंख्या की गंभीर समस्या से जूझ रही है। अगर हम बर्ट्रेंड के वायरस के प्रभाव को समाप्त करने में कामयाब हो गए और हमारे पास इस समस्या का वैकल्पिक समाधान नहीं मिला तो फिर वही पुरानी वाली स्थिति कायम हो जाएगी।'

सिएना के चेहरे पर इस बात को सुनकर हुई हैरानी इतनी स्पष्ट दिखाई दे रही थी कि सिंस्की उसकी ओर देखकर थकी हुई मुस्कराहट बिखेरकर बोली, 'मुझसे तुम यह बात सुनने की उम्मीद नहीं कर रही थी?'

सिएना ने अपना सिर हिलाया। 'मुझे लगता है, नहीं। मेरी समझ में नहीं आ रहा कि अब मुझे किस चीज़ की उम्मीद करनी चाहिए।'

'तो शायद मैं तुम्हें और भी अधिक हैरान कर सकती हूँ।' सिंस्की ने बोलना जारी रखा। 'जैसा कि मैंने पहले बताया, दुनिया-भर की शीर्ष मेडिकल संस्थानों के नेता कुछ ही घंटों में जिनेवा में इकट्ठा हो रहे हैं। वे सभी इसके लिए कार्य-योजना बनाने के मकसद से इसी मुद्दे पर बात करने वाले हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन में काम करते हुए मैंने इससे अधिक महत्त्वपूर्ण बैठक में आज तक भाग नहीं लिया है।' वह नवयुवती डॉक्टर की ओर देख रही थी। 'सिएना, मैं चाहती हूँ कि तुम भी इस मीटिंग में भाग लो।'

'मैं?' सिएना घबराकर पीछे हट गई। 'मैं जीन-इंजीनियर नहीं हूँ। मैंने आपको अपनी जानकारी में सभी बातें बता दी।' उसने सिंस्की के नोटपैड की तरफ इशारा किया। 'मुझे, जो कुछ भी बताना था वह आपके नोटपैड में लिखा है।'

'नहीं, ऐसा बिलकुल नहीं है।' लैंग्डन ने उसे टोका। 'सिएना, इस वायरस के बारे में किसी भी सार्थक बातचीत के लिए संदर्भ की जानकारी आवश्यक होगी। डॉक्टर सिंस्की और उनकी टीम को इस संकट का सामना करने उठाए जाने वाले कदमों के मूल्यांकन के लिए

एक नैतिक ढाँचे को खड़ा करना होगा। ज़ाहिर है कि वे इस बातचीत में तुम्हारी उपस्थिति को महत्त्वपूर्ण मान रही हैं।'

'मुझे लगता है कि मेरा नैतिक फ्रेमवर्क शायद विश्व स्वास्थ्य संगठन को पसंद नहीं आएगा।'

'शायद नहीं।' लैंग्डन ने कहा। 'इसीलिए तो तुम्हारा वहाँ रहना ज़रूरी है। तुम इस मुद्दे पर गंभीरता से सोचने वाले लोगों की नई पीढ़ी में शामिल हो। तुम मुद्दों के बारे में अलग दृष्टिकोण पेश कर सकती हो। तुम उन्हें बर्ट्रैंड जैसे भविष्यद्रष्टा और अत्यंत प्रतिभाशाली व्यक्तियों के मस्तिष्क के काम करने के तौर तरीकों के बारे में बता सकती हो। अपने मूल्यों में उनका इतना दृढ़ विश्वास होता है कि वे इन्हें अंजाम देने का जिम्मा अपने हाथों में ले लेते हैं।'

'बर्ट्रैंड ऐसा करने वाले लोगों में पहला व्यक्ति नहीं था।'

'नहीं।' सिंस्की ने उसे टोका। 'और वह आख़िरी भी नहीं है। हर महीने विश्व स्वास्थ्य संगठन ऐसे लैब का पता लगाता है, जहाँ वैज्ञानिक इस तरह के क्षेत्रों में काम रहे होते हैं, जिनके बारे में नैतिक स्पष्टता नहीं है। इनमें मानव के स्टेम सेल के साथ प्रयोगों से लेकर इस तरह की नई प्रजातियों को पैदा करने से संबंधित प्रयोग शामिल होते हैं जिनका अभी प्रकृति में अस्तित्व ही नहीं है। यह परेशान करने वाली बात है। विज्ञान आज इतनी तेज़ी से आगे बढ़ रहा है कि इसकी सीमा-रेखा कहाँ खींची जाएगी इसके बारे में किसी को पता नहीं।'

सिएना के पास सहमत होने के सिवा कोई चारा नहीं था। अभी हाल में ही दो अत्यंत प्रतिष्ठित वायरस वैज्ञानिकों, फॉशिए और कावाओका ने एक ख़तरनाक विषाणु स्वरूप H^5N^1 वायरस का निर्माण किया। उनका उद्देश्य शुद्ध रूप से अकादमिक था, लेकिन इस नए वायरस में कुछ ऐसी क्षमताएँ थीं जिसने जैव-सुरक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को चौंका दिया। इसकी वजह से ऑनलाइन दुनिया में बड़ा बवंडर खड़ी हो गया।'

'मुझे लगता है कि मामला और भी गंदा होने वाला है।' सिंस्की ने कहा। 'हम कुछ ऐसी तकनीकों को खोजने की कगार पर हैं जिनके बारे में अभी कल्पना भी नहीं की जा सकती।'

'और नए किस्म के दर्शन भी।' सिएना ने अपनी ओर से जोड़ा। 'ट्रांसह्युमेनिस्ट आँदोलन अब बड़े पैमाने पर खुल कर मुख्यधारा में शामिल होने वाला है। इसकी एक बुनियादी मान्यता है कि मनुष्य के रूप में अपनी प्रजाति के विकास की प्रक्रिया में शामिल होना इसकी नैतिक ज़िम्मेदारी है। हमारी प्रजाति को विकसित करने, बेहतर मानव यानी कि अधिक स्वस्थ, मज़बूत और उच्चतर मानसिक क्षमता वाले मनुष्य के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल। ये सारी चीज़ें बहुत जल्द मुमकिन होने वाली हैं।'

'और तुम्हें यह नहीं लगता कि ये मान्यताएँ प्रजातियों के विकास की प्राकृतिक प्रक्रिया के विपरीत हैं?'

'नहीं।' सिएना ने बिना हिचकिचाए जवाब दिया। 'हज़ारों वर्षों से मानव प्रजाति का क्रमिक विकास हो रहा है। इस दौरान उसने अनेक तकनीकों का निर्माण किया है। लकड़ी को रगड़कर गर्मी पैदा करना, पेट भरने के लिए खेती की शुरुआत, रोग से लड़ने के लिए टीके का निर्माण और अब जीन संबंधी औजारों का आविष्कार जिनसे हम अपने शरीर को इस बदलती दुनिया में ज़िंदा रखने में सक्षम हो सकते हैं।' वह रुकी। 'मुझे लगता है कि मानव विकास की प्रक्रिया में जीन-इंजीनियरिंग एक स्वाभाविक पड़ाव है।'

सिंस्की चुप थी। वह गहरे सोच में डूबी हुई थी। 'यानी कि तुम्हें लगता है कि हमें उनका दिल खोलकर स्वागत करना चाहिए।'

'अगर हम इन्हें नहीं अपनाते हैं,' सिएना ने जवाब दिया। 'तो हमें जीने का ठीक उसी तरह अधिकार नहीं है जैसे गुफा में ठिठुर कर जी रहे उस आदमी का, जो आग जलाने से डरता है।'

कमरे में उसकी आवाज़ काफी देर तक तैरती रही। सभी लोग चुप थे।

लैंग्डन ने लोगों की चुप्पी तोड़ी। 'वैसे सुनने में ये बात पुराने ढर्रे की लग सकती है,' उसने अपनी बात शुरू की, 'लेकिन हमलोगो डार्विन के सिद्धांतों को पढ़कर बड़े हुए। मैं प्रजातियों के विकास की प्राकृतिक प्रक्रिया को तेज़ करने के पीछे काम कर रही मानसिकता पर सवाल उठाने से ख़ुद को रोक नहीं पा रहा हूँ।'

'रॉबर्ट,' सिएना ने ज़ोर देकर कहा। 'जीन इंजीनियरिंग प्रजातियों के विकास की प्रक्रिया को तेज़ करने की बात नहीं करता। यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया ही है! आप भूल जाते हैं कि बर्ट्रेंड जोब्रिस्ट को भी विकास की इसी प्रक्रिया ने जन्म दिया है। जिस प्रक्रिया की व्याख्या डार्विन ने की उसी प्रक्रिया के तहत जोब्रिस्ट की अतिविकसित प्रतिभा भी आती है. . .वक़्त के साथ होने वाली विकास की प्रक्रिया। जीन विज्ञान के बारे में जोब्रिस्ट की सोच किसी दैवी प्रेरणा से पैदा नहीं हुई है..यह सैकड़ों वर्षों से चल रहे मानव विकास का ही परिणाम है।'

लैंग्डन चुप हो गया। ऐसा लगा कि वह इस सुझाव के बारे में सोच रहा था।

'डार्विनवादी के तौर पर,' उसने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, 'आप जानते हैं कि प्रकृति ने हमेशा मानव की आबादी पर नियंत्रण के तरीके ढूंढे हैं जैसे कि प्लेग, अकाल, बाढ़ वगैरह, लेकिन मैं आप से एक सवाल पूछती हूँ। क्या यह संभव नहीं कि प्रकृति ने इस बार कोई दूसरा तरीका ढूँढ़ निकाला हो? हमारे लिए भयंकर महामारियों और आपदा की बजाय. . .शायद प्रकृति ने विकास की प्रक्रिया में एक वैज्ञानिक को पैदा किया जिसने समय के साथ हमारी जनसंख्या को कम करने का तरीका ढूँढ़ निकाला। न कोई प्लेग, न कोई मौत। बस

एक ऐसी प्रजाति, जो अपने परिवेश के साथ तालमेल बिठा कर चल रही है।'

'सिएना,' सिंस्की ने उसे टोका। 'काफी देर हो चुकी है। हमें जाना चाहिए, लेकिन जाने के पहले मैं एक और बात स्पष्ट करना चाहता हूँ। तुमने मुझे आज की रात बार-बार ये कहा है कि बर्ट्रैंड शैतान नहीं था..वह मानवता से प्यार करता था और वह शिद्दत से महसूस करता था कि हमारी प्रजाति को बचाने की ज़रूरत है। इसी के आधार पर वह इतने बड़े, कठोर कदम को जायज ठहराता था।'

सिएना ने सिर हिलाया। 'हमारे लक्ष्य ही उसे हासिल करने के तरीकों को सही साबित करते हैं।' उसने फ्लोरेंस के शातिर और बदनाम राजनीतिक सिद्धांतकार मैकियावली को उद्धृत किया।

'तो फिर बताओ,' सिंस्की ने पूछा। 'तुम क्या सचमुच यकीन करती हो कि हमारे लक्ष्य उन्हें हासिल करने के साधनों को सही साबित करने के लिए काफी हैं? क्या तुम्हें यकीन है कि दुनिया की रक्षा करने के बारे में बर्ट्रैंड का उद्देश्य इतना महान था इस वायरस को रिलीज करना भी जायज ठहराया जा सकता है?'

कमरे में तनाव भरी चुप्पी फैल गई।

सिएना आगे की ओर झुक गई। वह मेज़ के नज़दीक थी। उसके चेहरे पर दृढ़ निश्चय झलक रहा था। 'डॉक्टर सिंस्की, जैसा कि मैंने आपको बताया, मैं जानता हूँ कि बर्ट्रैंड ने यह काम बिना सोचे-समझे किया और यह काफी ख़तरनाक भी है। अगर मैं उसे रोक सकती तो मैं उसे ज़रूर रोकती, एक पल में रोकती। आप मेरा यकीन मानिए।'

एलिज़ाबेथ सिंस्की मेज़ पर आगे झुकी और उसने बड़े प्यार से सिएना का हाथ अपने हाथ में ले लिया। 'मैं तुम्हारी बात पर यकीन करती हूँ सिएना। तुम्हारे कहे एक एक शब्द पर यकीन करती हूँ।'

103

सूर्योदय से ठीक पहले का वक़्त। अतातुर्क एयरपोर्ट की हवा में सिहरन थी। चारों तरफ कुहरा छाया था। प्राइवेट टर्मिनल के टारमैक के आसपास भी हल्की-सी धुंध छाई थी।

लैंग्डन, सिएना और सिंस्की टाउन कार से वहाँ पहुँचे, जहाँ विश्व स्वास्थ्य संगठन का एक कर्मचारी उनका इंतज़ार कर रहा था। उसने उन्हें गाड़ी से निकलने में मदद की।

‘आप जब भी तैयार हों, हमें बता दें। हम लोग तैयार हैं, मैडम।’ उस व्यक्ति ने कहा और तीनो को लेकर टर्मिनल बिल्डिंग के अंदर चला गया।

‘और मिस्टर लैंग्डन की व्यवस्था?’ सिंस्की ने पूछा।

‘फ़्लोरेंस के लिए निजी जहाज़। उनके लिए अस्थाई यात्रा कागज़ात जहाज़ के अंदर रखे हैं।’

सिंस्की ने सिर हिलाकर उसकी बातों पर प्रसन्नता ज़ाहिर की। ‘और वह दूसरी चीज़, जिसके बारे में हम लोगों ने चर्चा की थी?’

‘उसपर भी काम चालू हो चुका है। जितनी जल्दी संभव होगा, पैकेज पहुँचा दिया जाएगा।’

सिंस्की ने उस आदमी को शुक्रिया कहा, जो अब टारमैक को पार कर जहाज़ की तरफ जा रहा था। वह लैंग्डन की ओर मुड़ी। ‘आपने फैसला कर लिया है कि आप हमारे साथ नहीं चलेंगे?’ उसने लैंग्डन की तरफ एक थकी मुस्कान से देखा और अपने सफेद बाल कान के पीछे खोंस लिया।

‘परिस्थितियों को देखते हुए,’ लैंग्डन ने मज़ाकिया लहज़े में कहा, ‘मुझे नहीं लगता कि कला का प्रोफेसर इसमें कोई योगदान कर पाएगा।’

‘आपने काफी कुछ दिया है।’ सिंस्की ने कहा। ‘आपकी अपनी जानकारी से अधिक। इनमें से इस बात का योगदान कोई कम नहीं कि. . .’ उसने अपने बगल में खड़ी सिएना की तरफ दिखाते हुए कहा, लेकिन तब तक सिएना वहाँ से जा चुकी थी। वह करीब 20 गज दूर खड़ी थी। वह बड़ी-सी खिड़की के पास खड़े होकर सी-130 को निहार रही थी, जो उनका इंतज़ार कर रहा था। सिएना किसी गहरी सोच में डूबी थी।

‘उस पर भरोसा करने के लिए आपका शुक्रिया।’ लैंग्डन ने शांत भाव से कहा। ‘मुझे लगता है कि उसे अपनी ज़िंदगी में लोगों का भरोसा कम ही हासिल हुआ है।’

‘मुझे लगता है कि सिएना ब्रुक्स और मैं एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं।’ सिंस्की ने अपनी हथेली आगे बढ़ाई। ‘ईश्वर आप पर अपनी कृपा बनाए रखें।’

‘और आपको. . .,’ लैंग्डन ने उससे हाथ मिलाते हुए कहा, ‘जिनेवा के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ।’

‘हमें इसकी ज़रूरत है।’ उसने यह बोलते हुए सिएना को देखकर सिर हिलाया। मैं आप

दोनों के लिए एकांत में थोड़ा वक़्त देना चाहती हूँ। जब आप तैयार हों तो उसे बाहर भेज दें।'

टर्मिनल की ओर जाते हुए सिंस्की ने यूँ ही अपनी जेब को टटोला और ताबीज़ के टूटे हुए टुकड़े को अपनी हथेलियों में कसकर जकड़ लिया।

'एसक्लेपियस के रॉड को छोड़ना नहीं।' उसके पीछे से लैंग्डन ने आवाज़ दी। 'इसकी मरम्मत हो सकती है।'

'शुक्रिया।' सिंस्की ने हाथ हिलाकर जवाब दिया। 'मुझे उम्मीद है कि हर चीज़ के साथ ऐसा ही है।'

सिएना ब्रुक्स खिड़की के पास अकेली खड़ी थी। वह रनवे की रोशनी को देख रही थी। हल्की, ज़मीन के बिलकुल करीब पसरी धुंध और बादलों के बीच रोशनी भुतहा नज़ारा फैला रही थी। दूर कंट्रोल टावर के ऊपर, तुर्की का झंडा शान से फहरा रहा था–लाल रंग की ज़मीन पर चाँद-सितारों का प्राचीन चिह्न, ओटोमन साम्राज्य का प्रतीक चिह्न। आज की आधुनिक दुनिया में गर्व से लहराता।

'तुम्हारी सोच के लिए एक टर्किश लीरा,' पीछे से किसी की गंभीर आवाज़ सुनाई दी।

सिएना ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 'तूफान आने वाला है।'

'हाँ, मुझे पता है।' लैंग्डन ने शांत भाव से कहा।

काफी देर के बाद सिएना उसकी ओर मुड़ी। 'मैं चाहती थी कि आप भी जिनेवा चलते।'

'तुमसे यह सुनकर अच्छा लगा।' उसने जवाब दिया। 'लेकिन तुम तो भविष्य के बारे में बातें करने में व्यस्त रहोगी। पुराने ख्यालों वाला कॉलेज प्रोफेसर तुम्हारी रफ्तार धीमा करे, ऐसा तो तुम नहीं चाहोगी।'

उसने लैंग्डन की ओर आश्चर्य के भाव से देखा। 'आप सोचते हैं कि आप मेरे लिए बहुत उम्रदराज़ हैं? है न?'

लैंग्डन ज़ोर से हँसा। 'सिएना, बेशक मैं तुम्हारे लिए बूढ़ा हूँ।'

वह असहज होकर दूसरी तरफ मुड़ी। वह सकपका गई थी। 'ठीक है. . .लेकिन आपको कम-से-कम ये तो पता रहेगा कि मुझे कहाँ ढूँढ़ा जा सकता है।' उसने कम उम्र की लड़कियों की तरह कंधे उचकाए। 'मेरा मतलब है कि. . .अगर आप मुझसे कभी मिलना चाहें तो।'

वह उसकी ओर देखकर मुस्कराया। 'मुझे अच्छा लगेगा।'

उसके अंदरथोड़े-से उत्साह का संचार हुआ, लेकिन उनके बीच अब भी एक लंबी चुप्पी छाई रही। वे दोनों ही समझ नहीं पा रहे थे कि एक-दूसरे को अलविदा कैसे कहें।

अमेरिकी प्रोफेसर की तरफ देखते हुए सिएना के अंदर कोमल भावों का तूफ़ान उठ रहा था, कुछ ऐसे भाव जिनसे वह पूर्व-परिचित नहीं थी। वह बिना किसी भूमिका के उठकर खड़ी हो गई। अंगूठे के बल उचककर उसने लैंग्डन के होंठों पर चुंबन लेना शुरू कर दिया। जब वह हटी तो उसकी आँखों में आँसू थे। 'मुझे आपके बिना अच्छा नहीं लगेगा।' उसने फुसफुसाते हुए कहा।

लैंग्डन के चेहरे पर प्यार भरी मुस्कान फैली हुई थी। उसने सिएना को अपनी बाँहों में भरते हुए कहा, 'मुझे भी तुम्हारे बिना अच्छा नहीं लगेगा।'

वे दोनों एक-दूसरे को बाँहों में भरकर काफी देर तक खड़े रहे। दोनों में से कोई भी इस आलिंगन को ख़त्म नहीं करना चाहता था। फिर लैंग्डन बोला, 'यह एक पुरानी कहावत है. . .इसे लोग दांते से जोड़ते हैं. . .' वह रुका। 'आज की रात याद रखना. . .यह कभी ख़त्म नहीं होने वाले दौर की शुरुआत है।'

'शुक्रिया, रॉबर्ट।' उसने कहा। उसकी आँखों से आँसुओं की धार बह निकली। 'मुझे आख़िरकार लग रहा है कि मेरी ज़िंदगी का भी कोई मकसद है।'

लैंग्डन ने उसे अपने पास खींच लिया। 'तुम हमेशा कहती थी कि तुम्हें इस दुनिया को बचाना है, सिएना। शायद यही तुम्हारा अवसर है।'

सिएना धीरे-से मुस्कराई। वह दूसरी ओर मुड़ गई। टारमैक पर खड़े सी-130 की ओर अकेले जाते हुए सिएना के दिमाग में सभी घटनाएँ उमड़-घुमड़ रही थी. . .वह भविष्य में संभावित घटनाओं के बारे में सोच रही थी. . .और अपने भविष्य के बारे में भी।

आज की रात याद रखना। उसने अपने आप से दोहराया।

वह प्रार्थना कर रही थी कि दांते की बात सच हो।

104

दोपहर के बाद हल्के पीले रंग का सूरज पिआत्ज़ा डेल डुओमो के ऊपर लटका हुआ दिखाई दे रहा था। जिओटो के घंटे पर लगी सफेद टाइलों टकराकर से इसकी रोशनी छिटक रही थी, जो सांता मारिया डेल फिओर्से के शानदार कैथेड्रल पर गिर रही थी।

इग्नाजियो बुसोनी का अंतिम संस्कार अभी-अभी शुरू हुआ था। रॉबर्ट लैंग्डन चुपचाप कैथेड्रल में आकर अपनी सीट पर बैठ गया। उसे खुशी थी कि इग्नाजियो का अंतिम संस्कार इस स्थान पर आयोजित हो रहा था, इस प्राचीन बेसिलिका में जिसकी निगरानी उसने सालों साल की थी।

वैसे तो इसके सामने का हिस्सा काफी आकर्षक था, लेकिन आज फ़्लोरेंस का यह कैथेड्रल बिलकुल खाली था। यह पूरी तरह सादा और अंधेरे में डूबा हुआ लग रहा था। इसके बावजूद, सादगीपूर्ण इस सैंक्चुअरी के भीतर उत्सव का माहौल लग रहा था। इटली के हर इलाके से सरकारी अधिकारी, दोस्त और कला की दुनिया के उसके दोस्त इस चर्च में उपस्थित हुए थे। वह सचमुच खुशियाँ बिखेरने वाला एक व्यक्ति था जिसे प्यार से लोग *इल डुओमिनो* कहते थे।

मीडिया ने ख़बर दी थी कि बुसोनी की मौत अपना पसंदीदा काम करते हुए हुई थी–यानी डुओमो के चारों तरफ रात के वक़्त टहलते हुए। यह काम उसे सबसे प्यारा लगता था।

अंतिम संस्कार में पता नहीं क्यों उत्साह का माहौल लग रहा था। दोस्त और परिवार के लोग उसे याद करते हुए चुटकुले सुना रहे थे और हँसी खुशी में डूबे प्रसंगों को याद कर रहे थे। उसके एक सहकर्मी ने बताया कि बुसोनी कहता था कि रेनासाँस कला के प्रति उसका प्रेम बोलोना के स्पाघेटी और कारामेल *बुडिनो* से किसी भी तरह कम नहीं था।

अंतिम संस्कार का अनुष्ठान समाप्त होते ही शोक सभा में आए लोग एक-दूसरे से मिलने जुलने लगे। वे इग्नाजियो की ज़िंदगी के किस्सों को याद कर रहे थे। लैंग्डन डुओमो के भीतरी हिस्से में इधर-उधर चहल कदमी कर रहा था। वह वासारी के *लास्ट जजमेंट* नाम की कलाकृति को देखकर उसकी प्रशंसा कर रहा था। गुंबद के नीचे बने इस कलाकृति को इग्नाजियो दिल से पसंद करता था। इसके साथ ही डोनाटेलो तथा घिबर्टी के स्टेन्ड ग्लास वाली खिड़की, उचेल्लो की घड़ी और ज़मीन पर मोजैक की बनी पगडंडी भी बुसोनी को बहुत पसंद थी, हालाँकि ज्यादातर लोगों की नज़र इस पर नहीं पड़ती थी।

कुछ देर बाद लैंग्डन ने अपने सामने एक परिचित व्यक्ति का चेहरा देखा। दांते अलीगेरी। मिशेलिनो के विख्यात फ्रेस्को में इस महान कवि को माउंट पर्गेटरी के सामने खड़ा दिखाया गया था। उन्होंने अपने हाथ में अपनी ओर से एक विनम्र पेशकश भी पकड़ रखी थी–अपना

मास्टरपीस द डिवाइन कॉमेडी।

लैंग्डन सोच रहा था कि पता नहीं अगर दांते को सदियों बाद अपने इस महाकाव्य के दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जानकारी होती तो वह आज क्या सोचते। शायद आज की दुनिया की वह कल्पना भी नहीं कर पाते।

उन्होंने अमर जीवन को हासिल किया, इटर्नल लाइफ, लैंग्डन यश और ख्याति के बारे में प्राचीन ग्रीक दार्शनिक के विचारों के बारे में सोचने लगा। *जब तक लोग तुम्हारे नाम को याद रखेंगे, तुम्हारी मौत नहीं होगी।*

लैंग्डन जब पिआत्ज़ा सेंट एलिजाबेट्टा को पार करते हुए अपने ख़ूबसूरत होटल ब्रुनेलेस्की की ओर जा रहा था, उस समय तक शाम ढलने लगी थी। ऊपर उसके कमरे में उसे काफी बड़े आकार का एक पैकेट रखा हुआ था जिसे देखकर लैंग्डन को काफी खुशी हुई।

आख़िर सामान पहुँच गया।

वही पैकेट जिसे मैंने सिंस्की से माँगा था।

पैकेट के सील को लैंग्डन ने जल्दी-जल्दी खोला और इसके अंदर रखे कीमती सामानों को बाहर निकालने लगा।उसे यह देखकर अच्छा लगा कि इसे ख़ूबसूरती के साथ बबल-रैप के अंदर पैक किया गया था।

लैंग्डन को आश्चर्य हुआ कि इस पैकेट के अंदर कुछ और भी चीज़ें रखी थी। ऐसा लग रहा था कि सिंस्की ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर उसके द्वारा मांगी गई चीज़ों के अलावा भी कुछ सामान रखवा दिए थे। इस पैकेट के अंदर लैंग्डन के अपने कपड़े रखे थे-बटन वाली शर्ट, खाकी पैंट और उसकी घिस चुकी हैरिस ट्वीड जैकेट। सभी करीने से धुली और इस्तरी की हुई।यहाँ तक कि उसका कोर्डोवैन चप्पल को भी अच्छी तरह साफ और पॉलिश किया हुआ। पैकेट के अंदर उसे अपना बटुआ देखकर खुशी हो रही थी।

लेकिन लैंग्डन की नज़र आख़िर में जिस चीज़ पर पड़ी उसे देखकर उसके चेहरे पर मुस्कराहट फैल गई। उसे थोड़ी राहत का अनुभव भी हो रहा था कि उसका सामान वापस मिल गया था. . .लेकिन उसे संकोच भी हो रहा था कि वह इसे इतना अधिक पसंद क्यों करता था।

मेरी मिकी माउस घड़ी।

लैंग्डन ने तुरंत ख़ास चीज़, अपनी घड़ी को कलाई पर बाँध लिया।अपनी त्वचा पर घिसे हुए बेल्ट का स्पर्श अजीब ढंग से सुरक्षित महसूस कर रहा था। जब वह अपने कपड़ों को पहनकर तैयार हुआ और उसने अपनी चप्पल पहनी, रॉबर्ट लैंग्डन को लगा कि वह अपने पुराने स्वरूप में वापस आ गया था।

लैंग्डन होटल से बाहर निकला। वह होटल ब्रुनेलेस्की के टोटे बैग में अपने नाज़ुक सामान को लेकर जब होटल से बाहर आया जिसे उसने होटल के कंसिएर्ज से उधार लिया था।

आज की शाम सामान्य दिनों से कहीं ज़्यादा गर्म थी जिसकी वजह से विया डेइ कैलजुओली के साथ आगे बढ़कर पालाजो वेखियो के कंगूरे की तरफ टहलकर जाते हुए उसे लग रहा था जैसे वह कोई सपना देख रहा हो।

वहाँ पहुँचकर लैंग्डन ने सुरक्षा डेस्क पर पता किया, जहाँ उसका नाम मार्टा अल्वारेज से मिलने वाले लोगों की सूची में दर्ज था। उसे हॉल ऑफ़ द फाइव हँड्रेड की तरफ ले जाया गया, जहाँ इस वक़्त भी काफी सैलानी दिखाई दे रहे थे। लैंग्डन ने सोचा था कि मार्टा उससे प्रवेश-द्वार के पास ही मिलेगी, लेकिन वह कहीं भी नज़र नहीं आ रही थी।

उसने वहाँ से गुज़र रहे पर्यटकों को गाइड करने वाले डोसेंट को पास बुलाया।

'माफ करना,' लैंग्डन ने कहा। *'मैं मार्ट अल्वारेज से कहाँ मिल सकता हूँ?'*

डोसेंट के चेहरे पर मुस्कराहट फैल गई। *'अल्वारेज मैडम? वह यहाँ नहीं है। उसे बच्चा हुआ है। कैटेलिना, बहुत ही सुंदर बच्ची।* उसने जवाब दिया। *'बहुत ही सुंदर।'*

मार्टा के बारे में इस अच्छी ख़बर को सुनकर लैंग्डन ख़ुश हुआ। *'वाह, बहुत ही सुंदर।'*

डोसेंट तेज़ी से बाहर निकल गया। लैंग्डन सोचने लगा कि वह अपने साथ लाए पैकेट का क्या करे।

उसने जल्द ही इसके बारे में सोच लिया। भीड़भाड़ हॉल ऑफ़ फाइव हँड्रेड के हॉल को पार कर रहा था। उसे अपने ऊपर वासारी का म्यूरल दिखाई दे रहा था। अब वह सुरक्षा कर्मचारियों की नज़रों से बचता हुआ पालाज़ो म्यूजियम की ओर जा रहा था।

अंत में वह म्यूजियम के एंडिटो के बाहर पहुँच गया। वहाँ गलियारे में अंधेरा छाया था जिसे रस्सी के बने बाड़े से घेरकर रखा गया था। वहाँ लिखा था चियुसो/क्लोज़्ड।

लैंग्डन ने सावधानी से चारों तरफ नज़र दौड़ाई और चुपचाप रस्सी के अंदर से निकलकर दूसरी ओर चला गया, जहाँ अंधेरा फैला हुआ था। उसने सावधानी से अपना टोटे बैग खोलकर इसके भीतर से एक नाज़ुक सामान को बाहर निकालकर इसके बबल-रैप को खोलने लगा।

जैसे ही प्लास्टिक की ज़िल्द हटी, दांते का डेथ-मास्क अंदर से उसकी ओर झाँकने लगा। नाज़ुक प्लास्टर इस वक़्त भी जिपलौक के अंदर बंद था जिसे लैंग्डन के आदेश के अनुसार वेनिस ट्रेन स्टेशन के लॉकर से निकालकर लाया गया था। मास्क में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं दिखाई दे रही थी। हाँ, इसमें एक चीज़ जुड़ गई थी। चक्करदार ढंग से बने इस मास्क के पिछले हिस्से में ख़ूबसूरत लिखाई में उद्धृत कविता।

लैंग्डन ने इस प्राचीन कलाकृति के डिस्प्ले केस पर नज़र दौड़ाई। *दांते का डेथ मास्क लोगों के देखने के लिए सामने से रखा जाता है। इसके पीछे की लिखावट किसी को नज़र नहीं आएगी।*

उसने सावधानी से जिपलॉक के भीतर से डेथ-मास्क को बाहर निकाला और गौर से दांते

के पीले पड़ चुके चेहरे को देखने लगा। अंधेरे कमरे में यह भुतहा-सा दिख रहा था। *अंततः घर को वापसी।*

कमरे से निकलने के पहले लैंग्डन ने सावधानी से दरवाज़े पर लगे रस्सियों के बाड़े और बाकी अवरोधों को हटाया। गैलरी को पार करने के बाद वह एक नवयुवती से बात करने लगा, जो वहाँ डोसेंट का काम करती थी।

'*मैडम।*' लैंग्डन ने कहा। 'लैंग्डन के मौत के मुखौटे के ऊपर लगी बत्ती को जला दीजिए। अंधेरे में वहाँ कुछ भी देख पाना मुश्किल है।'

'आइ एम सॉरी।' औरत ने कहा। 'उस जगह को अभी बंद रखा गया है। वहाँ अब दांते का मुखौटा नहीं है।'

'अजीब बात है।' लैंग्डन ने झूठ-मूठ अपने चेहरे पर आश्चर्य का भाव लाकर कहा। 'मैं तो अभी इसकी तारीफ कर रहा था।'

उस औरत के चेहरे पर हैरानी का भाव दिखाई दे रहा था।

औरत जैसे ही *एंडिटो* की ओर तेज़ी से बढ़ी, लैंग्डन म्यूजियम से चुपचाप खिसक गया।

उपसंहार

बिस्के खाड़ी के ऊपर चौंतीस हज़ार किलोमीटर की ऊँचाई पर एलिटालिया का बोस्टन जा रहा रेड-आई चाँद की रोशनी से चमक रहे आसमान में उड़ा जा रहा था।

विमान पर बैठा लैंग्डन *द डिवाइन कॉमेडी* के पेपरबैक प्रकाशन को पढ़ने में तल्लीन था। कविता का सुरीला टर्जा रिमा तुक जेट इंजन की घनघनाहट के साथ मिलकर उसे जैसे तंद्रा की अवस्था में ले जा चुका था। उस पर जैसे किसी ने हिप्नोटिज्म कर दिया था। पेज से छन कर दांते के शब्द उसके हृदय में स्पंदन पैदा कर रहे थे। उसे लग रहा था जैसे ये शब्द इसी वक़्त उसी के लिए लिखे गए हैं।

लैंग्डन को याद आ रहा था कि दांते की कविता नरक की वेदना से अधिक किसी भी चुनौती, चाहे वह कितनी भी बड़ी क्यों न हो, का सामना करने की मानवीय आत्मा की शक्ति के बारे में निर्दिष्ट था।

खिड़की के बाहर पूर्णिमा का चाँद निकल चुका था। रात के अंधेरे में चमकते चाँद ने आकाश में उगे सभी ग्रहों नक्षत्रों को छुपा दिया था। लैंग्डन अपने खयालों में खोया बाहर आसमान को देख रहा था। वह पिछले कुछ दिनों में घटी घटनाओं को याद कर रहा था।

नैतिक संकट के समय तटस्थ रहने वाले लोगों के लिए नरक के सबसे अंधेरा कोने में जगह सुरक्षित रहती है। लैंग्डन को इन शब्दों का अर्थ आज के पहले इतनी स्पष्टता के साथ कभी समझ में नहीं आया था। *ख़तरनाक वक़्त में निष्क्रियता से बढ़कर कोई पाप नहीं होता।*

लैंग्डन जानता था कि लाखों लोगों की तरह वह भी इसका दोषी था। दुनिया की परिस्थितियों की जब बात होती थी तो सचाई से आँख मूंदना एक महामारी बन चुकी थी। लैंग्डन ने ख़ुद से वादा किया कि वह इसे कभी नहीं भूलेगा।

जहाज़ पश्चिम दिशा में बढ़ता जा रहा था और लैंग्डन उन दो साहसी महिलाओं को याद कर रहा था, जो इस वक़्त जिनेवा मे थी और भविष्य से निडर होकर एक बदली हुई दुनिया की जटिलताओं का आमने सामने भिड़ंत कर रही थी।

खिड़की के बाहर आसमान में दूर कहीं बादलों का झुंड दिखाई दे रहा था, जो धीरे-धीरे दूसरी ओर चला जा रहा था।अंत में चाँद को पार करते हुए ये बादल उसकी रोशनी को अब रोक रहे थे।

रॉबर्ट लैंग्डन अपनी सीट पर आराम से बैठ गया। उसे लगा कि उसके सोने का वक़्त हो गया था।

उसने अपने सिर के ऊपर लगी बत्ती बुझाकर अपनी आँखें बंद की और आख़िरी बार आसमान की ओर देखने लगा। बाहर अभी-अभी फैले अंधेरे के बीच दुनिया बदल चुकी थी। आसमान सितारों के चमकते चादर में तब्दील हो चुका था।

THE BEGINNING

पेंगुइन स्वदेश
यूएसए । कनाडा । यूके । आयरलैंड । ऑस्ट्रेलिया। सिंगापुर
न्यूज़ीलैंड । भारत । दक्षिण अफ्रीका । चीन

पेंगुइन स्वदेश, पेंगुइन रैंडम हाउस ग्रुप ऑफ़ कम्पनीज़ का हिस्सा है, जिसका पता
global.penguinrandomhouse.com पर मिलेगा

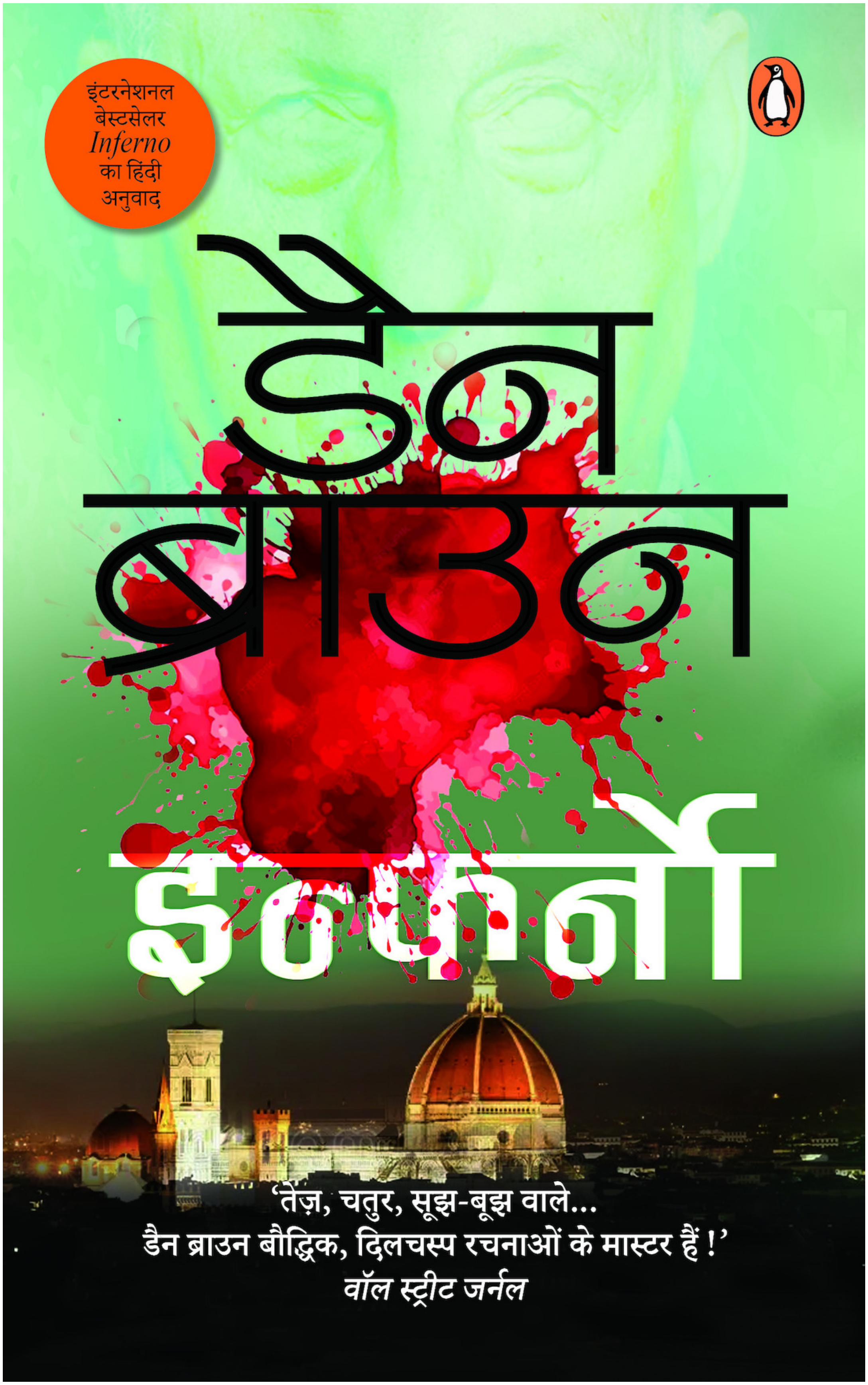
पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्रा. लि.
चौथी मंजिल, कैपिटल टावर 1, एमजी रोड, गुरुग्राम 122002, हरियाणा, भारत

पेंगुइन
रैंडम हाउस
इंडिया

यह हिंदी संस्करण पेंगुइन स्वदेश में पेंगुइन रैंडम हाउस द्वारा 2024 में प्रकाशित

This digital edition published in 2024.
eISBN: 978-9-357-08356-0

www.penguin.co.in


इंटरनेशनल
बेस्टसेलर
Inferno
का हिंदी
अनुवाद
डैन
ब्राउन
इन्फर्नो
'तेज़, चतुर, सूझ-बूझ वाले...
डैन ब्राउन बौद्धिक, दिलचस्प रचनाओं के मास्टर हैं!'
वॉल स्ट्रीट जर्नल